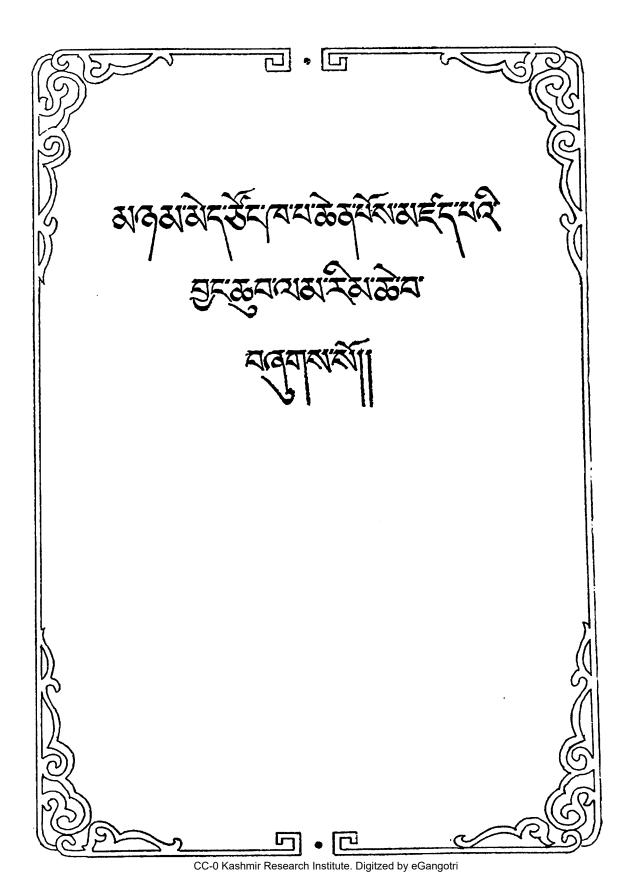


CC-0 Kashmir Research Institute. Digitzed by eGangotri





Printed and donated for free distribution by The Corporate Body of the Buddha Educational Foundation 11F., 55 Hang Chow South Road Sec 1, Taipei, Taiwan, R.O.C. Tel: 886-2-23951198, Fax: 886-2-23913415

Email: overseas@budaedu.org.tw Website: http://www.budaedu.org.tw

This book is strictly for free distribution only, it is not to be sold

इसर्भेवितियते मुंसर्टी स्वित्वित्त मुंसर्टी मुंस्य स्वित्व स्वत्य स्वर्ध स्वत्य स्वर्ध स्वत्य स्वर्ध स्वत्य स्वर्ध स्वर्ध स्वत्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्

क्रेशक्रायक्षेत्र युप्यस्यः

देश शे विश्व हैं 'सूर' दुयाय है 'हे 'प्रिव के 'ह 'प्रमुख 'प्र प्रमुख 'प्र हैं प्र हैं

५ग८.क्य

| ፃኒ | ыक्ट्रिंप्पच्ह्र्र्प्प | 1 | | | |
|--------|---|-----|--|--|--|
| | कूर्याविरस्राचर्चेषातायस्रेषातातुः द्विम। सहरातात्त्विः क्राचानस्रवाना | 3 | | | |
| | निर्मात्रकात्वात्वात्वात्वात्वात्वात्वात्वात्वात्व | | | | |
| લ્ડ્રે | यङ्गर्रायाद्मस्रश्चर् 'दग्वायासेर्'रु 'हेंग्रश'यंदे 'के'या | -12 | | | |
| ዛን | ๆผู้ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ ฺ | -16 | | | |
| ৬ঽ | कुलायदे 'न्बें हर्षा या यने 'स्वा 'मु 'हे न 'यदे 'के 'या | -19 | | | |
| اگر لھ | हेशः ह्ये ८ : क्रेब : च्रा निका सु : ये व्या चित्र : क्रें च्या | -19 | | | |
| 2 | ୩ୖୠୡ୳୳ଌୖ୳୳୩ୖୠୡ୳୵୵ୄ୴ୡ୳୳ୡୖଌ୕ୡ୳୰୲ୠୡ୳୳୶୵ୄୖଽୣ୴୵ୣୠ୳୰ୡୣ୲ | | | | |
| ፃኒ | র্ছু ম'ন্বর'র্মুন্তা | -20 | | | |
| | ক্রম 'মপ্র'র্ম্বরা | -27 | | | |
| Ϡ፞፞፞፞ | वर्षाःमुः द्वुत्रः सेटः दृः दृः द्वुः दवेः द्वुंवा | 31 | | | |
| | ସ ଜ୍ଞିୟଂଶ୍ୱରଣ୍ଟୟଂକ୍ଷ୍ୟୀନ୍ତିଶଂଖ୍ଲିସଂଷଂକ୍ଷିଂକ୍ଷ୍ୟଂସମ୍ବି'ସଦି'ନିଷଂସଂବ୍ୟା | | | | |
| ያኒ | वाश्राची ऋ.च.चर्चेश बाद्धेथ तर्द्धेथ तर्द्ध वी | -33 | | | |
| | ୳ୡୖ୶୶୶ୖଈ ୄୖଽୄୡ୵ୄୣଌୄ୵୳ୡ୕ୢୣ୶ୣୣ୷୰୶୶ୣ | | | | |
| ፃኒ | ५०१ पर्वः हे दःषः हे दःर्घः व्वदः प्रवेः श्वे रः दुः प्रह्मुवः प। | -77 | | | |
| ٩٦ | ব্ অ'বেট্র হ'র্ন ক্টব্'ব্রমম্য'য় | -79 | | | |
| | | -86 | | | |
| | विदेशत्त्रस्यत्ते स्र तिर ति विदेशक अक्षेत्र | -90 | | | |

भुषानु खुरादु राद्य से स्वार्थ से सुरास्य प्राय्य से

| ৽৴ৢ ০৳ বক্ট'ব'ব্ৰম্ব'ম'ম'বন্ধ্ৰীমশ্ব'মই দ্বীশ্বশ্বা | 98 |
|---|-----|
| ন ব ব ব ব বি ব | 100 |
| ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ ৽ | 102 |
| < े वक्क.व.रब.त.ह.स.र.वर्सुश्वशती | 103 |
| ५र् ८४.८ मुंदु. हैवा.पर्जंत.पश्चा.त। | 116 |
| वर्दमाहे दार्यु 'सर'यदे 'यदे 'वयशयहे द'य'वश्र | |
| १ वस्त्रयायायह्वायते स्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रस्त्र | 131 |
| ব বই'ঐল্ঝ'ষ্মঝ'ড্ব'ট্টি'স্ক'ব'ঊব'ক্টঝ'ঘবৈ'ব্ব'ঘ'বন্ধুব'ঘা | 158 |
| १२ यशःभुः रवः मृः द्रे वः वङ्ग्रवः यः मृत्वव। | 185 |
| नष अःवह्रम ःक्षिनःमुःनदेःक्ष्यःवश | |
| 1) 夏エロロロスローーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーーー | 192 |
| १ विर्त्यर हूँचश्र चलेश ब्रैट चर्च ख्री | 195 |
| ଞ୍ଜିଷ'ସ୍ତ'ଦମ୍ମିମ'ମ୍ୟୁଷ୍ଟ'ର୍ଭିମ'ସଦି'ଏଷ'ଗ୍ରି''ନିଷ'ୟ'ଖ୍ରୁମ'ସ'ଏଷ | |
| り | 207 |
| १ वर यर्देन महेर क्रेंद्र पर्यः विवसः यः स्वाप्तस्यः द्रा | |
| শুৰ,ওন্ত্ৰি, প্ৰান্ত প্ৰথম কাল | 208 |
| १ हेब प्रचेवायक यमा पर् महिषामी क्षें न्या प्रकार । | |
| ୯ ଧୁ ସକ୍ଷୟ:ସଂଞ୍ଜିଷ:ସଦ୍ଧ:ଛମ୍ମ | |
| ५} दे थ सेव हैं व प्रस्य पा | 258 |

| ^હ રે | हर य पर्वेर यथ यी रर प्रेंब मान्य य र्प प्राप्त विष्य विषय विष्य विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विष | 261 | | | |
|-----------------|--|-----|--|--|--|
| | ଌ ୍ପିଷ'ସ୍'ळेब'ସିସି'ଏ ଣ'ସ୍ପି' ×ିଷ'ସ'ଞ୍ଜୁମ'ସ'ଏଷ | | | | |
| ፃኒ | वेग के द की 'यह ग के स्थाय पश्चित हो कि तर प्रमुद 'या | 283 | | | |
| ٩ ٦ | อิน.ชิน.ฆฑพ.ลิน.น.รูพ.น.ส.ฐ.ฐ.ชพ.นชิในก.ชิ.นอพ.พช.นป.นใช่ | 292 | | | |
| | ब्रुट प्रते र प्रमान पुर्वे समान प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प | | | | |
| «ϡ | बि.य.से.व.याचे ब.ब.ब. ब्रह्म .चा | 312 | | | |
| ψ | શ્રુશ્વર,વશુદ્ધેટ.વ.ત.સુંટ.લુંળી | 340 | | | |
| ७२ | ब्र-रथर्षे [,] देशदेशय। | 363 | | | |
| | र्श्वे र 'य' श्वे र 'य' यश | | | | |
| ያኒ | ୍ମିଷ୍ଟ 'ପ'ସ'ର୍ମ୍ବିସ'ସ | 364 | | | |
| 1 1 | ૡૢૼવાૡ૽ૢૺ૱ૹઌ૽૽ૺૢૡૠૻૡ૾ૢૺૺ૱ૢૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૻ૽ૡૻ૽૱ૡ૽ૢૺ૱ૢૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ | 390 | | | |
| Ϡ፞፞፞፞ | বর্হ্রি ব্যব্দের শ্বীকা | 397 | | | |
| ٩٦ | वर्डेंब 'वर्गुष'यर 'धुेब | 424 | | | |
| ષર્ | বমুম্যাশাদ্র শ্বম শ্বীরা | 447 | | | |
| ৬ঽ | কৃষ্যম্বশ্বমশ্বীৰা | 449 | | | |
| | <u>ଞ</u> ୍ଚ୍ 'ଧ୍ୟ'ଟ୍ର 'ୟ' ଧ୍ରିଣ' ଅ'ଷ' ସ୍ଥିୟ' ସ୍ଥିୟ' ଅଧିକ । | | | | |
| ፃኒ | वि.चोष्या.ग्री.म्.च्री | 471 | | | |
| | बि'मा र्न्य'ग्री'र्क्के म्य'यङ्गेर्द्र'य | 484 | | | |
| ٩٦ | दे.ज.चड्रेथ.थ्रथश्रथश्चर.चश्चेद.त्रश्चेत.त्रश्चा | 529 | | | |
| «ጓ | यह्नाःहेन्यत्यस्य पर्मेत्रस्य स्था | 555 | | | |

| ५ र्वाहेश्वराञ्चवासर्वेदःवाञ्चितःकुवा | 567 | | |
|--|-----|--|--|
| ५७ भर्मे ब.त्.वी.सीं व.ती.रम्टिश.रग्रेज.जस.ह.सं र.वीं ट.क्वा | 571 | | |
| गरे हैंद हिंद भी से नामित या यं प्रेयम परि स्थि। | | | |
| ৴ঀঀ৾৸য়ৣৼৣয়য়ৠৢয়৸ঢ়৸ঀড়৸য়৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸৸ | | | |
| १ र्वावा द्याष्ट्र या त्वावा या | 580 | | |
| त्र द्यावाः स्त्राच्याः स्त्राच्याचाः प्राच्याः व्यावाः स्वावाः स्वावाः स्वावाः स्वावाः स्वावाः स्वावाः स्वावा | 643 | | |
| ৴ ৴ ৽ঀৢঀয়৾৾৽ৢঀঀঀ৾৾৽ঢ়ৢৼ৾য়৽ঀৠৢঢ়৽ঀয়ঀ | | | |
| १२ ५६४.मी.१५४.२४५४.व ब्रेट.य | 651 | | |
| १ र्गम्युम्बद्धः यार्धुरः पर्द्रिक्ष्या | 664 | | |
| ৽৴ বৰ্ণান্ত এইন্বন্ধন্ত দ্বেন্দ্ৰ শ্ৰিক্ত কৰ্ম শ্ৰিক্ত কৰিব শ্ৰা | 666 | | |
| < र्वावाः द्वावाः यः व्यवः स्टः वीः द्वेः या | | | |
| ૡૺૢ૽૽૽ૢ૽ૺૢૼૺ૽૽ઽ૽૽ૺૡ૽ૻૡ૽ૢૺૢૼૹૻૹ૿ૢ૽ૡ૽૱૽૽ૄૢ૾ૢૢ૽૾ૢ૽ૢ૽૾૽ૢ૽૾૽ૢ૽૾૽ૢ૽૾૽ૢ૽ઌ૽૽ૡ૽ૢૺૡૢૺૡૢૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ૾ૺૺ૾ૺૺ૾ૺૺૺ૾ૺૺૺ૾ૺૺૺૺૺૺૺૺ | | | |
| ४) विराधरार् हें हे बेगायायार्श्वियायंदे सुंवा | | | |
| सह् <u>ग</u> ः हैं स्था | | | |
| વસ'ર્રેસ'ર્ફ્સેક્'વસ | 811 | | |

यर्के र पर्हे रा

> श्च.श्चर.र्सूच.त.र्न.त्त्व.सी.स्थर.ग्री.शक्त्वा.त्य्व.त्त्री। चेत्त.प्रप्र.श्चर.त्त्रीच.ग्री.पित्र.पङ्गेशश.यश्वा। केत्त.प्रप्र.श्चर.त्त्रीची.पित्र.पङ्गेशश.यश्वा। श्र.तश.तदश.त्त्र.र्नेश्चर.प्री.शक्त्वी

चार्यात्रस्त्रम् त्रम् स्वर्णात्रम् स्वर्णात्रम् स्वर्णात्रस्य स्वरत्य स्वर्णात्रस्य स्वर्णात्य स्वर्णात्रस्य स्वर्णात्यस्य स्वर्णात्रस्य स्वर्णात्यस्य स्वर्णात्रस्य स्वर्णात्यस्य स्वर्णात्यस्य स्वर्णात्यस्य स्वर्णात्यस्य स्व

तीर.र्ट्रेथ.क्यात्र त्रिंच.व्यात्र श्रवी श्रवी

यहन्य येते न्वन् द्वस्य हैं न्वर्यंते न्वन्य स्वत्वा स्वर्यं प्रमुद्ध स्वर्थं त्वस्य द्विष्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वर्यंते त्वस्य द्विष्य स्वत्य स्वत्य स्व स्वर्यं स्वर्थं त्वस्य स्वर्थं त्वस्य स्वर्थं स्वर्यं स्वर्थं स्वर्यं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्थं स्वर्यं स्वर्यं स्वर्यं स्वर्यं स्वर्यं स्वर्थं स्वर्यं स्वयं स्व

भ्रत्यः देव दे क्ष्यः के त्रिक्षः क्ष्यः क्षयः क्षयः क्ष्यः क्षयः क्

वर्ष्यानः ह्रवः नदः ह्वः त्र्रा

तर्रः मुयापते ग्रुटः रमा सवाया ठर् ग्रुः ग्रुरा प्रुयामा भेटा हा केवा पासी सुनः इसा मा सवाया कर् वाष्ट्रिया परि त्यार त्या परि हु में **८८.च्र चेथ. ब्रट.चेथ्य.च्रेथ.** ब्रर्-तर-पर्देथता वैर-क्रिय-पत्र-ब्री-रुक्ष-तप्र-श्चे थ्याने श्चे थ्याने थ्याने विष्यान्त्र-विष्यान्य विष्याने यर प्रिंदि न्त्र द्वा दे विराध निराम इयल दे र्यून र्यंद ग्री रमार्गायार्गा र्यून यदे शुर्रात्मायार्गा वन् राम्ये रेया र्गःपःह्रे। र्गःपःग्रुअःग्रुः**इं द्**रास्तातकर्ःपरःप्रदेरःया रुतःश्चेतःदेःग्रेःग्रःसःयः वै.लर.पक्षेष्र.त.रर.पथा रेपु.श्राप्य.त.र्था इयय.वे.क्र्य.स.स्पु.क्र.त.रटा क्षामुक्रामुक्ताम् प्रमाम्यायायायाय्याय्रम् राविष्ट्रीयाक्ष्रावन् न्यराच्या ।रेप्ट्रिरावाच्या क्ष्याया मुःदेवायते विद्यापति इताष्ट्रिता पर्वत् वारा प्रमुद्यापते हुरायह्रा पार्वते क्र.च.चक्रुद्र.स.र्ट्र.। बर्बायारबालाबुयासच्क्रुर्रायदे हुर। इयाग्रीक्रियाचक्रुद्राया के.य.बबुब्र.रट.र्व.तपु.क्र्यायावव.यन्ट्रहे.हे.र.वे.य.रटा बर्ब्याया र्द्रवःग्रेवःश्चनःबःहिःस्नरःवर्गःवदेःदेवःधर्द्। ।

न्दः यः वहन् मः यः वी न्ययः द्याः तर् द्वी न्ययः म्यः वहन् धिः

बर्द्रन्परः ह्रॅ नवः पर्दः कुर् ग्रीः न्द्रवरा न्याः धेरः या । वितः परः तुः वर्द्दः नवितः वेः ग्रदः र्घंद्र क्रेव र्यं द्वे पं मार भ्रे हूं द यक्त ग्वद र्यय स्व ला है म वेता सर्या शु ग्वता या है। देव.क.च.वाथ्या द्वायास्व स्वायास्य विष्यास्य हेव.दे.वा प्र.व. क्ष्ये. त्र.व व. क्ष्यः यह्रं न्यते वक्ष्यः वक्ष्यः वक्ष्यः वक्ष्यः वक्ष्यः वक्ष्यः वक्षयः वक्षयः वक्षयः बळ्चावा दिवाम्द्रिक्षेत्रकेवार्यायत्। विःग्रायावीसुरायेवा दिःशान्त्रवा র্মুখনিল ।দু:ইম:ধুর:থ্রি.জেম্থ:লুন্ । নিগ্র:ক্রী:ক্রীজেপ্রক্র-হর:পুর:হী। ह्यूं नः यह तः वह तः वह वह ते वह र्मला । मर्ड्रदःस्-रमलःस्र-म् नेर-ठदा । विमःश्वामान्नेत्रःस्त्रम् वृद्धाःस्त्रम् । 다돌려·황도·구도·픪·디리·황도·| |두디씨·희·황도·茈·혜제·핑·점| |퓰씨·딩·디돌려·황도·茈·씨|| **নপ্তৰ, স্থান, প্ৰথ, বু. এএ। । প্ৰথ, শ্ৰী, খি. নপ্তৰ, পৰা । পৰা । পৰি, প্ৰথ, পৰা** পৰি । न.भ्रा । है.ब.मै.बुय.मै.चय.चवाया । बिट.च.र्चया.मै.श्रेट.स.दी । रिनो.श्रॅट.चुटै.दहे. लवा । वहेट.स्.च.चतः क्षेट.स्.वी ।र.के.च.ब.इ.चईव.लवा ।वेयावहट.च.केर.स्॥ ल्य में ये प्रति क्ष्याया में हैय। यह में अधिय पा से प्रति में स्वर में ये प्रति स्वर में या से स्वर में या से स.व.वे.वे.व.द.व.वा.वा । ब्रि.इज.चे.वं.टं.। । वर्झ.ल.ववया.वं.वयया.वर. र्मः। । त्रेग्राध्यः ह्युरः पर्वः श्री रम्पः व्या । व्यान्यः या यावयः या यावयः या यावयः या यावयः या यावयः या य केर.बड्डब.क.के.च.रट.वट.चव.र्बा.चव.बंब.श्रव.श्रव.श्रव.म न्युरुष:य:क्षेत्र। र्राम्व व क्षेत्र रेग् या वर्ष र्राम्य प्राप्त वर्ष प्राप्त वर्ष प्राप्त वर्ष वर्ष प्राप्त वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष नु: क्षेत्राधरः श्रुरः है। विन्यारः नुः स्पर्य हैं स्पर्य है विषय है निया है निया है निया है निया है निया है नि न्ययदःत्रयः क्षेःऱ्त्रान्यदेः क्र्नाः नोः नः अवियास्यः ग्रान्यः देनाः न्रः न्यः नः स्यास्यः **ःः** बर्दन् प्रवास्त्रवास्त्री मानवासामुबाहु कुरार्वा बेवाम् अस्त स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र रे·दगःद्वेरग्रुगःयम्।ष्टःमेःह्वःद्वंरःग्रुःर्घरः**ष्टुगः**र्घयःग्रुःह्वेरःद्वयःग्रीःमर् नवरः वक्ष्यः भेयानवरः नदेः ईः हे वेया ग्रुः नरः न ५ नवः हे । र्गुरः व्यः केरःन्मुः&्दःळन्ःयःन्द्रयःश्चुनःमङ्केरायदेःञ्चःबःनुःबदेःश्चुदःस्टःहेदेःसेगःयःयःश्चुदराः *चयः* नब्दः न्दः न्द्र अयः हन् **। अ**यः शुक्रः यः यः अविवः यः ग्रुरः हे । च्यर-इंच्यायायाराक्षेत् व्यापकार्सः क्षेत्रः तुः नृ व्याद्मा चुराया व्यापकार्सः यका ग्रीकार्स्मावा ग्री में व्यापकार्यः स्टरः बह्नट्रां श्रुंट्रित्वर्यः बद्याया वात्रुः प्रष्ट्रद्राद्या व्यात्रुष्या क्या विष्या विषया वि Ŵ·ᠵᢩ᠋ᡊ᠇ᢋᢂᡊ᠇ᢔᢐᢇᠵᢩᢅᡏᢐᢇᠵᠸᢡ᠂ᠬᢩᢍᢐ᠂ᡷᡢᢩᠬᠳᠵᠵᠴ᠇᠂ᡏ᠂ᢒᢏ᠆ᢋ᠂ᠬᡑᢩᢋ᠂ᡅ᠂ᠵᠸ᠂ᠵᢩᡸ᠂ᠳ᠁ बर:र्:प्रायायद्गामु:क्रेद्राय्प्युद्गान्यः नह्नुतायायायहेदाद्या वहूर्यायया विर्ाग्रेः व्यावितःसः ह्युं रः व्यवःय। विवः परः गुवः वः रचः गुः गुण्यः। विवः व्ययुरः वः कृरः। रे विं व केर् ग्री स्वापा व केषा य लिया वा प्राप्त केर दे प्रोहे व पहे व पर विषा य वापव में वहर् वयारमः हुः हुरः हो। वर्षवः यरः रमया यरः वेः वर्षः नेवः वेवः वेवः विवः विवः व ष्राशुबाकुः इः नृष्ठेना नी मनः नुः बळ्दा ने न् भी होना पर्यः दरः रेना पर्यः हेः हूं न् मिंटः देना इवारः **ब्रिन्** प्यतः रु. च्रे : व्यन् रु. प्यत्र स्था : क्ष्या : स्था : क्ष्य : स्था : प्रति : क्ष्य : स्था : स्या : स्था : स्या : स्था : स् a. 賢と 4. もと. l छ. 2 दे . दे . दे . दे . दे . व द <u>चलः वे:व:ब:२५:प:इवलःग्रे:चेदःलेदःल:र्लगलःय:न्नर:२५:ग्रे:ळ:५:ळॅ:इवल:ग्रुट:बः.....</u> त्रे स्पर्य विद्वार्ते। रि क्षेर द्रार्र र्र म्वत् मी क्षेर् परि शुवापि अवतः मु अर्ड क्षे शुःक्ष्यःमः ध्वेषः विष्यः पर्वः विष्यः विष ह्यें र.भेज.चद्र.जेट.म्. नष्ट्रद[.]म.**चयत्र.**क्.क्रॅ.क्र.क्.च्य.क्र.चश्च वर्थः नयी क्रें ब्राया:पदी:पश्रद:पद्राद्र: नञ्चनःसः देवः दः के न बुबः दुः ५ दुः ५ वेषः र्षा । देः लः ह्वयाष्ट्रे वर्षाः ग्रीः नञ्चनः सः दैः हे ८ः देः न्मॅरल.**५३०.**२८. पठरास.जय.जय. १५. वर. पहंचाय. पता.ची ह्या. वर. क्या. प्रियत.ग्री. नञ्जनःपदे**ः र नरः रु: ५ लः** पदेः हॅ नालः पदेः ॲवः ५ वः रहः स्वः र में लः सं ारेः यः नाशुक्रः यला <u>श्र. सर. चर. चतु. र्वं या. ता प्रमाण क्षेत्र. वा प्रमाण व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप</u> विनायते क्षेत्र विनाय वता विवय विवय निवाय मिना सः विवेद दुः श्रुदः वह दः केटः। विदयः श्रुदः र्मलर्र्स्वर्यतेर्र्ने क्षेत्रर्वे विवयामह्वर्त्तियान्यत्वेत्रात्वा ष्रेय.लूट्य.थे.क्र्यय.त.रेची.श्रूर.ची.क्र्याता.वर्ष्यास.क्रुट्र.पा.क्रयोथा.तप्र. चेलची.चीयास. बारे रे भेरावार्वे गुरायाक्। हें दाया श्रुंग र्रा वस्या वर अर्वे राव वरा श्रुंग र्रा वर्ष हे. स. य. ये. मुर्ड , पर खुर , प. कुर । विषा ज्ञरका पर्वे. पश्चरा पर्वे. विषे केव , सं कु हे र् ज्ञे वा नश्चनः पतिः मृतिः श्वः रेः रेः अपः श्वंमः नृतः नश्वः व्यानश्चनः प्यानः म्यान्यः व्यानः म्यान्यः व्यान्यः व बह्रव.त.कुव.तूर.किर.धूर.धूथ.वहूर.त.केर.स् । विर.क्ष्य.थयथ.रतपुः क्ष्यात.र्टा क्षेत्र. नर्षेत्रःयः तथा वित्रकेषः स्याधिवः यदेः स्वरः ख्राच्याः वया । स्वरः यदे नयसः यः द्यायर न्त्रा वुर्ति विराह्य विष्य क्षेत्र विषय क्षेत्र विषय क्षेत्र विषय क्षेत्र विष्य क्षेत्र विषय क्षेत्र <u>क्रव.ज.वे.च.पक्रज.च्री व्रिय.चिंदर</u>ात.हेरा वेश्वयत.र.र्टर.क्रेट.हंदु.द्व.च.क्रव.ग्री.वेट. क्तःग्रेःशेयशःर्श्वरःमदःम् वर्षःयःयःयरःमः ५८ः। **३८**ःयरः ५ःग्लेरःश्वरःयःयशेवःवराः

ゴイ & ひ. た. ぬ棄 山. 伝. 犬 た. ど. 題 と थ. た. で む वयः ग्वरः ग्रु:र्द्रवा । शुरः वहर्रः रे:वे: यर्गः ग्री: न्नु: वः यग्या । वियः य ग्रुटः यः स्ररा चर्चा च**रा न्वर न्वेय पर्यः चर्टा स्थान्ते । श्रेयः पर्यः व्या**श्चेयः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः *देणःगुदःपुःद्रदशःपदैःदपुगःपदैःशेवशः*ग्रुदःस्वाःशेवशःद्रपदेःश्च्रुदःयःक्वपःसः-सः-सः <u>ৠৢ৾৾ঢ়৾৾৽ঀৼ৾৾৾ঢ়৵ড়ৢ৾ৼয়৾ৼয়৾ৠৢঀৠ৾৽ঢ়৾য়৽ঢ়ৠঢ়৽ঢ়ৠৢঢ়৽ঢ়৾য়৾ঢ়৾ৼঢ়৽ঢ়ঌঢ়ৼঢ়য়৽ঢ়ৢয়৽৽৽৽</u> र्था अध्या के प्रत्य का स्था के स्था त्र का स्था का स्था के स्था का स्था के स्था का स्था के स्था का स्था के स र्रः स्वायावी पर्र्रायाया हिंद् वे देवे वेवा पर्व क्षेर् व्याप्त व्या म्बेन्न्याः भेटः हे ते **बुन्यः न्टः** ख्वा वियाय द्वे रः न्वटः खुन्यः अः सः द्वे रहे । वियाय दे नहुतालु निया अर्ह्ना ता क्षा निवास विवास शिर्या प्रमा स्टामी खेरा क्षेत्र मिले निवास विवास स्टामी स्वास स्व मिते प्रश्चेत्रमित्रमे देशसा न्ता ईरहेते श्च नवा स्वावा परि देश परि हित्र हित्र परि हित्र परि हित्र हित्र परि हित्र हित् न्यः इत्यः वर्षे न्यदेः ब्रह्मा वेषाञ्चे नः वर्षे नः केटः। विनः धनः नुः वरुषः धवेः ब्रह्मब्यः व्यवः स्व[.]पःणेय। द्विताविश्वयःयःणेवःणेन्ःश्वेःयह्न। । पनःर्णनःन्वःनःन्यः श्वुःयेन्। **क्षर-प**द-केय.तय.**व्र**र-ब्र.म्या बियाग्यित्य.प.क्षर-स्। दि.क्षर-क्थ.प.च्युयाग्रीःह्य. ৾ঢ়ৢ*য়য়*৾ঀৢ৾৾৽**ঀয়ৢঀ৾৾৽ঀৼয়য়৽ঢ়য়**৾৸য়৾ঀৼ৾৸ৼ৾৸ৼঢ়য়ৼয়য়য়ৼ৸য়৾য়ড় *ঀ৲য়৽ঀঀৼ৽য়ৢ৴৽ঀ৽য়ৢ৴৽ঀঽ৽৴ৼৼ৽ঀ৽য়ৢঽ৽৽ঢ়য়য়৽য়ৢ৽য়৽ঀয়৽৸ঀ৽৽ঀ৽৽য়ৼ৽য়ৢঽ৽ঀয়৽য়য়৽৽৽৽* निश्चरः र पार्श्वे निव्दर्भवास्त्रः व्याप्तरः स्वयः र मृतः पारे स्वरः स्वयः र मृतः पारे स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः यर वर म नर् 155.5.

यह्रव.ग्री.पश्चयःतः रटः र्वेषःतः जा बेष्ठेषः जवा विव स्ट र पः वी वि गवयः ग्री स्व वयः ग्री स्व वयः ग्री स्व वयः ग्री स्व मवः शुः उदः चः मक्केवः विदः। विदः सदः स्वः धेवः यदेः हेदः देः विदेवः ग्रीः मञ्जानः यः वि। यदैः देवः यः वेदः हुः यह वः यः बदयः हे। देः धदः देगः यः यह वः वु गरा ग्रेः हुँ नः यः व् गः नेव.क्.ध.मेथ.री.वावत.प्र्या.वास्वयाग्रीयाप्री.यार्थाता न्यान्युवानु वहन् रहेमा म्बद्-द्वास्यान्यः वर्ष्यः वर्ष्यः द्वा विवारवाग्वीः वश्चवः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः ले.केब.बेट.रे.पड़ेक.पष.केब.क्ष्य.षा श्रवायाकी इंग्रयायक्षितायक्षेत्राचित्रित्राच्याक्षेत्राचान्त्रेत्राचान्त्रेत्राचान्त्रेत्राचान्त्रेत्राचान्त्र म्बर्स् म्बर्स् म्बर्स् मित्र मेथिरयाताक्षेत्रात्रा विक्षेत्राताकान्त्राताकान्त्रेया मे. मेरारी वर्षात्रात्रा व्राप्त वर्णा व्राप्त वर्णा व्राप्त वर्णा वर्णा वरापत वराप ৾ৡ৾ঀৢয়৾৾৽য়ৣ৾৽**ঢ়**৽ঢ়৻য়৻য়৾৾ঀৢয়৽ঢ়ৢ৽৾৾য়য়৽য়ৣয়৽য়য়৽য়ৼৼ৽য়ৼঢ়৽য়ঢ়য়ঢ়য়৽য়ৣ৽ঢ়ৡঀ৽য়৽ रट.मु.र्च.च.मूट.प्रमामु.पहेष.त.लपट.य.क्रूम्यात.त.रट.प्रमातर.क्रूमात. र्रा में अया की में कर कर पा स्वया प्रयाप क्या प्रयाप के वा पा मुना पर सहर प्रया के पा मुक्त <u>कर् ज़िल जिर ब्रुचल देश बेर् पर मर्श्वन में मुद्र पर् तहें दे हैं। पष्ट्र र पर ला चर क्रुप</u> <u>क्रेव. तूप. स्.वर.२। विषय. १८.५२थ. घर. पक्र्चाय. त.व। । ४८. २८. चेवव. ग्रे. क्रं. त.</u> ला । बीच.घवय.टव.तपु.भूज.च.गीव। ।युट.चुपु.ट.दूपु.श्र.भूट.ग्रेय। ।घषय.ठट्.ग्रु. वै.धर्न्य प्रचीयय। |वेय: न्रः। अ: हव: ह: भे: द्व: भेरा चुर: नकु: अन: क्वेन: न्रः <u>ब्रीशा वृ.चे.ब्र.ज.वृ.ज.वृ मिना वैट.चक्कै.सब्.ब्र.ज्या वि.चर्य.क्रं.चर्ष.क्र.</u> बालकाम्बन्धकारुम् भी । भूषे वास्त्राच्या विषया व

ୢୖଌ୵ୖ୶ୖୄ୶୕୳୕୳ୖୄଽ୷ୢ୕ଌ୕ୣ୵ୖୢଌ୲ୄ**୲୕ଌ୶**ୢୖୠୢୄୖୢଌୖ୵୴୕୳ୡ୕୴୕୶୷୷୶୲ୗଵୣୣ୶୶୵ୢଌ୵ୢୖୠ**୶ୢୡ୕**ଊ୕୵୷୵ ঀঀ। । ঀ*ঀ*য়৻ঀঀৢৼ৻ঀ৾৻ড়ৼৼ৾। |ঽ৾ৼৢ৻য়ৼ৾ৼৢ৻ড়৾৻য়৻ঀৢ৾। ড়৽য়ৢ৻য়৻ঢ়৻ৼ৾য়৾৻য়৾ড়ৢ৻ঢ়**৽ঢ়ৢ৽** न्ह्रयः श्रेटः न्टः व गः ऋः क्ष्यः विषयः क्रुयः नः गुनेयः नैयः मः नविषः क्रुः ग्रः नुः नह्र द**यः ने**ः वन्दः हे·बद्दःरेशःङ्गॅर्-तुःधुन्यःवेनवःयःव। वद्यःकुषःग्रुःनद्गवःपदेःर्नःहेरः**बर्ध**रःपरः यर्ने स्वाया ग्रे नाव न स्वयय रुन् न स्वाय व्यावया श्र ग्रॅल'न'नहन'स'ल'नहेद'द्रा चक्रेय.त.मेथ.तर.थह्रं.ट्री ट्रे.लट.घटत.द्रथ.थे.ज्ञ.चथिवी क्रे.घट.री.ज्ञ.ट्री ट्रिय. न्दरःग्वतः नुःर्वः स्टेरः परः नुःश्वलः पः न्दः स्वारः स्वरः याः स्वरः स्वारः श्वे । ग्विरः ग्ने याः स चर्र्स्र स्वराद्येयायर अर्द्या व्यवायर हेवायदे दे अता ख्ववता स्वराये वता यर प्रवास है। प्रमुद्ध पर देव में के दे सार्य प्रवास प्रवास सह र है। शिव र व प्रवास के दे में दे स *यु*.पष्ट्रव.त.र्च.प.र्चतत्व.र्ष.च.पञ्च.र्य. ८८.त.च्च.यङ्घ.पथ.पष्टेव.तपु.य्व.चर्थ्वयः..... माला क्रूटान ने दारी में नाम दर्द ना अर्थरान लान हे दा द्वा वन वारी काल क्रुटा के दा निष्यः विचः ययः श्रुः द्वेतः भेतः हुः केः वा श्चे-त्र-त्यः बुद्-द्वेते-द्वं-त्वं प्याप्य-पत्वुद्-प्य-त्य पहेत वरापहे हि दि स्थाप व्रेराचर क्षें यापाय ग्राय विषा ग्रीया पहेता पर स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स चरःक्चुंत्रःचःवःवार्द्वत्रःचःक्रेत्रःच्याःच्याःचाः क्रेयःतुःत्वायःवद्याःवेष्यायःचरःचगानाःकेरः। न्वतः धरः स्वाः परः पञ्चरः पः इयवः दुषः परः चुषः दवा ध्वेदः द्वः सः स्वाः परेः प्रस्वः पः

तवेयः नरः वर्ह्नः पर्यामः नः ठवः पः वययः ठनः यः श्रुः देवः ग्रीवः विनः परः वर्हनः दे। क्षेत्रः विचःसदः नृ मृंद्रयः या बावायः चत्रः चेन्ः यदेः बावादः स्वयः या यदः स्वतः श्ववः स्व वावः यदेः चुः नश्चराष्ट्र-दे। दर्न-द्वर-भेषा-मु-रेन-पदि-न्वर्षा-स्-त्याम्या-प्र-र्-। दे-र्ना-मी-र्नेन **७ सश्चारी जुब्र नप्न व्यव राग्नी ज्ञान अवासायरार्ग्या** सरार्म् व्यवासदी वर्षा स्थानि वर्षा प्रश्चिता स्थानि स्थानि न्त्रेन्यायाः व्यान्युरानीः न्वरायाः व्याप्ति । विरीत्नारे देयाः ग्रह्मान्याः व्याप्ताः व्याप्ताः न्युयःनःकरःदःकेतःस्वःश्वयःक्षेन्राःसरःदश्चरःस्। अतःर्धदःकेदःसर्दःयदेःयःवैःन्युयः नाःबरदःस्। दिःताधःर्वः ग्रीयःहेवःश्वःपत्तुरःयःदी पहेर्दःयःवव। र्ययःस्र <u> २ शेषा पत्र, इ.५८.। । र ब. क्रम. पश्र. राष्ट्र, बीषा क्र. र र । । र वयः स्पर्ध में प्राप्त</u> ञ्चिता. न्दा व्राह्म पर्देवा श्विता व्याप्त व्यापत न्यन्ता । वेत्रः नशुर्त्रः संदरः हो । श्वः यः च कु नः स्ट वितः स्वानः सः वितः सः सः वितः सः सः वितः सः सः विवः क्रेव रेति पश्चर् पा नहेला दे त्याय रेता हु व पा र र म्यायर स्वाय महेला यह म्.प.के.तपु. पश्चर.त.रट. श्चर.तपु. पश्चर.त.बेष्या कु.क.प.विषयाय वया पश्चर.त. र्ट.पहस्र.र्वेट्य.व्य.पशुर्गकुर्गस्य विषयः विषयः विषयः विश्वरामश्चरः पश्चरः पश्चरः पश्चरः पश्चरः पश्चरः पश्चरः स्वातः सः नृतः। व्यवतः यदः व्यवदेः वश्चन्यः प्रेन् क्षेत्रः व्यक्तः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व पः झः ळ वातः पदेः तज्ञु न् ःपः तः त्वाताः तज्ञु नः पः नुः वः नृ नः देवः बेनः। रद्रथःशुःगवर यते त्र अपने पहें न्यायया हना हि पहें न्यते त्र अपने विहे पान्य ने विहे पान्य ने इ.ट.म्.हे.ब्र.ब.मे। |८६्य.ब्रन.ब्रन.व.वर.म. १**८८.तर.१.५**.खे.खे.ब्रेच.वय। । न्द्रमः द्वान्तः मुद्देनः प्रत्यः विद्वानः प्रतः विद्वानः विद्वानः विद्वानः विद्वानः विद्वानः विद्वानः विद्वान मः भवा विषानिश्चर्यातः क्षेत्रः है। न्द्रवः श्चरः विषः यदः श्चः यदः विषः यदः विषः यदः विषः यदः विषः यदः विषः य मिराम्बदायरावराहा |रेमायराम्बराखायायारादीम्मन् चेत्र्ति ।रेदे छैर बिना यून गुरा नहार दे कु नर द है में नर अद्वेद रा अद्वेद रा अद्वेद रा के का स्टेर स्टें ना इड्डाक्स.ग्रा.स.ब.हा रव.ब.युड़ी यद.श्रेट.च.हे.चही वि.ड्रेग.चनेय.बहेद. חְמִרִים־קַרִיפַַּת־שִר־פַּלן |מִבְתּ־לָּמִימְמִימִּיבַּּמִיבּמִימִּקּיבָּיבִּיבִּיבִּיבִּמִיבִּמִימִיבַּיבּיבּ मदरःबयःतमरःर्मे नःर्रः तम्याविमःयः स्र ॳॖॱय़ॖॱॺॱड़॒८ॱॡॖॖॖॖॸॱढ़ॕॸ्। 쭱.리 क्र.चना.चळ.कना.म.प्रि.षक्र्ना.र्ट.र्ना.म.श्रुरा विषया.चया.च्या.पर्वेर.च. केव-घा न्व्यवाना नेवानमाईहि। ध्वान्तरह्वामा न्व्यावयाष्ठः ह्वात्य्य मुशुब्राच्चर:र्द्रा पश्चर-पह्य.कुर.म्.धु.श्चेषाः श्वयातिरः पक्षेत्रः तप्तः पश्चरः श्वेषः तप्तः विषः प्रवेषः विषः विषः विषः विषः वि नर्-र्गादी सहर् पार्वि के पायर्र रावस्ताम् का मुत्रापर हो मुत्रापर ह्या मर मुं थे के ने के ने के ना ★ 회성·성. 성성·선소· 큐턴 | 1

चित्राचित्रः मित्र्यः मित्र्यः स्वामिः क्रेन् स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वरं स्वरं

र्राया प्रमुद्राया दी नेदारमा क्विंदा होते हो हो से साम प्रमुद्रा स्वापा प्रमुद्रा स्वापा स्व यश्रव प ढ़ेल-चु-च-दी *इःन्द*-बै-चर्*न्-इेदै-चॅ-दबद-* वेच-घर-दर्न्-घ-इवल-घॅटल-शु-वेल-घर-**ॿॖ**ॱॸॱॸॣॸॱॿॖॸॱॸॣॸॱॺॣॕढ़ॱॿॖॺॱढ़ॖॱॿॖॱॸॱॸॣॸॱॸॾॣॕॺॱय़ॸॱॿॖॱॸॱॸॣॺऻॱॺॱॿॖऀढ़ॱॐॱॺॱॱॱॱ खन्। धरः क्षेत्रः पः क्षेः नर्ड्यः स्त्रः यर्षः क्षेः नश्चरः रचः ठेषः चुः नः धेतः द्वे। विषः नशिरणः पः क्रमा मुक्रम्यायेन्यापराचन्राचन्त्राहिःक्रेन्याद्। |नेवयवारुन्यवायावायेन्यर ॱ**ऍ नायाःयां नी पर्ने राजाराञ्चना गर्डना** पर्कराज्ञुः प्रदेश्यवार्तुः में पराङ्गे। ने प्यराया हेना के त्यत्रा ग्री.ब.दू. व. १५.५० में त्या ग्री.ताय.ताब.क.इ.५ बाय.त्य. ५ व्यू. त्यू | १५.५० ग्री.ता.च.र.छ्त. त्रेयरार्पतः स्यराग्रीः पर्वर् रहेन दिना हेन ग्रीः हेन श्रीमः या 424.2.mz. देन्तर ठव निश्वर निहेत शुरद्देव न् वेतर यह ने न् नित्वर वीतर वित्वर वित् हुनः से अया त्यो या यय। रहः के राहे या निवान विवास न.मुथा हिना.मै.पविषान.मूर्तानर.मी विषयः इययार न.मै.पविषाना मुथा र्टा इस.पग्रेज.क्य.क्टा घनया हिट.रे.ब्रि.स्रेग.क्टरा ।रे.पकर.स.ध.रेगप.च. धिवा । वेलाम्युर्लाहे। ररामेलाहे सुरामावेवा सारेलावामाववाला प्रस्वापरा से स्रा ग्रै-घचक,लुच.तर। ब.लब.तथ। पग्ने.ज.लब.तर-व्रे-र. झबल.जब.चेब.धेर्-ग्रैव.पह्ने. हेबःऱ्बःश्चरायह्रद्रारायदा। विवागश्चरवानेदा। कुलानदेःध्रयालवाग्चरा। उदास्त्रयः त्रेअल-५ य**तः इ अल**-ग्रेल-दे १ वृदः वृत्ता ग्रे-लक्षः न्**र**-लेद-य-५८- रूट-लटल-कुल-ग्रे-लकः न्र พูथ. त. रट. थटथ. मे थ. मु. जब्दा बट. लुथ. तपु. जब. घ बय. कर. च श्रुर. तर. चे. खुट. जब. घ बय. कर् नेषायर वृद्ध । दे द्वा गुर र्षर्वा शुर्द्ध वृषायर य वुः वैदः दे द्वा वी यय ग्री वुः वा यदः वेयान्युरयायया हेनायाळेदार्यायाथेदायदे छेराहेनार्यव ग्रीके र्रूर्या नश्चनः चरः श्चे च द्वे तः श्चः नः दे त्वायः नदेः ह गयः स्व विष्यः यः केदः यदेः यदः यदः यदः विष्यः यः वात्वया वृत्रा स्टान्दा वृत्र स्टा से वृत्र स्टान्य वृत्र स्टान्य वृत्र से नाद्य वृत्र से नाद्य वृत्र से नाद्य **इ**ंद्र-द्रवात्व श्रद्धराचा इत्रवाधेद्व प्रवादे र वाद्येत्र वात्य त्युत्र देवा द्रवात्व वात्य विष्य वै: परे: १४ व ग वे रः यः र्षे ग्रायदे: र् श्रे ग्रायवायाः छवः दग्दः रे या ग १४ ग्रायः वयवः छर् ···· विग केव पर्या ग्रीट विश्वरा शु जिट दे में या पर्या विट ते या या ग्री विव हैं में या पर्या हैं में या पर्या हैं इंद्र-यम् हेन्-य-न्युय-न्युक्त-केर-हेंद्र-यदे-कुःयहद-यद-दे-धेद-दे। ।न्वद्र-यद-यद-र्वा.तर.र्व्यथ.तपु.थरथ.बेथ.वु.श्चेंच्यःर् चर्तःर्यर.प्रच. वे वे.व्यंच्यःरः बेव् ग्री भ्रुंव् ग्री देवाया वयया ठर् चर् डर प्यंदा हवा ग्री देवाया यवता र्वा ह्रवाया या धेवा वा रे.ब्रुवःपते वेगःय केत्रयः भरः क्रुवः यवतः र्गः त्र्यंगः करः प्यः हतः यवतः र्गः क्रुरः विण यः म्वतः वयरा उर् ग्रीः श्वररा है गरा ग्रीः प्यतः हतः श्रीः रे गरा वयरा उर् विणः मः केव् स्तुः लब्दः वित्तः श्वेवः वितः वितः वितः वितः वितः स्तिः वितः स्तिः लबः मुः यदः यनः हुः नशुदः रवः वयरा ठर् १८५ है। क्विंदः द्वेरः चर्यत्यः व्यवः हुनः देः क्वेरः यःश्चेत्रः स्विनः पदेः न्युदः श्चेत्रः पदेः श्चेतः देः न्यायः उत् गुरः भेनः क्षेत्रः पदः श्चेतः विषाने साम्या मु श्रिव पति होवा पा क्रेव प्राप्त होवा पा ता होवा मः बेदः यदेः द्वेदः 🔾 📉 २ वतः ग्रें ने क्षेत्रत्त्र मन् मदे त्या स्वराद्या व्यराद्या व्यराद्या क्षेत्र विष्या प्रत्ति वा प्रति वा प्रति

कृतः तुः ते अवार मे क्रेन्यः प्रतः । क्रेन्यः धः स्यातः क्रेन्यः म्यातः व्यातः स्वातः व्यातः स्वातः व्यातः स्व ने वे इया पा वयता उन् दु न हे द न में ता पन् न पता ई हे छे से तता है अन् द्वा पर्से ॕॖॹ॔॔ॻॱॻऀॱऄॗ**ॸॱॴॸॱढ़ऀऻॎ**ऄॸॱख़ॖॺॱऄॺॺॱढ़ऀॱॸॕॣॸॱॿ॓ॱॾऻॎऻढ़॓ॺॱॸॣॸॱऻॎॺॱॸॕय़ॱऄॗढ़ॱड़ॖॻॱॾॗॕॸ॔ॱ स.वी विष.लट.रूर.चर.बु.वे.प्र विष.चिष्यचिर्यानेट्रा चवदःलट.क्रचयःग्री.चवटः नुःसरः नशुरुराष्ट्री । इतार्द्धरः न्नुः दा सेन् धिरः नृत्तीतार्द्धरः नुः दहु नः धिरः श्रेष्यानुः सरः लर विष्यूर्य स्था निर्मा विष्यूर्य स्था ति स्था मिष्ठे इ.स.वे.वे.ट.केंच.युत्रयार्वा क्ष्याता केंद्र. त्ये प्रति याता विद्याता विद्याता विद्याता विद्याता विद्याता चेशियात्म् चेथातपुरविराक्षेत्राश्रेष्यार्थेत्राच्याः व्याप्तियाः व्याप्तियः व्याप्तियः व्याप्तियः वया येशयानश्चेर्वत्यानश्चरायायाञ्चरायराम्याञ्चरयायानविदः तुःश्चरायाययाम्बदः यदेः **** लबाल दला हुन धरे हेन पातर होन पातर होन पातर होन पातर होने विकार तम् निर्मा विकार विक र्ट. इ.इ.इ.स्थयःथ्री वि.र्ट. वयट. घ.च्या.स. वश्वा ।र्यः पदे.क्ष्यः व्यास्य म्बरा । बेबर्द्रर्प्यम्बर्ग्यः क्रम्म्बर्म्यः क्ष्यः म्बर्द्राम्यः क्ष्यः म्बर्द्रः स्थान्यः क्ष्र क्वायायहितायानावानात्रात्रात्र्वारायदे क्षेत्रास् । यदी न्वाया व्यापाया वित्राप्ता क.वय.वीय.अवूर.येथाक्.बोर.केर.वश्वा.२८..ि.पंचाता.चर.पह्य.ता.यु.्रेचा.ता.वेय.थे.... र्डेट^{. घर} मेषल[.]व्या । ने .क्षेत्र.वे. र श्चे मेल. घराल रवे. श्ची. मेबर. घरा में प्राया विकास में स्वाया स्वाय त. चे शिर.रत. इयय. भेव. रि. वधिय. तय. सची. त. चे शिया यया तथा कि. के. पी. म्रार. या म्रार. यर. या ८<u>६</u> ग.त.य. ह्र ग.त.र्ट. जन्न. व्य. द्र ग.च.द्र ग.च.द. ज्य. क्य. क्य. क्य. त.र्ट्य य. व्य ऱ्य.र्थ.व्रुष्ट.तय.य.व्रु। क्रुय.चद्य.त्र्यायय। ॻॖज़ॱज़ॱढ़ॸॣॹॱऄॗढ़ॱॸॣॱऄॗॸॱॻ॔ॸॱ

लदलः कुलः खुः वर्षे दः पर्दे : यथः कुः गृब्दः भैदः स्नः तुः भैवः पर्यः दें रः तुः बैः उदः दें। । यदैः नैदः **₹.**हेते. मेन्पात. प्यत. याद. याद. दे. प्याप. क्षेत्र. प्याप. याद. यादे. यादे यापे. प्याप्ताप्ताप्ताप्ताप्ताप्तापता नेति क्षेट्र-तुःग्रंद्र-स्ग्राणीः त्रव्यासुद्र-बॅद्र-बेद्र-धर-त्र-त्र-द्रवास्त्र-द्र्यायः नृद्रः र ৼয়৾৽য়৾৽য়৾ৡয়৻ঀ৾ঢ়ৼ৾৽ৼ৾ৼ৾৽য়ঽয়৻য়৾৽য়য়ৢ৾ঀ৾৽য়য়৾৽য়ৼয়৾য়য়য়ৢয়৽য়ৢ৾ঀ৽য়ৢ৾ৼ৽য়৾য়ৢৼ৽য়৾ড়ঀ৾ৠৢ৾৽য়য়৽ ह्य अंदाना द्रान्य के द्राना केदायं। दि हि तुरी में नाय हे दाव केवारे रे तारे वाय ऄरःबर्टारुःकेर्नायावाववास्वयास्ट्राचिरावरायात्रेचातात्रेचातात्रेयायास्त्रायास्त्रायास्त्रेयाया इरः देगः क्रेयः यः दः रेयः यः क्षेरः सेगः र्यवः ग्रेः सेर् रः र्रः यः र्रः यः तुः श्रेवः यः इययः श्रॅरः र्चयात्रात्तरः श्रीत्रम् वा स्वाध्यात्रात्यव्यातः स्वाध्यातः स्वाध प वैराने विराह्म स्थापर श्चेत्रपाळेषा क्षेर्य हेर्य हेरा प्रेरा प त्युराहे। देवे विरवादि विष्या हु हुँ दायरात्युरार्से दिवे धेरार्यायवे वर्षेदाया वहेद वयानश्चरःरचः वययाञ्चरः नदः चनः न्रेनः तर्वरः मुः प्रतः कः मुवः त्रः प्रतः प्रतः स्रापः । ৻ঀয়৾ঀ৾৻ড়য়৾৻য়৻ড়৻য়৻য়ৼয়য়৻য়ৢঢ়৻৴ৼ৻৾ঀ৾৾৾ঀৼয়ৢয়৻৻ঢ়য়ৢ৽য়ড়৾ঀ৾৾ঢ়ৢয়য়ড়ঀ৾৽ঢ়ৢ৽য়য়য়৽৽৽৽ ৻ঀয়ঀ৽ড়য়৾ঀ৽য়৻ড়ৢয়৻ঀ৻য়য়য়৻য়ৢঢ়৻৴ৼ৻৾ঀ৾ঀৼয়ৢয়৻৻ঀঢ়ৢয়৽য়ড়ঀ৽ঢ়ৢ৽ড়য়৻য়য়৽৽৽৽ रे.र्बा.ज.र्स्याश्च.प्रेबा.बु.सू.व्या.वे स्था.वे स्था.व स्था.वे स्था.वे स्था.वे स्था.वे स्था.व ই হ'নহা दरःश्रुवःतुः न तवातः द्रतः कुरः छ गतः न तगः । प्रः श्रुवः पः श्रुदः नः प्रः श्रुवः तवा गप्नः 47.8XI ठर् विश्वता शु तो व तु ता पर प्याप्त शुरूर दे | रिगे परि प मेता गवेव हिंव पा देव से केरे बितायया ग्रीरा पक्षेयाम स्थला ठर्ग्यु पिति तथा ग्रीया दि तर मेला पार दे सि स्था म्बर्याने। क्ष्मायरी न्ध्राम्बर्धित मित्राम्बर्धान भेत्राम्बर्धान मित्राम्बर्धान मित्राम स्वर्धान मित्राम स्वर्धान मित्राम स्वर्धान मित्राम स्वर्धान मित्राम स्वर्धान मित्राम स्वर्धान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्यान स्वर्ध बर्ने स्वाया ग्री वावन् वस्या कर् वारा वाया विवाय करा मु वाया वाया विवाय करा विवाय करा विवाय करा विवाय करा विवाय

यवावात्रीकी प्रमुवाया सम्मवात्र न्याया मित्र मित्र

ষ্ট্রীব:বব:ব:বইব:ঘ:র্থার ग्रुट रमः वयरा ठर् ग्र्य यरा द्या हु . दकर न दी พ.๔๙๗.๔๕.๓๕.ฎํ.๓๔.๓๘๎.๒๑๗.๑๔.๔๗ํ๐.๓๕.๒๐๗.๕.ฃ๗.๓๘.๗๙๔.๙๓.๑๕.... ञ्चर-र्ने र-ग्री-विद्यास्त्रकारुन्-क्रूंद्र-य-व्य-द्यायाद्यायाः व्यायाः प्रतः च्या-व-द्री-यट्य.क्य.वेच.चेद्रच.ल्य.तप्त.होर.स् |र्ने.क्रेर.लट.क्यं.ध.घ.पय। मिलेव गुव मिलेव में का मिलेव म बर्ने ब्रे न् प्येत दे ब्रे न् युन विष्य है या विषय है न्दःन्यः पदेः यदः मणःन्दः श्रेः व्दायः प्रायः प्रायः स्रायः श्रेष्यः ग्रीयः वृष्यः पराः श्रेः रवयः ग्रीः मृत्याचुःइअलाग्रीलान्म्राचा केराला विराहः केदायाः स्थलाग्रीलान्मरलायग्रीता ग्रीप्रम्भवाम्रहेषाः नृत्रः व्यवास्य व्यवास्य विष्ट्री दिते श्वेतः व्यवः त्याः स्याधितः न्याः स्य धेवःवःग्वरःकेवःवःइस्ययःयःदेशःधःहेरःवःविगः द्र्षेतःग्री सवःदगःयः द्वेर्द्रसङ्ग्रद् गुर्-पग्त.र्रः र्म्र्यात्मेत्य.प्रमेत्य.क्र्यः इययाग्रीःर्वः यः देवः यः हेरः क्रेरः क्रेरः क्रेरः व्याप्तयः रेर् न्दः बे : य बुदः पदे : त्या हुंद : द : दे : न्द : च : च : व द |गट्र.लट्र.चल्ट्र.क्रव्र.क्र यंदे-र्न्द्रम्द्र-मदे-सद्-त्रानुर-तु-स्न्-म्न्त्र-त्रान्दे-ह्यान्द्र-त्रान्द्र-तान्द्य-तान्द्र-तान्द्र-तान्द्र-तान्द्र-तान्द्र-तान्द्र-तान्द्र-तान्द्र ञ्चितः तपुः भ्रथः प्रचायः प्रचायः त्रचेयः प्रदेशः प्रदेशः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः न्दः दे व केन् पते न्वे दल त्वे व केन्य केन्य

दे·द्रणःयःवरःगैःद्रॅबःश्लेष्ठःयदेःश्चेदैःगॅःक्चःर्ध्यःग्रॅट्रःयदेःबेषःयङ्गरायदेः 851 नव्याशुः वहें वः पर्वः क्रॅंयः श्रॅंदः पर्वः ययः ग्रीः श्रीवः यः न्यं नः पर्वाः परः वेयः यरः ग्रुद् वर्रत्र्वर्ष्ययात्यावी प्रत्यु प्रति ग्रम् ययापा यळेगा वै ग्राबुद्र छेवा से स्वया धिवा से न्। दे यदः रदः केन् 'म्ला बदः पः त्यः स्वायः प्रदेः श्चुः यक्ष्वः ग्रीयः गन् ययः प्रदेः यक्षेत्रः गृतः गृत् दः ने र् यः नद्या नर नु दे क्षु या तु : यद : द ना द स्या द में या पा धेव : ग्री । न्यु द : स्या दे : श्री : मु र द प श्ची व्याप्त व्याप्त क्षेत्र साम्बद्धार स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त चेतुःतुवालम् वर्षेतार्थवार्वम् तारेषायाः केन्यायाः वीत्राची बर:इब:र्इर:य:वै। न्युट्रर्ग्य वयक्षरुर्ग्य्वर्ष्यर्ग्य, कृष्मं मार्थः वेरावेष्यः प्रमा हर्षः केद्रः यदिः श्चेयः य इवायान्त्रवा केवान्ता व्यवाग्रहा व्यक्तिम् वित्यव्यव्यव्यान्याः व्यवः विवायिताः स्वयः व्यवः विवायितः मश्चरह्तार्तुः पञ्चन्तारायार्त्रान् विदः वयवारुत् वत्यवार्त्वा हुत्रान् विवा हुत्रान्वा हुर-मॅं-८्मॅ**ष:य:धेद-दीं ।हेंद**-य:देद-यं-केदे-वय:दवा क्र्यायर:यु:पश्चमताःव्याः २८·दर-ळ्याबर-दुःनञ्चनयाः गुर-ळ्याचेन्-सुन्याचे से नेयायर ळ्याचेन्-यर्न्न्-चुर-**पः** वः इनः चववः वर्षः चर्डनः न् चेराः स्वराः ग्रुटः ख्रः न भन् ः धः क्षेत्रः वः चे । नराः केराः हो। तर्रः प्रमृतः पात्रे सहर् । यत् इतः पर्वः न्यः क्षाः मुद्रेषः है। यिरः न्रः हैं गराः पर्वः मन्नाकृत्रम् । विषान्धर्यायाकृत्। स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् सिर्नी नक्ष्र पार्श्व क्ष्यामन् मृत्येष परि हिला ह्या पार्चे प्रमाण न हवा तार वे नक्षा पार्थे प MI

कुषाः राष्ट्रवाद्यात् । व्यव्याद्यात् । व्यव्याद्याः व्यव्याद्याः । व्यव्याद्याः व्यव्याद्याः । व्यव्याद्याः व র্ম থান ব্যথা নীর্থা नव्दःवेनः नहदःयः धरः द्वाः ध्वाः यः व्यव्दःवेनः य**ञ्च**रः हुः नःयः उ*रः*। रे.केर.लट. म्बद्र-व्यः भवः है। हः न्युकः ग्रीःकः नह्नवः वर्षः श्रुमः म्बद्धेवः देव |बेक्ष:महा**दक:**र्जा | *ने* ॱढ़ॱॸॱज़ॱज़ॸ॔ॺज़ॱय़ॱढ़ॸॖऀॺॱॸऄॺॱॻऄॖॺॱॸऄॗॺॱख़ॖ॔य़ॱॺॺॱॿऀॱॻऻॺॺॱॸ॔ॸॱॱॹज़ॱॺऄ॔॔॔॔ॸॱॻऀॱॸॸॱ <u> नशिर.४च.८ मूर्य.४ जील.८८.५२४०.५५.५५.जी.चेथ.५८.५४०.२८.५५८.५५.५५८.५५८.</u> ने न्या वयरा उर् ता तहें या क्षें या न्यें रा पा इयरा ता तहें या क्षें या वे न्। न्युन् दरा पक्षेया न्म्याम् इवयात्यास्य स्वरः स्वाधितः भेषारमा श्रीयान्धन् ने व्यवस्य स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स इयावयाविद्रापरावाण्याम् व्याधिदारमा वयरा उद्गान्यया द्रमा हुः वकरा है। दिः क्षाया धेवः नर.पत्र.बी.पेथ.लूर्थ.थी.क.र्म्बय.तपु.क.चेथ.पबेच.स्.जी श्र.श्रर.क्रेच.तपु.ध्य.रच. र्टा चिषा चरा छे. है षा वया वया वया श्री चिर्या प्रया वै । मृत्य र छेवा छे । इयया मृत्यया र मा हि । श्री ।।। मीविर.कु.प.इयथ.वयाच नर् तप्त पहर्ने दे ने ने वे स्वाकेर स्थर हमा प्रदे ने। मेलरमा गुरुर नु मेलरमा भाष्ट्रण हु द्वराया दे प्यट व्यवस्थ मे के हेर दर वरे नण मान्यतापदे वळ्ना तु वर्षेत्र पदे देताय हि हुर ही दे न्या न्यतायदे वळ्ना या धेवः ब्रादी-देन्पायह्रद्रात्तात्व्याः क्षेत्राच्ये न्यात्यात्तात्वाच्याच्याच्याः शुः विवा विवा हेत्। देन्स्र यहें के.वय.क्ट.मे.क.क.च.रम्ट्यत्येल.र्ट.पर्याता.यर्थयार्या.ये.वर.या बेर्.ह.वय.

क्ष्यःश्चरः पद्मी विरुद्धयःश्चरः सर्वे स्वास्त्रः स्व

तर्वायामाध्येव। न्नोत्त्वायाम्बार्गाम्बार्मान्येवार्मे ।तर्वावे नेनायाम्बार्मान्वे वे रम्बायायसं बेवा चेरावा ह्या श्रीटा पदी विदेशवेरा हुन वेषवा रावा स्थाया ग्री केर् रहा ৃবেহি·বি·সনে অন্তান্ত্র অংক্ষর অণ্ট্র : ঐত্বর সাধ্য বির নি আর সংক্র কার্য নি নি । |त्रै-वै-च्रि-रुव-लेबल-र्यद-इबल-ग्री-पञ्चन-य-अ-धेव-क्रे-लेल-चेर-व-क्रेल-र्श्वरायाध्यस्त्र । विकामह्मरकार्या । इकाश्वरकार्या नेताहे के काया भेराही । तह्रव क्या संप्रता नर नेया तह्य तुरे श्चीर पर्दर वी । यक्षर हे व वयय ठर परी न चुर्रप्रया । मर्मित्वेयः अर्रे श्रेर्धरः चुर्प्यते । श्रेष्यायः रे दे छेषा छुर्प्यवाया । मरः वीयः শ্রুর ব্র ক্টির ক্টি । ব্র ন ব্রমন ব্র ন ব্রমন বর । ব্রমন ব্রমন বর । ব্রমন বর বির ক্টির ক্টির ব্রমন বর । कृषा-ध-**ने-बे-**ळेला**छन्-**तथणया विवागश्चरलाया विष्ट-क्रार्थना विष्ट-क्रार्थन्त विदानायाः क्षायाः **नु** इत्रत्रत्र्रत्र्वर्ष्यः वहेत्रः वहेत् छः विष्णुः ह्रात्त्रः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः ৼ৴৻ঀড়**ঀ৻৸**৻ড়৴৻য়ৢ৾৻৾৻য়৻৸৻ৡ৾৾৻৻৸৻ঽয়৻য়ৢয়৻ৠ৾ঀ৻৸৴৻৻য়ৢ৴৻ঀয়৻ৡয়৻ৠৄ৾৻৻৴৻৻ঀয়ঀ৸৻৻ शुःतर्भें मर्दे | दिवायादे वै पदेव या यंदे ते ते तु दूर द्वायदे के वा यह स्वार्य स्वार चलेथाता जया चर्या चरा चि. बुटा <u>क्रथा श्</u>रूरा बी. श्रुं. बेबबा इंबया वे. इंबरा चरा प्रविचा ता. नर्भवायदे अर्रे वाया भेवायर विद्रा

 श्च-८द-८द्याय-८इत। वित-द्र-। हे हेर हियादी येगाया गर्यायाता शिवायया वितयः न। देः नविवः वदिः वः देणवः क्रुवः नदे। |वेः वैः व्लें वः व्लें वः ग्लूदः ग्लूदः। क्षियान्य प्रमान र्ने पर्दे ह्या | अर्ह्स राम्स रुप्ते विषयि त्युर् | विषय विषय स्वरं स्वरं स्वरं प्रायति । मानु नयः इयतायहरामहेन्द्रम् दिनविष्रम् निर्मानविष्रम् विष्याप्य हेना परिक्रिया विष्य प्रमास्य स्थापर नेष धर र मुरा विक रूमा क्रेक र मक क्रा ग्रमा वर विव विक मक कर कर महा वया । मेन्यरम् न्यादम्बरम् इत्यः हेन् न्युरा । विवरम् क्रे विम् यहे स्याने यर तशुर। |रर मी नव गुर रे वे हैं पर रे नवा | विवाय महि सुन सुव से विवास क्षेत्र । मुद्र-स-ल-लग्नाकक्षेत्र-द्र-मुःबह्रग ।गुद्र-मुःई८ल-पदेः न्गःवह्रवलःबह्रदः क्र.णुवं वितयः क्षांताव्यवस्याः क्षेत्रः प्रवः मृत्याः ग्रुः वक्ष्यं विद्यः प्रवः ग्रुरः ग्रुरः श्रेरः ग्रुरः श्रेरः र्रःस्र-वःश्चेयाग्रेःबह्रम् व्हिन्यायाग्चेःवरःवानयायायाग्वानुःवरःवश्चर। विवार् त्युरा । वेतःन्युत्तः पर्दे र्वतः पर्दे । वदः प्रवः स्यतः तः क्षेतः वनः पः वतः स्तरः पः वक्षेतः दे। यर्थाः क्रियः त व्रीतः त वर्षे त्यायः वर्णवः वितः ने विः क्रियः ग्रातः ने प्रतः वर्षः म्बर पर् न्रॉवःपवेः न्वःग्रेवः देवः वं क्वेदः वर्तः नेवः नः। वद्याः वद्याः तद्याः नुवः क्वेवः क्रेवः वेवः नेवः र्यः हे छर क्रेन् यस श्रेमा मैरा पर् नेया प्रा मेरा प्रा मेरा है से पार् या है से पार् या है से पार् पर बन्यायान्दाकुराकुवाकेव्यावेतात्ववातुःक्षेत्राववायव्यव्यवाके विवादिः। निवादिः। निवादिः। निवादिः। निवादिः। निवादि क्षे.वया.विर.र्.चेवेथा.वी.बी.व्या.वंर.तं.व्या.वाह्रं र.वी.चर्.रा.पह्या.वाह्रं र.व्या.वाह्रं र.व्या.वाह्यं र.व्या.वाह्रं र.व्या.व इ.च.बर्-तद्व.पर्.भेथ.रट.र्ज्य.ववेय.र्म्य.तर.वेट.य.प्य.चेश्वर्य.त.चेश्वर्य.त. दे. इय. तपु. तथ. तथ. तथ. तथ. विषेत्र. तथ. विषेत्र. तथ. विष्यं तथ. विष्यं तथ. विष्यं तथ. विष्यं तथ. विष्यं तथ. कुर.चीय.तथ.कूथ.चो |र्.ज.पत्न.बुर.धेर.चर.बु.चे.प् ।कूथ.झ.च.प्यसकूर. य.वै.च.वै। विद्याःक्वयः दर्रः चरः देः त्यः दर्दः वेषः चश्चेद्र। विवानिष्यः वाः वेरा कुषा-५८-५५-५८-५५ पक्षा-वा-से के वि: वा-संग्राचा पवि: प्रापुत्रः है। ५८-३ ५ - परा यक्ष्र-१ व्या चैयातासराष्ट्रा वरायाया ग्रीयायया हेयासरायाचारायरा स्टाइतासाच्या क्र-भूर-जाबु-वे-नर- नेश्वरयान-क्रेर-बवेब-हे विरयान-रूट-चलान-दी र्याशु-वेब-**द्धलानः हुना नैवा** वृद्धान्य । विन् निव्याला कुन स्वालाना है। हिवा निव्याला है। हिवा निव्याला है। **ढ़**॔ॴॱऄॖॖऀ**ॺज़ॱॿॺॹ**ॱॻॱॸॣॸॱॸ॓ॺऻॹॱॸॄॺय़ॱॻॱॸॣॸॱॿॖॸॣॱॸॎॹॱॻॱॸॣॸॱऄॿऻॱढ़ॿॖॖॱॸढ़ॱॻॱॸॣॸॱऄॿऻॱॱ इत् केट श्रेष्ट्र प्रमा श्रुप्त पर्ने त्या श्रेष्ठ्र क्षेष्ठ प्रमा तर्दे र तर्दे । श्रिष्ठ प्रमा तर्दे र तर्दे । गुरा रम.ह.र्थत.पपु.क्षेत्र.जातरीय विजायपु.र्धजायु.स्थातरायक्षेरी विजाय र्रः स्वः यदेः विषाः विष मुडेम्'न हुर्। रिन हिर्द त्रा है अर् भर्। वर् पर श्रुव परे क्रम वर्ष वर्ष । रिय ग्रॅं.चक्केर्-रे-ळ्ळ्यःब्रॅब-इब ।डेब्र-बश्चर्यःक्र्र-र्स् ।

र्थरः वरा वे ने वरा प्रतास्त्र व व प्रतास्त्र व व प्रतास के व व प्रतास के प् न्दरान्यायानञ्चरागुरावरातुः वे नव्यापरा चन्यायावयापर्मा । दे प्रवेदातुः क्रिया तकर् प्यते ग्रुर पश्र्र तुः चैव ग्रुर हः येग्रायर के ग्रें र् पः र्रः। गहर्'तु'चेद'गुर' *ज़ॺॱॳॺऀॱॸॖॖॺॱॹॖॖॸ*ऻॿॖॖॸॱॸॺऀॱळऀॻॱॸॣॸॱॸॕॖॺॱॹख़ॺॱॸ*ॹॺॱॺॸॱ*ख़ॱॿॖॺॱय़ॸॱॸॾॖ॓ॸ॔ॱय़ॱॺॱॺॕॻऻॺॱ नया वेषयानर क्रि. व इ्य. व्याप्त क्रियान में याना क्रिया क र्मेयाहै। रे.मेश्रियाग्रीमवेषायर स्थान विमयामर रमा है हेषाय विराध स्थान भेग डेल क्रेन ग्रीय ग्रीटक संध्येत हैं। दि धर मुर संवय। ग्रीव भेग सर दें र स त्रु:नेष:पवन:प:वी श्रुंन:पहन:यवा व:बय:वन:ग्रेव:पनन:प:यदा श्रिव:पदे: ८न्। पत्रेव चित्र च्रा विद्र द्राक्ष्य व्यापाल विषय क्रिया क्रा विद्राण्डिय क्रा विद्राण क्राण क्रा विद्राण क्रा ऻॿॖऺय़.ॿऺ॔ॿऀ८४.त.क़॓ॸऻॱॱॿॿऀॳ_ॱ५८.च.ब॔॔॔॔॔ढ़॒॔ऒॳ.च.क़ऀॿऺ.चक़॔ज़ॱ॔॔॔ॿऻ<u>.</u>ज़ऄॗ**॔**॔ धते वर् क्वाया संगया द्वेदा संदया धरा तुर्या ह्वा तुर्वा चा धिदा धरा दे त्या दे रा**दे राह्य देवा धरा रा** गाः यः नदेः ल्यः व्या देवः यः बी दः दः देः स्र र द्वां वः वः वे वः वे व्या हुः दश्हेः **डे**र:र्मेश तृगःगञ्जयःग्रैःग्रॅंटःव्रःकेवःयंतःवेनसःवसःव्रःव्यःभवःक्तिःकेःनःयःमःभ्रंयःग्रैतःग्रैतःग्रैतःनःयः चर.लु.ब्र.भेश्व.चश्चरः।

क्रेव् र्यः क्रे. क्रे. च्रेच् . चेयः प्रेच् . च्रेच् . च्रेच्ये . च्रेच्ये . च्रेच्ये . च्रेच्येच . च्रेच्ये . च्रेच्ये . च्रेच्ये . च्रेच्येच .

दे.क्षेत्र.पञ्चष्याचार्यः क्षेत्र.वयावित्र.ये.व्राप्त्याचे वर्षः वे.वे.वह्रवः क्षेत्र.व्राप्ति व्याप्ति वर्षः यतः मक्केषः मगुरः मरः चेरः यः हे। व्यवः हवः रेषः वः सुरः यः यता 오는 사람이 나는 사람이 नदः इच्या भीया न स्रुप्त स्रुप्त न स्रुप्त म्यूप्त स्रुप्त म्यूप्त स्रुप्त म्यूप्त स्रुप्त स्र स्रुप्त स्रुप्त स्रुप्त स्रुप्त स्रुप्त स्रुप्त स्रुप्त स्रुप्त महेब.पक्षेब.तर.वी बियामधिरयातपु.होर.र्रा डियाधायक्षेब.तायाञ्चराची पर्टी.पेया न हो द्राप्त हो वर्पत हो वर्पत हो द्राप्त हो द्राप्त हो द्रापत हो ञ्च-**परा-पशुरुष-प**रे-प्र-प्र-प्र-प्-र्-ह्रग-शु-प्रवृद्य-प-त-प्-प्-प्-केर-अर्वेद-वृद्य-द्य-द्य-द्य-द्य-द्य-द्य-द्य-ा वव. २व. वेश्व. श्री चिर्यासाला वराय है। पदा परी. पेया पश्चीरामा है। **इ**थ.श्च.पथ.पक्षेत्र.तपु. वर्षाता.धेषथा.श्च.श.श्चरथ.चे.कवोश.श्रवीयःविषःश्च.धेयातरः... बर्घर वया वव १ वर मुका व बया हा त्ये पर में दे हो। व बया तेव बेर पर इया मरण बर दं गर्भग पते के ग क्षेत्र के ते व तार्म | दे प्यर बहे रुद त्यम पर दूर मूट प कर् पाय ञ्चवः त्रुवः त्रे:वेष्वः पविषः पविषः प्रकः क्षतः व्याप्तः व्यापः व्यापः व्यापः व्यापः व्यापः व्यापः व्यापः व्य द्रःश्रृत्यः व्याचा वा वा वा न मःवयः वृष्ट्यः स्वरः वर् न्याविः स्वयः रुष्ट् ग्रीयः वेवयः मः यान्ययः म्याने स्वरः यावः रेः र.चेडेथ.चेडेथ.ठब.धेबथ.थे.घट्य.तथ.घ.झच.तथ। जब.मु.क.घबथ.टर्म्चयराय.प. र्सं स्र- हे ब. नद. नेयारन केया रहेर हैर हैं स्वर बैंद बैंद नेवर रे प्रत्रे केया है। न्यवः क्रेवः यः रहः मैं वियान नगरा नहेंन् याता ने राधर मुवानु रोवया दे रहा वा । श्व.दर.१४.थ.४५८.वि.हेद.इर.१८८। विह.६४.४८.व्यापाच.कर.वावा बर.पबंद.श्रव.चहेव.त.ल्य.व्.चब्रेंच.वश्चर.वश्च |ब्रेय.बश्चर्यता.क्रेच.च् ।ई.क्रेच.व.चर् यावन्याक्षात्ते त्राचित्र विकासीया हिन्न विकास *दे*ॱळेगॱठंबःतुॱर्तेदःवॱवृंदःबॅद्यःयःच*चवःचवःवेः*धेरःतुःगृद्ययःयदेःदॅ्दःबेःश्च्यःयरः*वृद*ः यः द्वा वेगः तुः त गुरः न रा। अवः यः पर्यः वराञ्च वः श्वेरः वरः श्ववः श्वेरः वः विः वः क्षुरः न्नरल'व'वर्'य'वर्'यावा वे नर'य'र्राया हो। हिरारे'यहेव ग्री कुलार्ये पाया वे र्ना वः विरः खेषः वैः श्वृनः चन्द्रयः है। यिः ग्रम्यः यहः सं रेषः दन्यः यहः यः वरः य। दिः वैः खेवः रेहः वर् छैरा हेव से दरा पर्या विर् स्वया गर्से प्रते छैर प्यतः श्वर पा पर्या विर प्रतः प्यतः *चु-दे-धरा-वर्भानाधर्या अञ्चर-प-वावराभेर-देग-प-दे-क्रेन्-दे। ।देश-ग्रुम् क्रेम्-*हे-क्रे-नर नव्या व्या वै । श्रिवा वर्षा न हरा नर ग्रीय वेषा ग्रीवा या प्राची । श्रिवा यहा न नहा वेहा सर्यानानु भिर्याच्या वि.च.पळ्च. तरा पश्चरा पष्टी श्रीवाशा तिहा । श्रिवा पर्या या त्या য়ব-য়ৢয়-য়ড়য়য়ড়ৢয়ঢ়ৢ। । वर्-म-दे-ড়ेर-য়ৢয়৽য়৾৽ড়য়য়৽য়৽য়য়ৢয়। ।दे-महेव-मह्रव-म-तदै-सः रपःहुरःहे। क्षिपयः रूरः प्रयागित्रः रूपरः में गुदः रेगः दया क्षियः पः यः दैः यरेदः परः ॻॾॕज़ॱॿऀॱॻॖॖ॓ऻ॒ ऻढ़ॖॻऺॴॸॱॷॖॱॻॾॣॖॖॖॖढ़ॱॴॱज़ॱॿऀॱॸ॔ढ़ऻ॔ ऻॹऺॗॴॱ॔ॸ॔ऻ ॸॗ॔ॴॷॖॱॸ॔ॻॱऄऀ. ॻ**चर**ॱय़ॕढ़॓ॱॾॣ॔ॴॻॳ॔॓॓॔क़ऀॸऻ ॼॎॣ॔॓॓ढ़ॻऀॗॴॾॣॕॴॳ॔ॴॸॱॻ॔ॿ॓ॱॹॾॕऀ॓॔ढ़ऻ वि॒॔॔॔ग़ख़ॕॿ॔ऒॗ. मुलःनः व्यापारम्य । वर्षाः वीः वर्षः वीः वाक्षः वरः क्षेः बुक्षः विद्या । विद्यः न्रः। ଜ.୯ଛିଲ୍.ମ.ଜଡ.୬୯.ର ଖିଡ.୬୭୯.୯୬.୯୬.୯୬.୭୬ । β ଲ୍ଲ.୧୯.୯୬.୧୯.୧୯.ଖିଲ୍. त्युना । ञ्चव-न्धन्-नय्यावरा-चंब्राग्रेयाची । वन्-ध-न्व-या-यावद-त्युन-न्वा मुश्चर्यायदे भ्रितः स्। १२ यावाववा हवायावी वर्षायदे यदी भेषा पश्चेरायर भ्रितः विषा म्बुर्यः पर्वः व्वः हवः वी प्रवेयः मृत्रेयः मृत्ययः पर्वः न्नरः रूपः मृत्यः स्वयः यः यमायेदातुः चेत्राया है। दे प्यादा चेत्राया मेवात् मेवा मेता दे त्या मेवा प्राया प्राया मेवा प्राया मेवा प्राया <u> इथ.वथ.भुव.तर.वैथ.तपु.रेजूव.तपर.वैरे.त.लुव.तथ। इथ.तपु.रूव.त.वेथ.त.रेट.</u>

मध्रुवः यदेः त्यन् । येव नः निव नः निव में । में । भेरः धरः । विषः यदेः ह्रवाराया म्यायः है-व्रथानः बरः बरः करः। व्रियः विवयः येग्वरानरः व्रेष्ट्यः व्। िरः देः हतः विवयः छेरः अरः इस्ता । दे.कु. व्रथ.त. स्थ. श्वेंब्र. यर र्स्याचेर्-व। रि.ध्.ध्याप्तिययाचेर-पश्चायाचेर-। रि.ध.स्यापास्त्राख्यायाच्या। श्चर्-हर्। नि.म.नहुत्वाल्यस्व गुर्याक्षेत्र। विमर्देषा सर् र विष्याय रूरा विवयः येग्यायः स्याचे रः या | रे.वे.म्वेयः ग्रेरः व्यावयः भेरः । । रे.णः वह्नायः तह्रद्रात्नाः क्षेट्राय्यः नेषा शुर्यः शुरा। । नाटः विनाः चनाः क्षेट्रः चक्रः चक्रः चेर्यः चेदे। । विषा र्रः नेलायः र्वः क्रेवः क्षेत्रः स् । न्रायः विनात्य न्रायः वह्नवः यदेः क्रेत्रः त्रायः विरा ने न विद्यासन्दर्भ में ता श्रुप्त होता या *|दे-द्व-*¤ऑन्-इक्-ऑ्न्य-द्व-ऑ नम्बता । मृथः रटः नेयः पदे पः स्यः होदः पः तह्न । वियः रटः। क्षेत्रः नव्यवः नक्षियः पः लया ग्रमा नम्माने मुनान्याम नम्माने के स्वापान में के स्वापान माने माने स्वापान स्वापा निहरक्ष्रिया श्रुर भेव हि द्वन प्रम्या तश्रुर । श्रुराय प्रमाय प्रदे देवा में । लेकार्टा नरायाक्षेत्रविरादात्र्वारमालेन ।र्ययाचानवराष्ट्रीयंदान्दराय नवेवा । नन्मः वेनः ववः ववः वव्यवः सरः त्युरः नः हे। अञ्चः वः नवः नवः वेवः सः वर्नः न्यः म् । बेश.र्टः। वी.र.ब.वेटः विवः क्षेटः द्वः विः व्यटः वेरा ।र्वायः वरः वी. वरः देः वरः वः क्षर मुद्राधारी विद्राञ्चा । रे.के.वे.वर्.क. देन श्रेम्य व्यव्या विद्रा विद्राप्त वा श्राप्त र्णवःश्वरतःहो ।ह्नाःकुःचनाःधर्ःईकःतःर्द्दःस्वरुःभेग ।हेराःन्धरतःस।

न्वतः सरः क्रुयः तकरः प्रवाध क्रुवः पः वः रदः वी क्रुन् व्याधः शुः प्रवायः शुः प्रवायः शुः ᠋ᠳᠲ**ᠵ᠃ᡝ**᠊᠌ᠬᢃ᠂ᠳᠲᠸᡃ᠍ᢧᠵ᠂ᠳᢩᠳ*ᠵ*᠂ᠵᢩᢃ᠈᠗᠂ᠺᢩᠫᢅ᠂ᠴᢐ᠂ᠽᠸ᠂ᠮᡰ᠂ᢩᢖᢩᠵ᠃ᠳ᠀ᢋ᠂ᠬ᠈ᠵ᠘᠇᠘ᡭ᠂᠗ᠵ᠂ᡪ᠃ व्रदः यः देवः र्मेषः स्व । र्येरः द। उर्ः पदेवः क्रीः दवः विष्यः विष्यः स्वरः यदः हेः सः स्वरः स्वरः हैं **ग**.धर.५२ॅ**२.स.ब.ब्र**.ल्र.स.स.स्**य.ब.**य.मेळ.सर.व्य.हे.ट्र.स.खेळ.च.सर। रदःषीः *ৡৢ৾৾৾৾*८.त.ৠৢ৾**৾ঀ.**ড়ঀ<mark>৾৶.त.</mark>ৼ*য়য়*৻য়ৢৼॱড়ৢ৻য়ঢ়ৢ৽য়৾৽য়ৼ৾৽ঢ়ৢ৽য়ৼ৻৻৸ नेवि के नन्नानी बुन् तरी क्षे. तुर स्ट्र हे लेया भैनाय नहरान क्षेत्र है। दे तय क्षेत्र सेया विदा <u>ल्य. ५ य. श्र</u>ीत.त.ज.पटेब.तथ.क्र्य.ग्री.ईथ.थी.श्रूय.त.खेब. ८ ब्र्य.५। ষ্ট্রব্য:ঘর:স্বর্ यतः पर्वाचीः श्चेर्पार्वाप्यते ग्वाचिता । क्रिताग्चीः श्चेराम्यवाद्यस्य व <u> निर्मा के का विकास के का कि का के कि का के कि का की क</u> य्याञ्चानायाक्रमाङ्ग्रह्मायदे श्चिरालुमायाद्या । इतास्त्रमायसम्बन्धारम् ७व. पते. ड्रॅन्.ट्र. श्रून. मन् अष्टिव. वर्षः क्रूयः मृशुम्रायः भूनः मृतः । वर्षेत्रः व. पन् मा मैर्षः रोबल:ठव:घबल:ठ**र:ग्रे**:रॅव:र्र:लटल:ग्रुल:वेंच:घर:ग्रु। रे:८ विव:घ:ल:रेटे:क्रु:ल: नञ्जनः नृज्ञा ने तः भेषः नृज्ञा ने तः क्ष्यः म्यान् मेषः स्राध्यः क्ष्यः स्रव्यः स्रव्यः स्रव्यः स्रव्यः स्रव्यः पर-वृद्रःष्ट्रवानुःरोयणःपञ्चेत्। इतापदेः धवः प्वनः प्वनः वतः वतः नेः व्वाः रोटः पानः वतः वतः **इ**ॅर-ग्रे-श्रुंब-श्रॅंट-च-लॅग्ज-इल-हे-बढ़ब-द्री ।

नीकेश्व.त.क्रय.चर्थ.तपु.क्ष्य.पानवी क्रय.चर्थ.तपु.लय.प्यय.चयाया क्रेय.

यः न्दः ळेलालः नेवा मुं निव्यायः न्दः क्षुं नः नः हेः सु तु लः न न्दः या यः न १८ : यः ५८ : श्रे न १८ : यदे : श्रु र : यदः दे। क्रेन्-नगुर-न्द-श्रम्ल-ध-ल-นานฟินานานป อิชญาย ดิ.ชิ.ภู.ภู.ชุ.ชะ.ฮุะ.ฮุะ.ฮุะ.ฮุะ.ชุ.น.ชู.ฐินาน.ฐัน.น.รู้ यगुराष्ट्री बी पर्दे दायर केंदा ग्री ब्रेंबर या ब्रेंबर या नादा धेवर या दे वेर यवर धेवर है। न्रालेका पर्नाक्षे इवायान्यास्य वाराव स्राप्तान्या त्युर.च.र्टा व्राप्त.व्युर.च.र्टा चहुब.त.र्ट.क्र.त.र.व्युर.च. र्टा वेषारमार्टा व्यापरावश्चरामार्टा वहिनाहेषायवावर्षायवे वेषारमा केर्-धर-तश्चर-घ-र्टा। यटल-कुल-घड्ठा-इब्र-दर्ग-दर्ग-इब्रक-ग्रील-र्ग्न्य-धर-दश्चर-ब्रुन्-धर-तशुर-व-र्टः। व्रैःबर्द्रतःधःह्ययःग्रैयःनेःयःश्चयतःक्रेन्-धर-व्रेत्युर-व-र्टः। देवै अहं त न ने ल इसला से हो द पर त शुर न द द । के न न हुं न पर त शुर न द । देशःश्चेत्रः विष्यायः विष्यायः विष्याः 到しな、たな、ちゃりな、たて、は、これ、これ、これ、一方な、後な、別、題は、たいか、四人、一般の、の、これ、日、 चर.प्र.तर.पश्चर.च.ही वृथ.स्वीय.सर्न.क्.री.वर.वशिट्य.तप्र.तवे.स्वे.प्रवे.प्रवे.चवी. यःवयःश्रंत्रायः पञ्जेदः पद्र | दिः त्यः पह्रवः यः द्रः स्वः यः दी पञ्चयः पञ्चरः वयः र्थः श्रायः न्दः स्वायः पञ्चरः त्या विष्यः हिरावः द्वेषाः त्याः पह्निषः परः पञ्चरः र् । ह्रेंब.त.र्ट.क्र्य.ज.रूब.ग्रं.पश्चेर.त.ब्री श्वेज.चट्ट.लेब.चश्चर.प.ब.पक्र्य.र्वेब. तर्याः वेरः ग्रेयः मर्वः च म्बयः यः संग्रायः सद्रायः सूरा ॻॖऀ॓॓ढ़ॸॱॸग़ॖॸॱॸढ़॓ॱढ़ऀॸॱऀॺ॓ज़ॱॺॴॾॕॴॴग़ॖॴॱॻ॓ॾ॓ढ़ॱय़ॕॱॸॄॸॱॾॕॣढ़ॱय़ढ़॓ॱख़ढ़ॱॸॖढ़ॱॸॄॸॱॸ*ग़ढ़*ॱॱॱ वा चलवायावी ॅ्राज्ञ त.कु. यळ्ळ त.व. त. तता. नशु त्यः यते. वेतः व्यः वि । हे। रदः ताञ्चवः यः नृदः क्रॅं ताताञ्चवः नृदः क्रॅं तावृवः यः त्वतः यः नृदः नेः चविवः यभिष्यः यः ताः । चुयत्र.त.सूर्या विषयः यष्ट्र. त्र. रू. विषयः तप्तः स्वाः रू. विषयः क्षेत्रः विषयः क्षेत्रः विषयः विषयः विषयः व অদ:অদ:একন্:এঅ:দেএ:র্ষ্ট্র:বান্দ:বন্না:গ্রিন:স্থ্রাআ:র্মনান্ব-ন্ট্রান্ত্রানানান্দ:আদার্বিন্ট্রান্ত্রানানান্দ <u>क्रथ.ज.र नु.जवीर.वोर.त.रट.चथ.म्याजायाक्र्यवायात्तर,चट.वुटायाक्षेत्राचाश्वरयाः हे।</u> न्दरः यः नर्ने राः हे · न्दरः वेरः धेर् रहु रदरः नदे र राष्ट्र न्रा शुः क्रवः ग्रीः विः रूरः ह्रदः यः दिद्रः ग नतुन्द्धरानठन्धिः स्वायाषा हें **द**ानु नहें दादा ने देशे विराधना न्यना स्वरानकुः र्ह्य कर : रु. पर् रु. रू. पर पर रु. श्री : देश श्री : क्षेत्र अव की के दिया वा द्रद्या गुद्र चर कर् छ चरःश्चे.धे.थ.तरःध्ने.ग्रे.थ.के.षक्ष्याचे थाता ज्ञान्यः वश्चितः तथः रूवायः ने विद्वाया য়ৢ৾৾**ॱয়৴৴য়**৾৴৴য়ৢ৾৽ঀয়য়৾৸য়য়ৼ৾য়ৼ৾য়৸য়৾৽৸য়৽য়য়৽৻ঢ়৾৸য়ৼ৾য়৸য়৽ঢ়ৼ৽৻য়ৼ৽ঢ়ৼ৽ थ्व.तर.चनर.री रवातपु.क्र्य.तश्च.र्गर.त्र.जयी व्यव्यत्र.क्रेच.प्रेच.श्चर. चरःवै। । श्रःळ नेतः देवः श्रवः प्रदेः निष्यः यदः श्रव। । वेः वः न् गः ग्रदः स्वः चरः रवः द्रवा.तर. श्रमः विषयातपुः क्षेत्रयाद्गे.पव्रिंग्यानश्चेषातरः व्या विषयः वर्षयः री. परः क्रयः

खुत्यः न्यान्यः व न्याः प्रतः क्षेत्रः व न्याः व न्याः व त्याः नः तर्ने नवायात्यतरः क्षूर् नह नाया रूरः क्षूर् नु भेवादा वायावावाया वारा वारा विश्वराचा हेर.इ.पह्रं की.केप.त्.पथा क्र्याग्री.क्रेच.तप्.क्रं मी.क्रेच विकारे क्रिंट.प्र न्रांतित्वत्त्रत्त्र । र्याक्षयत्त्रम् नेर्याः व्याप्त्रम् व्याः विष्याः व्याप्ते पहित् वित्तिः नेतः नेतः वित्वावितः भेषः वित्वावितः वित्वावितः वित्वावितः वित्वावितः वित्वावितः वित्वावितः वित्वावितः नन्गःगैकःहेःकुरःनन्न,कुकःवेका विन्**ग्रैकःनेः**श्रन्नन्दरःगरः। |इद्रायहिंद्रायात्तर्मामात्राह्रद्रान्यत्तर्भात्र्रमाह्रे के स्वर्पान्यस् 47.XI रवःयः नदः वज्ञदः यः व्यदः देः विवः वृ। वित्तः वृः व्यः व्यः व्यः व्यः विदः विदः विः ववः ロメ・ギー

च्.पोळ्पोथातानेट.पर्झ**था**तानेट.पो≅४.घ.रेट.पोथेष.ब्रूपाचारेट.क्षेपाचारेट.खे**पा**चर....... चङ्ग्रेज.च.ज.धु.चै.दू। ৢ*৻*৶ৠ৾ৼ৾৽৾ঀ৾৾৾৾৾৾৾৴৽ড়৽ৼৼ৾৽ড়ৢ৾ড়৽৾৾৽ৼৼৼ৾ৼ৽ড়৽ড়ড়৽ৼৼ৽ৠৼ৽ড়৽ ठवः र्रः र्शेषः यः त्यः श्रेष्य १२ प्यरः र्से । । श्रुरः यें के र्रः हः व्वायः र्रः व्विषा र्रः यविषा चतः क्षेटः दः दर्गः सः नृदः बळ्ळेषः क्षेत्रः शुंदः सः तः वेतः निन्दः नि। ¡ वेषाम्बुर्षाते। रेप्नायणः व्नायायाद्वीम् मन्दुः तुराक्ने वेष्ट्रायः रूपरः चतः न्ने चः इयवः न्वयः श्रम्यः न्दः यवरः व्याः ने ःश्र्वः न्ववः इयवः शुः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व **ऻॸ॓ॱॷॱज़ॖढ़ऀॱख़॔**ॺॱॻॖऀॺॱॾॕॺॱॻ*ঀॸ्ॱॸऀॸॱज़ॺ*ॱॺॖॺॱॸ॓ॱॳॺॱॺढ़ॸॱॸ॓ॱॠॸॱ ロ煮.ロエ.â女| मुश्चरत्रासदास्त्र स्वतास्त्र स्वताम्द्राचे स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वतास्त्र स्वतास्त्र स्व इयाः विवास्तरम् नवरः तुः वा स्राचार्यात्रहेत्र त्रवाक्रवार्ट्यः क्रवाञ्चातायाया गुवायायाया स्ववायायते । यवा गुःश्चेताया स्रा चलन्यायाः चयवारु न् गुरादिन् गुरादिन्। ग्यारातुः ग्राविकार्याः स्थलः गुराद्वः दक्षाः प्राविकार्यः न्दा तकन्त्रान्दान्त्रवासवे स्वामवन्तुः स्टानस्य नन्द्रान्त्राम्यस्य मन् मुन्याध्य म्याध्य व्याध्य व्या ववः हवः यहं नः केरः विनः परः नुः गन्ययः रगः वन्देदेः त्रः यः मेरः यः स्ययः ववः हवः भेवः हः ळे. चरः बह् र र्ने। १२ दि च र बलायः छेदः यरः श्रूरः श्रे तिरे तारे तायः वा हे र उदा श्रे स्वा रे. वेर. वेद. ब्रंच प्रत्या नवे. ब्रंच वाया श्वाप क्षेत्र वा विषय वा क्षेत्र वा क्षेत्र वा क्षेत्र वा क्षेत्र वा क्षेत्र वा विषय वा क्षेत्र वा क्षेत्र वा क्षेत्र वा क्षेत्र वा क्षेत्र वा विषय वा क्षेत्र वा विषय वा क्षेत्र वा विषय वा क्षेत्र वा विषय वा विषय वा क्षेत्र वा विषय वयायात् श्विमयावाच स्थित परावेया चेरापा स्राधिताया व्रवापा प्रवापा व्रवापा प्रवापाया

ग्न्ययायान्द्रयाग्रीयाञ्चन्याद्दे स्राम्

न**े १ त.चर् व्यय.त.र्ट्या**ग्रेयाश्चितःत्राहःक्षेत्रःचर्याःचप्रःक्षःतायाःचेत्रेया দারা-ট্রী. **इ.च.च चेथा बेच्चे च.चहुर तपु. र्ष्ट्या नेटा च हुर्य प्राञ्चा है है है अप्राञ्च है है स्टर्य है ।** <u>र्रायः यानुवा देवः यानञ्जेरः यदेः क्षेत्रः कुरः ज्ञरः श्र्वाहेः वन्रायः र्रा</u> <u>ౣ</u> द्रबाद्यात्य. अर्रे र प्रश्रुवा है । प्रदार्थ | प्रदार्थ के दे से दे वा पर प्रश्रुप । या यः हें नदे ग्वतायते ग्राचना देव। |पवेताप्वेदार्या पायक्षेदा द्वाराय । वेता रूटा नशिरःह्मयः द्रेयः प्राप्ता पङ्गीनयः पः त्यतः ग्रुटः। अवः र नः वश्यतः ठर् प्रद्युतः पर्दः अर्मः वै।। नमेलान्त्रेयान्यायाक्षानहरानाध्या विवादहरानाक्ष्या भ्रान्यायाकुरावाध्याप्यान्य इ.चेंड्रचें भें भें चेंड्रचेंट्रचेंड्रचेंट्रचेंड्रचेंट्रचेंट्रचेंट्रचेंड्रचेंड्रचेंड्रचेंड्रचेंड्रचेंड्रचेंड्रचेंट्रचेंड्रचेंड्रचेंट्रचेंट्रचेंड्रचेंट्रचे नवरान्त्रेन्यायदे न नेराधिद यरा हिना सराने न हे दारि हुता नारा हे है। त्रेयतः निवः के क्षेत्रायत। यद्भान्य चिराक्षियः श्रेयतः श्रेयतः विवः क्षेट्राय्याक्षुः ह्र्यायाया नृत्ता ने निविवातुः सः रूपः तुः द्वेवः यः नृतः। यः नृतः। वर्षेत्रः यः न्दा हिदादेश्यहेव न्दा सद्यायर वेषाया न्दा ग्राह्म ग्राह्म स्याप्त । चर्रःच-र्टःश्चरःजञ्चरः। यटशःब्रुशःशुःळ्ञरावयशःठरःपर्व्चरःक्षरःयरशःश्चेत्रायः द्ये। श्व.ष.प.र.वे.पथा श.ष.इ.तर.श्वर। श.ष.पथ.वेरः। श्व.ष.श्वे.ववय.र्ट.श्वे. दे·क्षर-वनवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवा पहेत् च न ने पति प ने या न ने व ची । बर्बन निन् हेन चेन स्वान बर्द वर्ष निन् ने रामे हैं स्वान स् यते यत् व्यत् अपनिष्ठेत यते के तार्वे न्या दे र्मामी र्मेत प्रमुख्य | रूट या दे | हीर नशुर रत र में रय त में या रहा पठया पा वया हो मा पा सिंदी र पर र मु । मुसा पा सर मा विना-निश्चरणःग्रुटः। दर्नरःश्चेतःनुःनश्चयःग्रुःषयःयःभःरेयःग्रुतःविनःवतःयरतःग्रुतःग्रुःषयः होना या केवा में त्या ति ति प्रति प् য়व.जवा चन्नव.बोब.रीज.च.धु.च.बेर.खु.च। जिव. धव.सेबा.च.च इव.च कथा.जर मैलः धुन | ने:केन:रन:रु:हॅमलःप:श्चायावरः स्व। | नक्चः नवे: नन्मःकेनःश्चः नःश्वरताः तः १ बेयानमेयानवेदः इयानद्यान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षान्य वर्षेत्रः म्ब्रायन नहें व 1रे.लर.रर.श.रेज.चथ.चेवर.परेज.चेवय.घर.चेथरथ.नर.चेशरथ.नथ 괴십는석.셏 न्वनःतर्वान्तरेन्त्रः वर्षः वर्षः वरः यरः ने कुर्षः वर्षः ब्रट.च १ वोथा.च.प्र. क्रीट.प्य.लूट. तथा.ब्रा.तथा.क्रीय.चप्र.चक्रेच.च.ब्री.ट. अविय.चप्र. क्रीट. <u>ॹॻऻॳॱय़ॱॻऻऄॹॱॻऻऄ॔॔॔ॳॱॹ</u>ऻऻॖ॓॓ॱॴॱय़ऀॴय़ॱॷॱख़ॖऀॴय़ॖऀॹॴऄॗॱॻऄॗय़ॱय़ॱऄॗऻॎऄ॔ॕॕऄ॔॔॔ॸॾॸॱॻॱ लवा ह्या.पु. तत्र प्रवाद राया विषया हो विषया है। या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय म्बेर-झ्बरम्बुरम्भे । यूप-दै-स्रंस्र-धर-पर्ने-भेव। विष्य-ध-न्म। स्राप्त्र-स्य-प्रवेतः लया बर्जा इ.प.चे.या बिलाया के र्या विवासी ब्रैंट.श्राविय.ग्रीय.यंच.चबट.त्य.पर्येज.च.केर। रेचट.त्र.ज्यो.नप्ट.लेज.ग्री.ह्य.थी.पचट. नः हः न् श्रः कॅनः क्षे: नु: नु: नः वः धेवः यः त्यः वह नः वः कंतः न कॅनः केरः। विन नि विन स्वारः विवारः विवारः ุ บร.นุผ.กษู. ฺ ฐิปฺผ.ษ.บ£ป.กร.ปู่รั.กษู.หุพ.ปู่สผ.ษ.บ<mark>ฆีปผ.ก</mark>.ชุมช.ฏ.≜.ใน.... नर विषा पर्वा विषय के दे स्र ते निष्य सर हुन स्पर हिन स्न त्या <u> इवः यः न्रः नेयः नविवः नहेवः ययः वेययः व्ययः नृः वैः नरः नवयः यदेः हेरः रे तहेवः ग्रेः नश्चनः</u> नःश्रेयः नद्र। वि. नरः वि. नः वे. श्रेययः ययः श्रे उदः नदेः वे ग्रेयः यः नहे वः वयः यदः द्र्यः यदै: मृंदः तः स्रः स्रः म् स्रम् । प्रे : स्रमः प्रायः विषयः पाः विषयः । प्रे : स्रमः प्रायः । विषयः । विषयः । ग्रेल:कुर्-तृत्य:प्रर-ग्रुल:पदे:हॅग्ल:पदे:ॲद:५द'र्यं प्रतःवेदेग:मी बर-रि. व्यान-रेट-र्वेय-तर् । रेबे-पर्वेय-व्यान्य विवान्त्रेय-क्रिय-विवान न नर् प्यत्र त न व्यवाया वार्य में न हे राया वा मुर्ते वा पार्य न हे वा परि वा वा वार्य वा र्रः वर् गारः र्व दुः ग्राय शुरा क्षृत यः विगार् ग्राय ग्रायः रिः विरः हैं ग्रायः यः वैः नेयः र्पाक्तित्ता क्ष्या क् बर्द्र-तुः शुर्र-धः गृष्ठै-देर-गृष्ठुर-द्रेग्दे-बेद्-द्रव्यदः स्वर-देग्वर-देग्वर-देग्वर-द्र्यायः गुर्द-दश्चितः |दे.क्षेत्र.विट.क्ष्रेबाल.र्ट.क्ष्य.लट.श्लंच.बालल.ट्याय.त्यक्ष.त.र्ट.क्षेत्र.त्य. क्र्या. तथा. ल्रब्र. ध्रेया. तः व्येया. दे व्यंया हो। वहरा प्रवेश ग्री क्रव्या यथा। देववारा प्रहेवः पर्या बी र मा १ व्यव्या त शुरा विदाना मा स्वापार प्रमान स्वापार स्वापा

पहेद्रायतः द्वायात् **वृत्राय ग्रुराय। ।दे**। श्वेरायद्वापता ग्रुरायुरायहेद्रायरा ध्रुषा विषयः के. चरः वे. च. र्रः। विषः रचः केषः ब्रह्मः स्वः चः धी विष्ठः सः मरः धेवः रे. च हेवः द्या गर्डे में नवः ग्रुटः केवः गर्डे रः दश्चरा विवागविष्यः मधेः श्चेरः मा विश्वरः नवः द्यः य़ॱॾॺॺॱॻॖऀॱ^{ढ़्}ॺॕॖॹॱॻऻॺढ़ॱड़॔ॱढ़ॱॸॣ॓ॱख़ॱढ़ॗऀॱॸॱऀॿॱॻऻॹॗॸॱॸॱ*ॸॣॸ*ॱ। ब्रधय.चर्ष्रेद्र. वयावया रावै राबेरानदे स्राम् रावेर स्वयं या विष्या हेवा के दा के दा विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या क्षेचा.त.जाचा.लय.के.च.खेचा.रेच्या.य्रा १रे.केय.क्ष्या.श्चेचा.त्र.चेय.क्षय.व्या. हवार्चे । क्ष्मायावीमाववाहेला शुर्वाहेवा पदे व्यवाहवाहे। दे प्यदाहे अराहा इययः कृषाना कः लयः श्रः त्रिः वृदः । विग्रः पदः कृषाः प्रस्यः स्वाः वीयः श्रेतः या 132.3. हम्बरायाम्बदायाश्चांक्षेत्राहे। व्रिताहेर्पायनेदायाम्बदायकार्म्याप्यायम् कृषायः स्वाप्तायः स्वापाचितः अर् स्। दिः यः स्वाप्तायिः यव। श्वायायः यवित्रः वर्षः चदः रेबः चः तः वावतः नेटः र्वं ना नृतः चुदेः र्ञ्जः तः श्रुतः वः वः नवः व विक्रः चः वेः र्ह्वरः श्रृवः यदै गुन् र्श्वर र्णाय है हेर् प्राप्त स्वाय त्य श्रेष्ट वर चु अव य पर्ट हैर हेरा गुन् क्या ... पश्चरणः हे. हें व. प्रम् । या. हे. पते. ब्या. व्या श्विषः हा वा के. खते. वी के. खवा पते. क्रयः चन्न-द्वन-वियाने-प्राचित्र-स्वाचित्र-वित्वाचीर-वित्यःश्चित्। दर्शे-चान्न्यःवियान्यः 大女·四人妻·白·日子女·日太 「親·白·科上公·日·安·四上·四上·日安一·日公·安·七四一弟·七田一·古子·日公· र्गातःश्चर्-पर्झर्-पर्स् । मिं हें प्रते विषावया प्रश्ननः पासुकार्-र-रे केर् हें ग्रायाः रूटः क्षेर'चक्के'च'ख्र'म्डे'र्स'धेव। देर्'ग्रे'र्स्रच'र्द्यव'व्र'प्ड्व'ग्रुव'व्यव्यट'र्नुक्रियायदर बेर्-क्रुं-व-वर्डर्-धतर-बेर्-धराम्नार्च-देव-र्-ण्वण्यायारे-ग्रेन्-धर्मा वर्ण्यायाः

यदर दर् गुरु ग्रेजर रेज बै. में क्षेत्र प्रायत बै. में क हे स्ट में प्रायत की है कि में प्रायत की है के में प्र |दे:कृर:व:वश्वव:य:इवत:य:क्षुव:य:क्षुर:येव:वोद:यर:दे:द्वा:वी:वश्ववत: र्वः ग्रीः नस्वातः यः नहॅर्नः यतः वळे नः श्रुवः यः तः र्वः र्न्वः र्न्तः त्वावेतः विवाः विवाः विवाः विवाः विवाः *ড়ৢৼ৻৸৻ৼৣ৻য়ৄৼ৻ৼয়৻ড়ৢঀ৻য়য়ৣঀ৻৸৻ড়৻ড়ৼড়ঀ৻ড়য়৻৸ৼৼ৻ড়ৼ৻ড়ৼ৻ড়ৼ৻ড়ৼ৻ড়৸৻ড়য়৻৻* नु त्युर परे छैर है। हैर रे तहें व मुल ये लगा छे बरे नुष ल र मे सिर दी। सिय 다.회ブ·다.저工.丸. | 知工.孔.其心.다.之山.七美之. 「範切.日知心.七番山心.다.美之. चेत्राया व्हिंयामिष्ययार्मे**वानुःगिनेत्रायात्रेता विकानेत्राम्या** म्बुयायदराने द्वराम्बुर्या वया है द्वराक्षेत्रातायान् । उदान्दान् वी दर्राद् हे। र्धेराग्रीः इयायाधिनः दर्भवेषा । ४ इवः न्यायीः धवः हवः यहेन्। । नेः वर्षायीः यवनः ताताक्षद्भा |ने.क्षेत्र.पद्मग्रायःपर्ह्न्यया। विद्यःन्द्र-विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्य चन्द्रणयामः पह्नेरामः दे । विष्यादे राया अदा ठेवाञ्च। |दे प्यतेदा द्वारा विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय वि क्ष्याविव्ययानस्यायान्यात्रस्यान्य । श्विःवदानुषादाद्याद्यात् श्वराने। ।देः न्यात्यादीः ह्याष्ट्रियताबेर्। विताक्ष्मायाम्युयायदरारे.र्टादराचराम्युरतायदेः क्षेत्रः स्। रि. क्षेत्रः स्थः ग्रॅलः श्रुवः धते : वा वे : वा व : वा वे : वा व म्रायाम्बेदायरः तर्न् न्याः इवका ग्रीका दी: न्याः भेका परः चुका त्या वळ्दा ने न्यान्य द्वारा तळ्ळा ना त्या त्य न्य धर: **ग्र**.बिटा। श्चॅनः अप्त क्षेत्रः परः पर्दे द्रः पः इत्यतः श्चेतः श्वरः देः द्वाः भेतः परः ग्वरः व्याः बर्धव केर दे र वा र दः देव पर छ न वा वा वर दे।

ऱ्याची प्रयम्भीया व्यवः हवा दे । प्रयान्धान्यः हे प्रयम्भावः प्रयान्धः दे । सूरा व्यक्ते प्रयान्धः व क्षराग्ना निर्देश्या निर्देश्या विश्वास्ति । विश्वास्ति विश्वासित विष्ठासित विश्वासित विष्य विष्य विश्वासित विष्य ह-र्ट-र्वा पट-पव-त्रातुः वे-त्र्राः हिन्। दि-निवेदःश्चिनःयःथे-वैःश्चेष्यः वेदःव। विवः ठवः ५६ यः गुनः ५ इतः परः शेः त शुरः ६। १ वे हिं हिं हिवः मह म्यान्यः न हरः मर्दरः हि छ। रेग्यावी पर्देव विरास्थ्या विषय पर्दा । इत्यास स्थित विराद्य स्थान्य राष्ट्र नुषा । क्ष्रवर्धराञ्चा बैदा श्चेव स्पर्के दा है। ठव। |**नग्रेल:न्ट:श्रॅब:न्ट:लॅव:बॅट्ल**: **|**ञ्चय:बे:२८:दे:कु:ग्वद:यळॅ२:बे:ब्रे२| ロヺイ・ゼ・イベー |पश्चे**दः** रहरः ग्रञ्ञः तः 部42にも製され、イベー **ऻ**८भूष.चक्क्रम.चश्चिष.प.८८८.स्.च्र.चथ.द्र.लुप 1र्-क्षेत्र व्यवः हवः वः स्वरः स्वरः यः न । इतः यदः तुषः वः भेवः हः न मेवः ययः व। ।ध्वः ५वः छेरः र्यानविक्तम्बुर्क्तर्व। रिक्षित्विक्ष्मवायामयास्य वायास्य निव्य বিধ্য:শ্রু নাথা:এ: बक्षव हे न स्तर्भ में वाया वाश्वरया परि पश्चन काया या समा वाश्वरया या रे.म.ब.लदर बर्द्धत्यः स्. ब्रेथः ह्. ह्. क्रुयः व्यायाद्यः ह्. च्रुरः व्यायाद्यः व्यायः व्यायादः व्यायः व्यायः व्यायादः व्यायः वयः व्यायः वयः वयः वयः वयः वयः वय अक्षत्र.वे.र.य.वेरया.त.ल्ट्या.वे.क्र्याया.त्र.क्ट.च.क्षया.वे.र्याया.वे.ट् द्रम्यायायर पर्वेषया पर्वः वकु र् कः र्रः स्वाधः याया सवरः वृत् ।

ष्ट्रत्यः श्वः न् गः ग्रुट् : वृतः स् देवे: श्वुं दः ग्रुः । न् न् न् ने तः श्वें दः रुदः न् ने तः हु नः त्या तकर्'ध'यदे भ्रुंदः यदः यदः हतः दहेदः धरः दशेयः चः ययः मुख्यः या । देवः दः विवः मुद्रेदः सर्वः *ऀवेन्*ॱॿॺॺॱ**ठन्ॱ**कॅम्'न'ढ़ऀन्ॱॻॖॸॱनेॱॺॱनेमॱॸॕॱऄॺॱय़ॱॸॖॺज़ॎऄॸॱऄॺॱक़ॺॱॻऄॗक़ॱॱ यात्याबळवा हेरातरी न्याक्रार्मिया ही । देराया मृत्या मृत्य यःक्रेन् भॅन् व ने या न क्रेन्य वया भँवा हवा बी बाई दा नया वे नया न न न न सदी में वा क्री । क्रेन्न्। न्तुःयदेःक्षेरःमःयय। ध्रुणयःशुःक्षरःनयःवेययःगुनुरयःयय। लट. कू नेया शु. त श्रुपा विषया मुख्या संस्था हिं मेया क्षित्र हो। स्टा मे खि मेया का व्याया का विषया स्थाया कि च.र्रः च|बव.ग्रीःऋथाले बथाला बे.र्बरः चद्र। वि.प्र.च.र्ने.यरः ची.श्चरः ताराह वायावया र्देर-न्म्याने। घट-छ्न-वेयवान्यदे-ब्राव्य-वर-वर्षा रट-मै-वर्द्द-यः वहटाहे बाववः सः रूटः श्रूयः रूपं वः ग्रीः नावुरः यः रूपः नु व्यायः रूटः गुवायः यरः ग्रुद्र। विवायाश्चरयः पते धेर र्| |रे रवा ग्रेश कॅन नवा क्षेत्र व नवा प्रतान व का ग्रेट के नवा पर निर्वास पर <u> २ म.त. २८. छेथ. च १८. जब. केर. बॅट. बेछेथ. इश. तर. ५ छेट. तपु. वृंद्र, वर्ष्ट्र, वर्ष्ट्र, वर्ष्ट्र, वर्ष्ट्</u> बे उर पर्या ने गाने या में प्यते हैं। न्र व्यव या न् में या ने । नेयावी क्षेटाया अन्यते भ्राप्त र्र्- दल क्षेट्र सं तेद दी | दि गविषा र या ग्री या के गा ग्री या क्षेत्र या ने गविषा यद ग्री या के स् **क्रयान्यः क्रयाञ्चानः याण्यायः यान्यः य** বেগ্রীঅ'ব'অবা ग्रुप्तार्थ। रि.क्षेर.व.क्र्यायार्देव.विवेर.क्र.व। व्रवःधरे क्रे.क्षेर् खेवायाधरः विहेर्या यः ब्रें प्रविद्यं । प्रविद्यं देते समुव मुव वी म्रं प्र एव प्राय थेव या प्रवाय में व पःवीःग्ञुःमॅ**रःग्**वयःपद्। व्राथयःपग्नैरःठ्रदःपदेःळ्यःदेःद्वयःळ्दःथःळ्दःपह्णयःयः सदान् न्या में ता के द्वा के ता विकास का का स्वा के ता क स्वा के ता के त सहामा का के ता क

पहिन्तपुर प्रमुश्च मुक्त मुक्त रहे हैं स्पष्टिं क्रिय प्रमुष्ट प्रमुष्ट प्रमुष्ट प्रमुश्च प्रमुष्ट प्

गुः नव दे . पक्षे था तत्रा | दे . दे ना . जिटा पक्षे था पक्षे चा पक्षे था पत्र . पत्र .

अदे र न मार् न के मार के विषय के स्वर्थ के स 'क्षेत्र न्वो पर्वे पर्वे व विव विव के कि स्व प्रकार कि स्व क हिरारे तिहें व त्या गुरा देवा वबवा उर् र र र ह बवा रें र हे र में परे प मेवा मुद्रेय नेते म्लानिक प्रति । विष्याम्य प्रति । विष्याम्य प्रति । विष्याम्य <u> ਭੇ੍ਰ ਗੁ. શੁ. ੨੮ . ੨੮ . ਜ਼. झे. ५. ही ५. ५. १ जह ५. ५. ५. । जह ५. ५. ५. छे. जि. ही ५.</u> बे:ब्रेन्:पर्दा |यर्ने:ने:ब्रेन्:यय| यहंद:प:बे:ह्नग:य:न्द:हेंबे:ह्नग:य:श्व**र:प:**न्द:| बेबानाशुरकार्या व्राचित्रवे प्रतिप्राध्यक्षकारुन् वित्रामानी वासुन्ते वेयवानी विर. चयथ. २८. पश्चर. पव. स्टबा श्वर शि. वि. में . प्रता श्वर श्वर श्वर श्वर श्वर श्वर श्वर । रते.र्गे.पभेय.वेर.केप.युव्यत्रप्त.र्रे.के.से.र्-रन्त्य्य.य्याप्तप्तेय.युव्य.युव्य.युव्य.युव्य.युव्य.युव्य.युव्य ॅबॅन्-च-चर्बन्-व बबाक्टेवॅ। १५-वि.स.पु.श्रे-वर्ज्ञ-चर-कुव-पु-वर्ज्ञ-चर-कुव-विन्न-विश्व-वर्षः *ॱ*ढ़ॸॱॸॕऻ॒ऻढ़ॖॸॱय़ढ़ॎॸॱॻॱढ़ॱढ़ॆॱढ़ॗॸॱॻॖॱॻॱॴॱॸॗॖॖॖ ॻॱॴॴ॒ऻॕॺॸॱॶॖॖॿॱॺऀॱज़ऀढ़ॱॹ॓ॴॴॱढ़ऻ ୡୢ୶୲ୣୄ୷୷ୄ୫ୖୢଌ୷୕୳ୣଌ୶**୶୕୵ୢ**ୠ୶ୢୠୢୖୡ୷୕୳ୡୗୄ୕ୗୖୢୣଌୡ୕ୢ୷୳ୖ୵୶୷୳ୣ୶୕୳ୡୢ**୶**୶୰ୢୡୣୗ निवश्यायायात्रे.च.इया.चर.क्रियाचरे.विच्याचर.रु.चर्चर पर्यामी:ग्रेशःब्राध्यापया मदर् रे र बा लेग चुरा है। वेग केंद्र ग्री मनेरा गहेद ता महेद र केंद्र केंद्र है र केंद्र र देश त्यक्ष. श्र. स्टा. त्रीयः तथः क्र्यांचीः क्र्रं - द्रवाः यश्चिरः तः स्ट्रे नः स्ट्री । विह्ने यः हे नः हो : ख्र रव.जय.घषय.करं.वेषय.श्रे.वेर.च.जयर.कु.चु.प.चु.चं.तर.ब्रीच.तर.ही रोयरा दी। न्दर-रु-ल्र-पृक्-गाुद-ल-न्द्रवाह्म-न्द्रिय-क्षेत्र-प्रतः क्षृद्र-प्रतः द्र्य-प्रवाह्म-व्याह्म-न्द्र

म्ब्रियः द्रष्यः इत्रव्यः ध्रम्यः ने म्यः व्यः च्रदः कः ब्रेन् ः यरः यः न्यानः श्रवः यं यः म्यायाया इ.स्य.बरेब.व.बर्षा.बुब.बर्बा.वीच.परीब.तथा इ.स्य.चल.वया क्ष. दे. ब्रिं र . क्षे. टी. बिन-कु-नर-वदर-अन्-नशुरकायाः कृत्वा । धुन-न्र-वःकृत्वेरे वेयरावी राक्कान्त क्रे.चद्य.दःमुल्यः व्यवतः रुद्यः द्वयः यरः श्रुदः विदः रदः श्लाः या लवः द्ययः यरः यहे वा यदे । । द्योः न्येय.र्स्न्य.तपु. चल.चला ट.मैल.ग्री.सेट.पी.ल.ल्य. ५ व.ग्री.क.श्र.प र्रंट. बिश्चर्याता. ५८.। **য়ৢदःৼदेःद्वतःद्वतः**र्वतःश्रेतःश्चे:रुवादःरेदेःश्चे:ग्वरःवर्वःपःद्वतःश्चेःधुरःश्चेतःददःपरःदर्गःः मबाम्द्राम् न्यान् न्यान् व्याप्ता व्याप्ता द्वा मुद्राम् व्यापा द्वा मुद्राम् विष्या पा द्वा विष्या पा द्वा विष्या पा द्वा विष्या पा द्वा विषया ञ्चः यदै : च : मैव : तु : च : न ग्वः पवे : वु र : द्वे : व : व्यवः ग्वः द्वे : व देव : व देव : व देव चुदै तेयय दी न यय न क्या मेरा न मेरा पर दे त्या के मिर न है। र ने प मेरा के र ने स्था के र खुर.तथ.ष्रह्ण.पुथ.पुथ.पग्य.प्यथ.पव्चेष.त.पा क्षे.पव्चेत्.श्रूप.ष.थेय.श्रुप. र्घदः तर्रे द: श्रृंतः र्घदः श्रृंतः तः वृदः चः वृषः तर्षः । वृदः ग्रेवः नग्रदः नग्रुंदः रुः मि.स्.ज.पर्यात्रेयात्रे.के.वे.इ.यह्र.५या.ग्रेया.के.य.याया.वेया.ग्रेयाया え. はてか. 山台とな. れ. 偽エ. 美 し 「 口 型 し. 美 と. む. いかい 切 と. 」 山 心 ら . 葉 か. 型. ロ. し 山 . 葉 か. 々 大 し. यर· धर· क्रॅंश-र्दें व.री. बोबेर-च. रेट-बीथ-क्रें-च्या-क्रें-च्या-क्रें-च्या-क्रें-च्या-च्या-व्या-व्या-व्या-व्य ব্ধা

मिन्नेयायास्त्राच्या विष्या विष्याच्या विषया विष

यः कृषायः बेदः केदः रोवंतः दृदः चेद्। |दः मुलः श्वदः वृदः मुलः सदेः सः सेदा |द्रदः यः वेदः र्टः नहे रःर्टः म्टः पदेः अर्केन । यनायः पत्ने दः रु ने सूर् सः प्येदा ळॅलःचङ्गःचःललःग्रुदः। मदःगेलःदद्देवःयःदेशःदच्चिदःल| |द्दःयःचेगःयदेःबळॅनःधेवः हो । रे.क्वेर.म्रॅ.रट.देव.तपुर.बुबा ।रर.तपुर.इय.ब्वे.प्यट.च.चक्वेवा ।ब.रर.त.त्वे.बु क्षृंद्र-तथ. त्र्र-ज.क्ष्र्याञ्चित.वुर्-तः बर-प्र-त्र-तः ज.व्दर-वे विर्-तर श्रा हि.स.ला ठवः पहेलाया श्रे पार्विणायल। हैं प्रदेश ब्यावल। हेना क्रेवा ग्री प्रवानिवाक के भीता हिन য়ৢৢৢৢঀ৽য়য়য়৽ড়ৼৢ৽য়ৣ৽য়৽য়৽৸ৼ৳ৢৢৢয়৽য়৽ড়ৢঢ়৽ৼৼৼ৽য়ৣ৽য়৽য়৽য়৽য়য়৽ঢ়ঽ৽৻ৼঢ়ৢ৽ঀয়৽৽৽৽৽ बेर्-मान् हुे-महुर्-म-र्रा हे-मे-ला लाहे-म-म्बर्गरम् विलेशाह्रर् केन्यं राषु र यात्रा हे हे कि सम्बद्धान ह प्रवाह प्रवाह स्वाह स्व य: न्रं प्राचित्रः प्राचित्रः प्राचित्रः वित्रः वित त्रक्षात्रः वरेव वित्यात्रः या अरातुः अत् गुरावरेतः विञ्चा वा वा वा वि वित्या वि बालाश्चिताबबाहिः क्षेत्रावक्षावादी यनादाई।हेर्वदावश्चरावते बुर्लाया चदु.चर्ग.च्.श्रूच.र्च्द्र.ज.श्रूच.थल.ह.केर.चके.चर.वे.बु.थ। वट्य.केय.चर्ञा.चंद्र तर्याता हि । । ते प्रतिवादि । । ते प्रतिवाद विष्या । ते प्रतिवाद । ते प्रतिवाद । ते प्रतिवाद । ते प्रतिवाद । त रे.वे.पह्बाक्षेत्र.घषया.करं.जा विव.तर.वेर.तपु.यरथ.बेय.पश्चरा विव.चश्चरय. विन् यः क्रेत्रः यदे श्रे द्वयतः श्वरः ह्वंत् यदे तर् वेतः वश्चरः नेतः वश्चरः नेतः वश्चरः विरा तहुलान वर्ष गुरारे क्षेत्र मृश्चरताय वर्ष दार्थे | दि र मामी देव वे हे क्षेत्र वर्ष

ञ्चःयःयतरः केन्-नु-चुन्नाने क्रुंव हैं नाय इयाय वयन ठन्नु तहें र विट व्यव 리'용지 हवः हैं गःयते क्षं क्षेटा प्रदेश |देः व्यट्ग व्यट्ग क्षेट्र दें त्यत्र क्षेट्र क्षेट्र क्षेट्र क्षेट्र व्यट्ग विद्या ञ्चैव-दे-वय-पर-ग्राचर-वे-छ। पिद-हद-प्राचुर-द-द्रिय-ग्रुप-दर्घन। ।ञ्चैद-इयय-प्राच्य-व.र्र्याञ्च.पश्चा वियामश्चरयायाः स्राम्च हो। यर्.स्राम्च साळ्या हवा नया छे या ध्या พะ.รุ่น.ผู้จ.ซะ.<u>ฮ</u>่.พู่ร.กรุ่.กรุ่ม.ช่.ระบ.ช่.ระบ.ช่.ระบ.ชั่น.ขึ้ามู่ายุ่นผ.ชี...... श्चित्र-मत्राक्त-प्रत्यत्रःश्चित्रश्चीः देत्राव्यायान ह ग्रायाम्यायत्रः व्यवः हवःश्चीः देत्राव्याः ব গ্রুস:ঝা *५५*-धःञ्चरुराक् रहः त्रान्द्रियः शुनः द्युहः वर्तः श्चरः द्युरः रहे। *|देवे:धेर:रद:वी:*न्नु:ब: ড়ঀ৾৽ঀ৾৾৽য়ৣ৾ঀ৾৽ড়ৼ৾৽ড়৾ৼ৽য়ৼ৽ৼৢ৾য়৽ৼয়৽ঀয়৽ৼয়ৢ৾য়৽য়য়৽য়য়য়৽য়য়য়৽য়য়য়৽য়য়য়৽য়য়য়৽ [मृत्यःहे :चम् बेर् :धत्यः कृंद्रः स्ट्रां व्यतः स्वायः ग्रीः बर-र्-डुल-हे-र्-मन्-धर-डुद्रा बर्वयःश्चेषः क्ष्याः निदः वर्षः क्षः वर्षः व व. दुश. ग्रीय. वर्ष. हर. ट्रेंट्र. प्रश्नर. ह्रा विषय. वर्षाय. वर्षाय. वर्षाय. वर्षाय. वर्षाय. वर्षाय. वर्षाय. य्योथात्तरात्रात्राच्यात्रात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र दह्रवायार्र्रायाम्बायाश्चर्याक्षे रहे रहेरावा रटावाद्र्रायदे हिवयायाळवा हत्यदः र्सः ळॅन् यरः अर्वेदः यदः र्सुतः अर्वेदः पतेः र्त्तेः शुन्याः द्याः यताः ळ्तः हत् अर्वेदः पतेः ःः बहर्रिन्दिः भुग्यः ५ग्यः देयः क्रुंद्रा बहर्रिन्दिः म्रिन्दे ।

৾৶য়৾৾ঀ৾৽ঢ়ঀ৾৾৽ৼ৾৾য়৽ঀয়৽য়য়য়৽ঀৼ৽ৠৢ৾ঀ৽ঢ়ৢ৽ৼ৾৾য়৽ त्राक् मुं रें बेर रु तहें क य न विक कें। वतान्त्रणाची वदाया वै द्वारा दकता त्रावारा धेवा धारा क्षेत्रा पर क्षेत्र पर व न विवार व वा वदाया धारा पर वा वि कर्'लाष्ट्रर्'यर बेर्'यर चुर्नेषाने। र्गोद यकेंग होद लावा हा ब पहेद द ने प त्रवेतःब्रेट्-ब्रे-प्ने-प्न-द्ग्रीपःप्य-क्र्ष्ण्वायःयाव्य-यःव्याव्य-प्रःव्याव्य-व्याव्य-व्याव्यःयाव्याव्यःयाव्य न्त्राची भेयान्त्रा कृषा विवया न्राक्षा मत्रा कृषा विवया न्या कृषा विवया न्या क्षा विवया न्या कृषा विवया न्या ঀ৾৾য়৽ঀ৾৾য়ৢ৾৾৾ৢৼৼ৾৾৾ঀ৾৾৾৾৾৾৾ঀৼৼ৾ড়৾৾য়ৼৼ৾য়ৼঢ়য়ড়ৼয়ড়য়ড়ৼয়ৼয়ঢ়য়ৼয়ৼয়ঢ়য়ৼয়ৼঢ়ঢ়ৼ ऻॹॕॖ**य़ॱॸॱय़ॕॺॱ**ॾॺॺॱॺॱढ़॓ॱॺॱॸ॔ॱॸऺॹॱॻ॔ॱॻॹॗॆॸॱॸ॓ॱॸ॓ॱॺॱॻक़ॆॿॱॿॺॱॿॸॱ र्वाद:वर:ग्रुद्ध **ॐ**टा.ग्रीःऋचलःबःह्चलःतःवे.ह्चलःचन्रःपञ्जर। व्रेवःब्रटलःचःब्रटलःचःवे.ब्रुटःचन्रः त्युरःक्ष्रवाष्ट्रेः न्यतः नः न्दः रद्यः यः तर्वे नः केदः न्ये । नदेः क्रयः यः ने : न्दः व्यवुतः यरः क्युं न्यः याबी न ने न याबी सब्दे न महिता ने निवार ना निवार ने महिता स्वार स् ₿৶৽ঀৼ৾৾ঀ৽ঀ৾৻৽ঀ৾৻৽ড়ৼ৾৽ড়৾৾ঀ৽য়৾য়য়৽ৼ৾ঀ৾৾৻৽ড়ৼ৾ৼ৽ড়ৼৼ৾ঢ়৽ঢ়ৼ৾৾য়৽ড়৽ঢ়৽ৼ৾৾য়৽ড়৽ৼ৾য়৽ঢ়৽ৼ৾য়৽ড়৽ৼ৾ चिर-किय-ध्रम्थान्यत् तत्र तम् मुक्ष्माया मुक्षमाया न्रान्य प्रति क्रमाया वि र्रः क्ष्रं यत्य। |बेट·२८-ळेन्-२८-धे·बे-हे-क्रेर्-ग्रे-ळेन्य-शु-वठर्-य-दे**-**देश[,]ळ्याग्रेथागुरुप्य-प्रमुद्धा नमृद्गःयःने क्रेन् क्रैन् क्रियः म्याप्ता मृत्ये वार्षे वार्षे वार्षे क्षेत्रः या क्षेत्रः या क्षेत्रः या क्षेत्र न्तर्भाषान्त्रान्त्राक्षः के श्रुष्य । वेषा महान्त्रान्यः क्षेत्रः र्स् । ।

नशुवासानगताद्वेवाहेलाशाद्वासावी क्रवानश्चानावत। नर्नासुवादेरातुः

द्विर नर दिष्ठ वर्षा नर द्वित पर देवे र स र दि । वर्षा सुव र देव है । वेष प्रेष प्रेष विषय विषय विषय विषय विषय यतै न**४**व रूर पर्वे दश्वर पर्वे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये वर्षे वर्षे वर्षे व यदै : ञ्चवः यः नृदः। यन् गः य नृतः व नृतः व न्यः य व नृतः य व न्यः य व नृतः य न्यः य व नृतः य न्यः य व नृतः य पत्र.करःब्रेव.क्रे.पर्थ.पश्चेर.ट्री विषासः रटः। ईट:स्याम्याप्यस्या শ্র্রের, প্রুম্ন নর্মন্ত্রি, নর্মন্ত্রির, শ্রুর্ম, প্রুম্নের, প্রুম্নের, প্রুম্নের, প্রুম্নের, প্রুম্নের, প্রুম্নের, প্রম্মের, প্রম্মের, প্রম্মের, প্রমের, প্র मद्रा इत्रायवयायावेर् इत्रायरा वेर् पद्र । वियानरे न रूप के नरे न हिंदा पद्र । ग्रवः मृत्यादः स्तिः श्रुपः प्रवादि । विवयः ठर् यष्टिवः परिः स्तिः स्तिः स्तिः स्तिः स्तिः स्तिः स्तिः स्तिः स ह्रवःतर्। विषयः ६८ :बह्रवः तदः ववयः शः श्रुषः तद्। ह्रियः ग्रीः रहिरयः ग्रीः ग्रुः यस्र पदिना तत्। विद्यान्त्राक्ष्याक्तीः नेदान्त्रक्षः यक्षः द्वेदः यत्। विद्यवादाः स्वादाः क्रीपः क्रीपः विष्यः ह्रंबः पद्रं | निमे पदे पनेषः महेव वै पन्मामे निम्य रेदे ह्रंषः व्यवार ठन् विवार चरः ग्रेन्-धर्मः बेषः हेषः शुः इषः बैदः दुः चरः ग्रेन्। ठेषः मृश्चर्षः धः दुनः धरः ग्रेन्-धरः र्ने परे पने वा ने वे द इयवा है पर्ना छेषा वयवा ठर् ग्री यमें र हुर वा यह द र र र्नो·पदै·पनेशःग्वेदःग्रुःह्यःपःभेर्ःयःग्रुतःहेःर्नःगुःहःळेनःनेःह्यतःपहॅर् छेरःभेर्ःयःनेः रणःणेःर्नेतःकेष्णकेणःतुःइतःधरःग्वदा । यद्गेःसःखःययरःक्षणःदेःसुरःश्वरःस्। लट.र्ट्र.च्यूर.त्याचा वर्ट्र.व्याची.रची.चनेथाळ्याञ्च.च। व्यागुवाळ्याना व्याप्तावाचा ल्रा श्री क्रेंब् डिन् ने । डिन् ह्रव लेयल न्यते क्रिन् लयल क्रिंब् या । विद लेयलेयल मुडेग्'न्यायाया'वरा'पर्दर्राद्ररायां । १८६'र्ग्नुहुर्'यय'न्न्ग्नी'या'सु'नु। । विव हुर पू.अ.क्षर.तथ.अ.अ.पट्टी विर.क्ष्य.लब.जब.ल्या.ल्र्ट्य.श्रेक्चिट.च.ल्या रिमी.चमेथा.पट्ट. ततः दिन्द्यः ग्रेयः ग्रान्तः विक्तं के स्टः त्वान्तः विक्तं विक्रः त्वान्तः विक्रः त्वान्तः विक्रः त्वान्तः विक्रः विक्रः त्वान्तः विक्रः विक्रः त्वान्तः विक्रः व

क्षान् श्री त्या विष्ण विष्ण

च्यान्यश्चर्यानय। देवः पञ्च प्राच्यान्यः श्चर्यः प्राच्याः प्राच्यः प्राच्याः प्राच्यः प्राच्याः प्राच्यः प्राच्यः प्राच्यः प्राच्यः प्राच्याः प्राच्याः प्राच्याः प्राचः प्राच्यः प्रचः प्राचः प्राच्यः प्राचः प्रचः प्रच्यः प्रच्यः प्रचः प्रचः प्रच्यः प्रचः प्रचः प्रचः चः चयः च्यः प्रचः च्यः

र पर्या प्रश्नु विश्वाचा वा वाया परा विद्या में दिन ग्रीमा श्रुप्त श्री श्री श्री विद्या श 원.회.듁·고^소.고.네회 रेग्यः चः धेयः देश्वे तुयः द्। । बेर्यः देश्यः केयः ग्रीयः द्वेषः । । वेयः ग्रीयः व्याः स्रा स्र ो खेळा चे श्वरता स्वर | क्रिका ग्री प्रचेषा स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्व गुव-५ न्व-र्म-क्रूव-पदे-व्य-देर-तु-पङ्ग्रीय-पदे-ळे-क्रूव-पय-वे-व्य-पदे-व-वयः वया थ.प्रट्य.तपु.चर.चच.प.र्म्रप्य.त.ही पर.२च.क्र्य.प.क्रु.पर.च्य.पहे.चर.ह.शुन् रेदे अर्घ न्यव था विषय था नह गया या नह गया वयवा ठन् न है । न ने खु गया उत्या नदे ह ग्राचिता ग्रीतारी। विद्यादी राज्ये में प्राची विद्याती हैं प्राची विद्याती हैं स्वाची हैं स्वाची हैं से से से रे·रे·श्रदःवःष्टिरःमेंःकेंःग्रवायःश्चःचक्र्नःवःश्चःस्टःचयःकेःदेदःयवः ब्रैट.व.विर.पश्चवा तरः तिर्-रूट. ये. पश्चीरयः ययः श्चीतः र मूथः तः तुर्- वश्चीरयः तः क्षेरः रू ।

नद्रा दि.क्षेर.लट.क्र्ट.च्र.चभूट.च.लवा र्वाय.ग्रु.च.ट्ने.चर्प.चनेव.चेव.ग्रुव.लट. <u>र् गःधरः चैत्रः पदेः चुरः छ्वः लेयलः र् पदः ह्यलः देः ८ दः दः वः दः चैरः वेः सुरः रः।</u> न मेलः गृष्टेवः ग्रीतः नत्रयत्रायदेः ग्रुटः स्तृतः त्रेयतः द्यातः द्वातः दे ग्रुटः स्तृतः त्रेयतः द्वातः त्यदेः चश्चनः यः नृदः त्वायः चरः श्रेः भ्रेनः नृतः निवाः निवा रोयतः र्वतः इयतः वै तहे गः हे वः यतः यह वः यरः तथ गतः यः योवः वी । र्वो वि वि वि वि वि मोदेबः ता पश्चेषः पग्नारः च्रियः पदेः च्रदः रहे पः ते स्रवः द्वाराः द्वाराः दे । श्चेष्टः पः प्रव्यवः रु रः ता स्रवः । महेन् सर श्वेन् सः भवे व्या विष्यः मनेषः मनेषः मनेषः भवेषः भ स्वयान्यतः इयतः देः तया न्दः द्वा संद्यायः इयतः ग्रीतः वृतःयनः न्यातः वः धिदः द्वा वितः द्र नाया ग्री.सी.र मी. पद्र. प भेथा नाये व. मीथा हिया श्री. प क्षेत्र. ता.या वि नाया पद्र. मिरा क्षेत्र. য়ৢয়য়৻৴ঀ৻৻৸৻ঀ৾৾৾৻য়য়ৢয়৻ঀ৾ৼয়৻ড়ৢয়৻ঀ৾৾ঀয়য়য়ঀৢঀয়৻য়ড়ৢয়৻ঀ৾ৼ৻ঀ৾য়ৢ৾ৼ৻ৼ৾ रुन्-अष्टिक्-सःके-सर्वित्रःर्म । निर्मे-पर्यः पक्षेत्रः मुक्षेत्रः मुक्षेत्रः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः वर्षः चनेषः गुडेवः इययः हे । वरः दश्चरः द्रा । द्रेगः वरे वरः गुडेवः भेषः गुडेवः भेषः गुडेवः भः द्राः दरः यः [1 년 1 년 1 년 1 년 1 년 1 रेग्या ग्री.स्त्यारेग्या ग्री.स्.सं.र्गान्याया भेषा भेषा मुखास्या सामा नहेब.त.र्ट.पश्चेब.त.र्ट.पश्चेब.पग्चर.वेष्। रि.केर.ब.र्जे.पप्ट.क्ष्य.व्या.प्या.प्याय त्रॅं 'चल' न्ने' नदे 'म्नं न्तर' अनु 'चर' छेन् 'र्ने | ने 'यल' क्षेन् 'चदे 'यल' क्षेने ने र क्षा के ने न डेर्'ययापर्गार्टाम्बद्गायामुद्दापराश्चित्र्द्री । पर्मार्ट्यम्बद्धाः स्थारम् न्या.वे.ये.वे.यर.नप्र.वेर.क्य.ग्री.जय.ह्र्म्या.तर.वेर.तय.जय.रवे.तर.वेम्या.तप्र.....

खेबल ठव इबल ग्रे देव ग्रेन पर दुल हा | ने नल ग्रम छुन खेबल न पर हो व हे-ल्ब-हब-ग्रु-ळ्बाब-बबब-कर-ह्बाब-धर-इद्रा विवागशुर्वाता । गावव-धर-घनेवा रव.पर्च.क्र.क्र.पप्.पथ.क्षथ.क्र.पर्न.ज.जथ.य्रथयाया. महेद पक्षेद पगुर परादी यरयामु वार्यमा मुः सेर्यया थाया व्यास्या स्थाना संग्रा मुः स्या निया मुन्य 551 गर्वे व र र र में न र में न र में व र नक्ष्रायाचे न्द्रम् मात्रु सेर्पर प्रत्यत्य राष्ट्रस्य प्रत्य स्वर्षा स्वरं देवतःतःस्वाताःस्वात्वःस्वात्वेःतःस्वाताःसःत्वतःन्दःत्वेयतःतःवार्वेन्ःसःचुदःनतःचुरःनदः**ःः** त् शुरःहे व त्राम् त्राम् व व त्राम् व व त्राम् व व त्राम् व त्राम् व व त्राम् व व त्राम् व व त्राम् व व त्राम मुलानुःनःन्यम् हुः बेर्ःयः यः र्मेः पदेः स्यानक्षेत्रयः क्षेत्रयः व अर्केर्ययः व अर्केर्ययः व अर्थाः व अर्थः य पत्तरः पः तथाः श्रुदः पः इवारः सः रूं 'विश्वाः वीराः त्रेयः गुराः वार्षेदः व्राः विश्वाः वाराः विश्वाः वाराः व ड्रेन्-य-दे-ल्द-६द-नव्यम्कुराक्षेत्रक्षिय-य-न्द-स्दान्त्रिय-प्त्रान्त्रा हवः इयः यरः तसुत्यः नः न्यनः हुः येन् यः वयवः ठन् गुरः वर्ने व्यवः वुरः वरः वक्षेत्। निवः वःयरयःक्वयःयःचुःनःक्षरःञ्चःयःमक्षेवःयःर्रः पक्षेवःयःर्रः पक्षेवःपगुरःचुदःवेवः……… न्युर्यायते द्वेराम् । श्रुवार प्रायाया ग्रम्। द्याया स्यवादी द्याया ग्रम् । रुषा नवि द्धार क्रीया ने ना न हे दायर है। |रे रूप हे व रे के व र क्री व र्थः या मुक्षार्यस्य व्यवस्य । विषा निष्यः निष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य भूषास्तारिः भूबा श्वारी त्यू हेरे के हो। भूबा श्वारी त्या ही र स्वारी र स्व য়्रवाबी त्र व्याम मिल्य देवी प्रमेश देवी प्रमेश मेश विश्व

स्पायाया मेहतायते के वार्य विवादा के वार्य विवादा विवादा विवाद्य विवादा तर्र-वर्-रू-प्रेव-तु-अल-प्रेन-रू-धु-अर-द्व-द्य्येत-धून-प्रथ्य-रूपन्-त्र्येर्-थः" पर्टबः स्व पर राजार : र न श्वेर : र व व राजा व के राधर : य की र : य : ये : र न न ने : इस : यर : श्वेर : य : य हि.से.पी.पाचाया पर्वश्चरत्याचीयानगायाञ्चरामा पाचाचाईही क्षे.रटापटया रुट. विना नहें र पर निष्य में निष्य **बे**.चडर.ता ।८क्षेत्र.च.चट.८च.८४.च४८.त। ।८्र.४ ४४४.वे.४.च४४.वे.४.च४४.वे.५८ ।८्र. वै.पश्रम्पायायवतःययात्रा |दे.क्षे.पयाव.स्यागुव.हा |दे.पावयायदःपङ्गायीः। बर् इययः १८। । गर्देवः १८: २वयः १८: ५ गः इययः ग्रेया । इरियः छेवः १ वे विके वरः त्रभुत्र । कुलःसं शे. रूटः ह्युत्यः मृतु मः रूटः । । हः रूटः अवितः त्र्भः मृतः रूटः । र्टः स्वा.पट्टेब. इ. व्यय. ग्रीय. ग्रीटः। वियर् . व्या. श्रीया. च्य. पट्टें। विया पटः २ शुला परा देवाचरा तक्षेर्। विष्य राक्षेरा विष्य राक्षेत्र विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः न'नम्भव'म'मर'भव'म। अँग'न्यव'म'वे'र्श्चर्मास्यल। दिर'वे'मवर्षामर'मर'न वन्ता । देल न्दा वावल गुव केव सं मूई वल वर्ष न्यते न्या व व वी वाव विवास र् १५८४ राया गुरा केनाय पठ रामहिमार्थ्य अवस्था । मारामीयाञ्च अराक्षेत्र ना हि.ल.श्रे.चवयानक्य.श्रेयावया । झे.च.रव. री.श्रे.चयायश्रेया वियानश्रद्धाः न्वर लट.ल्र्न. १व. व. व. श्रेयात. इवय. श्रेशेष्ट श्रेयात. इवय. ग्रट वया वया द्या है।

५-क्षेत्र-ग्री-यट्य-**ग्रुय-यट्ट्र्य-य**य्य ग्याने देशादे या अव रा त्रेयतः त्रयः वः नः त्यः स्टः पदेः त्रेयतः ग्रैयः ग्रद्याद्यादः पदः त्रदः द्वारा देः ग्रद्या सेनः दे। । हूं वःयवेः वर् नेवा वे क्रेन्व वरा ने पविवा वी । वर्ने हुर वे वाया गहावाय वरा वरा वरा वरा वरा वरा वरा वरा वरा व ळ्या क्षृत्रायदे प्रे ने क्ष्रिंदाया मुखाया प्राप्ता चायवा क्षृत्रायदे यहा मेवा वे क्षेत्राया क्षेत्राया क्षा ॅव्यायते र्क्षेताय विवाय त्या विवाय क्षुत्र विष्याय क्षेत्र विष्याय विष्याय विष्याय विष्याय विष्याय विष्याय वि यर त शुर पर्दे क्षेर रहे | विषा नहीर्या या सुर हो | विष्ट ने पर्दे पर्दे पर्दे पर्दे पर्दे पर्दे पर्दे पर्दे प য়ৢঀয়৽য়ৢৼ৽ঀৡ৾৾ঀ৽ঀ৽ড়৾ঀ৽ঢ়ঀ৽য়য়য়৽ঢ়ৼ৽য়ৢয়৽ঀয়ৢ৾ঀ৽য়ৼ৽ঢ়ৢয়৽য়৽য়য়৽য়ৼ৽ঀয়য়৽য়য়৽য়৾৽ तर्द्र-यः स्वतः द्वाः श्रुद्रः यतः इत्रः यः वत्रतः क्रुः श्रुद्रः प्रदः व्रः श्रे । द्वः यः हे । द्वः यः हे । द्वः यः हे । यायवा तर्न् रक्षवायान्दाले स्टान्दानि सुना वसवाउन् ग्री निवन शुनाय दे से ना पदे ग्र्मियार्याके ने दे दे निमानी र्वेट यं के मिष्री विष्य नेटा वी ट्या प्याप्त प्याप्त विष्य विष्य विराक्षियात्रेयत्रात्र्यं गृत्रात्र्यायात्रहेग्यायात्रहेग्यायात्रहेग्यायात्रहेग्यायात्रहेग्यायात्रहेन्यायात्र यादी या भेदा है। वर्षा दी तादी तादा वर्षा यर र्षा या गुरुषा गा तहेषा यर हुर् र्। । यह रेषि श्रेषा गुरुषा ग युवायहिनायान्ता द्वावरातुःचञ्चरायराञ्चेत्ववरान्ता देवायरावञ्चरातुवायरा णरः मृश्वरत्यः यः र्दा यदेवः यः यदेवः येषु व्यवः ग्रुदः। गृहः रू गः श्वे गः श्वे मृतः श्वे वः श्वे वः रोबरा चेव रहरा | र्ने पदे पने वर्षे पुरिन खुद इस हरिया । रि र्न र्म दस हर्षे परि बक्र्या. व्या बि.स.च वा. अर्. वायर. या क्रि. या वियाया निया वार्या वियाया नियाया नियाया वियाया नियाया वियाया नियाया नियायाया नियाया नियाया नियाया निय ক্রী স্থান্থ ক্রিল বিশ্ব করে বিশ্র व्यवियः तथः च नेयः तरः श्रः वः विदः । विवाः ठवः श्रः नृदः त्य् वयः श्रः वः । विवाः हेः विवाः यः वेतः यान्त । भेता शेता शेता प्रेता प्रेता प्रेता प्रेता पर होता पर होता प्रेता प्रेत

लट.पन्नज. पर्ना विहेब.वे.ब.लुब.पहेब.तप्तुःश्चा दि.लु.श्चेब.वीय.श्चेब.क्ब. त्रभुरा । देरः नरः नुगः नश्चरायन्यः चर्चनः यया । नुगः यः नश्चरः यदाः मेवः यः नविव। । वेयःगश्चरयःहै। शे.र्नो.नदे.नभेथ.नवेब.च्रानार.ज.नहेब.च.रर.नवेब.रर.नव्या रु.पष्रेयाः चरः पश्चरः पः इययः ह्या । द्वोः प्रवेयः ङ्वं प्रदेः वयः दया घ.ष.ष्या.म् यथा ঢ়য়ৼ৾য়৾৽৻য়য়ঀয়৽য়ৢৼ৽৻য়৾য়ৼ৽৻য়য়৽য়ৼয়৻ त्र्वाचायाळेन्याचेन्याचीतात्त्री । इनायाने निन्नावी निवासकात्री ने स्राप्ताना वर्षे इतार्च्चरावेषाळ्ट्याशुःग्राम्यापदेः ग्राय्यापदरःस्राम्यन्। प्रात्तेराम्। ८ म्याःग्री न्ब्रेन्तः सन्दर्भः दयः तः श्रुत्तः धरा दिः न्यः । त्यः श्रुतः सन्दर्भः द्वाः । द्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स व वे या वे रामरा ति न परि त मे या महे व र या या या मुन रे र र न ति व र में या या ळे.लट. बकर. ये. वपु. वया वया व्याचक्षेत्र. वर्षेत्र. व. श्रेट्य. र्ये वया लूटा विश्वा पहेब.६्य.श.मेश.तर.पहेब.व.बे.प्रि.श.च्ब.तर.ग्रूट.पडीट.पथ। पनेथ.पडेब.पहेब. तपु.कूथ.भूर.पर्.क्षथ.वु.वट.पथा.ग्रेट.वाप.कु.च.वादेव.ग्री.परीय.वापु.क्ष.चर.क्रंट.चथा. त्रिलः बुटः नशुटः रवः ग्रीः द्वः लः निर्वलः पदेः द्यः धः द्यरः ग्रीः नशुटः क्वेरः ग्रीरः पक्वरः वर्यः ... क्यात्रम् नव्यावयावयायम् । विस्त्रीयाव्यम् स्यावियावयायम् । बायहेव.क्षाबी.मेय.मेर.मेया.कर.बा.मेर.स्थर.स्थर.स्थर.पा.म्याया.स्थरा.पा.मेर्याया.स्थरा.पा.मेर्याया.स महेष्रपति।वाष्याम् साम्पान् स्वापाः स्वापाः विद्या देः विद्या देः विद्या साम्पान् स्वापाः **য়৾ঀয়৾৾ঀ৾৾ৢ৾৾ৡ৾৽**ঀ৾৾৾ঀৢঢ়৾৽৲ঀ৾ঀ৾৽ঀয়৾৽য়ৼ৾৽ঀঀ৾৽ঢ়৾৽ড়ৼ৾৽ড়ৼ৾৽ড়ৼ৾৽ড়ড়৾৽ঢ়য়ঀয়৽য়য়য়৾৾৽ঀয়৽৽ড়য়য়৽ঀয়৽৽৽ ঀ৴৻ঀৢয়৻ঢ়ৢ৾৾৻৸ঢ়৻ৢঢ়৻৸ঢ়৻ঢ়ৢ৾৻ঀয়য়য়৻য়ৄ

ने.ज.ल्बा. ढ़ॕॴॱ८ॴॴॱॸढ़ऻ*ऻ८८*ॱय़॒ॱज़ॴॗऄॗॴॴऻ॔॔॔ऄऀॱढ़॔ॱय़ॖऀॱॸॣॱक़ॱॾॖऀॱॸॱॴ॔*॓*८ॱॹॗॕॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗ नदेः क्रॅलः देः हुन्। नेतरः श्चेरः नदेः इवः वरः धेदः यदा नदल। नदलः वरः वेनदाः येनदाः स्टेः र्देरः ষষ্ক্রই-ন্ন-র্ম্ রুই-ন্র-নর্থ-নে <u> चथ.ज.भी.चेशेट.ची.चथ.ग्री.केष.ज्यायातर.रचेया</u> नर्गेर्'य'यहेरा'यर'न नया रे'वरा वृव राया गवेर्'स्या गरा ग्रे होन'य'यर रोयरा सेयर नतेॱश्लनषःश्वःषदःद्धंदःतकमःन्मॅषःयःनेःययःम्बदःपदेःदन्नेनःयःयःदनुदःयःयःर्षम्यःः નવુ. શુન.ન. ક્રિલળ. ખબ. બુલળ. શુંદ. નવુ. ફ્ર. વિલય. વિલે.ખ. બૂને બ.નવુ. કે દ. 2. શુેખ. સૂ. શેદ. 2.. त्रिंद्-क्षान्त्रः चत्राप्ताप्ता व्यवस्ययान्दे नः यायुवः इतः यदान्यः हे क्वेयः अ য়ৢ৴৽৴য়৽ৡৢ৾৻৽য়৾৽য়ৢ৴৽য়ৢ৾৴৽ৢ৻৻৴৻ঽৼ৽৸৾৾৻৽য়ৄ৾৴৽৻য়৽য়ৢৢ৾য়৽৻ঢ়৾৾ঢ়৾৽ঢ়য়৽য়ৣঢ়য়৽য়ৢ৽৾ঢ়য়৾৽ঢ়৽ঢ়ৼ৽৽ रोयरापञ्चेत्रपञ्चित्रप्रदेशसेरायावीयाच्या यत्त्वाचीःवयायायः व्यक्तिः ह्येत्रपः <u>र्मतःत्रवाषामः ११वः वृषः रूरः रूरः यरयः कुषः नगतः वृरः रूरः नरुषः धः रूमगः हुः अेरः सः</u> न्व नरापरानरावस्य हे सेन्य न्यं नायदे विदानस्य नद्रा दे द्रायस सुर्य स

वेर-खेद-ग्री-कु-न्श्रेणवार्म्यःश्चुंद-च-र्थ्यायायन्-ग्रुट-त्ययःभेद-तुःश्चे-न्ग्रयःवयःनवणः ब्रिट.ची.चवर.इंबय.पर्वयातपुरावरायाचा.पर्वयायाः कुराड्यरार्म्याः स्री ୯ଢ଼୕୴.ପପ୍ତ.ଲୟ.ଜୟ.ଜ୍ୟୁ.ଘଥିଅ.ପର୍ଛ୍ୟଥ.ମପ୍ତ.ଛି.ଘି.ଥି। हि श्वेर शु र म के रायदे छ न रा तहना हे द भी प्वया श्वेनया रे.प. १८. १४. २ दे या प्या मुयाया भेदा *ब्रुं चार्या पश्चि* । या प्रतास्त्र । इत्राह्म । इत्राध्य । या प्रतास्त्र । या प्रतास्त्र । या प्रतास्त्र । या प श्री **ढ़ॖॱय़ॖॱऄढ़ॱय़ॸॱॸ**ॺॺॱय़ॱॿॺॱय़ॱढ़ॺॱॾॣॕॱॺॷॺॱॻॖॺॱय़ॺॱय़ॗॺॱढ़ढ़॔ख़ॱॸढ़ऻॗऻॗ॓ॸॣॸफ़ॱॺॸॺॱ য়ৢয়৽য়ৡয়৽য়৻য়ৢয়৽৻ড়য়৽য়য়ৼ৽য়য়ৼ৽য়য়৽ৼয়য়৽ৼয়য়৻৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়য়য়৽য়৽য়য়৽৽৽৽ म्न. वश्यास्य स्य. वर्षः स्व वर स्व वर्षः स्व वर् स्व वर स्व वर्षः स्व वर्षः स्व वर्षः स्व वर्षः स्व वर स्व वर स्व वर्षः स्व वर्यः स्व वर्यः स्व वर्यः स्व वर्षः स्व वर स्व वर्षः स्व वर्यः स्व वर्यः स्व वर्यः स्व वर्यः स्व वर्यः स्व वर स्व वर स्व वर्यः स्व वर्यः स्व वर्यः स्व वर्यः स्व वर्यः स्व वर स मुलानाञ्चेषायान्दानुषानुष्यानञ्चर्यानाञ्चर्यानाञ्चर्यानाञ्चर्यातान्यस्य क्षेत्र.र्वे बेथ.ल.प्रट.बे.जिथ.बुट.ई बथ.ग्रु.ईज.स.प्र.प्र. वट्य.बेरथ.बेथ.त्र. श्रुवा.ज.स्व... वृद्धा । ने.लट.लेल.इबराग्री.चबट.व्रुप्ट.च.ल.रच.ध.रच.ध.रच.व्रुप्टलाचक्रीट.ने.नेवा गुव-वर्ष-वश्वरत्र-हेद्। वियाम्बन्न-वियाधनाः चर्षान्यस्य वर्षाकः वर्षाकः वर्षाकः वर्षाः गुैलाद्यम् गुलायावे पर्वे प्रवेद् द्वार्या भेदा हुः केदा वेदा श्रुं पार्ट्य ये थे प्रवेश मृद्युदा दे । ॻॖऀॱॿज़ॱढ़ऻ ॾज़ज़ढ़ॴॱक़ॗ॓ॸॱॺॱॿ॓ॴय़ढ़ॱॾॴख़ॱॻॾॸ॔ॱॴड़ॗॴॱक़ॗऻ ₹**⋈.**स.∡घ.≾.⊰५. क्षेट्-व्रत्र-ह्रयः वयवः ठर्-ग्रु-ग्रट्-वर्ग्यन्यः पदि-व्रद्यः ग्रुवः व्यव्यः ग्रीवः । । नक्षॅरःनदेः र्तुयान् नवुणयायायाने र्णाणे व्यवान्तरे स्याधारम् स्याधारम् स्याधारम् स्याधारम् ने र्ना प्रस्मायाया लेया प्रते क्रिमाया प्रवासी रगःगः धुगः दी। तीज. झ घथा. ग्री. ळॅब्र-५ब्र-क्री.पङ्गवारा.त.च्र.क्रा.चेयात.संबद्धात.पुरा.च्र.पा.वर्षा.च्र.च्या.पि.क्र.च्र.च्या.पि.क्र.च्या.च्या

अर्वे रे रे ते ते व व हि अर् पर हिता पर विद्या पर विद्या पर है र है या व व कि व पर है र है पर व र है र व र व व ॻॖऀज़ॱॸॾॕॸॖॱॺॺॕॎऻॖॎढ़ॸऀॸॱॸॣॿॖॸॹॱढ़ऀॱॸॱॺॕॖॸॱय़ॱॺऀक़ॱक़ॱॸ॓ॣ॓ढ़ऀॱख़क़ॱख़ॺऻॱढ़ऀॱॿॗॱॿॖ॓ॱॿॖ॓ॺॕऻॗ 1型. बर्ळे वे बर रदे के नाम विक्र र पदे पद त्या वा त्या हा द र वे र वर्षे र पदे र वर्षे ब्रे.ध्रेमः २ वाया वेतायते के न्याय कर्मने विकाते । वे क्रिन्य वाया वे क्रिन्य वे वे स्थाय वे क्रिन्य वे स्थाय वे क्रिन्य व ब्र.१ व. १८ व. *ने*ॱनविषामाः भरान्द्रवान्दान्द्रवायाम्यवाचन्द्रम् । विषाक्ष्रवादीः स्वा**याञ्चनः** च्वान्द्राः त्तुन्य:न्रःन्ह्र्रःम:न्रःन्ग्रॅयःम:इब्ब्यःव्र | च्चिनःय:वे:र्श्वरादेव:वे:नुद्र | | न्तुन्यः अर्क्षन्दिन्त्रः क्ष्याः कुः अर्क्षन्यः । अरः क्षेत्रः अरः अर्वायः प्राप्तः विवा विराद्यन् न्यायायान् न्राप्ते के नदे क्षेत्र स्राप्ते न्यायाया । निर्माया विराम् निर्मार्थे वास्त्र न नः ५८: इ.मेड्रेनं तर्ते वि.च चयः ५ थः त.चे.च्या चय्यः घरः ग्री.चक्रूनं च्या | धुे∙य·स्र[∼]ःयःद्रै∙श्चॅराःद्वेयःयदेःधुे∙यःग्हॅरःदेरःन्तृगःतुःउरःनःधुयःयरः পুনাধ্য-দান্ত্রী |

निर्मेर्-पःतिःबॅर-सःगुवःग्रीःसवरःक्षुंर-पःहेःसयःकेःनःर्रःश्चराःपःर्रःश्चरः মওম:নর্ম ञ्चन्यायायायाच्या । यञ्चरायाञ्चादाकाकात्री यञ्चरायान्यादाकेनायाः ञ्च-व-ळ्न-य-वे-तह्न-हेव-यदे-बळ्न-य-वेव-यत्। तर्न-वे-चर-নতদ্-শৃত্তীশৃ-দ্বী किंग. शुत्रथा. रेतप. पा. यू बेथा. यथी. रुषे. क्षेत्रथा. ग्रीथा. प्रचार रे नी हिंबा. मेर. त. घ. यः गृष्ठेषादी मृदः यादी गृष्ठेषा या स्टः पः व्यवा उत्। याञ्च रः हे । सुग् रदः यास्त्रेरः पः स्यवः ग्रीः । । गुनःश्रॅटः न्दः सुत्रः हूनः यदे । हिनः यः यन्नायः यदेः सन् तन् वी वर् न्ः कन्यः वेयः यदेः क्च-र्या चिश्वरायः पहेदः दयः चित्रः स्वयः स्वितः सः स्वयः स्वियः सः स्वयः स्व ≆्रेब्र प्रश्न प्रदर्भ क्रिया हो।

रदः चित्रे वे चर्या मैया च ग्रीया धारी है दे । थदः न्दे या शुः रदः मैया ग्रुः चः दे । या बु ग्रायः न्दः । म्बद्रः चेत्रः तुः चर्ड्याः यः तृरः म्बद्रः ग्रीकाः ग्रीकाः यः यः यः यः यः यः यः वर्षे । विर्त्याः वयवः उत् हि नश्रुतायावी के.सक्ष्यायावेषायाश्री दे.र्चाची केतार्श्वचता द्वत्वता स्यापाय मुर् बेल.तपु.क्रुबायानकर्.बाकुबा.क्री बाटा चवा.क्रि.तू.पु.र्या.पुत्र.त्वे.तपु.तपु.त्व.त्व.य्य.र्यं व्यामहेरः हेर्या स्राप्तायक्ष्या पर्वा । इत्या वित्रः वक्ष्रं चरः वक्षुता वदिः यदः न्र इययः व्यापा न्य देवे वेया प्रते के न्या पर न्य ने ना है। ब्रिट्-तु-गुर्-छ्व-तु-इय-पर-यद्य-गुराने-याक्रवाय-विद-र्ववाय-पर-यद्व-यिव्याय-----न्त्रः । भूतः न्यवः भेषः भेषः भेषः छनः इयः यरः यरषः कुषः वेषः न हेवः वषः न नरः चः अहं न् र्ने । मुर्खेलः चः तने चकाः चवैः धवः त्यमः वै। श्च.पर्यं पं. क्षेत्रं वे प्रति । क्षेत्रं व नवर् मुड्रमा है। हिम्यानहते वित्ति हु म्यानहते वित्ति हु म्यान स्थान वित्ति । स्यान वित्ति । स्थान विति । स्थान वित्ति । स्थान मःइयथायाःस्यायाःस्यायाः स्वायाःम्याःस्यायाःस्यायाःस्यायाःस्यायाःस्यायाःस्यायाःस्यायाःस्यायाःस्यायाःस्यायाःस्या म्बास्यान्त्रः मृत्यान्त्रः मृत्याय्यः प्रमृत्यायः स्वास्यः स्वास्यः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः र्यमः हुः बेर्-धरः ग्रुषः हे महायाना मर्यः म् विश्वः पदे । म-र्ट-देशन्तर्थ-इन्तर्भ मूर-मी-लब्द-लम-र्म-म्ने-रमे-रमे-रमे-रमे-इन पतुष्वःचः इमः म्याः वर्षः प्रत्यः वयः यदः श्चेः पद्दिः पदि। |देः क्षेत्रः क्षेत्रः देः द्वाः वीः देवः कीः परः

साम्यास्य म्यान्त्र मुन्ना ।

हर्ने त्र स्वास्य म्यान्त्र मुन्ना मुन्ना ।

हर्ने त्र स्वास्य म्यान्त्र मुन्ना मुन्ना स्वास्य मुन्ना ।

हर्ने त्र स्वास्य म्यान्त्र मुन्ना मुन्ना स्वास्य मुन्ना मुन्ना स्वास्य मुन्ना ।

हर्ने त्र स्वास्य म्यान्त्र मुन्ना मुन्ना स्वास्य मुन्ना मुन्ना स्वास्य मुन्ना ।

हर्ने त्र स्वास्य मुन्ना मुन्

न्द्रंशः मृत्रेः त्यः स्वरः न्यः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः न्यः स्वरः न्यः स्वरः स

अन्यायनेत्रे क्रिंटा ह्या दी न्टा यं रा पहेता प्रता प्रता क्राया क्रिया विष् यानक्षेत्राचते केतान् वेन्यात् तर्ने न्दा क्षेत्राच स्वा क्षेत्राच स्वाया यःश्रम्या दे·दलः ञ्चः यदे·ञ्चेदः हेणः पदेः ञ्चः यो या वित्रः परः चुः श्रुयः पदेः व्या रोयरा यरः तुः नहरः लाई वा विश्व निरं हेर दे निरं दे निरं निरं ने वार्य निरं में वार्य के वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य मुळ. मर. ह्र मेळ. त. इष्ठ. तथ्रथ. हे. शुष्ठा. र्ट. पद. इष्ठ. त. क्ष. ग्री. र्ट. त. श्रुका. ग्री. पर.. ोते.येथ.रट.पा.सय. प्रे बोथान. रट.पर्ट् बोथ.तर.प श्रीर. पद्य. प्रेय. देव. **₹**.ৠয়.ৠ इयय.रूर.यूर.रू.वय.र्टरयात.केर.पययय.हे.श्रेट.वय.त.वयायीयात.य्यासेयायीयात्रासे |यहग्राहिष्ट्राहरावादी प्रवायायत्राम्बेर्गाना इस्रवाच वराया श्रुन्या न्रा শ্লুবা-প্রা য়ৢ৾ঀ৾৾৻৸য়৾৽ঢ়ঀ৾ঀ৾৾৽য়৾৽৸৻য়৾ঀয়৽৸ঀ৾৾৽য়৾৽ঀয়৽ঀঀয়৽য়ঀয়৽ঢ়৽য়ঀৼ৽ঀৢঀ৾৽ঀ৾৾৽য়৾ঀ৽ঀঀয়৽৽৽৽ र्टः शॅर्**रे** वुषः विषे त्यः वर्षेषायरः ग्रः हे। रे प्यटः र्टः यरः पुषः रेटः व ग्रेटः कॅर्णेः 「ロエ·5·スヺ·智·ダニ・え·ベーガスかっす、話・ス番かってガス・ログ・見ず、愛て・ベ・ガスか、おた・ロス・ヨ য়ৢয়৽ঀৼ৴৽ঀঀ৽ঀয়৽৸৽ঀঽ৴৽ঀৢঀ৽ঀয়৽ঀ৽য়ৢ৽য়৽ঽয়৽য়ৢৼ৽ঀয়ৢঀ৽ঀৼৢঀ৽য়৽য়৽৽৽৽৽

चित्रात्मा श्रीत्म प्रति निर्मा त्रात्म प्रति निर्मा प्रति निर्मा स्थान स्था स्थान स्था

. तीया. रेट. रे यट. तू. पा. पा के ब. ब. ब. ब. ब. तर. के ब. त. वी. श्री था. तपु. वाहे वी. पी. ती. त य दी ऄ॒ॺॱख़ॖॺ**ॱ**ख़ऀॸॱॸॖॱढ़ॕॸॱॸॱॾॖॿॱॸ॔ॸॱख़ऀॸॱॸॖॱॿऀॱढ़ॕॸॱॸॱॾॗॿॱॺॱक़ॿॺॱय़ॱॸ॔ॸॱख़॓ॸॱॸॱऄॗॖॱॸॸॱॱॱॱ य शुरावादे । यात्राय विदाय केदाय विदाय शिक्षेष्ठ । विदाय श्चिमः सरः म्रेनः सः द्वी वारः तः स्नामः तः तार्यवायः सः म्रुवः स्वान्यः श्चेः परः त श्चरः पदः ध्वायः ने इस्रात्मान्तर में की निहें र नर दर्भे ना पदि | निवर में श्रुर व ने प्यार धुवा हु ना व बद्धवःबरः नृदः अद्देवः हु गृषःशुःबैः यहेवः केदः महेन् द्राः नृदः हुवः स्ट्यः बदः महाः विषाः भीगः । यतः त्रेंबलः चुरः क्रायः चुरः यतः च्चितः व्या | बळवः बरः तहेवः यः दी श्च.चे.चवु.चवु.वयायाःस्वयायाःस्वयःस्वयःस्वयःस्वयःस्वयःदेःन्वायःस्वरःमःस्वयः ल.मुर्ना अर्द्रवाशुअ.मु.मुलाव्यायहराम्या । बर्द्रवाह्रवालाशुः वहेवामावी इनानी सहना मु:कनवा स्ट केंद्र महाया महाया हुन नदी खुत्य ता धिन मी के वा प्रता तहे का प्रत्या मा सिपायह्र्य.श्रेंबा.श्रेंचा.लटा.चेवया.पया.घ्र्या.चया.ट्री.ट्रचा.पा.ह्रेचा.पाद्री **्रिक.त.**बट. ब्रेंब.ब्रट्य.क्रब.जय.लुट्-पश्चट्य.वय.र्मे.चपवाजिट.व्य.पश्चेंब.जा.पह्ने मे. नर्। तर्र्रामा वर्ष्ट्रम् वर्षा प्रति त्या पहुन् त्या पहुन् वर्षा पर्वे त्या प्रति प तह्रव.तपु.येशक्षव.ग्रेःश्चिर.जन्न.ज्ञ्चाय.तपु.श्चेत्र ामेषायवेदातुःश्चित्।यादैः न्द्रियःहै। न्दःयःश्चरःमदैःन्दः। देःयःश्चरःपदेःम्यःवद्रेषः । न्दःयःदेः र्ट. त्र. क्षेत्र. कष् र्राने वरा हिंग पर्व | विन में यह 製. 煮立. 2. st. ロ b と. ロエ. 命は. 為. 異山公. お見て、ログ・カグ・コイ・ロググ・ロ・イケー 類・変す、りって、すべ、おはて、ログ・スカ・ロググ・ नर्ता । लब.जन.रट.कुट.जन.घषथ.२८.ग्री.जय.बी लब.जन.रट.कुट.जन.चमुट.च.

ख्टयः श्रुन् : प: न्दः पठदः धरः ग्रुः पद्। । पर्वन् : श्रुं यवः ग्रीः यवः दे। **∌्ष.पर्धरश.श्रमथ.** श्रा मर्थनात्मान्दान् मुर्देन्यदे त्ययास्देरस्य ग्री ययात्री तकना यान्य सम्बन्धान्य स ৾ଌ୕୶ॱ୶ଵୄ୶ॱ୳ୖ୶୕୶ୠ୕ୢ୵୵ୠ୕ୄ୕୳୵୵୶୲ୖୢଌ୕୶ୄୖୢୠ୵ୄ୴୶ୄଽୄୠ୕୴୶୲୳ୖୡ୵ୡ୕୵୵୳*ୣ*୵୵ୄ୲ য়৾৾৾য়য়য়ঀৢঀ৽ঀ৽য়ঢ়ঀ৽য়ৢ৾ঀ৽য়ৢ৽য়৽৴ৼ৽৾ঀ৾৽ঀয়ৢ৽য়ৼয়য়৽ৠৢ৽য়ঢ়ৢঀ৽ঀ৽ৠ৾ঀ৽ঀ৽ঢ়ঀ৽য়৾ঀ৽য়৽য়৾ঀয়৽ यदे हेर रु ही य के युर पठ राज्य पद जा पद । | र जा जी या ही जिट.ब.बर्च्यात्तरी <u>चश्चरःरचःचञ्चःचेत्रेत्रःग्रेःस्टरःगुत्रःह्वरःसरःग्रेदःधःदरःसर्वतःसःद्वतःसःह्वरः।सःह्वःः</u> न्दः न वनः तः ह्रवः पः न्दः पर्हेवः त शुराः ह्रोनः पवैः न्वः नुः न वनः न्दः ह्रवः ठेनः न ह यः दर्दे ः चर-वेर्-मदेः श्च-पद्। किर्-कुःलल-दी वयः कुः स्व-मर-मः सः लज्लामः र्मः र्वेत्रः सरः र्सर-ब्रे-हे-क्रे-र्हे*ष-पदि-र्देव-सेवसप-पर-सेवसप-*प्गुक-हैर-रे-दहेंद-तु-क्रेन्-प-प्र-क्ष्ण-यह्रर.ज.प्रह्रय.तपु.शु.श्च.त.रेटा। क्.तपु.थि.थी.रज.तपु.कु.थे.या.लुय.तर्त्त्राचेर्टर. **ग्रे**ॱश्लॅंबर्गःचःपर्नेन्ःचःपरःपरःप्रेन्ःपर्वे ।वेवःसःन्नः। वर्षवःस्रेतेःपरागवेशःवी ॱॿॖऀॺॱॺॕॱ*ॸ्ॸ*ॱॺॺॱॻॖ॓ॱक़ॱॺॕॣॸ॒ॱॼॣॸ॒ॱॴॱॺऀॱॿॴॱॻॹॱॻॺॗॺॱॴॱॸ॓ॴॶॺॱॸॿॱॿ॓ॱॴॴॱॻॗॸॱॻॺॗ**ज़ॱ** हैं। विज्ञानःविद्यानशुरुषाः पषा ग्रुरः अर्द्धदः स्वरः दिः स्वरः ग्रीः स्वरा विः दः न ह्मदः है।। नदुः र्नः ने तः निवान् विवानुः र्श्वेनः यात्री कुः नव वार्श्वेनः यदेः यदाः विवार्श्वेयः यनः स्त्रेनः व निवार् र्यः विष्य रः त्यारा ने त्या हुन या हो प्रयान विषा केरा मना व्यव स्थान स्थान हो पहिला है रामित स्थान है । . पथा क्या पा निरा निया पह ना परा चु पा रूप हिला है 'हेर' पह ना परा चु पि क्या पा रे या है था ने·क्षरःहॅन·धरः क्वेन्ःकेरः वेलःधरः क्वेन्ःधर्य। ।ने·धरः ह्वाःधः विक्षे। न्दःधः वै। खुरुः ॻॖऀॱॴॴॴॱख़ॺऻॴॱॸऻढ़ॖॱॻऻढ़ऀॱॻॶॱॸॕॱॺऻॸॱॴॱॾॵॱय़ॱॺऻॸॱॺॏॴॱॾऀॱऄॸॱॻ*ॾ*ॺऻॱय़**ॸॱॻऀॱ**ॻढ़ऀॱॴढ़ऀॱॱॱ ने ल इया माने का ने हिन्दा है ना मन हैना माने हैं। नियं ना माने का नियं ना नियं का नियं ना नियं का नियं नियं का

ब्रुंगल गर र उत्तर पानर गेल है । देर पह गारर च पति ब्रुंगल रे *षः* इत्यः यः दे*षः* देः कुरः हें **ग**ःयः हे। र्गर्न वर्गः नते : के : कर : वर्षे र : तः स्वारा धरे : चलुक्-तह्म-स-क्षे-तृद्। माशुक्र-स-दी रुल-मार-मे-क्रे-ह्म-स्म धरः चुः नवेः तुरुः देवे : छे: इयः धः देरुः देरः हेषः पः हो। द्वेरः द्वाः कृ: र्वेरः कुरः कुरः कुरः उदः लट. ही. ट्रे. हा. चर. वेया वया दे. केर. हीं द. कुट. देवे. क्ष. लट. केया पहिता पहिंगा पा के पींट्री लय. रे. र व. इ. क्रेर. क्रव. इ. व. र. वर. व्रथ. ह. केर. च के व. तर. वे. वर्ष. पथ. रे. क्रे**न**ॱडेन'इय'ध'रे**य**'रे'क्रेन'डेन'धर'डेन्'ध'क्रे| र्वेर.वा त्र्रां.चतः स्रेन्राहुः ๛ฐลสาฦฅา฿ฺลาฅฺ**๔๛ฺฐ**๛ฺราฺ๛ฺฐาระาษูหัาดุสายาณฺสัฦสายฺาธฺา฿ฺา฿ฺฦ<u>๎</u>๛๛ ळ्-्याइबलाइवायराचेन्याङ्गासुद्र। व्यून्याङ्गान्याङ्गान्याङ्गान्याङ्गान्याङ्गान्याङ्गान्याङ्गान्याङ्गान्या द्य.लूट. रेब. तर. वेथ. वेथ. ट्रे. ट्या. यी. वी. वी. च. रेट. वी. वा. लूच. त. वेथ. तर. वी. त. रेट. प्रीया. व्या-वी-ळे:दतर-५-के.पह्या-तत्य-क्या-त-तर्-१-१-५-१-१-१-१-४०.घषण-२५-ण-भेष.... चर्लेब.पहू ब.नर् । रे.केर.वेथ.ब.क्र.पर्रर.लट.क्षेट.चथ.ब्र.ब्र.च्य.व्य.चे.चय.केट.टब. श्रूर.री.बु.क्षर.च.र्र.जत्रा.बु.कू.ब्राया.घ.घ्याया.घ्यायर.चे.चप्र.बु.च्यू.क्ष्येयाया.वाययायर. | तर्ने : न्रान् : मॅते : क्रॅं अ: च : न्रे ता क्रे ता क्रे न्ता ता व्या ता व्या ता व्या ता व्या ता व्या ता व्य শৃথ্যদ্রম:ঝ্রা इरल क्लानेते में व नग्रायान क्षेत्र नर्गेत् या हे तरी गड़ेलायात्वर कार्यो हुँ र छेत् या ग दशक्र-्रि. क्ष. चेष्य. चेष्य. रट. शु. पर. पर. प्रतः विरः विरः परः री. क्षेत्रः विश्वाका लटका श्री..... र्णायार्गा वि.चेर्यार्ट्याक्षेत्रायहराच्यायहराच्यायहराच्यायः अवयाद्यायराज्ञाः हेनायहरित्र

देॱ५६४ नरेॱन्नुग्-हु-५शुनःधरः गृह्यदशःधरादयदःधरः ५४ | ।३४:शुः ॐदःदेगःधः दी ळॅल'नद्वे'न्र-'स्व्दायाक्षे। कृ'रुरातुरानायाधेदायादी। कृ'रुरातुरल'दानग्रेवाय'र्'न्र-अःश्चेनर्यःग्चेःनरःद्वःनग्रेषःनयःश्चेःग्वॅर्ःयदेःॐन्ःठयःतुः त्रःनदे। ।५ःठरःयरःनःयःधेवः न्द्रेन्-भ्रुन्यः तथेयः नः न्दः ययः शुः श्रेन्दः पयः क्ष्रेन् अद्यः यः यः यद्यः अदः यदः तयः स्तरः व |=य.वे.च.रेट.पत्र्रेर.तथ.वे। =य.प.च.चेर्च.तपु.क्षर.च.द्वेत्।चर्षाःच. নথ.গ্রা क्रेट.त. क्ष्यथ. ब्रेट. ब्रेट. क्ष्य. त. क्ष्य. व्यव. व्यव. व्यव. ब्रेडेट. ट्री व्यव. क्षट्य. त. व्यव. बाधिवायिः चलारवायकावी विवायः वाद्यायः विवायः रे.लट. चया या खेर तत्र बेडेब. मुंडेब. मुंडेब. मुंडेब. रेडेबेचेया राष्ट्र खेया ता प्राप्त के या रेडेबेचेया या प्राप्त के या प्राप स्ट्यः श्रुन् प्यते : श्रुन् । वि: देवा दे । वै.मह्मयःयया नः श्रेयायः पद्र। । वयः बु.नः तयः बुदः नदेः बेयः द्वी वयः दी। चयारी वया ग्री मुदायर ञ्चर् त्यः न्वत्यः वेटः रे प्यटः क्रेतः रे त्वेतः प्रययः र् मृषः यः र् टः चराः रे त्यः पहेतः त्रयः त्रः प्राप् क्री. इ.चेय. री. भारती विश्व क्षा. च.पया क्री. नद्र, केश. रेश्च चेया क्षे. पया मञ्जीत्यायात्वराञ्चरामदे केया न्ये ग्राया । व्याप्तावरा अवित्या वित्राची । व्याप्तावरा वित्राची वित्र **ब**तरःस्वायानः रटःकरःस्वायीयार्वायाः वयाःश्वरः नदःस्यानः द्वाः वयाः स्वापानः स्वा बह्दरमः वृत्रवारा वी देते छिरः तुः सः नृदः सुः ता वाषा वाषा स्वरः सवः ह्वं वः ईन् छिरः त वरः

<u> नयः ५ कना नः ५८ ५८ मे , व यः श्रेनः नः कं ज्या श्रेययः श्रेययः श्रेयः श्रेयः नयः ५ व . कं व . में न्यः नयः श</u> **ह्रे**ॱছ्र-प्निन्-प्न-ह्न-र्ने । तिन-न्न-प्निन्-प्रदे-ङ्ग-ङ्ब्य-प-न्न-विल-प्निक-तु-ङ्ग्रन-प-न्युब्य-याः बुवः ग्रीः सः प्राप्तः बुवः यळ्यता गृत्रेता गृतेः ळेता यप्ताः प्राप्तः प्राप्तः विवायळ्यता स्वताः । | जृत्यः पते : गुत्र : श्वें न् दे द्वेत : यर्थं यत्य : येत : ने : यद : ने दे ये ने : ने : ये ने ने दे : ग्रुंद:र्द्रा ব্য: গুর্ | ने हे द्वराष्ठ न वे वे व कॅ न्र स्वर्ध न स्वर्ध न के व कि के के न र्गे. पर्दः चुः पर्यः तुर्यः यर्दः परः चुर्यः द्वराकः परः पः यः प्रचार्यः क्वेः वृत्यः परः चुः ह्वेः गृहे रू... ॷऀ*ॴॹॖॴॸ*ॸॱॿॖॱॸढ़ऀॱढ़ॿॗॖॸॱॸॱॾॺॺॱॺऻढ़ॖ॓ॸ॔ॱॷऀॺॱॹॖॖॺॱय़ॸॱॿॖॱॸढ़॓ॱॿॖ॓ॸॱ≍ऻॎऻॸ॓ॱढ़ॗॸॱख़ॺॱ *नु.च≩थ.च.८चु.च*पु.क्षु*चय.ज.च*≆्व.प*चीथ.चेध्य.चे.च.ज.चुच.पे.जळ.थी.२८.चुट.*सव.... नर.लट.५ क्रीर.र् विज्ञानपु.क्र.वे.वविश्वापट.ववा.हुर.हिट.हु.चट.र.च ग्रीयावियाविया *नु*ॱ.ॿॖ ॻॺॱय़ॱॸॣॸॱॺॕॖॱॻॴॺॱय़ॱॺ**य़ऄॱ**ॹॸॱय़ॱॻ<mark>ऻॕढ़</mark>ॱय़ॱॻॴॺॹय़ढ़ॏॱऄॗॸॱॸॗऀॱॸॿॱॻॱॺ*ॹऄॸ*ॱॱॱॱ में . हेर. वेल. चर. भेष्ट्री । शेर. में . हेर. वेल. च. भी है. हेर. हेर. दर्भ . चयल कर . में . वेर. वे *रोट*ॱमे दे लेथा इपाक्र.प.*रेट.ध्रेयथ.*मेड्रट्य.यहू प.रंट.प ६४.तथ्य.द.रूपा पेट्रे**य.**प....... बैदः **ग्रम्थः यथः यदः में। प्रबेदः ५** 'द्रायः में। धः ५ म्यः ५ दः दः ५ दः दः दः दः दः दः दः । *ঀ৾৽*ৢ৽৶৽য়ৄৼয়৽**৾৾৽ৼ৾৽য়৾য়৽ঢ়৾৽ৼ৾৽ৼ৽**৽য়য়য়৽ঽৼ৽৾য়৽য়৽ঽয়৽য়ৠয়৽ঀয়৽য়৽য়ৼ৾য়৽৽৽৽ नर्देव पार्छर पर्दे क्षेत्र र्दे । इस मुर्गा पर्दे न हुन मुंग विषय पर्दा रोट ने पर्दे व रहे हैं प **ळ**लः केन् ग्रीलासुला क्षेन् पराश्चेत्र श्वरानः न्दः नकेन् राजना वतरः द्वापाश्चेत्र यः न्रः निवेन् स्वा यं र क्षे त श्वरामः न्रः है। त्याः क्षेना यत्यः ह्व पः ये ही। के. श. मुषे. तर्र वेजाय वे. कं. श्राय वे. जया हूं ना पदे हे या पा व श्राय क्राय कर पदे हिराय है। । प्राया यःहिःत<u>र्</u>दःचत्रःकृतःचःत्रःविःतत्। श्रूदःचिःतत्।त्रःकृतःवी द्रदःग्रीःवळवः वःतेन्तरायः

इया पा मयता रू न न न ने न गुरि गुरि के न पा ता रोयता महिता पर से भी न रदःयःद। त्र-पङ्कार श्रीया ग्रीया चेका तप्ता क्षेत्रका ग्रीया देन मृत्या पति व ति स्वा भ्रीया कृता प्रदे । नेताने महिन् वे त्वुम् हिन् स्र प्रेर परि तुरा यहा वे स्था यहा वर वर पर पर स्र वि द्री ग्रे.ब.चर्ना.मुथ.थरथ.भेथ.ग्रेथ.नेबर.चर्ड.भ्र.के.के फ.चा.घषथ.२८.२.च श्रेच.तर.चेत्र. क्षेत्राच्यान्त्राच्याः क्षेत्राच्याः क्षेत्राच्याः वित्राच्याः वित्राच्याः वित्राच्याः वित्राच्याः मुयागुरान्वरः नदेः रोटः नेदेः तयः ह्राट्यः ययः ह्रान्यः कर् स्तरः तयः व्याः विवासः विवासः विवासः विवासः विवासः हि.क्षेत्र.चर्या.मुथ.र्ट्र.श्र.थे.तर.र्ट्र.र्मे.चप्र.क्ष्यथ.मङ्क्र.तथ.चश्चेचथ.त.क्षेत्र..... यर.लर.रे.क्रेर.वेर्.क्षेत्रा.रे.श्रेया.रे.श्रेया.राष्ट्री रिया.वे.रेग्.रा.पा.परीव.ता.क्रेय.चा.पकर.तर. <u>चेत्रते.वहेत्रत्थःबेत्रःबूरःबेशःबूरःवेश्व</u>तःवद्गःब्रेयःवद्धवःत्यःचेत्रःट्री विशाद्यः तर्वाताः स्वाताः विवाताः स्वाताः स्व हिर.बहर.व.४५.व.१८.१५.१५.१५ विर.६५.४.४५५.४५४.४५४.१५४.१५४.४५४.१ विव. ब्रट. ब्र. लुब. त. ब्र. चे हूं च य. त. ब्रैंड. च. र्ट. र्ट्या चिते. र्ट. ब्रह्म. र्ट. विव. ब्रह्म व्ययः शु...

चेंचेश.त.श्चेर.क्ष.<u>र</u>.ज.जूब.क्र्ब.र.बब.त.वी *बाह्यदःरचःर्बेद्र्यः*दब्येयः*र्दः* चरुलायते गुल्दा क्रेवा क्रें इयलायव रामा हु प्रकरायाला है। वास हु प्राया स्वरापाय रो |तर्ने वे व्यवायेदा ग्रे गवद्गा महदाव वा वा महिन वा वा प्रते वा वा के हे। यद्रेन्थेते मुद्रायय। यद्रेन्द्राद्रायं राष्ट्रेयाया महेद्राद्या स्थापविद्राधिद्राया मेद्र त्विरः। द्वितः प्रविदः धेरः तः वेदारः विद्याः त्याः यदः र वः द्वः सुत्यः यो विद्यः । विद्यः Ĕतःपदेः र्व, क्षयः प्रवश्य विदःष्ठोः भेषः र पः ग्रेयः छ्यः प्रविदः तुः धेरः यः ग्रेयः प्रया ने वया व्यापि ने वर्षे प्राप्त विवासि स्पर्म विवासि स्पर्म विवासि देवायर हेरा चलबलाने रन् क्षेत्रला ग्रीला देला सरा ग्रीत्। दे १ क्षेत्र विलाम लबा ग्रीला देला सरा ग्रीला ने १ वे <u>न्धन्-ग्रेब-ङ्गब्य-पःन्द-बे:न्धन्-पदे-वहेन-ङ्गब्य-नृत्रेव:ना-न्गेव:हे।</u> র্থ-বথম-মূথ. गृत्रेलागाः स्टायते छिरारी | देलावः स्वायवाकरूप्तहेणः स्वार्त्राप्तरेत्रायः वैर्वेरावः

ฮัสารูานผมานานชับรุฬญานาผู้สานชัมพายู่สาที่ให้พาสนาฏาชัสารูสสานานชับ.... र्गेय.धे.भेय.रच.रं.वु.चश्चेषया.त.पथ.वैट.चपु.वुर.र्। र्ने.केर.वेथ.वे.चश्चेषया.वैट. ปุ.ปช. ชา. ญ. ลุ่ง. ชัง. ชัง. ชัง. ชา.ปุ. ชาชา ชา.ปัชา. ชา.ปัชา. ชา.ปัชา. ชา.ปัชา. रे. हेर. म्बाया तर. हेर. त. लुब. तथा विषयता हैर. मे. नेयार पाया पश्चियता हैर. मे. नेया नदिः मेरारतः अदः तः ने अदः नः र्वं अः नुः न रायाः यः यदः नः नृदः। रे बर न रब म र रे व यः ने : अरः न क्रिंनः व में गः यः न्रः येवः ह नः श्रुतः यदे : हुं यः अरः तरा য়ৣয়৾য়য়ৢ৾ঽ৾৽য়৾৽য়য়য় चलअः नृत्यः क्रिः चरः नृत्यः द्वे दलः दश्चेतः नृतः चरुषः चरुषः वृत्यः वृत्यः विवि श्री न्या मुख्या मृष्या पार्या पार्या मुक्षा प्रति हित्र वित्र वित्र मि.मु.मुर्चर पार्या प्रतः स्वा पर वःमाववः रेः र्रः तद्येषः बेर् रहेगः क्षेत्रः वः वे र्युः रामाववः रुः पष्ट्रवः व राः क्रु गः रामाववः रुः ः दे.क्षेत्र.बश्चित्य.त.दे.पद्येष.श्चर.ये.च.बीट.चेय.यत.बीश्वय.द्रथ.श्चीय. डेर्'य'क्षरा श्चे.चद्र.क्षत्मश्चर.रचःश्चेद्र.द्रयः चवच.ग्चरःज्चयःचरःच धेचःतः त्रवः वा นร.บมั**่ะ**.ก.พ.ฆะ.นิ.ฐผ.ก.ฆ.ะมุพ.ตุพ.กน. จพ.ฐพ.พะ.ษมพ.กร.ฆีผ.กร..... त गुर-र्रा । तर्र-र्ग-गे-गवर्-अ-हॅगल-पदे-हगल-सु-सुनल-लवा गुर्-हेदे-सुनल-ष.षट.री.ब्रैट्य.त.धुबे.रट.बेंबेट.प.ब्रैट.च.ल.घेथ.त.बेंबेथ.र.बेंट्र.बेंच.त.कुरे.... मदि कें नुस्रा तेत्र ता सर नुर से दर पा रूरा वित प्यार श्वित या होत् या देश कें रा नु त.र्ट.के.क्र्या.स्वय.वेथ.व.तक्ट.री.वेर.तपु.पीवय.टव.त.क्षयःववेव.कव्यातरः.... बुदः नः धेवः क्रा |देशः वः क्रंशः नश्यः ग्रीः वेशः र नः ग्रीयः देशः यः देः हेन् ः यः यद्देशः यरः ग्रेन् ः यः

र्वयः ने प्रश्लेषया चुद्राया धेवा स्वापा स्व पलयः गृह् व र्रायंते हेर पर्याका स्वापाय स्वापाय से व परि के के या गृह व से की र पर व सुर है। ५ २ ५ ५ न्यते स्वर्ध्य स्वर्ध स्वरं स्वर्ध स्वर्ध स्वरं स्वर्ध स्वर्ध स्वरं स् यते धेर री |रेजाव र्झ्यावेजाय दी धर धेव ग्रीयाय मर किया ग्रायया स्था यर चेत्रप्त बेला चुरम के भेत्र देवे स्नूलाम क्वा तुः चेत्रप्त वा देवे त्र वा स्ता चेत्र चेत्र चेत्र चेत्र चेत् वियान मृत्राया हित्र में नित्र च हो। त्येत्र व। त्राया झॅं बा हैता हे स्वा हे या या दे या तरे र्रः रेरः पञ्चेरः यः यः च प्रायः प्रविवः व्या विवेश्वेरः यः द्वः यः व्यवः श्वेषः श्वरः श्वरः श्वरः श्वरः श्वरः रेयात्वातः श्रेंयापदे त्यया वेयापरा पश्चराया रेयात्वादा देशस्वा ह्रे वाया कुदायया बर्बर-र्ट-मूबर्यानदु-लब-र्वाला विवानश्चरयानः स्वेत्र-मूबर्यानरः वश्चरः हे-स्वेद्यानः र्रः म्बर्याया मृष्यार्द्र मृष्ठमा म् । मृष्या भराहे पर्वत मुष्या पर्या देवा रहेर् । धर्म ᠬᠳ, 신스, অছ্ ८, 교생 | 아마, 신스, 환화 의사 이 아마, 신스, 교육 본, 교육 본, 교육 의사 이 아마, 신스, 교육 본, तहता.र्टाह्याक्र्या.सूर्यातप्ता वियाच्या.कुर्यातस्य व्याप्तप्तास्य स्थाप्ता वियाच्या. พ८. ॷॹॷ.ज़.८८.५६७.च.८८.५**४.**त४.६५०.च.लूर.त४. चेथिरथ.च.७.८५८.५४८.शूर... च.र्ट. श्रेंब्र. बढ़े व्य.प्याय. चर. ५ र्ट्र. च.वे. च बर. ब्र. च्या. खे. १रे क्षेत्र व र र र थ क्षॅबःपः २८ॱळं२ॱबे२ॱ२**वे**ॱ२८ॱगुरःॡ्यःगुःरोबदःक्षॅबःपः २८ॱक्षेःह्रबःपः २८ द्रुवःपञ्चयः… น.घघ८.लय.त.७मे.झर.흥│ 夏८.५९म.८८.घञ्चर.घ४य.ष४। ४८.मे.७८.५२० ^{ह्}रेर.८४.५२.५% च्या वियानविर.८.नवियाशित्वर्थन्यतु.५४.५४.५४.५४.५४.५४.५८ ষ্ট্রম:2.এগ্রহথ:ন:2হ:। বস্ত্রব:বন্ধর:দক্ষ

न्वतः यर हैन पारा वयता उर् व्यक्ष र दिव धेवा परा तकर कि ने ने ने ने ति स्तुर प्र दत्रःर्रा-र्रेन्-प्रतिः श्रें अप्रवयत्रः ठन्-पर्नेनः परिः स्वनः हैना-नै-वः कन्-पर्ने-दी बावदार्च न्त्र नर वी खनाया धेवर त्या दे र नामा या दे वि नावया र र हिना व व र ती स्रवया ही | नविर.कुर.म् अथ.प्त.नीथ.त.कुर.त्र.भ्रे.चप्र.म् नविराधिर.प्रनाः क्रेनः নপ্র-থম-গুরী नविरादे र्ना नी देव दे स्वा अं के सं सं राहें ना स्वा द्धर र्मे वा सा **बर्दश** छेर दे। वरःबरःषःन्ध्रंतःपःइषयःग्रदःवययःयेषःग्रीःक्षःन्भ्यःपःयेतःपरःयद्वरःनयःय्। म्ह्रवःमःबुनःमते क्रेवः नुत्रः तर्ने के हे। म्युरः रमः न्रः न्मेर्यः त्रीयः क्रेवः संस्ययः म्रवासारम्, मे. व्याप्तरः वर्षरः वया वे क्ष्यः वेरः वि क्षेत्रः द्रा वि क्षेत्रः व वया क्ष्यः व ल.र्चर.ब्य.स्च.त.र्ट.चुर.तर.पह्ना.तपु.स्च.बडेय.ल्र.वी जवाह.पर्य. **वै**.८३८.श्रुंब.लुब.प.इ.५२.७ुब.बु.५८६्ब.श्रुंब.लुब.७५८५८५८५१ च भेदा. मुद्रेवःतःर्न् पःश्चेंद्रायःर्न्ःर्त्यःत्र्यःर्न्द्रकःकेःवेदःकेत्र्रम्त्रावःनःर्न्द्रकःवःकेःक्षायःः ৴ৼ৾৽৸৶৽ঀয়য়৽৴ৼ৽ঀ৾ঢ়ৼ৽ঀঢ়ৢ৽ঀ৽ঀয়৽৴য়ৢঀয়৽৴ৼ৽ঀৼ৽ড়ঢ়৽য়ৢ৽য়য়য়৽ৠয়৽৸৽ড়৽ঀৢ৽৸৽ৡ৽৽৽ <u>र्धरः क्षेत्रः र्मेत्रः र्यो । तर्रेः क्षेत्रः रेः र्वाःतः वैः र्वेः श्वायः र्वाःतः ज्ञुवः रेटः चर्वः धेरः त्वितः</u> बुर्यायात्रे नृमेंद्याने ने बेन् ने ने न्या मी क्या श्रीयायाया मुद्या स्वाद्या त्या मी विश्व द्या प्रति 類·犬·冷·台·過く・ロ・タ・ベビ・イビ・ベニ・グ・ダ・ダイ・美山・ログ・イガー・マグ・ガス・新女・ロ・ **গ্র**ম দুদ্রা र्वि:वःतःरमःत्वः स्वः द्वेरः र्रा । र्वेरःव। कम्यःध्रातः सुमःपदेः सक्वः सः ह्वः तर्मातः मः बर्षः वः वर्द्र क्षावः द्रषाः मः क्षे वः प्रतः। र्षः वः वरः विः वर्षः वर्षः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वरः भूते.पह्रव.केट्य.भेवाय.टेब.ज.बीब.पुट्र.प्ट.च.<u>प</u>्रय.तथ. यः न्याययः वी ययः त<u>र्</u>मा <u>र्धरःश्रृंबःध्रृं विवयःर्श्वेगयःयःग्रुगःयःग्रुगःयःप्रृंशःवर्षःयःर्श्वेगयःयःग्रुगःयः</u> **⋛**·ኇጙ፞፞፞፞፞፞ዼጙ፟ጚጜጚ፟ጚጜጜኯቑቑ፞፞ጜፙ፠ቜቑጜጜጜፙጜፚጜዀቜ፞ጚጜፙቔ<mark>ኯቑፙቜ</mark>ጟጜጜቚፙፙ म् वाचि र म्या तालव हे तर् दे दे दे के के मानी भेगवा शिव नर तर विष् वितारे हेर शेर शेर के नः वार्या वार्या विकासी के त्रा के तार्या के त गी.सॅ.एथ.बेट.चनेथ.बेडेय.ल.रेर.त.सेबय.टेब.स्बय.स्रीच. গ্রথ প্রত্যান্ত প্রত্যা न् म्यायि क्षेत्र स् । भूष्रे वा स्ति व्याप्ते । विषय यह । विषय यह । विषय यह । विषय विषय विषय विषय विषय विषय व गर-दे-श्र-श्र-हेग्-धदे-झें-द्रवाक्षंब-न्व्यायः भेद-तुः बद-दर-वशुर्वान्य छ्य-न्यः श्रेयः นาสา-นผสาดูรสาสาผมาชิาสัการผานาริามาสา-นลิาสิการผาสาสิาสิา-ૹૢૢૺઌ੶ਗ਼੮੶**ਖ਼ૺઌ੶**౽ਜ਼੶ਫ਼੶ਫ਼ਸ਼੶ਸ਼ਖ਼ਜ਼ਸ਼ਜ਼ਸ਼ਜ਼ਸ਼ਜ਼ਸ਼ਫ਼ੑੑੑ੶ਫ਼੶୴੮੶ਖ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੵੑਜ਼੶ਫ਼ੵ੶ਜ਼ਸ਼੶ਸ਼ੵੑ੶ਜ਼ੑਜ਼ੵਜ਼੶੶੶੶ चै.लघर.धैबे.त.ब्री 교회도성.다.육지 यते क्षेत्रः म् |नेते क्षेत्रः त्या हे उदा पङ्गेयतः यः उदा तु पहेन् रता के पता प्रवास्ता वा イエ·哲エ·日下·日子·日·田·田子·景山·万·日子·景下·西·田田·南山·日子·松下·日花·芳可如·四下· र्नाः मुन्नाः स्मान्यः मुद्रा । नावदः यदः र्गोदः यळेनः नशुक्रः यः सन्यः यदः प्रदः मुन्दः चरः बदः मं नेषा वषा रे त्या महेव परि र्रा पत्र बदः वरः वरः वरः वरे त्या परि त्र वरे हेवा

<u>र्वेग्रानुःयाविरानुःद्धर् द्राय्येर्।द्युर्विराष्ट्रीःवःयरःवःदःवरःवदःयदःयदःयदःयदःयदः</u> र्झ.२.ब.**दश.बह्न**.नश[.]रे.ल.र्देव.बेवेर.२ब.त.रटा विट.क्व.कु.श्रु.शबल.८ट.कुव.ट्या. <u>ৢ৴৴৸৴৴৴৸ঀৢ৵৸৸৴৴৸ৠ৵৸য়য়য়৸ৼ৾৽য়ৢয়৸য়ৢ৸য়৾৸৸য়য়য়৸ঽ৴৸ৢ৴৸৾য়৸য়৴ৼৢ৾৸৽৽৽</u> स्व.त. इयथ. ग्रेथ. क्ष्य. पर्न. का बेबर. ग्रेथ. पर्य. चर. श्रेश. पर्य. प्रेथ. पर्य. पर. ये. विस् । क्षेत्रःग्रीःहतात्मानाभेतातुःहरामाह्मवतातानाने। संस्तराहेणामवान्धिनामाहेतावरामरा च्या हे.पश्चीरयाव.र्थवायातावड्वा.पाझ्च.वाङ्चवा.तप्त.हेराट्र.पह्याग्री.वोवायाश्चरा..... नल हिर दे तहे व नह व र्य के त शुन मं लेल चेर में निम् र पर छ है। लेखल र के नल यः गरेग'यः है' क्षेत्र'त्र्त्र्त्र'त्र'त्वण'यत्र'ळेग'यते हेट्टे'त्हेत् स्ट्रायः शुवायः म्बर-दि:श्चित्र-पदे:ह्रे-द्रिम्बर्धः पुर्वः व्यावः पुर्वः व्यावः द्वितः व्यावः वयः व्यावः वयः व्यावः वयः व्यावः वयः व्यावः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः व नर-रु-रे-श्वन-पते-श्वयायादह्ना-श्वयाक्षेत्र-क्षेत्र-वित्राचेत्र-वि-वि-वि-व-व-वि-वि-व-व-व-वि-व-व-व-वि-व-व-व-व-व दे.के.वेष.केट.ट्र.पह्रब.ट्र.बेव.त्.बेव.तप्त.कं.स्व.वे.वेट.क्र.वेच. देवै नेन्याशुप्तद्र्वाव वे हिटाटे तहेव श्चिता सुन्य मेटा है केवा सेवै द्वी त् मेट्या व नेवा वन्दःयः नहत्रवायः में चरः नवायः है। दर्रे हुर र्घेर वा म्बर-१८-१८ वार्ष ผาการเพาสเสสเนสเพาะ รุกาพการู พิการญาสเรา เพาะ รุกาสเสสเรา เพาะ รู เพาะ รู เพาะ รู เพาะ เกาะ เพาะ รู เพาะ เกาะ ब.र्ट.क्ट्रेब्याय.ब.चबय.२र्ट.ब्रैट्य.धे.भुब.पे.बढेब.बुट.जय.**श्व.**२८.चर.प श्रीर.चय। रे. व्यात्त्रः मुद्रात्यात्रं मृद्रात्ते मुद्रात्ते त्र्त्रः त्र्त्रः त्र्त्रः त्र्युत्रः त्र्यः स्वात्यः स्वात्यः त्रिद्रः त्र ৾ঀৢ৾ঀ৾৾৽য়৾*ৼ৾৾ঀ৽ৼ৾ঢ়৽*ঀ৾ঀ৽ঀৢ৾ঀ৽য়ৼ৵৽ৼৼ৾ঀ৵৽য়ৣ৾ৼ৽য়য়৵৵৽ঀ৾৾ঀ৽য়৾ঀ৽য়য়৽৻ৼয়য়৽ৼৼ৽ঀ৾ঢ়ৼ৽ नते नेता न्येन्ता क्षेत्रा संभाषा स्वीता स्वीता म्या स्वात स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्व

 वा इत्याद इराया देवा रोबला दे वि नवता ग्री खेन्या त्या क्षेत्रा यह दानी खेन्या नदा दरा नदा लट.र्बा.तर.पर्वेच.तपु.बुर.पर्बे.चर.लट.पर्बेर.रू। विध.बिथेरथ.ध्रा विवेच.लट. रोयरा-दंयेनरा-मंद्रेन-ता-तह्नद्र-कन्रा-धर्र-न्द्रत्रेन्द्र-त्रेन्द्र-त्री-त्न्त्र-ती-ष्रव्यः तप्तः म्रीम्यः द्रमः तः कुवः देरः यः प्रनः विदः यः मर्वः भवः मृतः भवः म्री म्वेवः यः वेः व्यवः हवः वर्षः व्यवः व्यवः व्यवः म्वेट्राः प्रेष्ट्रः यः भेवः यरः स्ट्रः स्वः तः ययानशिरयायतः श्रेरः र् |बे.६म.त.रट.र्डम.चर्चत.च.प.ध्मय.तपु.खेथ.रश्चयत. द्रे.पर्ट्र.क्रम्य.ग्री.कर.मह्मया.पद्र.श्रेष्ठया.मण्ट.प.णुद्र.पय.ट्रेट्र.महेद्र.पःश्रुं.४४.... चर्चन्तरः मृत्यः त्रः व्यावयः मृत्यः यदेः ध्वेरः ह्याः । देवः वः विवः मृत्रेवः मृत्रेवः वः विवः वः विवः वः विव บ.ช่ญ.पहेंचे.शुत्रथ.र्झेंट.प.तथे.करे.ज.ह.व्य.थे.वट.थे.पट्टेंबथा.पटें.व्या.थे.व्या.थे.व्या.थे.व्या.थे.व्या.थे.व र्गुरापते हिरारे तहेव पहवर्ष इयरापरे निष्टि र गुपाय धेव दे। पहिंग स्थारिय २्बेग्राक्षॅरायादेवानेवाद्यान्यते क्षेत्रानु व्य**र्गः वह्नवात्र्याः** क्षेत्राच्याः कष्णे क्षेत्राच्याः क्षेत्राच्याः कष्णे क्षेत्राच्याः कष्णे क्षेत्राच्याः कष्णे क्षेत्राच्याः कष्णे क गुः १व मा व्याप्तान्त्रा व्याप्तान्त्रा व्याप्तान्त्र्यम् व्यास्य व्या बाह्यतः नृषाः धरः तकतः क्षेत्रः क्षेत्रः तकतः वेद्यः धवाः वेद्यः वेद्यः वेद्यः वेद्यः वेद्यः वेद्यः वेद्यः वेद इथ.वीपु.स्यु.प्रस्तित्वत्तर्यः सूचा मित्राच्यायात्तर्यः त्याप्तः विश्वरः वार्षे नेवः ये प्रवाधः ।

प्या श्री स्वरायम् विष्या विषयम् विष

नुषुर्यायाः द्वेरार्ये । देः यदः द्विराह्यः ह्वा विदेशे ह्यः विदेश्या स्वतः द्विवः द्दः। \mathfrak{A}_{a} ययः त च यः र्रः र् मॅ वः यळ्चा च शुवः वेरः धरः यहे वः धवेः वेष च हे । उवः र्रः। त चुरः च : बेरः चतिः कुलः चतिः च गृदः बेरः च विः तत्। विः च निः च विः वाः विः वाः विः वाः विः वाः विः वाः विः व र्-र-वेरा-पर-वे-बुरा-पः ग्रुयः पः वे-न्यः पते : क्रेरा-पः वे-ब्रायः पति । । ८वः स्टः ग्रुयः वेः **ᢘᠬ**ᆁᆞᅒᅩᇕ,ᆸᅩᆞᅯᇫᆢᄯᆚᆈᅜ᠂ᡢ᠂ᡬᡠᠸ᠄ᆿ᠘ᇕᠬ᠓ᠸ᠂ᡬᠳ᠂ᠣᡵᢅᡢ᠂ᠬᡠᡧᢁᡈᠽ᠂ᡆᡐᢃ᠂ᡠᡧᡳᠬ यःगवेषःयःमभर् छेरः। য়৽ঢ়য়৽য়৽য়য়ৢৼ৽য়ৢ৽ঀঢ়য়৽য়য়৽৻ঽৼৄৼ৽য়য়৽য়ৢঀ৽ঢ়ৢ৽ ঀয়য়৻ঀৢ৾**৾৾৳৽**ঢ়৾৾ঽ৾ৠয়৽ঀ৾৾৾ঽঀ৾৽য়৾ৼ৽৸য়৽৾৾৾ঀ৾য়ৢ৾ঀ৽য়৻ঀ৾৽ড়৾য়৽ঢ়ৢ৽ড়৾য়৽ঢ়ৢ৽ড়৾৾৻৽ঢ়৾ৼ৽য়ৣয়৽য়৽ঀঀ৾৽৽৽৽ र्ट. ५ कु. नपु. कु. य. ने हूं नथा त. यायथा रेट. युवाया वीट. नी. मी. नि. प. प्राचाया यथा प्रथा कुरे । यट. इर. मेर्था. तर्मा वर्षा मेथीरथा थ्री विश्व वर्षा चार्च वर्षा तर्म वर्षा पर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा धरः बै·देन्त्राः प्रतः देरः क्रेतः र्सेदे क्रें स्तरः तार्वे वरः तार्वः श्रुवः धदे क्रेतः वरः वरः वरः वरः वरः المعادير الولما والمرام مع مراح مراج المراج त.र्ष्य.चे.डी र्याया बेर् यया व की विवास वेषा क्षा विवास विवास हिरा में।

क्रा। ज्यास्त्रस्यामान्य्याया रहात्व्रास्त्र । ने.जान्त्राक्षाःक्षेयास्त्राः मुद्रास्त्राः

इस. पर्ष. मैं प्र. पर श्रेया पर्ष । र्यट. त्र. क्ट. प. वे. श्रेव. श्रेया वा व लग.रट. केट.लग.रट. शुन.इ.स्वयः क्ट. चर् । वियः बन्दः सः स्वाः सः द्वेः सक्षयः स्वरः *चुरा राया चुर-तु-पञ्चा-पाया भेद-पद्*। *|न्द्रा-प-र-प-दे-प-दे-प-हेद-र--प-हेन-हेद-ष्याः द न् या* पदेः नृग्यनः क्रॅयः व्रव्ययः ठन् ः श्चेः पदेः ग्वयः दनुयः पत्यः यान्यः यान्यः विकास तर्नरः के क्षेत्रः नश्चिमानः या चुर्दा विस् में ने रहा कुर कुरा मुखा मिरा के शक्का कुरा पर्वे का कुरा भेवः यत्यः रहः नीः वर्ष्ठे रः यः वेत्यः ग्रुद्धे । विववः वर्ष्ठे रः सः वे। वह्यः ग्रुवः ग्रुद्धः रहः र अः ळॅल:ॲ्वा । प्रष्ट्रव:य: गवरा: ५८:५: हेरा: ५५ । गवव: धेर:श्रेर:वे: पर्डे: पःदा तर् । दे.ज.थटथ.भैथ.व्रेष.नव्यत्विट.च.वु.चश्रेज.त.ग्रट्य.बुर.च.ब्रीब्य.कुथ.क्र्यंथ. नवावायावयाचरास्त्रवाग्रीक्षेरायायत्वाक्षेत्रयहेवायरहेवायायरायस्रामु । १७३१ नदः क्रथः क्रॅबः नः वैः लट्यः क्रुयः ययः नेदैः नुवः व्रंयः ग्रीयः क्रॅयः क्र्वः नद्। │**꽃**셏.건참보.전. मवर्षायान्त्रीः सद्याः कुषाः भैदः कॅषायञ्चर्षाया वर्षायुः द्वाः तर्षायाः सद्याः सद्याः सद्याः स्व र्वा.क्र्यायाह्य.री.मुर्नायते.क्ष्यामुनायते.क्र्यायानुवायायाह्या विक्रयाम्याहरायाः त्हन्यायात्री क्रिया हेन्या या दे हिन् ग्रीया क्रिया सम्बद्धा या द्वा यादी क्रिया या देवा शुवा तु । चु । पदे बर्बः लूटे. तरः रुचे. देशः है. केर. <u>ह</u>े चेश्वरात केर. चक्षेत्र. ताला हेशः श्वेष्टचे नात्री विषये क्रीशः नद्र। दे.न.के.चवर क्रेट.ल.ल्ट.क्टर.क्ट्र.क त.रट.कूथ.पर्वेच.त.स्वथ.वेथ.त.रट.कूथ.वेथ्य.त.स्वथ.ह्थ.थे.पट्टेचे.तर.वेरे.त... **वै**:हेल:बहुद:स:ळंट:तु:उट:टॅं! |

न्त्रेयापान्यात्वरार्व्व के.पानययापावी न्त्रवाक्कीपन्तावन क्षेत्राम्य के.

श्चिनःब्चेटलःयला हेःसुरःग्चरःतुःविदःबनःषःद्वलःदव्वटलःयःधी ।द्वःत्यःविद्यःदगदःविदः धर्वे कन्त्र सुराव्या ।हेर् सा सुराया खेर् सरा म्या प्राप्त सुरा पिञ्च. यप्र. यहेगःहेवः मरे ख्वा पर्देरः धवर रे द्रा पद्या | विषा महारूषः धवे छेर रे| 图大子、学、 चुदे ळ्या श्रुव ता न्दा हिन् यर नु हो न ळेव श्रु त्या श्रुव ता वे हे व न्दा उदा विष श्री ऋचा.नथ.रूर.चभर.नपु.केब.रु.के.यी.बुबा.स्व.रेस्थ.धे। श्वा.श्वराजवा मोचेन्यात्याहेदात्र्यात्रात्रेदारात्र्याः क्याः श्रुराहित्। विस्यताः श्रुर्वा केदास्याः क्रियाः न्यर थिव या विषय दे द्वार प्राप्त के दार्थ विषय है दार में प्राप्त है दार में प्राप्त के त्यार्डे-१८ हैं। त्रेयायेव। वियार्दा यद्यार्चात्वायायायायाया वेदाक्केयाव्दर रे.क्रेर.क्रेब.चर्चा.वर्षा.वर.तथ.त.रट.र्चेय.लट.बेय्य.वर्ष्य्या.ल्ये.तथ.चर्याया.वर्षे.तय.त्य धर हेर्र नगरे। १६ र म तके न वतर है म ववर नग हिर नरे तर्शेर है। नर हर है म चर्-तर्ग्-द्रे-ब्रेट-तर्ग्-वर्ष् विषाम्ब्राम्याः द्वार्म् व्याप्ताः हेत्। व्याप्ताः थि.वेर्.तपु.कुर.र्| विषय् लट.र्घ्व.श्रुप्.क्रेय.पालश.पाश्चिर्यातपु.पवा.कव्याप्तिवी 대리·대북도·흥·리·중미·도·전조·다국적·대·교환도·다리·흥국·등·정도·ய도·리리전·최도·교리·흥국·· श्च-विश्व-तपुः न्वाव्याःशुः न्शुम्याः प्रयाः त्याः व्याः स्वाः स्वाः प्रदे हेवः यः श्चे स्वाः सुः श्वरः यः येवः क्षा १ रे.लट.श्र.श्र.श्र.व.त.र्घयातपु.हेव.ये.श्र.यरायात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीट.व्याश्रयात्रीत्र बर बल गुर तर्वा मु जीर पते हेव पद्माल हा | रेल व तर् तर पते हेव पवर मं इंग्रिंग्यं तर्ने मार्गियं हेते धिर तश्रिंग्यं सेन् सेन् स्ता वा तर्ने में वा सेन् में वा का वा के राम

मैलः रटः वश्चुलःयः नटः र्झटलः &वलः ५२े : तलः क्वेःवः ईः दिनः ॲन्। हदः दर्भे : त्यः र्सेन्यः यदेः য়৽৸য়য়৽য়য়৽য়ৢয়ড়য়ৣ৽৻য়ৼ৽য়ৼ৽য়৽৸য়ড়ৢ৾ৼ৽ঢ়ড়ৢৼ৽ঀ৾৽য়য়৽য়ড়য়৽য়য়ৼ৽য়৽৻য়ৼ৽ৼ৾য়৽৽৽৽৽ बेर्-तु-ग्रुल-वला धर-नवलार्ने-र्ना-तु-ल्ना-वलात्म् व-वे-रेन्-स्न्ता-ग्रुल-स्र-ग्रुल यः चित्रेत्रः चर्गः वैः खेबका बेर् धरः यूरः यूरः यूरः कृषः यः तः खेन्यः यदेः क्वें व्रतः **यदः रू**रः यदः र्नु पङ्गिवास्य म् मुन्ति वसम्यासान्यत स्वा महाविमा ह्रिया दार्य राष्ट्री । सार्थिया য়ৢঀ৾৽৸৾৾৾ঀ৽৸য়৾ঀ৾৾৽ঢ়য়ৢঀ৾৾৽ৄৢঀৼড়ঢ়৽ৼ৸৾৸য়ৢ৾৽য়ড়৾ঀ৾৽ঢ়য়ৼঀ৾৽৸য়৾৽ *ॱ*इगॱःदी ।ॲवॱॸवॱॹॗवॱग्रेॱबेॱइय**रा दी ।शु**ॱवेगॱदर्नर्नेॱदञ्चरा बेन् ग्रेन्। र्दः। श्चर्वात्वर्षाः यद्वात्वर्षाः वद्वर्षः र्वाः वद्वर्षः वद्वर्षः वद्वर्षः वद्वर्षः वद्वर्षः वद्वर्षः वद्वर म्बर्थाः श्री वर्षः तथाः पश्चितः विष्यः विषयः श्री विष्रः विषयः स्वरः विषयः स्वरः विषयः स्वरः विषयः स्वरः विषयः र्हा नियाने नियाने नियाने नियानिया । इंट्यायया द्वेया ग्रम क्वेर् समानिया । विकास स त्रश्चरः पतिः तुः त्रीः त्री । व्राः द्वः केदः यः स्टः परः त्रश्चर। । त्रश्च तः त्राः न्याः त्राः त्राः त्राः व्याः । त्रश्च तः त्राः रेट.२। |नर्गःमी:खुषःयःपश्चिषःश्चरःष्। |५श्चॅर्ःयःबे:न≡र्ःबे:५नरःनष। |वेयषः मह्रात् श्रुरावरा महिवा । भिवा हुः हेरार्गाया धवा परि । हिः विमा स्राहेरा हेरा शुरावया । पर्याकिरावेयार्टा स्वापविवात्। । श्विरायटार्श्वयायारेराविराद्या क्रम्याग्रीयाञ्चरयायरा नेयायायविष् । यन्यायाय देराये व्यया सेन्या । विषाञ्चरया नर्मा गुर्स्य नेवाहे। निर्मानी विराद के के बिमा ब्रम् । विवासी सम्पर्स र्टः। श्वितः सः यदः विवादाः द्वादाः दवः यद्वाद्वाः देवः श्वितः स्वाद्वाः विदः स्वाद्वाः विदः स्वाद्वाः विदः स्व न्या । निताने तरी निर्मातहेव पर के छेर व। निषद वर कर कुर नव निवद र्पट तह्नात्यक्षरान्। दिः तथा द्वेषावया नरामेषा श्वेरा परावद्या विषातहना या वया

इयतःहेवःयदेवःयदेःश्चनःशुनःशुनःयवायःइयवःगुदःयवयःस् ।देःकृरःयद्वःयर् न्दःदेवायेगवायायाक्ष्वाने द्वाळे पदी हेवादे देन गुनेवा ग्री श्रुवाय हेवा यळवा नुः या द्वाद्या **छन् ग्वन् न्देन्यं केदे श्वेट् न्यायम् हॅट्रु** व्यायम् हेर्यायम् हेर्यायम् हेर्यायम् हेर्यायम् हेर्यायम् हेर्यायम् म्रट्यास्य त ब्रुर विट प्यानदे हे व शे तर्वे न ता ने स व व स्वा न स्वा न स्वा न स्वा न स्वा न स्वा नयः ने नयः नश्चियः धः है विषाः स्नि क्षियः हु। तथ वायः धः न्यतः स्या र्नो.चलः धुना.चते. ब्री विश्वलः या स्थान्यः व्या विर्देतः देश्चरणः चर्यरः वयवः गहेर। । इरः वर्ष्यः धरः वेः ग्रंगः या । नेः र्गः वहेगः हेवः यः रतः हु। मचर्-बु-र्व-रिय-र्यर वह्न दिव-क्रव-ब्रीट-बुव-क्रय-पन्दी विन्य-सःह्रिय-प्रत्र-रूट-वियानविष् | र्मोप्त्रुदेःत्यत्रःग्रीःत्ययःयेर्ध्यः। विःष्यःयरःवैः व्याःयः विष् इंच.तर.चर्.च.वी हि.केर.र्.चर्.क्षेच.चर्चल.वेर्। रि.चय.व.स्य.चश्चियावर् ने.प्यायक्र्मा.पे.झ्र्यातात्र्री विषाचिष्ट्याता.क्रेरास् वि.संस्थायक्र्यात्री बबर-लट-श्रेट-त्र-ज़ब्र-५६न-छ्ब-त्र-चश्चित्-नी श्चित्-तहना-लया पर्न-ल-श्च-हन डेव वर्षा व १८ वे ४८ मी देव डेर ख्या विव धर्म सेर्प्य विवयः ठरः ह्रीव.तरः भ्रः विद्रा | विद्यार्टा अ.ल. मु.ता. तहे व.वद्या वी । श्रुणः तहता स्ट्राह्मः स्टेश्या मुँवा । बी.पर्ट. ब्रैय.वय. केट.र याय.चया । मूर्य.त. ये.ये.वी. वेट्रय.स्व नशिर्याताक्षेत्रः ह्ये । वि. हे. चतः र ग्रे. इताय्या ग्रेटा। ह्येतास्त्र नायक्षाः मुद्दाः वित्रा इट. चतु. व. रट. श्रु. त. चवा विया गुरुट्या या क्षेत्राच याययाता श्रेट्या येव तर्द्र्या मुश्चेत्

प्रज्ञान्त्रम् वर्ष्यम् वर्ष्यम् स्वर्णम् स्वर्णम् स्वर्णम् स्वर्णम् स्वर्णम् स्वर्णम् स्वर्णम् स्वरं स्वर्णम् स्वरं स्

ण्यात्र स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त स्वार्त स्वार्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त्त स्वार्त स

न्तरक्रित्ने श्रुत् अत्य व्र प्यत्। | द्वे प्र प्र व विषय या ग्रुत्र व | प्र व व्य प्र व विषय गुदः र्स्ट्ररूपः या । देः छेः य द वाः वीदाः के । चुरः व्यद्। । द वीः यः द वाः गुदः वाः गुदः वाः गुदः वाः गुदः वाः न्नाःग्रदः नेतः नवान्तः न् । निष्नातः यः चेः नः नक्तः । निर्दे त्र्येतेः श्चः । प्रदे तः येतः । निर्दे त्र्येतेः श्चः । पर्वाः । पर्वः तक्षरा । दे.वेद.वेर.वर्ष.वर्ष.कंष.कंषा वि.शक्ष.कर.वल्य.वेय.वेय.वेय.व द्याञ्चला वर्षेत्र । । वर्षेत्र विष्ठ प्रत्या न्या वर्षेत्र विष्ठ वर्षेत्र वर्षेत्र विष्ठ वर्षेत्र विष्ठ वर्षेत्र वर्षेत्र विष्ठ वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत् क्ष्मा मेला । परे प्रांत्र शे प्रांत्र श्रें राष्ट्र र मेला । बेला मुक्तर रायदे धेर स्। । मूला हे प्रांत्र वर.चर.बु.८्याद्र.क्षेत्र.व। द्वेत्व.च्यादे.बुर.चबुद.र्.कुत्व.तःपस्यातस्यातात्व्या नयः रवः प्र्यः वे यः वे त्रस्यः ग्रुटः रवः प्र्यं रः वश्च रः वश्च रः व्यः प्रः प्रः र्यादः हो। द्याप्तित् श्रीत् श्रुर् व्या १रे वे इया वर शे त्युर है। १९रे हिर रे वे श्रुर पविव र।। कृषा-धः मब्दः र्षा-र्षः हुः । विषः मशुरुषः धदेः धुरः र १रे.क्षेर.केर.रगाय.य. नवबब्यायते अवर अपर हेव पर्े छेवार्श्वर या नर्गेया व वे वेव ए हर् इवायर महेवाया र्बाक्ष्याञ्चरायवानुवातर्वान्यः चित्रं श्रुवानुः श्रेरायं तोदातर्न्य चेत्रः द्वी वर्षेवाञ्चरवा पथा मै.अष्ट्र.कुर.बंब्य.बंब्य.बंब्य.सून्त्रीय.त.र्टः। १८४८स्याःस्र-्तापथःग्रेटःस्र्र पर्या | श्रे.धेर.क्रथ.च्र्य.रंभंद.चथ.श्रु.रंचर.ब्र्या |रंभःक्र्य.श्रुर.तथ्य.प्रक्रथ. धरः अह्रेर। । नरः वैनः नेवरः क्रेंरः देवः क्रेवः श्रवः क्षेव। । एवः श्रुन्यः वश्रवः धरः वश्रीरः च.इ.चल.ग्रटः। । मट.बुम.झ.२.श्रुल.वल.ईम.नद.जल। । मग्रुर्न.च.दे.बु.क्रल.रच.धिव. ম.জন্মা |ঙুথ.১৮.৷ খ্লুন.দ্বী হথ.জন. ক্রম্না बै.भै.र्द्रयायः नेव. तुः केर्रर्गयः केर् शुरःवया |रॅव.रु.चइमःयःमरःधेदःरे:वेर्-चहुवःहे:चञ्चन। ।ठेवःम्बुर्वःयःयदेःधेरः

 क्षेत्र. लुचे. तथा थच ट. तया च्रेला ।

क्षेत्र. लुचे. तथा थच ट. तया च्रेला ।

द्रिया नक्षा प्रचेता च्रेला च्रेला

 यम्.बीच.त.पथा.च≆षथा.धे.ह.केर.क्या.वशिरयाताचषथा.कर.धु.क्रीया.वी.कर.दि.रा.च्या.... राबाकुरानु: न्रावु अंदानिते केंगः क्रॅन: तु: दु: हो। तर्नः त्यः केतः केरः वेः चेत् स्वरः तहेना हेवः वेः ववेः वर्षः केतः क्षेः सुवः शुव्रः क्षेत्रः वर्षः स्वरः तहेना ण्वेरःवेरःदेते:कुःइयराञ्चयःयःतर्हणःयदेः धेरःहे। त्यःक्षंत्रःतरा म्हादेणः विषयः वै नर न्या वील। । तिवर प्रते परे पर वाला । तर वेर देव दुः ववेर छेर छ। *ञ्चेष*.चं.चं.चे.च.चर.नेषा | वेष.चशुरुष.घदे.छेर.ऱ्। |देश.येचस.प.चवेश.हे। दावर. च.परा.ग्रॅपाच. १व.ग्री. घर.च. १८. घष्टा कर्या करें व्यक्ति स्तरे में प्रवर स्ति । १ .पा. १व. में रा नुःत्रोरःन्देवःवयःत्रोरःन्दःबुवःबॅरःनदेः**ळवःश्रं**रःनुःदनुःक्षे। क्रे**वःनुः**दग्नेदःवैःशेनः นาผสดารุ ๆ เคา ลัง รา รา สิงา ลิรานาผลา สังเานลิ เสรานา ระ เจ้า รัสารู วิธีนา ฮูรา <u> चित्रः हे . दे ते. च पत्रः तत्रा पत्रा पत्रा विश्वा ता त्रा विश्वा तत्रः विश्वा तत्रः विश्वा त्रा विश्वा तत्र</u> श्चे<u>र</u>.तपु.चर्र.ज.क्चेच.ब्रुबाथ.भूटा। क्रिबा.तपु.जका.जब.क्रबा.चर्बा.क्रेरी ।बट.खुबा.यट. ब्रुं ७ . प द्वे या क्षेत्र व . या या व . या व य चॅॱ*बेवा* ।ञ्चॱयःयरयःकुयःगशुरयःधयःव। ।देःहॅबःददैरःवै:ञ्चे:परःग्न। ।बेवःगशुरयः त.केर! झ्य.चिव.स्रीय.तपु.चयय.वु.चवेय.हे। चयर.र्च्चय.कु.मु.म्य.स्वयःकु.मु.म्य.स्व र्भारतः क्षेत्र प्रते : बेना पा केत्र प्रस् । । दे ना ने या ते : क्षेत्र स्ति : क ब्रु*ण*-तुः क्रेवः यॅः वैःक्षेटः हेः क्रेवः यॅदैः ग्*ववः २ घटः तुः श्वुरः धराः रोबारा* क्वाग्रीः श्वृणः यहायः । । । । चयलारुन् :चन् :पर :चु :पर्व :धुर :तु :लन्ल कुल विन :चुर :चुल है। धुर :दु ण :न्ट : रेब :पः

चंद्रेयायास्वयासायाश्चरारात्वरायदे विराहे। यथा ह्रेत्रायया ररा हुर् न्यायायदे ञ्चन पर्यतः ग्रीय। । महः विमा मवदः ग्रीः श्वमः पर्यतः गुदा । यदः द्वमः वदः परः गुदः दयः तर्रा क्रियास्र दे दे वाळ्या धेवास्य विषा गुरु त्या क्रियास्य क्रियास्य क्रियास्य क्रियास्य यते विवर्षः ताय देतः हु व सः न्दः ख्वारा गुडेरा गाः देगः वरा गुरुद्यः यते छे नः दे। । ब्रेल.चं.बर्धेंब.कु.च.क्षेर.बु.बे.बे. बर्जात्राचात्र.चंत्र.चंत्रा बल्य.लट.बट.बच.बर्धेंब.हु. र्ष्यापत्रायाधिव र्ष्यापायाधिव पत्रायाधिव पत्रायाधिव पत्राप्ति स्वाधिव वा भी र्ष्यापाया र्गःपरः ब्रुट्यः पः र्टः स्वःपयरः यदः र्वे । १९वः व्यः र्टः स्वःपदेः द्वयः विस्यः ग्रेः स्यः पः लट.र्म.तर.धरथ.त.र्ट.र्बेय.तथर.लूरे.ट्री विट.क्य.शुश्थ.र्तपुःक्ष.विश्वयाग्नीः क्षा मनेयामने तहीर धेव क्षे । महायामने यह माधेव क्षे । विद्यामहारूषा माने प्रति र्रः म्ब.पर्या चलव. लट. श्रुव.च.व. र्ट. पश्टर. यह्म. यह्म. यह्म. ख्या वर्षा व्या मधिरयः स्रा । पत्र स्त्रेयः पत्रियः राष्ट्रमः पत्रीयः पत्रा स्त्रियः प्रीयः प्रीयः प्रीयः प्रीयः प्रीयः प्रीयः भुषानु महीयागु यहवा ने न महीरता हो। भुषानु हरा हु त्या हे तरी क्षुरा ते न हु या सुर विद य गड़े य प्रंत् स् र ग्रद ति र दे र दे गड़े य पर है। रे.लट.बर्ट्रेब.बर्घर्य.घ. इर.घ.ष.विवयायावाद्यराह्य।

चेत्रत्तः सेत्र न्या ने नावेद्या चेना क्रेक् चे लक्ष चे क्र महाराज्या व्यक्त त्या क्षेक् न्या स्वा क्षेक् स्व त्या के क्षेत्र स्व नामा क्षेत्

क्र-५८८४५ क्रीयागुव ह्म-५८५ ह्म-क्री तेयल क्षेत्रयायाया वे तक्षेत्र ५८५ वर्षेत्र ५८५ । ৾৾৾৾৾ঀ৽ঀ৾৾৽৽৽৽৽ৼড়ৼ৾৽৽ৼৼ৾৾য়ৢ৾ঀৄ৾৾৾৾ঀৼৼয়য়য়৽ড়ৼ৽ঢ়ঢ়ৼ৽য়৽ঀৄ৾ त्र्वेदे:श्चेर्पाः भव्य । पित्रंराप्तरे स्वाप्त्रं प्रमाण्यम्यः सर्वेदाः वया । श्वरः श्चेरापदे वार्यः लयः न र्झ्यः बैटः। । । व.व. य. र्झः न हे ल र्झ्यः न । वर्देः वै.वि. वर्देः र्खुरः यः भेव। । वर्देः र्चाः गुनःगुरःञ्चरः छः हो ।देवः त्युदः वयः गुः धदः व्यवः धेदाः । क्रिवः गुनः ह्रवायः न्या । प्रा.प.श्रेर. हुतु. छ. बुद्राय वुरा। विवयः श्रावयः श्रुद्राय ववतः प्रवारा त्वुर् यक्ष्मानीः श्वेर् प्राधेव। विकाम्बुर्का पदेः श्वेरः स्। दिकाकः वर्दे राश्चेरः पदेः वरेः **ક્રૅ**વ-ઉત્ત-કુર-વર્ષ-ક્રુેલ-તુ-તક્રેદ-મે-બ**લ-દુ-**તક્ષેદ્ર-વ-શ્રે**દ્ર-**મું रे गड़े य रूप हुव र्वेट नदेः तथा द नदः विन क्रेशासुः केदः सदेः तथा तादिन् धरेः क्र्रात्म स्वादिन् स र्यते त्या हुँ दः नते . यत् . यग् . हुः हु दः यत् य । दिते हु दः ह्य र न न दः यः हु दः हि दः ये त हिरा । हिरास बेर् पर ते खुरा दर्र रूप । प्वत्र पद के दे र खुर केर् परा क्षेर·यॅरःञ्चन·**बे**:छेर्। ।यःरनराःक्षेरःहेःद्वनःयराःवे। ।त्र्नरःक्नःरेरःकःवे:र्रः । वर् ग्री ग्विर श्रुर ख्रार्गि । ग्वि वर वा परि श्री र ग्विर श्री । प्र वर के रार्श्व वर र र च ठ र्यः यः या | वि: विव्यः च कु न् र्यः विव्यः यः यदी | क्कियः युः क्कियः यदः क्कियः विव्यवः च.लूर.तर.वे.चपु.रूबावा वियानशिरयाताक्षेत्रा चर्बाची.जयाक्क.भूरार्टार्ची.च. क्षरक्षेरार्या ब्रेराला वर् ग्री करामा पाला संग्वाया पति स्वाप्त में प्रम्या में प्रम्या में प्रम्या में प्रम् चुॱळेवॱ^{र्}रिःगु**व**ॱश्वॅर्ग्गुरारेवेवायळवः तर्तः चरः चुःक्वेः र्देवः स्वर्तुः चुद्रःक्व्रयः वर्राः चेन्। यः … ळेव यॅर तह न य भेव दें। दि व रूट यं व रा क्रे रा केव यं व रा ति र यर रे न रा से र

निवेषायः रेखः यः ने : क्षेरः दिन् : यदे : क्यु : यळ व : ता निवेषा क्यु : यळ व : न् रेषः न र । न्मॅर्रायद्। |न्नार्यकी वेगायाळेदार्यनायह्गायदीयह्गार्झादीचिनाळ्याची। सर्वेगार् तेयसप्रञ्जेद्रप्रचेद्रपेद्राहेर्न् ज्ञूद्रप्रञ्जेसप्रचा ज्ञूद्रप्रह्मायस् विट.क्च.श्रम्थ. पिष्ट्र. पर्य. पञ्च. ४ ४. पर्वेषया. पर्य. वेषा घवा. ई वया । श्रुवा गुरा वा भारा है वा गिया **चर्-**मभेगलःइयलःग्रु-ख्रलःवेलःच्ह्र-चु-वेदः। |वेलःग्रुद्यःचःकुर। यश्चित्रक्ष्यार्थययान्यवालेयायदेश्चित्रव्याहेवाने विषाळेवायः स्नित्या देवया ढ़ॺॺॱय़ॱ**ॺॱॿ॓**ॻॱॾ॓ॺॱय़य़ॱॻॹ॓य़ॱॺॴॷऀॸॱय़ॱढ़ॾॕॺॱय़ॸॱढ़ॹॗॸॱॻय़॓ॱऄॗॸॱॸॕऻ<u>ॗ</u>ऻॸॆ॓॔॔॔ॹॿॱॿ॓ॻॱ ळेदः रु. यह मः यह रः यः इयवः ग्रेषः देः वेयवः देः वचवः रु. यवः यन् द्वरः वक्षः वक्षेरः द व्यवः वा ने.पञ्जेर.त.ज.वु.र्घव.री.थ्रथय.र्ट.पञ्जेर.तप्त.त्यव.ल्य्येय.पञ्चेषया.येथ.श्लेर.घर्य.त्ययात्वयः ळ्य.ज.र्झ.श्रेच्यातस्यानः वृच- ८८। लब.जब.चर्च ब.स.श्चिपथ.पब्च.र्ट.चरुथ.स. र्मेषायराचेरात्रेष्यराग्नीत्रयामीर्थयाम् देवात्राक्षेत्रायदे गुल्टायळ्या.हुः गुरायामञ्जयामहुतामा र्टः श्चिर्नायात् ह्र वा या त्यता विश्वरता स्व 1रे.हेर.बिश्चरलायदः सव.ल्ब.लटः पर्दे.ये. मुद्रेयाही मेर्यास्ययार्ट्यायवराधिमानीत्त्रवात्त्राच्या ।र्ट्याप्यट्राट्याप्य्यराधाः ब्रातर्वात्तर्दा विधान्त्र्याता इवाया कुत्रात्तर्दा वर्ते त्याँदी कुरूरा वया व इयसार्नेमाचित्रप्राकुळितात्वेतातार्दा म्यारातुः छेत्। या इयसाग्रुदार्वे साम् য়ৄ৾৾ৼ৾৾৻ঢ়৶য়৾৾৾য়ঀ৻য়৾ৼ৾৻৸ড়৾৾৸৾য়য়য়ৼঀ৾৾ঀ৾ঢ়৾য়৻য়ৼ৻৸৻ৼৼ৻য়য়৶৻ঽৼ৻য়৾ঢ়ৢ৾৾ঀ৻৸৽

स्वयः ग्रदः त्रिवः स्टः त्राय्ये वयः प्रते वयः प्रते व्यवः वयः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः वयः व्यव

देॱढ़ॗॸॱॺ**ढ़ॱॲढ़ॱॸऻढ़ॆॹ**ॱॺॱॾॕॻॱढ़ॸॕॣॸॱक़ॗॖॆॹॱढ़ॹॱॺढ़ॱॲढ़ॱॾढ़ॱॻॖऀॱऄ॓॔॓॓॓॓॓॔॓ॿॹॱॻॱख़ॱॱॱ तहना पात्रा वेशकारेते अपा मुख्या पात्रा केराहे केवाया पक्षिता ने केवाया त्त्रा याद्या नाह्याच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या नतः ४८० विटास्नापस्याम् ताव्यवरामायाः वार्षात्राम् दरावा सेत्रा विमया उत्र में नियम मार्थ । निर्मा में दे में मुल्य में मिर्ट के मिर के मिर्ट के मिर के मिर्ट के मिर लट य से या वा विवासी में वा ती पार के विवास की पार के प **वि.क्ट. दिप्तः श्रेन्या श्री र दर्ग प्रति । यहारा श्री पार्य प्रति । विर्वार । विर्व** मीॱभ्रमतः शुः अर्वे :देशः दः धरः श्रु माः मध्याः विरः विः मदेः मदेः मः बेदः र्ख्यः द बराः महा बराः दहा। ने वर्षा गृष्ठे वर्तु : शुर्रा पर्दे शेवर्षा ठव : इवर्षा तर धर रहः ग्री व्यवाता पर हा गृषा वर्षा पर्झे यरा ড়८.५ग्रु८.२८.धेथ.ब्र.चपु.चथयाता.सी८.च.चु.वे८.क्ष्य.ग्री.श्रंश्वय.च.क्र्या.घ. हा. हाया. क्के.तपु. घर्या तुर्वे त्री तात्रा प्रमाया साधिया है. प्रतिनामा श्री प्राप्ति का है। विकास स्वीया साधिया है से য়ৢ৾৾৾৾ৠৢঀয়৾৽য়ৢৢৢঀয়৾৽য়ৢ৽৾৻ৼয়ৢ৾৾৽ঢ়৽ঢ়ৼ৽৸য়৽৻য়য়য়৽য়৽য়ৼয়য়য়য়৽য়৾৻৽য়ৢ৾৽ঀয়৽ঢ়য়৾ঀ৾৾৽য়ৣঢ়৽ঢ়৾৾৽

ङ्गॅं.र्.य.प.५०८.त.वे। चिर-क्वनःग्रेःशेश्वराग्रेःईव्रःत्र्। कुर्-खूरः वदेः व्यवाधायवायाः ঀঀৢ৾৾৾ঀॱঀ৾৾৾ৠৢঀ৾৾য়৾৽৻ঀ৾৾য়ৢ৾৾৽ৼৼ৾ঀঌয়৾৽ঀৼৢয়য়৽য়ৢ৽ঽয়ৢয়৽য়ৢৼ৽য়ৢয়ৼ৽য়ৢ৾য়য়৸**৾ৼ৽** \$\\\ \dag{\\ \alpha\\ |*५६२*-७८-५-५५६-१-४५-अ४-३-४-४५-४५-४५-४५-४५-४५-४ यते.विर.केव.ग्री.श्रुत्रथा.श्री.वपु.लबे.जबे.पे.वे.पं.जेबेथ.ईश्वय.धे.त्रथा.ग्रेट.जबेथ.तर.चई. $\frac{1}{2} \overline{A} = \frac{1}{2} \overline{A} = \frac{1$ वयाचिराञ्चनाग्रीःश्रेययाञ्चे पदाः धवाः यगः मृत्रुंदाः पः भेवः मृत्येयाः मे। रे.केर.ब.वेब.च য়ৢৢয়৽ঢ়৽৳৾৾ঀ৽য়য়৽ৼৼ৽য়য়ৼ৻য়৾৽য়৽ঢ়৽ঀয়৾য়৽য়ৼ৽ঀ৽য়ৢয়৽ঀৼয়ৢয়৽ঢ়৽৳৾য়৽য়য়৽৽৽৽ चर्च ने महार राया চৰ:ম্ব ঀৢঀয়৻ঀৼ৻য়ৢৼয়৻ঀয়৻ঀৼ৻ড়ঢ়৻ঀৢ৾৾৻ৠয়য়৻৸ড়য়৻য়৻য়৻য়ঀ৻ঀ৻য়ৢৼ৻৸৻ঽ৻ৠৢ৾৻ঀৢ৾৾৻ शेयरा ने नह व पर छ पदे छेर ५ मुनरा दर्श हुव संद स्था धेव पा क्व न हिन व रा र्श्व तपु.क्र.चा.ची ब्रॅंब.त.क्र.वेथ.चर्चेर.वेथ.ईप्रु.चश्चित.चे.क्ष्रथ्य.प.प्यट्र.तथ.चश्चवी दे·वर्षः इरःशेयरा ग्रेःश्वेदः प्रच्यः द्वाः न्दः नश्चः नवेः सँग्रायः यः श्वेनः यरः यर्देनः यदेः श्वेनः ।।।।।।। तर्द्रायदातुः श्रुद्याया श्रेट. वर्ग. त. वंश. श्रूंच. ५ ई. - वैट. च.व. ५ हे ग. ५ दे श्रुं श. ५ . इश. म्बर् स्ट च्या संस्टर तहीर र्र केया हिया इस्या हीया ग्रुटा सम्बर्धा स्ट स्टर् **⋧.धे.च्या.४५८.६**६८.च.बुर.पड्य.ह.केर.बिथरतय.पप्र.धू.४४८७वय.गवाय.तर.क्येट.। वयः धेवः इ गः श्वेःयः पश्चरः हरः ष्वरः यरः तुः श्रेययः र मेः पतेः र श्रेगयः यः यः हैः क्षरः य हैरःयः क्षर प्रम्या १ र र पर वि पदे छेर दे नव्य गुर्र सं प्रयम् न व्या महत्या में

म् । जात्रा श्रीया जात्र वा में वा श्रीया श्रीया प्रता ही या विष्ण श्रीया प्रता वा श्रीय वा स्वीत वा स्वीत वा स स्तरा नवन रि. ह्. त्. बेर क्रिया क्षेत्र अहर क्षेर तप् हिर रि. धर नशिरया ন.হ্ থ.ঠা यया ने ते खे र नु : धर : बे : मवया पञ्च पः मं । ने : वया प न मा मे वे या खे : पर्वे : नः गठन् पदे क्षेत्र-तुः वर्ग बेर्-धः क्ष्रॅर-धः क्षेत्र-धुः र्वः क्षः नवः वगः क्ष्र्र-धरः **च**वः वा क्षंब्रः द्वायः व्याद्वायः वर्षः वर्ष क्षेत्रः वः विः नवताः नदः क्षेनाः अर्वेदः श्चेनः यः यः निर्मे नताः यदे । यह नः स्या ग्रीः पश्चितः ग्राः स्या *`*बि'ग्वरा'वे'केंद्र'दे:दहेव'वय'शेयरा'ग्रे' য়য়৾৽য়ৼ৾৽য়ৢ৾৻য়৾য়য়য়৽য়ৢ৽য়য়৸৽৸৽ৼৼ৾৽ पश्चनःयः न्दः। क्ष्मः अर्ह्नरः देः मेराः नः ग्रीः पश्चनःयरः तयः श्चेदः द ग्रीयः नः वर्षः महारूषः स्रा । में बें बें क्ष्या क्षेत्र क्षे च दे वः यः तः च हे वः यदे : त्ययः द्रः कुः केः चदे : त्ययः ग्रीः देयः यः धेवः ता वेषारमाष्ट्रम् यर ठवः ग्रुवः पञ्चित्रः यः दीः मेत्रः रमः ग्रीः कः न्रः थेः भेत्रः ग्रीः है गृतः न्रः न्र्त्वः प्रतः पदैः पने दः पः र्टः विचलः मेलः णःचलः ग्रीलः ग्रुटः स्कृतः श्रेः तश्चितः यः तः स्वतः यः त्रञ्जे दः यः नञ्जे दः यः नञ्जे दः । दिः के. चेपु. क्या ग्रीयायटया ग्रीया ग्रीया प्रवाहन वा ग्री ग्री ग्री के वह क्या प्रवाहन ग्रीया ग्रीया प्रवाहन हा म पति कुत्य रॅं रे कु के पा मनता मी का इसता या करा पा ये रायते गाव से पा मी परे **व**ा पति रे किं व के र पर मा बेर पर मा के या ये माया पर है माया पर दे दे व र वा पर दे 회 첫회:작: 독도기 चर्वःयःयःचहेवःयदेःन्व्नायःन्वेवःयन्त्र्नःव्यःव्यःच्यःचरःचेतःश्चा चःन्व्राःक्रः पत्रः ग्री कः नवः श्रुष्वयः देः वत्रः द्याः दर्षः परः श्रीः ग्रीः द्राः वः व गुवः ह्रवः नेः केन् व्यक्ता प्राप्तः न्यानः सं कुलः श्वनः य। |८८ वितः कुलः सं ने दे क्रे के सितः ८८ च.लथा विशेष.थे.चरं र.चंय.रंगु.चय.क्रिंट.गु.चेबय.क्रंचय.ग्रेया विष.चय.ल्यं. हेवं

म्बर-इन्बर-पर्देग्री-इन्द्रियात्त्वव्यः १८ दिन्द्रियः व्यव्यः वयाववान्व के वरः महीरयायया वनेया नेव निहेषः हैव स्था हिन् परा निराधिर याविनाने व्यापन् निर्धित्या स्वापन् स् र्यर मे**ल** कुर श्वेर पर छल दल देवे रुल शु र्वेप पवे र्य के म रूट ख्वा पा वयल ठर् जार्य्रवा पर्द्वरा च्या त्या द्वेता पति व त्या प्रवा व व त्या प्रवा व त्या व ब्राट्स स्वर क्राया क्र ब्र.म्बर्यातात्वत्। व्यत्ताचा वी सिट.च.इवया ग्रीयाया ब्रायायाय वर्षा व्यत्ता नभवायानम्बयाग्रीयान्वापराग्रीहे। न्याक्ष्यान्द्रम्यायान्वाप्यान्वाप्यान्वाप्यान्वाप्यान्वाप्यान्वाप्यान्वाप्या र्रा । दे.व्याक्तर.कं.य्वा.या.केर.वे.व्या.या.केर.वे.व्या.पंत्रीय.पंत्र क्षेत्र.व.चक्केट्र.द्रव.के.इ.क.पक्केट्र.व.ए.व्या.ज्याया.तर.पविट्र.व.पविच्या.व्या कुन् वे देवा या कुर व अर्द्ध व या येन प्रते स्व प्रति है र न्दा मूट. थ. केर. थ. रू चेथ. रूथ. गुःइलप्दर्द्वरःग्टर्रात्रायेग्यायरः पश्चरायं। दिःद्वर्तिः त्यागुः इयः परः मृत्या परेः लया. व. प्या. में व. प्या. में श्रीट्य. है। प्या. द्रा. में या. में या न्वतःरिक्तः इ.स.क्षेत्रः व्याप्तान्यत्यः हो। ह्याःक्षेत्रः श्रीः त्या श्रीः श्रीयः व्यवसः वर्ष्यः या त्या नयम ग्रैय के विच के न करत | जि. बेर् विच हिन हैन विच तर्र्न व । विद हिन हीन तर्म

[ब्रिन:सःक्षर:ब्रह्म:ब्रह्म:ब्रह्म:ब्रह्म:ब्रह्मच्याः चर्वः ख्रह्माः। |ब्रह्मनःस्वरः क्षरःब्रह्माः। विष्यः स्वरःख्यः। এথ.নথ वेवः हुः केदः दग्वरः केदः श्वरः केदः। । श्विषः श्वरः वे**वः हुः** केदः दग्वरः वय। । श्विचः व्यवस्य हुर नते हैं। विर्गागविव र्र वे क्षेत्रकारमा रि. धे मवता वता वरा स्रामा त्रिंत्र नदे कु अळे छे तर् ला निक्या नदे श्वाणा न्या सुर सुर व किन् गा निक्या र्ट्या अव्यासर । शिर्प्य द्वियावया तचुरा परा छ। विया र्ट्या अवया त श्री प्राप्त चते र्द्ध्य विश्वरा न्दा । श्चित पते गृबी ता गृवरा पा भेरा । श्वेशरा न पते श्वेश पा न पा नज्ञ म् विम् विष्या विष्य क्षेत्र क्ष बुल रेब ग्रेल हेल पबिद श्रुर्। |ठेल र्रः। व्यक र्रः नेल र पक्षेर पे गरा। |बै नवयाः क्षेनाः वर्षेटः इत्यः दर्वेदः पर्वेद्या विषानिश्वरतः निटा हिटाटेः दहेवः स्वेनयः ग्रीः येदः लयः ग्रदः । रदः र्रः श्रेदः हेते : श्रृंपयः लयः वृदः । | ह्यायः पते : वृदः ह्वाः ये अयः पह व : व्या श्चे<u>न् प्रदेश्य</u>द्यः श्चे**न्** प्रदेशः स्वायाः । य्यायः शुः दक्षेत्रः ययः श्चेनः श्चेतः श्चेताः श्चेताः श्चेताः 155 श्रुचायः ब्रू-रः द्वे.सियः श्रुयः ऋचाय। अःयः यर्यः क्रुयः न्दः यष्ठयः गुर्य। नियः यष्ट्रयः न्यः ळ्रचा.र्चं व.त.थ्री |लूट्य.थ्री.चश्चेर्या.जा.यच.प्रै.चङ्कवी |विद्याता.चेयट.चप्रु.र्चट.चश्चेर. ना निः वदुः हैव ग्रीयः स्ट्या शुः ह्वा वियार गार्थे वया दे स्यार्गाना जिनाया है । र्द्याश्वराष्ट्रिं । हिरादह्रबालवालया श्वरावदी । अवाया दे र्यं रा शाह्रवाया या लया । शुरु-तु-द्वानु-दिवादशुर-न। । ते-क्षेर-न्याद-स्वाय-स्यान्वय-भेवा । बेयामहारयास्।।

महेलामा में लामा है। मालाहे हेलामा है स्वाप्त है स्वाप

विक्तित्त्र्यः विक्तित्वाद्यात्र्यः विकासः क्ष्र्त्यः क्ष्रितः विकासः विकास ुःकेः विराधातात्वेयायाः क्रेयाया केषाय्यरात्ते। यदी क्षेत्राक्षेया सुरुद्धारा विष्या स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता चतुः भ्रुः याः भ्रुषाः पत्रः व्यदः रहितः भ्रुषः तुः क्षेत्रः प्रतः व्यतः यदे । यदे । द्रः मुलः वृद्धः य न.र्टा म्र.प्रवाद्यं वि.वश्चरायव्यक्तः वि.वश्चरायः विवरक्कः खेन्यः वे.म्रेयः व पद्यरामहेषाया. मराने महेषा. ग्री प्रवास महिष्या पा हिष्या पा हिष्या पा हिष्या पा हिष्या पा हिष्या प्रवास हिष्या हि ब्रुन्-पदे-क्षेत्र-न्दः। यदः चगः वः यः वैगः धेवः वः वैः में दः यः वराः श्रुद्धः ग्रुदः। बद्र-अलाच-क्ष-लालयाह्य-ब्र्-चान्ध्रव-हे-ब्रु-लाचा इर-व्याक्रेताच्या ख़॒ॸॱॺॱक़ॗॆॖॺॱॻॖॸॱॿॖॱॸॱॸॖ^{ॱॲ}ॺॱॸ*ॺॱॸॆॱॸ्*ॺॱक़ॗॆॖॱॸॸॱढ़ॹॗॸॱॸॺॱढ़ॕॺऻॱॺॱढ़ॕॺऻॱॺॱक़ॗॆॖॺॱय़ॱॺऻ र्म्यान्त्री मञ्चरमाण्ची न्वराधिता मुन्त्रा मुन्त्री मुन्त्री मुन्त्री मिया स्था इर-वि.इब.बीथ.हीर-वद्ग.रेन.ट्रेब.टे.बिर-वयाचाव.ङ्गण.धे.क्र्बा.बर्था.थी.ट्रेबायावयाय चुयःस्। । वर्षेषःम्। श्रुपःग्रुषःगुरः। १८:घरः बह्षः परः बह्रः परः बह्रः परे । ध्रुषः वेः इथ.तर.ज्रम्थाय.पड्डिट.च। ।मट.ब्रुर.यह्य.तर.यह्र.च्च.व्या ।द्रथ.ग्रुथ.दय.पर. वियायह्व यह रटाह्याम्या मिला मिला ह्या क्या ह्या ह्या ह्या ह्या हिन्या ঐশ্বামান্ত্র मेथिरथ.त.रंटः। पत्तम्थ.त.घूच्यः अरं.ग्रैथ.ग्रेटः। लट.वेटःक्वःश्रथःर्टापःबुः रेश गुरार्मे पते सुंग्रा धर र्मा धर त्युव धर दि धुर सेश्रा स्वा स्व मेरा मेरा व्या अर श्वर प्रति क्षेत्र धर होत् छट श्वर प्रति यत् अतार या न्द रयः ठवः इयराः या हेल.थि.चक्षेष्र.स.ह्य.थि.पट्या.स्र.इर.ट्री रि.८य.मुख्यरम्पडीर.र्टर.र्व्यास्त्र.स्र.

चरः हे बाया वया छ्राया प्रेवारा पद्योदः नृदः बाद्यायाः द्याः हेया श्वापक्षेत्रः पारि द्योदः हेया **या** शुः ५ हु गः धरः चे दः हो । देः द्वाः वे लः द्रषः चु च के वे ः धरः के वा वरः के वा वरः के वा वरः के वा वरः के व ळ्याच नः स्राप्ते वे त्या वे न्या प्राप्त हिया श्री न हे व न्या श्री न हे व न त्या हिया श्री न हिया श्री न हे व तर्ने ते दे ते ते अवा ठव स्ववाता पर्ने व श्वे राम में देश पु त्वा पा धेव में । विवा ग्री प्र विना परि प्रवास पाया ब्रुप्त द्या देव स्वाया ताय हिना परि हिता देवा ठव पु नि विताय रा मञ्चित्राः भेटः देवे : दॅवः मञ्चराः है। वेयवा ठवः न्टः यवे : त्यवः ठवः इयव। । न्यः यवे : दॅवः ल.पंट्रेच.त.जा विचय.पर्ट.ह्र्चेय.तप्.यट्य.भ्रेय.ग्रेया विचय.प्रे.प्ट्र. मुश्चरया वियासान्दा पविषमु परायदा पर्यन्व स्वयाधिया पर्यन्ति स्वयाधिया चर-रु-वर्ग-दे-वर्ञन-ध-रू-। वि:बर-क्षे-विन-गुद-वर्ञन-ध ।नर-वैद-वेद-वेद-रे व्यावरान्यः ध्येत् । विषाः त्या श्रीः मृत्रेयः देवाना उत्तरमु । विष्यान्यः या व्यावराना व्यावराना व्यावराना व्य वित्र ग्रीता ग्रीता दि म्हाता में ताता है दा पति व ति । १८० व र महिता मह श्रेयसायायेग्साम्बेर्पान्त्रीर्पान्ति । देप्त्रस्य क्षेत्रः विष्ट्रस्य स्त्राम्य । विराम्स्य स्त्रा सिर्यंत्रेत्र्वरक्षेत्रः म् व्राच्याच्याच्याच्याः यात्राच्याः स्वर्यः स्वर्यः व्रवः व्यवः स्वरं देवाया छत् यह राया व ववता शुर्वेदायायायययायात्विर् यदे में देवा भेदा हु ग्रेवायर 11

क्केथानु कुर 5 र्र हिव केर निवे त्या की देया मा

न्तेयामा क्षेत्राचा क्षेत्राच्या मुक्षान् क्ष्राचा क्षेत्राचा क्षेत्राच क् ब्रुल.तु.ळेद.द्वदे.लब.ग्रु.ऱ्य.स.ल.घ्रॅ.ब्रुट्:पट्र| |८८.त्य.ज.ग्*र*ीय| क्ट.टिट्र.पलब.स. ब्रुट्-त-न्ह्या नयम्भार-ने-भ्रुयायदे-सन्। दे-त्य-स्य-यर-ह्य-य-प्रत्यायदे। ।न्ह तह्नाहेदाक्षेत्रात्र्वान्त्राक्षेत्राची व्यानेदाक्षेत्राची तह्नाहेदाक्षेत्रा ম্.এ.নাথ্যপা तकः वःहेतः शुःद्वायः वत्यवायः प्राप्तः विष्यः हेतः श्वेतः विष्यः वश्वेतः वात्य्यः वः विष्यः गुःनदेःश्चनानवयानद्। । न्दःसंत्यानदी तक्षःनः इत्रायः यः मङ्ग्यवा पदेः केवान्ये व वर्श्वयः पति ह्याःव्य | न्दः यः वे। ने लुनः न्यः नति हे व यः हेरः यं वेवः यः यः वहु व यः व हीत. हे. ल्या. चत्री. जथा ही. हमा. धा. ला हमा. धरा तहता धरे हीत. हे. ल्या. हेर् र र महर् चतुः धूरः तशुरः र् । रे.जःसः र नवा गवेषा वविषा ववार गवा चि श्रेरः ना चः वक्कः वा व्याविकः विष्या विष्या विष्य श्रवायते द्वाया पर हैं गाय हें ना वर्षे ना पति श्रवी विदेशा लहान गाईन वहरा वहरान

विषा[.]दॅर-क्षुवाय-दे-गुद-ल-पॅर्-गुर-हे-वारे-रे-पविद-रे-रेर-वे-पठी रे-रेर-पर-वे-तक्षःश्रुवःतुःर्ञ्चलःबीःतक्षःपदेःध्वंग्**रात्रदेवःयःवैःतक्षेः।यःबः**द्धंबःयःत्वधुदःदेः। दिदेःग्वेवः ቒ**ॱ**᠗ᠵ᠂ᠬ᠋ᡃᢍᡃ᠋ᢒ᠊ᠬ᠂ᡆᠵ᠂ᡶ᠂᠙ᡃ᠂ᠪᢩᡭᢇ᠍ᢓᡮ᠋ᡃᢓᠬ᠇ᡆᢩ᠍ᠳᡆᠬᢐ᠂ᡠ᠂᠋ᡊᠲᠵ᠊ᢩݞᠵ᠂᠊ᡌᡈ᠂ᢩᢡ᠂᠗ᢐ᠃ᠳᢐᢇᠫᡭ᠁ देरःयात्री: न्रः वर्ते: न्रॉवाकॅ'वेवाकें वर्ते: ठवाक्चे: वर्ते: वाक्च्याकें वाः वाः वर्ते वाः क्ष्याः विवासा नदिः वन्यः दन्यः दिनाः यः येययः येययः वया विनः हे दः श्वे : यः न्यः वरः पः न्यः वययः ठन् अष्टित्रः यात्यः र्राण्यायतः न्द्रेत्रः केत्रः याः नृणायः इत्यः यनः नृष्ट्यन् यतेः क्वेरक्वेरक्वेर्यः याः इत्यादेशकात्रेत्रः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः क्वेरक्वेरक्वेरक्वेर्यः स्व त्रुन् पत्रे क्वें क्वें के के क्वें क्वें क्वें क्वें क्वें क्वें के क्वें के क्वें के कि कि कि कि कि कि कि कि गुर-ळे.पर्-त.त.क्य.गु.क्रेर-रि.स्ट.क्य.रेग्ने.च.क्र.वेथ.वधि.क्ट.पुटा रे.लट.पुंच.शूर **ऄऀॴॱऄऀॸॱ৴ॸॱॳॿॖॴॱॸॸॱॳॾऀॴॱॸॺॱॸॺॱॳॹॹॱॿऀॱॸऀॱॱॿॱॳड़ऀॳॱॸॱॸ॔ॻऻॺॱॾॣऻ**ऻॴज़<u>ॶ</u>ॱ त्रिणःहेदःधेः सायान्त्रेणणः द्वाञ्चानः तृः स्तृणः ग्रामः। धेलः द्वाः ग्रीलः श्वीतः साक्षेत्रः पदेः ঀৢ৽ঢ়য়৻৽ঀৢ৽৾৽৽ড়৽৻ড়৾ঀ৽য়৾৽ঀৢয়৽ঀ৾৾ঢ়৽য়ঀৢ৾৾ঀ৽য়ৢঀয়৽ঢ়ঢ়৽য়য়৾য়৽ঀঢ়য়৽ঢ়ঢ়৽ঢ়য়ঢ়ঢ়৽৻য়৽ स्वेषाः तपुः क्षाः वेलटः वृषाः १षाः ५८४ तर्षः नस्वेषः सक्ष्यः स्वेषः स्वेषः निष्यः स्वेषः स्वेषः स्वेषः स्वेषः दर्-सः। |रे-क्षेर-खेराश्चॅग-खेर-देर-तु-ग्वराख-रे-पर्य-पश्चराय-क्रेर-पर-र्--पगुर-^{त्र्}रः चः द्वाः र्वः न्रः। देः न्याः वीः वेशः न्रेवायः त्यः त्यः यदेः वाष्टेः श्रुवाः न्रः नेः न्याः वीयः रः द्यु व प्रति व व प्रति । दे प्रति ग्री ग्री प्रति ग्री प्रति ग्री प्रति ग्री प्रति ग्री प्रति ग्री प्री प्रति ग्री प्रति वास् वाया खेर्-पः रूटः रे रूटः ने पः रूटः रूवः पदिः क्रंतः श्रुटः पः याः श्रिष्या पः वीः रूवे पदिः ययः ८व-५व्रा.**ल-४व्ययः १८** द्वेच-५इल-५व्य-५व-१८-५द्वेच-५-५-व्यवः स्थलः

 $= \frac{1}{2} \frac$

टाक्र्या-म् ऻ**॔ॳ॔॔ॱ**ऄ॒॔॔ॹॿॺ॔॔ढ़ॸ॔ग़ॗऀॱॿऺॸॱॿऺढ़ॸॹॖॾॿ॔ऻक़ॱॸढ़ॱढ़ॗॹॗढ़ढ़ॗॗॗऀ॔॔ढ़॔ॗॗॗऀ॔॔॔॔॔ धेव है। तर्-र्नामील वे ।प्यका नश्चयां ग्री अर्थे र स्राप्त स्यारेन स्यारेन स्राप्त स्यार ত্ত বৃ:ম্বীন্ম:শ্ৰা |बेल'र्स| |रे'नबेद'र्रु'व्रॅद'ब्रॅट्स'सर्'न्ट्र'वेस'सर्'ड्युर्'न्द्र' ह्या ठेग-ठ*र-*८६ॅ*बरा-पदे-*र्झ-घ-*र्--। र्गे-*येग्*रा-वश्यःठर्-ठेग-ठर-ञ्चिप-ध-य-८६ग-*स् ब्रून् वर् पर क्षेत्र वर विष्य । विष्य विषय क्षेत्र स्वयः श्चेत्र ख्या क्षेत्र वर्ष । वर्षेत्र वर्षेत्र वर्ष ॻॖऀॱॿॆॱॸॖॕॺॱख़ॾॕढ़ॱढ़ऀॱढ़ॸॣऀॸॱॺऻॾॕॸ॔ॱय़ऻॎऻढ़ॾऀॱय़ॸ॔ॺॱॿऀज़ॱय़॔॔ख़ॱय़ऄॗॸॱख़ॸॱॿॖॗॖॣॖॸ॔ॱॹॾॱॹ वेयान्ता मानायर्द्वरावेरावनाग्रीःश्वनानस्यान्ता विवयान्तावयान्ते वे न बर्चर-वयादी । पह्नापण-पर्वदार-पर्दापरिष्टिबाह्यरवानी । पर्दनाहेन्यपापवा न्यानि हे वाष्ट्रिन परा ठवा विवासि नुवादि निवादी विवासि विवासि विवासि विवासि विवासि विवासि विवासि विवासि विवासि नक्र-क्र-नर्-त्र्र-क्र-चर-देर्या गुप्-क्षे विवाधि नव्या शुः नवाके नवारे न्वा पुः क्ष्याञ्च नः पदे : श्रेनवा क्षेत्र वा चञ्च नवा पत्र क्षेत्र : पदे : हे दः दे नः पदः क्षा क्ष्यापतिवर्तिः श्रःश्चितायावे न्रित्रियावे स्थापति स्थापति वर्षा देवे गृत्रे व सं तक्के मः इवः य वे दक्के·चदे·धुन्यःदहेदःयःदेःजुन्ःयःगुदःग्रेःकॅःन्दः। स्व तुवाळ्याच नवायाच न्यो र्श्वा | नेते श्वेर तरी से स्वाच न क्या नवा स्वाच नवा बिय. तपु. वे वाया जाय. थे. थे. शु. प्रा. थ्र. श्रे वा. थे. शु. वा वी ट. तर. র**্**রের বঙ্গুর ধ্য বি तर्-हेन् अवतः नरः नशुवः तुः न् मृषः सुन् षः तः देशः यः क्षेटः वनः यः वृषः पञ्चे**तः ने**ः पञ्चेवः धर:वैद्।।

मश्चर्यायत्रक्रामः इत्रायदे म्राहिः सुः तुः विमा मक्षेत्रायः वी महेत्रायः सम्प्रायः या **ଌ୶**୶୷୳୕୷ୡୢ**ୡ୕୷ୡ୕୷୵୷୵**ୢ୶୷ୢ୵୵୶୲୵୵୷୷୷ୢୠ୷ୄୣ୕୷ୣ୶୷ୣୡ୷ୢୠୣ୷୷୷ୢୢୠ୷୷ୡ୷୷୷୷ **षेॱबःड्युट्र्यः पदेःदक्के**ःचःयःञ्चनाःसुनाःसन्याःयन्यःयदेनःदेःश्चेदःयादेःबेदःदे । दिःदःन्दः धेव स्थाया त्या.र्ट. ब्रेब.ब्र्ट्या.तपु.र्चट.ब्र्या.स्या.चंद्या.स.चयवा.कर्ट.ह्या.सर. तकः नः त्याः यः त न्यः ययः ने ः तः श्चनः यः नश्चे नः ग्वानः यः न न न न वे व्युवः स न । युर् तहेगाहेदाधी अवे द्वार्य त्यात्री वा प्रमाण पर दर अद्वा अवे प्रात्ता वे वा वा वि अ.च ञ्चित्य.त्र.त्रकु.च.ज.पह्माय.त्र.चे.हे। रे.ज.वे.रेय.श्चम.त.चयशय.व.रे.र्म. च ब्रुच . हु . व्यं न्यं तक्ष तक्ष । वर्ष अवा च व्यं न्यं न्या वर्षे वर्ष वर्षे त्रिंत्रामालवाक्षेत्रमान्ता वित्रायरातुरम् व्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रे ळ.प्रेंट.तथ.बंटि.तर.पश्चर.धे। श्रेय.४ तथ.पथ। रत.धे.पश्चेषय.बेट.बंधेयथ.बु. यव य र र है विषा स्ति। १ दे र तहे ग हे व र के र र य र ह ग र व । वि इ यर है प च.चेथ.तथ.प**ग्रेर.**तर.पश्चर। |८चे.पद्य.पथ.ग्रेट.ज्रचेथ। बदु.कु.ज.द्रैच.चर्चज.पव्चैट.र्थ.द्र्चवा विक्व.तर.पश्चर.पदु.पह्चवा.तथ.बूट्य.तर त्युर। ।न्रात्यत्यत्वाचीरधिन्दीर्वेत्युन्त्ययुन्त्य ।न्रेत्रीन्त्वाचीयः चया धरः**ष्ट्रद्यः इत् ।** १८ गरः घट्टर्यः यहः स्वर्यः धरः स्वर्यः धरः स्वर्यः । इतः यः विवरः व.पक्र.चयाश्चीम.पह्मया | वृथामश्चीरयासार्टा चवु.चमु.च.पयाग्चरा नन्गः दे तके द क्षेत्रा देवाया । विदाया देवाया स्थापना विद्यादी । विद्यादी विद्यादी । ल्ट्यान १८क्ट.चर्मातालटामातात्हिम्या वियामश्चर्या पदे छेरास्।

नवि'न'तके'न'त्रव'स'हे' क्षर'नक्षेंब'स'वै। अ'न'नशुबा क्रु'बर्बद'र्नु **८०८.त.ऋष.त.बश्चाग्रीः**श्च.वय.पश्चषात्राच्या देयायर ५क्ट.च नव्यामः न्दा व्यादक्षे देवा येद् नव्यामः न्दा दक्षे न्दि के क्रवा या वृद्दे व्यापा विद मैकः गुरः बैः यदः यः नक्षयः यदि । ५८: यः तः मह्युबः तक्षाः वक्षः नद् मः देवः यरः देरः त्यः देः लट.कुंद.बुंब.चुंब.पुंच.धुंच.धुंच.व्यंच.वुंच.चुंचे.चुं थु. हे ची. तपु. क्ष अथ. जथ विर. लट. थटथ. मैथ. रट. थटथ. मैथ ৽য়ৢয়৽য়য়য়৽৾য়ৢ৽ড়ৢ৾৾৽ড়য়ৼ৸৾ৠ৽ঀয়৽৻ঽ৾৽ঀ৾৽ৠৼ৽য়ৼ৾৾ৼ৽য়ৼ৾ৼ৽য়৾৾৸৾ৠৢ৽য়৽৸৽ঢ়৽ৠৢয়৽ৼৢ৽ र्मेया वियाया । ध्यानारार् प्रम्रायारायके नार्यरायाती रे.हेरायया नरार् नव्यावातकात्रकार्याक्षेत्रवादायो । वाध्वावादादे के व्याप्तावाक्षेत्रका व्याप्तावाद्या कु[.] यळेंदे विदास केदा | दे केंद्र सम्बद्ध की ग्रीम केंद्र क्षिय केंद्र के स्वाप्त केंद्र के स्वाप्त केंद्र के क र्टा है। यद्ग रे या व या रे . लट . श्रेयवा . ठव . इ यवा . दक्ष . चवा . दह्र यवा . व . व . व . व . व . व . व . व वयात्र्यानः नदः। दिःशुवादिनाधरः यावयः धवाद्यः कृषाक्षः क्रीयः कृषाः । व्रियः यानवयः श्रीः देयः तर.श्रिर.त.श्रेरी | १९४१ व्या १०४० वर्षा प्राप्त श्रेष्ट र विरास्त्र वराया वर्षा वर्षा यः गुरुगः तुः सुगः सः प्रवेश्वव्यः यः देगः द्वरः राञ्चवः हो सुर्दः वेरः देरः वेरः वेरः वेयः वेयः प्र ๔๒๗.๑๕.๕๕.๗.๗.๓๗.๓๗.๓๗.๔ฐ๗.๓๔๗.๑๓.๗๗.๓๖๓.๓๔๗.๕๔.๗๗...... दे प्रविद: तुःदहिषाया या केदः या प्रवि: ददैः द्रणः द्रष्टः द्रोः दे : द्रषाः याया याया याया वाया य:केव:या | कुल·यं·ळेत्र·यं| क्रांचःत्रेःत्रःलःववःयःवहं यदाःवेदःद्रः। ক্র্ব্-ঘর্শ वर् वर् यत्र मित्र वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर् **義口如.項如.口質山.日日如.矣之.剪如.口製山.日日如.兵如.之亡.あ山如.之亡.劉女.坐如如.**項如.負..... नरः श्च.च.वै.ब.लुव.वू। |बुब.ळू। ।ग्रा.ब.चपु.बज.बेळा रे.के.पक्च.चळ.पहचीया.त. पक्षःविरःश्वःपक्षरःचःलेगः नृष्यःयः तः संस्थाः ने त्याः न् स्थाः ने त्याः न् स्थाः ने त्याः ने स्थाः ने स्थाः न विमा न्मेंया तक्षः।वरः चरः तः शेषः सं ते वताः वश्चरः हः। | **ब्रह्मिया**

चेन्-वेन-अळन्-गुन-तु-पर-अ-ळन्-पर-ऑन्-परि-धेन-वे। र्युन-पह्ना-पन्ना बढ्य र्व्य र्व्य प्रत्य विष्ठ स्त्र विष्ठ विषठ विष्ठ व दर् बेर्-व् | पर्वाक्षं तक पर हैया बेर बुर | विया नहीर्या पर हैर से | रेप्पर २ चे · तु · ब्रदे · क्वॅ · द्रायाया के · दरे · क्वेर · व्यापा त्राया व · या व · ये · या शुक्र व वा वा ये · या য়ৢ८:५वा-संदे:बुदः५वॅ:घदशदे:ब्व=र:ग्री:वि:दशःहः५घघःधःघदेदःहःहे:बुर:तु:बर्····ः रदःमी म्वर्षा शुः क्रिया व प्राप्तः म्वर्षः रदः द्वदः बेदः धरः दळः यद्वाः मी हुदः री.पविर.नपु.क्षा.स्था.स्था.स्था.पश्चा.पा.ची.ही स्थायाया रेग्र.य.चे वाया दी.चमु८ल.स.ला विव.वे.चट.रट.चट.चड्च.सदी विव.बुल.चहेट.ल.चह्चल.स. कृरा विः इस्र स्वार्श्व वा गुराने प्रतिदार्वे । दियेर दिशासर वा स्वर्थ राम्य विस्तर वा न्दःर्दःन्दःर्वरःर्वरः। विषर्ःपदेःद्वरःरुःपक्षेदःपःस्र। विःइषकःश्रॅनःग्रुटःरेः नदीय दी । हिः शुर द्वा मु त्वा प्रते क्वा । व्वा पा केर् पा हे हे पर । दि प्रति विव के कि ळे.वब्र.व । अप्त.बे.र्ब्य.तप्त.व.बेरा ।रयाय.व.केर.रट.वेट.व.रटा ।रे. लटः श्रेचा पर्राता स्वरापान्य । श्रुक्ता प्राप्ता विकार में विकार पत्रा । र्वेरः वः धुनायः हैः र्वुनाः व्यायः ग्रीया । धुनायः इययः न्वयः ग्रुखेवः छेरः स्रा। रे.पविदादार्गामाध्या विःइसलायके.पर्गाद्धरातुःक्षेता विदान्वस्यायाःक्षरा ¥ा हि.स्.क्ष्ये.स्था क्येटाक्ष.पंचाबारी.व्रेचावयाचात्रीचातात्रीचातात्रीचातात्री. [य·वरें·विश्वरतः वृतः क्षेत्रः श्रद्। कुः केरः रेतः यः तत्रः ग्रुटः। श्रेरः वश्वरा केः हवः श्रदः वारेः

<u> ब्र</u>ीव-र्-- त्र्रा । त्र्रा-प्रते श्री-दक्ष-म्-। त्र्य-व्यत्त्रा । त्र्रा-प्रते क्रे-द्र्या व्यायिः ञ्चन[,]५५७ हो ।दे:न्=र.५५५.**छ**.के.वे.र.बे.र.बक्चेन्य.५ञ्च ।वेय.र.ने.टे.बह.झे.वय. यः वयतः रु**र्**ग्रीतः ये :ह्ना-पः ये :ह्न्द्रा-पः येर् : न्युर्त्ता-पः स्र-प्येदः पताः तुः यः यः श्चुरः द्वाः …ः चलवा पट.पट.चलवल.व.हल.प.मुं। श्रुट.चर्.द्व.द्र.प.व.वेट.चेव.चल.व.व. गा.च.चद.चेता चयवया.तयाचा चैर.चेर.चेर.छेर.ग्रेयाचवा चयवया.हेव.च्र.चे. बर्बन वें निवेद सेन निवाद निवाद निवास के सम्मित सेन मिल्य में मिल् ۵۲.9<u>۲</u>۱ ळेते अवर ५के नन् मा मेल ५ ठॅं य द्राप्त हे मा हे दाय रेता हु ५ व्या पर व्या वर् देते नर इयतःशुः धरः दर्शे दक्षने वृत्यः नशुयः नरः ग्रेन् ग्रुटः क्वेःश्चे दयः श्चेः दर्शे प्रते स्मृत्यः धेः येन् ः । बर्षानुः बुग्याया वत्रातम् पञ्चराष्ट्रे अर् रुगार्डवा यदा थर वेर् परत्रि मा हे व षः रता हुः वि व कृषा व षा व में प्रायेष हैं। विषा व प्रायः मी विषय प्रायं प्रायं व प्रायः मा प्रायः सः लः नरा विन् : द्रायः वक्कः नदेः धेरः नुः दर्शे नः विः द्राः चन्ः चरः नर्षादः स्वायः विद्याः स्वायः वि हे व छि सर बै त में नित स्नि पर नित्र म्य र्वात.चर.ब्र.प्रथ.त.चर्षेष.क्री रि.लट.चर्ष.चश्चिश.चर.प्रेल.चर.र्ट्यात.पथ न्यतः र्घा **र्वे ग**ः स्वतः स्वतः स्वतः त्रे । । गनः तः तहि गः हे तः सन्यः तः गत्रः गुरुः य। । नेः त्रः च≅यराव्याने वे वे वे दे ने वे वा वे वा विष्या व वे ता के ता वे ता के ता वे ता वे ता वे ता वे ता वे ता वे ता व ब्रेब.इ.प्रम. पर्व. पर्व. में में स्त्र. में में स्त्र. में स्त्र. में स्त्र. में स्त्र. में स्त्र में स् वयायात्म श्रुद्राचर गुरायाया विवा पर गुराके के तरे पर श्रुद्राय दे परे पर ग्रुद्र त्युरःरवा क्षिरावरावस्थराहे तके वाहेर्छेरःहग्.हुरम्.हुन्याहु

म्ब्रंब्र-पत्र-क्र-ल-लट्-क्र्यान्तु-पत्र-ब्रेन्-पर-देव्य-पर-दक्क-प-प्रवय-पान्त्र| स्र-नन्द्राचेते नेद्रायम् रादेश सुना सुना सुना सुना स्वरायेदा सुना से साम स्वरायेदा सुना से साम से साम से साम से स बरः चः विगः वे ः स्र रः य र यः य तु गः यः न र रः क्ष्णः यः यय र रः ग वे नः ग्रे यः श्रे नः य र यः वि रः। ळॅ.ल्राय.चेथ.चेथ.चेद्र.चेदेय.श्रेनय.श्रे.श्रेनय.चेय.दे.जेथ.२८.चेशय.ग्रे.क्रेंचय.चेशय.नय. बेर्-रे। बर्व-रु-दह्रम्-य-ववा रे-वव-ग्रुट-ग्रेर-विन्र-श्रीयाविनवार्या । व्यानञ्ज वै.मुलायस्। ।स.वे.शु.वे.मलायःहे। ग्रु.८व.८८.श्रु.स्नलायः र्रः भेर्-बे.चर्-चः र्रः प्रधिबोयः तः स्वयः ग्रीयः ग्रुरः चरुर्। स्वयः स्वयः श्रीयः प्रदः चर् मृत्र वा त्यारा गुर्मा वर्षे व के इस्त्र के वे व के मा तु देर प्यर व का वि व र व र व मैल-दे-तुल-बेद-धर-गुव-वल-दे-घ-दहेंबल । पदे-घर-चवल-धदे-बे-वट-दर्श-घदे-ळे-वु.केब.क.इ.२्थ.लूरी ।३४.बश्चरय.यू। ।षकर.भ्र.चपु.७५७.थय.योर.जूर.चू.चै.वी.की.पा.कू. मुन-रूट-मुन्नेर-रूट-द्र-क्रांचरुर्-प्याः मृत्य-द्र-क्रिताशुः त्यां नः स्त्र-स्राधिरः वार्षिरः वार्षिरः वार्षि **ॅ्रा दे.केर.ब.क्.पट्ट**प्रस्थाञ्चनयाच्चया.कर.बे.ब्र.जन्ने.च.बेथा.थ.च.चे.च.डीर.त... २ गग्- हु- बेर्- धर-देश-धर- दंर- व्र- देवे छैर- हे- ५ देवे पश्च- हे- त्र- व्याप- द्र- व्याप- व्या च्च-र्-श्र-र्-त्या |श्र-प्-त्र-द्व-श्व-प्-त्व-प्-त्व-प्-त्व-प्-त्व-प्-त्व-प्-त्व-प्-त्व-प्-त्व-प्-त्व-प्-त्व-प-त्व-प्-त्व-प-

प्रस्थान् भी | देश भी कार प्राप्त भी की स्था भी कार प्राप्त भी | देश भी कार प्राप्त भी | देश भी कार प्राप्त भी | विश्व भी की कार प्राप्त भी | विश्व भी की कार प्राप्त भी की कार प्राप्त भी कार भी कार भी कार प्राप्त भी कार प्राप्त भी कार प्राप्त भी कार प्राप्त भी कार भी कार

चर् मृं के मुं मृत् । \Box चर्ना गुर्ट हे ता प्रत्रा मृत्या प्रत्य प्रत्रा मृत्या प्रत्रा मृत्या प्रत्रा मृत्या प्रत्या मृत्या मृत्या प्रत्या मृत्या मृत्या

यदै गर्दे न्यान्त सेया सेन्य पदि गर्दे न्या स्टा हो। वर्ते हिन से से सामित नर्व-ग्री-रेन्या शु.श्र-स-इवयाग्रीयाह्या सार्-वारा तक्के. पार् प्राप्त स्वायाग्रीया <u>र्टः ब्रूचे.ज.चर्द्ररः वृद्रः वः वै.च.व्र.च.च्र.च्य.च्र्यः व्रूटः वृद्रः वृद्धः वृद्रः वृद्धः वृद्</u> ପ଼ିଶ୍ୟ, ଏକ୍ଲ୍ୟୁ, ଏକ୍ଲ୍ୟୁ, ଏକ୍ଲ୍ୟୁ, ଅନ୍ତିକ୍ଷ୍ୟ, ଅନ୍ତିକ୍ଷ୍ୟ इसयः ग्रीटः द्विनः मृः चयवः स्वा विवदः यटः रूटः मीः शुकाः य हुटः चः च द्वीः यकाः ग्रीचः न् मृकः या <u>ने न्या गुरास्त्र ह्ता यहेया या यहिया या कें न्या में न्या में न्या में न्या यह मुरास्त्र यह प्रत्र स्थला क्य</u> क्षेत्रक्षः यरः तथेकः त्र्चेयः हुः चुरः यः वः वर् । पञ्जेरः रेः ख्रेषः तर्ख्षणः यवः गर्वेरः यः रेः र्षाः वे …. रट.रट.केब.क्रेथ.थ.जूर.तथ.खय.ब्रूब.ज.जूब.ज.च के ब.ये.कुट.ड्री रे.केर.लट.पर्य ৻য়৽ঀ৾৾ঀ৻৻ঀৢ৽ঀ৾য়৽ঀ৾৽য়৾ঀ৽৻ঀ৾৽ৼঀ৽ঢ়ৢ৽ৼৼ৽ঢ়৽য়য়৽ঢ়য়৾ৼ৽ঢ়৽য়ৼ৽ৼঀ৽ रे.रेर.७ व्ययःसर. मेर्.मी.पहणा चर.मेर्.स.चे.चर.लट.चेर्.स्। वियःर्टः। देवःकेवः तस्त्रात्यात्रात्याः वक्षः वर्षाः क्षेत्रः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य पर्वता । वेस.रटः। पर्वयः श्चरयः यसः ग्वरः। क्रेंदेः ग्वॅर् स्यरः क्रुरः ग्वेसः प्रवा **ॡ.लु.धे.२.चथ.**केट.बु.६वा.४। ।८२वोश.६च.८२वोश.५*वैट.वोधेट.कुर.*कुथ.स्वास.जया। यर विष्यान्तर त्यायार दे दे दे स्यक्षर है। विषा र्रा विषा प्राम् विषा गुरा विषा गुरा विषा गुरा विषा गुरा विषा ब्रट्र.तथ.५८वैट्र.भीय.जा व्रिचय.त.ब्रय.वे.भी.५वीर.धी. विचयाना इवकालान देन्द्र

वेवा । इयः धः गुवः तुः दरः श्रेः रेगवः र्वा । वेवः गुशुरुवः र्वा । क्षेणवः यः सः भेवः तुः चर्देः वि: चरा तार्य वेषा परि: श्रव, क्षेत्रा क्षेत्रः वाधी किटः वाया वेरे. पहू वाया तारु . 35.4.22.1 स्यःश्वरःमः इवयः ग्रदः व रे परः लु . व यः स्या ग्री . य श्वरः चः क्रेवः सः क्रूंचयःक्टरःबुदः। इयतः कुतः परः तकुरः पर्वः स्वुः वैः पराः पर्वः प्रायः विदः वुः पराः युदः स्वारः য়्रचयायी.चयवयासीचाक्टराबुटावेयाश्चिरामेथासीचार्षाच्च्राच्च्र 4.\$2.4.22.1 **ᠬ᠊**য়৾ঀৢৢয়৽ঢ়৽ড়ঢ়৽য়য়ৣ৽ড়ৢঢ়৽ঢ়য়৽য়ৼ৽ৢৢয়য়৽য়৾৽য়ৢঢ়৽ঢ়৽য়ঀয়৽য়ঀয়৽য়ৢ৽ঢ়৽ঢ়য়ঢ়৾৻ इयाया गुर्रा तक्के मुंब रहु या गुराया बेरादे। बीराके प्रते श्वेराहु वे प्रवास प्रतः न्र नव्याप्तरार्द्रम्यायायाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः रे.र्ग.युट.पञ्चत.पजुट.५.७८८ बर्षायान्त्रकृष्ठराकुर्वायान्द्रकेष्यभून्याव्यायान्त्रक्षुत्रयाव्यायान्त्रक्ष् नितः मुद्रान्य स्तर्भावतः नित्रं नित्तं नित्रं नित्तं नित्तं नित्तं नित्तं नित्तं नित्तं नित्तं नित्तं नित् र्ने व . र . ले ब या . य . ले व . य य । न्रॅंद्र-परे नुद्रायर थर दे त्य भर्म कर्त तक्र.चतः क्रेव-वे-ब्रह्मा । मृश्यंव-ध-ध-वे-लुह-ः चर्-रुग । देव-क्रेव-होद-घ-वना ने-८मा-इयया-ग्रुट्-५क्के-नदे-धरः। नि-नयःहमा-तुःक्रयः यह्रदः रुम् वियःम्बुट्यः MI

मशुक्षः यः तक्षेत्रः वित्तः वितः वित्तः वितः वित्तः वित्त

देवै-तृष-शु-दै-ळॅष-ववद-विग्-ञ्चयत-नृद- यर्गेव-नृद-नृदुद-ग्वेव-तु-ব্রথমথ.আ ॻॖऀॴॱऻॺॖॕॸ॔ॱॺॖऀॱख़ॱॴॹॱॸढ़ॱॿॗॸॱॻऻऻज़ॺॸॱय़ढ़ऀॱख़ॹॱॸ॔ॸॱॾॆ॒ॴॱढ़ॏॸॱऻ न न् मा मीला ही : इत्राया हा । न् मी : न् राष्ट्रिमा या मार्ने माला यहा । त्र्ञे : ना स्वरा रू न् क्षेत्रः यमःवया ।तमदःधरःहेरःहेरःबेःदबरःचर। ।बह्यदःधरःबह्ररःयःवेम्राःधरःधुर्॥ डेल'य'र्टा ब्रें'ह'म'र्र'बे'इल'ग्रटा क्ष'मडेम'हे'क्षर'व्रिं'एडॅर'ग्रटा |मनेमल' व्याप्तह्माक्रेव्याव्याप्तव्याच्या । अःस्याव्याप्याप्यायाय्यायाः । विष्यासः ख्रा बेर् पड्वं सं बेद्या |द्रप्वदायायकेषाप्रमेषायायकेषा |कुषा श्रेर् यायकेषाप्रपायाया बक्षया । रचना केर् बहु र्सुर बहर लन्न गुरः। । न्ने ने न्य अध्या महिन स्व बळ्या गड्याड्याडेराडेगाडे वयाचिया |हेयाडायवरावरावरायरादी |वर् व ने न जी च स्व च द स प्य प्र । | ने कें से न व न व व के श्रेषा | विष गशु न व पर प्र ह न में | ञ्चाप्तदे तक्के न प्रवासन व्यवस्था वर्षा स्टिम हे व क्कि व स्व क्किन के प्रवासन कर के प्रवासन के स्व के स्व के य.चे.क्र्य.क्र्य.क्र्य.चे.च.सीय.त.च.क्र्य.चक्षा.थण.च.प.चे.शु.चय. धर बै: ब्रेर वा रुद्रात्म् क्षात्राक्षात्राच्य ण्वतःतुःवःवरेःदर्श्वःहेवःहेर्ःग्रुरःयःहेरःयःर्रःदरःहे। श्वॅरःदहणःयय। धुण्यः ॻॖऀॺॱय़ॿॖॖॖॖॖॖय़ॺॱॺॖय़ॸॱऄॱॸॖग़ॕॺॱय़ढ़ऻॱऻॺड़ॕॻॱढ़ॖॸॱॻॸॱऀॺॱॸ॓ॱॸ॓॔ॺॱॸॖऻॱऻॸॣॺॱढ़ॾॕॸॱॶॺॱ ळ्यायाक्षेर्रात्मायायदी । त्यामुयायवरामा स्वयामुयाम् स्वा । वियाम्बर्या प्रतास्या विषाववा देन् श्रे इर वेषा वे हिना या झें वा या तर्ने नर धेवा हे हे तहे वा नर खें हिन् वा

र्मन्यायाः सः क्षेत्रद्वेतः श्रदः यात्रवायवायाः वता रदः महिनाः सः महिनाः सः स *इन्'ग्रैक'त्र्रं'नर'नेत'व्याक्रंत'*श्चेद'य'केत'ग्रुट'चुर'श्चेर'क्रुब'द्वाक्त'ळे'द**र्-**त्य'ब'कग्त'''' मःविषाः षार्म् न् स्रमः त्रीः र्व्वाः व्याः अक्षेत्रः ग्रीः स्वयः व्याः व्याः व्याः व्याः त्रमुम्पाध्याम्बर्गा द्वापदे विषावता स्वाप्ताम्य विराया स्वापाम्सम्। यर् स्वापाम्सम्। यर् स्वापामस्य क्ष.र्ट. श्र. भाषानाम्यताचात्रेचयाः भेटः उत्राभेटः प्टापठयाः व्याप्तवाः व्याप्त নব্যব্য বা ल्.च बेर.लट. धु.श्रे. श्रेब्र.त. खेब. बेट. पर्थे थे. वेथ. ख्.चे. श्रेर्ट. तथ. इ. खेब. ह्मरायाञ्चे पार्थित महाराष्ट्रा ।गाःवाचायान् विम्हाराष्ट्रां प्रत्याञ्चे राज्ञान्त्राः मःचब्रेवःचङ्ग्रंबःब्रेटः। श.र्रेब्यथ.थ.द्र.त.ब्राञ्च.प्रक्थ.र.ब्री.ह.पेर.पक्षातार. पञ्चर'या मूर्यर'यर'विद्रायायाक्चर'पहण्यायाः क्षेत्रःक्चेरत्वेते चुःचः इत्रायायाः धर् अ.प्रचा.ची. चर. री. लट. रेट. लट. री. पश्चेयाचर. विद्र विक्राचा विक्रेयाचे वे विक्रेयाचे वे विक्रेयाची विक्रेयाची यद्वेर-र्ट-बै-ह्न म् पदे-क्रॅर-इवयः म्बुट-रच-र्मेट्य-द्येय-र्ट-चरुयः याम् वादर्मः " ग्रदःश्रम्यः देः द्रः देवः व्ययः येवः दः वेयः यरः च्रयः वयः पश्चित्यः वः मुत्यः पर्वः द्रम्दयः यः इययान्ने न्ना रु हेन् पर त्युर हे स्रवयान्वन रुद्र दे हर नेवायर छ्या।

पत्र प्राप्त क्ष्र क्ष्र प्राप्त क्ष्र प्राप्त क्ष्र क्ष्र प्राप्त क्ष्र क्ष्र प्राप्त क्ष्र क्ष प्राप्त क्ष्र क्ष्र प्राप्त क्ष्र क्ष्र प्राप्त क्ष्र क्ष्र प्राप्त क्ष क्ष्र प्राप्त क्ष्र क्ष्र क्ष्र प्राप्त क्ष्र क्ष्र

म् प्रताया । त्युत्राचान्त्री स्वाचित्राचित्र देवा । विग्रेयः भ्रवाद्वाया नेया क्षेत्र विवाधितः . देवायार्चा क्यार्च व्यापराचा विष्यास्त्र देवा व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त विष्यास्त्र विष्यास्त्र विष्या वि८.रव.तर.व। रित.क्.इय.श्र८.वरे.कु.श्रुर्। विव.रग्रद.पह्य.श्रीट.श्र.ल.लय। दे. व्यः रीयः थीः प्रवः श्वरः बी । प्रवः भीः वश्चेष्रयः भीः वश्वरः वश्वरः वश्वरः वश्वरः वश्वरः वश्वरः वश्वरः वश्वरः ¥। देःलःव्हरःमःश्चीःदरःष्ठदःधरःदुःदवःव्यॅवेःश्चनःम्बलःश्चेंबःधःवैःवेवःतुःनवरःळेः है। ५२.केर.४८.केर.केब.चर्चा.चर्चा.केद्र.क्ट.चयु.क्चा.चयवयाव्यत्ये.केट.चया रः गुलः न्दः द्रे गुलः सः नर्ह्रे गृः सः न्दः। व्रुगः नर्द्यः दे श्रे दे ग्रे ः नर्वे ः वर्द्यः स्वरः स्वरः व् ^{क्ष्}नाःक्षरःयःक्षेत्रःविदःपःदिरः। द्वनाःवस्यःक्षेत्रःद्वरःययःदेःवरेःवःदर्दःयःदेः यदः नृ नि नि ति त्व्रतः तु रः अर्थे दः वृतः नृ नि श्वृतः यः तः नृ वृतः वः नि न् वरः नि न् वरः नि न् वरः वि न् व र्यग्राक्ताम्बद्धाः भराष्ट्रक्षेराहे क्षेप्रमान्द्रात्मा स्वराध्यात्मा स्वराध्यात्मा स्वराध्यात्मा स्वराध्यात्म विव ग्री मवर र अविवादिता परि र्वे वा केव में दि। दि स्ट प्राय हिंग विवास है वा नम्या बेर् पर देवा व बुद बेर् | दे नवा वेबवा बिर् न ह द पर न वेंवा नवरायराश्चानस्याध्यान्तरात्र्यान्तर्भा भिष्ठानमाद्रेन्यान्यायान्यान्यान्यान्यान्या क्षेर्रा हे हो | विवाल पहें अपीरा र्वोला र्वा | विवार्ता वर्वा वे पहे वाया पया इसः श्रुमा वया । गुव र हु म ब म र या र म र वे र र त तथा । विया महा र या से म र र र । । द्रिमा नम्याग्रेष्व, वे ब. दे. स्वया श्रूर्त पहना है. रटा ने श्रुर्त पति स्वा नम्याग्रे र्रा स्य. ग्रेट. द्वेब. च र्च ज. श्रुट. वर. त श्रुर. व. त. <u> चिल. बल. चेश्वरल. जूरी</u> ना

557 केदःयः न्दः। वेःदिवस्यतः न्द्यः वादः न्देः न्युवः वः न्दः। विदः न्युवः **ब्रे.क्रे**.चदिः र् छ्याः पर्दे । १८८ सं है। यदे व्यार्धमा र्क्ष्राष्ट्रीया विष्ठेया ह्रें रामी स्मान प्यारा स्यार्थिता स्पर् वा ने नवान्यन सन् नवी हिंदान वे हिंदा ने वा केंद्र मान वा नव न न न व्याप्त दी नि हिंदा चक्चरः तथा रटः द्यः व्यटः स्थान् देवा स्थायः ठवः रेः र्याः ववः द्धवः वर्षः वयः वयः वयः वि ८०८. चुळ. वैट. पप्ट. बङ्क्ष.क.झ.ङ्म.ब्र्चाय. द्रव्य.ग्रीय.पविट. च. इव्य.ग्रीय.चेड्च.पा.चेड्च..... ह्रव.तर.वृर.रू। रि.वय.पश्चत.हे.य.प.पश्चेय.च.रट.वंब.व्यावत.पय.विर.क्वय.यट. स्थानर बैर.कुर्या क्या नषु श्चीर हिर.ह्र.। १५.वया लटा जटया हे. रूर क्षेर क्षेत्र स्थित हेर. तथ. क्रेच. चर्चता. रे. जुर. त. धेषथा. थी. ब्रेट. तर. प बैर. र्रा विचा. च चा. च. ची ठवःदेरःक्रेकाःमः इषयः द्युतःश्वरः इषयः ग्रैयः तुरः महीः तयः तुरः मक्रुरः द्याः करः महोः मः इयः तः झुः छ्वाराः नुः यरः व्रवाः दवाः दयः प्रद्याः दयः व्रवाः हैः हुरः पत्र पः पः नेः हुरः यह्वदः ग्रीराः 비형미·용도·너토미·너지·링스·너희·디털씨·디털씨·영리정드·디지·디펠지·독 **८**ईयरान्दी श्रीयायाः उत्रः देः इत्रायाः महिनाः तुः त्रुयाः विदः त्रह्मायाः धदेः हेः द्रह्मायाः धदेः हेः दृ ह्यायाः खुदः इययःग्रैयःञ्चन्यःग्रेःदेःनदेःनद्दःनःभुःतःनृत्रेयःग्रेःचरःतुःवळ्दःचरःग्रेदःद्। दिःवयः दे.ज.चन.थे.द्र.प्रे.चे.चेथ्य.क्रिय.क्रिय.व्राच्या देष्ट.क्र.क्रे.चयथ.वर्.च्या.वर्म.ची.वीट.प्राच.थे. ारे.चलेब.२.अम.४८.६.४८.म.४८.म.४८.सम.म.म.स.स.स. चैया.योट.पक्षर.चर.वेर.ट्री ।लट.पर्थिया.व.क्षेत्र्या.यो.पविषात्व्रं क्रवे.च्रु.वर.दे. पञ्चण'वर्ष'तुर'वेद'वळेर'प'पवेव व.री'वळ्रर'र्स। १रे'वर्ष'णट'वर्रुष'म'व्यक्षेट'वर्ष ञ्चन्याग्रीःषःघरः क्रेदः स्ट्रेरः द्वयः ञ्चन्यः ग्रीःयः नृदिः यः नृहः यः नृहः यः नृहः यः नृहः स्टः नः । रदः र बुलः वरः चेदः द्वा ।देः द नाः नैः केः व्यदः विनाः नैः सुदः र वः कुः यव वः वा । ५ः यव दः वा श्रेयत रुव ने न्या व्याप्त स्था विराष्ट्र याता श्री विराध विराह्य विराह वि तर्मात्रकाष्ट्रम्यराष्ट्रम्थाप्यात्रहेशात्रेवातुः व्यत् द्। विः नावादी बेबबा ठव दे नदे वर रु न दुन द्वा न स्राय में वर हे रह रहे ने पर रू रा विषय है र र न रह र ঀ*ঀ*য়৽ঀয়৽ঀয়ৼয়৽ঀয়৽ঀৢঀ৽ৡ৾৽ৡৢ৾৽য়ৼ৽৻ঀৢঀ৽৸৽ৼৼ৽ৢ৸৽ৼৼ৽য়ঀ৽ৼৼ৽য়ৼৼ৽য়৽ঢ়য়৽য় मुःगवेषःगवेषःन्दःमःश्वदेःष्वदःमुःवयषःठन्ःवषःश्वःदःनःमुःदयरःमःदश्वदःमःन्दः। ञ्चन्याग्री:यान्वि:र्याः पुः ययरः यः यान्य न्युः स्वायः ययः याः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वा রীনাথ.গ্রী.চ্র.**ব.** क्षःब्रेटःरचःकुःदवरःववःहुटःब्रेटःर्ञ्चवःवरःग्रेट्रं । रचःकुःकःवःवःवे। अगवःग्रेः र्टःर्युयः यः श्चे द्वात्त्वीवः द्वा । रे.ज.चहेवःवयः वि.ज.वं वियः वि.श्चें द्वयः युः शे थे वनरः वःवञ्चरः हः। श्विष्यः श्चेष्यः यः कः वैदः रवः तुः वनरः वदः युक्यः **वदः त्रः ।** <u>र्टा क्षण्या बदया केवारा त्युरा केत्रा मंत्रा व्याप्ता पटा विटा गुवातुः त्यरा पदा वटा तुरा हे विटा</u> तःर्टः भः विनाः इययः देनाः दयः गेटः उयः तत्र तत्र देनाः युयः परिः हेः यदः हेनः हुटः दयः सन्यः ग्रै-ल-नृति-ल-त्न्रेयास् । दे-द्रवामग्राम-प्रम्पः मृत्याः भ्रेतायः द्रमः वरः द्रात्र्वाः मृ। क्ष्मा याम् वत्र वे स्वः पः न्दः यद्दं । यद्दः येन् वः वे। वरः श्वं म्यः वयः यामिः न्यमः क्र-च मु : झ न : मु : स : मु न : मु : स न र : वि र : यक्रे र : य वि र : य वि र : य वि र वि य वि र वि य वि य वि य हे.र्था.श्रंभया.क्षेत्र.र्थ.त्व.त्व.त्या.व्याय.त.र्ट. ४.८८. ब्रैय.त.र्ट. थ्या.र्ट. थ्या.क्षेत्र. क्षेत्र. नभेगावयाम्रायात्वगायराचेरारी वराबेदाक्षेरायाविवाराख्यावयाउराबेर त्वरः वर्षःष्ट्रियः यरः तर्नु गः में अवाषः ग्वतः ग्रुवः वरः देः र्रः तरः हेः ध्वाषः वर्वे दर्षः बे·दॅरल·य·देर·५<u>दे</u>ल·यलःश्रुणःम्हलःब्रुंरःमःमरःबःकर्-यलःकृत्यःवणःयदैःश्नृर्-५व्देवः चतःसेयतः ठदः नुः नेतः यः दयः द्या रच.पै.पचर.च.रेब.पविच.पै.पहेब.चू डिब्बय.ग्रै.थ.बेब्र-इब्बय.ग्री.इ.क्रवे.च्.इबय. यरः चेरःर्| । षटः ञ्चन्यः ग्रैःयः नविःयः नवः ग्रुयः रुः चवनः वयः ञ्चन्यः ग्रैः यः चेरः ग्रीयः ๒.窮.๔๗.๑๗๗.ฎ.धे.๙๗๙.๔๓ҳ.५๒ҳ.५๕๗.ਜ਼.८८.╕८๗.५¾๗.ਜ਼.๒ҳ.ฃ๗๙.๔๗.๒. र्रः भ्रेंग य. र्रः श्रु य. इययः क्रेग वयः रं श्रु रः वयः व श्रुरः हैं। व्रिणः यः नवव वे र्रा **ढ**.च.चबेब.च्री |रे.८म.वे.मर्दे.त्य.४मथ.त.व्य.मुचे मेंबय.लट.मर्देर.त.बट. कु.र्श.च.चवयातपु.चवयाग्री.क्र्य.रटाक्रेचा.चर्चता.टु. <u> र्वा वे त्यते र्</u>द्र्या वृद्धे व्याहे सुराव्युर्या या सुराह्येया यद्।

 ्च कु. है. र श्वेष. य. पर. श्वंष. यदे. के. कर् . र्ना | रे. य वैद. रू. श्वेष. य कु. र र . कुया य कु. र र . नवै.नकु.**८८**.नकुर.नकु.८८.हूर.ट्रेन.नकु.दु.श्रुथ.श्रु.**४.न**श्रुव.न.द्य.नव्द.नसुत्य..... र्वराष्ट्रेर्परे पराइयाराष्ट्रे स्वराप्ति वर्ष्ट्रा विष्या महिना प्रवर्ण के दे स्वर्षा के दे स्वर्ण स्वराया **इॅं८**ॱ२८ॱवेष'**इॅं८**ॱ२८ॱववे'ङ्गॅ**८**'२८'व**ड**्र'इं८'२८'वे'ड्रग'ङ्गॅ८'ख्य'वं| |२े'२ग'वे' ৾ঽয়৽**ঀ৽ড়ৼ৽য়ঀ৽ঀঀ৽ঀয়৽ড়৽ঀ**ঽ৽ঀৼ৽য়ৢ৽ঀঀ৽ৼ৾৽ৼ৾ৼৼয়ৢয়৽ঀঽ৽ৼৼ৽ড়৾৽ড়ৄৼ৽ঀয়৽ঢ়ৢ৽য়ৢঀ৽৽৽৽ हॅं र ने पर हुव है। बहै र तथा वे इबका के संस्था है स्वाह इयलालला दिनायाइयलाग्रीकिनावनाम्हन मिटायाम्बेलामकिलातश्चराह्य विका *न्ना व्यन्त्रंत्रात्यः* स्वायः हुवा नेसः मित्रा विद्या विद्या स्वायः स्वायः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः व दे द्वा स्वरा क्षे वे विद्वा विद्व विद्वा विद्वा विद्व विद्वा विद्व विद्वा विद्व विद्य विद्य विद्व विद्य *र्णाणे* छे रेल तुः वे खण्य ग्रे र नया न क्रें र वेटः र न ने लद र क्रें न वे न वे ऑर् है। ।क्वें <u>दे:रु:रु:ब्रेंबल:ठव:८ञ्चल:च:क्ष्मा:घ:चवे:चवे:लूट्:दे:ब्रे:ब्रुर:ग्री:दंचल:८ट:। रू:ग्रुमल:</u> ग्रे'त**्व'यय'है'**गदे'त्र्य'र्रे'सूर'यद्य'ध'र्ट्' हु'नेदे'त्यात्र'र्गण्य'ध'र् *ग़ु८*ॱ२०ॱबेर्-र्रे| |रे-य-र्८-र्थ-र्व| बे-सुर-धुल-दुव-४व-४५-य| शेवल-ठव-रे-र्व-नव्यात्र्ञेताः तुःत्र्णः नः वः देतः ज्ञादः सः नव्या स्वतः क्रेः सम्बद्धाः सः न्दः सः विमः गुवः तहेनाः ता पहेना पति के दे द्ना श्वर क्रे पर त्युर दे | निवेश पति | दे द्र त्र पर कन्य पति द धुःरादेः दन्**यः इ**ःक्षरः यद्यायः स्प्रां स्था विषयः ठदः मृद्याः वर्षः वर्षः प्रां मृषः प्रां मृषः प्रां न-र्-रे-र-तग्रेल-वर्गः अर्थे अव-कर्-ग्रेर-क्रेन्द्रगः में । तर्य-रे-व-द्गु-यहः ईवावेशः <u>ڠ.ਜ਼.लूर्.नथ.५.८च.चुथ.नचथ.न.८८.५.८८.बै.थ.न.८८.२थ.न.¥अथ.५५चथ.५८....</u> मद्रायाम् त्रम्या द्रम्या द्रम्या देत्र देत् । म्युयाया देत् प्रम्या दे द्रम्या द्रम्या कम्याया व वःशुःग्रीदैःसंगिष्ठ अया पदी त्या पदि दे । येथया ठवः गवया दह्रया पदि ता दे राष्ट्रा पा दर मदःयःचलमान्दंदैःयमयःयःददःसःददःसम्यात्वःम्हन्यःयहेम्नदःदेःदम्असःश्चेद्रा *ই*·ব্হ·রব্নঅভশ্অন্তর্ক্রশ্অভিনেত্র বিজ্ঞান্তর্ভিত্র বি शेयया ठव गवरा त्रळ्यानःने:र्गःनेतःशॅटःक्रे:नेतै:ग्रैनःवायायानहेष्,केटःत्विन्यावःवेटःयावःनेटःयावःनेटःयावःने क्ष्मण है। रे.रम.मेथ.लय.जम.रट.केट.जम.दिम्या.केट.इस.चर.मेर्म मे तर्मराक्रम्यायाः वास्त्रम्याः ग्रीः भेराम्यायाः येदेः स्याः व्यत्ने वेसयाः रुदः म्वयाः त्रस्याः वा ने-न्यानेन-लूट-वान्टाने-पापह्या-धि-पहेग्यान्तु-पहुर्यान्त्र-तपु-कु-पहुर्यान्त्र-पत्-कु-प्रमुख्यान्त्र-पत्-कु-प ह्यरातुःकृत्या तनमःमदेःक्वेत्रेन्।माग्रेवातुःकृतानेत्न्नामीयाधवात्यान्दरःकृदायमाः इवयः त्वेन्यः वेरःन्वेनः परः हेर्ःर्। दिः द्वाषः द्वन्यः है। यहः रुदः हः वः यदः परः देवः स्वाः चत्रायम् मं त्यानस्त व्यायेषा त्वयाय्वेषा केरा वर्षा | रे प्या वे यळे व किरा वर्षे प् तायचनत्तरायद्वानयान्त्रम् । विद्वानान्त्रम् न्यायान्त्रात्तर्भावत्यायान्त्र **ড়**ॱয়ৢৼ৾৾ৼয়ঀ৾৾য়৾ঀৼ৾য়য়ঀৢয়৾য়য়ৢৼ৾য়ৢৼৢঢ়য়ৢ৾য়৽য়য়৽য়ৼ৽য়৻য়ৼ৽ঢ়৾ৠ৾৾য়য়য়৽ড়য়৽ मवसायक्ष्याचार्ने न्ना क्षरावता हेराद्ना हुराय्या विरायक्षराया वी र्यरावा वर्षा क्ष्यानग्रद्भान्ते केष्यास्य वित्राचितः वित्राचित्रः विष्याद्भावाः व्याव्याव्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्या देवै त्याया ने वे त्र वे यया ठव वना व दि ने निष्णा मान्य विष्णा मान्य त्वरःचःवःवादःमुतःतुःचल्वाःहेःदैःत्र्न्र्रःदेवः ।रेःर्वःवीयःवर्वाःव्वाःवीयः रुट्रःलट्राध्यःचेद्राच्याः अह्याः हो। द्वायाः प्राचित्रः श्रां अवः स्वावः स्वावः स्वावः स्वावः स्वावः स्वावः स

ग्र-प्रते-र्युयामानमुन्ने। वेषवास्व प्रत्यामान्त्रेत्राम्यम्। र्कर् वि:स्रगः देवे प्रः देवः कर्षेत् करो वर्षेत् करो वर्षेत् वर्येत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्षेत् वर्य **छ**.वु.र.ठव.लूरे.जो रे.वय.रंतवा.क्र.वेय.क्रंर.वेय.क्रंर.व्यय.क्र्र.वाय.क्र.विव. लूर्ः ह्री ंर्-जि.के.येर.क्ये.व्री क्षेत्राय.कुयं.त्याय ध्याय व्यवस्था कर्राक्ष.येर. प्रविषयःपद्। |र्यानयानयापार्मा ग्रेज़र्नेरामार्मा अप्रहानेरामादी क्षेत्रा त्र्व. त्याया प्रयापक नया पर्या । खिद्याया सुन्नाया पर्या क्षेत्राया केवा स्थाप । क्षेत्र पर्यापक व म्.ज्यात्रन्याव्यान्यम् वराचरा श्वराहे । विज्ञान्तर्भावा वर्षान् । वर्षान्या वर्षान्या वर्षान्या । वर्षान्या व नाया पाळेवा पॅरि छिन् पर दी। पनाया पा नेवा हु । वसर पर शुर वसाय प्राया मुद्र सारी प्राया बर. चर. लट. चेथ. तर् । रे. रच. चे. च्. रुव. रट. चेथ. छे. क्र. रट. देव. वं क्य. इया. वे. यदः न्द्राम्बे दिः नविव दें। अष्ट्रियः नव्यायय। बेन् स्टर् स्टर् दें नव्या है। साथा। नवर्षायाने व सुव व न कुराग्रा स्टा | देषावी र व प्रतर प्रदेश प्रतर प्रदेश प्रतर व व भी व व व मन्नात्याधवादर्ग्नाशुन्वार्भे उत्तह्न । ठेवासुवाधनान्ववाधनान्वाष्ठ्रात्रार्थे। ब्री*८थः जयः ग्रुटः*। क्षे*न्रयः सः न्*रेशे अर्*ः स्थाः सः सः सः स्थाः स्थाः स्थाः स्थितः ब्रेन्यः स्र्रः*

ॶॺॱहेॱ॔॔ॺॱतृॱश्रुषाॱॸॺॣॴॱदेॱॸ्षाॱॷॕ॔ॸॱॸॱढ़ॊ<u>ॣ</u>ॱॾ॓ॱऄॗऀॸॖॱॴॴॱॸॺॱय़ॱॸ॓ॖॱॸॣॺऻॱॺॱॿ*ॸ*ॱऄॗॱ चरः तुः हो। नेः आदः त्रवैः न्हें लाम्बैरः वै। श्रदः चवैः नृञ्च तः चरः क्रुकः चवैः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः इयराग्री केंद्रे कर् दे ते यया ठव र् युवार पकेंद्र यं र क्रेडेया तपुर प्रया ठव व व्यापाय है। या क्के.ब.कुर.कुर.खेब्याय.तर.द्रवा.तर.केत्। वियात.रटा। अह्रर.पंज्या.यी.वर्.येट्या.त. र्ने.शूर.र्न.र्नुर.व.पर्.व.ल्य.क.नं.हेष्.ध्य.ग्रे.श्रुर्।व्य.चग्र्र.द्र.च.ध्ना हैल.र्बा.बुल.वुर.वुर.वगर.है। रे.ब्ल.ल.ल.वुन.बुल.स.वज्ञ.वज्ञ.वर्ण.वुर.हेल.रे. रे.दर,बर्ने.श्रूर,रन्ने.इब.स.रेथावी तीयात्राची.हेपुरे,धतानी.हेर्पानी.हिस्तियानी कवः इययःग्रे छे.ल्ट्यःशुः मृतृगयः धरः देः टः वेःश्चर्। । ८मेःश्वरः ८मः छः सुरः ठवः देः सुः हेः क्षे.च.रे.चबुब.रे.क्ष.वेर.ह्या.च.चडुब.लुब ह्या विद्याचि.च.वया ब्रियाचर.वी लट. र्ने श्रॅर र्न न्या पञ्च द्वर म्या पर्दे श्रु है द्वर न्या ने प्रति व निया मा किया पर्दे ने किया पर् लव.च्री विथामश्चर्यात्या क्र.मे. द्याग्री. पर. द्वि. श्रुं र. स्ती वि. क्र. पद. दश्चल. पः दी क्.रं बैज.रंट. बंट.रं बैज.बु.डे.रं ब्र.स्ट.जं.जं.जं. ब्रुंड.लंज.वंट.लूरं.चंट.यंड्रंड. म्बिर्म्बुर्याभेट्। युर्म्बिर्यया अर्डे केद्रार्देते त्य्या न्ट्रे ने द्राम्ब्या प्र गुरुद्याहे। र्ने तर्द्र शुर्या गुः हें गयाया महर् पायया त शुर् ना निहर्

दश्यायाया गुरा वेयवा ठव दश्यान पद्ध दुन में ने न्ना दे वेयवा ठव वयवा ठन गी लया क्षे निर्मा निया अर्दे व स्परा शुनाय निष्य प्रेत हैं। वि के स्परी निष्य स्था स्था के स्थर द्यत्यः नृष्ठेतः त्रयः नृष्ठेनः नैः र्रें र्रेंदेः त्यतः नृनः नैतः यद्देनः यदः शुवः यः धिदः हे। देः नृनः निः **ॿॖॱ८ॺॱॿॖऀॱख़ॖॕॺऻॺॱ८॔ॻॱ८८ॱॴॿॳॱ८॔ॻॱ८८ॱढ़ॣ॔ॻॱॳ**ढ़ॸ**ज़**॔ॱॸढ़ॱॿॖऀॸॱॾऻऒऻॿढ़ॺॱॿऻॿऀॸॺ र्षा । ने क्षेत्र व ने न्या हु क्षे प्रते श्च वे स्या वया तकन्य क्षेत्र भेव हु त चुन्द के प्रया के या रे.रे.पविष्यात्रार्याः वर्षावाया इरापयायायाः सराम्यात्रार्थानः र्टः चरः वः वे : द् तु ण्वा शुः शुः त शुः नः तकर् : यः वं वा यता क्षेत्रः यदे : श्वे रः स् । दे : श्वे रः यदः श्चित्रात्म विष्या प्रमाणा विषया विषान्ता मनेषाश्चित्रयाययाग्रदा श्रेषा ठदान्तुष्वया सञ्चत्र विषा विषा विषा <u>र्वःर्टः पञ्चन्यःर्टः न्त्रुन्यःश्चःपञ्चेयः इययः ग्रुटः।</u> । ५६ न्यः यः श्चेरः धरः दश्चरः वः श्चेः पचर्रपदे। |इस ब्रेंद्रज्या शुं क्षेंद्र दे ब्रेंत्र के तक्षा | वेदा ग्रीट्र स्त्र | दिह्र नदेः स्वान्त स्वा कुः वरः वः दवः द मेंदेः स्वान स्व र्युयानदेः सुनानस्यान इर्भानया येर्दे । वेदान्देनाया यद्दर ईदालुयान मुनानर यःकर्-र्-तर्भनः नद्वः श्वनः नश्वरः श्वनः नश्वरः श्वनः नश्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स णट्रच श्रुव्यःतुः अर्र्यः यदे देवरः द्रा । द्रश्चयः वदः वदः यदः अर्रः श्रुः श्रुवाः च स्यः ळेलाळे हो। न नेला श्रेर्यायला न ने मा गुन श्रेष्य श्रेष्य हो स्टार्य श्रेष्य स्टार्य श्रेष्य स्टार्य स्वरंप मा ख्रा। व्यान्ने-स्यान्त्र्या-त्रा-अक्ष्या-ता न्नि-क्षेन-क्षेन-क्ष्य-क्षेन-क्ष्य-क्षेन-क्ष्य-क्ष-क्ष्य

|देग'र्यमयः वेयः धदेः सम्बद्धः ग्रुः श्रुतः दे चेष्ठेय. तथा विराधरा ग्री स्वाप्त स्थाप स्वार्ते नम्यान्यत्रः द्वन्याः स्वत्रान्यः वर्ष्यतः हे। दे वे बे न्यः बे ब धेवः यः इवतः ग्रेतः व्यत्रः मुक्तः व यः र्षम्यः चेतः यदेः त्वरः तुः अर्दतः त्री । यहिमः यः यहिमः चः वेषः यः वेः तृतः वर्षः देग्यः बह्दा कु मार्चे र पदे र पर र तु बह्द र प है। ब्री.चर.पंश्चर.चप्र.रंगे.च.व्रे.श्चर.पर्था यह्मान्त्रः रेगे.पद्म । रे.ब्रिट्यान्यः वै.भेवः हुः ब्रिवः त्ययः ग्रे.ब्रेट्रः हुः बे.यहः परः नहन्त्रं विनायवानहन्हे नर्गायान्यवान् नायवानहन्हे नर्गायानास्करियाया न ने ता ही तता त्रीया ना त्या त हुता ना क्षेत्राधेता व व व व प्यता सुव पा नि क सा सुव पा नि क से से से से से स इत्रक्ष्यं द्वे अह्रे त्यव द्वितः क्ष्यव व्यक्ष्यं द्वा विवासे द्वा विवासे द्वा विवासे द्वा विवासे द्वा विवासे विवासे विवासे विवास क्ष्ये विवास क्षये विवास क्ष्ये विवास क्ष्ये विवास क्ष्ये विवास क्ष्ये विवास क्षये विवास क्ष्ये विवास क्ष्ये विवास क्ष्ये विवास क्ष्ये विवास क्षये विवास क्ष्ये विवास क्ष्ये विवास क्ष्ये विवास क्ष्ये विवास क्षये विवास क्ष्ये विवास क्षये विवास क्ष्ये विवास क्षये विव

त्या चीया क्षः श्रचा त्या खेत्रा ता त्या क्षेत्रः त्या ची न्या चीया क्षः व्या विष्या विषया विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विष्या विषया विषया विषया विष्या विषया विषया

बर्वे**८.वंश**.पवे**८.वर.**बु.प<u>र्ट्र</u>,तस्त्री ।चथ.श्रेंब्र.ल.वंट.बु.बु.च.त.लूट.च.बु। **ञ्चनः ठ्यः प्रदः यः यावः ययः यः दरः श्वः यः ठवः दरः मृशुर्यः यः क्रेः यः श्वे। व्यव्यः ग्रीयः वेगयः** พ.ลิผ.สะ.रट.ปู่ผ.ลผ.ผู้พ.ฐะ.นิ.สูน.นิะ.นลน.นนิะ.ฆ.ชิผ.กน์ 1ヨル.ผู้พ.พ. ब्रेन-य-ळॅ**र-य-द्री ब्र.कु**दे-ह्रेर-य-ठ्द-ब्रेय-च्च-य-द्वे-ब्रय-य-द्व-य-य-व्यय-ठ्र-बैरःविद्युरःवा**बैः**गर्डरःबैरःबद्यायाद्यैःरावाद्यःगर्द्यं मुद्यायात्रः मुद्रायात्रः मुद्रायात्रः मुद्रायात्रः मुद्रायात्रः नवतः न हुरः वुः चरः बुकः क्षाः । विः केषः वैः नरः वैः नः त्रायः च कर् । केरः वः तः व करः वाः नरः नवर मंदे नवत न हर ल हुँ र बे बुरा रा | रे र म मे म दरा दे सह र त मे लाला न्यायः इययः ग्रीः कुतः दं दे न भेदः हे लेया ग्रुष्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः नूपुं विचानी तह्त्राचित्रम्भर्थत्र्प्त्रम्भर्थत्रम्भर्थत्रम्भः म्बर् दे रे लखरद्वयाय र्मा धेदर्म | बियाम्बर्याय सुर्र् | विवेश्विर्यायय विरा तु. २ व्यय. व. लट. ५ ई. राय. ब्रट्य. रा. तुथी विश्चेर. राषु. क्रेव. वर्षण श्चेय. क्वय. बे.पक्र्याना निज्ञेशःश्रेषाचरः ट्रंर्पार्ट्य्यहेग्यायः धेषा निश्चेर्यः वेदः हुः श्रेःच वर् नक्षेत्र.पक्षताल्य । । त. कुबा. वि. वे. वि. यी. श्री. व्याया । क्षे. च. द्र. ती. व क्षेत्र. य या वा वि. वि. व वेदा। श्रे.बर्ट.गु.रूर.प्रदेन.वर्ट.चर्.गुरः। विक्तान्ते अधु.रूरःव्दर्भागायाय यू। । वि.कु.च.त.चथा.२थ.जथ.भूट.चकुर.चे.कु। । हे.ज.ल.च्च.च श्रेशया.च.के.चे.जचया। [म.कुबा.अक्ष्य.बुट्.कि.ब्या.पचर.च.कु] | अयाश्वाप्तचर.चत्रीवर.चच.चुर्.ता.पक्षणा | न्यर्यार्भवयात्वयात्रे इया न्रा धे या न्रा । वियाः स्वाया अभ्यत् वा व्याप्त अक्तिन्। सवःक्ष्यःगर्दरःरुःतळ्याः रुटःयग्वराःवरा ।सःवःह्वरःवःश्वरःयतेः स्वाःयःतळ्या । यरे र्गाक्स्ययायार्था निरे रुपा शुर्वे । ज्ञानदर कं या र्गुव के के यद र गरा। विवा

वैदःद<u>ञ</u>्जरःतुःबेर्ॱदशुरःदर्भर्गागीय। |पक्षयःधर्यःग्रीयःग्रुदःਘदःश्रेबःधरःदशुरा। *ऻॸ॓ॱ*॔ॱऄऀॺऻ॔॔॔ॹॱॸ॔*ॸ॔ॱॸ॔ॸॱॸॕॹ*ॱढ़ऀॱॾॗऀॱॸ॔ॸॱॷॺॱॵॱॾॺक़ॱॻॖऀक़ॱढ़ॗ*ॸ*ॱय़ॸॱॻॖऀॱॺॣॺऻॱ नम्यानम्बर्भे । रियानकै नया ग्रे क्षेत्र मुना पर्दा । दिहेन्या सादी क्षेत्र सामि स्थान न तुत्र-विर-त्र-(व नवाया-धः व नवाया-धः व वया-धर्वे । विष्ठ-वर-धर-धः विष्ठ-नदेर-वर्ग विक्वतः वैदः वैः वर्षवः वर्षे वेः केः विः वर्षः वेः तमरः नदे। विवरः नदेः वरः ननः चेन्-सः देः चलान्। परः तरः नरः चेन्-सः तळलानः हेः चः नदे । विमान् नुनासदेः त्वा वीता पर्वेवाता पापविदातु स्टु वियापापिता परित्युदा धरा श्रेयापर श्रेयापर त्युरा स् ILA. ठेगः तादी। बेरद नरः नः दिवायः पदे व्यन्गः ययः गरः नरः ह्ररः ता वि ठेगः तादी हान बी'_{सी}द्र-हीद्र-तु-श्रु-ळॅग्य-ग्रीय-ग्र-व-त्य-व-व-व-र-देश्य-व-व्य-व-व-देश |শ্বীন:ম্রান্স ह्येरयायायात्राम् अपवर्त्रम् वाययाम् राष्ट्रम् स्वायाम् राष्ट्रम् स्वाययाम् राष्ट्रम् नरः ५ द्रान् रे कॅटावाने केटा ग्रुटा । भ्रान् राष्ट्र विषयः स्रे गरा द्रान श्रुट्या ५ द्रे या य त्र्र-१:३:प्रीयःश्वर-३८:। विङ्व-हिंदायः श्वराष्ट्र-वाप्तर-अंद-दा दिःयदः क्व-तुःत्युर। हिःगहेर-क्वचयायहेग्यायधरः सर्वे ग्रेयायाया ग्रुद्रावदे। त्रेर-वःक्ष्वाःवेर-वर्त्वाःधरः वर्षदःव । दिः धरः वर्षः वर्षे वर्षः विवाः इर्वरः द्वाः यदे। । हिन्द्रान्यरायहेनस्यायायहंनायदेश्वान्याकेन्द्रात्युर। । तद्रिकेन्द्रान्यक्र करःश्चेषःस्ट परः यहँ न् वः प्यतः । श्चिषः प्यतः अष्याः अन्तिः करः यः नृनः यद्यः अन्यः अरः चरुका । स्वःस्र:ईतिःयः चरः स्वकः तञ्चः गुरोतः कर्ने गः कृः सुः धी । श्वेषः श्रेरः न्वरः तेरः दश्च-त-तियाक्य-कर-री-पच्चता | क्ष-चताकेदाकानी-तीना-श्व-क्षर-पश्चर-पा

ळेते.क्रंन.ब्रे.बर्द.न्द्रंब.चेब्रे.न्ट्र.बह्दंन्.जवा श्रे.इबब्य.ग्रे.ञ्च.च.चेड्च.ज.ग्रे.न्वबर नर.कर.श्रेर.तर.क्षेत्र.चक्रंत्राचक्षेत्र.श्रुर.त। विष्य.तर.श्रुर.तप्र.प्राग्नी.विष्य.त.दी। য়ৢॱঢ়*য়*৽ঢ়ৡ৾৾৾৾ঢ়য়৽ড়য়৾৽ঢ়৽ৡ৾ঀ৽য়৾৾|৾৾৾৾ঀৼ৾ৡ৾৾ৼ৽৾৾৾৴ৢয়৾৽ঢ়৾য়ৢ৾ঽ৻য়ৼ৽য়৽ঀৠৢঽ৾| ॿ॓ॴॴॷॸॴॸॖ॓ऻ **ऄॱॸॗॴॴॸॱॾॴॱॵॱॾ॓ॱॾ॔ॸ**ॱख़॒ॱॾॕॣॸॱॸ॒ॸॱऻ ॺॎॱॾऀॴॱॵॱॾ॓ॱॾ॔ॸॱॺॕॖॎॱऄॺॱ चर-द ग्रेल-चर-च १८⁻५। |८४-४८-मह्युय-म्-ल-खराग्री-स्-र-देश-घ-छर्-दे। चतु.र्चर.मुथ.कु.कुर.झ.झ्चथ.थु.५ॷर.चर.थदु.र्द्थ.चविर.चशुरथ.छ। रि.क्षेर. ८व.५र्जूद.द्वेब.न्झ्य.ट्रे.इयथ.श्रयथ.त.व। र.क्षे.ब्र.स.धर.ट्रे.जव.च.चर्यक्व.वय.वव. ब्रुब्र-इंर-ध-र्टः। <u>र्भवः क्री.क्षेत्रथः श्रदः पारिवेशः श्रीयशः श्रीयशः श्रीयः श्री</u> ७वा. रूर्. मः र्टः। वनामः वरः मञ्चरः मः र्टः मजुरः मः सेरः सुरायः स्वरः सुरायः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स য়ৢ৵৻য়৻ঀ৾৾৽ঀ৾৽ঀ৻ঀ৻ঽয়৻৸ৼ৻ঀৠৼ৾৻৴য়৾ঀ৻ঽ৾ঀ৾ रुद्रात्म् विवा मेर्या म्रेवा म्रेवा म्रेव्य स्थान् स्यान् स्थान् पर्झर श्रुवार प्राप्त के स्वाप्त क्षा विष्त क्षा विष्त क्षा विष्त क्षा विष्त विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य क्षा विषय पश्चरः पः अः व्यतः त्रः त्रः वृत्यः व्यतः व्यतः व्यतः व्यतः व्यतः व्यत्यः व्यत्यः व्यत्यः त्यः व्यतः व्यत्यः व्य बर्-रे-पर्झे यरा-पराके केर-पराके त्युराहे। सुराम्बे-स्या **गुक्-**र्मदास्ये स्टि **ॺॕॹॱऄॱॹॕॖॿॱय़ॱॸ॔ॸॱऺॎॿॕढ़ॖॱढ़ॿय़ॱॻॖऀॱय़ॖॱय़ॱॿॸॖॸ॔ॱय़ॹॱॾॸॱॸढ़ॎढ़ॱॸॖॱॾॖॆॸ॔ॱय़ॱढ़ऻ** <u> र् गतः र्वतः तर्रः गविषः भेरः तश्चरः चरः ग्रैषः भेगः ठेषः ग्रुषः यथ।</u> अतुः द गतः ग्रीः तुषः वेदः बॅंॱबॅॅंड्रॅन्-तु-५वॅं। पदे-लर-प्रेन्-दलाकेशलाक्त-त्युलान-ब्रुलाने न्वॅन्-यान्न-प्रेन्-यान्याला <u> स्वाया तपुः स्वाप्त वया पक्षेत्र क्षेत्र ता र्टा व वर्ष्ट्र ता स्वाया ग्री स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वा</u> रे.य.केबायाः चरया क्रेय.त्राचेव्याचा क्रेयाचा क्रेयाचा क्रेयाचा क्रेयाचा क्रियाचा क्रियाचा क्रियाचा *गुव-*२्वतःव्वःक्वःव्ववेषःरवःकुःचुनःवयःवेःव्वयःक्वःव्वतःवनःचेन्।यःवेः 551 *वर्षा परितः* क्रेट्रेसं बेराञ्चराया ५८ । देश्य हेरा भेवा तृः श्चर्या वर्षाया है भेरा वारा स्था हैर र्-तह्नाम्अवाद्याव्यत्यत्यत्यत्येतित्यत्येतित्यरः द्वेदायः न्नः हेः क्षेत्रः श्वरः यः स्वयः पञ्चनः न्। रे-दलःसंदुःदन्यःग्रुःसुर्वा र्नेःह्यःगविषःवेषःनेश्रान्धेन्यःयर्-र्नःर्मःन्रःम्वदः**यर**ःयः त्ययात चुरा नया व इंबर व श्वाया ईयया भेग । ठेया गुरुर्या प्रया है न ने वेया व इंबर व श्वाया **≆य**ॱवै८ॱचलःयःबॅलःपदैःबॅ्टःतुःद्युयःपः5्द'द्ददेःचःपरःश्चेतुेद्रःय∣ चलःबॅलःचेदःपदैः दॅगः हुः इवःवःवे श्वभुगः धरः छे*र*ः र्रे। । यदः वेवः ब्वें रू: धवेः गवराः गववः वे**ग**ः हुः विदः वयः श्चिष्या मुर्देषः दुषः दुषः श्चारश्चायः पर्दः भिष्या पर्दः भिष्या पर्दः भिष्या पर्दः भिष्या पर्दः भिष्या प र्रः क्षेत्रे तु अर् प्रते म्वाया अर् प्राप्तः क्षेत्रे तु अरा म्राया स्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्रा चते कु अर्द्ध न देश मार्गा सुन न वि स् देश के में मुद्रेश र मार्नेश र मार्न ४बः प्रयादे निष्ठा भे द्यापदि राष्ट्री दे लेया श्चरापा रहा। रे.चहेश.र्चय.वंश.जूत. दग्याची:तुःयाञ्चराया: न्दान्ने र्ह्यामहेरायदाः व्यव्यत्ते न्यान्दान्य व्यव्याची स्वापाया विकास विकास विकास विकास च्रीयान्द्रवायाः तायाः वर्ष्वेदः वयाः वर्षेत्रः व्यायः क्षेत्राः विषाः वर्षेत्रः वयाः वर्षेत्रः वर्षाः वर्षेत्रः

*देवःदः*वःस्रत्वेषःइटःवयःश्चुनःयदैःव्हॅदःद्युवःवश्चेदःयःद्रःधिदःवरःवःवःःः ने.पह्नातपुर्के.क्रि.स.प.वे.र्रेचे.पर्कार्स्थाताचर्चेष्याताचर्चेष्यातात्वे 고왥~~영도. व्यवः रमाया क्षेत्रः यः वयः यव्यवः वयः देः यवः क्षेत्रः यः व्यवः क्षेत्रः यः व्यवः क्षेत्रः यः व्यवः क्षेत्रः तर्ने ता क्रे या सुरहरा तही राषी प्रवास पर देश स्वास्त हु क्रे संया भेवा हु ग्वाया या **劉·**萬之. गुर्-नलबायाने त्राना विवा या क्रेया पदि चर हु मुद्रान्द हु त्व र द्वारा व्या क्षेया र में या स्था । इति.चे.र.पपु.षेपा.येथा.येटः। *ट्रे.रे.चे.पे.*क्षे.पपु.क्षे.कंर.वेथायवात्रावियो है.अ.चे.क्षेत्र.परीचा.चवा.च्यायाचा क्र.चेथायात्रार्थःचेर. ८४.जु.चु. देनःक्रेषःषःदेः**४** वःदःकेः छ्णः च्रेदः र्य.वे.य.थ्य.श्रेथ.वे.म.त.क्.योथ.योथ.तथा वर.ज.परीयो.ग्रेयो.क्रं.लुवे.त. **ॻढ़ॸॱॸॖऀॱढ़ॱऄॗॱॸॱऄॗॱ**ऄढ़ॸॻॿॸॱॻॴॸॣऀॱऄॗॸॱॻॴॴॴॶॕॗॸॱॻॱॸ॔ॸॱऻ ฆ.พ.ษ**ิป.ก.ษิน.น.**นีะ.ยิ.ษฎ.๒๒. ๔ปฺ.๒.๕๖. บุชปุช.ก.ษ. น.ช. ปี ป.ก. ก.ช. ป.ก. ก.ช. ป.ก.ก. पि.पश्चर.तथ. घट. त्र. श्रीया य. र्टा वीयर. र्थे. प्रहेगे. तथ. श्चे. र्थे. र्थे. थे. या. खेगेया तथ. ळॅग्-धरान्ते.अ.४.४.ज.लट.रेज.च.२्य.२५५.वे.२५४.लरे.जो २.के.४.४ व्यथ.घ.चयवथ. पथवा-र-वृथ्यःथ्रा ।

पथवा-र-वृथ्यःथ्रा ।

पथवा-र-वृथ्यःथ्रा ।

पथवा-र-वृथ्यःथ्रा ।

पथवा-र-वृथ्यःथ्रा ।

पथ्यः-र-वृथ्यःथ्रा ।

प्रित्तः प्रम्म ।

प्रम ।

प्रम्म ।

प्रम्

ा ने प्रवेद स्पर्य कुष अधि भूषा पश्च । पिह्ना हेद प्रवृत्त व्यय क्षि मूं श बर्द्धत्वत्त्वर्त् । ने द्वार्वाचा व्यास्त्र वित्ताः विवादाः द्वार्वा स्वादाः श्चार्या वियानश्चर्यायाः हर्या र्यारायदे तया व्यास्टर विरावना स्वायत् स्वा नेव.पे.क्षेत्रय.कु.तथ.टव.पञ्चर.क्षेट.पष्.क्षेत्राचयद्धरःतथ.पष.पह्न्यय.क्षेट.सेव.त.सेथ.प भुवतः तळेतः वते. र्ह्चः भ्रेः श्रे। वर्षाः वेरः छेवः यः ध्वषः ग्रेः यातः यातः विदः यहतः यरः मदे तिर्दर मन्द्री वि अद्वर्ध दर द स्याधर मद्या विद्र र क म्या ता सम्पर्ध मदा स्वर् नद्र। । इ.ह्येच.क्येथ.द्र.प्रथ.झ्य.नय। ।ई.इट.चट.प.श्चेचय.थ्र.वक्ष) ।वेय.चेथेट्य.न. लूर.र्| वर्र्रर.व.रट.टव.५०्.प.प्र.प्र.पथ.५६व्यथ.त.र्ट्.। र्ग्रव.ष्ट्रवे.प.ट्र. लयः भ्रियः पत्रे स्वरायः स्त्रायः स्त्रायः स्वरायः मित्रायः मित्रायः देश । देशः वर्षः मित्रायः स्वरायः स्वरायः श्रूर.व.श्रुच्य.प.व्य.लट.ट्र.पट.पट.ला ट्रे.बोड्रेय.वेब्य.ट्रब.ज.चह्रद्र.स.वेब्.ल्र्र्.द्र. श्चित्यात् म् । भट्रायाः विवाद्रायाः विवाद्रायाः विवाद्रायाः विवाद्रायः विवाद्रायः विवाद्रायः विवाद्रायः विवाद् ब्याःश्चित्यःश्चःत्वेः पदः पुतायः गावेत। पुतार्द्यः पत्तः तः नः नः नः नः नः भून्यः शुः द्यः पदः क्रि. अक्षत्र. त्री । र्ट. स. द्री पर्हेर. त. पक्ष. प्र. पर्वे. पर. त्या वर. वेया त. त्री वी नवरा चुराया | नवा हे लेबवा वेना वर्ष दा | दे हेर्या दे हुनवा वर्षे वेटः। । दे नक्ष्र् र र रे दे न गुरान र र । दे थि न क्ष्र द या न द र र न या विया न स्टा भुवरा १८:भुवरा मध्येष व.व.व.चेर.वदुः ध्वेष ज्ञाः लूरः व.चु.वश्चे.वश्चे.वश्चेरः वदुः भ्रुवरा राद्यः भ मुलावर्ष्यात्वरत्त्राताञ्चवरातुः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः देवावास्त । देवावेः स्वार्षः द्वारात्वरः र्गोद्यः अक्ट्रवः याद्धवः यः तावा श्रीयः विष्णः १८.८मे.५२४१ । वर.त.५८.५८. इयय.ग्रे.श्चितया विय.मश्चरया ।

श्चरः हो। विश्वरः वि

हु. हैच. चर्च प्रतास्त्र विद्या विद्या च विद्य

ग्रैयान्यंत्राक्ष्यंत्राक्ष्यंत्राच्या | न्यंत्राम्यंत्राक्ष्यं क्ष्यंत्राम्यंत्रम्यः

ख्याचित्यासाचवृदाद्वात्याच्याः । विद्यास्याच्याः । विद्याः विद्याः । विद्याः विद्याः । विद्याः

पट्या | पट्टिया पट्टिया अस्ति स्था | जिपटाला क्षिट्ट्या क्षा पट्या | पट्टिया मुन्या क्षा पट्ट्या | पट्टिया अस्ति स्था जिप्ट्या | जिप्ट्या क्षा जिप्ट्या जिप्ट्या जिप्ट्या जिप्ट्या जिप्ट्या पट्ट्या पट्ट्या पट्ट्या जिप्ट्या जिप्ट्

^{ह्}वाया न्या ह्वाया श्रे व्याप्त । विया ग्रुट्य पा द्वेरा न्या प्रस्ता विदेश प्रदेश प्रस्ता विदेश प्रदेश प्रदेश **दी** श्रम्थान्द्रम् स्थान्त्रं द्रां स्या ग्रीया स्टार् य दा स्थेर यस य केर्या या प्रवेद स्था सुवा मः लटः श्रेटः हे क्रवः द्वार्यः रटः र्वटः अर्ः चरः व क्रवः यथा । व म्राः व स्वारः श्रृवाः व स्वारः च्चे वार्या साथा है । क्रें स्था के क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्र ढ़ॖॕॺॱॹ॒*॔ॾ*ॴॱ॔ॻ॔ॴॱऄॗ॔॔॔ॱक़ऀॺॱड़ॗढ़ॱॺॱॾॕॴढ़ॾॕॴढ़ॿॴॴॗॗॗॗऻढ़॔ॱज़ॱख़ऀॴ॔. चक्चें तथा |दवाने नामा के पार्टिया में के कार्य के प्राप्त कार्य के प्राप्त चलुन्याः यहं न् सुन्याः हे के त्याच्यी | विषान् मा चने वाया में वे त्याया यह । निष्यान सुन सुद पा सुद दन ने ने त है। विस्तर दे न है नय पर सुर पर है र सुर है। र सुर है त्रिनः पर्वः पर्वे न र र र र हुनः परः ह्रयः ग्री ग्रायः व। । ५८ : श्रॅटः न् यः पः ने वे खुग्रा हे : क्री । *बेषः २८*। *५६५: घषः* त्रेषः ग्रुषः क्षेत्रः यदेः भेरः ख्षः र्रः। ।श्रेरः यः क्रेः बेरः हुणः तुः धुलः नम्बर्दरा । ब्रिन्यदे तर्ने न्ळ नवा कु वळे र कुरान इववा । न्ये चे वर कु वर परे ह्यणलाहे केवाया क्षेत्र । वर्षार्या स्वास्त्र <u>र्गे.ध्रेय.ब्राट्य.क्रथयो विञ्चाय.व.क्री</u>चानक्रय.व्यायाययायया.ध्रेट्टी क्रिंचय.च क्रु. बरतः पर्वः विवायः हेः र पः हुः हु। विपः पर्वः विवायः हेः क्रेवः सः हवा य हुरः हु। दिः श्रेः त हुरः नः द्याः धरः श्रीत् श्रीः तश्रुत्। विश्वाः नः शुद्रः च व्याः याद्रयः याद्रयः याद्रयः याद्रयः विश्वाः विश्वाः य मुल दे.ला भ्रुंदा वे वा विषा गृह्य त्या हैन द्वा वा विश्व ता ले वा हैन वा वा हैन वा वा हैन वा वा हैन वा वा हैन *ॱ* वित्वे । अः र्रः माद्युरः र्रः वित्रायः श्चेतः ययः क्षुतः श्चेतः युरः यः र्रः। श्चेतः वेः तकर् मः मृद्रेषः ग्रीषः रोवषाः ठवः ववषाः ठनः यायवः यन् मृषाः यनः यहनः यह । दिः यदः मृत्यः **इदै**ॱह्रेयः वयानग्रीराउटावा ब्रियापया गृत्या इत्ते ख्रियः ऋगया नृहाया श्रुत्या नृहा ग्रीत्

चिव चे छे था छे । ज्या चिव चे प्राप्त चे चे प्राप्त

ब्रह्मर प्रमान के प्रतास के प्रतास

मा यत्र की नुष्य धरात शुराने | निरारे तहे दा शु सुरा मा विदाय में दिरा किरो रु:इर्:यरःडा |€:७र:बे:र्ग:यर:रु:ऍग:छेर्:य। |रे:ल:न्वरायदे:ऍग:य:रे:र्**ग** र्टः। । ज.रेथःर्वन.थे.अर.तरःविन.र्वटःरेव। ।केन.तरःईथःथःरेव.तरःवर्श्रेययः च्यान् । दे.पानेश्रयान्विपारमानुःद्यमाधरात् गुरा ।दे.दे.दळनापरुनारग्रेटावेटा मवरायते है। भ्रिकानु न्यायते यो मेरा रच कुर देन्। । यहेन हे व कुया पाञ्चा सेन् नन्गात्युरानर। । १६ न् । या छरास्त्र । १८ वर्षा । १० वर्षा । १० वर्षा । र्दः र मः र्दः भेरः र वः र्दः वः भेरा । ह मः हुः राद्यः कु राः र मः मैः व स्यायः यः व ह्रि । ने स्र-ने ल दे ते अल ग्रे कुन् न क्षें अल पल | विद अर्थ द न पत्र प्राप्त स्वा के द अर्थ द यरयामुयातादी द्वारा के अवयाहे । श्विमान श्वास सरामया दर्भ गायर प्राप्त के त्या । बेवानाशुरतास्त्र | यि:र्हे:पदे:ब्वाववा यदःयदःपदावावादःधरःहे:केवार्टःकुरःहे: र्गा.हु.स्ट.वय.वेव.क्वचय.पवेटा। रे.पार्यामेशक्रेर.पय.क्रेर.चर्गा.पद.क्रें.वय 다.영山·윤·소희소·다.ŋ석·片 其·첫씨·씨도씨·활씨·집·저렴숙·다.때.펓.때美·첫씨·숙제·윤·씨도· श्चान द्वान में निया बेर्। रःररः नेषाचेरःव। परेप्तम्याग्रीषात्म रेप्दारे। र्'म्रक्षण्यंर्'र्रेपरै र्डुण ग्रील तर्रे साम्चेर चेर दादार दाता मुन। वाग्रुप दादि अर चेर पादल साम् श्रुवा द्या में स्थान दे । यह या कुषा श्रुवा यह यह स्थान स्था कुषा यह यह स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स म्बर् हे, बूबे भे श्रेप्य शे प्यां प्रत्य श्रेप्य श्रे

했다. $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{2}$

कूथा.ग्री.बुटा। कूथायह्याता। कूथायाह्याता। कूथा.ग्राच्चा कूथा.ग्री.चा कूथा.ग्री.चा कूथा.ग्री.चा कूथा.ग्री.चा कूथा.ग्री.चा क्या.ग्रीचा क्

क्र्याची क्रूयाची क्र्याक्किंदानास्वराधियाक्र्यायाचा प्रसामविषाचीयान्या रदःचवैवःग्रेयःर्गःय। क्रैदःहेःचवैःक्षयःठव। क्रैदःहेःर्दःव्वःय। हगःतुःर्वेवः चतः श्चॅर् 'पुल' न ह न 'रु 'कॅल'ल' नविल' न ह न 'रु 'र् गर' से श्वॅर् चर क्रु ब ब्रॉ विलः च.प.प.श्रम्थ.तप्। |वृषाम्बर्धरणःश्र| । विर्मायरः मेवातवः श्रम्यः श्राद्धरः पः दे। प्रशः चॱ*वर्षा*ॱदञ्चरःचॱक्षेत्रःर्गोदः अर्ळेगःगशुक्षःवरः धवःद्धंवःग्रीःष्ठ्रःधरः वेषःव्याञ्चप्रारशुः · · · र्गोद्रायक्रमादी यहूर्यन्यह्मीयात्तराविराक्ष्यात्तराविराविष्यक्ष्यात्तराविरावि बळॅनादी नेदेःदश्रयासुः न्दा न्नोः दत्तुनः न्रॉवः बळॅनादी न्वतः ग्रीः व्यवः हनाः मीयः येग्या धराद वंग्या भारता वृष्या व्याप्ता स्वाप्ता वृष्या वृष्या वृष्या वृष्या वृष्या व्याप्ता विष्या विष्या वि बर्द्र नर्भे नर्भेन् पर्दे प्रति पर्दे द्वा तथा रहता है। विष्या पर्दे हिन् मर्भे देवा पर्दे हिन् मर्भे पश्चेष.पग्नेर.ज.वीय.तय.बुष.तर.वे.प.र्टा। बह्ब.री.वे.प.ज.वीय.तय.बुष.तर.वे. **ॾ्रथ.**ञ्चीब.तपु.र्द्रथ.त्रथ.केब.कुब.बुब्य.च्यूबेथ.त.च.ज.वेब.तय.वे. चर्दा । श्चिनः चर्दः श्विनः चरः देते । देवः मः सूनः वर्षेनः मः नृहः देवः श्वेः नृहः। इत्यः देवे रः कु.ब्रॅ. भ. म. म् वर्षा तर के. प. र्ट. । **क्र्या र्टा वर वर के. प्रदर्श के. वर्ष र मेया** वर्ष प. |हेलःशु:5वःपदेःष्ठिरःपरःवी दर्नःष्ट्ररःपर्ठंबःष्ट्वःदर्लःरेःदेःवेलः ন×.বি.ঘর্। खॅन्या ग्रीयः नशुक्रा येदेः व्यवः हवः संस्थानः द्वा यदि। । प्रस्तिः वक्षयः दवेयः चः ययः श्रुनः यदेः Bर.तर.थी बट.बब.रट.कूथ.बु.र्वट.रे.विश.तपुरवपूर.थथथ.थकूबं.पहुष.व.ही षरणः कुषः नदः न्वे पत् वः वृष्ठेषः वै : नदः यदि : न्वे दः चुषः यः धेवः य। ने : धदः वदः च वः

क्री हिर्न्तर जा क्री हेर्न्य र्ट्र क्षेत्र स्त्र कष्ट क्षेत्र स्त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्त्र क्षेत्र स्ति क्षेत्र स्त्र क्षेत्र स्त्र

कथः ग्रदः। यहनः नदः र्वनः यः नदः यन्यः नदः। ।ग्रुवः वयः व्रवः व्रवः स्वः स्वः स्वः नदः ।। रे.हेर्रर्वत्स्विर्व्यावर्द्रः। । गलवःग्रे.ह्वनःगे.विर्वर्यन्या ।वर्रे.वे.गडेनः सःनेप्तिवन्त्रेन्। १नेनेश्वःळ्यायनयःविषाःव। । व्यन्तःशेष्ट्राणः रे.जयाविराखेमकामेंबदाकुरक्षा विर्युष्ट्रियक्षा विर्युष्ट्रियक्षियाः मिन्नुष्ट्रियक्षा च गुर्-त्यम्यावा । वित्रे गुर्मित्र मृत्र न्याय वित्र गुर्मे । दे त्यवा श्री त्र कि विमा सकेवा। रे.ल्यान्य्र्यत्त्रेयःवेदःव्रेत्रःवर्श्वयःम। विरे.ल्यार्ग्यःवर्गेरःवश्चरःव। विरे.केर्यःवर् द्रः व्रिन् न्यायः न्रा । माववः क्रीः क्रेयः मीः व्रिन् स्यतः त्यम्या । विषः मश्चन्यः हे। नेषः न्योः त्रुवःग्रुःष्ठिनःसरः सरः मेवःसरः सुवःवं। भ्रितवःशुः वंदः ववः नञ्जनः चतः नेवः नेवः नेवः नेवः न मान्तेष्र पश्चान्यस्य विद्यान्त्रा अवार्त्यात्यस्य विद्यान्य । न्यास्य ळवु.चेषुथालया चर्षु.क्षवार्टा.सूपु.श्रेथाची.र्यातालाचडेवातावी क्रयाचभराता क्षेत्रः न मेथा-बेडेब-८ंबा-ताक्रब-४ बन्धा-१८-ग्री-बंबया-थी-वास्ट-वया-वहेब-ता-है। क्रियामाञ्चितवाश्वार्थरानवादीरवामाञ्चेदारामाञ्चेतवाश्वारहेदाराम्वेदाया ब्रध्य-प्रदे प्रश्चितःत्र-चै.प.द्व.प्रबाह्र्यःतःप्र-८ूर्यःश्च-प्रक्र्यःप्रवे प्रदे ह्वेर-रू। ।८४ मदः ऋथः अवया नरः। ईलामबिदाधिरायाचेरामावी र्यामायरया मुयार्रायरया मुयागुः वृत्र द्वागुरा प्रत्र प्रतः स्राय द्वा स्राय द्वा स्राय विषय । स्राय विषय । स्राय विषय । **७८.ज.वेथ.व.ध्रेय.झ्य.स.क्वं.तपु. र**चुन्यत.स.**ल्रेन्या** *ૣૣ*ઽૣઌ.ઌ.ऄૄ*૽*ઽૣઌ.ᡚ. स्ट. चया वै. विट. र्ट. हे बाया सदा इया ता बाह्य दे . वि. चरा तह वे. चा लेवा ता वे. र्ट. हेया थी. अधिय. तपु. पश्चित. तप्. दी. त. दु. दे. त्रिय. तपु. हुय. मू । इय. ग्री. ह्या थी. अधिय. तपु. इय. |क्रथ.बी.टबे.जय.पर्टश.तपु. हंग.बी.यविष.तर.बीच.त.है। ८मो.पर्टेब.ज. श्चित्रवा शुःर्यर नया द्वे श्वराय र्वा शुः वर्षे र मिर्मे निरम् निरम् वा ता में वृत्र शुः वहे द र मिद्रा वा

2 अ. थी. 2 मूच. जकूचा. जकूचा. जम्म. जम्म.

र्ट्राचा त्या त्या के स्था के

स्थलान्त्वा श्रीवान्त्वा ।

ब्रिक्तान्त्वा श्रीवान्त्वा ।

ब्रिक्तान्त्वा श्रीवान्त्वा ।

ब्रिक्तान्त्वा श्रीवान्त्वा ।

ब्रिक्तान्त्वा ।

व्रिक्तान्त्वा ।

व्रिक्तान्त्वा ।

व्रिक्तान्त्वा ।

व्रिक्तान्त्वा ।

व्रिक्तान्वा ।

व्रिक्तान्त्वा ।

ब्रियः पदः पश्चयः चुः नशुरु है। यदशः हुः सः ग्रेः श्चः न त्रुवायः देः स्र रः द्रीयः पः येवायः हे**यः** इ.५२.चुन.जररा रहेय.ज्ञ.नर्नाय. घट.प्र.च मेज.यर.श्र.नवनारा.रटा बरातह्नामार्यायाण्चे श्रेतामा न्ह्राचनवा श्रेटवा वर्षा हेता ना स्ट्राचनवा श्रेटवा वर्षा हेता स्ट्राच गुरा ८३.७८.२.पञ्रत्हे। पत्रेयःहिरयःजय। हि.क्षेत्रःचने.योत्रेययःश्लेरःपञ्चययःनेरःजयः ७८:|| पश्चेषामान्त्रापटान्यरायाच्यामयामया सक्रम्। | वेयानश्चरता स्वा ।ितर.इय. पचेर्'यवा नेर्'तु'वेर'श्चुव'श्चॅब'य'र्र' वे'श्चॅप'यदे'र्वे'यर् द्वाह्यवाया ब्रुट यंदे यम्. २४. व्रि. ग्रीय. क्र्यायय. क्र्याया. त्याच्याया. त्याच्याया. त्याच्याया. त्याच्याया. त्याच्याया. व्याच्याय नःनर्जःनकुन्-चुराःमदाःसर्वे नक्ष्यःश्चे तद्भवः वर्षः नकुन् व्यतः स्वरः कुःश्चेदः वर्षः देनदारः सुः " नेशिट्यानार्ट्रा जिरास्वाक्रन्यायाया क्रियानार्ष्याचारायाचारात्राचारा न्तर ह्या शु कुया में यहे या थ्वा की या यहें में व केंद्र में व केंद्र में विवा केंद्र में प्र विवा से *ଵୖଵ*ॱॺऀ**ॺॱ**८२ऀॱढ़ॖॱतुढ़ऀॱॺॾॕॸॱॸॖॆढ़ॱॾ॓ढ़ॱय़ॕॱॻॖॆॸ॒ॱॸॖॱॺॿॖॺॱय़ॸॱॻॹॺॺॱॻॱढ़ॺॱ॔ॺॱॾॆढ़ॱय़ॸ**ॱॱ** तश्चरः अन्तर्भ । विषायवानिकासाम्। श्विषायेन्य । विषायेन्य विष्यायेन्य विष्यायेन्य विष्यायेन्य विषयेन्य विषयेन्य वराश्चाः हवः श्रीया नाये राश्चीः द्वे याता श्चे न् तर्गा वर्षा यक्ष सक्ष्य सक्ष्य वर्षा यह नाया यह नाया सक्ष्य

८वः बैटः सुक् कुटः सः श्रदः श्रवः पर्दः श्रवः पः च च टः स्व र तुः श्रुकः परः वाह्यद्वः पवा 热. र्षण्यः चराबेः उरः हैं। । इतः त्युरः यः क्रेवः यं यः हैं संस्थातहबः न्युर्यः ग्रेः श्लुः विषाः न्त्रीन्या शुःसुत्यः वयः तर्ने : येन्या हेयः हैः तर्ना येन्या वः रूटः यः यन्र र र्ने प्रयः हैवः पर्दः न्वरः व्राप्ति में वर्षः वेषः येषः यम्यः वृषः यथ। हः यदे व्याप्तवा हेः पर्ववः यह स यते.र्चरयाग्रीःश्लुप्ताञ्चरवेषायायाचेर्। क्षान्त्राक्षेत्रत्वेर्याम्बुरयाव्याञ्चे संराम्बन् नर्झे चेत्र यं गुत्र त्यत्र दे सुर वर्ष्ट्र श्रद् । केत्र केत्र केत्र नित्त तेत्र त्य व्यवस्य श्चेन्यान्यान्त्रात्र्नायान्त्रात्र्वेत्त्यान्त्याः च्याय:श्रद:ब्रीटः। च मुतः तर्रत्र वारा प्राप्त क्षा प्राप्त विष्यः हे त्विरः वः प्राप्त वार्षे वार्षा वार्षे वार्षा वार्षे वार्षा च.चयथ.६८.धरथ.हे। क्र्य.र्भ्य अक्र्य.क्षेत्र.बीय.तर.वीर.तर्थ ।र्म्य.पंचेय.श्रेय. रू.च.चशुट:रचःच*रवःद्वरच*:बर्चट:च.व.चल.ब्र.ब्रैंटःवेथःक्टेटः। ਉ**ਪ.**ਲੋਟ.ਰ×.ਬ. ब्रुकारा व । व ता हो हो र भित्र हें हें सा बादा है के प्राप्त हो के मूक्त पर हो हो है ता है के कि है कि है के कि है कि है के कि है कि है के कि है कि है के कि है क **बी. अव. त. ता वाय वाय वाय वाय क्ष्य क्ष 美.**点似.如. ल.व्.च.ध.२८.ध.२८.चश्चरय.तथ। र्व्याय.त.र्.र्र.वय.क्रय. □झ्र-वया नि.य.चतु.ल्यावयाग्रटायट्या.क्र्यायाङ्गर्माङ्गर्थाः द्वीत्।यरायतुत्राः हे। ळ्य.र्ट.क्र्य.ञ्च.घ.पा.ञ.चीयाता.चेयारचातकपा.चपु.ब्री.लुद्री क्रूट्यायार्ट.केपु.पर्टे.बया क्र्यान् इत्याध्य वर्षाय वर्षायाः इत्याक्ष्य वर्षायाः ढ़ॺॱॸॸॱढ़ॖॱॿॗॸॱॸॱॸॺ॓ॱॾॗॕॸॱॺ॓ॱड़ॺऻज़ॱढ़ॺॱढ़हढ़ॱय़ॱॸॸॱऻ<u>ॸ॓ॱॸ</u>ॺऻॹढ़ॺॱॴॸॸ बै.में ने.ब्रेट.ब्र.चक्र्याय.र्टा हिर.र्टर.हेर.क्रे.क्रं.ब्रेय.द्यायकर.व्यार्श्य

श्री |

श्रित् च च क्रिया च विष्ठ क्ष च क

यता श्रु:य:बळ्ट्र-प:दी यटवामुवागुग्व गुवायागुःश्रु:न्द्रवाया बळ्ट्र-पदी ام**چ**ک हेवःषःबळॅदःधःदी वद्यानुषाग्रुःधेरःतुःबळॅद हेवःष्यव्यायःवळॅदःधद्य। য়ৢয়৻तुॱয়ळॅ८ॱয়৻दी <u>रे.बे</u>देश.४८.बी.८४८.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स. बर्द्र न शुक्ष व धेव पदि बर्ळ र पा दी। यह या कुया रहा रे दे व के र हे व बर्द्र व सु व सु व सु व सु व य'य'षट्याक्यान्टः यळॅन् हे द्रावयया ठन् ग्री क्षेत्रानु यळॅन् यद्। 「公と公、型へ1.到、 ८वः त्याः ५८ तः हेवः शुः ने देः श्चे रः नुः श्चुः ना श्च नायः ५८ व स्त्रः ने व ः ना श्चे नायः सं नायः यः ग्वे नः यः लट् अह्र थे.थे.थे.व्यक्त तप्त अक्र्यं नियं विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व गडेगःगेः क्रंतः वेदःवेद्वययः वदःग्रेः क्रंतःवेदःद्वाः ।देवेः धेरः यद्वः दुः ग्रुरः यावेवः यः दर्ने .पाद र. सक्र दे.पा विया गुणिया ग्री जिस्ता ग्री ता स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा स्वरा यक्र्य-हेब्र-त्य-त्य-वक्र्य-द्र-क्षेत्र-व्यक्ष्य-वक्ष-वक्ष्यक्ष्य-वि-व्यक्ष्य-वि-व्यक्ष्य-वि-व्यक्ष्य-वि-व्यक्ष्य-व इ.स.बु.च सूर.बे तथा.कु.कु.जा वे बे था.च.बु.टु.चथा.कुट.कुथा.कु.कु.च.र्टा वे धीयाता. द्य. प्रे. चया ग्रीट. भेष. भेष. चया नेष्य. प्रया व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप **৺ৡ৸৻৸৻য়ড়ৄ৴৻৸৻ঀ৻ড়ৢ৶৻ৡ৴৻৴ঀৢ৴৻য়৴৻৸৻ঽয়৻৸৴৻ঀৢ৸৻ঀয়৸৻ঽ৸৻৸৻য়ড়৴৻৸৻য়** विषेत्रायान्त्रिताचात्राक्केत्। । त्रतानीयान्त्राचित्रः बह्चत्राचे। वेरत्रात्त्रः श्रृंबात्वरात्तरः चमः बेर्·धदेः र्चरः मैलः मलवः छेर्ः रुः बैःदह्णः धरः रदः मैलः त्यमः चर्रः वृकः छे**र्**ःधदे॥ ग्वन चेर्रित्र वर्षा यदे अकॅर्म यही रूर् तार् हर् कर्ष हर् किर् ॷॻॱॻॾ॒**ॴॱॻॱॻॺॕॸॖॱढ़ॺॺॱढ़ॸॱढ़ॏॸॱ**ऄॱक़ॖॺॱॻॱढ़ॸॣऀॱॸॄॻॱॻॏॺॱॺॾॕॸॖॱॻॱॿॖॺॱढ़ॱॻॸॣ॓ॱॸॸॱॱॱॱ नश्चल वर्ष मृत्रेय मृत्र चित्र मंत्री रूट मृत्व मृत्रेय मृत्रेय सुव स्ट प्र है। गुःनर्सन् वयतः गुःतत्रतः तुः के कृतः वै सः यः नृतः तत् व । हिन्यः नृतः नगुनः हिते यहन्

শ'বী ळ.वेर.रट.चर्चाता बु.य.वैच.तपुर्य.द्व. बूच.ची.वुट.च.रट.रप्य.कुव.वी.वि महें र.च. र्रः श्रर् .सं. श्रे .चया यरण क्या यथा रे दे . यळ र .हे या या यळ र .च दे । वि. के. च दे . बर्ळर्नायावी केन्रवितारानेर्वाचीयाध्यवानेन्यं बर्ळन्याकी नेप्यतान्देयाया नः न्रः न त्र रः वः न्रः वर्षे वः श्वयः भेवः श्वेषः न्रः। व्यः न्रः वृष्यः श्वेषः श्वेषः श्वेषः व्यः न्रः श्वेरः वगः यः वराः न् गदः विदः व्यायः द्रगः य्याः वर्षः यदः व्याः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः ्तुः न र्ष्ट्रः नः क्रेः न तु व र वेँ। । गुवः व षः क्रें व ः वॅट षः पः ठवः वः धेवः पदेः बर्ळे दः पः वे। म्बर्भर्रः र्यः यम् सेर्र्र् र्यः वे व्यव्याम्बद्धर् रम् द्वेर्रः रुः सेर्वः व्यव्याम्बर् वयाचेर्नान्त्। मुकासराचेर्नान्त्। बेबकाबाधेरवासराचेर्नामर्ता क्रणका र्खेन्यः नृहः अप्तर्देयः यरः वृष्ट्यः स्वायः छवः यः धेवः यवः ग्रेन्यः नृहः। थर्थ.भेथ.ज. र्नः यदे कुत्यः सं र्खेण्यः त्या केनः प्राप्तः स्वाः कुतः वयः शेः कुनः यः न्नः। शर्वेष.तपु. र्द्याय्यायक्षर्मान्द्रेन्त्रम् । यद्यवर्षित्र्र्यायःवी श्रम्यद्ववर्षानः ञ्चराष्ट्रवायः र्टः बरःवियात्वि नःर्टः मुः मुया ग्रीया मह् नः यः र्टः अमितः के मृतायः स्वायः यः र्टः। . नुब्ब- अट: ॲ: इ*२: उट*: य: बेब-य: २८: इ.य: य: उट: यह । ।

अर्'त्रा रे'त्वेत् ग्रेग्यर्पत्रे अर्डेर्'यः नेर्ग्यात्र्र्यः मेला पश्चित्रः याः ग्राम्यर् व्याः मेला पश्चित्रः याः मेला पश्चि

नदःस्र्राधातान्त्रम् तात्राम् क्रिक्रम् स्राधात्रस्य स्राधान्त्रम् स्राधान्त्रम् स्राधान्त्रम् स्राधान्त्रम् ळ्चेय.क्टर.टेब.क्ट.जुर.चप्ट.बक्ट्र.त.क्ट्र.त्य.क्टर.क्ट्र.जु. वयाधारम्य द्वा दे·यःद्वे-हम्,हुःश्रेयसः,वेशयः,चट्टे-च.र्टः,श्रंथसः,रम्परः,चसः **क्ष्रचारा ज्ञास्य ज्ञास्य अन्तर्भा** *|५मॅ|वःब*ळ्चाःम्चेवः५८ः५बःळ्चाःमञ्जयःवर्गेन्।यःवलःमञ्चरतः च्रुबं.तर.वेद्र| न*न्ग*-यंत्रायान्त्रुद्र-पदीः ब्रो-हॅग्-न्द-(तञ्चरानु:न्द-भेद-न्द-देव-यं:ब्रे-다.용지 **षःश्वातःसः स्वतः ग्रदः न्त्यः चरः ग्रुद्धः । श्चितः यदः अक्रदः यः वै। सः वः यः यह्यः वस्यः** ୖ୶**୶୶**ୖୠୣୄ୵୳୳ୣ୕୵୵ୄୠ୵ୄୄୄୄୡ୳ୄୄୄୠୄୄୣୄଌ୕ୣ୶୶୵୵୷ୡୢୡୣ୵୵୵୳ୄୄୡ୳୳୳ଵୖୄ୷୳ୣୣୣୣୣୣୄ୷୷୳ୣ୵୵୷୷ न्द्रवःन्द्र। विक्रूरंन्न्द्रःम्यःन्त्र्रात्त्र्रात्वःव्यक्ष्यःन्त्र्यःव्यक्ष्यःव्यव्यःव्यक्ष्यःव्यव्यःव्यव्यः ट. ब्रेना चेया ग्रमा ं तत्र यातुः नधना हुः ब्रेन् मा त चुरा मध्यामा दे हुना है। **ढ़**ॺॱॿॖऀॱढ़ॣॸॱॻॣॸॱॺॱॹॗॸॱॹॹॹॸॱ*ॸ॔ॸ*ऻ ৺ব্ৰেশ্বাৰ মাৰ্ম ক্ৰিন্ন ক্ৰিন্ ब्रेयत. ठव. चयत. ठर्. ग्री. यक्ष्मा. म्. श्रेय. त. रटा स्. री य. स. रहे. खे. हे म. द्धरःभेवःतुः र्गोवः वॅॱष्क्रवः धः र्दः। इंदः नशुवः ग्रुः हंदः केवः देवेः दिवाः हे वः वः नहिनः वि दःवधुदःचयःववदःवैगःवदःक्षयःयः १८। वहेगःहेदःव्यादर्यःयः वर्षःग्रेःसुदः **ॾॱॻ॑ज़ॱॿॺज़ॱॸॱॏॖॱॻ**ऻढ़ऀॱऀॺढ़ॱक़ॕॗॱॹॖॺॱॸॖॖॱॻज़ॺज़ॱढ़ज़ॱॺॾॕॸॱॱय़ढ़ॕऻॎऻॗॎऻॸ॓ॱॸॗॸॱज़ॱ लकार बिरामा क्षेत्र विकासि । दिकासिकार दे रहे रहे ने ना दि है है ने ना स्टार विकास विता विकास वि न्दः त्रा क्रेत्र क्री क्रें तः न्दः मी त्रापा न्दः मस्त्रा प्रते सक्रेत् । पा व व राष्ट्र से निव व

*ॏॖॖऀ*ज़ॱॻॖॸॱऄॢॸॱॿ**ज़ॱय़ॱढ़ज़ॱॺॾॕॸॱ**य़ॸॱॸॗय़॔ऻॎऻॗ॓ॱॴॸॱॿॖॸॱॻॖऀॱॺॕॖॱ**ॺॱॸॸॱ**ॺ॔ॱॺय़ऀॱऄॸॱज़ॱॿॱ नु वंश या धेवा ग्री माराम बरामा वंश ग्री श्री श्री वा स्था श्री वा स्था श्री वा साम श्री व ୢୠ୶**ୢ୷୷ୄଽ୷ୄ୶୷୳୷୵୷୷୷୷୷ୡ୷ୡ୷ୡ୷ୡ୷ୡ୷୷୷୷୷୷୷**ୡୄ୷୷୷୶୷ୡୄଌ୷୷ୗ न्येन वृ वित्रात्र भेव तु गभेव या विषा त्या के वा त्रे चका तु का का वा न न यम हुताया *অ*ॱॸॖॺॱय़ॱॸॖॺॱॻढ़ॏॱॿॺॺॱठॸॖॱॸॖॖॱॹॗढ़ॱ**क़ॸॱऄॸॱय़ॸॱॻॸ॓ॱऄॺऻॺॱऄॖॱॺॱ**ॺॕढ़ॱॻॸॖॻॱय़ॺॱॾॕॿॱ यः तर्ने : ता यदः न् न् : यदे : मृज्ञेतः प्रेत् : व्यतः ग्रुः : वेदः : वेदः यदः ग्रु रः ठेवा : ठेता *त्त्रा* नशुर्तरा भेराचु **चा चुरावा के**ला ने वा तुरावा प्रवास केला वा क्षेत्र वा विकास वा वा विकास वा व न्ड्रगणन्ड्रम् तथा हिन्न्र तर्ने नदे बैट्न न वी विह्ना हे व ग्रुवाय या यक्ष हे । हिन्दि दे द्वेदा नद्या द्वारा की व्यक्ष निवास वंबायायत्ववत्ववत्व्याव्यावक्रिंगायः वक्रिंगायदे। विक्रान्ति वेत्रान्ति विक्रान्ति विक्रान्ति विक्रान्ति विक्रा न्द्रिंग्चीयानद्री |इयानराश्चित्रायास्त्रीयायासक्ष्य | विवानश्चर्यामास्त्राम् ।विदा **बी.अक्ट्रबी.ज.च.अज.चट्ट.बुट.बी.अर्च्ट**..द्वा.लट.बुट्-च.पट्टी द्र.श्रृंज.कृट्य.च**बट.च**ट.

नर शुरा विकानशिरकारा क्षेत्र है। विक्रून्य थर न्हें का संस्था स्टारी *२५*-म.ज.५) च्यायाचा श्रद्धा व्याप्त स्थाप 다릥도·다ゟ·अቚ두·대·때·첫미점·다정· IJ도·अቚ두·다정·ቚ미·다정·크도·治도·청두·정·수·양·조·당 नर्गावै पर्यर्व वयरा वि स्व प्राचेत केत है। **य्र-पर्वव-री.बिक्र-राज्य-राज** यक्र्यात्रः व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत तृरःषॅरःद्रेःबःरुवः विषाः तुःश्वरःश्वंषःरेः यह यः वश्वः वर्षः वः श्वरःश्वंषः ग्रेः स्वा रल: न्ट. यं श्वर श्वेतः श्वर के हिट हे न खुवा हे व्यारेट सु प वि श्वें र अटर शिट मान्सुवा ब्र.ब्र.। र.के.ल.प.२.८८.२.२.५.५.ज्याय.त.चश्रट.क्ट.५.५वेज.चश्रट.च.केर अक्रॅर्न्'मः कुरः दुःतः नक्षा वृषा वासुता वः कें र र षः में रे तरः विगः हुः त्र्रा त्। वलःववः हवः पञ्चेदः वः हेः पञ्चरः तुः वर्षे । प्रश्नां चलः विरः वीः श्ववाः वेवः क्षेत्रः पञ्चयः हे। रेलागुडेग्'लाम्बेराज्यराकुःशुःस्'गुडेलाग्रुःश्रंताञ्चरान्नर। व्यानुरालार्वराम्बेराम्बेर श्रेयतान्यताक्षेत्राच्यताक्षेत्रात्यतात्व्यात्वान्त्रात्वान्तराष्ट्रात्यात्वरा लग्-त.च मुःहूद्राला स्वाद्याया परा ह्यालाहे। gt.घषथ.२८.१.१ूंब.बब.मेज.घ.४ धथा.प. 다워데·다·중·저조·저蓋수·다·저토수·저 전적·투적·영국·북도·중도·크주·국제·폴피·취제·다·주피 नेतावानम्बाद्या व्याप्ता वर्षे स्वतायता वर्षे स्वतायता वर्षे न्या न्या न्या न्या केता वर्षे न्रःधेदःयःदेःद्वःतुःद्वःयवद्वःद्वः। देःद्वःद्वेदःवन्यःयःद्वत्वःद्वःवव्ययःयळ्नः म्बर्थाः यर्थः मेथः र्टः वटः क्वार्यस्य र्वातः स्वर्यः तः वर्षः विषः मुश्राद्यः सः स्रेरः वर्षा

चलवः प्यतः के कुरुः के उत्तः नियः कुरुः नियः निर्मा निर

षवः षवः मेवः वेवः वेवः तवः नव्यवः वव्यवः ववः ववः वव्यवः नः श्चित्वः शुः वर्षः वः चः वः वः वः वः वः वः वः वः वः मुद्रेश नश्च.च.लय.५ व्हेट.चद्य.सब.लूब.२८। अब.८म.लय.५ व्हेट.चर्च। १८८.स. यानविः हवः मृत्रेयः यय। नविः हवः न्दः दिते न स्नः वययः मुः हेवः दिनः वर्षे वर्षेः ब्रेर्-सःब्रेद्र-बर्चिरयःजय। यटयःक्रेयःचठ्ठयःक्रेयःचयःब्रःविच। |र्व्यःचद्रःक्रयःग्रदः नथा शुःषिन। विस्वेयः तपुः र्वे तप्या शुःषिन। विषयः शुःषिनः तः र्रः इययः मु। इयः परः श्चेवः पत्रः पत्रयः व्याद्याष्ट्रप। । ठेवः ५८ः। धरः श्चेवः पश्चेवः पत्रः यवः ग्रुरः। श्चिप्तःस्टःपस्टःवययः बर्धान्यः स्ट्राचा । विषयः बर्धियः पट्टः स्ट्राक्टर्या । व्यः अञ्च.क्रेन.स्.क्र.ल. नहेर। सिला ग्रेया न क्या चरा मृत्या क्षेत्र । विता मृत्या स्था निवा मही ह्या स्था स्था स र्मा र्गत्यार्र्या अर्थेग् ज्ञार्गत्य राय्येयाया देवा प्रदेश अर्थाया । *बेवःन्*रः बळ्*वःइबलःख्। |ल्र्ंवःकुलःहेलःखुःन्वःचेन्*-व्रः। |न्*रःन्नःल्र्*लःकुलः श्चिपराञ्चरःप। ।देःर्गःश्चःशःकेर्ःयःथेव। ।वेराःग्वदःग्वेराःयदरःश्चरःवराःग्युर्यः तर्ने तर् नितः श्रुप्ता नित्रुवा ता पहे व र नि व नि व नि नि नि हे नि पा ते नित र्नायात्रव्यायात्री हैरारेप्तहेत्रप्राचेत्रप्रवाग्नीपाव्यवाग्रव्याव्यान्यात्र्या **ฆฺ๙.๚**๕.ౙৢื่ืํ๘.๚.฿๗๙.๑๕.๚ൕี๗๙.๚.๕ะ.๓ฺ๔๙.ൕิ.๒๕.๚.๕ะ.๓ฺ๔๙.ൕ.๗ํ.๗ํ๚๛๛. हृंदःसःन्रः**ऋषःन्रः**श्चेषाषःस्दःसःशःश्वराःत्रुषःत्रुःचत्रः वर्ष्ट्रचःमःद्री र्वरंगेया ययःरद्भागवयग्यःराङ्ग्ययःहरावःर्रः दर्गःपरः द्युरः वर्षे। मः वर्ष्यः म्यान्यः स्टर्मः श्रीयः स्वर्धः स्वर्धः श्रीः वरः तृः प्रश्नरः परः वश्रीः वरः वरः वश्रीः वरः वर्षः मःर्दः स्ट्यामः बर्द्धर्यः परः श्रुंद्रायः र्दः। वह्नद्रायः यः द्रविः द्रव्यत्यः श्रीः धर्दः द्रव्यतः श्रीः धर् दरः विरः न् नतः नरः तशुरः नः ने। क्रीयः सुः नयः स्कृतः करः क्षेत्रः सः तः संन्यायः न् ग्रीयः चर्षा क्ष. इयरा है. क्षेर. र नियः चर्चा के. ने 'क्ष. विन' चर्ना क्षेप्रथः श्री प्रम् ना ने-वे-पर्ग-ठग-गे-ग्रंगल-शु-दश्चर-पर-दर-र्र-ह्रुब-दल व्यवः सदः तुः गवयः ध्यः व। छर्-र्नतः बेर-छर्-रु-वर्ष्ट्र-पर्कर् छर्-रु-वर्ष्ट्र । अव-रन्न-वर्षः वर्षः बर.त.थरथ.बेथ.तर.केर.त.व्री श्रीय.क्रि.प.पर्म्य.क्ष्य. ळ्य.ज.च मु ८.जळ। बर.री.ब्रंट.वेपटा। ह.स.र्ट. वेंड्रे.च.श्चेचय.प्र्याय.प्रेचेट्नरः ग्रेग्यायायाः श्चेचयाय्य् इचः दबः बः च हरः चः वः चुद्र। । देवः दः इनः बरः बर्वः कुवः चरः छुरः चः वः र्गोदः ब्रह्मः। न्तुयाताक्षेटावनायावयाक्षंद्रायातायन्यात्रम्यात्रम्यात्र्वेदायान्त्रम्यान्त्रीयान्त्री। देःस्रेट्रद्रान्यान्त च्याः चर्याः क्याः चर्याः क्याः व्याः व्याः व्याः क्याः व्याः व्याः क्याः व्याः क्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व शुरायाधितार्दे। विवादिता। श्रीमवात्यं महितात्वात्यः विवाद्यात्यः विवाद्यः विवादः व भिन्यात्य्.च। र्र.कु.र्ब्याचक्चर्.क्ष.च.लुव। बियानश्चर्याने। श्वेनयाद्यंयास्टर

न्त्रात्तीः न्यायान्त्राचा क्रम्या क्रम ाई्ब. चयन्त्र, तथ्, कु. हुन्। स्थयः चर्यन्यः भेटः यह्न्। पश्चरः चर्वे। पश्चरः चर्थे। पश्चरः चर्थे। पश्चरः चर्थे। पश्चरः चर् **शु**:श्चिप्याशु:त्र्ज्ञ.पया:श्वेषा:यर्षाः कृष्य:यरः कृष्य:यरे श्रव्याःशुः वर्षेत्रःयवा:वी:ह्रं व्ययःयः वर्ह्न्यःयः र्वर-वृद्दःबे्बरम्बुर्द्धरम्य। यम्.मु:श्रुःचर-दश्चर-मद्देःस्देःत्वरःश्रुवर्द्धःच्यर्वा देर-बःक्रुकःमःक्षे-तुःक्षे श्रुमकःदर्जःग्रुकःपकःम्दर्भः श्रुकः द्वान्यदेः क्रुर-स् । ग्रहः वयःश्व| १रे.८्न.के.ल.लेयः५इच.२| वियःक्षयः८८.८्ने.५र्थःवःवःवःवः न्तः नेश्वरः नश्चरः म् । र्या.च.र्च.चयंत्रेययः ततुः र्वताः सः पः व.चयंत्रयः तत्रः पः वीरः व। वः पः व. पः व. पः हरः धरः तश्चरः रा । पर्यरः वययः कुः केवः यः न्यं न्यं न्यः वि स्र स्वत्रः सः क्षरः रा । रवः त्रॉन् के सिंदान प्राप्तः । इं स्थाया नेया प्रम् । वि न्दा के स्थाया के क्ष्वायामान् वर्षायया पहिनायामया सुनामित के स्वयादी । विवाकिरारी प्राप्त **ञ्चप्यारे मिंड मं अप्येद विदा । ञ्चिपयारे** अळॅग ग्चुर अप्येद या । ञ्चिपयारे या वित्र प्रेप्त हे द वयः ग्रदः । विष्यः तह्यः गुवः ययः वेः श्वायः विदः । । वदः हः वदः विषः यदयः क्वयः न्दः । । <u> इथ.रट.र मु.५२४ अन्य.४८.ज| द्विम.पर्जल.क्वेम.पर्जल.भीय.पर्वट.रट.|</u> चर्च्याः धर्वाः पर्वाः पर्वाः विद्यावाः विद्यावाः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्य धरः तश्चरः तश्चरः न्दः। । तस्य वरः यदे । या अनुवर्ताने नार्षे में भीवा के शिवरा है। अनुवर्ता ने अर्थे ने अर्थे ने अर्थे ने अर्थे ने अर्थे ने अर्थे ने अ नहे द.दव. श्रम्। द्विमानस्यागुदायकार्म्यानस्यः तश्रम। विवासश्रम् स्याम्। विवासश्रम् त्रैरःशुःक्षेत्रीयःह्वरःवित्रायःश्चरःयःयात्रःयातःयदिः निष्ठः अवसः द्वेरः छुद्। ठिः नयसयः **ঘ**'ল্লব্য ডদ্'ন্লুব'ঘ'বী **ॾॕ**ॺॱख़ॖॺॱॻॖऀॱय़ॖॱॸॱॴॸॱॹॗॸॱय़ढ़ऀॱक़ॕॖॴॱॺ*ॸॱॸ*ऒॕॺॱॺॾॕॴॱॴ वर्ळ ५ किए। क्रुक्त शुर्वर द्वार द्वार प्रतापन प्रतापन प्रतापन प्रतापन प्रतापन प्रतापन प्रतापन प्रतापन प्रतापन ब्रदः चेबा बुबा या या ५५ म्या श्री विश्व श्री द्वा स्था । **ॿॖ**ᠵॱत्'दळ॔८ॱक़ॗॗॱऺॻॱढ़ऀ। वेषः मुश्चर्षा न्यः देषु द्वार्षः इषः हेर् केर् क्षेत्रः सुवरा न्दं सहया वरा यशा हिर् यर ठवः यः श्रुंयः या देश दे रेर ये वे वे व्यापा पर तकर कुर्दा । रे क्षेर पव प्यंत इद धर मुल दल वारे ता के दायद मार्श्व या न्दा संस्दाय दा महासा मुल सामित स्वा मुल स रे.र्नानी.हिर.रे.र्गेव.अळ्ना.न १८.व.व.व.क्.र्या.गीव.पे.र्वेन.चर्ता.विर. नदे क्षेत्र हैं तान न गुर क्षुनरा बै न हर हैं क्षेत्र नु स्यर स्ट के त्या नु विद । न्र उं अ ग्री केर् र तु प्यतः श्रुवयः निर्दे र विदे केन् श्रु वरः वी ग्रुव् विद् वित् विद् वित् विर विर विदे प इययः नशुरः हे 'विरयः यः यहरः है' | रे 'हेर हिव स्ट मी पश्चर छ है न है । यथ है व त्र्येयः नरः द्युदः वः च वेदः धेदः या स्.स्रु-पश्चनःवे.र्ट. प्.चेश्वःवे. बर्ट् र्डं जव्य त्तर्रः हे. त्रः चिषु वः दी श्चित्रः त्र्राः ध्वः त्याः हुनः त्याः त्याः त्र्रीः स्

र्विटः दशःसुबः यः यः यः यक्तुन् यदेः यबः देवः दशः द वुटः हेः | | पञ्चयः ग्रुः **देः दगः** दृषः द गयः ঢ়৾৽ঀ৾৽ড়য়য়৽য়৽ৼৼ৽ঀঢ়ৼ৽ঢ়য়৾৽ড়য়৽য়ৢয়৽ড়৻য়৽য়ৢঀ **৸**৽ৡ৾ঀ৽ৠয়ৠঽ৽ঀৢ৽ৼৼ৽<mark>ৼ৽</mark> बर्ळेर्:य:क्रे:र्वुग:र्ट: तगतःवःगहेंट: वर:तर्रेर्:या षिःश्चेत्राः श्वाद्यः यश्चेतः श्चः श्चेः **यः** ण्युयः न्रः तण्यायः हे न्युयः ग्रॅंरः चरः तर्न्ः ने । द्वायः व्ययः प्रवे कुरः हे न्र्।। ऍ॔**ज़ॱॻॖॸॱॷॕॻॱॺऀॱऄॗॸॱ**ਘॸॱऄॱॺऻॸॕॸॱॸॱॸॣॸॱढ़ॺॶॱॸॱ**ढ़ऀॱऄॗॸ**ॺॱढ़ॶॕॱॺऻॸॕॸॱय़ॱॸॣॾॕॹॱऀॿॸॱॱॱ दे'निवेदारु-द्रमेंदासळेग्नाषुस्यसम्हरायदारे-द्रमाद्राः से सहुद्राधि क्षेत्रायाया ल. श्र. त्राचित्यः त्रकः वाक्षेटः त्या क्षेत्रः व्याच्याः व्याचयः व्याच्याः व्याच् ण्ड्रेट:कु:बेद'पर:लेबल'स्। |दे'स्रेर:द:क्षुपर्यःशु:दःवें'पःदे'रूट्यःकुराग्रु:पस्रेद'पःयः ५६ ग्रायते क्वं क्वं पंरणेवा बैटा श्विप्तात् में क्वं मार्च स्वास्त्र वा स्वास्त्र श्वर स्वास्त्र श्वर प्रायः ळव-५व-ग्री-छ-५-परः इयलः क्रेुःश्चः बैदः तृयलः र्गादः नलः बॅदः दलः बॅदः रुः त बेलः परः त शुरः नलः स्रूरः **ॻঀॸॣॱय़ॱढ़ॸॱढ़ॾ॓ॻॺॱय़ॱॸॣॸॱॲढ़ॱॸढ़ॱड़ढ़ॱय़ॱॺॕॻॺॱॻॖऀॱॿॗ॔ॱढ़ॺॱॷॖॻॺॱॹॖॱॻऻॖॖॖॖॗॸॣॱढ़ऀॸॱॸॆॣढ़ऀॱॱ** ८व.५मूर.श्रु.म.मथ्यथा.नथ.५६वया.म.च। रे.ज्या.श्रुम.नपु.श्रुम्यः व्रह्मा नशियः लवः या *ने*ॱ^{त्रा}श्चिम्तर्गुप्तत्तुरः वैदःनेद्रैः मञ्चनः चुः न्दः सः द ग्रायः वरः चुत्रः सः द ञ्चपराग्रेराः है : क्षेत्रः श्कॅपः क्षेत्रः द| इवाराया । श्रीतः परिः चुनः चुनः चुनः यथा । दाराः वै.हिन् रुगः इसरायाय ह्रदा नि प्वितः गमेगराय ह्रदाय हो ।हिन् रुगः इसरा हिरा ीबुल.चुशुम्ल.स.क्षर। लम्ल.कुल.वु.क्षुचल.क्ष्रंव.स.र्म.रचे.प्रुव.वु. र्गेलर्स।

तथा।

त्रुट्रान्द्रिंगव्यायेद्राद्री देवाळेवार्थरायाया वीद्रेगेपायवास्यागुव्या देःमबैदःमदःदर्भः वययः ठर् दे । द्वे ययः मरे दर्भे वययः ठर् द्रः। अि मा सुदे नि नरे'न'र्ग विषागशुर्यार्थं रिदेश्वरम्ने'न'र्रः धृगःनस्याह्यकाही कुः बेर्'म लया बैटा चार्टा । बाद्वास्तिर दिन दिन स्थान स्था श्रवास्य म् वो श्री म् वोदी त्याता श्री त्याया में स्त्रवा श्री म्हा मा म में स्त्रवा वी हिन्स मा स्रास्त्रवाता या द्रवलः गुरः वलः नवेलः ग्रेः षुर्-परः ङः द्वेन्तः यः वलः द्वरः चरः ग्रुरः वरः वहः वरः त्रं त्रंरः ः ः मः व्यक्षः ठर्'ग्रीः पदः र्वाः पदेः क्षः नः वेकासः र्वारः पदिः ळवात्रावः ग्रीः विदः नव्यविदः नव्याः पदि। लय. प व जा. के व जा. प लयः श्चः न ने न किरारी लया ग्वराय श्वराय श्वराय श्वराय श्वराय करा ने न कुःदन्नराग्नुःदवेयःद<u>र</u>्भः नः देश्वेः र्रयःग्रीःकुःदन्नरायः वेर्ःर्र्। |रेःषटः **४** श्रवः यवा म.क्टर.टे.वेथ.तथ.केट.। विह्ना.हेद.स.र्फायह्नाय.क्ट्र-रटा सिट.ग्रंथ.क्ट्र-स्. |विरामनाविराम्याप्ति । विविद्यान्ति । विविद्यान्ति । विविद्यान्ति । विविद्यान्ति । विविद्यान्ति । विविद्यान्ति । **গ্রন্থ ক্র** गुरा । तहनाहेव.स.स्यापरे.केव.परेवा ।र्व.केव.रना.गुर.केर.प.गुर.हा ।पत्र इययः स्वायः क्षेत्राक्षेत्रायः विद्या विद्याला विद्याला विद्याला क्ष्यान्त्रात् विद्याना दे·**षद**ॱर्वु ग्रु पुरः पते अवतः पर्हेद् प्यारेकायः क्रुद्धियः दे | युदः वृद्धिः यहा <u>ਫ਼ੑ੶</u>ੑੑਜ਼ਗ਼ਫ਼੶ਫ਼੶ਜ਼ੑਫ਼੶ਫ਼ੑਫ਼੶ਜ਼ਸ਼੶ਜ਼ਗ਼ਜ਼ਫ਼ੑਲ਼੶ਖ਼ਫ਼੶ਖ਼ੑੑਜ਼੶ਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼੶ੑਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼੶ਫ਼ੑਜ਼੶ਫ਼ੑਲ਼੶ਜ਼ੑਜ਼੶ਫ਼ੑਲ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ 使、口雪、てた、ゆ、子可な、使、口雪、てた、向た、口、てた、別た、使、口雪、な、っち、「これ、「これ、「これ、「」 なだ たない 別 本・ वयात वृत्ता वर्षे न वर्षे र द्वा वर्षे र र वर्षे या र र विवाद र खर-र्रः बह्रका विवादिः तथा न कु.च. स्वीयः तथा देशः धरः वृद्। विविवः परः हैयः

प्रियमः नरः ऋ.चा.रटः ५ छ.च.रटः क्षे.च.च बु.जय। व्रि.ज.ज.वे त्रमः मेटः स्व.च बीयः स्टर्यः नश्चरताने। मुःसहयावियामालय। पर्वसास्याप्तानामान्त्रीक्रान्नामञ्जापदे रू चरःकुः अळें ळेदः चंदेः दरः दः नद्याप्यः प्रः। नरः मेः छेः रेः प्रे देवा विवायः यः दिवरः यः **८६नः८६नःहेदःरुःग्वरःपःदेदःळे**दिःकुःबळेस्ळेदःर्यदेःदरःदःषुःगुःर्रःसुदेःरुःर्रःसुदेःसुः इं.र् म.थेर.चर.बैर.धे.तर्म.बैर.प्रूर.पंर.वेर.बैर। च इंबर्डिय.पर्थार्स्डे.बै. बळळे केवरवंदे वरावा हा रामा है ति ति रामा है है है से हैं है से हैं से स्वाधित है हैं से हैं से हैं से स्वाधित है हैं है से हैं से हैं से हैं है है से हैं है है से हैं है से है है से हैं है से है से हैं से हैं है से है से हैं है से है से हैं से हैं से हैं है है से हैं है से है है से हैं है है से हैं है से चरतःग्रुःबद्यतः ह्रेन्यः धरः ब्रे.बुवः वन्यः व्रा वह्यः वृतः दर्यः दर्गः वर्षः वादः वादः वादः पड्रम.र्थ.प्रेथ.प्राचित.क्षेत्य.त। श्रीपु.पर्वा.स्.वार.र्वा. क्रेद्र'वे'गर'यग्रा ৶ঀঀ৻ঀ৴৻ঀঀ৻ৼয়৻ঀ৾ঀ৾৾ৼয়৻ঀঀ৾৸৻ঀ৻৸৴ঀ৻ঀ৾৻ঀ৾য়৻৻ৼ৾৸৻ঢ়য়ঀ৻৴ঀ৾৻ঀ৻ড়ৼ৶৻ঀ৾৻ ৽ इंचयात्राच्याच्यात्रे। इ.च.वेशयात्र्राट्यात्रुत्याव्ययात्रार्ट्यक्षेत्रात्र्या ल्ट्य.धि.र्झ्चाय.त्र-त्र-ञ्च.च्याया र्श्वेषाचा स्वयाशुः वै शिक्षेण वि त्यया वया सुते क्षेण वया स्वया शुः क्षेण वर्षा स्वया शुः क्षेण वर्षा स्वया शु बुद्यान्युद्धरतात्त्र।।

नस्वाराताधेन् केयापदे नयसमा अनुस्यापदे न्नर मेया दे सुर द्या 77.35.1 **८४० हे क्ष.र्ट्या अ.श्रे.**ब्रेटा वश्चलताच हारा प्रति तातक हा सारी प्रति विकास **रा.**ज.चे में. कुर्य.ज.खे मेथा स. ऋथथा श्र.मा धू मेथा रा.च श्रया २८ . ग्रीट.श्र.ट ये. जया ५ ८ ५ . चर.... |देवे:क्वेर:दगार:वग:वी:यक्ष:स्र.सं:यप्:श्रीव:ब:वविद:हेव:क्व:वादवरकःवकः *ॻॸॆॱॹॖॺ*ॱळेदॱय़ॕॱऄॗॖॸॖॱय़ॱॴॸॆऺऺऺऺ॑ज़ॱॻड़ढ़ॱय़ॸॱॻॖॴढ़ॺज़ॸॏॱॻढ़ऀॱॴॴय़ॱॺॕॱढ़ॴॻॖॸॱॿॗॸॱॱॱ *नः र्*टः। कृषःक्षरः अत्राज्ञातः क्ष्रांटः चः तः त्वर्तः प्राप्तः चः क्षेत्रे। अव्यतः त्या व्याप्तः त्याः चु: २ मः मृद्याः मृद्याः । मृतः वः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः वः प्रतेताः । विम्यायः यतः चुकः २ दः केकः यतः । <u> चला । ने न्वात्वे प्रदेश्वा शुप्त द्वा । । हे क्षेत्र यय प्रमुव्य तुराय न्व</u> ख्नातः द्वनान व्याप्त म् । दे प्रवेद । ये प्रवेद । विवयः ठवः द्वा वे क्ष्मा ने निविदालका न वरा प्रकार में विद्याला उदार ना दे न ने त में राव में र्टः। । ईनाःसः वेदः हुः हुटः हुः यदरः। । वेः न्द्रं क्ष्यः हुः पङ्गाद्ये । हुः थेः वेन्यायः । नवनवातः सवः भ्रदः । विद्रदः छेदः । विद्यः नदः । विद्यः नदः । विद्यः नदः । चलान्त्र प्राप्ति । द्विः प्रविद्धाः स्टाया तेयतः भेग । द्वः धेः विग्रायः क्षुरः पः धेरा । ॅर्झ्-इ.केद्र-बट्-द-दे-द-बेद-द्र| । हुन्-चन्-द-व-बन्द-दि-ध्नेन-धन-ग्रुन्-। । च्रैन-ध-र-द-हु-न्दः चरः तश्चर। | द् ने : चः हुदः इकः च द् नः वे दः श्वे। | द्वेः च वे वः श्वेः द्वरः श्वेश्वरः भेग । **ख़ॱ**ऀॳॱॾऀॿज़ॱय़ॱख़ॣॸॱॸॱऀॺॴॗऻॶॗॺॱक़ॆढ़ॱॿॸॱॸॱॸऀॱॸढ़ॎॏढ़ॱॸॗऻॗऻॗॗॗढ़ॸॱॿॸॱॸज़ॿज़ॱॻढ़ॱॸॗॿ॓ न.ल्या निक्षान.रच.पे.बार.नर.पश्चरा वियानरा श्चेयारचयात्याश्चरा। र्बे र्दः बै: द्वेदे: यत्रः इवराः व्यापान्य । वि: इवरा या वै: दर्देशः या वै: दर्देशः या वै: दर्देशः या वै: दर्देशः य ॱॳॖॱतुॱॸ॔ॿॱऄॸॱॸॖऀॱॴॱॻॿॗऀॴॴॻॖॸॱऻॎऄॎॱॸॺॴॿढ़ॎॸॵॎॱॴॴॸढ़ॎॏढ़ॱड़ॖॏॗॕॸऻ**ऻ**ॸॸ**ॱॸॗॱ**

ब्रे**व-८८-६**७.विवय-प-४विष-अ-ब्रुट्य-४। १२वय-८८-वर्श्ववय-८८-यट-४वे-४४-५४ इयय.रट.व्। क्षित्य.वु.रत.पे.कु.वुट.वूर.इयय.क्षेत्र.वट.रटा क्षि.वाद.कु.ज.खु रन. र्थ. ह्रीय. रट. क्ल. व्रिथ्य. त. स्वीय. ल्य. १ य. क्या १ १ र इ. र. क्या क्या ह्या हुत्रा बळ्ळ. चर. च. च वेव । व्रि. बर्द. क्र. व. रेव. चर. च के व. च व्याप्त व वेत. QQ、QQ、Q是可考す。及べ、我们、您 | 口子、イエ、多可、口軽心、QQ工、口工、工口、及、产切、目切、有切 | कृषायः श्रम्यः हे . द मे . यदे . यया या स्या हु . य य द । । १८५ या खेर . या र मा दे . हे स्या य र र चरःश्चेत्। ।डेबःस्। ।त्यवः यः चेवः चः न्तः श्चेतः चते। चनेःश्चेनःश्चेदः चतेः श्चेतः स्त्रः। नपु.जय.च.चयनव.व। जय.रेपु.पचय.चे.चर्.क्रेना.नेध्य.क्रुट्र.च.क्रे। क्रेंब्र.तय. 寒山台. चंट्य. अटे. त. पथ्येथ. तपु. पच्य. पी. पा. श्रुंट्र. त. स्थय. ग्रेथ. ग्रेट्र. व. च्यय. कर्रत्याचा ची र में या ग्राम्स महिना प्रया र में या सः धेव से । याया ग्राया स्वर् से अर ग्राया स्वर् से अर ग्रा वै। तथार्ने नार्टा केर्ने ना मुकाया इयल ग्रील थेर् रु दिराम रूर के दिरा मदे तस्त वि.पविष्यान्त्रे। विर.सर.पलम्यान्ह्र्राया। विषावे स्थयादी र्मे क्यार्म म.जब.चल्व.पस.चर.ञ्च। वित्रचेत्रचत्रक्त.च.प्टा वि.च्याच.पटाचर.चर.चर.चर. नेशिटथा | बुकार्टा हेट.इ.पह्रेब.बी.केष.स्.जब.बीटा ट्रे.लट.वेश.बेब.इ.ब.सर. श्च.पश्चर.श्ची । नेवय.श्चितास्य स्थानमः पश्चरः चयः वश्चरः चयः श्चरः । व्रियः प्राच्याः र्था । क्रेर.व.जय.२व. इन्नय.ज.वी ।पद्यय.वी.री.र्वा.वी.राच क्रीर.व.वेरी ।द्रया वीवर्य. MI

मोबेदा.त.ध्र.प्र. हो.के.चथन्नत्ताताचावेदा। जयायन्न क्रि.मेझ.चर्राच हेत्राच हेता

मयान्त्रत्वतातुः वृह्वतात्वात्वात्वात्वा । द्रायाः वै। दे त्वरावदे द्वार्षाः कुः तवरात्वा लय.र्ट.पवंय.पीपु.क्ष्याहापट्टाचाबुबा.पाच्चा.बराह्याचाचक्केर्या रेग्'य'रेषा निरार् रामित्र है रामित्र हैं महा अप्ती प्रती के प्रती विश्व विषय कर भाषा है भाषा हुर अप कुर अप कुर है । प्रती के र वे स्वरं अप त्रु:ळे:ॺॅट:८व:२वव:ध:व:व:व:व:व:वं:वदे:ववि:वेद:हु:ळे:घ:इवव। वटव:कुव:व ठॅव:व्द त्रतानीयानवर्ग्नश्यावयावनाः मेंदी त्यायायान हुरान्यार्या भेरा दे न्नाः श्रद्यावः दॅव-वैव-हु-ळे-पदे-ववन-इय**ल**-गुद-पङ्ग-पर्-पर-वृत्तेव्यल-वय-नृत्त-देवे-यय-यय---मङ्ग्वाह्यरुक्ताहे। बहूर्याचा रे.जयाक्राह्मरामङ्गवाद्याची ।रेनीर्राचीरक्र देगवास्त्र । विवाधिः त्यादीः पद्धरः गृद्धरवः व्या । विवादः । युरः इयः युष्ठेरः यवः गुरा रमः इस्यानशुर विर भेर ग्रेयारन म्यया है। यिया ग्रेया से में न र मा से डेन्-इन्। । पाया पाया पाया पाया पाया पाया प्राप्त ने निर्माण पाया प्राप्त पाया दे नेवा वया ने न वा वी गुव क्षें र उंथा वया गुर न स्थया है क्षें वाह्य या ने न वा नर यो या त है या ग र्टा लट्-रे.चर्च्यायासाल्याहे। में अक्ष्यां बियासालया र में चित्र क्ष्या स्थया वेया चिराना वै। इ.र.. श्रु. र मुदे. सुव शुयाळ ग्यायि स. यदे हे व वें। १९व विया रू. र र यरयाक्याग्री:वराक्ष्याग्री:सामदे:हेवार्या । व्रावायेनायायाम् नामान्यायाया ढ्नाक्रेडिं चतुः हेवार्चे। ।इत्यतः हेवालटा बटा खेरवी यदी क्षेडिं। द्वी मान खुदालयः इया है। वेया दर्ग सुदे पर्मा या द्ये राज्य स्टर्स स रायाम्बरानि ने न्यामी म्वरावी राधिव क्षा । सुदी पर्या में ने प्वेव न्या प्या นฮล.น์.ชฐน.ถ. ปะ. ชะ.ชะพ.พิพ.พิ.ละ. ซิน.ปะ.ลิะ. ซิน.ชุลพ.ปะเช. ผี้ป.ถ.... য়য়য়৾৽ঽ৴৾৴ৼ৾৽য়ৼয়৽য়ৢয়৽য়ৢ৾৽য়য়য়৽য়ৼ৽য়ৢ৽ঀঀয়৽ড়ঀ৽ৼৢ৾৾ঀ |बेदा:महारद्या | देवे क्विरायान कुरवेत यह व्याची न के प्वराधी में विषया यान स्वाया प्रवे हेव। र्वः **站.**ज.प**र्थं**ची.त.जय.प्रेट.| ५.५५५ श्रे.द.६४४८.८८.चिथंट.श्रेथ.८८.| ।४८.वेर.क्ष्य.ज. च न ग े हे न : हे ल : इस्ता स्थल : न न म क्या के स्थल : न न स्थल : न न स्थल : न न स्थल : न स्थल : न स्थल : न स च न ग े हे न : हे न स्थल : न ब्रह्मदुःश्चुःद्वैःद्वैःद्वैःद्वैयःविद्ययःययः नविदःशेन्। विदःश्वेरः द्वैयः विवयः झे. ऱे.पा.लट. र्व्याय्वय्यत्यट् पट्टिव् व्यानश्चरः कुः येट् गुटः। क्रिक् इ.धेग. ळेव. पद्र | | वेष. श्र. व. वे. वेष. १ स्. दे । यह. क्षेट. द्वं र यह. पदा र वे. पद. प्रया र वे. पद. प्रया व क् इ.५१.८म.मुथ.४८थ.मेथ.थी.५ कीर.मी। मेट.ह.सीर.५३५.५३५.घर.से.घ.व.८मे.चय.पथ. गुःलबःगडेगःडबःयटःबेःश्वदःल। द्वःगुदःळगःदिःश्वरःदःवेःवेगःयःळवःयःयःहे। र.धि.वे.बुट.त.लट.रे बे.तर.र्ह्रवयात्तर्वे.वेट.क्व.ह्रयाष्ट्रप्यं.बुयाच्याचेर.वे। बटाचयारे.वे. गुःश्वर स्रायहेण हेव ता शुः पर चेर्पा कर्पार शुः पर शुः रे सर्वा पविदः रुप्त के र्थ.वुर.इर.प्रच.तर.कुर.चर.प्राप्ता विक.चिश्चर्था विच.तर.कुर.च अथ.

ठर्-मु-८व-५ मुद्र-बेर-ने इय-ग्रह्म-वर-ग्रह्म।

लय.र्र. ५ च्या.ची. निष्य. त.र् च च नः त. नी ख्या वन यद्भारत्य प्रवास्त्र र्गर-वृष्ठ-जवात्व्यार्टः। जयाग्री-इयार्ष्ठे-ग्विन्वस्यहेत्। ।र्रः वात्वाध्या वना-चंदी-तथा-तथा-न्द्र्या-नः। कु.स्ट.न कु.स्ट.न देना-ने-त न्यानी-त न्यानी-त न्यानी-त न्यानी-त पद्या न्दः यं दी अँग गर्डन्य ग्रा ले दी य नहीं पर मही न्दः यह नेयान्द नवसम् न्रः कृतः स्राप्तः न्रः वहतः है। स्राप्तः गुर्तः गुर्नः । वरः नः गृत्वसम् वस्रः मञ्जूराने प्रमन्त्र तह नाया परे वितान में त्राया नता वे त्याया नि त्या श्रेना नह ना की न्विदी श्रमान्दात्वरावि सेयाराज्य हो। देः यदः न्यंत्रः यादः न्यंत्रः व्यक्षितः चतः वैनायः वर्ः ही। अवरः वनः वनः वर्षः क्रवायास्यास्यास्यास्यान्त्रात्वा विषयास्यायान्यान्याया न्दः तेवलः ठवः वेवः यः लः तेवलः ठवः वेवः परः ततुः नेलः यः न्दः तेवलः ठवः तुः ततुः नेलः यः मिलिक्षे तर्नु मेयान्द में न्द मायुवाया दे यात् विष्या न न्दा मुद्रेयाया न्दा में विष्या न न्दा में विष्या न न बहुवानदी विदेशवागुनःक्षेराचे ज्ञानःक्षान्य । क्ष्याचेदाविकान्य विद्यान्य विद्यान विद्यान्य विद् **ब्रुं र-प-प इयराय व वर्षे र-ब्रुं व पु र व राम्य प्रमाय व र में राम्य विक्षा के राम्य प्रमाय व र में राम्य प्रमाय व** के.चे.पाय री.भेथा या प्रविषाया र मूथा भेटा। ह्यें रामदारीया था बादा हिटा पटा मूथरा श्रेयाया त्तुद:श्वॅर:श्वे:ताःल्वाय:म:**पॅर**:द:दर्-देय:ब:दव्वत:प:बे:र्वेय:य् । ह्वंतादर्-दे:क्वाःव: र्गुःलःथरःकेःरेग्वःधरःवेषःधरःवेषः।वृद्धं वृद्धर्वःधर्वः च्वां गृत्वःग्वःवारःठरःरः॥ गुव-श्वॅर-वै। नवर-धर-५र्र्-पर्व। ।श्वॅर-घ-व-श्वॅर-घ-ध-वै। रर-वैव-छक-धदक

श्रुरःपदेः दे दे बडेव वया न्बर हेर र. ५.५६ न स न्वेश नर हरा हरा है। बुग दी ब्रूं र पर देवे कुद कुरा पर र पर यं देवे के दया दुरा मावद के के दे पदा दि <u> पर यह र ज्या इ र र यह या हु में र जा । र र या विषय में या विषय हु या है र र । ।</u> *बेषः गश्चरषः घः वे : वर्तरः भदः वर्ते* । वा चेषः धरः येषः यदेः गृषे वे । गृष्यः ग्रीषः स्तरः थ्रि.च ब्री.च प्रमाना विश्व व्यापाया विश्व व्यापाया विश्व बॅर्यावी इरावविवार्वे। ।गुवार्श्वरावेषाम्बराधरायास्यास्यायसान्द्रयावरावर्द्र यत्। । श्रुंर.व.त.सुंर.व.स.वे.स्र.१८.५५.वा श्रुंर.ववे.स.वे.अवुतातस्वायः न्टः र्टः न्यः विवरा न्वतः ग्रीयः ग्रटः यः ग्रीवः यरः तेवः यः र्टः । रटः हयः न्वतः ग्रीः र्वः व्यः सःस्यायान्त्रं न्यायास्य न्यायते हिरानु होन् नत्रात्र होन्या होन्यान्त्र होन्या । सहराह्यन वै। पष्टुरमः त्यत्य। मद्यः मत्वरः मुक्षः पद्। विषः म्युर्त्यः स्व। विर्देशः र्द्र्यः त्यः वे अधिये.त. अर. लट. र्था. येथ्य. येथ्य. येथ्य. येथ्य. येथ्य. येथ्य. येथे. येथे ल्यायात्तान्यान्यत्यत्र्र्यः श्रेत्रः श्रेत्रः यहत्रः श्रुणः विष्णः न्यत्यः विष्णः विष्णः विष्णः विष्णः विष्णः **뷫.훩쇠.러섯**1 |दे.लट.५इंग.१.५६म.नदबःभर-५६म.**४.**८ंग्ल.क्रेथ.नथ.क्र्मा.हे| रर. गैथ. थ. मेथ. ग्रर. बर गथ. तथ. स. र्या. स. प्रा. प् 54x.21 न्यूर्रिः प्रध्याः व्याच्यः यः रह्यः नविदः कृनः यः द्विरः यः चवितः व्राचाः व्याच्यः नव्याः यदः मिले की तहमा पर मिरा के वार्य निर्मा के वार्य में के वार् य.चब्द्रि ।रे.ज.रट.स.वे। चर्चर.तर.वे.च.श्रव.तप्र.वेर.श्रुव.तर.श्रुव.त.वयव.ठर. र्रः अवेरः हैं। |रेवे र्रः धवे। मधु माला अला अला विवास र्रः अला महार्याम

ला स्वाया चा वर्द्रा तथा है स्निद्र वा श्वर कर वा विषय है । विषय वा विषय है । विषय वा विषय है । विषय वा विषय व ब्रियामहारयाया नेते ने बार्य प्रमान्य वा क्षा न मान्य प्रमान क्षा विषय के विष द्या । नवदःमञ्जरःऋ्यःग्रुःमुत्यःबळ्दःस्द्य। ।देनवःग्रुवःमञ्जरतःद्रःमुवःस्वःमञ्जरवा। म्बद्याचीयाञ्चरत्यमदे ञ्चर् पर्द्वरार्द्या । वि.री.र्चा.र्टा पदे वाचा । दे.र्चा.प्रार् **इ**-बेद-स-लेद। | बेल-मेश्वरूप-स-क्षेत्र-र्स। | नेबद-ग्रेश-महिर-प-दे-नेबद-ग्रे-हिर-बर्स। **ळ्ळा.**गु.मुत्यः सळ् व. रुवः वे. रचः वृत्तः सर्। |रेगलः गुलः न शुत्रः पः वे. चगः सरः सरः चः र्र में संभाषा त्रा विश्व के विश्व के विश्व के श्री का श्री ने विश्व के स्वार्थ के स्वार्य के स्वार्थ के स्वार्य के स्वार्य के स्वार्थ के स्वार्य के स्वार्य के स्वार्य के स्वा क्रिं-पश्चर्याः वर्षे विवयः प्रत्रान्त्रं वायाः वर्षे वायाः वर्षे नद्र मिवय.ग्रीय.मावय.नदे.श्चर.पक्षर.प.प्रम.माय्या.मी न्युत्यःस्। भ्रियःयःदैः नदः नवदः नवेतः गाः यः इदं। । यदः यनः वदः यः दी। वद्यः अ सः न हुं ने था. तप्तः तत्रः तनाः में । भ्रिंतः ८ ध् व . हः ८ छ ८ था ग्रेश व व व तनाः श्रे**वः तः न ८ . वे** . वा । वि.र्ट.चन्रट.लय.वेद.त.र्टा । वर्षे.चर्ष्यय.जन्रच्यक्ष्यं प्रत्ये । बिया E.z.ga.zu.na.na.ga.n.ga.a.g.n.g.la.zz.a4z.ag.na.zz. महारयःह। BG.रट. वे.ब्रुपु: अरे ब.रट. केंच.कें.वे.बे.त. रट. रट. वे.जब.तपू: बुधान: रट. ब्रीच.पू. न्वराधिदायादी। ज्ञायाक्षातुः ह्याराधीः ने प्रिंगः न्दा सक्ष्मा हे वाधीः नवरा न्दा ही। स्राया द्यतः सद्भारतः श्रीया ने द्या ने प्राची में ने प्राची त्या स्चित्र प्राची त्या स्वाची त्या मद्री श्रिय-र्घव-६-रविरयाग्रीय। रे.जा.तीजाश्चर वि.च.वी ।रवाक्र्यायक्र्रे हे व श्रि. <u>स्र्वायः २८ः। । ३८: ६८: येथयः २५४: २७ वयः वयः य्वयः । व्याप्यः सः २८: वै: श्रुपः </u> न्यवान्ता । वाका सुनाव वाका विवास विवास

Ĕ・ॅॅॅॅ केद'ॅॅ द्या ग्रुट्र ने 'हेर' ने शुट्र ता त्या | [5 ता श्रेदाया द्ये | 周' शक्ष दा त ह्या पा र्ट्र : 周' पा क्र- नदे श्विषाया न्र हु व तह न पदे तु हर न्र न ठराया न्र हे व न व व व व व न्वयामान्दायाञ्चर् केत्राचर वित्राचर क्षा वित्राचर वित्रा वै यद खेरे नर र छेर पर्दा अवि र पर्व हैं र छ र व छैव। रे यर हवा बेद छ न दी। ন্ত্র-অর্ছব্-এর্ছন্-ব্ন-ন্ধ্রি<mark>র-র-ন্ন-। বি-</mark>স্তুদ-ন্দ-নত্ব-গ্র-গ্র্ব-ন্দ্র-। স্থিন-ন্দ্র্য-এন্ क्षे.पर्ने.स्वाय.रटः। । व्यव.पाना.पश्चरः वावया.येथा वाव्याच्यायाः है। हं.सं. ळेव. त्र. लट. रे. रट. पर्याता किर. तर. व्र. केव. ब्रायु. रेथ. ब्राय्य क्र. रेथ. ब्राय्य क्र. रेथ. व्याय क्र. लम् अव.त. स्वाया मधियात्। रट.मी.किट. यालालट ल्यां मान्येयारी प्रीया मिवराला के इ.श्रूय। चयत्रात्तात्वश्रवात्तय। यर्.मेय.द्री चक्र.च.पय। दे.प.देर.पर्व.मेय. त. खेथ. च. प्रचितान. ने मूथा. पर. चीशी टथ. जा परीयान. जय। ब्राक्षर्थाः क्री. प्रची व्यापा. ता त्रु.वेष.द्विष.ब.प्विष.पर्ट. चर.चेश्चरथ.थ्र| बिह्न्द्र.पंजेष.पथ.क्री रट.ची.लुब.तप्र. ঀঀ৾৾৾ঀয়৾য়ৢয়৽য়ঀঀ৾৽য়ৢ৾৽ড়ৼ৾৽য়৾৾৾য়৽য়ৼ৽ৢঢ়৾য়ৼ৽ঀ৽য়য়৽য়য়৽ঢ়৽য়৽ঀয়ৢৼ৽ঢ়৽ৼৼ৽<u>ৢ</u> ब्रेमः मे छट् याता दे त्याया मृत्व प्रदे धेव प्रतः तर्तु मेवा व्या वृष्णाता तात गुराना द्रा से त शुरः नदेः सुग्रः गृहेशः न १८ दें। विंदः संदर्शः दे। तुगः गृह्यः गृहः उत्रः है। ब्रॅंट.वे। ब्रे.क्ट्य.त्र.ब्रॅंट्.त्य्य.चर्य्ट्रंट्.त्र्य्। व्रिंट्र.च.वे। चर्त्र.च.प्य. न्वदःत्यःस्नःन्वेत्रःचेन्दःत्रुनःयःतःत्यःत्यःत्रःत्यःसःतःस्नःन्वेत्रःग्वःम्यःसःसःनःनः क्केन्-धरः मृद्युरुषः व। वहन् इ.५ व्येषः वव। ने.के.चे.व.प. रह्यः मृद्येः वविदे वया वयः होन् यर. च १८ . ते. क्र. था. ८ ह्र था. चाबी. था. ताबी. चेवा. चाता. चेवा. या. ८ म् ८ था. या वा. च NEZ. ह्यादी महिलाग्रेयामहिलाञ्चन् पद्रा।

वह्रव.२.श्र.वदु.वृत्वी अह्रट.व.ह्यत्य.घ.डे.वव.हुट.व.क्य.वर.च्या.वर्ष.

र्टाने तथा र्वापा निवास में प्रिति सुवादी स्थाप कार्य में प्रित्य स्थाप त्तुः नेवावी अर्हेर्नायायायाहरू चरावश्चराया द्राया अर्हेर्नायाया ব্যথার এবা बहर पर ५५ मेरा पश्चिर पर विवास व तर्भेषानञ्चराने ञ्चापरावर्षे । व्चिरामावी । ञ्चापतवारुमावीञ्चापवार्मानुस्विनः यत् अ.प्रेश्च म् न्यू र.पर्यः अर्क्षवः ययः हूँवः पर्दे । दिः यदः न्यू यः यः रदः दयः न्व व व ग्रीः हैवः हे. ५ द . लेग . मे. हे र . तु . ह्युय . गुर . ५ द . पर . महार . वं । । ५ दे र . पह क . द र . हा या र र . हि ग क्षितः झ. चेश्वियः पात्त इ.प.च.पपटः ने. चेश्वियः नु. परः चेश्विरः परः चेश्वरः परः चेश्वरः वर्षः वेशः र्रात्माची पत्निमा त्या वर्षे या पत्रा यदा यदा यदा प्रमा पत्र प्रमा प्रमा विद्या पा यदा दे । दे र्वा वी अवर विवा वी क्षेर पा क्षेर पा ला रहा वीवा श्री वा पर र विवा विवास षः र्रथः द्यान्तर्भानः भीतः हे । अभी तः क्षेणः च ग्रुषः च र अस्ति। स्र अस्ति। स्र अस्ति। स्र अस्ति। स्र अस्ति। ययान्त्रन्त् । दिन्द्वेन्द्रायान्द्रक्षण्ड्रदात्याध्यद्रद् । व्राव्यदेन् विवयान्व सर्वेद.त.र्ट.धु.सर्वेद.त.क्ष्या.धू। । तथन्न.त.त.ब्रीय.पथ। पर्ट.पुथ.रट.धूर्य. स्रायाक्षेत्रस्य विवादी । गुवार्श्वरादी वेबवारुवायावादी परावर्षेत्रसार्या रोबरा ठव वे बहुव या या बे पर्तु वा पर पर्ने दा पर्ते | विष्ठे राज्य विष्ठा पर्ने वा पर्ने वा पर्ने वा पर्ने वा रदः विवदः वदः उदः विः धेरः दुः श्चः पर्दे । ववरः वुवः वे। वस्यः वः ववा व ववरः वैः द्धेः चर-वै.चल-इस-चर-द्रमा-चर-वैद्री विज-मेश्वरल-हे। दव्वैन्-चर्व-क्रमा-क्री १ क्ष्मा-इतः द्वरः निविद्ध। गुवः वतः यवरः तेयतः ह्येः पदः निवरः शुरः पदेः तेयतः ठव दें। विषयमात्मत्तु नेयान्द कृत संदया दे हरा पति दें। श्री दर्भी दर्भ द्धनःचयाञ्च नरः तर्न् नः यद्दे । व्रिक्षाः निव् वे विष्याः स्तरः निवः निवः विष्याः स्व

च.ञ्च.वर्द्र। विवरःविवादी वर्षुःचःलय। यघरःवुःनुःषःटवःद्वःञ्चराःवि ढ़॓ॺॱॺॹॖ**८ॹॱ**ॻढ़ऀॱॸॕॕॺॱॺॸॱॎॺॱॾॖॖॹॱॻढ़ऀॱॶॖॺॱॸॆॣॹॱॼॱॸॱॸॕॺॕॣॹॱॻॸॱॺॾॕॸॱढ़ॹ॓ॖॺॱॺॺॱॱॱॱॱॱ ता. चीश्वरात्त्रत्य तर्थः भेषः भेषः भेषः तर्थः भेषः तर्थः विष्यः सः द्रशः त्यतः या चीश्वरतः युद्र-वर्तर-वर्तर-वर्त्तर-वर्तर-वर्तर-वर्तर-वित्र-वर्तर-वर्तर-विकानकाञ्च-वर-विकाने। वर्तर-वर म्.चेपु.संज्ञान्यं त्यं यात्रप्ति क्षेत्रस् । विष्यु स्यान्ते। याश्वयायः याराज्यास्। ।ग्रायः श्वरः है। बाराचेतानदेः चुराज्ञान्यात्र्रिं । व्र्षुंतान्त्री ह्यानगुरानाञ्चान्यः ¥यःतर्| ।यवरःविगःवे। म्यानग्रयःश्चराःचेषःयर्| ।देःलम्ःयवेःनिद्रुरःस्यः ਖ.ਲ੍ਹੇ.ਖਬਧ.ਬ੍ਰ.ਖਟ.ਖਬ੍ਰ.ਖ.ਪੈਟ.ਭ੍ਰੀ.ਖ.ਪੈਟ.ਖਗ੍ਰੈਪੈ.ਖ.ਡੀ.ਖ.ਪੈਟ.। ુકે.¥ખ.તતુ. चक्षेत्र.च्र्र्थ.थत्रःचत्रःच्रत्रःच्रत्यःच्यतःच्यतःचतःच्रतःच्यतःचरःच्यतःचःचरःच्यःचःचःच्यःचःचःच्यःचःच्यःचःच्यःच नुर्नास्यालार्टा वेत्राचनात्तर्ञ्जाताः ब्रेश्चरान्त्रेतार्टा चन्तर्मार्टा हेरायाः र्टः र्वातः वरः व्रुतः धः र्टः र्वातः अगुरः श्रुरः धः श्रुः वः र्टः । ग्रुतः सः र्टः श्रुं वः यः र्टः सिपार्ट्यामुन्द्रियान्यायास्यम्यायत्त्रियः यहितः मन्याञ्चायः न्ट्यः राद्रायः न्ट्यः श्रीयः यः भुः चुरः ञ्चः नः नृहः । स्वाः धदेः तकः ञ्चः नद्। । तद्वेतः नः श्वेरः सः नृहः स्वाः नृहः श्वेरः देव.त.रट.ट्र्ब.रट.ब्र.कंब.त.ब्र.प.ब्र.प.व्र.च.प्रचेप.प.रट.ग्रीव.वय.व्रेव.क्र्य.प.स.क्रेव. นารุรายครามรารุราสูาผาสัมสานารุราสัยภามรายโลนานาผมขานาณาผูานลิ.ยิผานา ञ्च पर्दा |८मामी हेलाम न्दासा महासारमा प्राया वात्ता वाहिला विश्वासा महिला ऑर्-गुद्र-तर्देर-वे.र्घ-स-र्ट-सबिब-तर-जीवेर्थ-सू । निक्रम-शुन्नाख-वे। जीवेर

नेवासर् । विवासर्वा महास्यादान्यराज्यार्था । गुन्तः व्यास्य विवासिका तर्न्न्राध्या ।श्चरापाती प्रवायक्षायतः मृष्यात्रः श्चरायाः । व्यवरास्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्या रे.पर्वाचीर चे.पर देवा पद्री विकामश्चरकाती द्वरायार्थम्वायार रे.पर्वाचीर ग्रुरा कुच.श्रेत्र.तप् | र्र.ज.चर्चच.थ्रथथ.लूटथ.थै.र्रूचथ.त.ज.कूथ.र्ज.क्ट.ट्च्य.हे । ४८.ची. ल्या ह्या द्वा त्र क्ष्मा त्र क्षम् त्र क्षम् त्र त्र क्षम् त्र त्र क्षम् त्र त्र ह्या ह्या ह्या ह्या ह्या ह्य तर्द्र-पदिः च म्राञ्च वरा ग्री ते वरा नृतः वृदः धः नृतः। वृद्धवः ग्री द्रिरः वर्षे वृषः धः म अदः यःयःल्यायःथःक्षेत्रः वितः चरः चेतः ययः तक्ष्ययः यदेः त्रेययः नृतः क्ष्यः प्रः । न्वतः र्नान्ने न्रः भेवः पर्ने न्र्ने न्र्ने न्र्यः मेरः श्रुवः स्वाद्यः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्व नइन·बेयलर्नेलर्स्रः इ.स.चेर्-इस्-वेश-र्म्यन्यः तथान्यः स्थान्यः पश्चरः न्यः स्थाः चया चे ता ग्रीया क्रें वा परि श्रे व्यया प्राप्त वा विवया में भूमा ग्रीया विवया में भूमा ग्रीया विवया क्रिया व चद्यनः त्रे अर्थः ग्रु न् अर्थः द्वे न् अर्थः व्यापः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः व लया. ह्यू र. पर. पश्चिर्यास्य । प्रांट्याशुः या ह्यू वाया परिः पह्च वाया स्वाया स्वया स्वय arॿॖऀarॻॖऀॱॾॆॱॸ्ॺॕॿॱॸ॓ऀॱॸॸॖॿॱॺऀॱॿॖढ़ॱॹॗॸॱऄॸॱऄऀॱढ़ॸॕॣॸॱय़ॱॸढ़ऀॿॱॸॗऀॱॻॗॸॱॿॱऄॱॺॱॶॸॱॱॱॱ दे-द्वरातेयलामान्स्। ग्रेथानन्गलर्देन्धाह्यस्य स्टान्स्रमानुस्य हेन् ब्रील नेल द. के.ब. २ ८ १ श्रुबाय ५ ८ १ । वर्गाय बुयायें ५ ८ ५ दे ५ ५ दे द ५ ८ १ दे ५ ४ ह्या चित्रत्वात्रः है। चुरामः नृदः चरा चेरा संग्रायायः विचः वः वेः अः उदः क्रुवामः नृदः । ग्रेः वान नृत्राः हेब बला नवद तसुल र न र छेर र के के के का कु कर है न कु कर है न के कर के हैं र स के र स है र स के र स

ला. ब्रैंस-पन्यक्षथ्यत्त् | नि.लट्नपु. क्षे ब्रिंस-प्याप्त्र प्राप्त विक्षे व्याप्त विक्षे विक्षे व्याप्त विक्षे विक्षे व्याप्त विक्षे व्याप्त विक्षे विक्षे व्याप्त विक्षे विक्षे व्याप्त विक्षे विक

न्द्रंत्रास्यायाञ्चरम्यात्रदेवत्रायद्य । व्याप्तान्त्रत्यात्री विषयात्रस्य व्याप्तान्तरः ञ्चि*र्-प-ल-स्वाल-म-छेर्-र्-*लेक-पर्न | तज्ञक-तु-ल-सु-र-की रे-प्रेक-ग्रु-स्य-श्चेक् बेन्-र्न-बेल-धर्द। । चेन्-ध-त्यःश्रुन-घ-त्यःगश्रुब्यःत्यत्र। ल-घॅब्-दनेचल-घ-न्न-दहिबः मते चेर्प्य ता क्षुराव की सार्या अरार्षे वेषा पर्वा विश्व विराध ता का स्वर्थ न त्रेषाः हेदः श्वः श्वे श्वेरः रूपे देशः पर्दे। श्विः परः त्युरः पर्दः ग्वेरः पर्वः श्वेरः पर्वः श्वेरः पर्वः । বী त्रेयत्रः ठदः पहुत्रः हे:क्रुः पः येदः दें लेवः पर्दे। | ध्वदः पर्देः दर्दे तः यः त्यः श्रुरः पः वे। ५ ग्रः चर्डवायः र्षाम्यः बेर् : दें : बेरा पर्दे | विवरः सुमानि सुरः वः मृर्वः यरः देरा पर्दे | विर्दे लट.र्जय.र्ज्ञ व्यय.प्रे विय.वे.ह.के.च.चबुब.र्थ.श्रु.प्रेय.तथ.श्रूटय.तप्.युवय.र्टा र्जुच. त.ज.र्बाद.चथ.रेब.रीज.बु.युवय.रेट.। र्ष्ट्ज.पषुच.श्रुव.तपु.क्र्य.ज.र्य.तर.हूब. पलासमान्य मुद्रानु न्वाया पदी से समान्य। श्रीदाया प्रमान्य समान्य ख़ॺॱढ़ॖॱॸ॓*ॹॱ*ॾऺॱख़ॱय़ॱऄॸ॔ॱऄॖय़ॱढ़ऺॴ॒य़ॱॴय़ॱॸ॓ॹॱय़ॸॱय़ऄॗॗॸॱॻॱऄॱऄ॒ॹॱय़ॹॱ∄ॴॱॻॖऀॹॱॱॱ क्रेंब्र-पर्वर त्रे ब्राया हेर सूर्य देर न्या प्रत्य स्वर पर्वे | देर स्वर व्यवस्था विषय स्वर विषय स्वर विषय स चर-क्षे.च.चवर लट-ल्र्ट-झर्-क्षे तर्ी पर्-हिंद्य-वार्यना क्षे.विया नेश्वरया चर्ने पर्ने यर ने **ଝ.**घषथ.२८..୬...५५.५५.५५.୯.५५.५५.५८.४६५.५५.५५.५५.५५.५५.५५.५ ठर्-तुःके-व्रवःधेव्यदेःधेर-र| |रे-वःश्रॅंगःग्रॅर्-र्ट-क्रेग्-र्ट-ग्रॅंर्-वेयवःदेः नु गः गुषु यः ग्रीयः ईवः परः ग्रेन्ः यः वे रः ये वः यवरः य ग्रेनः परः ग्रेनः वे रः वे दः ये वः र्टः स्वां विषयः र्टः चक्ष्यः ते सवा देः तु वा विद्युयः ग्रीयः स्वाः चेर् ताः वर्ष्र् रः कविवः विः वयः बवरः वर्षेवः व् । नह्रवः न् सः वः न् सः व्यान् वः व्यानः वे द्वानः न् स् वानः न् स् वानः विवः वः न्द्रेयान्न्युवाकरःग्रीयाचेत्रकरः। व्यन्तिःदीत्नान्यश्चयंग्रीयास्यापरःग्रीत्रयान्तिः त्याः ग्रीः त्याः याद्रः स्त्र न्याः मे निक्ष्णः त्याः याद्रः त्याः याद्रः व्याः त्याः याद्रः व्याः व्याः व्या स्वाः व्याः व्याः याद्रः व्याः वः व्याः वः व्याः व्याः वः व्य

में के था. त. के वे. ता. या के वा विकास में के क्रॅंचय.र्च. क्री.प्य.ग्री.स्.चर्डय.धे.चक्रंच.तत्। १८८.त्.च्.र्च.र्ज.पथ। श्र्वा.वर्ट्च.त.प. चलयः चलः कु.च.वी रुणः गलुयः रुणः चलः कुरः चलः कुरः चलः कुः चःवी য়ৄ৾৶৾ঀয়ৄ৴৻ঀ৾৾ঀয়য়য়য়ঀৣ৾৾৴৻ঀ৺য়৻ঀৣ৾৴৻ঀৼ৻৺য়৾৾৴৻ঀ৻৸৻৴৸৾ঀ৻৻ড়ৢ৾৴৻ৼ৻৶৻ঀঢ়ৣ৻য়য়৻৻৻৻৻ दे.पर्-म.बार्चर-व.लूर-र्नाप-मर-प्रव. इर-म्.वयानवायाः भेर-नवायाः 다음·청희전·월지·월구·다·구도·| 투미·등·구도·평전·다국·월구·용도·대적·국·씨·때도·퍼도·등· म्बर्-त.र्ट-क्रेम्.पर्वा.र्या.पश्चेर.तथ.मब्र्-त.र्ट-पह्मिथ.त.पश्चेर-वयाचे.प् श्रेष् .त. मुर्ने. प्रत्ये व श्रे. व श्रेर्ने. त. र्ट. (ब्रु. त. र्ट. श्रुव) . त्र्येषः त. र्ट. त्र्येषः त. र्ट. व्यः ... वनः यरः श्रुः नरः श्रेरः हेः नरः श्रेः चन्न नरः वे न्यान विवः न्यान विवः न्यान विवः ।गवेदःयः बेर्-च वर्गः है न दे। वेदः गरेगः नवेदः रु. नञ्जनः सः तग्दः धरः श्रेः तेदः तः ह्वः श्वेदः रूटः <u>चकुर्-र्र-,चञ्च-पत्वे.र्र-,चङ्क,ष्न-पत्रेष्य-पत्रेष्य-पान्ययायान्ययः यः र्र्र-र्थः र्थः शुः श्चेष्यः यः ग्या</u> १८.५५८.नव.थु.थ्.थ्यय.प.स्चेयाय.प.श्च.द्वेर.त.रटा। १४.२४.थी.स्.क्.नेय.त.रटाप्रेय. लूर्.त.र्ट.प्रेर्.त.च्या.च्य.क्य.त्र.व्य.व्य.त.र्ट.पह्च.ह्य.त्र.क्यंथ.व्य.प्रा.व्य. ब्रह्म नर हूं चेथाताया ब्राज्या नम् । व्यवानर ब्रह्म नर वेष तायक कु निः है। ब्रह्म

৾ঀৣ৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾ र्गुते पर्ग् स्वाळा चुर्गु गुजुरा ह्यु ता प्रवाद प्रवाद गुरा के वा स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स क्षे.वर.वर.ज.चक्रेब.धे.वर्षा विष्या क्षे.च.वी रेट.प्र्य.हर्थ.क्षेत्र.चर् श्चे तथाश्चेत्रःकग्वायःपःर्दःषःश्वःर्दःशुःतुःर्दःन्चःशःशुःतुःर्दःधेरःगञ्जग्वायःपःर्दःश्चेतःयः दे प्रविदः म्मेम्यायायान्यम् स्थान्यस्य मेयायदेव निर्मात्यस्य मेयायदेव निर्मा विकास्य मेयाया स्थान स् रे.लय.र्वा.स.दे.श्वा.ब्हर्स्य.लट.चद् किंवा.य.र्वी.लट.चेदी.श्वा.स.स्वा. न्ड्र-स-क्षेत्र-क्षेर-मेश-सत्र-वि-ला य-वेद-जद-नदि-लय-क्षे-प-दि। म वर्षः रूर्षः भूरः म हुद्रायायायष्ठिः वेरः यस्यायायः रूरः रू यद्रायः रूरः म ग्रीदः यः रूरः रूपः हु **┋**८.च.र८.ऋथ.५८.च.ष.५ञ्च.त.र८.चू८.१७६८.त.५ञ्च.त.र.थूच.त.र८.थूच.त.र८.थूच..... च रूबातान्यः यद्यः ब्रह्मान्यः प्रतास्त्र विष्यः प्रतास्त्र विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः व म्रोधानिक्षाम् विष्या क्षेत्राचि तह् मृत्या चित्राचे प्राचित्र विष्या विषया क्षेत्राचा **डेर**'य'र्रा मवरायत्या श्रुवाया त्राचा करायत्या वर्षा पर्मा मवरा वेदा यह दिने वा ग्री हो **८विं-१८८ न्वी.५५४.वी.भीय.२.४५४.४५५५५५ ା**ପଞ୍ଜ . କାଷ୍ଟ . ଜୟ. ଞ୍ଜି. न्वन्दर्र्र्र्र्स्यः वर्ष्र्र्र्र्प्यः द्वायाः वर्षः वह्रव्यः ଷଦର କ୍ରିୟ ପ୍ରି: ଦ୍ୟ: ଦ୍ୟ: ଦ୍ୟ: ଦ୍ୟ: ଷ୍ଟ୍ର: ଅର୍ମ: ଅର क्षे.च.क्रेन्-च.क्षे.च.ह्र व.क्षे.च.ह्र व.क्षे.च.हर्ष व. वयःशुःगद्।।

स.स.मोबु.प्या.कु.च.द्री **ध्यवः रेटः यं वयः च वेयः यः र्टः र वो प्रदेः च वेयः व वेदः** र्मायायार्मात् तथार्वे तत्र्वात्त्रेर्मार्मात्राकुषाकुषाकुषाकुराम् क्र्या श्रुच मिदि तथा श्रुप्त दी। ๙.ฆ.๙.๙๓๙.८८.ฃ.ฆ.฿.นิ.๙.ฐ.น.*५८.๛*ะ.*५*๗.๙.*५*८. दे विक् वेष पदे नहिष्णीय छन स्व में स्व निष्ण |七山.口如如.口.山宫.四四多.口.身| 口氣之.名.罰.口.紅山如.山刻如. 고화수,고세괴,죄,고넛 ग्री.रम.पग्रयाग्री:क्षे.लर.वे.हर.पवेब.च्री विषय.ब्र.रर.षक्रर.पश्च.प.रर.क्रर.प.रर. ฆีๆ นาส์ๆสารุยาสามารุยาสิวธารุยาสาสาสาสาสาริยาสารุยาสารุยาสา मी.पात्रा.र्ट. द्या.मेथय.च.च्र्रं निक्ष्या.क्षेत्रा.मेथु.पात्री रेमे.पर्थ.र्ट. न. बर्ष्ट्य.त्र. ह्यूर्.त. ब्रावय.त. झ्यय.जय. नेय.ग्री.वि.र्ट. वगुर.हे. ५र्द्र्। म्बर्म् न्रिस्या मृद्धिः त्रास्त्र क्षे । वास्त्र न्रिस्य स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर् च ग्रोदः सः नृहः द्वाः च इत्यः सः नृहः द्वे हः हो सः नृषः नृहः देवः सः नृषः देवः । नृषः देवः । नृषः वे वाः । व च भ्रम्थः सः च्रेन्ःसः तः व्यव्नः त्रेय्यः च क्रेन्ः यह । यमः स्यः मः मृद्धेः त्यः व्रे । चयरा उर् त्या सुर ता तरे नरा धर बु गरा या है। रे के स्वा है। गवद परा ग्रद है। या तहे ग हेव.व.र्ग.पश्च.त.र्र.लट.र्म.तर.श्र्र.च.र्ट.लट.र्म.तर.खेमथ.च.र्मा.अर्.ड्य. के.च.लट.ट्र. १८.जय.र्ब्न.च.वे.लट.चर.पेथ.तर.वेय्। विष्टु.ट्र्य.बेव्.जय.वे.कु. यदः द्वारा मृत्या मृत्या मृत्या स्वारा स्वार इर स् बयाग्रीय रि पहुंच म्थाया प्याचारया यर रि. च्या वया । इ. स्. केर खी जियार मा

च्या-दिश्चान्त-क्ष्य-सून्द-स्या चाया-कृ-स्या-दि-सून्य-सून्

नरः व्यवरः व्यतः पर्वः दिवः स्ववः स्वाः क्षेत्रः राः तः स्वाराः प्रतः श्रीः नरः द श्रुरः द्रा **बिय**. न्युर्यः र्या । विर्ध्यः रु.र्मे तर्वः मुःह्यः यर्पः यरवा वे मृत्यः व्यात्वा यः द्याः विष् क्ष्यातकता ग्रीता श्रुन्त वाता ठवा न्यु ताना केवा धरा होना न मु ता सुवा ने ना स्व **ल. बट. त्र. क्रेब.** चर्चल. ब्रैट.च. ज. श्र्बेथ. नद्य. केथ. न्थ्रेबेथ. के. त्यमा खेद । धर हो या है। नर.दे. अप.केट.त्. जय. वेशिट्य.य्री विवेद.लट.रे वे.पटेदें दें रेट.पे.केंट.प. पर्ह्याप **⋧**੶౯ఀਗ਼੶ਸ਼੶ਖ਼ਗ਼ੑੑੑਗ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ੑੑੑੑੑਸ਼੶ਸ਼ੑਜ਼੶ਸ਼ੑਜ਼ੑਖ਼੶ਖ਼ੵੑਜ਼ੑ੶ਖ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ਖ਼ੑੑਖ਼ੑਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑਖ਼ੑਖ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਸ਼ਜ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ ड्यूर्-रु-ब्र-उर-वर-विश्वरय-विराय-व्याम्-वायर-विव-रु-क्रे-हे। यर्-रे-हेर्-यया ह्यु:ची:ईव:धॅ·८म:मील:ख्या ।रट:मी:धव:यम:महुनल:धःद्विता ।र्मे:यहुव:र्मायःमध्यः च्चेत्रा । व्रियः यः इयतः तः क्वेदः व्यः च्चा । व्रेः व्यः यः वः व्यः वः व्यः विष्यः ग्रेः व्यः व्यः व्यः व्यः मः हित्। | र्ने तर्वर्गना व्यानार रेजी | र्ने तर्वर्गे के स्थास्य स्था के हित्यं स्ट्यःश्चिरःतरः वै.श्च.श्वर्षा विषयः ठरः र्वश्चरः वः श्वरः पः र्टः। विषयः वेरः हेरः दः चहेना.त.यहा विकासर क्षेत्र.सल र्मे.पर्य के.मी प्राप्त श्री विकासर के.मा.सी विकास स्थापित विकास स्थापित विकास स यर्गःर्गःमेयःगरःयःथ। ।गवयः।यरःरेरःवैःवुगयःयःज्ञते। ।ष्टियःययःर्गेःयतु नव्यापरात्। विक्व संनव्यापराक्षे मुद्दा विवास। । र्ने वर्त मुत्र वरा मुद्दा इरःह्यातेयलः न्यवः बदः चनावैः न्यो वैः न्योवेः बेदः भेवः हुः हूँ पर्यः केः हे। क्षेंचयः चक्रेंदः तः तः दह्नाः धतेः धनाः कृतेः वर्षः वर्षाः वर्षः वर्षाः वर्षः धनायः वर्षः धनायः चक्रतेः शेयरा ठव : वयरा ठ८ : पर्छद : र. शुद : नवना . हु : पर्छन : पः परा विता हे : ग्रुट : रोयरा : या मुतः गुरा ह्वेन्य हे तर् ग वरा वर्ष वर्ष पर तर्र श्रे हिंद्। विषा चेर वर्षेन क्रिया करा ग्राह्म वर्ष वर्ष वर्ष नयाचिराश्रेयवान्।ताराश्वरानावाश्वरानाचिर्या क्रेन्-पश्ने**ग-प-**न्द-पश्चेग्व-प-व्यवः हेग्-प-ळेद-पॅ-व-क्षवःपदे-ग्रुट-सेयवःवःम्द्रन्-सेयवः र्राह्राह्राम्ब्रीर्रिन्द्रीर्राक्षेत्रक्षाञ्चलावाच्याः वर्षान्यान्या देवायान्यावाच्या न.ज.प हे चे.नपु.सेचे.केपु.सर्द्र,जय। द्वेचेय.प श्रेपु.श्रुवाय.रुप्.की.सीट.च.ज.वे वाय. यतै ते यता ग्रीता **ये ना श्वर**ाम श्रीराया रूटा ते यता ठदा स्थाया इयता प इदारा वता प हेंदा हे त्रिंतः ह्युत्रः त्रवः संदर्शः पदिः पदे । पः त्रवः पः व्यापः वृत्रः हो मृः हेवः त्रः व्यापः विषः व्ययः केयः ग्रम्यः वेदः यः क्रीतः यतः ग्रीम्यः प्रा रगः हुः वै:गः इबः धरः देवः पते के त् सु ता गु त स्या गु त स्या गु ते गु ते स्या ठ्व । स्या गु ते गु ते स्या ठव । स्या गु ते गु ते गु ते ग करलः गुरु गः श्रेषु दः पदेः द्वो प्वः यः परः कर्ः छलः दः श्रेषः यः केलः ग्रद्धाः केरः यः श्रेरः यरः **ःःः** न्धरणः पर्य। न्वराः पर्देः ताः वैः नेवः हुः न्वराः परः चुर्द। हितः ग्रीः क्षः वराः ह्रं पराः केपाः ॷॻऻॴऄॗॱॿॣऺ**ॸ**ॱय़ऀॱॾऀॸॱलटॱॾऀॳॗॱॻऻढ़ॖॸॱॴ ॗ॔**ॱढ़ॖ॓॔॔ॱढ़ॕॣ**॔॔ॱ॔॔ऀॱॿऀॴॸग़ॷऺऀॱॿॖः वै। mट.कुंट. \mathcal{L} .पक्कि.च.चबुब् \mathcal{L} । बु.बांप्य.च.र्रट.बांप्य.चय.चेय.चषु.कुंग्य.mट.कुं.च. न्दः यदः वशुद्राः है। नेदे हुः यळव व वे त्रा ळेवः यथ। न्हे स्ना ठव झट सु ८२.ईपथ.ज.५वि४.प.५वि८.धु.थेथ.त.८८.५२। वेथ.त.क्टर.टे.जय.बि८.५वि८. ब्रे.ब्रु*ष*:ब्रेट्-एब्रे**ब्र्य:ब्रेट्-प्रेय्य:ब्र्य:न्वे**:चःड्वेट्-ब्रे:ब्रुय:य| क्रुव:चठनय:यय:इ्ट्-छी: ब्यट्-पश्चर-हे-दश्चल-व-क्षेत्र-हु-वर-दश्चर-र्| क्षि.वृट-हर-लव-र्ख-स्वल-वट-वह-वर-

ष्परः इयः यः वृत्रः नृः कृरः ग्रुः इयः यरः श्चेत्रः यरः प्रदः प्रदः प्रदः प्रदः प्रदः व्यूरः । है। महि खुम ठव न्द न्मे पदे सम्बद्ध प्रम न्द स्मापदे लला है। मन्द त्युं न कद्र ब.चेथ.त.रट. व्रम.बर.रमे.च.व.ब्र.ब्रूर.तत्। विथ.मश्चरय.तथ। व्राथ.प.प्र्रूर.त. र्ट हैं अर्थ्य पर्ट स्वापाय वे न्या विताने दे ते न के दार देवी पा हे दाय वितास वार्या पा ने न्या के छेन् पर छन् या वित्र के वित् Mビーロエ・中部とか、第1 द्वि सिवरायर क्रिंबायाया के क्षेत्र धिक क्षेत्र विकास क्षेत्र क्षेत्र स्वराय विकास हे व.ज.षक्र्रं.त.जय। वेट.ग्रुष्ठा.विष.वयाविट.चयाषर.ष्रुप्रेहेट.त्र.पवी.षर.वीया.पश्चित. दाः अक्टरः हे वःग्रीः तुरः तुः वहे वः पदेः वहार् त्वाराःग्रीः वश्वदेः करः यदः श्रेः वरः वहार्यः । ٩٩٠٩٠ - ١٩٦٠ -विव.पे.कु.लट.हेब.ग्री.क्षेत्रय.थी. वायातात् विदेषु. दवाया तया क्षाया श्रद्धारा श्रद्धारा स्थराया न्दः छन् स्यायायाः गुरुषाः स्वान्तः पुरुषः स्वान्तः गुरुषः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः स्वान्तः ब्रिब.स.क्ष.चेथ.श्रुव. निर्देर त्यास्त्र निर्देश के त्यार प्रश्लेष निष्ठ त्या विष्ठ त्या विष्ठ व्या विष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ वुर्-ध-र्टा र्रुवा-ध-ब्रिन-धर-वुर्-ध-मृत्रेय-र्ने सःश्रृपयः क्रेक्ट-भेव-पु-क्रे-धर-मृत्रायः मा द्वा विश्वरातकतानः करः गुर्हर् धार्वः श्रद्धः त्या वेः र्गे पर्दः रूरः व्यवः धार्वः वे विगः क्रिय.रे.चर.कर. अरे.तर.प्र.चक्रेय.चर.रे.र्चय.चयवायायाया र्वे.श्रंट.र्व्याविश्वयः न्द्रतायतः क्षान्याके नावी व्यवास्त्र वा विष्या क्षान्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया यर्याः मुयाः अर्केन् रयाः याः श्रुवाः यदेः याकेन् वाः विष्याः यदेः याः वि बक्रूर्-स-लब्ध-क्रब्य-स्वा-नु-इन्द्रिः न्यःश्री र्याः बक्र्यः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व नयायान्तरः श्रुं वया श्रृं नया के ना है। देव में छिते सुराम्या श्रृं रा माशुका मु ते सका रुदा मयरा उन् अष्टिक प्रदे से बरा न्यः वाया परा वे किंगा गरि गार्य वा निरा पर्या निरा व वर्षा बदः चरः नशुरुषःहै। देः निवेदः दुः विवः चुः अर्केनः द्यवः यः द्येन्याः पर्दः दरः नवदः चुः र्ने द'त्यः नृक्षे बृषः स'त्यः खॅ बृषः सदैः च षश्यः सदैः छु*न्*ःसरः नृरः नेः ध्यरः शु बृषः ५ न् । लुदः नृरः য়ৢ*ব*ॱ२८ॱतृ८ॱख़॔ॻॺॱॻॖऀॱक़ॕॖॱढ़ॺॱॸ॓ॺॱय़ॸॱॱॻॖढ़॔। ऻढ़॓ॺॱॾॗॕॸ॔ॱॺॱॴ८ॱढ़ॕज़ॱख़॔ॸॺॱय़ढ़ॱॻॺख़ॱ च. श्वाया ट्वा.स. रटः श्वर द्वर प्रता क्षेत्रया के.या दे . द्वा वी व्यट व्या ग्वट विट विट वि भी वा हु <u> इत्यः क्रेन्ते ब्रूट्-५६व-५०। नश्रयः स्ट्रंट-२.न्यवयः राज्याः</u> ाञ्चेव:रूर:प*रे*: ब्रुवास्तर क्षेत्र लेका ब्रुवासक ब्रुवा | लेका क्षा | व्यास्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्त स्वाप्तर स्वाप्त स्वाप्तर स्वाप्त स्वाप्त

क्रियम्ब्री, स्ट्रिट्स प्राप्त क्रिया विद्या स्ट्रिया स

ळेन्-ह्र-त् ग्रुर-न-न्द-ळेन्-बे-नर्ह्न प्यत्य-ळेन्-न्त्रुर-बे-दॅश-वेद-य-देश-पदे-श्वन**रा-पर-*** तर्<u>त्र</u>-पः के लेट के ना श्रे शेषामा न्दः श्रेष्य दाया स्रेषा नत्या यदाया श्रे a 型大·口·万下! ळ्याचार्यः न्यावदायान्याचेर्याचेर्यायद्यान्यवदाचीयान्यान्याचेर्यायाचेर्यायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप्ताय नः दवः बेटः मेळ. ह्यु . द्वारा परः मेश्वरकः स् । व्वाः संमितः सः स्थलः शेरः ह्यु लाटः ॺॖॕज़ॱॺ**ॖॕॸॱ**ॺॕॺॺॱॸ॓ॱॸॺॱॴॸॺढ़ॱॸॸॱढ़ॷॸॱॻऄॗॸॱय़ॱॿॗॱॺय़ॖढ़ॱॻॖॗ॓ॱढ़ॼॺॱय़ॖॱॸ॔ॸॱख़ॱ**ॺॱॱॱ** इयल ग्रुंदः वः कुः यमुद्रः ग्रुं तम्रल तुरः विदः द्। विद्याः यदे तम्रल स्तरः विदः विदः য়ৢ৾ঀ৾৽ঀঽ৴৻ঀ৻৸৶৻ঀৣ৽য়ৄ৾৾ৼ৴য়ৣ৽ঀ৾ৼঀ৾৽ৡ৽ঀয়৽ঀয়৽ঀয়ৢৼ৽৴ৼ৽য়ৢঀ৽৴ৼ৽ वश्यात्री। त्च यात्यातात्रां वायायायम् अवतः स्टान् नेटानक्षेत्रयाया नेटाक्षेत्रयाया नेटाक्षेत्रया स्टाना नेटा यहि**ः ८ या त्र प्राप्त के प्राप्त के अर्थ के अर** र्दः। अः चेत्रः परः वेदः परे दे। यहायः तुः तुः तः न्दः यहायः तुः वेः शुदः नः न्दः यहायः ਰ੍ਹਾਕ ਗੂਨਾ ਸਾਰਵਨਾ ਕੜ੍ਹਕਾ ਸ਼ੁ'ਕੱ**ਨਾ ਸਾ**ਰਵਾ ਬਰ੍ਹਾ ਪਾ ਡੇਕਾ ਪਾ ਰਵਾ ਲਨਾ ਡੇਕਾ ਪਾ ਰਵਾ ਕੜ੍ਹ**ਾ ਸ਼ੁ''''''''** र्गतावर्। वहन्तुः म्राप्ते वे। वेदालकार्दः गुः श्वर्तायका गुः ववतः मुकायरा वे त् शुरावाद्वातायात्रे त्या शुराविदाधयाकेराशुःवाद्वातायाद्वातादेवाता शुरामा था.ब्रेबेकाच चरावधेरार्टा क्षेट्र उरः पते कु अर में प्राव्य पा प्राप्त स अते वै। ৢৢৼ৴ৼৼ৾৽য়৾য়৴য়ড়৴ৼৼ৾৽ঢ়য়ৢ৾ৼ৴য়৾ড়৾৽ঢ়৾৽ৼৼ৾ৼড়**ঢ়য়৽ঢ়৴ৼৼ৾৽ড়ড়৸ড়**৾ড়ৼ৾ড়ড়ড়ড় बर में न्र व्यापन्त । रण द्वापिति वि वार्ष्व म्र व्यापन वि वार्षे म्र वि वार्षित वार्षित वि वार्षित वि वार्षित वि वार्षित वार्षित वि वार्षित वार्षित वि वार्ष्ठ वि वार्षित वि वा र्टः गरी मृ' सः र्टः कुँ 'सं' सर पार्टः स्वाधार्टः सर्ट्या से स्वाधार्थः स्वाधार्यः स्वाधार्थः स्वाधार्थः स्वाधार्थः स्वाधार्थः स्वाधार्थः स्वाधार्यः स्वाधार्य चर्चतान्त्र न ज्ञान्त्र न त्रान्त्र न त्रान्त्र न त्रान्त्र न ज्ञान्त्र न जञान्त्र न ज्ञान्त्र न ज्ञान्त्र न ज्ञान्त्र न ज्ञान्त्र न ज्ञान्य न ज्ञान्त्र न ज्ञान्त्य न ज्ञान्त्र न ज्ञान्त्य न ज्ञान्त्य न ज्ञान्त्य न ज्ञान

श्रव्यः विचाः = श्रशः कुः = चेशः त्रः श्रे वेशः त्रः वेशः विश्वः वेशः विश्वः विश

म्बि वै रो ययः ठवः म्बवः वै। |पलबःयःदेःदेलःद्वेषातः अर्हेरःदलःश्वरःपरः दर्द् लट.र ग.तर. वर्षाया.त. इंगया. तपु. जीय. ग्री. जया. यू। व्हिल. में या नवे . लट. में या तर. चुद्रा । दञ्च या तुः त्या मह्यस्य । इसः श्चेदः देः द में प्यते त्यता हुरः दुः दरः दचेरः दरः हेदः र्चलः बे: न्दः यहे नः प्रये: क्षः न्दः वियवः मेंदः यः नृष्ठे वः ग्रे : क्षेत्रः क्रे दे । । ज्ञुः यह्य न्दः पन् नः त्रिं र प्राप्त श्रुवा वर्ष श्रुर हे रूर श्रुव पर वर विवर ग्री श्रुवेर हेल श्रुव श्रुव र वर्ष वर्ष वर्षे यर रा नया वै. वेब. वृथ. ग्री. पर्वाया सी. प्राया विषय में प्राया में प्रा ৡ৾৾ৼ৾৾৽ৼৼ৾ঀ৴৻ঀড়ৼ৾৾৽য়৾৽৸ৼ৻৸ৄ৾৴৻ঀ৾য়৻ড়ৢ৾ঀ৾৽ৡৼ৾৽৸য়ৢ৾৸৻৸ৼ৻ঀঀ৾ৼ৾৽৸৾ঀ৾য়৻৸য়৻য়ৢ৾ৼয়৻**ঀ৾**৻৻ वु.रट. मैज. च.प बीच. व् विषया.मै. कु.चय. श्रेट. हु.रट. घचय. यावय. त.रट. श्रूर. तय. *ॼॖज़*ॱय़ॱय़ॱॸ॔ॖऄॻॺॱय़ॺॱॾॗऀ॒॔ॸॱढ़ॖॸॱढ़ॖॸॱऄ॓॓॓॓ॺज़ॱॸ॔ॱय़॓ॱॹॱॸ॔॔ॱॱॳॱॠ॔ज़ॱढ़ॖॗ**ढ़ॱग़ॱ**ॿॺॺ**ॱ**ॱॱॱ ठ८.५ श्रीच.च्। ।र्. द्रश्चाम.घथथ.२८.१.कृथ.श्चे८थ.स.पथ.थ्.थ८थ.श्चेथ.ग्री.कूथ.घथथ. कर्रत्याचारम्या महीदयास् । रि.क्षेत्राययायाय वि.क्षेत्रामिष्ठेयात्वयानु र्राट्यायया पन्न-पःग्वरःग्वदःग्वदःदयःद्युमःपदेःग्ययः।मः अन्ःपः ह्ययः ठन्देःगदेःन्मेयः ग्वेः.... न्दः गहदः त्रन्यः नवः सः नष्टुः नवेः न् में दर्यः सः नवेदः नश्रनः सदि।

म्यायाक्ष्याः त्याविष्णः त्याक्ष्यः त्याविष्णः त्याविष

र्ने नका क्रेर्प्य रूप में प्रत्ये प् **दै**-८ नो प्रयासिक स्थाप के प्रतास नलः ह्वालः सः नदः वे न्वे नलः ह्वालः सः वृत्तेलः नदः। दलेवः हेन् वे न्वे नलः दलदलः मालाह्याला हेन् के प्रवे पर्याह्याला मान्द्रम् निया ह्याला स्वे लाहे सु प्रवेद द्वी.च.र्ट.कु.च्वी.च्वी.च्यी.व्या.कु.चर्ने.व्यॉ.र्ट.ट्व.व्यॉ.र.क्री.च. दवेदःयः नृदः स्पार्यः शुः ह्यायः यतः च्चेनः यदे । यदः व्यवः शुः देवः यतः चुद् विषेत्रःयः दैः गरः म्यास्य श्रीव मात्रेव मही वित्रा शुः ह्याया सर मेन् मार मिया श्रीया सर तर्न् पार्ट् वे तर्न् पार्येट पर्व विष्यार्थ । यह्र प्या मुद्रमा मेरा हिन मेरा हिन त्येदः द्रा । मूर्यास्यायाः कुरायाः मुख्याः विद्याः त्यायाः मुख्यः श्रीः या मुख्याः विद्याः वि मुः तुः वाश्वीः तथेवः त्या हिंगायः मुद्दाः तः तुः या प्यानः प्यानः प्रान्तः तुः व्यवः यदः विवः यदः नमर्द्र। भिष्यात्वराम् ह्यात्वराची व्यवः मुक्षाः मुक्षाः सुक्षाः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः । तथा महना मेरा तथा मुद्राया तथा महना व्यापा स्था निया महना व्यापा स्था निया महना व्यापा स्था निया महना स्था स पंचयं न्यं ज्या ग्रीट मूर्ी जया थे अथा जीया थे आप वृष्ट न्यं जया ग्रीट मूर्ी ढ़ॹ॓॔ॺॱॸॱॺॺॱॺॺॱॻॖऀॱॠॸ॔ॱड़ऀॺॱॺऻड़ऀॺऻॱॺॏॺॱॾ॓ॱॺऻड़ऀ**ॺॱऻॕॗॸ॔ढ़**ढ़ऀॱॾॣॺॱॿॗऀॱॺ**ॱ** व्यक्तान्य व्यक्त ययाने या कें र नया मु यदी इया श्चेत ग्री या स्वाम्स न न्रा गुः अर् छेन् यर राज्य नहेन् सुर् हेन् गुः राज्य न्यार यर यह नहा वर राज्य स्वर ढ़ॕज़ॱढ़**ॹॱऴऀॱॸॻॹॱॻऻऄॻॱढ़ज़ॱॻऻऄॻॱफ़ॖॱॻॹॗ**ॸ॔ॱय़ढ़॓ॱॹॱॸॕढ़ॱख़ॸॱख़ॸॱॻऻॕॕॹॱॻॱक़ॸॎॸऻॸ॔ॱॸॕॣऻऻ श्चिरः चरः हेषः धः नृदः वादेः वादः विदः वरः विदः वरः व श्चरः चरः देशः यदेः यदाः देः नद्यस्यः नद्येदः नुः चुराः यः न्दः नद्यम्यः यः न्दः धिदः यदे। पश्चरः वरः यः देशः पत्रः तथः दैः वयवयः वविदः रुः चयः यः यः वयन्यः मः नदः धदः वदः ।

बुयानश्चरणायाः क्षेत्रः रू । ।

इयायान्दावयायायते वित्यम् दी देवेत् यया इयायते यया ग्रावेत् चलअलः चत्र अः चलअलः क्षः गुदः खलः नृदः स्माः मीलः गुक् क्षः चञ्चाद्रवः यः मृदः धेवः यद्।। बेयान्ता नवावायायते यका दे त्या इयाया न दुः या महिन्या या हो दिः हो है। है พล. ริ. อิญ. ณ. ระ. ฆ. ชิญ. ณ. ระ. อญญญ. บเลิน. ญช. กร. อิญ. ณ. ระ. ริป. ฐ.... बैद्रात्म बुद्राक्ष्मवा बैद्रायम वुवाया नृता दें मानम वुवाया नृता वहेन्। यवा वुवाया नृता बैः यर्द्र-चत्रेव-तु-चुलाया-त्र-प्रतामत्रेव-ग्रीलायुप्त-तु-अपम्ह्रव-या-त्र-पर्मित्-यत्र-मल्या-च-र्टः गृष्ठेदः द्या प्रयागः पः हे। पथ. इया रा. पर्छे. सं. ५६. र में. पथा या में हे मेथा रादे. पाया म्बद्राम् ध्रेत्र पद् । वा नवम्याया पते । या नवम्याया पते । या नवस्य पा नवस्य पा नवस्य । या नवस्य । या नवस्य । ब्रेयः नश्चरतायः द्वरः द्व विह्न द्वरः यात् वर्षः वरः यदः स्वः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः म्हर्-विश्वत्तः यायविश्वतः द्वे श्वः श्वितः तथः विश्वः सः र्टः क्वे त्यः सः र्टः क्वे त्यः सः र्टः क्वे त्यः सः <u> इस्तर्भात्रः क्षेत्रं द्राचित्रं तृः वृत्यः ग्रेसः वदः ग्रेसः ग्रेरः ग्रेरः द्र्याः ५८०।</u> वित्र च्रियः वितः ने द्रवाः ग्रुटः त गुँ नः यः न् टः ने यः न् श्रे यायः ग्रे ः ये ययः न् यः ययः व यः श्रू रः हेब.मद.कन्याचलाग्रेयायाम्ब.धवयाश्चरामार्टा पह्रमाहेब.जयायर्यस्याम्बर् मञ्जीयायाद्यं मद्भास्य पञ्चास्य पञ्चा । नयम्य मार्थः च्या पार्थे। ब्र्या.कचादा. न्यर्भित क्षेत्रः सुद्रान्देरः यः द्रयः ह्यः शुः ह्रं नः केरः न्युन् धरः यः वुन् त्यः ख्रं नः देश्यः य कन्ः । नम् । वियानानयनयायात्वी श्राङ्गायानेवेयातयायान्त्रम् नयात्वराह्या कर्न् । वा च्रतः भेरः या प्रवायः यः देः ग्रुयः यं ने या गृहे ग्रायः यह । वा च्रेदः ते द्रायः ८न्-चग्रुयःचतेःचरः यदःदेःचत्वेदः दुः के रेन्याः धरः रेन् धरः ग्रुःया धरः ग्रुः नशुक्रायः सु

यादः क्षेत्रः मृं विष्टः मरः देशः यात्यः तत्वत्यः तुः क्षेतः मतेः तुशः क्षेत्रः वतः मह्याः विः तरः विः व बहरक्षायाक्षरावादी यात्रानेदेखायातुः हेर्नेन्याञ्चेतायराव शुरावद्य । ने खय.र्ट.जूरथ.श्रुर.रट.श्रुर.त.पा.के.च.चथ.कु.चपु.चथत्रा.तथ.धु.श्र र्ने·च·ळे·वर्ररःग्रुटःचरःवश्चरःचर्। |रे·र्नं·वाश्वेःक्षःचःव्वतःव्वेःवव्यव्यव्यक्षःद्वेःर्ने**ः** नद्रा दे नविव र ते व्यव र व ता नर्दे र रो यव र व र व र दे । केंद्र हे विद व व रो यव \mathbf{n} र. $\mathbf{1}$ ्यं \mathbf{n} ्यं \mathbf{n} ्र \mathbf{n} ्र \mathbf{n} ्यं \mathbf{n} ्य 44.9.4.42.1 र्टा रे.र्गःषःर्ट्यःर्ट्यंषःत्वंषःत्रवायाः वेषःक्षःयःर्गःर्टः। यटःषःयःर्टः ञ्चः यः तः स्वायः यः स्वायः दः त्वायः यः तः त्वायः विष्टः ग्रुयः यः वेः व्यवः व्यवः ययः वे वे वे ः विः व नः छे. ५५. ज. ब्रेंट. नर. ५ क्रैर. नर. ४५. ५ ह्य. मेब्रे. जय. मेब्रेट. नर. पश्चर.च.त्री ह्र.चेद्रेय.च.प.चवय.चे.श्चर.चत्री जित्र.चरय.चवर पाश्चर.चर.पश्चर. न.व्र इ. वश्वरायायवाकन् मृत्रीवायराय श्वरायत् । र्वे वी. वी. वी. वाराया वर मृत् व्यत्यन् स्यात्रा श्री श्रीव स्थ्या वी व्यतः वी स्थान् स्यान् स्थान् स्यान् स्थान् स्य तके.यदे.रुत्तःव न्यानः अर्देव रु श्वरः यः रे हिंगः अरःश्वेव हैं। दि धरः तर् व नरः में अराः य.चेथ.कु.च.नुष्री |र्न.लट.प्ट.च.चूच.बर.वेथ.त.र्न.कूच.प.श्चेब.धे। चया.ग्रेथ.प्र्र.पर.कु.बट.रट.। वि.च.बट.रट.म् अथ.त.बटा व्हिंब.चेथ.बट. भव-दे-प्ययादी | इ.स.इ.स.इस.श्रेव-पश्चर | वियाद्यायादीर में

मृत्रेयः यद्भेतः अद्भेतः यद्भेतः यद्भेतः यद्भेतः यद्भः विष्णः युः हेतः विष्णः युः हेतः विष्णः युः हेतः विष्णः य

ळॅर्-म्वर-र्द्धः वर्र-प्रयाहेदारे-पञ्चरापर-गुर्व। वर्र-वाग्यया इसाञ्चर्गुण्यदः इयां क्रेत मु: तत्र ताता इया क्रेत मु: बुद्र | | न्दः यः ता च कुर् तत्र ता के सुत्र त्युयः **र्ह्**य-ग्री-पत्रवे प्रशःक्षेत्र-दे प्रत्ये विदः तथर्यः यः स्रेत्रः क्षेत्रः स्टः तु क्रुबल: य.ब्री नवर्षाः पद्र। । विः द्वाः सुवः सुवः स्वयः सः वी । वः द्वाः नदः द्वीः नवः येवयः सवः वाञ्च वयः नवर विराद्या संस्था स्था निराधित स्था निराधित स्था निराधित स्था स्था निराधित स्था निराधित स्था निराधित स्था नि रेगरः स्व[.]सुवःसुवः ळगरः यःवै। ८६ेगः हेदः यसः यगुरः बैदः गुगरः यदेः रेगरा अर्घेदः यः इययाशुः क्रेयायद्। १८ परः ध्रुवाः सुदाशुयः स्वायाः यादी। यद्याः श्रुदः केः पः नृदः वादेवः ताः स्वायात्र अत्रह्माक्रायात्र त्राव्या स्वायाक्षाया । इत्या पर्व्या स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स् ण्वतः श्रेशुः पदेः भेरः पहतः तुः तुरः तः ईरः यः वयतः ठरः ग्रेः र यरः यं तः व्यरः देतः ब्रेवः यः यः न यतः यत् वा य ह्रवः यः यः र्यम्यायः यतेः यवः हवः न रः स्वायः ययः म्यायः या नयः यः न रः ः ः क्षेत्र.त.कु.धूट.र्.पाया.क्षे.सूप्र.कूचेया.कुर्.तूप्र.यकूट्.येथ्या.थी.वीर.तूर् स्रुप्ति स्रुप्ति । ह्रिया प्राप्ति । स्रुप्ता प्रुप्ति स्रुप्ति । नवेब मुरागर्दे र मास्तर वेर वर बेर मार्ट हे तर्दे हे मुदा स्वर हुर नहे हैं न के नहें। ने भट्ट परे त्यूर म्बर्या मार्चे प्रतामिता विषय के मार्चे स्रा श्वरा निया वि त्र वि त्र वि त्र वि । वि ता वि ता हे वा प्रवे कर् स्वर् । वि वा पा वि दे वि ज.बर्ध.रट.र्ज्य.तर्द्र।

म्याश्चित् चे त्यात् प्रत्या प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये । यहे या विष्ये प्रत्ये । यहे यह देवा विषये विषय

 चद्। चित्रे-चित्रे। चराम्यायायाय्येतायायान्त्रेन्नाञ्चेदायान्त्रकाञ्चेतायान्यदा तर्मातायान्ता शुनायस्यायान्ताळ्वाह्न वानी वित्राचान्त्राचेन् स्वराधिताया त्तःच्यी रचाःचीःकीःरचीःचःचित्रेर्धरःचःयःम्बर्यःचर्या ।हुनाःसःदी धुःवःयःररःयः षःबः १८: १९वः २८: १८: बाववः श्वंवः १८: १८: श्वः बः वः बळ् १: यरः हे १: पर्दे। । परुवः यः दे। क्केषायते स्व म्व त्यान् ग्राय न्य न्य न्य न्य स्व न्य माझ्यया वरा परा क्षेत्र पर्दा | पक्षुत्र परिवृ । वाववर क्षेत्र वाववर क्षेत्र वाववर क्षेत्र वाववर क्षेत्र वाववर य: न्टः न्टः न्ट्रः नक्ष्यवः यवः वुवः यः वः वृवः वः वेटः यः न्टः व वदः वः न्टः व वुटः वः क्षेत्रः ा कु. पकुर्-स्.रे.कु. महाया प्राप्त स्वाप्तर श्रेवःयः स्वराख्याः पुष्यः परः त्रीर.र्। कि.चेशियाताश्रयाद्यातरार्चातातात्रारात्राद्याताचेश्वादी कि.चब्रीच्या पते न्वे पः इ वया न्नः व यो प्रदे प्रदे पुर हु पः हु पर वे इव ज्वे व यो ने रे पदे चनारा वया शुः इयया श्चिमाया दी। शुनाया द्रमा ध्यादी । मानवा त्या हुतामा माने या दी। बर्द्यन्यार्यात्रेरावः मह्युवः वर्षेरावः वर्षानः र्मान्यावः यात्रावः यात्रावः वर्षाः वर्षाः वर्षाः र्टः। बट्यायाक्षयार्वायामञ्जेर्पये क्षेत्रावस्वायायाम्हर्पार्ट्यक्षेत्रे कर् मिश्चरथानातात्वीयानयामानक्षरयाव्यानम् । पर्वा

श्चिरः पष्ट्रवः यः रूटः। चेश्रियः सः चळाश्राः वशः यहा न हिं च . क्रियः च हे त्यः या नर-री-क्षेत्रयानवियाच्चिर-वर्ष-क्ष्याम् । निर-म्नु। क्चिर्वियाया श्री-वी-वायया द्वनान्यस्यात् हुता | ने.यम् हे.स्र-देयावर लेय। | वेदायस्द न न.मु.पर्ना मेदार्द्ध। दर्-नेर्-तनदःवेषा-नलबःधर-रेषाला |वेल-र्टः। र्षे-नतेःध्वषाःवेःवस्रवःठर्-ग्रे| **इ.च.ञ्चळात्तरावीचात्रया |र्नेत्रायराङ्गारान्। |इयाञ्चेत्रत्वरासुः** बियामधिरयायाक्षेत्र। नगतायमानी व्ययन्तरस्य वर्षा स्वायास्य 고景적성. 다성.설! चियावयानेयामाद्वायाचापह्यापाचापह्यापारायामा भूगः हुः बुरः धयः देयः यः ळेयः क्रेरः र्गायः पयेः बुरः र्रा । रेः यरः हैरः रेः यहे वः कुयः यः पया श्व.च.भर.वर.चर्याता.बर्याक्षेट.ब्रेटः। १रे.८ट.ग्रॅट.२.चर्यातदे.या.ब्रेवा ला । वयः यपितः पियराः वैः इयः यः गविवः ग्रुरः ग्रुरः। । इंदि के श्री परे के संस्था के मा श्री मेथिरः। बिकामेथिरकाराःक्षेत्र। दे.चबुब्रःमेनेमेबारायदः मेथिरःजःश्चरःक्ष्यःसत्रः चैकालः तर्ने त्यान्ड्याचे ने त्या या के नाम् क्या माना त्या स्वापा नाम् के ताम नाम त्या स्वापा नाम के ताम नाम त्या स्व नुःतःदेशःमः बेर् छिरः रे ता बे छै न वे छूर छेर् छै न छे के च छ के लिन हु स्र न छे ৾ঀৼ[৽]য়৾৽ঀ৽ঀ৽৾ঀ৽ঀ৾৽ঀ৽ঀ৾ঀ৽য়ৢ৽ৼঀ৽৻ৢ৽য়য়ৼ৽ঀয়৽য়য়৽৻য়য়৻য়৽ৼয়৽য়৽য়ৢ৽ঢ়৾৾৻৽য়ৢঀঢ়৽৽ षुप्त गुर्रा पति होराहे। यर्रा रे हेर् याता हु या हात्र होना हु होना यर्रा हिरा इयरा वयरा ठ८.के.णु. थे. पत्रेचा वि.चया पहुंचा हेव. ल.इपा प्यां पाणी विषया ठव. मेर्-पर्याञ्जेतायाक्षीर्वायाण्याः। । व्यतः स्थता द्वताया स्थरः स्थरः स्थरः स्थरः स्थरः स्थरः स्थरः स्थरः व्याः है। पत्ने व्यायः स्त्रे व्यायः स्त्रे व्यायः स्त्रे स्त्रः स्त्रे व्यायः स्त्रे स्त्रे

अहर:रगद:मुल:पदे:श्रुर:धल:धेद| बिल:पशुरव:र्ल | देव:द:हेद:दन्नेत:यव:पहेव: च्च-८८-५। या विक्रान्य प्रताय प्रताय प्रताय प्रताय प्रताय के विक्रां के विक्रां के विक्रां के विक्रां के विक्र ৻ঀ৾য়৾৽ঀ৾য়৽ৼ৾ঀ৽৻য়৾৽ঀ৾৾ৼৼ৾য়ৢ৾৾। য়৾ঀ৽য়ৼ৽য়ৢ৽৻য়য়৽য়ৢ৽য়য়৽ৼ৾৾ঀৢ৽৻৽য়৽য়ঢ়য়৽ঀৼ৽ড়ৢৼ৽য়ৼ चेता. शेट. श्रु. चीश्रिश. चचा. लट्या.शु. दहिना. स. चे. ट्वा. द ग्रुंदे.श्रुं. दुचेट्र. स. व्रि. व्रेडे व्रा. सळ्या. म्रीपु. पर्वा. म्री विर.क्ष्याय्ययार् ततः इययाः ग्री.क्ष्यः विश्वनः वीयः (বুব্য:ঘ:এবা र्द्र-लूट्-रव्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स्वाध्याः स् म्दिले व। दर्भे हे। पर्मा हे हिरा श्रुर है दा अर्बद स्वराय दिर दर्मा क्षेत्र.रे.रे.चे. पष्ट.क्र्य. संत्रया.पा.यू.यूर.ह्रे चे.त.हे । वेय. चेश्वरत्य. पद्य. ह्रे र.र् । रे.हेर. चुर्-तान्न्ग्रासाद्ग्राम् स्वराष्ट्री वियाव्या वियाच्या वियाच्चा वियाची स्वराष्ट्री स्वरायाची स्वरायाची स्वराय र्टा प्रमुद्राया द्रायो या सहिद्रा विदेश देश देश है निया है लादा थी से साम स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य र्टः चक्षेत्रः वयः सर्वेदः वयः म्राच्या सर्वेदः क्षेत्रः चः प्रवेषः क्षेत्रः म्राच्याः क्षेत्रः वयः स्वयः स् द्र-स्वत्राचा के त्राचा स्वत्राचा त्राची व्यापा विकास में भिर्म के बार् की विकास स्वत्राचा त्राची विकास स्वत्र क्षत्रयाया व्रेयामान्त्रियाच्याद्रात्या विवासान्तर्भा बेबान्त्राच्याः विकान्ताः विकान्ताः विकान्ताः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विकान्यः क्षेत्रः क्षेत्रः विकान्यः क र्टः व्यावयान द्वा मुः भट्ट देरा रे. व. मुयापते माकर ध्वेत हो । स्वया पया मुरापा गटः क्षेत्रा स्राम्या से स्राप्ता । दे दे चे या पा लेया पहूर् दे । विषा नश्चर्या प्राप्त साम साम स्राप्त स्राप्त स ऋषःषःत्रेन्-न्चेःष्रयःगविगःगशुरःरः। ।यःहःनःषरःश्चेषःरवषःग्चेःदर्ःद्रद्यःवषःग्चरः यानम् मार्म् वार्यरामित्रेर् हि.स्रिर्र्। वयायावरार्ट्ये वामितेरामित इटः। । मै. शक्षप्र.स.स्प.स्.स्प.पंजय.लट.इटः। । १४८.थे.व. पोष्ठेयःग्री.इ. तरः ट्रे. तथः ₹८.1 | सथ.र८.रथ.तपु.क्र्य.य८.रु.तय.रु८.1 |ब्रुय.मेश्वरय.हे । सय.च.र८.ठ्ये. मूलकात्तरः ते । जब ज्ञरः २ ते व्रा । ।

बाच्चः चा च्यायः जा व्यायः व्यः

बुकाराः मेकार या छ्रान्य । यह मालार माय विकास विकास मार्थिया विकास मार्थिया । मारा विकास मार्थिया बिटा। बक्कः बरा नहें दः नव्यन्य ५ . च बेवा हा विवाही विवाही विवाही विवाही विवाही विवाही विवाही विवाही विवाही व र्माक्षेत्र्याच्यात्रेमय। । महालेगाच्याक्षात्र्यामह्रदालेदा। । द्मादालेदाध्याद्मात्र्या धिया । इयः श्चेदः संस्वर प्रमेदः पाये। । त्यतः देः द्वाः देः ग्वयः वेषाय। । वद्यः वेदः पदेः पःतर्द्रःयतेः धेर। |र्केन् केटः भैनाः पतेः याषाः चराः पते । |भैनाः याषाः नेः भैः इयः श्चेनः रुन । २.पर्वय वेशवाश्वीद्यां नर तश्चर । विवार्टा ईना ववायस्य र देवा सर दे।। बळ्ळ व.चत्रेव.चळ्ट.तर. श्र.चेर. बीटा । हिना.नपु. पका.ग्रीय.पर्मे. न.र्न । व.र्प. प्र. वे. बह्रयः तरः प्रश्नुर । निरः रु: रे: र्ना: इयः श्चेवः दे। । क्वः रः संस्तरः प्रहेवः पः धे। । हैनाः पर्दः लय.ग्रेय.प्रं.च.र्व । त.र्नं.यं.व.व.व्य.त्र.पश्चा । व्यवाय.पया.वया.वया.व्य. मा विद्यान्त्रेत्राद्वेर् देश्वेर् च। दि पत्वेद्वाया महत्त्वया च्या प्या विद्या ८व.५म्.५म् । वृषःस्। । वि.क्ट..व.प.विश्व.पर.वथ। ८व्र.वभेय.व.क्र.पया.५ न्या. विंत्र नायाक्के चर्रा नाशुर्यायायात्र क्षेप्त नित्तारा न्दा लुद्रायात्र हित्त ने तर्ने मि.च. वेशवाश्वी. चर. रंगापप श्राक्षेत्रा गीविर. चया सं क्षिरा चालर में हिंगा त्याया गीविर. चः र्टा क्रेंब्रायदे ब्रायं हे.सं.य.क्रेट्रायं क्रेंट्रायं क्रेंट्र्यं क्रेंय्र्यं क्रेंट्र्यं क्रेंय्र्यं क्रेंट्र्यं क्रेंय्र्यं क्रेंय्यं क्रेंय्र्यं क्रेंय्यं क्रेंय्र्यं क्रेंय्र्यं क्रेंय्र्यं क्रेंय्र्यं क्रेंय्र्यं क्रेंय्यं क्रेंय्र्यं क्रेंय्र्यं क्रेंय्र्यं क्रेंय्यं क्रेंयं क्रेंय्यं क्रेंयं क्रेंय्यं क्रेंयं क्रें सि.क्टर.चयु.७ ज.दयार.दु.ययावर.वह्रयाश्चितायावः क्षेत्र.यूराचिश्वर.च.रूरा প-**শ-বণ্ণ এনাৰ্থ, এ**শ্ৰন্থ, শ্ৰী থা শ্ৰী থা প্ৰী থা স্থী বা **প্**ৰী শ-লেশ স্থি আৰা দেব শ্ৰন্থ, আৰু নোৰা নাৰ लब् अन्तर्यापर् लखः दर् मुयायवादर्रः भुवः मुः मः मृतः मुख्रामः मुख्रामः मुख्रामः मुख्रामः मुख्रामः मुख्या मुख्या

⁻ऋय:धर: चल्ना कु:बे:उट:घरा **४ूँ य.त. धे ब्राया है। श्र्या क्रीया है य. प क्र्या पद्मा धर्मा** <u> नुष्ट्यःसः इययः यः दन्दः दृष्यः यः । देः यदः क्षुदः वः क्षेत्रः वे । । देः यदः क्षुदः वः क्षेत्रः वे । । देः</u> <u>പിമിപ്പെട്ടു.പ്പിമിപ്പാപ്പംട്ടു.പി</u> कृष्-प: धुर: वर्ष्ठण:य: दे:क्रॅ्वाय: वर्ष्ठ्राची के **। कृथः नधुः नक्षेत्रः नदुः अर्द्रः जय। विश्वयः न। विरः क्षेतः युष्ययः न्यदः युष्यः न्यदः क्षेत्रः युः इय.**पर्षु.रट.र्वेच.व.र्वेच.त.वेथ.रुट.पथचेथ.त.चुण.वीथ.वेर्चेथ.तर.पंजीर.स् न्दः ले ज् त्रे द्वः हे इयः धरः शुदः दिवेदः धः गुदः हुँदः धः दृदः । न् वेदः धः गुदः मिन्द्रिंद्राया न्द्रा वेयाया त्या क्ष्माया न्द्रा हेव में क्षेत्रया विया महित्या है। चिया नेट. प्रयावाया सदी व्यवा है हीं टारे या धेवा प्रया है चे वा ग्रीया गर्हे वा हु या वा रेया सा हा ... डे·ब्रुंल। रे·ल·ब्रूंनल·८८·यंनी ह्मां संबोर्नःयं दलः श्रेःर्मे नदेः तलः चलायः त्युर् दाः बदः चः धेवः हो। तदेः श्चेःचः तः इवः श्चेवः संगवः ग्चेः तद्यवः तः गहावाश्चेतः ह्वाः श्वेवः द्वावः । लबा. मुः लेवः चते छे वे वित्र स्र्र न्यायते च विवायाया न्र ल्या कुरा स्रितः स् वयाग्री.चनवाथातावोष्ठाग्रीयान्त्री ।क्षेचयावोष्ठयातायान्त्रीयाःवय। सर्ने.क्रे.चचःक्षाया नेरः ब्रेवः वः स्वायः यदेः ब्रेवेः क्षेवः वेवः यः न्रः वहेवः यः न्रः स्वायः यः पहना.कृट.नार्ट्र-म.च.च.नर.म्.नर.म्.इत.नत्। निश्चय.त.प.चड्डेच.त.वु। म.च्चे.चग्चे. न.श्र्मयाग्री.मोडीरथाविर.तर.क्ष.स्थयाक्ष्याम्ब्रेष.यी.पविष. रिसेर.पडर.गुया बियाना प्राची स्.ची.वेचीया शक्ती नाषु शु. त्या विश्व विश्व विष्य मिल्या विश्व ग्रेग-क्षेत्र । । पञ्चळा-पर्हर्-श्रे-ता-स्वा-विस्त्रा-त्वेर्ण-स्वत् । पर्झद्र-त्युर्ण-स्वेद-यंदे-श्रे-बुरास्मार्थःश्रेम ।हि.क्षेत्रःमारथःयःद्रेःअदेःद्र्नःचेत्रःग्रीय। ।मुन्त्यःद्रःमचेःचहेन्ःश्रः

पते. नर्याः श्रुरः चर्ःपरः तश्रुरा । श्रुवः वनः श्रुनः तः स्वरः बेः धुरः नः धेला *ा*शुव वग व नर्हिन् अर अंति धुर पुरिकार में विष्य मुद्य स्था विषय में मार्थ मे बक्षव् यायर्वराचार्ने श्रीन् नु पत्तिवारम्हेन् गुर्वे । विक्षव् यादी श्री व्ययः व व व यार्वे या व्यायावरायात्र्यां नार्दायात्रायात्रा वार्षात्राचा व्याप्तात्रा वार्षात्रा वार्षात्र वार्षात्र वार्षात्र वार्या वार्षात्र वार्षात्र वार्षात्र वार्षात्र वा यक्र्य-र्-र-र-रे-र-श्रेर-मेते-पि: र्र-पिर-पश्चर-मी-क्षेर-रु-प्रहेग-म-र्-र-क्रय-वृद्ध-स-क्षेत्र---यः भेवः सरः श्रुतः चेन् ग्रीः ग्री*द्वारा भाषाः ग्रीद्याः* या । श्रुः ग्री व्यापः सः वहे वः सः वे। वादयः कुलायान्द्राया हेद्रावता हुनावा हुनावा । वाह्यदाया या वहेद्राया हेद्राया है। वाद्या कुला र्टानेते सक्ता हेता सक्ता सम्बन्धि विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व यटयानुयान्दानुयानुयाने केवा में इवयानु । अर्क्ष्याने साम स्वास । नश्चनःन*हुनःशुःन्द्राःशुःचुदः*नःठवःक्षेःन्वव्यःयनःवरःद्वः। क्षिनवःनश्चित्रःयःवी व्यः २ वो·च·चर्रु·шर·२ वा·धर·र्थः यः द्वेः यदितः देः र्यवाः वार्रुदः र्यवायः ग्रेः र्वाः वर्षः वाश्वायः ग्रेः *त्रया. र्टा. क्रेंब. ब्रा. प्र. प्र. क्रंब. क्रें. क्रंब. क्रंब* विथाना चन्नाया कर्ं प्रह्माया पर हे. यदा श्रेट प्रायत विश्व प्राया विश्व विषय । वि त्रेयल येन् प्रते प्रमृष्य प्राक्षेष् उया दुः त्र्षे प्राप्य न्ये म्लाव्य स्थित कर् स्थायय वे का खर.जय.बंधरय.तर.परीज.चंद्र.के.क्र.पंजज्ञ वय.तथर.ट्री दिव.क्रेर.केव.कर्.श्र. च्चेन्-मदे-क्वालेबल-न्याकेला दे-क्वे-च-प्र-क्वल-न्य-प्राच-प्राच-प्राची हैनयःनबै,नःदी श्रेनयः५म्,र्टःवेरःक्ष्यःग्रैःश्रेष्यःस्र् ।रे.पःहीरःम्यः

मिनेव.स.ल्रट्य. चल तथः न्रः सं वर्षः कृषः पः क्षुरः वर्षः क्षः ऋष्वयः कृषः ग्रुरः। थुः ह्रवाया पर दे द्वारा प्रवेश स्टर्ग हिना पर दिना स्वाया दी ह्वा प्रवेश स्वाप स्वा <u>कुर.तूर.श्र</u>े.तपु.बी.क्ष*था.र्वं* च.चर्नल.क्ट.तर.श्रे.चपु.बीर.पर्वीर.तप्ता *ञ्चेषःग्रुदःनेतेःश्च्षाः*नद्ययःश्चेदःनदयःन् द्वेतःहेदःयःयम् यं दःवःवःग्रेयःन् वःवयःव्यः ने प्रतिव नि श्रुव ने र प्रति श्रुद नि में या या स्रया ध्रुव सुद र द्या गृहव श्रुद शि र्मेयास्य वर्षे वर्षात्र के वर्षे वर्षात्र के किरान्त वर्षे वर्षा के किरान्त वर्षे वर्षा वर्षे वर्षे वर्षे वर्षा वर्षे व मुडेना.हु:रेख.स.झेर.र्री विर्टे.र्वे.र्ट.पर्टेज.च.वेथा जथ.ईयथ.चश्चेत.स.चश्चर. [हर्-श्रे·च·व·वेश·ग्रुर्यःयःदी ह्रिय्यःपविदेःग्वेदःयःश्लेयःयःश्लेर्ःयःयः र्म्रत्याग्री क्रेंचयाचलेदान्त्रेषाचनर्यात्वर्यात्वर्म्याञ्चर्यात्वर् मिश्चरत्राहे। चक्चर् ह्रेंट त्वेल क्रेंब्र लाया तर्र हेर मेट र मा मिने वर्षेत्र हिंग्य हेर पत्र त्त्रीच पति क्रिंग रुद भीदा पारे प्राप्त के हिंगल प्राप्त पदि पदि पदि पदि पदि पदि प्राप्त वा वा प्राप्त प्राप्त श्चिन् नियः व वितः व द्रम्यः प्रयाक्ष्यः रोययः ग्रीः सुदः प्रयोः ग्रमः दीः यात्यः प्रयः चरः यत् सुदः पः ध्येवः द्री नट.लट.पथ.इथथ.पश्रेष.त.पग्रेर.लट.ड्री |बेश:म्:य:य:स्वाय:य:म्युट्य:य:दे:वै: मविषः र्वतः श्वेमतः श्वेषः यः श्रेषः वः वेषः यः वेषः यः स्वः श्वेष रे क्षायाध्य कर रेग्रायाया र्ट. प्रचोषाःचः र्ट्ट. अर्ट्र. क्रे. अट. सं. र्ट. प्रचोषाः चरः त् श्रुरः स् । दिवः चरः श्रुटः चरः चोषीट्यः य.लट.पर्.कुर.गुरा.च नर्.त.लच.च्। वि.हथ.तर.चित्रात्र.चित्रात्र.चे वित्रात्र.चे नश्चेंबल.थु. चेंद्र. ग्रीट. पर्च व.चे. ऱ्यात मृत.च.केंद्र. त्या. प्येंद्र. पराटेला पराचेंद्र ৰিথ

ঠা ा ने : क्षेत्र : य मेनाया या न्द्रा य स्वया या या या या विषय । या विषय विषय । या विषय । या विषय विषय । या विषय **ऍवा.मु.५ तर.च.पथा बट.मु.क्.रेमु.२.लट.क्षे.२.जूब.त.रेट.मेर्ट्ररेशश्चाक्रीय.**ऄश्चय. ন্দ: শ্বীন: ন্দ্ৰ श्च-र्ने नः लटः श्चर्यः नर्दः स्थायः न्दः तळन्यायः यः स्नित्रः यदे महोदः धंताः क्षेत्रताः हवातः सरः श्रुरः सः देः द्वाः वे स्त्रे वात्रः सः स्तरः द्वाः विदः। द्वोः यः र्द्रः श्री: र् मी: प्रते: या: प्रतु या: वृत्रय: प्रयाः म्दः यायः यदः याः याः यादः यादः यदः विमः य श्रूदः परः मुद्रास्त्र नवायायाये । पवा नवा नवायायाया विद्रास्त्र नवास्त्र प्राप्त विद्रास्त्र नवास्त्र प्राप्त विद्रास्त ₹'¾5'5| न्यापते कॅरादहें ब्रायर चेन्या ने ते केंद्रा पर व चुक्राया या धेका है। ट्रेल-पते. कृषा-प्र-प्राप्त-सर्घट-पते. क्रेल-पाञ्चेट-पर-त श्चर-र्स्। विषानु-प्र-प्ट-। ज**्ज**र लट.टब.पब्र.पब्र.पव्.वप्.वप्.व्या.इवा.ट्री विदेश.व.व्.व्यू.व्.व्.व्या.द्र.प.व्या.ट्री.पब्री.व ग्रदः त वृदः हैं। विताने अर्वे ये कं ना उं या हु त बुदा निते त व ता तु व्यत् कर ना द ता हु है य.हि.कै.यी.लुर्थ. खे. ची कुंबा.तपु.जथ. झंबय.ग्री.पर्यंथ.पी. श.पीथ.तर. रूंबोय.त. रंशेल.चपु. ॅर्डब.पर्डेज.थेशय.थे.श्रेट.चर.प*रीर.च.जय*। बट.८ब.बुथ.८श्रेज.चट्ट.द्रेब.चर्डजस् ॲं·ぢa·ਘ८·९aाराःशुर्धे८ःपरःबःशुरःपःदेःनेदःनेदः,नेदःस्वःदावाद्याः धुरःपःहःसरःबःधेदा अर्षे.स्.ष्.च.प.श्रूबीथातः पर्ने.पा.प्चैतः चयात्वयान्।ता.यु.ता.यु.ता.यु.ता.प्वेरः चःतादः है.केर..... **ऻॺॖ॓॔ॺॱॹ॒**८थःग्रुःयःॸॣॺॱढ़ॾॣॺॺःॸय़ॖॱॿऄॖॺॱॹ॒ॱॹॱॾॖ॓॓॔॓॓॔॓ऒ॔ॸॱॸऻॼऻॶॿ॓. दव्याताबदार्यः द्रदः हैं। *्रिशावः* र् ने प्रायदः युः नृत्तं नायः त्यः तम्हें व : यदः र ने । यः पह्रथथ.राष्ट्र.क्व.पूर.पूर्याय. य.पश्चरय.य.र्द्य.क्र..क्वर.पश्चरा पश्चर.प.प.प.प.प. **३८.ब.८ब.५**ब.प.ब्रे.प.च निव. है. हैं नल. र्ट. इंब. तप्र. पल. ग्रह. निव.ब्रीट.नर.थेय.थे.क्य.क्री.जय.क्री.क्य.ब्रीच.क्रा.बर्धे नेय.थ्री विय.चेश्वट्य.त.ह.केर. **रक्षियः व्यट्ट व्यव्या श्रेष्ठः श्रुष्ठः श्रुष्ठः व्यट्ट स्वर्ट्ट श्रुष्टः श्रुष्ट श्रुष्टः श्रुष्टः श्रुष्टः** श्रुष्टः श्रुषः श्रुष्टः श्रुषः श्रुषः श्रुषः श्रुषः श्रुष्टः श्रुषः श्रु ययः श्रुवः येरः रे। हैं गः ने त्रार पर पाया गया है है गाया मैदा हुः चर् पर त् गुरा पायेवादा डेवे डेर र्व ग्री त्यत ग्री इया पर श्रेव पा वे या गर्ने गता है। विता प्रमृद डे व। न्स्ता सद न्राधिनान्त्रेन्यान्त्रत्त्वार्मान्त्रत्त्रेत्रात्र्वेत्रायान्त्रत्त्र्यात्रात्र्यत्त्रत्त्रात्रात्र्यत्रत्त्र 其·多之·名·高士·日安·墓·之亡·日司公·白·马·日士·城广公·夏之·日·四·之其广公·司公·日龄与·日·四对… हे। गर.में धुर.इस.धर.बुद.धदे. गदरा श्रम्या ग्री हें दर गुर.धदे तथा इसरा ग्री तहरा नु.वे.ल्राट्य.थे.चर.तर.थेंथ.त.लूरे.त.ब.लुव.वूं । विर.वीर.तपु.थुव्यय.तथ.वार्चेरतर. त्रु चुलामा दे ले सत्राध्य प्रदे विद्रास्य ग्विदार् विष्याया द्राया त्राया त्राया त्राया त्राया विद्रा विद्रा हिः क्षेत्रः क् रूप्तः स्त्रः स्तरः स्टः सः स्त्रेश्वरः त्यः त्रः सः म्यः म्यः त्रः सः स्तः स्तः स्तः स्तः स्त स्वीयात्तात्त्रम्भवात्तात्वीवार्च्। विषान्ते साम्भेयात्त्रम् साम्भवात्तात्वी प्रति विवयःमःन्वदःक्षेत्रःमः व्यन् वविवः । इतिः द्विनः त्यतः चन् वयः ववनः विनः णिवःहे। र्रःग्रुःष्ठःषटः पर्वत्यः यः व्यत्यः व्यत्रः वः विवेतः तुः रेरः श्रुतः वेटः वरः यः विवः वा र्शुलानते सेते सेट्राना लाखाना नामा गुर्ने ने नामा साधिक है। दे ल्लेराक स्थिना मा भेवा हुः इ.च.बथ.पद्मेष.तर.लट.ग्रीच.पा पथ.प.पचथ.पी.ग्ररे.ता.लट.घ.लुव.सू। चर चन में हिर धर तन्तर हैन लाम देवा मानी किया में निया में की का के में में हैं

ब्रह्म्य.चर्ग्नेट्य.च.ज.प.<u>व</u>्युंट्-ट्री थक्र्य. हेव. वेथ. वया यक्ष्य. ता. हेव. मृ. मु. के. च. चु. या. हेट. *ऀ*९े**द**ॱ२ेॱ∾ॱतृत्यः नृतुञ्चःतुः श्वेनःधः च श्वतःधःतः ऋंदः धनः च्चेःचः धनः मृंःष्ट्र**ः ग्वतः हेः**ॡ॔॑॔॔॔॔ःःःःःःः विषयः भरः न्याः धरः चश्चरयः ग्रुरः। हेः तस्यः वयः ववरः वेदः रुः श्रुवः धः दरः। त.वे.च.विच.प्रिच.प्र.चेष्ठेथाश्चेश्वाचठराचास्वयाश्चेचाचर्रायाश्चरात्रायाञ्चेराचराक्रे दे·दहेदः कुतः चं त्यरा ग्रह्मरू रहे । ।दे : क्षेत्रः धेदः प्रदाय मृत्यरा संदेवः येदः दुः येः त शुत्रः ने ξŢ | चन्नवारा नम्बरा ग्रेरा क्षेत्रा अन् स्टर्गा सरावेत न स्वर्गा ग्रेरा| यॅ. दे*ष*. खेळ. तथ. च. चूळ. तपु. ८ च. त. ८ ८ . च ४ चेळ. देळ. ८ च. त. च बेळ. छे दे . र्धेर वा - वैर.थ.जय। **इ.**क्षेर.वैर.च.ज.वैर.युष्पय.ग्रे.**क्र्य.**च.चेरय.चय.क्षेर. त्रक्रवातुवाणुटा। क्रे.ने.वार्यान्यार्येन विषयः विषयः वार्येन विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः < स्वा.त.पर्वं थ.तपु. थर्न्.जया ग्रेटा । पर्व् श.र्ष्वे पर्वा । वाजाने जाता वे वा क्वा क्वा क्वा त्ये वा त्ये व ॺॖॕॻॺॱय़य़ॖॱ॔ॻॸॱॻॖ॑ॴक़ॣॴ॔॔॔ॾॣॸ॔ॻॱॳ॔॔ॗऄऀॱऄ॔॔॔ऀॱॸ॔ॿॖऀॴॸ॔॔ॾऄऀ॔॔॔ऄ॔ऻ॓ **ॻक़ॣॳ॔**ख़॔॔॔॔॔॔॔॔॔ देवै:ळे: तर्ने:केन्:य:हे:क्ष्र: वर: यर: तशुरा दे:क्ष्र**्ठेल: ग्रॅंय:य:** र्नः। च ठूब्र.र्ब्**य.** तर्याभीय। तहवार्ययाण्यंद्वत्तुराश्चरायायादर्भात्रतेयाचगातास्वयार्हे। र्ययाम्याने स्वान्ते प्रत्य के विषया के विषय के विषय विषय के व *ୗ*ଡ଼୰ୢୄଌ୕୶୕୳୵୕ଌ୕୷ୢଌ୕୵ୄୢୖଽ୵ୡ୵ୢୡ୵୵ୡ୵୷୵୵ୠ୕ୣ**୵**୵୳ୢୢୣଌ୕ୄ୕୵୵୷୷ **৫ইব**:ঘম:৫গ্রুম:শ্ नश्रमान्य द्वार्मियायरा मृद्यार्था दियावा या स्वरायरा निवाय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स ७८.२.४.५८.घ.५३४.घ.अ.पथ.घ४.८चे.त.त्वे.त.चूचे पत्र.चे.६ चया.चे.६ चया.चे.६ ।देवे:ध्रेर **ਛੇਕਾ੨ੈ੮੶ਜ਼ੑੑ੶**੫ੑੑੑੑੑੑੑੑੑੑ੶ਜ਼੶ਘਫ਼੶੫ੑੑੑਸ਼੶ਸ਼ੑ੶ਫ਼ੑੑੑਸ਼੶ਸ਼੶ਜ਼ੑੑੑੑੑੑੑੑੑੑੑੑਜ਼੶ਸ਼੶ਜ਼ੑੑੑੑੑੑਸ਼੶ਸ਼੶ਸ਼ੑਜ਼ੑੑੑੑੑੑੑਜ਼ੑ

नशुरुषान्। नमन्यापयान्नापान्दान्याम् क्यायानुदानाननेषानुन्येन् से ने स्र नह्याश्चाल्यूर् ग्रुर्म न्राम् व्यायाच्यूर्म म्राम्याच्यूर्म ।र्राम्याव्याच्यूर्म नय.क्षयय.पाय कृंग.त.वेथ.पुट.पश्टं.वंशय.घ.वेय.पा व्रिय.र्ट. म्पा.पुट.क्रय. ब्रेव. व्या. तथ्. व्या. तथ. व्या. प्रक. प्रथ. प्रक. प्रथ. प्रक्ष. प्रथ. प्रक्षेत्र व्या. प्रवेत्र व्या. प्रवेते व्या. प्रवेते व्या. प्रवेते व बी.रब.बुबा.त.चबुबा निस्ट.बचयान्नयास्चा.त.च.न्याया नियापाह्मथयानी. यन्तरामुः इत्राह्मर्गा दिः देः द्वापरः दक्षेः नयः दह्नायः छर्रः दे। विह्रदः धरेः मु ळळ.त.ऱ्य.पञ्च.च.चलेब। |७ेथ.चश्चर्या.तपु.र्घ.ता.केर.थु.वी.चर.कु.घ.केर.२ु.पश्चरा चुद्रा १ ने.लट. इ.चेथ.तपु. क्रच. श्रम. थेट. तच. श्रम. तप्त. त्रच. द्रम. य. द्रम. य. द्रम. य. द्रम. य. द्रम. य. ॾॕ*ॺ*ॱढ़ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖढ़ॱॺॖॣॖॖॖॖॖॖॣॖॖॖॖॖॖढ़ॱॾॖॖॗॖॖॖढ़ॱॾॗॖॗढ़ॱॾॖॣॖॗॖॗॗढ़ॱढ़ॗॱॾॖ॓ॱॿॗॗ॓। तश्चरा । र्वेर.व.क्षेत्रकः विवयः श्चे.क्षेत्रकः विवयः विवयः श्चेतः स्वयः विवयः विवयः विवयः विवयः विवयः विवयः व য়ৢয়৽য়৽য়ঀৢঀ ।ঀ৻৸৽ঢ়৽ৼঀ৻ঀ৽৸ঽয়৽ঀৢৼ৽ৼৢয়৾৽ঀৢ৾৾৾ঀ৾৽য়ৼ৽। ৄয়য়৽য়ৢ৽ৼৄয়৽য়ৢৼয়৽৻৸৽য়ৢৢ**ৼ**৽ य.र्टा तिर्ट्र-क्रब्यक्ष.बु.र्ट्र-बाहु.श्रेब.बूट्-वुर्-ता ट्रि-र्ब-र्बा.बूट-अंक.च.च्र्य. त.लुद्र। रिमु.धूर.चम.लूर.ज.रमद.बुर.। विम.बुर.च.ज.दहम्य.कु.चया । नर्गाकुर्रत्वात्र्रां त्यार्द्रवात्रे । वर्षाह्मात्ययाविष्याः क्रेवानविष्या ।र्गेःश्चरः चच.लूर्.ज.र्चर.बुरः। विच.बुरे.त.ज.पहचया.के.चया किंचा.त.चयथ.कर्म.हीच. तर.वेरी धिर.गुय.र्ह्च.भेट.प्र.ब.चबुबी बिय.थ्री टि.क्रेर.बी चमेय.हीरय. पया ग्या हे. यह देया वरामा वर्षा प्रतामा विष्या में अधारा न्या है.

चतुः क्षेत्रः स् | विकार्यः क्ष्यः क्षेत्रः विकार्यः विकार्यः क्ष्यः विकार्यः विकार

वयत्रारुन् त्रिंत्रान्त्रान्ध्रकायायाधेदाने। युवात्यार्वेष्व्रायायुवात्रायायवरः र्मा १ रे.ज.र म्ट्य.वय.बर्म.र्थे.द.केंद्र.केंद्र.केंद्र.जेंद्र.जा ज्राट्य.क्रेंद्र.टंट.जेंब.सेंद्र.थेंब.क्रंब्य.ता न्दा । विकासराधिवाश्वयासम्बन्धास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्याः । विकासराधिवान्दार्धाविका यह्रे अह्र अह्र अवात्र विश्व त्या भूषा विष्टा यह स्थर हिर विष्य है निया विष्य विश्व विश्व विष्य स्था स्था स्था नश्चरत्र पदे छेर र | दियाव इया यहिव हुन पर इयत ग्रीत विस्ता विस्ता र हिवा पर <u>र्मानी त्र्यात्र तीत्रात्र स्वारा पदे अह्य अव्यात्र श्वार क्ष्यास्ता मुन्त प्राप्त मुन्त प्राप्त</u> |बबर-विग-देश-लगाया-दग्नी क्यूर-दह्मा-वर्षा धेव क्। श्र.ण.श्रा.यानहेवः [홈피.디텀띠.욮.덫.몆.띠섭.줬띠] [영성.피입근성.디.하고.회성.저품석.건당.디봇. ৰম-বী त्र्विः हेष्यायहेष्याष्ट्रीत् यळ्ळाच्यायायात्रः इत्यायष्टिष्यः त्र्वेतः व्यव्यायहेष्यः व्यव्यायहेष |पर्-पर्वतःखयाः ग्रम्-सक्ष्वाःक्षेत्रः सम्याः श्वाः सम्याः स्वायः प्रदेः स्वायः क्ष्यः म्याः धव क्। र्टः वृद् रायः व्ययः वश्चित्रः गुरः यः इत् ख्टः वयः दः स्वरः ह्वायः भेवः त्वेयः व्या देः वः देः र्मो.क्ष्यात्यःस्मृत्यात्यः पत्ते नत्त्रात्तः मृत्ये व्यात्त्यः श्वः स्मृत्यः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त् **८**ची.धूर.ज.स्रचय.तपु.चश्चन.चाढ्ये.स्ट्या.थी.क्ष्चया.तप्र-श्चर.च.जा.वचर्-८च्या.स् lld. डेन् द्धंतः विस्तर्श्वराम् निर्मः वर्षे पर्ने त्यू पञ्च पार्थरे ध्वराधेन कर्ने दे पक्षेत्र म्वत्य ग्रीयः ग्रूर ৴**ঀ**৽য়৽য়ৼয়ৣ৽৴য়ৄ৶৻৸৻৴য়৽৸ঽয়৽৸৸৽য়ৣৼ৽ড়৽য়৽য়ৼয়ৼয়ৢ৽য়৽য়য়ঀ৽৸ৼ৽ঀৢ৽য়৽ उट. ब्रेट. र मे. पश्चेष. ग्री. हेष. पा. पट. र ग्र. प इब. प. ५ इच. प्र. प्र. प्र. हेष. रे. पश्चम्या ग्री

क्कियाम् त्रीराद्रास्य विषयाम्य

हे·पर्श्वर्-रवासः विग्वराहे क्रेव् मॅं र्नर एवं विष्यास स्वर्यः स्मृत्या गुलासला खुना तक्र का स्वा तर्नात्या म्रात्यना वद्या द्वी वदी पर्ना त्वा म्रान्य ने ने मुख्या है। भ्रुपया त्या सुदा वर्षा प्राप्ता प्रा त्र्रेते.म्.प्तर्प्तप्त्र्य्त्.श्र्ट्रीत्. यर्त्र्र्त्र्यः द्वेत्यः क्र्याः व्यात्र्यः व्यात्रेत्रः क्रांत्र् क्रुव.व.कर.२.८८८ विष.जूर.चट्ट.चवव.त.र्.क्रुव.त.५८.। ৸য়ৢৼ৾৽ঢ়ৼ৾ঀৢ৾৾ঀ৽য়ৼ৾৽৸৽ त्रिन्-नःस्रवतःन्नाःयःबेदःमःस्रनःमदेःनत्रयःयःनःमञ्जेनःदक्षःनेःयःनहेदःदकःग्रनःस्वःग्रीः बक्र्म.रि.धुबय.पश्चेर.ट्री श्चैय.पे.क्र्य.त्र.पविर.तयःश्चेय.पे.पव्यर.व्रश्चर. र्म्याने। पर्ने दिर्द्धेश्वेदे म्रित्यर ह्र्या ग्रह्म पर्वे के निक्या यात्र यात्र रे.ज.रट.चलेब.बीयाचरे.चर.पहेब.त.बीब.इ.स्वा.णवे.चला लट.रवा.चर.व.चरे.च.बर् लाञ्चरायटाह्रवात्र्रारेषायराष्ट्रदावरायवताह्रवायवे द्वरार्ते । १८वरावादे सम् मलट. थर. केट. च. पमंद. मलट. वि.व. र.ज. मूर्. च. चबुव. हे। हुर. च. ज. दहना च. जथा क्षेत्राचन्नता.वी तिथ.पुर.धा.च म् अवाचि हिरा विषा परा श्रियायाया.ही दयाया. पका ग्रीमा विमानिया प्रमानिया विमानिया नक्षेत्रान्यस्यात्मान्देरात्रेयस्य |दे.दे.देयायराद्वरावेदार्थ्याचुकावनुःद्वाः त्म् तः सन्यः मन्तः सन्यः सन्यः सन्यः विषः प्रतः । विषः प्रतः स् । दिवेः खेरः चर्-त्र्रात्यायान्दर्वात्र्रार्द्वत्र्रान्दर्वर्त्त्र्राच्याः म्राप्तरास्ययायायस्रदेरियागुरा | | न्युवापानान्तरायहंत्यावहेनायाश्चेत्रा प्राप्त | विवार्ता श्रुवायायाधीत्वायायवाग्रता हे.क्षे.हे.क्षेत्रावर्ग्यावर्गः यदः तत्तुः मेका क्रेका दिः सुर् देरमा नि सुना सुन स्मा भेनः तृत्व ना स्र त सुन । हिः सु हिः क्षेत्रः त्र्रा नः गुवः यः स्वा नस्या पर्नुः वेषा स्वेषा देः क्षेत्रः वित्रः वित्रः विवः स्वा स्वा स्वा स्व य्याः स्थान्य विष्या विष्या विष्या क्षेत्र स्थान्य विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषय तर्न् न्क न्या के के विकास प्राप्त प्र प्राप्त शुराया दिन्द्वर्त्त्रस्त्रम्यायायाये थे विष्युक्ति विषयुक्ति विषयि याव्याश्चर्रायते सुव्रळ्ळ ग्यात्राचरे प्राप्तर दिवाया न्रा श्रुणायते स्यापर र् श्रुणायते स्यापर र् श्रुणायते स् मूर्ययातपुरचेषुवरस्य किंवा पर्वतार्यः। श्रेश्वाराः श्रेश्वराः मूर्ययाप्यः चियावरः निर्वार्थः वर्षेत्रः व्यान श्रीव्यवान्तान है श्रीना न्दा तर्ने न् कन्यात वेता न्या श्रीन् पति तिविनः व्या श्रीन् पति । नशिर्या तथा श्रीर् प्रति हो सार्वे नया न श्री सारा नवर् । उ. केंद्र

 ष्ठि:ब्रॅ:ऍष:पत्रुट:प:२८:| दे:ब्रेट्र:धव:धवष:ष्र| *|५८:*ऍ:दे| धर:प:बेष:प:दे: पर्वट्यामा त्या में तारा है। दे प्यटा त्या न्टा क्रेंब से द्या मुके या दी ति स्टा परा तकेटा हो न दे.चाक्रेयाग्री,रंचर.ब्रायाच्ययाग्री,रंचर.ब्रायाय**द्वर्गावत्रया**यास्य ब्रायाच्या *र्रात्*र्म्, नयः क्षे.च. क्षे.ज. श्र्वायः सः क्षे.प्रयः है वे. र्रः श्चे.वे वयः ग्वे.श्चे.वयः बर्यः जः य्वयः सः स नर्ते । रे.इंच.चर.वर्र्र्प.च.ब्रे.बर.च.र्र्ब.ये.ब्रेट्र.चवे.ब्रेट्र। वर्ष.च.र्-वर्षः वृच मु तर् चेर चेर वय वेष पाय या वे च हो। क्षेत्र या इयत रुत्र पड़ेता पर के व्र ঀঀৢ৾৾ঀ৾৾৾ৼ৾৾য়য়৾য়ৼ৽য়য়ঀয়৽য়ৣ৽য়ৢ৾ঀ৽৻য়য়৽ঢ়ড়ৄয়৽য়য়৽য়য়৽য়ৼ৽য়ৢৼ৽য়ৼ৽য়ৢয়৽৽৽৽৽ मते. श्रुवः रु. त श्रुवः म्। दिलः वः मृषेवः मः सः श्रुकः वः सः स्टलः सरः हेटः सक्षराः श्रुवः सरः त्युरः चः नविदः र्थः श्रुकः धते रहे चकः ग्रैकः वेदः ब**ढं वकः व**श्रुंदः चः व्यनः धत्। विवेदः धः देः श्रुदः तर्थ. घचय. थ्री २ धरःषःभ्रंबः धरेःश्रुषाः चष्ट्यः विष्यः यः **व्याः** यः द्र्माः चुरः यः देः भ्रंबः धराः निर्देशमात्राक्षात्र्र्म् स्वाचरावर्ष्ट्रमात्राक्ष्याम् विष्टाचात्राक्ष्याम् विष्टाची विराधिक द्यु-क्रुन्-पर्ह्याके.पर-ब्री-पद्य-बर-प-पा-क्रुप-५र्न्-एक्ट-प-आर-केर-ख्य-ग्री-स्ट-र्ग-क्रुन-नम्यःग्रुःरदः पत्रेषः ठवःग्रुःकेषः द्रीम्यः अव्दरः पः यः रमः ययः ययः श्रेरः पदेः केषः द्रीम्यः नर्श्वयाः वयः नेः तः तम् नः तम् नः श्वे तः वः श्वे यः नम् तः विष्यः तः विष्यः तम् नः श्वे तः व्युनः चर्षा म ताया वराया वर्षा व रट. विश्वात्वात्वेष श्रीन् याची विदी विष्यत्व विष्टा चत्र स्वात्व बियामशुरुया *ৼ*दे[.] धे*र:* ३॥

मी श्रु व्याप्ययाया प्राप्त हेव. पड़ेया पड़िया व्याप्त विव्या श्री व्याप्ययाप्त । प्राप्त विव्याप्त विव्यापत विव्यापत विवयापत विव्यापत विवयापत विवय

मुनेषा ८६मः रेबः पर्वायस् । प्रायः वाष्ट्रियः भूगः परेवः परेवः पविदेः स्वाः वरः वाष्ट्रिरः तपु.र्मूट्यायाचस्त्रवार्चा श्रृणायस्यायस्यायःर्द्रवास् ।र्दायःवी त्रीतः वै:बु: नृतः श्रुषाः यदेवः वै:देवे: तत्रवः तुः धेवः यवः गुवः त्रवुतः सः त्या त्रें प्राचित्र वा क्रिक्षेत्र प्रहें का स्वाप्त प्राचित्र के क्षेत्र के क् न्ने श्वॅट न्न तदे के द्वन न्यूय तथ नव पर पदे पदे व पदे व गुव तद्व पत्य नव तपु. पर्दे निष्या विषय बिष्या बीर्था भी भी हैं । पर हैं वे . पर बी की . देश हो । देश हो । पर विषय की . देश हो । पर्ने भूरा नृत्याचु रूट केट्राया हेना अरादि विराधा तथा हराद में दा हो वा के वा या विना बाञ्चितावः स्टान्ध्यादेः बरावराहेः हेरा दित्। देवावराविता देवावराविताः वाराविताः वाराविताः ततु.धेब.तथ.पश्चैपथ.बंब.पव्रूप्तप्त्राचतु.संबे.क्ष्र्वेषा.क्षेवा.पर्व्याचायाचनु.चर.पह्रवे.तपु.... हुर.इ.प्रम.मुय.पश्चयताया चतु.चक्च.च.यया द्वम.चह्य.क्च.यळ्च.पर्ट.प.यदत ₹अ·ध**ःगुदःहु**·ळ्र्-क्षेद्रद्वा विकक्ष्र्रिःवर्दरःदेःवेदःवःवा विहेष्रायःधकःदःक्षेःवेः त्युर। विवान्त्रिरवासः देर। वर्ने वै. धरः द्वासरः दः वर्ने वः सः धेवः श्रेष्ट्वा वह्यः ल् । ष्याद्वेच नद्यामी द्यापारी याचिरय वया है नाम है नाम है नाम है नाम है न चनेत्रः सः व्राच्याः बन्दः नाव्याः त्राच्याः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्य व के स्वाप्त नेवाववा देवे श्वादि सु त विवा धेव क्षेत्र श्वाद गुव व हिर वे पदेव पर नेवा ॲंटलःग्रे**.इ**.च.चन्न.५९६ं **व.२.५ेलः**मदे**.ग्रेवः५३८-मी**.चने व.स.मेलःस.श्रेयःभटःचन्नः.... पह्रु परः ञ्चा वे थातरः अवूरः यः यः वे वा यक्षाय व वा या यदः य वा वा या यदे वा या यह वा ये वि यरः व धः न्यातकतः नयः नेतेः द्वाः तुः तर्वे नः यदेः चने वः यः नशुम्यः व्या । विः वः श्वनः चने वः च श्ववः यात्राह्मरामात्रादर्भन्ताञ्चे प्रत्याञ्चनापन्तेत्राची स्वानित्राम् वार्षेत्राच्याः स्वानित्राम् श्चित् अर् रे रे दे ते के सुन न स्या है न दे त में न या या स्या द्वा द सुवा पते वर त रूर् लूर्. ग्रेट. क्रेच. पर्वता ग्री. श्रे. इंप. था. इंप. क्रेच. श्रेच. थे. था. था. या. पर्वचा. त. बह्ब.री.विद्रःश्रेबारी.वरावाजाब्वावीयावीयावीयावीयावीयावीयावीया चः अहेत्-तु-चुद्र-श्रुव्य-तु-तहेत्-धःत्-देत्र-त्म्-पदि-लवः महः धेत्-श्रुव्य-तु-लवः ग्रुः चहेत्र-धः षात्ह्रम् प्रत्याययान्देवः वः यरः मृशुर्यः स् । देः द्वरः धरः । शुर्ः श्वरः याया ब्र.चेय.चे.वर.कु.ब्र.चे.कु.ब्र.चं.व.व.चं.वर्ष.चं.वर्षेत्राच्य.चे.वर्षेत्राच्य.चे.वर्षेत्राच क्षेच.चर्चपाक्चै.रट.र्ट.प्रूचे.त.रट.र्ट.चबुच.पाथा विद्य.वे.इट.वे.र्रच.तर.वे.बुट. नहेब.तर.व। वियामश्चरयार्थ। रि.हर.व.चरेव.चवे.वे.वचा.त.के.क्टर.गाव.ह.तवः नु अर मुश्य भेटा विवर पर वह माय र्ट है लय व्माय विवर मुद्र स्वर परे पर में भे बेथा तथा प्रदेश तथा देश में पा ही पा तथा है वे प्रता के वे त्वानाः क्ष्ययः ग्रीटः क्षेः पयः देवः पः ने देनः निः श्रीयः यः विति । निष्याः हो श्रीयः पदेवः पयययः चथ.कु.चेथ.ग्रीब.पवैट.र्थ.जा ग्रीब.पवैट.चथत्रथ.नपु.सू.बेथ.पव्ट.स्ट.चर.तथ. र्टः व्रेवः श्रट्यः यः इययः येष्यः यरः श्रेः वेषः वः व्येवः यः अर्वेटः प्रतेः यर्वः स्वाः यः व्रूरः । ८०.च.वच्छा.चे.बुर.तर.वज्जर.चते.बुर.र्टः। श्वर.वु.द्वेन्गुव्यःमेवावःरेखे.चरःवीः महेत्रायाः भूगायस्यायञ्ज्ञायाः न्द्रायाः महेत्रायाः क्रियायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स

र्टा अ.श्रुप् वेब.चर्षण.चथथ.तष् रिट.त्.ज.बश्चित वेब.चर्षण.चक्चेर.चयय. ता क्षेत्रा-पर्ज्ञलाः च्रुता-पर्ज्ञलाः निष्ठाः पर्वा । १८८.सः द्वी ब्रिट्यायय। देयायायर्द्र्नाययार्वेट्यान्टायक्केतान्टा। वि.न्टाम्यंवायास्रुनायस्या |त चुरः नवरात्वारः नः तः देः क्चें यहं र केरः। विवानशुरवः यः स्वरः नक्षेत्रः त्रा १ दे.पार्ष्यराचाराक्षें चार्ष्ययाचित्रं वार्षात्र्याच्यात्रं वार्षात्र्याच्यात्रं वार्षात्रं वार्यात्रं वार्षात्रं वार्षात्रं वार्षात्रं वार्षात्रं वार्षात्रं व ्रष्ट्रवा प्रस्ता दे तर्द्र प्रस्ता स्ट्रका साथा संग्रवा वा प्रदेश सुन्य स्वा वा स्व वा प्रस्ता स्व वा स्व वा स्व **ऀॻॖॱॿॖॺॱॸॹॺॱय़ॱॸढ़ॎॱॿॖ॓ॱॸॿॖॸ॔ॱॸॕऻ**ऻॸॿॖॸ॔ॱय़॔ॱढ़ॸऀॱढ़ऀॱॸॾॕॺॱख़ढ़ॱढ़ॸ॔ॹॻॖऀॺॱॹॖॺॱॹॹॱॸॸॆॿॱ र्स्यायहेद्रायते अववासुः अर्रे के पुः सरः महित्यात्। विश्वेरः प्रः सुद्रायते प्रशेषायः भूर-भूट-घ-घवथ.२८-ज.लट-विद.ब्रट्ग.घ-इवथ.दु-छ्ट-टुदे-भ्रेचथ.थी.घनर्-घ-इवय..... तर्रम्भाराञ्चरावमाचुःबेरा। वुवासरायाधेवायदेःक्वराचुःस्यवायावेःविदेवायुःय्राय देवःग्रेःहःहःहबःचञ्चरःचरःग्रेद। । तर्दःहबलःद्युनःश्वयःधवःयरःचश्वयःग्रुदेःद्येगवः यान्नित्वात्यता नवन यदे न्ने क्षेत्र ने तुर्या यह नामा त्यत्र क्षेत्र नामा त्यत्र क्षेत्र नामा त्यत्र क्षेत्र र्श्वेष्यायायार्मेर्प्यार्थेष्ययार्याष्य गृहेर्श्युष्ययार्प्याच्याः चित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः नरः भेषः पः केरः वाषायः वैदः नृहतः यदे : हरः वाषः श्वः न श्वं वः श्वे। बेबबाम्बद्धान्य प्रतास्य इयायादी । दिन्द्रिन्द्रम् प्रतास्य द्वा अद्गा बिय. र्रा वेग्पाळेदायं तार्र्पा क्षेत्रायदे सर्भात्रा मुन्ता वेप्पा मुन्ता मुन्ता स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम्य गुर्-तर्-दे-देर-वर-क्वाक्षयार्पत् इवकाग्री विनाम केवाया केवाया केवाया केवाया केवाया केवाया केवाया केवाया केवाया **५** चुर.च.चर.४:८५८:४ ने म्बर्या उन् दी स्या पन स्या ग्येत्या पदे ते स्या ग्रीया न्द *बिया.चशिर्या.*धरे. |दे.पःइअ: पर:अ:म्पेट्स:पदे:शेयस:वे:द्मे:पदे:द्वेम्स:परा:म्बद:रु.शे: न्येर.च.ल्येय.जा र्व.रट.क्र्य.वी.र्व.रट.क्र्य.ही.लट.र्व.तर.प्याययाच.वी.स्.स्र. ह्रेच.तपु.ध्य.रतिर.क्टर.थ्रथयतत्रि र्वे.य.वु.ल्ब. धेव.वु.क्ष्य.ब्रीय.त.घथय.करं.प.टु. मोडेयार मूया पर न हेव है। रियाय होगाया गुरुष गुरुष गुरुष मुनाया हा स्वर्ण हरिया रोययः न्ने नदे न्ये नयः में त्ययः मृत्व मुः वी म्योरः यरः मृद्यः यदे हे म्ये माः वी र्श्चर्-पर्व-हे-हे-पर-र्ट-हे-क्रेर्-परवेर्-पर्व-हेन्-वर्वर-र्द्र्य-व्यय-रे-र्ट-हेल-शुःववुदः पया विषयःग पट.वेब.च्य.इय.इयय.ग्रेप म.वेट.क्य.ग्रेयय.र्गयय.र्गयय.ग्रेप म.ट्रे. न्षेत्र.मंभेत्रायाः इषयाःग्रीः नेत्रे क्रयायहिताःहेत् । यद्यायहिताःहेत् । यद्यायहिताःहेत् । यद्यायहिताःहेत् । यद्यायहिताःहेत् घषथ.कर्.वीर.धु.चेबथ.र्टर.क्षेच.षव्टर.चु.पर्यथ.वीर.ग्रच.राय.वीत्री ष्ट्रिया गुर्या ो ८२^{.पा.}षु.क्षेना.र्ट्य.र्ट. ईथ.शे. बधेय.त. चेथेय.घ.चेथ.घ.चेचा.त. चेशेश.ग्री.ल्य. हवः बयरा ठर् वे क्ष्मा र्ह्सा ग्रीत्या स्ट्रास्ट प्रते हेरा संबेर् हैं। *नि* क्षेत्र स्रम 日本の、口動力、ouv. イト、丸、鶏・ロは、着山、口がら、口はは、これ、丸、高、ouv श्रु.प.सृग.पर्घण.८८. र्षे . तथ. देव. पर्वं । शुत्रथ. २४. रंशिष. प. त. इंश्य. रंट. श्वरं विवे. पें. देव. पर्वं त. 日は、例、子可な、妻はな、くて、おては、母な、強、口、妻はな、くて、類、て、はな、強、口、強、口、為、口、者、一、 बर् रावाक्षेत्रक्षरयाक्षेपार्टाम्बर्यायार्ट्यात्रेयापति साध्येत् हेयाशुप्तत्रेयापयाः **2.mk.g.2と.ロ皮| 「粥.ロ.み山.ロだい.前.山々か.如. 恋.ナ.ロか.各山.ロだい.ロ.女|** मेशिकारी क्रि.पाचिर्या तथारी जान हे ये वे ये था में ता रेटा वे ता रेटा वक्ष ता पाळू मेथा तपुर क्षे मे नर्षतामुर्याच्यात्रात्रात्र्। श्लिपः कृषः अंद्रताः ग्रीः न्यत्राः श्रीः ग्रुरः धराः श्रुषः । व्रुरः त्वर-वर-ब्रुक्ष-व-द्र-क्रग्व-वरे-ध्य-र्र-क्र-वरे-ध्य-र्र-क्रेर्क्ष-वर-द्रक्ष-वर-द्रक्ष-वर-द्रक्ष-वर-द्र-ध्य---इययातानु मा महाया क्रे विरा देया ग्रदा स्वया नरा से या ति विरास्य मा नरा स्वया स्वया चर्-च-ताक्षः नव्यायः हो। वृषः अट्याय्यः स्यः क्षे क्षे छ्वायः वयः स्यः त्रः त्रे स्यायः वयः स्यायः वयः स्यायः व क्रे.प.ध.पर्रे.पषुष.रे.पर्यायायपु.क्र्याक्षेराः भवात्याः द्वेषाः पर्वायः क्रेयः पर्वायः क्रेयः पर्वायः क्रेयः प ठर्-ग्रे-बहत्वक्र-व-त्वायायायत्वावेदा दे-प्य-क्रि-व्य-देवागुर-सुना-वस्तावित् श्चरः नरः चेरः धर्मः । दिः क्षरः वः क्षेः पवेः क्षः श्वनः न स्यः दरः न ठराः धरः नदः न वराः रवः येवः र्टः विषः चरः क्रेः विष्ः। क्रेयः चर्यः ग्रुपः युः कः कः वार्यायः चः न्टः द्वेषः स्ट्यः चः स्वयः न्टः पक्र.च.पर्रेब.जा रे.र्ब.बुब.ब्रस्.ब्र्ब.च्र्य.चर.व्रेर्-तप्रं क्ष्य.य्वय.तर.व्रेर्-तप्रं। विर्म्पर-द्वायद्याक्ष्यक्षायदे छ। द्वाप्त्रच्याहात् द्वाप्तादे । श्वाप्याया विद्या सालला मेवाहाक्षामन्द्राराक्षाम्बरान्त्रामक्रामक्षातम् । रमाहार्ममाधानम्

|बरयःनवयःर्ध्वयःमःसःस्तेःवरःरु:रे:व्यायःवया विवःधॅरःदर्गाःयःथे। 194. **ॲ८ल:** नङ्गुयल:०:सून् नस्त्रः केदः यः नङ्गाः न् नेतः र्ला बियाग्यस्यायाः स्ट्रा क्रेन्-दे-द्नन्न-मे-द्रेद-पद-। बदय-दु-दहन्-य-यत्। श्रे-न्डद-द-ऋग्र-य-बद-द्यत-प्रदत्त-शुःन्रानःश्रेदःतृतेःरेन्यः इराधन्याः यदः यदेः न्द्यः न्द्रः न्द्रः न्द्रः न्द्रः व्यवे क्षः न्द्रः व्यवः व ठरायदे सुनार्राष्ट्र सुनारु यार्रा स्वापा मुडेक र्रा यार्प र्रा यार् स्वर सुना मर.मी.क्र्याय.ग्री.रिय.ड्रिय. क्य. २.१.१.१८५१ स्व प्रट.गाय.क्रेट.य.व.व.व्.स्वाय.क्रयायायकेया मिन.बु.र्षे.पष्ट.तम्बत्तातातान्त्रेव.हे। वि.च.र्.र्.पष्टेव.वि.वक्ष्यंत्रीरःपयावे.पह्ना बर्णः चर्त्रः ग्रीः इसः पः र्वते खेटः चः गृष्ठैयः ग्रीयः वैचः सॅरः ग्रुयः भैटः सेन् ः परः सेन् ः पद्याः देवाः ग व्यापितः स्रतः है । या नृहापि स्रवः पक्षाप्तः व्यापितः स्रवः । स्रोहः व्याप्तः स्रवः स्रवः स्रवः व्याप्तः स्रव व्यापितः स्रवेः है । या नृहापि स्रवः पक्षाप्तः स्रवः स्र त्र-पदेः बराग्रीः संक्तः द्वाराष्ट्रेः पदेः तुः नः द्वारा द्वारायः द्वीः पक्षेत्रः केरः। न्दः बेरः बेरः मृदः मृरः मृरः मृरः मृरः मृरः स्वाः त्युषः धवेः सः मृरः स्वाः सुः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः त्युरः चरः त्युरः बैरः। वाषाः धः प्रः मरः धः प्रः त्य्ययः धः देः भः यदेः क्ष्र्रः ग्रीकः प्रोत्। अन्यः द्वी-यानिव निः दी-दा-याववयायः वी-प व न् न्याः स्व न्याव न्यायः वि । प्रत्ये । प् र्मा मैया दे रेम श्वेद स्थान विद्या मर्डट प्रति श्वि प्रत्य दि । विश्व स्ट प्र श्वे म्या विष्य विद्या श्वेष वि यः रवः हुः त चरः चतेः व र वा ग्रीः व रः रु वैः र्वरः । र्श्वना गीः र चरः वैः क्षेः च हुव। वदैः खुल ग्री वर मी श्रेया दे गाद द्या महर गाद हु महर व्यवस्य हु महर । क्र गाद हु क्र वर्ष र या हु য়ৢঀ৾৾৽য়ৢঀ৾৽য়ৢঀ৾৽য়ৼয়৽য়ৢয়ৢঀ৾৽ঽৼৼৢঀ৾৽ঢ়ৼয়৻য়ৣ৽য়ৼ৽ঢ়৽য়য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়য়৽ न्यं.प.र्ट. ल्र्ट्य.श्र. न्यं.प.र्. के.र्.केर.लट.र्. पश्चर.प.वं थ.पश्चर.प.पंट.श्र.श.श.र.. चिष्यःसरःचिश्वर्यःस्।

व्यतःसरःचिश्वर्यःस्।

व्यतःसरःचिश्वर्यःस्।

व्यतःसरःचिश्वर्यःस्।

व्यतःसरःचिश्वर्यःस्यःचित्रःस्यःचिष्यःचित्रःचिष्यःचिष्

2. तकेबी जाना चोड़ था तक्षित्र था स्ट्रा अवार्ष स्ट्रा विकाय क्षेत्र स्ट्रा विकाय क्रे स्ट्रा विकाय क्षेत्र स्ट्रा विकाय क्रे स्ट्रा विकाय क्षेत्र स्ट्रा विकाय क्षेत्र स्ट्रा विकाय क्रे स्ट्रा विकाय क्षेत्र स्ट्रा विका

म्बर्धरायरताशुम्बर्दा स्वापस्यागुःस्रापः केवारास्यान्यान्या য়৴৻য়৾৾৾ঀ৴৻৸৻ঀ৾য়৻ঀৢ৾৻৴৸ৼ৻য়৻য়য়৻৻ঽ৴৻ঀৢ৻ড়৾৾৻৾৾৽য়ৼ৸ঀ৾ঀ৻ঀ৾৻ঢ়৻৸য়ৢ৻ঀয়৻ न्यंन्यः भ्रंबः ययः ब्रहः न्दः वर्षेतः न्दः क्षेटः वैः न भ्रंबयः है। र्माः पः न्दः व्रवः दः नः वेः च च न् र पर ग व का पर ने : क्रु र न : क्रु व : क्रु र न र : क्रु का क्रु का क्रु का क्रु का सर हो व : पर क्रु का सर हो व : पर हो : पर हो व : पर हो व : पर हो व : पर हो : प त्तृः श्रदः मुळः स्यायः द्रायः द्रायः द्रायः द्रायः द्राः हे विषाः द्राः हे विषाः द्राः हे विषाः द्रायः हि विषाः हि विषाः हि विषाः हि विषाः हि विषाः द्रायः हि विषाः हि विषा ब्री.स्याग्री:ब्रिट.झ.पा.इ.ट्म.त्रपु.र्मा.त.२४.के.पी.पश्चात्मा.त.पश.म्याग्रीयार्माय.या.या. ग्रीयानकर्रायानिविष्ठा ध्रमानस्याग्री स्राप्ता स्वर्था द्रमाया स्वर्धात स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्धात स्वर्या श्च.प्रट.च.श्चेट.चर.पश्चर.र्रा बियामश्चर्याःभेटः। च.जट.घमयाःघःचश्चराःवार्यमः क्रम्यः म्बर् मुक्षः स्राप्तः न्दः। अह् उदः तिथः स्र्यः पः स्रमः मुक्षः स्रमः प्राप्तः द्रमः पर्वाः इन्द्रं श्रुट्राचाविद्रः १ वद्यायावन्यादे वट्रुः त्राह्यायायात्रं न्याद्रः <u>ロ4.5 山.れ.生.而と、着山.日香切.江山.日.発口.日.男し、日三人.日.男と、日.男と、日本………</u> चेश्वरत्रात्र्। द्विच.चर्चताच्चेर्.ग्रु.वर.वया.ग्रेट.र्ट.घ्.घ.घ.षा.वव.छर.वेय. 身.製如.之其如.百如.新女.日七七.日.為女.與女.矣山.日安.与如.女口.弱如.而亡.七亡.而亡.己...... ८६८.८.पञ्चरातर.विद्र। वि.चदु.क्षेच.चर्चण.चथ्चरात.ज.क्ष्याया चर्चेचयाचरार्घः मूर्याथी थेयथाताची भूराताबि केर.री.रिबी.पार्टा अम् ही.पदाश्रास्वा केरार्यारा र्टः र्रायानः द्वापान् द्वाप्तः मृद्रः मृद्रः मान्त्रः स्वायः स्वायः ग्रीयायानः स्वायः स्वयः द्वापाः स्वा तर. र क्रि. पर्व | वार्षि कूं चया लूट्या थी. वे वाया ता. वी व दे वा. व. या. क्रि. च वा. व. कर्. ता व र न-र्रायम्यान् भेराञ्चान्वयातुः तर्देन्याय द्वाना र्रा श्वाना वेता वेरा तर्मान्य तत्वा पा स्बेथ.ड्रेर.चर्च। श्रमा त्या वाया धरा नहीं नाया तः ॱॐष्वतः यः **ग्**वत्यः यरः श्रेः अर्धेरः यः रूटः यहेर् ः रतः क्षेः यः तः र्षेष्वतः यतः द्वर्यः तः र्षेष्वतः यदेः অরু:ই্র:ঘর্ |लेज.प.प्रट्य.ब्रॅ्रेट.त.लूटश.थी.वेषथ.त.थ्री घ≡४.घ^{थ्}ट.ज.थूबोय.त. त्र हु: नृग्न : बेर: ग्ल्व : प्यर: प्रेन्: प्रेन : प्रेन : ह्व : व्यतः या व्यतः व्यतः व्यतः व्यतः व्यतः व्यतः व ळु.लूट्य.थी.घेषथ.तपु.केंबी.चर्रुला.थू। कु.सज.कु४.चर्नतथ.क्नै४.**टी.**पक्र.च.ज.क्नेब्याय.त. है। रे. इयरा भर र र भर र र येयरा पर्व विक्रिकेर र र या या या सामित का सामित सामित सामित सामित सामित सामित सामित पहुंचायानकयानिराञ्चेताप्टी चि.जयापञ्चेराचाचीचानाञ्चेरार्थञ्चेया विराजेराञ्चेया नतः इ वया मानया श्रेया विषि निरायः वर्षाया वर्षा वर्षाया वर्षाया वर्षा ₹. नया न इव त श्रुवा इता न द स्वा का विवा मिन र व स्वा की विवा मिन र व स्व विवा मि म् न्या प्राची वाया द्वा प्राची वाया दे श्वा द्वी री । वि नया प्राची पहेर पर्स्व दिराय द्वी द्वी पर्या न्दर्भग । म् नयान्द्रेनात्र्भग्रहरानकृषायराष्ट्रेत्। । म् नयादक्रिक्वेद्राम् नयायद्रास्या 台内:公城中 'बुर्'। क्**रल्'न्र्'न्'बु**'न्बुर्'र्र्'। |ग्र'श'नदे'ब्रल्'क्र्या क्र्यन्निर्'ग्रेब'़ान्र्'ग्रेब द्रराचयार्च देयाचेड्चायाद्रराद्राच्यवाचययाञ्चराच्या

निवत्तुःश्चित्राय्यायारान्द्रित्रायाः स्वयाः च्याः येद्रायद्। । यायाः चीर्याद्याः विवादिः विवा बे दर्म् ने त्राची के त्र के त्र के के त्र के त बे.द्रन्नव्यक्तक्तिक्ष्यक्तित्वेषःभेन। रे.चलेव.ये.व्यव्यक्षयः वेष्यव्यक्षयः नः स्वायः क्री । विष्यः में निर्मा विष्यः विषयः वि त्युर.न.वी वर् वी. तक्ष. नर अवस् र वरा स्वी. न स्या से न स्या ता विन हु थुबयःतपूर्व वि.कुरःस्याताययःग्रहा वर्त्वि.बरःर्टःवर्विनयःद्वेत्रान्ययः मुला । तम्: नः मुडेलः हे :बे :धलः दे : नुषा निवा । मः न्दः व नवः न इ ब : धते : व मुं श्चिमः तम्याः त्याः वितः वः श्चरः मृत्रः वे । त्येरः वः त्युवः श्चरः हुतः तृतः ৡ्रय.ज| वि.च.क्र) द्वि.चेट.चेल.च.व वाय.श्चव.घर्ट्य. ग्वट.पह्च रि.केर.वर्ट.पर्ट्यात्म.चतः बर्द्यःदञ्चाःकेदः। ।र्वदःर्यःग्रुग्यःर्दःक्ष्र्वयःदेःव्ययःचरःग्रेत्। र्देर ळेव स्थर बर्पर छेर। १ वर्षे हिण हु त्र्रे प्रायह वर्ष पर छेर। १ वर्षे राय बुर्-इर-इन्-ल्य-जन्द-चर-बुर्। जिर्ण-शुःग्रुर-ब्रीयर-ज्या-हु-स-विद्या विका चेथिटथ.श्री विष्ठु.चपु.र्श्वच.चर्चन्याचयवातालालट.र्ज्ञान्ते। पूर्याःश्चित्रं वेषाःवास्त्रं स्था क्षच्यातःर्रात्र्वायःतःर्रा इः५६८ःश्रेचाःयःस्वराध्यःक्षच्यायःराःर्राःद्वायःवःर्राः प्र्राकृषान्त्रस्त्रम् शुक्रास्रम् वायायान्त्रम् । वियास्यायास्य विवास्य विवास्य विवास्य विवास्य विवास्य विवास त्रवातः न्दः। तक्षः नवेः क्षेत्राः नम्याः न्दः धेनः नदेः न्त्राः क्षेतः नः क्षे। देः इययः ष.लूर्-भ्रै.चर.भ्र.क्र.क्र.क्र.चर.रे.लट.र्ट.लट.थुश्यय.चर्च। क्रि.श.चर्ख.क्रेब.चर्चप.रे. त्य्रं क्ष्यादी विष्कु न्यायावि रं ने न्या न्यायाय त्यायाय स्वर्षा व्याप्त न्यायाया मु.क्रेर.र्रायातात्वयाग्रीटः। पक्र.र्टाप्य.र्टापक्र.प्य.प्रतात्वाचीराच। विट्यामेटास्या राष्ट्र हे.स्.स् म.पि.पर्याता हिर.क्ष.प्रम.विर.सर् पर्यात्य विर.प्यायः

ब्रुयायद्र'दिरासुराक्चुदासहंदय। | विक्वानयाद्वराध्यंदायाद्वादान्याद्वादा तकः नराः तञ्जनः चेतः कुः मराः नेतः नेतः नविष् । । श्रेः वैः नविषः श्रेवः में नराः सेतः नविषः स्रः | त्रः त्यात् व्यातुः स्वायान् नरः यदः । । त्रक्वः नयः श्वायः च मुः स्वायः च मुः स्वायः च मुः स्वायः च मुः स्व बर.पह्रच.हे। पिन्नैट.सूर.क्र्वाय.ज.मु.बक्षुद्र.क्ष्युच.पध्या श्रि.ज.बावर.हूट.श्रट. ळेव-शर-मे-पर्। दिःभेर-पर्धर-द्व-स्रम्थ-पान्ध-र-सर्द्धन्य। विराम्धर्यः स्। ૹ૾૽[ૢ]ૹ૾૽૽૽૾ઌ*૽ૻૻ*૾ૻૻૻૻૻૻૻૻૻૻૻૹૻઌ૽૽ઌૹઌઌૹૻ૽ઌઌઌઌ૽૽ૹ૽ૺ૾ૺૺ૾ૺ૾ઌ૽૽ૡ૾ૺઌ૽ૺૺ૾ઌૻઌૻઌૻઌૹ मुकाः श्रृषाः तस्याः नृदः भेनः क्षेः याने । याने । विकार विकार विकार विकार । विकार विकार विकार । विकार विकार वि न्यत्राश्चा श्चरः यः नृहः। अत्रायः श्चरः यः अत्रयः श्चरः यः व्यव्यः यः नृहः। विषारानिष्ये, निर्मातिष्ये, निर्मातिष्ये, निर्मातिष्ये, निर्मातिष्ये, निर्मातिष्ये, निर्मातिष्ये, निर्मातिष्ये, त्मूर्र्स् मीयार्म् मयाय्यापहिम्यायाः है। रे.र्मायार्थेययाय्ये द्विमायार्म् चदुःईबा.चर्च्या.चयायायायायाः स्टाही क्रयाय द्या पदिः बिवेदायास्वयायायाः न नेवाक्षेत्रवात्रात्याञ्च प्रवास्त्रीत्रात्रा प्रवास्त्राञ्च स्वावादिक विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास क्किन्यान्द्रा ध्रायानेदेश्यवान्त्रम्यावेदायन्त्रम्याविदायन्त्रम्या र्श्वेर्-स्रःह्र-दे-इयल-ल-तेयल-पद्म

$$\begin{split} \mathcal{L}_{L,l} & \quad \text{ar}_{\mathcal{A}} \cdot \text{dr}_{\mathcal{A}} \cdot \hat{\mathbf{d}} \cdot \hat{\mathbf{d}}$$

नम्यानी सूर्रार्ता त्युरावित सूनावस्यानी रूर्रार्ता त्रु नेरामी स्वाप्त स्थानी रदः चल्नि दुः शुरु मा हे। दे द्वा ता पदः त्रे अता यह। दि ता दूदः दे हे दे ते ते वी सुरायात्री मुर्यायायायात्रेदाद्या क्षेत्रा क्षेत्रा स्वराह्य कर् क्षेत्र स्वराह्य स्वराह्य द्वेद । **ब्रियामान्त्रीस्टार्माश्चरा चेदामालामहेदायते दानालास्वरायते हेदार् शुरायद्रा** न्युअर्थः न्रः नवि नः वै स्थून नस्यान्वेषः यः नेवः नव्यः नवः वेवः हेवः सुः द्वेयः नवः ने **ॻ**ऻढ़ॖऀ॔॔॔ॹऄॖॖॖॣॖॖॖॖॖॖॖ॔ॖॖॖॖॖॖॖ॔ॣऄढ़ॱऄढ़ॱॻॖऀॱॷ॔॔॔ॱॸॕॱॻॖऀ॔ज़ॱढ़ॹॱॻॖऀ॔ॹॱढ़ॸॖॖऀॱऄॗॱॷॹऻॱॸॾ॒॔॔ॵॖॱ रट. पहुंच. रे. केंद्र क्षेत्र स्था मार्च वर्षेत्र स्था मार्च महिन की र पटा रि क्षेत्र पदि । वर्ष चेत्-वयरा-कत्-तर्नु-चेत्-ग्री-सून्-पस्य-**धे**त्-पदे-धेत्-र्स्। *े दिनु* . वैच . हु . हु न . च हू ल . मुश्रुयाग्री भित्राश्चानम् पराचित्र। वित्राधेरावेराग्री सिराधितरावित्राग्री तिव्राप्ताया हुँ। पःइत्यः वालेषाः यः क्रेतादः वरः पः देवः ग्लेरः ग्रीः ह्रः हत्यः यः क्रेरः याः येदः वरः। क्ष्यःत्रिंदरः चरः त्रष्टिश्रयः तः जाक्षेदः इं क्षेत्रः त्रः त्रदः श्रीः वनशः श्रेन्ः त्रतः हे गृः यः क्षेतः गृदः तुः तहनः ग्रुटः नष्यः यः वर्दे भेदः हुः नवः केदा । दे श्चे वः धटः देः यः येदः यदिः नद्युटः दवः दटः र्म्टरायचीयाक्र्रात्वाक्षे हेयाशुप्तार्याययाच्याच्याम्यास्यार्मायस्यान्। रेव्यार्रा **য়**৾৽য়ৼ৽ৼৢ৾ঀ৾৽৸ঀ৾৽৴ঀৼ৾য়য়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽৻য়য়ৼ৽৻ৼৢঀ৽য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽য়য় पर्वा.र्जय. र्म्रत्यायात्रवातायाः व्याताः व्याताः व्याताः व्यात्रात्याः व्यात्रात्याः व्यात्रात्याः व्यात्रात्याः व्यात्रा इ.६.चयु.७७.५०। द्रमायात्रमानाटार् श्रेषात्रम् १८५ व. १८ व. पर्इत्स्त्रत्वरायात्रे वा मुन्ता वा प्राप्त वा विकास विकास क्षेत्र मा हिन्द्र मा हिन्द्र मा हिन्द्र मा हिन्द्र रे.पाश्चे.प्रायः वैगः में सुर र र छुट न अव पर्वर पर्वर अर्द्ध न हेर्र र या रट प्रतिव भेव। या वर पर प्रतर प्रतर प्रतर प्रतर प्रत

त्र्वतः नुष्यः नुष्यः व्याप्तः व्याप्तः भ्रमः व्यापः भ्रमः व्यापः भ्रमः व्यापः व

न्द्रेश.स.र्चन.पद्यत्रच्न.पयम.स.द्री पद्येथ.ह्येरथ.ग्रे.पर्चेल.पर.पर्ये विश्वरं पते च य दे र प्रंति हे त न श्रे न त भेद परा पर्ने र दु न परा सर च दे । ब्रेन्-मदे हेयाम दी वित्राम व **ग**्वतःतुःन्श्ररःतश्चरःवैदःन्शः **द्याः द्याः ग्**वेदःतुः तश्चरः वःन्दः। रे.चब्रेब.री.स.धरा *ૡૹૢૠ*૽ૡૺઽ੶ਜ਼ੑ੶ਖ਼ਸ਼੶ਜ਼ૹૢਸ਼੶ਜ਼੶**ੑ**੮੶ਸ਼੶ਫ਼ੑਸ਼੶ਸ਼ਸ਼੶ਖ਼ૹૢਸ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਫ਼ੑਸ਼੶ਸ਼ਸ਼ਸ਼੶ਖ਼ૹॗਸ਼੶ਜ਼੶ਲ਼ੑਗ਼ੑਸ਼੶ਖ਼ੑ੶੶੶੶੶ रैअ:ध:पविद:तद्रं**तःद्रतःत्र्ं**।प:विंदःशेद:यतःशे**र:**पङ्द:उर:पःशे:बेर्-धःहे| <u> ब्रे</u>ट्रिंग यात्री व्याद्वे स्ट्राम अत्याद्वे स्ट्राम अत्याद्वे प्राप्त विद्यादे स्ट्रिंग विद्याप्त विद्यादे स ा ऱ्यापाकेरातुः बळे प्रवादेश्वरातु। विवित्रायात्या वारेवायात्यातायाः *ऻ*ॿ॓॔ॺॱॺऻ॔ॺऀॸॺॱॺॕऻॎॾॎ॓ॱढ़ॸऀॱढ़ॏॸॱॺॱॴॸॱॸ॔ॻॱॺऻऄॖॺॱॺॺॱख़॔ॺॱॸॖॱढ़ॷॸॱॺॺॱ মঙ্কমা त्राङ्गे। र्स्टाच चटा मैया बुयाया भया दे विषा केषा व र गु । भटा सह द व स्याप म बह्दरम्भ्यूरा दे ने प्रविद न् मुरायरा त्युर। दि प्रविद । या दे न गुरादी पर अराद युर। चरः सः रे 'हे र 'गुरः दे 'र ग्र 'रॅं र त्युर। |रे 'पहेंद 'यहंद 'प नेवाद युरः चरः रेगः दवः वी । भ्राम्यान्त्राच्याः वया भराक्षायाः श्रीः । विवेदः तार् वतः परे त्येयाः ग्रीः इयाः ह्रवाः त्व विश्वान्त्राच्याः विश्वान्त्राच्याः विश्वान्त्राः विश्वान्याः विश्वान्त्राः विश्वान्त्रात्रान्त्राः विश्वान्त्यान्त्राः विश्वान्त्राः विश्वान्त्यान्त्राः विश्वान्त्राः विश्वान र्गः ग्वेदः तः देशः शुः पठर् द्वाः क्वाया पः र्टः स्टः चः क्वेः वः प्राण्वाः होः दिवः पदेः क्वयः तः क्वा 462.41.42.42.42.43.41.32.41.32.41

 य़**ॱ**ॸॣॸॱऻॱॱॸॣॸॱॴढ़ॱॿॸॱॸढ़ऀॱॴॺॱॴॱ**ॺ**ॱॸॷॣॸॹॱढ़ॱॾऀॱॶ॔ॺॱढ़ॿॖॸॱॸॸढ़ॿॗॸॱॸॱऄॺॹॱ नत्। तर्ी वे अळेव पार्व अहे पित पर परि सुव ळेवता न र हुवा पहला का तरी अहर छ नः बेन् मिते द्धंतानव्यव्यव्यक्ति मुं नरः मुः न् म्वावाने। नने नः ताव्यव्यक्ति हुन् मित्रे विन् ब्रेन्-यः तथे यः चरः त श्रुरः वेदः। ने यः श्रुरः विदेश्यः चरः त्रेरः नुः विद्यवः हे। चरेः चः नेः न् गः मैवाकः द्वारी त्वार कुर्मा पर्वता क्षेत्र प्राप्त में में रे प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त में में ब्रेट्-तर्-ब्रेट्-तर-पश्चर-र्| निर्मेशःब्रेट्यःमण हैःक्षेर-सहेः ठवःब्रेवःच्याःवेवःपः वै। । परे परे र्व रु बे ल गुव पहेव गुर । ।वै पर बे त गुर रे वेर तर पर व।। तर्न्न्-याः इयवात्यः कष्वायः यदमः अविवः यतः यहित्। । डेवः नृदः। यतः विवः पद्धाः यः त्यतः श्रुरः। तर्नेन् सः नेःन् नः विचः यः न्रः। विवः यहे वः विवेदः निहे वः सः न्रः। बर-रु-चलम्याधाःस्याधाः । देःययः व रःक्रेःमरः वैमः व्राप्तः । वेयः र्रः। अवः ब्रिट्य.प्यं ग्रेटः। दर्गे.चर.पर्यं चश्चर.वार्य्यं तर्गे.ट्रं गटः होगः प्र्रा । ई्व.कर्रप्यं बदः बः श्रुंदः वदेः वः देः वदः विव | हः व्यवः द्रातः वहेतः वृत्वेः द्वतः व्यवः वदः व्या | दे.लट.चट.ढुचे.लूट.वे.पूट.वर्ट्ट.कच्च.वहेवा ईव.कट्.लब.बट.व.कूट.हेच. चम्रताः ने : व्यन् : व्यन् : व्यन् : व्यन् : व्यन् ह्मंत्रः या तृत्यः पदिः शेवशः ठवः देः वेदः व। पूर्व. श्रेट. है. क्षेट्र. प्रांचर. च. च. ल. क बीया चेता. श्रेट्रा । द्वेयः मृशुप्तः प्रतः मृत्रः प्रत्यः स्वा । मृत्युः प्यः स्वः प्रत्यः प्रतः मृशुप्तः प इर नग्ययान दे नेव ह हैं नर त्युर है। यद रूप यद रूप यह हि र्यु या निवा **|**≅८४. 영국·日對대·다·미도·더립도전·디 | 夏·퍼麗경·국도·희·윤·대·ய도·| |국·⑪·윤국·중퍼·전국·퍼·

ऻ**ऄॖॱॸ॔**ॸॱॺॴॱॸॖ॔ॱॿॖॗ**ॸॱय़ॱॺऻ**ऻ॑ऄॱॴ॔ॕॸॱॸॱढ़ऀॱॴॸॱॾॕज़ॱय़ऻ॑ऻॎड़॓ॱऄॱक़ॗ॔॔॔॔ॵॸॗ॔॔॔ऄ॔ड़ढ़ |क्र-्-ययः भेदः हुन्। धर्दर च भेवः र न हायः व विवादः विवादः विवादः विवादः ોકૂર.*ર્ટ.* થે.જ**ક્રુ**. उर्-संधित्। विवार्द्धवार्गातुः सर्-पितः धेरा विमार्गित्राचरानारः धेवाया ब्रिट्यावाने, क्षेत्राधान्नाचा । क्ष्ट्यातपुरदह्याहेवायया यदावा । व्रिवाद्याना **केरःरचःच्योवःयव| |वःखर्-इवःयःगरःयः**येरःधेदःय| |देःबदैःकुःबङ्कःकेःव्ररः5| ने भेषा नगर व भेव . तु . य गेर । । वेषः ग्रुर्य पः क्षर . र्रा । ने . क्षर . व . व . व . व . व . व . व . व . व च.पाय विर्-भीयायर्र्न क्षेत्र स्व. अर्-छर्-म् वव परी विषाभी स्व.मी वायर्भारः . इवः चुलः हे। |देःद्रेटः चुटः ख्वः ब्रॅटलः क्षेतः वहुतः खुलालु गुलः दृटः । । वडलः दर्देरः वहुतः **ॿॖ ॴ॒ॺॱऄॖॺॱढ़ऺॱढ़ॱॸॕॱॾॱॾॿ।** ऻढ़ॖॕॸॱऄॖॺॱढ़ॸॕॸॱॿॖॺॱॸॕढ़ॱऄॸॱख़ॸॱॴॿढ़ॱय़ढ़ऻ ग्रै-र्व्यन्तुः व्यवतः नदः द्वतः व्यवः है। । नृज्वतः व्रेः क्षेत्रः व्यवेषः पदः यः व्यवः मेदः। श्चेर् ध्वे स्व त्रद्धः महारः मरः तरतः मुकः यक्षः व्या विवः महारक्षः । । ळ्ञ व्यायः हिः क्षेत्रः क्षेत्रः ख्रुदः निश्चुयः यः न्दः न्द्र्यः येदः श्रुवाः नह्ययः न्द्रवाः क्षेत्रः यः क्षेतः य इत्यायः हिः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः याद्रायः क्षेत्रः यदेः श्रुवाः नह्ययः न्द्रवाः क्षेत्रः याद्रेतः स्वाः वयास्याकृतास्यान्यम्।तुः बेर्न्याः कुर् ः व्यापाद्वायत् । रातुर्यायद्यायत् । रातुर्यायद्यायत् । केर.प बैर.पपु.क्ष्ण.पणव्यालाश्चें.म.पश्चेर.तर.वैय्। श्चिव.क्ष्ट्र.वजाव्या ह्र.स्.क्षेव. व्रेन्सा ब्रुट् म्वया यस्त्र म् व्या गृह्य हिन्दा । म्वर्ट स्या देव व्या विकास स्वर्थ । विकास स्वर्थ । श्चेता क्षे. चरा दुः च लबा द में ला भेरा । श्वेता वता क्षरा श्वेदा स्वादा पश्चेरा द में ला ला। खलायदः नृदः यदः नुः तद्देरः वदेः नेवा यदे। रेरेदेः वर्षा नेन् रुतः यदेः खदः यः दी । हिंद-स्-व्यव्यानः क्षेत्-द्रवान्त्र्यः श्रुत्रः त्याः श्रुत्यः त्याः श्रुत्यः व्याः व्याः व्याः व्याः व्य स्वयः व्याः व्याः द्रितः व्याः स्वयः व्याः व्याः श्रुत्यः स्याः स्वयः स्वयः व्याः व्याः व्याः व्याः स्वयः स्वयः

लट.र्ट.लट.री.वेट.अक्षथ्याङ्ग्री..पपु.वेय.त.दी श.ल.वेब.शवट.मी.वेब.कु.बी. द्या । इ.जयानगर्या ग्रीरायाच्या तथा । विष्यापर्व । विदेश्या इयया रोयरा ठव गडेग गेरा या ग्ररा पदे ग्रद्या या श्रुंतर पति देव से वा वि देवे द ग्रेया पतः **ฆรั**:รรจ:ย:นส| कु:श्रमःम्ंःक्रःमु:दयःग्रुःदे:शःह्रमयःह। तर्नःदीःयर्गःम्ःयद। ।तर्नःदीःयर्गामःयः नेविः व्यतः वेषः वेषः वर्षेतः परः होनः व। न्नेः श्वॅरः न्नाः षः क्रेवः यः वर्षेः वर्षेतः वर्षे वायः वे क्रेषः ष्ट्र-पर्न, तयः पश्चरःश्ची शः स्वयः ग्रीः यः पश्चरः तः देः देः केः यः लवः स् । वियः ४८ ग्रीः a.चेथ.नेषु.क्ष.क.स्वेष.तपु.क.रुक्ष.त.चेषुच.२.चक्कि.त.क्षेत्र.तरःक्षेट्र.तपुर्व.क्षेत्र.तटः। चिष्ट.प्रथा.चिट.श्रपु.धिच.शघर.षुथा.चिष्ट्रया.गपु.धुर.द्री विरी.भ्रूषु.पपु.श्रुर.प्रचीर. लिचेथ.वुं। चर्षु.चक्चे.च.पाया चेट.क्र.चंच्य.चं.चुच.चु.त्यटा व्रिचे.बादु.क्चे.वु.क्रंट. श्रव.त। र्र.क्.चंश्रव.जात्तः ब्रिथ.तर। विद्यः वयाचारायात्वे व्यवस्ता बेयाम्बुह्यायान्ता देवात्रम्यायाम्या वर्षात्रम् मुकान्याम्याया क्ट.क्ट. नुय.क्ष्य.क्व. चर. रंगाय. चतु. प्रांचर. चतु. पर्त्र्मा. रंग्नेष. त. क्ष्ये. त्र. प्रांचे में रंग.क्ष र्ट. रे. रेट. ह्य. थे. बधेब. तप्त. क्या. पत्तेब. मी. इया. य. पश्चेब. यर. र मेथा. थ्री विया में हिट्या. वहिनाहे व : बर्ळ द : दं रा शुर : व रा दी । । वार्या ग्री : द्वर : बीरा श्रीर : वार रा हो र : कुर ! । । विष्यःष्याञ्चरः याने दे १ विष्यः विष्यः व १ बह्-रेयानु-ब्रिट-ब्रा-ब्रोन्-पाला |रेग्-पयानरे-पालुव-रेट-ब्रुट-व्यान्नर। |र्ब्या

दिग'यः भेषः मुःबैःच च रः च हेषः त ळ्यः चर-तहनान्डर-र<u>चर-पदे-त</u>ष्त्रकार्षर-ग्री ल्या । मर्प्यतः रेषा प्रवादिवासरः वरेः वर्षे द्वार्थतः श्वादिः श्वात्यः ध्वतः रेर्ण्या वर्षः वयःवी श्रिनः भटः ब्रेन्स् सुवारः सुवारः सुवारः भवा श्रिवाः तत्र्यः वीतः विवारः स्वाः श्रुवाः विवीतः वित्राच्यात्राच्यात्र्राच्याः भेरार्वायाः न्याः । इत्याचरा सहत्याक्याः स्त्रा धरः देशः वशःश्वर। । तर्मः अः रतः मीः तर्मः वशः नवशः स्वशः भीत। । मरः तमः सः मः सः मर्द्र-तर्च्य-तर्र-पश्चर। रिजाग्रीयायनम्पर-के.मु.धे.मु.धे.मू.मू विद्रायह्याम्बर-कण्याः चत्याः पदे : प्राप्ते पाः व्यवस्थाः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष् नष्ट्रताचुराक्षेत्रतम् । वि.साच्चानावेत्रस्तात्वा वि.स.चुना त्रचाक्तेत्रास्तरः न्याः द्वरः च्याः है। श्वरः यद्याः स्वतः यव गः श्वरः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स् रट.ची.लच.त.चम्रद्य.तपट.श्र.सर्घट.पश्चर | वियाचश्चरतार्थ। বিধ্যান্ত स्वयात्र प्रवितात्र्राच्या विश्व के देश पा क्षेत्र पश्च वा प्रतास्य वा प्रतास वा प्रतास वा प्रतास वा प्रतास वा नशियावात्त्रम्। विश्वास्त्रम्थात् भूयात्म्रम्यात् विष्ट्रम्थात् विष्ट्रम्यात् विष्यात् विष्ट्रम्यात् विष्यस्यात् विष्ट्रम्यात् विष्ट्रम्यात् विष्ट्रम्यात् विष्ट्रम्यात् व त्र्राच्रे वेशाया**वै** शुक्षा शुः श्राण्युवा पवा कर् ग्रीप्त्र्रेर क्षेते स् विश्वार्ट हा विश्वार्ट हा वे हे व प्राप्त हे व पा वा हे प्राप्त है व व श्वापाय पर हिन हो हे व दे नहिया त्रुःम्बद्धः बेर्ःवरः वीःदॅर् रेर्। विरीः र्माः वीराः यळेवः वदाः वर्षः वदाः रवरः रवर्षः । ठ८.ग्रे.घघत.ग्रेर.तथ.केर.तपु. होर.स् |र्.लट.परीज.घ.पर.जय गुन्यक्षे अवतःतहन् करः। विव्यापः स्वातः क्षेत्रः तश्चर। विन् प्रते अवतः वै.पचलामाह्री विश्वंतामये.बहतावै.पक्षामाध्ये विषामधिरयामाह्रेराम्। शॅम्यः बेर्-यदे केयः यः दी रे क्षेरः दें रयः यरः द शुरः द छत्यः व संत् व स्वयः दी। |₹य: नश्रियः यरः ब्रेदेः सूरः चः रवः वर्षयः भैन । न् हेनः सुः हैं वा ह्वः वर्षः ब्रेः वर्षे। ান্ড্ৰব" नवन् न स्वतः वर्षः वरः मुः तहनः तहनः तहनः विषः नश्चरः वर्षः वर्षः वरः वर्षः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः तक्षानावी मूटारी नक्षेत्रात रे किरावक्ष र मूथाना ब्रियाना ब्रियाना ब्रियाना वर्षार वेशवा है। इर-च-चबेब-भेग-इब-वर्षा विस्न-वय्य-मध्यादीस्त्र-मध्यादीः र्मे-चत्याद्वीदःयः पथानिदः चः श्रम्था मोद्यान्त्रा विष्यान्य मान्य मान्य मान्य स्तरा स्तरा स्तर्भा स्तर्भा स्तरा स्वरं स्तर्भा म्नायाः छर्। स्राप्ता क्षार्याः विष्याः विष्यः वर्ते । विष्यः वर्ते । विष्यः वर्ते । विष्यः वर्षः वर्षः वर्षः इत्रिन होता में या त्राप्त मात्र वा विष्त हे स्था स्थार त्रीयात शुरात माय विष्य प्राप्त माय विष्य है इ.ड्रेच. श्रुंचा श्रि.च.चड्च.सं.श्रुंच्यूर.ड्रेट्। विक्र.चवर.र्ट.वेर्च चड्च.वक्ट.हे। क्रिया.यहाता.क्षेत्रा.यावया.याव्याचा विवासीया.युर्वा यहत्या.युर्विया.या विवासीयार्थाः न.केर.र्रा हि.केर.टेब.बु.बिश्वश्चर.परी.कें। त्र्र्याचालाल्यं पर्ध्याची वार् र्टा देव.चरे.च.ष.ह.द्याश्चर.येट.ह्यथ.तप्त.यवत.श्रर्.त.रटा व्या.या.श्रर्.त. वयालु न्याया । न्राम्याया व्यवः र्रः लर.रे. खेळ.पर्रं निष्यं विष्टं ने हेरं त.ज.लरं न हे व.खं छर.च.दी हेयाय. ब्रेर्-चर्ष । स्वि.क्रम्यः व्यायः व्यायः व्याप्तः यह्वः व्याप्तः यहः व्यवः प्रत्यवः प्रत्या लट.लट.बुट.बद्धथ्यःक्षेत्र.च.हे। क्रे.च.चब्रुट्.चत्.बचत.बु.बट्द्रं वर्द्त वर् पर्वेथ.वेथ.वेट.चथब.तर.वेप्॥

मधित्र.त.क्रम.पर्जातामधित्रात्मक्षेत्राताची रहार.वी ह्रापाश्चमामात्रात्वयानेव.पै.

क. न.रे. ल.के. नश्रुलान धनायान रे. नर झरान हे. तु.वी वितर नाम स्थला के स्राप्त चरे.च.झे। दरे.वे.वय. लेग.च.व. भट. स्वा.च हता हुर्ने. चरा त्रीत. चरे. वरे. हुर्गा च हता हा। दे.लट. इ.र. प. दे. वि. ब. क. तु. की दे. रट. ब द्वंटका पर क्व. परी के बका के बका विदः **異 844.2と.** र्याट.पार्यमुर्यायाः वेदाः श्री.पद्गः तीपाञ्च मा.प क्या क्ष्याः ग्रीटा त श्रीमः पद्गः र्रियाः |तद्यक्ष:क्ष:वक्ष:व्या:वर्ति:क्ष:क्ष:क्ष:क्ष:क्ष:क्ष:व्यक्ष:वर्ति:क्ष:क्ष:वर्ति:क्ष:क्ष:वर्ति:क्ष:क्ष:वर्ति:क् **리칠씨·씨** सर.त.स.क्रय.सेव.चर्याचात्ववरी क्रूर.च.सेव.चर्याचेयाचर दे त. व्या चया तथा थवा या वाया निर्देश तथा होर् तथा होर हो ना वहा हो। बावलाबते त्त्रुण ग्वेराविव र्वे। दिः धर क्षेराव जिन् स्वेरा दिः धर विव राष्ट्रिया विव राष्ट्रिय विव राष्ट्रिय विव राष्ट्रिय वि देगःयःदेःग्रेशःगःद्रःयःद्रदःयदेःतुरुःग्रेःदञ्चरः**कः**यःक्षःतुःदी चगःयःद्रःयक्षःयदेः **इ**४.च.च ५८.श्रूं तथ.हे। वेष्यर्थ.प्रेयं.हंथ.थे.पड़ेल.चथ.पर्थ.डेंदे.ग्री.श्रृंबं.चर्र्याः । तर्-भर-झर-प-ग्रेग-सु-त-वे-झर-दि-र-हेर-स् । तर्-वे-त्यात-र्-हेर्-स्त्रा-प-स्-बर्षः नव्दः न्वरः नुः शुरः करः। द्वनायस्यः न्रः हेदः ब्रह्मार्यः यः श्वेः बर् बराः ह्वेः वर्षः वरः <u>हेल शुःद नेल प्रताप व गुव हु त्याँ पर्यः ववरा प्रवाप विवाद प्रताप्त । प्रे क्षेत्र ह्वेत्र प्राप्त</u> चर्-नःश्चेषायात्रः कवायाया च यापार्ना श्ववान श्ववान श्ववान श्ववान स्तावित स्वयान स्तावित स्वयान स्तावित स्वयान नरेन्ध्रमा नर भर केद परे मद्यारद नेदार नेदार महिम्या परे सुरा ता की ह ना रा ता ह ना रा ... र्षण्याः शुः तहेवः ययः गृते : सुगः कुषाः यरः त शुरः री । देः तः तरें दः कण्यः ग्रेषः देः श्वेः सरः त श्रः च.र्च र.ध्रे.च.प.श्रूबाय.तपु.द्वेब.च्डूप.ध्रेर.ता वे.र्चट.ब्रुय.ध्रु.पर्ट्र र.धे.र्घ.र्घवाय.र्ट्ट. धुःसरः८वः५म्,पुर्वः यद्याः भुरः १८८। विष्ठः भुषः वीषः वैःरेः विष्ठेषः ग्रीषः पश्चेरः धवः नम्यान्त्रेताम् श्रेन्द्राचितः श्रेताल्यायाया । देवान्यः स्तरम् देनायः स्वानम्याः । । र्-तक्ष्य.पा.पर्ट्र-क्रवाया. ८ वावा क्रू. पा. द्वेवा. प्रदेश स्वाप्त ह्या. प्रदेश ह्या. प्रदेश ह्या. प्रदेश ह्या.

ॾॕॻऻॳॱत**ॖॳॱज़ॳॱड़॓**ॱॴॳॱॿऀॻऻॱॾऀॱऄॸॱॿऀ॔ॸॱॸॸॱॸॳॹॳॱॴऄऀॱक़॔ॸॱॸ॔ॻॻॱॾॾॸॱॸॱॸऄॸॱ ॕॢॕॺ**ज़ॱ**॔ज़॓ऄॱड़ॕॴॱ॔ॻॱॸ॔ॸॱॿॸ॔ॱॶॸॱॳॷॕॴॱय़य़ॖॱ*ॸ*ॸॱॻॿॖऺॳॱॶॹॱज़ऄॎॗॴॱॴऄॖॱॺऀॿ॑॑॓ॎऻॎ ततु.थ.रंट. इंश.तर. ने देव.ज.रंचच.त.च र्रं. वर्ष. रं मूंट्य. त.च वेव.रं. च रेरं र्वेर व। वर केव में विर न वे वर रे है र वं न सुर र में वर परे र वं वर परे न केर म के. चर. ज़ब्र. तप्त. संद. संद. विर. लट. है. श्रीन. वीच ट. ने ब्रांचा ने. श्रीन. में ब्रांचा ने. श्रीन. में वी वर्षेष:रा चर्चता. चर. पश्चर. हे। सट. त्र. पर्ट. ता. स्वेचा. चर्चता. न्ट. ह्रेच. श्रट्या. ग्री. चव्या. ट्व. त्रेव. वह्य. कन्यान्यराध्यंर्राचयात्र्राचेर्राचेर्याच्यार्राच्यार्राष्ट्राच्याः इत्रापदासूनाच्यार्राक्राचेर् तपु. श्रेनया रु.वीर. लर. र्. या च बा लर. श्रे. श्रे. क्ष बाया वया क्षेत्रा न क्या है वा न क्या है वा न क्या है व नुर्-गुःद्वेग्न-पर्द्याद्वे द्वेग्न-पर्द्याव्ययात्वर्-तावितः तार्ट्ट-द्वेग्न-पर्द्याः ववर ग्वेयःगुः सः च.लुबे.तथ.पट्टे.ज.ब्रैं.च.बट.र्थे.चश्चंश.म्। ।बेबबे.लट.कबंश.त.क्वेश.तर.पक्चेर.चप्टु. श्ची प्रतित्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्र्वात्त्रेत्त्त्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त्वेत्त्वे ५म्.२ नय.तथ.४ न.चर्षा.च.४.चर्र.तथ.चर्र.चतु.ध्र.५डीट.च.ट्र.४.अद्र.४ न.चर्षाक्र. रेश. ब्रा. द म म्या. पदे. व. रेश. ग्रीय. ग्रीय. म्या. प्रा. प्रा. म्या. प्रा. म्या. परे.प.बे.शब्रही श्रूर.लट.पब्र्र.ट्रण्यावः इं.स.हेर.हेंण.पर्वाश्चेर्रायदे हिरास् <u>६.५.५८ तेर.ग्रेथ.चर्.चपु.ग्रेथ.व.४ त.कष्त्री.कै.इ.६.केर.चक्रेथ.त.क्षा.ग्रेथ.केव</u>.चर्ण... हे'तथेय'र् 'त्र्यॅं'न'नवेद्र्र् त्र्यं'तर्ग्'र्ट ख्यान'र्ट प्चत'नहुर'र्ट हे'य'र्ट ग्रीनः सन्देश्वः धः स्वाताः ग्रुटः हेः द्यः देटः तुः नहेवः धः देः द्यः तुः नदेः नः हेः द्ये तः तुः । । । र्म्यानाया द्रर. द्रम्याच द्रमा न्याच्या तत्त्व विमा क्षेत्राचर द्रमा नि दे द्रमा

लट. ब्रह्म. राजवा र्मर. हा रक्म. रार्टा रहमा रार्टा र मेरार ययार्श्वर त्यार ने रूप ने रूप में रूप प्रतिव प्रति मृत्या मृत्य है तक मृत्य है । सर्वर परः चेतः रुटः तचेटः परः बेः चेतः ततु गः परः बेः चेतः त्रवः परः बेः चेतः ता चतः तत्तुः मेयः तत्तुः चरः वैः श्वः तश्चरः द्वाः विषः वश्चरयः मेटः। श्वृतः व्यथः विवः वश्वः म्बर्पायते क्षेत्र स्वाप्त ह्या नव्य राजा नव्य प्राप्त विदार पर्वट. है। रवाय. स.पर्वेट. च.ब. लट. हैवा चर्चत. पर्द. वि. व. पर्वेचा चर्चा नाया लट. *क्षे*च.चर्चल.घ्र.च.चच्च ५<u>ड</u>ीट.च.**च.लट.५२.डीट.२च.धेर.**५डीट.जो ५चच.स.च.लट. तर् हेर्र्र्त्वाकेर्त्रत्ववाचे विषावश्चर्याकेर्या वर्ष्यक्वात्वायया ह्या 다음국·다·即·다구·다·씨 | 투·유국·다蓋피·다·저철도· 광국·다 | 구·유국·경제·다전대· नविदःत्य ।श्चमःमम्पर्मःमम्भन्नः ।विद्यामहारूपःमदेःश्चेरःर्म।

पत्नेरःश्चेरःतपुः थः प्रायः केषुः प्रमः पनिरः ह्याः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः याः विषयः विषयः

 र्वं च.चर्नल.क्रय.क्र.च.पचिर.ट्र.। पिक्र.क्षेय.कं.व्री ट्रे.ब्रेट.जया जेय.ग्री.वि.ट्र्.च.श्र. द्वनायश्चरायात्रा । विदायाश्चरवायाश्चराद्वीयात्राह्मा । विद्यायाद्वीया र्रः खेळा या है । इंदाकर बेरा परे हैं या तहिर ले या पछी । वह देश पर है दर्श हैं द नुर्-तकु.केय.जि कि.लेल.चेर्य.तपु.के.इंचय.ज.पनुर्-हो वि.हेर.चु.इंचय.पकु. चरः त शुरः चः न मृ । श्वें वः धरः ग्रेनः धरेः पर्कः कृषः इस्याः नृहः यहा । बेराः मृशुरुषः स्।। म्बर्यास्मा स्वरासुरा प्रदेश मानस्यादी स्थापि हेना हेन रमा वर्षा पर्षेत्र पाय रश्चितान्यः मवयायान्यापारः अराज्यः नरावश्चर । विवानश्चरतायाः स्रेरः स् । शि. मूरायः वी पश्चर्त्वयानी सुरायाकेता मुक्ति र्या केता मुक्ति प्राप्त स्वापाया स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वा मॅदः चरः द शुरः बैदः। विदेरे 'ययः श्रृष्' न स्या र्दः धेरः बैर विदे हे बेर विदेश नरुन्-रुन्-रुक्-त्रक्-वार्यन्-प्रते सुन्-नर्यक्ताः वी स्त्रम् स्वराः स्वराः प्रत्यः विनः प्रत्यनः प्रत्यः विनः ୴୶ୖ୷୷ୢଌ୵୷୶୷୰ଢ଼୵୷୵୵୷*ଊ୶*ୖ୵୷୷୵୵୷୷ୢୡ୵୷ୣ୷୷୷ଈ୷ୢଈ୵ୢୡୗ चठन्द्र-दे-देक्ष-ता-पद्म-तान्त्र-वा-वा-विन्या-वर्ष्य-विन्य-देव्या म्विवायात्त्री के.क्रयाक्षेत्रयार्ट्टाक्रवातास्वायात्विवायावाक्ष्याचीक्रयावविक्रिटानास्वाया ररः ग्री. ग्रें या द्वार क्षेत्रं परः ग्रें प्रत्ये । ग्रें ब्वरः यरः । अवायः ग्रीः ग्रें वा व्याया ह्यून् के ब्राम् ध्येत् या । दे त्यदर मदे नदे त्येयल खेर् दे । विदे र ध्ये विदे र क्यात मन्त्र | दे.पानदे.न.मा.पार्य | मिण्रस्त्रेद् त्रेयतायाः स्नृद् हमा गुरा | द्वरा हेद् याक्षेत्रयाधेकायला । इत्राम्येदार्ग्यम्यायरे पर्माक्षेत्रका । द्रवायदार्थे पर्वे यश्चरःहै। विदः पठवारपरः पवाष्ट्रपायां विश्वेषः विदः वृदः पठवा नृदः बर्द्धरवा । वेषः र्टः। वर् : वर्षः युवः रेटः अ: व्वरः यदे। विर् : यवः श्वेः दर्धरः ईषः र्टः अर्द्धरः या । |पित्राया.मूर.त्र.चं चे बाया.रंट.चं चे बाया.त्रुट.ग्री.के. ¥ त्राया.पा.के बा च कंपा. ने न्या अन् त्या द्व गुर वृंव अर्थ या न्र वृद्ध विर श्चिम या न्र वह या या तक तथा या तक तथा या मंद्रयानाया रहार् चहा अर् न्या है रिमा ग्रीहा मंद्रया हता येत्र में या विद्या क्रचायाः ग्रीः च ह वा त्याया चारः विचाः चा ह्य चायाः ठवः चा ह्य चायाः छोरः यहा । नवद थर। क्वा विश्वत्यास्य न्या स्था निः व्यतः भेवः मुत्रः स्वा मिः व्यतः ञ्चर.लट.क्षेट.चर.पजैर। टिब.पज्रुष्.क्षेब.चर्चल.च.ग्रूट.जण पिर्यायः के.विरः विरः ग्रीरः त्या वितर् ग्रीरः हिः क्षेत्रः देरः ग्रेग्वा विवितः त्यः वैरः वदः वः रूरः अर्छर या वुकायदे ह्रवता गुका सन्दात्वरका हुन। |ने वे हुन पदे सवद उन धेव। इर.र. तत्रात्र । अर्डिमारे रेरावहिना सामुरा । वर्षे हेर् स्वरवाद शुरावेवा | श्रुवा-तञ्चलः न्वा-वीका-के. तरः वाद्या | ब्रेवः वाद्यः क्षा | देः क्षेरः द्रवावः खः त्याद्व मानी त्यू ता इयरा ग्रे ही न्द र्रा स्ट्रेस मानस्या न्ययरा वर्षा वर्षेत्र न त्यराधिनः पड़िट. नर. छेथ.बे. रे. केर.पब्र. नधु. बै. बट. बुथ. छेथ. छेथ. छेथ. हे ब. प. हे बे. त. पड़िट. नथ।

 त्राच्यात्राच्यात्राच्याः व्याण्यात्राच्याः व्याण्याः व्याण्यात्राच्याः व्याण्यात्राच्याः व्याण्यात्राच्याः व्याण्याः व्याः व्याण्याः व्याण्याः

म वर र द ताया द वर ते वर्षा के वर्षा वर वर्षा वर यारेनामानी परेवापविष्टात्यायात्राच्यार्टार्ग्वावायांनीप्टापविवाताः चयाक्षे नेयायते ह्रेंदाक्षरया ठदादी विक्रियादी चरेदा या संग्राम्या महीका या रिवास न्याः व्यन् द्याः स्वान्याः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स मदि सुर में ता नुश्चे गुरा द्वार न्या न्या न्या न्या न्या न्या में ता में ता न्या में ता न्या में ता न्या में द ब्राट्या ठवार्च। दिःया यहिना या दे श्री हुना या न्या हिन स्वर्ण या दे ता या यहिता न्या न्याक्षापते निविद्ये के के माना निरान्त निविद्य के विद्या के विद्य के विद्या क्रमायान्य म्हिमास्य मर चन दे अर र्। वियान ह्व पति हिरा हिरा हिना स्वाया या द्वारा वेया हिरा न न नया स्वा अवरः तहें वः यते 'कुः चः वी तहे न 'कुर्यः महः च तुरः चते 'च र न न दे 'त्यः र श्रे ग्रायः वर्यः ह न 'यः बेरः ज्ञुणः पत्यः तर्ने : ब्राः ध्रेः यरः देटः यळ्ययः ह्युं रः चः येन् ः पते : कन् ः परः द्वेः पते : देवः रवः |झ.घ.ब्रह्रम्,यि.पह्रद्धाःचाद्यी तह्रमःझ.र्ट.व्यवरःझ.र्ट.प्रमाःझ. क्षेत्र अंदर्श ठव वे। मुशुक्षःग्रान्दःत्रः न्दःन्यःग्रान्हेषःव्यात्वहुदःधतःकुःचःधतःसुद्धःधःवःन्वेग्यःःः वयायळ्चा मुःवह्दं प्रदे नेयार्य ह्रेव र्य्या ठव द्री हिंव विययार्ट पहें या बु गया बक्रमायह्रेब्रह्मा वक्षपाक्ष्याश्चराच्याह्मयाप्तिषयान्ता काविरान्ताक्ष्यान्ता ८मःमीः तहमः सः देवः सरः चेतः स्वेतः स्वः त्वावः व्यः न् रः। म्रः तः स्वेदः व्यः नेः न् मः त्विः स्वः व्यः नेः न लय. द्यायर त्वेष . धर . के. पर्य. मेथार प. क्षेत्र स्था क्ष . क्षेत्र व्या विष्ण . धर . क्षेत्र . क्षेत्र . क्षे इ.वे.र्ट.पथात्यथास्वेषाः अर् .क्या श्रुरावात्रेचयायान्ता र्वटा व्यवस्थान्ता वर्षः वात्रः स्वायातात्व्यात्वतः वीतात्वः वियात्वः वियात्वः विवास्त्यः विवास्त्यः विवास्त्यः विवास्त्यः विवास्त्यः विवास्त्यः

·세제·소월도· ㅁ· 라국· ㅁ 취주· ㅂ 주 |

न्त्रेयायाही वहनाक्षात्रायात्री वहनाक्षात्रायात्रीयायात्री र्घर द्रा वन पर वर्षनाया पास्त्र पर सुर चर पर है। वन पर वर्ष प्रवास निवास के ब्रीन·धते·बः देन्-धते शुक्रःधः त्यत्यः सुदः सं त्यः व द्नाः तृ त्यष्यः क्रेत्रः क्रेदः स्ट्यः । न्वतः इस्रा क्षेत्र । दिः नृते रा नृत्र नृत्र नृत्र दिन् । द्वा नित्र नृत्र न्य नित्र नित् ने स्र-पठन् वयार्या में खुँगयाया कगयाया न्या मृत्य मुन्य या वे स्ट सबिराचाचर्यात्यात्र्व्यव्यावर्यात्यात्यात्रः श्रीत्या चर्वाने केरायाह्रवाकर दिन केट. य न न . हु . क्षे . क्षे न या न र . ने . न र . यहो या यथे . हुँ न . या र व . या या अळ न . हु . यहे व . या श्चिदा । ने पत्निव नु पन् मा बेन पर हूं व पति हूं व पा न मा न मह व पति । यय प न न न नदेव निविद्या मान्य विकास विका वै गवन रु नेवा । न्य मा गवन का तथा तहेव रूट हरा । तरी र्या रूट वे व्यर्ग |बेक्षःचःव्यक्षकर्-त्वचुरःचरःत्वचुर| |बेक्षःम्बुरकःचतःक्षेत्रःर| | न्द्री गुलाया दी हों दार्था या हु। ना न्दा यहा दार्था या विदार में विदार में विदार में विदार में विदार में विदार में क्केथ.चे.र्थान.क.ल्यं न्य.म्ब्राच्य.पद्र.स्य.क्ष.श्चर्याया विवयायादीक्ष्राक्ष्रियास्य स्थानाय द्वीतायते क्ष्रियता चक्कित्रायते। অন্তব্ ঘর্ম याचेन्यादित्रम् विष्टुन्ये विष्टुन्ये विष्ट्रद्र्यायात्रम्

-स्वीयाक्षणाञ्चवाण्य निवित्ता हेया र्या विवित्ता हेया विवित्ता हैया विवि य्यः श्रुष्टा भीषा विष्यः विष्यः विष्यः त्यः विष्यः त्यः विषयः तः त्यः विषयः वः त्यः विषयः विष्यः विष्यः विष्य चनायानुवाचहन्यान्य होत्। यन्त्र विवायानुवाने क्रिक् स्वायान्य विवायान्य विवायान्य विवायान्य विवायान्य विवायान्य चेर्-य-र्टा रट-रट-मलव-र्ट-महेरामायाम्र्र्र-य-र्टा क्रेप्टर्-र्राक्रिय-र्ट-स्मथातपुः क्षेत्रा पर्वापार वीयातर हुरायारा विराय र्या विराय र्या प्याप्त रूटा रिवी या অঝ**৽ঀয়ঝ**৽য়ৼ৽ঀৢ৾ৼ৽য়৽ৼৼ৽য়ৼ৾য়৽য়ৄ৾ৼ৽য়ঝ৽ড়য়য়৽য়৽ৼৼ৽ঢ়ঢ়ৼ৽ঀৢ৾৽য়ৼ৽ৼৢ৽য়ৼ৽ঢ়৽য়৽য়ৼ৽ खुक्ष.त.र्ट.र्बाय.च.र्ट.चु.पहुंचाय.च.जुरं.त.र्टः। व्हिंचाय.चक्ष्वया.ग्रीवे. प्रे.जु. क्षे.क्षेत्र.त. त्रवेषाचान्ता क्षेत्रायान्ताश्चितावात्रात्वात्रात्ताः क्षेत्रायान्ताः क्षेत्रायान्ताः क्षेत्रायान्ताः विष्या *तशुँद्र*:चबिब्र:तु: तक्ष.पा.भे.वय.विट.रव.प्र्य.श्चे.बुट.रट.वी.ट्रंब.बी.पर्च्यायां विट्रं.कुति.बुव.यया ब्रेच.क्र्रट्य. क्ष्यय.ग्रेथ.पर्वे.पह्चय.श्रयथ. रुवे.पह्चय.भेर.क्ष्य.प्रियथ. पह्राया विषयान्य १ हेर्नाया र्यादा हिटा श्रुटा र्टा दे न हिंदा यया श्रुर्व त्राक्षक्षत्रान्त्रीं मृत्रम् पर्वतः क्षेत्रः तह्नेत्। विशः मृश्चरतः स्वा । श्वितः तह मः तताः ग्वरः। वे स्वरः श्वेतः सम्बन्धः र्गः इवयः दी मिरः लगः त्यां तः स्वायः स्ट्रिकेरः वीवः विद्याः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः क्षेत्रा । रे.र्म.मुख.चर्म.चर्-पत्रेष.च्या । पर्म.मु.श्रेयस.स.म्बस.पत्रेष.री र्गतः अगुरः पर्गः अपूर्णः चेर्ः धा दिः त्यः वैः विः पर्वे । गुन्न वा वेतः वेतः पर्वे । वा न्या वेतः वेतः विः प त. श्रद्र. नव्या विष्य. हे. है. दर. के. श्रवः स्वया विषयः रुद्रः मह्बा. त. द्यरः बह्रा गुर्। |रे.र्गामेश गुर्ध्य र बेर् धदे। |बे.र्ट्रिंट् हर वह गार्थ हुरा | ब्रॅबःश्रम्थः ह्रम्यः स्वः र्णः तर्यः वी । ग्रमः र्मः स्वः वः रेग्यमः ग्रमः । वित्यः मः प्यमः

त्तः से स्याराम् से स्टार्ट से सार्थ स्याप्त स्याप्त

न्यक्षा विश्वेक्षः सन्ते । क्षेत्रः सन्ते । क्षेत्रः सन्ते । विश्वः मुद्धः सन्ते । विश्वः सन्ते

बहूर्रालया लय. वृ. युव्यया. स. र्टर रेया च्या विवया. स. स्टर्मी. जय. स्वरं हो चक्किर्.जय.रट.रच.ची.जय। वियानश्चरयायवे.कुरार्स्। जियारचा.ची.जयायाऱ्या. <u> चेर्-र्र-रेग्-चेर्-अ-धेद्-य-पेद्र-य-ग्वेल-शु-इल-द्रश्न-ग्र्-तृत्र-वृत्त्र-वि-द्र-चे-च्रा्न-त्र-ङ्</u>र-व-दर्द्र-याया श्रूपान्यं व न हो न महे व हो वा पाना व वा स्वाप्त मानी से न हो न न सह सार है ८६मः पतः श्रेययः पः तः विदे । पयः ययः मृष्ठेयः मृः स्यायः परः पर्मः मृ ।ह्ये×.पष.ष. र्नो हो र्ने शुर् या प्रवृत्त निर्वास्त्र यादा वर्षेत्र विर्वे र्वा निर्वे प्रवे त्यायः ल.लट. चन्। परुषः चन्। सेर् महेषालय। पर्रः चन्। परुषः रूटः रे सः स्ट तस् न्यः तपु. बैर्-फ.लूर्-त.र्ट-थ्र.थ्र.श्रे-टूर्-बैर-ज.लूर्-त.बोबुय.जय.पर्रर-ही.यप्। र्गे. चर्च. पर्था वे. चर्चर् व्यया या भेव. चर्चर पर्या चर्चर् व्यया ग्री. पर्या वे. पर्दर् [मञ्चयाःग्रीयाः मञ्जयः मद्रः न्त्रीः मद्रः त्यतः स्त्राः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्वः विश्व गु.थय.पर्वेथ.तपु.रेगु.च.चर्य.त:र्ट.प्रथ.तपु.पथ.थ्रो र्ट.केर.लट.बहूर्.जय पश्रन् व वर्षा तर्मे निवर्षा निवर्ष । यह विष्य विष्य मित्र वा वर्षा क्षेत्र परि नेशिट्यास्त्र । इतु. हुर. हुर. नेल. पदु. जया. हुया हु. हैर. पर्ट्र राज्य वा क्रे. हेव.ज.श्रुव.बैद.जय.ष.क.क्व.श.८८.२८.५८.५८.७.२ वय.ग्रु.हेव.ज.श्रुव.स.द्व.पचय.पी.. मेल्.च.लुचे.च.टु.चलुचे.टे.विश्वथ.मूट.शर.थ.मेवच.टे.शुचे.बैंदु.जथा य.टु.जय.मेवच. रु.श्रे.श्रेष्ट्र-पत्रक्षःम्प्रापः वेषाचुः हो। सहराया मराध्रेराया विराधिताया इयतःश्चेतः धुरः वेः नृष्यतेः धुर्। विवः नृष्यायः धतः धुरः र्रा विवेषः धः रेः नृष्यः। धते ह्यादी हुरायम्बायामः इस्यायान् ने पते त्या हुन् रहराम्सन् मास्नि त्या हैर्ने पते यथ. येट. क्रैब. खे तथ. रेट. हीर. प्ट. मुथ. बाध्य व. त. प्रट. येट. व ट्र. प मूं. रेट. चर्. प ग्रंप. वर्षितः चतः वयेवः धवैः वयः वैः वयम्यः धयः महामः धः श्रेनः दे। 74. a. s. a. u. u. u. u.

चेन्-सं-धेव्। |बाव्य-बेद्-नेन्-बर्वर-धेन-सं |बेय-वशुरय-ध-न्र-। र्श्वन-न्यद र्ष्ट्रिमा मने व मुक्ता महेवा संस्टायात बेवा संस्ता विकासिया स्त्रा हिना दियान है है है निर्मात का मी मन्या हु तहें न परे न मर है ते हैं श्चिन्-तु-द वेद-वेद-कु-व्यव-वार्वन-वा वद्न-वार्यन्-विद-दे-विद-केद-यद्द-शुय-तु-ह्र-नयः वयादी तथा देव ग्री न्वर मीया दावर पर ही पा पर्न ग्रीर तथे व ग्रीर ग्री तथा मीयर र र ही र ग्री तथा मीयर र र ही र श्र-क्षेचयाः देवः ग्रीयाः क्षेचयाः द्वरः ति द्वरः । व्यवः विवायः रटः श्रीयः देटः ग्रीयः ब्रुं र त्यायाः क्रवायाः क्रवायाः व्यवतायाः व्यवता क्रवायाः व्यवता क्रवायाः व्यवता व्यवता व्यवता व्यवता व्यवता व्यव वृंदः स्ट्यः रुवः ग्रीः यः रेगः यः रृटः ५ हेगः कृदेः गृष्वः र् पटः रुः श्रुरः यः रेशः क्षः गृशुयः यं राः ः ञ्चनान्डन् स्वायाक्षान्नो मा अस्व परायत् ग्रेन् का पर्यन् वययायाध्य पर्यः पर्यान्या व्या ६ वर्स्नावस्याः ग्री-नवीः नः श्चीदः सः नार्हेरः मः न्राः हैतः विस्वतः श्चरः नः सम्बरः वर्तः चीन् न नर्सन् व सरा ग्री व्या न्दः नर्यसः मृष्ठदः न्दः मृत्तु मृषा स्रेन् वित राष्ट्रः राष्ट्रः राष्ट्रः राष्ट्रः वि मृष्यः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयः वायाः वायाः स्वायः स्वायः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः ताः के का नृक्षे मुका कुषा कुषा कुषा वरा मार वर्षे नृष्यते । वर्षु नृष्य । वर्षा मुका वर्षा मुक्षा वर्षा । वर्षे लय.दै.श.श्चिम.स.र्मा मेवय.लम.मरमा.श्र्रं.सप्त.म्ब.लम्ब्य.मव्य.र्म्.स्य.म्ब्र. रव.र्ट. बर्क्ट्य.तर-र्वेष.तपु. शुत्रथ.त.र्वे. वपु. पथ.स्वय.प्रांट्र. वपु. क्री. विट. व्या लव व या श्रेव ले व । श्रेव प्रताय या पर महित त्या प्रताय विव महित हो त्या पर पर प्रवाय नवसम्मन्दे द्वाराष्ट्र व्याप्तस्य वर्षा प्रस्ता या न्दा पद्मा सेन् या था चःबश्चाःसःलूरः ग्रदः।

<u>र्ष्ठेर्'पते वेत्रार्या र्रायक्षंर्या स्वाची र्वो पते त्या इयता दे श्रीर् पाष्टी या ता श्रीर्पये ।</u> ग्नेत्र यते स्वाप्त धिव विरा प्रिंत प्रते सम्माप्त म्याप्त व्याप्त व्यापत व् व्ह्रमा सर्व्यत्वेव छेर् गुव व्ह्रम्मे परेव सम्मारम्म प्राप्त वा व्याप्त वा व्याप्त ब्रुर-ब्रु-अ-ब्रु-र-व्रे-त्रक्त-त्रुर-र्द्रत-र्ट-हेल-ब्रु-यत्र-गुत्र-व्रुद-वैत-व्रुत-प्र---चलमाम |दे.क्षेत्र.लद्रा महत्र.ल.र्चचनःच.च.द्रु.च.लता दहमःहेत्रचते.क्ष्यामदः र् मः यदः त चुदः चतेः श्रेर् ः धवः त चुवः वेदः देः यः बेः धुवायः धरः त हे मः हेवः ययः य र् यः ः ः यते त्या क्षेत्रायतः हेत् या दे त्या हेते हिता गुदात हुत् पते पदेव पता पहुताया धेवा देवा ने न्नाकि संस्कृत् क्रिया वादा सम्मान्य विद्यानि स्वीत् वाद्या विद्यानि स्वीत् विद्यानि स्वीत् विद्यानि स्वीत् लर.पडीर.पषु.पीथ.र्ट.रच.र्ट.गूर.गुथ.णचेथ.तर.श्चेर.त.र्ट. ह्थ.थे.शवीय.त.गूय.. नयः रेषुः ब्रेरः गीयः पडीरः नषुः नरेषः नक्षयः नक्षयः नः भवः नरः रुपः सरः चेत्र। विष्ट्र. चतुः केथा रश्च मयः ज्ञायायः चयायाः वया देः तयः छन् त्र सुदः चर्षः चल्रमः मलः गुक् व्राच्यान्यान्यः पर्वः न्ने चर्षः व्याः तहि मः हेवः व्याः त्र्वः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः धरः क्रेन् :यः इस्रवः गुक्-दक्ष्यः स्रव्याव्यव्यः धरः गृश्यः यत्रः पत्रः पत्रः पत्रः पत्रः पत्रः वर्णः स्रतः यदै नेषःरच चक्केर्म्यायात्वर् मृत्यात्व । दे क्षेर्यं व त्वरं च त्या इया ग्रद्या स्था केथ.रेश्च तथा.थी.प्रकेत्राया.में पश्चेत्राया.पश्चराया.पश्चिरायाते. स्वेया क्ष्याया.पा.श्चेराया थीवा पद्चेता तथा. नवेषः स्तान्त्राक्षेत्। नत्नाक्षेत्रपते द्वालास्त्रास्त्राह्म नायते वेषात्र वास्त्रीयास्त्राचिषः चर.क्य.ग्रे.थुवाया.बोड्रेथा.पा.ब्रोबाया.तर.व्रेट.ता.रट.व्या.चरु.र्जे. T. MT. M. LALI ड्वॅंद्र-इयरा वै'वेट मी'यवु'यानहेष्यात्मत्रेर्यात्मत्रेर्याण्ड्रम्रायात्मत्रात्मत्रात्मत्रात्मत्रात्मत्रात्मत्

प्यथानाश्चा तारी प्यटा मोद्रेयाही इरामा मेरे पदा है मार्थना पार्टा इरामा

स्यास्यास्ये क्षेत्रात् क्षेत्रात् व्यास्य ने निया मान्यास्य निया मान्य निया मान्यास्य निया मान्य निया मान्य निया मान्य मान्य निया मान्य निया मान्य निया मान्य मान्य

ब्रेड्रायान्त्राध्येषयायान्त्राध्येषयायाची वेषायान्त्। द्वायायेष्ययायान्त्राध्येष्ययायान्त्राध्येष्ययायान्त्राध्येषयायान्त्राध्येषयायान्त्राध्येषयायान्त्राध्येषयायान्त्राध्येषयायान्त्राध्येषयायान्त्राध्येषयायान्त्राध्येषयायान्त्राध्येषयायान्त्राध्येषयायाः विष्यायाः विषयः विष

महेल.त.पक्ष. पदे. श्रेयता दे. मह्या पत्रा रमें पदे श्रेयता रूट व्यापर पक्षे पारी रट. मुका रव. तथा में बचे. ग्रीयारवे. ये. ये. ये वे. ता. त्यर. प्रे. रे. रे. रा. प्राया वे या. तथा रे में चवु.इथ.पर्थ.चथ.च.पविद्याचयु.चर.री.श्रेश्वयाताग्रीयः हि.श्वेराचय्। १८मी.च.रटा क्षर.यर.धे। रूब. बर.जय. बर. २. ब्रायश्चरम् चियाचारे छ्यास्त्राच्या रूपाया रूपायाचार विया हे। देश रोग्रय दे त्या महिता पर त्युर त्या महिता वह दे पहेर पर त्युर है। ॴॱॺॾॖऀ॔॔॔ॸॴॱय़ॸॱॺॕॺॴॱढ़ॱढ़ऀॱॸॣॸॱॸॕॸॱॻॣॸॱड़ॖ**ढ़ॱय़ॱॸ॓ॱ**ख़ॴॱख़ॕॻॱय़ॸॱॿऀॱढ़ॹॗॸॱॸॖ॓ॱऄॺॴॱॱॱॱॱ न्वन नुः वे तहना में । नमे न छेन् मं वे सुन मिन्न व स्ट नर व में न नर व में तकः नदे र्यात्र में ताक्षे त्या है नुदे न्यु म्या के हुन ताका धेव ता धेर्र रु दिर न है हैन्या पबैर.प.र्टा यर्.पर.पक्ष.पर.पक्षर.पे.पक्ष पर.र्पु.प्यायायात्रेग.पक्षाक्री.इर.प. |त्रयाः त्रेष्याः स्टरः क्षेत्रः क्षेत्रः स्टब्स्यः क्षेत्रः क्षेत्रः विक्रः स्टरः विक्रः स्टरः क्ष्यथःक्ष्ट्राचाध्यं है। वि.र्मे.पद्यःश्रेषयःर्टः व्यूर्ध्यःपरः वक्षःयःदी तत्यान्वन ग्रीय रव रे. च देन ग्रीट र हो। क्रण य. यूर्च य. ग्री.श्र. र जे. च. र ब. स. अथ. च.२म.त्र.क्र.च.४८.क्र.४मे.चप्र.पळ.वे८.वे८.त.५क्र.चप्र.क्र.वे। क्र.४मे.च.क्र.वि तपु. पथा ग्री. पर्राया प्रीय. इस देश इस वर्षा पर्दर में इस प्राया प्रीय प्राया महिता में नाम वर्षेत्र में महिता है। रु.ब.ट्रे.ल.इट.वर.वशुर.हे। इट.व.वल.शुव.व्रिंट्रि.व.व्रा.व.र्ट.वर्षा वि.ट्वे.व.

क्रवे. त्. वेर. त. स्वयः द्री वक्षवः वः व्रः व्रवः त. दे. र वाः वर्षरः तयः वयः यः व्रवः व वरः व मदःयन् न्यं वर्षाः प्रतः प्रमः न् देः द्वीदः पः प्रः द्वाः ब्रेट ह्यु : बेट : ब्रे या छेट : ध : न्ट : | व्यवितःतःक्रियः सः न्रः श्रेषः व्यापः न्रः।वः वयः न्तुः वः त्रुः वः न्रः नेः त्रः वः इययः त्रुरः हा । विषाने के र वे पार वे हा के दार के दार के पार विषय है है है । विषय के पार विषय के पार विषय के विषय के विषय त्रचुरः चर्यः ह्रेन्यः धरः शेः त्रुरः हेन्। । व्ययः देवः धः चेन्। धः स्वयः वः नवनः नवनः वहनः भेवः हः |मवर्गम्डर्ग्देन्द्रेन्द्रः द्राप्तः न्युयानः याम् हॅम्यायदेः क्रेुः मद्रया स्यया कर्नायाः क्च चरा के द्रा विषयः कर् जिर् त्रे विरे के दे त्रे के विषयः **धर**-र् स्वि देर रं व्या म्याया पर्या मन् वाया कन्या पर व्युर रं । दिरे देन मुल कन्या यदै र्यदः मैलायर्गा दे बेर् यर प्याप्त मुरा रे हुवाद वालवायार्ग वार पर प्याप्त है। रे दे नर-द्र-पश्चित्र-तपुःश्चित्। देःषःश्चित्रःष्वेत्रःष्ट्र-प्रदःषःषःषटः नर्गःषःकन्त्रःयः वश्चितः क्ष्रवर्षाः वित्रक्षेत्रवर्षः वित्रक्षेत्रवर्षः वित्रक्षः वित्रक्षः वित्रक्षेत्रवर्षः वित्रवर्षः वित्रवर्षः वि कन्यायाराने के त्र हुराहा । विरायानह्रदा हु ते व्यया द्रा स्वापरा तके नावी न-र्टाश्च-र्नेन्द्रिन्द्रिन्द्र्यत्राद्देश्चर्यात्र्या |दे-दे-तक्क-नदे-क्कं-नदे-सृग-गड़ेयाग-दट-वे-শ্ৰব:গ্ৰীঝ:গ্ৰহ:হ্ৰ:ধহ:ম:গ্ৰুঝ:ধর্| | र्वो पर्दे त्रेयसाग्रीयातकः माद्रीय र्वा स्वर्णायायाया स्वर्णितः म्वर पर्य. चेथा.क.स.म्. व्यतः क्र. व्यतः क्र. व्यतः व्यवः व्यवः व्यवः व्यतः व्यतः व्यतः व्यतः व्यतः व्यवः व्यतः व्य नेयाने दे के क्ष्य में बया पर प्रतापत ने पाया पर पर पर पर विषय बुकागुराद्वायर बुदाक्षाकुषार्थ। । विग्देने पाया यरादे दराददा प्रवाद देवा वि ्बु: च-द-द**े: लेबला करा करा करा महिदा हैं।** विह्नार वीया यहा न्षे श

र्टाः पश्चित्राः तात्रां विष्टः प्राप्तः क्षेत्रः श्चाः श्चितः र्टाः विषाः प्राप्तः श्चितः विष्टः विष्टः

सदैः चरः हैं : बुवः दः दे : दंशः श्चे : वः वव्हः दुः वर्ष्ट्र विश्व दः व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त ग्रंब.जब. च हुत्र शुः क्ष्वा यः व्यतः च नतः द्वा । व्यतः हुत्र शुः शेर्य वि हुः भेरवतः हु । व श्चे नाञ्चरवायते स्नर् रेण् न्राये वे श्चे श्चेन न्रा য়য়ৢঢ়য়৽ঢ়য়৽ঀ৾৽ঢ়য়৽য়ৢ৾৾ঢ়৽ঢ়ঢ়৽ नेवे प्रन् रेन् यान्तेय पान्या विष्या विषया सः १८। वर्ष्ठः वर्षः स्नर् रहेना मः सः दैः वर्षे रश्चेरः तुः सहर व्यवः नशुरवः यव। १ न न न क्रे.त.घटय.तपु.रेश.ग्रु.पक्र.ब्रेर.ज.चक्रेय.तपु.रूब.रूव.ग्रुव.त.जो ट्रे.ज.प्रिया.वय. श्चे.त.र्घः षष्ट्र जिथार् वेचयाः रुष्ट्र दिन्द्र नार्टा यटः श्चे व्यवः ज्वान्त्र विवान्त्र श्वे वयः श्वे वयः यः यदः अर्द्धदः व्रतः वृषाः वृष्टुं दृदः प्रवृः वृष्टुं यः वृष्ट् यः दृदः वेषु दृः दृदः प्रवृः वृतः वृषः वृषः व ठवः नुः वहिन्दाः इत्राः द्वाः व्याः व्याः वदः वदः वदः वदः वदः वदः वदः वदः वदः क्षे. नव यः पयः इव ची खयः यः य रू रः यः शे य बुदः परः इयः य वुँ रः श्वुँ रः पये यरः न शुद्यः । ।।। र्ष्व चि त्या व्यवस्तित्व वि त्या वि द्या वि त्या वि त ब्र-नावनास्त्यायळ्वाळ्यासुवावनातुः **रबो.च.ब्रेर.चद्र.चर.ब्रेर.ब्री** नुर्दा । नृने न मे न्या पर नर होन दे द्वा द्वा मार मंत्रा हा नरे स्न नर नर नर नर नर बढंदः ब्रदेः ब्रदः वः क्षः वृदं। । रदः रदः रैग्रायवृदः ग्रेः वरः रूँः रदः रेः र्गः रदः रदः ग्रेः ब्रुं नव्याग्रदः अर्घरः हैं। विदयः दुः यहन्। यः यय। द्युयः पदेः परः हैं है र्वेटः दुः $g_{a} = g_{a} = g_{a$ नु: नृतः। तर्रम् प्रदेशक्षः नृत्रः ब्रेदेः न्यः मृत्ते व्यवेतः क्षः सुः नृतः । गृत्तु नृतः । व्यवः प्रदेश प्रस र्ने दे न्यान स्टार मुख्य देवा में प्रमुख्य स्वा मिन्न मिन्न स्वा विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व मुद्रेयाशुःश्चे वर्गान्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या विषय क्ष्या विषय क्ष्या विषय क्ष्या विषय क्ष्या क्ष्या क्ष ·ना हु न ता को न के प्राप्त के प

बेर्-पर्द-र्वेगरा-पर्ययः पर्दे-पर्यः य १२-पर्यः । पर-र्द-अर-ग्री-अळवर्यः बेर्-यः पर-र्र :बेर् : धर :दर्र : धर :बे: रेग् व:र्वे | क्वि: घर : र्र :दे :ग्रें व:र्वे | |副名·ロエ·デ·奇· ब्रियानपु.पायानुरामास्ययानु। परार्द्राद्वान्यम् नुरातुरानुरानु বর্নার বের্মির **६ न य. थे. प्र. न थेट य. प्र. प्र. म थिय. में एय. में एय. प्र. में एय. प्र. में एय. प्र. में एयं प्र. में एवं प्र. में एयं प्र. में एवं प्र. में प्र. में प्र. में प्र. में प्र. में प्र. में** बे.र्र. भे.रे बंधार्थः र्र. थे. वंधार्थः वंधार्थः प्रतः प्रतः हि.पर्यः पर्नः प्रतः वंधार्थः वरः पन्दःदी । क्रें क्ष्यं दे क्रें प्रें प्रें के के दे के त्र रे देर व्यायाय पर त्या प्राप्त वि क्तिवाकेरावावीरियायायीरार्दे। |अ.क्रेन्'व.लट्'जिथ.घहेल.वय.वन<u>।</u> यतुष्याः यतुष्यः स्वाः स्व दे. यदः कर् क्षे नद्यां निविदः विद्याः यान्दः द्याः गुदः दे व्यवः देदः वः याः व वर्षः व दे.प्यारेट.च.चवयाचर.पर्देर.च.वे.बे.देचयाच्या ।क्षेत्र.चर.र्द.के.वे.दे.वच.चर्वः मुलाभे तह्र वा क्षेत्र पर में में तहा यह का वा वा के व म्बद्रामु:मु:वःवःवरःवरःवरःद्वःवःवदःवम्यःवरःमुदःवन्त्वःभूतःम्। ।म्बदःवःवरःवरः **ने** क्ष्र-र्

৾৾৾৾৾৾৾৽ড়৴৽ৼ৻৸৻৻ড়ৢ৾৴৽ড়ৣ৾৾৾৾৾৾৾ৼ৸৻য়৽৻ঢ়ৼ৻৸৽য়ড়৴৽৸৽৻য়য়৽৸৴৽ঢ়৻ঢ়ঀ৽৸৻ঢ়ঢ়ৢ৻৸৽ঢ়৻৸৽ *ঀ*৽৽য়৾৽ঀৢ৾৾৾৾৾৾৾ৼ৽য়৾ৼ৽য়৾ৼ৽য়৾ঀ৽ৼ৾ৼৢ৾৾৽ৼঢ়৾৾য়৽ঢ়য়৽ড়ৼ৾ড়ৼ৾ড়ৼ৽ড়ৼ৽ঢ়৽য়ৼ৽ *ॕॖॺॖज़*ज़य़ॱॸ॓ॱढ़ॗॱॸ॓ॱढ़ॗॸॱक़ॗॖ॓ॖॹॱय़ॱॸ॔ॸॱय़ॖॸॱऄॸॱॸ॓ढ़ॱॴढ़ॱय़ॴॱॴढ़ढ़ॱॴॸॱॴॸॱऄऀॱॹॗॸॱॸॸॱॺॕॱॱॱॱ ब्रुपु: ब्राह्म विकार व्याद्येषा व्याह्म स्ट्रा । हे लाष्ट्रिया व या परा श्रेट् : दे : पक्रे : व्याह्म : व्याह भ्रेदा । दे· यदः यः विवेषः कविषः यतः श्रुतः हे । दर्दे दः कविषः द्ववः धितः श्रूनिषः श्रुप्तिः । दः ब्रह्माम्,बर्मावि,च.चश्री,च.प्रचीट,प्रा र्देश हेया पाना हेया गा प्याप्त वि विना ने हिन या या *ने* महेषाबदे क्षे म्वया सुपद्रिया द्या **ग**हेश:ग्रॅंब:बे:च:प्र:दड्डूट:हे। दः अः नङ्ग्रायः नः नदः द्वेतः द्वेतः अः नविदः तुः कग्रायः सः शुरः सः नेः नदः क्षेत्रः केनाः तुः नरः श्रेन् ने त्वावा सर त श्रुर त्या ने त्वावाया स न्र न्याव केवा कु गुक् विदेश इस सर नेवा यदे अञ्चर्ताने तथा मृत्व यदे न्वर वदे त्वर वदे त वुर व केव् व क स व न्र तर् व व परे न्र बह्द-धदि षु:पून्-द*र्ष-ध-दनद*-धॅ-५८-घठ*ष-ध-*ग्वद-दन्नुद-क्षे| देवे.५४.थु.≆य. मेलाल् नवारा दे केटा अर्ध्यक क्षेत्र पालेका मुद्दा । गावान निवास क्षेत्र या स्वता केटा में प्राप्त का का का कि इस नेल ग्रेल नेट सर्वया क्वां प्रत्य प्रत्य क्वां दै:रेग्रान्ययःवरःक्रुःक्रे। यसःवःन्रःयहग्।यदेःक्रेःगुःइदेःश्चःन्रःयन्यःतुःन्रःवग्राः विनयासंग्यासंग्रामयः वदः दुः तर्त्तुः निवः सूरः नः त हुरःय। विग्यः पवः ययः विदः छेरः छ विनान् देने वाया सहित स्राम्भे हो। विनान् राष्ट्र ह्या प्रमानि विदानि राष्ट्र प्रमानि विवास बेर्-।वट्-त्यःस्वात्रःयदेः बाद्याःसुःत्वे प्वते सूर्-वःत्वुरःस्। । बर्त्यःदः नाद्याःयः ने षटः वना न रुवः सन् र्वः न कुर् ग्रेवः यर तः रुः धवः तना र्रः हेरः तना वयवः ठरः र्रः स्वः धराव शुरारी दिवया वना पवि स्वन व ता पठवा है। बदया नु वह ना पायका ने व .ब्र.म: न्शुत्वाने : त्यात्रात्त्वान् वितात्तात्वान् । व्याप्तात्वान् । व्याप्तात्वान् । व्याप्तात्वान् । व्याप য়र्-ग्रे-भेव-श्-इंनयामः अव-इं। वि:प-इन-नयः पहुव-ग्रेय-वे-श-ईनयः हे-धव-त्यनः स क्र. चर. लट. प शुर. में बिका महित्या साक्षे पुर्व विदे न मा कुरा पर सामा पहिना जय. मेथ.तर. चेर्। *ऻ*ञ्चेॱनवराःशुःतर्गे तर्ने नः बेन् वः बैःतर्गे त्यः बः र्वे रः वः ने रः बैः ञ्चेः चयः दश्च तः चरः श्रुः चदेः वदाः वदाः वदाः च वदा ८इ८.ज.सूर्ये थ.तपु. रूपा श्रुप. १४४. इयथ. श्रु. तर् श्रुर. य. श्रु. ये थ. श्रु. जे ये या श्रु. जे या श्रु. जे ये या श्रु. जे या श्रु. जे ये या श्रु. जे ये या श्रु. जे या श्रु. जे ये या श्रु. जे या श्रु. <u>र्माक्षे त्या पृष्ठे प्रमाण्या प्र</u> *15.यथ.*ञ्जे. न्दराग्री न्त्रवादा न्या विकाद वा नरा श्रीतात ना किरा ही श्रीता है। दे निवेदा है। दे निवेदा है।
 ロ・てた・スラ・ロネ・心・です。ロ・マケ・ステ・スティーのでは、ロ・スティーのでは श्चि प्रते नव्याशु रूट र्ट रेग्या यश्चिर पर प्रत्ये स्तर विश्वे स्तर विश्वे स्तर विश्वे स्तर विश्वे स्तर विश्वे श्चेन्त्र बर्बदःबैदः। रे.बबःरेरःर्गयःचःर्दःयर्द्रःयःवश्चेरःरे.बदःचःर्दःश्चेःवदःग्वयःयः प्रवाद्यात्र वरा होत् त्यामा करा क्रे.होत् र क्रे.होत् पर क्ष्यात हेरा हुन् परे वर महारवा हो इंद्राधित स्व.वे.व.रट.लच.पक्षट.यूचेयाधिव.तपु.रबीयाचर.क्षे.क्षेयालट.पर्ट.रच.र्ट्. वड् वर दुर्व | वहूर है। इं रूट व्यवस्य यह व वहूर वव्य विसर्हर विनर व्यतः क्रु.व.इ.व.इ.च.रटा वह्रव.हे.क्रे.व.व्यवतः वहर्ने व्यतः क्रु.वरः व्यतः षरः र धुयः हुः क्रे कः दूरः वः वर्ष्ट्रः वः प्रः । श्रूरः न् धुयः हुः क्रे कः वर्षयः वः वर्ष्ट्रः वर्षः वरः श्चर्-तर्मे. चर-त्मेलामः लवा मन् न्द्रा विष्टः श्चेषः गुर्टः बर्टाः श्चेषः नरः बहरः प्रचेतात्वराच मन् न् । त्रके त्र न न् न् ने न् ने मा व्यवस्था हुं न हुता म् यवा दे न हे वा वा प्रवास बेर्-धः इब्रारायदे र्देशः नृषे द्वरः चम्र-धद्।।

नवेयामहेदावन्य द्वाताम् द्वात्वेया ग्री क्षं द्वाप्य प्राप्त प्र प्राप

ॱॸॣॸॱऻॱ॔॔ॺॺॱॺॺॱॺॏॱॻॺॖॱॻॱॸॣॸॱऻ<u>ढ़</u>ॱॹॱॾॕॿऻॹॱय़ॱॸॣॸॱऻॸॣ॓ॱॸॣॿॱॿऀॱॸॣॺॱॻॺॖॱय़ढ़ऀॱख़ख़ स्रा । र्रा दे। हेव. इर. पर्चेष. चर. पर्वेर. चयु. वयु. वयु. वयु. वयु बह्र्यः तथा ब्राप्ट्रमाञ्चा व्याद्रमाञ्चा विद्याम्बद्धाः स्थान ण्वतः पः ठंबः त्यः ब्रेट्टः क्षे वर्षः वर्षः प्राप्तः यदेवः क्षेत्रः वीः वर्षः विष्यः वर्षः विष्यः वर्षः विष्य ष्ठ्रग्रायः भ्रेत्रा वार्त्रग्यः अप्तानेव्यः मृत्रः श्रुतः स्वरः त्रेन्यः स्वरः स्वान्यः स्वरः न्यानः स्वरः स्व नव्यास्य व्यात्य श्री देन स्वाप्य तन्य ज्ञान्य स्वाप्य श्री व्याप्य स्वाप्य स् तर्रः मृष्टेवः मृत्यः वे स्तरः प्राप्तः मृतः चन्नाः वे स्वर् मृतः स्वरः मृतः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्व देवै त्वायात्त्व वे ग्रामा वा ग्री पर्मा हु तहेव पवे तहेना देव । विवा श्वापार्य केवा या .ळॅलःग्रुःग्नग्रायः पत्नेन् त्या अतः न्यंदः र्वेग्रायेन् श्चायः येतः श्चायः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विषय ৡ৾ঀ[৽]ৡ৽৸ৢ৶৾৽ড়ৼৢ৾ঀ৽৸৴ৼ৽৻৸ৼ৽৴৸৽৸ৢ৻ৼৢ৾ঀ৽৸৽ৠৼ৵৽৸৽ঽয়৽৸ৡ*ঀ*৽৸য়৽ৡ৾৽য়ৼ৽৸৾ঀৼ৽৽ ना नर्वन् सरायर्दा । इर्यायर्ने ता क्षेत्रा व्यवस्थायः इर्यायः न्दा दे विवास महेलामला दे नरे त्यूरात्यू नदे तर् हेर् महामान्य प्राची वा कार्या महिला हा महिला है। वा यत् चित्रके तथा भेवाया दे प्याप्त द्वार स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वा नवु नक्ष्रं व वर्षा ग्री त्वर्षा रहा विवर्षा मूदः वर्षे न वर्ष स्रा । इस पर नेयापदी सर्भायवा इस नेया हेनाया नुवाया गुरु । यहेन 'केर.थ.त्र-भीर.ग्री.क्ष.भेथ.श्री । री.लट.प्या.श्र.८ग्री.च.त्यत्यत्यत्यत्यत्यः स्वा.चक्र्या.ग्री.र्वेग. नम्यात्वहरामायाः स्राम्यावि की. न्ने. मदी. यता सर्वा परात्ती केराविया लय. रेट्र. च म. क म थ. च झूं थ. तट्र. क्र. पर्ट ट्र. झ्थ. घर. मेथ. त. च्रे. क्रुंट्र. रुंथ. ग्रे. झ्थ. मेथ. लब. दे'ल'महेव'वर्षायादॅट्रामाव'ट्व'द्रश्रेते क्रे'ग्वर्षाशुक्रेट'यळवर्षाञ्च्रेर'मदे' इया नेवा वै त्ववा नुदे नुवा ग्री इया धरा नेवा धर्म | ने नि विवानु नि विवानि स्थित है । वि व. थेर.ज. झ्टय. तपु. रंगर. मृथा पर्. प्र्. झ्यय. ग्रेट. लट. रंग. तर. श्रृंग. पर्नाय. तर. क्षरामानेवायर वरे वर वत्तर प्राप्त प्राप्त म्या प्राप्त में व्याप गुःइबानेबाने चुःरुबार्टा रेग्यानहे वाववार्मे द्राया न्याया में दाया विस्तर् ब्रेट्-अब्बर्धाः श्रुरः पतेः इसः मेराः देः तज्ञराः नुताः गुत्। विटः न्टः ग्रुग्राः । **इ**र.च.र्ट.पर्थ.मेथ.र्ट.पर्थ.कुर.र्ट.क्य.तर.मेथ.त.कें। वंडीवाथ.२४.का.लुय.तपु. स्ट[.]ट्र.प्रेप्त्रा |मञ्जनकःद्रे.पञ्चनकः अर्-रि.भ्रुःदा गञ्जनकःग्रेःकः स्वःद्रवः स्ट्रग्रेः मञ्जाता अर्भाता में त्यारा मालव प्रति स्निम्सा सुरवे से स्राधित स्ति माञ्जाता प्रति माञ्जाता स्ति माञ्जाता स्ति ह्नर-रेगलायर श्वर-र्रा क्रि.यकेर् रह्मावी यहतात्वल क्रे.वा रहायर ह्या नेला ल्वातःपते पुः प्रवातः वी : बेर : बेर : वेर : इंबतः द्वेतः पत्रः वेवः तः रावातः पते : क्रें : बेर : वे नविः गुनः सः हो। त्याः नृरः भैनः श्रे अकेनः दैः येनः येनः सदः नृतः वतः सन् में। निह्यः हे.शु.व.व.व.वे.वेट.वक्षययःश्चरःचतःक्र.र्यटःइषयःद्वतःद्वतःवरःयःवर्यःद्वतः ब्रॅंट क्रेश्य न्ट र्ट्रन निरक्रिया तार्वी सटता सामहिन्दा मानवन ने न्ट त्र तुःबेदःला मर सदि न्दॅश ग्वी यस मन् न्

लेथ.ग्रे.वि∠.तर.श्चेत.तथ.स्टथ.श्चेर.त.स्.श्चेत.तध् भि अकर्मा मही महा रुष है। मञ्जमता अराज्य अराद्री दिमाया दी धुलार् यराङ्ग मेलामशुकात रुवा द्वा धुला धिना र् दिर्धाः दर् पर अप्वितः वर अप्वितः वर्षाः वर्षः व नुशुर्यः पर्यः देः ध्यः र्दरः इयः वेयः ग्रुटः यळेदः यः धेदः दे। । छरः यः दे। र्मा.तथ.तीज. नशुक्षात्वरुप्तात्वरःहेलाशुक्षस्त्रवर्षात्वरेत्रुन्तात्वरःश्रुवतःनशुक्षःश्रेवतःनशुक्षःश्रेवतःनश्रेवतःनश्रेवतः **इ**र.च.चर्रे.च.ल.ब्रु.पञ्चल.च.र्रट.र्श्व्य.चर्द्यल.ल.पञ्चल.चरःश्वेर.चर्रा <u>श्रे</u>र्-धःक्रुर्-ग्री बन्देण-ध-ब्रेर्-व-दे-ळॅर-घ-धॅर्-ग्रुर-श्रेर्-श्रेद्र। |रे-क्रुर-व-देण-यादी.सीयाची.स्राट्सा ह्यूरे.रेटा। ह्यूर.य.दूरी ही.यंदश ह्यूरे.स्राट्सा ह्यूरे. न्द्रेशः ह्रन्यः प्यत्यः श्रुद्रः ह्रन्यः पः धेदः द्वी |देः यः विश्वरः नशुक्रः ग्रुः श्रेदः पः नशुक्रः ल्ट्रम् विवासकी स्रायानविष्यात्रक्षिताक्ष्यायानविष्या वर्षाक्ष्या नविनयाञ्चाताःस्वयाः तद्र्याः तद्र्याः तद्र्याः तद्र्याः स्वयः न्दा क्षार्वान्दावान्त्रेयानवे स्थ्याम्बन्धान्दान्त्र्यान्त्रा दहेना स्वान र्टा इताविश्वयार्टा पहुतालु गवाले । यर गा हु हु। यर वे व येदःग्रैतः गर्वतः नहनः पर्यः धरः श्रेनः श्रेः अः दर्देदः पः तः समुः हतः नुः ग्रुनः पः हे। केरःबळ्बराञ्चरःचर्। |क्'भे'य| क्'रा'दी सुरार्घे श्वेदःकरःग्वदःतुःदश्चरःयः **धेद**ःय। वै:घःदै:धुद:घॅदे:दैरायसुद:दॅर:घदॅ॥

मुद्रेयाना लया तम् स्राम्य द्वा गुर्द्दा गुर्द्दा त्या महत्त्वा व्यव तमा सर्द्र चत्रु'नर्यःहे कु तु ले त् विद प्यते प्यतः याना न्दः तथ दर्यः यदे प्यतः याना न्दः यद्दे प्यतः त्रशुनःसरः च्चेन् सदेः धवः तमा न्रः अर्देवः सरः शुनः सदैः धवः तमा मि । तथेवः सदेः धवः बार्चामान्द्रावर्षः चेत्रान्द्राम् व्याप्त्राम् विषद्वापदे यद् बैर-र्-न्-ग्रुगरा-र्-क्रिःबह्नेर-हुग-र्-रेग-य-र्-स्र-पद् बर्द्र पर त् श्रुप पर क्रिप्पर प्यापन मार ले ज्रा श्रेर पर रूर वेद पर रूर श्रेर पर्या बह्दान्यामुन्यते व्यवास्त्राचा मारावे वा भ्रेष्टा न्या मेदा विवामिश्याया भ्रेरा ही दः दः दथे**दः यः र्**टः दश्च<mark>तः यदेः श्चुः</mark> दञ्च तः ळवः यन्ते तः गृष्ठे तः गुरु तः त्रे तः गृरु गः गैराः श्चे ः वः य त्रवः तप्तः श्चिः तद्यवः क्रनः मृडेमः क्षेत्रः त्रवः क्रनः मृडेवः क्षेत्र। <u>रू</u>रः देः तद्यवः नुवः गुः इया मेलाव का सरामते परामुना धरि हेला शुः श्रेन् धाः लेवा का क्रे प्रायम मन् धाः श्रेम का व्या मुद्रेश.त.क्षेत्र.व.ब्रै.पर्चश्रञ्जूत्र.क्षेत्र.कष्टे बेर्-स्र-त्युर-त्य क्रि.पर्चक्र.भूर.र्घ.षा.प्रेर्ट.प्रबे.र्टर.श्चेरं.ता.श्चरं.तर.पक्रिर.स्.र्खे. भुँव.जूर.री पत्रव.कुरं.गु.क्य.बर.पत्य.त.रं.पुर.प्रेंट.प्रें.क्य.ज्य. डिट्रात्यद्यामाने गुनामान दे हेन्या हु नाम्य मे त्रहे ग्रायते हिन् मा त्वराष्ट्रीयः मृत्रेयः श्वः निन्दः ध्यः श्वः श्वः विष्यः श्वः । विषयः श्वेदः श्वः । विषयः श्वः । विषयः श्वः । त्र्युन-चेर्-ग्री-तद्यशत्ते रश्चन-वर्षे श्री-वर्षे अळव जेर्-घर्-पर्न्य प्रहेष् प्रति श्री स्था 리환데. **리**노·너 휣소·데 ब्रै य दे द्वा न ह्या दे श्वा प्रति स्ना नरा धेव पर राष हे वर् ता द्वा पर्वतः पर्व । ग्राब्दः परः तहारः हः श्रेः चः त्वेदः पः तः त्वेदः पतः हु हुः नृहः। देश.दबद्यः च.र्चेच.तपु.क्वे.बोबुथ.लूर्य.त.स्थ.बोचेट.चपु.ब्वेस.री.ब्वै.पचथ.भूर.बोबुथ.थी.च घर्राताल्य.

वरि न्रें वा विन इस धर नेवाया वा वा वा वा केरा वा वा वा वा निवार वा निवार वा निवार वा वा वा वा वा वा वा वा वा व श्चे.त.र्ट. म.भु. क्षायात्रेयातप्रायक्षयात्रेयात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्राया लय.जब.इंथ्य.जथ.रे.धुब.कैब.चर्चल.ब्री.चर्य.तथ.चक्रैय.ज क्र.पर्टूट्र.कैब.चर्चल. २.५ कर. ७ वे चे वरहे। क्रे.म.रर.म.भूदा १५.६.म. महत्रा करा करा के परंदाया पहला त.बुर.लुथ.जा ही.अ.ज.र्बंब.चर्लाव्.थर.च बीर.खं.थी इश.तर.चेश.त.थ्य.क्रूर.च. ल.विच.त.थ.च्व.रे.क्रैं.त.क्षथ्य.च्री | ब्रिय.चेश्वरथ.तप्र.क्रैं.ऱ्रा *|देश'व'दश्च* चेत् भुःशेत्रपः त्रः ते श्चेत्रप्तिः स्रेतः या निकेशः वै हेव त्रेयः स्त्रायः स्त्रायः विनायण। क्रुन्-धते स्ट्रन्य दिन्हेव द्वेष स्रम्भवद विष्य मित्व राष्ट्रि स्रम्य प्रमेष ।द बेवः <u> चेर.रट.पबर्थ.त.वु.पबुंध.नुय.तर.वे.हु।</u> न्यट.पबर्थ.वे.पवंय.रेथ.वु.इय.नुःश. वयास्त्ररावतः वराधवात्वास्त्रेरारराष्ट्रस् । ग्रामान्यवादधरवायास्त्रावास्त्रावास्त्रा तपु.पर्ट. चुर्-ग्रीय.स् । इ.क्षेर.पत्तरय.च.बै.ट्य.ग्री.क्ष्य.पेय.प.पय.ग्री.चना.क्ष्यय. |तथरत्रामदे:र्**द,**वे.शुर्-मःस्बेषाग्री:पश्चनःचेर्-प्र्-द, ଧ୍ୟୁଣ୍ୟପ୍ୟ ହିଦ୍ୟ ଶ୍ରିଶ 🚀 त्यथासुन्द्रेन्द्रवात्युवास्त्र**्राञ्च**यायदे। विश्वताञ्चेद्र्न्द्राश्चवायाद्रीयाश्चेयाञ्चेयानेया तर वि.ही बट बुध प्रबंध तर हिर वे.होर पर क्षेत्र पर की जिर पर ही । यर होत् ता के ता निर्मा विष्या विषय विषय होता विषय होता होता है ता विषय होता विषय होता विषय होता होता है ता विषय नश्चरानद्र·त्रवामुःन्वन्तःक्ष्वायःन्देःस्यामःस्युःक्ष्वःनुःस्यःस्यःस्यःस्यःस्यः बर्ने त्वोलानु क्रि. न न के न सु ग्रुवा सदि ध्य त्यन मु च राज व राज भी ने न न न ने ले राज्य राज व राज व राज व शुः नशुरुषः स्वा । देः स्वरः दः तथा दः त्रायः संदे सार्यः स्वा स्वा स्वा व्या स्वा द्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्व *बै-८चे.चद्-द्-नु-गुब-इब-वेब-ल-लब-८व-चद-घन-*कन्*य-*प*्*वा-दया ८वःश्रूरः नशुक्राग्री त्रात्र तर् ग्री इका मेला द ला इत्र नदी नदा त्रा न त्र त्रा न तर है। श्रेन लेद त्यॅरःक्चे.यं.यंव्यंत्रःव्यं नःव्यं न्यंत्रःव्यं व्यंत्रःक्ष्यं व्यंत्रःव्यं व्यंत्रःव्यं व्यंत्रः यात्रः व्यंत्रः व्यंत्यः व्यंत्रः व **दयः** पश्चरयः पदेः ५५८ विषयः ग्रैयः पश्चयः पदेः द्वयः विषयः स्वयः प्रवयः विषयः ग्रैः ५ वययः ग्रैः ५५८ विषयः मूटः वयः पर्वयः वर्षः 37.751 गुराइया नेवातात्वर प्रवास्ति प्रमाळग्याप्तवा वर्द्राधते पर्ने त्यू न्दाप्ययः म्ट.षषु.क्षेत्र.पर्या.थे.भ्य.भ्य.भ्य.क्ष्य.क्ष्य.पर्यं चय.पर्ये च.४८.थे.च्य.प्रे दे.र्न.थे.श्रु.च.स्नेयायायश्चितःम्। रि.क्षे.विदे.लयायनायक्ष्यावेयास्तरे लयाः वेदास्य न.र्ट.पथ.रट.क्रेच.पर्चप.ग्री.पश्च.चश्चिश.टे.पर्ट.क्रे। श्वेच.रेत्र्य.ग्री.श्वेच.ग्रीया चक्चरःसःर्गुःकृतःस्टला । मुनेलःसःच हुःचःललःध्येन्ते। ।क्ष्मःसःच हुनः वैःस्रुगः নৰ্জন্য:পূৰ্বা |बुयान्बिद्धाः प्रत्येव क्षेत्र | व्रि.स. पत्रः बद्दः यत्र क्षेत्रः त्या क्षेत्रः त्या क्षेत्रः त्या क्षेत्रः मोडेया.क्षेर्.तपु.ब्री.चर्ष्याचीयरथा.हे। वा.इबा.तपु.पर्नेचया.ता.त्या.पया.ग्री.व्रीटापा.इवा.हेया त्र्यानःधरःच १८-६॥

ळ.पर्.पर.प. व्या.पा.केर.श्रेयायया क्रूर. पर.प श्रेर. पर.प श्रेर. पर.प या. प्राया व्याप्ताया नेति ळे वा ने मा पा न्या प्राचिन न्या कु तुला कु त्वा कु ता मे ता हो। व्यव त्यमा कु ना न्या मुख्या *ॸ्ॸ*ॱढ़ळे।षॱढ़ॖ॔ॺॱ**ऴॸ्ॱॸॖऀॱ**ऄ॒ॸॱऄॺॱॶऀॸॱय़ॱॺऻॹॖॺॱॾॕॺऻॺॱॴ श्रु-व-द्यु-ब-त्य-दवर्य-दर्य-**୴**ष-प्राच-क्षेत्र-प्र-प्र-प्र-प्याच्यात्र-प्रव-प्राच-प्रवेश-क्ष्य-प्रते क्षेत्र-र्रा लट. ष्ट. चे थ्या तथा था तया ट. है। तया त हे र. रट. या त. त हे था रटा त वे व हे र. च श्वाया था तबर्यानदेः **यव**ः यम् इवयः ग्रुचः पदेः यदः यम् : हुः तर्नु यः पदेः क्षेत्रः क्र. दे. दे में या या त्येत् चेत् त्रात्य्या चेत् ग्री पर तु के तु स्वया क्रित् ग्रीतः हेत् त्ये या नव्य ग्री के धेवःग्री हेवःवज्ञेयःनेतः क्रंबेवःयतेः क्षेत्रःम्। । यनैः न्यायः यतः मृतिः क्रंज्ञतः नुतः स ारे : स्ट्र-त त्र ता तृते : यत् । ता नि : इ वता श्वा ना पति : क्षेत्र : यता ना त्र ना पता । वि **□賽四.셏** र्रः तञ्चरानुः श्रुं रः चः चॅदेः न्रः चन्ने चे पर्ना खेर् ग्री ख्रः प्रश्नः धन् रः हरः छरा उवा ग्री खुदे त्रिंदः चरीः क्ष्यायः वेषाः धरः ने त्याञ्चे प्राप्तं वषाः घर् ना . हुः पञ्चरः वेदः । घर् ना पने : घरः वर्दे र : वषाः नेवे **ब्रैर-तुःङ्ग-न्**शुब्र-त्नो-न-त्-द्भा-त्नो-न-त्यःब्रद्ध्य-त्य-तु-चुल-यतःश्चर-प्य-त्विर-नतः.... ब्रेब-ब्रट्य-म-मेथिय-लय-लय-मेथेय-र्ट-र्-लय-द्वेन-प्रक्र-प्र-पिट-। मतुब्दारा वाया गुम्दा झ्ब्दा स्या प्राचेता यो पाया गुम्दा स्थर । सूर्यः प्राचेता वाया श्रीप्ता परि । द्वित्त स्या । । । क्रियःकरः अर्पयः विष्यः हो। श्रृयः न्यं द्या श्रुयः ग्रुवा न्युवः यः न्नाः यवः नहे वा विष्यः यः न् | बोधेयःजयः पर्धेदः पर्धेदः पर्धेदः जयः ग्रहः । विश्वेद्यः स्त्रेदः स्त्रेदः पर्धः । विश्वेद्यः स्त्रेदः स्त्रे हो। विषयः चरः विष्यः चः चल्रवायः वः वेः श्रुः चवेः वच्याः वर्षे वः तः वश्रुः वा चन्ने वः प्राचाः निष्यः प्राचाः निष् बेर् धन्त्र तर्ने केर्ने वेरे त्या प्रवापायापर तथे व चेर् छेर् थी तथा इया हिन् वा हिर् लिर क्रकाला वृत्या प्रस्ता त्रा क्षेत्र त्रा स्वाला स्

च्यात्तर, प्रायात्त्र, श्रीयात्ता क्रायात्त्र, श्रीयात्ता क्रायात्त्र, श्रीयात्ता क्रायात्त्र, श्रीयात्ता क्रायात्त्र, श्रीयात्ता क्रायात्त्र, श्रीयात्ता व्याप्त्र, श्रीयात्ता व्याप्त्र, श्रीयात्त्र, श्रीयात्त्य

त्र्यान्त्रः च न् कन् वा वा वा न्या स्वीतः प्रवेश स्वत्यः त्रायः भवः व्या वि दिः द्वारः प्रवः न्या वि स्रु.वु.कृत्रः वः त्यत्रः हे वः द्येतात्रेषात्रायरः अव्तरः वः र्ष्वः रृतः व्रुः अवेरः अवतः रृतः रृः कृरः वः तः **र्बन्यःपदेःक्षःपःद्यःपःवययःठरः**र्ह्वनःपरःन्युद्यःपःर्रः। শ্বুন-দ্ব্ৰ-শ্ৰু-শ্ৰুন हेब्र-हिद्र-तच्चेत्यः चरः तच्चिदः तदेः मुत्यः चःधे | निश्चरः नैः सहिद् ग्रीः न्हेराः यः चरः बियामान्ता वर्षामान्यसाया अक्रवा त्राम् विवासी ग्राव क्रिंग विवासी श्चिंत्राचः स्ट्रास्त्राचः ध्येष्यः चया देः न्याः च बुषः द्याः पद्यः पुदेः श्चीरः दुः यभेगवः हो। दिष्यः चब्रीसं तार्ने न्या की स्वा चस्ता स्वता चर्ति । यारा तात्री स्वा हिया ग्वराधान्दाके ग्वराकंदरा श्रुंदाया श्रीत्वादान देश मित्र देश मित्र देश स्त्रीत विद्वर में वर्षकाशुःवर्ष्वयः वरः ग्रेन् केरः। ने महेकः ग्रुमः ने मान्यकः वर्षः वर्षः वर्षः । मन्यकः यः वः क्रट्यार्श्वर् त्यार्वातः विराम् रातुः विराधराधरा हे नवाधरा छेर्। दिः ह्रवाधवान विवायः वया गुव-न्नद-र्म-त-द्वेश-पया क्रु-यळव स्वयः न्रंत्य-न-न्दः। वययः ठन्-नुः यळ्नः ब्रट्म क्रिया क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र त्या क्षेत्र प्या क्षेत्र प्या क्षेत्र त्या क्षे क्रेब्रप्तञ्चलाच द्वानिक्रासन् वाया प्रमुद्दान्त्राम् वाया स्विना गुर्मा श्रेष्या ने वाया विषय स्व श्रीत्र धितः दित्रः दित्रः दित्रः प्राप्तः । जुलः येः खुः इः व्याः वेतः श्रुः वश्रुः तः व। दिनः हः हेतः ୯୬୯.ପଥିୟାପଥିୟାପ୍ରସ୍ଥ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର वयात्रात्यात्रवे छः श्रुताञ्चातुरावकता हे । त्रुवाद्यात्र द्या ह्याया वया वया है। हेवा त्रचेयःग्रीःद्वतःगृतेतायःद्वयःयरःपद्वतःयत्यत्वत्यत्वत्यःयतेतः मृत्यदः व्यापरः गृत्याः त्याः विवास्यः विवास्यः व

नृत्रेत्रास्त्रत्वयायान्त्रः मृत्रेतान्ते स्त्रत्वयात्रित्रः स्त्राः स्त्राः

दे'द्रबा'त्रॅर'वर'त्रॅद्र'य'द्दःदे'इ**ववाने'वर**'वे'व'ल'व्यावेदात्र्र्द्र्यान् दवान्*षादेषा* प्रचुदाची प्रविधान स्थापित स्था इन्। श्रु.पदे.द ग्रेय.च .यहा यान्यश्रम्भासान्त्रेन्ग्गुःक्षेत्रम्भःत्वर्त्रस् বী हि:कुर:पडेंब:वै:पडेंब:र:पाया बुबानश्चरमाना न्या *ৰিথ.পুন্ৰথ.রু২.* इ८स.स.क्षेत्रःब्रात्यत्रःचत्रःब्रिसार्त्रःख्र्त्रःस.५८ः। न्ड्रम् त्रत्रःख्र्त्रःसवैः न्ड्रम् न्यस्यःदेः **「町である」なぞりるより** इर्-दब्र-दिब्रुर्-धर-दुःविरः। रे.व्यःग्रर-हे.व्येयःर्-गृहर-र्म्यःस्। श्रम्भुरायायहरायदे हु पहितायात्र सराध्या हो या विवा तर्ने.च.च.च्छ्रहानःक्षेत्र। श्चे.प्रः। दे.क्षेत्रः व.क्षेत्राग्रावः तत्त्वात्रायदेः तत्त्त्वातः चत्रः च.द्वः दः वावेत्रः चः वारः देः र्टः देवे:क्षेत्र:वतःववः लक्ष्यः क्षुवः यः क्षेत्रः यत् त्र्त्रः यः व्यतः क्ष्यः तृः वर्षः विहः। थ्रथथ.क्ष्य.चेष्य.पष्ट्र.चर.पष्टिक्षथ.तपु.क्षेत्री.चर्षण.शु.चर्झर.तपु.क्षेर.हं.लट.प्रट.थ.... ब्रदःजा श्च.ब्र.श्चरःवर्षः श्चरः क्रुयः श्चेश्वेष्यवायः यह्रवायः व्यत् श्चुतः वरः श्चेदः द्ववायदेः श्चिवः ठवः यट श्रे श्रे राषा ह्रमा.त.क्रुये.त्र.लट.क्रमा.ह्या.प्याट्यायाय्यात्र.म्.च.द्या.टी.प श्रीम.च. धव-र्वा |देशक्.पद्याःम्।क्र्यःभूरःपद्गःन्न्।म्द्ययःमदेःस्रवेतःतुःपत्युद्रःद्यःश्रुदः र्वेष:स्।

चेथर.च.चथब.ग्रेथ.श्रु.विच.तपु.चर्च्र.जथ वेर.क्वेच.युत्रथ.र्तत. श्च-द्रग्य-हो। इसमा दे श्वमा ठव में प्राप्त शाश्चित पा हेर् हे पर पत्र पत्र वता प्राप्त पा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र के.च.र्-केर-द्व-ल्रट्य-ब्रिय-द्याय-क्रद्य-म्.ज.ब्रायम्बर्याय विवार् न्ता मृत्य-हे.च्य-विषयः र्घतः विषयः चतिः श्चेरः खुष्यः षः श्चेषाः वः वैः श्चेरः खुषः यः ष्वायः प्यायः स्वरः हैः । र्टः। प्रवास्त्रप्रत्या १९ वित्रस्ययादीः वित्रः प्रतेः श्रुपः स्यापः स्यापः चिर-क्ष्य-श्रेम्यार् न्यतः द्वायाः दीःश्वरः तिव्राचः न्यनाः नुः स्रेन् । या प्रत्याः शुः বেনাথ.গ্ৰী वह्रवः चरः मुरः वर्ष्यः वर्षाः वर्षः पथा.र्ट. ब्रेब.ब्र्ट्यानप्ट.र्चया.ब्रेट्र.चर.पविश्वया.तप्ट. वियामश्चरमाधिः देव दी भु भ द पक्र स्वयाम् । देवा पक्षा वाक्षा व त्म् नदेः सुनानस्या वयता ठन् नस्यता या स्रन् रहेना देः देः ता सुता न्रः चम्बायाना विवयःयाननः गुद्रः देः द्वाः विवाधिदः क्षुः विदः होदः यः वेदः यतः क्षुंदः यः क्षवतः केवः यः इवतः पार्चि प्रति प्रस्त त्युत्र स्थापास्य वित्र पाया थे क्षे प्रत्र मुख्य प्रति क्षेत्र । चर-रु-म्रद्-रुन-रूप-रुन-ल-इय-य-न्वद-रु-स्वर-र-व्यव्याय-न्द्र-य-र्ना-मेवः... विदः होत् स्य क्षेत्र त्या वर्षे प्रति हुन प्रवाहित हिन क्षेत्र तर देन विदः प्रति । पर. र्र. ह्यं. पर. क्रेथ. तप्त. पङ्ग्र त्या था. श्री. श्रेट. क्रेयं. र्र. द्रे. प्र्यं. प. श्रवत. र्या. मी. द्रथ. प. चयथ.कर्-अष्टिय.त.क्रेर्-ग्रि.ध्र-.ब्री.क्र्यथायाचघर.तथारा.श्री.चर्ड-ख्रीर-द्रवी.तर.विथावथा ध्र-लट. हुर् स.चकु.सन् चर. रन्य रहे। वेय.रेट. नेय.डेर् र. यर.रे. इयय. ५८य.

। शेर्-पातासव ऑव : मु: पते : श्वा वर्ष व : प्राया स्थाप स्थापा स्थाप स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स् यदे धुरः रा विर खेबल खेबल क्वा की र्वे न पा च इंब पा धेव ता वे ता है किया च इंस है के पा है किया है किया है किया है किया है च*न्-चर-दशुर-चर-वशुरुव-धव*। ब्रीन् पाताक्षे क्षुं प्रदे में वादि क्षेत्र प्रमालेखला रुवा ग्री र्नेष: चेन् : यः त्यः श्रेष्ठः विहः। नेः न्याः त्यादः यदः यहः यहः श्रेनः स्व रट. ब्रेब. ब्रट्य. नपु. र्वट. मेवा प्रिंट वर प्रविषया व स्वा न स्वा न स्वा यव र वया रटःगैः रॅवः **यटःबेः बुत्यःवः ग्**ववः ग्रुः रॅवः कुः ठेः श्रुंता ने ने जुन्य गुन् गु क्षे धेन पत बेग-२अद-तथः छेलःभेदः हुः कुँ: चर-छलःतः २ गग-२ में लःभे**रः।** श्रॅंदः तथः २८ : श्रेटः हेः तः स्वयात्तर्भाषाः व्याप्तात्त्र्यः व्याप्तात्त्र्यः व्याप्तात्त्रः व्यापत्तात्त्रः वयापत्तात्त्रः व्यापत्तात्त्रः व्यापत्त्रः व्यापत्तात्त्रः व्यापत्तात्त्रः व्यापत्तात्त्रः व्यापत्तात्त्रः व्यापत्तात्त्यः व्यापत्तात्त्यः व्यापत्तात्त्रः व्यापत् मुडेग्-म् रि.केर-ब.कुर-तर-रूर-केर-ब्रे.बे.चे.च.प्र.पे.ज.वेर-थ्याया.ग्री-रूवाया.ग्री-ब. देश. वेथ. वेथ. व्रंच. श्रव. प्रंच. श्रीर. तर. विट. य. प्रथ. चेशिट्य. हे। ह्रच. बट्य. शे. ट्रंचय. নথ.খ.বুথ.ধু। |देवे.ब्रैन:शेन्:पते.श्रुंनःसवत:न्गःधनःसरःसहरःक्तःभेवःकुःणेन्ःवहुरः 씨도 기 월도 글 률국 전전 연구 근 도전 단전 원구 단점 전 도 전 중 돈 전 전 고 연구 원 चतिः सुन् ः स्रेन्यः त्यान् वृतः स्रेन् ः वृत्तः स्रेन्यः यहे त्यते ः स्रेन्यः स्रुन्यः स्रुन्यः स्राम्यः स्रो चतिः सुन् ः स्रोत्तः स्रोत्त मा.ज.पश्चर। र्व.यपु.श्रेट.त्.जय.श्चरः। श्चेंब.यह्ट.हेर.वे.श्चरं तरःश्चर धेरःशुःरवः तर्याचे गवय। ।गवनः र्वेनः धेरः यहुत्यः वृगयः ठव। <u>लट. वेब्य. तत्र. वेद्र</u> | व्रथ. वश्चरत. ह्या | व्यव्य. लट. श्रेश्चर क्य. श्रवर द्या. त्र श्रीटर हे.कुबे.त्.श्रुदे.तपु.बैं∡.वेट.य.बेथ.चचेरं.त.केर.वैंबे.चर्चल.चमें.क.च**र्थ.के.**चेंद्र.केंबं...... चर्चतः अवतः वर्षा विषयः तः श्रः नः त्रुष्णः तः व्याः वर्षः वर्षः वरः वरः वर्षेत्रः वरः वर्षेत्रः वर्षः वर्षेत त्रिर.य.प.४८८ वर.वर.वर.वर.वर.वर्ष.य.य.वर्षे क्रयात्रम्याय.क्षेत्र क्र्रा न्मेंयायान्ता

त्विरामात्याधिरात्येष्विषायरात्वुदामराग्नुषाते। देविषात्रेयवारुदाने षवेव-तु-बर्वर-वर्गने-र्ग-गै-र्देव-तु-श्रेन्-बर्ळर-५हुग-धर्व-बश्च-श्रेश-धर्म हुर-हुन-रोयरान्यदे इतार्ड्र मुर्चन्यायदे पक्षान्य विष्य क्षान्य विष्य क्षान्य र्घः ह्वः मः ग्रन्थः मराः गुदः देवेः दशेयः मरः ग्रयः मरः अहन् दे। हे. श्रेर. श्री विद्रापते. *ଵୖୣଊ*ॱॸୣ୕ଌୗ୕ୣ୕୶ଊ୲୰୶ୄ୕୵୳ଊ୲୴ୄ୵ୣୠ୕ୣ୴ୖଌ୵ୣ୕୴ଊ୲୳ଽ୷ୖୣଽୣ୷୷ୡ୕ୣ୶୷୷ୡ୕ୣ୶୷୷ଢ଼ୡୣ୷୷୷୷ यरः श्रुरः चरः ग्रुः चर्देः र्देवः रु । वर्षे अः स्वः य र तः ग्रीतः र वो श्रुरः र वा खुवः रेटः य र विरः न्दात्रायदवायदवास्त्रस्य स्वत्वात्रे त्राव्यायात्रम् नर.पर्वर.च. ईश्रथ्याया बक्षवायान्। त्या प्रतापिता विकार प्रताप करा है। विवाय क्षेत्र है। विवाय क्षेत्र है। विवाय क्षेत्र है। ॻॖॖॖॸॱॻॾॕॺॱॿॣढ़ॱढ़ॱॹॱॻॖऀॱॺॹॖॸॱॸऀॺॱय़ॸॱॻॖॖॺॱढ़ॺॱढ़ऻॕॸॱय़ॱय़ॹॗॖॸॱय़ॱॾॕॺॱॺॱऄॸॱय़ॱढ़ॺॱॱॱ यः न्दः सः यः र्वे व्याप्तः सः यम् निः श्रुरः पर्वे त्य् मुं तः गुः विदः सर्वे वः सेन् रयः सहतः न् ना हे मः यः क्रेव्रः यद्येः क्ष्यः ग्रीः ग्रीदर्यः ग्रीयः पञ्चायः परः ग्रीः पदेः श्रीरः यक्षेदः परः पञ्चादः ध्याः भीवः हो। *ेष्यानशुम्यापदेः धेरार्म् | व्हंयाने वे नवमास्विता*ञ्च क्रेत्रस्यायाम् क्रिंता हे दि याप्रदेशास्त्रः श्रेष्या अः त्या प्रतितास्त्रेष्यः भेषाः मुष्यः स्वितः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेतः स्वेत च्या | नेति नेवा मार्चे पर्ने भेवा हो। ने त्या न्या मिं वरा श्वाना मार्या प्राप्त स्वामा वर्षा ब्रेन्-य-ठदःग्रीःश्वनानस्यः इदःयरःग्रेकःयःश्वःददःयवादन्वःयदेः वर्नेनःवहन्नःयवादनुः तह. चत्रथ. १८५१ क्षेट्रय. श्रे. श्रेट्र-चर. २३ . ब्रेट्रा वाच . च.च. मेथा. श्रेट्रा ग्रे. ट्वट्रा ख्रेचा. या त **ロ新心道、マビ・サム・ロ製剤・ロメ・コダー | はないては山かい・中かい山前にかいたが、大川** न बि·न· बर· नर· नर्गेर् प्यते ख्या ग्री ररः न बैदः गृहदः खः र ननः यः दे। म्रे.इ.च.२. **ह**। ह्या द्वना नह्या कु स्वाहर स्वाहर स्वाहर से हिन्द स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर स्वाहर स

ञ्च-व्रहेन्याः बेर-र्न्यः र्रः केर्। । पर्नः ठनः क्रेरः यः ठः देनः व्रहेता IR Zu. *र्*ट-वर्डल-र्गद-वश्चट-र्ट-वङ्ग |दञ्चल-र्ट-व्-क्-कुर्-ध-धेल| हिन.धि.प नर. नदे से र लु न ल गुरा | न रे र क्रिं या क्षुं दाया या लायर क्रुया | विकार रा यहेना हे दाक्षेना पठका सरा वस्ता खुवा हुना तुः देवा वर्षेरा धरा । प्राप्त राख्या वित्रक्षेट्र. इंर. बुर. व्याची विष्ण म्युट्याया हेरा रूटा तारूटा ब्रे रोब्रक्र य। मैयान भुत्य बेद तिर्दर नदे ने या देव नया न भूति न स्वाप्त न में विष्य स्वाप्त न में विषय स्वाप्त में में विषय स तहनाहेवः नवरायः स्वादाः स्टान्दः त्राः पदः न् नुन्यः पदि न् न्यः पदः बह्रदः। । ५६्ट.तः व्रियः चतुः ब्रुयः ग्रीः स्वरः महेन्यः ग्रीदः ग्रीनः बाल्नः सुरः बह्रदः। त्मॅ.च.पर्-रचान्नेच.चर्चताञ्च.लयाग्रेच.धे.प चर. चर.षाच्चर.चयाञ्च। **।**कुष:घॅ:घ८्ग: ठमःदेशःधरःतञ्चरःतायदेवः नमतःतुरः विनःनमः तुः सक्षी बियामध्रम्यायाः भूमा ৼৢ৾৾<u>৴৾৽ঀৡ৴৾ঀৢ৾৽ঀ৾ঢ়ৼ৾৴ঀ৾৽ড়ৼ৾ৠ৾৴৽ঀ</u>ৢঢ়৽ড়ৣ৾৾৾ঀ৽ড়ৼ৾ৠ৾৾৴৽ৡঀ৾৽য়ৼ৾য়ৼ৾৾ৼ৾৴৽ঢ়ৼ৽ঢ়ৼ৾ঀ৾৽৽৽৽ तर्न्नः धतेः वन्त्रः वन्तः वन्त्रः वन्तः व यदे थे ह ग य र र र । खेळ.कु.चुच.च.र्ट.पट्ट.च.र्ट.। प्रज्ञ.च.र्ज्ञ.च.र्ज्ञ.च.र्च. अथ.र्थे.च.र्च. अथ.र्थे.च.र्च. अथ.र्थे.च.र्वे.च्यं.च त चर-चल-गुव-हु-गृह् रल-धर-अव्हट-वल। ब्रुट्र.त.प. लेब्र. च. च हिट्र. ब या ख्वा. च. च ट. पति-द्वैतःपते-र्त्ते क्षुः क्षुः तुः त्वैषाः क्षेत्रेतः द्वा देवायतः त् शुद्रः चः वतः चः वः वः वः वः दः वृतः च.चय.वै.थ.त.खेबे.चग्रंथ.धे.क्रब.त.च.पर्ट्रेट.चेथो व्य.ज.चथ.चश्चर्य.त.च.ज.व.व.क्रब.त. बेर्-धर्यातुर-ग्रेर-विग्-धेद-धर्या-रे-बे-दर्र्-चेर् रे-द्यातुर-ब-स्नव-धेद यताबी तर्द्र चेरा दे वता तुर वार्ष भावेषा छेवा याता वार र बि तर्द्र चेरा दे वता खिर.श.पद्गथात्रिय्य.भेग.विष.तथार्.लय्.र.व्य.पर्ट्र.विर.विर.विर.वि.वाववी.वयार्ट.ल्.विर. म्यान्तरात्त क्षेत्राचाल्यां स्वान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त व्यान व्यान्त व्यान व्यान्त व्यान व्

यदे धुर हे स्र न नर् चेद हैं।

इतार्व द्वरामा केवा परि वता वता नारेता हुन्या पता है। चना वहेना परि हता धेवा के इ.६.चपु.ष्याचेत्रक्ष.क्षर.इ.२.२.१वा.प्रेष्यक्षत्ताताचार्यः प्राचायाचीर.व.वी मदे रुषा वर्षेत्र भेष मुश्चर हैं। दि त्या गुर ष्ट्रियाद मद्राय दे के वा सुन मदे पर कर बर.बुर.बेथ.त.री.बद.श्रुंब.क्रवयाता रव.री.बैर.व.बु.र्.पव.र्बेच.रायाव.प्रांचर.च. 新可·口克·考有·考·スロ·夏仁·双菱可·克·夏天·口切·四月切·口切·スロ·克·夏仁·口·如·五天有·口不……… र्वायः चरः वृद्। विकासते क्रिंब रहः रहः रहः वृत्यते व्यवः हवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः विवयः स्वयः विवयः स्वयः इर.४च.१.वेर.च.४वंथ.ग्रेथ.४.चथवात.च६४.तर.५ वर.ज.ज. ४च.१.व.व.द.च.४वथ. ग्रैल-दे-पवर-द्व-पन-कन्य-पह्न-इर-लर्-पर-पश्चर-पय-देवे-क्ष्य-द्वर-वर्-पह्र----नि.प.व्रिम.त.दी पट्टें र.व.ने.ब्रंट.चवे.पचर.पय.वे.बे.चर्चपाया रचिया ब. दु. इज. चट्ट. केंबे. चर्कता ग्रीथ. चंट. चय. चट्टे. च. खटे. च. वा. ख्रूट्य. च व्या. चट्टे. चर. वहिंदे. च. बु.जब.रब.नषु.वज्ञब.चुर.मेब.नर.चे.हे। क्रुेब.रचब.जब। चड्चब.र.वट्ट.चदु.हिक. षात्री विद्यालटाचरें चरावात्रवात्रवात्रवा विद्यानायाः वात्रवात्रवात्रवात्रवा विद्यावः नवयानावर्त्तः व्या विश्वनाविष्यु श्वराप्ताव्य विष्यामा स्थाप्या निर्वेतामा स्थाप्या निर्वेतामा ह्। विवा वात्रालट के रिवेषाच लाटा विट के चरे चार्य केराचा दि तार्य वाद च. झट्य. च. दें। |ई.च. पत्र. पच्च पत्र. सु. देंदा । डेल. च खट्य. स्वा । देते. खेर. ळ. विनः बरः सं तहितः सः न्रः हेणा के मेता सरः हता ता वे रत्ता हुः बुरः तते व ता वा धेव है। म्बदःरु:दःष्ट्रियःयःर्रःष्ट्रिर् येर् यरः त्युरः चयःस् ।म्बद्दः यरःष्ट्रियःदः मद्रयःयः ळॅल: र्टः त्वाय: वरा: देर:ळॅल: श्रुव: धर: र्याय: हे। दे: वेर: यहा हिस: ही: सं: द्या हरादः

दी । पह्दवःतुःबेःञ्चरःबेःउरःवेरः। ।धःरॅलःकेशःयःग्रेरःयःल। ।वदःतुरःबेःग्ररः **ब्र-८८.६.। ।बज.५.क्रथ.ब्रै८.व्रिज.ब्रे.४.वज.५क्र८। व्रिज.ज.स.ब्रब्ध.य.व.क्रय.व्रट.ब.** |कॅरा:ग्रे:यरा:दे(रम:पु:दे:प्य:पेद| | विका:ग्रे:रॅद:दे:द्वा:मुख:ठद:ग्रेज: त् व्या । दे न्या क्रिया द्रा त्याया परि क्रिया । प्रवाशाय द्रा द्रा द्री विवा ष्ट्रियःदः नदया | वेषः ५८:। देनवः ५८:६: मुलः नहें खुनः खुवः मुक्तः । ५८:५: वेः नः न्वतः चतेः वदेः तहे वः च । श्रुवः वस्यः वैः च वतः यदेः वद्यः व्यूरः व्यूरः विः व रटायर प्राविण गव्याधर हेरा विषा गुरुरा में हिन्सु सुराय स्वाया साहित्र व. चव थ. नव. भूव. पर. पर. नव वर्षा या राम. हुव. नर. नुर्। ने. पर. हूथ. *बॅल-५८-%८-वि-५८-६५-५८-वर्ष-*क्षेत्रलाग्रैल-ळॅन-वेल-वेट-५*वेद-घर-५८-वे-*कॅद-इट्यासः ह्युट्याव्या ग्वन्युः ग्रीः स्वान्याचे या छेट्रासः स्क्रुवासः दी ग्वेद्यावुः या या द्वारा स्वान्या स्व 美山公・口美ノ・山口 翌・まかん・ヨーか・ヒメ・シャ・カッカー 「おり・イメ・頂ナ・カ・南の・スカト・ बिद्रा । र मॅब्र य प्राय १ र देर पर दी । विवा बिना रे क्षेत्र र श्रुर बिना सु । निवर भैटः गटः दयः इयः क्षेः लैटः। *वि. शे. सु. दः च चे. दः वा च*र्च वयः वय। । ८५ वः वेरः छियः वयः व्रियः तुः दी विद्यः विष् अंदः व्यः श्वेतः पदः पदः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्या **६८.। । व्रव.**श्रट्य.क्र्य.चर्च.प्चाह्मच.र्च ।श्च्रेट.चर.व्रेट.क्रट.व्रट.व्रेट.क्रि.क्री । ह्वैदः तदः नद्यः शुःदयः देनः तद्युर। विवः नशुर्द्यः यः स्टरः स् । वयः हदः स्यः ययः उतः वेषाचान्ता व्यवणावायाः वेदाद्वाराष्ट्रवायाः व्याप्ताः क्षेताः चेताः वहेषाः वेदाः वेदाः वेदाः चराः श्रें सः प्रवः प्रवः ग्रीराः वी वियः विषाः स्रायः सम्बन्धः स्रोतः स्थानः विष्यः हिनः हैः न्दः। । व्रञःविषाः चन्षाःवैः वृत्यः चरः वश्चर। ।वेत्रः षश्चरतः सः कृरः ¥। अविरः विनः तुः विष्यः तः तकन्यात्र वयः ने द्वारा विष्यं व द्वारा यात्र व क्रिक्षे व वयः व विन्यः व च.र्ट.पर्ट.च.बुबे.वैर.चय.र्बार.ब.बुबे.वैर्टा ई.से.वे.बुबे.वेबय.थे.वेट.पर्ट्र.त. क्षेत्र-यः नवितः वेतः नविदः हैं। अतः वृंद्रकः नृदः हुः दिते हें नवः शुः नव वः त्वाहः क्षेत्रवः हुः त्रहेन्। चेत्रप्तःत्रः। त्रदःने। खुकःश्रुम्। मृष्ठेकः व्रञ्च व्यत्तः व्यतः हो अकार्यः प्रदः। শ্বীশ্ৰন্থ প্ৰশ্ৰ झ.८४.घषथ.२८.ग्री.श्रु८.वुरे.प८ब.थे.४६४.त.थ्र.४५४.६ब.त.पुर्यःच्या.त.वुर्यःच्या.... इटा। इटि.तपु.रचपर.पट्ट.पा.खेष.त.पूचाता.रटा.कूट्रत्युट्यी.पहिचा.केषाक्षेत्रस्ययाञ्चाया ख्चेथ.र्ट. पट. तट. तट. तट. तट. तट. युष्यय. त. प. श्रुव. त. त्री व व अ. धुवे. के. ह् वेथ. श्रेव. चरा । लट.र्ट.लट.रे.के.चर.पश्चरां कि.च.ग्रंब.ग्रे.चर.ग्रंटा विह्ना. इनक. क्ष.च.पडीव.त.र्टः। विर्.तप्त.प्रट्यःश्चिर् श्चेर् श्चेरः त्र्र् र् त्रा विर्मा विर्मा विष्यः विमा प्रश्चरः ख्रिनाःम् ।क्रे^{.त्य्}श्चेनाःक्चुःक्चुःवःच्चेदा ।ट्रेःचदेःम्ट्रिःवर्द्ध्दर्यःयरःदी ।कुःर्टःश्चः ब्रुद्धः तहनाः हेवः न वियः वैनः हेन्यः धरः उद्वेनः धरः तशुरः वियः नशुर्यः हो नेः वययः ठर्-गुर-हे द-रम-पु-बुर-म-व्यावयः वयः वु-म-रे-र्ग-वुर्-म-सः श्रुंद-म-वुर्-मद्र्या

स्य. तेप्रा स्य. तेप्र स्य. ते

चिट्यः हुरी श्रेष्ठाः स्वरः च्यां क्षेट्यः सं चीक्ष्यः स्वरः चीक्ष्यः स्वरः चीक्ष्यः चीक्षः चीक्ष्यः चित्रः चीक्षः चित्रः चित्रः चीक्ष्यः चित्रः चीक्षः चित्रः चित्रः चित्रः चीक्षः चित्रः चित्

च्याक्ष्रस्यान्त्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्या

स्कु.कु.क्य.स.चतु | | हे.ब.स्.कु.म्य.च्या.त.कुर्य | | वृथ्य.चिश्चरथ.स.हेर.स् | ।
स.पाथा लच.पाच.ट्रेच.र्ट.रंच्य.त.र्ट्या | | व्यथ्य.पायु-तर्ट्या-त्यु-वृश्चर्या-र्ट्या | व्यथुहे.स.र्ट्यात्य.चु-वृथ्य.प्रवृ | | व्यथ्य.पायु-तर्ट्या-वृथ्यु-वृ | क्ष्ट्या.तथा.वेथा.
तथा.ताट.र्ट्यात्य.चु-वृथ्य.पायू | | व्यथ्य.पायु-त्य्यच्यात्य.प्रवृध्यः वृद्यः वृष्यः वृय्यः वृथ्यः वृद्यः व्यः वृद्यः व्यः वृद्यः वृद्यः वृद्यः वृद्यः वृद्यः वृद्यः वृद

दें त्यः ह्रं त्यः विव्यत्रः ग्रीः पञ्चानः यः दीः पदः त्यानाः चु मा न्दानः स्वायः हे। ह्याविव्यतः न्दाः स्वायः हंत्यःवियत्यः न्वाःयः चक्रदः र्हे। व्रिःवाः न्रः र्द्धनः सुवः यः वृत्रेषः ग्रैकः ग्रैकः व्रिः यः श्चनः यदेः क्ष्याप्रेयरा ५ मा धा प्रमुद हैं। वेषया तपुर क्ष्या प्रिया र ना रा पष्ट्र द है। विश्व पा परि न विषय । परि न विषय । परि न विषय । परि न विषय । परि हे श्रूप पत्र दे क्षेद्र हे य स्वाप्य प्रेय है य विवर्ग द्वाप पह्न द है। विवर्ग क्षेत्र प्रे व विवर्ग कि न्यायान्त्रन्तिः विष्ठात्या दे हिन् के तर्भायाने परान्त्रायान्यान् पर्मान्यान्या म्रे तेयता मु न व्यापा विक्रिं के प्रेन के प्राप्त के प्रेन के प् चर्चलाताक्षेत्रचाचर्चन्त्रचाचर्चलाचान्त्रह्माचान्त्रचाचर्चाक्षेत्रचाचर्चाक्षेत्रचाचर्चाक्षेत्रचाचर्चाक्षेत्रचाचर | त्या परेद त्या त्या प्रतः देवा वा या प्रतः श्रुवः या प्रतः देवा **গ্র**'র্বঅ' বৃহ'ই ঝ'র গ্রুব'ই'| च दुः हु गः सः दे ः हॅ ग्रां प्रदे रह्या या च दुः हु गः दे ः नेरा रचः कुः च श्रुवः पर्दा । **ब**डेव है। त्र्रः क्रेयाचुः द्वीदानीः त्याः नद्यादः नवादः वाद्यादः वाद्याः वाद्यावः वाद्यावः वाद्यावः वाद्यावः वाद्यावः व रे.श्रव.तथ.पुथ.रच.केब.श्रव्रद्धर.रेट.श्रुषथ.ग्री.चश्रव.त.खु. कुषाधरान्वेषाव्या नवलानक्षेत्राखनवादी क्रेबाचाक्रेक्याचित्रक्षेत्राचित्रभ्रवणात्रुक्तियायरातकर्षम्यावश्चराववादित्रः रे. इस. प्रथा क्षा हिंदा दिया है साम हिंदा स्था हिंदा प्राप्त है साम हिंदा स्था है साम हिंदा स्था है साम हिंदा साम है साम हिंदा साम है साम हिंदा साम है साम चिद्रा दिःयः व्रवास्तरः द्वी द्धयः विश्वतः ग्रीः धदः प्रदः परः परः परः प्रवास्तरः व्यवस्तरः व्यवस्तरः व्यवस्तर वचान्तः चयाः श्रृः श्वेचयात् व्ययः चराचाः हो। श्वः त्यः ययः यत्तः व्यवः यः यय। ह्याः विवयः दी. रची. यदे. ऋथा सम्राज्य कर्ना ग्री: सम्राज्य का मिराया संचाया प्रदेश साम्याधेन साम्नासः स য়ড়ঀ৾৾৽য়ৢ৾ঀ৾৾৾৽য়য়৾৽ড়ৼ৾৽ৼৼৼঀ৽য়ৼ৽ঀ৾৽ড়য়৽ঀঢ়ঀ৽ঀ৾ৼৼ৽ঢ়৻ <u> ବ୍ୟ . ସକ୍ଷୟ ହେ. ଅଧ୍ୟ ଅଧି . ଜ୍ୟ . ଜ୍ୟ ପିଟ୍ର</u> ଅଧି . ମସ୍ତ . ଜୟ . ଧିକ . ଅଧି . ମସ୍ତ . ଜୟ . ଅଧି . ମସ୍ତ . ମସ୍ତ . ମସ୍ତ . **इचिथ.श्र| १३४.ध्रटक.तपु.रच.पह्चय**.तपु.च्.स**इ**४.द्र| विष्यः स्ट्रायः चत्रः श्रुतः निन्नात्तर्भेषात्तर्भः सम्बन्धः स्वा ८८.। जम्बन्द्रःश्रःश्चितःग्रेयःग्रदः। विवयःबुःकुः ८८:बुःकुदःयः पत्रेबः ५१। ।स्वः ५वः ग्रवःम्रीःमृतःहेवःलम्बाध्यः मद्रःमश्रद्य। विवाधः न्द्रः। न्ध्रः प्रचरः मैवः बुवाधिवः स्तेः हि.क्षेत्र.प्र.हे मा सम्बर्ध कर् रहा था हो। विहेद दिया श्रुद से दे रहे हो। य क्ष्या । दे.चलेब.६ल.विम्नयानहेब.वयाळ्यार्गरामळ्या ।क्षेराहेव.६याचळ्याया बु.इब.त्र-भु। |बुब्र-बश्चर्यात्र-वय्याञ्च। |विद्यःचर्यात्रम्यायःवर्यः र्श्वन्यायामेवातुः के हो। र्ने श्वरायायमातुः न्वेयायदेश्यर्थाया वायदे र्द्धवाविययः चर्-चःक्षे ायायद्गःक्ष्याविषयःक्षेत्राच्य्यः स्वतः विषयः विषयः स्वतः चर्नः चर्नः चर्नः चर्नः चर्नः चर्नः चर्नः क्ष्याष्ट्रिष्यतः तक्ष्याः तक्ष्याः यक्ष्याः विषयः र्वेगलःगृष्ठेतःगृतेःधुन्तःशुःत्रःगृशुर्वःस्। |रेतेःधुरःकेलःर्वेगलःस्यलःगुरः ज्रवास्तर, प्रथायक्षय, स. प्रथा स्थाप्तर प्रथा स्थाप्तर प्रथा स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत मेलायरामुद्री |यमासेरायदेशमन्नेदायराद्री ह्यरार्द्ररामुः रक्षेम् लाह्यासायहेर् यदेः <u>२४.त.रट.पत्रफ.पत्रफ.र्थ.श्रु.चशित्राफ.श्र.श्रूर.क्र्</u>चा.श्रूटः। जुचल.क्रेथ.चट.फ.पट्ची.मुख. धराचेत् धरी मेरा पति दः १८। पर्मा म्या ऋषा ग्री र्यत्तु चरा द्राया दिया पवि दें क. नेयात. रेटा वेषय. ग्रीया श्रेरा थे प्रतास्था प्रतास होया लूरा रेटा।

तर्रात्त्र स्वार्य स्

८ गुर-र्रा विवागह वाळि गवा रहा घठ वा हे : घगवा कुरा धालुरा ৠয়৾৻৴৴৻৸য়য়৻ঢ়৾৻ चञ्चरः चरः ग्रुद्। १रे हुः वः धेवः वः चर् गः श्चः चे गरः मेरः में लः ५ रः क्रे गः वर्षा लः यः देः ह्वः ब्रर-र्-क्षेत्र-र-वयत्र-तर-वे.हे। हर-र-पह्रय-ग्री-श्रेय-प्रतया यरय-श्रेय-पर तर्ने.ष.रचः बैटः वया विना पर्वे । त्या इया विना प्रति । विना पर्वे । विना पर्वे । विना पर्वे । विना पर्वे । वि क्षेट.त्र.पर.पेथ.पेट.। ।वर्षेत्र.रट.वर.श्रट.पेट.के.स्वयःपाकवया बियः मेथिटथ.तपु.बुर.र्. १५५७.वथ.प्र्र.त.पथ.पर्वथ.तर.पर्ट्रकथ.वर.चपु.ग्रूट. होर-र्र-त्र्-च-तास्याहिययाग्रीम्र-च-व्ययाद्यादे त्र्यां के त्र्याः यात्रम् व्याप्तरायाः श्वरःत्रियः ब्रेटः श्रेषः नम्ब्यः स्वतः ग्रेयः वह्रवतः यः न्धेः न्टः पठवः हे। हिरः रेः वहेषः ग्रेः मुलःदःलव। ब्रे.द्वेनःऋबःमुदःबदःद्वःरचःन्छेवःदव। विञ्चःचरःदर्द्रःधवःव्रवः विट.पज्ञर.पक्षताची दि.ल.भट.च.पज्ञ.बुट.ज्ञुनाक्ष.बुवा क्रिय.भव.र्ना.चीव.ट्र. पर्चरःपर्ड्यायःकृर। |रे.पर्वेषःस्तातियतःकृषतःपःस्राप्तःस्ते। 1424.34. र्गःत्रत्यः त्र्र्यः तर्द्रः अर्ग्धे। हितः विश्वतः त्रुश्वतः यत्तः देः धरः त्र्वतः श्वेतः। व मातके न न मेल भेव मुलदेशका विषामहारका दियाव अदे ने त्या हिस्रासःश्चुःसदोःम्बाःश्चुद्राय| |८वादीःपश्चयःसःग्रान्त्रन्। |नेःळेःन्गेःश्चरःनेःन्। जा विश्ववासाने धरा होन्य र विश्वाम्य विश्वाम्य विश्वासा

「中では、必要な、過去、日本、一方、「大き」」」「「一方」な、一方、「一方」な、一方、「一方」な、一方、「一方」な、

ऻ थटथ.मैथ.वे.च.विच.विच.इय.ज्ञ.वेथ। विच.चुथ.ट**य.क्ट्यः**≠च.धै.५हुच.त. र्टा । पर्रेरः मभेगवापक्षेत्रः संस्थाना सरास्युरः पर्यः हो । वितः सक्तरः प्रति स्थानः यः नहिन् ह्युं न्या विस्त् वययः वर्ते वे ने प्रता दे ह्य न व व व विया नहिता परि **छे**र-≍। ।ग्वत्यःषटःक्षटःवःचुटःषटःवश्ग्रवातःक्ष्यःक्षयःक्ष्यःकरःक्षेःचेरःवदेः र्ष्यातेयतात्रेन्। यरात्र्वा क्षेतावर्षतायतास्त्रमात्रेरावतात्र्वातान्यात्राह्म चिषयान्य प्राची स्थित स्राचा चिषयाच। ही सर्य हे ही सर्य निय है। यह निय है। यह निय है। ङ्ग*ेवावान्यतः* विवादः नृत्यादः प्रमातः स्यातः विदायः विवादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्व ध्वा-घते-त्यत-दे-देवा-घनवाय-घवाय-अत्याय-घर-घर्ट्-घर-प्रयुप-र्-देवा-चेर-विदः। *ने:* र्वाकृषाः या सद्दर्भायः तर्तुः चुः या सद्दर्भायः यह वा स्वरायः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः क्षरामाञ्चनायरात्वेदायराचेदाकरा। वेदाव्यायात्वेदायरादेवायरादेवायाद्वेदायराद्वे मरात श्रुराहे। देः न्यादीः तकः मदेः त्याः रुदः भीदः दें वेषा राञ्चः हे। तकः मायरः यारः वेः वा वर्ने के हो। र्वेर वा रुण च नवे के रे र्र वर वर वर वरे रुव च वर वर प्रचात्र-किट्-व-इषयाश्वरम् चर-व बिर-व-त्रीव-वू विवार्टा विवाराया त्रवायायवे ऋयायर्थायायर्थाया विष्टु वा देवा विष्टु क्र-परुक्षायः न्मायवाय न्यः वरः वरः वेर्यः धेवः यवः वेर्रः रुषः मीवः वेः नुषाः प्रवारः वरः वेः विष्यानिष्यान्त्राक्षेत्रःम्। दिःक्षेःपित्रःक्ष्यःग्रीयाश्चरःपःद्वैःस्यःस्यः लय-व-मलर-स्मित्रातायर पराचराते । र्युराव सरामेता वृत्या परी कुरायते । कुता न. दयः चेश्विरयः श्वरः घरः चः व्या विद्यः विद्ययः द्वाः दर्गः दर्गः वः वः व्याः वयः वयः वयः व इन्ययाया द्विया पर्या हे नया र्या हिन्या या इया विषया या इया विषया *ॿऺॴॱक़॔ॿऻॴॱॸॿॖॎॹॱॸॴॱऄॸॱॱॸॻॱऄऀॸॱॿॖ॓ॱॾ॓ॿॴऄॖॱऄॣॸॱॸ॔ॸॱॴॴऄॖॱ*ॼॱॿ*ॱॸ॔ॸॱॸॾॴॱ*ॻॱॹॖॸॱ चदःकःतन्तरः विनाः वानाक्रं नवाः पद्भागः वद्भवः व वद्भवः वः च विद्यः वः नव्यवः वाद्यः वाद्यः वाद्यः वाद्यः वाद्य <u>इनकारात्रयाचित्राताञ्चराक्राप्त्राचित्रया</u> विम्नकारात्र्याच्यात्रया त्रवाही रसरावचरामेवालुकारायवा स्वावाग्रीःसावार्मास्यास्यवाही *ष्राच* इत्रत्युष: २८: दे: पञ्च २: य: २८: । |動いたいなってよいといると、愛口、好ない| मलर हमल रूर दे ते ते ते बेर् चेर से | दि द्वर वी र्यर देव केव प्र व देव स्व च बेर्-धर क्रें र्नु त्र त्य पर हेर्। |र्रे-घबैद स्विष स्विष यापा तर्रे-घरुद रूरा। र्व पर गुर व र्थेग पर तर्जा पर गुर् | विष र र । वहवार्या स गुर । विष गुर । ∄यःतः तर्नेः तः द्वेतः विवयः ववता दिः तः श्वातः तः व्यक्ष्यः वेदः क्षरः । श्वातः तः दर्शरः वदः ल्र्-अर्-ह्री विच.त.घ.षपट.ल्र्-ब.ल्र्या व्हिल.विषयातकताला विच.र्घट.वीया **स्वाय.पंग्याय.त्र.यु.स.चीश्चर्य.**हे। | 3.とな、はくな、私と、な、な、む、心 | 「それ、て、、いる」 ग्रदःयः णवः र्दे । विषायः हवः यः तदेः तः दी । व्यवायः तश्चायः यः वेः वाः तः वर्दा क्ष्याविषयातकयात्रीया दिःयाचरेत्य्यां नायाळ्ट्। |बर्झ.र्द्याश्च.लट.ब्रु.५ श्चर. ब्रेटः। । घरे.चः ब्रङ्ग् मुत्रदः क्षेत्रः वा । कुत्यः चर्यः मुश्रद्यः धरे स्थायः इययः वी। त्र वा तरात्र श्रुरामः श्रुराष्ट्र र मृत्य । विराम्य प्राप्तः श्रुराम्य ।

्र्नो.च नेयाक्षेत्रः सदीः बियान्त्रया गुर्मा क्षत्रः बिनाः नीयः य दुः स्थानः सम्बन्धः व यास्य नायः र **८५८। इगल ल पहेद दल ५५ तम ५५ तम ५५५ । ५५० म इगल ग्रेग्निय इगल** त्रुत्यानते म् न्या शुःस्टानादितः न्या वर्षे न्यातः च श्रुत् क्षेत्रः य केतः म्युत्रः या प्रतः । हिः स्ते र वियावतागुरा देन् गु नरावायार् नया केवा विवाध मानु मानु साम हिरावा के सूर् विदेश नः स्वरात् स्वायः वया के सून् वायायावया वायाया वाया के सून् वायाया वायाया *बेबागह* वायायमावतानेताकेटातुः वहॅगायाथेव। देनात्रीगावायान्नीयामायादेतीकेटातुः इ८[.]तेबतःग्रेःड्वॅ*५*-धःद*त्रावःच*ग्रनःग्रयः*देः५८*-ब्रेःदग्यःयबःइ:घःदेवःॲं५ःय| बते विवल तर् वाचा वहिंद प्रायति वाचा प्रति विवतः हैं वा विवल देवा विवल देवा विवल देवा विवल देवा विवल देवा विवल नुन्दायायायान्। ब्रेसुन्तुन्दाये वया नाम्नेन्दान्त्रं वर्षे वर्षे वर्षे द्वार्याया तरी मिं द नाय के है। देंद सरय रूर यात वनय द स्था विसय रूप या की दर्भ रेड व क्रिं व स्थान व क्रिं व स्थान व स्था च.शु.द्रट.चल.प्र्य.चर.चृत्र व.री.पवित्र.र्म्य.चित्र.च.क्षेत्र.तूष्य.चल। इत्र.च.वर्.त. *ॱ*ॿॖॸॱॺॖॕज़ॱख़ॕॸॴॱॸॕॴॿऀज़ॱधॸॱॿॖॴॴॱॸ॓ॱॸऻॻॏॱॿ॓ॴज़ॸढ़ॿऀॻऻॴॸॸॱॸ॓ॱॸॗॻॱॸॸॱॿॴॸऄॱॱॱॱॱ वब्राय्यं प्रवाधवायव्याद्वः प्रवाधाद्वः विवापिविवाधीः व्याप्तः विवाधिवाधीः व्याप्तः विवाधिवाधीः विवाधीः वि वत्रावत्रायायाः वर्षाः **҇**╙८ॱठ८ॱय़ॱर८ॱवैॱॿॗॖॖॖॖ॔ॱॣॺॱढ़ॖऀॺॱॺऀ॑ॺॱऄॗॖॖॖ८ॱॺॱॿॺॱऄॖऀ॔ॸॱॸॖॖऀॱदेॱॣॱॸॹड़ॱय़ऄॗॺॱढ़ॺॱय़ॿय़ॱॱॱॱॱ · दर्गत्यः यत्रः खॅटः द्रः द व्रवः ह्रः बेर्ः यत्रः विं दिवदः विवाः तुः दर्शः वृष्ण्यः दिः। विः द्वेतः दव्यः ्री। ई.ज.४.ब्र.इंत.व.के.इ.वे। वर्षयाह्यराजवी युवयाद्व.क.रट.य.रट. ई.च.

| रे.ब्रॅ.चे.ब.च.चे.पट्टर.पे.ब.त्य.पची| | दे.बट.व्रेब.ब्रट्य.क्व.य.ट्ट.च.वी| बक्र्याक्षेरक्ष्यादर्द्राङ्गबयायाचाया विषानिधर्याताक्षेराते। ऋयाग्रीः स्विन्या लाक्नेने त्यकः व्याप्तान्त्र । व्यापत्र । व्यापत्य । व्यापत्र । व क्वि. १. पश्चर वया मुख्य श्वर दे। इस पर दे तर्दे हें द सरका प्रविश्वर सरका विद्यास्य विद्यास <u> चैर्'ब' गृष्ट्रे गृष्ट्र म् विर्गाद्धे प्रश्चे गृष्ट्ये गृष्ट्र गृष्ट्र मुद्र मुद्र मुद्र मुद्र मुद्र मुद्र मु</u> चरः व्रा । इसः मः गुदः हेदः स्टलः पदी । र्गः सः दर्गः परः से व्रः द्रा नेश्वरयः थ्रा । रेनु नेवेयः संस्कृतः नदेः ब्रायः ग्रुपः ग्रुपः स्वाः ग्रीयः स्टरः ग्रीयः वाब्दः वादः वाः वाव्यवद्रः द्रवाः व वाः सः क्षेत्रः वाव्यवः वावाः वाव्यवः वावाः र्डुन्।स्ट-व्-स्ट्-त्-स्न्-न्-व्याम्ब्युट-ह्न्। । व्यायाः प्ते : न्न्-वे:यद्य-क्रन्-पहेन्।यहेन् यादः स्यायः नवदः पत्तरः द्रवरः कृतवः केन्यावः श्वरः क्षयः तुः द्रदः पः न्दः। वृदः स्रद्यः मृदेवः श्वरः द्रः है। ढ़ॖऺॺॱॹ॒८ॴॹॗॸॱॴॴॺॱॶॴ<u>ॱॹॱॻॱॺॴॡॸॣॺॱॿऀॻॱॺॱ</u>लऀॴॴॿऺॳॱऺ॔ऀॱॳ॔ॻ॔ॖॱॻॱलटॱॶऺॸ॔ॱॴऄ॔ॸॱ तथ. पर हो हैं र पह ने प्या व व व व पर हो से पर हो सिया ने वेदे र्गा.मु.नव्याभेट.ल्ट्याच इता वियायायहराव्या देशाक्षेत्राह्माम ब्र्ट्य-र्ग्न-क्ष्य-रे-र्ट-पर्ट-ब्र-क्ष्य । व्रिक्-ब्र्ट्य-ब्र्य-ब्र-क्ष्य-व्य-ब्र्य-ब्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्य-ब्य-ब्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब्र्य-ब तर्वाः भेरः तथाः नयायः नरः तुः तरः तश्चर। विरः तुः नवयः वयः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व बुर-प्रटः। ।मुः वदः चर् मः वः च इदः धः चेरः चरः चरा । वेराः महारूपः स्वा |पश्चमा २ ब. तपु. चेष. चेष. बूच. बूट्य. त. खेब. बुच. बुट. व्. चु. प्र. पु. ख्. बु. चु. चर. बूट्. पा. बावेष. त्या. लः न्रॅलः चः न्र्ना देःलः र्श्चेन्रः द्रशः प्तंत्रः प्त्रातः च्रलः च्रलः कृतः व्याः न्युरः चः

Ĕॱॅंप: केव्रः ऍ'ॴपट: हे' य' न्रि चेन' भ' स्वर्, तुः सुद्रः ग्रुटः | देवे: देटः सः होयलः प्रज्ञटः ऍ' चुर-रअःगशुरकःदवःदर्भन्। वृदःर्बरकारेःन्गःहेःसूरःर्श्वरःवःदी विःदःवःर्वःतःकेःवः ॱ**ॸ्**ॼॣॴॱॺॸॱॸॖॗॴढ़ॱढ़ॏॸॱऻॱॱॱॕढ़ॕॕढ़ॱऄॕॸॹॱॴढ़ढ़ॱॿॺॹॱॼॸॗॱॻॖऀॱक़ॆढ़ॱॿॖॆॸ॔ॱय़ॱढ़ऀॱॴॗॸऀॱख़ॖॴॱऀऄढ़ॱ नवा देव: महेव: इंतरहेव: पद्मेव: बार क्षेत्रका वा वार्य: पदित: विवास मानवा त्री लाम्बायाव वे के नाम लाम्बाया प्रमाया मान्या विष् ा तरे.के.चेवेथ.थर.केव.चर्चताकेर.वेट.रेवे.इ.चयवयाय.स.इवयापहेंचयाये न् गः दे : ले : स्र : धेद : पेद : प र्ने। तर्ना व्यन्त वाक्षेत्र के तर्ना के न्या भारत के लामे वातुः पर्ने हो। मारा विमान ब्रेसला हे। वि पहूंचयाना रि.ध.पर्.रट. वेषव. १. वरी वियार्श्वर पर्धना प्रया विश्वराह्य रा । र्वो-श्च-र्वोद्ध-तथान्य-स्यायाः सम्ययः स्टर्-द्विर-प-द्वीप-प-य-स्वी-स्वा स्वा स्व **केट्राक्षरायाहे कुर्वाशु गर्हेट्रायादी पर्हेट्राळग्वाशेट्रायाध्याया हे प्यटायहेट्राययवाया त्रीयात्राष्ट्रयाञ्चीरात्रानुयात्रानुयात्र्यानुयात्र्यान्यात्रान्यात्रान्यात्रान्यात्रान्यात्रान्यात्रान्यात्रान्यात्रान्यात्रान्यात्रान्यात्रान्यात्रान्यात्रा** इवयायादी। द्युद्रःचल। क्वे:नृद्रःकृदःवी:श्वे:श्वनाय:नृदःदर्भन् वात्यःकन्तायःवदे:केतान्श्रेन्यायःयदःतुः नश्चर्यात्रात्मश्चराच्यात्रात्मश्चराष्ट्री श्वराद्यंदाळेदायाः न्द्रीनानहेदाचीता देः न्वराश्चरायः भ्रे अ.जुन.र्ट. थे। सिंद.श.र्ज.सू.जॅ.तु.तु.तु.तु.य.पहुंश.श्रु.र.हे। ।वुश्व.बुरा.दहूंशत.**द**.वट. विक्सि. इयता दी । इता हु न दहे दाया है हि रायह यता थे त्य हु रायह यता थे त्य हु रायह या है या है रायह या है य म्बद्रायदाद्वीदावे त्यार्वा वर्षा वर्षा व्याप्त वर्षा देश वर्षा वर ने न्या में स्या क्ष्मिया क्षित्र क्षा प्रति । स्या प्रति माने द्राया । नदे'न'नबे'य'शेद'रेट'। त्वन्दो देःषदः श्रीतः त्वितः वितः वित्वादाः श्रीवादाः श्रीवादाः नितः वितः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः यःग्**वर्ःतुःस्रदःवः**ङ्गःयरःदशुरःर्र। ।८ःकुलःदेःदर्ररःत्यसःक्रुःयदेः नेग्वराग्रेःस्र्रमः कु.यर.राय.ज.य्रचय.तप्र.कु.लय.तय.श्रट.हे। श्रट.क्ज.यी चर्चयाहीरय.जय म्रातकः द्वान्याः न्दः ने नविवः न । व्यतः स्यतः न न मानि रः गुः वरा सार न्या वेया ने क्षेत्र भर न्र म्या मु त्रेयवाय दी दि भी महेव में दि क्षें व वा मु नव की त्र मुत्र लेका निकुरका संकुर दे। निर्देव संन्दर देशीव सकेना न्दर तका तह्य ता है ता संकुर व व्यः न्दः न मा बोन् यः न्दः सं अन् छिरः विषा बोन् यः न्दः न हेन् र त्यः न्दः मेत्रा न विषा विषा व्याधितः स. धुय. चे. चप्र. बे. चप्र. ख्रं थ. ख्रं टथ. च. इंश्रय. बे. ट्वे. चप्र. व्रेचे. चप्र. व्रेचे. चप्र. व्रेचे. चर् त्युरः ने पः इवनः धेवः पवा ने ने प्राप्ते ने परः चेनः यरः चेनः यः पहेवः व नः तस्य पत्रण.री.अधि.ह.क्ट.री.बह्रद्र.म.ज.ब्रथ्यत्रस्चित्र वित्र वित्राचीयात्री पवेयाचीट्य. यवा मूर्र्र्र्यूर्र्र्र्यं न्र्र्यं न्र्यं न्र्यं व्यव्यक्षः श्रुम्यायः न्र्र्र् । विश्वेन् न्र्र्र्र्यः यद्वेन् र्दः वे ळ्या है। हिन्या स्थाया त्री प्रति क्ष्या हिन्या स्था हिन्या हिन तर.द्रमात्तर.बहूरी |ड्रय.रट.। क्षेमा.तषु.चथवारा.चश्चीयाच.जया.ग्रेटा। मट.वुमा. नवेर-रट श्रुनयायाय नाताय श्रूरान। |प्राम्यावात्व्यः प्राम्यावेषः अञ्चलाः स्वता। रे.रच.रे.ल.पेय.ज.च.क्टर.पडीटा। डि.ल.पित्रय.ईयय.रच.धे.पविच.तर.पडीटा। नट. खुन. श्री नय. रट. ने हेर. प. र्नाय. पश्चर. यो विम् वया हेया राया हैं दे स्यार्ना हरा।

*ॶॹॱॻॖॖॖॖ*ॸॱऄॗॱॺॱ<u>ॕ</u>ॹॱॺॸॕॖॿॱॸॸ॓॓ॖॺॱऄढ़ऻॗऻढ़॓ॱऄॱॾऀॿॱॻॖॸॱॿॹॺॱॸॸॱॿऀॱढ़ॹॗॸॱॕऻ 'र्रा मर'वेग' हुगल'र्र्रा गुवेर' ल'र्गल' त् हुर' म्। । रे वे केंद्रल' मेर केंल' ल'यर् व वियामाध्यक्तान्याष्ट्रवाष्ट्यवाष्ट्यवाष्ट्यवाष्ट्यवाष्ट्यवाष्ट्रवाष्ट्रवाष्ट्रवाष्ट्यवाष्ट्यव यर.पर्मे. तर.पश्चर। विवानेवार्यक्षणकारात्तुः गृह्यस्यः मः न्दाः द्वाराने हराम् विवा ·लबा वृदःश्रद्धः इस्रवःग्रीः नृषे: नृष्ठेनःदी । वि:सःधिदः हे: नृदः तः स्प्र्ना । नृदः तः वे: ·सॅं·म्रेन्'ऍर्'या |र्रे'ल'क्रॅर्गं'गुद्र'बेर्'य'भेद्र| |बेरा'र्र्स्' क्रॅबरा'लहा बेर्-प-ल-क्षुंत्र-द्वेर्-प। क्षुंि-र्न-द्वेरा-प-त्वब-पक्ष-पक्ष्या-धेर्व। विरः-र्वद-र्द्रत-ह्ववर-श्चीर.च.क्षेत्र। विवयःतयःचनः र्दः स्व.तरःच। विवःर्दः। श्वेतःरचयः यय। ·क्ष:र्नर:क्वेर:बर:दंरक्व:वॅर:व्यावी वित्यःक्वात्रःत्ववयःन:क्वेर्नःवःनत्व। ॱॺॕ**ढ़ऀॱॺॕॣ**ॸॱॿॕॻॴॱज़ॕॴॸढ़ॱॻॕॗढ़ॱढ़ॴॱढ़ऀॗऻॎऻढ़ऻॗॎॴड़ॖॱढ़ॾॖॕॗॸॱॻॱॺॿॕॸॱॴॸॱॿॖऻऻ बेल रहा व नेल हित्य बना र्यह हुन खन नहें नल द्वर या व देर ने ने नल ही। नमॅन्'स'म्डेग्'सदे'लयानु'ले'नर'न्ह्रव्। दि'दे'नक्केंबरादरायदेव'सर'नशुर'नग्री हे। । इव:य:व्रव्यत:यत्रक्रंत:गुव:यहेन:यर:यशुरा |वेव:र्टः। हॅ्रूर:यहन:यता <u> इंश.र्चय.रर्ट.ता.क्ष.रट.चूरी विङ्क्ष्य.साक्ष्य.पुष्य.स्वय.सामान</u> वियायध्येय.सुर्व. क्षुॅंबॱ**कन्**यायःयश |िंदर:चदेःङ्केन:र्रर:चठवःचर:दश्चर| |बेवःचशुरवःचःक्रर:रॅ|| *ने*ॱ_ऄरॱढ़ॕढ़ॱख़ॕ*ॸ*ॺॱय़ॱॸ॔ॸॱढ़॓ॱॸ॔ढ़॓ॱढ़ॕढ़ॱख़ॕॸॺॱय़ॱख़ॺज़ॱॸ॒ॻॺऻॱय़ॸॱख़ॱढ़ॖॺॱॻॗॸॱॗ *য়ৼ*৻৻য়ৣ৾৾৾৻৸৽ৠৼয়ৣ৾৾৾য়ৼড়ৣ৾ঀ৻৻৻ৠ৽৻ৼৼঀ৽৸ৼৼয়ৼ৻ড়৽৸৽৻ড়৽য়ৼ৽ৼ৽য়ৼৼঢ়য়৽য়ৼ৽৸৽৸ড়ৢঀৼ৽৽৽ द्युः ब्रिबेथात्वर्थेटा ख्रुंद्रे **श्रुंट्यः श्रुवः ५ व्रुवेः सः यः यन् ५ व्या** ४८ व्ययः बरावियः श्रुट्यः नदेः बयः बयः कुरः । श्रेषुः हुरः राया थेः दयरः यरः वदर्यः उत्रः विदः कुरः कुराने राये याः ने गुवायवारमामी यद्येयामरायाद्वेदा चेरावयायदे वा यह वापरावेयाययय विष्य **૱૾ૢ૽ૡૢ੶ૡ**ઌ੶ૹ౾ૼ*੮੶ਜ਼੶*ઌ੶*૽૽ૢઽ*੶*૽૱*ઌ੶ઌ*ઽ*ૻઽૻઌ੶ૻૻ૱ૣઌ૽૽૽૽૱ઌ૱૱ઌઌ૽૽૽૽૾ઌ૽૽૱ઌ૽૽૽૽૽૽૽ ह. केर. विक. येटक. तपु. क्षाप. र वे. तप. श्वेर. व. खुवे. फ. वेर. व्रप्त. लुवे. क्र. वेशेर क. । रेथ. **จ.**นลีลผากรู:ปรุงเมื่น.มิะ.ล.รูป.ก.พ.ผนปลายรูป.ลุ.ลุะละย.ติะ.ติะ.นี.ก.พ..... च.चश्चरयःतःक्षेत्रःम्।र्म्ययःस्। व्रिःयर्रे क्षे.चव्रेयःग्रत्यःस्वाःर्टरःस्वाःवस्यःयवयःव्वाः क्रेर्-पर्दे नव्द र्र रहानायायाया रेदे:दैर:वै:द्रुव:पङ्यःव्यवःठर्:र्श्वन:र्रः नर्ष्यावयान्त्रम् स्तराचेत्रहरः। व्ययानदेः सायार्थम्यायाः स्तर्भात्रे देवे स्तर्भावः चेरःवरास्यःयरःचेर्ःव। वृवःस्यःग्व्यायःतःपङ्वःयतःतुराःतुःर्गातःश्चरःपर्चरः यानिनिन्द्राध्यानिन्द्रम्याति। श्रुत्तिन्यायया द्वात्रात्र्याध्यात्रात्र्यायम् ख्यायाः मुद्रान्तरः त्राच्याः चेताः चेता चर्चा.ज.क्रेच.चर्चत.क्र.क्षेत्र.चर्चर.क्रेचे.ल्रव। विवाचश्चरण.स्रा दि.क्षेत्र.क्रेच.स्रटवा नदु.र्ग्र.ष.पवनयावयाच्याम्यानायार्गत्यार्मेल्याः विताम्यायाः विताम्यायायः विताम्यायायः विताम्यायायः विताम्यायः वितास्य विताम्यायः विताम्यायः विताम्यायः विताम्यायः विताम्यायः वितास्य वित ロダイ、コイ・エ・カダ・ス・ス・ス・ダイ・ス・メ・カダイ・ス・イン・ラ 動人・スピー・ログ क्षेच. पर्जाता वि. चया मुल-छेर्-र्धत-य-ह्रे। क्षिण-म-र्स-ल-ग्लॅर्-धद्। विल-ग्लुर्ल-ल्। <u>!</u>देवे:श्वेर:दे: बुर्-पाया देव-श्रम्याद्वेनयानी हिर्-पावयाना विशासाहित्रित्न्यान्ती मही स.ज.स्र्वयात्रात्यात्राराचे प्रविद्याः वित्रास्य स्राह्मयाः ग्रीयः श्रेत्याः स्वितः विद्यः विद्यः विद्यः त.केर। जत्र.मी.श.सविय.तपु.ल्लेच्याचेय.मीय.मीय.क्र्यंत्य.भूट.ट्रंट्चं.जया.मीय. चर. विष् । श्रेषातुःववेदः १८ विष्यंदः विष्यः विः विष्यः विः १ विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः

শ্রীবান্ত্র প্রথা শ্রুবার্থ প্রথা শ্রীবান্তর শ্রুবার্থ শ্রুবার্থ

त्राच्या तेथा हेथा हिन क्रिया हुन प्रमुख्या प्रमुख्या प्रमुख्या प्रमुख्या हुन प्रमुख्या हुन प्रमुख्या प्रमुख्या हुन प्रमुख्या प्रमुख्या हुन प्रमुख्या प्रमुख्या हुन प्रम

सुगः क्रुवः ग्रीतः न्यतः पदेः तश्चः यह्मदः व। । यताः ग्रीः न्यः यः ग्रीवदः न्वः न्यादः वदः विदः।। *र्राची देवाया दे जो कि वा विवानिश्चराया है स्थानिस्या विवानिश्चराया है स्थानिस्या विवानिस्या विवानिस्या विवासिस्या विवासिस्य विवासिस्या विवासिस्या विवासिस्या विवासिस्या विवासिस्या विवासिस्य व* য়ৢয়**৾ঀয়৾ঀয়ড়ড়য়ৼ৾৽ঢ়৾ৼৼয়য়৽ঢ়৾য়ৼড়ৢঀয়৽য়ৢ৽ঢ়ৠৄ৾ৼ৽য়৾৽য়ৢয়৽ঢ়ৼ৽ড়ৢয়৽ঢ়ৼড়ৢয়৽ঢ়ৠৢয়৽ঢ়ড়ৢয়ৼঢ়৽য়ড়ৼ৽৽** मुलामितः देन्तान्तः स्वामाम्बद्धाः म्बद्धाः म्वद्धाः म्वद्धाः म्वद्धाः म्वद्धाः म्बद्धाः म्बद्धाः म्बद्धाः म्बद चर्डद्र-ध-दे-श्र-देन्त्र-हे। रे-हेर्-यण मेल-रच-श्रम-त्रुयात्र्र्य्यात्र्य्याः श्रुर-ध्र-ध-या तहनाहेन में न क्रिया क्रिया वितासिया मार्था । क्रिया हे के क्रिया क्रिया क्रिया हे न क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया रे.र्च.झ्रट्य.चयत्य.चङ्क.प्रज्ञीय.धे.झ्रया विय.ध्रा विर्य.ध्री विर्ट.च.श्रेय.पी. चनेःचःन्दःचहेन्ःचगःन्दःश्चेषःस्वैःस्यःवैःग्ववःश्चेःन्वःष्ठःनःत्वेरःचःयःग्वःचरः...... रर-मी-र्नेष-द्वाता-न्वीम्याय-क्रिन्-त्यूं-इवयान्न-धर-द्वुष-स्र-पाधिष मधि क्षेत्र र्ह्म | देवे क्षेत्र क्षेत्र म्ह्म वर्षा ग्री म्ह्म वर्ष क्षेत्र क ये.वाष्ट्रपानः त्र्ये.हे। श्रूयः यायाश्चित्यः यायाया नेवः १ हेन्श्वेतः स्वायः वायः सः ह्ववायः ग्रटःरटः केर्ःच। विवःकः भ्रंबः धराः वर्द्रद्धः वेवाः केर्रःवः र्वादः समुद्रः द्वादः समुद्रः द्वादः समुद्रः विवा तरीत् क्षेत्रेयः नावतः र्वतः क्षेत्रः यरः नहः व्यापारः धेतः या । दिः तर्वेतः नहेतः नवाः धेतः हेः दे.चरे.श्रुव.वंदे.इत्य.दे.पत्तवाया वि.व.धन्य.क्रव.ह.त्व.ब्र.च.वंद.वेद.वंद.ण्य.र.त्या इयसःग्री:रदःनविषःदेःयदःहे। दिःद्वायदिषःहेषःयवःद्दःयदेःयदःर्याविष्यः नेष्ता । बेयःस्। १रे.क्षेरःपञ्च.पःश्चनःपञ्चतःग्रीयःग्वरःहःन्दरःयरःयद्गरःदरः ८ च.चु.५५५.२.ग्रुष.च.ज.मुक्त.चु.वेय.ग्रु.ज.च.वाच्य.घ.वेय.ग्रूट.ने.ज.ग्रु.क्षे। तहनाःहेत्यः अप्ताः ५५ द्वितः तिन्यः ध्याः व्याः वः तिन्यः श्वरः या । श्वनः वस्यः श्वरः व

दे·द्र- वयः चयः पः वः क्षृदः यः वृद् ः ग्रीः क्षृ वाषायः यः स्वाषायः यदैः यदः व वः कैः यदः এব:এ। ग्रीट. थे बे. हू था. पा. कूचे था. तथा. प्रेंचा हो ची. कुचे. पाया. वे बाया. तथा. तथा. तथा. तथा. तथा. तथा. विचा त ळेद.त्.चषु.चेषुट.२.व्य.पव्य.चेश्चट्य.चेट.५चेथ.तथ.ग्रेट.५ श्रीच.त.लुव.४। <u> २८. त्र. ह्र च. क्रुय. त्र. क्रियं. त्र क्रुयं. त्र क्रुयं. त्र क्रुयं. त्र क्र्यं. त्र व्राचीयाय ह्र च.जा</u> গ্রীথাপ্রশা ळेव. तपु. वर. वया पच्चे व. तपर. रे. रेट. यथा या द्या ग्रीया पहूं यो तथा व. ह्या छ्वे ता ही रायकार्ने स्त्राचित्राचित्राच्याः वित्राचित्राची निः द्वारायम् वित्राचित्राया क्ष्यात्रेयाः श्रुतः श्रुतः द्वनः मेव। विद्यः पर्वः पर्द्यः स्टम् अवः पर्वः द्वनः व इयला । परेरः गमेगलः इयलः ग्रेः ख्रालेलः पहेरः ग्रुः वैदः। विलः रूटः। यटयः मैयः द्वायः श्रिश्चेय। विषयः मैयः स्थः श्रियः स्थः विषयः स्थयः पश्चेतः सम् द्रनायाची.पी.पर्.के.के.र्जराया ६.इ.इय.ज्ञ.चु.क्या.बिट्.वाद्यराची.के.ये.ची. तथन्त्रामा वयत्रा ठत् चेता गुरा नाई व लेट ई हे रेव रा केते केट त्या की तर्र राता न्त्राता ल्य में व.में. वेप्त में व. व्यय १८८ में या में या ब्रेट वेट । वेट व्यय प्रयय र वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष व अ.चश्चनथ्य.ग्रेट्र.थुत्रथ्य.हे.लूट्.बे.वेट्र.केव.धुत्रथ्य.टंतर.चेश्चट्य.त.त.टंट्रा अमूचे.त्य.प्री. श्चितःग्रेयःग्रदः। वर्षःत्रेरःरदः वैःवहेषःहेषःवरैय। व्रिःश्चेरःहवः हवः विवःवर्द्रः दा १ रे.ण.स.च.वेर.केच.धवाया १२.८्वट.केय.स.केर.चक्रेच.रटा विय.रटा यमान्दः हे र्पट्रप्रश्चर्यः बुर्र्याया गुर्। वुर् छ्पातेया र्पदः छेत् ये महित्यः

ष्ट्रणलः केवः यदिः नृष्णेलः विष्ठः भेवः तुः कुः केः मः वदैः नृष्टः भेवः तुः च मः वदैः नृष्टः मृते हः । । । । । । **८तच.८यच.४५८.चथ८.०.४४.७८.७४.वथ८.५.४४४.२४५.५४**व.**२४** .हु:बे:उर:व:वरे:वे:यग:वर्दे:हे:छूर:ग्रेश:मेव:हु:र्गेव:य:बेग:ञ्चराहे। वरे:वे:रूव:यः <u> वृथः व. ५५. श्रुष्यः २व. ह. के. वे. ८ मा.ज. च ५५. ५५. वे । ज्या.व. ६. ईयः श्रुषः ता</u> **र्पणःन्रःर्नः**ग्रुटःॡ्यःग्रुःश्रेयशःश्रॅ<mark>यःयःलः</mark>बुन्यःयःर्टःन्रःन्नेःळेःदेःर्नानीःग्रुटःॡ्यःःः ष्ट्रणतात्रीः श्चेत्रः पदिः चुरः **ढ्रुनः** तेयतः त्यतः तेः त्याः भेतः क्रेत्रः त्यरः त्यरः तदः । । <u> नश्चित्रःकृत्रःकृतः वृत्यःदित्रः तृः नश्चितः यरः ग्वःश्वः न्याः नः ग्वः न्वः कृः कृः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत</u>ः क्षेत्रः कष्टेत्रः क्षेत्रः कष्टेत्रः क्षेत्रः कष्टेत्रः कष्टेत्र *ऍ्चारा पर* सः शुरु सः ने : ५ वा दे : वृत्व वि वा पर स्वे : चुः हो। से : ५ वा दे : ५ शुवाद वि सः पर न द्वरः **बै:**न्ब्न:क् ।ने:न्न:त्य:दे:धुन:कु:न्न:न्त्य:स्न्न्त:गुन:पश्र्द:ध:गुद्धा শৃগ্ডদেশ-মা *| ने पा व*ाळ्या होना था ळेवा यंदी ळ पा धेवा था की ळेना नी होना-धः क्षेत्रः संर प्रतरः क्षेत्रः या बीना नायः क्षेत्रं । । होना क्षेत्रः यरः च्चेत्रः यदारः चुरः कुराः ग्रीः खेळालाः वेर्'यः र म्'ययः धरा व त्रेशतान्ने में पार्व वा त्यता होत् वा हो मा केवा पत्र में प्राप्त वर् रोबायान्। वाक्ष्यं ने ने क्ष्या ता विषा मूर्ति वा सुवा क्ष्या तपरा स्वा तपरा स्वा तपरा विषा पूर नयात्तरी त्यात्वर् । विदी तार्ष्ट्रायात्रात्री र वाया ग्री सु स्वारी *ॷॹ॔ॳ*ॱॺॖऀ*ॱॴॸॺ*ॱॻॖऀॱॾॕ*ॴ*ॱॿॺॴ**ॸॸॱॻॖऀॱॴॱॸॕॺॱ**ऄॱॻॖऀढ़ऻॎऻॿ॓ॺॱॻऻॷॸॹॱय़ॱॴॸ॓ॴ *क्रेर-र्नेष-पष-रे-*पश्र-पर-ध्रा |*रे-*ष-क्र-र्र--खर-र्--इंर-र्र--क-क-क्रवाक-य-दे-त्रच**्या ग्री.य.त्रच.रट. क्र्**चेयाचे.पर्चयाग्री.क्रै.चीचु.ची.ची.ची.रट. श्रेच.चा.पा.यूचेयापपु. ल'नॅब्र-न्टःळॅगल'वदटाने:न्गानी:क्रु-मुदे:क्रु-डेन्-धलाने:न्गावे:क्रु-झुक्-ऑट्:नःधेव-वॅ। । *ष्याःग्रैःयः* म्बन्द्रे मुब्र*ःशुः न्दः* ऋगयः ग्रदः दश्यःयः स्वायः प्रस्यायः पर्दः श्रुः गृदेः कुरः श्रेः उदः पया

कुर्या दुरक्षिराचेराक्ष्मात्राम् अवस्यान्त्राम् अवस्यान्त्रम् अवस्यान्त्रम्यान्त्रम् अवस्यान्त्रम् अवस्यान्त्रम् अवस्यान्त्रम् अवस्यान्त्

ঽৼ৾৻য়ৢ৾৾৾ঀ^{৾৽}য়ঀৗ৾৾৽য়৾৽য়৾ঀ<mark>ঀ৽ৼৢঀ৽</mark>ঢ়ৼৼয়ৢয়৽য়য়৽য়ৢ৽৾য়৽ঀয়৽য়ৼয়৽ৼ৽য়৽ড়ৢঀ৽ঢ়ৢঀ৽ঢ়ৢ৽৽৽৽ ययःप्रवर्गः वर्षे क्ष्यः क्षेत्रः क्षेत्रः क्ष्यः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः व करःर्मेलःपःक्षरा ययःकःक्रःमःयःयनकःर्दःवेकःरवःश्चेःध्वनवःक्रःपःर्मेलःवेदः ₿**५**ॱधरःतुःवनलःग्रेःवृष्ठं दंग्वरःह्वनःग्रेःलेबलःन्दा| वेलर्चनग्रेःवृष्ठं दंग्वृरःधःवृन्ग्रेः न्याने ने ने ने ने त्या के क्षेत्र के त्या के त क्रूचलाय:न्म्लाया ण्डेर-द-दे-दे-दे-प्रक्षण-स्वा-अर्हर-तु-अ-द्वित्य-पर-चुत्य-द्वत्य-पर्व-अर्-पःक्र्र-पःक्रेर-पः र्देवःश्चेयः नृष्णः वतरः। वेणः यः केवः यः परः पिष्णः वक्केः वः वैः ग्वरः सुरः ग्वेः वेयवायः श्वेरः र्मियामाधियाते। हेरपर्वयास्या नेयामयाधिरायात्रीम्यान्ययानेमा ।क्रिराहेया बु.ज.बु.च्य.या.प्र.प विष.चुब्रुट्य.प.कुर् वेष.रच.ग्रुब्य.व्याचर.वदे.बवर.क्षेट्र.च. यम्बोनात्मा श्रेरः हेलः देः चदेः अवरः सुरः चः तम्बारम्बारः मृतः स्वारेशः रचः ग्रेलः देरः देरः नरः सुरः चः ब्रीन् पर्दे अवन् अः क्षुर् पः वे ग् न् बद् त्यः व्यरः व्यन् पर्दे विनः श्चीम्बराधदे श्चेत्रः ५८। - इ.८[.] तेबल ग्रे त्या ग्रे प्वाप निष्य के प्राप्त के *नेशा* व : मुल: प्रते: प्रमें प्रतः यः त्रोल: प्रायः क्ष्यः यः युरः यदे: मुल: ख्रुतः द्रव्यतः दे। यक्षवः परः दहिवः मी चैयः पः यमुः पदैः पवः न वः सः सः रेः मुनः तः श्रेतः पः तः देः दयः नः सः वहवाही श्रुम् वहुनायया नववाम्ना मरानी मूंबाहुः धरा । श्रिःवहुमायया ववा रॅव तेयल गरा विषय ग्री रेव केव छिन पर तरी व्राह्म वेर पर कर केवा त्वित्वा विवारता रे.र्र.र्वे.बह्दवानायाधर् । रे.दर्वानवेवाग्रताया **यद्। । नर्यदः वस्यादेः यदः गःयः यदः । । हेयः दरः। गरः यः सेवसः ग्रेः दयः परः देवः** केदःरी ।क्रे**ल**ःयःरेःथःक्षुःयःधनःतक्षःवेदः। |वेलःनशुद्रलःयःर्दः। र्यःकॅलःदॅः

<u> नेषावान्यतास्वासान्तेः मान्तुःस्रोतायदेक्षः मायदेक्षः स्वराण्येनः म्वराधः स्वरा</u> नने व. ग्री. के. च. पहुंच. त. लूव. लट. ग्री. प्रवाशी प्रवाशी प्राप्त के व. व या हे द. प्राया इसयाग्री श्रुर्त्र के में या श्रुप्त हे व पारे ह्या पर वर वर वा या महिरार या ग्री मवर ने या पा लेगा मैल नक्ष्यादात्वा मी माद्रा त्या मी मु केदा में प्या में मु किदी त्या तम् प्राप्त में स्थान केदा में स्थान केदा य. वेग. में . क्व. वेर. व. देया चे त्या ते. वे. स्वाया व त्या त्या व त्या हे व यत र प्या त्या त्या त्या त्या त ब्रुंन्'य'लेक'चु'पदे'ग्रम्क'सु'दर्शेषी दे'बेन्'व'हूँम्'वसुब'देव'यं'केक'पग्रम्'हे'देव'ग्रम्' विरःक्ष्यःश्रेयस्यः द्वार्यः श्रुदः धरः श्रेःक्ष्रः द्वाः विष्यः द्वाः विषयः द्वाः विषयः द्वाः विषयः द्वाः विष बि.क्.र्.र् । विह्नाने व.व.द्व.ह.च.र्ट. व्य.च.वहर.ववि.र्घ.वहर.व.क्र. क्रेते. अवस्यत्तरी. मृद्यन्, तु. या सूरः चरः श्वदः हे रहं या नृषीः श्रुं रः ता तत्तन् स्या ग्वरः श्वरः श्वरः श विकास मे**न**. मु. हु ता नवा झु. हा न र त र हु . ता न र न र त र हे . ता र हे . ता र वे न ता खेबलायदी मुन्दा है विगः स्ट.च.र.विगः पःश्चारः चरः इरः पः पर्रः व यः ईवः प्रः च यः है। देः व यः पर्यः प्रयः प्रयः । 용도:ヨ도·오퍼·네스도·저도·윤·리도시·필요·다·전도·스크·황 저도·오피·국·국·시·월요·다·활도·다· र्ट. क्रुबंधान्त्रें स्वाचि में विकासेट र्वे पाक्टर वर्ष वर्ष स्वयः स्वयः ग्रदःमुःके'वःद्दःके। श्रुंदःवह्नांव्या व्याःम्रह्मवराःकेवः मैव.पै.मु.मु.मु.मु.मून्यात्र विट.क्य राज्य श्रीव ता रिमो.मालव मर.मीया चैत्यःग्रीराःगर्देदःधरःतशुर। |लेल-१८-। देल-दे-रुल-अवदि-से-पलेव-र्मन-केव-इयला । सर-इन-नहन-नल-देश-धर-ज्ञेन-धर-छेर। ।डेल-८८। ব্যব্য তব্

बें बर्पर राज्ययारी हैं स्थान में देश हैं साथ है सा श्चे.च.र्रः। वेर.केच.ग्रु.ध्रयःश्चेर.तपु.रूब.त.र्रः। श्चेयःतपु.क्र्रं.र्रः। क्र.वयः อีน.ชาพม.พิ.พย์.นชา.ภิช.ชา.ผิน.ส.น.นน.มุน.ชา.ชา.พูน.ชายุน.นชา.พูน.ชาน.ชา. महेवःवरागरः त्यान्वरायः न्रः वुग्रः पदे चुरः हुनः ने वैः बहु केदः श्रुवावरा रोवरा । न हुन्। प्रमान्दा दे त्वार्य विद्यार्थ न विद्यार्थ । विद्यार्थ विद्यार्थ । वि के. इं.र. बे बेर. त. वे. यर्थ. के.य. के.त. के.य. त.य. यथ. प्रथ. प्रथ. प्रथ. वे.य. वे.य. वे.य. वे.य. वे.य. कदः न्यन् मृत्वेन् यदे श्वन प्रम्या वेया परा होन् याया पन्न वेया हार वेया या ही क्रा देराःः ॱतुॱन|द्र त्राःचुःपदेःधुरःतुःदेताःपरःत्रेयतःपञ्चेतःत्रंश्रवःद्रताःत्रेयतःपञ्चेतःपःतृहः। ৾৾৾৾ঌ৾ঀ৽য়ৢয়৽য়ৼ৻য়য়য়ৼ৻৸ৼ৽ৢৢয়৽ৼ**য়৽য়৽৸৽৸ঢ়৽য়ৢঀ৽ৼৼ৽ৼ৽ৼ৽ৼ৽ৼ৽৸৽ৼ৾ঀ৽৽৽** ৼৼ৻৶ৼ৻ৠ৻ড়৾ঀ৾৾ড়৻৸ড়ড়৻৸ড়৻ঀ৾য়৻ঀ৾৾ৼ৻ঀ৾৻ঌ৾৾ঀ৻৸ৼ৻ঀ৾৻ঀৼ৻ড়৸৻ৼ৾৻ৠয়ড়৻৸ৠৢ৾ৼ৻৸৸ৼ৻৻ केर्परर्गत्यात्वा न्नाबेर्पड्रास्त्रवातुः सेयस्य मह्नेर्पाः सः के ब्राया दे देवा पर्गाणीयः *ऄॺ*ॴॻऄॗॖॸॖॱॺॱॿॿॎॸॱॴॸॱॸ॓ॱढ़ॗॸॱढ़ॹॗॸॱॸॕॱक़ॗॺॱढ़ॴऄ॓ॺॴॻऄॗॖॸॖॱय़ॱॸॗॺ॒ज़ॎॼॾॕॸॱॱॱॱ

तर.वेर.क्ष.चथरथ.तथ.वेर.क्ष्य.ज.चूच.पर्रेर.क्षेय.तप्र। विष.चट.च्या.वथ.चयाचा विराक्ष्याने निर्मा मेला स्वाधार प्राप्त स्वाधार स्व त्यरतः कुतः ग्रुः व्यवः हतः यव वः यतः न्दः य नः न्दः यः क्रुता रे नगरे र्याय विवादर्र খ্রীথ্য:ঘর্ मुक्तःग्रुःभःभेकात्मःस्तात्द्र्तःभ्रुकायःभ्रे। दर्गःताम्भवःयःवानुनःवान्त्रःक्षेव्रकारुवःग्रीःभ्रुणः ロ暦の、ロ瀬町、ヒス・双貫 C・ロ・成丁・ヒの・岩町・口種の・口及・路・フ・カル で、「カットロイト・反丁…… शेययः पञ्जेदः पदेः क्रेवः ग्रीः गर्डः सं ग्रह्मदः यः द्वायः यः यः यः यः म्रह्मः यः धेदः है। दे.के.ब.लुब.ब.प्चा.थे.केट.इ.ज.चडेब.बय.क्रे.चर.चनट.त.ट. ञ्चय.स् वर्न्-भ्रेषामान्त्रे। येवयानभ्रेन्-मावर्न्-चिन्-स्वायास्यात्र्म्न्-भ्रेषामवे र्भ्ने वयानवगाने क्रेन्-नृ-चु-क्र्-क्र-वर्गःयन्वन्। सर-क्रूट-ह्ना । लटल-कुल-गु-ळ्व-नृव-ल-न्न-स-श्वटल-นลิ·ลังสพาพะพาสัญาณาลักาลรัฐาลิราสาสะาทิำรัฐานขูนานาณาลิกาสูะานพาธัฐา.... यर.पह्रब.तपु.म्.शु.क्र्य.हे। विषयान्त्रम् क्षेट्र हे हिट्या पत्र क्षे क्या गलक रूवा र्गेल.तर.ष्रह्रट.बेथ.थटल.केथ.ह्रच.तर.पर्ट्रट.तथ.बे.चेवच.ट्रबे.चवीच.त.ज.बु.च..... मुर्-पर्यःक्ष्यं-पर्-तह्रद्र-पःर्व्याःद्वराःग्री क्रयःतह्रदःश्वःयःपश्चितःश्वःद्वराधःविदःप्रः। रे.८म्ब.इर.बल्ब.लट. अर.चर.छेर.स्। । ४८.६व.५ब्वन.च.ल.छे.च.म्ट.चरा.छ्न. यर.पहेंब.तपु.मूं.पञ्चन.कु.रम्थ.तपर.कुर.हे। ୯ଢ଼ୁ ୪.ଘ.ଜଣ.ଶୁଜାପ.ସ୍କ୍ଷ.ଶ୍ରି:ଞ୍ରଣ. २वदःत.श्रट्य.त.रंटः कूर्ययात. श्रेचयाऱ्यात्याथ्यः श्रदः तथा प्रटः मूदः सेदः श्रेशः ऋवयाताता.....

ने न मारीन पर्व मुन्या स्वा हर थर है नदे मुन्य स्वा सार्थ सार्थ स् बेर्'यदे' क्षेत्र'रूर'। चत्रः क्षेत्रः नृतः । त्राः मृतः सृतः शुवा ह्ये नवा चा वी त्वा क्या क्षेत्रः क्षेत्रः नवा नवा वि *चैॱ२ॅब्रप्*त्यूचःयःलद्दःलद्यःकुषःव्यायः बेर्-बेर्-इर-दुःबव्दःवेन्द्रवन्द्वदःतुःबिन्द्यदःतुःबिन् यते नुव केव स्तर त शुरार्य। । हर प्रमान प्रते त्रेयता पश्चेत प्राप्त केवा पर विषय । *षट्यः क्चैयः* ग्रीः नृत्रु नावः ग्रीः श्लुः नृष्टः ळॅराःग्रीः श्लुदेः प्यं नः नृष्टः नः नवः नीवः नृष्टः धदेः । । । র্থরথ:হর: Bad.92.4と4.単む、か、と其と、たと、あ、これと、なりないと当して、よって、これと、 नल-दे-बद्देश-दे-द्र-क्षर-अवल-वहुद-ध-दवःग्री-ग्र-ल-खु-पग्र-द्र्वेल-ला ळ्टळ.धी. ऋबेया नषुः श्रुष्टाचा प्रश्नेदः ता.ची. बोबवः द्वा. ता. दे ब्रायः प्रश्नेदः वा. व्या. बीयः देटायः <u>ร</u>ูรายราผยีรายลำฮัยาดรีรารราริเพราๆคลาฏิารัฐานผายรายคุญายาฝัฐายรา न्वतः ग्रे-धेर-तृतरः द्वातुः न्वेर-य-वैन- द्वेत्रः हे। यद्वः ह्वेत्रः ग्वा चक्केर्रायाद्वीःम्बद्धार्थः । व्याप्तार्म्याः स्वातायदेः च्याः स्वातायदेः च्याः स्वातायदेः च्याः स्वातायदेः च र्टः गल्वः र्वः र्वेतः ग्वेरः ग्वेरः ग्वेरः ग्वाद्यरुषः प्रते क्वेरः र्दा विष्यतः क्वेरः ये देनलःसुदःसुद्यःळेनलःस। द्नोःमनेलःग्रैलःचेदःस। तेयलःस्द्रःलःक्रेदःमञ्जःम। दिव्दः चवः न्यायः श्रुन्यः चित्रं वा वित्यः चित्रं वा वित्यः चित्रं वित्यः चित्रं वित्यः चित्रं वित्यः चित्रं वित्यः चि च.वी रट.बी.बाधियः कूर्यथानिट.पर्ट्रेट.ता.रट.बी.क्षेत्रयः रटा बाबयः बी.बाधियः कूर्यथाः <mark>ପ୍ରମ:ରିୟସ:</mark>ପ୍ରି:ପଞ୍ଜାସ:ସ:ସିସ:ସ:ସ୍ଥର:ଶ୍ରିସ:ଶ୍ରି:ବ୍ରି:ବ୍ରିସସ:ମ୍ମା ସମ୍ପିସ:ସମ୍ପର୍ଶ୍ୱର: ঽৼ**৾ৼ**৶৻ঽঽ৾৽৸৻৶য়৶৻৸৻৵ঀ৾য়৻ঀৢ৾৾৾৻৴৾ঀৢ৾৾৽৸৻৸৻ঽৼ৾৻ঀৢ৾৾৾৽য়৾য়৶৻৸৻য়ৄ৾ৼ৾৽৸ঀ৾৻ড়ৢ৾৸য়৻৸ঀ৾৻৸৻৻৻৻৻ **ॱॎरेॱ**षरॱॹॗॱक़ॖॆॺॱॸॹ॒**ॸॱय़ॕ**ॱऄ॔ॱॸय़ॺॱॾॕॻऻॺॱय़ॱॺॱॸड़ॆॺॱॺॺॱ*ॸ*ॸॱॸ॔ॸॱ नहेद'द्रान्धेद्रा शुः ग्रेव दे द्वा त्या पहे व व व या व व व द द हु द पते । क्रॅनश.जय.क्रेय.व.ध्र.चहव.तर.वट.य.जय.चश्चिरश.य्र| |र्.क्रेर.चक्रेव.त.ही.८ट.ह्रेच. **य.क्रुय.**सूप्र,चक्षेत्र.स.थेय.थे.खेट.। श्चेन्यायायायायायाच्याकेषाक्षेत्र्यायायायायाया वर्दरः वेणवायर में वयः ब्रेट वणः यव्याये वयः वेष्यायः मुक्तः प्राप्ते वः प्राप्ते वः परः देणः यरः । **इल.ल.र्ब.**सदीस्वेशलस्ट्रेदःहे। ह्मनायाळेदायंत्रे दे दूर्णात्रामाया ชุลช.กษา ผู้นายเลาสารายา และเมื่อเปลา เมื่อเปลา เมื่อเปล <u> २८.ब्रॅज.भ.ब्र्बेथ.ग्रेथ.ब्रु.वर.४८.</u>चृ.क्रंचळ.ग्रेथ.चथत्रःच.चच.त.वेथ.श्रयःचक्रेट..... तपु.इ.च.क्ष्मेथ.तर.वे.कें। वेट.केच.युत्रथ.रेतपु.श्चेर.त.घषथ.२रं.पर्-पर्-प्राचक्षेत्र.रेम्थ. यदे:धेर:**र्**॥

त्रक्षात्रात् कृतः स्वाप्ता । प्राप्ता विषय । स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स **र्वातकतान्त्रत्युराया क्षेराहेर्वावावादारे** स्राचेर्यायके द्राप्तवादायायायायाया ষ্ঠ্রন্য নের প্রত্রে নের ক্রিন্ট নের বা নির্মাণ করে প্রত্রে নির বি ক্রিন্ট বা করে । ত্রিন্ট করে বি করে বি বা কর क्षे.क्षेर.ई.क्ष्य.त्र.ब्र.चर.र्ना १२.६५.व्र.वे.वा इव.२.व्य.व्य.व्य.व्य. पान्नाराष्ट्रा वर्षान्त्रा द्वापाञ्च वराष्ट्रा वर्षा द्वापाञ्च वराष्ट्रा कुर्मा वर्षा वर्ष र्नर वितः इत्र त्रां न धेवार्वे | रे.नवेवार्गः छन लेवलार्म दे हे हे छेवारा वै:बेग्-य:ळेव:यॅ:ਘ८:८्ग्-य×.५शुव:यदे:४्व-हु:५शॅ:य:थेव:४| |*वेश:५८:*। मूं दुः पथा प्रदा वहवार्यक वहरा द्वारा क्ष्यार्य व्यवस्था विद्यार्थ क्षया प्राप्त है। द्वी नवयान्यान्। यहवान्यायाचीयाञ्चयाम् द्वरे.वु.चुराह्वयायेवयान्ययाचीः ॕॗॷ॔॔ॖॸॱॻय़ऀॱॾॕॺॱय़ॱढ़ऀॱऄॢॸॱॾॖ॓ॱळेवॱय़ॕय़ॕऻ<u>ऻज़ॺॱढ़ऀॱ</u>ऄॺॺॱठवॱढ़ॕऻऻढ़ॎ॓ॺॱख़ॕऻऻॗॎॸ॓ॱॗॸ॓ॱॷॸॱ २ स. प कथा ता. में. लय. क्रु बंग था. बंहे था. क्रु वे. क्रु वे. सं. स. ब. पश्चित था. वे. वे. वं. वं. वं. वं. व र्गाय पति स्वाया मु स्वयं प्राया दहुन पराया व र्श्वर पराया व र्श्वर पराया व र्श्वर पराया व राया व राय के.प.दी दे.केर.जब.कुन.युवाय.टे.के.पे.वे.केय.चय.वेचय.वेच.युवाय.कर.युवाय.कर.वेट. <u> चेर्-८द-स-र्र्म-पञ्चन-सर-चु-प्र-८-१द-हु-चु-र्ग्ग्य-द्विर-अवय-प्रत्य-र्र्म-र्र्ग्य-ग्र-----</u> र्यन् तुः क्षेर् यः र्**वेषः य**रः अर्हेरः यः दुः वुः वुः यः देन् । यः र् अदः यरः क्षुरः यः य। ळेदः ऍॱ॔॔॔॔ॺदः क्रेन्।पङ्गेदःधः ठवः वेदःधरः हेॱढ़धेयः तुः मॅवराधरः छराःधराः स्टःनीः पदेः धूनाः या के 'के 'के ' मावक के 'में देव 'या के क्वां पा सवाया कर 'परे 'त्रिमा 'हुः ह्वाया पर केर 'रे]

क्षॅयः रेयः र्टः यॅः यत्। रे.क्षेरः क्षेटः हेः क्षेत्रः येतः तक्षुर्-धतः ग्रुटः कुवः तेयतः र्वयः द्वयतः नर्गानेर्याया केत्राचराम्बदाया भेदातुः धदाया र्वतातुः मन्तरा क्षेत्रा केत्रा वाद्या वाद्या वाद्या वाद्या वाद्या भेदः हुः चुः नृगादः बैदः खुदः तः तुनः यदः य शुद्रः चः त्यः यह वाः व्यावायः यः प्रद्रः विद्यायः य ह्में नयः पश्चेर् नः त्यतः ग्रीरतः सः तुः हो। देः तः हेः ऋत्ः दः द्वैः त्येयतः ठवः वयतः ठर्ः ळ्ट्य.थे.श्रुचे.त्र.वे.च्यु.होप्र.केच.चर्चा.हे.लेच.श्रुचे.श्रुच्य.ख्य.च.कु.लट.ख्रेट.ट्री वति क्चे वाके तर्दरावा के प्यार के दार्दे विद्। दि क्षेत्र मेव जि. वाका वाका वाका वाका विद्या য়ৢ৾৻৻৻৻৻য়ৢয়৾৻৻য়য়ৢয়ৼৢ৾৻ য়ৢ৾৻৻৻৻য়য়৻৻য়ৢয়৻য়ৢ৻য়য়য়৻ড়ঢ়ৢ৻য়ৢ৻য়য়য়৻ড়ঢ়ৢ৻য়ৢ৻য়৻য়য়য়৻ড়ঢ়ৢ৻য়ৢ৻য়৻য়য়য়৻ড়ঢ়ৢ৻য়ৢ৻য়৻য়য়য়৻য়য়য়৻য়য়য়৻য়য়য়৻য়য়য়৻ यदे छे थर हे ग र्यं पति दे ते पर के गवरा पर द्यायाय हि होर् र र त्या पर दे र र बह्र-पतर क्षेर हे केव रिते बहु है। रे बेर व ज़र व ज़र त जुर पते छेर है। इंबर ₹थ. ¤×. ¤. u ख श्वेर.र्ड.क्रुबे.त्य.ल्रट्य.थी.च्रुबे.तथ.वे.थटथ.क्रुय.पड्य.क्षेब्र.पर्थ. **₹**য়য়ॱৼৼॱमेॱॸॕॖॺॱॺॖॺॱয়ৢয়ॱळ्चवरःमःसवतःॸ्ष'ॸॐॺॱॻॖॣॸॱऄয়য়ॱठॺॱॻॖऀॱॺॎয়য়ॱয়ॿॸॱॱॱॱ वुगःगैः चरः तुः च लुग्यः धरः यहरः र्रं। विषः र्रः। च ठठ्यः वृदः दर्यः इययः ग्रेः थेः न्वराधितः सुः द्वः त्यराद्वर् राधितः सुः दे हिन्दे स्टेन् से हे दे हे द्राधितः दे। द्वाञ्च नः गुन्य प्राप्त नश्चर्य है। न्द ध्रिय प्रक्षेत्र कुत् कुत प्रते क्षा प्रते व स्वाय पर्वे दे । ^{रा. ठ}्व. रेट. वु. ग्रुज. ज. व्. च. देट. दी । ज्राटक. श्रुंच. ज्वक.ज.श्रेव. त. क्रे.वे.र. वर्ट्न. ^{शुराय}। १रे.हेर.पर्गाम्थल.स्गायर.क्षेटाहे.पर्हरायर.पश्ची विषास्। १र्व.शु

र्नरः ५१.म्∄*ग्राद्या*कॅरा.लटः र्गः धरः श्रृतः धर्याः ग्रुटः। **च**र्ड्स.र्स्ट्रस.विस. ख़ॖज़ॱऄॺज़ॱॸॣय़ज़ॱक़ॕॹॱॸज़ॱॸॗॖॱॺॸॱ**य़ॕॱ**ॺॱॸॺॗॖॸॱय़**ॸॱॿ॓ॱ**ॸॻॖऀढ़ॕऻॎऻॗॸॎॾ॔ॺॱख़ढ़ॺॱढ़ॸॣॹॱॿॖॸॱ **ढ़**ॖॖॖय़ॱऄॺॺॱॸॣय़ॺॱॾॕॺॱॺॖॖड़ऀॺॱॸय़ॱॸॗॖॱय़ॿॖॖय़ॱढ़ऀॸॱॸय़ॱॸॗॱॱॕॺॺॱय़ॸॱॻॺॗऀॺॱढ़ॱॺॸॺॱॿॖॺॱॱॱ **ॷऀॱ**ॾॕ॔ॺॱॿॺॺॱॖॸ॒ॱॸ॓ढ़ॆॱॴॿॱॺॾॖऺॺॱॺॱॺॾऀॺॱय़ॱॴॿॺॱॺॕऻॎॾऻॕॎॺॱॿऄॿॱय़ॖॱॿॸॱऄॎॗॱॺऻ श्रेट. ई. कुर्य. तूर्। निरूवा र्लय. पट्या श्रेट. ई. कुर्य. तूया द्वी. यट्या क्या ग्री. पर्नःकुःहो। **ᢘ**৶.৪৯৶.৽৴৻ঀৼ৾৾৻ড়৸৻৶য়৶৻৴৸৸৻য়৸৻ঀৣ৾৻৸৸৻য়ঀ৸৻ঀ৾৻য়ড়ৢ৶৻৸৻৸৸৶৻ৠ৾ नर्ष्याः स्वायत्त्रः न्योत्रः चश्चितः वित्रः वित्रः वित्रः स्वायः क्षेत्रः वित्रः वित्र *चि.चक्र्याःचान्त्रःन्चीः* इवायाचययाः उन् वक्र्या विष्ठवः स्वायः निर्वयः स्वायः निर्वयः स्वायः स्वायः स्वायः स्व **ॡ्यात्रेयतान् प्रदेश्केटा** हे केदाया निरानु सकेताया ने रात्रारता कुता ग्री केंद्रा सवता ठन्ःःःः ा पर्डं सः स्वादित्यः द्वेरः पश्चिः वः श्वाः नीः द्वदः सः स्वेतः वः द्वदः सः माववः क्षत्रागुद्रासकेत्राध्यात्रात् गुरार्म। । पर्वेद्यास्वाद्यत्तारे पतिवत्तुः क्षेत्राहे केदार्भावकेतः व.वेर.क्ष्यःश्रम्थःरतप्र.क्ष्यःग्वेषव् स्थयःग्रेरःपव्यरः परःपश्चरःर्। बियानश्चित्रयः ा लब्धः बीः बदर-रबास-जिस् अवतः जलाया निस्ति विष्या चारा स्ति । क्षेत्र स्वास्ति । विष्या स्वास्ति । विष्या स्व पॱकेर्-व-वि-चुर-कुनःग्रे-तेबलाक्षःमःकेर-हे-र्र-चठलःयते कॅलाक्षंर-थःग्र्वाय्वतःयते बळ्चा रू के दे श्रे के तिहे व दे या व व तर इ कर है व पया है में या गर्यया मा लुया गुर पह्नाः हेब् द्वितः व्वट्तः च्वटः क्विनः ग्रीतः शेवतः क्षेव्यतः चेः चः विनाः यहा व्यटः चितः या। द्ने 150.4.3,7.442.42.14.4.244.44.42.42.42.2. गवर् बहुद राधिद दे। चलचलः श्रुटः र्टः ख्टः द्वः वर्ग्रन् याः खेन्या छैः नश्चरः रचः र्टः र्वेट्रयः द ग्रेयः द्वयः व द्वयः । यः छ। ॠ्वायः तत्रः श्वाः यः स्वः द्री । द्यतः व्याः द्राः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्या व्याः व्याः व्यायः व्याः व

नेवेश.त.कै.पत्रथ.नेवर.स्थश.रेपु.कै.पर्यथ.थै.प कैर.क्षा.वा ंबर नेव वय *ञ्च.चे.*ञ्चे.श्व.च.*च.च.च.च.च.च.च.* न्दः महत्र यं राक्ने पाया के र्षेष पुरते सेवार क्वा ने धिन पुरति स्विदः महिताया धरता धरी ह्वा बोबुब्र.पा.र्वेब्रा.पर्व्या.वीर.व्.थु.पच्चर.पा.र्व्या.पर्व्या.पर्व्या.वीर. य ठव विम न जैया है। ब.र्वात.बुट.र्ब.व्हेब.चर.ब.प.र्वेव.चर्षा.वैट.वे.वपा.कुर.लप.चर.पर्रर.चर् च हर हुंबर क्रें च नविद दें। दि ता न्र ये दे थेन हु हुन या थेन यर थेवा या ने पर है ঽয়<u>৾য়৾</u>ঀৢ৶৻ৼ৻৴ৢ৻ঽয়৻ঀৣ৾৽ৠৢঀ৻ঢ়য়ৄ৸৻৸৻য়৻ঢ়য়ৢ৾ৼঀ৻ঢ়৻ঢ়৻ঢ়৻ঢ়৻ঢ়৻য়য়ৣ৽ৠৢ बश्र्यायः क्षरः वः र्टःपद्येटःपाश्चःपञ्चरःपाभवाक्करःपाभेवःपुः गठेवावः शुगःप्यथाः साम्याः साम्याः साम्याः साम्याः साम्याः साम्याः क्रव राष्ट्रे पर दूर प्रताली **|८्म.ज.द्वे**मं.चर्चल.षच्चर.ब.पचल.पद्ग्य.थुं.चर.थ. 4 2× × 1 | न्यः मुदेवः नरः सर्वः श्वनः नष्ट्यः तः स्वः नहिः सत्रः स्वनः तः न्यतः नत्रः ब्रेन्-पार्त्वे-श्रेन्-मु-सॅट्-ब्रे-सॅट्-ब्र्ट्-स्यूट्-ब्रेन्-प्यात्यत् म् |ने-क्षेत्र-च्रेक्यत् व्यवस्य न्देद.री.श्रंबाता.दी.लूट.सूट.श्रेट.तपु.कूट.लूद.ला न्देद.ग्री.वाचर.वी.नू.दूर.कूट.तथ. बरःक्षॅंबःसःन्दःनेतेःदेवःदवःसःन्दःदेवःयवःम्बंतःम्बंतःम्बुबः**वैःधन्ःनः**द्वदःबैदःम्बेदःम्बे ञ्चय छेर धेव या वै'ने'ग्रुब'ग्री'तत्रयातु'भेव'हे'नेयाहित्स्हे हे हेन्यार ग्रेन्र्स् । । पने पान्य सन्य

क्ष्मा पर्यथा नरः युव्यया पश्चेनः पञ्च यात्वा स्थान्त्रः द्वा चीता ह्यारा व ପଷାଞ୍ଚିଦ୍ରା $(\hat{\xi},\hat{\theta})$ यାताचे. थुन्न ହେ ଶ୍ରି. ट्रंब. ଥି. ଅଟଣା ହିଣାଏ. ହିସାଏ ହିପା ଏ ଲି. ଅଟଣା ହିଣା ଅଷ୍ଟ୍ର **क्रम**ाक्षर्। यह रेर क्ष्म प्रवयाप क्ष्म प्रवासक क्ष्म व्यवस्था स्थल क्ष्म परे पर प्र रट.थरथ.मेथ.जरट.लूर.जेट.। शुत्रश्च.द्यं.घत्रथ.करं.ज.चरं.च.लीच.च.रंट.वीच.चर्षत. ख्याचा स्टावी विस्तर्ता प्रवेश सम्बद्धा होता केंद्रा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा स्वतः हो स्वतः ही स्वतः सम्बद्धा अग्पित् अग्पित्राम् भेत्राम् । देवादावेषवा व्यवादित्ता । देवादावेषवा व्यवादिता । देवादावेषवा । देवादावादा । देवादा । देवा ·द्रःक्षुद्रःयः नृतः र्वृत्यः पर्वयः नृतः द्राध्यः द्राध्यः द्राध्यः विष्यः नृतः विष्यः नृतः विषयः विषयः । क्षेट.चम.त.*चेथा*पक्रिस.र्<u>मूय.तय.केट.तर.</u>केष्य.कुट.तर.वे.के| ऱ्रे.गूय.मे.सक्र्या.वेय. ব.পথা तर्न् पासूना पाषट्या पाधिन दुः देट पा अर्देट दा श्रे शस्तु त पा श्रेन पा देन प्या होत. दे.ल८.क्वेथ.तर.क्रैर.तथ.ब४.वेर.तथ.क्रु.वद्य.तु.दूट.४४.क्रैर.व्य.क्रू. اځ: दलाष्ट्रे**तु-दे**तिः सान्दः मृत्रेदान्तुकाष्ट्रितः ने स्वर्तान्तरः मृतः सुदः नः ने सह्या सहितः वया ग्रन्ट केंद्र केंद्र स्वाप तर्मे नया भेरा छ . प्रवाचित भारे हें नया तर्में वा के केंद्र प्रवाध में स्वाध स देन: लुगलः दलः हे **ड**:देन स्वत्यनः देश्वे: हेन्-हें। |देःदल:हेड:देश्यः हुगलः देन:बॅट्:ब्रे:

देशःसुःग्रेग्सुःदेःश्रेःग्रदःनदेःद्दरःदेरःक्षुदःनरःश्रव्दरःदः। ।श्रव्यदः**दशःग्रदःदेदशः** ヺ·**曰·बेर्·धर·बेःग्डर·घ**देःर्रःर्प्रःचन्द्रःनुःनुःग्रेगःधुःहःप्रः ग्रुरःहै। विययः नश्चियः में दी में निर्मा दि में हैं में हैं में हैं में हैं में से स्वयः ह्व स्वयः रूटः। र्टः गृतेव वे ते ते सता रुव तिर्वर पर सुट पा सहट वता हु दिव पर दिव ही। महेंब्रस्य दुवारा बेर्राय दुवारा द्वा केरार्यं न्राविकान्म वे नुरक्त वेवता <u>र्यतः र्टः र्वे म्द्राष्ट्रियः वृत्यः गृत्यत्यः हे सुः गृष्टे गृः सुः गृष्टे यः यः श्रेः गृष्टरः यदेः मूटः मु</u> क्षरःचःषःन्देत्रेः अक्षेरःहेःक्षेःचःत्रतःविषःववःत्रदःषःळन्ःचरःष्वधरकः**र्व**। क्षेट्राह्मे त्याचहेष् व्यात्में नार्क्ष्या नदे हिराद्विरा**नदे क्ष्या नलका** नक्षेर्या स्टाउदे | दे.क्रेर.श्रुष्टा.क्षेत्र.चर्षु.श्रुष्टा.चर्.च्र.च्र.च्र.चे.चेष्ट्य.क्षेत्रयःवर्ट्.क्षे.चेषःव्रुष्ट्यःवर् न्देन् नैया म्द्रम्याया धत्र प्राची प्राची देरा मान्या प्राची विकासी मिन त्यर र्च्च गुर त्रेयत रुद तुर चर रे र्र र्दे ते र्द्द व प्यर वर त र्या ह्यू च पर तुत्र गुर् वयतः ठर् विदेशातः र्मेर् वे द्वा द्वा त्या तेयतः तेयतः उद्यावतः व्यावतः व्यावतः व्यावतः व्यावतः व्यावतः अनतः रटः अवरः विनाः नेः र्वे वयतः ठरः ह्वातः धरः शुः विनाः मेलः वतः श्रुवः नुः नत्यवतः यः…. लटलः मुलः ११ मः गुरु मः तः दुलः धः ने राष्ट्रः धनः देवः देवः तः तेवः व राः तेवः व राः ने व राः ने व राः ने व र বা मुलाह्मचायरावर्द्रायाचञ्चेरार्द्र॥

चयदाकर्, लूर् १ दरामी क्यायाक्षर रि.पश्चितावर्ष । रिटायादी इताश्चितावर्धरा नी अन्या शु न निर्मा भेरा र र्वाय में तार्या वार्या परि देवा महावार में तार मित्र वार महावार वार मित्र वा चश्चरः चरः चेत्र। १रे.ल.स् नं त्यरः श्वयतः **ठवः।वः द्वन**ः लःकन्यतः नेरः।वः द्वनः लः स्टः चरेः ञ्चनलः २लःशुः न् ४८ : चः नम्नान् दलः लेबलः क्रॅबलः यः ब्राचन्नवः वु बलः यः ५८ छैटः हेः..... **ब्रुंगल** देल बेर्- म ल र् बेगल दल बे क्रे नल गटाक्नेप्राचारे द्वाया रेखा ठवा हु क्रियो न हर क्षेत्रया न क्षेत्रया न स्वत् । विहर क्षेत्रया या त सु । विहर क्षेत्रया या त स्वत् । न नदः क्रुंबायः नदः स्ट्रं बोदः न नदः क्रुंबायः मृशुवाः ययः विदः वः वः धेदः य। थुषथा २वे. क्षाया पाकवोया र्द्या पाया व्यापा तपुर होवे. क्षाया व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा रट. हेर. शुत्रथ. १६व. ज.क.बेथ. र्घट. रट. र्घ ज.वेथ. शुत्रथ. श्रुं बय. रा. बेहेथ. विषा: ५८। नुशुर्ताः मः ताताः दर्दरः श्चेः अद्। । दर्दः श्चें अः मदिः में देशः देः श्चेः श्वः मतः म्वः यदः यदः यदः म. च १ वाया वार्क्ष र . च य र . म. च या तप . च म. या तीवा . या र वीवाया हे व . च या तया हे या शु क वाया न्यः न्दः वित्तः वित्यः वर्षायः हे त्येयतः श्रूं ययः यः वश्चितः यतः वृद्। दिः यः त्येयतः श्रूं ययः यः श्रूवः व.रं.च्या वहत्त्वभ्यातायायाः क्षेत्रयामानञ्चताः हे.रं.पार्यवयायाः क्षेत्रयामान्द्रेताः मेल-देश-शुः म्हॅन्-धदश्रक्षम्यः धः के:ह्रदः मेलः शङ्गेंबलः धर्दे। दिः लः क्रॅबलः दलः न्याः लः त्रेयस'क्रुंयतः राः तक्ष्रेयःक्रेः देःताः यःक्रुंयतः यः देःयवतः ग्रहेगः हु-वेःयवुदः यनः पक्षतः द्राः देः। **ऻरे-जःश्लॅंबल-वंजःश्रेबल-ठव्-** चबल-ठर्-जःश्लेबल-श्लॅंबल-च-वर्श्लेब्रा**व्य**| द्वै.चब्रयःकर्.चर्.च.५१५.च.४८.द्वेच.च्र्यःब्र.५१५.चरःब्रह्रट्यःचयःद्वाःव.द्वे .चर.चत्तुर:व्**रायद्र:५**र्द्रच्याःविरायःक्रेणःयःद्रर:चर:चत्तुर:द्यःष्ट्रद्र:पद्रयःयद् न्ता क्षा क्षेत्रा साम्राज्य व्यापा प्रता । यदा वी देशा व या वी विवास क्षेत्र व या विवास व

व तेयता ठव गर त्यव पक्क र पर्या मी गावेव र र अ श्वर पर वे गर सर वेर पर स्था नर त्या वेर 要山公.日ン.日.い.山下.い.女.右下.日ン.当.為出.2.少可公.日父.今公.数出.少知. コン. ロ. cod............... निर्मानिक्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विषयान्य विषया नर्गामील र्वेत कर् छिन् इयल वयल ठर् नलर्। । नर्गा गुर् छिन् ग्रील र्वेत कर् न्भन्रः भेरः न्हुन्याः । गुवः गुरः धवः हवः र् गः र्रः न्र्रेर् धः भवा । द्विन् :ठगः हैः हिर.५र्द्र-क्रमयः श्रेमयः ग्रदः हु। विषः मधिरयः यः न्दः। इतः रेतः होन् ग्रेः हेतः परेः <u>श्रेनकाश्वीत्वर्तिः त्वाः विष्ठेषः घषयाः ठर्नः श्वेरः नृतः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्तः व</u> न्यादी मिं कन्या महिलामा पर्ति मान्या । त्री प्राप्त महिना प्राप्ति मिं बक्दर, मु. चुत्रा वृत्रा क्याया स्ट्रा चीता देशा त्यु पार्टर सदे ही विवयता उर्दर लर्-१८-में इस वःठवः रु:पञ्चितःपःदी स्त्राः रस परः पः तय। इसराः पदेः हराः तेयाः गुः बुर्-पक्षक् हे केर खर्-पदे लं पविव रु वुराय क्षेट हेदे रा प्रक पह प व परे न्न ग हु ... भेषः हैं. लूट्यः थे. केया तराव केरा हा ाट्टे. बया श्रेश्या की. केट्टे व्यया गया च स्रेशा वया हैं ट इ.चर्च्यात्र.विद्रं विश्वामश्चर्यायत्रियायत्रियायायात्रीत्रेयायात्र्यात्राच्यायाया शहर.चषु.क्रर.चू.क्रय.च.क्रय.च.क्रय.च.क्रय.च.क्रय.चक्रय.च्रय.च्रय.च.च्रय.च. क्षेत्रथायते. परं म्हास्यका विष्ठे विरायायेषायाय परं तुयाया विरायायाय विरायायेषायायायायायायायायायायायायायायाया अवूट. पर्य. वैश्वयातप्र. के. त्रुयातम् विशावयात्रेट हेते. या प्रवाधिट म्यापे पाव हेट. हे.क्रव.त्.पर्-धन.प्.श्रे. चर्.नश्रट्यः च.पर्-नवर् चेव.पेव.पे.क्र.चरः ह्रन्यः छ। न्युयायय। सर पर्झेश्रास दी दिन्द पाय मिना सामित स्त्री में स्त्रा स्त्रा मिना स्त्री में स्त्रा स्त्रा स्त्रा स ब्रेन्-पर्यात्र क्रें ना न्द्र भी ना मकुन्यर चुलाहे। विष्रामात्र खुलावद्गीय जिल्ला चार्या च

ॕ॒ॻऺॴढ़ॸॖऺॸॱॴऄॗॴॻॖॱॸॱढ़ऀॱऄऄॎॸॱॴ<u>ॎॺॱऒ॔ॻॴ</u>य़ढ़ॻऻऄढ़ॱॸॖढ़ॸॱॺॱॻॗॸॱय़ऄॎॸॱॸ॓ऻ ष्पुर-१५४ विक्रान्य । इत्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्यान्त्र क्ष्या विक्रान्त्र क्ष्या विक्रान्त्र क्ष य.र्र. अ.श्र्र. च.र्र. अ. वे. चरे. व. क्षुं नवः ने. दे. द्वारवा वार्षर चरः र्गाद्। । धुवारेटा व ·५८४। त्राचा क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्र ॱवयः व्याप्तः यदयः न्नः यद**यः न्नः यदः गृवसः सः नुः नः यः ग्रुः नः प्रदे**। एकः य**वे** रः परः न्यादे। । ·बेबः ग्रुट्यः स्रा |रेः धरः स्रा वाष्ठ्यः धरः वाचरः वाचरः वाचरः वाचरः वाचरः वाचरः वाचरः वाचरः वाचरः *त् शुरु*-चत्रद्र-अवतः भवान्यः दे :क्षेर्र-चवाबवः भः रदः चीः बः चुकः मः भः देवः पः चक्र् दः यः नरंगानर मुन्हे। यर् हे लाव रे विकार दे दे व द्वा परं विकार है। यर हा व्य ब्रःश्चेतःदः <u>द</u>िव:द्व:ध:र्राग्राणी:गृवे:ब्रेन:धेन:र्रे| |द्वेव:द्व:ध:प:व्रे| থ্যপ্রথ.হুই. য়য়য়৽ঽৼ৽য়ৼ৽য়ৠয়য়৽য়৾৾য়ৼৢ৽য়৾ঀ৽য়ৼ৽ড়৽৻ৼ৾ঢ়৻য়৽য়৽য়ৠয়য়৽ড়৽ৠৢ৾৽য়ৢৼ৽ঢ়ৼ৽ৼ৾৽**ঢ়৾**৽৽ न्यायते न्या स्रेराय क्षेत्रायरा चुरहे। बतु वातु वा क्याया नवाया चारते वा यवाया या न्याया वा *ॱॹॱ*ॿॸॖॱढ़ऻॺॕॸॱॻॱॾॕॺॱॺॱऄॸॖॱय़ॱढ़ॹढ़ॎॸॣऀॹॱॸॸॣॺॱॺॏॱॺॱॻॹ॒ॸॱख़ॹढ़ॸॣॹॱय़ॱऄॗॸॖॱऄॗॸॖॱय़ॱ थेदःश्लयः तुः त्यदः द नृदः विनः परायाः व्या । दिः स्वरः देशः यः ग्रुयः परिः तुः गर्दे दः पः श्र अरा रुर् यस्य मञ्जू मत् । यदः मरे : वयस रुर् मञ्जू मत् । किर्म परः मु के स्री र यदः महार में ने नियानद्यानदे निया शुः शुः ते राज्ञे ना स्टि ना विया निरि बर्षानु:धुद:देर:घॅत्र:पञ्चरः। श्रूर-ब्र.पर्श्वरीयःयः नेलर्या बु'र्बे'गङ्गवा ब्रुबार्गियानश्रुरी श्च. बद्द. च. प्रब. तथा ब्रेक ग्रीक विषय श्व. द्व बका ग्रीक क्री. द या अदः स्वत्रास्य स्वत्रा ने प्यम् न ग्रेशः श्रेयः ग्रे पुराशु पञ्चर प हुमः प्रमाय प्रवे पुराशु में यः धरः गर्यस्य <u> ५८. स्टल. नपु. थे. थे. थे. ५८. मुळ. श्री ५. श्री ५. श्री ५. श्री ५. श्री ५. १. १. १. १. १. १. १. १. १. १. १.</u> दयात्रवाद्वीतः स्वाद्वा सुः त्वाद्वाः स्वाद्वाः स्वाद्वाः स्वाद्वाः स्वाद्वाः स्वाद्वाः स्वाद्वाः स्वाद्वाः स् त्राद्वाः स्वाद्वाः स्वादः स्व

बर्दे र-**द**-र-र-षेत्र-केत-क्र-र-द्वत्त-क्षर-ग्रीत्त-प्रद-प्रद-प्रद-श्वत्र-श्वत् मर्बेर्-धः *८८.५ैच.* पर्नतः युप. तर. दुर. तप्.क्ष्य. क्षय.च.क्र.च.क्र.च.क्र.च.घ.घ.घ.घ *1दे* क्षर पर्झेयल'मल'र्रे द:र्द्र, सदे स्थः क्षेत्र, क्षेत्र, संक्षेत्र, संक्षेत्र, संक्षेत्र, संक्षेत्र, सदे बह्दरम्भेषा मृत्वतायदर्भरम्भेषायरः चुषायादे स्ट्राङ्गेषा दे व्यवस्य सम्बद्धाया बर नेवायर चुवाय क्रिया देःवायहत पनेवाय इ पते क्रिक्नेवाय द प्राक्तिवा मुद्रा स्वाता ग्रीट वर देःतःबः १८·त<u>रः नदेः भ</u>्रेतःनदेः क्वेत्रं व श्वेदः तेवतः ठदः রুকা.ল∡.রিথ.জ.ৠুঝা वयय.वर.प.वर.पेय.त.र्व.रे.च धर.प.रुव.वीय.वी.ह.कर.च धर.प.चश्चवाश्चा ।ट्रेव. तुःन्≅ःतःवङ्ग्रंबःयःदी देःदुरःश्चेःभैःभैःदध्यःययःस्यःश्वाःयःदवःवःवाक्वायःयःन्द् बाद्वेब.क्ब.क्षेत्राचर्चलालेटाक्षुपलाबेद्रास्त्रेच्स्वलाक्षेत्रास्त्रेपासेद्रानु नः तथः है वर है । वर् ने तथा विष्कुर न बेर् ने भूय.ब.पाड़ीट्य.स.पथी पर्यर नवु में अद्भुर विरंश शिक्ट्र शुराया विरंशी वर हिर में वर हिर में हिर हिर निवे] क्रु.भै.पञ्च.तथ.इ.ब.मेथ.त.र्-च्र-वया । मय.हे.चड्र-वराचर.हेर्-वर्रे-प्यतः 51 দ্রিঅ:ইম:এন্। |डेल.स्| |रेल.व.रे.के.वंत.रेव.क्व.प्र्र.म.वे.ब.रम्य. लपट.बु.दुर्गाय.ब.चट्ना.मु.क्ष्य.र्ट.म्.ज.ष.बविष.क्षेत्र.दे.चथव्यय.वय.ट्वेय.लब.पश्लेर..... मवे विरामविराक्षे रे केरायका क्षेत्राय महत्त्र महत्य महि व्यापका धे.ष्.वेशवातपु.सेववातुवाववावातस्विद्याम। ।रायानायरानहेदाव्यवावाहेदारा रे.र्ग.५रेरा भिव.रु.ब.रम्य.भेग.वयर.श्रंट.मर.शु.वेग.श्रं। । बट. बी. व्रिट. व.

इ.स.स्रेपु.कुर्मायः पटट्रं-लाया के.यक्ट, रंट्सु.इ.स्ट.रंट्स् | वि.इंचयः पट्चा की.वि.इ.कुपु.कुर्मायः पट्चा की.वि.इ.कुप्तः पट्या केयाः पट्चा की.वि.इ.कुप्तः पट्या कियाः पट्चा की.वि.इ.कुप्तः पट्या कियाः पट्चा की.वि.इ.कुप्तः पट्चा कियाः पट्चा की.वि.यक्ट्या कियाः पट्चा किया

।श्रे.बट. या दिःद्याः यापताययः ययः द्वः वस्याया विवासा विद्यार्थः वस्यः वस्यः वस्यः इवःयःइत्यःतुःबान्वरायरःश्चिःविदःश्चेनाःसदःयःसदःविदःश्चेदःयःविनाःम्बायःयःरेःरेःवराःःः नर्गातकतः बेटः गणटः वित्रहेगवा शुः उटः चःवः सद्वः धरः धुंगवा ववा त्यां वा गुर्म्,तुःताबीरेक्ष्वातुःतादे। तुःदेःत्वदरःबादेःदिष्वतादादेःवतार्षुतादावीद्वादादातुःतुःता त्ववःचलादेःवलः श्रुवः द्वेता दे.चलेव.र. बर. बैर.चर.श्रेयथ.रव. स्थय. बर. व्रंव. इट्यानपुर्वाचीयाथ्यथास्यारी विषयात्रीयीय्यात्याची विषयात्याप्याप्या . इतः तथः श्री अट्रयः अव् रटः हथः येषयः ग्रेः तथः श्रेषः पटः श्रेषः वयः अवः पटः देणः वयः नमेलाग्रेःषटः तिनि वै से ना अन् डेग रे रे निवेद के ला श्वेन ग्रेल न्हेद नहें साम स्थापित वहेग्रतकत। श्वीरात्ररावाद्राष्ट्राध्यात्राह्यात्राह्यात्राह्यात्राह्यात्राह्यात्राह्यात्राह्यात्राह्यात्राह्या बन्दे । यद् न्तु । यद् । यद् व त्रिंदर.च.प्यतःदेयःचरः गर्देवः चर्देः देवः गर्झः चुः हे। पश्चनः च हुयः ग्रायः व्यवः ग्रीयः श्चि.बोट्टे.श्वंब.र्द्रट्या वितारायायराय्यप्रम्पत्राचारीत्राचार्यस्य विवासार्यः स्टेब्वायकयः वा तर्मा.रट. मेलेब. ६ मे.के.टब. मेली विम्.ट. स्थला है. समा तस्या सहट्या हेर.चहेश.चेश.चेथ.चेचेचे.प.श्लेंचे.चेच्या.चर.धु.ठेचेथ.चेट.लचे.चेच्यूचेट.चे.ड्र.चेच्यूचेट.चे.ट्र.घक्टर... กร. ปลี่ย. ๒๎๗. ปลี่ยง ฐะ. มีย. ๒๖ ร. กย. ๒๖ พ. ยป. กษ. ๛ี่มาลี่ ร. นี้. นี้ ย. กู ป. ภูมา กู ป. มี चेष्ठेय.त.मू.ट्र.पश्चेर.त.र्ट्य.ज.चेश्वय.जया विषय.त.पश्चेष्य.त.ज.वेषय.तप्ट. न्येग्रायावी परे.प.र्राथे.वेष.पदार्थेयायाच्याच्याची ।इयापादीपरे.प.र्राय्य ชิ·ม·ʒ८·ৡม·ध·२८·वरे·व·२८·ਖ਼२·धर·धर-धुर-४ग्ःৡয়·ध·२८·वरे-व-२८·स२·धर-धर-

निम् । क्षेत्रान्त् । विम् ल्यान्त्रित्रेरार्टात्र्यान्यान्यत् ने नामनानिनार्ग्रीन्या मदे बिर न्या दा व्यक्षर मा इस सर र्यया सेर है है राया क्रिया सक्ष्य पर रे श्रेतः च्याः सक्कर् स्वता । विषयः सद्धः स्वयः श्रेः ग्रेट्यः द्वः स्वरः । विषयः दूर्यः स्वरः । विषयः दूर्यः स् भेदः हुः कुः केः नषः सुषः स्वनः सुषः पदेः वेदः यः दुषः हुषः हुषः कुषः नः सः चेदः यः यहः नः वहि व बया क्रया के नमः मेश्वरयान नरा। तहबार सामा में बिराम में प्या मरा प्राप्त में .सक्षथयः च. थट्यः भेयः ट्वटः क्षित्रं कुषं . तूषुः भीयः तूषुः पहुत्रं तृहेषः मीः विश्वयः क्षेटः मीयः चम्रोदः . मालेयान्नानान्त्रेत्रान्ते द्वारात्वे वामायायाल्यायायायान्तराम् देनामलेवान्तराया थु.म्पा.निर्मेश्वयः तपु.तीय. २ था.रे. शुत्रया. २४. सम्बदा. २८. पाने मधातपु. शुन्रया पश्चितः य हाहा. मालयानस्त्रत्वस्य देशासर तु र में देशासद्य दि म्यूवयामा देश है श्रूषा देशान निर्मा र्टा देव.क्ष्येन्यायय ग्रेटा इति.क्षयाय्यायम्प्रीयात्रायाः । विवारे हिल न्या क्षेत्र क मः नदः चर्ने वदः नदः । विमः नदः बळेदः क्रीतः मर्देनः वेदः नदः। । वस्तनः सः वेदः सरः इंब-पर्चन-स्टः। किट्यानदी-पहिनाहेब-श्रु-पश्चरःह। निपाहे ज्ञानराया श्रुरः ग्रदः। विश्वयः क्र्याय्येषः हवः चक्कदः तक्ष्यः म् । विश्वः गश्चरः यः है। चिश्वयः सः स्परः वः क्षे. य. वे व्ययः वे दः दः चे यः व दः नः दः। जैयः नयः ग्रदः च दः वे व्ययः च दः क्षे नयः ग्रेयः दनर्-र्म्बन्हे। नञ्जनःन हुन्यामन। न्येर-दर्-र्यामःभन्यत्वेदः नदेः ग्रुयनःमः र्टः ৡ৾৾৻ৼ৾ৼৢ৾য়য়৾৻ঀ৾ৼৢ৾য়৾৻ঀঀ৾ৼয়ঀয়৾৻ঀঽ৾৾ৼয়য়য়৸য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৼঢ়ৼৣয়য়৻ঀয়য়য়ঢ়ঢ়য়য়য় ळेना. हु. पर पर हें व व व से झे अप पर ने खुर कर की | किन दे हैं। ने वेर दे द र द अप दे र सके व म्राण्याची क्रिंटा गश्चिम तहेना हेन तहिना हेन गश्चिम तही । एन स्टा स्ना चर्मा न्वेद्राहेत्रम्न्यस्यार्टा |र्नुयानते दुन्यान्य स्वापह्रम्न [B्रबराय:क्षेत्रायदे:देव:पदी हिना:बर:बह्द:वनेरातावक्षेत्रा श्रुचल:श्रु| กราสารุการิาสุสารุญาณากลัสมากราชิาสู่การุ่าสุสาสสารอง สุสาสสารา ! श्रुवारादे द्धाः दे . हे. केर. श्रुवाया कथ. केब. चर्नाता नया केबा घर्नाता. নৰ্ব-ম্-নশ্ল্মার্মা चतु.क्ष्य.लट.लट.चय्रवय.व.क्षेट.इ.क्षे.च.क्षेत्र। युत्रय.क्ष.या.च म.च रूप.र्ट. च म.च. ब्रेन्-पर्यः नन्-व्यन्-द्रन्-नन्-व्यन्ध्रम् तः स्वतः यदः यदः वतः वर्षः वरः वरः वरः वरः ल्ट्-पानियावयाद्राच्यात्रवयाद्रवास्ययातात्रक्षेतात्राचित्रं विश्वराह्याताताक्षेत्र हेदे-न्द्रेगलायाकी स्नामस्यामहायामहाराष्ट्रियाकराम्यानस्यामहास्यामहाराष्ट्रियाकरा क्यायादी द्वापान्यताने न्वाप्टा ज्ञातादाक्ष्रवायाप्टा ज्ञातात्र ज्ञापान्य ज्ञापान्य ज्ञापान्य विष्णा चरःचुत्रःश्रुवःचत्। ।श्रुवःचदेःम् देवःदी व्यावरःवस्तःचनेतःर्रःदेवतःचरःव र्ट. रे. वय. र् च. प्र. च हूं व. है। वह त. च मेरा. र्ट. तर. र्च. प्र. र्च. प्रतः रोग्रयः हूं यरा धरः तहन्। पति छे। देश ग्रेश धन्य पद्धे तेयता ठत् वयता ठन्। यत्र पद्धे वास्त्र । निः सूर ロシエ·教知如、イエ、自知如、む、イエ、為エ、美、如、例如、與、文母、子、教知、む、子、教知、む、子、教 वै नव न भेव मु के हो। संस्थर या है। चर न्दर या वता है। या न्या है। या न्या है। 리·영국·월도·메도·국·국·육정·디정희정·육·제도·머리도·희·월·디ズ·월도·메 국·국·육정·원국·주월국· नते श्रुट्र न स्टर न स्ट्र न स्ट्र न हें व व्याहे यह तु न हि यह र है यह र है यह र है यह र है का द्या प्राप्त

रदःवी क्षेट्र:रु:रे-र्वा मत्रवयत्वत्वरोत्तर व्युदः वी मत्रवयः या क्षे प्रदे क्युरः य ग्रुरः त्या ·विषयः क्षेटः र्-न्यवयाः पवः क्षेटः हेः क्षेः पदेः श्वरः दश्चरः दश्चरः दश्चरः न्यायः । विष्यः श्वरः रटः क्षेटः राजेयवाः य[ः] क्व-तुः बः खॅदः व् न्वृत् न्तुः दः व्यः क्षेत्रेद्र। |देः न्नाः वैः वळवा यः उवा हे। क्रेट. हेदे. र्वेग्याय. पदे. द्रुग्न. प्रस्थाप ग्रु. ४. पडु. युटा यूरा यूर्याय विषया पाया विषया विषया विषया वि इयलाग्रेलानक्षयायराग्नेद्र। |रे.स्ट.४व.व्याह्रमानव्यताग्रेग्नरेवायरव्याहरूमान ना-दर्भा वाचरा विवादा में विदेश तेवता की देवा वाच्या वाच्या वाच्या विदास्त्र कार्य वाच्या विदास्त्र कार्य वाच्या व क्रेट.र्झ् अ.तथ.र्श्वनाचर्षण.थ्रथथा.तः अट. तरः चेशिट्य.थ्री विदे.च. श्रुटे.तः रेट. र्श्वन चर्मण.चद्र.क्षेप.श्च.क्षवप.लथ.त.वंथ.चथवथ.वं.वेबय.त.र-टंट.श्वेर.र्ड्-लट.भेवं.प्रै.वर.त्.. मुव-द्रद: नर: नववववः व. श्वावः इ.म. तः नह व. तः श्रुः नवः मृत्वयः द गः छ्रः = रः रेशक्ष्यावराग्वराक्षेत्राचन्त्राचन्त्राचन्त्राचन्त्राव्यवरायाञ्चेत्राचन्त्राक्ष्यवराभेवानुस्टर्ना । *ने*ॱਘ८ॱॸ॒रॱ**घ १८ प. ५२ छे ब**ॱछेद छे। यह ब क्षेर् रोग्रया प क्षेर धेद खेबल ५८ केट हे र नर त्र्ना अन्य ता स्वाया मा स्वया ग्री न् स्रे व्यया येवाया मर श्री न व्या श्र.श्र.४.६ मे. तप्र. नेवःरचःग्रेवःर्धरःरुरःचश्चरवः मदेःबवरःश्चेवःयदेःश्चरःयःर्वेवःग्री म्.चय.ज्याया *चर-र्श्वेन्यः* बः क्षेर्-धर-ध्रुरः ह्यंग्यः रेग्यः द्वर्-धरे क्षेरः वः वयः स्वः क्रीयः ग्रुरः परः श्वेः....ः **ब्रेब**्हे। व्रव्यायेव् ग्रीःश्रम्यायविदः रिवरः रेव्हरः मेवाधरः वृद्। दिः तः श्रेरः हेः श्रेवः यमे कर दी क्रिंग रेश रहा में लेखा नहां में के थेर र र यह ता के यह ता मिल कर हैं *त्रेमता*-ठत्-वयता-ठत्-तत्र-पुण-पष्टता-यहता-यहता-वर्ष-द्र-प्र-वर्ष-द्र-प्रतः द्रवः प्रतः क्षेट्र-हेग रर.मी.र.र.मील.पह्ना.स.पर्ना.केर्.कुल.बर्ह्ररल.सर.पह्ना.पर.पशुर.च.रेहे.क्र.रे..... **美山公:台:万夕·日公:勢と:手.男女. 丘女. 釣ヒ. 々東ロ. 釣** बुकारी.करारी.श्रेराधि.क्रकाक्षेत्राता ৡ৾ঀ৾৾৾৽ঢ়৾৾য়৸৽ঢ়ৼ৾৾৽য়ৢৼ৽ঢ়৽ড়৽ৼ৾৽ৡৼ৽৾ৼৼ৾৽ড়য়৽ৡৢ৽ঢ়৽৾ঀ৾৽ড়য়৽ঀ৾৾ঀ৾৽ৡ৾ঢ়৾৽ড়ৼ৾৽ড়ঀ৽ড়য়ড়৽ড়ড়৽ निश्चरतःस्। पर्देशःच्चर्याःचःकदःसःश्चेतःसदःसदःसदःगुदःदेन्।चरःच्यः देवे तझ्य नेन नय। दे हिन है ट हे केव ये में बया मदे हैं नया ग्रेय ये कता रव या तया म इर. चर. र थ. च कथ. वथ. वें: वे. छर. रा. लर. र वा. तर. क्रवाय. रावे. वें र. क्रव. रि. ब्रें वें रावे. रर.. नविष्युः कु: हार कुता कु: तेस्रका न से वा की: र में का धर से हो। लेय श्रव तेवय श्रेन प्रते श्रुर इर.च नेर्र.नवुं हुं हुं छुवा सं ने र्मेयायर मेथिरथः हो पर्या वे विर छेन छैं छेवय. ब्रुकः यदः स्ट्राम् । यदः त्याः व्यक्षः स्ट्राम् विश्वेष्याः विश्वेष्यः विश्वेषः विष्येषः विश्वेषः विष्येषः विष्येषः विष्येषः विष्येषः विष्येषः विष्येषः विष्येषः इंद्र-ब्री जय.र्ट. त्.चष्ट. थुवय.चश्चेर.त.ज.र्ट.केर.चश्चरय.ज व्यक्तं च केय.जय. क्या. च अर.र्ट.श्रॅब.तपु.क्रंच.क्य.क्य.र्टा । विश्व.च हेव.विर.सर.पश्च.च.वी त्रेयतः न्यतः म्या विष्यः मृत्युवा । गुकः तुः ईवः यतः यहतः यः धेव। विषः मृत्यः विषः नथा चेट्य.अर्-वेश्वरामी.सम् इस.नपु.वेट.केंच.श्रमथ.रंतत.जवट.श्रमथ.रं.के.वे.धुवी. श्चे र्वितामाधिक र्वे। । रिताक स्री र्वाची श्चेंगवार्म एसा स्याप रवाद तर शेर्म माराकेशक रुषः वयवाकर् ग्री द्वार् वर्षा कुषा विवासरा छ। देवे द्वार् मा मेकार्मे मा वर्षे विष् क्षेत्रारी. पथाभारा पश्चित. त. द्वा. त. क्ष्या. क्ष्य. क्ष्य. प्रतिता. वेया था. व्या. त्या. वितास क्षेत्रा पर्य बर्ब.तपु.र.मेज.च क्षंतर वेथ.हे। वैर.क्व.मी.यश्व.चर्षात्री महितारी

यर्र्-पावित्रः द्वार्याया विनायः केव यदीः नवर् वेतः यतायः प्रह्मतः व वर् नर् कीः नवतः कुल खुल न्याय क्या ग्रील पञ्चल स**्यान्य स्याप्त स्याप्त स्या** श्री स्वर्ध स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त 图:考七:彰日 ୕ୣ୶**ଊୣ୕ୢୣଌ୕୷**୵୷୶ୡ୵ୄୄୣ୵୕୶୕୶୶୰୷ଵୄୄ୵ୣ୶୕ୣ୶୷୰୶୷୶ୖ୶୵୳୕ଽୡ୶୶ୄୖୢଌ୶ୄୡୢ୕ୢୢ୕ୡ୶୕୳ୡୖ୕ चतःश्रदःवतरःव्यवःवतःवतःव्यवेषःतःचत्राचत्रुरःद्वेषःर्वेषःर्वेषःवेषःचेरःवःधेवःर्वे। श्चीर बंदर प्रचेर प्रकृतिये श्चेर प्रवास श्चेषा ग्रह्म विषय केवा प्रकेष प्रवेश प्रवेश । *ऀ*बेट-बेब-क्रेंब-ल-क्रॅब-स-क्र्-ब-क्र्-ब्र-क्र्य-ल-लेबल-पश्चेट-स-द-क्र्य-स-क्र-ब्र-व्य-द-वयान्नरास्त्रवानुः रोवयाः श्रुरायदरा व्यन्तरा वितान् श्रुरायहणाः स्वारा न्दा रोवयाः खग्राह्म व्यवानुतानर ग्रीट्राया स्थाप्ता विष् विष् विष् विष् विष् न्यतरः र्ह्यन्तः र्ह्वान्यरः द्वेनाः श्रुरः र्वेनाः श्रुरः हो यतः प्रवाधिकारः राहरः यतः यानाः न्त्र्वः सः न्दः श्रुव्यः व श्र्याः श्रुद्रः व श्रुद्रः व श्रुवः च श्रुवः च श्रुवः व श्रुद्रः व श्रुद्रः व श्रु ादेशःबःलश्चःचर्त्र्द्रायःश्रह्मःयःवेदःग्चेःह्रंग्**रायःश्चरःयःवराहेःग्च**शःखःवर्त्त्रः श्चेरःयद्। न्बॅल'स'ल'श्रेद्रान्द्रस'त्वेग्' श्रूर'भर'। दे'न्र'तर्'पर' चर'छर'क्रुव'ग्रे'लेबल'ग्रुर'लेबल' सर पश्चरता वता कॅटा वता कॅटा दु १६ दाल वता पर र र र देवा वता पर व कॅटा देवी तारा था केटा था र्चयायदाक्षेत्र्द्राद्रा विदेशके मुलाचागुक् ग्रीन्यान्य न्वा स्वा साम्या प्रा हेक यतेॱबदः८न्।नीःपष्ट्रदःपठ्रतःदतातेवतातेवतःपश्चेतःपत्रेतःन्तेतःन्ति।तात्रेतःपत्रायःपः <u>ૡૻ</u>੶ਫ਼ੑੑਸ਼ਗ਼੶ਗ਼ৢੑਗ਼੶**२**੶ॸੑ*ଵ*ੵଵୄਗ਼੶ਸ਼ਗ਼੶ਜ਼ੑਖ਼ੑੑ੶ਲ਼ੑੑੑੑੑੑੑਜ਼੶ਜ਼ਖ਼ੑੑੑਲ਼ੑ੶ਜ਼੶ਖ਼ੑੑੑਜ਼੶ਜ਼ਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑਸ਼ੑੑੑਜ਼ कुःखःवर्षाःवाञ्चनःकेरःधेर्ःतुःदॅरःवदेःवेषवःठदःदर्नःर्षाःवर्रःक्षरःवरेःवतः वॅरवःयः <u>र्दः स्वाप्तस्याग्रीयायद्वराद्वा यदी र्वाप्ते स्वरापदे पार्दः स्वापस्याययः </u> য়৴৾ঢ়৴ঀৢ৾৽য়ৢয়৽ৼৣ৽য়য়ড়৽ঀৼ৽ৼ৾৽ৼৄড়৾৻ড়৽ঢ়৾ঽ৽ঢ়ৢঢ়ৼ৽ঢ়ৢ৴৽ঢ়৻৸৽য়৽ড়৽ড়৽ড়য়৽ঢ়ৢড়৽ঢ়ৢঢ়ৼ৽৽৽ য় **૱.** . 그년 |*५६*:५व:५व:५वं:५दे:अ़पक:हु:धर:कुर:बर:हुर:कॅर:गुर:५६२: रोबता ठव त्यान न न नितायव न ने श्विता में श्विता परि न त्या साम निताय स्वापित है व स्वापित स्वापित स्वापित स्व ड्ययापार्टाक्रेटाहेपक्रेरार्वेयापरानहतापते क्रिरारी देर्ग्या हुना क्रिराह्या स्व: र्र. पश्चरण व. स्वायः क्रे. पः ध्वरः हो इंसः रेसः परः पः वाया 多ち、そうらうかいた。 वहेंदःशःवर्गाःग्रटःउटःश्चेंद्रःलयःवयवःठदःरुवरःउटःश्चेःरुवःवयवःठदःरुःवेयवःठदः चयय.कर.ज.च ब्रुबासर वि.की बुयानाश्चरयाया हैराहे देश्यस्य माउसहे र्याया]ब्रॅन:र्घव:क्रेव:र्घ:उड्ड:र्म्,श्रय:ग्रदः! থ্যপ্রথ.মু. नेट.बु.ह्रच.ब्र.ब्रह्म.थ.व्या व्रिव.ब्रट्य.वि.चय.चर्च्चव.चर्च्चय.च |₹'ब्रेब. र्ह्याय्याची प्राची विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया **ا**ۿٰٰα٠₹٠ विव.पे.कि.चपु:धेच.२५ इंट.च्.कुचे.चू.के.चे.खेच.ज.चे.२.वि.के.चेपु.च्याया च.इ.इ.द्या..... 월_교성. 다성. 역는 노. 및 노. 출. 명. 원. 십. 다. 영소 वृष्ट्या तपुः स्वित्ययः स्वाः स्वाः स्वाः पश्चरायते. श्वरा श्वराया व्यवस्था विष्या होता हो ता स्वाया परि स्वराप्त विष्या परि स्वराप्त विष्या पर्याया परि स्वराप्त विष्या पर्याया परि स्वराप्त विष्या पर्याया परि स्वराप्त विष्या पर्याया परि स्वराप्त विष्या परि स्वराप्त विषय स्वरापत स्वराप्त विषय स्वराप्त विषय स्वरापत स बैट.५४.१४.१८.१८.४<mark>.५४.४.४५.४५४.१</mark>४.५४.वे.५४.५५५५५५५५

चक्रेट्राच्या मुद्रका क्ष्री व्यक्ष्य च्या क्ष्रका क्ष्रा मुद्रका क्ष्रका च्या क्ष्रका क्ष्रका क्ष्रका क्ष्रका च्या क्ष्रका च्या क्ष्रका क्ष्रका च्या क्ष्रका क्ष्

न्श्रियापाञ्चरतापरित्यतातातीयकापञ्चेत्रापाद्वी श्रितायक्ष्यत्त्रिता ैं इर इरल पते अर्दन हॅ गल कुन कु लार देव पति व भेवाया न् के पर दे स्ट यं पत्र न् नवः अर्देवः हेवः खुः बद्यादवा व र्षु दः बहु वा ववा वर्षे वरः बहु दः दर् व व व व . चे.च त. ह. के.र. चे थ.त. केर । । ई.त हे ब.च तथ. तथ. तर्दे. व के ब.चे । चे.च व. दुव. तहे व मुबासर.दी |बेलाश्चर-तहनानेदेलाशुरनश्चरात्व | निर्ने-व्यक्टे सहिदायायरातुः द्वरा .लट. युत्रथ. २४. मु. रूप. रूप. भी था.थी. श्रीय. १ मी श्रीय प्रतास के था.थी. ५ मी या प्रतास के था.थी. ५ मी या पर ৳৴ৣয়য়৻ঀৣয়য়৻ড়ৢ৾ঀ৸৸ড়য়ঀয়৻৸ঢ়ৢয়ৢ৾ৼ৸৻৸য়ৢঢ়৻য়ৼ৻ঽৼয়ৢয়ঢ়৻য়ৼ৻ঽৼ৻ৼ৻য়ৢ৾ৼ रु.र्थयायामान्त्रतान्त्रेरीरारु द्वार्याये त्रेयायाम् द्वाराम् स्वाराम् न्द्रन्। पदै रोबतरतुः नेतरपर इ.हे। ह्वं**ब रे**बर् स्टर् पं यत्। नेत्वर व्रॅं पः बहदर द्नायः श्रवायःस्र |न८:५व:कर:र्थःप:पञ्चर:ष्ट्रेः**ह**न्यः स्वयःदःख्नयःप:रे-दे-विगयः पदेः -প্রথপ:শ্রা *े |बेषः ग्रुप्तः पतेः धुरः र्रा | ५६*:०:० क्वय्य्यक्वरः नुः श्वरः ७८:वः श्वयः ₹| |

में के था ना के प्रामित के प्रामि नदेः धवः धवः नदः वः नहेवः पदेः केवः नधेगवः नववः नः हः व्यनः यह गः यव। ग्राः वेगः चर्नार्रः न्वत्रः द्वाराष्ट्रियः विश्वरः तुः मञ्जूनः धरः द्विरः चेत्रा । चर्नार्रः न्वत्रः री.पड्.वे.च। विशयातप्रतियासाद्येरात्रावी विकासा पहेंचाहें वापरे पाहे. क्षेत्रपा |ते<u>.श</u>व.नवव.नरे.५५ूर.लय.व्हरा |५६= क्रेक्न सूनानहत्वहे.क्षेत्रपा । रे'गुव'नर्ग'नरे'वर्रेर'प्य हुर्'। | बर'र्रु'न नर्'हरे = व्याय परे। विकास स्टर्मी र्ने न चे र र र । । विष्या मालका के र्ने वा सहरामा । प्राप्त के कि कि र स्वर हिला । नर्ना मर्ने नवित ग्री स्वा नहार र्ना वित्र र्ना मही वित्र मुन्ते नि नु.श.पण्चन.इरः। विद्रिर.च.व.लर.चर्ने.च.श्रेन्। व्रिक्रम्स्युर्ययः धःदेन। चेड्रेय.तर.पह्र्य.त.भेर.त.भीय.मुं.भू.र्टा चेल्य.चंड्रयःच्य.पह्र्य.त.स्य.शिया.स्वेय. पान्यलाकर् भी मन्त्र मन्त्र व्यास्त्र प्रत्य व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास् तर. थेथ.स.च्री र्जर. ४८. मु.र्च. नुर. त.शर. व्यत्र द्वार द्वार होता विष. नर वियावयावर न वारी वारी निया माने के माने माने माने माने हिया ही माने माने हिया ही ड्रेन् पर्यात्र मन्त्र मालेव पत्रेव न्या मन्य स्थापन्य मान्य स्थापन्य मिन्य स्थापन मिन्य स्थापन स्थापन ने.केन.जवा न्याय.प्य.क्रेन.क्र्या.क्रे.के। निर्ने.केच्च्च्य्यय.तप्र.वर्ष.लय.वी ि न्त्रने केत्र व्यापाय । विकित् केत्र व्याप्त व्यापत व्य मर्गामी.स्यादी.मवन.र्गा.हा मिवनामार्ने.केरार्मता च्यारी विकासी मिला हे.चेबच कु.खय.पर्च.चे.खय.श्रय.श्रय.दे.ज.रट.चे.इं=डं=इंड्-इंर-पश्चेट.दे.थ्य. बा अयापट्रान्तायात्रात्राचात्रात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या माधिव थर हेव में अया परे रिमर में यार रातहेव पा हु न हन । मव्य ख्यायतर रूर

मी.पद्येष.मञ्जानस्त्रेष.तस्त्रेष.म्.म्बाया.तस्त्रेष्ठेष.चे.के.के. दे.चब.हे.क्षेत्र न्वर न्ना मे । ष्टु न त्वा में भी निया में भी निया मा । ष्ट्रिन की नाम निया में भी निया मे चलेवःमलवः यः म्यायाः यः ग्रीया विषार्था दिःसराधवाधवादरानेषाद्येगया लगलायर पराञ्चल वित्रहेर विवास वितर् दे क्षेत्र माना स्वास के स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स नक्किन्द्रकार्यर यद्ग्यास्य विद्यानिक्ष्य विद्यानिक्ष्य विद्या विद्यानिक्ष्य विद्यानिक्ष्य विद्यानिक्ष्य विद्यानिक्षय य र मा मालक प्राहे ले अप्यार्ट य र मा मालक र तु 'चु 'लैट' मालक प्राहा चु। च दे न बद तार में अया र र र र दे दे के बा ता संबंध र ता तार दे दे अया पर में अंदर र र के दे ही। न्वतः तः नरः क्षेत्रः म्रेशः वर्षः वर्षः वर्षः वरः तरः तः नव्वतः द्वरः ध्वरः ध्वरः वरः वर्षः क्षेत्रः वरः वर्षः । देते श्चित्रः व द्वाः वी : वदे : वः द्रः व व्वतः वी : श्ववः वश्वः वसः वश्वः वदः वदः वश्वः वदः न्वन न्डेयातह्रयाल्य म्वान्त्राच्याम्य व्यान्वन न्त्री स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य नगाना नता ने तियाना या केता केरा छेरा या है। यह राजा रहा मी न ने मा या की ख़ा नरा नावना े शुर्च न प्रस्था प्रस्था प्रस्था प्रस्था प्रस्था । क्षे दे क्षेत्र प्रस्था प्रस्था विश्व के प्रस्था के प्रस्था न्दः गलकः ग्रीः नरे स्या मा हे का पर्णा स्टा गलकः गड़िया स्थारे रोतः स्राप्ता स्या रेता रा वठन्वता शुवाधना वहें वा केटा। ने विताने ता वहें वा परी मने सुवा ता तर विताने लवः परः पश्चिमः पत्र अः मलायः मरः मुद्रा । १८६ दी नाववः मुः धवः पत्रः श्रु अः वर्षः पायः नरः त्र्राचकारेते मुद्रेदायं राष्ट्रीय र्मा प्राम्य मृद्रा मृद्रा मुद्रा मुद्रा क्षेत्र मुद्रा क्षेत्र स्वर्ष का लव द्वाक्षावराय मामदर म्वा में के के लिक में के लिक में के के निर्मा में में हैं हैं। निर्दे धेराने सारी हैं रीप विवास । [२३२.व.स.री.पायरी रूप वया पारी हैं हैं हैं प्याप परीया <u>इं.भ्र</u>े.७। **ष.**६्ब.७७५५, ब्रु.२५, इं.४५, व्रु.७०, व्रु.७०००। **৸৴৶৻৶ঀঀ৻য়৾ঀয়৻ঀ৴৸য়য়৻য়য়৻৸য়**৾৾৸৸য়য়৻য়য়য়৻য়ৢ৻৸ড়য়৻৸ৼ৻৴য়ৢৼ৾৻ **२**२ग'र्८'ग्वर'वेर'ङ्गाय'हे। ।ष'र्र्य'ह्र'र्य'हे'वविद'वहुद्। मैकास रियाबेदा । मदासाहेकादा हैं रियाद शुरा । पर्मा हैरारदा मैका वा गुनादा । नंद.प.क्रूंथ.हे.नवद.र्थ.पश्चर। बियानक्र्यायायाक्र्यावयानवनानाद्याध्या मु. इ. इथ. ग्रीय. त. अर्थ. प्राप्ता । लट. में ब्यू. ग्री. क्या ग्रीय. पर्मा त्या थे न्द्र-पर्या ने रोता नदी न्द्र द्वा द्वा वी वित्त न्द्र हैं है वा नदी ने न्द्र न न्द्र न द्वा नि मते. छे. श्रु ना महता पर में नाया दया नालें दा पते छे. दें रा नाय ना मारे नारा नारा नारा नारा नारा नारा है। चतुःश्रमान्यस्यामुत्राम्ब्रायायाक्षेत्रायाक्षेत्रम् । दिःचलेवानुनायदे स्वा चर्चता.लट.जन्.नथ.धु.अज.चर.प श्रीर.धे.नेबंब.लुब.नु. हुर.स् । बिय.नेशिट्य.स्। । म्बे. नेब्बे. रेट. भ्रे. प्रक्रं ही. बक्क ब. प. द्वा. ध्वे. मुं ही. ब. मृः हेट. ट्वा. मृः ट्वे. ペ주도·필국·폭| |नायाः हे : नवः नाव्यः क्याः पार्वनः ध्वेषः ध्वेषः त्यः मारः त्यमः स्वायः यः मार्डनः ध्वेषः चयः रटः नविवः नेवेयः रटः श्रेयः द्वा व्यः रटः स्वायः चः देः श्रेरः द्वनः यटः चः रटः न्वतः ग्रीः चर्नाः ग्रुरः स्वायः श्रुवः देः तः वह्नाः नृत्वतः वतः चर्नाः नृतः न्ववदः क्षेतः वतः ववनः यःद्रथःश्रुवःतप्तः स्टःम्, ह्रःह्यः श्रुवःयः श्रुदः ह्र्यः । द्रवः श्रुटः ह्यं मः श्रुदः यः व्याम् द्रयः महितः तह्रवे.म्बाया.तपु.रंगर.म्बाय.रंट.मु.द्रेया.पर्मेपाचिट.च.पा.श्च.पञ्चरं ता. त्रेयः वेषयः वेषयः विष्यः विष्यः विष मतर मठेल तहेव में सहार रेते हुन नहार स्वायतर है। वर्ष नहार महिला सह

र्वरःबीयः ररः बोठेयः धरः वज्ञरः वः दियः विषयः वः विषयः व र्राम्बद्धारी द्वापर पर अगुर्वा अगुराय द्वारा अग्र मान्य म्याप्य विषा मेता रर-द्व-ग्री-नवबार-दे-नवबाय-भ्रवादवाववाद-क्रव-भ्रव-म् **बद र**' पर' গ্ৰু**र**। चरः*षद्यःकुयःवयःरदः* गृष्वःभुःर्दे**वःवययःठर्**ःसुवःशुयःळग्यःचरःद्यशुरःचःगर्देवःश्चेः **च.च.พ.ट्रे**.केर.ब.चेथ.नथ.रगाद.ज.ट्रंब.ब्रेट.नथ.थेथ.प्य.या 17.वै.रे.क्षेत्र.नेवा ॱधरॱ*चुर्यात्यः*न्ग्रदि'स्रक्रॅम्'न*र्म्*'ग्ठेराधर'दहेंद्र'ध'दर्रे'त्र्द्र'ध'र्र्र'मेर्यानदेवरान्छेद'''' *बराप्तन्-पः*त्-अराअःक्रेरायःशेक्षेःपःन्नःक्रेरायःक्रुदःपद्वनःनुःशेःग्वगिःमाक्षेयःपदेः…ः देवायानहृदायमः इवाववादानुः अमार में नायमः हेन्याहे। हुन्यहना यदा वदी **ऀधेल'मजुःस्रन'स्यल'रुद्र'तु। ।**दविंद'नद'म्दन्**न'ल'न्दिं**द्र'स'नुत्र। ।धेद्र'हुँद्र'ददः चैया । ब्रिट.ग्रेथ.द्रेब.चर्र्यप्तपत्र्वेब.चर्रीचया । ब्रेथ.ट्रा ब्रज.प्रे.ब्रिट.ग्रेथ.र्ज. 24.21 न्दराञ्चनरायः तर्रात् द्वरात श्रुराक्षेत्र । विराष्ट्र । दिः क्षरार्यः नी। विष्ये । विष्या नहिंदानिक मुंदानिक निकार मार्थिक निकार मार्थिक निकार में स्वाप्त में स्वापत में स्वाप्त में स्वाप्त में स्वाप्त में स्वापत में स्वापत में नरः श्रीयः सः श्रीः द्रवायः सयः प्रयायः यः र्यायः सः देः द्रवाः यः रदः वीः द्रवः दुः द्रवेषायः सदेः श्लीं प्रव यर चु है। यर्न दे नवद कु र्यर कुर देवा | धर हिर रेव यर नेव कुव ला बेसल ठ्वा गुवार् वाया महिन्या परा । रावे वितायिक निवाय विवाय । माववार्यर

भ्रमा । दे.प्रायमा । प्रतः स्वायमा । विवाय। । विवाय। । विवाय। । विवाय। । विवाय। । विवाय।

ॶॹॱ॔ॴॕॹऻॹॱय़ॱॴॿऻढ़ॱॸॕढ़ॱॸॖॱॸॿऀॿऻॹॱय़ॱऄ॔**ॸॱॸ॓ॱॸढ़ॱॿऻॱॸॕढ़ॱॴ**ॸॣॿऀॿॹॱय़ढ़ॿॱॱ ॶॖॺॱ८ॻॱॸॣॸॱऄॗॺॱॻॿॺॱॺॱॻॺॕॸॣॱधढ़ऀॱक़ॗॆढ़ॱऄॗॸॣॱॺॸॱॾॣॸॱढ़ॱढ़ॸॣॺॱॾॣॸॱॴॸॱॺॿढ़**ॱ**ॱ बेर्ॱपवैःग्**र्इर्'यःलःड्वर**। **रःरुरःणरःषदःयःक्षरःग्र्ड्यःयःलः**व्वर्णःद्वयःदेवैःर्वरःरुः र्यम् व श्वर्या प्रम्य भिव कु की पञ्च र भा क्षेत्र में क्षेत्र व व व प्रम्य प्रम्य कि कि र की वार्ष में स्र नराम्बन्यति । इत्याची र्या ने नव्य व्याप्ति । द्या सहराष्ट्र र न्या र त्या । हिर्-गु-देन्यायायागुव-न्यवयान। १८.५८.पर्नायायर-नी-र्वा । व्यर् क्षेत्राय्ययायः रे.र्र्रः लेग । पर्गामेया गल्दा याष्ट्रिं राप उर्राणीय। अष्ट्रा राज्या राज्या विवास विवास मल. हे. चमा. बर. बैर. बय. ब्रिटी विषय ४० वर्ष स्वयाता स. ब्रेव. वर्ष विर्. ग्रीया दिन् ग्रीया वि |किंक चुवःचलः खुवः २८: धुव । ५:वै:विवः इवलः 5वः चलः है। विंदः ग्रेलः २८: १वः लेवलः य मह्मा । बेश सा नि नविष्-तावष्-तावष्याम् क्रियास्य तिहेष्य माने स्व व्यव स्वर स्वर นพลพ.นพ.ชะ.นฐ.นพ.กษัฐานพพ.นษัฐานพพ.นะ.นฐะ.นน.พัฒ.พ.พ.พ.พ. न्वतः तासरमा सान्दा सुना सान्दा णेन्-नु-दॅर-च-के-क्रेवे-क्रॅ-वय-स्र-रर-याम्केयाधर-वर्धेव-ध-वविव-म्वव-याम्केयाधर-वह्रव पत्र म्ला प्रमुत्र पर च हो। गलव स्थल पत्र मानविष गन्त । विष्य स्था दि ढ़ॖॸॱऄ॓ॺ**ॴॱठ**वॱॻऄॴपॸॱढ़ॎऺॕॿॱय़ॱऄॗॖॱॻऄॱॼॗॸॱॿऀॱॸॆॣऄॱॸॖऀॿॱॸॖॿॱॻढ़ॺॱॸॆॣॴॸॾॱ तर्गियायर अवेट मार्गियाया रे. धट या चेता शुर के मारा व्यवस्था के वा वा स्व ब्रि. च चर.च.प चुर. चर. अंद्रर.च. ब्रेर. य. म ने व्या. या मंडे या च्या या तर देवा पा ही । च हरा

बद्यत्रः सुन्। नी प्रदे त्येन्या स्थयः ठर् त्यु**नः पः तः देयः** पः क्रेर् क् न्वेयः परः दहेवः पः क्रेः नयार्-र्वा नयवासर मुक्ते ह्यूर्पह्रवालया वेबवारव स्ववार्ट हुवा यया । यर्थः मुर्यः स्वानः तर्रानः या । मुलालः गुराने दे निवेदः । । वेववारुदः यः शेदः |बेबार्स| |ने:बद:बेबबारुद:बु:र्स्चानरुद:द:दद:दर्श:ब्हुव:र्:दद्विद: **कैरा। शॅ्र्णान्**कॅर्न्याव्यराचराचुया**दायरे**'य**र्ज्ञान्दारे**राधदाळे'रेरायान्दा। देखावा ৾৾**ঌ**ঀ৾৾৽ঀ৾৾৾৴য়ৢঢ়৾৾৽৽ঢ়৾৾ঢ়৾ড়ঢ়য়৾য়ৢ৾৾ঢ়৽ড়ঢ়ড়৾ঢ়ড়ঢ়৽ঢ়য়ৣ৾ঢ়৽ঢ়৽ঢ়ড়য়ড়৽ঢ়৽ঢ়ঢ়য়ৢঢ়৽৾ৼৄ৽ न क्षेत्रकायाक्षका ग्रुटार दाव में 'न्टान ने 'वर्षेत्र' विदाय क्षेत्रका क्षेत्रका विदाय क्षेत्रका विदाय क्षेत्र **८ मा.भार् क्षेण्या द्राया रोधया मञ्जीरामार्टा रे प्राया में रे दार् श्रीरामा इस्या श्रीया प्राया या या या या** मुत्रा गुर्रा दे त्यार मा त्या देरा विषय ठवा या पहे वा वता होवा या संमान स्वाता सुन्ता हा ह्याता तर. धुलथ. रुषे. लची. पर. वी. पष. कुर्याय. थी. प रुर्ट. ता. तथ. वी थीरथ. ता. क्षेर. पथ था. तर. वि स् इर.क्र्च त्रेंशल त्रोल तल गुरा दिन हे द न दे त्रॉ र द त्रॉ थे। दि र र र र र ५५५.५५०.५.५। । श्रेम्बर्याच्यात्रास्त्राचार्यः । । व्यक्तात्रास्त्राचार्यः । व्यक्तात्रास्त्राचारः । व्यक्तात्राचारः । व्य त्युरा । तेयतारुव पहेव वतातरता मुता ही । मि.तबरा मु तेर हेरा त युरावा । %'न्र-के'के'कॅरल'क्वॅन्'न्। विरुव'न्द्र'न्नर'यें'न्न'यें'न्रा' विहेव'हेब'ल्लेर' नरामक्रेव ने न विवाद क्व पव पार्थ वा विवाद पर्ने । प्रमयः न्यान् व्यवस्य क्ष्याः । विषयः प्रमुपः प्रमुपः विषयः ह्याः । विषयः प्रमुपः प्रमुपः विषयः ह्याः क्षेत्रा न क्ष्या स्था न द्वा विषया क्ष्या क्षया क्षेत्र स्था में प्राप्त में दे कि स्थाया क्ष्या क्ष्या स्थाया ठवः नर्द्रनः तथः विद्याः विद्यायः अवायवः ह्याः ने नामः निर्मानः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्या नम्यः हेर्। विञ्चनः परः र्गादः बैरः चर् येरः रे। विषयः ठवः नर्दरः पदे र स्वरः नुदा विवानशुरवास् विवाहवाह्म सम्मानन्त्रवाह्म विवाहिताह्म विवाहिताह्म विवाहिताह्म विवाहिताहम ঀ৾য়য়৻৽ঽ৾৾ঀ৾৾ৢ৽ৼৄ৾৾ঀ৾৾৾৻৸৾ড়ৢ৴৾ড়৴৻ঀয়৻৻ঀ৻৸৻ঀ৻ঀ৾য়৻৸৻ঀ৻৸৻ৼৢ৾৸৾৴৻ঀ৶য়য়৻ঀয়৻ৼৼ৾ঀৢ৾৽ৼৄ৾ঀ৾৾৻৸৻৻৻৻ अ५.१७म.ग्रट.कर्मश.सर.ध.मे.चर.मश्चरतःहे**। रे.**१९८.जय। थुर्थया. २व. अंश्वया. ज. कन्याःचयाःच। ।र्नाःचदेदाद्वर्तात्याः श्वरःचरः छ। ।त्रवः व्याः स्वयः देः कन्याः चयः नवा विट.केन.रेवर.त.च्य.श्रुव.येवा विवय.क्य.ल्य.थे.व.र्रं..चवा हिन्यः यरतः श्रुतः ग्रुतः श्रुतः स्वा । देः क्षेत्रः ध**दः न्**रः श्रेः धदः पदे। । यद्यतः सुः यश्चः पतः चठर्-धःव। १रे:र्गःश्रर्-ठेगःगठेगःग्ररःव। |रटःहेवःकग्राःभेटःहेःहरःगवय॥ बेबार्खा |देबादाम्बदामुःर्देदायाम्डेम् हुगार्देवायः न्टाद्यवातुः मुद्दाक्ष्यः क्षेत्रः गु. ध्रत्रथ.गु.श्रु. मु. प्याप देवेट. चर. मेथ.भेट. र्ट्रप. झ.च. द्वे.श्रेट. ह्रेर. में च्र मेथ. येथ. श्रुप. ख्राय. इयसः ने र्झ्यायः क्षुरायेदः त्या केतः म्यसः यस्तः ने र् न्यायः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः न्गवः नवे क्वन्यवे क्वं यवे क्वं न्यायः न्य न्य न्य व्याप्त विष्य विष्य विष्य विष्य क्षेर्राहे.चह्रव.तप्त.इ.च.क्व। विराय्ययाञ्च.मी.तयाविराच। विविव्य द्वाच्छ्या प्रथानिदःक्ष्याद्ये। विषान्त्रःश्रयाद्भयाः श्रयान्तरः वेत्। विदः विषाः व्ययानयानह्यः यःदी |न्बदःग्रेःश्वनःनश्वःग्रीवःग्रेन्ःइवव। |नवयःन्वदःनन्नःन्दरःववःग्रमः॥ यव र वेर् धर पर पर पर वेर्। । वर्रे वे हे स वहर वर् वह वाय हवा । वर्रे वे २ थ. तपु. क्ष्य. जेवाय. बक्क्व | १८४. छ।

न्म्यानश्चरः। श्चरः रे. वर्षः व्यवे व्यवे सुर्वे सः न्रः हेन् महेका या श्वे व्यवः यहः च मुन् त्राचित्रा मुहेन्। नृदः च द्रुः नृतुः ऑन्। व्रीः च च त्राचित्र हुनः स्र ह्रेनः स्र हेन्। त्रीः शेयवान हेन्। वलाक्षे चेत्रतेवलाक्ष्म ची देवातु र्त्त्वत्त देवा हा समया दे चित्र तेवला या श्रेता पा विष् श्चेषायाः श्रेः नव्याः भेटात्येयाः तुः श्चेष्टेरायाय न्याः महेषायदेवाः धेवायायाः वदिः या सुरायस्वयः। वयाकि न्यूर्र न् नु क्षुरा वेययाक्षर त्यायवियान स्वतावयाकि स्व नु क्षुराना धेवा नाहारा र्नो न नेवा ह्व न पाता इता दर्ज र पा केवा प्रवादि में ता कुरा अव अप दर्गाता स्वादा परि है र दे तहि द तरे न्द तरे व्यन छला यहा विताल हा सराह में के नह दल ग्रह की मेगल परे म्में अ.लूर. ग्रीट. वेशकातार्टर. श्रेट. हे. वेट. क्वेट. ग्री. श्रेष्य अर्थर. वे. केव. शक्य वे. री. प्रचायाता वे. न्बॅल पति लम् क्रें न धेव दें न शुम्ल है। न्त्रु न से में न से क्रें के के से तर के कि रट. २ वे. ब्रेथ. इ. यू. श्रंबय. २४. ज. तू. जू. यू. यू. यू. नू. नै. नैय. तथ. श्रंबय. २४. ब्रैथ. वीट. पू. क्वार्यान्ते क्षेत्र द्राया श्रीतार्द्रा विवास क्षेत्र स्ति सम्माहेवाय श्री हिवाय न्रा हिवा क्षेत्र सदे.बोद्यच.थे.च क्रय.बाब्रुब.तर.६्र.बु.६्र.घष्ट्रब.कर.वर्.पर्ट.जा.बुब.पर्टे.बार्या.व्या.स्या.व्या.स्या.स्या.स् ष्ट्रबरा कर्ना तुः त्री त्रा हो हो हो ता क्षा ता हो ता वा हो ता वर ता हो ता वर ता हो ता वर ता हो ता वर ता हो त नस्र-धरः रे कु तु स्रव पदे र्वो पवेषाय हवा हु पहेव। रे कुर सि ह्वर पदे ग्रवा पर हमः हुः दर्शे वाया देः सुः सुः हुं दः धदैः वशुरः र नः र् र र र त्वे र यः दर्शे यः यः न सु इवाया वार्यव देव वेवाया ग्रेडिया हिंदा रट थट दे हिर हु हैं है ट्या दाया देव हिर चरः वेचयः देयः पयः ययः ह्वः श्रेष्ठः विदः द्वायः चरः देवयः है। हः मः क्रेवः यय। वेनः क्चात्रम्या विश्वताचरायचन्द्राचराश्चरा विवानिश्वरायाः स्रेरार्

वेबकः ने क्रेकः पदे क्षन् वे ख्ना मन् वेब पा त्या नेकायन विदेश

विष्यः क्रं नवान्त्र न्त्र विष्यं हे स्रं क्रियः विष्यं दे विश्वेतः व्याप्त विष्यं । |বন৴.নথ.ৼৢৼ.ঀ৾.৸ৠৢয়৶.ঀৢ৶.৸য়| चेत्रयास्यायाः क्रायाः यदेः नव्याः च देः य क्रवाया.र्ट्स.स्वा.प्रया.वी.बुटा। । यारार्वा.कुरावा.वीयायया.कु। वियावाद्यरयाया क्रा मुंबुर्याव्यावेययान्त्रुर्यायादेयायानह्यायाव्यान्तर्गत्त्रम् व्याचित्र ब्र.च्य.त.प्रच्य.तर.वुर्.त। च्य.त.ब्र.वेषथा.तर.ब्रीर.त। **दर्-तः मह्यवा** व.ब्रुर.पड्य.तपु.चनय.स् । ८८.त्.प.चश्चा चट.प.घट.पपु.लीपा यवः वर्षः हेव। हे सुरः त्रदः वर्षः वर्षा । १८ वर्षः वी त्रः वर्षः वः वर्षः द्रयः वः वर्षा बळ्दानेन्न्न्र्याये व्याप्ताचा वेयायाययाहास्याचययाम्यायहन्या मून बाइबलार्श्वेद्रातेबलान्द्रात्वेदान्देवान्त्रातान्त्रातान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्रात्वा र्ट-दंब-त-र्म्य-तर-पर्वर-र्ने र्यः त्याः स्यः मुयः ग्रीया र्मे पदः प्रेयः मुद्रः प्रेयः मुद्रः प्रेयः मुद्रः प क्ष्यात्रेयत्रः मृत्रः क्ष्यायः नृतः स्वायः स्वनः मृत्रः स्वता ष्राम्बुर्याय: न्रः अधुवः |कूथ.पश्च.य-बाबय-ग्रीय.पह्तय.ये.पश्चम.यय.श्रम्थया मश्चित्रः पायः वयः इयाच वर् ता वृ रेया च श्रेषा वृद्दः श्रु । पर च वया वह व . प् । च श्रु वा मा या वाह्य र या पर विया क्र.च.वेथ.तर.बु.बैट.टू.। जुब.तपु.कुब.वी हुर.हु.ध.रथ। रुबाय.गु.वंदस.रुबाय. गु.च.च्.इ.हेब.रट.चथब.च.सेब.धिब.इचयाच.च.रट.रंबे.चया हेयाचीहरयाचासेरी र्टः शुः तः संग्रान्तः तत्त्वाः प्रतेः श्चीः व्राः श्चेष्टः त्रेष्टः तः व्यायः छन् । यदिः श्चीः व्रायः श्चेषः त्रेष्टः । व्यायः छन् । यदिः श्चीः व्रायः श्चेषः । हेव.री.यर.लर.। पर्र..बु.जब.बूब.पग्रेज.प.जवा प्र्र. पर्य.लूर.प्रविर.ज.पक्र.च. 도록·대·취제·スロ·주도·청도·를·ቖ·다 | 여제·다랑도·다·양지 환자·다워도·합·따라·합·

मःबिगायाचेर्याधेदार्दे॥

हि.केर.जुर.तपु.क्र.बो.च.बोधिय.जया क्रिय.पपु.क्र.बो.च.बोधिया श्रेप्य.पज्ञानिर. सर ठव ग्रु.म. न्दा अवाय प्रवाय पर प्रवाय प्रवाय मा व्यव पर हि । न्दा में स्थाप विवय नवयानमुदार्करान्त्रेदारम् वर्षायाः द्वायाः द्वायाः वर्षायाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः व शुःत्र्रानः न्दः। श्रुवतःशुः स्टःवदेः वश्चवः मुःवह्न् । वदः दः दे। हेना यः ठदः क्चै.श्चे.स्थ.रेव्य.तपु.य.श्चेबय.थे.थ.बेव्,ज्बेबय.स्य.विय.पुर.बेद्र.च.र्र्य च.वैर.र्ज्य. नश्चिरःबेलःर्टःवैबाःसःवेयःलःब्ह्वःलःब्रब्यः स्तः देवःबेलःसुलःसुलःसुलः वयः ग्वरःविबाः करः दबः क्षेत्रायः तुः च अ दः सं त्यः च बु ग्रंतः शुः गृबु ग्रंतः सं ग्रंतः सं ग्रंतः स् व्यः स् व्यः स् व्यः स् व । म्राम्याद्वयत्रादीः स्वातुः न्वीः यत्त्वाचीः पक्षेदः पत्तात्रः न्याः यद्वारः पदिः वाहेत्रः वा न हरः चर्दः श्चें 'वं कः स्वेषा गर्थम् 'पः नृहः । वर्ष्ठन् प्यत्रः वेर्ने व्यत्ने व्यत् । वर्ष्ठन् प्यत्रः व्य चाः क्षेत्रः त्रताः श्रीः विः क्षत्रः स्वायः स्वायः श्रीताः श्रीदः वश्यावः व्यापः व्यापः व्यापः व्यापः व्यापः व हेदः आदः न झूदः पदेः गुर्रेः पॅदेः झुः र नः गुद्रशः रुदः विगः येदः झन्याः येद्। 피인도:저기 त्रोगलानवाधराष्ट्रहुनामाध्यक्तकन्त्रितासिक्ष्याचामुख्यास्त्रा |देविक्षान्नासिक्ष्या मात्याच निर्मा दिन्त विष्याया स्ति स्वाया श्रुवा ५८०० निर्माया स्ति श्रुवा गुः ना सुर्या स्तर

मुशुबःगुर्देवःवेदःनङ्गदःयःग्रुद्। **ब.बें.बेंट.च.लो वे.बय.क्र्यंय.ग्रे.**बुट.संबय.ग्रे.लूच.धेच.च्या.क्षेट.चर्या.चेंय.चेंट.च.क्रेंट.च. ロる山·いいとい、動か、して、自て、命口、必知か、したは、大方、大方、出之中、よ、大下、多し、になり、たち、 नवबल वल न्या सुल वल ताना पर्व न पा हो न प्राचिन में विश्व म्या स्था स्था से हि सु हो सु म दा.जा.से.चा.र्ट.अक्टर.ता.बोड्डेश.द्वा.विद्र। १रे.लट.र्ज्येच.ता.व वेच्या.ता.वेट्रेस.प्रें**र.** <u>रम्थात्त्राल्याल्याच्यात्त्राच्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्यात्त्राच्याः</u> बेत.श्र.च.धू.म.लुन.धे। ह.स्.कुर.त्य.श्रम्थताचश्चीट्र.रट.र्ज्य.तपु.क्र.वार.स्वारक्षताच. र्ट. अष्ट्रर. तपु.क्ट.चा.ज.स्वाय. त. बेय.स्वाय.ग्रीय. तथुय.जा व्यायपु. ची. यपु. ची. पपु. र्राया. तथा. बर्क्षदःरे:क्षेत्रःश्चेत्रःविः श्चेतःर्द्रः विःचः क्षेतेः सुन्यः यददः श्चेतुः च्यः।वयः श्चरः र्वेतः र्वे। दे.च्याञ्च.स.त.ह्रंद्य.तप्त.प्त्र.भ्यानवना-८ म्याया-स्याया-स्या मैथ.थे.ब्र्य.त.वेय.ज.क्षेच.पक्ष.धे.ल्य.रेट.ब्रेडज.वेज.जंज.चंथ.ब्र्य.वेलय.चप्र.के.ट.य.ज... चर्ड्ज्यातः व्रतः चत्यः श्रुः ने द्वः ने : चे द्वः ने : ते व्यतः में द्वः ने : ज्यतः च द्वः च विरःक्ष्यःश्रेष्रयः र्धातः क्षेत्रः यः यः क्षेत्रः यः ताः विष्ययः यः इष्ययः ग्रीयः रूटः धरः ह्यः वः शेर्ः यः ः लट.र्बा.तर.र्बेबय.तपु.वेट.क्व.पु.वीबय.पश्चेर.त.र्.चबुब.री वर्बा.श्चर.पर्न.बुब. पश्चे**र्-र्-ग**र्राया वेरा यद ग्राया श्चेर पर र्-र्-र् । वि द्रा श्चे पर र र् प्रमा पर्न.केर.तीजाथटथाक्यानद्रश्चान्त्रत्यात्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र्यान्त्र ठव.च.हो।

म्रह्मा निक्षः त्राप्ति त्या क्षेत्रः त्र देव त्ता निक्षः त्र त्र क्षेत्रः श्री क्षेत्रः त्र त्र क्षेत्रः त्र व नुषान् वषाच्ह्रारक्षे क्षेट्राया मुद्रास्व वास्व ता श्री प्राप्त केत्र ता स्वया राष्ट्र वास्वया स्वया स्या स्वया वयरारुन्-पञ्चर-पदे-ब्रेन्-श्रम् राज्यामुयायाञ्चरायाञ्चर्यान्नः क्रेयायाञ्चरायाञ्चरायाञ्चरायाञ्चर त्रुवःयःश्चित्रःयदेःश्वाताःविःश्वयःयदेःतत्रयःयःश्चिःतरः। <u>ष्वितःयरः</u>नुःययःश्चेवः लया श्र-क्र्म-त-क्ष-व्यव्य-प्नामिया विवामिश्व-प्या रे-क्ष-पुरे-प्यव्य-प्राय्यः ₹๗.घ๗๗.६८.२.ฎ.ฐ๎๗.๓๙.ถ๕๙.฿๗.๓๕.๔๕๔.๓.๔๗.ฐ.๓.๓.ฐี๔.๗๗.๘๙.๗५८. यः न्दः तदः चयः श्रुवयः शुः वर्षः वः चः हे। श्रुवः न्यं द्यः शुः वृद्यः। वर्षः श्रेटः वर्षः वेषाच ग्रीः चः तुषाः वदीः वषः च त्रु दः वषः हैः श्रेदः ग्रु दः क्रु दः क्षेदः **यः** त्यः बक्षेषः ग्रीः चरः तुः महः न्यं ब न्में दला शुः न्यं ला वन् नः बेदः वदेः वेषः व ग्रीः वः पुराः वदः व्याः व राष्ट्रे श्रीनः ると、発力・引・物大・丸・切・切・カナ・イン・変な、生まな、り、お楽山・は、む、くくだ、あっな、イン・ヨローー चदे.ळ्या इव्याला क्षुच्या शुःबळ्दे। विंचान्यं वृत्ता सुंग्या चन्या क्षेटा वर्ने वेषाच क्री.च.र्या पर्ने वषा च त्रुरावण हे श्रीन चराक्ष्या क्री क्षेर्राया बळवा क्री चरा रूपा इयथ.ग्री.षक्र्मा.पत्म्बाय.त.वीर.क्व.श्रव्या.रावर.वीर.वीर.वी.त्नी.परी.वे. द्वाराय..... |बेलायवःग्रुबःपर्हेन्द्रं। |न्रॉव्यंबर्ळन्तेरेतेःश्चुनलःवर्षे**ःयः** প্রীবধারী মঞ্চুর্ 「東との、山気の・子・とと、異の、勇・動口の、の其な、寒山、山の母・とと、動・せど、一般に、疾・はないなまし、れない क्र.मा है सु न न विद थे पद दें।

 $\begin{array}{lll} \exists \exists \exists \forall \alpha . \forall \beta . \forall \alpha . \forall \alpha . \forall \alpha . \exists \beta . \forall \alpha . \forall \alpha . \exists \beta . \forall \alpha . \forall \alpha$

लब.जब.पर्थ.त.रंट. थटथ.केथ.रंट.वेट.क्च.श्रुवसार्वत.रंट.र्ह्य. दश्यान:यहा र्रः र क्षेत्र ग्री न मेवा गृहे ब स्वया भेरा त्या द्वा पत्र ग्री व्या वेता पत्र पत्र प्रा क्षेत्र ग्री । ज्ञा व ञ्च.च.क्षयत्त.प.वक्ष्ट्र.त.वे.वक्ष्ट्र.त.कं.वप्त.येय.वेय.तर.वेय नर्षान्त्री नवरःश्चित्रत्रःश्चित्रत्रम्नोःमल्यान्तरःमरःदरःमेषःग्वरं विस्रसःश्चित्रःनः द्यी जन्मञ्जूद्र-दयाः चेत्रयाः पदेः तेत्रयाः क्ष्यः तुन्नतः त्याः तेत्रयाः ठदः स्वृताः तक्ष्यः पः ताः पङ्गतः हे. श्रेब्यः चञ्चेदः त्रः चश्चर्यः त्यः हृरः त्रम् । तः हृरः चुब्यः तः नृष्टः हेदे । नृबेच्यः इवः म्लयःम्रचःम् |**र्**द्रलःम्बेदिः ऋःमःदी ८:३.क्ष.८.थ.ज.पर्श्वाय.तपत्र.द्वच.घेपट.२८.घय.पर्श्वच.ज.घज.घ्य.छ्वे४.घय.थ्रयणः...... चक्रुद्राचरः चुर्दे। १देः षदः वयः क्षुदः वतः। क्षाः यः वेदः चरः द्वाः दक्षदः चदे। लेयः मुश्चरतः मता मृत्व द्वा तुः त्वरतः मुतः स्वा स्व सः स्व स स्व तामश्चरतः स्व । मृत्व स्व स्व सः स्व विवयः दे निश्चेद्रायायाद्वीष्या वया वदा वदा स्वाया विवासी प्राप्त द्वी ष्राप्त द्वी प्राप्त द्वी द्वी प्राप्त द्वी प्राप्त द्वी प्राप्त द्वी प्राप्त द्वी प्राप्त री.र्बातकत्त्वात्त्रीयः पर्यान्तेतः पर्वायायः संस्थानात्तेत्रः वयः पश्चेत्रः परः वृद्धे । ने.क्षे.पी. বি-শ্লুব-রিঅঅ-গ্র-দন্ত্র-ল-শ্লুব-দ**্র-রি-রুঅ-ব-রী-**দ্র-আ নিঅঅ-তব্-লঅঅ-তন্-গ্রী-শ্লুব-रु.पर्गःयरयःक्याःशुःदशुरःपरः ग्वदःश्रुयःयःदश्यःक्षःम्यः पश्चेतःवःद्वःत्वे त्येवयः पश्चेतःग्वेः…. ঀয়ৢঀ৾৾ঀ৽য়ৠ৾ঀ৽ঀৼ৾৽ঀৢ৾৾য়৽য়৾য়৽ঀয়য়৽ঽৼ৽য়৽ঢ়ৢয়৽৸য়ৼড়৾ঀ৽য়৾৾য়৾৾ঀ৽য়য়৽৻য়৽ৼ৾৽ড়ৼ**৽** ๚่อู่ณ.๔८.๗.๔๔๗.ฃฺฆ๗.ฐ.๗๗.๒๖.๓.๓.๘ฃฉ.ฉิ.๓.๓.ฆ.ฆี**ฉ.ฉ.๓.**ฐม.๓.ธฆ๛.... <u>रुर.१.१२४.बु.१२८.चल.मी.बु.न.२८.मू.चल.घुर.चल.चबुर.त.ज.क्ब.तपु.म्.च</u>.घट.मू.जट.मू.ज. डर-उर-प-र्ट-श्र-उट-पदे-हिर्-धर-वर्र्न्-ध-दे-श-म्-व-क्रेद्र-धद् |ग्वद.लट.पि. ठुवा.गुथा.पथा.रट.त्.पपु.कूथा.श्चेर.री.पडेवा.र्ज्ञ वापहुच.तपु.कू.वाया.**लट.लट.**पट्रच.त<u>र..</u>

न नद्दान्त्राच श्रुच : चुः द्दान्त्राच्यः त्तुः स्टुन् : चे द्वान्त्रः च्याः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः वयः व **ॻॹज़ॱय़ॱढ़ऀॱॸॕढ़ॱॺॱऀॺढ़ॱय़ॱक़॓ढ़ॱय़ॕॱॺॱॾॗॕॸॱॻॱऀॺज़ॱढ़ॕऻ**ऻॿॺॺॱॿॖॺॱॺॱॿॸॿॹॱय़ॱॺॹॱ ৾য়ৢৢ৾**৾৾**য়৾৽য়৽য়৾ঀৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢ৽য়৽য়ৢয়৽য়ৼয়৽য়ৢয়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽ **ॻऄॗॸॱय़ॱ**ॺढ़ॸॱॸ*ॹॸ*ॱॺॺॹॸॱय़ॱढ़ॹॗॸॱय़ॸॱॿॹॸॹॱय़ॱॿॖॸॹॹॿॾ॔ॸॱॺॺऻ त्य्वत्तुःक्वेःचदेःक्वेरःव्यवःश्वेषः**ष्पॅरवःशुः**चैद्रःपरःग्नरःक्वनःहःशेववाःवश्चेदःपरःग्नःश्वे। *ॸऄॗॖॸ*ॱॖॗ*ॸ*ॱढ़ॸॱॸॱॸॣॺॱय़ॱॺऻॾॗ**ॸॱॸॖॱॿ॓**ॱढ़ॸॱक़॓ॹॱॺॺॺॱय़ॱऀॺड़ॸॕऻ म्बिर्-पर्-क्र.म्-द्री द्विम्य-पर्श्-स्वयः व-पर्विम्य-पर्व-यर्प-क्रुप-द्व-छ्प-त्वयः र्धतः वस्रायः कर्ने प्रमाताः निष्यः व विषयः व बैदः ५दिः बेद्यः न ग्रीः नवा क्रें। नः ५दिः नृदः क्रें। नः ग्ववः नृदः ग्ववः नृगः हुः क्रेंबः पदेः नदः न बेदः *ॸ्ॸ*ॱख़॔॔ॴय़ॖऀॺॴॱॻॖऀॱॸॸॱॸढ़ऀज़ॱॸ॔ॸॱॸॹॕॺॴॱॻढ़ऀॱॸ॔ॱॸढ़ऀज़ॱॻॖऀॱॸ॔ॺ॓ॱॻढ़ऀॱॾॱॸॱॸ*ॸ्ॺ*ॱॺऀ**ॴॱ** चक्किल'स'न्द्र-चक्किन्-तु-चक्किल'स'न्द्र-चक्किन्-स'ल'हेल'*खु*-फे-न्द्र-चक्के-न्द्र-स'न्त्र| Êॱक़ॖ॑**ॸॱॡॕ**ॺॱॻॖऀॱॸॆॱॸढ़ॎॏॺॱॺऻऄॖॻऻॹॱय़ॱॸ्ॻॖॱॻॱठॕॕॺॱय़ॱਘॸॱॸ्ॻॱय़ॸॱॱॾॕॻऻॹॱय़ढ़॓ॱॹॸॹॱॼॹॱ**ॱॱॱ** *ॠॺज़ॱॸ्ॸॱज़ॱ*ळेढ़ॱय़ॕॱ॔॔॓ॸॸॱढ़ॖॱॸॿॖऀॻ॑ज़ॱॸढ़॓ॱॻॖऀॸॱख़ॖॸॱऄ॓ॺज़ॱॸ॒य़ढ़ॱऴ॓ढ़ॱय़ॕॱॾॺज़ॱॻॖॆज़ॱॼॖॱॱ क्ॱबेर्-प·ш८·र्मा·पर·ऍगलः पदै·च८·कुप·तृःबुगलःपश्चेर्-परः बर्धर्-पःरे-पःबेदःतु। चन्नाः बेदः तदिः लेखः वश्चेः चकाः ग्रुदः तुषः तदिः वषः वश्च दश्चेदः ग्रुदः स्कृतः श्रेदः वः । । । । । । । । । । बळ्ळाग्री परा रु ज्ञाक् खेर् या भरार्वा पर ह् ग्राय पर्दे चुर ख्रा केवा ये त्या का स्थाप |शेबल:ठक्:ब:नञ्चल:न:क्र्वल:नक्ष्वल:नर:नग्रुदे| |ब:ग्रॅल:न:क्ष्वल: ঘ্ৰ- ঘট্টাই। ८म्भवान्तराच मुद्रा । त्व्यवाका अवित्या इवित्या द्वावा वित्या क्या विव्यवा विवयवा विव्यवा विवयव विवयवा विव्यव विव्यव विव्यव विव्यव विव्यव विव्यव विवयव विव्यव विव्यव विव्यव विव्यव विव्यव विव्यव विव्यव विवयव विव्यव विषय विव्यव विव्यव विषय विषय विव्यव विषय व र्चर क्रीय ब्रूचर श्रुचय क्री प्राप्त क्रिस्त क्रिस क्

त्रवास्त्रवास्त्रक्राः प्रदेशः वर्षः वर यात्रायव्यवतः वात्रायः विषाः व्यदः ग्रुदः अर्दे रः वसूवः तुः वस्रवः ठरः वतुषः यवः सर्दे रः वसूवः दे। देतेः क्ष्यः भेदः सः क्षरः ग्रुटः सेव्ययः ग्रुः ययः हवयः ठट् ग्रुः ग्वद्रः प्रकृतः पतेः क्ष्यः **तुः ग्**युट्यः ः ऻ वि८.थ.जय.तथ.त्येच.चेथिटय.त.च.चु.श्चेच.ज्ञच.ग्री.लय.तय.ट्र.जय.८८.त्र.ज्ञचय. चक्केट्र-स-महत्रार्भेकेट्र-स-प्यत्वत्र्यंत्र-बाकेयानश्चरताहो वेर-र्थासरायश्चरामः रू न्द्रिं मा बेर् पर्वे पर्वे प्रवास्त्र व्यवस्थित्या सुर्वे द्वि पर्वे प्रवास के वास के वास के वास के वास के वास चरुषाः मर्थाः द्विषाः चुरुरः त्युरा विषाः गश्चरः वास्तरः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः ठवः वसरा ठन् ग्री : व्यव नवरा शुर् य श्रुनः नः न दाः । त्रेयरा पश्चिनः य वनः वरा न् गः न द्रयः यः चर्नाःकेर्-क्रेक्-सं-इत्रवाराःकुर-देन्वराःकुःक्षं-व्याःकुष्यःन्वर्म्वर्थः-व्याःकुर्यः-स्याःकुर्यः-स्याः अप अ.मू ८.अर.प श्रीर.प.रेट.। प्यूरे.ये अथ.वे.प.क्ट.पे.धुबे.वेथ.वेथ.वेथ.वेथ.वेथ.व षयायात्र चेत्र प्रयाप्त वर्षत् व्यवाणीः विराद्यात्र विष्णः हेत्। व्यव्यवात्र व्यव्यवात्र व्यव्यवात्र विष्णा |गुड़ेय:घ:दी *बेषा-महान्त्रा भ्रु:५मु:इबषा* ग्रु:४:५८:५८:५८:५८ मुर:५४। ब्रुंतात्वयःच नाः क्षेत्रः सत्रः गुत्रः सः वदरः नव्हेंत्रः श्चेव ववः वीः वः धिवः नितुनः वरः नवतः यः । । । । इसराग्रीयान्ये से बुरायद्। । नायर स्नाय ५८ देन स्नाय ग्री केन प्यया ५८ नार्दि । मःर्टः दर्रतम् नः दि नरः चेर्पारोशया ठदः ग्रीः यम् दादर् मामाया ग्रीनः या इसया ग्रीटः स्वाया तपु प्रया क्ष्म्या क्षिट स्वाया मञ्जी न तक्ष्म ता स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाय र्द्रयाश्चराम्बर्धारायवदात्री भावत्रान्द्रवा । नव्यान्द्रवा नव्यायार्द्र तह्रिवायाः सः नृतः तहिवायाः सतः त शुरुः नः नृतः सुः वो : नृतः श्रेः याः धेवः श्रेः वाईन् : सः याः श्रुतः नः

इयश्रक्षेत्रवृत्त्वेत् वृत्त्वा इयश्रक्षेत्रत्य वृत्त्रत्य वृत्त्रत्य विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्य यः कुरः बैरः त्ररः च बैवः ग्रीकाव दः श्रेदः यः द्ररः ग्राह्म त्यः ग्रुदः व तरः श्रुवः देरः **यः** द्ररः द्रगः । । । ८ता.बुट.चड्डेर.टया.ता.रेट.शुंशया.वेशयातर.शु.प श्चेर.स्। विट.शुंशया.द्रवीया.पा.वोयया. य⁻दै-रद-पद्धद-गुरु-ग्वराद्ध-त्येद-लुद-प-भेद-य-सेस्यरापक्केद्द-द-दे-स्यराद्ध-प्र-२१ च्या के त्या के त्य यत्रः ह्यं रः गर्दे र् यः ग्रुत्रः यः यञ्च र् रहेरः धरः गर्दे र् रथः श्रे श्रे र् रथः ग्रुत्रः ग्रुत् च चेत्रम वर्षेत्र त्र त्र त्र विष्ठ त्र विष्ठ त्र विष्ठ त्र त्र विष्ठ विष्ठ त्र विष्ठ तक्तः सः तः स्वातः सः स्वातः गुरः तेतात् गृतः द्वाः ताताः श्रेः श्रेतः क्षेतः तत्रः श्रु गातः श्रेः त्वाः । त्यःदेर:तुःबेःगवयःधरःधुर:तुःत्वत्यःचरःत्युरःर्दे। ।८वःस्टःतुदरःक्चेः८्गतःवेटः न.ज.भेष.रे.भ्रे.न.रेट.अंबय.२४.८ं.रेब.जटट.श्रेट.ई.श्रेप्। विट.क्टन.ग्रे.अंबय.ग्रे. नर्सर् क्रबल महिन्य र क्र हिन्यु न क्रबल क्रबल स्थानर धर्म क्रिस् न र र र र र र र र र क्रवल क्रवल स्थान मुथ.षक्र्र.तथ.क.२थ.१५८८.मु.क्रम.त.थ्री ८तथ.चुव.ग्रीथ.वथ.त.जथा श्रेयता.ग्री.मश्चर.चेश्चया.चेर.। १रे.ज.चेज.हे.चे ब्रेच्य.श्रह्मया.श्रह्मया.श्रह्मया.चेर रे.ड्रे.ट्र.चल.क्षेत्र.तर.पश्चर। विश्वेद.व्रे.चर्थ.क्षेर्.क्यी गुव-चग्रद:ह्री यरयामुयाबिराइययाधानरामेया |देवाळेवार्गामेयागुवायादाहे। |दिहेगाहेवा अध्यात्रात्रात्राचान्या । नारानीयाव्यात्राः श्रीतानीयाः है। विराक्ष्याः हैं ने श्रीयायाः न हिन् वा । अक्रम्नायने वे विष्यायाया । ने त्यायवत वे या यक्ष्याया । वेषाया। Ĕ·芪·ਡੇਕ·ਧ·ਵੇਂ·ਵੇ·୩८ਕ·ᠬ·ਐੱ੨·བ·མ੬५·ནས·੬·덋ㅊ·딜ས·ན་སྱར་ད་ёོགས་པᄎ་བང་

च्याःस् । विचान्तरः इच्याःग्रेचः विचान्तरः म्याःस् । विचान्तरः म्याःस् म्याःस् म्याःस् । विचान्तरः म्याःस्याःस् । विचान्तरः

श्रवान श्री द्वान द्वान विकास वितास विकास वितास विकास वितास विकास वितास विकास वितास विकास विकास

निया है निर्मात निया है निर्मात निया प्राप्त प्राप्त स्थाप है। । श्रूष्त गुर्म रहा मुख्य निया है सा है निया स्थाप त्र्रामञ्जीरावा दिःक्षेत्रःविषयःश्चेत्रःव्याप्तेषयःव्ययःवयः धेवा मुश्चर्या है। व्रवारम् मी भिन् मेन म्ब्रामा दे मुमा से स्वर्या में मुश्चर्या में स्वर्या म वयताक्रियाप्तियतारत्याचाधेकात्य। देश्यार्देराकात्र्द्रम्थंकात्यद्वेयायेन् नुःश्चेत् गुरा ᢖᠵ[੶]ᠬ᠗অᠬ᠊ᠬᢧ᠂ॿॖᢋ᠂ᢅဆᠵ᠋᠊᠋ᠴ᠃ᡅᢆᢋ᠂᠘ᡭ᠂ᢩജᢅᢍ᠂᠗᠍᠗অᠬ᠊ᢍ᠂ᠵᠬ᠈᠆ᡆ᠂ᠪᡆ᠂᠘ᡭ᠂ᠻᡠᢩᠵ᠄ᠽ लवा निवाने विराह्म से सवार प्राया प्राया विराह्म स्वार्थ में स्वार्थ स पत्र बाया तपु . द बी. पर्टे ब. श्री चया. सूर . ही विरया श्री या प्र विषया श्री या विषया विषया श्री या विषया विषय |য়**ৢঢ়য়৾৾৾৽ঢ়য়ড়** বিশ:শ্রা क्रावियान्त्राच्यायदेश्यवयाद्राच्यात्वार्याराद्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्या र्द्रय.स.स.स.स.स.इ.८.चर.ता । विर्.ग्रेय.क्वेद.सर.चयत्रय.वेय.वया । वि.चट.क्वेद. चर-क्ष-मुन्-मा निःष्पर-धः-नुष्यकः मुन्न-त्यः । व्रावः क्रेन्-चर्तः मन्नः । चथञ.त.चर्च.तथ.अगूर्य.बेधेर.यथ। पिगू.च.घशथ.कर्ट.चश्चेथ.वैथ.वै। विट्ने.पर्गेर. इ.म.५र्म.५ बैर.४ वा वियामधरणस्य दियादाने हेन् यया स्ट.पया स्वार् |हे·हुर-देव·ळेव-हेर्-ध·हुद्र| |रे-धवेब-हे·वेष-हुर-हेव-व| स्र:य:यवा विरःक्ष्यः वेश्वरं वर्षाः वाश्चेषा विषः गशुरुषः यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः विषः हेरः त.वु.भेव.पे.ल.अक्ष.व्.वू.क्षेत्र.थं.पथ्यथ.ज.इय.त.चथ्यः २८.थै.वु.चेट्र.चर.चे.है। ट्रे. मृत्रेत्रायाकी देन्द्ररामान हरावार्यमा मुत्राकी सम्मान्या होत्रायक महित्रायक रु. ५८ र. त. कुष. त्र. व्रेष. व्र. व्रेष्ट्र व्याचितात्र व्याचितात्र व्याच्यात्र व्याच्यात्य व्याच्याच्यात्र व्याच्याच्यात्य व्याच्यात्य व्याच्यात्य व्याच्यात्य व्याच्यात्य व्याच्यात्य व

स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्थान

 ୢୖୠ**ୖ୶**য়୶ઐ୲୳ୖୄଌୣୣୄ୕୵୕୳୕ୡ୕୶୕ୠ୕ୄୠ୕ୢୠ୵୕୳୕୷ଊୖ୕ୢ୕୕୕୕୕୕୕ୠ୕୷୳ୖୄୡୣ୵୷୕୷ୄୠ୕୵୶୕୳ୣୖୠୣୡ୕୷୷୷ **र्**घवःर्रःञ्चःयःर्रःञ्चेवःगवयःयःश्चःचःवैःगवैयःग्रेयःग्रेयःयः चःश्चे। तीज.धु.न्यावय. ষ্ঠ্রবংশ স্থ্রান্ত ব্রাহ্র প্রকার্থ বর্ষ প্রকার্য ক্রান্ত ক্রান ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান্ত ক্রান सिषार्ने पान्तर दे विषा नियाय विषा द्वार द नलःक्षेरःचःब्रोरलःचः**वःवह्रवः**ग्रीःळ्याःबीलःवर्षःक्षरत्यःचेरःचःतःव्येतःचलःवश्रःवश्रः ন্ত্র-মান্ত্র-মূত্র-মূত্র-মূত্র-মূত্র-রি-মূত্র-রি-মূত্র-রে-রর্মতের-মে-মান্ত্র-ন্ত্র-মান্ত্র-মান্ত্র-মূত্র-মূত্র-রি-মূত্র-রেন্ড-রেন্ড-রি-মূত্র-মান্তর-মে-মান্ত্র-মান্ত্র-মান্ত্র-মান্ত্র-মান্ত ग्रदः नहितः श्रेतः पदः नवः श्रुः देन्त्नः हुः क्षेत्रः पराः नहितः छ्राः तराः त्रः क्षेत्रः पः विनः न् म्यः ।। नञ्चनः**न,त्रःशुः द**नाःसदेः स्रतः स्यतः श्वॅरः नः न्ग्नरः सदेः स्रतः धेवः धवः न्याः नशुरतः वा बर्देते महेद संदे न्यार केवा पहिते प्र संधिद पते हिर स्। दि । प्रे प्याप्त वा वा संधिद म्बदःबेगःबा भ्रमः हः ग्रंयः मलवः लिमः छयः वयः नमेः चनेयः ग्रेयः मयवः नः दरः हः चरः भूषः अक्षेरः र मः अथः भ्रः यदेः न् पृष्णः मण्यः । मल्यः वर्णु नः धः अनः यः तः वर्णु नः त.वे.तर.श्चेत.त.पपट..बेवेश.जय। तीज.वे.बोट.चबो.बोबेब.रेबो.च.वेरे.त.प्रीर.त.रेट. श्च.र्यत्र । र्र.प.इ.र्ष्वा चियात्र दे.प्र्यूर्र र्यु वा विवा पर्यः प्रया प्रया पर्यः प्रयूर् ग्वयः ब.लुब.त.ज.प्र्यूर.त.श्रुर.तप्र्। विग्रेज.चल.क्टल.त.चक्ट्रंटल.तर.श्रुर्न.त.लट.र्ग. กรู.บลีน.ถ.พ.น่นผ.ถ.ังสชาปัก.ลีผ.บลีน.หนางนุ.巽とผ.กร. ลีะ.ถ.พ.บ ชะ.. । दे.बोड्रेय.प्रश्ली.बिच.ब.बीच.रट.पक्रीर.त.श्लीय.ब.श्लीय.पट. चट.पड्रेर.पच्यायायः र्टः लट् अधिव तर द्वरः ह्रा रिव ग्रीट वर्गेषाचया है। या लट अर्मे झ्रट्या चर हेर् ता ल

्रिन्त-स-क्रेक्-स्-ल-ल-८-म् न-स-४-बिन्नल-सदे-श्रेश्चल-ठक्-स्वल-ल-शे-नश्चनल-स-**ध्यत्य दे** स्ट्र-नत्य शेयतः पश्चे दः पत्तु दः दत्यः स्व दः पः तः वि नः प्रे नः पत्ते द् श्वायाः श्रीः चः त्या ठेगःस्र-रोवाषामञ्जेद्दान्दान्तः वीत्वतः यदः यदः यदः यदः दि। दे वी वादः दरः दायायः वरः नि ब्रोजानः वयाः वरः क्षेतः श्रेषयः निष्यः स्तः ब्रेयः स्वयः तयः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर् इ. । अयथ. वेषय. रे. वेर. क्य. श्रवारा रे तर् क्या देया श्रवारा पा श्रवार पा पा हो वा क्ये. यायर न् मायर बु म्यायर म न् राय सर मा सर में स्र म्याय सर में स्र म्याय स्र में स्र म्याय स्र मा स्र मा स्र मा *्रि.*ल.कु.धुब.*चेथ.स.धु.*धु.चर्च्चथ.स.<u>थू</u>बश.स.पू न्त्राह्म व्याप्तयः श्रुवार्थे। े वि:स्ट मेल गुव वया नञ्च दया वया नहें दाया द में या यरा नवे दाया दे त्यो या ना दि स्याव वया नहीं व म् । तीयावटायाञ्चयातायाचेटाश्ययायाञ्चयाद्वारीविष्ट्राचेष्ट्राचा यत्राञ्चतःयरः तर्द्रायः तर्ज्ञेनः यदैः धैरः हुः देः द्नाः तः ञ्चतः यः तः त्रो तः तर्गः त न्दः गुरः र्देव-म्-प-लेच- चेर -क्र्य-प-तर्द्र। दिःयापर्यायायायाय्येव पतेः श्चे वे रहः ह्यार्व पर रुवः वेषाचु नाकु तु केषा परि न् वेषा पर ना हु ना ना हि । वि क्षेत्र परि हु के वे के **ब्रट्य.त्र-ब्रिट.द्र-प्रेथ.त.देश-वर्याया.येथ.वे.य्य.**त्र्रं त्र्रं विह्र.त.य.ण्ये.त. वै. इया पायदी प्राप्त वि वा के द्वा पर शुन् के वा पा के पुः हु । इया पर खे व व वा पहें प्राप्त प्राप्त हु । व 주네·대·여물도·때도·경·경제·두회에지· 四도· 취직· 등· 효·황· 된지·리북지·디붕제·디본도· 크직·데 नव्यः भरः ग्रुरः श्रेयरायः पङ्गा पदेः श्रेयरा पङ्गी र् व्यवरः रे हिर्गीः पञ्गयः परः ग्रुरः श्रेयरा g८:ॡ्रव:तेबल:८्यद:ल:श्रुर:घ:घ५घ:य:**य**: *ने*ॱन् युत्यः चर्रः वृद्यः न् वृद्यः पः न् नः । र्यः मृत्वे यः इसः धरः देशः धरे रहे त्यु तः ग्री सर्रः तर् तरा ग्री हिर्दे त्या

द्वर्यः यात्रः गुर्ना युरः न द्वर्यः अस्यः ग्रुटः स्तृतः ये यात्रः विषः विषाः विषाः **ぺ८.५५४.व्र.५५**४५.प्रथ्यय.प्रेय.३८.प.३४८.वे। वि.च.३४५.५४५.थथय.ग्रे.४८.५वा. ऻड़॓ॱऄॗड़ॱ**ॸॹ**॔॔ॻय़ॱॺढ़ऀॱढ़ॹॱॺॕॱक़ॱॸॼॕॱॸॖॺॕॹॱख़ॕऻॎॿऻढ़ॹड़॓ॱढ़ॗॱय़ॖढ़ऀॱॺॕॗड़ॱ ऍढ़ऀॱॸ*ॹ*ॺॱय़ॱॶॖऀॱड़ॺॱऄॗॖॹॱय़ॱॸ॓ॣॱड़ॺॱॻॖऀॱॸॷज़ॱय़ॸॱॱॴढ़ऀॱॺ॒ॴॱॴॴॸॻॕज़॔ॱॸ॔ॷ॔ॴय़ॸॱ॔॔॔ الحُور المَار <u>बर् १५.५ मण पर रट बैट वरट रे अवग्व मण्य मण्य र रट क्वाय त्य र र मूं वर् र मूं वर् र र मूं वर रे ।</u> ロス・多て・移へ・切て・英本・音「へ」 |「「「へ・ロス・私・音」へ・う・で、のため・動か、まな・ステス・ খুনা | প্রথ:প্র ऻॿॖॱक़॔**ॸॱज़ॱऄ॑ॻॷॱय़ॖऀॱॿ**ॱॿॹॷॱय़ॱॸ॔ॸॱऄॗॸॱॕॖॱक़॔ॸॱज़॒ॸॱॹॿऀॱॿऀॸॱ**ॸऀॱ** त्र्भःब्रेट्-द्रेट्-हु-ब्रुट्यःगुट्-स्ट्र-शेर्-म्यर-तु-क्रुट्-र्गद-नर-त्र्भःनयःग्रह्ट-स्वाःशेययः ग्रे.इ.च.५७८.जी प्रचलाग्रेव.बु.र्स्ट.चग्रच.व्य.र्ड्र.चथर.च.क्रेर.श्रेट्र.व्य.वे.हु.चय.हु. ळेर.पहाल.वथ.क्र. छर.तम्.ही इस.पग्रेण.लया श्रे.सहाय.ही वया ही. वार्य र छर. वा विवयः यः नेः प्रमान्त्रेनः तुः त्युरा विवः न्रः। म्रः छेरः रेग्यः व्यव्यः स्थः मि । य. प्रमें प्रथा दे. पहुजा निक्क. मा. प्रमाण मि. में प्रथा मंद्र स्था । मूं यथा सर श्रीर ब.चर.ब.चबळा । बेळ.चशरणाळा । क्वि.टर.चळळ.चवच.ज.छे.चर.क्विर.ग्री.क्षेच. तपु.पथ्यातथा.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या.क्ष्या खेग चुरा रा है गाँध हुँ न प्रत्। किंग प्रथा है प्रथा रा रट पढ़ि द रा ता द ग्रेया पर न्रेट.प.प.र्बर.प.र्बर्य.थे.बेट्ट.वेट्य.वे.ब्र्य.वेय.वेय.वेय.चेय.च.व.ड्र.पर्टर.प्याचटयायाचे.... तुः धेवः गुरुरः हैं। |गुवः वकः न हुवः ववः वे न वे वः गः हे रः न गुरः वः क गवः धदेः र न रः

मैका हुतः नः र्दः ५५५ कन्वारः र्दः मृहे स्वनः मृदः उदः मै करः मृहे मृकः धरः ५५ मः ला नश्चरतःह। श्रुरः नः दीः नरः नीः नेताः धनतः ग्रीतः श्रेः सर्दे सरः ग्रेनः सर् र्यते :ळ्या म वि: यया प्राप्त : क्रिया क्रिया वि: येव : क्रिया में 12. नः वै:दे:र्ञ्चनः न्यायः वः वः वल्दः न्यादः ग्री:धैरः यदः मेषः वलेवः नुः वहँ वः श्चः वः र्शेरः वः होः देः हेरः ৢৢয়৽**ৢয়৽৴ৼ৴৽ঀ৾৽য়৸ঽ৽য়ৣ৾ঀ৽য়ঀয়৽য়৸৽ঢ়ৼ৴৽য়ৼ৽ঽঽ৽৸৽৸ৼৼৼ৽ঀৣয়৽য়**ঀ৾৽য়ৢৼ৽ঢ়৽য়৽৻ৢৢৼ৽৽৽৽ | **२ग**नःऋथःमहिषःसदेःधुयःदी । वेश्रवःठदःवश्रवःठनःर् ल. चोळा. श्रु . चर. केची. तपु. च यथा. तथा. चेवश. ता हो. च यथा. ता दें . च यथा. ता दें . तर्ने ते न न के ता प्रते प्रते न ने ता प्रते प मयरा कर् द्री । चि.च.दे. हें दे.त. रेट. पर त्या तया तया में या ने वा ग्री:नष्ट्रम्बायाः यः द्वेम्याः निवेरः निर्देरः पर्दा । विरः श्रीयः र मोः नः यदः नः चरः द्वेरः द्वेरः यदः त्त्वा गुरात्वेताः हवाताः बेर् पराचर् हवाताः बरावारे गुरात्रे बरार् राम्यावारे वाताः ताले स्ट्रा ब्रॅट्र-च-नद्गेर्यः ब्रुच-व-वश्चव-च-हुर्यः द्रयः न्यः वन्ते द्रः पदिः न्यू द्र-द्रः वश्चरः नश्चर्र्यः यः । । । चयरारुन् श्रे स्राम्बुर् है। चुरारोयराम् वास्त्रे श्रे मेरायरास्न् श्रुरायीरालुरायः ष्ट्र-तेयत्र ठव्:गुव्र-तःष्ट्रव्र-पतेः त्रु-नेतः पश्चेत् वृत्तः त्वाः द्वाः त्वाः त्वाः त्वाः त्वाः तुः यहं त् " यः धेवः द्री पविरःसम् वर्षा सामहर् क्रियामरा त शुरामावी सेवार्षा विर्दे विष्वमा क्रियामा शुर्मा पर्वः मुद्रेन् रहि । र्गरः क्रयः पर्वः पर्वः स्थाः वैरः रहः मेशः श्रेनः परः चेरः प्रेमणः रवः क्ष । दे.ज.व.च.व.वे.के.क.वव.वन.त.व.प्रंत्रत्यः स्वायः पर्यः वरः ह्वायः दिनः

धर्म । ने.लट.रट.मी.ट्रथ.वया ने.ल.वे.ने.ल.ब्रेर.त.र म्था.वी ने.ल.वे.ने.लावयम याने आक्रीयावा के यान्या प्रमाणिया है। श्रीयायमा श्रीयायम श्रीयायमा श्रीयायम श्रीयम श्रीयायम श्रीयायम श्रीयायम श्रीयम श्रीयम श्रीयायम श्रीयायम श्रीयम ळ्या मेडेया ता झंटा हो। मेबवा पर्ने पा समया रुप्त ग्री समरा समा पा क्षेरा समा पा क्षा धर्भेनरे क्रेर्प्त क्रेर्प्त क्रेर्प्त कर् श्चे.त.श्वर.ध.वर्ट.क्य.श्वया वि.पत्र.व.तट्र.श्वरायर्ट्ट.व्री वर्ट्ट्र.क्रियःश्वयः ब.धेज.क्र्री ।ब्रूं*ब.क्र.*पक्क.तर्म. चेट.चेब्र.प.च्रीमा |चर्माट.क्रुंक.च| **刻て.ヒ宮.刻て.** हिर.इबल.शु.पथा निर.री.नवल.तपु.लज.इबल.शी हिर.क्टन.ज.दी.लट.र्न. तह्नि ।नेतः वःत्रेयतः तह्नैरः शेः तश्चरः ह्याः । वितः गुश्चरतः स्रा ।मालव थर पर र য়ৢ৻য়৽ঀৼয়৽ঀ৽ৼৼঀ৽ৼ৾ঀ৽ৼৼ৾৽য়ৼ৽য়ৼয়৽য়ৼয়৽ৼ৽ৼ৽ঀঀড়৽য়ৢ৽ঀয়ৼ৽ৼয়য়ৼ৽ড়৽৻৸ৼ৽৽৽ য় र् ग्र.च.च.वे.र्ट. देव.व.श्चॅर.लश.श.पर्र.चर.पहंश.र्चण.वेट.चर्गेर्.लश.म्शुर्यः... ৴য়ৢঀ৾৽ঢ়য়ৢঀয়৽৸য়ৢ৾৾ঀ৽৸য়৽য়য়য়৽ঽ৴৻ঀৢ৽ঀৢঢ়৻ড়ৢঢ়৽ঢ়৽ 4.22.1 र्ट्ट्र में न. दे. हेर्. ग्रे. इंद्र. ट्रिंट्स्ट्र न. ग्रे. श्रेयश्य में ह्ट्ट्र न. ग्रेथ. दे हेर् न. में बद्र हिट्ट्य श्रेयरा देव रॉ के न्द्र वे त्य्या पारी हि.से.हे.सेर.अट.श्रियायहेग्यायाया lgं थ. ख्रचेथ. ग्रेथ. चेथप. चर. चक्षेच. ध्री

ब्रह्म क्ष्रक्ष सार्थ्या क्ष्रीः क्ष्रियः प्राणः निष्टः क्ष्रा क्ष्रियः व्या व्या क्ष्रियः प्राणः व्या क्ष्रियः प्राणः व्या व्या क्ष्रियः प्राणः व्या व्या क्ष्रियः प्राणः विष्यः विष्

१वराक्वरकात्माद्धरकात्माद्धरकात्माद्धरक्षात्माद्धरक्षात्माद्धरक्षात्माद्धरक्षात्माद्धरक्षात्माद्धरक्षात्माद्धर *दे*ॱぺॱ८**रा लटक कुक कुन पर के दुक क्षुब दक वेबक प**क्षेत्र पति न के दे था दे ने अप्रवास दर्भ महिंदाची वुद छेद्र भार देवा महद्वा वह देवा के देवा के प्रताह का मानवार कर देवा के प्रताह के प्रताह के प्र र्रा । वनायंदे र्ह्मलायद्वे दे के तर्र र से बलायक्के र निर्मा के द मही के के निर्मालय नु त्रेयरा पञ्चेत् याद्व त्रु त्रे त्र युर पदि सु धेव पर राय हे तदि र त में न पर धेव हो। व्या स्वेतः तर्ने ते के निम्न विकार बियामहारयाही नन्-पद्। । यर्-नेन्-ग्री-र्नन् पद-ने-धेन्-ने। द्र-श्रु-त-ग्रु-न-रोयय-पद-क्रयः ॸढ़ऀॱॸ॔ॸॱक़॔ॺॱॸॱऄॗॖॱॸॱॺॺॺॱॸ॔ॸ॔ॱॸॖॖॱऄॗॺॱॺॱॺ॔**ॸॱॸॖॱ**ॻऀॸऄॖॸऄॺॺॱॺॸॕॺॱॸॖॱढ़*ॿॗॸ*ॱॸ॓ऀॱॱ ुरःॡवःग्रेःक्षेरःयःतःत्वत्वाःवैःवरःतुःवरःवःर्दरःवहेरःवरःवेःतशुरःरःवेषःर्गरः[™] **इ**थ.पष्रेत्रःश्चेत्यःश्च.बेथज.चरःबेशिटयःतथ। देब.क्र्य.पष्ठेतुःश्चेत्रःश्चेत्रः न्ययाना सेन् गुर क्षे स्वरे न्यर हु च्या पर मेया विष् गुर के तर्र र जर वन 1रे.के.ब.लुब.**ब. ॾ्**थ.⊈षथ.पहेष.४.ॳषथ.पश्चेर.षवी.क्ष्ट.२.५म्.तम्.४.४ **⋽८**ॱऄॺॴऄॖॱॺॕॺॱॡॺॱॺॖॆॴॸॿॸॣॱॻॸॣॱऄॗॱऄॖॸॱॸढ़ॕॺॱॹॖॸॱॼॸॱख़ॖॴॸॸॸॱऄॺॴॸॺ न्यः हु . दुरः चर्रः च कुरायः रूरः। चरः त्रेयरायः ले स्र्रः मेरारद हुतः दुरः चरः नहर्ने पर र्टः ग्वरः ग्री:र्गे: अप्यायायाय ग्रीर्पाय क्राच्या प्रश्नीरः व्याय ग्रीर्पाय विष्य क्रितः रे.र्ग.ग्या.श्रुव.श्रयश्रम्रेट.प. श्चर् तेयल प्रतः व क्याया गहरा पर उराज्या पश्चरा पहुला गड़िला गड धवे छेर राष्ट्र वित्ते प्रतान के ते त्र मा श्रुट सं सुट तु मालम द में या कर हे त्य दे पर के **ग**रःवर्षःग्रदःस्य मृर्'त्यःक्षेःत्वर्'य्तेःक्षेरःस्। ।ग्वव् प्यदःव्वरःहर्'वःवेःवेःवेःवः

त्रिनः ग्रीतः लुत्रः सः तः ने दे तः स्राम् दे ते स्रोदे दे ते न न न वः से वः स्राम् हता विवतः । स्राम् ऄढ़ॖढ़ऀॱॾॣॺॱॻ*ॺॸॣॱॺॺ*ॱॻॸॣॺॱॿॏॺॱॹॗ*ॺ*ॱय़ॸॱॺऻॸॖढ़ॱ॔ॴय़ॻॱॾॏढ़ॱय़ॺॱढ़ॸॣऀॸॱॴ॔॔ॱॺॱॻॺॸॣॗॗॗॗॗॗॗ । त्रेयतः ठवः त्रेतः श्रॅमः पः दीः त्रेयतः ठवः श्रीः तः न् श्रेणतः वराः त्रेयतः ठवः वर्नः ठयः ग्रीः <u>ৼৢ৾ঀ৾৾৽৸৴৸৾ঀয়৾৽ঀৢয়৾৾য়৾ড়য়৽ঀয়ড়য়৸য়ৼ৽ঀ৽ঀ৽য়ৢঀ৽য়য়য়৽ঢ়ঢ়ৼ৽ঢ়৽ঀৼঢ়৽ৢঀয়য়৽৻৸</u> त्रेयतःस्त्र[.] चु.चन्.तःतःप्रचन्यः वयःपर्वतःस्वःस्त्रः वयः स्तः चुर्तः श्रुयः पदे श्रेयतः....ः ॻऄॗ*ॱ*ॱज़ॱॺऀॱॴॱॻॖॴॱढ़ऀॺऻॱज़ॱळॕॺऻऺ॑॑ॴॱय़ॱढ़ऻॾऀॺऻॱय़ॱॷ॓ॸॱऄ॓॓॓॓॓॓॓ॺऒॱठज़ॱॵज़ॱक़ॕॱऄॕॴॱॿय़ऒॱठॸ॔ॱॻॖऀॱॱॱ क्षेत्रः तुः शेषायः पश्चेत्रः यः यहिणः हे। दे.के.ज.लुच.च.श्रवत.क्षेत्र.त.चेह्य.त.चेह्य.त.च र्टःचबै:चःसँग्राःतुःबःबैगःर्देरःबैटःक्ष्णःबःइश्रराःग्रेःर्देतःतुःशेश्रराःचक्केुर्ःधराःग्रुटःग्रहः क्च.ग्रे.श्रेत्रथ.लूट्थ.श्रु.हूब्याय.त.श्रु.च्य.५ ग्रुय.५ व्यूत्य.स् *ारे* :क्षर :रोबल पञ्चेर :ग्रे: नञ्चनःचुःतर्नेःत्यःत्यअःञ्चेदःत्नेतःनःद्वतःकुतःसंकिष्टःहुःहैःहैःर्नः तः शुःचुनःरूटः विष्यः बेर्ः..... <u>र्ट.र्तत्त्रम्.र्ट.धु.च.कु.र्ट.वृष्ट्रमू.शु.र्ट.धु.च.प.ष्ट्रम्य.स्मय.त्त्रम्य.त्त्रम्य.स्ट.</u> श्चरःहो । यः हेगःदी श्रेष्रणः न्दः चा श्रुदः चः न्दः श्रुदः चः तः लु न्यः चः नृत्रेषः ग्रुः च श्रुवः चि.ह.ध्रेट.ल्ट्र.त.इयथ.ल्.व्याचेट्र्ट्र वि.प्यय.द्व.यर्.पय.वेश्वर्थ.त्य.व्याच्यय.कट् चर्षेट.वे.लुब.बू.लुय.चलुट.टू। जि.जय.वु.कूब्य.जब.चयु.चश्चच.वे.हु.श्चेट्.लूट्.चरू. वेषानवेरार्ने। ।गवनार्गाने नञ्चनामायरे र्राट्रायरे मुद्रावेषा श्री नवेरार्ने। ड्रम.बु.श्रुपश.५ज्रंद्य.घश्चच.घेद्र.कुट.रु.श्रंथश.घुट्-त.त.र्ट-चह्नेर.तर.५ ग्रुर.चद्यः.... ¥थ.च ब्रीट.चर.चे प्र.चे था.च गूर्ट.चे था। श्रीच.ट त्र थे.ट्रचे.चो.चो.ले चोथ. ट्रे. अर्ट्र. अंथा ग्रीट. बोशीट्य. तथा. पट. पट. बी. शि. बाया. बोट. बोया. विश्व मैं व्वःयः मृशुरः रें वेषः तकर् छिरः। देः वयषः ठर् ग्रुरः यर् देः रें वः धेवः धरः वर्रे रः धरः इर्ट्रं। विरावर्गेयामायर्गम् नेयाह्रवायावयाम्बर्गम्येयाम्बर्

द्मयराहें देंदे त्रोयापर के वर्षा वर्षा क्षेत्र क्षा म्युर्ग त्र वर्षा है देवा वर्ष द्वा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र न*ेन्-रेन्-द्रम्-स्*रे-स्र्यःस्यःस्यःस्र-द्र् पूर्व.ग्रेट.र्ज्ञ.अ.अ.थ.ज.ग्रेब्य.च.ज.स. दे-वयानयाययात्यात्याचेनयाना**दादे-**त्यात्यार्ञ्चः र ८४। शुः त ग्रेयः च र **यु यः** यः विषाः यह र । नय. ब्रॅब.त. बेय. चेय. क्य. श्र.च हर. चेर.च. ५५ वे. नय. हे. द्या. द वेय. च. च द्रेय. य. बेवा...... मेथिट.स्र्रेथ.ज.मेषु.यिट्य.तपु.च नर्त.त.पु.श्र.ख्या.च स्रेय.तपु.र्येग्य.श्र. त्रु गः पर्यः क्षेत्रः चरः अर्दे वः पः त्व गृतः त्रु दः बैदः गृतु दः वी दे वः ये गृत्यः ये रः मृदः पत् दः । । । यर.त्र.क्षर.चया नर्ग. मुया ग्रुर. या क्ष्रंर. चा द्वर्था श्रीचया मुवदा र्दर त्या देश र्दर्था वरापन्न में विदेशपञ्चर मन्य मन्य स्वराय के भी नाम हता के स्वरा हे से स्वरा <u>र्गर दग ने में केल प्रमुद्द या दहन क्षेत्र में ने में राज्य में में स्थानी लाहे में स्थानी लाहे में स्थानी स</u>्थान ୢୖୡ୕୶ୖ୶୶୶ୄ୷୷୷୷ୠୣ୷୶ୖ୶ୖ*ୣ*୵ୡ୕୵ୣୠ୳ୄୠ୷୶ୡୄୖ୷୷୶ୣ୶ୄୠ୷୷୳୲ଌ୶୶*୕*୵୵ୄଞୢ୕୵ पःयः लुग्यः पः यदः कर् ग्रीः पश्चरः चुःयः श्चरः पः सेरः प्रते । ग्वदः रुःदः स्यः पदे । पश्चरः चु:न्ट:विन्:बेन्:यर:वश्चर:पते:ब्रेर:र्। व्यर:पत्र:पत्र:पत्र:पत्र:पञ्चर:विन्यःवः . तपु. पश्च पानुः के त्या क्षेत्रः प्राप्तः त्रेयाः पानुः प्रितः प्राप्तः त्या क्षेत्रः प्राप्तः व्याप्तः व्याप ल.पश्चितःतरः बिश्वरयः तः द्वैः अद्देवः त्रेयः श्वेरः परः २६ दः पराः ग्वेदः वे यः बश्चरयः पराः। रोयलानक्केन्-ग्री-क्षेत्राग्री-नक्ष्मनाग्चर-क्षेन्द्रम्-नत्राखान्चेत्रात्व । निःसर-द-रम्-नीःस्याताः दी য়ৢ৾ঀ৾৾৽য়য়য়৻য়ৣ৽**ঀ৾৾৾৴৴৴৴৴৴৻য়য়য়৻ঽঀ৾৾৾য়য়য়৻৸৾ৼ৴৸৻য়৻৸**৾য়ৢ৾৾ঀয়৻য়য়৻৸য়৸৻য়য়৸৻য়য়৸৻য়য়য়৻য় विराधवाता की क्षामा निराबी स्वामा निराबी प्राचित विराधवात की निरामी र्रः त्वायः दा विथा तपु क्षिट्र च खर् जिट्र चरः ब्रार् ब्रे च विषा व्याविषा विष्यः पर्यः पर्यः विषा पर्यः प्रयः 34.2.2.4 3x. 14. ktan. 184. 144. 14. 124 | 124. 444. 9. 44. 124. न्युयामार्थेययामञ्जेद्द्र्यामञ्जेदाः द्वारामञ्जेदाः द्वारामञ्जेदाः द्वारामञ्जेदाः 다.너.됐다.스眞如.너성·允.외투소 | 됩니如.청제·文·文·다.네.다짐니如.너지.如仁如·화석·청·스린다. यर'मञ्जूब'म। मञ्जम'म'ल'ञ्चम'मदे'रेब'म'केर्'म्वन्'मद्री १८८'म्द्री रे'हिर' ฐัส.กรุ.ชุชช.บริทิน.สง.สิติน.ก.พ.มุปพ.กรุ.ชุบ.ก.ส.น.ส.น.ส.น.ส.น.ส.น.ส.น.ส.น.ส.น. चुव्यंत्र पते द्वारायर वर पते लुट हर र् र् र् त्र पा क्षेत्र पत्र व्यव के स् र् गुट । য়য়য়৽ৢঀঀ৾৽ঀয়ৢঀ৽ঀ৽৸৽য়ৢৢঀ৽ঀ৽ৡ৾ৼ৽য়৾ৼ৽য়৽ঢ়ৢয়৽**ড়**৽৻৻ড়৾ৼ৽য়ৢ৽ঀ৽য়৾৽য়ৢ৾৾৾৾৾৽ৢঀয়৽ৠৣ৾ৢ৾ৼ৽ঀ৽৸৽৽৽ मू.ल.मू.ट्रे.जय। वट.क्व.वे.ब्रिय.स.क्षेट.स्टर-वेट्-सद्य.वट.क्व 고 정고· 라고· 급·형기 श्रेयत्रात्त्रक्ष्याः इयतः ग्रीः धेवः ग्री विष्याः भ्रीतः प्राप्ते द्रायः भ्रीतः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स धव-र्वे। विय-१८। हैर-रे-५हेव-मुल-र्व-वयागुर-। रे.चल.व.श्वयःसःश्वरःस्र इदा । रे.डेदे: धुर: बे.वा न्ब्रिं श्री श्रियःमःश्रेदःस्य-वेर्-यःषःश्र-यःषदः र्वा.तर.र्इवेथ.तपु.वेट.क्व.कुर्.र्योद.च.भ्रत्भाव्य.तपु.कुर.स् बियामश्चरयाही ষ্ঠ্র মার্ম ব্রাহ্ম ব্রাহ্ম বি रे.हेर.श्रेषय.पश्चेर.तपु.चेर.क्ष्य.श्रंषय.रतप्तरं वर्षाः रुषः दरः मृष्व और तरुषः वरः मैयः वयः वर्षः वर्षः वर्षः क्षेत्रः स्थितः सः सम्बद्धः सः स्थान्यः सः सु | शुवःयः बेर् धरः गुरः हुवः बेः वर्षेवः वं। विषः र्रः। **愛**エ.ギ! ≆श.प ग्रेज.जया युटः। पञ्चः त्व रुगः पर्वतः गृत्वः धते रहेर। । विचयः स्वयः यः दिन्य स्वरः हुरः बह्रा। <u>दे.के.विषु.जन्न.ज.क्षेत्र.कु.जून.मे.क्र्</u>च.त.क्य.वे.च्.चर.ज.ज्ञाचात्राचात्रक्षेत्र. इस्यापर हैंगापा वैगा धेव छेव कर रव हैंगा धेव वा सुर है श्रेषा है रव हा स्वाधित वर राज्य त्रिरः वरः ५८८ । वर्षः देदेः तज्ञकः तुः त्रिरः चः वकः श्रेः तर् तः श्रे। 山乡大、製山、七七、岩山、 ब्रॅग्'वैष'चर्डर्ष'य'र्रः। ब्रेक्'र्ग्र'क्ग्'ग्वेष'ग्राष'क्ष'यावत'य'चक्रेवर्ष'य'र्र्'। व्री.८.४८.४५। १८.४५। १८.४५। १८.४५। १८.४८। १८.४८.४ क्र्याच्याच्याचा क्रिन्द्र तक्ष्म मुद्रान्य त्या ध्येष् म्रीवारान्द्रः स्वाधिययाश्चरानः र्यम्याक्षः वे.ने.के.चेषुः ने व. इ.च. इ.च. त्याचा क्षेत्रः त्याचा क्षेत्रः त्याचा क्षेत्रः व व.च. व.च. व.च. व.च देल-दॅव-दे-क्रेद-वल-क्वॅद-य-दे-द्वा-ल-तह्वा-य-दे-कुल-स-द्यरल-ग्री-लर-प्यव बु.ड्र-.लट.धु.कू.व.तर.चक्रवाय.त.यह्र-तप्तु.यर्नुपु.विट्य.चश्चर.दे.ट्र-य.वय.चक्रेचय. । पर्ने लाक्ने विचला ग्री का सम्बद्धा कर्ना लाम्या ग्री लामा क्षा का की का में विकास मान्या की का मान्या की का लाश्चरायाळेव रापन्न महिता कुलायते प्रमुव पति हित्यात्वा केन् पति ने वि व हिन् षा.श्.श्रूप. क्षेत्र. चेत्र. प्रतानीया. र ह्यं र त्या वा तथा. ह्यं र या तथा. क्षेत्रा क्षेत्रा के र र र र र र इट्य.हे। ह.केर.विट.खेबल.ग्रेट.खु.बेबल.ग्रु.हेबल.क्...टे.चर्डर.चट्ट.चट्ट.श्रंथल.द्रश. त्रम् प्रत्यात्रा की. र अ.तर. पर्वेट. तपु. प्रत्या के. स अथा की. घाटा र तर्टी ही। रोबल-८्रम् स्थान्त्रः मृत्याः विकास्य स्थान्तः स्थानितः स्थान्तः स्यान्तः स्थान्तः स्थानः स्थान्तः स्यान्तः स्थान्तः स्थानः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान तर. च ग्राच. व ख. चेज. च. ८ के थ. तपु. जश्च न च र. सं. चे थ. तर. थह्र र. स्व. क्षेत्र.

च.रेच.त.ज.के.चर.श्रेच.त.रेट.लब.ग्री.चेबर.ल्रट्य.थे.ईचथ.त.द्य.तपु.रेब.ग्री.पीर..... *ॸ्*ॸॎ॓॔ॖय़ॱऄॸ॒ॱय़ढ़॓ॱॸ॓ऀॻॹॱय़ॹॱॺॿढ़ॱॾॕॸॱय़ॸॱढ़॓ॹॱय़ढ़॓ॱॸॄॺॱय़ॱॾॖॺॹॱॿॸॗॱय़ॱॸॄॸॱ। য়৾য়য়য়ॱড়ড়৽ঢ়য়ৼ৽ড়য়য়৽ঀ৾ড়৽ঢ়ৢ৽ৼয়ড়৽ঀ৾ঢ়৽ঌয়য়৽য়ৼৼৢৼ৽য়ৼ৽য়ৼ৽য়ৢৼ৽ঀ৾য়৽ৼঢ়৽য়ৢ৽৽ क्रॅमल: भेव: हु: खु: ता अरल: पता ५: हु: प्यादाव: केन: केन: केन: क्रिक: व्यादा केन विकास क्षाता विकास क्षाता वि ञ्चन्यः इयतः छ्र-१, प्रत्रान्यम् वर्षः ययः ञ्चयः पदेः छेः ने : न् नः वर्षे मः पः तः त्यात्रायः पः न् : नरः है.... *ॱ*ॷॱॸॱॸढ़ॏढ़ॱऄॖ॓ॸॱऻॱॱ॔ॺॱॺॱॺऀॱॿॸॺॱॻॖऀॱक़ॱॺॱॹॗॸॱॸॱॸ॓॓ॱॺॱॺऻॸॕॺऻॺॱय़ॱॷॱॸढ़ॎऀॱॺॕॱॶॺऻॺॱ · पृः न् रः में रे ते म् रायर पर्दे रः या विषय र मः वे स्वार्थ स्वार्थ से सार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्व वैः कृरः यः वेरः क्षेत्रः यदे र क्षेत्राच्यः प्रतः स्थलः वयरः वेः क्षरः व्या वयः वयः विष्यः क्षेत्रः स्थलः वयः भव र ख्या युरा। इराय हेर ये हेर विश्व हे व है अ सम् वाय हेर व क इस सम् वाय केर वर स ञ्चेयः पते ॱॾ्रॅ ण्**लः पः ऍर्- पः इयलः ग्रेलः ङ्गेर**ः यः के**र**्षेयः वरः ञ्चेतः प्रेवः वा <u> ब्रुचियः ग्रीवः क्र्</u>चान्त्रतः स्वायः रुवः क्रवायः श्रः क्षेत्रः ब्रेतः यात्रः याद्यः यादः व्यवः अञ्चयः स्वायः स वयः क्षं नुः वः वयः ववनः वै: नृ ष्यं यः संः वे यः क्षः वः वै: गृशुरः रवः यवतः नृ गः नृ रः व गृयः वैरः रेग्या परि त्या तया तर् या पिंत्र राष्ट्रमा हे । हे ग्रामा हेत्र या मह्म यया ग्रीया पश्चित परा इ.च.वे.ब्र.चव्यात्रक्ष.चव्यात्रक्ष.च्यात्रक्ष.च.व्यात्रक्ष.च.च्यात्रक्ष.च.व्यात्रक्ष.च.व्यात्रक्ष.च.व्यात्रक्ष.च.व्या ॉ^रंब हेर् हॅं ग्राय पते नेय रम र्र र्द्व र्य यायाय महेब पति यम क्री रेया पार्र चरा **ब्रु**पु.पाबा,बुथा,त्रा,चेया,गु.क्रुप्या,र्टा,चेया,प्रचा,गु.कः,बुथा,ताझ्यथा,गुथा,श्चिता,ता,शूप्र *बि.च.ग्रु८.५२४.ज.ज.च.च.च.द.५.*५८.*श्रुर.त.५च.तपुर.च.५८.ग्रुव.*ॾ्ट*ा*ग्रु. न ने व 'स'त्य'न हे व 'सदै' तथा कु 'देश' स' न् र कु के मदि' तथा न् र म त्र न् व सता कु के न्या प ता.चु.मे.च.चुर.त.लट्र.चे.तर.ह्चाथ.तपु.नेट.के.च.थे.या.चनकेच.धू | जिय.ख्या त.चु.मे.च.च्याय.च.च्या.चर.ह्चाय.तपु.नेय.च्याय.चर्चेच्याय.चरच्याय.चर्चेच्याय.चर्चेच्याय.चरच्याय.चर्चेच्याय.चरच्याय.च्याय.चरच्याय.चरच्याय.चरच्याय.चरच्याय.च्याय.च्याय.चय्याय.च्याय.च्याय.च्याय.च

 नैतारमाग्रीप्यार्स्यानुःश्चेत्रायादीयाधेदार्दे। विमतायायावातायादीया थिवःद्रा |बेबर्-८२| दॅर्-श्रुटवरग्रैवरब्**बर-४-व्यक्त**ग्रदा| दॅर-श्रुटव| र्धेर:वा ॱॹॕॖ**ढ़ॱय़॔ॴॹॖढ़ॱय़**ढ़ॖॱॿऀज़ॱॾॣ॔ॱॾ॔ॹक़ॱ॔ॻॣ॔ॗॳक़ॎड़ढ़ॱॿॖॗढ़ॱक़ड़॔ॱॻॿॗॺॱ॔ऻ อีะ. ฺชิอ. ฺชฺฆ๗. ८ กษู. ๖ฺื๗. ฺ ฺรอเลาสอง. ฆโอผ. กผ. ฺพฺ ะผ. ผี. ฮฺ ๕. กระ. ฺ ๛ะผ. ฺ฿ฺ ๗. ฺชิ....... য়ৼ৾৾৾ৼ৻ঀ৾৾৾ঀয়য়৻৽ঽৼ৾ঀৢ৾ৼ৾৾ৼ৾৾ঀ |बे*षःचशुप्तःसॅ*| |देवे:ध्वेत्र:श्वेद:धःतःसंगवःधः ฮาญ.ฎิ.๛.ฮสญ.๑๘.๛ุะ.อนู. ๕๗.๙.ฮสญ.๑๘.ฎิ.๓ ฐป.๔๕.๘๔.๙๔.๙๔.๙๔.๓.๖๔.... न भ्रमा परा चुः भी हिंदा पा मुदा परा दी हो ना केदा मु त्या न रा भदा दी ही दा हो। रेवः यं के वे स्वरं त्या ने पुरावा पर्वः में कः च में यः वेदः क्षेद्रः हे के वः यं वे स्ववयः यः न वयः व्यः इयः यः वय्यः ठर्-श्चैः यळेवः र्रः ख्वः यदेः श्वॅरः यः वेर्-यर्दे व्यरः यन्त्र्वा ययः यः ययाः । **ग**ृत्र तुः चेत्र र्ह्। दिः त्याद्य या वयवा ठत् ग्रीः यळॅ गः त्रः त्य्वः यदेः क्रूरः यः वृत्र विः বা चल.च.च्रद्भव.पंबीय.र्ट. अ.चल.च.चथ्य.बेध्य.रं. अ.चल.च.चेथ.रं. रंट. अ.चल.च.... वनल न्दायात्रयान। वेताकुल परानगत दुल केदा नेते में वाकुन ज्ञा वरा यदा। दे **इयसःपद्मे क्रेन्याम् र्वा थेवा । ह्वेव र्**न्स् छ्याप्रेयस्य ह्वा स्थान ह्य म्री:अक्टनाःस्त्रःय। क्ट्रिंदःयःहेदःदीःनाञ्चनयःशुःयह्द। *विवायः*क्षनःनीवाःयर्नेःयञ्चेः मेलाग्री मालवा शेरमेला **ाष-६व-वृद्य-त्वा-दा-वृद्य-ग्रु**-वृद्य-दा-द्य-वृद्य-दा-द्य-द्य-द्य-द्य-द्य-द्य-द्य-ल्राचा के त्या इयाया दे हिंदा स्वाया निर्मा पर निर्मा निर्मा निर्मा हिंदा राजा स्वाया पर निर्माण है स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वय क्ट.वे.अर्मे.क्य.रेट.जमे.क्य.ज.स्माय.तप्त.मञ्जाय.रट.पट.पट.पट.प्रव.यू । निवय.लट.

८८४.७८.ग्रेथ.ब्र्याय.क्र.वर.ग्रेट्य.वय.चयाच.८८.। ट्रे.क्रे.ण्य.व.व.वट.क्ट.श्रेवय.८ तप्त. *นี้น.นิ.*ปมีน.ก.น.น.มีนาก ยะ.บ.ปะ.หิต.ปัสชาบ ถึยง.บ.น.น.มูนน. ก.รัสชาปู. द्यः म्यः म्यः म्यः भ्यः रवः तकतः वरः म्युर्यः है। इयः धरः तवनः धः पष्ट्रवः धः वया विरःक्वात्रेयतः द्यतः द्वातः क्वातः क्वातः द्वातः द पर्ने वे स्वाया पर्वे चरा हुन हुन हुन स्वाया दे त्या बे ह्व व सं दे र वा पर्ने अर् र उ चरा हुन युत्रयः नियः मेयः रचः ग्रुः सः रूपः हुः श्रुवः यः विः वः यः वङ्ग्यः वः यः वङ्ग्यः वः श्रुवः यः क्षेत्राचा इत्ययः ग्रीयः द्वे त्वेता च द्वे या चे रावेदाः दे र त्वा या र या प्राची वर्षः द्वा या श्वेदः । पड़िदःचरःश्रेम्यतःस्। । माध्याम्। पर्नेःहःश्रेमःनुःश्रम्। गाःभिदःकुषःचरः गुरःसः मदः धवः यः देवः सुगः दवः ग्रीः श्रेतः तरः गैः मः विः तः ग्रीवः यः देः नेवः रवः वक्यः वः धवः वया चु ययः पराः न्रांतियः व वर्षः स्वः त्र्यः दे विः यः त्रान्यः स्वः विषयः स्वः त्राः नेवः चर्यायः चञ्चर्यः या च्रम्यः यः दः च्रदः क्र्यः श्रेम्यः द्वरः श्रुम्यः यः श्रुम्यः वः वः वः वः वः वः वः वः वः व हुना- र्रः व्रदायते र्ने प्रते राम्रान्ना प्रत्ना प्रत्ना प्रते र्ने प्रते राम्रान्ना मेलाराया निर्दर्भनः गुरः हथ। व्ययः पर्यः नश्चाः वह्यः स्वः वर्षः देवे यः यन्यः स्व पड्रञःकंत्रःपर्यःग्रीयःचगोपःपङ्गैयःच। वास्त्रयःच। व्रिनःग्रीयःग्रनःपञ्चयःचःच्याःश्वरः ब्रुवःपतेःषःऱ्यःतुःश्रुवःपः**णटः**न्याःपरःपश्चिपत। पश्चयःपःद्वगःदुरःद्धयःविवयःग्रेःषः ¥ल.पे.बुब.तो नश्रेज.त.रेब.रे∠.नड्र-.नप्र.ल.र्ज.पे.बुब.तो नश्रेज.त.रेब.रे∠. नभ्रयायः हुना छुरः नेतार्यः ग्रीः धः स्ताः हुः धेवायः ब्याः स्ताः न्याः यञ्च वताः वा विः ताः श्रेः श्रुवः ୰ୖ୵ୢ୵ୣ୩୵ୣ୵୷ୣ୵ୄୠ୲ୄୡ୕୷ୣ୴ଌ୕ୣ୴ୄୣ୲୕୶ୣ୶ଊୄୠ୵ୄୡ୳ୄୖୄୡ୵ୡୄ୵ୄୡୖୄୡୄ୕ୡ୕୵୳ୖୠୣ୵ୢଅ୕ୡ୕୷ୢ୕ୠ୕୶

सः चेर हे दे द्वा दे हुँद्ध प्याध्य दल शुः स द्वा पर त शुर स । विकासा

ने ल'क' ह्रेंट' हेन्' ग्रे' हॅ गल' य' पॅन्' क' बन्तर ग्रे' क' ल' तनन्' य' केक्' यें ल'क्वें ब' बें न कें ल' रर.मी.ह्रॅब्र.नपु.र्ख्व.ग्री.श्रेष.रनयाच चर.त्र. स्वयायाने र्ना वेरदेया स्र.षेयाञ्च.च.द्री र्दे दः अ'र्चे' पर्दे ' तुषः धेद 'र्दे 'बेषः श्चर-पः दे पर्यः यं धेद 'र्दे । विषः हे हे हुदः यः यः र्वेषयः ऑर्-व-रेशक्रव-म्-क्रव-तर-लव-के.क्रव-त्र-लव-के.क्र-हे। पर्-केर-हे-लट-रवा यः धेवः वः वैः र्वं वः न्यः यदेः यर्वे वः यय् वः वः वु यः तुः हें गवः यदेः वेः हें गः थः वेवः वदः वयः केद्र-पॅर-क्रुन्-पर्द-कुल-स्वतःद्रवारा विन्-पर-तुःशेःह्रवाः भेदाःल-न्वर-विन-पर्दः रापकुन् पदे गुरारोबका इवका लार्चुन पार्वे न क्विंग्यर द बुराव ने दे दे रे वका पार्वा धेव ···· ना *षानञ्जः चं न्देन्द्रे* त्यत्र हो द्वेत स्याया सँग्वाया साग् स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत इयलः गुरः वेः श्वें न् यः यः भेवः कॅ त्वे लः लः नहुः नः त्यलः नशुर्लः यलः लः नेः नेः वः यनः श्वे वः नु नः <u>อี</u>๚.๗๙.๗๕.ฐี८.๙๙.๗๙๙.५८.। रे'र्ग'मै'र्रें द'हे'पर्वंदायाध्याधार्ट्राशुच् *ॸ्*ॸॱॾॕॻॴॱऄॸ॒ॱॾॺॴॻॖऀॴॻॖॸॱॸ॓ॱॷॸॱॸॻॴॱॸॴॱॾॺॱय़ॱॻऻॿक़ॱॸॖॱॸ॒ॸॱऄॱॷॴढ़ऀॱॱ <u> 왕</u>자:ギ| ไติ่่ ไ.ก.น. นี้.ผ.นนิน์. เล่น เพิ่น เ น.घषथ.२८-(ปู.ปรู.ปุช.ปพ.ศ.พ.ปุชพ.กรู.พ.ช.พ.ช.พ.พิพ.ปุพ.ปุ.พ.พับ.ก.พ.พ. **१९**-१९: इंगलायाय दिन्द्र अधिक देन्द्र स्टा के स ॼज़ॱख़ॺज़ॱॻॖऀज़ॱॻॖॖॖॖॖॸॱॱख़ॺॱय़ॸॱॿऀॱॾॕज़ॱय़ॱढ़ॸऀॱॿॕक़ॱय़क़ॱक़ॕऻॎऻढ़ॸॱॱॻॖऀॱक़ॢॱॸ॔ॸॱऒॱऄ॒ज़ॱॸ॔ॸॱ बैदःयःर्सेग्रन्थः सः र्र्डन् : श्रेन् : यः यद्दैः नृग्नु : अत्यः श्रेन् । हेन् : ग्रुः : अ्वत्यः यः संग्रन्थः य नेदे छित्र पर्स् व त्युता स्वाता भेषा वेषता ठवा या वे पा वेषता स्वाता स्वाता ॻॖऀ*ज़*ॱॸ्ग़ॖॖॖॖॖॖॿॺॱय़ॱय़ॱॺॕॺॺॱॸॖऀॿऻ॒॔॔ॿॾॕॸॣॱय़ॱढ़ॸॣऀॱॴॸॱॹॱढ़ॸॣॕॸॱढ़ऀॿॱड़॒*ॴ*ॱॺॖॺॱॻऄॗॹॱॸॹॢख़ॱ

हिरादे तहेवा झा झे ते वा कें**ग** वल इर लेबल कुं र्ड्डू र य ल श्रंय र में ल यर मनर न *वेषाः चुषाः वषाः ग्*षवः इयषः ५ हेगः यः वैः याम्षः ५ देः म्ष्टः ग्वनः ग्रीः ग्वराः भेवः वै। <u> श्रेन्-नुःषदःलःमञ्जःनःसल्। ग्रेःमुकःनदेःस्रुकःग्रुदःस्वनःश्रेयसान् पदेःसःशैःग्र्यःनःदर्नःतः</u> न्वतायते चिरास्त्र तेवता रेवता देव स्वाची श्रवाया ची स्वता पश्चिराया पश्चिराया प्राची श्रवी *ॼॗॖढ़ॱॸ॓ॱ*॔ॱॴ*ज़ढ़ॺ*ॱय़ॱॸ॓ॱ॔ॴॹढ़ज़ॼॖॹॱॸॕॕॴख़ढ़ढ़ॱढ़ॸॹॹॺॴॸ॓ॱॸढ़ऀढ़ॱॴऄॴॴॱय़ढ़ऀॱऄॱॱॱॱॕ वेषाले वरा श्वापायर अर्दर दें। दि त्या वर्ते अत् छेषा गुरा वर्णाव वर्ष्व वा है। |*☆とか.*孕み.孕.要*☆*.日めか.♀∠.与か.め.矣」|な.セエ.白.セ.फ. ग्री-री-द्रागया ग्राप्तग्राया श्री तर्ने ने दें न न स पते न में न पतर धेन न से न ग्रूर में न ग्री हैं न रा न रहे न रा से न रा त षा. सूर्याया. ता. यट्या. में या. ग्रे. झ्या. संबंदा थीया. सा. ने. क्षिटी. या. मेंटी या. यट्या. में या. मेंटी. ऋया स्व-शुव्य-झन्ताया-पा-दे-ल्राट्याशुः पर्दया गुः पदा शुक्ता स्वाया श्वन यदे क्षे तर् हेर् गुर स्व तर्र तिव रेग्या गुे तु हिंद् गुया रे हुर दे ता ह्या यर वर य इन ग्रन विकास संस्था में द्वार के का होना में के का मान के किया मान किया मान के किया मान क इया पा झे ह्म ने या ग्रीया नो भेष हुँ। पा पर्दी प्रना था खंद्यया मेन भटा रे ने या ग्री प्राप्त हो हो हैं वर्षे ๚**ฆ.**८८.ॷฆ๗.๑๔.ฎิ.५๔.ฮุน.กะ.อิ.च.८८.๓.๖๔.ฎิ.ผู้.บ๗ฃ.ฎิ.ผู.บ๗ฃ.ฎิ.๛.ฐ.๒๖.๓.ฃ๛. तर. ग्रैय.भेग लट. र्मय. ग्रै.पं.पर्. दे. क्या इसया ग्रे. क्या हेर राष्ट्र राष्ट्र । नि. प्रवेद निवेगया माझ्यकानुराधरात्ररामा नुराधरात्रराक्षकानुः नृत्रे विर्वादि वे न्ववाया ने न्रे दि हर ^{कॅला} मयला रुन् क्ष्रंराम केर्न्स्ट क्ष्रं म्या मयला रुन्न्से मुला खुर खेर्नाम्य | विदेशा की ने मलेव मिनेश्राम इया है के रम हिन् है मर है मर है मर से लेव है। वृद्ध्यान्यः रूटः लट्ला-मुला-वयला-ठर्-गुला-गुटा-इया-धर-श्रः हेना-धते-क्रेला-वेर्-तर्ने-त.व्या-ध्। ፟ጞ፞፞፞፞፞፞፞ጞፙፙ፞ጜጚጜ፞ጚፙ፟ጜፙጜዹጜጚፙዀፙጜፙጚፙጚፙጚፙጜፙፙፙፙ፝ዀ፞፟ዹፙጚዀ ब्रेन्-य-न्द-थे-नेवाबह्द वायर-वश्चवायक्त-ब्रेन्-यान्द-दिन्-ग्री-न्ग्रीयादिक्र-ह्यन्-ब्रेन्-य *ॸ्*८-२५८० ग्री.लब्र.लब्र.इब्र.स्ट.२ब्र.स.क्र्य.ल.क्र्य.ल.क्रिय.ल.क्र्य.ल.क्र्य.ल.क्र्य.ल.क्र्य.व्य.च्र.चे.चेब्र्य.ल. र्भुतायाञ्चेत्रकेष केषाञ्च | यदः द्ये रः द्वा शुः देः के देः कुः यळे रः ल्यायः दयः यह् दः पते क्विरःगैयान क्विर्वयाद में पते के ले वा गरिना या है ज वा किर्माया के का या है ज **प**वै ॱॡॅबॱतुॱळेन् ॱतुॱतवन् ॱववानक्कुँन् ॱन् वॅवः पवै ॱळेॱव्यः वक्कुंनः प्यानिव विव नु । षान कुर् पर श्वेनषा व्यापन र पाळेव पॅ पा बी हें या पर धुर र बा दिवा या व्यापा ठर् बिद्धदायते त्या है र वा न केंद्र या दे र वा दी वा दे या केंद्र यदे र वे वा दि <u> सक्ष.प.पचर्-तथा ग्रेट.बु.धे.ब.तर.थ.चश्च.च.पथ.चश्चिर्यः तपु.हु.र</u>ू। **ब्र**न् चेर व्याच्या स्वर स्वर सेवया न्यते हुँ न्याय के हूँ न्याय के हूँ न्याय के स्वर स्वर के स्वर स्वर है। **ग्**याहे ही दाराया स्वाया पार्श्वान्य पार्श्वान्य पार्था प्राय्य के त्या क **य** ने न् न कर हे हे बुद छ हो द छ न र हो ब स्या शु के ले द पया न के न या के न हो हो द र पा स्था के न स्या है के स्य दे प्रविद:रु.क्ष्मा वा स्थला गुरा करा विदाय दें त्यला गुरा ने ने दे व दा तु ना हु मा **५५०.त्र. वश्चरय. तप्र. हो ४.५४.थो ५.५४.थोय.क्र. तर. वश्चर. व.ध. हो वया ह्या.** षेयरा हे 'ग्रेन' पदे 'दे 'ग्रेन द्वार ह्या पद मायत प्राप्त हात विष्य प्राप्त प्राप्त का के प्राप्त का के प्राप्त माबेर्-पक्ष-धर-धेव-वबकारुर-खंद-पर-दश्चर-ल। विर्-पर-र्-छ्र-र्-र्-रक्ष-प-हुर-वृद <u>रट.जयट.क्र्य.बेर.ज.दंश.तर. बु.क्र्य.तपु.क्र.वे.क्र्य.यंत्रक्र्य.यंत्रक्रय.यंत्रक्र्य.वंत्रक्र्य.वंत्रक्र्य.वंत्रक्रय.वंत्रक्र्य.वंत्रक्रय.वंत्रक्रय.वंत्रक्रय.वंत्रक्रय.वंत्रक्रय.वंत्रक्रयंत्रक्षयंत्रक्</u> **क्ट. तर. ५ श्रेर. चया से मा. क्रेव. धर. ५ श्रुर. ३**० *्रि:देवे:ब्रद:तु:ड्रब्ग:ड्रब्ग:वर्त्व:घर:* **ದ.**ಥಿ.ಶ್ರಿ.ದ. **ॡर.नरुयःश्चेव,तःश्चे। वियःय्वायःग्रेयःद्वनःनः**यः यूर्यरयः यश्चरयः नयः देः विव्यः युवारयः र्वायःस्या

त्र्यायान्त्री प्रति श्वाप्त के के विकास के स्वाप्त का में स्वाप्त के स्वाप् ま・煮・含・乳の・切べ・む・てる・り・その・ス・マーカー・ルベ・煮・え・まれが、日本が、るち、む・てる・り・煮・ णव-श्च-त्वलायानविवात्। इंटायानेन्द्रम्णायायते नेलात्रना नुन्यात्वा वाह्येवायान्द्रम् ロ·イエ·영可·イエ·新ス·ロ·イエ·ロヨの·美イ·岛イ·はな·彦·う·イ可·ベ·デ岛可心·はな·為·う·まぬ心… इंट हेर् इंगया माया धेर ग्रूट देते इत्या भुग्या न्टा स्वापर तह्ना मा से त्वापाया तह्रवःषान्वनाः पतः क्रे.चुरः सुनःग्रीः सेयलः नेः न्रेंताशुः येनः ग्रुटः नेतः है तः चे वः पः येः त नायः मा दियाव दे तर् नाया द्वी गया साबेदा सदी ही वा साबे या नु स्टा प्रदेश वाया मः बह दः श्रेनः मः तः श्रेवः मः श्रेः मह तः तः ने पः मः ने पः मन् । विनयः मेथायाच्याच्याच्यास्याच्यास्याच्यास्याच्याः मेथायान्याच्याः चित्राच्याच्याः स्वर्याः मेथायाः स्वर्याः मेथायाः स पव्यत्तिं त्रियः प्रति भिषान्तः स्त्राः श्रुंतः न्तः क्षेत्रेतः पः स्वावः श्रुः वश्चितः पः त्यत्रः
 תפוחי חדי שלי שלי שבילי קיים מושורים מילי שלי שבילי קיים מושורים בילי שלי שבילי ליויים
 मैलः चेवःवः वर्षः प्रः वयवः ठपः यष्ट्रेवः पर्वः श्रुपः भैवः हुः उपः हे। रेव केव शेर प यवा । मुनु मुलः क्री क्षुं दे स्ट्रिया । कुलः सं न सर् द स्या समार विद्या। वेषः नशुरुषः यः द्वेरः हे . शुरः यद्यदः ध्वरः ष्वाः विविषः धरः <u>वि</u>र्। रेशायगयावीर्म ৢ৽য়ৢ৴৽য়ৢ৽ঀ৾ঀ৽ঀৢ৽৽য়ৢৢ**৾ৢ৽৽ৼ৽**ৢয়ৼয়ৼয়৽ঀয়য়৽ঽৼ৽য়ৢৼ৽য়ৼয়৽য়ৢ৽য়ৢৼ৽৽৽৽ रेशःतग्रादेशस्व अर्दे देः गुराद शुरावदेः श्चेत्रापार्टः द्वाराष्ट्रियायाया र्श्रावारा तदे । द्वारा स्वरा ग्रादा वित्रा पदि । क्वार्णि । विदास्त्र परि क्वार्णि । क्वार्णि । क्वार्णि । विदास्त्र विदासी । विदासी इर प्राया रोग वाइ वाइ विवास है वा विवास है वा विवास है वा वा वाइ वा वार वा वार वा वा

|बे्बर-प:न्टः| सुट:वॅ:ब्बुब्ब:प:यब| न्द्रीव्यव:पर:क्षुट: बेद-य-नर्द्र-ग्री-यक्र-स् नलःश्चेत्रायाचेत्रायान्यः स्थाविस्रयायकॅगायहेत्राचीयास्थाविस्रयानश्चित्रयामास्यान्यान्यः सार् **र्** युर्-पःहे क्रेर्-पःरे व्ययः ठर् दे हैं न' सद्रः प्रत्रा शु के हैं न' पः दे पुरः ह्वा द्या *बेबा* नहीर्या साम्राया त्या प्रताय प्रताय का स्वाप्त हो। प्रायत स्वाप्त स्वाप्त प्राप्त का स्वाप्त स्वाप्त स्व **३**ॱॺॕॻॱॸॖॱढ़॓ढ़ॱय़ऺॺॱग़ॖढ़ॱढ़ॺॱॻॺॗॸॺॱय़ढ़॓ॱॾॗॆढ़ॱॺॕॻॺॱढ़ऀॱॿॱॸॻॱय़ॺॱॻॸॗॸॱऄॗॱॺॺॱॹॗॱॱॱॱॱ चलाचलका मृह द्रान्दा भेलारमा गुदामहुदा सला सुर द्रिन्यर गुलाभेष सुदामहेला सदे रॅ्वॱ**ਘ८**ॱध्वैदःरुःखन्, हुःबर्ददःधरः बेदःधरागुदःदगःपञ्चट्राःधरायःवार्गःधःयःदेःकृरःः न नन् हो। ह्वेत राम्या द्वारा के हेत पर हित पर हेत पर हेत है। ने साम प्रमा के निर्मा का प्रमा पर पर क्षुत्-व्याञ्चेद्र-याञ्च्यायावेतान्श्रेण्यायः क्ष्यायः क्ष्यायः श्रेत्रायः श् ऻॿॖऺॺॱॿऻॹऀॸॱॸॖऺॿऻॺॱय़ॱॴॺॱॸॖ॓ॱऄॸॱॹॱॿऻ<u>ॹऀॸॺॱ</u>य़य़ॖॱॿॖॆॸॱॸॕऻ ন ধনাথ প্রা मः अविश्वास्त्र त्रे निर्णः क्ष्याः वर्तः स्वरः सर्वः प्रतिः मृत्यः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स **ढ़ॖॱमॅॱदलः ह्युं न् छ नलः वस्रारु न् नारः वनः नयः करः ग्रेः प्रत्नः में। सक्रदः दहेवः दुः ग्रुरः वराः** बळवानकतातुः वद्रायदेः धेरार्द्रा । इतायरी निहरार्द्रेश्वायदेः निहरासेयतः रूटः ढ़ॖ॓ॴॹॕॗॸॱढ़ॸऀॱ**ॸ**ॺ॒ॴॲॱफ़ॗॺॱय़ढ़ऀॱॺॕ॒ॺॱॺ॓ॺज़ॱॸॸॱॸ॓ॱढ़ॸॖॱॸढ़ऀॱॸॺ॓ॱॸॺ॓ॱॸढ़ॱॸॕॖॕॺॱय़ॱॿॺज़ॱ**ॸ**ॸॱॱ त्रिरः मश्चिमः द्वार्थः इतः क्षेतः क्षेतः क्षेतः मान्यः विष्यः क्षेतः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य रेगला है। दे केन् नु ह राम महेदानु के रहा । विदेश दि हे मान समा ठर्'विंदः मृश्वयःरुः हॅम्' यदेः क्रॅलाग्रेः चर्मा वहेदः तुः ग्रुलः द्रा विकाम् हेदः श्रुलेदः हर् श्रेबब्धःचःन्दःन्वःवर्धुं रःन्दःवक्कैःचःन्दःद्वःवर्ष्वेदेःश्र्वःचश्रवःश्रेब**कःचःन्दः**श्चव्यः**ःःः 4. 美元・44. 44. 44. 45. 45. 45. 45. 45. 1 ままないれいていかていきいています。 য়ৢ৾৾৾৾৾৽য়৾য়য়**৾৽য়ৣ৾ৼ৾৽ঢ়৾৽ৼৼ৻ৼঀ৾৾য়৾য়য়য়৽য়ৢ৾৽ঢ়য়ৢঢ়৽ঀ৽৸য়ৣ৾ৼ৽ঢ়৽য়য়য়৽ঽৼ৽ড়৻ঀৼ৽ড়ৼ৽ড়ৼ **मज**ः तर्ने त्र श्रुटः हॅं तर्ने त्याच्यं दा ह दा न्दर हे वा न् श्रे ग्रायत् र श्रुवा तु । यव व्यव द्या हे या ग माइरान्मेंबाया भाष्ट्रमाधिदायवा नेपन्यायाहि द्वेरादेवायाळे नार्वयातुः रूवायी वर्षा बहुबे.हे.पहुषा.थे.प्रे.पो लट.कूथ.ग्री.घर्बे.श्रर्थ.पा.हं.द्वा.कु.घर.घर्षेट्य.पा. दे·ฮबरु·यबर्-द्रन्गःमैर्देशस्टिःह्र्टर्-दुःदर्मेःवल्। ब्रुॅं र.स.र्ट.से.चपु.ब्रेब्यथ.बर्धेय क्. ग्रट. क्षेत्र. प्रचील. पर्थेट. ब्रथ. चीडेश. मी. ल. प्रचीय. प्रेचीय. देची. ल. क्षेत्र. प्रटा पर्शेट. |देते:धेरःवड्यःत्वेरःग्वयःश्नव्यःक्रवःक्रुःव्यःच्रदःवह्गःयः शाबेद्रायरात्र्वित्। र्टः चर्चित्राञ्चरः चेरः चेरः पाने व्याचीतः वायः पाने या ची छः यादः व र च न चित्र विष्ण য়ড়ঀ৾৾৾য়৴৻ঀৼ৾ঀ৾৾৽৸৾ঀ৾৽৴য়৾ঀৢ৾য়৽ঀৢঢ়৾৾ৼৼৢ৾য়৽ড়য়৽ড়ৼ৽য়৽ঀৢয়৽য়৾য়৽য়য়৽য়য়ৼৼ৾য়৽ঀৢয়৽ तर्-त्यातर्-तर्न-तर्न-तर्न-तर्न-त्यन-तर्न-त्य-तर्-त्यान्य-तर्न-त्यान्य-तर्न-त्यान्य-तर्न-त्यान्य-तर्न-त्यान्य-त 439'4'55' **८**डे**द**.स.चाक्रेयाश्चे.पचात्याचात्वेचा ५ में त्रास्ता।

<u> श्रेषः हे। इत्यः दर्रे दे इत्या वाह्य स्वी श्रेषया श्रुप्त वर्षः परः वृद्धे । यिष्टः वश्रुवा पर्दः हे द</u> बर्द - देते : श्रुप्तरा दे : श्रुप्ता या राष्ट्र विष्ट प्रित् : पति : श्रुप्तरा धेव : परा श्रुव : पाया राष्ट्र विष्ट या या राष्ट्र विष्ट : पति : श्रुप्तरा धेव : परा श्रुप्तरा या या य **दे**ॱविॱबरॱअःश्लेखःचरःॱङ्गंबःचःयःॱईषःचर्दःबेषःईषःचरायाः वहष्वःचःदः ॐवःग्री दे द्वाया त्य द्वाया व द्वाया व द्वाया व द्वाया द्वाया व द्वाया द्वाया व द्वाय व द्वाया व द्वाय व द्वाया व द्वाय व द् र्श्वेर् प्राप्त स्वयः यः नश्चितः न् व्याप्त निरः। ने प्यरः न् ः क्षेरः वनः यः वयः यन् नयः वसः वस्तु नयः व.प बीच.त. इवया पचरे. तया श्रीच। दे. खेबी या वर श्री थ. त. ईवया वीट श्रूव प्यते या व १. चेया वया रे.र्गा वेषया श्वायेत वेया तपु क्षेत्र इयोषा ग्राया श्वेता स्त्रुता स्त्रुत स्याया य**रा ५.** च्चलाक् देराधराक्षेत्रवेषायराक्ष्यलाक्षुः वर्षायराव्यक्षरार्द्र| |देःक्षराक्षेत्रेद्रायरायरा मैल बै नेल स न्र के हेन् पदे सुंगल पत्तुर दल रे न्या ल प्राया ही र मेल रां लेल हा दु न वै। रट.लट.पस्ट.ज.वेववे.लट.पस्ट.वर.चेर.क्ट.वहेव.त.वेट.तप्ट.लट.मुवे.द्र्र. चय. श्रे. चे. च र्न. ग्रेब. जय. च ध्या. तथा। विश्व साचितालवर स्था. स्था. स्था. विश्व साचितालवर स्था. स्था. स्था. 34.項·七朝·ロ松·和仁·双仁松·劉·凝·口·考·口·名·河·心如·刻 | 13七·卷口·項·心或·叫下·スロ·克· नेयातासः र्रमः हुः क्षेत्रः पदिः सम्राधरः स्ट्यः शुः भ्रीः तक्ष्यः त्रः न नु नः ग्रीः स्वरः स्वा विया न्रा ื่อนพ.พ.ฆโท๗.๚.८๕.ฮพ.นษู.ฮิะ.ฺ฿ิน.ชฺฆ๗.८๓๗.฿ฺ๗.ฮน.ชฺ.ชู่८.๗.ฆะั**๕**.๓๕..... न इंदर्स कर के के विषय के स्वाप के किया बे दे चु यय द पर हे चु बेर् द द दे पर द चुर रे। तर्ने कु है। र्घे र वा

मतर है। पर है। पर के हे दा कॅद के ता ला द के निय पर दि हिए पर के हिए ला श्रेयता. ठव. चयता. ठर्. ता. श्रेट. हे. क्रेव. च्या. ट्या ग्या. टा. वाद ट. ट हेर्। 女士.美山.山 <u>बैषः २ बैगषः मः बेर् : सुगषः २८: २ बैगषः सः सँ</u>र् :सुगषः सँ रहः नहीऽत्यः सः ह यहाः छेर् |रे·पलेव:रु:क्रॅव:अर्थ:प:र्ट:अळव:अर:पहेंव:पदे·पळेट:प:क्रॅर:र्ष्य <u> নু মৃথ প্রা</u> लानश्चन पर्दः वन पत्रः न्यः नुः न स्यः न् मृत्रः मः नः नः वः यः वः नः न ने तः वे नः न मृत्रः लः न् ने चत्रे. चु. च : इ अरा अ : देवा : न् व्या या नश्चनः नया न स्थयः मः न्दः सहवः यहेवः श्चितः **य केटळा धः मृद्ये अ. श्रे मृद्ये मृद्ये अ. श्रे म**्र नशुरःस्वाक्ष्राः यन्तः नन् मः तुः वहिवः यदेः वक्षरः दे·दे·वलःशेःळॅनःयलःग्रुःवज्ञुःतुरःहं·न्डिनःनेलःवरेर्ःयःश्नर्ःचरःदलःर्वःववेःहेदः…… ᆸᆿᆫᠵᠽ.ᠮᡓᡆ᠂ᡠ᠕ᢩᢤ᠂ᢜ᠌ᢩᢁᡎ᠕᠂ᡠ᠘᠈ᢤᠸ᠂ᢩᠽ᠂᠍᠌ᠵ᠕᠂ᡕ᠌ᡏ᠕ᢩᢩᢟᡆᡰ᠂ᡕ᠂ᠳ᠈ᠬᢐᡘ᠊ᡚ᠂ᢩᢁ᠂ᠳ᠘᠂ᢣ᠂ᢣ᠂ᠵ᠘᠘ नव्यःतःश्चेःश्चरःचःदेःस्वयःगदेयःगुःश्चंःदर्गगःगुर्नःशुःशःर्गःचदेःचदेयःशुःरेगःयरः ঀৢয়৾<mark>৾৾৾৾৾৾৾ঀয়ঀ৾৽ড়ৼ৽ড়ৼ৽ড়ৼ৽ড়য়ড়৸য়ঀৢঀ৽য়ৢঀ৽ড়ৢঀ৽ৡৼ</mark>৽ ल्याही हु.झ्.चयु.हुना.स.र्ट.हुना.स.छ्ट.हु.बहुयाबुट.बु.झ्य.च्ट्रा.लुव्याखे.क्.च्यु. लयर.ब्रि.क्रेब.श्व.ब्रा.ब्राय.ब्राय.व्या.यर.क्र.वा क्रेय.वित.स्व.ब्री.ब्राक्य.यरथ. क्याश्चित्रायाः सञ्ज्ञायाः त्रेयाः स्वायाः त्रेयाः द्वायाः त्रेयाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः न. हेब. पड़े ज. पड़े ज. पड़े ट. लुब. पद. छेर. रू। विदे. पार् मूट या विया हैट. हे. पड़ार्गर. बुश्चरतः स्रा १दे.चबुद्रः विशेषायः सः श्रुः चर श्रुद्रः यदः यदः यदः । वहः देःचबुद्रः

मनेगल पाइयल प्रदूर पाने दे मुग्नि महिलाया भेदा दें। नि कि दे हि रावे दा मुलः पते ख्रारा ने पति व न ने ने नारा पा इसरा दी धर र ना पर र मुन पते मु र दि । से र से र से र से र से र से र वर्षास्यान्वरुषाः धरः द्यायरः वर्षायः हो। वर्षः यरः लेखा वर्षः हो। वर्ष्यरः वययः *ॸ्*ॸॱऄॱऄॖॴॱॻॖऀॱॾॕॺॄॺॱॾ॔ॸॣॱऄॸॣॱय़ॺॱॺऀॱॸॣॕॺॺॱय़ॱॴॸॱॸ॔ॿॱय़ढ़ॱॿॗॱॸ॔ॸॱऻ षेयामु:केरः च श्रद्राचार्यः । द्वारा क्षेत्राचारा च विष्णा विष चब्रिन्मभेगरा परे भु दे चर्त्र द्वारा व सरा म । प्राप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त वयरा रुद् । यरा देरा पर क्षेत्र राय । द्वी पर्द । यरा स्वर स्वर । यरा स्वर पर्द । मद्री विश्वः क्रयः पन्न-द्री विभूवः मृतः श्रीयः श्रीयः ग्रीयः ग्रीयः गरः सः स्वरः स्वरः स्वरः ण्ञुण्यः भुःध्य । कुः धटः देः कुरः दिषाः हेवः प्रवेदा । ण्ववयः वेदः देः ळें ळेतः भुःध्य । क्रि.के.इ.केर.वाष्ट्रा.यूरी |इथ.वश्चरथ.यू। ।पर्ट.के.वृदु.घवय.रट. व्य.रव। स.र्या. प्र. ब्रियः पर्या विया पर्यया पर्या श्रीयः पा वी स्टरः प निर् पा क्षेत्रः स्वायः रूटः सः रूपः प्रः क्षेत्र-पः नृत्रेत्रः मृतः वृत्तः स्टा-पः धेतः हो। स्वातः ग्रेः नृतः स्टानः नृतः नृतः नृतः नृतः पतः पतः । पटः भ न्दः द्वेतः नर्मेन् सः हे क्षेन् देशा त्वुदः नः वस्ययः उन् वदः वीः रोययः ग्रीः व्यवः वन् वान वन् ब्रेव-द्वन-द्व-द्वन्याः स्वायः स्व यदे छे। **光切・見・弱す・ロネ・四部・近と切・引・美可切・ロ・叫・リ・ロル・カ・ロ・ロ・ス・カー・リテカ・** वःन्रःचन्नेष्ठ्रःधरःदन्दःवेष्यः अत्र्र्त्रः व्यवः व्यवः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य व्याप्त न्यात व्याद विवासी तर्दे राये दाया वृहें व्यापा स्थला सुद्रार्थ दाया विवास स्थला सुद्रार्थ दाया विवास स विद्रा मिन्निर्द्राच निर्द्राचारायात्व विद्याति । मिन्द्राच निर्द्याचाराया विद्यात्व । मिन्द्राच निर्द्याचाराया विद्यात्व । नपु.क.क्ट.च.पाट्याताक्ष्रेट्रायाक्ष्रेट्रायाक्ष्रेतात्वा बक्रवाची-देवायाची-दुवायाहे-कुवादी-वाहा-वाहानी

निश्वास्तानञ्जनामः त्याञ्चेतान्तरे देवासाने देन्। निर्मासाने देवासाने देवासान **बिर्-पर-र्-हेंदे वेग-प-क्ष्य-पदे-हेंब-क्षा ।** १८८-स्.फ. **ぬ.**セ翌セ.桑々.イエ. **ऱ्यापान्**त्राहरान्या वहारा**वयाह**ाक्षरावश्चवायते ह्याया | १८८ वर्षे वर्षे वर्षे बै.उर.लर.पर्.पु.वु.र्.र्म.रर.बु.प्र.दर.हु.र्इव.ये.प्रयाच.व्यय.प्रत्येष्यर. चेया बैर-बैरयावयारे वयायह्रवातर हैं नाव ह्रंबान प्रम्यान संग्यान प्रम्यान स्थित स्थित हैं राहे। रे.केर.लट.वेट.थ.जथ। वेट.केंच.श्रंथथ.रं तपु.क्ष्य.वे.क्ष्य.वे.क्ष्य.व.लट.रंग.तर.थट. चरः ५६ र् रायातास्य द्वता चुराकुवा शेवता र् घर्षः स्ट्रेष्टे स्ट्रेष्टे स्ट्रेर् ग्रीः स्ट्रेर । याता चुराणणा **ॡ**ंचा खेबखः न् यदे : नञ्जनः यदे : नृषे : नृष्टः देवः यदे : नृष्यः गृहः नृषाः नृष्ट्यः यः नृः नृष्यः मञ्जूषः चर.वे.के। नज.धे.क्षेट.वय.च ह नय.वेट.चेय.रच.ग्रैय.स्.स्र.च ह नय.व्य.सं.चर.वीर. מימי ギִמי שַּׁמִי שבי ק קינו זי רב בּ קיקים פַק ינולי פַּ זי שבי מישׁקי מי דִמי קבי תחַק ינולי क्केरः व्यदः या धेवः वः वै। विरःक्ष्वात्रेयस्य न्यतः पङ्ग्वार्यः ध्रेष्ट्रायः द्र्याः यतः व्याः द्रेष्ट्रायः र्मना-पर-त्याः नेषाः विषाः स्राचितः विष्यः विषयः र् । च्या हे . दे . द्या . या क्षेट । वया या क्षा क्षें या त दूर हिंद्या वया क्षें या या व्यत् क्षेत्र । या क्ष महत्रायरात्युराम्यात्रीःद्वीःवययामवराह्नः। ।देःयदःश्रम्ययात्रदेःद्दःद्वाःववेषः ग्र-मन्द्र-इत्नामित्र-इत्यास्त्र-वश्चर-मद्यास्त्र-हुःमह्रद्र-स्त्र-द्वी विवेद्यासःवी

क्ष्यःन्तः। नेःयःहःक्षेत्रःचञ्चनःयदेःत्रेयःयदे। व्यादःयःव्याद्यः नेत्रःवञ्चनःयदेःत्रेयःयदे।

<u>र्दः र्द्यः द्वी</u> व्यव्यव्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य विश्वस्य स्वाप्तः क्षेत्रः या द्वापाः . મું. કુ દઃ & વઃ શેચજા ૬ પદ્મે વસ્ત્રુવઃ કુ : **ફ ચજા બ ફુ. વજા ફે ફ : કુ ન**ે ફે. કુ દઃ શેચજા છુે : બચા છુે : : : : : नवर्ष्यत्रम्नाम्बुलायते व्याळेवायते । निव्यानामिकाम्पर्ति विव्याप्ति म.वु.श्व.ला क्रम.श्रेव.त.वु.हुव.देम.लय.च इत्रय.हे.में य.त.त.दू यय.त.लेव. हुटा र्देवःर्श्वर्रायावीः वार्व्यवायवीः देवारीः वापविवायाविवायां विष्याची विषयां विष म्या यादा महिता चु रहा तहा चरा श्रीवाया धेवा यदी श्रीवार है । दि । धहा स्वर्णा महिता पहिता स्वर्णा महिता स्वर्णा महिता स्वर्णा इना मेल में न क्रेन्य हर हर हेर चेर न वर ग्रीय रे हर केर केर हर हर हर ला ला पह र दे ... न्दि चेतः सः ब्रह्मा धेवः दे। । नृत्रेषः सः त्यानृत्रेष। नृत्तेषः ग्रेः नृत्यान्यः नेषः सः न्दः । बरायार्च-रेबारेबारायसूब्रायदे। |८८.म.ब्री पर्ट्रवासूब्रायर्वा केरा **ऍयःउ**यः यहं र्'यः यः कुयः कं चः र् यः पराः रे 'क्षेत्रः यहं र्'पदे 'क्कु' यळ द 'ग्रीः ग्वर् र' क्र्यराः । । । । <u>र्वेरयः यः चिव्रः च ग्रायः व्यारेयः मेयः भ्रेरः यः देः ग्रद्यः देयः द्वयः यः वेदः ययाः धेदः ययाः </u> तर्-र्वात्यःधर्तत्व्वायिःदेवायः हेर्न्वः धेवः हुवावीः व्यवः येवः वापार्वायः यदेः अर्केवाः प्रु.पहें द.प.प वृत्तः पता देवापा हे द.पत्रः वृत्ते । | तदी त्यः तुना वर्षा वर्षे द वर्षे ता हेवा 다성·피스전·숙제·숙기 라드·용다·집·夏주·다·포디전·용·다·폭회전·돛네전·다·대·寒·소디전·스티네· हु: बेर्-प-व बुर्-र् मॅलाल। देर-पट-लंबा ग्री-लाकॅर्-रॅट-प-लाहे दायह दा हेर्-पॅटला हु <u></u> ह्रण्यासार्त्रः क्षेत्रः स्तरः द्वेत्रः द्वेतः द्वेतः त्वेतः क्षेत्रः द्वेत्रः व्याः व्यान्तः व्यान्तः व्यान्तः **ॐॱ**ਘ८ॱब्रैॱॾॅब्ॱय़ॺॱहेब्ॱक़ॱॿॺॺॱ*ॸॸ्*ॱॺॺॱॶॿॱॹॖॺॱॾॕॿॺॱय़ॱढ़ऀॿॱॸॗॿ॔ॺॱॺ॔। नपु.प्र्यूर.र्ट.जथा.ग्री.बचर.वट.चक्ष्यक्ष.त.क्ष्यक्ष.प्रश्चित.तपु.स्व्रःश्विकःश्वरःस्वरःपःचाद्वे.... । रे.र् ग.स्व[.]श्वयः ळ्च ग्ल.सः ठवः ग्रीलः ग्रुटः क्षेत्रः स्वरः सदेः ग्रीवः रु स्व विग न में या हा। **৻**য়ৢ৾৾৾ঢ়৾৽য়ৼ৾৽ঢ়য়৾ৼ৾য়ৼয়৽য়ৢ৽ৼঢ়ৼঢ়৽য়৽৻ড়ৢ৾৽ঢ়৽ৼঢ়৽৻ देयःगुद्रःश्चेःळ्वःययः त्तरः म्रॅं रः ग्रेः न्वरुषः इयरा त्यः श्रेष्ठ र देशः व्याप्य । यरः तहन् । देरः म्याः यदेः न् स्रेग् राये व्या न्बर.२.व.श्चेन.ज.८८.४.५८.४८.म्.५५४८.४५.० क्केट्रस्य विकार में या है। इति.म्.ब्रिंबा.तथ.पश्च्या.त.क्षेत्र.स्ब्राञ्चयाय.ई.धेर्.ग्रीथातश्चयात्रत्यीत्रःपदान्धित्रःह्य ৾ঀৢ৾৾ঀ৽৴ঢ়**৾৽য়৾৾৴৽য়ৢ৾৽ঢ়য়ৼ৽ৼ৾৾ঀ৾৽৸ড়৽য়ৢ৽ঀয়ড়৻ঢ়ৢ**য়৽ঀৢয়৽ঀৢয়৽য়ৢয়ৼ৽৸ঢ়৽য়ৢৢ৽য়য়য়৽য়৽৽৽৽৽ त्वन्देन्हेन्द्वेत्यनुन्त्र्न्यः। वेतःरवः श्रेन् वः स्रः वत्ववतः ग्रेन्द्वतः सुः त्यः स्र्न्तः ह्युन् च्यर.री.वृ.धु.धु.रीज.पथ.ही.याजात्रेचा.पर्राच्या.पप्र.थम्.क्षेच्या.तर.प्रश्चर. यल'दी' च 🏲 | र्म दियावाने निवान विवादि दिया विद्यान तविरः बुरः इंगः शुः बहुनः पतेः कुं भरः कुंनः हुनः हुनः पत्रः ऋः तर्दरः कुनः हुनः गुनः गुनः हुनः स्वा चक्रेब.म्बाया.पाब. बट. २.३.३। क्रि.पा. ३.६ श. वि.ट. वि.वाया. ता. टे. दवा. र. प्रचया ते. ता. वि.ट. धरः इयवात हुरः पर्दे हुरः र्रा १रे र्गं दैः गववा भ्रम्या ही यह वास्त्र वास्त्र तास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र थ्रियः इत्येयः तः स्वेयः सवरः हिदः पदः यह् वः यहः दैः यह्यः क्याः है। यः वः स्ट्रः है। विः हेरः **लट.बर्-डे**दु-बेब्-लया ज्रट्य-ड्वॅर-रट-अय-स्व-श्वमञ्चवयाय-रटा। विद्य-इस **ॳॖढ़ॱॹॖॺॱॾऀॻज़ॱय़ॱॺ**हॕढ़ॱॺ**ॾॕॱॸ॔ॸॱऻ**ऻढ़ॖॻऻढ़ॖॱऄॖढ़ॱॹॕॸॹॱॸ॔ॻॸॱऄॗॸ॔ॱॿऀॱढ़ॼॕॱॸ॔ॸॱऻ

ঽ ন স্বৰ মান্ত বি কি কাৰ্য বি বি |बेबरर्ष| |दे:क्षेत्र:हेबर्:दे:क्ष्र:तबान्चद्र:बेबवःग्रीः *ऀ*ٷॕॗ॔ऀ॔॔॔॔ज़ॴॵ॔य़ॱय़ॱढ़ॱॿॖॸॱऄॺॺॱॻॖऀॱॿॖॱय़ॱढ़ऀॱॺऻढ़ऀॺॱॹॖॱॾॸॱॸ॓ॱॸॸॱॺऀॱॸॕढ़ॱॸॸॱॺॿढ़ॱॻॖऀॱॸॕढ़ॱ ऻॖॸ॓ऀढ़ॹॖऀॸॱॸॕज़ॱॿऻढ़ऀॴॹॗॸॱय़ॱॴॱऄॗ॔ॴय़ढ़ऀॱॹ॒ॸॴॸ॓ॴॱॸ॓ॴॱॿऻॿड़ॱॹॗऀॱ ॱऻॸ॓ऀढ़ऄऀॸॱॸॕज़ॱॿढ़ऀॴॹॗॸॱय़ॱॴॱऄॗ॔ॴय़ढ़ऀॱॹ॒ॸॴॸ॓ॴढ़॓ऻ रॅंद-ब्रुयःयः वःर्वेणः वरः बरः बेरः वैवः धदः वर्षाः ववः र्वेषः वः देः वदः वेववः रुदः वः वर्षेत्रः यद्यत्रः त्रेष्ठेष्वः पः त्यद्यः त्र्ष्ठ्यः त्र्ष्ठ्यः त्र्यद्यः त्र्यक्ष्यः त्रः त्र्यक्षेत्रः त्र्यक्ष्यः त्र ष्ट्रियरा-**र्ना-ध-श-द-र-पर्यः** इत्र-पार्ट्व-श-क्ष्र्यः यदै-पर्वे द-स-र्ने द-सं । पर्दे रायदः **अ.** चे थ. तथ. चे बच. चे थ. ई च. च स्व. त. र. र. अ. वि च थ. वे र. रे य. ५ द द द द य. र चे . य. थ. ही र. री.... **षॅर्** परा ग्वि रें दे केद पॅर्य | १८८ में रें दे दे भेरा रवा ग्रे श्रह्ण स्वाधर ग्रें या परे निरे-नः र्वेन-मः धेव्र-व्रा देः भरः त्रेश्रयः द्वार्यः न्ये प्रतः मः त्रे शेर्द्ररः नवान्यः नृत्रः *৾ঀৢঌ*৽৾য়য়য়৽য়ড়য়৽য়ৼ৲৸ঀ৾৸৾ৡ৽৾৾ৼয়৾ঀয়৽য়৽য়৽ড়৾ৼ৽ড়ৼ৽৻ৼ৾ৼ৽৻ৼ৾ৼ৽ঢ়৽ঀ৾৾ঀয়য়৽য়য়৽য়য়৽৽৽৽৽ **दे**ॱतेॱतॅॱरुवॱयॱशेॱङ्गेॱचराॱहैवॱश्रक्षवॱगुवॱहुॱशेॱ८यः घदेः घ**र्र्डव**ः ८८.ब्रूच.स.८ब्रूया <u> २ शुराः इबः २ म्याः नायः ने दे ने ने ना ने नाविद्य।</u>

 चनःधरः **८ रॅनः**धः इस्रायः गुरः ५६वैः नषयः गृह वः ग्रीः कः नषः नेः रेनः ५ शुरः नषः ध्रेवः ५ णः मि.पेथ.र्म्बाय.त.प.प्र.प.प.कुर.रम्थ.य्। चिषव.र्म्ब.स्य.त.घषय.२८.त.र्म्बाय.तर. ब्रुवःयःयःङ्गॅर्यःयदेःग्रद्यःदेश `इंग्'बर'बर'बर'वेर'प हर'पवारेदे'द्रस्वाय'वेया दे·दलःशेयलः ठदः नदः यददः धरः नदिंदः वै:३८। देरः यः वदः द्वंरः नदिंदः पर्वेदः पर निया प्रियः स्वाया नियः तथा शुः श्रुः पर्यः य स्वरः त श्रीयः प स्वयः भेटः। বর্ষান্দ্র থে: चहेद्र'द्रकाह्य'त्रञ्जलक्षेत्र'केत्रक्षेत्र'क्षेत्र'त्रह्याचे वेद्य'त्र'क्षेत्र'त्रह्याच्याक्ष নঈর'ব্রান্ট্রান্ত্র'র প্রান্তর্বান্তব্বান্তর্বান্তর্বান্তর্বান্তর্বান্তর্বান্তর্বান্তর্বান্তর্বান্তর্বান্তর্বান্তর্বান্তর্বান্ব देवाहे। **ब्राप्ट्र**ाच-न्द्राच्याच्यावेश्वे प्रता | इस्राप्टे वर्षे वर्षे प्रतास्त र्टः। **१ रगदः छेरः येगवः धरः** पर्हेर् धः देः थैः छेर। । गवनः ग्रेः रॅनः वेः रटः गैः रॅनः |बेब-बॅ| |रे·नवेब-ग्रेय-वे-रट-रट-नव्वन-ग्री-र्द्रव-ग्रेट-ध-त्य-श्रेव-द्वन-त्य-धव द। **बे**.महे**व:रु:बे**.ठर:मर:म्बुट्य:हे। रूट:म्ब्व:बु:र्व:इंबर:रे:व्यय:द्युन:ख्य्यः देवः चःक्रे**रःवःरे**ःश्चिवःचःतःस्वतःचरःत्युरःर्र। विवःक्रेवःवस्यःउर्-सुरःचःतःक्रेवः ब्रे.मोब्रेर.चय.स्ट्यःब्रुंर्-याब्रे.क्षे.च.र्टः। रे.स्ट्-व.चक्ष्चनःच.ब्रुट्-चर-ब्रुयःचयःह्यः विवयाये व दिन्ते त्या मुकाया नृता। वेवया ठव नृत्ता वेवया ठव व या धेव ता या व हे व वया <u>बैट.चपु.क्षेत्र.चर्चप.प.घच्</u>ट.तथ.धु.क्रे.च.र्ट.। रेगु.चपु.वे.च.ह.प्ट.च.प.क्रेंट्र.लट. त्रुंरःश्रेःह्रंगःयःश्रेंश्रःयःत्रुगःगैलःदेःदित्तःत्र्ःच्यःवितःक्षेत्रःव्यतःक्रनःव्युत्रःतःदेःन्गः यु८-बुब-बुग-गैल-देब-धर-ज्ञुच-छट-दे-त्यल-बट-ब्रे-ट्वॅल-धरे-बुद-हो। 보건4. [1 बर्द्रयः धरः ब्रेंग्नयः दृहः। । रनः गुलः गृष्ठेषः त्यः श्रें हुः दृहः। । इत्यः वर्षे रः इत्यः

|**झेग**ॱळेदॱॺॿ**य़ॱॸ्गॱय़**ॸॣऀॸॱ**≅ॸ्ॱॸॣॕ**| |ढ़॓ॺॱॹ॔| **ロエ. 刻.美山. ロ** |रे.क्षेत्र:ब.ह्या ळेवॱ**ख़ॱढ़ॸॖॹॱय़**ॸॱढ़ॸॕॸॱय़ॱॸॣॸॱऄॗढ़ॱड़ॗॹॱॿॖॺॺॱॹॖॱॺ॓ॱऄढ़ॱय़ॸॱढ़ॸॕॸॱॻॱढ़ऀॱढ़ॹख़ॱॻढ़ॕ॥ यथः बयः व नतः ग्रीः इयः यः व वर्षः ठर् ः यदेः र् नरः तुः यर्दरः ग्रद्धः ग्रद्धः देशः देशः वेदः वेदः गहराया तपु.लीज.बी.जूट्या.झूट्.ज.बा.क्येया तपु.जब.बाबा चयया.बु.झुंब.ता.हे। ॺॕॖॺॺॱय़ॺॱ**ॸ॓ॱ**ख़ॱक़ॺॺॱय़ॱॸ॔ॸॱय़ॺॱय़ढ़ॱॺॗऀॸॱॸॕऻॗॎऻॶॺॱॺॱय़ॕज़ॱय़ॱॸ॓ॱॺॕॖॸॱय़ढ़॓ॱॸॕॣ**ढ़ॱॸॢॱ** ¥लःपतेः इसः म्योरः क्सः पतेः स्परादे ह्या प्रीस्तानिस्ताने द्वाराने क्रिंदा में क्सारायाम् द्वारायाया . तथा ग्रे. बचते : इया म्येट : इयत : ठर् : बै. द हुट : पदे : बैर : र्रे । । श्रेयत : ठद : बै : म्रेंट : पदे : *ଵଦର*ଂଶିଂଦଞ୍*ଟ*ଂସଂଖ୍ରଂ୩ଁଶିଁଟ୍-ସଂଶ୍ରିଟ୍-ସମ୍ପଂଶ୍ୱଶ୍ୱଦଂବଶ୍ୟର୍ଷ-୭ଟ୍-ଶ୍ରିଶଂଭିଟ୍-ଈିଂୟସ୍ଥିଟ୍-ସମ୍ପଂ**---**" | न्वे·न·५ वेषः नदेः वनरा वै : न इव : ५ श्वरः हे : न इव : ५ श्वरः न कथाः नः स्थाः ने : त्रथेयः परः त्र्युरः पर्दः ध्रुरः र्दा |ध्रुपः यः इवः यरः ध्रुरः पर्दः विषयः द्रैपः यः अः नवियाने। प्रवासन्दर्भियान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राभूता 디**리**·월국·폭| *िन्देर क्षेत्र क्षेत्र कुन् पुरु देश हैं*। धुलः इयलः ल**ंदेः यः** कन्तः लय। व्यान्यः ने क्षार्यः ने ब्रह्मा विद्या विषयः । विषयः । विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व यरः श्चेंदः चः नव्य विवास। विवास। विदेनः स्वाधीः स्वामीयेदः श्चेदः चिवेः नवः नवः नवः विवासीः नः तः त्रः क्षात्रः प्रतेः श्चे वः सः न्रः । स्रः तः श्चरः मः त्र्षेषः सः तः देवः ये नः स्रः देवः यः धेवः पतेः _{सवा} न्योदः क्ष्यः पतेः ह्याः विवयः ५८ः । वेवयः ठवः ग्रेनः ८ वः पा ग्रह्णः वरः विदः त्वुदः ने प्रात्मान हे दावता देते द्वायता श्वेर क्षा पते गने व प्राप्त के व र्वे दार्थ पाने वर्ण प क्षेत्रयः ठवः न्दः। न्ने नः ग्रम्यः बदः बिदः नुषः देरः वस् वसः वदेः झे वयः देवे वानः लान्ने न्नानी सद्ग्यंद्र स्वाया नयायया पदे क्वां द्वां द्वां ता क्वां वा ता व्यव्या पदे क्वां द्वां वा त्वां वा ता व *ॺॱऄ॓ज़ॱ*ॸय़ॱॸ॔ॺॕज़ॱय़ॸॱॻॾॢढ़ॱय़ॱढ़ॸॣऀॹॱढ़ऀॱॾॗऀढ़ॱड़ॗॖॿॱख़ॱॸ॓ज़ॱय़ॱक़ॆढ़ॱय़ॕॱॿॗ॓ॸॱॸॕऻ **न. चेथिय.** ज. हेथ. तपु. चे टथ. ट्या. वी क्ष्य. विषय. क्ये. प्या. विषय. क्ये. विषय. क्ये. दे.लट.स्ट्यःश्चॅर.ज.बु.के.वु.वु.व.स्ट्र.वे.लट.र्म.तर.ज्याच्यः दे.वु.क्जः ¦लट.र्ब.तर.धिरश्चरत्राचेत्राचात्रीयात्राध्याच्याः ট্রিঅথ.গ্রী.ছুনাথ.গ্রা यदै न इर् न वर्षिर नवर है है है दे दि दिन हैं र विवयः गृह द दे वे ववर गुः न ख्रुन स ध्युर मेयारचान्त्रीम्यारचान्त्रीः पश्चनःयाध्येवान्याध्यानः । पङ्कारम् व्यापानः विद्यानः वि वान्त्रं नवा प्रता क्षेत्र हुन हुन हुन हो नक्ष्य नव्य नव्य न्य न्य न्य न्य न्य न्य ब.रूप.बुद.च.र्च । लट.र्न.चनर.र्न.र्र.म्बुबा । व.स.महेरा.ग्रु.इस.च.महेरा। न्द्रमः देः न्युयः करः त्यः धदः न्युं न्या विषः स्वा दिः स्वरः दः हे दः सुदः सुवः सुवः स्वायः सः Ê.पर्ट.च.बुबा.बुबा.दट.रट.बेबेट.बुं.टूबे.लूटश.शुःईबेथा.स.ह.पर्ट.च.खुबो.खुबो.स.बोट... यान्वतःवतःवतःशुःइवःपःहःश्रेनःन्नःववःपता पञ्चनःपःगृःश्चेनःपतःहेवःन्नः ₹*वः* र्रः वेगः ळेवः र्रः वनवः र्रः नञ्चनः धः इयवः ॲर्वः वुः ह्यवः धरः वेरः धरः र्रः द्वरः चरः चेर्-चः देः बरः खेदः इणः वेर्-तुः नेषः चरः चषः व। चरः वेयकः ग्रीः वयरः वेदः विराधिः वयरः विराधिः वयरः म्बर्था रुट्-ग्री-क्र्ंब-ध्येत-य-ल-हेल-य-क्रेत्-यं-ब-क्रेट्-ग्री-पर-तु-पत्रय-य-- चुद्।

इयया ग्रे क्रिंट हैं या नेया वया क्रिंट या वया ब्रिट्या वर्ष क्रिंग पदे ब्रुदे मने वर्ष पे ने दि स्त्रा पदे ... नर्झर् मार्नरान्ध्रव्रत्युवाञ्चे नवा नवर् नु केर्दा । दे र्ववा मते ग्रुरा हुन खेवाया नवर च.र्टा बट.ब्रुब.तदु.जब.ज.ब्रू.रीब्य.क्ट्य.तदु.ब्रु.ब्रुब.क्रुव.क्रुव.र्ट. त्र.प्त.व्याय.घट. यदः चरः नुः अ'र्यन्' यः क्रेव् 'र्यः क्षे 'र्यः क्षेरः हो प्रञ्च प्रापः नृदः प हे व 'र शुकाः शुकाः शुकाः शुकाः रमा.ता.सा.सीट्या.तया.त्यव.सू । निया.या.त्या.तीटा.कीटा.सा.तपु.सी.वी.या.पुता.सी. <u>२वी.चयु.चथु.च.च.च.च्या.चयु.चयु.इय.चर.चेयू.च.५८.चेय.२च.५७</u> देवै: बावे ब: धॅर-वै: प्रवास बाह ब: ५८: भेव: रूपा हो । वेशव: बाब बद: दु: बाथे दव: पदे: प्रज्ञाव: नहर्षिणवा गुरार्वे वायेरायरा गुरुरवा भैरावरारे गायदे हे हूं रागुः रें वायार गार्तु ह्वया द्येन् भी भेषार्यः अः मुरादः दह्याः व्यापे वाष्यः र वाषः यः यदरः द्यायः वर्षः व्यापे वरः स्थाः वरः स्थाः वरः स ब्रुंन्-पते छिन्-म। |ने-वे-बे-बहुव-पते खुन्य क्रुंन्-पते नृवेव-यते न्वन्-सु-छ्या पते चिर्यारेशः स्व ।यरयः मैयः ग्रे क्या वययः ठर् त्य्यु नः धते व्यतः ग्रे ग्राह्यः स्वः षरःब्रिवः न्दः यः नतिः हे रःदेः वहेवः ग्रीः ळग्यः शुः तश्चरः नयः नेः नतिः ग्याः श्रेः ग्योरः ৰী i चते धराधेव न तथा न द तथुन थ। दे था न हे द द तथ झन अर्घे द न र्झे अरा द दे वि द ঀৢ৾৲ॱৼৄ৾৶৶৻য়ৼ৻৺য়৾ৼ৻ঀঢ়ৣ৻য়ৼৣ৾৾ঀ৴৻ৼৣ৾৾ঀ৴য়৻য়৻য়৻য়৻য়ঀ৾ঀ৴য়ৢ৻৴৸ৼ৻ वयम्यायार्थक्षायाः सेन् ग्रीप्वेन् पार्श्विप्यार्श्वेन् र्वेन् रेन् रेन् मे प्वमायाः स्वर्मिन् पार्श्वेन् प्वम *ॾॖे*ॱॾॖऀ*ॺ*ॱॸॖॖॖॖॺॱॸ॒ॺॱॸ॓ड़ॹॱॸॸॱॿॣॸॱॸॕॱ॥

 रच्यात्त्रात्त्र्वे स्वाच्ये छेर। |र्रे.र्चा द्वाप्त्रात्त्रा पहेदा्त क्ष्री |वेदा्या|
स्वाद्यात्त्र स्वाद्य क्ष्रात्त्र हेत्र हेत्र स्वाद्य स्वाद्य

चतुः शुत्राथात्म्यः श्री चार्टः तृथा श्री द्राया श्री द्राय श्री द्राया श्री द्राय श्री द्री द्राय श्री द्राय

ॱ**प**देॱष*र*ॱष्ठेवॱॾॅ्षेष्रः पॱवेॱॾॗेवॱॻॖदेॱह्यःष्ववदःयःच हदः चयःदशॅःचःह्ययःग्रेःद्वयःचः— चॅर-प-त्य-बी-क्र्रेल-हे। रे-क्र-बा-धेब-ब-द-तु-द-त्व्जॅ-प-प्रोब-चॅ-तु-ब-**धॅन**-ध**र्व-**कुलःपःॠञलःश्चेदःपःञ्चरःञःश्चेदःपरःपश्चरःरा |देलःदःसुलःद्दःप्वाञ्चेः**ण्ठःण्।** त्रेअलः म् सं स् रः शुरः यः क्षेः यदैः क्षरः रदः यः महें मृः यदेः युत्तः दृदः स्वरः शुरः द्वयतः । र्च अ.र्. अ. चर्राच ४८. पद्म पद्म पद्म अ.व. कीरा श्री अव्यास्त्र अव्यास स्थान द्रान्त वि. म्री मूल व्यास विवास ऑटलःशुःऍवालःयःललःश्चेदःयदेःषरःधेदःतृःतश्चरःयदेःधेरःर| |रेःक्षरःयदः। श्चेरः त्ह्रनाः त्रा न्याः हे त्र्नां नः न्त्यः मंत्रः न । श्रिकः प्रदेश्यः म्याः श्रिकः विवास त्रां प्रांचित्रं व्या विश्वा । अवार्षः देनः वार्षः विष्या । विर्वेषः वार्षः विषयः विश्वा । विर्वेषः वार्षः विश्वा । विर्वेषः वार्षः विश्वा । विर्वेषः वार्षः विश्वा । विर्वेषः वार्षः विषयः विश्वा । विर्वेषः वार्षः विष्यः वार्षः विश्वा । विर्वेषः वार्षः विश्वा । विर्वेषः वार्षः विष्यः वार्षः विश्वा । विर्वेषः वार्षः विषयः विश्वा । विर्वेषः वार्षः विश्वा । विर्वेषः वार्षः विषयः विषय नरुवाही अभिन्दावादान हरा वेयवा ग्रेवा अधिवास देवा खेवा निवाह । रे दे या दे दे या ते दे विकासी | देवा व हिंदी प्रतास हिंदी है व से प्रतास हिंदी है । न्द्रताशुः ह्रताम्बद्धाः महिंदान् सेन् गुद्धान् हिंदान् ते स्वताम् क्षेत्र स्वताम् क्षेत्र स्वताम् क्षेत्र स्व हे.पहाल-थे.बोट्टरचरत्वराष्ट्री विष्ठेश्वरताड्वी सिंगःर्टराः ह्वेटरायाय्यः स्वासा यर पर्डं या पार्डं या ग्रीता दे श्रिव प्रति स्वर श्रिव प्रति श्रीत श्रीता श्रीता विषय विषय विषय विषय विषय विषय करःग्रॅंग्यः यःभ्यः भयः वेगः द्यदःग्रेः द्यः प्रदेशः यः ग्रेतःग्रेयःग्रः यः प्रदेशः । विवास यः अः खुलः यतः श्वद्यः यदेः श्वेतः स्। दिवे श्वेतः गृहं सः यदेः गेष्यः केरः ऋदेः गुवः तुः दहेवः यामरायाम् । या व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त क्षेत्र विष्या या व्याप्त व्याप्त क्षेत्र *्रिः*यःॲंट्रलःशुःचत्तुदःचदैःवेलःन्श्रेष्यःन्दःच हृदःचदेःषद वयः पश्चेरः र में यः स्रा ल्यः ब्रुंबः न् ब्रुंषः प्यः ने पह्नेर्पयः गुर्दे। वि: पः ब्रुंष्यः याया। उताः परः शुरः पर्दे । युत्रः दर्ी:रूटः। ।श्रॅंबा:ग्रुटःवॉॅंप:र्वट:बोर्:केटः। ब्रिंग्यशञ्चुःवादर्:वाया विश्वायः तरीर्माकम्बायायवा विवाहायात्रस्यायवा । विवाहायात्रस्य विवाहियायवा । विवाहायात्रस्य विवाहियायवा । विवाहियाया विवाहियाया । <u>र्दा । श्रे व्यव्यत्यक्रियम् गायत्वार्ययः स्टा । रे र् गार्थः यञ्चरः स्थयः म् श्रुयः दर्ग्।</u> *ढ़ॆॺॱख़ॖॺॱॿऀॱॺॖढ़ॸॱॸॱॸ्ॸ*ॱऄॕॺॱॸऀॱॺऻॿ*ॸ*ॱॻॖऀॱख़ॖॱढ़॓ॸॱॺऻॲॱॸॱॸ॔ॸॱॶॺॱऄॕॺॱॺऻढ़ॆॺॱॺऻॱॴॺॱॻॖऀ*ॱॱॱ* म्बद्गःर्यरःठदः धेदः यदाःर्यरः प्यरः प्यरः प्यः यदाः विः यदाः प्रः । केः यथः प्रः हैः यः हैः तुरः**नह्रदः**यरःनङ्गतःदशःदेःशःकगवःयः**रः न**गः न्वेवःहे। रे.अ.ल्बा.व.कब्ब्यायायरी र्टा झू.यघर.लय.त.झैच.तपु.चीचेंर्य.जय.केटा थुवाय.क्यं.चेट.रंचांव.कुचा.झ्रं त्र वा । दे. ता. मृत्ये अ. त्र त्र त्र त्र ता. हे। दि. हे ता. वारा ता होरा तरा त होरा वारा ता होरा वारा ता होरा श्चरया । श्चर्नायः श्वरतः या ग्वरतः त्राच्यायः त्राप्तः । वितः रहा वितः रहा वश्चरः वश्चरः वश्चरः वश्चरः वश्चरः ग्रदा वर्रे द्वर वर्गा में खया रदा केयला । अर् डेग रे रेया व में पा हेर्। हे.जु.६च.इ.५वच.तप्र| जिय.ग्रैय.६च.१८८.इ.ग्रेर.ग्री विट.केच.पच्चायर.पश्चर. **ब**.वे। १रे.वे.द्रव.बर.केर.ब्रव.वया विय.र्टः। क्रेय.रचस.पर्याग्रटः। नर्गः **बे**र्-तहेन्-तःक्रेट-**रा-बेर्-**धदे-तुवा द्विन-नष्टतःदेव-बेर्-हन्-तु-बे-न्दर-नदी . । ख्याक्षेत्राम्बद्गायायद्मिष्यात् शुराचाया | र्षादाचराक्षेत् शुरादे विद्यायतायायाया बेवान्युत्वासाक्ष्र। ववर्षास**नुःयव**ान्युत्वान्यःयुत्रास्यःयद्रान्य्वास्यःक्ष्रिःसः होत् पर्व . खुषा न व्यव . या न यथा प्रया न हता न ता न ता न व्यव . शुः में व . यत . मं . य शु न . या ते क्र. वृ. श्रु. मं त. वृ. च न न विव. धर्म. श्रेश. वै. च यश्या वया ख्या था या या व्या वा वा व्या या न विव ता न विव नर्गः मुं.शु.८व.पर्याता श्रीन। विशयः ठर्ग्नेहरः नरः क्रनथः द्यां विशयः ठवः

पःशेःहन्। अर्हेरःशुरःरुदा। ।श्वेरःहेःकेवःयःररःनेःररःशुरःव। ।धेवःयःपर्नानेः **बै**ॱळॅन्' बुद'ॲ८' हम्' कु:बु८' २ कॅल'हे। | च्चैद'द'वेल'य' दे' २ न' मर्देर 'बै' ८ चुर। | चैदःपराप्तहेन् हेदःषः र्रायान्देन्तः त्युव। । वाचैदः क्रें पदिः हेन् प्यदः हुन् नह्यः ब्रुन्। । बे.णे.कॅ.र.इ.बल.श्ररः बर् वे.रटः पर्वदः हर। ।ळॅटलः खुःबः प हरः दे.र् गः बेर्ः पर तशुर। । या ग्रेव कॅर इसका के हमा बेर तशुर हो। । ग्रेव परा रे र मा प्यर परे महिराद्वा विवयः ठदा धदायरा मृद्याय माराचिदा पदी विदाह वर्षा हिरास ब्रेन्-पत्रनः स्प्रान्यः तब्रुम् । यहः विषाः स्प्रान्तः विष्राः निष्यः प्राप्तः विष्यः प्राप्तः विष्यः । अतिः इति । स्प्राप्तः स्प्राप्तः विष्यः । यहः विष्यः स्प्रान्तः विष्यः । स्थिः । इ.डेय.त.रं.रंग.मंथ्यं.ज.रंगत। जिर्याश्चितं चेर.पय.श्व.पर्यात्वरात्वरा वियानयान्त्र ना मिन्द्रान्या मिन्द्रान्या मिन्द्रान्या मुन्द्राम्या स्वाया परिवादी । विविद्या परिवादी मिन्द्रा त्युरा । तहरणः यः तथ मृतः यदैः त्या अवः हेवः अरतः क्रेरा । मृरः वैमः क्रेवः यः रे वैः लय.मी.सकूच रि.लय.चवय.मी.रवचवाय.तय.लय.रव.चशर्या विय.यूरी

न्वदःयरः न्हेरः चः दवेयः चःयः परः तुः न्हेर् यः दरः वेरः श्रुः दवेयः चः दरः न्हेरः वेयवः <u> न्तरः वृदः नृष्यः कुषः कुषः वृदः स्तरः श्रः कुषः वरः श्रुवः पश्रुवः यश्रायः यय।</u> इते क्विं व व निरामिता तथेया त शुरार या विष्या शुरा में हर हो यहार विषय पर से त शुरा चत्रा । स्ट्यादह्द्राचेन्यायायुर्याच्याययायुर्या । च्याःस्वाययाय्याययाययायया ल्रास्य श्रेश्वरा । निर द्विना निर्देर खेळा निष्ठे द स्र र स्युर र र नि । व्यर र नि ग्रिट स्थर ययःयःक्षेतःचेतःव। १२.५५६१व्यःद्वरःद्वरःक्ष्यःक्षेतःक्षेतःक्षेतःक्षेतःक्षेतः र्चन्नः चरः देवः चः बेव्। विवः स्। दिः हेरः चेरः पदेः केरा द्वाराणः चर्नः वा विय.तथ.पर्वा.त.घत्रथ.२८.प ५८.वथ.व८.क्य.पश्चीपथ.य. कन्नदार्भः श्रीतः द्या र्टः। पर्वाःग्रटःरेदेःहेवःशुःश्चेषःधरःर्वःपरुवःधरः द्वःपरः व्रवःहेःपर्वाःवैदाःसरः ঀৢয়৽য়ৼয়৽য়ৄৢ৾ৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢয়য়য়৽ঽৢৢৢৢৢ৽য়য়য়৽ঽৢয়৽য়৽ঢ়ঢ়৽য়য়ৢ ने पर मंद्रश श्रुन ल कन्यायायर होत् वात्वाची श्वेत्यादी अत् सं के हे अया गृत्त्याया वास्तर हुर लुग्या वया นี้ผ.ยิ่ะ. อะ. ช่า. เมื่อ.ก.ล.ช.พ.ษฎ์.ดัน. อิช.กช.ติน.ต.ชน.มุน.ก.ชฐะ.นีน..... कन्यायरम् भु। रे.केर् याया विवासः इययः ग्रे.बुर् यक्रमः इवः भरः। म्ब्रियः रदः मे द्यान रुषा न रुषा न रुषा न |ऑट्य.पहें**य.क**बोयाता.झ्यासर.पथजा.पद्र. वित्र । सेयरात्म हेना पते र्यापादरे र्या हेन्या । त्र्राप्त गुद्रात्म वीदास्य पहरःहै। दि.पहरःक्रथः ग्रदः पर्याः मैथः श्वरतः ग्रुथः व। विः द्रयः प्रदेशः स्वायः पर्यः मैल क गल चु न । अदः देवे विल न विष न द ग ल दे गल प के दा बियःस्र ฿ฺ**๙.๑๕.๓๕.๓๔.๓๔.๓๔.๓๔.**๓๔๓.๑๙.ฐ๎-ฺ๚.๑๕.ฐ๎-ฺ๚.๑๙.๗.๗.๓ฐ๎-ฺ๛๘ํ....

৾ঀয়৽ৢঢ়য়ঀৢয়৽ঢ়য়য়য়৽ঢ়৾৾য়৾৾৾য়ৢয়য়৽ঢ়৾ৼঀয়৽য়৽৾৾য়ড়ৢয়৽য়৾৽য়ৣঢ়৽য়ৢ৻য়৽য়৽ঢ়ঢ়৾ঢ়৽ঢ়৾৾য়৾৽ঢ়ঢ়৽ঀ৾য়৽৽ **ऻरे.**चब्रैदार्.चेश्वयःतार्टःश्वेरःहेःश्वेरःचःर्टःश्वेषःचःश्वयःचठयःश्वेःद्वयःचरः भ्रद्धा बरःयःवार्यम्बारःयःववयवःयदेःयवरःयदःगृहेंदःवेयवःवश्चेद्रःयरःगुद्रा युक्त-नूर-ने-चविद-स्रद्याः श्रुंद-नूर-। | दुक्त-महाव्य-ने-च-वयकः বু.শ্রুই.বইন্রান্তবা ठर्-गुर्-। |बेबबर**-ठ**र्-गुर्द-गुर्द-पश्चित-धुर-। ।धरब-धर-धर-महर-पर-गु। ढ़॓ॺॱॺॹॖ**ॸॺॱय़ॱॷॸऻॎख़ढ़ॸॎक़ॱॾॗॕॸॱॸॿ॓ॱ**ॾॱॺॹॖॺॱॸ॔ॺ॓ॻॺॱॶॺॱॸॖऀॱॾॺॱॺॺॱऄॺॺॱ ভব্ রেমঝ ভদ্ থে ন ব্যাম বিষ্টা দি । বি জ্ব নে বিষ্টা ন রেমঝ ভদ্ থে বা নি । বি **८६५.तपुर्याः पञ्चिमः दशः मृष्यः मृष्ट्रः प्रत्यः यो अवरायः अरः प्रतः अर्थः प्रतः वरः अर्थः वर्षः वर** इर-६व-श्रेयव-र्वव-वेव-वेशे बर-वेद-वर्षयन्यवा पर्-र्व-वयवन्द्रिहर कुःरह्याल्यान्ते विद्वालयम्यान्यान्यान्यान्यान्यान् । देःवरः स्ट्राह्यः **ढ़्र्या.लट.र्ट.लट.। ।इ्यय.राष्ट्र.यर्थ.**केथ.ल्यर.धेय.राष्ट्रया ।यट.पा.लूर. |**र.क्षे.ध्या.त.ब.श्रुच.**क्षर.क्षेत्रय.क्षर.चय.य्राचय.क्ष्य. क्ष्यं क्षय.प.चयत्र. बुय.श्रा खराच्चैदःचेदःग्रुटः नःशःखंगवः यः न्द्रं वःशुः बैः छेरः बँ न्। विदःग्रुटः खरार्थेणः गहें टः नदेः नवयःयःयःश्चुत्वःवःवंश्ववःयःयेत्ःयवःतःव्यतःत्वतःयुतःयुतःयुतःय्वेतःव्यतःवेतःव्यतःयः न हुतः तथः नश्चित्रः प्रवः द्वाद्यः प्रवः व्याद्यः व्यादः श्चेतः द्वादः विवः वः विवः वः विवः वः विवः वः विवः व वयायवया रुवः त्याय हरः वदेः चयावया न्यः नवया । वरः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वयायायः वया तरी-न्याञ्चर्यः मुद्रान्त्रुवायदे न्यायायः महेर् न्यायः महेर् न्यायः महेर् न्यायः महेर् न्यायः महेर् न्यायः महेर् शेर्-स-वे-शेर्-त-शेशल-ठव्- स्यल-ठर्-त-र्थेणल- धरे-**য়৾৾**ৼয়৾৾*৽*ড়ৼ৾৾ঀ৾৾৽ৼৼ৾৾৽ दर्भवात्रह्माः सामहेर्मात्रवात्रेवाताः कवाः मृत्वात्रात्वातीः वीराक्ष्माताः कार्याः विवासीः विवासी विवासी विवास

ठवः यः भेवः पदेः क्षुरः पदें। । गृबवः तः प र्षे यः यः ने : न गः तः गृबवः शुः द्यः शुः दत्तुः ने यः *ঀয়৽৲*ৼ৽ঀ৾৽৾ঀৢ৴৽য়ৣ৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾ঀ৽য়৾ঀ৽ৡ৽৻ঀ৾য়৽৻য়ৼ৽য়৽য়৽য়ৼ৽য়৽য়৽য়ৼয়ৼ৽৽৽৽৽ র খ্রুস: বস: **ন শ্লী**ব:ব দ্বির, এবার বিরুপ: রা चर्ष्याचः णेवः चर्यः श्रेयरा ठवः गृहेग्'ताः देवः वरः स्टः चः श्रेः श्रेतः चर्यः वयः यः श्रेः दिरः ह्रेयः ग न्वर्र्त्ना सेयत्र रुद्र ने ने त्यत्र प्राचित्र ने स्वर्ष प्राच्य ने से त्यत्र न वर्देरःया त्यःतःम्बदःतःपर्द्वःगुरःदेशःपर्मःतुरःपः बेर्ःपः बेरःप्रः बदःपः बेर्ःरूः **धर**:श्चर] | न् मॅ त्रायः दे श्रेते त्र् पायः यः यः ययः यः वर्षः यः वर्षः वर्षः वेदः नेतः युदः ৰুথ-প্ৰার্থ। रे.र्ना.वयान्ना.ध.पश्चर.पपु.श्रेपयाश्च.ववर.ग्री.ल्येन.तर.पर्नेयावयान्यः रूपे येद्र'म'यादेद्र'वर'इट'द्र'वयायादेट'म्यादे'याद्रम्याख्री |देदे:हेर्द्र'म'न्द्रमु खन्ता शुःश्चानवरः शे.ववरः ह्। विवयः ठवः वि. नरः में वर्षः शुर् शुर् खर्यः विते स्व. वर्षः क्षुवावलार्श्वेत्रवावेतायाच्येत्रते। नक्ष्यानम्बर्धानम् नत्नार्धात्राच्यायदेर्धात्या য়ৣ৾৾৾৴ॱৼয়য়৾য়ৢয়৽ঢ়ৢঀ৾৽য়৽৻ৼঢ়য়য়৽৸য়৽য়ৢয়৽য়য়৽য়য়ঢ়৽য়ৢ৾ঢ়৽য়৽য়য়ঢ়৽য়ৢ चवःहनः मृः हैः देते त्ययः चेदः यः नदः नेषः दक्षः यः यद् नः नेः ह्यः व्यद् वः व्यदः द् |ग्याःहेर्**यः चुन्दे**रतेव्ययः ठवः यः नक्षाः चेवः ययः देवः यः ग्वन् स्वनः श्वन् व बुयःश्रा वेयायर तशुर रॅ क्रुबाव देवे क्रुवाबेर दे। दे वेर लाया वेव हि हे वेवे देव त्याय हेवा बेयामा बेरा है। वियाला निर्माण श्री वेया उदाया उदाया उर्म केरा देश हैरा देश हैरा देश रे.केर.ब्रिट.व्यु.वेट.क्य.युव्यत्यं वर्त्यः वर्त्यत्यं वर्त्यः वर्त्यः वर्त्यः यर'श'र्द'यर'वु'पर'वे'शे'रेग्य'हे। गृहेंद्र'पदे'तेयल'हें'यळर'ळेद्र'यं ठव्'प्रदेख

बुकास्रा । इत्यायन् त्यादा विषया । विषया विषया

गह्यस्य स्थितः पदे : र पः तृ : द द्वे : पः या बहु या हे व. च यथा ठ ८ ग्री या है ख़रा छ । या <u> रदः सं त्यान इंगा स्वानु च ति हे वार्या वी च दा हुन की खेयल या नहे वाया है।</u> देशःगुद्र-दशःनश्चर्यःदशःदशः**३**न्-पर्द। । न्द्र्यःयःन्यःपःदी श्चेरःश्चेदःपदेःन्द्र्यःयः बालुलामः क्वॅुन्-मः धेवः लाष्ट्रन्-मनः इबलालातह् नामः वत्रः नेतेः नलबामः बार्न्नः नः संन्ः र्दा । क्रेन्-नु-च-न्य-म-दी वियय-ठद-वयय-ठन्-य-तस्य-नु-च-न्-स्याय-शुःषदःपतेःधेरःतुःग्ऍरःपद्। ।वनयःयामयःपःन्यःपःदी इस्यःपरःशेःऍगःपतेःयेः वेयाग्रीयाचे वायाया गृह्या है। यया न्दा या प्रता वे क्रिया नदा प्रति व वेदा वेदा है गया ग्री वेया नवा भ्रेषःचेद्रःपःषःचुद्र। |वर्ष्ट्रःपःन्यःपःदी वह्नःपदेःन्नेःपःह्र्गवःचुरःनुःपर्ह्रःपद्री| क्यायर न्नाय न्याय दी वृंद स्ट्रा न्र नेत ही नाय हैन सन् वितास हैन スた・町・心 Ţ ・ ヺ Ţ ・ 葵 ぉ ・ むね ・ み 。 n . 円 ぉ ね ・ ブ Ţ ・ | इय. यद्विय. ग्री. क्र्या पा ज्ञाया भेरा प ज्ञारा था न्वतः मुक्षान्वे तः न मुन्यतः न्ता ने क्षेत्रः न्ता निव्यतः मुन्यतः मु ब्रुन्-धर्वः प्रञ्जन्दश्चारा न्द्रः विषान् यवः न्द्रः यः यद्गेरः यदे रोययः द्वेषः पर्वेषः पर्वेषः पर्वः न्वेषः रे ह्राया वरार् प्रत्यापया पहना क्षेत्र व क्षेत्र के स्वर्धित स्वर्धा ता क्षेत्र व कि स्वर्धित स्वर्धा ता क्षे ॱॷॱतुर: वेलः सदै: वेल: रव: श्रे: हुना: कंट: पर: छल: व: वेव: तुः हूं पल: के: श्रे। दे: र्ना: वै: पक्टर: <u>इंट.तपु.पज्ञेज.क्र्य.जल.बोधीटल.धू| बिधेल.त.पु| हीय.बट.बट.बुट.बु.ह्येय.त.िज.</u>

चैर.धुन्नथ.ग्रै.धू.धूर.घर.त.जया न्नुः देते पुरन्तु न स्वतः त्रे ब्रुवः प्राचितः क्षेतः । स्वतः स *षदष*ॱकुषःग्रुःबैदःग्_{र्}वेदःग्रुदःगेःग्रुःबःश्रेदःदगःदेवःयःक्रेञ्चःवतुवःग्रुषःरव**ः**द्वानःश्रेःः **दे-**प**ेवदान् ने नकः** यः द्वाः प ठॅबः यः ਘरः द्वाः यरः ह्वाकः **यदे** करकः कुकः इवकः वः द्वायः ः मृ.देते.पु.र**प.पु.**चुर. पर. ग्रुर. पते.चुर. रहे प. श्रे अथ. र पत. ग्रूर. ग्रेश ळेग[.]प.वे.पदे.क्रेग्य.शु.पठर्.त.वेग्.पष्ट्रव.य.दे.ये.दे.ये.पय.क्य.पस्ट.येयाय सुःदेतःतुःदेःचलेवःगनेगवायः पयःवैःरवःतुः श्वरः वयःवैः बरः वेरः वीः श्वेष्वः यः गुः <u>श्र</u>ेर:रे। नरः वः नवरः रः। विवः स्। दिः धरः विवः स्वः परः व हरः दः व वरः व 四、七型と4、日子、日望日、日 2、4、3、43、43下の方、イロ、音下、自以、日下、音下、多く、了、口道日本、4、m ষ্ট্রব-লার্ট্র- ইন্- ব-নানা-নী ন্ন- নিন্নী- নিন্ন- দ্ব- বাংকা নার্ক্র- ন্ন- ইব্- গ্রী-ন ইন্- ব্লব্ড गुःसबुरायरः रुःकेर्वा बराबेरः गहेरः न् मृतायरः गहुरता स्वा । ११ रः यसे व्यावया रल वे. ब्रिट्-ल. नहें र. नदे. लव. लव. श्रे ईर्-ग्री. वहें व. नदे. के थ. र श्रे नय हर्ना रच.वैर.वेथ.च.घर.घर.रे.क्र.चर्षा.वेर.चयवश.वंश.क्ष्य.विश्वश.क त्रःबरःतुःधुरःक्षेःध्वेतःयः नहें रःवःतःतःवः न् ग्रेतः पतेः नहवःत्रः । धिवः पतेः सः दितः न् नेःवः ळ्या. के बारा की र्यायते क्राया के बार्य विश्व के का क्ष्य का स्थापन के बार के का स्थापन के किया के किया के कि অ'নাগ্রপ্র'এথা ॴॱॶ॔ॿऺॴॱॸॱॾॾॿऻॱॾॖ॓ॳॱक़ॖऀॱॴॴफ़ॗऀॱॴॿॳॱऻॻॱॳॱॴॕॖॱॻॱॹॖऻ॔ॱॱॻॱऄॣ॔ॻॱॻॱॸॗॿऺॴॱॻॸॱॾॣऀॳॱॻ**ॱॱॱॱ** र्ट.पश्चितःमदेः मृद्धेन्द्रिन्दुन्यः मद्द्री । श्चिःदहेन्यः पदेः श्चेन्द्रः पदे। ळ्ळा.भे बे.ज.श्र्मेया. त.श्रुप्ट, पहिमया. त. र्टा । श्रुट.मो. र्रट. क्षेमा. र्टट. क्षे.श्रुव. ज.श्रम्या त. त.श अ.गुर्थ.तपु.पह्र्चेश.त.र्टः। क्र.र्टः श्र.ज.ग्र्चेथ.त.पवेटः पपु.पह्र्चेश.त.पथ.युवय. হৰ.লুখ্য-থ্য-খ্ৰীঘ-নদু|

बर बेर ने ब्रेंब रामाने वा बर बेर र्स्य शुना में र पते ब्रेंब रा र्रा

हुलादाहि। द्वारा विदास विवास व नदःत्यःन्हेदःवदेःवेदः। नदःनेवःन्हेदःवदेःवययःय। हेःह्नरःन्हेदःवदेःक्क्रुरःय। न्राम्हराविः न्र्यायम् । न्रामं देश्यक्षः न्राम्यवः वर्षे न्याः वर्षः वर्षः म.बेका नदः मार्के नः या द्वे नः यदेः न् ग्राम् नदः यद्वः मार्के नः मारः यदः विन् यदेः वः स्रायः न नदः ଞ୍ଜ'ନ୍ତି ଅଷ୍ଟ'ଜ'ୢଖ୍ୟୁଷ୍ଟ' ସମ୍ପ'**୴ୡ''ନ୍ ବ୍' ତ**ବ୍' <mark>'</mark>ମ୍ମ' <mark>ଞ୍ଜ</mark>ଜ'ୟଞଜ''ଜ'ଐସ୍ଷ୍ୟ'<mark>ସ</mark>ମ୍ପ' <mark>ଅ</mark>ଶ୍ରିକ' ତବ୍' ମ୍ମ' 'ମ୍ମ'' क्षेचा.क्षर-ष्ररथः सद्र। निययः सः जाने क्षेयः जय। नययः सः हः क्षेः नः नरः हे वः सः न मूयः त्रे तान हे **दावता**न्न व केर पति चिर हुन कुन कुन ताने हुन पति पर कुन हिन्ता यरः चुद्रः श्रुव्यः यः न् क्षंत्रायः त्यः द्वेग्तायः न्रः। न्रः यः द्वाः चुरः द्वाः त्रे अतः न्यतः नर्नेगः मा वयवा कर् खेयवा कद् त्याम हरा वेदा पवा म ठॅवा मा वेदा यो हरा महरा महरा मही प्रते सरा विरः इस्रायः त्यरे र्षाः मर्गाः वी द्वेषाः परे । धरः वेषः स्वायः परः वेरः परा मर्गाः वी र्षोः हुक् नद्भवानायवा श्वॅराच बर्द्भ तु. द्वराज्य क् जुल श्ववादेवा । ह्ववा पदे उरा छनः इवायान्त्रीयानदे हिन। नियानवदायम् नेयानन्नायानवन ह्यानिमा । निने नदे नभेषाम्बेष्याद्वाभेषादेःयानश्चेत्। विषास्। । न्द्रवायात्रेतायात्रायात्र्यायात्रे यरे-रूट्-यरेवे क्वेर-मृहट्-वर-चुद्र-श्रुवायदे-र्म् वायायार्वे मृतायवे प्रवास क्वायाः क्वे तर. थु.जब.च बर. बुथ.व.र.र. तर. बुथ.च द्वय.त.ज्य. नुय.चर. वुर्व वर्र.च नर. नवु-बिट-ज-रश्चिषा नदु-चय्यना दी-चय्या कर्-जा वु-र्नेया नया श्चित नया ना लेव-जा

ฅ๗ฆ๚ฺ฿ฺฅ๗๚฿๎๚฿๎ๅ๚฿ๅ๚๛฿**๛๛**๚฿๛๚฿๛๛ฅ๛๛๛ क्रैट:हेते:नल**अ:ध:न्ट:**ॲव:५व:ठव:अ:८,चव:पत्रे:नलअ:ध:न्ट:धव:५५ वाल:ध:इअल:: क्कॅ**बल.तर.वे.८**चूथ.पुरःक्वैद.त.च ४८.चपु.चपु.चपु.चपु.चे.तपु.लट.**प्र**ट.च.तू.ल.ख्वल.... तपु.थुन्नथा.क्षे.पा.न्द्रिंदान्दर्भिन्नर्भुन्न व्ह्या.वह्या.वद्भुन्दर्भे है। ह्या.व ग्रणका क्षेत्रम्र केरास्र दराह्म । स्रिन् म्यास्र द्वार वा नर. श्रेया. श्रेया. नया ने हरायदे। श्रिवारे श्रिवारे स्थिता स्थान । नक्षे नया श्रेवार र ब्रुवि पर्दे तहाय। । माने वामादर हिमा हर में वामाने राय। । माने रापदे ब्रिवामर वेरा इ. छर। रे. व. र. इयय. ग्रेय. प्रमाय। ब्रिय. र. र.। व्यव. र व. यवर. प्रयाप्त. न्दः विनाः क्षे : नः न्यवः न्दः स्ट्राः सः देः नदेः नर्ययः स्वः अह्रदः वः ㅋ훩두·다·여정· ŋ드'| लटा । मञ्जाबिर तहायानु तर्दे द्राध्य व्यक्त विकालवा क्रियान । विन्यः ह्रेयः श्रॅटः नः इययः यः श्रेदः धरः नवेदः यः नविष्यः । विष्यः स्वा च. श्रद्धरथ. च. दे मूथ. च. व्या क्रि. द व. व्यक्त च. व्या च. व्यक्त च. व्यक्त च. व्यक्त च. व्यक्त च. व्यक्त च. त्चर्यातुःबेर्-र्रे-ष्रुब्यायःर्ट्-ग्वॅर्न्द्रिकेटे-बेंब्वेद्र्-यत्यःक्रत्यःतुःत्ज्वुर्-र्रःक्रुब्यःयःर्टःर्गे...... बक्षव-रट-वर्ण-भेश-रट-ब्रुर-हे-ब्रुव-य-रट-ब्रुव-य-स्वत्य-य-दव-गुल-दिव-हेव-रट----৻ঢ়ঀ৾৾৽ৼৢ৾ঀ৾৾৽৻৸য়৾৽৻৴য়৾৽ড়ঀ৾য়৽য়৸৻য়৽৻ৢ৽৻য়ৢৼ৽ৼ৾৽য়য়৽ঀয়৽য়৾৽য়ৣ৾ঀ৽৸**ৼ**৾ঀ नरायायायाची व्चॅर-प-द्य-त्य-पक्र्यन्य-र्र-पाव्य-त्य-त्याय्याय-र्र-चित्र-वयाःगुर-चन्ना वै नाहें र स्त्राच धिव ची। नवव वै ने कु के व के लेवा क्षेत्र के व्यव की की की निम्मा नयः ह्रीयात्रात्मे नाम्यान् विद्यापान्ता हिला विवयाश्चरा नद्दे हे यार है या तक्षा या है। *ৠঀ*৾ঀ৾৾য়ৢয়৾ঀঀয়ৠৣ৾৾৾ৼ৾য়ৼৼ৾য়৾য়ৼৢঢ়ৼয়ৼ৾ঀৼয়ৼঢ়ৼয়ৼঢ়ৼয়ৼঢ়ৼয়ৼয় नर्झर्म्स्यूय्यायाः मृद्याः द्वारान् निः वीः वीः व्यव्युदः श्चेष्ययाः या व्यवाधाः या वीः न्यस्यायाः पार्ट्स्नायते स्थाने व्यवस्य स्थाने विद्याप्त । विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त व ल्ब. ध्य. व्यायवर त्याय प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या है। व्याय व्याय विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषय बर्च व.त्र.पग्र. तर. श्रेर। जिव. ह व. स्र नवाया वाय स्र हे दे . ग्रे. ह्यें र पा हे या पा स्र पा स्र पा स्र पा हितराम्बुरा विवासाक्षरार्थे हिवासदीमवाबासाबेरासादी क्रवाम्बारार्दरा र् दे निया हो के निया में निया प्रति निया प्रति । विया प्रति निया प्रति । विया प्रत भिन्-न्नवः ब्रैनः श्रेष्ठेवः यदेः स्त्रः निन्-पन्- श्रेन्-व्यः श्रेष्ठेवः वयः ग्रुन्-व्यः स्त्रेन्-व्यः स्त्रः । इतः वेयराग्रीःश्चेदायाभेदातुः मुःकेपाद्मयरार्धेषाद्यराधेदाल्यायराधे ग्रेद्वायर्था ष्ट्र-तु-नृष्ट्-पर-श्च-पर-श्च-प-श्वेय-पर्द। विच-ग्रीय-श्वेय-पर्द-प्रवय-पर्वे-पर-श्वेद-पर-श्वे र्गः नवेब्रामः स्वायातः स्वायातः स्वायातः द्वेन्याते तार्थेन्यातः क्षेत्रवातः विक्षेत्रः हेलः ख्वेद्वातात्वा यद्रायाकुः चरिः च त्रवाया वेदः या दे । यः र्राया च त्राया व्याया व्याया व्याया व्याया व्याया विषया व्याया व्याय क्के.स्. क्ष्यय. च रे. चय. स्ट्य. म. र्ट. होर्. नद्र. श्रेय. म. रट. हे ये. च र्या. युप. चद्र. हो। बर्धे.बर्.स.रं.रं.पहुब्रु.बुंब्रास्वानस्याचरः बर्ह्रदः पदे हुरःर् । विश्वः श्वेदःयः सु नवे नव्यापा केन्या है। के का ता वे न्या हैन्नि है निया ता हैन्य है निया है निया ता है निया है तर्नु चेत्रव्यवारुत् दे हिर्दे में बेत्रया न्रावा वा बेत्र यदे चरा स्वाया रे.च.बर्-री लब्राम्बर् नुः अर्थेरः नदेः क्षेत्रः द्वा विषयः श्रीनवाः श्वारवाः विषयः द्वा विषयः श्रीनवाः श्वारवाः विषयः विषयः

हि.क्षेत्र.बाष्ट्रंट.चतु.ब्रींत्र.च.ल.बाढेथ.जवा ब्रैंर.च.ह.चर्च.चथ.ध.वार्ट्रट.च.ब्री बुर-दर्भाक्षेत्र-वर-प्रश्चरण-हे-हेर-व-र्टः। द्वेत-ब्रट्ण-वर-वर्ण-देन्द्वा-हेर-व क्रथायवायह्नाहेवानुः स्याप्ताप्ताच्यायस्यान्तान्तान्त्राम् 551 <u>स्र.पर्.व्य.क्रेर.स्.र्षय.र्थातक्यातालयः</u>स्ययास्ययःस्यातवास्यःस्यः 551 र्टः। हेव.चग्रटःग्वेव.क्रेर.च.र्टः। रुव.मञ्जा.वृ.वेव.चवःळ्या.च.वा.चश्रवःहे.खटः 5·दलक्षेत्रःचःत्रः। मुलःद्वरःगुत्रःग्वतःग्वतःग्रेःतुःत्रःह्वरःवःद्वग्वःहेःहेत्रःचःत्रः। ਖ਼੶**য়**੶৲ৢৼ৾৾৽য়ৢ৾৾ঀ৾৽য়৾৽য়৾ঀৼয়৾৽য়ৢঀ৽য়ৣ৾য়৽য়ৢৼয়৽ঢ়৽ঀৢঀ৾ঀ৽য়৽য়ৢৼ৽য়৽ৢৼৼয় ๚๔๔.๚.ฮิ่่่่-.นิ.นิธ์ป.ก.น.มีะ.บ.พ.มีะ.กชาชลิ.บ.นะ.ฮิน.ฮิน.มีน.กลู้ะ... च.र्ट. टब. क्षेच.त्थ.झ.चभूट. चर. वैथ.बय.छेर.च.र्ट.। वटथ.भेथ.ग्रेथ.चरुथ.तप्र. चञ्चनःयःर्दःत्वायःचरः छ्रषःहे ःहेरःचःर्टः। स्थार्श्वरावस्थाताहास्राधिरावः पर्वत्र-तु-श्रे-मार्हेट्-पर-सुद-देट-पर-प्रग्नात-द्वतः हुर-प-दे-श्वट-पर-ग्रु-परे-श्वेर-प-धिद- साल्योया तथा थुरी तथा थुरा लुरा तथा थुरा तथा थुरा तथा थुरा तथा थुरा तथा थुरा तथा थुरा तथा थे थे थे थिरा तथा थिरा थिरा तथा थिरा विरा ये थिरा ये थिरा विरा ये थिरा ये थिरा ये थिरा ये थिरा ये थिरा ये थिरा

म्बद्भागुः ह्वेद्रायदेः म्ब्रायाः होर् यदेः ह्वंद्रायाः द्वा द्रायाः व्याप्तः ह्यारायाः व्याप्तः व्याप्तः दगदः धरः ब्रेडियः या मृहें दः या श्रें दः या स्थलाग्रीः वियातुः संदः दला अनुः विदः य गः थे यसः धरः तरी-अन्-तु-न्दी-न्व-व-ॲ-छुन्-कु-ळेव-**ऍ**-ॲन्-ने-ट-क्वेव-यदी-बन्-क्वेव-ह्निया यते क्षेत्र-तुः श्रॅट-व-चॅ-वर्न् न्या <u>क्षेत्र-श्रॅ</u>ट-व-न्य-व्राच् श्रेन्या न हेट-वर- यटः बर्दिः वृद्धः स्थायः स्थायः देः द्वायः श्चेषः क्षेत्रः **यदः व**र्दे स्वरः तुः विदः देः वृत्तः वृत्तः वृत्तः वृत्त दतेः श्चेद्रायात्मा भी प्रदान तर्मा श्चेता ने वा त्रेता श्चेदा विषय श्चेदा स्था से दा स्था से दा से दा से दा स **र् ग्र.प्रयादेः प्रविदार् छिर् दें। । देः क्ष्र्रः दः देः र् ग्र.यः येतः द्वरः देः यः प्रयाद्ययः प्रदेः यः प्र** \$a. ਜ਼ੵੑਖ਼. ਜ਼ੑੑੑਜ਼ਖ਼੶ਜ਼੶ਜ਼ਖ਼੶ৼৼ. ਖ਼ੵਖ਼੶ਜ਼ੵੑਖ਼੶ਸ਼ੑਜ਼੶ਫ਼ੑਖ਼੶ਫ਼ੑਜ਼੶ਜ਼੶ यह याया धेवाही कन्यान्तिक्रः हिन्यान्ते वावयान्ते दान्तिक्रः र् रर् नी यावत श्रेंच र् र् श्रेंच या र्र में गुला च म्या क गला ठव गहें र श्रे तुला धर या रे क्षेत्रः वादः व्यादः व्यादः व्यादः व्यादः व्यादः व्यादः वितः त्रेतः त्रेत्रः व्याद्यं व्याद्यं व्याद्येतः व्याद्यं व्याद्येतः व्याद्यं व्याद्येतः व्याद्यं व त्हन् केट र र हेर के छेर है। । तर्ष के र र ने न सर के न स्वर के सर सं न हेर ल.चेंबर्.त.कुन.मु.ब्रेस्.ब्रट्स.च धैल.च.र्टान.कुने.मु.क्ष्य.पर्टेर.च.र्घेनथ.चर.चैथ.त.... र्टा शेयश रुव प्रमुख मार्टा श्चेव पर चुल मर प्रमुख मारे प्रवेव प्र रट त्य ळ.वेर.बर.च.च्य.च्य.वय.कु.चेथ.कुय.कुय.कु.कुर.च.र्टः। लट.व.र्वंत ॅंर-्र-तेर-झ-ठव-इबल-गुट-ब्रेव-८र्न्-धि-कॅल-ग्री-गृह अ-गृबव-ल-वेर्-र्न्। ।धट-द ลักานายูกานาสมพากุรานาธสาดยีกานารกาสุลานณิ เชิมารูาๆดักานากการกานการ देर राष्ट्र द्राय के द्राय के विषय के देर में निया के देर में निया के देर में निया के देश के विषय के देश के इयग्रामात्र्व यगाने प्रवाद देवा वर्षा हेराच र्रा हिवापर है प्रवाद स्वाच न्यवाय स्वयः ळॅ८४१र्सुः हॅगरा धरः ध्रेवः धरः धेरःरी । ८६४१र्यः यः मन्नेय। महरायः ८८० सः महरा म्हेरायाया वरमें'न्द्रायाम्हराबीमहिरादी धेरीद्रायामहिराबी नहेंद्रः कुरुष्यरः यम्द्रः यद्ये । द्रार्थः देश व्रामः न्द्रः व्रामः व्रामः व्रामः व्रामः व्रामः व्रामः व्रामः **न्दे**.ज.चेश्चराजय। देय.कु.झू.चेया.चेट्टर.दे.बु.२८.च.ची ३८.श्चय.कुय.रट.घ.चेय. ख्यायाः संग्रायाः यायायाः उदाः यायायाः यायाः यायायाः व्यापात्रायाः व्यापात्रायाः व्यापात्रायाः व्यापात्रायाः व લેય.ગ્રે.સ.જ. u.対.望 u.ĝ. ロエ・2.製ヒ、mヒ、山とと、ロエ、割、3.鳥 ロ湖ロ、ロ とのいの 山下、山田、瀬、ロエ・ पश्चरः नतेः न्रङ्गं द्यातः नेरङ्गं तराः नेरः निष्णेषः भेषाः विष्णेषः विषणेषः विष्णेषः विष्ण **ॻय़ॹॱॸॖऀॴॱॷढ़ॱॸऀॸॱॾॕॴय़ढ़ॺॱॺॕॴय़ॱॲॸॹॱॹॖॱॺॱॷऀढ़ॱय़ॱ**ॠॺॴॱॻॖॱॸॖॵढ़ॱॻढ़॓ॱख़**ज़**ॱॱ ह्रवरा हैवाया है। र्घराव। ररावी मि हीवाया वाला पासु सुद् निर्देश से सक हर्वः इत्ययात्मात्यात्मेवः चेवः चेवः चेवः चेवः चेवः चेवः चवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः ^{क्ष्}ण'पर' बर'रे| ग्लव'र्''व'लेशल' ठव'रे'र् ग्लास' ग्रुट'कुन' लेशल' र्यद'र्श्नु' पर' ग्रुर' **९ गु**रःर्रे | देशे धेरायस गुरास **वया या**यते । यहेर् ग्री यहेर । यहार । त्राया यह ।

यहर्मा के प्रत्न के प्रत्य के लेखा ने खरका की विकार मा के कि प्रत्य की विकार मा कि की प्रत्य की विकार मा कि की कि क्षेट्र हेवै: न बबाया बार्ना या । युवादी महारामरा बी छ हो। । वे देवा यदी रहा मवन रमा हा दिन केन हीन पद हुर महर है। विकारा दिन का पद हैं कर न्द्रित्रिक्षात्राच्याः व्याप्ताः व्यापत्ताः व्याप र्यः पर्वः क्रॅंगः वृः वृंदः प्रवः खुरा वृदः क्रंग्यः क्रेन्ः तुः गृद्दः वृद्यः वृदः वृद्यः वृदः वृद्यः व्य त्रेयरा च्वा व्यापा श्वरामा श्वरामा श्वरामा श्वरामा विष्या स्वराम विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषय ब्र-इ.प.स्वेयतः त. ह्रीव.तपु. व्यापातः रटः चया व्रटः यव्यतः स्यावयः यया व्यापातः व्यापातः য়ॅगःग्रॅन्'स्यायःग्वदःर्टःरटःयःग्रॅन्'धदेःवेयःश्चरःचेरःरुःग्वयःधदेः धेर.री.श्रॅट.व.री.र.७म.२वा.लट.४ट.१८.मेवव.प.ब्रैव.तर.बु.वेद्। श्रॅट.य.सप्ट.श्रॅ. वयः ब्रेवः रु: बे: उर: पःवी पत्र-रेयःग्रे: क्षे: नर: नेयः पक्ष्ययः पदेः खेययः ठवः ग्रेयः यर्षेः तक्ष्रयान्त्राच्यान्ययान्ययान्यान्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र्यात्राच्यात्रा तपु.वीर.र्| ।श्चित्र.त.र्ट. थुन्नया.पवित्राया.त.स्वया.ग्नेयाश्चरः वर्टा वीर्यः हो । र्ना वे न तथा पा वना पा वना क्षें हा न अप्यें हो। ज्ञान है पाउं या तु । वे र परे । वे र परे । वे र परे । दे.र् ग.वे.ब.वेव.व.क्षेर.च.बर्.चर.ब.चर्.क्षे वेव.व.क्षेर.चर.व श्रुर.चर्। १दे.र्ग. ब्र.मह्मियाः तदः श्रेचयाः श्रुः खयाःश्रुंदः चः तः श्रुंदेः चरः चः श्रे। देः यदः यदः यवः त्याः तः स्वाराः यः मारायात्रक्षात्रम् व.र. में व.र. मालव. मी. क्र्यात्रव. मी.र. म्यायायात्रम् व.स्यायायात्रम् व.स्यायायात्रम् प्रम् निर्मात्या निष्या भेन्या निष्टा चिरा चे देया या निष्या भून्या निष्या है या निष्या में

 ऻङ्चेव.वेप.तेप.मो.श्च.वय.ङ्गेव.थ.१४८.४८। क्ष्य.प्र.व्य.०व. ब्रह्में य.के.पेंट्री मा च ता भ्रां भा त्र ना त्र ना हो र ना र दि । व नि र न ही र न सक्षा स्वरा र र ही ना या र्टः इन्।विना नेवायन नवाया नेटा नेवायदे प्रवास कर्षा केरा पर्दा विनायदे दार्पा केरा प्रवास करें श्चै:ब:बैद:कद:श्वे:दबुद:व:द्द:दे:द्वा:ब:वव:वक्,दःचेद्:वर:बर्द्द्र:ग्रुद:दे:द्वा:ब::::: निर्देर.च.जन्यत्र.तर् ह्यर.कुर.रचत.चर.कुर.कुर.कुर. वयग्रायाः क्षेत्रः यः नृदः। बर्दतः न र्रमः न र्वे र क्षेत्र र र रे वि र र रे वि व र र र र न र न र न र न र न र न र वि व र र व व र र वि व र र म्बर्भात्म स्वर्भाष्टित्र स्वरत्य स्वरत्य स्वरत्य स्वर्भाष्टित्र स्वरत्य स् *ज़*ॱठ८ॱऄ॒ॸॣॱय़ॱ**क़**ॱढ़ऻॣॸॱढ़ॹ॒८ॺॱय़ॺॱॺॎॱॿॺॱय़ॺॕॸॣॱय़ॱॺॕॗॣढ़ॱय़ॱॺॱॸॣ॓ॸॱय़ॱ 757 सु हे गुरा ठव : यव : गा ळ वा न र हो गुरा न या गु रें द ने वा पर त रें र : या या धेव : या कॅ्र-श्रु:५५:४व:४व:श्रुव:श्रुव:४व:०:२व:श्रुव:५१ 182.42.4.3. मुश्चर्यासायद्वीः क्रुयासरा गुरायदे इयासरा मृह दाया प्राप्त द्वारा विद्वारा विद्यार | नायः हे : पर्ना नेवा वर्रे : क्रॅंबा च ना क्रॅंस अवा पहें व : हु : ना ब ना सा रूट : क्रॅंबा पर र न्या हे न्या यदे क्रिया हर प्रस्त द्वा यदे ह्वा न्या यवा स्वा हे न्या क्षा हो न्या क्षा हो न्या हिता हिता हिता हिता है न्या क्षा हो न्या है न्

व्रीग्याप्यायाम् न्रायदे तेयया ठदा इयताया ने थी गेरादद्विराव दुगा दया यया वियावित यःयनः दः पर्ने नः यः श्वेदः परः ग्वेदः द्यः न् बदः यथा पश्चर्यः हे । श्वेदः परः ग्वेदः दः । यः दः यः र्वे ः ロ·イエ·ロを如·セエ·4型エ·ギ | चिरः क्रिनः श्रेयायः न धरः श्रेयायः न यः श्रेयः चेषः धरः स्याः वः ॻॖऀॴॱॻॖॸॱऄॢॸॱय़॔ॱॿॖ॓ॸ॔ॱॸ**ऻढ़ॱॿ**৴ॱज़॒ॸ॔ॴॹऀॱॸॖऺॹॱॸॸॱॻऀॱॿॗऺॸॱॿऻॿॺॱॸ॔ॿ॔ॱॴढ़ॸॱॴॿऻॴॸऻॎॣ॔ॱॱॱ ব্**শ**নমুশ্নেশ্র *ऻ*ॻ॑॔ॴॸॖ॓ॱॿॖॆॻ॑ॹॱॸॺॱॺॱॿॖ॓ॹॱय़ॱॺॗॕॸॱॸॱढ़ॏॻॱढ़ॕॸॹढ़ॱॿॖॸॱख़ॖॸॱ खेयया.रं तथा.रं.पा.पर्रथा.ब्रिर.पा.क्र.बुबो.वे.बुथा.ब्रा.ब्रा.ब्री.ट्र.चर.वे.क्रे.बेपा.के.चर्झरथा.पा. ळ्टलःशुःष्ट्रतःश्चरःपरः चुद्रः लेकःचेरःव। चुरः कुनः लेखलः न्यः न्यः न्यः नेवान्यः नयः रे ळॅलाग्री कृष्में व चुराया लेगा धेवावावी ने त्या श्चेवायमा श्चेतायमा श्वेष्टा चमा ने त्या स्वास्त्र व श्चेवायमा इत्। । न्यः हे देवः बे वर्न्नः व विषयः मा अ इवः गुरः विषयः व अर्दः व विषयः हे ळ्या. में व. में व. चे या. च. या. लुच. च. चे. कु. च खा. कीट. में न्यं न्यं में प्यं न्यं स्था ही र धरः चुः नदेः क्षेरः त्रोगवान्यारे हिर् क्षेत्राचरः चुद्। १रे निवेतः तुः गवाने गवुरः भेतः तुः हु. दब. स. यही . चर. यहूं रे. स. या है. के. च. च बुब. रे. बेबर. यही र. यही . चर. यहूं रे. स. यवर... |मल्राष्ट्र-धर्म्यात्राच्यात्राच्यात्रेत्राच्यात्रेत्रःव्येत्रःव्याव्याचेतः ने प्रविव के रट. धेर्. श्रे बाका तथा ग्री. र में कारा पश्ची पका मुंबर ता पट श्रे बेर कार्य र स्वीर ट्री अप्यट्र अर् पदे के नेयायर वर्ष् र द्या श्वर्ष र वाया श्वराय स्थान احځ٠ ह्येव.री.बु.र.तपु.कु. अक्व.वु.कू.कू.कु.कु.कु.वु.कु.वु.कु.वु.कु.व.वु.र्म्यामान्यामान्या २८.पश्चित.तपु.बुर.णुष.ष.ष.ब.वुष.त.प.र्म्याताकुषानावुषाक्षेत्रास्तर्भी क्चेत्रःयः माञ्चनाया अन् परि द्वे राद्रा न वे लाया द्रा में वा का न वे लाया है न वे लाया है न वे लाया है न वे लाया है न व बारीरः द्विते दे : बारीर : यतारीरः द्विते देवे दार्शे दत्ता प्रताया वी द्वे ताया दि वा वा वी देवे वा वी वी वा व मुै :ळॅन्य बर : हु : वर्षेर : वर्षे द : केंद्र : वेर : व्रेर : म्बर्या कर् खार्य दा प्रत्य प्रत्य के प्रति क्षेत्र थे भेषा क्षेत्र के प्रता क्षेत्र प्रता के यहा कर पर्य का स र्दः ते अतः ठदः न वदः व अतः ठर् र् न दः चरः चरः चेरः तु तः छ। चेदः दः न देन चरः प्राप्तः मारुवाधितः यदे छिरार्स। । छिरायरार् व्याया छे छरारे छेरा व्याया विरायरार्वे या छेरा है । यतः गुद्रः हुदः दुदे श्वेरः तुः क्वे अध्य हृदः । विषः मह्यद्या यतः अधिकः के वायः अदः **हे**र्-त-त्र-लुक्-मु| वनय-त्रामय-नय-नर्-होर्-वय-न्हेर-नर्| विनय-त्रामय-त-हे पर्-लब्-हे। विरावेशवाधियार्गः यात्रवाञ्चेत्रायात्व्यः विरावेशवाधाः विरावेशवायाः विरावेशवायाः विरावेशवायाः विरा म्या.पा.स्योषा ता. इसा प हे योषा विषा वेषा प इसा हे। पक्ष्या पा प्रवेष वेषी |よ、為土、口板公。 नथ.ल्.वेर्-पथर्वाय.त.ल्यं.लट.पत्वाय.तपु.र्वाय.ज.वेथ.तपु.वेट.ख्यय.ख्यावे.क्रु... नस्र-विश्वतःर्मणः मुन्तः विश्वतः स्वान्तः विश्वतः विर्माण्याः विर्माणः विर्माणः विर्माणः विरम् אממי אַ ממי שַׁ מִים צַמִים יַרְיִמְבַ יִּמְבִיתִבּבּילִין מְתִי הַ 'אַבִּים צַמִּים אָבִיעַ. **ॻ**८-८-५-ल-में वर्षा त्राचा विष्ये त्राचा विषये त्राचये त्राचय मान हरा नदे में चुरायर योर में क्षेया हु च व व के राया देवा माय के व वे इया महन्गिनीयाळाना प्रतिदारु दे द्वाया महत्त्वाया यहेतायाया महेताया प्रतिदाया विदाया धव-हे। विन्ताय-रयाच्चित-रु-बेन्-इं-बेयाळेग्-तहयाययार्म्-वर-छेन्-इं। मिन्यान्यान्देरान्द्रवानुवान्य शुर्वात्य श्रमान्यात्य यात्र श्रीयान्ति श्रीयान्ति । विद्यान्ति । विद्यान्ति । यद्गः श्रेन्यः क्रें व्यास्त्रः श्रेव्यः यः योष्यः श्रेन्यः स्त्रः श्रेन्यः ययः यद्गः श्रेवे व्यायः यद्गः विष्यः यद्गः विषयः यद्यः यदः

রুবা.জনাথা.ইন.. नरुषायदे.च**ञ्**षराच*ष्ट्ररान्*रा| नर्भाष्ट्रान्त्रम् व्याप्ति वित्रात्त्रम् वित्रात्त्रम् <u>৴ৼ৽ড়ৼ৾৽য়৽৴ৼ৽য়ৢঀ৾৽৸৽ৠয়৾৸য়৽৸৽৴ৼ৽ঀৢ৽৴ৼ৽</u>ঀ৾ |*५*२.चव.बु.४.४.४.४.५.५.५.५४.व्ह.५४.वय.व्ह.५४.वय.व्ह. न्द्रसम्बद्धत्वरःतुःचग्रदसम्बा । वृद्धःस्वतः गृह्वःसःन्वनःसः वृष्टुः चरः वै। चेश्रियः र्रः त्रेः त्यतः चेष्वः पदेः त्रः चिर्ः क्षेषाः पः त्यर्ताः क्षेत्रः ग्रीतः हेतः शुः गवरः पः इयतः तः ः त्रेरः स्वीरम् त्रवारा स्वीर् रहेरः नृमी प्रते रहुँग्या ताले प्रतः स्विष् प्राधित व्यक्षिर् प्राधित व्यक्षि गुर-देश-ध-ब्रेन्-धर-ब्राह्म-क्रिन्त-हे। ≆थ.म्थ.मेथ्रिञ.च.मह्मवाराच.त्र.विर्.क्षेमा.त.थटथ.कैय.ग्रेथ.हेथ.थे.मेर्यटन.जेथ.ग्रे য়ৼয়৻য়ৢ৾**৾৴**৾৴ৼ৻৽ঢ়৾৾৴ঢ়৻ড়৻ৼ৾ঀ৾৾৽ঢ়ৼ৾৾৾৾ঀড়য়ঀয়৻ঢ়ড়৻য়ৢ৻য়য়ৢয়৻য়ৼ৻৻য়ৢৼ৻ঢ়৻ৼৢঀ৾৾৽ঢ়৻য়৾ঢ়৽৽৽৽ ब्रॅंट्स.च.पट्टंट्रत्त.च.क्षयापा.य्र.यूट्रत्यया.धे.यूट्रत्यत्त.व्य.यूट्रत्याच.व.या.व्य.यूट्रत्याच न्यः हे : द्ने : पदे : धुं न्यः यः व्ह्रं यः यदे : धुं रः धेवः ग्री दर्<u>द</u>्रस्ते वित्रास्त्रः सुः महिम्रायः यः कृतःतेबलः न्यदेः संस्वरः वरः यत्वाः दे। वृः नेदेः नुः न्यः हेः नुः स्वः तेबलः न्यदः हतः म्यानशिकाल्यर्थात्याश्चर्यः के श्वराचात्रः मञ्चर्यः मुद्रः स्यान्तः मैद्रः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः पक्षेत्र.त.त्र.तृष्ट.तू | बुळ.बोश्चर्य.तय| ऋथ.ब्र्य.बोश्चर.वे.वे.चे.युजयः रचः 월도·따용도·디**조·**저 월조·폭||

न्म्यात्तवः श्र.वयाः श्रेव.२.व.व. ४८.८ अ. वविष्याः वविष्यः विष्ठेरः १ श्रूरः

ᠽ[੶]ᠬᠬॱᠵॖॖॖॖॹॱॸॣॸॱॺॾॕढ़ॱॸॣॸॱॿ॓ॱॸॣॸॱक़ॸॱॿॣ॓ॸॱॸॱॸॣॸॱॸढ़ॶॕॸॱढ़ॶॕॱॸढ़ऀॱॿॗॱॿढ़ॕॹॱय़ढ़ऀॱॱॱॱॱ <u> नृज्ञानुः नृतः स्वः यदेः नृज्ञादे त्र्यः के नृत्यः के न्यदेः नृत्यः श्वेरः यदः श्वरः श्वरः यदः नृत्यः श्वेदः यदः नृतः श्वेदः यदः नृत्यः श्वेदः यदः स्</u> <u>र्ना श्रुं तः यः र्र्ट श्रे वे सः स्वर्ष है। दर्ने वः वैः श्र्रं नः कनवः ग्रेः स्वरः श्रें नः व्यर्वा श्रृं न</u> *बार्बर* स्पर्म श्रुत्प नदे श्रुरारु रे र्वा वी अव र वा श्रुंत स्पर्म श्रुराम्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान म्बदः धरः श्रेष्ठः श्रवः म् वेरः तः म्वद्यः धरेः श्रुं म् क्वयाः तः महेरः धरः मुखः धरेः श्रेरः रुः तः <u>ଞ</u>୍ଜ ୩ଷ' ୮୮୮ ୫:୬୍ଲ୍ଲାମ ସଂସ୍କୃତ ଅନ୍ତର ଅନ *तुषा-नृद*ःग्राच्चग्रनेःयःश्चेत्रःपराग्चःपःग्राहेरःयःनेःश्चेत्रंयःयःयःभेतःविरःनेःनृदःयळयःयः हेव.लट.रूर.च वट्र.त.जय.रूवा.त.ग्रेवाय.च अ.ज.श्र. श्र. **धे**ष-ब-हे र-५ वें ल-य-५८। *र्*टः स्वायः भेवः वः श्चेषायः नवः श्चेः श्चः नः श्चरः श्वरः श्वरः न्यः नेयः वर्षः वर्षः स्वरः यः श्चेवः ने·धरःन्ये·ग्वैतायःधॅन्ॱदानेःहेनःन्वॅतायःबेन् दान्येःदर्शेः पदेः नेदाहेनः न्बेल.हा শ্ৰাকান্ত্ৰা | दे· षदः बेदः दः पद् मः मैतः तदैः चैदः पतः क्वेः तदैः तः श्रु न्तरः ग्रुदः ग्रुदः ন্ত্র'য়। विरःश्चर्राः नुः नुरः वरः बैः चुदः श्रृवः नुः च वववायः यः देवः धरः श्चेवः वृं। । नृद्दं वः यः **यदःरूराव १८ या यया वा में गया या इयया र्टा मुया दें में दें रादी हें गव द में मुर्ग र्टा हरा ब**.ज.श्रवीथ.त.चर्वी.त्र.रंटावि.संज.येथ.ह्वैद.र्थ.श्र.पट.व्र.जट.ज्रंटाजर्थवीय.त.रंटाचळ्य... *ऀ*ॸ॓ॱॹॕ॔॔॔॔ॸॱॺॱॺॱॿॗॆॺॱॺॕऻॱऻॸ॓ॱॺढ़ॏॺॱॸॖॗॱॸॺॱॵढ़ॱॿॗॸॱऄॱढ़ॹॗॸॱॸढ़ऀॱॸॺढ़ॱॾ॓ॸॱऄॗॱॸॣॸॕॺॱ **द्यः न्यः विव्यः त्यः श्चः विद्यः प्रदेः कुः त्यः र्ववात्यः यः न्यः। श्चवाः कवात्यः त्यः श्चे विद्यः श्चवः कवात्यः** च्या पते प्रवादि प्रवाद प्रवाद के प

 ୢୖୄୠॱय़**ଵ୶**ଽ୳ୄୖୡ୕ୣ୶ଵ୲୳୵୕୵ୣୄୠ୵୕୳ୖୄ୵ୄୡ୵୳ୣ୕୕ଵ୕ୣଵୄଵ୕୵ୠୢୖୄଌୖ୵ୖୄ୶ୠୄୣୣୣୣୣୣୣୄୣ୕ୠ୷ୣୣୄୣୠ୷ୣ୷୷୷ୣ୕୶୷୷ୢୠ୕୷୷ <u> चीश्वरा ग्रीलः म्, पप्रः ग्रीः पप्रः प्रचा श्वरा श्वरा ग्रीलः श्वरा ग्रीलः व्या श्वरा व्या श्वरा व्या श्वरा श</u> ादरी वे खब **ढ़्व**रपु:स:५५:यदे:केराय:न्वद:श्वर:पदे:श्वर:पेव:श्वी केर:श्वदे:केराय:सेर्-य:दे:स **धेवःहे। इत्याव्यक्षयायावेराञ्चाञ्चन्यराचञ्चनाच हुवायवानावुदवार्वः ।**दिवाग्रदायदेः क्षेत्र.विका**यःश्वरःश्वरःक्ष्यःक्ष्यः**क्षरःश्वरं श्वरःचर्षः स्वरःताविनिकःतःवर्दा विवरःश्वेदःचश्वरः नालया ग्रद्भा हि के श्रूदाना वाद्वारी पूर्या श्रीता ग्रीता विवारी वाधी कर ही वात्रा वा हुराव। हिःवराश्चरःमःम्बरःममःबाष्ट्रःसर। । तहवःमदेःक्षेणःमीरानेःधःधनः ग्रदःचित् । श्रिवःकदःश्चदःचःद्वरःपुरःवःश्चरःव। । विःवयःधःकदःद्वयःचरःवः तश्चर.वर। विदेट्य.तपु.श्चेष. द्वात. द्वा. तर्वात. वर्ष. वर्ष. |到**七.**和.奴上如.劉. इट.हुर.वद.६व.व.व। विद्याला हिंदीय.तपु.व्याया.गु.वाकेव.त्र.पहेव.ता.पा.व्याया.वु. पर्श्व-प-त्यतः त्र हुत्। न्य में बर्गा सः नृतः । सुन् पः नृतः नृतः । क्यायः यः नृतः । देवै: मुद्रेव: धर-दे: देव: प्रत्ने: वे: पर्म: क्र्येव: क्रिव: पर-पर नःमॅःलःश्चेदःबैः८५ॅ५ःयःहे। য়৾য়য়৻ঀৼ৻য়৻ঀয়৻৸য়৻৸য়৻৸ৼৼ৻ঢ়য়৻য়ৣয়৻ঀ৻য়ৢৼ৻ঀৼ৻ৼঀ৻ঀৼ৻ঀয়৻ঀয়৻ ब्वेदायायान हटादाक्केप्याचे यायत टाब्वेदायाया बेर्ग्यात स्वादा स् নদ্ৰামান্ত ব্ৰীবাধনা শ্ৰীনাঞী बान्बायायदे नेयायदे निम्पत्रे विकास महितायादी प्रत्याश्चित्राहरणस्यायाहेवावतामहितावदेशवादीक्षे रेते महेन्यं र दे तरे क्षा या प्रमान मार्थे र पाय प्रमान मेरा चर रूव ग्री तथ तथ ग्रम् वव ग्री न न र न ग्रम् । यह तथ न ग्री त क्रम् व तथ वि व व व व व व व व व व व व व व व व व मझर्रम्यत्मा सर्मि द्वाराष्ट्रम् वायाने नविष्यायायव नविष्यायायाया ने वाया विष्यायाया ळे.प्रेपु. देव. देव. प्रेच. प्रेय. **ব্রুব:নর্ম্মান্যর্ব:ব্রুব:ব** त्रह्मर्भेषाः दे न्याययाः वयाः स्ट्याः ततुः क्षेत्राः चर्ताः देः नेटः देः श्वेट्याः केटः तत्रा ब्रैव.वेद्र.इय.भेव.धे.लूर.२.द्रर.बुर.बक्र्य.धे.बैर.त.ज.क्यश.वयाश्चर. नःयः नहिंदः पते ते यता श्रेष्ठे । ने देः न ने दः यने दः देः क नतः पते ने तः परे सुरः परः द्रवा.त्र. **चेथ.वथ.**त्रवा.व्रेव.प्रज्ञा.पा.क्ष.प्रत्रेष्ट.श्रेथ.व्रेथ.व्रेव.व्रेथ.व्रेव.व्रेथ.व्रेव.व्रेथ.व्रेव.व्र त्री वे क्षे या ता सुना न स्ता क्षेत्र ता धेव वे क्षेया तु मेवा वया ने श्वरता हे न्रे ता सं ने श्वेव निष्यः निष्यः क्षेत्रः च निष्यः च निष्य धरःचेर्'धर् **८ चुरः पते : बदः व्यदः अर्घरः परः अर्घरः अर्घः केदः यते : बदः व्यदः व्यदः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वरः** नदै लेबल क्षे न है। देदै गहेद सं र दे हेल स दे खुर नर रेग सर इल दल हीर पर व्रेन्-वययः ठन्-अन्-डेन्-रे-ने वयः दहन्-यः न्रः वृत्-यरः नुः वर्षः व्याः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व त्रवातः तरः चक्षेत्रः व्रतः ब्रीवः यः बारः बाह्रदः व्रव्यः क्ष्यः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः ख्रद्यः श्रुः वर्षः व्य च्च-वयरास्त्रायः येत्।यरः नव्यः यान्त्रः वर्षः स्टः वरः स्टः यः वर्षः स्वः स्वः स्वः स्वः व्ययः वै: दर्षः विव: त्रः विव: त्रः विवः श्री वरः वः विवः हे। चब्रु.चक्कु.च.लव। पर्दर.बुद्र.स.ल.क्षुद्राया |प्ययासु.क्रद्राय बुद्राय बुद्रालेव। ण्ये.र्ट.ल्ट्य.थे.ब्रेट्र.च.व्री श्चिट.श्च्रीया.घध्ये.टे.श्चरं.चरःचश्चरो बिय.थ्री मोद्रेयामान्यक्षामान्द्रवामीम्ब्रेदानान्द्री र्वेदानमान्द्रमान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवान्द्रवा चथ्रात्तात्र्या.कृष्ट्राध्यात्तात्र्या.र्ट्याच्याः च्याः च्याः च्याः च्याः च्याः च्याः च्याः च्याः च्याः च्याः

र्मन, थि. त्रुरे. त. क्रूचे. तथा श्रीजा. वया श्रेषण क्रवे. क्ष्यया जाने वे. तर श्रेषा ता ने रे. तथी

नैवाळें ग्रान्हर-हुवानवॅन् व्यवान्यम्, ज्ञेन् यात्रवेषान-न्रः ने अराचुर-कुवावेयवः । र्धतः भेषः रवः ठवः ग्रेः श्चेवः धरः ग्रुटः यः ययः गृश्यः या । वर्षेत्रः वः र्दः श्चेः व्ययः । त्र-द्य-वनः यम्। यञ्चरः मेवः बुवः यः यवः मह्यरवः ग्रुरः। वर्द्धनः क्षेत्रः ग्रुरः वुनः वीतः व्यन्तः वीतः विनः वीतः व |শ্ৰহ্ম-স্থ্ৰই-প্ৰেই-জ্ব-নাই-ঔ্ব-ন্ত্ৰই-নত্ত-প্ৰথ-কৰ-ক্ৰী-স্থ্ৰীৰ-ন इयलादी क्ष्मानलयः इया परा न्मा परे लाला न्या सं ना नरा निया में <u> वृपःबशःबुःश्रद्यःश्चरःग्रुवःब्रद्यःवःवःश्चरःद्री वदःवःववा देःक्षरःवःवटःक्ष्यः</u> त्रेयतः न्यतः देः हैः श्रेन् : यत्रयः यः इयः यरः न्याः यः याः वयः ग्रेः परः नुः यदत्रः श्रुन् रेः न्याः । । । । बेदःदेखेः वद्वाप्यविवःदुः नेषः रयः ठवः ग्रेः श्चेवः यः श्चेवः यरः ग्चेदः यः धेवः व्या वेयवान्यतःकृष्-यदेश्ववयानःनृष्-यदेन्द्वे हिःकृःयुवान्यन् व्यतः।व्यवः व्यतः।व्यवः वर्षाः वर्षः।वरः **ढ़ॿॕज़ॱय़ॸॱढ़ॹॗॸॱॸॱॸ॓ॱॷॱय़ॖॸॱक़ॆॱॸॸॹॱॿॺॹॱॸॸॱॸॖॱ**ॲॸॹॱॾॗॕॸॖॱॿॸॖॱक़॓ॱऄॹॱय़ॱढ़ॿॕज़ॱॱॱॱ धरः दश्चरः रा विकामहारका धरा । पवि पारे र मामी र दा पर्या वी ॳॖॴॴॱऄॖॱक़ॕॴॱॻॱॻॿॖ**ॸॱज़ॴऒॿॕज़ॱॻॕ**ढ़॓ॱॺॗॗढ़ॱॻॱॴऄॗॻॱख़ऀॴॹॴऒॕढ़ॱॻढ़॓ॱॶॴॱॸॖॖॱॿॴ वयःब्रुटःचःन्दःस्रामन्यःषुःतृतेःब्रुवःन्र्राःयःन्षःवयःयहन्यःयःस्वयःग्रीःन्वरः चगाना नेवासर इवादवा श्रूनास ५८। इन्सर ५७ खेवानर विवास विवास १५० हैं न केर-इति-मृत्रे**द-य-विह्न विह्न-मृत्रेद-यते**-क्वारी-मृत्र-य-य-विव्हार-य-विक्यारी-*ॱ*ढ़ॖॖॖॖॖॖॖय़ज़ॱॹॖॱख़ढ़ॱय़ॱख़ॱॸॖॿढ़ॱॸॱॾॕॗॺॱय़ॱॸॣॸॱक़ॕॖॱॸॖ॓ॱढ़ॗॸॱॺॱॿॗॗॸज़ॱय़ॱॺॱऀॺॸॱॿॸॗॸॱॸॱॱॱॱॱॱ र्-क्षेत्र-वियाव-पानान्त्रम् म्यावियायायाया मुश्नित्राक्षेत्राक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वियायायायायायायायायायाया पञ्जेर:र्गेष:है। म्बर् रुक्षम्याक्षर द्वारा क्षेत्र प्रते स्वर क्षेत्र स्व **८ शु**राथाळे रवता नृत्व दुत्रा तहन श्रेरा वे तर्र रायत ग्रुरा कृता ते वता र्यते श्रुरायाः त्यत्रहुन्यः संवेदः सुरुप्तरः परः त शुरुर परिः धुरः ह्या । व्यव्यापदः धरः धुवः पश्चापः यवा ब्रैक्प्पादेपद्वे सम्मान्य । देपद्वे ब्रेक्प्पान् हिप्पद्वे वे न हरा । तहना हे व वराव ना हरा तर्रा राज्य व स्वापा । ना हरा परे वराव व कर्ना <u> इथ.कैप.तथ.चश्चरव</u>। |बुथ.चश्चरय.त.केर| श्चैर.तपु.केब.वैट.क्व.ग्री.थुश्चय.ईय. श. दव. बुट. झूब. त. रटा वट. क्व. ए. श्रुव. बुट. श्रुव. तथा वरे चया पार्च. वहटा चया ठन् ग्री स.च.र्ट. बाहूर.च.घषथ.२८.ग्री अक्टबे.लुव. तथार्ने जात्वर्टातर वि.हे.पर्ने.ही..... लब.च बर.बुब.खेब.चवे.चेब.चवे.चवे.च्य.चवे.च्य.चवे.च्य.चवे.च्य.चेवेय.चेव्य.चेव्य.चे लर.बुब.ज.र्ज क्ष्य.विश्वयाग्री.स्.प्र दे.चश्चेत्राताजायह्रेचा यदे घ्याता क्ष्याविश्वया ग्रुःरनः हुः र् चुः न रे र् मः न ब्रुनः धरे छे है । हुर चुः न रे र् मः मे र् द न हुः न द्रा न्वर त. न्यूर्त त. न्यूष्ट त्र त्र व्याता त्या क्षर क्षेत्र स्य न त्युर श्रूर व्यवस्य क्ष्याचित्रया: येवा या युव्ययः नृष्ठः म्वायाः याः म्टाः वयाः म्टाः नुः स्टायः शुः ह्यायः ययाः हैताः विषयाग्री.स.रूपानु श्रिवायरातश्चरामाध्येषाश्ची क्षे.रूपानु त्वेषया ठवा गुर्वे रावळात्राया त.र्ट.चेष.च.ष.चगूर.तपु.शू.वय.क्ष्प.विषय.ग्रु.बर.हीव.र्ह्म्बय.तर.प श्रीर.च.षा.त्रीय... मुल.च.इसल.क्ष्ल.प्रिसल.ग्री.तर.ब्रिय.स.इंग्ल.तर.पश्चर.च.८८। असल.क्य.ट्रे.८ग. युट्-मार्देर्-एकें-र्ट-श्वा-पदे-धुँगवा-शु-प्रो-पर्-श्चे-बुवा-पदे-धुर-र्दा |रेवाव-धु-र्वा तुःतेयतःठदः वयतः ठ८ः गई८ः ५ळः ५८ः घतः त्यः यायायायः सः व्याप्यतः सः विः क्युरः हेटः वयतायेष्ठः भ्रवेषे । ह्युं र तहना तया वरता स्वायाया न त्विन हा १दे.रचा चर्रारः बै.प. गुर. पर. प सुर्। । शुर. पदे. शेयरा दे. विच.प. पर। । इता विचरा पः स्ता हे दा पर

ऻଢ଼ऀ॔ॴय़ॖऀॺॴॴग़ॺॖऀॺॱॸॖॱफ़ॕॸॱक़ॕॖॱढ़ॸॣऀॸॱॺॗ**ड़ॱय़ॱख़॔ॺ**ॱय़ढ़ऀॱख़ऀ॔ॴ । इथ.ध्रा विवयःग्रे:न्नरःमु:इयःदयःर्घरःनदेःवेययःश्चःनन्-र्न्। |ने:यरःगुदःश्चरःन्रःन्ठयः यते न्यर तु छ ल न बे न्यो यह र्शेर पते र्शेर या पह ध्येद था र र यो र वे र वे र यह तु र च्याक् की न्वे पान द्वार्ष्ट प्रति त्या त्या वी त्या की त्रा प्रति विकासी स्वाप्त विकासी स्वाप्त विकासी स्वाप्त दे.ज.ब्रेब.ब्र्स्थानार्ट्र.ये.ब्राज्यस्य क्षेत्र.र्ट्राक्रीचानाकारविद् दह्रमादश्वायाया चति क्षेत्र त्रे अता त्य पेत् ग्वर व्याया पति को लि पत्य पत्येत्य पति के त्या पति को प्रेत प्रेत के त्या पति को प्रेत प्रेत के त्या पति को प्रेत के त्या पति का त्या पति के या के न्यों का न्याया न्या मेका प्रहेष प्रता द्वारा के न्यों का प्रते ही नाय है। यः न्रः धरः न्यः यदे सुः यः वै:ने:न्यः गुवः वृषः श्वॅरः यरः च्चेन्:यः धेवः हे। दशःश्वरः नरः चेर्रः पः र्रः पठणः पते रहेलः विश्वरा ग्रीः र्परः रुः चरा दयः तयः तयः ग्रीः लग्नः पठुः…. इस्रायराम्पर्ने विद्रार्थं विदेशस्य विद्रार्थं रे.केराश्चर्यास्त्रेरेन्से ल.ध्रियःतरःविश्वःचरशनःनेशःवैःश्रेश्वशःक्षः वश्वःवर्थःवर्थः वर्षःवर्थः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः के द्वारा विषयःग्रे:मुव:५८:१व:धव:५८:वश्चरःपदःवश्चरःपदःधव:५०:देवे:५व:ध्वरःद्वरःवा ऀष्टेश्चराः सः नृषाः प्राप्तः तृष्यराष्ट्राः द्वारः स्थाः प्राप्तः पृष्टः प्राप्ते वा स्वारः स्वारः स्वारः स्व **षट् शे.**दश्चन धरे श्चेर रू| न्देयाञ्चरानुः नः ता द्वेन् रप्तः श्रेनुः प्तः श्रुमः व्यायः नेवः तुः नीयरान् वेराः ने पर्देश.त.जथ। <u>६</u>बेथ.तप्र.थट्य.केथ.क्ष्त.प्रिषय.केथ.र्तर्थ.तर्रा विर्ग्र.य.घषथ.कर् चर्चियः मृंदः न्दः पश्चरः पश्चरः । प्रदः नीः हैतः विषयः मृंवायः मृंवायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व |ई्ल. विषयः र्ना सयः बर्धः भः द्वेपयः ग्रदः पश्चेर्। विषः र्नाः ह्यः विषयः वष्यः पराः रदः र्नेदः प्रक्ष्यः भ्रान्तः स्वार्षः विषयः भ्रान्तः स्वार्षः स्वारं स्वरं स्वारं स्वरं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं स्वारं

 पते दे वे द्वे ग्रां व व्यया व द दे प्रां पा प्रां । का गृत् द से या प्रां प्रां प्रां प्रां प्रां प्रां प्रां नुते:चुना:धःके:रत:बुद:ता:दनाय:wदः। कृंदःब्रद्य:धते:र्क्ष:नृतःश्लुद:धन्य:धे: रवः च्चीरः यः श्वेः द नायः विरः ब्रह्म दः परः । र्यः प्रिचेरः यदः स्वादाः द्यः स्वायः यदः **लट.क्**ल.प्रिंग्य.ग्री.क्रू.र.रट.कंब.त.ब्रु.बेबब.ज्य.संज.री.वीट. तर.पश्चर.धे। न्य-श्चित। । व्ये मेर्या मर्थर स्था सुर्या ग्री न्या मित्री व । श्लिव निया ग्री व निया ग्री व निया ग्री व निया ब्रह्मण-छ्रेताच्याः विद्याला नायुवाः गुर्वाः क्ष्मितः दिरः द्वीः विद्याः स्त्रे । $| \nabla u \cdot u |^2 = | \nabla u \cdot u$ त्नायाच्चिमारमाध्ये । कार्यमया सविदायर हिंताविवया स्वाचित्र मान्या । वेराया वरा निर्माण वैं तथ गुरु सर त शुरा | विरा ५६ । गुव्द प्यर गुरुय गुरुय गि छे गुरुय हे ५ र छे र । スロイ・美心・弱の'寒෧な'-弱な'お'ロヹ゚ロな'-ゐた'ら,'ロエ' ぬば.ロな'女とな'異してと,'自な'な'. *र्*टः इचः यदेः यदः क्रीवः च क्षेचवः यः बेर्ः गुटः क्रीः संगुदः यहुर्यः पर्टः रटः चीः च्रेवः यः । । । । <u> श्रुचाराः सद्दः स्चाराः सुः श्रुं राः सुः स्टः । इतः सदः स्वः स्वाराः न न न स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः स</u>्वः ৡৢ**ॱ**৾ৼॱৼ৶য়৾৾৾য়ৢঢ়ৼৼৼ৾৽ঀৢয়৾য়য়য়৽য়৽ৼৼৼয়ঢ়৽য়য়ৼয়য়৽ৠৢ৽য়ৼয়য়৽ৠৢ৽৽ श्चै·ॅल'न्तृन्-रेट-ॅर्वन'य'क्यल'यकॅर्'यदे वेट-तु-द्विर'नर-ग्रेर्'यदे पद्र'पद्र'यद्र'यद्र'यद्र'यद् ७ वर्षः शुः वर्षः वदेः व्यद्यः श्रुं द्रः देवः शुं : ५५। । पर्वे गराः यः वेदः परः दर्दे गः हे दः गुवः त्तृन्ते। क्रिन्यः बेन् यः मञ्चन्यः न्वरः श्वनः त्युनः । वह्नः न्यः व्यः देगलःशुःतञ्चरःमःन्रः। ।धवःवेरःद्वेवःसःग्**रःधरःवः**ग्रजःभेरः। ।ध्वःकरःवेः मेलाक्चे.स.चबबारूर्ःजिरः। व्हिलाविषयःर्वेदःतपुःश्चे.स.ट्रं-जाप्पर्टे । मिरःतयःच्याः **नैयःश्चरः पदेः ह्यः द्याः गुरः। । श्चिः गुर्द्धगः द्यः पयः श्चरः भेरः क्षः दरः श्चे। । श्चगः तळ्यः** अर्वे लः न हु ने लः वेंचः यः गुवः हुः देवे राष्ट्रा विश्वे रः हुलः विश्वे तः रूवः रे ने लः अर्के नः भेव। *ेवारा* । दि:क्षेत्रः यदः प्रवः द्वारा हो या दि । यो वायः या या वायः या वायः या विद्याप्यः या विद्याप्यः या विद्या क्षेत्र.यत्। च्चरःक्ष्वःत्रेयतः र्यतः तश्चरः द्वाः र्वतः वियवः र्व । तरः वीः वरेः यः वज्ञः ୟୟ.2ଏ.ସ୍ଥ:ସିଧ तथ. प इंग्यु. स्वेद . ह्या. विषया. प श्वीत्य । विश्वयः पर्वे या विषयः इया स्टः परः |गुन्द्वातःक्षेत्रकाः अद्यः हिवातः यदः द्वाः चक्षेत्रः। **奴**七公. 英山公. 디선 मेथिरथ.त.केर.पश्चर.रम्थाल। ई.लर.रर.रथ.श्रर.मुथ.४६मथ.त.दश.रर.के.रर. য়ৢৢৢৢৢৢৢঀ৻ঀৢয়ৣয়ৣয়ৣঀ৾৶৻য়৻য়ৣয়৻য়৻য়য়৸ঀয়য়৻য়য়৻য়য়য়৻ঽৼ৻ড়ৢ৸৻ঢ়ৢয়য়৻৸৻৻৻৻ र्बेर्-पर्वेश्वर-मु-चर् छुड़ रे.हेर्-प्या गर-वेग-दर्ग-हेर्-प्या-पर श्रवा कर्रम् । वहत्रम् वहत्र विवयः न्या त्या न्या न्या न्या विवयः हेत्य व बुर-इंत्य-विवयः हेद-वेर्-प। १रे-दे-इंत्य-विवयः य-स्ता-बुद्र-परः ग्रुट्य। ८वःस्ट.पह्नायः २८.केषः सूरे. २८.। । वाष्ट्रः ५४०.सेवः शेवः क्रवायः पः सूर्वः प्रयाः हो । क्ष्याविषयार्द्राक्षेत्राच्यापश्चराचुःवेता । यहेषाहेवार्द्रवायाच्छवायाः महेवा विकर्णा

 र्रा:वर:र्रः वुद्रःबॅर:पदे:रर:पदेव:ग्री:विद्यावाद:वर्ष:प:र्रःपठरा:पदे:विद्यावाद:वर्ष:पःरे:..... देगलः धरः श्वदः पदेःश्वदः र्षेत्रः वैः र्षेत्रः पदेः र्ख्यः प्रित्रलः र्षा । द्वे पः क्वरः श्वदः वी क्वेदः *≒्वा*ॱत्यः सॅव्यारा प्रदेर् न्वो प्रात्यः न् येव्यार व्यार्टा क्वुन् त्यः अक्केयः प्रक्रेन् केट क्वेयः चेवायः व्या *ज़ॺॺॱय़ॱॸॣॸॱॿॣॸॱॺॺॱॿॣॸॱय़ऀॱॷॺॱॸ*ॸॱक़ॖऀऺ॔ॱॸॹॣऻॱऻॶॺ*ॺ*ॱ॔ॺॱड़ॗ॓॓॔॓॔ढ़ऻ रुवः इस्यः सः च रुः गर्छेगः ग्रीः र्देवः त्यः द्वेगतः वत्यः देः र् गः ग्रीः तदेः र्दः ध्रेः सदेः र्देवः इस्यतः विः … तर्-इयतामुतायर र्ख्यापियता **ढ़ॱॺॱ**ॺॖॕॱय़ॱऄॸॣॱय़ॸॱॾॖऀॱॷॸॱॸऀॱॺॗॺॱय़ॱऄॗ। Àदिदे∙द्रअः न न्र-्, रु. न न्या यीषः या ह दः यः समः चेदः यथः ने रः ने षः यरः यरः परः न्रः यरः रु ः नक्ष.रम्था.श्री रियाम.स्यू.स्य.स्याम.स्यय.दु.वर.क्ष्य.या.र्यय.र्य. ଵ୕ୣୡ୕୵୵୰ୖୄ୰ୖୠ୵୵୰ୣଌ୵ୠୣୠ୰ୢୠ୕ୡୄୠ୕୶୶୷ଵୄୡ୶୷ୠଽ୵ଊ୷ୠ୵ଢ଼୰୷ୠ୶ଊ୵୵୰ୡ୵ୠୢୠ୰ୢୠ୷ लया च राव राव राव लवा व हिला विवया गृह्य में वर वया गुर हैं या प्रेय या **ऄ॔ॱ**ॿॸॱॻॖऀॱॸढ़ॺॱय़ॱॸॣॾॕॺॱॺॺॱॸ॓ॱॸॣॸॱॿॖढ़ॱॺॕॸॱॸॱॺॱढ़ड़ॖॿॱऄॣॿॱऄॗॸॱय़ॱढ़ऀॸॣॱॿॖॸॱख़ॖॸॱॱॱॱऀ त्रेयस-र्धरायदर:इवा.सर.वेषाकु.चयार्नुन्धरायाय्येचातर.वे.ही वरायपुरावेचात्र र्चच.च.च.व.व्ह.च.जय। क्ष्याच्चित्रयास्याचानविद्याः दे.र्चा.पयायर्टी.क्षे.क्षे.स्वा.चते.क्ष्या विवयात्री दे द्वार्य निवयात्र विदायात्र विदाया विवयात्र विदाया विवयात्र विवयात्र विदायात्र विवयात्र विवयत्र विवयत्य विवयत्र विवयत्र विवयत्य वारे वाया मिलवारा मा मिरा ह्रा विदाश्वर विदाश्वर विदाश्वर विदाश में विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या वःरेःयतःन्वदःयःर्नाःग्रुरःश्चेःश्वःविरःश्चेःश्वरःनरःदग्वरःनता देवे क्षेत्र चुर रुव रोबरा-न् परि·स्वापित स्वापित प्रवापित विवाप प्रवाप कर्षियाप मियरा कर् प्रवाप परिवाप पर पर्दि ।.... बिवानश्चरतायदे श्वराद्या दिते श्वराद्या स्वरायदे स्वराय १ वर्षा स्वराय १ वर्षा स्वराय १ वर्षा स्वराय १ वर्षा स र् पर्यः पश्चमः चुः नृत्व दः वैनाः यः श्वॅमः कुः धेवः यः श्नेरः चेरः पः वैः चुरः कृषः तेषवः र्वयः स्वेयः स्वायः - विषयान्त्री पश्चरायदे नवर् सा विषया क्षेत्र परि ह्या परि ह्या परि ह्या परि ह्या परि ह्या विषया है। या न्तेयाक्ती.न्त्रिन्द्रःन्त्रव्यःश्वःत्वःत्रःयः नश्चर्यः पदेः श्वेरः स्। श्वियः पदेः ह्वयः विषयः ग्रीः न्र पं भर रर प्वेव ग्री कि व साम र प्राप्त कर में प्राप्त कर में प्राप्त कर प्राप्त कर में प्राप *केथा.*रश्चाया.**कु.**नपु.चेथ्र.चेथ्या.चर्न्न्यया.चर्न्न्य्या.चर्न्न्य्या.चर्न्न्यया.क्र्या.चर्या नवु.शु.र्चे.पर्.सूर.लुव.नय.रू.र्चा.ल.गीव.धूर.२वा.लट.शु.वे.व्ह.सू.वेश.सू.चेशवा.... यदः द्वाप्यरः क्वाद्वाताते। यर क्वित् प्रमुषायः यावा व्यव् देशा वर पाये पार्रे । यथः | तथा तथा म के म् तर्ने तथा के अया था छ। | दिने ता म वया पया तथा तथा सव चथवयः चत्रे | चथवयः चत्रे विर्मः चरः दच्च गः चुः चरः दच्च र । प्रमः खयः विराधियः विर् इयथ.लट.र्ब.वर्ष.वे.च । वर्र्र.वर्षेय.क्ष्य.व्रिष्य.ल्य.ल्य.व्रिय.व्रिष्य. क्ष्याविषयायात्यत्यत्त्र्राचदेःचिद्वाचे ध्वेत्राचया |देःध्वेतःवदेःद्वाःइयःचरःध्वेदःचरःग्वेय। बेयामध्याभ्या धून.र्द्रब.ध.न.चेबय.तथ.विरः। व्ह्याचित्रयाग्री.तराह्नेव.ग्री. 처리석·집·회·소희·리롱·其도·네·디워스·데 4·디용·리·대·眞희석·다경·외夫·희·리·저스·수· हिर.पडिट.पथ.व्र्वा.अर.पर्न.पा.कर.हेर.क्य.श्रेयाश्रेयश्चित्रय.व्रेत्त.व्रियश.हेवा.घ.४ वर्यः युर्-पर्-त्रिन-हु-त्र्युप-पर-त्युर-र्न |रे-र्न-हि-हुर-पश्चिप-प-दी र्थ-प-हुन-स्द र्ट.लर.बुब.रेब.र्ट.पश्चेत.स.कु.लर.बुब.रेब.र्ट.पश्चेत.तप्ट.कुप.प्टिशय. ल. बोब्याव्याच्या बोब्या हो अया ता त्या दार्म दाया हो अया हो अया ही हो वा पा धेवा या स्वाया दी व इर प्रवेद दे। [य:न:ने:न्गःमी:न्न:नश्चःनःनी धुन:पदे:हेन:ग्रु:तेयतःवे: विषयः भूट. इ. पष्टा. ये. में हट. य. दे. क्या विषयः य. स्वयः पदः श्रुं र. य. य. यह व. यदे. स. य.... लेव. बुट. शुत्रथा. २४. घवथा. २८. ज. चूर्च ८. त. जथ. कूचे. तपु. लट. वक्ष्ये. ली व. व्याच्ये. য়ৢৢঀৣ৽ড়ৢ৻৸৾৾ঢ়ৢয়৶ৣ৽ঽয়৶৻ড়ৢঽ৾৾৽য়৻য়ৢঽ৾৽৸ৢঀ৾৻৻ঀ৸৾৻ঢ়ৢ৾৽ঢ়৸৻ঢ়ৢ৻ঢ়ৢয়৻ঢ়ঢ়ৢঢ়৻৸৸৻ঢ়ৼঢ়৻৻৻৻৻ च्या-तषुःकुरःशे। श्रूर-तष्ट्य-ज्ञवा श्रुव्यःक्ष्यःवर्रः चृद्याः च्याच्यः व्या | द्र्या-दृः च्यायः व्याच्यः व्याचः व्याच्यः व्याचः व्याचः व्याच्यः व्यवः वय

 ログーのできる
 ログーのでは、
 ログーのできる
 ログーのできる

๚฿ฺสานารารัฐสานาณาครู ๆ านลายาสาสารัฐาสการาชักา ขูการาสิกากลักานลา षवः ळ्यः न्रः श्रेष्यः न्रेषः ने श्रेषः न्रेषः व श्रेषः यः च श्रेषः यः च श्रेषः व व व व व व व व व व व व व व व व ग्राच्या पर्चर् पारुष् के के के के का तार्ण अरावर के त शुरावर विष्य के विष्य अरावर **ই**।বে গ্রু**ব**:ব:ব্দ:| तक्षः नवेः तुषः चेन्ः यतः त शुरः नः नृतः खुषः वैषः वृषः गुरः नने त् म् व्यक्षं देशः ग्रीः वहेषः हेषः २.स.स्वयःग्रे.बरः२.श्रे.चरः५ श्रुयःश्रे। रे.रे.केर.लब.लब.२.के.चथ.चर्चा *क्रेर्-ग्रेल-ग्रुर-पर्चर-कर-मलक-प्पर-पर्चर-स-प्र-प्-प्-पर-पर्देव-तु-पर्वा-प्य-पर्वर------*पति.चङ्ग्यात.सत्र.चर्ट्र-इर.बर.चम्-चर्च्र-स-इक्-अव्र-क्-छर्-द्ग्यत.ब्रेट-गुव-कु-र्वात.चर.पश्चर.प.णव.ड्रा वियार्टा वर.हिव.पहेयात.पयाग्रटा ववर.ह्रव. तर्दरः चतेः भेनः नृतः स्वा । हिं ता ग्रीः नृत्यः चः च ऋतः च भेकः वे ता महात्ता हेब.ज्ञाया.त.सेब.श्रेंब.क्ष्याया.त.र्या व्रि.चप्ट.श्लेंब.ज.पज्ञर्याया.स्याश्लेया अवि.र्व. इ. अथ.ग्री.के बे.ग्री. ८ अ.त.ही | ८ यो प. विच.क्ष.प.कर. ई वथ.प.हें वथ.ग्री.सेणी गर्ने ५ रो यरा त इंग् मी से ता हु धे जुदा *ादरै:र्ट:म्वद:य:म्बॅर:र्गु:पर्डर:यशः* युजा । श्रु.स्.मक्र्यं वृ.च इर्.सदे.म्.क.जा । श्रे.च श्रुवः श्रु. द्वि.क्र्यं वृ. अर् दः ह्यायः पर्या । ने:न्यान्ष्र्नःपर्वः अ. ह्याःच वारः श्वरः करः। । श्वयः पर्वः श्वरः वः धनः त्रः दरः

|बेल'र्**८**'| ॲव'हव'बहेल'ख़्व'बळ्व'र्र्यक्रुब'र्यथे| | मञ्जू माला यतः बै:ॅ्व, तः र्ने सः दे वा अर्द्धवयः ततः वि त्रः तयः प्राध्याः वि तः वि त . तपुर प्रातः विचः सः क्रबलः ग्रीः क्रूं चलः न्वः सः न्दः न्वे न्रः लेबलः ग्रीः वेः क्रेवः सः तस् बलः सदेः **ॡदै: गुद्र-५८: बै:पशुद्र-ध: इवरा ग्रे**:ऑग:श्चराग्रे:बर्याबे:धेग्या पदै:मॅं:क:५८:। ग्रेर: बावयानात्मास्यवाता सदै सद प्रवास द्वार्य स्थान ह्वाया सद्। । ह्वा न तर् वा तर्या ग्रामा नदः बेन पञ्चेययः हे द्वार दह्ययाया । ने ने पर्ने प्रमानवन नु पर्ने । वियानशुप्या च**≒र**-प:क्रु**द**-द्वरु-पश्चेद-द-दे-धर-ग्री-र्गद-च-श्चेर्वर-परा-ळे-दर्नर-सद-**ब्रै** :ब नार्वे : दर्वे ना केर : च दे : दर्वे : ब्रु द : च र : क्व : दर: त्राम्बर्वारुट्-तु-वर्-वा सन्दर्भेषायेन्या होत्राच्या तदी क्षेत्राच्या हो । दे प्रवास स्वाधित स्वाधित स्वाधित । स्वाधित स्वाधित स्वाधित स **⋇**য়⋪ॱॸ*≒ॸ्ॱ*य़ॱॺॺॱॾॗॸॱॸढ़॓ॱॹॗॱढ़ड़ॺॱॻॖऀॱढ़ड़॓ॺॱॸॱॺॱॸ॓ॺॱय़ॱॶॗॺॺॱॸ॒ॺऻॱॺॱॸ*क़*ढ़ॱय़ॱॺॱॱॱ के<u>र</u>ॱग्रुः परः तुः पञ्चेवः धरः ग्रुर्दे। | ॲ्राप्तेः केषाः र्वेषाषः यात्रायायायायायायायायायायायायायायायायाया ब्रुंन्-दहन्-यत्। नन्नयःमःह्रंन्-तु-नत्नवायःमधी ब्रिवःन्न-नन्नावीयायः अर्ह्नन् | तेमलः श्चर्-मर-धेदः रे-गुद्रः गुरः। | विरः विः मुरुमः मैदार स्थरः धरः ন.পুনাথা तहना-तुःचर्मेन्य्यरः द्वरः रें। विह्यान्ययः द्वयः यरः रेवः यदे व्यतः देवः प्रवासः चक्कर.चलवाराः तषुः द्वोः चः दह्सराः परः वश्चरराः ता वहवाः परः वदः वञ्चरः वक्करः वक्करः विकाराः नत्रन्तः सदेः ह्वेदः सः नृतः ह्वंतः विश्वतः ग्रेः धरः द्वेदः तः मृंश्वतः सरः च्वतः सदेः नृ वे स्वर्वाः स्वतः स विरः विरि: न त्रयः पः श्रन् रहेण रहेयः विणः श्रुकः पकः गुरः वह स्रवः परः ज्ञुरकः वि बिक्स तर्ने चुने त्याप्त्रियामा नुष्यामा है। मि केना चित्त वेशवा नुष्या वास्त्र विषया विषया विषया विषया विषया विषया हुै.य.चबेर्-तपुःर्यःत्रःत्रः व दिवाःतःयवा वर्षःहुरःकुयःस्वरःस्वरःयःप्रियःयःधवा । ब्रुव-र्-विस्य-विर-र्ग-प-पश्च-प-पग्नर। ।पयगय-प-श्रन्-द्रग-ग्रीय-दह्रस्य-वेदा न्बर्यायान्त्रव्यव्यायाः श्रदार्द्। विद्याः मुं निर्दाः मुं निर्दे ने निर्दे निर्दे स्वर्या मुकान्य वर्दाः ८म्.इ.५६्षथ.व.वेट.ध्रयथ.य.ल्ये. तथ.वेट.ध्रयथ.प.प्रिय.व.के.ड्र.श्रयःतर.५६म्.... त ग्रेयः यद्यः महास्यः भेटः। त्त्राचे.वेट.ध्रत्रथ.थे.इथ.घ.इथ.२ट.व्रि.चर्ष.बी.वक्ष्य.वी. श्चुंदः अर्वेदः चः चरेदः वेः चरेदः दे रे चरः च निर्धः हुरः ग्रीः द्वीः चः वह्र अराधः वः वर्ः चरः **山松七公.奴**[ोड्डीर.रेम्.चपु.इ.च.पह्तथथ.त.ज.वेर.धवथ.प.प्रिय.त.श.रेम्य.धे। ্রপ্রবাদ্ধ করে বি पत्र नेथ. त. घषथ. २८. लूट. तर. श्रे. पपु. ने बेट. पथ. ग्रेट. श्चर-८म-८मे श्चर-मेयायरी हिर श्चर श्चर त्राचे व स्वर्थ स्वर्ध त स्वर्ध त स्वर्थ त्या व स्वर्थ स्वर्ध स्वर्ध स्व व्यन्तियाः हेर् । त्रेयाः न्यः व्यन्तियः व्याः व्यव्याः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्य ब्रॅंट.र्ब.पर्देश.य.ह.२वा.बुब.इंद.तप्त.र्बब.द्वा.र्वब.क्र्र.पक्चर्.वि.पर्व.क्रंट.व.ब्रंट.वी.... त्रिन्यं इस्याता विचा प्रते प्रतः व विःसः है हेन् र्येन् पर्ने हेन् निः ह्रेन् विः ह्रिन्यं प्याश्चरः तपुः श्वेतः श्वेरः पश्चरः रुष्ट्यः श्वेरः पश्चरः स् वेयः श्वेरः पश्चरः वया ळे.र्ट.र्चेथ.त.धे.तर.पंक्र.ग्रीथ.पश्चातंत्रच्य.पंचायायाच्य.धी.चण.क्र.म्याय. न तृन्-ने-न र्डं अः ख्व-तन्त्रः अन्-तेत्रः भृन्-केत्रः मृत्याः हो । न र्डं अः ख्व-तन्त्रः ग्रीतः न्वोः श्चॅर मी र्मे प्रति सम्मे मुरक्षा सुरक्षा मारा महीरहा व प्रति सम्मानि स्थान में प्रति सम्मानि स्थान में स्थान में र्गे. इ. पङ्कातपुर, मूचे. वे. कंट. के. तंत्र कारा के. प्राची प् न्ड्रबार्थायन्य प्रतिष्ठियः या क्रिटा नश्चीरता हे . क्र्या ता ले . क्रिटा खे. तुः ने दे . त त्र ता ता तुः त हे या प *भे*त्रःग्री *र*ःग्*रॅरःग्रेतःर्रःप्रः*त्रःत्रःत्रःत्रःगिःदञ्जातुःश्चेःदञ्जेतःसःश्रेतःहे । हे द'-पते'-्यय'न्द'-नैय'-गुद्द'श्वद'-गुदे'-रा'नॅद'श्वॅद्द'वे'द्व्यत्द'-हॅद'-बॅद्या'-पदे'-रा'नॅद'श्वॅद'''' पः बै: श्रेन् स्वे क्षेत्रः सं ले ता वावतायायात मतः लेगा ग्राह्मः स्वा विश्वा विवास विवास विवास विवास विवास वि स्र.स्र.श्रु: दयान्वेद, द्र.क्षंचया चर्षया श्री त्री.च. श्री दया चर्षा द्री त्री.च. वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा 教工:對一 *┸८.४८.ची.*ऋश.श्चेद.से*द.५थ.चर.तपु.जय.रची.*शु.रची.ल८.थ.सूद.शेरथ.त.त.शु.ल८.... ৡ৾**ঀ**৽ড়৾৾৾ৼ৽য়ৢ৾ঀ৽ৼৼ৽য়ৼ৽য়৽য়ৢ৾ঀ৽৾ৼ৽ঀৢৼ৽য়৽য়ৢ৾ৼ৽ঀ৾৾৽য়ৢ৾ৼ৽ঀ৻৽ৡৼ৽ৼৼ৽৸ য়ৄৼ৻৸য়৻য়৻য় र्दः वर्ञन्यः विवः यदेः क्वें व्यान् सुर्द्राद्रवात् यदिः शुर्यः शुर्यः यदेः श्रेर्वे। यदेः याः विवः याः য়ৢৼ৶৽য়ৼ৽ড়ৢ৾৾ঀ৽ৼৼ৽য়ৼ৽ঀঀৼ৽য়৾ঀ৽ড়৽ৼৼ৽ৼঀ৽ঀয়ৼ৽ৠৢ৽ঢ়৽য়৽ৠৼ৽৸ঀ৽ৠৼ৽ৼ৾৽ नविष्यान्तराष्ट्रम्यान्तरी व्यवाधियानाक्ष्यान्तराष्ट्रम्या र्वो क्षे र्वो ते त्यता वार र्वे व त्य ब्रेव पर रे तारे विवा ता त्यता वावव रे ख्रेव पते वा क्षा का का का का का चर्माम् गुर्रः दे र अ ग्रील र में प्रदेश के र में प्रदेश स्थाप प्रदेश में प्रदेश में प्रदेश में प्रदेश में प्रदेश में पति क्षित्। ते विषा क्या श्चेत्र कुर पश्चित्राय र वा त्वो सः पर्वे वा पति देव पु वो उत्र है। न्वतः रु.व.श.र ने. पदः पथा क्षेपया क्षेपया क्षेप्या करः र ने ने.स.पह्रायाः केरे. रे.मेथरः र म्या 4x.4 \$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} \] *ऻदेशः*वःदर्ःतःश्चंतःद्वंदःतेष्वःस्वःदवेदःग्रीशःदेःस्रःःवनदःसःस्रः ब्र.८चे.प.क्षेत्रय.पष्ट्रय.व्र.वे.त.त.८८.ण्च.के.८८.चक्रू.युष्यय.ग्रुथ.८चे.≆.पक्ष्यत...... <u> इ.र. केर. पश्च थ.पी. पश्चेष. कु. क. क्षेत्र थ. ज्</u>र *्रि.लट.इंर.च१र.स.केर.ईग.स.* चयत्रयातः क्षेत्रयाचितः श्रुट्यायात्रत्यात् त्यात् त्यात् । यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्यात् व्या पि.श्रुचे.पा.मुंहैद.ता.मधेट.म.र्थटा.क्षेपा.मुंश्रया.मश्रुट्या.मदे.पच्या.मुंदि म् यथातपुर होर्नाम बी वर्षेयायेयायार स्टिस्ता हो यथा हो यथा हो स्टिस्ता हो यथा हो। दे हो थे। या स्टिस्ता हो यथ पह्रथय.शु.वेथ.त.रटा वि.कुबे.ज.वेट.बुं.क्ष्य.विश्वय.ज.ब्रबेथ.तपु.वेटे.त.बैं.श्वीय. ৼৢঀ৾ঀ৻৻৻ৼ৾৻য়ৢ৾ঀ৾৾৻ড়ঀ৾ঀ৻ঀৢৼ৻ঢ়৻ঢ়ৠয়৻য়য়৻ঀয়৻ঀয়৻ৼৼ৻য়ৼয়৻য়ৣ৾ঀ৻য়ঀয়৻ঀয়৻ঀয়৻য়য়ঀয়৻ म.प वैट. च.शु.प ह्राथ.त.र्ट.। वि.श्चव.ज.र्घर.च वर्ट.च.क्षेत्र.विट.चक्षेत्र.व्व. व्वट.च.व्रेट.च युत्रथात्मर्प्त्राच्चा साम्रेश्वराच प्रमेषाता बाद्येचा ब्रोधरा ह्याया सरा प्रमूर् स्था प्रदेश प्रमाणी हिं ब्राया त.पवात.धुवा.विर.प्रेष्ट्र.चथबाता.बिश्चवा.श्चेथा.बे.पाबा.ट्रं.बीर्.पा.लूर्.ता.बा.प १८.लट.पश्चेता. सः त्यत्रः नेते ते चेन् या न्या व्ययः ठन् तन् ना के न्या या न्या त्रः त् ने ता वह या षः तत्र रः नेते चेत्रयः म्राम् त्येष्यः वयतः ठन् त्रह्यतः वेः न् मृतः तवाः श्रुवः व्या

बहर पर के तर वे बाद है। विस्तर के वा के देश के तर के बाद के विष्ट के वा के विष्ट के विष्ट के वा के वा के विष्ट के विष्ट के वा के वा के विष्ट के विष्ट के वा के विष्ट के विष्ट के वा के विष्ट के वा के विष्ट के विष्ट के विष्ट के विष्ट के वा के विष्ट व्रवरा शुः क्षे क्ष्रूरः मः नृरः नृष्यः मः नृरः मने मः स्र ः स्र ः स्र ः स्र विष्यः क्षे ः स्र विषयः स्र ः स्र महेन् श्रे थे नवः भेटः वे अवः इतः तुः मववः धरेः यहवः धः व अवः धः नटः। वे ः श्रूटः के वः स्र-देव-ग्रैक-म्रुटक-पक्ष-ग्र-देव-पहेन-वल-ग्रॅन-स-न्ट-सहत-पनेक-ग्रेक-ग्रुट-ख्व-वया. मूर. च. नर. ही व. नया च देया. योर. या. कून. ना. जा. या वया. हो हिन. यह मा. जया हे। म्रातुमाहिते से सरा तकरात् । भिरादे लि.मा कुसरा की सुरा। । नम्रात्र परे पररा थे। वर्षियःवा । मानेनः बैःदरः बैरः वहन वैः वश्चरा । मरः न्मः कॅरः न्दः चगुरः हैः भैवा । द्देव-चेव-दे-ल-पहेव-शुर-प। ।दे-दग-शुर-दे-स्द-स्व-पदे। ।हे-द्वंव-दे-ल-ग्**रॅं**द-नरःभूल। दिःश्रयः यहतः पत्रेयः श्रुः नरः तश्चर। । श्रुवः पर्यः पष्ट्रयः ग्रुदः हेवः श्रेः छेर। । सर्रात्राष्ट्रायायर्भात्राच्याया । दे दे त्यायायरा स्तराया सेवा । वेवासा । क्षेत्रायाय 'पल' ग्रैटः । वि. पतः श्रे. श्रे था पति व स्वादि स्वादे व स्वादे । विष्या मुक्तः पति । विषयः मुक्तः पति । विषय श्रवायाः वै:श्रृ गः पञ्च ता या वि न वा ता वि । प्रति । ञ्चः पः सरः ग्रीः सः प्रविदः र् धयः भरः दु अया । अहं तः प्रवेशः र् मः मैदाः र पः हुः मुद्ध मदाः ग्रुरः ग्रु८ः । वि.चलः श्रेः देवालः वायदः लदः त्युरः चरः तश्चर। ।धवः न्दः वार्वेन् ः धरः श्रेयलः तः र्त्तेः ७ वयः वया । वयः क्रेरः त नयः वैदः ते वयः वैः क्षेत्रः धरः तरः त श्रुरः । विः परः वे नः धरेः ययः .ब्रे.म्बायाः चेयाः प्रया | ८वः स्टार्चाः पुः स्टानु सः स्वारम् याः स्वारम् । विद्रारम् केवः सः चेयः ययः नरः नृत्रेरः नदी । नृत्रयः ग्रुटः ने : ययः क्ष्णः यः के ग्रुटः यून्। । व्रिं नः यने वे : वृत्रः वी : न्या । नन्या वीला ने स्वरानेला नला वी । ने भी बहु दे पाई पान्य । क्रेस स्वराही स्वराही वीया

नर्चन् पर चेत्। विषाम्बुर्यात् । ने न्यायात्रम्य पर्वा ने प्राप्त विषाम्बे म्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया **ૡ**ॿॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖढ़ॱज़ॱॺॱढ़ढ़ज़ॱय़ॕॱढ़ॆॖॸॣॱढ़ॖॗज़ॱॺॺऻ **ले**ॱस्८ॱ**क्ष**'तुतैःस्गि'मःबेर्। ।चर्चर्'मःक्ष'तुतैःर्गादःसुचःबेर्। ।रे'मकःमर्चर्'सःद्वरः <u> २४.२। । इ.क्रुचयः क्षेत्र.ग्रेथः पश्चेत्रात्तरः न्ने। । ज्यः पश्चरतः तः क्षेत्र। स्वःल्यः ८८ः क्षेत्रः</u> र्वेग्रायम्य वर्षेत्र प्रायक्त प्रायक्त वर्षाय वर्षेत्र वर्षे वर्षेत्र वर्षे वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत् रट. घ्रु. ब्रा. ब्रा. प्रचार ग्रीयायय। मु. ब्राह्म. क्रुते. क्रुते. क्रुटे. ग्रट ग्रट ग्रीया हेलायर बी.बुलाय हिरादेर इया पर ब्रेवायदे यह यह यह रेलायर बी.बुलाह्य | दिते हिरा ने क्षेत्र तश्च स्तुः भेत् र तुः शे दिहान तथे वाया नहार् में नाया महिताया के नाया के नाया के नाया के नाया के ना श्च.पच्चर.त.पथ्य.चेषय.श्रक्चचा.धै.वैट.च.लूर्.त.ब.लुब.चू। विध.चेथिरथ.त.केर.लुब. इस ब्रैन भेर रे. वे. दर पाळे था के. पात है ना गुर र में उसे वे तह समान रे उस गर ने। ৡ৾ঀ৾৾৽ড়৾৽৸য়ৢঀ৾৽৸য়ৢ৽ৼ৾৾ঀ |द्य.येट.इश.शुरे.क्ष्य.कु.च.पद्वेय.स.रट.रे.चे.इ. पह्रथयाना बोध्यामा स्वायाना देवा ही राष्ट्री मेरा वाया वायव नवर संदा है। ही वितया ณหูรายาสริยญายลิงพักาษูารุยารุณยนิง มีญารุยายารุยายากลมพารุยาลานา..... र्सम्बर्धाः त्यः क्रेव्यः क्रेन्यः क्षुन् । वृत्तं न्यः क्षेन्यः त्यः क्षेत्रः त्यः व्यवः वृत्तः त्यः विवः । व व्यव्यान्यः त्यः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः व्यव्याः क्षेत्रः त्यः व्यव्याः विवः । व्यव्याः নম.গুর্।।

र्वावाःसः नृहः । वज्रुत्रः वः स्वावः क्षेत्रः विवावः विवावः विवावः विवावः विवावः विवावः विवावः विवावः विवावः व लाबी पञ्चर पार्वा गर्दा । रूट प्राया मुत्र विष्य मुत्र प्राया की विष्य की विषय की विष्य की विष्य की विष्य की विष्य की विष्य की विष्य की विषय की विष्य की विषय र्टः। चक्के.दरःचि.चःद्रबोधःतरःचक्केष्रःधर्प। रिटःस्.प.बोधिषा सीपःर्टः। सीपः ठवः ५८ः। हेवः यः मह गवः वः वैः रेगवः सद्। । ५८ः मः य। ररः र्वरः वॅर् बेर् महम्मलावाकी मूर्त्राचेरालाम्। मर्द्राचेरालाम्। मर्द्राचेरालाम्। मरार्थेवाकुष्यातुः *दिःकुरः वह ग्*रायः दःदेशः रदः यः ग्रेद्रः यः च्रेदः यद्द्रः ग्रीः वर्षयः यः **र्ष्त्रः तुःच नृह्यः द्वराः श्रुं रः चर्यः रह्यः गैः चरे ःचः चर्यागः यद अः युर्यः रृहः वेअवः यः थेर्ः तुः वैः दहः** चदेःश्वना चर्षा च क्रीन् प्रता र्षा क्षु वादा वाया है में ता नाम क्रीन् पर वा वी नाम वा नाम विकास वा नाम विकास र्वरः ब्रा विदः तुः गर्देर्धः वश्चयः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः देःयः रदः र्वरः गृहदः वर् रे.चब्द-ग्रीयः र् चर-भ्र-र्-प्रभुत्यः दयः गर्दे र्-धः ग्रुयः ध्येदः धयः विराधिदा कृर-ब-व्रि:चर-क्रे-देवायाने-देवायार्वेर्-धःच्रेर्-धःदे-व्य-स्-त्र-व्य-क्रेर्-ध्ये-क्रिर-धः-त्री क्रूर र्ष्ट्र में अतः पदे र क्रूं क्रूं क्रूं दत्य क्री का प्रतः प्रतः प्रतः स्वापा के वि क्रूं क्रूं क्र पित्र संभित्र संभित्त त्या में द्राप्त में मुर्ग में द्राप्त में द पञ्जे**रः रं**न्त्रु**यः तुः यः प्रत्ययः यः यः युः कुं क् रं**र्र्ग् गैरा श्चेरः परः त्युरः परेः खेरः र्रः। क्वेदःदेःद्वाःबःबदःदःदःवक्केदःदंःश्रुबःदुःवय्ययःग्रुदःगृहदःवेःश्वेःपदेःधेदःद्र| |देःक्षेदःश्चः कुंदर्-र्गाम्बर्गप्रम्पः चेर्र्यः चेर्र्यः देर् सुन् राम्यः वर्षः याद्रम् राम्यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः |सिंकेर-केर-क्रेब-क्र्रान्ये नेविष्के केर्ने स्थाने केर्ने क्रिया क्रि ग्र**प्र** अंदः दे। र्वर-वरे क्षेत्र-र्म । तर ला तर न्वर वृह व वेत वर विव क्षेत्र न्वर वेत हि वह क्याम्र्र्र्र्याञ्चर्याः धेवः वःवे भेवः हुः धरः व्राप्तः वे त्रे मायः हे। र्येरः व। मर्द्वः ग्रेयः

मक्ष्यया द्या ने वे न्यम नु स्याप वाद वाद विवा रम ने त्याय वर पर वे न्यवे धद्या प्रमा त्र्वातः व्यावतः तः नार्वे रः यः चे रः तर्रे रः के रः हे नाः यः व्यावः चे रः ग्रुटः। तरे वे नार्रे वः ग्रीकः <u>ᠯᠮ᠁᠁</u> वृष्यास्यामान्।र्टार्वायान्वे छैरातुः नत्ना नैयाग्वरात्रे स्यान् श्रेष्टा क्षेत्र.रे.जुन्नय.पश्चेर.रेम्य.यू। १रे.केर.लट.चधु.चश्चे.च.जय। व्रि.लट.पडीट.स्य. चतुर.च.ण । श्चर.च.पव्या.च.श्रद.चे.केरा । विच.चय.वेद.श्रद्य.रच.चव्याच्चे वयःक्षे। । ब्रॅब्-ब्रॅट्य-र्ट्-द्रनेय-न्ट-चन-ब्रेब्। विय-र्ट्-। श्रॅव-र्व्वन्त्र-व-ग्रन्ययःग्रदः। वर्-वर्-रावेयल उदा श्रुंदावेदा । वर्-दे-देन्द्रं मार्या स्वरा श्रुंदा वेदा । स्वराधर <u>रचिर्-वर्ष-व्याचर्या-सः अर्था विव्यय-ठव्-र्म-प्य-दिम्-श्र-चेर्</u> विराम्श्र-सः र् । ब्रैंन्-पहना क्यारेन्या मा सरा नु निश्च त्या ग्रामा के निर्मा के निर्मा निर्मा बेंचेंच.त्र-प्रश्चेंच.क्पथ.कु.पर.बैंट.जो वैट.थर.लट.कूथ.२वा.ग्री.पर्थेवथ. वयः गर्वे नः यः च इतः यदा प्रत्यः यदा स्तरः तर्नः न्रः न्रं वः ग्रे गः ययः तर्नः तः हे तः यः हे नः ः द्धना नम्या पर के त शुर हे देन नम्या दे के तर्द्र पति द्वेर पत देन स्वर हो तात्र का तात्र का तात्र का तात्र का ^ळर्-पवे क्वेर-र्| ।ग्वर प्यत्रेर्गक्षंद्र अत्याद्रम् प्रतास्य व क्वेर्या मेदातुः स्रमः करायद्यायदे त्ररायद्रात्वोगायान्दान्यम् । च्याव्याद्वात्यक्रात्रात्रात्रात्रा ॴॱॹॕॿऻॴॱॻऻॹॱॿऻढ़ॣ॔ॖॸॱॿॖॻ॔ॱॾॖॻऻॿॱॴॾॣढ़ॱग़ॱॷॿऻॴॿॖॻॱॿऻॿॳॱॴॿॾॣ॔ॻ॔ग़ऄॎॱॗॗ

য়्रायर ज्या द्वा स्वा विषय क्ष्य क्

न्य न्युन्यतः न्द्रान्यः न्युन्यः न्युन्य

यानिवर्त्तः क्रेक्ट्रायान् नर्देन् याचेन् सामावे स्रामीयान् न्याया वे स्रामावि न्यायाने र्ञुनायात्यार्थन्यः न्द्रयानम्याते । न्याने तथेदायात्याष्ट्रां वी । ने प्याने वी वी चर्रस्य । विषादः ले.स्रा.त.स्र.देनया । वेषाया । देषादः र हुनायाता स्राह्मः दाविष यिव्यायतराष्ट्राचराव्यात्यात्रवेवायाव्यायाष्ट्राच्याव्यायाष्ट्राच्यात्राच्यात्रव्याव्याया ठर्-तु·ब€्रत्यःसःसःदेतःसःद्वः।त्वुगःयःक्षरःग्रःचगःस्तरःश्चेत्वरःचरःचुःपदेः……ः ञ्चन्याश्चार्याः वित्रायात्राः वित्रायात्राः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्र ग्रेथ.धु.दुर्त.त.दु.इर.चर्षेद्र.तपु.रट.र्वट.५व्य.तपु.र्य्वाय.तथ्.र्वयःतयःव्यायः न्द्र-चेर-भुल-वर्त-मुःल-वहन्त्रात्र-द्र-विर-वर-वेर्-वत्र-वर्ति। न्द्र-चेर्-छेर्-छेत्-छेर्-다려. 용괴·디전시·휫드·디·숙·평·정두·디·두드·회·정영국·다려·평·시전·회·더용드·디전·론전·영········ बर्बेद.तपु.चै.जय.पवैट.च.लूद.ज। ट्रे.लट.रूंद्र.चै.चु.चपु.जय.लूद्र.तपु.वुर.च रदः मैं त्यत्रः ग्रीः न्वदः मैतः न्वदं न् चेन् रदः न्वदः बेन् यरः वञ्जतः वः येवः वेतः चेरः रदः मेवा त्यत्र ताता मेवत तात्रिः चरः श्रे देग्या सं क्षेत्र तुः रदः तात्रे त्यत् ने दः व्यात्र वा द्वा माम्बर्या रूर् मु म्यापर मु हो र्वेर व। त्रेयत रव् र्यु वा परि हुर या म्यापर मी ययः हतः श्रीयः पश्चेतः वयः नदः यः न्द्रं नः यः श्रीतः यः विवः हे। यन् नः मीयः इवः कन् रोधयः रुषः । । तर्ने तर्ने मार्थे मार्वे राधः चुवा । रे प्रवासे अवारुष उत्तर हे राधा । पर्मात्यः न्द्रिंदार्यत्रित्विरःद्रन्या । विषान्दा । विषान्ता विषान्ता विषान्ता विषान्ता विषान्ता । विषान्ता विष चर्चता मुर्गायत्त्र व । ररः मे हेतायता मुद्दर्त शुरः व। । मुब्दर् ता मुक्दर्ता । मुब्दर् ता मुक्दर् बैगि.लूरी ।रेनुर.व.रंशितायपुर.शिर.श.रेटा ।रजाग्री.ज्ञायपुर वेष्याक्षेत्र। ।रटा त्रता । पर्णात्मार्वेर् छेर् इयस्य त्युर है। |रे.धेस से यत्य व्याप्त देर दा। पर्णा मैस रे र्णा यापञ्चण मया |वेस सी । मि सं पत्य वस्त ग्रुरः। दस या यदः चेर उ.द रें द रुप्त ऑस से स्वाप्त वित्र सी ।

पर्चर-दयारवार्येते सूनापस्यार्यमा हु सेर पर्वे सु क्रा मुलाप से हिर से। *रेञावाचर्वावेभीवातुः*बुवायदाश्रृबातुःस्टावीयास्टायावेयारे*रा*रेपूरावायास्यायाः त्तर्भराष्ट्राष्ट्रे। र्व्हेरेष्ट्रवाच्ह्यायर्भर्ध्याययरा । वर्वावीयावर्षेर्धरा *बुज*-व| |नेज-व-न्ञुल-वर्तः सून-वस्तः हु। |व्रिं-व-र्डः ब्रे-त्रंनः क्षेन्त्रेन्। |ठेज-व्रं| |ने-·**યઃ નૅૅૅ ન્· પર્યા ન** ક્રેુ**ન્· પ**ર્દ્ધ <mark>ન્ય ન સ્</mark>યા **તે** 'સ્ૅ**ન**' ગ્રું 'યયા ન્**ર** ગ્રું' તરા યા તું 'યેન' પર્યા ને 'ફ્રૅં ન …… <u> ब्रुट्ट-पर्वः क्षेत्रः तुःल्वालः यः यदः पर्वः वार्वेदः क्षेत्रः यदे वः तुः पक्षः दर्वालः है।</u> लया बट. खुब. रट. बु. क्र्य. थे बया शु. थु बया नरी विर्वा चु. खुब. खुर. बु. खुवाया तर्भा । तर्भाषतरामन् मा मैयाम मेराधरा श्री होरावा । ने प्यया मेववाया हे वा श्रेमा है । पर्-रहेन । देय.रहा पर्वेन.त.जय.ग्रेटा इंव.वेय.त.ज.बु.र नेय.जय.ग्रे.पवय. नुःन्। । वर्ष्यः चेर्ष्यः वर्ष्ट्रायरः वर्ष्ट्रायरः वर्ष्ट्रायः देविरः ग्री । न्ववदः वर्षाय्वेदः यः द्रा **वै**ॱॺॕॖॱ**ॻ**ॺॱॺॖॺॱॻॺ॒ॴॺॖऀॸ**ॎऻॺॱॸॕॺॱ**ऄॖॸॱॸॖॖॱॾ॓ॱॹॱय़ॖॸॱॺॱॺॺॖऀॸॱय़ॸॱऄॗॸऻ *देशःदःददः* क्रेदःयः वर्षः वर्दः व्रवराषुः वृहरःश्रेवः क्षेदःयः यः यः वर्षः द्वरः स्वरः स्वरः व्ययः क्रेदः **ૻ**੶ਜ਼ਫ਼ੵਜ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ਫ਼ੑ੶ਲ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ਫ਼ੑਜ਼੶ਫ਼ੑੑੑੑੑਜ਼੶ਜ਼ਫ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ਜ਼੶ਖ਼ੑਫ਼੶ਲ਼ੑ੶ਖ਼ਜ਼ੑਜ਼ਲ਼ੑ *ि*हेव.ज. दे-ध-बळॅब-६८-५६म-मे-ध-ल| |मुवेल-मा-धुन-५इल-ज्जु-धेव-हे| |देल-बळॅब-५५^न-मैका सुका हुर व | मिर विमा ता दे मिं पर हेर्। सि. पर बे ति मह मका पर दा । देना हु **बे:पञ्च, क्षेन्, पक्ष्ण, रुयो । ब्रुट, यर्ट्रट्य, पट्ने, ज्ञेय, पञ्चर, श्री । पट्टे, या पट्टेट, या श्री** त्त्रा |बेय.रटा ताताझ्ट्य.तयान्यूर्ताचेर् । ताताझ्ट्याचेरा वित्या श्चितः अर् नार नेता । श्चितः रटः पठरा रे नार विना धेव। । विद्याला । यर नेता परा नर प्राप्त नर के देगाया वा नर्गा के ले बारा मही रामित हैं रामित क्या ले बारा कर वा बारा कर । मु.लब.चर्.स्वा.तर.प्रथाश्चरथाभूर.ग्वव मु.स्व.द.व्याया वयास्यस्य स्वारा ठर् हे. चदु. चता. चता. ग्रह्मा यहता क्रिया ग्री. च हे ब.स. पा. हे च. श्र. हे टे.स. एवं. हे नम्रदंशः चुरः वः नर्त्रन् ः यः श्रेः श्रंदः परः ५६ राः नष्ट्रवः मः सः मः वरा नर्भेगः त्रेरः त्रुपराः ग्रेर्। देशादी क्षाया महिंदामा ध्रम् । प्रम्याया सामाया महिंदामा सामाया महिंदामा सामाया महिंदामा सामाया महिंदामा सामाया सा बर्धे य. च. चर्ने श्व. च व. प र च. तथा. स्व. में ट. तः क्षेट. ता शॅर्वा होर् अस् व्यापरे प ढ़ऀॸॱॻऻढ़ॕ॔॔॔ॱऄॖ॔॔ॱ^{ॴॱॴ}ऒॕॖ॔॔ॱॻॸॱॸऺ॓॔ढ़ऀॱॿॖॱॻॴॱढ़॓ॱऄॱॻॸ॓॔ॸॱढ़ॶॕॱॻऻॷ॔॔ॸॱॸॕॱऻ

 यानद्रमान्द्रेनानक्केन्द्रम्बिकाकी। वित्तर्दरम्बिद्रम्बद्धान्तरक्षेत्रः चन्यासः द्वार्ययायाय्। विगुत्रः वः स्वायः ग्रुः वेन्यः च्यायः न्यः वह्यायः व्यायः व्यायः व्यायः <u> चेर्-स-ल-ब्रे-प≅र्-स-र्नन्य-स-ल-न्द्रेश-लश्च</u> पङ्गर्-स-स्वतः नश्चिसः नुश्वसः चेत्रसः ल.ब्र.चर्चर.त.र्वाचा.त.ल.चादीय। चर्ह्नर्.त.यूच्या.ल.लूच्छ्य.चर्च्य.च्याचात्राचा ॺऻॿॳॱॿॖऀॺॱॸॸॱॺॱॸॾॣॕॸ॔ॱय़ॱॸ॔ॸॱॸॸॱॺऀॱॼॺॹॱय़ॱॿॖ*ॺ*ॱय़ॱॺॱॾ॓ॱॸऀॸॱॸॱॸ*ॸ*ॱ वर् येर् मा राज्य वर्षे वर्र पर पर पर पर प्रवास वर्षे प्रवास मा वर्षे के प्रवास के विकास के विकास के विकास के व न्राध्या केर् प्राप्त ने न् न कुष्रवामा ता केर्ना न्या विद्याप्त केर्ने वा निर्मेत्रामा निर्मेत्रामा निर्मेत्र **बै**'दश्चन'यदे' च्चे' बदे'विद्'तुःईन'य'द्र'च्चेर'य'हुद'5् ऋवल'5्'न'र्द्'वर्ग'रुग्'ग्वेरण' शॅं'दे| |पर्सर्'द्रयस्'वे'द्रशुर'ळेर'वे'दशुर| |पर्ग'४ूँपस'वे'दशुर'दर्'वेर्'वेद्!| खुषानदे नर धर के त शुर है। | नर्गा दे रर हैं द ने वा शुर द | दि ता रर हैं द है। ेषेषा:ऑर्| |ठे*षा:र्रः*| च्चे:बादे:|बर:सु:र्नेष:श्चुर:व| |च्चेष:ध:द्वबष:द्वे:षा:कर:द्व| |र्रे चब्रिन्द्रम् न्द्रः म्वावा विवास । नर्ह्न न्यः त्यः त्वात्वातः द्वात्वे त्वात्वात्वः व्यः त्वे त्यः त्यः त्वे त्यः त्यः त्वे त्यः त्यः त्वे त्यः त *र्*ट-ऑव-५व-ठव-त्य:ध्रम-र्नेम-श्चेर-ध-र्ट-र्मे-पदे-चु-प-इवका-५वका-धर-चुेर्-र्ने-श्ववःः नर छेर्। ।रेल दे क्रुं नवर विनायर छेर्। ।व्या हव स्वाय सन मेंन रूटा । ध्वर ख्रिबःळवाताः पत्रः त्रहेना प्रतः होत्। विकासी । वाख्रिबः पः वे। ते स्वरः वः पर्वा मी पहेतः सः नृतः मुन्नुरः क्रुक् न्दः क्रुक् न्तृतः वृत्रवारः न्द्रः न्द्रः न्द्रः न्द्रः न्द्रः न्द्रः न्द्रः नः श्रुदः व्यम् केर् क्रिस्या । दे त्या प्रत्या क्ष्या क्ष्या विष्या । विष्या विषया विष्या विषया विष

24.वी सेंचे.चि.चव्र्ं. मृ.जयर्-चोट्ट्रं चिंत्र-च्यं केंद्रं स्ट्यं स. केंद्रं चिंत्र-विच्यं स. केंद्रं विट्यं चिंत्र-विद्यं चिंद्रं चि

<u>बुकानश्चरामा र्याप बुकाय बुकार मुकार माई हि ल</u>ि स् श्रूषाकार मनः सामरा र्याका <u>चेर-दशःश्रयःश्चः,त्रुच-दर्यन्तः चेयः त्राच्याः व्यविष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषय</u> नुर-गशुरुषायया र्षेणलः इरायः वः गरः चर्णाम् वदः रहः लः बैः र् गदः घरः रेदेः ध्वेरः बैः र् गर्दः श्लू बः व। गवदः नन्नात्मः श्रीन्नातः नत्मात्मः निर्मात्मः निर्मातः निर्मातः । निर्मातः स्वरः त्यात्मः । निर्मातः स्वरः त्यात्म बैं। त शुरः परा बै: र गतः पः श्वरः श्वे। गलवः र गः पर्गः तः बै: र गतः प। । दे रा देः वें: दि द सः **छ**.माबव.जा [**पर्गायात्रापराबी** चेरावा |पर्गावीकी क्षेत्रारी बीरावीकी | बै: ८ नदः नतः नद् नः त्यः बै: नर्वे ८ व्हें दः वे दः नुः त्यः नहें दः दकः देः ८ नः त्यः वकः *ৡ৾৾৲*ॱय़ॱढ़ॾॕय़ॱय़ढ़॓ॱय़**ॸॱ**क़ॸॣॱऄॗॸॣॱय़ॹॱय़ङ्*ॹॱ*य़ॱॸॣॸॱॼॗॸॣॱय़ॱॸॣॸॱॿ॓ॱॹॖढ़ॱय़ॱॼॗॱय़ॱॴॱॸॗॕढ़ॕॱॱॱॱॱ क्षयाद। हेन्'स'र्वेच'गुर्'दर्नर'चवन'न्बॅच'स'र्नेच'स'र्वेच'सदे क्षेन्'स'हेल'शुद्धर'चल' *৾ৡ৲*ॱय़ॱऄ**৲ॱय़**৲ড়ৢ৴৽ৢৢৢৢৢৢঀ৽ঢ়৽ঢ়ৼ৻য়৾৾৾য়৽৻ঽ৾ঢ়৽ঢ়ৢৼঢ়ৢ৽য়৾য়ৢৼয়৽য়ৢ৾য়৽য়য়য়ঢ়৽৽৽৽ र्रा । क्रेन्-यः र्वेन-क्रे-नेर-तुःग्वयाग्रुट-५क्के-मः त्यवाबी बनः नयः ५क्के-न्वेन ळे.च.र्र.प्र.चम्चे.र.पर्र.प.श्रेर.त.र्रे.प.४.५८.प्र.च.१.५४.पर्दे.प.श्रेर.त.श्रेर.प.४४.५५४. **ग**ॱ5्द'सदे'सुल'र्डब'र्;:बर्'ग्रे:देदे'ळे'परे'सून'ने'ष्ट्रर'सर'र्ड'सद'बेर्'सदे' ध्रेर'र्रा । क्रे'लबातुःसंप्वकुरःपदेःपःश्वॅदःपःद्रः खुद्ःदबःदेवाःपदेःपःश्वॅदःपःवादेवः र्थेर:वा यर् यते के परे के परे त्याष्ट्र प्यतः के पर वेर् या प्रवेत हैं। |रे क्षर प्रवेश वाहि प्रवेत विकास **ॻग़ॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॗॖॖॖॖॖॗॣॖॖॖॖॖॖॖॖॗॖॗ ५श्चर**:है। म्बिन ग्री दें र र र है र प्रदासर ठव र ग्री पार्य ता से व महे र बेर प्रवास शुन गुर भेर परे पर कर हेर परे । रे क्र भरा । केर परे पर कर हेर परे धैता । गणके तर्ने पर्गाके तर्ने राजा । पर्गामे केराय तर्ने राज्ये राज्य । विगाय

ठवः ग्रीः धवः पर्ने पश्च पः पर्वः श्वेरः रु । ग्रु टः स्कृषः रु । ते ययः पश्चेरः वयः वे ययः ठवः विः रदः ग्रीयः मदे-मङ्गेद्रमात्मार्ष्विन्दर्दा वेयवारुद्वा वयवारुद्वा वयत्रक्ष्याः कुः वरः वर्ष्ट् चेरः ववारेः न्वतः हैः तर्ः वैनः मैः तर्द्वरः नः यतरः सम् म् नः श्वरः तर्हः नयस्यः वनः यः वर्षः भेरः न्यतः मः नक्किरः न्म्यानः । रे.के. य. त्येये. य. वेटः कितः ग्री. श्र त्यारः श्र व्ययः व्यः प्यत्यः वर् निः ही नः मः इयमः वर्षः र्वाः तुः त् शुरः परिः धुरः है। वेयमः ठ्वः वयमः ठ्वः पर्देरः पर्देरः पर्दा। इराह्या हु ते ते अवा पश्चेता विषया ठवा नदा में ता विषया ठवा विषया विष चर-ब्रेन्। ।वहेगःहेदःग्रुबःबाह्यन्यहरःकुःचर। ।वेबवःठदःइववःदेन्देन्छः **वा** । पश्चेवःपगुरःरवःरॅवः४यःयर्घरःवय। ।कैःधेरःरेःयःग्रुरःपरःग्रेर्। ।ग्रॅाग्रुः **ग**८.बुग.बूर.बुर.वा । बूर.बुर.कुर.कुय.बु.बुर.कु। । बुवेद.कुय.दझ.च.कुर.कुर.वा । **र्**गर-बै-दश्चर-वर-श्चर-विं-दया |रे-बै-दर्ग-प-बै-दर्ग्-द| |रे-प-ग्वर-क्व-दर्ग-निरः धेव। निरः देनः निषदः ५ हैरः मिं रे व्या । इरः हुनः रो अरुः रे ना वः व्या । निवः हे

देवादे त्यवाक्रेन न्या श्चिव प्रत्मा हियादा मवता श्चरामा । गुवाह दे हिंदा वा येन द्वा **बुदायाचेदार रार्च पार्क छ। विद्याल । रिग्रा मुरामार मदार पदार प्रस्ता दा मुरामार ।** बन् त्यः नार्दे न् वत् नः नन् न नव्यः सुन् नन् त्युनः नवे हे यः न् वे नयः नयययः **नयः स्यः** सः … बिन-**ळ**्। इिन्-ग्रे-थेन-श्चॅब-४वाग्रेणकी दि-यान्दॅन-यदे-श्चून-**वे**-वशुन। ग्रै.५६८.तथ.क्षेत्र.पर्वतः विच.य५८.विर.८वर.कु.ध्वेत.लूरी विच.प्रे.५७८८थ. यर त शुरा ले वा | ने लावा सुर प्रदर न वन के व्यन् | विव व वर वर वर वर वर वर विव वर व बक्कियानात्त्रीक्षेत्रवाचन्त्राच्चेत्। दिवानज्ञुत्तत्रवात्त्रस्य विवासम्बद्धाः दिवान नदे हुर अया नर् मा पक्षेरा देया | विषाया | रे क्षेर रर रूर रूर मी मुने विषय है। ॱळ्यायातात्वाचताच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्व इत्याद्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच्यात्वाच देःत्वेत्यःदःदेःस्टःक्रुद्रःकेटःस्रवतःगठेगःतुःबैःद्गतःम्तादःम्पादःभिदःबैःपदेःस्गात्या रे-लवा-द-वे-स्ट-के-क्रे-चल-स्र-पश्रद-परि-रेग्या-स्वयाग्रीयारे-र्गा-याववतःग्ठेगःः तुः बेः द्वादः चः इवः धरः चर्त्ते वृःयः क्वें नुः यः द्वावः विदः विः द्वावः धरः चः हे। ग्रु-द्रे वायासः रटः मी-ब्रेदःश्ररयासः रटः तम्यायायदः ग्रुयः दयावः दरः पुः त्वादेः य**ञ्चनः** विटावित्रस्थयायर ग्रेन्यते स्वायर्भन्य स्वायर्भन्य स्वायर्भन्य भेषार्य ग्रेन्य विषयायर न्ध्र व्यारेषयायर दिः क्ष्र नुः याव्या प्याणावः विराधितः वरः कवः कुः रेषयः नुः यः विन्या निर्मा में दिया में दिय मृत्रेरामः**श्वमः नद्यसः न्रः नुः** तेषुः पद्यः पञ्चेनः पः तः मह्युव्या र्वया. पद्रथा. र्रायेदारेवायरार्वेवायदे शुः अळवार्रा रे श्चेरायदे वयवार्रा माबी:धी:र्झू द्याक्तरामरामन् पद्। । रूटायादी । व्यूरायहणायय। मर्रामदे कुरीरेयायण्य चुन । द्वेन, पर्वण. क्वे. चु. चुव. तु. यटा | विवा निवारण पा हेर | रटा ठना ता हें मा पर्वण. न्रायदात्रदानःविनाःश्चरात्रःविद्यान्यादेःत्ययात्तःवित्रःवेषायःविनाःवेदःत्रःवेरःके। दे.क्षे.ब.लुक्.ब.देश.चश्चच.चढ्रिश.श्च.चश्चटश.च.क्षेट.लट.ब.बु.क्ट.क्केट्र.ला.लट्-ब.जब..... म्र्रं वाया वार्ष्य में प्रति त्वाया प्रमेन् त्वार में प्रति वाया विष्ट वाया विष्ट वाया विष्ट विष्ट वाया विष्ट र् । रे.लर.क्रेग.पर्कतांम.क्रुग.वे.यविष.ग्रेथ.वेथ.तथर.ल्रा वि.क्रुग.वे.पवातायक्रव. मर विश्व अ विश्व न त्या तर र इव वी यश ग्री य पश्चेत पत्र स्त्र मि-द्रम-द्र-द्रम-दर्ग तकर्मा क्षेत्रः र्वो नदे चु न रे त्या विवाया व ति चुरा ता वा विवाया व की ति चुरा नतर प्यं न है। रे.क्षर.र्ष्ट्र, श्रे.प्यय.र्ट.पद्मय.श्रे.ग्रेट्र,श्रे.र्ट्य, क्षे.प्र.ट्यायर.क्षे.पाट्य, क्षे.पाट्य, क्षे.पाट्य र्ज्ञण'शे*.*ब्रुय'ग्री। वुरः धरः देः तः दरः दुः तेवः सः विषाः द्वां तः है। देः वेदः वः स्रुषाः सम्बाः **ॻऻऄॻ.ॹॱॖऺऺय़ॖॱक़ॖ॓ॸ.२ऀ.४८.ॻॗ**.ॾॣॻ.तथ.चश्चेर.तपु.ध्यका.तिज.बी.क्षेत्राचक्रकाचक्रेय.वय..... भैदः हुः पर्ञेर्-रगादः चरः द शुरः वा ५८: वेदः व्यंतः दः सुनाः प्रस्याः निदः प्रवाः निदः यात्रानः गुर-दे-ल-दक्षे*न्*य-दय-भेर-के-प्रदे-क्वेन-पर्व-स्वयाम्य-क्वे-स्वा-दस्य-दे-वाहदाक्षा-दक्ष-

त्तः चंद्रं । विकादः क्षेत्रं । विकादः क्षेत्रं चक्षः प्रमात्रे क्षेत्रं चक्षः प्रमात्रे क्षेत्रं चक्षः चक्

चर्चा.च्रुथ.च्रुप्त.क्षेत्र.च्रुय्त.क्षेत्र.च्रुय्यं विष्य.क्ष्रा | चर्चा.च्रुथ्यःच्रुप्त | च्रुप्त.च्रुप्त | च्रुप्त.च

स्थान्त्रं स्वास्त्रं स्वास्त्रं

२८ वी खेबबा पार्ट सर्वायः वया खेबा एक गाविक पार पर्ट : क्षेत्र : ख्रेवा प्रकृता क्षेत्र : कष्ट : क्षेत्र : कष्ट : कष्ट : क्षेत्र : क्षेत्र : कष्ट : क्षेत्र : कष्ट त्विरामान्यात्विष्यामान्यवात्रात्वात्रीहराहेःश्चेष्या । देःद्वार्मान्यः देवावस्य व्यवस्य स्टावीयः ॻॖ८ॱॲ**ढ़ॱॸढ़ॱॻऻढ़ढ़ॱऄॺॱय़**ॸॱॾॖॺॱॴॱॺॖॻॱॻॺ॒ॴॱढ़ॸऀॱढ़ऀॱढ़ॸॕॣॸॱय़ढ़ऀॱॻऻढ़ॹॱॺॕॱॺॢख़ॱॸॖॱॾॕॗॱॱॱॱ यदःयदः ख्रुदः द्वे द्वा वस्या बेदः यदः देशः व चुदः बेद्। दिः वतः ते बतः विदः वहः वः नर नर्या | वियानर । नवियामर सुना नस्या प्रवाह वार्ष । असु नया हे नया से तार नर चेत्। विवर मध्या के हि हे ही। विवाय वहें स वित त्वी या द्वादा मुद्रेश्रामात्मानुत्रा वरायात्मात्रम्यायात्मे प्रते द्वाक्राम्य प्रतायात्मा प्रतायात्मा प्रतायात्मा प्रतायात्म चर्षतार्चना हुः क्षेर् सः स्ना सदे सद राष्ट्र स्वराध्या । रूट संदी चर्ना स्वराद्य नःवःत्विरःनतेःळे:न्ब्वाःमःन्यवःमःत्र्न्ःमःह्रःः वःदेतेःध्वरःनुःष्ट्वाः नत्र्यः त्वुरः ... नर. वेथ. ग्रेट. । अवा. नर्था. रे. था. वि. रे. री. पयर. वया. वेश. या. व्या. व्या. व्या. व्या. व्या. व्या. व्या. श्चरः नते श्रुरः गुरः पते र्ह् दाबेरः पते श्रुणः नम् तः तुः वा न्रः नः नः नः न रट. नेवर ग्री. तथ. पर्. र तथ. थे. प्राप्तीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स् ब.पथा.वे.च.स्ब.परीब.पवीक.प्री.मेंचे.चर्णा.र्ट. री.वेट.चर.र्चवीय.वे.ट्र.चया.केट.च.पा.. के. दु. श्रूथा श्रेषा थे. त्यारा लटा श्रु. तक्षेत्रा तथा विष्ट्री । श्रूरे प्रदेश विष्ट्री प्रदेश विष्ट्री । १.बुब.प.प्रब्या । रबिषात्रम् हूरास्याः ब्रैरा बीरा बीरा विर्वा क्या प्राप्त स्टा वीर्स् वै। । गलवः ग्रे: रॅवः परः यः ग्रुयः स्। । तरैः वैः रें र यः गर्दे रः येवः य। । रॅवः केवः र गः ग्रुरः त्रश्चनःत्रश्चरः नत्र। विश्वः नदिः नदिः त्रेयः द्वनः नह्यः त्रातः विष्यः तर्दरः चःरेगवा | बेवामहारवासःक्रा इरायरःमबदःकुः द्वामरः धरः अनुनः धरः म्या नर्जरा देश द दुन नर्थ अप अर जिस्तर दे दु दु दु र अर धर थ दे नर्म नेश लेना र दे र ऍॱॠॖॺॱॸॖॱऄॺॺॱढ़ॺॸॱॺॾॕॱॸॱॸऄॗॸॱॺॕऻ॒ऻॎॺॖॿॱ୴ॸॱॸऄॺॱॺऄॖॿॱॸॿॱय़ॺॱॸॺॗॺॱ *दताः* मृद्याः त्राप्ताः त्राप्ताः त्राप्ताः व्यत्ताः अत्यात्रात्यः वर्षेत्रः वर्षेत्र ॺॕॺॺॱॻॖऀॱॸ॒ ग़ढ़ॱॼॗॗॸॖॱॻॾॕॸॖॱय़ॸॱॻॖॆॸॗॱय़ॱॸॗॸॱ|ॎढ़ॾऀॺॱक़ॗ॓ढ़ॱय़ढ़ऀॱॸॗॕॺॱय़ढ़ॱॼढ़ॱय़ढ़ऀॱ**ऴ**ॸॗॱ र्थः क्षरः जयः नदः स्रदः नदः वालायः यो न्याः यावाः यो स्रवाः नस्यः नुः सःयः नय्यवः यहं वायः सः इस्रया प्रस्था तार् ग्राय श्रुत् भी ता श्री प्राय मित्र प्रमा प्रस्था प्रस्थ प्रस्था प <u>ब्रेन्-ङ्ग्-पत्ते-प्रद-प्रद-प्रवाधन्यः वृ ग्रिन्-पत्ते-ब्रेन्व्ग-प्रग-पत्ते-स्र्न-स्राउवापठन्-</u> वयः नर्यन् यः त्याः वरः वर् नवः वर् वरः केवः यः क्षेरः व वरे वर्षः श्रुरः व वरे वर्षः श्रुरः व वर्षः वर्षः वर्षः য়৽ঀ৾ৼ৽ঀ৾৾৾ৼ৽য়য়ৢ৾ৼ৽ঀ৾ঢ়ৼ৽৸৽য়য়ঀ৽য়৾৾ৼ৽ৼৼ৽ড়ৼ৽৸ৼ৽ঢ়৽ৼয়৽৽৸৽য়৾ঀৢয়৽৸য়৽৸য়৽ঢ়য়৽৽৽৽৽ त्यूद्र-श्रुच, चर्चल, चान ब.र्ज्ज, बेया. वे.भेब.पे. ज्याता स्राक्षेत्रा री.पर्सला रटा लेब. की. श्रेचा नम्यामिके वा ग्री विराधरा स्थाया ये नवा राज्य वा वा प्राधित वा वा विराधित विरा इंदर् <u>क</u>्षे क्षेत्र व्यवस्य के त्रिक्ष क्षेत्र क् हे-श्र-ण्र-स्वा-चर्चत्य-ग्रीय। | न्शुत्य-च-घ्य-द-देय-अ-येगय। | वेत-स्रा | हिट-देश-दय-धिवा दि:नवा न्द्रिं मः हरा नहीं बवा पवा विद्रिं मः हेदः यदर नहेंद्र मर छ। र्वं न नर्वता नरा है . ये व . तर्व . तर्व व . त्री . व . त्री र . व या . है न ब्रेयाम्ब्रुट्यायाः क्षेत्र। र् । पश्चनः पर्धयः पथः श्वरः। देः तः श्वनः पद्दं तः हरः हः तः मुष्ठयः सः इवः दः पहरः वः र्गयः नः न्दः भवः कुः न्गयः मः तः म्बारायः व मुन्नः व म्बारायः न्यदः म्या श्रेया क्या क्या क्या क्या क्या व्यक्षा ता व्यक्षा ता व्ये प्रता व्यक्षा व्यक्षा व्यक्षा

*ॱ*ब्रे*र्-तुःब्रेःचरःण्वस्यंपरः*त्यग्रुरःरा |बेस्यस्य |देःत्यःदरःन्यदरःत्यःस्यःस्यःस्यः **बेय.**त.जयां भेट.चज.ग्री.पर्ट.च.इ.के.चेपु.जुष्रय.रट.चज.च×.चेपू। ৡ৾৻৴য়ৢ৻৸ৢ৻৸৻৸য়ৢ৻ঀৢ৻৸ৢঀৢ৽য়ৢ৾ৼৢঀৢয়৽ৡ৾৾ঀ৽য়ৼয়৻৽য়য়য়৽ঽৼৢ৽ঀৄয়৽৸ঽ৾৽ঀৢ৴৽ঀৢঀ৽ चर:२गव:चदै:खेबल:चक्केुर:चर:छुद्। |वेल:ग्रुट्लंध:सुर्म लेबल:वेव:हु:चहुव: इंग्यायते क्रेर क्रंप्या न्यंया ग्रे तेवया ख्रम ख्रंप के दर है। दिया व न्र स्वरा क्रेर र्ततः म्रत्वतः विवा निवारा विवारा विवारमः विवारमः विवारमः वा स्वार्मः वा स्वार्मः वा स्वार्मः वा स्वार्मः वा स्वार्मः वा स्वारम् नवे श्रु भ्रेन्य नविष्क्षं । १८८ मं वया यही स्मु सु सार्वय मिट वया ग्रीट राया है । यहा मा स्मु ૡૻ૮੶ᢖ**≺੶⋠**⋪੶**≺८**੶₿*ৢ५*੶५੶५०५੶⋠੶⋠୩੶**৸**য়৸৻ড়८ॱ५ৢয়৽ৠ८ॱ৻৸য়৽৸য়৽ৠ৾ঀ৽ঀ৾৾৻৽ঢ়ৢ৾ঀ৽ৢ तश्चराहे। र्घराव। इरामतावनातावनाम्बदाशुः विनासईराद्यरार्घनाव्यापमुता त्र्रा.च.चब्दाहे। यायाचर्नामी.विना बह्दादा |र्यत.चहदाक्षेतासराश्चेरत्युरः लूर्। जि.ज.नविष. ग्री.विच. अवूर. लटा विच. कुर. च मैजा चर. व श्रीर. च. लूर्। रि.वे. युत्रकाग्री:८८.पहेब.८८.। विस्यायपुरह्वकालकाश्चरामाध्येत विद्याचीश्वरकामास्त्र XII.

बाक्केन्-मान्दाक्षेत्रसान्दाञ्चन्यान्दा ग्री:**ऋ्याजान्ध्रेयात्र्री ८**हेन्'स'चर्'स'क्'प'द्र'प'देर्'कॅल'ठद्र'ह्र्यल'दहेन्'स'द्रक्'पदेर्'न्नु'देः..... दे.चयय.२८.८ य.५.५.५.५ व. तपु. द्वेच. पर्वेष. द्वया. य. तह्न मुक्त ग्री. क्र*या. श्रेव*. या स्राप्तर पक्षे वेथा वेथा रेटा रे. जुरायही । ब्रिंट लक्षा पाने वे पाने । वक्ष वा रा रेटा व ग्रीटा न-न्दः ततुनाना न्दः नृताना दे श्चित्रायमा निताना नेदे न्दः मान्दः नृत्यस्य स्ता श्चीनः न. स्वया लया के दा सक्दा री. युवाया ह्या राजा हिए। पति स्वा प्रमाण राज्य हो। नुषा याधेव पर विषय विष्ठ तया सु पि हिराम्य या या विष्ठ पर विषय स्थानि हर वा ता सुष्ठ विषय पर विषय न्दा वतुरावा स्थला मृत्वा ता कुं केरा हुं वाया नृत्या मृत्या वहूं ना ने वात्रा वहूं ना ने वात्रा व ग्रेग्।सु:र्वेद्राध्यः ग्द्राहेःध्यःर्ग्।ध्यः वेद्यवःधःर्रः। **७८.ज.वेर.त्या**च्चरत्ता हि.केया पश्चिताता है.क्र्या पहिष्या परिष्या वि ही. स्रे बोथा स. ज. जू बोथा तथा बोर्चे बोथा **यु. दे बो.** स. वे बाया थी. स्टार स. र स्ता वि. सूथा रे था स. र स्ता ह र्मगः ८ व. प. वे बाया श्वाचीर प. पर्टा वि. प्रेचे प. पर्टा ह्यू प. पर्टा ह्यू प. पर्टा ह्यू प. पर्टा प्रवास वि वयानवयाम्याः स्यास्यान् वदान्तान्ता विदायाः स्वायामा स्वायानाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः दक्क. प्रथा ने बिद्या तारा ने प्रथा निर्माण कर । प्रथा निर्माण कर । प्रथा निर्माण कर । प्रथा निर्माण कर । प्रथा क्रेन्-सः स्ययः गर्यमः ठेनः वः श्रुनः यल हि: श्रेन् . द **ळ. च**दे. चर. नु. न ब्व. त्यल ळ ल. में ल त्य खें नल या द ळ ता न न्या । श्रु.क्षट्रयः ब्रॅन् ख्रिट्रा पर्या व्यानेते परा तु विते पर्देन् पा इवया यया व्याप्ता चारा नृता । यारा नृता मब्दःबदःरुवायःश्चरतः ययः अहतः मः नृदःश्वेदः दुःश्ववःयः नृदः कुदः मः ब्रावायः यः स्वायः यः । च्या-प्ट्र्ची-त्यु, जुन्नयः श्री शु-पश्चे-प्राण्णे-शु-रंन्य-प्राण्णे-शु-रंन्य-पट्ट्नी-प्र् ।

या-प्राच्चयः भीट-प्राण्णे-प्राण्णे-प्राण्णे-शु-रंन्य-प्राण्णे-प्राणे-प्राण्णे-प्राणे-प्राण्णे-प्राण्णे-प्राणे-प्राण्णे-प्राण्णे-प्राण्णे-प्राण्णे-प्राणे-प्राण्णे-प्राण्णे-प्राण्णे-प्राणे-प्राण्णे-प्राण

च्या प्रथम क्रीया ह्या थी. पश्चिम त्रप्त, लीला थ्री च्या विष्ठा ह्या स्था क्रीया ह्या प्रथम क्रीया क्रीया ह्या क्रीया क

तः मुं. तिर.च. चब्रेर. स्। क्षिचका ग्री. स्वाका ग्री. जिस्त स्वाक्षर स्वाक्षर स्वाक्षर स्वाक्षर स्वाक्षर स्वाक्षर য়য়ৢঀ৻৽৻ঀৢ৽৻ঀৢ৽য়৻ঀৢ৽ড়ৢঀ৽৸৽ঀড়ৢৼৢ৽৸ৼ৽ঀৢঀৢৼয়৽৸য়৽ৼৢ৽ঢ়৻ঀৢ৾ঀ৽ঢ়ৢ৽ঢ়ৢ৽ঢ়ৢ৾য়য়য়য়ৄৢঢ়ৢ৽য়য়ঢ়ৢঢ় ब्र्यायदे क्यादी। चकुर्.क्रव्राम्बेर्यःदे। इट.य.लयाम्बुर्यःचः चेम्र्राच्यः मुक्त्वःचः नुक्रवः वादेवः त्रेयरा तर्ने मुर्यापरा द्वरार्टा। । ने न्वा पञ्च पायते छे हे हे हे रामु पार्वे । वर्षे नामि पार्वे पार्वे । वर्षे नामि प्राचित वयः पञ्चितः यः हे। विषयः पञ्चरः यः त्यात्रात्यात्रात्यात्रात्याः विष्यः यः विष्यः यः विष्यः यः विष्यः यः विष्यः सर पन्न पार्ट प्रदूष । ति व. दु. ट्वा वी दूब प्रदेश हैं दे प्रता है व. युवा प्रता है दे प्रता प्रता है दे प्रता त्रॅन्'यर'त्रॅन्'यते स'न'णेव'यत्। ने'हे'त्रेवानु'नहरःव्यातायाँव प्रेते'नईन्' น· 美षयः युरः ञ्चॅदः प्रेतः पुरः पुरः पुरः प्रेतः पुरः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रेतः प **⋛**·羽ጚ· नञ्जन चु : इयल न् बे नल छेन् : धर : चुल दल रहल : प्रवेद : दे : ल ञ्चन : प्र रे.रमः อลช.๒๔.๗.๒๕.๓๙.๓๙.๕.๔.๒.๔.ฆ.ฐ.๓.๑๕.ฐ.².๓๙.๑๕๔.ฃ.๚๛๛๛๛ श्चे.च.चवव.२५८८.३८.५४४४.भे.श्चेर.म.सर.१.३८.५८.४४४८५४४४४४ त.क्र्य.भ्रेय.पे.र.पंत.पंतर.पंत्रीर.पा जयाम्नी.पंतर.पंतर.पहेय.यंय.संयय. र.के.चेय.श्चेच.क्टर.श्च.धेय.त. स्वाया.जयर. चयवाता.श्वेरय.चे जया.च वर. मेया.खेयात. **ब**्राह्मण्याचरा द्वेत्राया ध्वेतः र्वे । ।

च्**र्चत्य्यीयःग्रे.त्र**ःक्षेत्रःणःचश्चितःतःणःर्जा च्रूयःप्यीयःग्रुःस्र्म ट्रे.धेत्रयःश्चि ने न्या मी में द न स्थान दें। । न्या ये दें। न्ये या सम्म में ना त्या न्ये या स्था स्था स बह्र्य.तर. ब्रि.प. क्षे व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त विष्य व्याप्त विष्य व्याप्त विष्य व्याप्त व्याप त्यया के र में प्याप स्थाप प्रतास्था स्थाप स्था ठे. ब.जून' त. रेट. ट्रेश पश्चरया तत. श्रुं बाधी बाबी. जया बोला पाया प्रधित. ही । विदेश सादी। च्छ्र द्रश्चाता च्या प्रस्ते व्या प्रमे प्रमे प्रमे स्थान स्था प्रमे के त्र प्रमे स्थान दे.प.म्बाययावानस्वात्र्युवाक्षेत्रपरात्युरानदेःधेरारा |दे.पाषवाधवादे। क्ष्याः नवत्रानञ्जलानः तथा द्वनानङ्गात्रवानः त्वनात्रेतः द्वेतः । । द्वास्तरः स्ट्रा ब्रूट. चतु. चृत्रेर. चुर. च्यूर. व्यूर. चुरा. चुरा. चक्ष्येर. चक्ष्येर. चक्ष्येर. वक्ष्येर. व्यूर. वक्ष्येर. व न्रःभेवःदेःवःहनः जुः पहेवः धरः ग्रीय। विह्याहेवः वदिःवः वहः न्रः छः स्रः प्रः । तहना हे ब.पर्या पञ्चा नरार्ना हे. लर्पा । पङ्चार मुखा पञ्चारा पञ्चार वित्रा वित बः । न्यानयानः श्रीत्र ना नाइवाद ग्रीयः क्षेत्रयः ग्रीयः श्री । नामः निमान्यः ग्रीयः ग्रीयः स्वा ¥ंबातान्वतासराचेर्। ।तर्राक्षेरराधितारेर्न्नात्रभुताच्चताधेक्। ।वेतार्द्रा वर्षे हेद.भेद.पथ.ग्रेट.। ८ मे. पद. १ मेथ.ग्री. ४८.४.प १ व. पश्चेत.पश्चेत. पश्चेत. प्रीय. अष्ट्र में पर्ट. हेर.प नहेद द्रा दे हेरा दर्वन । नहेंद द्र व्यु रा ग्री रा दी संद त्या परे न द्रा व रा व स् बीच.पह्चा.हेत.पर्वा.रट.पह्चा.हेब.चेंह्चवा । व्हब.पबीय.ग्रेथ.बुर.बूर.सूर. न.प्र्य। । पक्ष्य.पश्चित.कुराक्ष.र्ग.ता.रच.पश्चर.र्वे । । पक्ष्य.पश्चर.कृष.कृष.कृष. भ्रुषायः यह ता. व्या. मृत्यः । विश्व प्रत्युषः ग्रुषः विषः स्व पः स्व वाः यह वाः विषः नहः।

৸ৠঽ৻৻য়ৢ৾৾৵৻ৼঽ৾৻৸৾৸৾ঢ়৻৸ৠৢ৾৾৾৾৴৻ঢ়ৢ৾৵৻৸য়৻য়৾৾৾৴ **।**न्ह्रव.प्रश्नुय.स्व.स.द्वेव.**ब्र**ट्य.ग्रुथ. लबाग्रेन्। निक्क्ष्यात्र व्यापाक्ष्यायाः श्री निक्क्ष्यायाः व्यापाक्ष्यायाः लबारा खेर्। विकार्या चरावा चरावा चरावी खेरा चरा के बबता र विकार वि **口は、寒々・犬・冷木・ヒニ・イカ・ロオ・ム型ロ・ヒオ・日・日は・豊か・川城・大・大下・玄鷲カ・名・口後み・ム型の…** क्तिं दः भेदः ग्री म्वदः दे दे द्वाया में दे दे दे से महित्या र्गायर ह्याया पद्र चरा ह्या पर्वे पार हिना पर्वे पार हिना पर्वे या ने प्राचित्र प्राचे प्राचित्र प्राचे प्राचित्र प्राचे प्राचित्र प्राचे प्राचित्र प्राचे प्राचित्र प्राचे प्राच प्राचे प्राच प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे प्राचे नथः क्षेत्र-मः यह्रन्द्रि । वियः न्दः। धन्दः क्षेत्र-मक्ष्यः मः व्यतः ग्रुटः। धन्यः शुः क्षेत्रः प्रह्में प्रति त्या विष्ट्रियः विष्ट् बैवःगुवःगुदःदेःषःषवःपरःद्गव। |हैदःदहेवःक्यःपःगुवःगुदःवर्ववःपरःदश्चर।| केव. तक्षत्र. श्व. १ क्षा. १ क त्युरः नः ये २ | विःधः क्रंतः त्यायः तथ नवः पदेः म्द्रं वस्यवः ग्रेवा | वेः मृवः खुनः यः यः निवदः इस्य पर तर्वता विवासी विवासी विवासीयाती मार्ग्या मार्ग्या विवास त्या ठवः यः वै: इ.र. छ्पः भेवः हुः देरः वैरः इयः परः देरः रः। विः यः ठवः इयरा यः वै: ह्वेवः यः बेर्-मः दलः नेलः र मः कुः परः रुः बेर्-र्। । वेः व्यः ठवः वः दैः ग्वदः कुः र्वः बेर्-र् र्टः। इवःसः नेतः नवना त्यतः ग्रदः। वृवः स्ट्राः स्थतः ग्रीः नविः नहेन ही विः सः धेवः हे.चर.ज.ळ्ट्। ।चर.ज.ज.ळ्.चक्रिच.ळ्ट्.च। ।दे.ज.ळ्यागुद्र-बेर्-च.लुद्र्। न्द्रवात्र्युवात्रेत्रवात्रावात्रेत्रवात्र्यतात्र्यात्रावात्रेवा <u> 제원도적:리 왕지</u> ४८०.तर.प श्रेर.पथ.**चेव**य.श्रेपथ.रेट.षघर.घेब.चु.चु.चु.पु.इ.६व.घषय.६८.५थ..... ঀয়য়৾৽য়ৼ৾৽৻য়ৢৼ৽ৼ৾৾৾৽

नयु. चनया स्व | रिट. त्. वु. चश्च या हो म्. कपु. न झ्व. त श्चय. र न् ने. न दे. क्या स्वर ग्रैः मर्झदः तशुषः नृहः । वेसवः रुदः में दः ग्रेः मर्झदः तशुषः स्वा । नृहः सः दे। ग्रहः श्रेयशाह्म व्यतः पश्चेतः त्युशास्त्रयः वः सुत्रः पदेः स्यः दयः श्रेयशानुः श्वे । पः स्वः नुः त्युः पदेः नलबायते में का तरी से तु गुंब पर होर री। नर्वा दे नम्राया केव या हार रा स् য়ড়য়৾৽ঀ৾৾ঀ৾৾৽ড়ঀ৾৽ঢ়য়ঀ৾য়৽ঢ়৾ঀ৽ঢ়য়৾৸৽ঢ়৽ড়ঽ৾৽ঢ়৽য়৾ৼ৽য়৾ঀৼয়৽ঀ৾য়য়৾ঀৢ৽ঢ়৽য়৾ঀ৽৻ঀ৾য়৽৽ ৻ য়ৢ৴ॱয়ৢয়৻য়য়য়৻ঽয়ৢ৽ঀ৾৾ঽঀ৾৽ঀ৾৾৻ৠঀ৾৽ঢ়য়য়৻ঢ়য়য়৻ঢ়য়৻য়ঢ়৻য়ৢ৴৻ৢঀ श्रेयथ. रुष. र श्रुष.च. वि: बरः नवसः वसः सरा मुकः तर्वनः धरः त्युरः बतरः श्वे । चरः ग्वे नः ने हिन्। सः निरः ने श्वे रः । तुः नर्झदः धरः क्रेन् ः यः नर्झदः य गुर्यः यः लु ग्रयः धरमः क्रेः ग्रहें रः द् त्याग्री:ध्रव:दे:यव बट्ट.च.र्ट्ट.क्रेच.चर्च्य.क्रय.क्रट.चय.क्षे.क्ष.श्रुब्य.श्रेब्य.च.ट्टे.क्षे.चे.क्रे.चङ्क्रय.चङ्क्रव.पचीय..... ब्या प्रत्य के त्रा त्र के त मते.बु.६य.पर.वु.८.प.इय.प.बुय.ट्.८८.५व.त.के.८.बूय। ट्रे.प.वु.वट.क्टन.८८. न्वरमु: क्षेत्रः मु: त्यतः न्दः तः त्यायः व यः पतेः न्यायः नः श्वरः न्यायः पतेः न्यायः पतिः नः र्रे । व्यायः व अर्-तर-विर-ध-जय-विश्वरण-हे। पर्न-पर्य-पर्य-पर्याय-पः व्याय-पर-विश्वर्य-पर-क्रव-च्रप्त-इन्नवान्तुः द्वयायाः यन् द्रवान्यः क्रुवः प्रयाः क्रुवः प्रयाः क्रुवः प्रयाः व्याः व्याः व्याः व्या च.पथ.प्रेट.। र्ड.हुर.प्र्रि.पप्ट.वप्ट.बधव.र्ट.बधव.द्व.टी वि.कु.कु.र्ट.चप्ट.कुथ.र्ट. षक्षय.बीर.जा १८.५८.चथर्याय.तथ.जूर.बीर.२थ.५८.चत्। विश्वेत्य.त.बी.षक्षुपु.धी. इनियान्तरका क्षेत्रचीय। विराह्मचा स्त्रेन्ते स्वया मिना क्षेत्रचीया विराद्धि स्वया तथ.क्रुचय.चवर.ऱ्.ऱ्.बुट.। ब्रिच.र्च्य.बुर.व्रट.क्रुट.ह्य.ब्रु.च.ब्रर्। विट.क्व.र्घ. त.हुर.जेग.छर.तर.हुत। विद्रर.क्र.रट.गु.द्रेग.पर्वयायथवयायहट.बुटा। व्रि.क. चक्दापःन्यम्। धराने प्रक्षेत्रः द्वा | पहुत्यः वुन्यः न्यतः प्रेहेरः हेते रहार उदः व्या मा ब्रह्मः धरः त्रिंदरः तः झें मा बेर् : द्रारा द्रारा क्षाः धरः व्या व्या करः त्या वृत्ताः महिमा स्वा स्वा स्व अञ्चातः न्तः ने त्वर्षः निष्ठे ताताः व्यतः च्वरः विषः व्यत्यः व्यतः विष्ठः यद्याः मुद्याः मृद्यम् वर्षे दः त्यः देः तर् प्राचाः मृद्येः युरः मृद्येः यदेः मृद्यः प्राचाः यद्यः यान् देना नेता ते अता ठदा ने देना ने ते अवस न्दा हूं न या नेता या ने दे दे ते दे ते ती वा के अवस चन्-धरः म्लॅं श्रृं राष्ट्र चन्-धरा बुराया तारा नाशुम्रा हे निमः व सेन् धरे निम् करे ना हे व त्या या ा सर्भरः वः तर्भः तर्भः नवः नवसः सः ने श्रेष्ठः वृत्यः वः स्वावः सवतः सवः सवः निमः नुः श्रेषः । । इंगल नेट है न तर्म मा है जो र पर मा ला है र के लेंग पर हु या के मा है र के मा है र के मा है र के र त्रेय. इ. केर. प्रदायातात्वाय. त. दे. १ वश्चर. वै. ५ वश्चर. वी. जी. होते. त. वश्वर. तथा. त. रेट. *ऱ्या* केया रेटा व र्षे ग्या था श्वापा के प्या के प्या के प्या हुए हुया तक राक्त प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प चुटः चः क्रे.चः त्यः ने गत्यः शुः त ग्रुनः चतेः क्षेत्रः र्दे। | देः क्षः चुतैः मॅं कः ग्रुं दः दत्यः गटः गैः र्दे द न्द्रवात्राह्यस्यायायान्त्रेयायय। न्ने नदे क्रिया धून्यदे नह्द्रवात्राह्य <u>ॣ</u>चनः धरः र्वाः धरः दशुवः धरः चुः वदेः ध्वेरः रेः र्वाः यः श्वॅरः वद्याः । विश्ववः ठवः ग्रेः रें वः चेरः न्ति प्रकार मुलाकी द्वानि प्रकार प्रकार महिल्य के मार्थ प्रकार महिल्य के मार्थ प्रकार महिला महिला मार्थ प्रकार महिला महि | बोड़ेयायायझ्यायश्चेत्राधेयाधेयाचेत्राधेयायाचेत्राधेयाचेत्राधेयाचेत्राधेयाचेत्राधेयाचेत्राधेया २ण×ळ्याच्यवाचर्-भेुः नः २८ः न्ववायः २८ः दथेवानः दर्भारम् वायवायवादर्भेुरः ः मति तुस्रका ते व दि में व कि माने कि । दि प्यार स्वापका श्रुवा के व से वि पा कि ते मानि र हि र में दर्भःषःचित्री म्र्इब्रिव्युवःग्रीःचेष्वरद्यायःग्रीदःश्वरःमःर्रः। सञ्चदःग्रीदःर्धरः मैं इप्यायः नयमा पः र्टः। देः मुद्रेयः याने वः वयः पञ्चयः व श्रुयः श्रुयः श्रुयः श्रुयः श्रुयः श्रुयः श्रुयः श्र दे.जय.जय.२८.युत्रय.जय.थे.२८.चर.वे.क्ष्य.ल्रा |२८.च्.ज.वेथेय| श्र.धवेय.व्रेय इथ.चंबर.च.रंटा रे.ब्र्ट.चयु.चय्य.चक्रेय.चत्र्री ।रंट.च्.ब्री जन्न.ज.च्रीय.च यान्त्रेयाने। श्रुपाद्यापरा अर्थेरायरा वेर्त्याया वेरा देरा पर्मा मेरा देरा प्रश्नियाना या ब्रु त्रःश्रु अन्त्रेः बु अन्वरा के तद्दा प्रदेश विषयः बु त्राक्षेत्रः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय ब्रेष-लट.चे.च.र बर्याच.चयाचप्र.चे.चे.च.ई बर्याल.क्ष्मण.चल.चेल.चेल.केंक्र.चर्च। १रे. ब्रुन् लग नन् ग हेन् नह लाय द्रा विताला विताला विताला के स्वालक न् नन् नने ८ अव. तपु. म्. प्रा. म्. मानु ८ मीनु न्. मीनु न्. मान्या हो न्. मान्या हो न्. मान्या हो न्या हो न्या स्त्रा स् श्रृंबा व्यतः पदे । पति र् सः श्रु सः प्रतः । वित्रे दः व्यतः स्त्रे दः प्रतः स्त्रे वा । इयगःह। प्रिंदर. प्रदे क्रिया. प्रज्ञात क्षेत्रं व्या विकास यः नृदः र्यः मृत्रेकः ग्रेकः क्वः यः हेः कृतः तुः श्रेष्टः पदः वहः वनकः वः नृतः विवकः विवकः २ गायः तः गात्रुवः नक्ष्में व्ययः वयः व्यटः व्यट्-तुः यद्दे तः यदे तोः व्यः त्या माः वयः व्यटः व्यटः क्षु नः त ब्रेन्प्त्र ।ने.मेथ्रब.ब्रु.क्र.ब्रेय.वे.क्र.२६५.श्रेन्य.थे.चर्न्ड्र हे। वि.च.र्व.त.य. स्वायः या विद्यः स्वायः या विद्यः स्वा विद्यः स्वा विद्यः स्वा विद्यः स्वा विद्यः स्वायः या विद्यः स्वायः स्वयः स

श्चे<u>र</u>ॱॶज़ॱय़ढ़ख़ॱय़ॸॣज़ॱढ़ऀॸॣॱय़ॹॹॱय़ॱॸॣॴॹॱढ़ॏॎॱ॔ॗऄॣॸॱऄॗॱय़ऄॣ॔ख़ॱॸॣॸॱॻॖॱय़ॱढ़ढ़ॱ *ऀबेब्रॱ*नगान्'*ब्ब्यं*न् अ'सदै'ळॅब्र'ल'र्ड्ड्र'न'ड्ड्रन'स्ट'ने'र्डब'ग्रुव'क्रेंक्नं चे वेन्।स'ळेब्र'स्थ ऄॕॣॸॱॸॄॱॺॕ**ॺॱय़ॺॱॸ॓ॱ**ॺॱॸॸॣॺॱढ़ॸॖॱॸॺॱॿॗॖॸॱॿऀॱॿॖ*ॺ*ॱॺॕॱॹॖॺॱॸॖॱॿॖॺॱढ़ॱॸ॓ॱॸॺॺॱॸॸॱॿॖढ़॔॥ **यर्ने त्यान्याया हेत नु त्याने त्यान प्यान प्यान प्यान हे वर्षेत प्रदेश वर्षा व्यन्त वर्षेत्र स्थाने स्थान प्र** स.र नाना स.र र । नर.र नाव वा ववा श्वी न. ततु . नाव वा ता ववा स.र नाना सह । । र र स. वी ឨ៓**ヿ**੶ᢒ੶*ੑ*ਸ਼ਜ਼ਸ਼੶ਜ਼ৢ*ਗ਼*੶ਫ਼ੑ੶ਖ਼ੵੑਫ਼੶ਸ਼ਖ਼ਸ਼੶ੑਜ਼ੑਜ਼ਫ਼ੑ੶ਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼੶ਲ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ਸ਼ਖ਼ਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑਲ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ਜ਼੶ਜ਼ਜ਼ੑਜ਼ नन्ना मैरा दे भ्यंदा ह दाझारे श्चिताया न्मा श्चिदा झारे त मेंना यतमा छरा नगरा झमा नरा व् दे रोग्यया पश्चेत् महिंदा प्रया देशा देश माया के या व या चुदा यदा द्रा द्रा द्रा द्रा देश यह द र्गमार्मेलास्। |तम्मास्यादी। पर्वेशस्यादर्वापर्वेदामार्म्यापराम्याम्याम्या <u> नहें ब.८८.जूब.त.ब्रु.ब्रीट.चरु.क्र्.बर्.ब्रु.ब्री.व.देश.ब्रट.चं.जूबल.ग्रैय.ग्रट.वे८.क्र्यःः</u> दर्वेच पर महाद्यादा वर्गा देशेर क्रेश प्रमहेद प्रवर्ष वर्ष वर्ष राज्य में राज्य है ॕॖॖॕॕ**य़ऀॱ**ॺॺॖॖॱ<mark>ॲ॔ॸ्ॱय़ऺऺॴॱॸॸॣ॔ॻऻॱॿऺॹॱॸॾॣढ़ॱय़ॱॺॱॸढ़ॸॱढ़ॱढ़</mark>ढ़ॱॿॖऀॸॱॿऀॱढ़ॾॕय़ॱॷॺॱॸॗॱॿऻ॒॓ॸज़ॱॱॱॱ नक्ष्री नर्गानीयान्यस्क्रिमानायातीय। क्षिर्यानायर देशीनुक्षे । १८९ हरारे

म्बद्धान्त्रेग्रायः दी । मनेदायः ग्रायुरः म्बर्धारः देवः दर्भग्युर्या । श्वरः सुः भःश्वरः सुरः न-न्दः। निःमलेवःश्रेवःसुरःगदःश्रुरःय। नियःश्रुरःमङ्कःमवेःश्र्वययःमञ्जेदःव। इरःद्धनःदर्घनः नृगदःञ्चः वेदःदर्घन । वद्गःक्षःरेगवःग्रेःवेदःश्लेषःव। । वदःदरः न्द्र-प.र्.मेळ.येथ। विर.क्य.क्र्रीर्न.च.च.च.घ.च.चेळ.वेर.क्य.क्रय.क्रय. पच्चा । इथ.स् । विषये.लट.र्ह्रये.यटथ.क्येथ.धे.परं य.त.रंट.रं.क्षेत्र.यटथ.क्येथ.धे. प्रविच्यान्त्रः म्राह्म व्याप्तं त्याचा व त्याच्या क्षात्रः मृत्या गुरः यह्या क्षात्रः व विच्या विवाययाः च च ब्रुचर्यामः श्रेषः ग्री प्राप्तः रुषाः तर्मः त्रात्तेषाः विष्यः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व मुलामा नृत्तः मुः नर्ते क्ष्रमानुः नत्रवाया वृत्ताः बुवामा नृत्ता वृत्ते वृत्त्व वृत्ति वृत्त्व वृत्ति वृत्ति व चु८-छ्न-तेयल-८्मल-दे-५६-हुर-दे-पविद-न्नेन्यःम-८्गः न्इंब-म-षट-८्न-मर-----------र् गः अरॅ दः धरः हॅ ग्राः धरः तळ दः ग्रुः चः रेः र् गः र्दः। ग्राः र् गः अरॅ दः धरः हॅ ग्राः धरः तक्र.में.नर.पंग्रेर.च.पुं.रंग.ग्रेर.। क्ष्य.पर्ने.पर्ट.च.रंट.पञ्च.पर्टे.पर्टे.च.रंट.च्ड्रंब. प बीथ.पर्ट.पथ.षट्रये.तर.र्घ्वाथ.तर.थटथ.बेथ। वर्ष्ट्य.तर.र्घ्वाथ.तर.पक्ट. बर्षे न्यः ह्वायः परः तहरः कुः परः तश्चर। वेयः वुः पः वयः देः पवेव वयः पोवायः व रे.र्वा.विर.रे.पह्रेब.वेर्चवात्रः वैर.त.र्वे क्रेब.पवः अस्व.तरः क्र्बेवाः पवः अस्व.तरः क्र्वेवः तरः विवारः वर् नर् गः गुरः रुः वयः त्रः वरः वरः सः धरः र् गः धरः ह् गयः धरे ः गुरः रहे नः सह वः <u> ロメ・美山公・日本・日本・日本・日本・日本の・日本の・モイ・イナ・日本・教人・中・日美本…</u> त्*षु गः दृदः से अयः रुद*ः वयतः रुद्गः तः द्वीन्यः धदेः वर्ष्ठदः द्युतः ग्रीतः वद्गः नीतः ग्रुदः देः… मर शुःषायान् न नेया ने र न ने ने नाया में तयर पहें या परे न ना गुरा | वर्षे 35.1

पक्षेत्र.स.चंतर.नु.द्व्य.र् ज्याच्याय.वेया.वेया.वेया.च्याय.व्याय.व्याय.व्याय.व्याय.वेया.वंद्य.वंद्य.वेया.व्याय.वंद्य.वं

चर-विवर-चन्द्र-खन्दर-चन्द्र-चन्द्र-द्रवर-प्र-प्र-प्र-प्र-प्र-प्र-प्र-विवयः न्वन मु:र्द्रायम्पर्यं र्वेषाययर के मदे श्वेर है। द्रा हे मदायम् वार्षन्याय। महरार्**म्बरम्यार्व**रदियायान्य । श्विर्दरायदावावाद्यंद्रयम्। चर्मादीः यहिम्यायः सरा विश्वयः याचीः चार्यः वेर्-तु। विष्यः मृत्यः त्रायः चरुरः म.र्टः। रिवंबा.र्टः चङ्गेबा.र्टः बोच्चात श्रुरः ग्रीया विटः स्वयः वर्षयः सरः श्रः त श्रुरः र् । पर्नामी इराह्म स्रुपायाचा । स्रुना पश्यायरी के स्रुरा व्यूरारी । त्रुना हार्विरा पञ्चनः नर्देनः प्रवत्यः धुरा । अवः सः पर्हेनः धते । श्वनः पर्वेवः । श्वनः सः गुनः गुनः । न्द्र-छेर्-छे। ।श्च-वर्न-व-धवाबर्-श्चर्। ।र्न-वर्षः सृग-वस्त्य-स्ट-द्य-त् ।न्द्र्यः महिरान हीयातात्रमानुसानीयानस्याप्तारास्यारास्यात्रमान्यम् हिराहे छेता द्यतः क्षेत्रया मुरा पदे छे दें व छेव धराव शुराव गाँहरा परा गाँहरा पदे पुरा शु वै द्या तरा बेर्-रे। गर्सर्इर्न्स्यानःवर्देत्रान्त्या श्चित्रायः बर्ळग् ग्रीताः वायर्द्रारे। व्रिंगः विव.धे.पह्यात्रात्रा ।वर.कुव.रत्या.शर्.वर्.वर.यहर्। ।क्रर.यात्राया.श्रीवरायः लतर्। । तर्वेषःचयःव्याः अरः श्रुंरः चरः यह्त्। । देःवः म्याः म्याः वयः व्याः वयः वै। । देयः बुरान्दर्भान्यः भट्टा । यदः छः रदः ने खयायः दी । छदः समयः सुरितः सुर्से हुराना रे.कु.च.ल.ख्वंथ. बहूट.च। १५.ज.८ बाद.च.कु.खुब.लूटी विक.ख्री १५व.व.व.कुब. षः रतः हुः क्षेत्रः पतः सेनः पतः ततः ततः त्याः मृतः न् मृतः पताः मृतः पः क्षेतः स्टः। 2. लट.पक्ट.मै.प.प.क्रुबेथ.शवप.लथ.म.र्झबेथ.र ब्रेथ.ल। रे.पेय.थे.रेथ.पथ.श.थे.थे र्षाक्षयातुः (बुबायर वे वि के। क्रेन्-नु-चु-म-लेयल-ठद्-व्यवत-यल-धदे-क्रेन्-चु-অ**ৼ৶**৽য়ৢ৵৻ঀৢ৾৾৽৺ঽ৽ঢ়৾৾ঽ৽য়য়ঽ৽ড়৾৾য়৽য়৾ৼ৽য়ৼ৽য়ৼ৾ঢ়৽য়য়৽য়ৢয়ৼয়৽ঢ়ৢ৾ৄ र्यमः मुः छेर् । यरः मृद्यायः तः र्वेग्वायः द्यायः स्वतः स्वतः स्वायः सञ्चारः सञ्चारः स्वायः स्व **दश:र्थ्य:प:न**त्रुट:प:द। मृति न् स्वा अर्थम् न् न् रे रे अर्थः मृत्व न् नु मृथे न् र्यः मृथे न्यः वयरा ठर्-तु-वर्षर्-व यरा वयायावर-र्र- यवयाया व्याम स्याम स्राम स्राम रे-श्रेर्-रु-हुन्-हु-----न्र्ना पर्यास्त्रम्यायायवतः धर्यायाः स्म्यायाः स्मायः पर्वास्त्रम् रे.कुर.लबा ब्रिन्यः इयरः गुनः हुन्यः यावतः नृतः । वि. नृतः हुः नृतः होः नृतः हुन्। हिः क्षेत्रः यवतः व्यथः दे.चबुदः र् । द्विनः चर्चतः व्यथः ठदः यवतः व्यथः दूर्। विवयः ठदः यवतः वयः देः <u>र्माःद्वी । विरःक्ष्यःश्रेयतःश्रेरःचक्षःचया । श्रेमःचन्नयः र्माःयसः ५ रयः व्रयः हो । ।</u> केषा.लट.१८८। ।लट.८बा.घटवारा.वया.च इट.कें। ।चवा.ग्रेट. क्यूट.याटा.यावा ठवा इयता । यद्यतः पत्रः क्षेत्रः वः त्रेयतः उवः चित्रं । । पत्रं नः वयतः यद्यवः पत्रः ह गः ग्रंगः त्युरा । बद्यतः धरान्तः क्रात्यः क्रातः क्रातः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः न्र-विन-र्यन अर्-त्रा न्या क्षा है। विक ठ्व-र्यन हुः अर्-र्व-र्व विर-छ्व-र्यन रु:बेर्-९र्द्र-इटा |र्ने-व-र्धनःकु:बेर्-छेर्-ध| |र्देशःम्'छटःक्व-र्धनःबेर्-छटः॥ र्मानाः मुः अर्पामा विष्णेता विष्णेता विष्णेताः विष्णेतः स्याप्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्तः स्थान्त वर्ष्ट्रवाक्षेत्र | विषास् | दिवाक्ष चार्त्र हिर्ट् हिर्ट छन कुरे वेयवाक्ष मैव. १. मिन्य. १ न. वया १८ ८ मुँ ८ . पया सम्बन्ध रहेन मुः ह्व. १ . यह या मुया ह्या मुदा १८ . विमा लः विचः वः क्षेत्रः वः विवः वः विवः तः विवः वः विवः वः विवः वः विवः वः विवः विवः विवः विवः विवः विवः विवः व ने न मा मी श्रुमाया वा श्रेन धरे छे त्या दे.क्षेत्र.<u>ष्र्राच,श्रेया.वे.क्षंत्राच,श्रेता.वे.क</u>्षंत्राच्या.वे.क्षंत्राच,श्रेता.वे.वे. श्चॅव रहे यहा ता ता व्याप्त के दिन हो स्वाप्त का निवास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास क ह्येग छेत्र. য়ৢ৾ॱঽ৾ঀৢয়৾৾য়ৢ৽**ৢয়৸৸ৼ৾৾৽৴য়ড়৽ৢ৽য়ৼ৽য়৸৸ড়ৼৼয়ৢ৽ঢ়৽৸ড়৸ঽৼ৽ৢৢ৽**৻ৠ৾৾৽ৡৄ 튑도.쭆리. ग्री.श्रुत्रथा.ग्री.क्षंत्रथा.क्ष्य.क्ष्य.भ्य.भ्य.न्य.व्ये.त्य.क्ष्य। ब्रैज.चप्प.ट्य.स.ग्री.ब्रैच.८८. Ĕबलः बेर्∵ग्रेलः बहुदः सम्याधः रूटः सेबलः धरः दब्वः प्रदेः क्वेरः स्। 1रे क्षर व ल्या इयलालेग्लापरा मेलापरा छलाव्या मुँग्ग्चेरला पङ्ग्राक्ता द्वापाया लग्ना व्यापा ल्र-त.रट.पट.है। श्रुकारचयालया विज्ञानयात्र्रात्यात्र्याचराताञ्चात्रवाची। रि चला शुः हतः महितः चरः अधितः धरः । द्रमेलः धरेः हेतः श्रुवः स्विषः वावलः वः वहेतः धरः व। रतः हुः नृगायः वयरः श्वः वयः वरः ययः । विष्यः यद्दे वायः वेदः वेः नृवः यः वेदः तर् । ह.केर.वे.चपु.चचय.ग्रेथ.र्मूथ.त.ब्रैचय। विषय.तपु.चवु.चहुर.चक्र्य.तयः न्त्रेट्यान्हूर्न्त् |र्द्रवाह्मयाम्यान्यात्र्रात्यान्यात्रात्यान्यात्रा न. स्वीया अर्. ग्रीया में. कुर्य. त्या प्रीया क्षेया स्वया ज्याया या प्राया मेया ग्रीया विवास अर् या रहा। ॕॲ**ढ़ॱ**ঢ়*ढ़*ॱ८ढ़ॱॡॕढ़ॱऌ॔॑॔ॺॱॻॖऀ॑॑॑॑ॡऄ॔ॱऄ॒ॸॣॱय़ॱॺऻढ़ॖ॓॑॑॑ॹॱॸॣॸॱॡढ़ॱय़ॱढ़ऻऀॺऻॱॸॣॱक़ॣ॔॔ॺॱय़ॸॱॴटॱ**ॱॱॱ ଞ୍ଜ**ୁ ଆଧାର ସହ୍ୟ ଅଧିକ । କ୍ରିୟ ପ୍ରଥମ ସ୍ଥାନ ଅଧିକ । ଅଧିକ ळॅन'चर'दहेव'य। यथाग्री'नवर'य'अविषयां लेन'नेष'स्टारं नेनराग्री'ग्रु'चर'वतां पहेंदर वरा ने प्यम : प्रव : ह व : क : गुर्ठ ग : प्येव : व्रॅन : गुर : ने : ठव : गुरा गर : प्यम : वे : ध्रेव : हें : बे

ॻढ़ॖ॓॑ज़ॱय़ॱॺॿऀढ़ॱॻॖऀढ़ॱर॔ॿऀॸॱॼॖऻॱॾॣॿऻॷॱॻऻॷॿऻॱॹॷॱॸॱॳ॔ॱॴढ़ॗ**ढ़ॱॸ** <u> र्रा र्णवःचवेःङ्गवयःचञ्चेरःयःर्रः। र्र्रःचवेःङ्गवयःस्। ।र्रःयःदे। वर्तुवः</u> ययः प्रञ्चतः त्र युषः ग्रे नः क्षेत्रः यश्चरः यश्चरः यषः यदि रः अषः यः देः यद् । । देः पञ्चेतः र्गेलप्तिक्षेत्रप्तिः वर्गे.व.क्र्यंत्रप्तिः क्षेत्रत्तिः विष्यः व्यास्त्रत्तिः विष्यः व्यास्त्रत्तिः विष्यः व म.पर्न.पर्य.बैर. चर.बैर। बि.बुब.क्र्यापाज्ञ्यामाबह्रिर। रिब्राचयः व्रुवायाः वे.घथयः <u>२८.ग्री । इ.च.च्यातर घेच तथ पेथेटवी । बुयात क्षेर ऱ्री । च्यात ह क्षेर पञ्जेट ता</u> वै। देव: धर: इ.च. हुन: तुःवे। |इयः श्चेवः तज्ञ यः तुः नर्श्वेयवः धवः वं। |वेवः द्रग्रनः **ब्रम् में त्यतः त्यतः त्रकः तुः धेर् रह्णः व्रह्मः त्रक्षः वर्षः व्यतः व्यतः व्यतः व्यतः वर्षः व** र्र. नयः पर्वे व. नु. कु. नु. नरः विश्वरणः नयः लूर् कु. कु. नु. नः विश्वरः ग्रीयः श्वरः वः ः <u>୵ଽୖ୴ଽୄ୶ଽ୕୳ୣ୵୕ୣୄ୵୲୶ୢ୷ୢଌୖ୶୕୳ୠୢଌୖ୵୕ଽ୲ୗୢ୵୷୵୕୴୰୳ଅ୶ୢୖଌୄ୵୵୷ଌୄୣ୵୷</u> **१.** चर-ज्ञेबल-ग्रे-ब्रॅंन्-च-इबल-ग्रे-ब्रब-ऑक्-म्-ट-। रे-न् न् व्याप्तर-द्याधि केयान् अन्यः कु.ब. तर्य था अव्यक्त मा लाव हे. श्रेच था जीया मेया था। वि. केया च मा क्रवा वा व्यव व्या देवा श्रेया खेनायासाद्धाः प्रतानावानाम् केषामा सम्मान्यानाम् वात्रामा स्तानाम् वात्रामा सम्मानामा सम्मानामा सम्मानामा सम्म ष्टिय.घटय.ता.णवे.णा वेषायात्रेन्त्रेन्तम् कम्षान्दान्यक्षायान्मः प्रतास्त्र हर्ने दे. इ. श्वर विष्यातर क्षेत्रातर क्षेत्रात्य विष्यात्य क्षेत्रात्य क्षेत्रात्य क्षेत्रात्य क्षेत्रात्य विष्यात्य क्षेत्रात्य विष्यात्य क्षेत्रात्य विष्यात्य क्षेत्रात्य विष्यात्य विषयात्य व चर्गातावी.रे.र्गा.श्रयाचर्राच्छ्रेचाराष्ट्राच्छ्रयाच्याचीताची.क.र्थयाचे.लट्.श्रःक्रंट्राचया...... वर् गः मैलःरलः वः दूवः केरः रुः व हरः वर्षमः म् क्षेत्रः रुः वत्रवलः वतः ररः लः ररः मैलः

नश्चरान् मेंदान् चर्नाः न्दः नृष्ठः ग्रीः हेलः यः दे। । न्यनः येनः चन्नः मेलः नृष्टे यः ग्रुः है। । गर.री.वेयास.प्र.प्रायपरा। विश्वयायाम् अस्त्राचराम् । वेयाचरास्यायाः ने:धे:वै। [ळ.लट.चर् बो.ल.च.चा्च्रह्म.च् | श्रेबो.चर्ह्य.र्चवो.धे.चुर.चदु.बोद्या | न्न्नःम्'र्रेज्रःहेःक्षेरः सः न्या । न्न्नाःन्रः न्व्वः ग्रीः व्वःहवः दी । सरः सः न्न्नाः नैयः न्न् न वे ऑक् क् क् क र ब त्यत्र । विषयाय प्रक्रिया व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त विष्य विष्य विष्य भ्रे-न-दे। । नर्ग-नैय-र्द्र सेर्-भ्रय-स्यक्र । वियास। । महद्र-परे ह्रम्य दे। गर **ज़ॱॻॾॕॺॱय़ॹॖॺॱॻॾॺॺॱय़ॱॸॖ॓ॱ**ॺॺॱॿ॓ॱॺॕॖॺॖॱय़ॸॱढ़ॸॖऀॺॱय़ढ़ॕऻॗॎॸ॓ॱॼॸॱॸ॔ॸॱढ़ॱढ़॓ॱड़ॱॸ <u>२८.२.ज्ञ.पद्देन.तरः जुनेश.तरः घद्देनश्व.प.वेश.त.के.य.पद्देन.ल</u>। श्रु.वेश.य.श्रु.पद्देन. *पः १८. ७ वाषा वाषा वारा श्रेचवा शुःदर्दर मा याषा १८. में वाषा वे स्थाना बहू वा शेव स्थान* नेदे कु यह द दी। *देते*:बुःयह्यदःग्रीयःपञ्चनःमः|वयःन्नदयःमःर्यगयःयदेरःनयःकेःदेतःभैगःवयेयःनःददः। मः नवितः श्रेष्तश्चरमः न्दः। इः श्रं देः तर्वः स्वापः प्रतः देवे तर्वतः सः न्दः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स् **१९८**.कीट. बाध्यासीय. तथा क्ष्मियात्तर, शु.प.बीय. तपु.सीय. ही । वार्च ४.थ.बीय. ही. वार्च ४.थ. र्या परुयापा ने प्यार सर्वे से स्वार माववि त्यापा परि प्यार वेष्य श्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्वार स्व ग्रै*श*ॱक्र्यःयः।वशःश्चरत्रःपदेःन्**वःवठतः**ष्यरःबैःवहदःपदं| |नेःक्ष्रःष्यरः। र्च्चेर'म'मह नेत्र' द्रात्र'दे । ।पड्य' यय'णट'द'ये'मड्य' छ। ।य'मड्यत्र'म'दे' यक्कॅन'णेद' | नक्षवात्वतः व्याप्तान्यः श्रेष्ठा । भ्रेष्टा नव्यतः तुः ने व्यतः भेरः। । व्याप्तान्यः द्वनाम्बर्धात्रवेषात्वयुराते। ।नवन्तर्रात्वरात्तेरत्तायुरावे । र्वत्युयुरादेरा

[बेशःस्] |देशःदःद्यःचरुतःसद्यःद्वेदःपरःवर्दे**दःचराः**कुत्यः ব্যুব:ই:ব্যুব্ निश्चान्यः चि.हे। त्याः नृतः हेवः स्याः द्वाः सः हे। । नश्चाः सः न्वाः यः सः स्वाः सः स्वाः सः सः सः सः सः सः <u>ॿॖऺॺॱॺॣऻ</u>ऻॸॖ॓ॱज़ॱॴॴॱय़ॖऀॱॸॱॿऀज़ॱढ़ॗऻ ॴॿॺॱॷॱज़ॱॴॸॱॸॸॱॿऀॱज़ॺॱॿॖऀॻॱॻढ़ॱड़ॕऻॿ॑॔य़ॱफ़ॗऀॱढ़ॕॺॱ मः श्रेष्टकतः मनः नमः विष्यञ्च नामः हो। मन् मा होन् मा स्या स्या स्या स्या । ति निः दीः यया ग्रै.८.क्रै.५) । इ.स.५८.। चनेय.ह्ये८थ.पय.ग्रेट.। वर.स.चर्च.पःरच.पय.पर्ट. पानी |मवन ग्रेयाम्यानग्री नरि दे प्यान सक्ष्यामी |विवास हिन्स् मा |यदी दे नविवास च हे बोयाः च हो | वियाः चतुः रः क्वायः हो। व क्वां रचः स्वयाः हीः हे व स्वर त्याः क्वीः र च रः र क्वायः च विया रट मैं में व थट भ्रुव धर वे बुराव मावव में में व के के क्षेर्य व न्या मेरा वे रट मावव कु: १व. ब्रियः तर वेथ. ११ वेथ. वेथ. ब्रियः तर है। वेष. श्रूयः यार अर् प्रह्मी हेष. पर्या। रटः र्देवः श्चितः यरः श्चेः त्र्याः प्रयो । त्र्याः प्रयाः प्रवाः श्वेरः श्चेरः श्चेरः श्चेरः प्रयाः प्रयाः ग्वेरः तर्ने चुःव। विवास। । महत्रः धरः वर्ने न्याः ग्रुटः न्यवः यवः ववः स्वाः वः स्वः वः स्वः वः स्वः वः स्वः वः स्वः ह्या ग्वर र्ग र्यद यदे त्यत हेर् द्रा । यर्ग हेर् गुर दे हे हेर दर्ग । *প্*রকাশ |द्ब.क्षर.र्. बोब्य.श्व.त.व.बाब्य.क्षर.रं.वयर.वय.रर.ज.श्वंश.तय.श्वेत. শ-প্রব-গ্রী पङ्ग.नपु. इस.स.रुष. री. पहेथा वयार क्षेता रटा सापट्टेया नर वि है। ८.भैज.वर्ट.मु.मु.चेर.ट्री । तर्बा.ज.ट.मैज.मु.म.म्मूम । ३४.स् गुेथ.बु.बेथ.त.पर्म.मुथ.बेथ.श्रेश्व.त.लट.ट.मेज.र्ट.क्रथ.घर्वेच.तथ.ट.मेज.र्ट.प्रेय. | ब्रेब.श्रट्थ.तपु.ट.क्य.वु | ब्रेब.श्रट्थ.त.इस.त.घयथ. दर् . रे.किट.रे.चथर. द्रारा म्या तर् म्या त्रा कुता चर वुः धे। दर् र्या चर्या त्रा व्या वर कुता चर वे बुक्यःस् । बिक्यः प्रकृतः विक्यः प्रकृतः विक्यः प्रकृतः विक्यः प्रकृतः विक्यः विक्यः

न्-र-परि-व्यावया इताचर-परि-पर्-पास्-राष्ट्री-पर्-यत् क्ष्मायाधर छेर् त्रैरःक्ष्यः प्रनः वः क्षेः बायवः कर्ः नः श्वृगः पष्ट्यः श्वायः श्वेरः वः वृश्यतः श्वायः श्वायः श्वायः श्वायः श रट. ब्रीया झ्रेया चाया चिया वा क्रिया वा स्था स्था स्था स्था न्में राया थरा नराया ॱ**ग**ढ़ेबॱय़ॕॱॴॸॱॿॕॖॸॱॻॖॆॴॱॷॕॺॱॿऀॱॿॖ॔ॴॱॳॴॸ॓ॸॱॸॸॱॾॕग़ॴॱॳॸॱऄॗॸॱॿ॓ॸॱॿॴॿऀॱढ़ॕॸॱ। यरयः मुयः न्रः चिरः ख्वः खेसयः न्यः न्यः मीयः गुरः क्षुवः यरः क्षेः सुवः मधुरः हः । । ह्यः स ृष्ट्रिर्द्रिर्द्रः कुत्यः कुत्यः व्यवः सह्य द्वायाः केवः येषाः गुद्रः परः तुः गुरुं द्वीः वृषः पत्य। देशः वः र.मैल. रे. पश्चेर.रम्ब. स.मे. स.मैल. इ.ल.च.पश्चेर.तथ.वी ।क्रेब. रा.लय.ग्रेट. र्वितः यर रगत्। दि परा ते समा दे पहर पर भेता दिर पर इसका दे महिं सा है। विका की। दे.के.ब.गुध-तर.क्रैय-त.म्.केर.पथ.तथ.तथ.तर. वेथ.थ.पवाय. वशिय.क्रेय.क्रेय.क्र्य.प मुला नमा तर्म्मा दी स्रावता सता विला नदी न्या मेदा है। नम्या दी सुमा नता वसा छता वा ।विषयः नश्चाम् वार्मितः विष्यः न्यं न् चिषा व्याप्त व्यापत व्याप न्तर्वत्यस्त्राचः इयदाः देः न्दः श्रेष्टः वरः तकन् र्वेत्। गृब्दः त्यः स्वीनः न्याः श्रुवः

१ ने ॱक्षेत्रॱद्रः न|द्वद्रः त्यः न|त्रान|द्वत्यः त्रद्रः न|ठेन|धुत्यः छेन् :ध्वः नें। पर्ने र्दे.लट्-म्बद्गाचीरात्रराक्षराचार्यात्रात्र्वातुर्वाची। तरामीरातुर्वार्वात्रुवातुःमिनेरात्वत। नेःस्त बर्झर वया श्रुपा पर्दे रहे त्यार हों दार्श्वर प्राया वाह्य आही। देवा हिना वया परा दहें बता য়৾৽য়ৢ*ড়*৽ঀ৴৽য়ৢ৾ঀ৽ঀড়ৢ৽য়৽ঢ়ৡৢ৾ৼ৽ড়ৼ৽ৼয়৽ঢ়ৼঀ৽ঢ়য়৽ৠঢ়ড়৽ৠৢ৽ঀৼৼৼঢ়৾ঀ৽ড়৽৽৽ **দ্রীশ্ব-দ্রব্যব্য-শ**া Àन्यापर-पङ्ग्यायः द्यान्तः चुः चरः धेः न्यः चरुषः सः स्ययः ठन्ः इंचलानक्केरायात्री रे.हेरायत्रवायात्रणायत्राञ्चलायत्रेवावाक्षेत्रायक्षेत्रवाक्षेत्रायाक्षेत्रा ता.शुर्-इर्-श्रेया.च्य-श्र-ब्र्वा.तप्-ब्रु-तप्-व्र-तप्-क्र्र्नया.ययार-ब्रुवा ग्री-क्र्र्नया.पश्चर्या वयान्यायात्रात्र्वापार्वः क्राय्यान्यविष्यः त्रात्र्वापान्यः। खिबाद्य. राष्ट्र. क्र. राष्ट्र. लयान्ति त्रा महिन्यम् के तर्न् न्या के स्या प्रते प्रत्या प्रते प्रत्या प्रते न्या प्रति महिन्य प्रत्या मयान् महीन् मन् मुद्र । नि ता की स्वया मदे हैं ता है त दा मा लेगा महीन् मा है न इदि-हर्-तर्वयात्र्र्राध्या विर्-णयाचु-वदि-वयान्यान्। वियार्-वादि-वादि-वि है। दिलादेशकी स्वयान्यादाचर है। विवासिश्चरा हैनाम इवास हैन अदि ष्याःषः ह्र ब्रक्षः यः ब्रेन् ः यद्द्याः यद्दः यद्वः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः व्यवः यद्दे । वड्यान् नरे नया शेर्स्ययाया नविष् निर्देश सुदे त्यया ग्रेया ग्रुटा से स्यया न्यंया है। थण.च.६ंथथ.पंचेथ.पं.चर्.च.पंच्चच.धु.पंच्च-झ.ख्य.च.च.ज.लट.पंचर.थेथ.पंटेब.थे। लक्ष.चट्राश्चरं,वे.पवंका.चे.चर्.चरवेटः चरः देवायाताःश्चर्याश्चरं श्चेरः चरे वरे वरे.चरे. इंब.री.जय.वेय.येटः। निर्न.पश्चरःश्चरःबह्ताःश्चरःबह्ताःश्चरःश्ची निर्माःजयःबुर्नःनर् वश्चरावा १रे.व्यवं बेर्डिर्हि.हेर.वर् । विवास्।

बु अळव तर् तर् ता गुर स्वता पर के रेग्वा है। वु ग्रेदे स्र कन्ता वर है हिते।

के. स्वय। विया ग्रीरथाया केरा बररायदा संकरा बरा वियाया के. है. न्वेन्।सदेःश्चिन्द्रं द्रात्रेःश्चर्यदेःश्चर्यदेःश्चर्यदेःश्चर्यदेःश्चर्यदेःश्चर्यदेःश्चर्यदेःश्चर्यदेःश्चर्यदे युरा तरि धेराष्ट्रमा पद्यताळ पर्या के पाहेरा परि तर्दरा परि व्यव ह का के राष्ट्र पार्टी पर मालायदार्स् बर्यामा बे म्रूराव। विवायार्वामा बेर्नामा विवायार्वामा .พथ.स.क्रेप्र.चदि.ञ्चवीय.ग्रीय.टु.क्रे.ट्र अथ.स्य.प्रत्वीय.क्षेत्र.**प्र.चयत्रया.य.च्र.ट्र** अथ.सद्र...... | नेतः दः न्दः तः तह नः धरे : न्ने : परे : ततः इयतः ऑटतः ही: বলম্মন্মর বুর ह्रबलायर चुः पते छिर। दे र्वा लायह वाया दा है अलावतुरलायते ग्रामके वा हे र ŋ.2a.8.ŋ-ŋ-ź-ৼৼ.चg.ਜ਼৴.য়য়৴৻ৼঀ৾৸৸.ঀ৾৻ঀ৾ৼৢ৾য়য়৾য়ৢ৾য়৻ঢ়ৢ৻ঢ়৴৻৴ৣ৾য়ৼ৻ঢ়৴ঢ় है। ने.सेय.जय.क्र-.होब.वे.इ.दोन्। दि.स.होन्.यं.वे.यं.वे.ट्यं.तं.हो । श्राट.क्रवं. यह्नरः सर्वा वित्रास्त | वित्रा ने विद्यालय वित्रास्त | दिरापदे हैं पर्वा ने व.भूव.पे.भ्रे.ब्रू-तथ्यक्षेया-पङ्कातप्तः व्याप्तः कर्तिः पक्षेत्रः यदः क्षेत्रः यदः क्षेत्रः यदः क्षेत्रः यदः अ.घबे.लट.पङ्के.पबीथापक्षांधूट.कं.श्राण्यायात्रात्रः वचर.ह्येथाचेथाक्षाः चेथाः श्ची पर में दाया मालक लिमा चु पा या पहें का त गुरा पह का न में रा है। क्रेंचथ.धेशथ.स. र्टः हेलः बहे बाज | श्विरः हिते : र्वे न्हें रें रायरः है | विष्णायरः है वाज है। या र्टा । ब्रि.स.पर्ट्र-तथान् श्वराच्या विवाया विवाया विश्वापर्ट्राम्याक्वाक्षे यवाहवाद्यायान्याक्रम् चेया चेया व प्राचित्र प्राच्या वर्षा वर्षा यहार विषय । त्या वेया प्राचीय विषय हेता प्राचीय । विषय हेता प्राचीय पर्या वृ.पञ्च.पञ्च त् वीया इत्राप्तिवाया पर्वेच. धे. थे. वर. पर्वेच. पया धे. इता पा. प्राप्ता पर्टा थे. करःक्षर्-धः मृत्रेशः मृश्यः स्यः द्वाराहः विते क्षुद्रः प्वेदानु दः देः पः विमः र् मृताः हे ।

<u>दे.क्षेत्र.पङ्कष्तवीयाजी,प्रवाताजीयाचीयाद्रयाचीयाचीयाचीयाचीयाचीयाचीया</u> ञ्चन् या क्रेयाया क्रेयाया व्यवता के वार्ष्याया प्रमाली मार्था क्रिया प्रदेश क्रिया प्रदेश क्रिया प्रमाणिक व्य यतः ने त्यः तहना यः वः पदः तर्वः न् इनः यतः श्रेतः त्वः न् न् तः नते ः क्षेत्रः नक्षेत्रः नक्षेत्रः । र्-र.पपु.क्रेंपय.ग्रेथ.पङ्ग्रेथ.पश्चेय.इंश.पीब्य.ज.जांच्य.त.चे। पङ्ग्रेथ.पश्चेय.ज्ञेट. चदुःक्षॅचलाचक्केर्-र्म्लाचलार्ने-चन्न्-धरः चुद्। |र्ने-लाश्वरः चुर्न्-चदेः च्रह्रदः व्युलः इंबायवे छे हे हेर चु पर्वा हैर र्ग र्र हैन हैन है। निस्तार्र राज्यानर क्षेच्याना नवुव । व्रिव् स्ट्या सक्षव त्या न त्रुप्ता । व्रिव् स्ट्या न्या क्रया पह्तयायर पहेंच | देश्या मेश्वरया स्थर | र्ग्रेर द्रां प्रवासी प्रताहेंद्र व । दे.ल.म्बाबयः पत्रः अप्रयास्यः देः द्याः न्रः त्राः मः स्वायः त्यो न्रः प्रयो द्ये । स्वः स्वः स्वायः सः स्वायः इः लः म्वायः पत्रे । अप्रयास्यः सः दे । न्याः न्रः त्यः मः स्वायः स्वयः सः स्वायः सः स्वयः सः स्वयः सः स्वयः स मुद्रमास्तरः द्वाराष्ट्रमा स्तरायः स्त क्षांचयाता. रहा वरायायह्ययाया महिषाम्वे तामा मिले वासा मिले वासा 型口・ゴ・ブ・ム厂。 वृषःश्रूरथःरटःतवयःतपुःकःषेषःश्रूरथःग्रुषःद्धरःश्रुष्यथःषःश्रूरविषःषःषःह्यःवेरःकरः सर.ज.च केव.स. पक्षेव.वया.पह्रयया.स.चकेया.मा.ज.याच्यासर. इया

र्ययः नग्ना गुरः हें दः अटरा न्वदः वैनः नेयः गुरः र् नेः नदेः कः द नदः वेनः दर्शनः यद्या **ड्वॅं र त्या क्रे**च्या व्याप्त व्याप्त क्षेत्र स्वाप्त विश्वेत्र विश्व क्षेत्र क् न्याके प्रत्या क्षेत्राच्या केया क्षेत्राचा क्षेत्राचेत्रा पञ्च प्रत्या क्षेत्राचेत्रा पञ्च प्रत्या क्षेत्राचेत्र नपु.श्चर्यानाञ्चयानयानयानान्यः वेष्यःश्चरयान्यवेषः याञ्चयः व्यतः नयान्यः नेषः नेषः नेषः नेषः नेषः नेषः नेषः न र्ब्यु*न*-तु-अलः म्ॅलः दलः कु*न*-ळेलः अ.उ.टलः धनः त.चुनः पः नृतः पः त्यतः गुनः कुनः त.तृत्यः नःन्यःके:नरःदर्नाःक्षयःदराःश्चयःमःन्रें मॅरःग्वराःहे। **ब्रॅट्य.तपुर्य.य.ब्र्य.य.ब्र्य.विट्र.** য়ৢ৾৾৾৽ঀঽ৶৽ঀ৾৾৾ঀ৽৻ৼৢ৾ঀ৽৾৻৽৾৾৾৾য়য়৾য়ৼয়৽ঀয়৽য়ৢৢঀ৽ঢ়ৢ৽ৠৼ৽ঀয়৽৻ৼয়য়৽৾৾য়৽ঢ়ৢ৾ৼঢ়ৢ৾৾য়৾ *ॱ*ॿॖ॓॔ॸॱढ़ॖॕढ़ॱॼॣ*८थः ८८ः* प्षधः तपुः कु.ल८ः बीलीजः पश्चिटः तपुः *२४ः थीः* लबः प्रकार्यः कुरः थः। नलन् गुरु म् नल पते तहे नल परा लंदा थेन् के गुरु पर ने समा मा हु लेक पर हुर। श्वरः न्नरः नै' तहु न' स्नेन' नै' र बे नरा ह्रयः या पहेर्' धरेः द्रवः धरेः अळवः सॅरः वः दवः द स्रार्थरः । क्षर पदे तह नव प्राप्त ने सामन हु द्राप्त पहे व न में वाहे । न मुख्य हु र वाहे हुर हुर वा । तहेगल पर्याञ्चरातुः सेवाया स्वर् । दि प्वविदाद्वायते सळवा में रावा नवै तह नवा इवा धुरातु न्त्रा । विवार्षा । इवाया मैदातु नवा के ना वरी सर्वेदार्था सु र्परः श्रुणः खरा नार्हे नायः इतः पः पर्दरः नाभे नायः ग्रीया । नर्म्न-धः मुरुषः पदः त्यान्तः ते नरः नष्ट्रव। | ने ने न मे अतः वता सद्दाधरः न शुरः न शुः हो । ट्व.प.वेबब.तथ.क्रव.ग्रीव.पह्न.तर.पश्चर । बिय.श्र । । बट.ज.ट्व.प.पहेव. तपु.सीपा.पा.तार. मेथार वा.ग्रीया.पानाया. तरा. ही. वा. हीना देव. पत्या वह दे . पा. ताव. में ही देव. पा. मः चड़िचाना ता दिवा ने या नहे वा सा द्वा ग्रीया दे । विया प्रमा ग्रीया है वा मा विया प्रमा ने वा प्रमा ने वा प्रमा ने वा प्रमा है वा प्रमा ने वा प्रम ने वा प्रमा ने वा प्रमा

रे.लर.चलकारी.रपाची.रर.म्.वयाक्ष.च्र.च.कार्ययाच्या चश्चुःषःभूरःदः बार. रे. स. चर्च. प्रबंदा. ब्रे. पथर. ग्रेथ. रू. वेष. तपु. पद्म. प्रवंदा. क्रुचे. स. क्रुचे. प्रवंदा. क्रुचे. स. क्रुचे. त्य.ध<u>्</u>या.घ.क्षेत्र। लबःश्रुंबःचःचलागुदःन्दःचलाश्रुदःश्चरःबःमहेन्।चतेःन्त्रःमःभूरः र्<u>दे</u>षाबाडीर्-स-र्टा म्र्याचालरानु सामा हि.पहेषाता वृ र्या त्राया वेषा पर हे हेथा क्षरः मेवः म्वायः पदायः प्राप्तः व स्परः नुः क्षरः पः तः तः तः हे ग्वायः पः क्षेत्रः व वः वः धेवः परः ग्रुपः । 西,휄리,다,너, 열교, 眞, 때는, 너희,너희리,네, 의밀어, 윤, 급성, 학생, [주,다,너, 소교, 너희, 다전, ढ़॔ॱॺॣॕ॔^{ॴॱ}ॸ॓ॱॸ॔ॿॱॴॿॸॿॎॱॿॸॱॿॣॖॱॹॖॺॱॸढ़ॱॺॣॕॱॿॖॱऄॖऀॱॸॱॾ॔ॺॳॱॴॴॹग़ॗऀॱॻ॑*ॸ*ॱ॔ॺग़ॸ बिष्याया वार्या निर्दे श्री नः पदि स्वरं कृतः इत्या ग्री सः नः कन्ना धेतः वेतः श्री विः वः केतः श्री विः वः केतः श्री क्ट..टे..व्य.ज.लट.पहुंचेय.तर. चकेय.वेथ.बेथ.परीटे.टे.बु.पटेचे.तर.टे.बाघवे.वेथ.... ब.र्.ज.घड्डेब.बज.४८.घ्र-छ.घ्रज्ञ.घ्रज्ञ.घर.जेश.घत्रथ.२८.ज.२.ज.चे.केथ.तर.पक्रेर.घथ.... য়৾৾৾ঀ৽ঽৼ৽ঀয়৽ঀয়ৼ৽ৼ৾ঀৄয়৽য়ৼ৽ঀৢয়৽য়ৣৼ৽য়ৢয়৽য়ৼ৽য়য়য়৽য়৽য়৽য়ৼ৽য়ৼ৽য়ঀ৽ यतः अ'न हें न् गुर दे 'अया नर नें र व श्वरात ते अवता याष्ट्र पर से ने न पता हर दि र शे लर.रे.श.चन.पे.बैब.नक्र.र्म्थाने। इ.डेर.विन.ज.पडेब.पर्यावया ।रेन.बु.जय.

ल.विच.प.बीर.च। १र.चबुब.श्रेबंथ.बु.कुर.बीर.वी विष्य.तय.युश्यय.प.विच.तर.प.बीर॥ बेयाल्या । दि.व.वेव.ब्रट्य.ग्री.चीत्रायायाः मेवा चरा पर्टर तया रेव.च. रटा मेवा पहेव हैं। क्षेत्र.चक्षेत्रक्षेत्रात्त्र| विदयःवरःचग्रदःचर्दःक्ष्र्तःचक्ष्रत्रःय| |रयःग्रीःव्यायःचयःद्वरः नस्र-दे। वि.य. नस्र-पर्मनायाय हिनायाय स्रा विह्या विनया स्या ग्रीया दे निविद् पश्चिमा | बेयामाक्षेत्रापश्चिमान्म्याहे | यहैग्याष्ट्राच्यात्वेतावया युराव्या निश्चर्याया त्यानेयायर वृद्। दि स्र निश्चे व्यया पर्वे के श्वे र वेया श्वे र पर्य हिर पर र हे। नै.नल.नट.नु.बुल.दटल.व। हि.हेर.र्रटल.श्र.दट.न.हेर। नि.नदेव.नहेर् र्रःक्ष्रेंबरद्दराष्ट्र। विकार्य। विकार्य। विकार्य। विकार्य। विकार्य। द्यःश्चर-मी केयाम-विराध-राज्ञान मंदान में यात्रा निर्मा ह्या निर्म तरी केर. श्रूर. वया रे. वर. थे. प्रूप्त स्थान विषया विराध राष्ट्र । विराध राष्ट्र । विराध राष्ट्र । विराध राष्ट्र **ॱ^{ह्}यःयः नज्ञ ८ः द्रायः द्रोतः नञ्जयः चुतेः श्रेः यद्युदः धुन्यः यः नद्यः यद्यः द्रोत्यः श्रुदः यदः यद्यः । र्यःश्रुवानुःनव्यव्यानःनृहः। नःश्चेदःकन्ःन्नेवानःवनेःवेःवेःवेःवःनःवेषःग्वःदःश्रुवः** हेबासा हैराया रे रे प्रवेद। कर्ष्यपदि तथेव संग्वेषणा यह र ग्वेहर है। नन्नात्मञ्चन्त्राक्तः व्याक्तः । नन्नात्मक्षेत्रातन् वेत्त्वात्म । ने दे दे राष्ट्रा वेत्रास्य न्राचित्रास्य त्राच्या चुरक्षे र्वायदे प्रमेषान्तर वायदे भूनवान्तर भूनवान्तर वायदे भूनवान्तर वायदे भूनवान्तर व नवरात्रम् नवरात्रम् । इत्यान् म्यायाया क्षेत्र वेता । श्वापदी धर्माया । इत्यान म्यायाया क्षेत्र वेता । श्वापदी यत्या | रेग्वा परे त्यत् वे तर्दे न पर छ। | वे व र । | दे के र व व र र पर व व इव्य-मृथ्यः तथ्यः प्रद्धेन् त्यः या त श्चेन्यः पा न्यः क्षेत्। । इव्य-मृथः प्रव्यः पाःश्चेन् त्यः या व्यव्यः कर्-तिः द्व्यः पाःश्चेन् क्षेत्रः पाः पाः प्रद्धेन् त्यः याः व्यव्यः इव्य-मृथः प्रव्यः पाःश्चेन् त्यः या व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः श्चेन् प्रवेशः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्यव्यः व्य

नर्ष-न-ने-लय-जेय-युव्यय-लय-बु-२८-चर-चु-वदे-क्र्य-द्वी र्वर.री.श्रीर.राष्ट्र. दे.लट.चबे.लूर.जुदे.जुदे.चथेर.च.केर.वेट.शुष्ट्य.कु.चश्चेच.वे.ज.चश्चेच. क्ष्रवण:है। र्म्यानपुरम्म्यासम्बद्धाः विकाश्चर्याः विकाश्ययः विकाश्चर्याः विकाश्चर्याः विकाश्चर्याः विकाश्चर्याः विकाश्ययः विकाश्चर्याः विकाश्चर्याः विकाश्चर्याः विकाश्ययः विकाश्ययः विकाश्चर्याः विकाश्चर्याः विकाश्चर्याः विकाश्ययः विकाश्ययः विकाश्ययः र्ट. ब्रेंब. ब्रट्य. पार्चेर. पक्षे. खेबाय. रटा रेव. क्र. व. क्र. रेव. क्र. व. क चैव.री.के.चप्र.थुनथ.ग्री.कूंचय.श्रेर.क्ष्प.इयग। पथ.र्र.ज.पहेब.नप्र.क्ष.य.र. ब्रेबलःग्रुःश्चेंन्यःयःत्वःव्यत्यःयःवरःवःवःश्चे। क्रेन्वःव्यवःश्चेतःश्चेतःस्वःवय।। मयता ठर् ता वै वहा वर्षा । दे हिर पन वं वर्षर निष्य द्व है। । पर्न वे वर्षर प्यापर चर.वे। |बुय.थ्र| |र्.केर.पचरे.तथ.च्रूचे.पचीय.ह.के.पे.खुचे.ख्रे.चर.पचीर.क्षेत्र.थे। **वैदःचलःग्रुःदन्नःबःबरःलःदर्शःनःन्दःह्यःलःददःनःलःकुदःगैराःन्नदःश्चुरःनःनदेवःः** रर. मे. जिया खंबाता र में . पाया ही . पाया ही . यु में यु डुर्-सःदःव्हदःवशुकालेग्यःसरःश्चनःसःधेदःय। रेःक्केयःदःरेःदयःळग्यःसययःठर्ः वर्-भिगः मित्रावरात्र विदाने हि. क्षेत्र क्षिर क्षेत्र क्षेत्र विद्या विदान वि र्वर वश्चरम् ।रे.वर्षदश्चरवर्षियः विद्यान्त्रम् ।रे.के.वे.वं.वश्चरावश्चरा । बेय.श् | दे.के.वे.इयथ.वे.ट्याय.वट.ट्रंट.वे.वटट.व्यंय.टे | रवत.कंद. **८ यो प. ही ८. जाया ही या चा ही या पर्या । वि. प या १ हे ५. ८ यो पर हो या ही या ही या ही या ही या ही या ही या है** ম'ব্ৰিম'য়ীথা रे.श्वर.देर.जयर.च.च.च.च.व.तरा ।हिर.कुय.च.इ.व.व.व.य.ज्याय.चर.हेवा ।देय.स्।

दे.८्व.पञ्चित.तपु.कु.हु.के.दे. पङ्गय.पञ्चय.वर्ष्य.वर्ष्य.वर्ष्य.वर्ष्य.वर्ष्य.वर्ष्य.वर्ष्य.वर्ष्य.वर्ष्य **च.प.र्रः हेदःर्यःर्रः एचेलःपरः श्चिपःर्गेलःहे। पञ्चदःर्युलःग्रेःश्चेदःमःदेःररः रेःलः** म्बर्यावराम्बर् में त्यापम्प्राचीन्या भिन्ना स्वर्यास्यरास्यराम्बर्यान्याम्बर्यान्याम्बर्यान्याम्बर्यान्याम्बर् रे.र् ग गे.र् व.पर्.प.वी हॅंर्-परे.हेव.विर.क्व.ग्रे.श्रेयलहेल.शु.र्व दिर.पर्स्रयाय त्रेयलः ठवः स्रयलः ठनः पञ्चवः तशुकः तान्ते नः पते ने वान्तः मुनः स्रापः स्रापः स्रापः स्रापः स्रापः स्रापः स्र <u>ने न्हे त्र वेत्य तु ग्वेह्र वेद ने देश या या या वेद प्रते पा वेद व त्या या व्यव्या व्यव्या व</u> ब्रुब् :पते :ध्याप : चुक्त है :बुद :य। या प्याप्त प्रें पते :प व्रुव् : य शुक्र :य शुक्र :य शुक्र :य शुक्र :य त्यः वर्षः वर् त्रचुरानुः बुश्रामः इश्रातेष्वरायेषायः परायेष्वायः नृतः। इतः चुनः चुनः हुनः नृतः हेनः नृतः हिनः नृतः हिनः नृतः **ล**.น.ชฺล๗.๑๔. ๒๗๗.๑๕.ฎิ.๓๕.๕๓.ฎีน.๑๕.๗๓.น.๔๕. **ใน.**ฐ๗.๕๕.น.๔๕. ळ्याया यहाया त्राचा निर्मात श्रीता त्राचा त्री श्रीता त्राची त्री त्री क्षी त्री त्री त्री त्री त्री त्री त्री नवमः नवः मुंदः नः तः दे। देः दरः नदेः नवमः भेदः तुः क्षः नः नक्षेदः मः दं सः मुकः नसॅन् क्*रात्राक्तराक्रे* न नेस्न प्रमास्य प्रमास्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स् ने : क्षेत्र: व्य: चुल: क्ष: ते ने ल: ग्रे: कुल: ग्रे: चुल: कुल: श्रें द: कुल: ग्रें द: वि: प्रें द: कुल: ग्रें द: वि: प्रें द: वि: प्र 2.है। तु में ताता के र न ता म बदा हुतर छ र ते यहा ही हुँ दे पा ता श्वेत पा के ता द मादा पर त शुर दे·ढ़ःतुःह्रवराः नेराःपरः छराःहेःहिःहःपःपविदःतृवराःशुःवःषदःगुदःह्रराःदेवः ॕॖॷ॔ॻऻॴॱॻॿॖ*ॱ*ॱॱॺॴॱऄऀॱॺॖ॔ॴय़ढ़ऀॱॻॾॕॺॱय़ॻॖऀॴॱॻॾॴज़ॱज़ॻॱॻॿ**ॸॱॻऀॴॱढ़ॴॱॱढ़ॴ**ॱॱॱॱॱॱॱॱ श्चे.पःग्*षवः १.क्र्*चयः**छ्टः***२यःस्*ग्नप्स्यःबेन्-परःस्र्रः ५ःपङ्कः <u> 미입도성.다.诗</u>도 | यशुकाकुःषःर्याः हु व्यासार्ये विवासरा चेत्रसरा विद्यासदे छेरार्ये। नवाया नह व भी प्रत्र क्षेत्र त्या नहार ना वा निष्म नवाया नह व भी दे ही या निष्म या त्या

यहनायदे वनका नक्षान्त्र ग्रीप्य प्रवास्त्री श्रुवः यदे के हे सुरान्ना दे प्रवासी रॅ्ब-म्ड्र-मर्दे। |८८-म्.च्री ८ देवेन्य-स-स्यान्वव-५-व्य-मेथर-स्य-नेवय-सर्व-येवय-म. र्व. री. पर्य. यद. विम. रेव. युवाय प्राय. द्याय युवाय विम. हेव. र्व. पर्व मा हेव. याय...... त्रत्यः पदे खेळा हे महिन्यः प्रेने प्रात्येययः न्युत्यः । विः न्युत्यः ग्रीः स्वेन्यः स्वाः स्वाः सर्हरःमी:ध्वेनवःववःतुरःरु:वर्धेयःवरःवर्षमःधवेःसवःरेःमहेवःमवेःध्वेनवःगरःधेवःयः त्रै-वै-च्र-क्रुव-त्रेयत-द्यत-द्यत-ग्रु-वत्यय-गृह व-ग्रु-र्ट-देन्-वर-च्रुद्र्। बेषः ५८:। र्चे५:५६म: व्यवः ग्रदः। देः हुदः पञ्चवः वश्चिदः वयः वे। । विदः वैः हैदः दे.पह्रब.ज.चवन । ड्रेय.स् । नेड्रेय.च.ड्री चयम.नेड्रव.चर्च्यय.पद्य.वव.ल्य्य.र्ट. म्यानक्ष्रम्यत्रात्त्रेत्रान्धेष्वत्रात्र्यम्याः हेर्वे व्यवत्रात्ते स्वत्रात्त्रात्यः व्यव्यात्रा रमः र् छे दी इरः इर्यामः क्षेरः रू. वर्षः क्षें वयः छे व तहि मा हे व मा रूटः रे व्ययः यर्यामः म्बेश.र्ट.ब्रुं म्य.ग्रीःश्चं त्रयः मृश्चयः यद्रः ग्रहः। ड्रेट् त्यतःग्रीयः श्वेः द्रः दर्दे त्यः त्यायाः वयाः नरे.नर.न्वलायर मेर्नायत्र नत्रयान्त्र नरा। व्यवः हवः यर्षः स्वार्यतः नत्रयः निष्यान्ता केयवा उत्राम्भी में तामिता प्रतास निष्या पायव्यापराचवनावात्रात्वार्म् दावेवार्म् वेष्ट्राष्ट्रीत्यायाः मञ्जीद्राय्याः मञ्जीद्राय्याः मञ्जीद्रायः विवास स् । बड़ेश्रामादी वर्ष्याचेशान्ताक्षा वरान्ता वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा इ्थ.रट.विब.श्रट.चतु.लूब.२ब.व्रीच.नपु.चथवाने ब.क्यथ.लू । न्यीश्रय.त.व्री ट्र्य. चै.च.चर्थे.बोडुबो.बी.सूबे.स्वाथ.श्रीच.चष्र,चथवा.बोध ब.सू | हि.क्षेट्र.चै.च.सू | र्टः दर्वेषः चरः श्रुवः धः है। रटः चलवः मृह् दः वः मृद्यः मृद्यः मृद्यः मृद्यः मृद्यः दर्मेर् धः दिः

र्-वः गृहें गृषः यः इत्रवः हृतः प्रत्रः प्रतः हृतः प्रतः मलयः गृह वः ग्रीः श्चेवः यः धिवः या ঽ৾৾ঀৼয়য়৾৽ঽৼ৾৾৽য়ঀ৾৽য়৾ৼ৽য়ৢ৾৽ঀয়য়৽ঀঢ়৾৾ঀ৽য়৻ঀড়ৼ৽য়৾ঀৼয়য়৾ড়ৼঢ়৽য়ৢয়ড়ড়ৢ৾ৼ৽ড়৾ঀ৽৽৽ नथः ने.च हे व.नर. श्रेण.वय. चयवा चे व.म्र. व. इयय. ग्रेट. श्रूवं नदे. स्य. देय. ब्रुंट.च.र्ट.। प्रथम.बोध ब.र्बबाय.च.पश्चेर.म.बेय.वयर.रेय.रेय.थे.युव्यय.इ.बेठ्ब. ₹. मति हिरारे तहे दाया है दुषा हु र्र्या मित्र पर्दे पर्दे दाया के महिरामा ता वन् र मित्र है। 욧. क्षेत्रःबाः चेषाःवः पञ्चितः चः रहः तयायः पदेः वेषाः पषः क्वुवः रुः मेषाः पत्रः त श्वरः पः रहः। ৴ঀয়৽ঀ৾৾ঀড়৾৾৽ঀৣ৾ৼ৽য়য়য়৽য়য়৽য়ৣ৽ঢ়ৼৼ৾৽৻ৼৢ৾য়৾য়ৢ৽য়ৢ৽য়৻য়৻ঀৼৢঀ৾৽ঀয়ৢঀ**৽৽৽** चुःताःश्चॅनःसरः क्रेताः मैदः हुः नगदः नरः त चुरःता। देः हुरः चुतः दः देः क्रें तर्नरः स्मरः त्रे **सतः** न्वतः री.चल्राटः प्र.प. में.प्यं.पथार् में.प.पथायायायः स्वयः व्यवः क्रि.क्रे.वरः ल्रा न्यम् प्रचर मेवा लुवा स त्या महारवास सुरा सुवा वेषा वेषा वर्षा पर्रे पार्र पर्रे पर्रे प्रस् यस नसवा गृह व श्री सर क्षेत्र ह् ग्रासर श्रापदे क्षेर र । विरे मेत्र ह ग्रासर है न्वता ग्री स्निवता शुः तकर् । धरा तशुर । वता तर्र र साञ्च ता त्री ।

चेक्यर में त्रे क्या के क्या

इययःग्रे.चेयःरचःग्रे.स्.च.खेरं.लच्यःतरःद्रगःतरःचेत्। वियःगश्चरयःस्। दिःषःवहणः यते नेयार न दे या अर्चन यते में हानी धेदा या बुग्या या दे या वें न द्या धेदा दें। वियारमामञ्जीन् स्वरं विवास्त्राम् वर्षामञ्जीन् स्वरं नेत्रान् विवादा विवास विवास यर्चर.मु.अनय.वय.५कर.तर.५ बैर.नय.५५र.ध.मू.प.केम.य.४८८.वर.नर्र.नर्र. चुद्री । ब्र्चा यर यद स्वर्षेद क्रूंद राजा *ঀ৾৾ঀ৽ৼয়ৢ৽য়৾ঀ৽ড়ঀ৽ঢ়ঀ৽য়য়য়৽ঽঀ৽য়ৢ৽ৼ৽য়*৽ लव.त.वी अमूब.च.धी.श्रीच.ग्रीया अचूट.र्ट.श.श्रच्ट.ग्रव.४ व.५८। ग्रीव.ग्री.इ.च. नेल.रच.लुद्र। १रे.क्षेर.बहुल.बा.चक्षेच.तप्त.हुर। १नेल.रच.लूर्थ.शु.ब्राच्टर.चर.छ॥ ळ्य. रूब. पर्टूर. रट. बर. य. छ । विद्युट. न्वया. छेव. च्य. रूना. य. छेव। वि. क्षेत्र. र्ट. च्य. चीय.त.लथ। चिय.रच.लेब.क्षेत्र.चश्चर.चर.वी बिय.थ्रा चिय.रच.हीद्र.थ्रचय.५६५. श्रम् न्दर् त्र द्रा द्रिन् त्याया मद्राक्कः मेयात्र वर्षे ने के श्रेण के न श्रुन के न ति श्रेन ति श्रेन ति । नियेन ति स्थित बेर्-य। हि:बेर्-बेन ब:बेल-यर-स्व-य-बेन्-यहेव। हिल-लं । विव-हव-नह्न-त.र मूथ.ईत.ड्री र्वर व। मुबेर पञ्चर रा तथा पञ्च पर्वर मुन् व विर पर र र त्रव्यायाः तः देवः द्यः क्रे. खेड्ड द्वे. तः तः स्वायः पदिः त्र्यतः ह्याः वः स्वायः ग्राटः क्रेयः मेवः हुः । लूर.५इग.स.मधुब.21 ब्रुव.स.वयःचयन्यम् व.ग्री.स्ट.स्ट.स्ट.म्यूर.ग्री.ग्रुव.स्ट. द्रेग्यायायान्द्राधीत्रेग्यायाम् इयायम् वद्वेत् दुयायदे मेयाम्याग्रीत्यः नृद्यत्येयादः मेदः धर हेर् धरे हैर है। श्रुची.पं.सूचीय.तपु.र्चट्र.त्र.पंदु.लीयायाण्ट्री.मुयातयाःश्लेब्र

बॅद-बॅर्-बॅर-डे-दश-दहन-बॅन-डे-द-प्र-द्रद्र| *|रे.लर.र्घल.कंब.र्घव.च्य|* श्चेदः तः राज्यायः पर्वः पर्वारः द्वययः पर्दः र्वाःदी । विवः रवः याव्यः पर्वः स्वाः परः यद्यः स्वः दशुरा । म्*र्वर*.ग्री.ग्रुद.प≅र.झ्य.त.झ्.क्च्म्याराया **्रिक**:ळेक:५झ:५ऑंन्:ऍन्:ग्रेज: नवलानामिव । व्यास्ति द्वाला ने निवास व निवास निव चर-कुर्। ।र्चर-च्-रर-स्-अल-कु-कु-चन-ल| ।श्रह्य-म्बद-क्रर्-कुर्य-म्बय-चर-पञ्चनः पानविद्या विद्याली । देः पविदानुः न् न् रं मात्रा ग्रीः न् पदः सं मावदः स्थयः यदरः वेषारचा केरा वर्षे चार्या केषारचा ग्री अर्वे वार्षेरा वाङ्चे वाया रूपा रूपा वाष्ट्र वा *ॱ*इबलॱग्रैल ले×ॱञ्चॱलॱबॅनल प्रेन् श्रुंद ॱ८८ॱलेद ॱ५ द ॱवेनल प्र-४२ नेत दल देंद श्रॅंटल च८ <mark>ः</mark> यान्दा व्यवन्त्रवादि विवयायायावरायाच्यात्राहे। न्नायाव्यावराया र्घते : इस पः प्यतः । । द्वतः यः न ववः त्यः ह्वा प्रवेषः नेषः र पा नहे । । देः प्रेः सर्वे वः स्वः प्रवे हर्में वे. चेया तथा । देवे. सूर्या चर्रात्ये. क्षेया या स्वाप्या परा त चुरा । विद्यार्था &্ব-প্রথা-৴ন্যাস্থ্র-বার্ম-পা-বির্বাস্ত্র-স্থর-স্ত্রী-র্ছন-রা-প্রান্তর-বা-র্ল-না-রুণ-৴না-ॿॖॖॖॖॖॖॖय़ॱय़ॱॺॕॻॺॱय़ढ़ॱॾॺॱॾॕॻॱॻऀॺॱॿ॓ॱढ़ॹॗॸॱॻॱॿ॓ऻॱऻऄॺॱॸॻॹॖऀॺॱॸ॓ऻॕॎॿॱऄॖॸ॔ॱॺॸॕॿॱॸॗ**ॱ** ह्येर-द्वि: श्रुर-ध-वर्षर-पदे: नेय-रच-ग्रीय-इत्य-विवय-ग्वि: श्रुरः धः त्यद्यः ध्येदः त्य। ₹**॔**वॱतुॱॻॹॗॻॺॱॻॺॱढ़ॖ॔ॺॱॺॖॆॖॺॺॱॾॺॱॻॸॱॸॗॏॸॱॻॱॸॗॸॱ। ऄॱॻॾॕॸॖॱय़ॱॸॣॸॱॻॾॕॸॖॱ तपु∙श्चेंद्र.ल्रद्र.पुरा-र पःग्रीयः¥्वयः दयःश्वेषयः पत्तियः पत्यः ल्र्वाः श्चेषः प्रतः श्वेषः प्रीयः स्थाः ग्रीयः **ग** चेथारचा ग्रीया निराता पश्चरात ग्रीया श्वराधित मिली खेनाया परा नेया श्चेत्र्याः प्रम्। *दल-दे-*ल-न्हें द-पल-लब्ध-कु-क्रॅ--क्रे-प-न्द-। दे-क्रि-द-क्रे--क्रु-ह्दद-ल-न्दल-पदे-पलन <u> नह द ग्रे : २ नद : यह न दे : ३ नद : ५३ नद : ५३ नद : ५३ द : ५४ </u> यतः श्चेत्रः र्वे गृतः सः यं रतः तुः नृषा यतः चेतः यः दैः नेतः ततः तः त्यः त्या । यतः ने। नेय.रन.

श्चनः नवायः इतः स्वः श्वः श्वः र व । श्वः र स्वः त्रवायः र द्याः स्वः स्वः स्वः श्वः श्वः श्वः श्वः श्वः श्वः श विदःकुरःइयायरावीः हिंगायर। विर्वे तया द्यतावरावरात शुरावादे त्यावेद। विवादरा रट. मे र् व. प्. है वर्षा विवयः वे ज्ञान व। जि. हे व जीर परि च हे व र दे हें जुर व हिरा वि ने क्या पहिना हे का वा त्या निर्देश के या । शिन् पित में का नुष्ठी श्री वा की स्वाप की निर्देश है । विष्य रटां नेवारचास्वायास्वयायाम्र्राचान् । पर्सन् परिः व्यक्तास्याम् पर्याम् |भेष.धे.धेतायपु.श्रद्धायह्म स्वयाया | त्यताग्री विराधराह्म वरा चझरे.त.चधुर्था ।च्झ्रदे.पंश्चियःबङ्गे.सी.चैयःत.टपःचष्टुः बचरःं चियःरचःग्रूबयः क्रियामञ्जरमा वर्षेत्र क्रेन् त्यापा विषान्ता देत्र द्वे प्रवासम्बद्धनः द्व.त। भ्रिव.प्यवाय.केय.त.क्रव.त्य.स्ववाय.व्यूर.तत्र। विवय.व्यूप.र्मय.पत्र. ह्या.पा. -चक्रेब.त.म् भ्रि.स्.ब.रचथ.म्रर्ट.केर.पर्चीच डिथ.स् विचल.चर.झर.चद्र. लर्वर विते तिर्दर श्रुर श्रुर श्रुर पर स्र श्रुर पर द्वा वर्द् र व्यव श्रुर वर तुर श्रेर वर्ष वर्षे विवारं ना ग्री ह्रां क्षा न्दा स्वाधित ब्रह्मर.चद्य.चेब्रब्य.च.चेब्रब्य.चेब्र्य.चेट्रच्यक्य.केट्र.चर्-चेट्रच्येच्यच्या ठव. ग्री. क्षेच. पर्ज्ञप.पा. श्रुट. च्रि. क्षेट. र्ज्ञप. ट्राच.पा. खुव. द्रट. च. लूट. ग्रीट. श्रुट द्राः स्त्र मुलाक्ष्यान्त्रात्वाः विष्याः बुव-र्-दिव-लट-पर्च-पर्द-ह्व-ल-अर्-डिन-ग्रुट-झे-न्येय-प-दि-मेय-र्-ग्रीय-डेर्-री र्मः हूं नयः बर्ह्रात्यः शुः ह्या-पादैः नेमयः मेयः राजीयः दर्ममः पादैः क्षेत्रः स् । रेः क्षेत्रः यदः। र्यट.सूपु.लोप.इषय.के.इय.पर्यातपूर्वातपूर्वा विष्यंश्चरं कु.क्षेत्रं विट.केय.युव्ययं र्वतः

<u>र्ण । रदः पत्वेवः र्ह्वत्यः वेवः त् शुरः पः वेदः पः यदः । विवः रवः यवः हवः व्वं वः यं व्वं प्यतेः </u> यद्या । नव्दरायायदानुरार्मान्वेनानुस्यायाय। विर्द्रराळन्यायस्यायाद्यास्यास्यास्य त.र्ट. । विषय.ग्रे.र्वेच.पर्व्यायु.पच्रं.श्वेट.र्व्राला । श्वे.र्व.विय.ग्रेवायः व्यवः र्रः। र्वातः अर्र्वन् र्रः स्वः यदः र्वाः विकारः विद्यः र्वः विकारः विद्यः र्वे विकारः विद्यः र्वे विकारः विद्य क्रॅबलः क्रेवः यः नृतः । । व्यवः हवः नै: नृतः नै: नृतः मिवः यदेः व्यवः । विवः र वः क्रेवः यवः चर्णाना पर्या इसा पर सहस्य विषय स्वा विषय लवा ऋथानेन्वर्त्राचराश्चेत्रावर्त्ता ।गुन्ह्नान्तावर् <u> 계원</u>도점. 다. 용지 लकात्वतातुःकार्वरात्वतुराचातारेकायाः मृतेरावनायाः वकाक्षेत्रावदेः गुवाह्तात्राः धरः । क्षे.प चेल.धुर.ईश.धी. संवेष.ता विषय.त.क्र्य.भुव.धै.प बेल.चयर. भुय.रच.क्य.त.क्र त्रम्यःबेदः सञ्चुदः सः नृदः। अदः ने 'वेदः तः नृदः दे चमानाः सः या । विदः चर्मातः त्यान्यः महिन्द्रत्य । त्यायः द्रवायः यायावायः व । यदः स्वदः द न्यायः चत्रः यः बक्षयःथ्र। । वृषः नशिष्यः सः स्ता व्याः सः मृषः द्वाः न्दः स्तावः नश्चेयः या वृषः सः चमाना की.पर्ना सारा हु. स्र्रापा र् म्याया नारा चना नी वा त्वायः यदः व्यविष्यः यः यः क्षेत्रः वायः वद**ः वेषः** रवः ग्रीषः चेदः यः धेवः द्वा ।

 मः भवे द्रा विद्रान्य स्वाप्त व विषय प्रतानिय प् ara इ. केबार चालको । देरव द्वे सुक् खुबाळे गवा त हुटा है : बळ रा ग्री । । परे रा ग्रे गवा क्रॅचयाचर्ञःक्रॅचयाग्रीःस्याच्चिरःच। । यक्षंरयायेरायक्र्याःमुगःमुःचःचःवययाञ्चरःर्रः। । यद् न्दःळगराःग्वदः यात्रवाद्यवाद्यवाद्यः। |देःदद्देःभेवारमाक्कुःवादहेदःहरःवहुरः॥ **८६े ग**ॱहे वॱ८ गॱवॱॺॗॖॱॾ॔॔॔॔॔॓ज़ॸे रॱॺळॅ गॱ८८ॱ। | गर्ड् गॱ॔॔॔॔॔गॱ॔॔॔वाॐगॱढ़॔॔॔॔॔॔ॱॾ॓ॱऄॢ॔॔॔ॱॲ॔॔॔॔ॱय़ॱ॔॔॔॔॔॔। ळ्ट्या थी.भ्रुचा चेर् भ्रुं र्टः इंग्यायाया यात्र्याया । इस्या पर्गेर् क्र्या थी. ख्रिराधरा वार्र्र र्टा । इया ग्राया इया यर इया वर क्षेर्णा रूटा | विह्ना हे वा ववा यते ह्या या ने न्दा ने वा मुलास्त्रायम् अव स्वाधित स्वाधित स्वाधित । वि निष्या स्वयः रुन् भेवः र पः समुः वयः द्वितः॥ विषास्। विषारमा सेरा प्रते हेषा न्ये गुरा त्या विषारमा सेरा सम्बद्धी व संगया इसया ब्रेग्-र्ट-च्यान-क्ष्र-त्युर-प-दी। सुर्-प-यवा र्सुव-वॅट-र्वेग्व-तु-बेर्-प-चे-व प्रमृत्वमः इस्यत्। । त्यसः धरः भेरः भेरः ग्रॅरः हिरः तहमः धरः मः तः तः त्युरः । भेराः रवः सेरः दः वेयःस्। दितः धेरः हेवः संगयः इययः दगः धरः शेर शुरः वेदः धरः द्गः धरेः सुः वः धरः शेर केर्रो भेषारयाबेर् दायायासुर्देव महेराया । ब्रिवायायर्म हेर् इस्यायर र्ग ब्र.पश्चरा । नाववः द्व.पहटः पः ब्रेवः पदः ब्रह्मनः छेषः नाश्चरणः । क्ष्मः वः द्वरः श्वेषः द्वः कुःक्चैरःचःलय। |बेलःर्टः। भेलःरचःक्षरःचलःक्षेत्रःचःवःचललःत्। |ह्लःविव्यलःर्वाः र्ट. इब.तर. र्.ज्ञ.पश्चर। विषाक्रर. वेष.रच. श्र्र. तथा क्षेप्ता विषयः रच विषायदे भ्रुंद:ग्रीय:ब्रंद:श्रद्य:क्र्यं:चरुय:वश्रुदा विय:र्टः। नेय:रच:श्र्यं:पद:श्रुंद:ग्रीय: शुत्रथा पर्षू वेषा वे । पत्र्राचित्रक्षेत् र् गते हैं या तकर हिरा । यं वा व व वे वेर सते मुला या ग्राम्य पर पहिंदा । वेदा रूरा।

यावयासाझययातासुतातु प्रस्वाता श्रुरा | देःलयासा बेदा सामावदा सेरामा **८**६ॅ८.तपु.के.क्रेय.क्रेय.क्रेय.क्रेय.वपुत्र त्तात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्र त्यात्त्र त्यात्त त्र्या । वेषःर्मः। वेषःरमःद्वंषःषःपःम्द्रंदःश्चेरःश्चंःतकमःव। ।नेःश्वेःषुःमःष्वम्षः।न्वः ब्र.प.ब्र.प. । वृद्य.स्र। । दे.प.मु.प.प.ग्रामुत्र.प.दी। व्यदः हदः ब्रेट्-पदेः मुत्यः द्वः त्याग्रामुत्रः पः लब डिन खर व्यव वरा वरा पर्ने । दि देर ब नि हि सुन स्वर पद सुब धर दे नेव रमःकुः सर् क्रियः स्परः परः तुः श्रेः स्पाः या देः व्याः परः मः स्पाः पराः मेवारमः महिन् यातातुषायान्दा सञ्चिष्ठायन् भ्रीयात्वन् न्वाषान् । वे साद्द् केता वरा वरा मुराविदा चयादा विषय उर् चययात शुर बेहार वयात वया विषा विषा पृता दे प्राप्त रहा म् अवि.स्थयः ग्रीयः मरिमयः है। १५.५२५.मुयः २०.६७.५०.५ व्हतः परः वि। १९४१ स्। १ इर्यायपुरक्षित्रा मुन्यार्थर्थात्रहेष्यार्थर्थः र्रा हेषाय्यार्थर्वा विद्रास्त्रा खियावया यानया मानके वामाया यान्या निवास मान्या हो। यो साम्राम्या महिवास वाम्या महिवास 「「「」」」は多く、多、という、「ない」という。 「はっては、め、もれ、なまり、いまれ、 बेर्-र्टः। । विषा पर्दे र कुल क्रें व पर्य र् व पर्दे र्टः। । र्वत लेबल पर्वा लेवः नयः विदः नदः श्रुयः । वाययः नदः श्रुः नं नदे वः नरः वः न् नः न् । व्यवः नदः इयः ह गः १ न के ते. देवा चित्रे स्वा कि. श्वेचा क्रु. द्रश्र.च.श्रेष.चग्रेय.घे। विवायचानश्चितःश्चियः व्रवायः चर्षाः चरायः । विवायश्चिताः चः क्षेत्र। व्यापनायाः प्रकेषः वन्नावन्याः नृतः पष्टुषः प्रते द्वेन्यः यो स्वापनः यो स्वापनः वि

इयामा वाया श्रुद्राना नृदा नवायायाया वाया श्रुद्रा नवी मेया रचा थी हो व्या है हो विषा · इंबरपं बे ने तर्पते : क्षेत्र : न्रा विकाय : कुरा व क्षेत्र प्राचित : क्षेत्र प्राचित : क्षेत्र प्राची : मेथ.रच.श्रे.जा रे.पथ. पश्चेषथ. वैर. मृ. मेश.र य. भट्य. य. प वैर. यदे. बैर. रू। **ब्या प्राथम् स्वर्धित स्वर्येष्ठ स्वर्येष्य स्वर्येष्य स्वर्येष्ठ स्** 13. बेर् रेषाम् के विवा प्रवासर है। रि प्रवासिक त्या महिला विवासका प्रविदा चश्चर्याः प्रयाः मेराः प्रचाराः प्रचितः । विषाः स्रा विश्वः स्राचितः चित्रः । विष्यः स्राच्याः विष्यः । विष्यः न्शुब्रःइब्रःपरःहॅन्।पः न्न १रे.दे.मेलःइदेःश्चेतःपरः ५र्र् । १तरःश्चः तः स्वायः इब्रः हॅ गः गरः। १रे-दे-हॅद-सर्वाञ्चेनःधरः ५र्द्र। १नेवःरमः त्यवः मलदः ५रे-८मःदी। इंट.बु.नवर.अर.रे.ल.बुर। भियारच.यक्र्या.लय.रे.चवि.द्री वियास.रे.बुर.व्यास. 정策리 | 용성·비입도성·설| |다칡다·다 등성·여성·입도·| 다 크 수·급· 본성·다·다 주석·다 자 그 등 | रे.चया.चयाया.थी.चवयात्तर.वी विष्यात्रयात्रःचवया.पा.च्झ्च.वी.वीटा विषा.चीयीट्या ला नैते र्रात्ते त्रात्त्र गुर्मा के पर्वे र्राया दे क्रिंग् पान्य क्रिंग के त्राया विकास क्रिंग क्र ग्रु.चनल.र्ट्स.ब्र्च.ब्र्स्टल.त.≆ब्र.तर.ब्र्ड्स्ट.चद्र.चनल.ग्र<u>ी</u>ट.ब्र.क्रेक्स.धे । रे.चथ.व.भू.च. ब्रेन्-धरः इंबायः वर्षाः वरः छ। बेबान्दः। ब्रेन्-ब्रेन्-ब्रेन्-ब्रेन्-ब्रेन्-ब्रायः वर्षाः वर्षः वर् क्र-द्रग्यात्राग्नी.स्याय-द्रान्द्रवाद्य-देवाय-प्रमुक्ष-द्रम्याः विकार-पर्याः स्व व.ब्रेब.ब्रट्य.त.च.थे.खु.चर.पश्चर.र्. |ब्रेब.ब्रट्य.त.घ.ब्रट्य.प.चर्थर.ग्रीय.ग्रीचयाथ. केन्द्रा विकामधन्यस्य

रे.सेर.व.क्र्याक्ष्याचलेव.रे.श्चेत.तर्द्राच. इ.जा.जा.पालका.ग्री.संबाता.स्वाता.स्वाता.संबाता.स

नक्षेत्र महत्याया यह दुर्वे तारा नृष्याया । विषासर नृष्याया महान्याया महत्या है <u>२ ब्रुजःतर पर्याः क्षेत्रः श्रे. प्रीयः तर्याः पर्यः व्रुप्तरः व्रुप्तः व्रुप्तः व्रुप्तः व्रुप्तः व्रुप्तः व</u> ॻॖऀॱॸॣॷॸॱॱॷॕॺॱॸॣॿॣ॔ॴॸॱॴड़ॴग़ॹॱॷ॓ॸ॔ॷॸॱ। ॹॖॱॸ॔ॿॣ॔ॴॸॸॱॸ॔॔॔॔ॿ॓॓ऄॹॴॶॿऀॺ॓ड़ॖ **५५.२.५.१५७.५७६५.४८.४५। |**इत्य.५५४५.४४५.४४ ₹अ.त.घथथ.२८.अष्टिय.तपु.थ८थ.मेथ.मेव.त.त। स.धे.वर्ष्ट्र.विज.२वाराजाची.च.थ. चियात्ररायना समिया द्वारा विवा क्षेत्राया द्वा भेराया द्वा चिता समामा विवा समिता विवा नश्चरा सि.क्टर.च.चगत.त्र्रात्वाचे.च.म्यावाचना म्राम्यचना वेराह्याचाचा *लु*ब. तथ.के.च.श.वैस. लस. पर्ट. ग्रीब. ज.बे. चर्च्च थ. वैदे. जनवा <u> चेर.कं.ह.केर.वेर.रंब.बंबर.क्षर। ब्रैब.र्ह्प.बं.चय.त्र.के.च.क्रैज.वंर.वेय.तप्र.रेय.</u> ब्रिन् श्रीन् रहेल त्यव नश्रुय नश्रिम् नश्रुय व्या रहे न में प्रमेल नव्य ग्रील लाम नाम पर तर्निताता ने वार्ति स्थान् विवास के प्रत्या के का की कि स्थान कर विवास के वार्ति कर विवास के वार्ति के वा क्षे. शु. र मूथ. तथ. थु. पथ. छर.। बु. पर्रिय. म. नथम्य. तथ. थु. मूं. पर्रे। क्रेन्य. ग्री. पर्र्य. लक्ष.पदी.पश्चिम अर.स्थ.वी.जी.पश्चरका विक्र.का. विक्र.च क्च*षाःचरः ५. भ्राॅच*.चे केरःषाक्षरःचा अर्*ाषरवा* क्चे*षाच*्षराचा श्रीदा। ፟፟፟፟ቖፙ^៲ቜ፞፞ጟ[੶]ቒ[੶]ቑ፞ፙጜ፞ጚቑ፝ፙቜፙቒ[፞]፞ጜ፞፞፞፞ጜ^෦ቜ፞ጚኇፙፙቒፙፙቒ፝ጏኯዼጚ፟፟ጜ፞ጟጕቜ፟ፙ **इर**'म'त्र्युर'वे। दद'तुर'इश'द'नेश'के'र'नेंग'वेर'वेद'के। **ळॅल'वव'हुर**'छेर'व' मेल. रे मूल. हे. कु. बीट. पर्ट. ज. ब्रा. इंबल. तथ. रंज. पंत. वी. व्यट. मी. ब्रा. पवि बेब. तर. वीय. ज. ज. <u> इ्याता बैंदा धारकरा थे. वे. क्षेत्रा थे. तथवा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा</u> श्रुया है। तकराया मालकेना हु त में प्रते हेवा है। श्रुवाया मामावाया विकास विका क्याह्माक्रव, त्रुप्त प्राप्त प्रम् विक्रा क्ष्र प्राप्त क्ष्र प्राप्त क्ष्र प्रम् विक्र प्राप्त क्ष्र क्

नक्षेत्र.त.ज.जेट.मी.चक्षेत्र.त.र्टः। श्चितःतप्तः नक्षेत्र.त. मोधेत्वःत्वतः व्येत्रः बु.श्चित्ताः कुर् जियावा मेवात्तरः कुर्ताता ध्वेतः विरः। कु.बा.बु.मेवा ववात्वया त्यात्वाता नः धेवः चलः ह्युनः सः वः क्रूनः चः लेगः छे रः वः रे छे रः नः हु वः वः वे ः व्रे ः व्रक्षः धेवः धेवः धेवः । धेवः श्चितः तप्ते व तप्ते व त्यः व दूरः चरः यह व त्यः खेटः वी त व व व व ताः वा दूरः चरः वी पः वा देर्-श्चित-र्म्यानयानहर्-रु-मल्मा-रु-श्च-उर-ला रूट-स्-वयाश्च-मेयावान्यानरः ब्र.वे.चर.प्रॅ.टंट.चक्षेब.तपु.घ्याच.कु.केट.बट.पट.पवर.ट्र.ज.पवरी **子.四七.**夏松.红. ^{ऴ्ळ}चंत्रःश्चितःसःऴ्चलःभेगःषःग्चेतःसःश्चरःग्ची न्रात्यः श्रुपः यदेशः ने देशः ने देशः ॅ्ट्रक.चथत्र.चे.८चूथ.तथ.व्रुब्यथ.≾.च×.त्र.श्वर.चद्र.जत्र.व्री.क.ल्ट्य.थी.र्ज्ञ्चेथ.तप्र.चेट.... श्रेयतः तथः नृतः वर्तः वर्तः वर्ते वर् यवि.क्टर.च.रु.द्वाता.ब्र्या.शु.चिष् व्युत्र.व्यवि.क्ट.चत्या रट.त्र.क्टर.लट.ब्र्याया.तथ. **के** पर स्ट प्रति के। 四য়৾য়ৢ৽ঽয়৽য়৽ঽ৽ঀৢ৾ৼ৽য়ৢয়৽য়ৢ৽য়ঢ়ঢ়৻য়য়৽য়য়ৢয়৻য়য়৽ঢ়ৼ न्मॅट्ल'त्जेल'र्ने:श्रेन्'वयल'ठन्'न्ट्'त्वेल'**द्यात्यं'न्य**'चुर'र्नु'व्याय'वदल'श्रे''''' न्मंलाला निते छिन मन्यलाया अर्देन पते का करा विमाधिन ना अर्देन पहुला गुर यर्द्र-इनल,र्ट्र इन्पर मूर्टर्या नु लया नु र नन स्थल ठर्ड दर्टराया मग्राताक्षत्रामा अवतः द्वारात्वा विचायः द्वीता द्वीता पत्रा दे तदः दिवा या हे दः पत्रः हुः ॶॺॴऒढ़ॱॻॖऀॱॺॖॕॖॿऻॴॱड़॓ॱढ़ॺॱॴॻॕॖ॔ॸ॔ॱॻॱढ़ॖ॓ॸ॔ॱॻऄऻ ॸॾॣढ़ॱय़ढ़॓ॱॶॴ<u>ज़</u>ॸ॔ॴॹॱॾॕॿऻॴ मदी लु बारा तो व न व न तारे राम हे न वी शेन परा न वा मदी प्रेश न मे राम में वारा राम हे दा मियाः चिर्याः सद्यः क्ष्यः मित्रयाः न् न्याः मित्राः मित्रयाः मित्रयाः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्याः स्य ह्य प्रतिर पठर रे र् बैगल इय पश्चर। क्षेर्र श्चा या या वर्षे या पर्वा हु पह पर्वा अवायाः नायानाः न्रः श्रेनः यः श्रुरः नतेः श्रें नुः यः वयः यहनाः यतेः श्रुः कः करः रेः ताय नन् व। ने वया में त्या विन्ता में त्या में ता वया मे ता वया में ता वया मे ता वया में ता व्या मे ता व्या में ता व्या में ता व्या में ता व्या में त्या में त्या मे \angle a. \triangle a. चुलाता यदः न्दः यदः नुः लेखला यदः चेन् तदः तः वदः चेन् हिन् पदः चेन् न्वेता चहेन्-तु-चरुन्-वतातेवतात्वेवत्त्वराचाने-वार्त्तेवात्तान्त्रेन्-व्याव्याव्यावेत्। क्षेत्राक्रेव-र्याताः नुःक्रतः नेतायः हेः क्रेन्यत् में पार्विषाः न्षेता ने देन्द्रा पत्रवायः पतानेता नेतायह वादानेता क्षे.र् वेदे.पथन्नः विषयः २२.६ व.त. तूर. त्यः श्रेर.वे. तूर. वृषः वृषः वृषः वृषः वृषः वृषः व्या ळ्या.चया.चे.केर.जा.चेश्वरया.चेज्ञा.चयु. पत्रेया.चेषेय.लट.चे.केर.श्रुप्राचेप्रया.चया. বা विति वित्यात्राक्षीत्र विवादिता। दे अदः व दर्भाषे विवादे व्यक्ति विवादि । ॱड़ॱॸ**ढ़ॱॺॱ**ॺॱॸ*ढ़ज़ॱढ़*ॱड़ॱॾ॔। क़ॕ॔॔ॸय़ढ़॓ॱॺॱॺॱॸ*ढ़ज़ॱढ़*ॱक़ॕॸड़॔। **ढ़ॱॹ**ॱॸढ़ढ़ॸ॔ॖॸऀॱॿ॓ॸॱ यः पदेवः श्रुवः वयः गरः विदः सरः तशेः गुरुदः हैं। ।

न्तु व्यासाने वार्या कुरार्या कुर्ति देवार्या में वार्या स्तर्भा निवार मान्या मान्या

इंच-इंगल-म-रूटा। व्यवशास्त्र श्री-द्रव-द्य-पाईगल-मदे-वेल-रच-द्य। **ा**र्रः यः वै। नन्ना बेन् पते ने क्विं ने केन् में निष्ट्वे के क्विं क्विं निष्ट्य पत्ता न्य वर्षे क्विं क्विं निष्ट्य क्विं क्वि पहणान्त्र । मोनेयास्त्री देमासदाम्बन्धास्यास्याम्यासदानेयात्राक्षे। सर्दाक्षेत मुव्रायत। देना पदे नव्यास न्ना त्या सहवा त्या स्वाप्त सहना नियम् वास्त्र मित्र गुर्म् वयरा रूर् यद्वेष केर् थे त् शुर्म है। दि द्वेष प्रत्य व म्वव र्म वद म्व वर्ष स्वा प्रत्य प्रत्य प्रत्य र्टा । वर्ग केर गुव नेव छ छैर रे ल रे व ईव म । विव गुष्ट्य स हर। दाःताःबार्व्यवाःइवावाःचरःम्बर्नःधिःधिरःश्चःन्दःमृहवःक्षेम्वारिनाःवःन्दः। ধ্র্বাথানা इयवायायवान् न्यवायवे क्षेत्राव अन्तः न्यायाया न्या न्याया न्या वित्राया न्याया वित्राया न्याया वित्राया न्याया चु. नते. ब्रेर. दर. रेग. प. ५ इंग. न. दे. २ मॅ व. प. चु. च ग. प. व्येद. व र रे. च वर्ष. ठर्. गुर. वर्ष मुलःइचःपतेः क्षेत्रः तुः तळेलः चः दे चिः च्याः येत्। यात्रुयः यः दे। वेयलः रुदः इयलः ग्रीः तर्-रूट धुः बदे:र्द्राण व :ब व :व :ब्रिन :ब्रुन :पदे :हंव मेरा पदे | भून :पदे :हे: नेयारचार्ने महित्राच क्षेत्राचि हे के त्याचा हुना स्वान्ति । स्वान्ति हित्रा ঀৢৼ৾৾ৼঢ়ৢ৾৽ঢ়৾৽ঀ৾৾ঀ इमान्द्रत्येयाचराचेद्रामाके। रदादेःयाम्बन्याम्बन्धेयार्यायाम्द्रम्यावे वेयारचा ग्री ही वारा लवा ता नविष्ट हरा चन्ना चारा चलेवा वी विष्टा दे द्वा निष्टा चारी वार्षा चारी वार्षा चारी व कूर.त.बुर.बह्रव.री.बीर.तपुर.चेय.रच.लूर.बीर.बीर.बीर.बुर.कुच.बी.बुरा त्रेयताची:ब्रुंन् पर श्रेप्त शुर्र पत्र हुंन् पत्र हेन् त्रेयता पश्चेन् हे त्रेयता पुरे য়য়ঽ৽য়ৢঀৣ৽য়ৼ৽য়ৣ৽য়ৼ৽য়ৢঀ৽য়য়য়৽য়ৼ৽য়ৣঀ৽য়ৢঀ৽য়ৢঀ৽য়ঀ৽য়ৣৼ৽ঢ়৽৴ৼ৽ वेथा.ग्री.क्र्यंथा.क्रुवे.त्र.ब्र्टा.वे.क्रुटे.ताह्म्येथा.तर.ग्रीटी.तपु.च्यथा.वेथा.र तःयशिषाःश्रीटे.ता.पा. र्'हु'व्यात्वर्'डेर'व्यापत्रस्यार्म्याह्र। रे'हुर'यान्त्रयान्त्र्वान्नुदे'म्डे'र्'र्र प वीषावया वेथा क्षेटा वीया पहूं अथा पार्टा इ.र प्या वीवव विषय अरा विषय प्राची

क्रे.पर्दर:मेष:रगः **र्चेत.पथ.वैर.श्रथश.ग्री.पश्चित.वे.**¥षथ.ज.श्चेय.तर.श्च.**थेय.**जो क्रेन्-पर्दे विवयः इत्रयः यः दवन् वः दिनः यः वश्चवयः पर्दः सुनः वः विवयः विनः। हः नावनः री.लट.जब.घ चर.बुब.खेब.त.जब.बेबीटब.त.केर.केब.रघ.ग्री.ल४.क्वेब.घर्.खेब.थे........ **ॅ्र प्रतः यतः क्वेतः क्षतः पदेः** क्वेतः स्राचितः यदेः स्राचः प्रवेतः ग्रेतः यदः स्राचः प्रतः स्राचः प्रतः स्राचः ૡ**ૻ**૽ૹૢ૽ૺૡૺ.ឨૺૡૺ.ઌઌ.ઌૹ.ૡૺዾૡૺ.ઌૡ૽ૹૹઌઌૢૡ૽૱ૢ૽ૺ.ૢૢૢૢૹ૽૽ૡ૽૽ૹ૾ૺૺૺૺ૾૽૽૽૱૽૽૱ विषयः शुः येवः यदिः देवः यः वृतः श्रूरः नवः नैः नृष्वे वृः वृत्वयः येवः ग्रुः गवनः नश्रुयः यः नृरः हेवः मेला क्रेन्-पति वनवा दुरा वन् निम्पा धेवा है। हे हिम्मा न्राहे केर्पा वा विषय पति मेळ.रच.ग्री.स्.स.केब.अइट.ह.केर.वेषव.थे.घट.चव.रुव.त.रंटा चळव.बे वे.ग्री.स. इ.७. वे वे थ. थे अथ. थे. जुब. तपु. रु थ.त. वे थे. पु. रू अथ. वे थ. पु. रू वे के थ. तर् बु.प्रच.चंयाक्षेत्रात्रापजीयः रू । । भेटाक्ष्याश्रेत्रायं तत्वराचाराम् वावायाः वर्षेत्र चिर्-सामयाधिवार् गारे रेदे समराववा हवार <u>इ</u>न'ल'पहेब'दश्र'दर्बर'कु'पर| तर्वासन्दर्भावस्यासन्दर्भः क्षेत्रः चुदः नदेः चुदः कुवः वेषवान्यतः <u> 세</u>입도성.디션 l ≆्यका.ग्री. पर्चेर्-मः में के मः पर्वः लक्षः द्वेषः पर्यः ग्वः पर्दः ग्वः पर्वः व्यकः ठर्'ग्रे'कु'बळळळे देव'र्य'भेद'पण जुयरा नेद'कुं'ग्वर्' स्याञ्च'देवेर्'पण्येद'हे। षः **美त्यः, तुः ध्रेकः यः ठ्र्**षाः यं त्यदे 'द्रषाः वैत्राञ्चा कः क्षेत्रः पः प्यमः द्रषाः प्यतः स्वात्यः पद्यः चुन् **॔**ख़ज़ॱॴॸॱॸ॔ॿऻॱय़ॸॱॳॾॕॸॱय़ॸॱॿॖॆॸ॔ॱय़य़ॖॱॿ॓ॸॱख़ऀॸॱॶॺॴॱॸ॔य़ढ़ॱॾॺॴढ़ऀॱॸ॔ॺऻॸॱय़ॕय़ऀॱॾॕ*ॴ*᠁ **ॏॖ**ॱक़ॖॱळे*द*ॱय़॔ॱॸॣॸॱॸॣ॔ॺऻॸॱय़ॣय़ॱऴॣढ़ग़ऄॖॱॿऀॱॺॼॣॱॶॗढ़ऻढ़ऻढ़ऻढ़ऻढ़ऻढ़ऻ র্থর্থ.হর.রপ্রথ.হ৴ **ऀॻॖॱ**ॱॾख़ज़ॱॸॸॱख़ॖढ़ॱॹॖख़ॱॾॕॺॹॱय़ढ़ॱॹॗॗॱॸऀढ़ॱय़ॕॱक़ॆॱक़ॆढ़ॎॱय़ॕॱॿॗॗढ़ॱय़ॱऀॺढ़ॱढ़ॕऻ रे.रम्.चेल.पस्र.पस्य प्रत्राचित्राची क्षेत्राची क्षेत्राची स्वर्था प्रत्य विश्वराया प्रत्य विश्वर प्रत्य विश्व **えないまからいといみといる。またいは、しょうしょれて、まずないないない。また、ままずいないないないない。** म्बद्दियं में विष्यं

मोहेश.त.मावर.ग्रे.क्वर.श्रेय.तर.ग्रेर.त.पर्दे.च.पष्टे.प्रांता पर्दे.पर्वपुर.स्.म् नसु-नदिते होन् त्या दिन् सुन् ध्याने ता चर्षे र. चर्ष मा स्पर्धः मुह्त स्व **८मूथ.त। थैट.बर.केथ.तर.चर्चर.तूर्। ।रट.तू.दी ब्रैक.त.कु.रूर.ल४.कुक्.ग्रे**थ्य. **য়ৢ**ॱननर्'नःर्टातर्'ल। अव'नरःञ्च'नःवै'गृत्यःचु'लःवरःख्वेवःस्यरःङ्ग्वंपद्।। र्नेषःश्चेरःयःवैःहेःसरः नम्नवःयवेः नेषःदेः सम्ययःयः गृतुःयः चुःश्चेरः तः तहः गःयवसः यदः र्गः धरः तेषः तुः तह गः धर्व। । द्वायश्चरायः वैः ग्ववः स्वयः द्वाग्रायः श्चरः वः देः तः देः तः देः अट्-ज्वलावलाने न्ट्-अव्वल्पना क्षेत्राचा क्षेत्र व्यक्ति क्षेत्र क हॅं व[.]लेव.पहन.८८। । नर्ना.वेर.हं य.थे.पहना.इयय.ग्रेय। ।क्वेब.तर.क्वे.रट.ट्रंब. न्द्रःमःम्बेरःदेवःमेःद्रा तिवरः न्वेःमःसःश्चरःमदेःश्चेरःश्वरःसःतःदेःईवाःसरःदेः न्वदःः र्म्याया रे.लट. बट. ब्रेट. में ब्रेडिय. त. ब्रेयायायाय वर दर्मायायाया हेया ही. केर.रेबाच.चेथ.जत्र.जा.चेंद्र.च.ज.च्चा.वर.रेथ.ह.केर.वे.क्ष.चेथ.रेब्य.जो टु.लट.श्रेच. <u>चरःञ्च-चराक्ष्यःचन्न-चराक्षःभिराधःन्दःभ्रेश्वःश्वःचःचःन्तःन्त्रःभ्वःभ्रेषःभ्राध्यः। स्त्रः</u> वह्रब्र.थ.वर्ध्वा.पपु.क्षेत्र.स् । १.केर.भुयाताब्र.स्ब्र.श्चेर.तथार्बुपातापावह्रगः धर-वेर्-ता रे.लट-रट-बुक-अ-व बुनक-क-विक-ता-तहन-व्ना-व्ना-तर्-क्र-चु-र्-व्राक्ष-क्र-ब्र पन्तात्व। हिन्तरः आरः हेवः ने : बे : श्रुपः वः नव्वः तः ने : श्रुपः तः वेतः हेतः श्रुपः श्रु युर-५-५८: मृष्द-ग्रीय-पर्वय-६ मृष-सं-वेष-सं-वेष-चेर-द्याः भ्रीय-मृः धे-वर-या रर-मैयः भ्रुय-य-विनाः धेवः वा नन्नाः चनः न्यः वर्ष्णः चर्तः न्नेः चः नेः वः नेः वः वितः स्टः व्यवः व्यवः यरः चेनः ययात्रात्री तञ्चित्रयात्रात्वा कणात्यायत्रायात्रात्रात्रात्र्याः स्वाप्तात्रात्रात्र्याः स्वाप्तात्रात्रात्र्य

बहुदायान्वीवायवे छेराने। यदायर छेरानवे हववार हो। विहेदायर छेरार्ट त्रज्ञान्तेन:न्द्रः। |ने:पर्वदाहेष:बु:५हृष:चेन्:वेन:प| |पश्चःपदे:न्द्रंष:घं:पर्वद:नेष:चु| *ेवियाः* स्वा | महाव्यायः दी | पश्चः पः प्रवे, पं ःपर्दे यः महित्यः चुः तः छे विमः चुेनः यः धेवः वे वि चुेनः अवःञ्चलादीः मञ्जवः चुतेः क्रवादेः त्याव्यास्य चेतः दे। द्वादेः चेतः चुतः विकासरः चेतः देरः बे ळ्या न्डन् प्रते छेर र। |र्ने क र्श्वेन् प्रता के प्रमुक् पा प्रते क खुप प्रता छेन् रे। |र्ने क बर्द्यदायात्राद्वीत्वादारमः देश्वीत्वार्यमः स्वाद्यार्थमः स्वर्षाद्वीतः स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर ॅबॅर-त्यूर-रहेरा:यं:ब्रे| । गुवेरा:य:धेरा:वे:ब्रेरा:य:धेर| । गुराब:य:धेरा:वे:ब्रुरा:य:हे| <u>|</u> नवे नवः इवः परः श्रुंदः नः दे। |वेवः वं। |नवे नः वे। गृत्यः चः गुवः गुवः युवः य र्रः विवयः व वरः वरः यर्थः कुषः इवयः ग्रैयः वश्वरः वर्षः तर्भाषान्ते वर्षे वरमे वर्षे नहेवा । गुव:कु:रॅव:गुव:दशुन:केर:। । वनव:नबर:धव:पर:रन:हु:नह्मवा। | स्पि: पः की अवः श्चः यः गावेतः यय। यहे गः हे वः ग्रेः हं यः रहः स्वः प्रदेः अवः श्चः की ष्ट्रिः नृत्रेनः बेन् रेन् राम्बेदः मुः अन्मराम् नायाः नन्नः यहाँ वार्षः क्ष्यः नुः निव्यतः यहेः च.ष.श्र्वाथ.स.पह्ना.क्रेच.क्रे.क्ष्य.क्रेय.युत्रय.**२व**.इवय.२वप.चर.केर.सप्र| ।लट.२वी. यते ळेला न ह्रवाया न्या स्वायते क्षेत्र <u>क्षेत्र क्षेत्र त्या प्राया प्राय प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राय</u> न्द्राचार्टा भेषार्या पश्चिरायार्थन्या स्वर्णात्या स्वर्णात्रा स्व रोबल:ठद:य:ळॅल:ब्रॅंद:पद्र| |८८:गूर्यर:५व:५व:०:श्रुंद:बेर:पदे:रोबल:ग्रेज:धदः न्नर्यःभेनः हु लानायाधाः कर्मा खेर् सरः क्रुं नार्रः हु **44.寒ച.4美!4.4!**

त्र दराव्याक्षराष्ट्री विषया में द्रार्की पाय देवा प्रायम् विषया करा वर्षा भू भी विषया करा वर्षा भी भी विषया करा वर्षा भी विषया करा विषया ठत्रःय विदःश्चितःस्वातात्वासुःदिरःस्वाःतुवाताःचेतःसःतादोःश्वरःस्वःसदःसदःसदेवाःः **ঀ**৾য়ৼ৾ঀ৽ঀৼ৽ঀৼ৾৽৻ৠৼ৾ৠৢ৽ঀ৾৾য়৾ঀৢৼৼৢ৽ৼৼ৾৽৽ঢ়ৢ৽ঀ৾য়য়য়ৠৢৢয়৽য়৽ঢ়ৼ৽৻৻য়য়য়ৠ৽৽ ण्ड्याचेर्न्यार्मः। कुर्ञेद्र्याञ्चेतायार्म्याच्यावेरावेषवाव्यवात्रे तार्माव्यवायाया लट.र्म.स्यामुःइयातसम्यायत्ति वर्षेष्यायात्ति द्वेषायात्ता विकासान्दार्यामु नःनम् बेर्-पः इवतःनम् वर् 'यः र्मेर्-पदे ब्रैरः नम्भूयः नःर्ट हे ळेवः वुरः नः इवतः..... नवलानदे क्षेत्र. मु.क्रंबातकर् छेटायने वा नित्र में ने प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्। । द्वा ब्रुॅंर-वै.ब.ब्रेव.त.ब्रेव.तर-क्रेर.त.रटः। श्रेव.त.स्वयःग्रंजानर-क्रेर.त.चेवेथःस्। १रे. लाम्बुयालकाळे वर्नेदे में वावहेवार् पहुनाया दी वादवार्श्वेराह्म वावार्श्वेराया र्ट. श्रीयानते विवयः क्षार्टः यहिष्या विद्या । क्षे श्री विदेश विद त्रवात्त्रवी स्रायाश्चित्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रव बालाचरे चरादेश गुरावरेरा बादेश हैं। विकायरे विकाय दे दे वाद हैं वै। विश्वायात्रश्चरमञ्चरात्रात्रिमाहेवायान्तरात्रिमाहेवायात्र्वायात्रात्रात्रा वह्रव.री.वह्रवात.क्षे वह्य.क्र.वह्र.क्ष.क्षय.क्षय.भेव.पे.बीट्य.त.क्षेट्रका धर-र्मा-पते-कु-र्ट-मु-र्व-त्यव-त्र्व-पत्विच-पत्वे-कुर-र् | र्त्व-श्वेर्-पा-केव-र्गतः नःण तरः तहना है। इद्रान्ने अन्यानवन्यायायान्ने नातहन्तु त्रातहन् न्यायानान्या मृत्याह्मित्रः स्वायाः क्रवादाः क्रवः स्वयः दीः चनाः स्वाः चितः चितः स्वाः व्याः व्यान्यः व्याः व्या र्गःयःर्द्रवःश्चरःयःर्गायःचःर्टः। सःश्चेगवःग्वेःकःचःयःम्बवःम्बवःयःस्ववःवेःचक्ष्रदः मात्री त्यास्टाविटा हुवायस्य नेवायायके मान्याने प्वालाम् वार्षुन्यान्याव निर्वा

पाड़ेन्यत्वान्यः सहन् द्वेतः प्यावव विकाल । व

ब्रेन् त्या हे महेका धर खेद नदः वर्षः वक्षः चक्षः चितः धरे खेरः द्या । हे खेरः धरः खटः खरः का ॳॱ**२ॅ॔ज़ॱऄऀॳ॒ॱॸॱॾऺॴक़ॏॴॳॖॱॸऻऻक़ऻॹॸॴक़ऀॴॗ**ॱॼॣॴऄॖॱॼॣॴॹऄड़ऄॖॳॱॸऻॾऄ॔॔ॱड़ऻऀऻ॔ऻ पर्रापते प्रस्याय इया भी ता दी तो याता रुदा स्वया रुदा स्वया रुदा स्वया स्वया भी ता दी तो याता स्वया स्वया भी ता दी तो याता स्वया वंशुःव। इरःद्धवःत्रेयतः द्यतः इयतःग्रुः द्वो प्रदे कतः इयतःग्रुः यतः दे दे धेदः यरः देवः यर वृद्य । विष्यः स्वा । देवे क्षेत्रः यदितः धरः देः नविष्यः यम् दः योषः धरः विषयः यर्वर्त्र्वाच्यात्रात्वराच्याच्याच्या |रेव्यायायव्याहेवात्वरहेवात्वरहेवात्वर क्ष्यावी ह्र.स.क्ष्यात्रया वराक्ष्याय्ययार्गतुः श्चरातात्री । श्चर्याक्ष्यातार्भयान्चेतात्र्याः <u>ब्रमणा । ब्रथ्यामलमा यद्या पर्षः इतः तर्षु रः ग्रीण। । इत्मणः ग्रीः यद्यः पर्</u>षः पर् । इथ.चश्चर्यत्त.केर। मैज.र्थय.ग्रे.र्र्जात.चर्डिर.चष्ट्र.वैर.थ्रथय.जथ.र्ट..त्र. चःॐगलःग्रुःत्यस्यःग्वलःयःदेलःस्वत्रसःहेलःग्वेलःग्**रःग्रे**न्गु**रःश्वेदः**तुगःत्यलःशेःदन्तः चयान्त्रेत्र हिना त्यायायत्रवा नवना हैं नक्षिरावेरा विरा वियास्य हिना हिना है। णहतः श्रीः सं त्वे वित्यात्रः निरः श्रीतः श्रीतः स्वरः श्रीतः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स म्बन्। हैं. चक्क्ष्रात्म सर क्षेत्र रहार्य म्ब्युयः रहार वस्त्रा मृहत्र रहार केरार वा ग्री कार मृत ख्रिनः हेराः व्रचनः मुन्तः हिन्न । प्रक्षेत्रः त्र्युत्रः व्रवेशः वृत्रः वृत्रः वृत्रः व्यावितः व्यावितः व्यावितः वित्रः वित् ब्रुंगलाम्डेग्-क्रंत्रःचनःक्रःत्यःदेवाधर्रःत्रेयतायः तम्दिन्न्ते व्यव्याम्वन्, मुः धरः त्र्युद्रः । इ.। इ.स.कुर.त्या अध्यानविनाः परयात्तः रियाः रिनाः विश्वः यदः रिनाः पक्तिः । |要心,如々,诗,口,其句似,奇如,口如| |与心,功,矣山,口,曷亡,口,之亡, | 日口心, सुर वै। ण.ध्रिय.त.चड्ड.स्ट.वी विश्वसत्तर.चलचा.नप्ड.र्थं.टचं.थी वि.चंद्यं.कंचं.वर्ह्ट.क. अव्याबिटा। १रे.केब.६म.१.म्ब्रयाचराव। वियास्। १रे.के.धराश्चरास्यराधरा १.विट.च.वै.८मद,च.वृ.च.बैट्य.तय.ब्य.त.य.क्य.त.च.वैट.च.क्रेट्र.च.क्रेट्र.च.क्रेट्र.च.क्रेट्र.च.क्रेट्र.च.क्रेट्र ॷॹ॔॔॔ॾॾॴग़ॗऀॳ॔ॱक़ऀ॔॔॓ॸ॔ॱॸॣ॔ॱॳ॔॔॔॔ढ़॓ॹॴ॔ऄऀॱॻॳॗ॔॔॔ॷॎड़ऄ॔॔॔क़ऒऀ॔॔ॱॷऺ<mark>ॳ</mark>क़ॸ॔॔॓क़ऄख़॔॔॔ऄ॔ख़ऄॕॣऄ॔॔॔ॗॗ तपु.तीजाक्षेत्र.क्रूर.री.मूंबयातर वियाताची व्रियावयात्रीताचातावा क्रुयायर प्राची रर.च्यात्रत्ह्नाचात्र्रः चयाम्बयायाचायाकेःहे। र्द्याश्चात्रह्नाक्षेत्रस्य अर्द्या दे र्गात्यः त्रुं द्रुंदः पदे में बलायतर दें राव। विषा इयायर प्राप्ता विषा केला मेदा हु त्युदा नदे हिर है। व्यव हव स्ववर पारा पर पहुँद पा पारा निर विन हैं रा पर हुर वर र ७०० प्रवेषापराक्षेत्र्यादी । । श्चिर्पारे र्वाष्ट्रिराया मेंयवापवारुवाह्यास्या *वैद*ॱशुर्रा |देॱश्वद्•ऍदॱॸॖदॱदगॱदै॰ऍदशॱमॅश्रयःसपग्रीयःश्वयःसर-दग्वदःसःसम्बाय। | वेषःस्। |देदेःश्वेरःग्रुटःस्ट्वाःसेयणःद्यदेःस्यायःवज्ञदःवःस्यणःग्रुलःश्चॅदःयःयःश्चेतः नपुरम्या प्रमात्रियाः श्रेष्याः श्रेष्याः इत्यात्राचा प्रमात्रम्यातः व्यातः व्यातः व्यातः व्यातः व्यातः व्यातः त्पन् क्षां श्रुन् पाता श्रुमः प्रते श्रुः श्रुम् षात्र वेषामः न् व्यापः पत्तुनः वः भेवः हुः पह्नवः परः त् शुरः पर्यः य पर्दः धरः चुर्द। अष्ठेयः पुः केषः प्यतः ययः शुः रेयः पः यय। अष्ठं प्रयोगः वि र्टः कुलः श्रवः कुः क्षुर्यः यः क्षुः ला नश्रवः यदेः लबः कुः रेबः यः नन्र्वः क्षा

बुग्नव्यायःहिः द्वरावञ्चनः प्रते खुवा न्यते श्चित्रायः व्या न्ययः न्वत् श्चीः स्या वित्रव्या स्या न्ययः न्वत् श्चीः स्या

 धेवः वया **ॲंद**ॱहदःदेःदगः वञ्चलः ठरःदेःग्हेलःग्रुःदञ्चलः दुरःहिः क्षरः दवरः श्लू वः द्वा ऀबेॱन*ब्रचःन्दः क्ष*नः अर्वे*दःन्दॅराः* वैःतकन् परः त ग्रुरः पः क्षरः पञ्चॅ अराः ग्रुटः वॅचः पदेः ग्रुन्ःः ৾ঀৢ**৾**ॱॲ**ढ़ॱॸढ़ॱऄढ़ॱय़**ॺॱॿ॓ॺॱय़ॱॾ॓ॱॾॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॗॱॲढ़ॱॸढ़ॱॿॺॺॱॸड़ॱड़॓ॱॺऻॿॖॺॱग़ॗ॓ॱढ़ड़ॺॱय़ॖॱख़ॱऄढ़ॱॱॱ मदलामु द्वाना सु तर् ता हि सु पत्याहे हे र परि दे द र र र र र दे र परि हे र नः इयरा क्ष्मा अर्घर नी क्षम्या शुः ५ र प्या दे स्या द्वीर या द्वा सम्मा सम्मा शुक्र की व्या प्रा मा स्व वयल रुद् वि क्ष्मा मी तद्य ल तु महाद ल पत पत पत पत पत ने पत हो मी हो ल द में द ल द ल हो मी म.क्रेब्र.स्.स.र्-त.स.क्षेत्रा.सप्.यर्.ज्य.जि.। द्वाय.जी.पी.क्ष्य.चर्यायर्थयर्थया चु८-ॡ्व-तेयल-८्यत-<u>स्थल-ग्री-मे</u>ण-य-केद-प्-ल-१-म-मेण-य-केद-प्-लक्त-प्-ल-ल-ण्र-रि:ब्या क्रिक्स विक्रा करा के स्वार्थ का मुल्य **लट.र्ब.त्र.पथात.जय.वैट.त्र.प्रा.त्र.वेर्! | बुब.बेथैर्थ.धे। अ.बेल्ट्स.** चति ते यता दि ति न द ता ग्री खें न ता ते यता है न देना पा भेदा ता में द न द र के ता भरा द न । धरा त्रेबल'यः देः क्ष्म् वर्षेट्रः मे : धुँग्*लः त्रॅं* त्रॅं रः हॅग् यदे : वेलः रवः दे। । देलः दः वेनः यः मृतेलः য়ৢ৽অব-৽ঢ়ৢৢৢৢৢৢৢৢৢয়ৢ৽য়য়য়৽ঽৼ৽য়৽য়য়ৼ৽ড়ৢ৽য়য়য়ৢয়ৼ৽য়৽য়ৢয়ৼ৽য়৽ঢ়য়য়য়৽য়৽য় मःलात्रेयलाङ्गः विक्वाःमः विक्राग्रीकाञ्चयः नृर्वेषःमः धिकःग्री। दह्नवःश्र्यः न्दः न्धुनःश्र्यः । ।।।। **द्धे गलान्त्रे मत्त्रा खुनाया क्षेत्राया क** | बे. नव त. में अतः धर: चु त. व. वे | | नव तः हवः तेवः म्रीः त क्षेटः चः न हः । बक्षवास्त्रीतक्षरात्राक्ष्यास्यान्यात्रात्रा | विषानिश्वरात्री | देःवान्ववारवायेवादीः . तेत. कथं. हो थ. कु. प्रचा. ब्रांट. थं. ब्रांट. थं. हो थे. ते थे. ते था ता ब्रांट. ता ची था. ता वी या ता वी य ता कथं. हो थे. कु. प्रचा. ब्रांट. वे था. ब्रांट. वे शेरे में प्रचार के विकास की विकास की किया है। या विकास की क्रवाया.र्ट. ष्रक्ष्य.वा.यु.तीपा.हीय.२.जूबा.पा.वारूय.तपः (वृयःताक्र.हीपः पचिरः पात्वा.कवायाः मृत्रेलायाची र्वेरावाभेरार्ह्रामात्राध्याध्यामान्दात्र्वासान्तासे केन्त्रात्वासा बद्यतः वर्षाः विषाः वर्षाः त.कु.क्ट..मु.हेट.ट्.यह्रव.अघय.लब्र.त.बुम.चम्य.चळ्रूज.त.घळव.कर्.ग्रेटा मट.री. तर्वा पत्रे मवर् र्वा वर्षे वि मवर्षार् र क्षेत्र सर्वे र विद्यात् में वा प्राप्त विद्या प्राप्त विद्या प्राप्त विव. मृथा. संस्था. रेट. किंट. किंच. शुज्राया. रेताया. संस्था. रेट. रे. पांचे वे. यो ने येथा. पांचे संस्था. यो. हेट.टे.पह्रब.स्व.त.२.व.चक्षेव.त.बट.लुच.त.च्.ट्रब.घव्यथ.२८.७.चे.चव्य.८८.कुच..... अव्र. मेला प्रश्वास्तर देवा स्तर वृद्। विवासीश्वरतास्त। दिवान हिरादे तहेन देवा *नु*.म|ब्रेर.म:इस्रयःग्रीयःम्ययःचदेःर्चेःमःस्रवरःधयःमः**४**र्-म्डर्-धरःश्रेःसुराःधरःहेरः दे.पह्रब.भीब.मी.मी.मी.मा.चे.थ.मी.मा.मा.मा.स.मा.मा.स.म.स.म.स.म.स. **प**ष्ट्रेष्ठ,तर.वि.क्ट्री म्रुंब-देब-व-क-त्या दे-ल-प्रुंब-देब-देव-ग्रुंब-देव-क्वाक्र र्यतः इवरा ग्री हिरारे तिहेष्म न र्रायः वर्षे वेराया र्यम हु वेराया तालेष्या यह वर्ण रु:चेत्रगुरः। वे.नव्यः न्रः क्षेन् यह्मरः नवेतः ग्रेतः हेरः रे.पहेत् वयवा ठन् तः विवासतः रु:चेत्रगुरः। वे.नव्यः न्रः क्षेन् यह्मरः नवेतः ग्रेतः हेरः रे.पहेत् वयवा ठन् तः विवासतः । वि. ने ब्रथः रेटः क्षेत्रः अव्टटः च्रुटः च्रुटः द्वेतः चरः तहुनः धतेः त्यारे वेतः वहूनः धरः 91 मूब्र-इब्र-वर्गा रे.बेड्रेय.गुब्र-हेट.ट्र-वह्रव्यव्यवः ठर् नुद्रा । बेरा य रहरा নম্ব বাংনার প্রী বাংলার প্রী বাংলার क्षेत्र. यहेद. पहेद. पर. चे.हे। वेदा. वेदार पा हेर. रू।

निश्च मारा ता वे निष्य के मारा त्रुनाः हे। वरः रु: धर: रना प्वना वरा है : हर वेनवा पर र प्ववा प्रते : इरा है र ... **७८.ज.३८.१ ४४४.४८.५४.७५.ज.३८.तपु.४४४५.५४४.५.४४५.** ॔ॴॾॖॆॸ॔ॱय़ॳॱॹॸ॔ॱॴॾॖ॓ॸ॔ॱॾॣऻॱऻड़॔ॱऄॸॱॿऀॿॴॶॸॱड़ऀॱॴख़ॿॱॹॸॱॸऀॱॿॿॴॸॱड़ऀॱॴऄॗ*ॴ भैव-हु-*ञ्चु*⊏रा-पान्-रोबरा-भैव-हु-*ञ्चु*⊏रा-पान्-*धेक-पाने-है-है-है-वि-वदा-हैरा-चु-दे·स्र-र-व्र-इ-र-क्रव-रोबरा-र्वय-वि: न्वर्या-प्रत्यातु-दक्षेया-वन-क्रिन्-या-धेव-दें। | *बेषा* गृह्यस्य प्राप्त । देशे देव गृह्य र मान्य प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त यर चुलाय सुरायाला का वारा परि देवा निराय पर उराय ते ना दुवा ना सुवा सुवा निराय का दे . त्यः नृक्षे मृत्यः प्रदे : त्रे अत्यः ने : मृत्य द : तुः ये यः मृत्यः मृत्यः मृत्यः सुः नृक्षे मृत्यः यः ... । त्यः नृक्षे मृत्यः सुन्यः सुन्य ञ्च८*षाचतेः* ५ वतः पर्ने श्रेषायः वः हैटः देः तद्देवः ने ः वैः ववषः शुः तञ्चरः हे। तर्ने ः वैः वेष**ः** ॉवं व वे न विंद्र पु . खु न : या त्या की क्षेत्र : की | | क्षेत्र : की यें दे : की न : यें : की न : त्या वि : व . तथा भेव : मृः श्वेट राधा न्दः रो बरा भेव : मृः श्वेट राधा ने में न व राधे : के न राधा न राधे : रो बरा : " **क्षे. इब. म. श्वर्या वया ६. क्षेत्र. मया बब्या. तपु. क्ष्य. म. क्षेत्र. वर. में. क्षेत्र. पु. क्षेत्र. में. व**हें वर क्षेत्र. कष्टे क्षेत्र. कष्टे क्षेत्र. कष्टे कष्टे क्षेत्र. कष्टे करिय कष्टे करिय क्षेत्र. <u>ब्रॅ</u>न्-अ्थान्त्रन्त्रन्त्र-क्र्यात्र-क्र्यात्र-क्र्यात्य-क्रिन्-क्र्यात्य-क्रिन्-म्। 17·8×·8×·2· तह्रयाची श्रीताला वार्च वारा प्रकृषा ने प्रवास में प्रवास के प्रव . तुः इत्रायरायद्वेन् यान्ता। व्यत्तातुः हुं तान्तान्तावान्तात्तातुः नुद्धन् यान्ता। वर्ष्णन्या *र्रायर्भिर्यान्*राचे ज्ञानायचेर्या र्रायान्या क्षेत्राया ने के क्षेत्र व्याप्या क्षेत्र व्याप्या के के क्षेत्र व अव्र-(वेय.वे.के) रे.केर.व.वेर.क्य.श्रयत.रंतर.केब.शर्वर.प.रावावयारा.ह्यं ।

ढ़॓ॺॱॺॹॖ**ॸ**ॺॱय़ॱॿॖॸॱॸऻ॒ऻॺॸॕॱढ़ॸॆऀॺॱॹॺॱॺॿॕॸॱॺॕॱॺॕॸॱॸॕॱॺॱय़ढ़ॱऄॺॱॸॺॱॺॱॺॹॕॿॱॺॱ बेर् धर भेव हु नवल पर र मन् धर दर्श अर्दे र वर्षा कु वन ने बाद वर्षे हु भर ने व त्री यहें के छे भेव के मेल देव का ब्राह्म कर महा प्रताहित के के के के के के के के कि के के के के के के के के क **ऀ भवःवयराः ठर् : बळवः दहेवः पुः पञ्चरः वराः रां रां रः है गः प्रदेः वेरा र मः रें रः हे : रीः यरः यरः** ख़ॖॖॻऺॴढ़ढ़ॖ_{ॱॹॱॾॖ॔}ॴख़ऀॱॳॿ॔ॸॷॸॎॷढ़ॱऄऀढ़ॱऄॸॱॸ॔ॸॱॾ॔ॸॱॸॣॸॱॸॣॱऻ<u>ऻ॔</u>ड़॓ॱज़ॱॾ॔ॹक़ॎॸ॔ड़ऄॗ॔॔॓क़ वै.ह.क्षेर.त.प.वेर.तत्र्रा ।रन.पे.इ.ब.तर.पड़ेर.त.व.ह.सं. रमःर्टः स्वापतेः धेर्-छेर्-हॅगःयःर्टः न ठराः मराः सक्षायरः यहिवः मतेः क्वेः वेर्ष्यर्राः शुः **⋚**ब्य.त.रटः। लट.र्ब्य.तर.क्र्ब्य.तपु.कु.कु.ल्ट्य.थी.र्बूर.त.लुक्य.तर.प्लब्याय.त.व्र्व्याय. बेर् क्रिंग मन् रे हिना य के हिर पर हैं न य के का प्राप्त के लिया पर र्षेत्र मर्दा । बक्दं अर वह्दं पार्दे पर्दे द वहद अ. चेद् मी सेवा की ही देया वहें ने पर्दा । **考·舜禾·孝·曼·舜·皇·豫天·屯敦天·屯·尧·尧·瓜·砥广初·蜀·莠·柯·ਧ·万万·万登万·虹·河岛初·河岛初·延万··** र्दा । र्नेर्यात्र वेतार्टा बहुद्राध्या तथन्यायार्ग्वावस्त्र माधिदायस्या नवराद्भात्रक्षात्रक्षात्रम् । द्वनायहर्षः व्याप्तर्मात्रक्षः व्याप्तर्भाविषः चयतात्तरः चिश्वरतःस्। हिःपर्श्वरः चेश्वराधरायाः ग्रहः स्वेदः क्रवः क्षवः स्वाः ग्रीः श्वरः वेः নর্ষধানবদ্বে वि. बंबयायायार्थान्यायार्थाः विष्यायार्थाः विषयायार्थाः विषया इयया । इयापर र्धेर्पायर नेवापर छ। |वेवाप्ता पर प्राम्बद्धारा सामहेद वया । रोग्रयायारोग्रयादीत्वस्याक्षेत्रत्तः। ।क्रयात्रयाक्ष्यायत्रत्वेत्रयते क्षेत्र। । बि.चवरार्ट्यक्रेच.अव्ट.लवा वियालट्रचानपुरिट्राट्रप्ट्रव्यामहेव.वयारावया तह्नायावीयन गर्मा क्र्यारयात्राहाइयापरायद्वेत्रायदे नेवारयायाक्ष्मायहरातुः

बर्ने व तारे क्षेत्र ने खुर तायते र ने र ताया ने प्रति व तु र ग्राया व ता बर्ने क्षेत्र देव.बेब**व.२.२८.१.**१९७८.५४.४**६५.५**। ।३८.९५४.४४४.८५६८४.४४४८.१ पहॅन्:नु:बेन्:पते:न्रॅल:यॅ:र्ठव:न्रः**रॅव:र्ठव:**ब्रेग्ल:प:तःबेबल:रेल:पर:व्हन्..... वया ब्र्यानः वययः कर् र्राट्राचयः नर्रा शेययः स्ट्राखः वयरः नर्म्ययः कर् र्राट्रायः **नते** ततु :वेषःभेदःषःचेदःधयःद्वेष्यःधःव्ययःठर् ःषःबॅषःधःद। वरःगः हैरःरेः **८**६ॅ वृ ग्रीया यळव् या स्थयाता येयवा तहें वृ या नृतः त श्रुवा हे । दहें वृ या वृ वा ग्रुवा या स् [숙피. नलबल'यदै'कॅल'दे'द्ग'केद्'ग्रे'बढंद'ब'धेद'श'देद'देदेद'दवेद्र'स्ट्रेट्'र्न् <u>५३५.५.२८.७४.२२.५.३ ४.५२.५३८.५.४४.३४.५२.७४५२.४०४२.५८.५४४.२५.५४</u> त्रुण् पते पर गर भर धेव पा दर्ने दे क्षण अर्हेर वेश ग्रुद्। विषाष्ट्र अह्न स्वरा दर सम्बद्धाः चरः नशुरुषः हे। दिषः वैः अर्रेः दृरः हेः पर्श्ववः न हैषायो देः द्वेर्द्यायः स्टरः प्रवेदः प्रायः *व्याःच्*रःग्रुःवैःक्ष्णःगेःर्र*ा*ःदहेवःयःरेशःयःगहवःयरःबह्रःर् |¥xxxxxxx. लय.येटा क्रि.स्प.मु.लय.स.इय.तर.म्लट.च.व्.दया दट.र्.र्थमय.त.प.मुद.र्. ररःचै ररःचै यः यहनायः यः न्नायः न्यः भेनः कुः हुरयः यः न्रः स्व यदेः येयवा केन् यः यः नवरायाक्षेत्री नवरावेरा चुर्दा वि नवरारे हेरायानवराय दे केरी मिंदाया इस सम्म र्इंर्यान्याम् भेराधेदायारे दे दे द्वायार्वेर भेदाने विषया र्रा विराधेदायदार ना यया दे.पाहि-क्षेद्राध्यरायरा गुराया प्राहित है । सामा विवादी गुराया पाइया यरा शिक्षेत्र पते ग्राचु न्यापक वर्षः श्रुरायः वै वि ग्वयः ग्री प्रेम्याया । हि क्रेर् स्परायर श्रुरायः *र्राहे क्षे.च.चबेबर्रु ग्रुरायाया* हॅग्या*र्राचठवा पदे ग*त्रु ग्रायह दर्गु ग्रुराया दे क्ष्मा

सर्वरः नी: न्रेन्यायः पर्दा वियादे: क्षे.प: न्रः हे: क्षेत्रः पर्दः म्रेन्यः पार्वः म्रेन्यः पर्देन्यः पार्वः खुलाने ना हे ता ता इ अपना न में ना स्वीत की स्वा अहें रा नु ना शुर ता है। वि गवरा ५८। नर्ष्यास्यात्रात्रात्रात्वेषाः विषाः विष्णात्राः न्येषायाः यायाया **七型に4.4到4.44.31.1** चर्मातःक्रुत्याचा मुडेमान्ह्री दर् दे हो इयायर शे हमा पर महम्याय क्रिन्दे ढ़िना क्षेत्र अर्ह्मर में र्वे ने या तायाया विताद क्षेत्र या निह्ना वित्र के हो। इस सम्माहिता वित्र का समाहिता <u>र्दः चरुषः यदैः मृञ्जुम्षः यङ्ग्रुक्षः । तुः वैमः देः मृष्ठेषः गृदेः द्र्यम्षः यः यम्षाः</u> कुलाय नुवेयाहे। तर् हो रूर्यायते सम्यार्म्य प्राचिताया स्वासी । ढ़ॏॴॹऀॸॺॱॻढ़ॱॸ॔ॺॕॸॺॱॻॱॼॺॱॺॕऻ<u>ऻॵॺॱ</u>ज़ॺॱॻॸॖॺॱज़ॺॱॸ॔ॸॕॺॱॺ॔ढ़॓ॱॺॿढ़ॱॴॾ॓ॱऄॗॱ च-र्ट्टा है क्रेर्टाया मुक्रिया शुम्ब्राह्म प्राप्त मुक्के प्रवास्त्र प्रम्ता स्ताले रावे व्याप्त स्ताले मुक्रिया स्ताले अर्ह्यर:रे.रे.लतर:हे.के.हे.केर्-महेलागाःल:र्वेग्राःसंप्र-सर्वेःहेर। ष्ट्रिना महिला रश्चायात्तानी क्षे. वया य्र. यूर. शुरे . शुर. धेर. धेर. धेर. धेर. वया पव . खेर वया यूर. प्रर. या इंट. हेर. ब. के बारा पड़ के बार बहर लट लट है। वि. लट ख्राय है। स्या की लाय वा की म. बु. यथ. यर. २. र्षुम्य. म. य. मायथ. मथ. वे. बु. मायथ. बुय. वे. या अम. म. हे. विर. मर. २. ष्रघटः चयः वः क्षेत्रा यद्गेटः लेयः चेद्र। | चर.रे च. थुत्रथ.शु. डू चं.तर.चेवथ.त.रु चे.तप्र. म्बयाकते दर्शेत्र सन्ति म्ब्या नृतः म्बया कते त्र म्या वित्र म्या वित्र म्या वित्र म्या वित्र म्या वित्र म्या वि इन्यात्रात्रात्र्यात्रे कृत्याचदे चर्यात र्रा कृत्यास्य ग्री चर्त्रव पर्वत र्या हिन्या सेर् ग्री । मुब्दः न्दः। श्रुवाः प्रतिः देवः पः त्यः स्वात्यः प्रतेः मुब्दः विः मुद्दः दिः मुद्दः देनः अर्वदः मेः यळ्दः वेनः में.क्र्य.चेंच्य.पा.पन्त्रप्राता इवयात्वयात्वयात्वयात्वयात्वयात्वात्वः चेंड्या.चित्रेत्रः तहेवः यावी नवर्षा नृह्या वेषा द्वी में दायहार् ना सरार ना मुल्ये दे स्वा केषार ना ता क्षेत्रा सहर १.मेश्वर्यात्र.र्ट्राच्यापात्र.हेर.र्ट्रा विर्तत्र.श्वर्याश्चर् मे.त.र्मात्र्यायतः कते र र ऑन् बेन् है र रे ति देव हैर प ऑन् बेन् ग्री हिन् पर भवा है। वि क्षा वि हिन् धरः तुःगृहदः दयः बैः रैग्यः है। वि नवरा ग्रे ने र रे र दे वे न सर्य र र र त सर है र र र यम्यामानेयाम्यान्त्रं व्याप्त्रा विमानाम्यान्यान्त्रः विमान्यान्त्रः विमान्यान्त्रः विमान्यान्त्रः विमान्यान्त *ॸ्*ॸॱऄऺऺॺॱॸॻॱढ़ऺऀॱॶॺॱॻॸॖ॔ॻॱऄॸ्ॱय़ॱॻऻऄॖॺॱॻॸॱख़ॸॱॶॸॱॻॱक़ॕॱॸ॓ॺॱढ़ॕॻॺॱॹ॓ॱक़ॕॗॱऄॗॱक़ॕॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗ वयार्द्रयाम्बुद्राचरामुःभी रोययान्देरम्यययाद्रान्वयायदेश्वाः मृत्रान्यराम्बर्याः मृत्रया য়ৢ৽য়৽ড়য়ৼয়৽য়য়৽য়য়৽য়য়ৢয়৽ঢ়। ৠয়৽য়ৼয়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽ঢ়৽য়৽য়ৢঢ়৽য়৽য়ৢয়ৢয়*ড়* पते.परे.वंथाताश्चाक्षेत्रात्तर, हेरारे.पह्रवार्वा वि.श्वरातालूरावता श्वराद्रा विर्ेष्टरा **७**व.जेबाया¥्बेबायातपुरकेतात्राक्ष्ये.वाराश्रयात्राक्षयात्रात्राक्ष्यात्रात्राक्षयात्रात्रात्रा बर्द्र श्वराचीयात्वीयायताहिताहेत् अत्राम्। यद्र हेनायते हिनादे हिनादे हेनायात्वायात क्षरः चर् गुरः बेर् ला देवे क्षं वया येवया देरः तुः चेव व ते येवया चेव पदे य व्या कुरः वया धुःउरः चःक्रुःवा देःक्रेयःयः दः अयः दरः येययः वः न्वदः नदेःक्रुः वः क्रवः वेदः धेदः पदः वदः ने क्रियान व निवत्तने दे क्रियान स्थान विषय प्रति अध्या नःक्रुं नःश्चे त्वयाविदः। राज्यतात्मान्यत्मकाद्गराच्यात्म वर्नान्यत्मकाः हिनापते हिरारे तहेव वयतः ठर्ग्येतारे वि.य.केर.क्षेत्राक्षयात्रःश्चितातात्वात्रयाचेरालरार्याताकुःलराज्ञेरार्ये। रियावाक्षराकेरा 美चयानप्र-देर-प्र-पह्रय-जयर-पर्-चयलाश्च-क्र्य-त.प्र-जा-क्र्र-वेर-जा्ञ्च-विःशःञ्चन्यः... धेर्-रमेल-सं।

चर्षः चः ते : वश्च व्याः चर्षे व्याः चर्षे वः याः वृत्ते वः याः वृत्ते वः वः वे वः वः वे वः वः वः वः वः वः वः व चर्षः चः वे : वे व्याः वर्षे वः याः श्वे वः याः वृत्तः याः श्वे वः वः वे वः वे वः वे वः वः वः वः वः वः वः वः व चर्षः चः वे : वे व्याः वर्षे वः याः श्वे वः याः वृत्तः याः वृत्तः याः वे वः वः वे वः वे वः वे वः वः वः वः वः व मयलन्तर्न्त्वर्न्त्वेत्रः मेवाक्षः मध्यः पानिवर्षः प्रमानिवर्मः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर् बर-वे-वे-विल्यान्यत्यान्यत्यान्यत्यः वित्-वेत्यः विश्व-व्यान्यत्यः ब्रह्मट्रम् चॅर-बै·बॉर्डर-च-पत्नेब-हु। वन-बॅरि-र्नेब-सु-च-पत्र-रे-चिं-ब-केन-ग्री-र्नेब-धेद-के-ब-पॅन-सर-देश-पर्द-वेश-र-पर-शेयश-र्वेग्याय-य-दि-क्षर-दर्देर-य-पदिक-तु-ग्वयायदे-वे" न्द्रायते शे हेन् पदे हिर दे तहेद प्यूर गुर धेद खन्य हैन्य पदे नेय र व शेर द ने मि व केन से प्रति श्रेम न्म च्यापाय कि मारे प्रति व ता है का में अव गुम धिव ता में व व स्थाप का स्थाप व विव के मिं व के के कि का में कि कि का में कि कि का में अव स्थाप के कि से मार्थ के कि कि का में कि कि का मार्थ के क हॅ न्यायाया के खेताया वर्षा कर्षा यह में स्वरंगे कि का केरावितातुः स्वरंग्याया के स्वरंग्याया के स्वरंग्याया के न्डेन् मु न्वरायानह्रद्रायदे हिर्दे तहेद्र बेर् व्या रहार्वह बेर् यर न्वर बेर् यर न्वर व्या हॅम[्]मे कुर्न्मवः न्युमवः पवः धेवः सुम्वः ग्रुः हेवः म्वयः पत्रः बर्द्धरः पः श्रेःश्रेन् ः पदेः श्रेनः विः क्ष्मामनेत्रामा न्म्यायाध्यक्षेत्र म्याद्रयाचरा वायवा विष्मवता न्दा स्वायदि द्वमा सर्वता दचतःब्रुचाःब्रुवःद्रवःदद्वैरःचद्वःब्रेब्रयःखेषाःवःवःद्यःचरःच्योदःचरःद्यशुरःचे वरःदःदत्वःपदेःबरःबःचिदःदःचह्दःपरःबःदशुरःह। दिःचलःदःधःवेतःग्रेःद्रः न. भेब. हैं. नेवल. नर. शु. पड़िर. है। रे. हैं. नवा ब. ने हेवा ग. पर्टे. नर. च हेवा सर. हैंदें। देवे-ब्रेन्-तयन्त्रामः व्याद्यान्तु-ब्रु-त्र्यान्यत्त्र-व्याद्य-क्षेत्र-व्यत्तः व्यत्तः व्यतः व्यतः व्यतः व्यतः इयता ग्रीता दी दे नविद ग्री ग्राय परि दे ग्राय या यह र है हिर हे ति है तु ग्री म्राय के नदि है र र्ट. मेरा.रच.कट. चतु. ब्रेर.रू। विट.कच.युव्यत्र,रचत.क्वया.ग्रेया.दी.वार्षट् ग्रॉन्ग्री श्चे ग्वययः हे : मेरा र पा ग्री मरा के प्वरि क्षेत्रः न्दः हेटः दे तहे व क्ष्टः प्वरे क्षेत्रः सं । ने प्वरेवः म्मेन्यायायात्रीम्बयसारुन्मचेन्याने विष्म्यस्य म्दर्भायस्य स्याप्तर् **월**₹:₹| |ৰি'শ্বঅ'গ্ৰী'ষ্ট্ৰত্ম'গ্ৰীঅ'বী'অস'ঐ'কুহ' ঐহ' **এহ'** बियानगदाङ्घयाः है। प**्नाराप्तिव तु इ** वाधराहेगायते कुराह्मवा ग्रेतातेवता न प्राप्तरावी प्राप्त विकास सन्। यहार ने ल दे : से प्राप्त प्रते : द्वा यह त : द्वा श्वर त न न ने ल के से हिन है। ञ्च-पःभ्रॅदःयदेःयदेःयय। हेःभ्रदःह। वेःग्दर्गःभ्रंपराग्रेयःग्यंप्रःयःयेदःपरःदशुर। क्ष्मा-अर्घर-मेषाद्ये-ते-र-तर्घ-वर-तश्चर। विषाम्बद्धर्वा-वर्षा *ড়*ॱनॱ८वॱनॱॠॺलॱश॒८लॱॸॖेॱॳलॱॻॖऀॱक़ॕ॔॔॔॔॔॔ज़ॸज़ॱॷऀज़ॱॺऀढ़ॱदेॱनदे, दर्न तर्दे ॱक़ॣॿ॑ॱॱॱॱॱ बर्हरः मी त्यमा हेरा धेव परा ने इबरा संस्वर हेर् परा हुर्। वि मवरा संस्वर हेर् *नु*ॱवैॱर्संॱसॅंत्रॱहॅं न्। धरे: वेल:र्त्तर ग्रील:प्त्र-न्। येत् : पर्दः त्त्वः लः त्युत्रः कुत्रः वृत्रः ने। यरः **ः** बे·पद्वैदःरुःत्रेबतःरुःरुटःग्ॲं·पत्रःपर्गःबेर् पदेःर्देदःग्रेःश्रेःधःपरःग्रत्यःपरःशैःदश्चरः**ःः** न्राम् ने के ले न्यू न्यू न्यू निष्ठ के न्यू न्यू न्यू ने न्यू निष्ठ निष्ठ निष्ठ निष्ठ निष्ठ निष्ठ निष्ठ निष्ठ बेर् पदे र्दे बर्श्वी म्यापा पर पश्चर परा क्षेत्र अर्घर में लेखला बे माँ पदे का बे हें मा पदे ले नवरायराञ्चेराधेवाची विवासन्तराङ्गेनरायराज्यावराज्यावरायराञ्चेरावर्षा बर-ब्रेदि-व्हान्त्र-विराधिकः हिन्दि-व्हान्त्र-ब्राह्म-ब्राधिकः व्हान्त्र-ब्राह्म-ब्राधिकः व्हान्त्र-ब्राह्म-ब्राधिकः বা **종**도' ञ्चितः सदिः ऍतः तः त्रावारा त्रावारा त्रावारा विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या व | ने : क्षेत्र : तेयतः चैरः कॅन् : ग्रैतः वे : यह : वेन : यहे : वेन वतः ग्रै: लक्षाञ्ची नः चले व दे। बढ़यः नवनः न्रः द्वाप्ते भेषः रवः श्रेषः वह नवः वः धरः र्नः धरेः र्वः भेषः धरः द श्रुरः व ल.र्बेर्य.वया क्र्यान्तर्रम् तर् द्वराया येववावव्यव्यापर प्रविवादान्तरः र्ना प है दे प प विदेश में प पर प करें हैं। विदेश मुख्य प विदेश में विदेश में प

तेयत्रःहुः पति दःतुः नृष्यः प्रदेः ध्रेत्रः दिः नृद्यः ग्रीः नृदिः येन् ः यतः गृद्यः यः येन् ः ने ः यत्र यः यर चव्ना मदै रोबरा ग्रेया दे प्यम न्या माहि क्षा चा चव्रित दु भेरा मन वे तुरा है। ㅁ옻¤. द्भारत्याः क्रीयः क्षार्यः यह वास्यः यह वास्यः यह वास्यः दिन् वासः हिः होः यः यह वह वास्यः हिः मेयः व्या वित्रास् वि नवता श्रुपः व न न न से से से स्वर्थः प्रविव र र ब्रेयानग्रदःश्रुवःह्रा ዺቒ፞፞፞፞፞፞፟ጚ**፞**፞፞፞ቒ፟ፙጜ፞ዿቜቑፙጚጚጜቜቑፙጚጜዾጚቜ፟ጜቜጜቜጜቜፙጜቜ፟፟ጚጜኯፙዀዀ **ॺॕॻॹॱय़**ढ़ऀॱॺॕॱॹॕॸॱॸॕॖॻऀॱय़ढ़॓ॱऄ॒ॺॱॸय़ॱॻॖऀॺॱॸॣॖॖॖॖॾॣॸॱॷॕॺॱऄॗॸॣॱय़ॱॿॺॺॱड़ॸॣॱॻॗॸॱॎऻ ॔ॗढ़ॿज़ मःयःम्वेटः पतेः क्क्रुंदः स्वाःद्याः द्याः रहः मीः द्येग्वारः यहः विदःषः म्वदः सः विदः सः विदः सः त्रुन्। पर्यः नृने नः नृतः चेन् वस्यः ठन् भेवः मुः क्षृत्यः क्रेः या विः नवसः यः केन् प्रते ः क्ष्यः है। ब्रुंन्-वह्रम्-ववा वेयवादीः स्याधरामधेरवाधते थे। व्रिंद् स्राप्तायके पर्वाधनादा |बेब-४८-। मञ्जय-महॅर-४८-दे-४७-४ मुब-४ म्य শ্বথা ाश्चव:देर:रू*ष*: **8**.회수.급성.교수시 | युव्यया मृत्व न मृत्या प्रया च या प्रवी | रि. वेर र र मा प्रया र व बेर्-महारहा |बेल.मेथिटथ.त.केंट.रू| |ट्रे.केंट.ये.ट्श्नेमल.त.मेड्स.ज.थ्रथयः म्बर् रि.श्र.चेलर. चर.श्र.ह्व.तर्रेच.तर्र्यं तर्रा तर्रेच. तर्रेच. पहेंच. पश्चे प्रताय वि..... धते धिर धिव त्या रे.लर.थुन्ययः रश्चनयःतः नश्चनःयः यह नयः वयरः रूर् स्ता नहरः दतरः भुरः नः नरे : शॅं : वा कु : इरका धः कुरः न वो : नते : नृ श्चे गृका धः श्रवतः धका धः वा दि : ... *ढ़ॖॸॱढ़ॸॕॸॖॱ*य़ॱढ़ॖॸॱढ़ॼॕॱॸॱढ़ऀॺॱऀॺज़ॴॱॿऀॱॺऻढ़ॹॱॹॗॸॱढ़ॹॱॸॱॸ॒ॸॱॾ॓ॱऄॗॸ॔ॱय़ढ़॓ॱ स्तातान्त्रेग्यापते मेरार्या न्दान्त्रिं निर्देश्येययान्त्र्यं व्यव्यव्यत्तान्तः वर्षे **क्षॅबः**रॅ्न:क्:लेबलःक्टे:गठेग:पदे:हिट:टे:दद्दिव:क्षॅब:प:वैद:तृ:वॅगल:ह्रट:त्या रु.पर्ना अर् पते द्वा लारे वा पा श्वा वा रामा स्वा वा रामा स्व वा रेरा पा से रामा स्वा वा रामा स्व मदै नेषार व ग्रेषार्ध र व्या श्रुर वदे है क्षेत्र या देवे वृष्ट मदे क्षेत्र यदे क्षेत्र यह र से **ग्वरा**त्यः धुवःहिः ठवः म्वरायरः चुराः गुदः भूवः ग्रद्धः यद्वः ग्रुरः वर्षः गर्द्वः यद्वः यद्वः ग्रुरः देतैः लः व्यवः स्ट्रान्यः श्रीटः या वी श्रीट्राय्यः वी ग्वयः व वा यश्च वा यस्य वा प्राप्तः वी ग्वा बाइट.लट.झ्रंब.र्म्य.धे। श्रुंब.र्म्ब.चर.च.पवा बु.वव्य.द्व.पचर.व्या.म्बर्य. यर चुरा परा दे द ता त्वुर प द इसा ची की पा प दे की शेंद की ते दे द से द रा द सा पर " न्द्रित्रारार्थ्यातुः चत्रादे। वेषार्याणुः स्रूरायाधुराया खेत्राया वन्याया वृषा वेषाया नलसम्बन्धियादी क्षेत्रस्य प्रस्य पर नहें दर्दी विलन्द प्रश्री विलन प्रश्री विलन प्रश्री विलन्द प्रश्री विलन प्रि विलन प्रश्री विलन प्रश्री विलन प्रश्री विलन प्रश्री विलम प्रश्री विलन प्रश्री विलन प्रश्री विलन प्रश्री विलन प्रश्री विलन प्रश्री विलम प्रश्री विलम प्रश्री विलम प्रश्री विलम प्रश्री विलम प्रि विलम प्रश्री विलम प्रश्री विलम प्रति विलम प्रति विलम प्रति विल चना[.]ल.केल.जूनश.त्र-.पहूंबश.त्र-.दुरे-.टू| |बुश.चग्रद.चळ्टल.हूं। विस्वयात. **दै**ॱमन्माः हुः यतुः नेषा यहिमा बै। चेन्। | नेःभै। नेंदा बॅन्स रा धेनः विनः रमः यहामा है। द्धनःश्चर्-तर्ने तर्ने द्रः तहेव पश्चयतायः पतिव। | नियाने केताया पर्ना येर् लें तर्ने ना **र्वः र्वतः ने प्रमाण ग्रामे अस्य मान्नी । ने ने स्वः प्रमाण मान्य मान्**

मलदःगरः भेदः ने रा दे : ले रा थे : त शुरा | लेरा महार रा रहा | गुरा हुन : रो अरा र परि न्रः न्ना चरः द्वा त्रेयता न्यते हे र्सून् ग्री क्ष्या ग्री ह्या श्री ह्या श ब. व्या प्रत्येथ. तप्रत्रः क्र्यापरी जाता वा व्यान्यः हिरारी पह्रियः व्यानीयः क्र्यान्यः पह्रियः म. व्रच.न. ब्रु.स. क्रु.स. क्रु.स. व्रस्त मार्थः स. क्रु.स. हुस. ब्रिस् क्रु.स. त्रस. क्रु.स. व्रस **ན་བ་དང་འཚ་བ་དང་རྱ་ངན་དང་སྡེ་སྡ་གས་འདོན་པ་དང་སུག་བསྲལ་བ་དང་ལྱི་མ་བདེ᠁** च.र्ट.पविच.त.जथ.लूटथ.शे.बु.जूल पज्ञ.च.र्चेच.चु.पव्रूट्टालथ.लूटथ.शे.बु.जूल इना नम्यामी स्टार्य त्या गुर व्यत्य शु के में ता है। दे ता नमें द्या द्या दे निवेद निवेद निवेद नय.पर्.सेर.क्य.चेषय.जय.ईय.थी.वर्षेय.त.व्य.म.चे.च.चे.प्य.च्या.चर.प श्रीर.स्..... ष्ट्रयाय अवः |बेकः महारकः स्वा | दे : क्षे. नकः वः श्चेनः सः सबतः द्वाः श्वरकः वकः स्राशुः नृष्यः पर्दे । पर्दे नृष्यः प्रमुद्रः परः पर्दे नृः पषः द्वै । प्रवृषः प्राणः प्रवृषः प्रवृषः र पः पर्दे वः । 1रे.श्रर्-१. तस्मवायः मात्रावः अळ्चा महेमवायः यवा ग्रमः मात्रावः ह्रवातः क्ष्याविषयायादी नव्याव्याद्वराहेरारे तहेदातहेताहे। वेयःरवःश्लॅंबःयरःग्रेर्। वियःरवःग्रेयःदेःश्रेःवेयःइवःयरःर्गःयःदर्वा इ.च.तर.रे.च.त्व.क्षेत्र.विश्वय.सेव.श्वेत्र.क्ष्म्चवा | ब्रेय.पग्रेप.क्षेत्र.ध्रे| विनामाळेदारातान्त्रामाञ्चेतामदेश्वाद्दात्वाद्दात्वातान्ता देनवानु त्रित्रात्वान्तान्त्रा व.वेट.क्व.थुत्रथ.रतत.क्षथ.ग्री.मुबेन.त.क्रव.त्र.ज.र्ट.त.मुबेन.त.क्रव.त्र.ज.ह.केर.लट.. त्तुर: नर: र:शे:श्व:दं:बेल: नगदःष्ठःवःहैं। बिल: ग्रुर्ल: धरे:धेर:र् ट्र त्यः प्रते हुं न त्रु न त्या वि न न न त्यः क्ष्यः प्रते क्ष्यः यहरः मे ता श्रर्थः इयः धरः पर्देशयः धरः मेवः चैयः चैयः वैयः । विनः धरः वैः नवयः परं यः परः छ। मिश्चर्याताक्षेत्रः रूवः ताले मवत्याच्ची पत्यावताने त्याने त्याने वाले हे क्ष्मा यहार र्ष्ट्रेया पा

ारे त्या तरी क्षु वा तुः क्षुं वा ते वा नृद्धाः त्या विश्व क्षेत्रा वा विश्व क्षेत्रा वा विश्व विश्व विश्व विश्व धेव दें। ा *बेचाबे* नव्याग्री न्द्रीन्याय यासेयाय बेन्य यस न्युट्य नेट्रा च'क्रेर'वे 'गव रा'ग्रे' द्वी गरा पा'स'कॅरा रुव' रूट' कॅरा'वे र्'गवे रा'**पॅर्' परा' र**्ट' पर्य' पर्य' बेर् प्यते र्दे द में पर प्रमुख द कार्र त्यार् वे मृता है पर म्राम्य विवयः मृत्व द रु. वे म्योर चते वि नव व र र र हिंद के द त्या द वे नव र चते हुन अवेंद नवे व र नहे व नहे न हिंद में है र जा के न **डि**दे श्चिरः क्ष्रं तायते गव्याप्ययात्रयात्रे त्याः क्ष्याः या व्याप्ययात्रे त বথ:স্কুন:শ্ব্ ृक्षः पदि में पा क्रें पा ता ते वा क्षा क्षेत्र तु पत् में की देवा की वा क्षा के दे पा ता तर है। प क्चे.चर-अह्नर-चर्ष-क्चेर-र्रा कि.च.र्-ज.ल.ल.चेर-प्रक्चेर-चर्प-क्चेर-चर्प-क्चेर-चर्प-क्चेर-क्चेर-क्चेर-क्चेर-क् र्ष्य-दे.पम्.शु.रम्थाने। बु.चेवय.बुर.विर.स्.स्र.क्ष्य.स्.न्य.वेय.रच.विय.तर.तर् <u>र्धर् रे में अलायर कुलायल भेरात शुराय क्षेप्तर के त्याल प्रते श्री स्याल प्रते श्री स्याल प्रते श्री स्याल प्र</u> कृषा यः न्दः विषः नवेः केषान्वेष्वाषान्दः छनः छः तेवषाञ्चादः यः व्यवदः धेनः व श्वरः ।।।।। त्रै लः न्वॅट्यः द्वेलः द्यः सँ सँ रः हैं नः ध्वैः वेयः रचः ग्रीयः इयः धरः द्वेनः धः न्दः रनः हुः इ वः यरः तच्चेनः यदेः क्षेवायः ने हिः श्चेनः हुः युकारोवातः वैवः हुः ख्वेन्तायः क्षेनः यरः वैःः हुयाया ने ख़िन् नु क्षिण अर्वेर न्द हेया शु अत्तुव प्यते भीन छेन भीव स्था ब्रुट्याश्चेयायाव स्वायाव स्वायाव विष्याया विषय विषय विषय स्वर्ष स्वर्ष स्वरं स्वरं सेवा र्वाक्रीयान्धनः क्षेत्राहे रुवाचुराकुरानेयायवरास्यायेयायानेवातुः ब्रुट्यायदे न्यावः च्याःक्षेचाः श्राच्यः च्यां व्याः च्याः च्यः च्याः च

चेश्रवार्टा भेरा चेरा चेरा प्रतार्था मुद्री वार्षा केरा मुद्रा मुद्री वार्षा केरा मुद्रा मुद बाइंद्र-झुंबा:पन:वाशुद्रवा:पवे:धुन:र्ने ा दिवादा:गुन:पवे:श्वेंप:र्वदाव:केना:बे:नवका: ब्रुद्राधरावबिद्राधादी विदाहाके कार्या इयल क्षेत्राचुरा दरा त्याया प्रवासी दरा स्वाधा इयल ग्रेल भेर्प महत्र परि मवल शु के उर दें। वि मवल रूर कुम वर्षर में में रेय रे यदः न्दः सं रः न्यारः हुः क्षेत्रः प्रेतः क्षेत्रः होन् खेषा हिषा है विष्या विषय स्वातः स्वातः स्वातः विषय विषय वयः वैः नवयः झ्रंबः यदरः च्रेन् : ययः में : रैबः रेवः यः बेन् : रें। | दें :वः गुवः ययः य हुवः यय। यायादी स्वा अर्वेट र्वे नाया थेदा ग्री वे गावरा दे । अर्थ वि गावरा दे । अर्थ वि गावरा दे । अर्थ वि गावरा दे । महेव-वरावे मवरा त्या मर्सेव स्परा चेत् र्ते। विराम् श्वर राम से स्वर त्येव विराम ने दी प्रवास मान्य न्या स्था के नाम मान्य नलबः नह दः रूटः यदेः न्ह्रवः निवे प्यदः कर् ग्रे वे निवं वा वा वा है। रे प्यटः निवं वा निवे सद्भार्या मुक्त यप्र.र्द्रयाम्बीयया बेंबये.लट.क्रेब.चर्चय.लब्च.ब्रे.चर.र्थटर. श्चैय:य:ह्री षादः न्वाः सः हिः क्षेः चः चले दः नुः रचः नुः तेवः वः चव्यवः व नृ वः न्दः सः वः व्यव्यावाने वः दे । यः वेवः यः देःतत्तृ गःवः वगः तुः रोवराः तहे गः हेः ळेरा इवः परः तद्वेदः परः वीदिः दे। क्ष्मा धरे नेयारम रे केराया महेदाद्या क्ष्मा धरे तेया या क्षुंर पर हेर्र बिया. 네웨드 레'다라' 월구' 폭 नवसः नदः इयः धरः ५ क्वेदः धः सन् ना निः विः सन् ना अव्यः नुः निष्ठा स्याः स्वः नुः निः सन् नाः । न्द्रयाद्वीत्वक्ताचरात् श्रुराचा क्षेत्रा भेत्राश्चरता क्षेत्राचा नेत्राश्चरता क्षेत्राचा नेत्राश्चरता क्षेत्रा स्.स्ट्र. पश्चनः क्ष्याया ब्राचित्राया वि. च्यायाया विता क्ष्या अवायम् राया स्या

दे.चेष्ठेश:ब्रेट:र्यु:पद्येश:पद्य:क्र्याया |৴ৼ৾য়৾৽৸৽ঀয়ৢয়| बु.बब्धाःग्री:क्ष्मवायः पश्चेदः ना रे.ज.चहे व.वया.बु.चवया.झ्यामते.झ्या नझ्यया.नया.बु.चवया.बुनायते.स्र । र्टः यं दे द्वार वर्षेत्रः पर्यार्थे मा स्वरः पर्ने विष्टः श्वरः दुः विः मवसार श्वरः प्रश्नरः प्रश्नरः चतु.बु.बु.बुन्बुन्युःकुनुन्यःयःचह्रेदःधरःचुद्। ।दर्नुःयःदुन्यःवत्। अधिदःसपुःसीयः व गवयायावी ल्ब. ५ ब.स. २८. ईब. नदु. लेख. हे। चथ.मूथ.ज.धूर्यथ.त.कुर्यथ. बेर्ॱधरःकेर्'धराकेर्'ख्राचःर्टःग्ठवःग्चवःयःर्यग्राधःधेनुः धःबेःवश्चुवःधःर्टःर्गुःः पार्व्यवादाः वीत्वव्यः पद्यः ववद्यः प्रचादाः प्रमः । वृत् वीः श्रेतः पदे वाः वेदः वाः विद्रात्रः वाः विद्रात्रः वृत्र-सं-क्षु-सं-स**्-सं-सेन्-हेन्-स**स्व्-सं-म्च-हुन्-पत्-पत्-त्-त्-स्व-पत्| **쾰소. 너서. 교소.**| भूत्यामरार्चुनायदेःखुता विम्यायराङ्गेर्रार्गावयाय वरा | य.च व ८.च. र्ट. ब्रॅ व य.च व ८.र्ट. | |इत्य.च ब्रॅ ४.च दे.च दे.च दे.च दे.च दे.च वेतःम्बुट्तःस् । तर्द्र्नःमःकुट्तःमःद्वी क्रतःम्बातःसःस्वातःमःमःस्त्रःसदः म् ताक्ष्मा सर क्रम्याया स्त्री |क्रम् मेयाय दी क्रम्यायायाया स्वरहेत द्वाकुर्-तथाक्षेत्राक्षेत्रम् वि.च.चर् । वि.च.चर् प्राप्त्रण्याः श्वी वे.ब्रट्रायः स्बेथ.तप्तुःच.रचे.त.र्ट.क्षित्र.त.र्ट.प्रच.बैट.क्षेत्रथ.र्ट.के.कट.पट्टेथ.पचेथ.बैट्.त. <u> १८. श्रेब. वुर.त.रट. श्रेय. क. पश्चिष. क्ष्यं थ. क्ष्यं विषयः स्थानयः</u> र्गायःवी स्. घर. रेट. वेट. श्रुवय. ग्री. र्वे ब. त. त. वे वे थ. य. त. वे वे . रेट. च क्या. तप्र. ^{[या}वाक्षास्यात्त्रेयाः चित्रेता महिन्द्रीत्य द्वार्या म्यान्य प्रतास्य स्वर्याः विवर्णाः विवर्णाः त्रुं दः प्र**ाष्ट्रं शः** प्रतिष्ठं तुः श्चे दः तक्ष्यः प्रदः स्वेतः प्रति । विद्द्रः पः त्यः स्वावाः प्रतिः स्वाहेनः พัยชาชาชาชา | เลรียานาสสสานาสสัยานาระเลซะเนานาสสสานาธาลริสา

वेषः न्बेग्यः न्नः त्वः दशॅनः दशॅनः यंग्यः धेः यदेः वेषः न्बेग्यः पञ्चययः वयः यय। यदः **व**.पद्र.पप्त.र्द्रयार्ग.लूर.प्र.प्र.प्र.प्र.प्र.प्र.प्र.प्त.व्यय.०८८.वु.पद्रया.त्र्य.क्रय.व्य.व्य.व्य. ৾ৡ৾*৾৾৾৾৾৾৻*য়৾৽৸ৼ৾৾৽ৼয়৾৽ড়ৼ৾৽ৼৼ৾৽ৼয়ৼয়ৼয়ৼয়ৼয়৾৽য়য়৽য়ৼ৽য়য়৽য়ৼ৽য়য়ৼয়৽৽৽৽৽ नन्नाने ता के लिना क्षेना स्टा कन्या पा ता स्वाया पर त शुरा क्षेत्रा तु । व क्षेत्र ता ता तर देना पर त **इबर्ह्रन् वबरा ठर्**श्वर पर चुर्दे | पर्दे र् न वे क्वेंबर्ट्रव पर पर पर्द र ने र कार्य स्थान **दे**ॱदहेवॱपच८ॱऍॱम्*षर-तुः*श्चेॱप*र्दाश्चेष*ॱचैवॱपःश्चेॱ१बब्धःपरःम्बब्धःप**्द**ःक्टाब्यःः मूर.२.५४७.२५.के.भेर.के.भेर.५४८.५४। हर.नर.२.६७.५४८.५४८.५८ ५६५-त.प.केथ.र.श्रुचयाश्रीक्षेत्र. रट. ब्रह्मेब. तप्त.तीपाच. वेष्या. वेष्या. वेष्या. वेष्या. वेष्या. वेष्या. चनेयः हूं **द**. यदे . ब्र त्य त रटारुणायदाट्याचि वर्षायदाक्रुयाधेदा **ब्र**-मर्जल-म्बर्ग हिन्दा से त्र हें ब्रा ह्रो त्र के त्र दें प्राया में के ब्राया में व्यवस्था के प्राया के व्य क्रुवायानुःइत्राचन्द्रायाः दुवायाः यावायाः विवयः विवयः विवयः गशुरःहो। र्राम्यानिक के सामानिक के में के निकास मानिक के ब्रुवार्यया रूट्राया वै:न्वत्यःदे:क्रेन्:य:य:र्षन्यःय:दर्न्नःय:य:वे:क्षःवेट:द्ध्य:विवतःय:येन्वःयःयःन्वत्यःयःः | दे.चल'व.पत्तवीय:त.रेब्र्स्यता: हथान्य:पर्वीय:च.पः यूवीय: वःश्चरःत्रःतश्चरःम्। む、いる、切て、弱す、む、なっな、む、すべ、ずべ、あん、っち、っちゃん、ずし、これ、これをす、ずし **बिय.** 可紹下台:契1 |जयःश्चेद्र-जयःग्वेटः। ब्रे.चद्यःलद्र-जन्नः स्वःश्वयः पता 124. हु.पचरं.रं.चश्चेश्वयःवेथःवेटः। |पू.वे.श्वरःस्वारंबावावावाः। |ध्वरःपह्रवःपवीचः त्र. श्र. त श्रु. द श्रु. व श् ସ୍ଟିର'ପ'ଜ'ସ୍ଟିରୀ ଖିଷ'ସ୍ତି:ଞ୍ଜି**ଟ୍'ଜ**ଷ'ଝି'ସ୍'ପ୍ୟ'ଞ୍ଲିଷ'ଘ'ଟ୍'| पश्चित्रासदी. देवायाक्षे**र्**गमन्द्रम् । र्राट्याक्षे श्रृंबादियाम्यान्द्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् ष्ट्रवः भेवः तुःतह्यः**यः** वदेः वः तः त्यात्यकाःग्रीःगावः श्चेतः क्रवः वज्जनः नृतः स्वाधितः वज्ञतः त्रम्दासः द्वें स्वास्त्रः स्वद्यः स्वद्यः स्वद्यः ग्रीः क्वें त्राः स्वादः स्वतः स्वादः ह्र्मायामत्वापटाद्माक्रीयागुटाद्वेर्पयत्रराष्ट्राह्मान्त्राच्दा । श्रेमाद्रीर्ज्ञात्रा ब्रे.र्चे.२.२८.ल८.ब्रु.चेड्व.४८.४५.क्र्यू.चे.२५.५। जिथ.ब्रु.२.२८.ल८.क्वेप.पे. ब्रे·२्ग्रे·इं·इरःयरःबर्दःरुःबे·२्ग्युःचरःइरःद्यरःवश्र्र्र्यःयःद्वरःयःवरःरुःववगःहेः..... त्तर्मा पर चुर्व विमाय देश वर्गमार अनुसायर मृत्यमा में विमाय देश अर्वे से र्वतःब्रिः क्षेत्रात्वक्षाः मुः व्याधः परः पवनाः हेः द्वाः व्याः हेः परः द्राः परः पवनाः म र्ट. ब्रक्ट.कु.रट. जेबे ब्र.बे. ब्रज्य वर्र. चर्व बे.ब्र् । ड्रि.ब्रे.स. श्रुप्ट. वर्ट. वे वर.र्रा । र्त्वणयात्रे छे वरात्रक्तुः वाञ्चा ठवात्रः सवायात्रः कॅर्न्यणा ठवात्रः वी जान्रामी वलःगुदःषतःबुःर्हतःबुःशेःस्रःपतः न्लःतुःन्लःतुन्नःत्वन्।यःशेन्।यःस्निः। चेष्र १ वर. थर. थरया क्रया क्रिया वरः चतुः वि. तथा वितः तथा ईरावि स्वतः होता वितः ॲ.पॉट.च२थ.५.५२_{०.स.प.}बै.बक्षे.क्.चेशेंटथ.५.जेश्वेय.प्रचेश्वर.च्.चेश्वर.चे.व्री *ने*ॱमै**द**ॱहुॱब्रु८ल'पःक्रु'पः न्दःहेल'लुःबबुद्यःपलःक्षुरःपःक्षुरःपरः मेदःहुःब्रु८ल'पःक्रुेपःः तुःरतः नरः बेः त युरः नः न्रः। श्वॅन् त्यवः ने सुः ह्रे नवः न्रः वकः ग्रेः क्वं तः ना न्रः सुनः สั**ราสานิสา**ยารุรา म्बद्राश्चितःश्चित्रायम् त्रायम् व्याप्तायम् व्याप्तायम् विद्याप्तायम् र्टः। श्रुरःत्यः देःलट्यः कुर्यः प्रद्यः कुर्यः श्रुरः विदः विदेवः त. के. के. प्रक्र. रे. जि. प्रवृत् व्या श्रीता. यो द. पर्या हे. ये वया तर विद्या थी <u> इस वित्रामध्यस या वे खुन्याया रहा नृष्ठे राज्ञे य बुदा यदे हे दातु नृष्ठु द्यार्था । </u> ন.বৰুধ.বশ্বীন.নশ.নীধ্ **|**ॸॹॕॺॱय़ढ़ॆॱॸॆॺॱय़ॱढ़ॆॸॣॱॻॶॸॣॱय़ॱढ़ॊ| এপ্র. ইপ্র. র ঝ. ्रवी:मनेत्रःयम्:सॅर:म:**दत्यःमङ्कुर:**मदेःब्र्र्यात्यारम् नवराश्चित.तर.चश्चरथ.ज ₹ययायायादेते हेट्रानु वृत्याययायम् प्रते हूं प्रशः हुण् न्ट्राधेन् हेन् प्रते न्ट्रा वेयया न्नायतः स्त्रवः हवः ग्रंगवायः ग्रेयः द्वः श्रव्ययः गवयः *र्गुषःञ्चनःर्गेषःधरःचन्र*ः३८। पवै.चनयान्नुःधन्।यानुन्।यान्वैतःमञ्चयायान्तः। वेयायानुनान्तःनेवैःनवेवन्यः त्रु-चेन्-पकुन्-चॅ-तर्न-दे-हेन्-दे-तहेद-वयतः ठन्-ग्री-वनतः धेद-पन्। *र्*टः अर्रे :क्रे :कु व : र्टः र्तु यः अवतः र्टः तथन्यायः अन्या विषयः क्रे :क्रे : ঽয়৽ঀয়ৢয়**৾৽**৻৽৻য়৾ঀয়৽৾৽৽ঢ়য়৽ঀঢ়৾৾ঀ৽য়৾ৢ৽য়ঢ়য়৽ৼৢ৾৾ড়৽৾ঢ়৽য়য়য়৽ঽৼ৽৻য়৽য়ঀৢয়৽ঢ়ৼ৽ঀয়ৢঢ়য়৽ तह्रद्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्र विकासमान्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्र बे[.]ब्व.स.र्म.बन्ब.पर्-त्नाबेर्.स्न.वे.सुव.र्न.प्र.प्तन्गुम.हेम.दे.पहेव.प्राच. यर या नशुरू वा कें। विवासर नी त्या देया त्या तक र दे। यह वी नविर के वा से स्वारा ग्री: **े हरा दे प्रस्थित श्चिता द्वाया प्रदेश या अल्लास अल्लास अल्लास अल्लास अल्लास अल्लास अल्लास अल्लास अल्लास अल्ला ब्चैर-ब्रेग-ध-नशुद्य-ग्री-पव्य-ग्री-रेश-धर्य-दिन्-क्ष्य-इश्य-दे-दब्धनश-ध-व्यक्त-ग्री-ग्रीय-य-**के.कं.र.केथ.तर.बेधव.पत्त.तथ.धेष्यय.पुष्टेब्य.पुरु.बेब्य.पुरु.बेब्य.पुरु.बेब्य.पुरु.बेब्य.पुरु.बेब्य.यू. देर.लट.वेबट.बेक्ब. में.बेब.तर.च नर.त.वेबट.वेबच.टे.बेब्य.तर.कु.तकर.तथ.वे..... न्वरान्तः स्नाः अवस्तः न्वेराः वेर्याः वृत्यः वृत्यः प्रायः प्रयः प्रयः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्य र्म्यानर नेश्वर्यात्य व्याप्त मेदारी ब्रिया मेदारी विस्तर्थे में व्यापा स्तर विस्तर्थे में ऄ॒**ढ़ऀॱॹॖॖॖॖॖॖॖॖ**ज़ॱज़ॿॸॱऄॺॴॱॻॺॖॴधढ़ॱॿॻॴॱॸॣॹॖॖॖॱॸॣॶॕॸॱॻढ़ऀॱढ़ॸॗॖॗॸॣॱॻॹॗॸॣॱॱॱॱ निश्चर्यात्याः ने द्रम्ययाः ग्रीःह्याः शुः तद्यम्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्या पार्टा मुक्के.मायार्थनयाप्ते मुनामरा मुनामरा मान्याया मुनामिरा मुनामर्था । रेबाराबरातु बर्दरादे। क्षे.श्ल. ८८. ह्या. ज. ८८. ल. बो. श्रम्थायाया र श्रम्यायाया र श्रम्याया र्ना वया नन् रा रूट स्निया वया नन् रा इयया नेव कु या B 7.47. 5. 5 2. टे.पह्रच.ग्री.केश.त.र्ज्ञाचा.स्याया.तपु.श्लेष.ध्याया.र्ट. ट्रे.इययाहे.केर.शुण.चपु.ईणाईयथ. वै.यर्.र्थेपु.व्रम्थःस्ययःभेवःमुः क्रयःपरः स्रम्मः। विवःग्रमः मृत्रः स्ययःग्रीः.... हेर.वय.वेषय.श्व.जूब.चेब.त.वेब.च्चूच.श्रूच.ब.केंट.बंब.च्यूच.ची.च्यूचे.ची.ट्यं...... म्बर्दे न्यात्यात्यात्यात्रयादे इवया क्षेत्रे मृक्तुः म्डर्प्य उव्याधेवः मुक्तिः द्वः ह्व चर्तः म् न्यायः स्मा त्तुरः दुः स्प्रः पत्तुरः द्वारः द्वा चत्रे देश. च. च. वे वया शुः ते व पदे छे व हि हुर धेव ची हे छ या पद के ही पर इर दें।

तर्ने त्याम् केता हिरारे तिहेव क्षेत्र अप के निष्य के का के ति ल.नान्न्ःधतः द्वनः हुः हैः क्षेत्रः चुः पदि । न्दः यं दी नेदः देः दिवः श्रवः यः त्या वे श्रुं विदः ぺहण्,प्रे.बु.कु.र.बु.र.लब.२ु.बू.वू.द.बु.द.बु.द.बु.द.बु.त.चल.बु.र.दु.वु.बल.धर.५.वुर.. र्भ । नेते ध्रेर विषय स्थार के स्थार स्थाप माने स्थाप <u> २ वर परे वर के वर पत्र भेदर में भूदर वर में पर वर में वर वर में वर वर में वर वर में वर वर में में पर वर में म</u> र्चनः वे.प्चूरः पर्यः ते.प्रॅन्नं म् । दे.श्चेरः प्यः भेवः ब्रुर्यः श्चेरः पर्वः क्चः हैरः रे.पहेवः यः **ॻॾॕज़ॱय़ॻॖॴॹॗढ़ॱॡढ़ॱॸॖॱॾॕय़ॱढ़ॖॴॱय़ॱॸॄॺ॔ॴॕऻॎऻॗऻॎऄॗॸ॒ॱय़ॱॴॸॖऀॸॱॸ॓ॱढ़ॾऀढ़ॱॴॸॕढ़ॱ षॅवः हवः बर्बेदः चर्यः धेदः दर्धे गः धदेः द्दः धः घह्नवः धः दर्षे यः धरा र्वेगः बरः हैदः देः दर्धेवः ः ॻॖऀॱॲढ़ॱढ़ढ़ॱऄॺख़ॱॻय़॓ॱॸ॔ॸ॔ॱय़ॱॴॸॱॸ॔ॸॱॴॸॱॸॖऀॱॻॾॣॕॺॱॻॸॱॻॖढ़ॕऻ**ऻढ़ॸऺऀॱॸ॔ॹ॓ज़॓ॱॷ॓ॱॿॣ॓ॱड़ॺॱ *वै:* त्र यात्रासु: न्नार त्राप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त वित्र त्राप्त व्याप्त व्याप्त वित्र वित्र वित्र वित्र वि है। रस्यायवर यय। ग्रयः रट रे याग्रयः परः । । ज्ञु रट यवणः १३८ र ।। *वेषःनशुप्तरार्थे। | ने* त्यःनव्यः वै त्यनुवः सः क्षेः स्थः प्रवेः नव्यः स्था । गवरायः वी **ॱ**द्वारायस्य प्रस्तात विश्व विश्व के स्वता के स न्द्रवास्त्रे अवतः न्दाः न्वेवायः स्रवातुः श्रुवायदे। निः वान् वेवावः चैर्-ग्री-क्षॅ-वर्ष-पत्वना-प-वे-न्**ञ्चन्य-पङ्कान्त्रेय-हे। र्--**य-वे-क्ष्न-अर्धर-ने-र्ञन्य-मः धेदःया निवेशःमः दे दे निवशः ग्रे : द्रे निवश्यः मा । निव्चनिवः पङ्ग दे निरः तः द्रे निवः पते र्वे न्वान्यः प्रतः अळवः यः ने र्वे त्वाचे ते ते त्वाचा क्षा व्याप्तः विद्या **ॸ्ञेन्रालाक्षात्यात्राह्यम् । यदे । क्षेत्राह्यम् । क्षेत्राह्यम् । क्षेत्राह्यम् । व्याप्तान्यम् । व्याप्तान्यम्** नदु.कु.र.वुर.वुर.वुर.वु.स्वा.त.वुर. तथाक्ष्यात्र.वु.कुवातदु.व्यव्यव्यक्ष्यात्र्या ण्तु ग्राप्तक्रवः ने : न् वे ग्राप्तः ग्राप्तः ग्राप्तः ग्राप्तः व ग्राप्तः व ग्राप्तः व ग्राप्तः व ग्राप्तः व <u>न्ब्रेन्राचःसःसःन्दःस्यान्यःसदेःन्ब्रेन्यःसःसःन्दःन्दःन्द्रेन्यंद्रयःसःस्यःसरःश्चेदःनदेःन्ब्रेन्यः</u> नः चार्त्रे तार्ग्वे चार्च चार्या नक्ष्या द्वारा भावता दे । । न्ये चार्या चार्या भावता चीर्या चार्या वै:न्रॅव:यंदे:यवद:धव:है। दर्ने:ठंय:नु:वर्ने:यव:ग्वद:यंवे:र्ने:वेव:यदे: है क्रेन् पदे न्दें कर दे सब द न्दा वि दे वि न क्षेत्र न दे कि नद.ह.के. नद. र्ट्याचंद्र.बचत.बेवेय.ब्रा १८.व.ह.केर्.त.ब्र.बर.ब्र.वर्याचय. ยลผ. २८. ८८. पर प्राप्त थ. पक्र. पक्ष. ८८. ही. अक्ष. प्राप्त के या क्षेत्र विषय करे. ८८. पर् -चलै*र-वेल-चलैर-दर्देल-*सॅन्झबल-ठन्-५५*ताची ने*-धन-कन्-५-गल्बन-बेन्-धर्व हि-क्ष-यः देः दक्षे गुरुष्यः नेः नृगः गैः भरः नृगः यः केन्ः नृनः नेः प्रवेदः केन्ः त्रे गुरुष्यः यदाः गुरुष्यः स्वेः न्द्रवः । द्वा तश्रवात्र्यः द्वाप्तवात्रः द्वाप्तः द्वाप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः न्तु न्यानक्ष्यात्वाक्ष्यां नेयात्र्यायायायात्रायात्रायाचेत्रायात्रेत्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्राया न्नया यदायरार्त्राच्यापदे सन्तरा मन्तरा नद् । श्रुन्-पः इयः परः श्रुन्-पः दी ५५५ कन्यः स्वयः परः श्रुन्-पः इयः परः श्रुन् चतः न् बेग्रायः में। बेःश्रृगःयः न्दः चु अरायः न्दः हे दः दर्ने तः न्दः विअराधेः र नः न् चेः न्दः <u> न्त्र्वातः त्युरः हृतः हेः स्र्रा | नेः यः बैः स्वाःयः यः न्वेवातः यः वै। क्षः न्रः सुः यः त्र्वातः यः </u> र्राः हुन्। **देः द**रः नीः बैःश्रृनाः यः नृरः इत्वः यनः श्रृंदाः यः ताः र्रावादाः देः क्षुः र्रतः न्रीः बैः श्रृनाः यः ……… क्रे जै. बर्टर. चतुः श्रेष् प. चतुः इत्यायः श्लेष्य प्रस्तायः व्यवस्त्रः चतुः विद्यस्तः स्तरः स्तरः विद्यस्तः स <u>र् गः प्रः परः वरः वश्वायः तः द्वीयायः वश्वः यह्यः यरः यवियः पर्षः यदः यदः यदः यदः वहः व्य</u>वः स्थाः नपु. पथाना कु. विषया त. है। विषया नपु. पहूर्य है रया नुपु. सू. वया ग्रेयण नुष्या प्राप्त <u> ने.र्च.ज.पह्रय.त.ज.वेश्वयत्त.ज.र्श्वययात्त.पृथ्ययात्त्रयायात्त्रयायात्त्रयात्त्रयात्त्रयात्त्रयाः</u> |हेद'त्रेल'ल'र्बेन्यप्त'वै| रुष'ग्रुब'रु'त्वुर'पदेःहेद' धर-महीरवाधर् ৻য়ৢ৻য়ঀৣ৽**৾য়য়৻ড়য়৻য়৻৸ৼ৳ৢঀ৾৾৾ঀঢ়য়য়৻য়৻ড়য়৻য়ৣ৸ঢ়য়য়৸ঢ়ৢ৸য়ঢ়৸ড়য়৸ঢ়**ৢ৻য়ঢ়ৢ৻য়ঢ়ৢ৻য়ঢ়ৢ৻য়ঢ়ৢ৻য়ঢ় त्यथः बः निर्मे नियः सद्धैः त्यतः च्चैनः सः मः नृष्टः तज्ञ त्यः तुः कुष्य तशुः श्चेष्टः नः मः श्चेनः सदिः मूँ **व**ःयः…… ने स्र- न्ये न्याने स्थयातहे वाया | विययामे न्यान्ये न्यान्ये न्यान्ये न्यान्ये न्यान्ये न्यान्ये न्यान्ये न्या र्ट.क.रट.ब.रट.क्ट.रट.वब.चावत.र्ट.इब.चेय.ग्री.विवयःद्वेग.ग्री.क.इबयःब्र्.स्र.... बु.कु.र्-इययायार्व्यवयात्र्ययात्र्ययात्र्यं । १५५ग्यात्वुरःह्यायार्वेग्याः वर र्वेग्याय पर्व

षाःश्रीयश्चाः वृः विश्वयः $\frac{1}{2}$ ः अवशः $\frac{1}{2}$ ः स्वयः $\frac{1}{2}$ ः स्वयः वृः स्वयः वृः स्वयः वृः स्वयः स्वयः

ब्रुॱयळे*न् दे* वैग् य रॉग्याय दि ब्रु :यळेन् :पठु :ग्वेय धेद :य| रे.ज.यावयायाच के.वराची **য়ৢ**ॱয়**৾ঌ**৲ৼৢ*য়*৾৽देःৼয়৾৻ঀ৾য়ৼৢয়৽য়৾৽৴ৼয়ৢ৽য়য়ৼৼয়য় क्रेंद्र-र्रात्मम्यायाः सम् यदे थेर्-दे-रे-सासम् यदे क्रेंद्र-रेन्यायद्र 🔰 🎼 दः दर्शयः देः स्तर् त्या प्रश्नित्र त्या क्रिया च्या क्रिया चित्र त्या क्रिया त्या क्रिया त्या क्रिया त्या क्रिया त्या क्रिया भेर्-मु-दॅर-च-त्वुर-च-न्वराधेद-त्या बी-र्नो-च-त्यराङ्कव-धेर्-दॅर-द्वुर-च-न्वर्यः बेवःयःराम्यायःधेवःयःनेःयःबावयःयःवैःनेःक्षेत्रःमेयःयदे । । तनिःवैःहेवःदद्येयःयःबावयः यते चे च न धे द हे कि र पर दे पर है पर है पर है पर है पर है के कि स्वर के पर से के पर से के पर से के पर से के प त्रेवः भूट्राः गृर्ठेगः गृः श्रुं व्रारोध्याः त्रेवः यद्। व्रिवः स्ट्राः यः स्वः यरः श्रुंटः यः वै ৾৾**ড়৾৾ঀ**৾য়৾৾৾ৼ৾য়৾৾৾য়ৢ৾য়৾য়৾ড়য়য়৾য়ৢ৾ৼৼৼড়ৢ৾ঀৼড়য়ৼৼৼয়ড়য়ড়ৼড়ড়ড়ড়ঢ়ড়ৢ৾ঀ৸ড় यॅदे·न्बेन्रान्यदें त्रॅन्यदे राद्या क्राक्षा के प्यट बेन्यदे क्रुं बक्रेन् क्रुं वर्र क्रुं राद्य क्रिक्र क्र रगरामा न्रामित्रायि विष्याधिकात्या मिन्नेयायि न्रीमाया विष्यामा विषयि स्थान यात्यः स्वाचारा चार्त्वः च्याः वित्तः वित्ता वित्तः वित्ता वित्तः वित्ता वित्त *৲ৢয়ৢ৴৻৸য়৻ড়৻*৻৸৾*ৢ৴য়ৢ৽য়*৽য়ৢ৽য়৽য়৽য়য়৽য়৽য়ৢ৽য়য়৽য়ঢ়৽য়ঢ়৽য়ঢ়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য়৽য় वयाक्षेत्रयात्रिवः पदि । अवार्षेत्रः परः पः त्यतः द्वेष्यायः पः वृद्ध्यः वृद्धार्यः है। रमः **भवः भवः महिकः महिकः सम्मान्यः । सम्मान्यः । सम्मान्यः ।** सम्मान्यः सम्मान्यः । नर्, बुया व्यया कर न स्थ्या है ने ता खेबला दहना न न हा क्या गुया क्रया स्था हिन् चरः तश्चरः चतेः सुदः संग्रंगवायः या द्वेगवायः प्रः अर्घरः चः प्रः विवाधतेः वर्वः कुवः शुः श्चः न्त्रीच्याताः श्रेयरा तह्नचा सद्। विदायाः स्वायाः यह्नचा द्वेयाः द्वेयाः द्वेयाः व्ययाः विदायाः स्वायाः विदाया सुर्रायः स्राप्तात्रात्रात्वाता नेतायर चुताला ने वता ने प्रवानी वरातु रेसा ग्रीता प्रवासी वापा न्दःने त्यः न्वे ग्राव्याये वयाये वयाये देवाया है। है त्यूनः संस्थान विद्युन् याया में व्यापान संस्थान ढ़ॕॕॕ॔ॻॱय़ढ़ऀॱऄॖॺॱॸॻॱऄॗॱॻॱढ़॓ॸॱड़ॣॸ॒ॱय़ॱॴॱॺॕॺॺॱय़ॸॱॻॖॺॱॺढ़ढ़ॱॶॴॱॺढ़ढ़ॱॴऄॱढ़ॎॺॕॖॱय़ॸॱॱॱॱ र्वेन्त्रायात्रेवराष्ट्ररायते हिरारे त्रेष्ठ्राष्ट्रेत् क्रिया | तर्रे वे क्रंत्रायदे वात्रायता वात्राया ऻ*ॖ*ॖऺॱॸॿऺऀॺॱॸॖॱॾॕॺॱॿॺॺॱॸ॒ॸॱऻॺॺॺॱॸॄॸॱऄॗॖॱॺॾ॓ॸॄॱॸॖॱढ़ॸॖॱख़ऺॺॱऄॺॱय़ॸॱॿॖॺॱॺॱॸ॒॓ॸॱ प्रश्ताचेत्रः पर्रात्रेयतः वहेत् पर्दे। दिः ताश्चरः पर्वे वार्षः प्रश्ने विवादः पर्वे वार्षः विवादः पर्वे वार्षः विव ८ळ८.त.केर.कबेथ.स्वेय.केबे.तर.बैर.त.इवय.ग्रु.कबेथ.स्वेय.क्वे.श्र.बेट.ट्र.प...... महेब् व्या हिरारे वहेंब् वहेंच धर श्वाप्त र्वेण्याय विर्ध्य राष्ट्र तप्तः र श्रम्यातः स्वयः वैः स्वाः नेः र माः त्ययः यः महिं मयः पत्तेः महः त्रमः मीः पर्माः तस्माः पर्यः । नन्मा बेर् हिंगला पदे हिंगा अवें र हें। नर्र हेला शु अधुद पता है। नद्रा ग्री र्वे महारा मैद्र-त्र-वहर-विद्र-। बुंब्-ब्र्ट्य-व्यः नव्यं नव्यं नव्यं व्यव्यः बुर-व-बेर-र्ने। रिते छेर-र्मेयाय छ्र-धर-ठव-र्र-ध्व-धते वि नवय ग्री-र्थेनय म.ज.चहेब.बय.१८.८.५६व.श्चिम.र्ग्यय.म.लब.नया नदःदनः देवःददः नैदःसः इस.तर.चवच.त.मुथ.त.एव.तर.चययात्। । व.दुच.र्थचयायद्व.चन्र्र.सू.चैथ. वयः ने त्यः श्रेयतः पञ्चरः वः यद्धवः वहिवः नुः त्याँ श्रृयः वयः ने वः पुतः प्रीयातः यदे । धुतः प्रीयः प्रीयः प महॅंद्रायराहेद्रायेत्रहेत्। तहेत्। तहेत्। हेद्राहेद्राहेद्राहेद्राहेद्राहेद्राहेद्राहेद्राहेद्राहेद्राहेद्राहेद महवः अभा नितः इस त शुराधिवः है। पर्ने हिराने दे के दे वि से प्राप्त से नित्र है पर है नित्र स नवि.हेर.दे.पह्रब.लट.बुर.तर.पश्चर.जा लूर.ब.बु.डु.खुन.चेथ.नथ.चेथ.नर.पह्रते. ख्यान्तान्त्रे न्यान्यान्तान्त्रे व्यान्त्रे व्यान्त्रे व्यान्त्रे व्यान्त्रे व्यान्त्रे व्यान्त्रे व्यान्त्रे त्रेष्ठाचे . प्यतः अळवः त्रेष्ठाचुः त्रेष्ठाः प्रचाना स्वाना स्वाना स्वाना स्वाना स्वाना स्वाना स्वाना स्वाना स लट. र्हेट. त. केट. की. स्र अ. द. प्रमें. श्र. प्रमें. प्रमें. प्रमें. **वया.श्रुश्चा.श्रुश्चा.श्रुथा.पह्ना.ता.ल्य.ग्री तीपा.पा.ठ्या.लाट.श्रु.चे.ता.र्टा.ह्र्या.तप्ट.श्रु.यया** त्र्ना संक्षेत्र हे क्षेत्र स्वाप्त स्व น·六內·四下·木下·ने·वेसवायरिक्वायरःध्यान्य्यतरःधार्यःव्यःत्रःतःरेःकृरःम्हरःम्हरः श्रमानार्श्वानु । पहराविषात्रेयानार्श्वानार्था ৴য়ৢ৸৶৻য়য়য়য়৻ঽয়৻ঀ৸৾৻৸৻ र्श्वेन्यः व्याद्यः न्यः न्यः न्यः न्यः व्याद्यः व्याद्यः व्याद्यः व्याद्यः व्याद्यः व्याद्यः व्याद्यः व्याद्य बेर् धर तर्रेर् धर रहा वी बुँहा ना रहा तवाला ना धवा वही विकाल हिराहे तहे वह बुवा पते. नबिर.कु.च.क्यता.वया.वया.वया.वया.वर.शु.च.वर.त.चे.चन्नेच.च.व्यत्रः ह्यूरः...... नभर्ना क्षेत्र धेत्र पता रोबता यहँ ग्रापदे र्वे ग्राहे द्राया बावता धरा पुर्वा |श्लॅब:देब: विःनविषाग्रीः न्द्रीनवायः यः देवायः वेनः यन् प्रमन् । यः এম:শ্লুব:এথা र्श्वन्यायाः नदः उदः न्रेन् र्नाः वा विषान्धरयायः देः र्श्वन्यायः द्वे । द्वन्यः विनार्यः म्बर्रित्रे र्मेषालेषायदे र्मेषाची र्वेगयाया ग्राय्त्र ग्रांकर्षा उराष्ट्र बेव क्।

वे·स्८·श्चुन्यःविनःधेवःवःवेःग्रुव्यवःयःयवः । निर्हःसुनःश्चनःश्वनःधेवःवःवेःग्रेवःवनैः *ऄॖॸॱ*ॻॖऀॱड़ॆॺॱऄ॔॔॔ॱय़ऄ॒॔॔य़ॱॸॕॱय़ऄॗॗॖॗॖ॔॔ॱॸॱॺय़ॕऻॎऻॗढ़ॱॿॖॹॱॿॗॗॸ॔ॱय़ॱढ़ऀ॔ॺॱऀॺढ़ॺॱऄ॔ॱॺॺॺॱॻॖऀॱ र्म. हु. र् चे.म. मार्थ व्यवः के.मर. मार्हे र.मर. चेर् र् | बिवः र्मः इवः मर हे मारा हुरः यार्वाक् विवाधिक के विवाधिक हिनाया म्हार्म स्वीविष्ण स्वीहरामा ह्या सामा के स्वराधिक स्वाधिक स्वराधिक गहें र पर छेर री रे हिर द रे हे लाखा बहुद पदे र वे ग्लाम करे बला हे र प्रेर धरः चेर्रः यः धेवः व्या विवाग्विरयः भेरः। ववः वः व्यायाः गुरः। रे.ज.चट.≅च. न्रः वर्देन् कन्यः न्रः वे स्राप्तः न्रः न्रे स्याः न्रः म् कृषः न्रः स्याः यरः हेन् यः श्रुन् यः नेः र्गामितावि ते ते ति गार्ट में कि वर श्वर स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ म्वर्थ म्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर 다**ス.**ব্লে**८. २. १** देवै देव . हु : बेबल विवास है वाल सर त्युर विदः दे द्वा वी न्बेग्रायःनेः धरः संस्थरः देशः यः विष्ठ्रः वश्चरः वश्चरः वश्चरः नृत्रः ग्रीयः वैर्गेष्ठः वरः वरः गाः **र्बेग्वायः नेवाय्डें व**ंपरः चुर्वे। विवाग्रह्याय्यः नेवायः न्वेग्वायः नेर्वायः वै.इर.चन्र.चते.र्थेन्यायार्.र्र.र्वा.प्यान्यर्गारायार्वायः प्रमुर.च.विवा.पायेययः <u>देशकी सेवाया मृत्रयाम के छे उदया ग्री क्षेत्र मृदाया द्यादा पराया मृत्राया पराया मृत्राया पर</u>ाया पर्वे स्थान है स গ্রী বি. বাৰ প্রাম্ चबुब-र्-कुब-स्टल-स-क्ट-चब्द-र्-चबुब-र्-देग-सर-चुद्। विक-मुख्टर्-स्व। १रे-पा.क्रचीया.सू.चेया.क्र.च.क्र.च.क्र.क्रे.क्रे.च.क्र.क्षचीया.सू.चीया.स्.गीया.स्.चक्रेयी स्वयात्तरा पत्र.शर.१.वियातयाक्रचयासूचयास्त्रचयास्त्रतीयाक्षर.१.वयराक्रचयास्चयास्त्रच्या 341 近、七七、聖母、七七、謝、日友 | m、如母如、日七、劉七、日、孝、謝、日、若、如、我、如、明、西、可可、故可切、 गुद्र-हु-स-प्रदेश म्बर्थन्तर-सर-स-विवा लव्यस्-द्र-स-विवाध-देन्न्व-त-वेय-देवन्य-श्वदःबःधुरःनतःने:न्नःने:धुत्यःतःकन्तःत्वन्तःनतःकेदःयःन्रः चुदः श्र.य.च केया बिब.ब्रट्य.त.क्ट.च.बु. **२८.**शु.लट.कबथ.यूबश.सं.शु.पचीट.च.थ.लथ.तूर भ्रु.प.चावय.री.कचाय.सूचाय.ग्रीय.पे.पक्षेय.त.सूचाय.त्राचिय.भ्राप्तेया.प्रचाय.स्राप्ता ल्याया चेया तथा कवाया ल्याया ग्री तीया कुषे त्रा रेट अट. स्. रेट क्षेत्री ताया कवाया ल्याया ग्री |देलट.कव्यतःस्वतः तुत्यः चरः क्रेुःत्यःधृत्यः दश्चैरः द्रः स्कुरः दुःत्यः नृ ह द वे क्रेुः चर्द। बाणिक् या नृता वृत्या स्वापा स तर.पश्चर.र् | श्रावयातप्र.र्श्वयायात्राचरात्रचा चराचेयावस्त्रव्यापरा वयाशुग्नाताहे नि श्वेराह्मा तर्षु रामाह्मा तर्षु रामाह्मा ব্যায়াথাৰ্থানাথ্য ঽ৾৾ঀৢ৽৻ৼয়ৢঀ৽৻ৼ৽য়ৢ৽ঀ৽য়৽৻ৼ৽ঀয়৽ঀ৽য়৽৸ৼ৽য়ঀ৽ঀ৽৻ৼয়৽য়৽য়৽য়ৢ৻য়ৢৼয়ৼয়৽য়৽৽৽৽ ৾ঀ**৾ঀ৾৽৸য়ৼ৾৾ঀৼ৾৾ঀৼ৾৾৽য়ৼয়৾৸য়য়ৼয়ৼয়য়য়ড়৾৸৸য়ৼয়ড়৸ড়** <u> इंट्यन्यः विचान्त्रेयः वे प्रवयः यात्र्यायः यात्र्यः । मुक्तिः यात्रुवः मृत्यं द्यायः विचान्येवः व वि</u> क्षेु:अळेन्:त्य:बावल:य:पदि । वि:हग:य:न्द:धृग:वद्यत्य:न:न्द:वन्ग:बेन्:य:त्य:गुद:तु: **र्झरलपालियाधिदादादीक्तेवार्श्वरायद्वीयायरपानुदायाक्ष्यायाद्वा नवरायाधेदायायायेयरा हे परा नहें रायरा हे रार्या** | वेदा नहीर राया हे राही र्वेन्षन्यः पर्ने स्थान्यः न्रं स्यः क्षेर्यः क्षेर्यः स्वापरः क्षेत्रः स्वापरः ॾॗॕ॔॔<u>८. तपु, रेश्च बश्तरतत्त्राचीर अध्यात्त्र</u> कार्यात्त्र स्थान व्याप्त कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य का **ध्यः,विश्वलःग्रुः,यर्देन्:कग्वरः,न्दः,यद्ययः,न्दः,यर्देन्:यः,बिगः,श्वरः,यः,देः,यर्द्वर्यः,ःःःःः** भ्रवतासुः ववः पतेः न्रेम्याः महः तान्ते न्याः मृत्यः सुवः सुवः सुवः सुवः न्ये म्याः पतः विष्यः विष्यः पतः विष्य भ्रवतासुः ववः पतेः न्रेम्याः पतः वहः त्याः विष्यः विषयः सुवः सुवः सुवः स्वः विषयः सः सुवः स्वः पतः स्वः पतिः स इंदर् के क्षर वर्ष व देवा है कर देवा है वर वर्ष व वर वर्ष व वर विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास **ॱ**षुन्-धर-तु-द्वै-वृद्याः अञ्चत-द्वेवा-देयः धर-दुव-द-दर्देन्-कवृद्यः वृद्यः देवायः विवास **थेव**ॱवॱवै: न् श्रेणवायः देवःयः ठवः यः चुः न् ज्वेतः हे। ने या चुला व । बे व व ला हे ला यह व पते किरासे तहे व स्वार्थ के प्राप्त की नावता प्रत्य की प्रविच पति क्षेत्र की । अप प्रत्य स्वार्थ की पति की प्रत्य की पति की प्रत्य की पति की ॕॗॺॕॖॖॖॖॸॱॺऀॱॸ॔ऄॻऻॺॱय़ॱॺॱॿॗॖॸॺॱॻॖॸॱॶॺॱऄॺॱॸॖॱॸऀॸॱय़ॕॱॺॱॻऻॸॕॖॻऻॺॱय़ॸॱढ़ऀॱॻॺॺॱऄॱढ़ॻॖज़ॱ*ॱॱॱ* धरः नशुरुषः दः श्रुर्धः स्यः श्रुरः ने र् ये नषः धर्मः र प्राच्यः ये र सुप्राचः स्थान् । द्र्ये का धरे र श्रुरः | विर्-पर-तु-इब-हॅन-नव-छ-नव-दि-देव-पर-तु-ए-विर-पर्वेब-पर-चु-र्नेव-स्| न्दः चन् कः बन्धः धरः ह्युन् धर्याः कुँदः बँदशः हृदः पदेः न्दः चन् । धेदः दः देः स्रः पन् *ॱ*झरॱॸ्ऄॻऻॺॱय़ॱॾ॒रॱय़ॶॸ्ॱय़ॱॾॺॺॱॻॖऀॱॺय़ॱॺॺॱऄॸॱॻय़ॱॾॗॕॱय़ॱख़ॱॸ॔ऄॻऻॺॱॾ॓ॺॱॼॗढ़ॕऻ दे.पह्रय.ग्री.मैज.त्रप्रह्याश्चरवायाया श्रेश.४४.४४.४८.४८.४.४४ वर्षेय. न्नेन्यः पर्दः श्चः तः न्रेन्यः दयः हेरः रेः दहेदः श्चरः यः न्युरयः या श्वरः न्यं दः न्यः न्यः । नवर.त्याचिता पर्दरावी नवया वी नवे या है। मा वरा नि महे या पया पर्वे ना मा निराम हिरा नक्षत्रायात्मान्त्रवात्रा । ने.लायाद्याः नक्षत्रायात्मान्त्रात्वेताने त्यातायात्मान्त्रवातः यः ५८: खुकः तः पहे दः यः तः ५ ईवाकः पर्दे । | दे : तः खुकः तः दक्षे व कः यः तदरः व खुकः ह्वे । [मर्त्रु:ना:तःर्शन्तर:सःवळव:अ:छिन्:सन:ठव:तःन्वेनतःसद्। यहेव.स.लयर.कि.ही न्तुनवातातान्वेनवारान्तावळ्वायास्यात्रातान्वेनवारान्ता *वैगः ते त्यः न् वैगुलः सः नृदः देन*ः चेरः ग्रीः यदः यगः तः न् वैगुलः सः नृदः नृतः सः नृदः यने न्यः । स्य-दश्चित्रः प्रदेशः प्रति । वि.श्चिरः प्रदेशः प्रतः प्रत्यं विषयः प्रतः विषयः । वि.श्चिरः प्रतः प्रतः । वि

ा देः त्याष्ट्रदः स्टब्दः त्यामा केवा हे स्त्रुः त्या द्वी मात्रा स्टामा श्रुदः त्या द्वी मात्रा स्टी । विषायंदार्यः विषाप्यभदादे। - ぬぬ:類す.とjw.セン.ოた.よ.ヹヒむ.셏| |よ.ゅ.ねヒむ.動む. য়ৢ৾৾৽য়ৣ৽**৻৽৻য়য়য়৽৻ৼৼ৾৾৾৾৾য়ৼয়৽য়ৢয়৽ৼ৾য়৽য়ৢ৽ৼয়৽ৼ৸ড়**৽ৼয়ড়৽য়য়ড়৽য়য়য়৽৻ড়য়৽<mark>য়</mark> क्के.च.र्टः। श्रु:रे.ऋबायः**ग्**यलःलेटःचङ्दादाद्वनःरटःबक्टरःच.रटःश्चदालवालास्याताः 니지: 링크, 다.네.현구, 성호.윤.먼.스트, 동고.일도.당.너릇호. 웹.葡네.덫당.퍼턴, 퍼턴, 스트리스트, तकः नदः कः यद्यः कु यः हेयः शुः इवः मः तयः श्वः वृ श्वयः मः तः स्वायः मदेः स्वः वृ वः न्रः। च्यट.र्म्चयाग्री.जत्र.स्र्य.दे.क्षेत्रस्य.प्ट्रेंट्रज्य.प्रेव्र.प्टिंट्रक्र.च.जर्म्यायाग्री बर.स्.ब्रंट.क्री तर्वेतःषदः वदः तर्यः क्षात्रः व्यान् वः व्यान् व्यान् वः व्यान् व्यान्यान् व्यान् व्यान्यत्यम् व्यान् व्यान्यत्यम् व्यान्यत्यान् व्यान्यत्यान्यत्यान्यत्यान्यत्यान्यत्यान्यत्यान्यत् षरसःमुसःसद्दःशुत्रःतुःचलुग्वःधदेःहेरःदेःदद्देनःग्रुःसद्दंतःक्रसःग्वस्यःग्रसः ब्रूब्य-द्रेब्य-घ-ब्य-प्यत्य-प्युद्धर-ध-द्र-द्रित-ध-द्र-द्र-क्रिक्य-ध-क्रिक् ळेग्-यरताशुः र्ग्गताद्यायः श्रेतार्थ। |देखाकात्रेदारे तहें का धरात शुवाता का द्वी का स ष्टिर्-धर-छब्-म्बब्-धर-बर-वर-वर-दर्घन-धरे-दर्धम्य-हेब्-दर्छत्य-च-वे-वनय-व-यावय-धः-धवःद्या |रे·पर्वतःम्मेग्यःपर्वःश्चःहःत्रःपःविगःयःर्वेग्यःपर्वःहेत्-छेर्-छेन्। ধ্রুঅ:২অ:ঘ:অ:এথা ने.ज.इज.पञ्चर.चय.च्र.च.चर.चे.चब्रच्यानेगवारायदे.क्षुःगञ्चगवः है·क्षेर्रः अष्ट्ररः नः नृष्टः हैं न्द्रः हें तारा ता तो अता निष्णः नृष्णः निष्णः निष्णः निष्णः निष्णः । है। नविष्-गमेगरानदे सुन् ग्रुगराने धर्मा गरे राम् गरे रामहे स्वर्म ग्रिस् मिनविष् रु सेराया सहय रूर २घे.चुन्-पत्रदःर्यतःपकुक्-धःविष्ठःग्रीःक्टःक्-पत्वणतःभेटःस्यतःश्चर्णतःग्रीतःतेसतःःः ठवःग्रीःर्नेवःयह्यःस्रःश्रुवःतुःधिरःवःग्रेतःयव। देवेःषवः हवःवःवर्नेरःयः पश्चेरः छरः चेट.च.रट.भूर.त.ज.धूबशतःबु.चर.वेथ.प.ह.शुर.१.१.घरेष.चेथ.चेव्य.च.चेव्य.य.च स्यान्यान्यः नृत्वान्यः स्त्रान्यः स्त

८ळर: श्वाप्तवा श्ववि: र न वा देवा वा देवा वा हे वा छा देवा वा के तकर्रायाक्षरा ग्री किरारे तिहें दात दें रातरा दिया या ग्रीया यर तु र की या वा या पर स्वा वा की सम्बद्धा बर-पॅ-ल-ब्रॅंश-वरा-हैर-दे-तहेंद-चेद-ध-इबाध-धवल-ठर्-हु-बे-उर-हें। श्च.पट्र.च.बर.त्र.पा.पत्र्या.ग्रेव.हर.र.पह्रव.चश्चवयाव.वं.चवयात्वीच.तप्र.ग्रेचया यत्रत्युत्रः नते क्षेत्रः द्वा १दे नवा व किराने राहे तहे व क्षुनः नते व वहा कर् ह्वा वा विराम श्चियः देवः गृश्चयः तः स्वायः तरः हिनः वरः हिरः देव द्वितः सदेः छः द्विन्यः यः गृहेनः वि वर्तः न्यमः मु: छ यः वर्षः श्रुवः यमः यभनः छै। **৴ৡ৸৶৻৸য়ৼ৾৾৻য়৻য়ৄ৾৻ঢ়ৼ৻য়৻৸য়ৢৼয়৻** स् । पत्रम्थान्त्रम्याच्यान्त्रम्याच्याः मह्यान्त्रम् न्द्रम्याः मह्याः तानह्यः | भेर्-ख़े-चलबन्ध-मन्द्रव-पर-ख़| | र्बेन्विन्य-य-ब्रह्म-य-व्राह्म-य-व्या **छर्-द्रे**-ब्रेंब-ब्र्ट्य-प्रतिब-तर-पश्चर। वियानयश्चान्वे वे.श्चेन-तप्-श्चेनयाश्चीय्यः पक्ष. मुंद्र-प्रतः गुरः। र्वेग्रायः ग्रायः न्यः ग्रायः विर्वे र्वे प्रायः MI म्बन्तराच्च विद्यान्त्रमार्माताः विद्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रमाः विद्यान्त्रस्या । देवानः न्हः सः न्वेनवासः मार्रेना त्यः न्वेनवा व्यः वेशनव्यः केन् व्यः क्षेतः देवा व्यः न्वे चुन्याविष् वाह्रे। ने अन् निष्ट्रामा देवायन त्रेयाया ताल्येव वायाया गुन्। पत्नेर.च.६वथ.ग्रेथ.कूट.त.देर.चक्र.चक्रेर.ज.र्श्चव्य.च.च.व्य.च्यूच्य.च.च्यूच्य.च्यूच्य.च्यूच्य.च्यूच्य.च्यूच्य.च्यूच्य र्श्चन्यायात्त्रं इत्राच्यायात्रः विष्यात्रं विष्याच्यात्रः विष्याच्यात्रः विष्याच्यात्रः श्रियानाम् त्यात् हेव पत्र न्द्रीम् ताहेव हेन् पत्र सन्दे । न्तु न्य ख्रामं हेत्र न्य स्रीते म्चि चल्द्र. न्दः विचयः चेद्रेयः देशः चल्द्रेदः न्त्रितः चल्तः च्रतः विचयः चिनः व नेव-

য়য়**ৼ**৻য়ৢ৻ঀ৾৽য়ৣ৾৾৽ড়৾৾ৼ৾৽৻৸৾৾৾ড়ৢ৵৸৽ঽ৾ড়ৼ৾ৼৼ৾৸ড়৽৸৾ঀ৽ৼঀ৾৽ৼঀয়৽য়য়৽ড়৾ড়ৢ৾ৼ৽৾ড়য়৽ঀ৾ঀ৽৻ড়ৼ৽ वयाने त्या से व्यापन महिता में विषय में च्रियावयाः वेष्याव्याः वेष्याः विष्याः पज़पःवः न्दीवायाः सः सुदः चन् ग्यायः तुः त्य्राँ । धदः रो ययः वृद्याः कदेः हे दः देः दहे वृद्योः हे दः । पर·बः चर् रहेर् प्यते चेष वाराधार शुराया न्बेन्द्रासः केरः बेःन्द्रास्याया यदः कः क्षेत्रः दयः **ग्रे**'न्श्रेग्रायाने कृताया वेश्वया पञ्चरावा केरा है रामे प्रमाय के प्रमाय नः लः म् व लः न व लः व लाकः न ने म् व न त्युनः पते ख्री नः म । व ने में श्रीनः न पति न . मेलाकृते. न् न्यतायायता त्युटाकृष्वाया के. परः क्षटार्टः। | न्वीन्याके वातकराया वा त.धी.चषु.क्ष्य.चेष्ठ्याग्री.झयाचष्च.यह्रं.ताझराजूर्यच्यायाः चार्चान्त्रेयायाग्रीयाझयायाः तकरः र्गातः श्वः र्दः भरः वः स्पारं न्यायाः शैः न्यायाः रूपः रे : न्वे याः गुदः वह्रवः श्वः वह्रवः श्वः । ञ्चन्यायाः विनाञ्चरान्यारेयायाः अर्-र्ना । नयाराञ्चन्यायाः विश्वेतः स्थायञ्चराञ्चनः स्थितायाः वरा दे : क्षेत्र : प्रते : व्यव या चु : द्र्ये या चे | यदि रा वै : द्वेत्र : द्वे : द्वे या या के या यक रा परा द्वाया व <u>इर.पहेब.नपु.रेश्वणयानायर.प्रराज्ञ्ची.जावेथ.वयायुत्रयतयाष्ट्र</u> न्दराग्चे हिरारे तहेदार्थया देना श्वापाया न्द्रीया प्रदेश वर्षे दे प्रदेश के स्टि ष्परः क्षेप्तुः तः नृवेष्यातः वता श्वेषः व वे ने ते स्वायः व तन् । परः ते वतः व तु रः व तने नः ने व श्च.पर्वीय.तथ.ईश्व.त.चेट. वदुः होट.री. शुंश्चय.चे बीट.रे चूय.जी **ने.लट.वैट.क्ट.ग्रेथ.** भुदे:श्चे .पः पत्त् रः देरः भुः नेदेः कः भवः दगदः देगः केवः गवायः परः श्वरः दः ने ।यः गञ्चरः। ने ः ऄॱॻ*ज़*ख़ॱय़ॸॱॺॕॸॱढ़ॱॴॸॱॾॗॆॱख़ॱॻॹॖॸॱॸॕऻॱऻॸॖ॓ढ़ॱख़॓ॱॹ॓ॸॱॸॕॱॹॕॖख़ॱढ़ॸॕॸॱय़ॱख़ॱॸख़ॸॱय़ॕॱॶॸॱ मनेतायाने त्यात्रे त्यात्रे स्वरामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्रामित्र यः न्रः। श्रुवः न्रः मरुषः यदेः अगवानवयः मः न्रः। श्रुवः ग्रीः छन् मरुषः यदे। त्रैर पञ्चित पर च पति हिर रे त्रे व वि कि र पर महिता पति व तर्ने दिन्तः श्रेया भेषः मुन्ता वाया प्रदे न्याया करे रूतः न्या स्वापः न्या यात्यः अः मुडेनाः तुः मुद्रायदेः वीः स्तिः मुद्रायः का द्राः स्वायः स्वायः विद्रायः विद्रायः विवायः स्वायः स्व नः नञ्चतः वरा वर्ष्यः तुः ग्रेनः य। वर्षः न्याः नृहत्यः यः धरः नञ्चतः वरा नवितः ग्रेनः ग्रुनः नुम्यायावी:विन्तायमान्यायम्यात्वात्रायम्यात्वात्रात्वात्रायम्यात्वा 꽃×.ㅂ.성회.러넛. चलअःगृहवः नृदः यद्वे केरः मर्थ्ग्या ग्रीयः मृष्यः यदे हिरः दे तद्देवः नृदः बर्छ्ररः वृत्रु हैं । वैदः विदः। विना या नहां वा नितः विता प्रति हेदाया बहना है। मुख्यान्त्रः प्रवास्त्रः मुह्यः प्रवेश्वरः हितः देश्वरः सुरा सुरा प्रवेशयः प्रदेश्यवः पर्ने स्मारः द्राः लट. अर्थ्वरथ. कंब. रे. शु. प बैट. चया पर्टर साच चेट्या स्वी 14444.94.24.9.2.4L. न्त्रुन्यः स्रोत् भी त्यारा पृष्यः पदि हिन्दे त्य दिन्दः त्यादः दिन्यः व्यादः स्रोतः ग्राटः। म्बुग्राकेर् श्रम्यायदे प्रवयम् मृत्रा बियानबर्धरयासःक्षेत्र। वरः रोसरा-र्नटः व्रतः तत्त्रविषाः यान्त्रेनरा पदि गुरः रोयराः क्रयरा न्ययः न्त्रवः गुः रायः ।।।। मञ्जूतापते हिरारे तहेताल पहेता वर्षा प्रवाहत मुना पर न्युरय परा न्याय परि हिर् यर पन्न पार क्षुँ के बेर् रें। |रे क्षे. चुवै ग्वाय कवै रहर वें का यर के चेंद्र प्राय प्राय के चेंद्र प्राय प्र नु:गर्डर्'या के नहिन् पदे शे हैं न प श के में र परा पर है नहिं पर स ण्डेलाड़ेरारेप्ट्रिक् इस अर्णात्युवायते चेष्याचि प्रेच्या वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः *ॏ रेलाव* छेर कॅर् अप्तार्थ स्वराधिवाता स्टर्स्य चेवा साविवा प्राप्त चेवा वता ने प्रेशःत्मृबान्यः ने तः त्रुपः त्रुपः त्रुपः विश्वाः श्रीतः त्रुपः त्रुपः त्रुपः त्रुपः त्रुपः त्रुपः त्रुपः यहराक्षे के श्रेषाने विषय प्राप्त श्रेष्ट के श्रेष्ट प्राप्त के स्तर्भ के स्तर्भ के स्तर्भ के स्तर्भ के स्तर्भ *ৗ*ঀ৾৾৾৽য়৾৾৾ঀ৾৽ঀ৾৽ঀ৾৽ঀ৾ঀয়য়৽৻য়ৢঢ়৽৸ঽ৽ **ॱस्वॱ** इ यराःग्रेराःस्यः में त्यः यापराः परः ग्रेर्। त्नायाः क्रेवः भवः विद्रा त्नायाः क्रेवः देशः प्रत्यः त्रायः त्रायः क्रेयः विष्यः प्रत्यः क्रेयः विष्यः क्रेयः नयः तर्रः वैः वैः नवयः तश्चनः पर्दः बहुवः क्वेवः हैरः रेः तहेवः क्वेरः हैतः पर्दः परः चर्दा तर्ने त्याने मान्या विषय क्षेत्र क् न्वेनयायायाकुवाव्यान्य्राह्म्रायाविनान्म्याया ।नेयावीयेयासाम्येयायासाम्य न्रः धेवः यः ने त्यः न्ये दे न्यः वे दे न्ये विषयः न्ये न्यः न्ये न्यः न्यः न्ये न्यः न्यः म्लट्राचरात्रश्चराद्यात्रम्हिःक्षाचाविष्यमेषायाम्बेषान्मेषायदे न्द्रायान्तरम् मुद्रेश्यामान्त्री मेलामबिनाधिनाही यहाँ हेती मुन्योगामायता हनामा हर मेलामबिना चोड्डेय.तथ.युव्रय.पच्च.च.रच.धे.चेय.तपु.बुर.स् | बुंब.चेबेट्य.सू । इब्रायाल्यायाल्यान् विवादायात् विद्यात् विवादायात् विवादायाः विवादायः वि पश्चरः नलः न्श्रेम् लः मः अः नहेर् स्यते : इतः मः सः नः धेवः वृं। इतः सः नेलः लेखलः नृश्चेम् लः मःयान्ते पराम्हें न् र्द्धयाने स्थरायम् पास्तरा द्वीषायाने वाषायापान वास्तरा स्थान

त्रा व्यापान्त्रः व्याप्तः व्य व्याप्तः व्यापान्तः व्याप्तः व्यापतः व

ॻॖऀॱॸॾॆॸॣॱय़ॱऄॸॣॱय़ॱऄॖॱॾॺॱय़ॸॱऄॱॺऻऄॱॣॱॸढ़ॆॱॺॺॱॸढ़ॱक़ॣॕऻॎऻऻढ़ॺॱढ़ॎॗॸॣॱय़ॸॱॺऻ॔॔ॹॺॱॸॣॸॱ स्वः परः म्युर्वः र्या |रे.पः र्वेषम्वः पः सुतः मुः । इरः यः दर्वेषः परेः ୴୷୷**ୢ**ୣୣୣୣୣ୷୷୷ୡୄୖୢୠ୳ୣ୷୷ୡୢ୕ୣ୷୷୷ୡୣ୷୷ୠୄ୷୷ୠୄ श्रेनवायः पर्ने रः वे स्ट्ररः देवःचरः छ्रवःचतेः नृश्चेष्वरहेवः ग्रीः ह्रयःचः वृरः पर्दे। ह्रयः चत्यः दहेवः ह्रद्रवः ग्रीः छ्रिनः श्रेयतागुः महेन् मा खेन् मा बेतामा धायाने त्येयता गुरा या महेन् मदे का है। भ्रम्यायदेरावे न्येणयाहे वायायहेरायदे। । यामहेरायवे ख्यावे ज्वायहेराय यः र्टः रटः मैकःरे तः हॅ मः यः पर्वमः यः वः र्श्चम्वः हे वः रे वैः वदेः वदः यः भेवः व्री য়ৢ৾য়য়য়৽ঢ়ৡ৾৾৾ঀ৽৸৽ঽ৾ঀৢঢ়৽৸৽ঽয়৽য়৽য়৾৽৾য়ৼ৽য়ৣ৾। वेयवः द्वेन्वः यः यः न न न वः यः दे हुरः रे.रव.चया.बेर.बर.जेर.ब.लटयाया.कें। जटयाचाचाचे.बेर.व्याग्रीया.रव.ता.केंटा य.लब.स्। ारे यात्र तो अथा न् अन्याहे वा या स्ट्रा हेरा पत्या चे वा या न्रा तरी हेरा है र्वेन्तरायायात्वत्वत्रात्रेत्रव्यायात्वेनायक्षेत्राया देःव्यान्यरातुःवेःहन्। धरःवेरिःवेरः ग्री: मुन्याय: कर्: धर: बुद: श्रुंद: पः दे: इद: यः प्रहेद: द्वंयः ग्री: न्वर्: द्वःयः धेदः द्वं यया ग्री हिंद् स्टर है। र्श्वन्यायाः त्याः वे स्वान्याः वित्रः मुः वित्रः विः चर्दा ढ़्यरः तेयतः न्वीम् तायातान् म् ताने तत्ताना वैः म्वरः में के तत्ता प्रतेः न्ये ताम्बर्धरता ने | क्र. स्तमामान भेषा मिनक्षाताल विषय विषय भेषा मिन मिन स्थान दि स्थान मिन यते. श्वरः मं प्राप्तः भ्रारः हैका है : क्षेत्रः पञ्चपका यः क्षेत्रः च्चेत् : क्षेत्रः वेत् का वे वेतः क्षेत्रका ॷॱ**ॠॕढ़ॱॻॕॹॱ୴**८ॱ୴८ॱॸॸॖॸॱढ़ॺॱॿ॔ॸॱॸढ़ॸॱॸॖ॓ॱढ़ॸॖॣॺॱॸॱॷॸऻॗॱ॔ऄॿॺॱॹॗॖॖॸॱॸॕॱक़ॆॱ**ॺॱ**ॗ नः न्रः त्रः नः त्रैः व्यरः ष्ट्रः नश्नः पदेः नृषे गृषः पदेः गृषः वः कृषः यः त्रः द्वः पदेः वर्गः पषः [मर्-ग्रेब-र्नर-रु-ग्रु-श्रे| र्नु-अ-श्रेर-म्-यव| लर्गुःश्रदःसम्बन्दर्भान। र्वेग्रायदेगापानह्र्यार् |<u>५</u>व्र-धदे:ब्रंष्-ध्य:देव:चर्डेर्द्य:द्या र्यः अन्य वा श्रुवारियः निवार वा विवार इब्राया न्दा नेवा प्रविदा की वना प्रवाधित की मुक्ता परि हिंदा में दे कि त्री नवा परि हिंदा में दे कि त्री नवा परि हिंदा में कि तर्म में कि न्नियान्य प्रत्र चिषान् विषान् खराक्षे अयावनाया नरायरा नरामहारक्षाया के के त्वाया है। **५५. चर. बश्चिरश.**या पश्चन् वराक्षेत्रकार् वेवाकायात्वाक्षेत्रचेत् धेत्रकात् चेत्राचात्रकात्वाचितः कॅर्-हु-दशुर-व-वेल-विद-ग्रील-रेग-ध-त्य-वहेद-दल-दे-र्ग-मी-र्वर-हु-धै-वहेर-वर-" द्वःवेषःगवेषःगः द्वेगषःयः तःवेः वरः गहेंदः छेदः द्वाष्ट्रद्यः यदेः छेदः গ্রীপ্র-গ্রহণ। । इवायात्मायहेवावताहेटारे तहेवावश्चापारा गुलुरताया न्दा। इवाया सन्। *पः न्दः त्रः चरः वे अवः न्दॅवःशुः न्* श्रे*ण्वः पः वः खुवः वः वः द्वावः चेनः नुः वशुद्वः पवः* । हिरादे तिहें ते श्रेष्ट होता श्रेर श्रेर श्रेर हिला दे रहता भीता श्रेर हिला भीता ला भरःरेशः पर्वः इयः पः ठवः ग्रुः वहेवः स्ट्रहरणः ठवः भवः पराः है रः रेः वहेवः श्रुरः वः वः रेशः वेशः देशः नेषः ग्रीः दरः वेदः यदेः गृष्ययः कः श्रेः वेदः यदाः द्वः यः श्रूपः वदः वदः श्रेः परः श्रेः MZ.1

त्र्युत्रः भ्रेतः भ्रे

श्चेंद्र-८८.प्रथानपु-प्रेम्यान्यायानाया नयायाचित्रः स्माप्त्रे सु-प्र-दे। इर. चन्नर्. त. क्षेर. मेव. त. तत्तर. ज्याया. तर. चक्षेर्र. रे. चक्षेयय. वया शे. ह्या. तर्मा त्या. व.वुर.चद.श्चेंब.बर.बर.बर.बर.ब्रंट.वु। धूट.चथ.चथ.चथ.क.बैंब.पवंट.विय. 다.회·석도·ㅁ·회탈도·육제·국제·다려·피크도제·ŋ도·푊두| ज्यायास्य श्रीयायाः सारा श्रीत्रायरा म्बर्याकःश्चरःवरःश्चे पः अवस्र वर्षा वर्षा वर्षा ने वि म्बर्या रम् छेवः सं धेवः वे श्वे वा नि रेषाः য়৽ৡ৴৽ঀ৻৽য়ৢ৴৽য়৴য়৽য়৽য়ৢয়৽৴য়৽ঽ৻৽য়ৢঀ৽য়য়ৢঀ৽য়৻য়য়ৢঀ৽য়৴ৼৢঢ়৽ৼ৾৽ तर् दे वेदः न क्रेयः न्दः क्र्यं अक्रेयः गवेषः या वेदः पदः गविष्यः भवः निष्यः भवः हे। वर् दिः हरः हरः दे.पह्रचःश्चेवःग्र-वे.कं.न्य-वर्ताःकेरःविर्त्तरःग्रेथःर्टःक्वःनःर्म्याग्री श्च. इ.च. तप्तु व्याचित्रा विषया ब्रेच-त्र-प्रदानप्रतिचयामास्त्र-वाद्येराचाध्य-प्रताम्यः देखेराचरास्य देखेराचरा मृद्धेयाः या क्षेत्रः पदिः मृत्र या प्रतिः इतः पवा पद्देः इवायः क्षयः पदः दिम् पुः पङ्गवः पदः विद्र। दिवः য়৽য়৾ৼ ঀ৾৾ঀ৾৽৴য়৽ড়ৼ৾৽ৼ৾৾য়৽৸ঀ৻য়ড়য়য়৽য়ৢৼ৽ঀ৾য়৽ঢ়ৢ৽৾য়য়৽ৼয়ঢ়৽ঢ়য়৽ড়ৢৼ৽ঢ়ৢৼ৽য়৾ৼ৽ৼৼ৽৽৽৽৽ য়য়৽৸৾৾য়৾৽ঢ়ৼ৾৽৻ৼ৾ঀ৾৽য়ৣ৾৽ৼয়৻৽৸৽ৼয়ৼয়৽ঀয়৻৾য়ঢ়৽ৼ৾ঀ৽ঽঀৼয়৽য়৾৽য়য়৻ঢ়ৼ৾ঀ৽ य.चड्डेब.ब.बूर.त.पडीर.पडीर.बुर.। ।रे.बरथ.ब.बु.बेशत.डी.वर.पडीर। ।पर् धःरेन्यान्यस्य अवस्य सहनाः हेन् र्नाय व्या । यन्नाः नैयाये अवस्य न्युन्याः विष्यः । वेषःगशुरुषःहै। न्झ्व.त.चड्रेव.त.वु.चड्डेबय.र्चयय.त.ड्रे.र्-ने.वे.य.व.दु. मूर्तात्विद्या चञ्चेषयात्त्रानुः श्रम्यान्त्राच्यात्रा षष्ठयःतुःतह्नमःयःकेन्:नगदंःबेवःयवेःन्वःक्। ।नेःक्षरः धरःनेवेःवज्ञेवःमः वर्षःकुवः वै.चर्यः यह्नर्नः तथ्य। च्झ्रें या देः दर्नरः र्ने चित्रः द्वेनयः वायाः यह्ने ययः वर्षे ययः वर्षे ययः हे.पहेब.त.ज.चे.ल्री पुंथ.रेट.। धूर.तर.पबैर.पपु.कुथ.त.ब्रूट.वय.पङ्ग्य. ने श्वरता हे । इता वा प्रतापता श्वरावा ते अवाव दा है । वे वा पश्चरता प्रतास्ता वे 13. म् रावानिक विद्यासा हित्या । यही भी रत्या स्थान स्वराहित स्वराहित स्वराहित स्वराहित स्वराहित स्वराहित स्वराहित मी.श्रम्थः र्यो चाथः तथः कु. कु. चुचा. च छी। विषः चिश्वः सुरः। रुषः पर्वाणः चरः लारः। नेत्र.ये.प्यानम्भाषानम्भाष्यः । प्रत्यान्त्रम् अत्यान्तः विषय्यान्तः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः नरः तश्चरः नताः मर्द्धसः मराः श्चरानः तताः ग्रुटः त्रेयतः न वतः मः केर्नः त। रे.हर.रे.केय. न १८. नर. श्रीर. व. व. र्. र. श्रुच वायातप्त. तीया नर्ड्री. ताया सूच या तप्त. श्रुच. श्रीया याया वाया वित्ताला

ब्यःब्रेट:चेट:पःश्चे:ब्रेट:पर:पश्चर:परा बुयान्यययान्यः नहार्षाः ह्या **द**:व्रीट:क्रॅन्'ग्री'अवतःन्त्रेयःन्ट:च्रथःनदैःन्तुःबरःञ्चनःधत्वःनेन्यःधरः अतृबःयहुन्ःःः षि-हिर-दे-तद्देव-क्रेन्-न्गार्द-बेल-ग्रुन्ल-ध्वा भून-ध-न्य-चुल-धल-ळॅग-व-न्गत-खु-**ૄ .ત્રાત્વાન કાર્યા કેવાન કેવાન** કેવાન ક यःश्चेः त्रेष्यः यत्रः व्यव्यः व्य ळ्या.तर.पह्रं व.केंट्य.ग्री.ग्री व्यय.क.र्म्या.तर.व्री तत्त्व्यय.त.च्र्यया षात्रम् । पराचेत्रायात्रम् । परात्म् वार्यरात्मेवायराचेत्रयात्रकेत्रयात्रे विश्ववरात्रे । यहेवायते । । । | ब्रेयः त्रेयरा न्यून्यः प्रति विष्यः त्र्यः त्र्यः विष्यः त्रीः विष्यः त्रीः **&**द.प.कुर.स.ष्ट्र.र्द्र। अनवःशः ने क्षेत्रः नश्चितः भेटः। क्षेत्रः देशः न्दः सं त्याः गुटः। क्वेटः नः नवायः यः न्धेन्यः **むらうないないない** | 南切・イエ・| 数型・光型・ロエ・ロ・A型・型エ・| क्दैर-च-दी-चर-चुल-दल-दे-दल-गुर-न्धेनल-ध-दे-देन्-लेबल-गुल-भेद-हु-नल्ल-चर-----ब्रह्मट्र.चर.पश्चर.च.ट्रे.क्षेर.चेष्ट्र | विष्यःबश्चर्यःख्रा |श्वेष्यःग्चेष्यःचरः बह्दर.च.बेथ.बंधरय.चय.तय.तय.वयप.च.व्य.प.बु.च्र-बी। धृदु.पह्चे.केरय.चेव.धु. म्यायाविटः न्यायाया चेरामाध्येवार्षे । इवायते महेवायायाय दे भेवाताया छे हो। दर्ने अ.मेण.तर. पश्चेरय.तपु. क्षेत्राय.थी.श्चेत्राह्म. द्यायट. यु.चेत्राय द्यापु. पहेर् प्रत्यः के.... हुःबरःयःततुन्याया हैरारेविद्यामह्रवःयःव्यन्यस्क्रवायःवेन्यस्क्र्रारं। ।

 च-दे-ल-लेबल-चलन-कल-दे-हेद-ल-हे-चलेद-कुद-तु-लेबल-नवन-घर-चुद्र| *ॱ*ऄॱॸॸॱॸ॓ढ़ॺॱढ़ॺॱऄॺॺॱॺॱढ़ॸऀॱॷॸॱॸॄऺॖॾॖॸॱॸॸॱॾॖॱऄॗॱऄॱॸॄॿऀॺऻॺॱय़ॱॺॱऄॺॺॱऄॺऻॺॱय़ॸॱॱॱ मेलर्थायाक्षेत्रारी पर्दे निर्देश विषयाधिर्यासद्वाद्वीरास् विर्देश्यराहेर देःदिह्यः प्रमः वया देः स्रमः सः पार्यवाशी हिरारे दिह्यायाम् वया प्रविदायदे रहा वया **ऄॕॕॕ**रॱख़ॖॱॻॱढ़ॴऄॗ॓**॔ॱॱय़ॱऄॗ।** है रॱरेॱढ़ॾॕ॓ढ़ॱ॔॑ॻज़ॿॺॖॱढ़ॺॱॸॖॱढ़ॸॱॿॖॖॖॸॱॻढ़॓ॱॸॗॺॱॻॖॸॱॵ **ऀभव**-कृ:ठदःरेदःनः अदः अवः यरः यरः परः तुः ग्रुः रः ग्रेन् राः भवः वृं। ।ञ्जः सः अदेः शुग्रायः *ॸ्ॸ*ॱॸ्रः बःचन् र्बंबःव्यः वदी छ्यायः व क्वार्ने नेते में र श्रुवः वयः हरः ख्वायः ववयः यदे '''''' **ॷ**बॱॸऀॸॱॸॖॱढ़ॺॖॕॱॸॱॸॸॱऄॗॸॱॸॱॸ॔ॸॱॺॕ॔ॸॱय़ॱॷॗॸॱॸॖॱॸॕॖॿॹॱय़ढ़ऀॱॸॗॺॕॹय़ॱॲॸॱॸॕऻ निवेदातुः नरः नरः तुः नृक्षेण् लायाञ्चः याद्वार् याद्वार् याद्वार् याद्वार् याद्वार् याद्वार् याद्वार याद्व **क्रॅनय.क्र.न.रट.क्रैय.र्जय.र्जय.पट्या.तप्त.क्रैय.र्ज्या.तय.र्यय.तप्र.श्रेट.क्ष्या.त्र्य.प्रे** ने.पार्ययक्ष.झ.चेड्च.ता.केट.चेट.खे.बी श्रियाती लट.टेट.लट.टे.ह्य. शु: द्वनः यः न्दः कः अधुवः यः यः न्वीग् रायः न्दः क्वनः न्दः स्वनः यः न्दः विः वः वार्षः यः वेनः यः यः । । । । । न्दः न्वायः नः न्दः स्वः यये त्रेयवाग्री श्रुवः वदः भवः भवः प्रदेश ने विकितः देश देश विवायः र्वो पदे तेयल हे विवास हेर् हेल गुर मुद्रा | रे ल हे लेवा सर रूर सर 31 र् हेल शु: इव पर हेन रे वा अवाप अवाप र ना पहर विर वह वाप र ना अ: न्षाः त्यतः विरः हेतः तुः तक्ष्वः यः विरः यः व्याः वितः यः वितः यः वितः यः वितः वितः वितः वितः वितः वितः वि अवयापराववणापते त्यापते अळवा अळवा अह्या १ कि. है . देश वे या ता है . या श्री वे . या स्वी ता ता है इवः पर्याहेला शुः यह मा परा छेन् छरा है परा महिन्यर छ। पर्व । विवान्य। न्युवा

 341 ा बेरा:ग्रुट्राता वर्दे:बे:ग्वाया:चेद्र:द्वाय:क्ष्म:सर्वेट:क्ष्य:धेर:के च्च न वर वि न व वर च्चित प्रते स्मित्र ही प्रत **ૡૼૺૺૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢ** *\\`*दे.लट.र्घर.चन्द.स.क्षेत्र.ग्री.र्**व.त.**र्ट.केथ. नवैव-ग्री-श्रुं दःखगवा-नवेगवा-ध-द्व-ध-द्दः च-दः चेन्-धवे-क्ष-हॅग-घर-घर-तु-चेन्-व-----बुद्र-हर-यर-क्रुद्र-हेश्य-श्रुर-क्र्रा द्व-ग्रुट-यत-न्द्र-य-वयक्र-व-य-बुद्र-याद्र-वार् न्या के त्राचित्र वितान व रेंदल'का **षदः द:द्व:य:ब:वहेद:गुद:वेद:बॅद:गु:दवर:दु:दर्श:श्व:वेद:वेद:बॅद:वुद:** ≒ेव∵ला नः इवतः धुरः चरः देवः वे वे वर्षः द्वरः देवः । दे निवे वर्षे चरा वे द्वरः देव वर्षः देव वर्षः ष्ट्री.प.ज.चर.र्थे.बाङ्गर.तयः पञ्चर.जा ही.बय.द्वे.चेय.पद्वेदःक्षॅपयःक्षेयक्षे.या.ज.चर.2. महेन् वरा भेरता है । हैर मेंन् हुर न रें या बे न या दी वर्ष पाया वर्षेन् परि रर ब्यःच्चेरःम् युरःपॅरःह्यःक्षःचेवःपःययःक्रयःभेवःहुःदवःपःधेवःपयःथेरयःवयःय्यः.... ঀ৾৾ঽ৾৾৻ৼৢ৾৾৵৻ঀ৾৽ড়য়৻ঀ৻ঀড়ৗ৾ঀৢ৽ঀ৾৻ঀ৾ড়ৢ৾য়ৼয়ৼয়ৼয়ৢৼড়ৢ৸৻য়ৢয়ৼড়ৢ৸৻য়ৢ৸৻ড়ৢ৸৻য়ৢ৸৻ড়ৢ৸<u>৻</u>ঢ় नःधेवःद्या मदे नेयान वेदा समु हरादा मुदा हरा हु ने विष्णा नहेरा र या हु ने वादा केरा है र किर ञ्चर-तुः हॅ नवाकुं वाधरा श्वरावा विवाद्धरारीरा धरा श्वेदा वेदा वाधरा विवाद्धरा स्थापन विवाद वि न्द्रिन् त्यः स्वायः प्रदेः प्रदः वर्षः स्वायः निव्यः निरः। वर्षः स्वायः निव्यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व र्टः वस्त्रवः न्मेलः यतः हैः श्रेन् वृत्यःयः ने श्रेन् हैं वित्यः मृश्वरत्यः यः धवः वै । । मृलवः यटः ॶ*ज़ॱॸ्ॸॱऄॺॺ*ॱॺॱॺॖॕॱॸॖ*ॸ*ॱॸढ़ऀॱॺढ़ॕ**ॸॱय़ॱॺॱॷॸॱढ़ॱॺॶॺॱय़**ॸॱढ़ॾॕॺ॔ॱॺऻ গ্রুম:বৃ:গ্রু: **∄८.५८.** विरः में न् न्द्रं राज्ञे वे व्यवे महेवाय महेवाय न्द्रा म्.ज.बेब्रेया **大 4. 割 4. 卻と.** रे.ब्रॅट्र.चर्ष.ब्रेट्र.च्र.ब्र.झ्य.चर्ष.बहेब्र.चर्ष । र्ट्ट.स्.य.बहेब्र व्हेट्र.स्ट्र मुः यद्धदः कुरः नाम् दः तः र्ययः यः र्यः। अवः यदः रु वः शुः रेः ह्र नवः यदेः नेवः यदे द्वेदः क्रेरः |८८.त्र.जा मूर.त.ची ग्रीच.जय.चध्य.जया নবু.ঘনথ.খ্ৰা बे.**व.र्श्वनाःतप्तः अक्ष्यः अप्तः हेलःशः**पहःचाःतप्तः तर्नेन् क्ष्यायःग्रीःकरः गर्हे ग्रयः पदेःशेययः…… पर्न-पानविद्यालय। र्जन्यन्त्रन्त्री सीपाल्यर-२.५८-१८-४मान्द्री इब्रायादी अंबर्शाइब्रायराबादीदिराधेराताद्वाताकेरत्र्रित्कन्याग्रीकाविराधिदा नयःसीयायाः शुर्वात्तरं स्थानयाः तहना महित्यायाः वी रोयतः न्द्रीग्रायः यः न्वयः पदेः चरः न्ड्रं छेर् पद्। विवयः वरः रुः न्वे न्यः पः यः मृत्वायः पः वः नृत्वे न्यः नर-वेर्-री ननगर्यन्त्र्र्र-त्या हिःकुःहेःकुर-दिःगद्रयाया-द्रवेगद्यानेरः। रे.रट.रेर.लर.लट.लट.बहर्याः ।रे.रट.रे.लल.ब्रंब.ब्रट्य.वन्यायःवी । तीषा.षा.कचेथा.तषु.घचे.तथा.रेयर.बुर.स्थ | बुथा.चेथीरथा.ता.क्षेर.स् क्रॅब.श्र.य.चेबब.ग्रे.श्र.वय.श्रमय.रेश्चनय.त्याचेबब.रे.चेलर.चर.ग्रेर.त्र.में र्रः ने प्रविव र् र् ने प्रदे र् ये ग्राया ग्राव्य प्रत्य रे में र् प्राये व व्या वे दा मःदीः तर्न् न् कन्या ग्रीः कः नयः नेना भेदः मयः हेंदः बॅट्यः न्वदः ग्रीः हीं दयः नथेरः मःदीः हीं न ने व्याने भीता बरास्य में अवता मिरास्य में प्राप्त में 1रमे नदे वयता रूर् मेर् पा श्वर में विराय है। विराय है। विश्वर यह में यता लुवाया लेता पर पहर नश्चराहि। धिःविःनविःलुबामान्दावेःबीःगठिगार्गे नेवैःबळ्वावेन्याग्नद्यानेवेःविनः मु प्रवास मान्य प्राप्त स्था हे इया दी। स्था माव्य प्राप्त स्था मेर माय वया मेर माय वया मेर माय वया न्द्राक्षे अन् पर्व से अवस्त्रुव राया विवाय क्षेत्र पर पर्वे न पर स्वर है। श्चेनयायान्त्रेन्द्रेर्प्तते श्चरान्त्राच्याप्यान्त्रान्त्रेयाक्रात्राच्या क्ष्रवारेबा नरः नः यत्। देःयान्याहे क्षुन्याः नरः नहेर् ग्रेव क्ष्या वेवता वेवता क्षेत्रवा क्ष्या क्षेत्रवा क्ष <u> चैर-रु-र्न् न्याय-या वर्ष-प्राव्य वियान्य वर्ष-प्रते भ्रीत-प्रत्येयायय ग्रीत्य</u> च्या.हे.श्वच्यारा.र्ट. चेड्रेर.ग्रुथ.हेर.घरवा.श्रेंश्ययात्र.पद्देच.तपु.बे.चपु.बे्ब.श्र्रट्याताः नरःलटः उरः चयः ब्रेवः अर्थानरः शुरः वः देः वैः वरः तः वेष्वयः स्वः परः निधरः यः धेवः तपु.हीर.र| भीवे.जय.वधेय.जय.वीर.। हीर.व.के.ब्रेव.वी.¥ब्य.बालर.बी.श्रेवयः रेर. पन्न प्रतिः इवः ग्रेटः त्यः न् गे. पः त्यः वितः प्रतः वितः प्रतः वितः प्रतः ধ্য'বপদ'র্শ্বদ্রা च्व-द्व-स्य-स्वा दिय-व-श्वनय-प्र-वी गुव-वय-प्र-विवायन 劉山公公山上。 निहे सिना मी.कर. निहे निया तति खेषया तथा श्री क्षे उटा पड़ेरे ही ले'वा gd.g∠4. यः नृतः नेः नदेः नृतः संत्रायः वययः ठन् ग्रीः ग्रान्य ग्रीः पदेः त्यतः उनः म् |बुधःबश्चिट्य-नय। विषे क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं त्या क्षेत्रं क्षेत्रं त्या क्षेत्रं क्षेत्रं त्या क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं त्या क्षेत्रं क्षेत्

ૡૢઌ੶ૡ૽૾[੶]ਜ਼੶*ଵୄ*ୣ୕୵੶₇८੶ਜ਼ਜ਼ਸ਼ਜ਼੶ਫ਼ੑੑੑੑ੶ਜ਼੶ਫ਼ੵ₇੶÷ੑ੶ਜ਼ੑੑੑਸ਼੶ਜ਼ਜ਼੶ਜ਼ੑ੶ਜ਼ श्रवायायाम् । ले वा उर-प-वेर-र्-लेयल-लक्ष-श्च-उर-प-वेर-मर-धव-पद्। विक-म्बर-कर्म विद-च दी विस्ता ग्रीता न्या वा तह दे निष्ट के तह दे के त्या हैन निष्य निष्ट के निष्य के निष्य के निष्य के निष्य के <u>त</u>ुःन|रायाः सेन् विन्देनः नरः दर्गे हे| 数a.よa.セエ.セ.いなが नट.मी.क्र.र्श्यश्चर. श्च.श्वयः धरः विषयः यः सः स्वर्यय। क्ष.यद्या श्रुच-पर्श्वयात्ताक्षेत्रस्य प्राचित न्श्रेन्**रायःन्यत्यः परःश्रेः अर्वे रःपःन्दे देः छे** रःपरः श्रुरःपरः रेग्ःपरः ग्रुदे | मुश्चर्यायये.ब्रिन्स् । मुल्ट्रक्र.च.म्ब्र्य्यक्ष्यःच्चरःच्यः यद्धवःक्ष्रेन्स्मुय्याययः पञ्चरः नः अर्घरः रू.। विरानः तात्रे प्रोनः न्रान्यः त्रुदः या कृतः विराण द्वे-ब्रे-न्ने-च-न्द-चङ्चेनकात्यःखद्द-ब्र-न्ह्रद-म्द-र्-न्द-मृहे-सुन्-नी-क्र-नृक्-व्यंद-धेद-----इं। । चलिट.कु.च.इबक.बेळ.केट.। हुट.च.थुज.च.ज.थटळ.केथ.कु.श्रु.बीडीचेथ.ज.थूबेथ. च.र्बेष.चषु.लेष.कुर.प.वै.च.र्ट.क्रंट.च.चक्केंबथ.बंब्य.थुब्य.बेच्य.चक्केंर्ट.र्ब्यूय..... चरः बंधिरयः तथः श्रेष्याः स्विदः सः चचः सः सृत्ते स्थायः श्रेः ब्यायः सः न्दः ह्वितः स्विद्धः स्विद्धः स्विद्य तथर:र्यत:रु:सॅर:प:इयल:पग्रागःदला र्श्वनयायान्यययान्यः न्दः दहेवः श्रृट्याग्रीः मुंबबःकःमहेबःठरःन्म्वःग्री सुतःम्वतःचःठवःन्दःसुवःठवःग्रीःन्द्राःकःठवःग्रीवः]र्मेन्-प्रम्पायन् क्षेत्रः वित्यः वितः यदेः मृत्यः क्षेतः क्षेतः वयः वयः म्यायान्यरह्यायान्त्रराच्यान्यान्यर्भात्राच्यर्भ्यत्वेत्रःभ्रत्वेत्रःभ्राम्यायान्यः तर्ने ताहिदारे तहेव श्रुवा बेदा हुत्वा वाता के प्रमाश्रदा पते श्रुवा होता हुता हुता हुता हुता हुता हुता हुता है য়য়৻ঀয়য়৻য়ৢৼ৾ঢ়ঀ৾৽ৡৼ৻ঀয়৻য়য়৻ৼয়৻ঀ৽ঀয়ৼয়৻য়৻ড়ৼ৻য়ঀয়৻য়ৼ৻য়ড়ঀয়৻য়৻ৼয়৻য়ঀ 지조·경조]]

৾৾৾৾৾৾৾৾৾ৼ[৽]য়৾৾৾ৼ৾৽য়৾৽ৼয়৾৽ড়৾য়ৼয়য়ড়ঀ৾৸য়৾ঢ়ৼয়৾ৼয়ড়৾ঢ়ড়ড়ৼড়ড়ড় ब्रीय.श्र.क्रम.ब्री नश्चेष्यतः नषु . षु . बु ने . भू ने . बु ने . बु ने . वे ने . वे ने . वे ते . वे ते . प्तेव-श्चेर्-विप-प-तिष-र्षेक-स्री |रे-अर-भेक-पत्तेव-र्ष्ट्रमक-स्व-रेब-ग्रीक-पश्चेर्-पक-<u> चै८:बॅ५:बु८:पदे:२े:ब'बन्फु:२े:२ॅल'बेद-पदे:नेल'पदेदान्चे;बुद्यायाक्ष'के'ब्रूल'हे। ५२ॅल'</u> *ॹॖॱ*ॺॱऄॗ*ज़*ॱय़ॸॱऄॗॖॱॻढ़॓ॱॻ॒ॻॹॱऄॖॸ॔ॱय़ॱढ़ॺॱॸऀॻ॔ॱय़ढ़॓ॱऄॖॹॱॻढ़ऀढ़ॱऄॗॱॸॕॺॕज़ॱढ़॓ऻ **ञ्चै**'अ'ग्**डेल'यत्। लेयल'ग्रेट'र्ट्य**'ग्रेट'र्र्,'र्द्ग्यल'यर'यर्द्वेट'द्व| *बेल'प'र्*टा| लेयल' कॅर्-पत्यःकॅर्-तुःर्नेगरायरः यहंदःम् । वेराग्धररायदेः धेरःरं। ।रे.क्षे.तुदेनेरा पविवःविषाः अञ्चेराश्चे प्रतः तुः पर्दः वयापदिवः परः याचे रार्वे रार्वे रावे राष्ट्रवा क्षेत्रा क्षेत्र वे विरा **ऄॖ**रॱॸॖॆॱऄ॒ज़ॱॸॿऀढ़ॱॾॕॖॸ*ज़*ॱख़ढ़ॱ॓॔॓क़ॏॗज़ॱॻय़ऀॱऄॗ॓ऱॱॸॕऻ<u>ऻॆऀॱॹ॓</u>ऱॱॴॸॱॸ॔ॹॹॿय़ॱख़ॴ **बुट**ंरटःध्र्रातःध्रेचकारार्यः। विकादीरःध्र्राक्षायाया**नेकार्यवेकार्यकारायः** न्युर्यायवे क्षेत्रः स् । ने क्ष्राव क्षेत्रं क्ष्राव क्षेत्रं व क argava·54.55.54.54.54.70.00c.3c.3c.3c.44.66c.064.2.9.92.064.2.9 कॅर्'झ'कॅल'तुल'तर्व'म'धेव'र्वे। वि'व'नेल'मवेव'रे'हे'झर'म<mark>क्केर'क्रक</mark>्व'वर्दर त्यः स्टरः नहे वः पर्वः इवः पर्वः क्षेरः त्यावारः ने श्वः वायः के में वः भेषः भेषः भेषः भेषः हो। तर्ने हिरः इवः चः क्रुवः व्यवः चः नेः पञ्चेन् तुरुषः वः नृधेन् वाराः पहेन् वराः भेरतः हे ः दर्शे पः नृन्ना नः चरः बुन्ना मना केर में र क्रिया माध्य रेट में र केर केर मा क्ष्मा मना केर में र क्षेत्र मा क्ष्मा मना केर केर मा ना द्रना-तप्त-देश-इट-विट-बोधेय-ब्रेट-घ-ल-वश्चेर-वय-वक्षय-ब्र<u>े</u>य-बेयनान्त्री 13. 1082.0g.

र्देव.री. वेषता विष्यात्र विषयात्र विषयात्र विषयात्र विषयात्र प्राप्त विषयात्र विषयात्र विषयात्र विषयात्र विषया अवदे द ब्रोया प्रमृत् याया गुरा वेया पर्वेद दे द्वारा सामहेत् पर शुराद हैरा पार्र कूर्तःस.स्वयायद्। *ऻॿ॓ॺ*ॱॻॖॱय़ॱढ़ऀॱॸ॒ढ़ॱय़ॱॿॖ॓ॱॸॸॱॻऻढ़ॺॱय़ॱऄॖॺॱॻढ़ॏढ़ॱॸ॔ॸॱख़ढ़ॱय़ॸॱ त शुर्रार्द्र। | नेति श्रेरा ह्रवायाया नहेन्। या श्रुरावा लेखा श्रुरावा श्रुरावा लेखा ना श्रुरावा स्वाया विद्या ा शुः नर्रु नः ते विराप्त विता शुः श्चिरा खना रास्तु व स्वार्ध व स्वार्ध व स्वार्ध व स्वार्ध व स्वार्ध व स्वार्ध दहेव पति इया पा ता न्ये ग्राच वर्षा स्राप्त विवाद वर्षा पति वर्षा दे लय.चेवंद.१.५इ.श्रु.पह्र.य.वे.४.वे.५.वे.४.वेय.यथ.यथ्यय.५६व.त.ल्यं.१.५१.वे.४य..... चलेवःश्चिरःचतः मन्तरः न्त्रःच्याः । नेःसरः भरःश्चिरः यह गः यावा अवः न्रः त्रेयवः गुःनवर्षः श्रम्यात्य । यदः र्दः यदः तुः यहं नाः ग्रः य। रिःरेः विः वः अर्देरः वः वै। नेयामदीवाशुरामदेश्यळवाहेरार्स्। विषामशुर्यामाहुरार्स। दियावादियादी व्रैरः मूर् श्रुः नषु मिया व्रेरः तथा द्रमा तषु भेषा नषुष नश्रुरः ला द्रमः पा हेषः स्था मुकादी.लट्याव्यात्म्, पद्म.पह्नेराट्यात्म्बाताल्येवाताल्याच्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्यात्म्या विना-न्न्याक्षा १ने-क्षे-बा-क्षेत्र-धन्-क्षेत्र-धन्-क्षेत्र-विवाद्याः विवाद्याः विवाद्याः विवाद्याः विवाद्याः बुर्-पवि-म्'न-बर्-पर-रेट-लर-क्वेंट-प-पविद-र्-पक्वेंट्य-द्। क्व-वय-व्याम्बर्गान्य-पद्मित्यः चतः तज्ञत्तः हैर दे तहे व गुर रे तर्ज्ञ विषा तज्जूर र रे विषा त्रा विषा व विषा व विषा व য়ৢঀ৽৾৾য়ৢঀ৽য়৾৽ঽ৽৻ৼ৽ঀড়ৢ৾ঀ৽ঢ়৽ঀ৾ঀ৽ঢ়৽ঀ৾ঀ৽য়৾ঀ৽য়য়৽৻য়ৢৼ৽ঢ়ৢ৾য়৽৻ৼৢয়ৼৢঀৼঢ়ঢ়৽য়য়৽য়য়৽য়৾ঀৼ৾য়ৣ৾য়৽ में दे. पात्र तात्र विमाने वे. में में पाड़े हो। क्षेत्र देश क्षा पाने प्रत्य क्षेत्र पर्वेश.त.जथ। पङ्कर.पंज्ञीश.चेश्वचाति.वेथ.त.टज.पपु.अवर। विध.रम.ग्रूचेथ. गुरानश्चरराष्ट्रमः केषः तशुन । वेरामशुर्या पर्वः ध्वरः ह्या

महास्तान्त्रेच च्याक्षेट्रास्त्रेच विकास्याम् विकास्या

्रे.ल.व्र.श्रुश्चराक्चेट्र.ल.पद्च.चर्च.च्चेट्य.च्चेट्य.च्चेट्य.च्चेट्य.च्चेट्य.च्चेट्य.च्चेट्य.च्चेट्य.च्चेट्य.च्चेय.च्येय.च्चेय.च्येय.च्चेय.च्येय.च्चेय.च

लट.च.बे.पूर.ज.सूबीय.तपुर.बंद.वपुर.बक्ष्य.का.लूर.ज.वे.य.ज.वीट.च.यट्य.त.च.चे.च्.या... चन्-दरान्बेन्यः पदे तद्देदः सृत्यःन् अः परः चुरायः पञ्चितः से। अवः देशः न्दः पं यया **Ѐॱय़॓ॱॸॸॱॸ॓ॱऴॕॱॹॖॸज़ॱॸॱॸॸॱॸऻऄॖॸॱॻॖॆॴक़ॕॶॱॸ॓ॱॸ॔ऄॸऻॴॸढ़ॎढ़ॳॸॴॵॸऻॴॴढ़ऻॸॱॱॱॱॱ** त्रेयतः द्वेरः नरः ग्रुरः मः देवेः ळे। इरः नवेः वतुः नेतः ङ्गवः मवसः यळ्नाः हुः द्वावः नवेः **८५४ म. १८४ में ४८४ में ४८५ में ४८५ में ४८५ में ५८५५ में** च.र्-दे.देर्-र ब.र्-जाबर-रू.। विषामधरणमान्त्र-रू। विर्-ताःश्चे पदे-र विमयः यः पर्त्रेयः परः श्रेः मुः १ तरः दैः तेयादैः तेययः दरः नुः १ दृः यदेः मुः यदेः मुदः स्। । सः सरः ৡঀ৽৸ঽ৽ৡয়৽ৼঀ৽ৡয়৽ঀৼ৽৸৽ৼয়ৢ৾ৼ৽৸ৼ৽৸ৼৼৼ৽৸ঽ৽ৠয়৽য়৽ৼয়ৢৼ৽৽ च.र्ज्ञन.क्री तर.ब्रुव.चर्द्रय.त.पया क्षेत्र.सर्घर.चर्ड्रव.तप्त.क्षेत्रय.ग्री.सविया वियासर. য়ৢ৴৽ঀ৾৽ঀ৾৾৾৾৾য়ৼয়৽য়ৢঢ়৽ঀৡ৾ৼৢঀ৾৾৾ঀ৾৾৾ঽয়৽ঀয়ৼয়৽য়ৢ৻ঢ়য়য়য়৽ चवे.पह्रबे.क्षेर्य.पबर.रे बच.ये.ब्र्स्.चय.व्हेर.च.रेर.वे. २४.ये..वे.चक्षेय.चय.वे.वेब.. त.र्षय.चे.च.लुष.तथ। तह्रय.केर्य.पर्वेर.त.र्टर.र्वाच्यात.त.ची.पश्चेर.यय.व्रास् चयः व्यामः ध्वानः प्रमा व्यामः व्य **ปฐีสส.ศส.ตะส.ศ.**ฮู่7.2.ธิ| |ले*ष:र्८ः*| लुब:य:ਘट:दे:प्रह्रद:दशुब: ট্রী । নব.লুব.অছুৼ.নথ.নাল্লংথ.নষ্ট্র-ট্রী ।ঙুথ.২২.। নপ্লব.নট্থ.লথ. ने.प.णून्, खेबाबे.र्वाच.च.च्यूंबया.वया.व्याच्या.च्यूंर्याच्याच्या. बी च. कुषे. त्र. से वाया ग्रीया वादी थे. तर वादी द्या तथा ही ट. च. प सूची. तपु. च केषे. त्र. च पा कु. सूथा... र्गोद्र-अक्ट्रन्ग्नाश्वयः र्टः च्रिटः द्वनः ग्रीः श्वेयवः ग्रीः धद्र-प्यंदः र्टः र्यः नः व्यानः र्द्दः वै। के.च.ध्रम्यः ग्री.लूब.५ व.चयवयःच.च। **गुर्वेर्** स्वरः न्येः न्य्रेरः र्तुः स्वरः सः न्य्रः व देना म श्रेट प्येट मुक्त व मुं प्र हेर व मुं बुव म बिन द में ब है। *वर्ने* वै :धव :धव : ग्री : ञ्च नवाः स्वयः तः क्रां श्राम् ना मतेः न्धनः श्रुवः ग्रुवः ग्रुवः मः वा तायः का व्या यानहे व व व प्राम्चे र न प्राम्चे न र त श्वर निव श्व श्व व व प्राप्त प्राम्चे व प्राप्त स्व व व व व व व व व व व तपु.क्र्या. श्रम्या. भ्रम् व तपु. इ या ता रुव र ने हिर ता मूयता पर्य में वे वे सूर पहें व पर र ने र्णायानहेवाधते चिरामा शेषु किराक्षेत्राया विषाधरास्य स्ताप्तरा स्वाप्तरा स्वाप्तरा स्वाप्तरा स्वाप्तरा स्वाप्तरा **ା**ଦ୍ୟି.ଜ.ମୁଁୟ.ଜଣ. **वै.**तक्रना.न.र.४८.चद्र.यक्ष्य.य.ज्ञेन्त्र.तर.जूर.ज.च्चेर.य्याच्चेर.य्याचर.र.च्याच्या राम्याकुरान्माकेषान्मान्वे । यहुवान्माकुषान्माविषयान्मान्नेमान 47.37.4.221 <u>イた、弟、美々、劉、ちす、む、ちゅ、ずた、ろた、たぬ</u> रे.प्यान्ववायतः न्रः चरात शुरावतः *ॸ*॔ऄऀॻऻॴॱय़ॱॠ॔ऄॴऄॖॴऄ॓॓ऄॴॴॸॱॸ॔ॻऻॱय़ॸॱॻऻॾ॓ॸॴफ़ॕॗॸ॔ॱय़ॱॸ॔ॸॱऻ श्चायः गुन्ने रःग्रेः ৾ঀ*য়*৽ৼয়ঀয়৽ড়ৢ৾৾ঀ৽৸৾৾য়৾ৼয়য়৽ড়৽ঢ়৽ঢ়ৢ৾ঀ৽ঢ়ৢ৽৸ৼৢ৾ঀ৽য়ৼয়য়৽ঢ়ঢ়৽য়ৢয়ৼ৽ড়৽৽ च*.र-द*.बर्*द*.कथ.५ष्टि.च.श्र्बाय.वे.चर.७४.थ.लय.चश्र-ट्री 1रे.लर.वेर.य.वेद. *ॸॖॖ*ॱख़ॖऺऺऺॻॱय़ॱॸॣ*ॸ*ॱख़ढ़ॱॸ॓ॱॳॺॱॿऀॱढ़ॕ॔ॸॱढ़ॗॱऄॺज़ॱॻॖऀॱढ़ॾढ़ॱॷॸॣॺॱॻॖऀॺॹॱय़ॸॱॻॖॹॱॸ॓ॱॻॾॗॕॺॱ च्चैरावात्रवुणायान्रायरायरायराद्रावराष्ट्ररावाकेरादे तहेवाङ्गवादी तहा नर्मियायानिवेदार्याने स्वयार्वे त्रेन्यायाया नहेदाव्या हैतान यहवाया प्रत्याया नहें নু ব্

तत्र श्रेश्वरात्रीयः वित्र क्ष्मा श्राह्मरः क्ष्मा श्राह्मरः क्ष्मा श्राह्मरः श्रेश्वरः त्राह्म श्रेशः वित्र क्ष्मा श्रेष्मः वित्र वित्र क्ष्मा श्रेष्मः वित्र क्ष्मा श्रेष्मः वित्र क्ष्मा श्रेष्मः वित्र वित

*र्रः क्षे*न्यर्सरः नीः यस्य यः स्ररः पदेः यहः त्रेन्यः पक्षेत्रयः यः न विष्यः ने प्रतः स्रिन्यः विष्यः स्राप्तः र्श्चेन्यायाः साम्यास्य वार्यः श्रीः न्यायाः विदान्त्रम्याः स्त्रम्य वार्यः भ्री वार्यः म्यायाः विवादाः स्त्रम् यर चुल पते चु रे र्र मुंबर रेल र्बे न्या परेल से का साह बार र न्या वा वा स्ट स्ट स्ट स्ट स्ट स्ट स्ट स्ट स्ट स *|ण्यःहे:र्रःयं:हेर्:व्यः*झ्य:यरः*ण्ययःव:र्रः*ङ्गरः च**.**केव. च.वे*र*.रॅ. ५ के ४.४। च. छेव. धर. शुर. ध. धव. व. वी रे. छेर. वेर. गु. छेर. वेव. गु. इ. ख. धर. ग्रायाः च. प्रायाः विवा *ॸॖॖ*ॱॾऺॸॱॻॱक़ॆॺॱय़ॱढ़॓ॸॱॸॖॱॴॸॱय़ॿॗॸॱॸऻ *|वेषः*ञ्चनःयःदशः८्श्चन्यःयःम्यययःदद८ः पर्झे य. तर. चि. तर. चे शिर्या व. ये. ये. ये. के. के. के. श्रुं या पर्यः क्वेरः र्हा व्यादिः व्यव्यः व्यक्षेत्र ब्र.इ.५५.५ व्या.यश्चरायः यदः। ने हिन् याया वर वेदे स्न याया वर वेदे स्राधित्रम् नः त्या त्या देः यदेः नृष्ये तः त्यि नः त्या स्राधितः व्यक्षेत् यः स्राधितः विष विद्रापते अर्कव अर्स् यापायरे के निरारे यहिव ग्री नु वार्षि वर नश्चरयःयःस् बा चरा धवा निवर मुख्या विवर क्तिर्पात्ते क्रम्याया पदाः स्राद्धाः वया महाम्याः स्राप्तायाः ग्रीः त्तेष.प.ध्रथ्यथ.ब्रैबी.त.लुचे.तथी दे.प.वे.लूट.चेट.वेट.वेट.वंदु.क्रैट.वंदु.ब्रैट.वंदु.वेट.वंदु.टेट्स्थ. मृ.लूर्.पाचु.पा देशः क्रॅंद्रः यः त्वे व्यासन् स्ट्राण्चे : द्वेन्यायः यः त्यः त्वे व्यायः मृत्ननः है। क्षेत्र-देश-८८-त्र-प्राप्ता नट्ना-क्ष-क्ष्य-मूर्-ता-८८-क्ष्य-ता-प्राप्तायाया-ता-द्व-विट्-तर-चर.री.श्रुबश.मूर्य.तर.ष्रमूर.च.र्नुतु.ष्ठ्र.श्रु.६ बी.त.ज.सूबीयातालूर्यं प्रमेराचे र.चर.प बीर.चपुर न्द्रत्यः धन् त्यः चेन् । यतः केन् । यः ले । यनः चुद् |दे वया यदः द्वी ग्रायः दे विदःता बिबलाबह्दायरात्रुः मेर्ना बेर्नायरात्रुणायात्यर्गायराम्यान्यात्वर्गा विवार्ता रसः अ.श्रेट.त्र.जथ.ग्रेट.। क्र्यं.त.श्र.चे.व.ज.यायः त | वित्रायाचेत्रायाः विषयः वि बेय.रटा चेल्रद्य.त.चेल्रद्य.तपु.बक्ष्य.वा | केल.र श्रम्थ.पक्ष.च्या.पक्ष.चरः | बेबार्टा वश्चवावहुबायवायुटा 51 **3.**24.22.2.g.az.3gl ष्रियः गृद्यस्यः धवा मूर्तात्रीयाथार्या या. तप था के था. **在**ञ्चलःत्रेलःग्रेलःचगुनःकेदःदहनःधःबेदःह्य **ऻ**र्भेर.त.र्र.२्थं,र्र.४४८४,७७७,घ.ज.व्र. त्र्रायाः ने प्रत्यानाः द्वारा द्वीन्यः यः यः निष्यायः यः निः हो। षरःश्चेत्रः पश्चाः यया <u> कॅ</u>न्-धरः न्हः छे- धुरः धदेः भेन्। । बिःन्बलः हं यः ग्रेलः घञ्चेनः धरः छ। यर् तथा श्रे यथा र न मु तर्हे न में ले य न शुर्य पार्ने र पदे न हे द र य से तथा न शुर्य " নপ্ৰ.প্ৰা ऻৡऀॱ**ठंबः दलः**लेबलःर्केन्-द-त्वेनलःयःत्यःन्-तृःदह्ननःयःन्टःलेबलःग्रेटः ब्र-५ नदः पदः पुष्पः तः रहः दहेवः यः नवेवः नद्युद्यः हो। ववः वः ववा देः स्रेरः वेववः <u> चे</u>न्-केन्-र्ना हु-न्न्य नर-चेन्-य-क्षे-ने-वै-वेयवान्य-प्र-हु-दद्देव-यर-चेन्-य-धेव-वॅ| ৾ৼ*৽*৻ৼ৴৻৴৻৽৻ৼয়৽৸৴ৼ৾ঀৢ৴৸৽ড়৾৾ঀ৽ড়৾৻ড়ৼ৸৽ঢ়ৢ৽৻ৼয়৽৸৻৽ঢ়য়৽য়য়য়৽য়ৢ৴৽৽৽৽৽ चत्रार्मेन्। परः मृषापरः वर्षेरः चः नेदे के वदरः खेवल वरः तुः वर्षे वर्षः श्रुनः परः श्रुनः परः । <u> चे</u>न्-रुट-(बै:न्व्रव:त:र्न-रु:तहॅन:पर-चेन्-प:धेव-र्वे । |बेब:न्बुटब:वॅ। कॅन्-च-त्य-वे-न्न-वेन-न्वत-वर्त-धुत्य-धेन्-त्य-वे-चु-क्रे। ने-वे-क्वे-र्स्त्य-क्नु-विस्-वर्त-कुः धेवःधदेः धेरः रा।

चिरः मॅन् क्षेनः क्षुनः क्षुनः क्षुनः क्षुनः क्षेनः क्षेतः क्षेनः क्षेनः क्षेनः क्षेनः क्षेतः क्षेतः क्षेतः क्षेतः क्षेनः कष्टे क्षेतः क्षेत्रः कष्टे क्षेतः क्षेत्रः कष्टे क्षेतः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेतः कष्टे क्षेतः कष्टे क्षेतः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेतः कष्टे क्षेतः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष्टे

द्य-पर्वः तर्त्र्वः पः न्दः पङ्कः तश्च यः न्दः त्रेश्रयः न्दः न्ध्रेन् यः न्दः वे न्व यः यः म्ययः । । । त.र्ट. धु. बंब थ.ल्ट्य.थी.वेट. घर. घ.वेथ.तपु. धु. बंब थ.ग्री. ब्रें बंधा बड़ि बंधा पुरुषा वेरे राता वेरे न्दः लेबलासुन्यः कुः सुनः वर्तनाः यः न्दः न् क्षेण्यायः त्यः मृहं न् यतः किः न् ग्वः पद् बेयामहारयाने। व्रैट. पर्द. ब्रस्ट्र वर्षे. य.वे. पर्ट्र व्रीट. पर्द. क्रु. य.वे. पर. व्रद्र। दे.ज.ष्र.म्.र.क्ष.च.७ थ.च.४.पङ्क.प्रीय.र्ट.श्रथ्य.र्ट.र्वेर.त.वेथ्य.प.न्ट.र्वेर.त.वेथ्य.प.व्यट..... 필조:축[| WK. Z. & Z. WA| र्वे र् पदे अर्डद या गर हे वा र्वट.र्वतः श्रुं सावश्चरतायात्रम्यतायायावि र्टः। वर्ष्र् एकम्यायायाश्चर् रायरा ब.धु.चपु.क्ष्य.कथ.रट.थुवाय.श्चे.च.बर्न.त.रट.घचय.शु.चेय.त.रटा इ.व.च.वुव.रे.२. ठरःरचः हुः वहेवः यः नृरः स्वः यदे वतु वः यः वः संग्रायः प्रः। च्र्रेब्र.त.ज.ब्र.म्ब्रथा न.र्ट.रच. थै.पहुब.न.ज.वैर.चर. ब.वैथ.नपु.नुप्र.चूब्याय.च.ठुच.च्यूब्याय.र्ट्टा हे. र् .प.क्र्या.त.प्रयाया.त.स्रा.त.र्ट. अधिय. तपु. क्र्यायट.लट. थटा था. थाया. स्था. तर.... वियाम्बर्याते में न्यते सक्त वार्ते में न्यते सुद् 페인도전: 디즈 त.ध्रवीयः रूर. च वर्षेत्। १८. हर. व. रूर. ध्रव. शक्ष ययः ग्री. वे वयः प्रवे .ग्री. श्रे चयः ब्रैट्। नेवर.लट.क्.ट्रे.इथथ.प्रेय.तर.वैथ.वय.ट्रे.ट्ने.प्मूचे.त.प.चर्र्थ.तर.वैथ. मेषानविषामुरानेना यरामु त्यारे महेषाहे तर्वे माधेषाधर परार्ट है से ज्ञरानर ह्या या वयराउर्-तु-न्नान-न्नाराने। रे-य-ग्रराज्यस्य-पर-तत्तु-श्चे-ग्रे-त्राचेर-परे-नेर-रे-तह्र्य.ग्रे.श्रुंब.ग्रब.तर.रचेथ.बचय.पत्थ.बिथ्ट्य.नपु.हुर.स् ।रेथ.व.मूर्य.त.रट.

₹**अॱधरः ग्**षेट्रायः ऍग्लास्'ॅं इस्याईग्'यदेः तुलाशुः घठन् गुट्ये केंद्रेन् धलः ग्रुट्या बै:८मॅंत्र:सं:क्रब:वर्षा दे:८म:बॅर:पदे:ब्रेट:त:संद:बर्यर:५५:बे:ब्रेट्र:वर्यःदे:८म:बेर **वै**ॱहै ८ॱदेॱदहेवॱॠयः ५ माञ्चयः पदेःह्वयःश्चेःनेयः पवेवदः तुःनेयःपरः पर्रयः दयः है ८ःदेः…… पहें त. दें त. प्रें टे.पह्रय.श्चेच. तपु.क्ष्ण.बिष्य.तप्तय.तपु.लिब्यय.पय.क्षे.रूप.पे.बैर.तपु.क्षेत्र.रू। **ढ़ॖॸॱऄॖॸॱक़ॕॸ॔ॱढ़ॼॣॺ॓क़ॎज़ज़ॸढ़ज़ॼॖॸॱॴॖॹॻॹॾढ़ऻढ़ॴॗ**ढ़ॱॿॾढ़ॿॴॾढ़ॿॴॗॹॗढ़ढ़ॿॴढ़ॿॴॹॗ चरःतुः ग्रॅंन् ध्याने ग्रॅंन् धर्मायायवन् न् म्याया ने द्वरायवन् म्यान् न् ग्रेन् विदः नःरम्यायायावेमार्यम्यायावाम्बर्याकास्त्रः चराकेर्यायरावेदानेते के वैष्टेदान्ये **ब्रॅब्र.वे.च.ज.प्यट्-ट्री** कॅॅ**र**्राय:इन्रायल:झ.च.ढ्रेमा:बील:म्बलाय:ल.चर:दु:म्डॅर्:पर:५ श्रुर:परा| दे:म्डॅर्:य: ल.पंचर.कुट.ई.ज्ञ्चा.त.व.चेवथ.क.कु.२.प्ज्ञा.ला ईप्ट.कु.लट.कुट.च.श्रु.वर.प.ब्रैर.चय. **डीर.च.न्४र.स.ल.दचर्-र्। ।अर्र्-र.व्.द**र्झ.भूर.लब.बुब्यक्ष.घव्यक्ष.घवरहे। वरार्-र्थन्यः त.ज.चेर् चेथ.ज.चेर्थ.क.पञ्जी चेर्य.क.र्यं चैर.प्रयाप्रैयाचेर.च्रं प्रक्रेय.स्.चेय. हे नियान परि र र निर्मा के परि से स्वार्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स 리<u>자</u>: 링'엑| तहेव हिर्या ग्री रूर रिय हेव स्तर मेवा माया का खेर स्तर र्रे र्यू र्या संस्था ग्री या ग्वराकःयारेग्वराबेग्वर्

 बन्यायाबेरायराबेयायान्यान्यान्तराहितार्रात्र्वाप्यायान्यात्र्वा विक्तित्रे तिहेवा के श्रुवि भवि प्राया ने विष्ण विकास निक्ति । विष्ट्रिया विकास निक्ति । विष्ट्रिया षरःश्रुंबरदेबरवरःवरःवरावा गरःगिक्के:ग्रीरःवर्राचेद्रावर्वेर्प्यत्रेत्रवर्वेर्वेर्प्यत्रेत्रवर्वे ๚.ชาสน.ฐ๚.นิ.ช2๗.ถน.ชาฐะ.น.รุ่น.๑.ฐ๚.น.ฆี่่ย.เพ.ชยะ.ฆัสน.ผิ.ฮิ.ชูะ.รุ่น... ळ.ह.श्रेर.पर्र्र.की.चर.थे.परेब.तर.वेत्। |बुय.श्र| ।प्र.य.परी.वेर.तप्राम् इतायता क्रुंब तु त्युर खुन्ता ने हि तर् धेव ले वा तरी वे ले स्वता क्रिं द व दर तु त्यु न्य यः न्रः च्रीरः वः न्वोरुषः नर्हे न् ने नर्ह्वे अषः यक्षात्रुवः तळ्यायः त्रे त्यः च्रीरः क्रीं न् श्रेः तच्चुरः नदेः न्द्र-इन-नद्र-विश्वाति, इन-अप्त-विव-श्वीद्र-इट-व्य-स्ट-ध्र्य-त्य-इव-क्रव-त्र-विव-क्ष्य-विव-क्ष्य-विव-क्ष्य-विव-क्षय-व ने क्षेत्र चुल व क्षेय नेय छै य न वेत वाता निरःश्चिरायाध्यकाने। म्पानि:श्रेयया बढ़ बार्यर बुग्वारा ता झवारा चुवाका दे दे के लेबबा हवा पर ग्वोर पर ग्वार स्त्रा बेवः नशुर्वः सः क्षेत्रः नवेधरः नतः तशुरः नवः तृते के क्षेत्र्यू नृतः तृतः तृतः तृतः तृ । देः धरः हतः सः শ্রুन्-य-धेव्-ग्री-वहेव्-म्रुन्य-ग्री-न्र-पार्हेन्-च-श्रेव-दी। दिल-व-नहन्-क्रुंबल-क्षेत्रय-विने डे८ॱकॅ**र्-अ**'डु८'नदेॱश्रवलावयल'ठर्'रु'डेर्'स'शेव'ग्रे'रेड्रिर'कॅर्'ग्रे'र्नल'ळॅग्ल'स'व्ल এব.গ্রী ৾ঀৼ৽য়ৄ৴৻ঀৣ৽৴৺৸য়৽ড়ৢ৶৶৽৸ৼ৽৻ঀয়৽ঀ৽৸ৼ৽য়ৢয়৶৽ঀৢ৴৽য়৴৽৸ৼ৽ঢ়ৢৼ৽ विन्तित्रः के व्ययः दे हि त्र लेग धेव क्षेत्रः वा ξï ষ্ট্রীম:বদ্দ:শ্লুমধ্য:ম: ฿ัร.บ.บยะ.หั่งชม.ปะ.คุป.ชุป.บษฐน.มิ.บยะ.หั่งชม.ปะ.ชี.ปิป.บยะ... क्षेत्रयाम्बुयाम्बुद्यायाययात्रिःवे त्रिःवे त्रिःवे त्राचित्रःक्षेत्रयाध्येयाः देवे हः वि वे व दे.ज.च हर ह्रंबरा मह ले वा থ.এথা बु.चवरा.रट.केवा.घट्टर.चु.क्वेबरा गुः न् बे मुरा मः यः रो बरा गुदः दरा देव संदर्भः धः बेन् । धदे रो बरा बढ़ बः धः हेन् न् न् स्यानुः त्ततः सः न्दः रहः मी रहः मी राः तह मा सः नृहः तो अयः व अयः तहे । तः नृहः तो अयः त्यतः शुः उहः । चदे. हे यः शुः झ्यः चः ब्रेन् : चदे : चुः च यः न हुं नः । न न विषः न शुन्यः । विषः न शुन्यः । विषः न शुन्यः । नेयायर वृद्धा । ने यन प्रते प्रतृ र क्षेत्रयार्थेन प्रते के नि र रे प्रदेश क्षेत्र पात वे वे र के न अ: चुरः नदेः श्रन्ताः शुः नहरः श्रृं अतः ने : अर्दे व : रु : चुरा तः ईता नः वे : र् गः परः ग्वा गः परः | यदिते दि विषय प्रति अर्क व सावी दे हिन या दे त्या महार है अया ग्री अर्क व स म्राले दा र विम्यासम्मित्र वेस्यान हरा क्षेत्रस्य हुन सान्दान विम्यास ने हिन्या म्इयः पर्वियायः स्टर् क्षेत्रात्तरः इत्रात्तरः श्रुः क्षेत्रः त्रात्त्रात्त्रः व्या |बुधाःचीद्यरुपः **धः** क्षेत्रास् । निवृद्राक्षेत्रयाञ्च्यापदे तुषागुद्रा। दे केद्रायता दे त्यानवृद्राक्ष्र्यता ग्री तुषागृद्रा बि·न्वतान्दः द्वन्यायर्देदः ने स्वन्यतायात्रेयता चेदः नः न्दः र्त्तेन् स्वन् स्वन् स्वन् स्वन् स्वन् स्वन् स्व े बे षः मुख्यत्र पः भूरः स् । दिः भूरः हे सः से प्रदेश क्षुं ब्राधेरः क्षेत्रः पर्वः ह्वं यः प्रवृतः पर्वः हे थवाहे। हे अराहा देरानवयायया शुरुरामा हैन। |र्देवाह्म यया वयया उर्पाय हैना मर पश्चर। विवास संस्थित विदेश निर्देश निर्दे वै:ग्**र्यंत्रप्रमाह्यया ।**प्रहेर:र्रः वैर:र्रः कॅर्'य:र्रः। ।यतु:बै:वेर्'र्रः यतु:वेर्' दे। । यदैः न म वेषायः क्ष्यः यदे न दे। । मुब्बा न म वेषायः न म । कुः न म त्रकातुःकेर्-त्रःह्। |र्श्वेनकायायहेर्न्य्यायायायुर्न्न्। | केर्न्य्न्केर्न्यः क्रेन्यायायायायायायायायायायायाया |दे·र्श्वरः बर्देषः परः यतुः चेदः दृष्टा | विः के : क्षाः तुः यहेषाः पः दे। न्युर्लाक्षा दिः तारे रान्य वर्षा वे श्री श्री बहुव हिंग्या प्रतापा परि देव दि प्रताप स्थाप याने राज्यकारा है। दे त्याके अका त्या शु उदा परि हिर दे त है है। |दे प्यार अदेव के ๚.ผูล่ผาสู.เรีย. ยลผ.จะ.เชลีย.สะ.รู้ เหนู เรียนลู้ เมื่านะเกษ ส.กู่ชั่ง..... यतः द्वास्यतः स्यतः स्यतः उद्दः वर्षेत्रः परः चेतुः पर्वे | |देः वर्षः पर्वेः देः दे दे दे दे दे दे दे दे दे द

*केथ.त.*क.झॅट.चपु.कुंट.य.थ.कुंट.तपु.कुंट.चकुंट. ३य.तथ.श्रेट.च। क्यु^{-ता}रा क्रेस् । वियापास दी क्युंन्य पति के दाने के ताले के ताल बै:ब्रॅंट्र पदे:ब्रेट्र रू। है। रुवेन्यायायहेर्वात्रेव्यायार्वेन्यायायायाव्यायार्वे व्याप्यायेन्यायाः मन्यायर प्रविष्याया भ्रीता मृत्या होता मृत्या हो। दे विष्या मुख्या में विषय स्वया व्यया स्वया स्वया स्वया स्वय <u>वे</u>र.तपु.बुर.र्| विर.बूर.वेर.वपु.कु.ध्र.ब्र.व.वेथ.त.कें। नेयाने महियाने नर-ब्र-ब्रेन्-प्यत्स्। विर-मूर्-र्ट-विज्यत्त्रः क्र-प्र-क्रेन्-त्यः श्रेश्यतः त्येषः त्ये ૽૾ૢઽ*ॱ*ૹૻૼ**气**ॱ୩ઙૺૹॱ୩ઙૺ୩[.]૧૬ ૾૽૱ૹૻૡ૽ૺ૾૽ઌ૽ૺ૱ઌૻૹૻ૽ૹૻૻ૱૽૽ૢ૾ૺ૾ૡૹ૽૽ઙૢૺૹ૽ૻઌ૽૽૽૾ૢૢૼ૽૽ૢ૽ઌ૿ૢ૽૾૽૾૱ૹ૽ૺ૱૽ૺ૾ૺૺૺ૾ૺ इ अय. वया ग्रीट्या र्या नि न्नामी मने वर्षे स्वतः वर्षे त्यते वर्षे चित्र च मुन्त्यस्य स्वतः मुबेब-धर-चले है। रूर-प-रूर-यहुब-ध-रूर-ईल-च-रूर-भेब-हुरल-स् इक्.त.रट. व्रेट. सूर. क्रेब्य तपुर मेथा पत्र मेथा पत्र क्षेत्र पर्य प्रेट. पद्र ख्राचार प्रताहर व्याप्त तह्मा पति पहर क्षेंबल धेव है। रे र्म वे खर कुल पर पनर विव है। १८रे र्म ब्रे.हेर.ट.पह्रब.झेंच.तपु.बंर ब्रब.त.ब्रङ्ग.लब.तथां श्रुंच.रत्व.कुब.त्य.बा.वा.वा.वी.पपु. म्रेंबः रेबः नहींबः रटः नविनः यटः मुःगरः ग्रीः बावलः यः क्रेवः यः म्र बलःग्रीलः हेटः टेः दहेवः श्रीतः नतु.श्रेचया.यी.व्यत्.वर.चन्द्र-श्रद्रः। ज्याःश्चेव.ग्री.पच्याःलटःखे.वव्याःश्चेचः नपुःश्रेचयाः त्रयः द्रायः त्रः त्रः व्यास्ययः ग्रीयः ग्रुटः र ग्रायः देयः देः त्राप्तः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स Q.242.241 ॺढ़॔॔॔ॱॻॹॵॻ॓ढ़ॱॷॕॴॻॸॱढ़ॸॣ॔ॸ॔ॱॻॱॾॴऒॗॴॱॾऀॱऄॗॸ॔ॱॿॖऀॸ॔ॱॿऀॱऄॴॱॻॸॱऄॣॸ॔ॱॻॵॼऀ*ॵ*ॱॱॱ धरः मृह्रवः त्राध्यः ध्येवः व्री । १८६ वे श्रेय्यः हे मुडेम् ध्ये हे र रे तहेवः इवः धः दरः मेलःपविषःग्रेलःग्रेरःमॅ**रः**र्रःश्रायःपरःग्रलःहेःश्रुरःपतःग्र्यतःरगःग्रथणःठर्ग्गःश्रुष्

बूट.च.लुबे.चय. बक्द च.खेट.ग्री.मृबेग.चंद्र.श्रूथ.कूथ.लुबे.ग्री व्यवश्व.खा.चूय.यू.श्रूब.**यी.** न्त्राचराक्षेत्राच्यात **थेव:धदे:ब्रेट्स** |दे:ब्रद:तु:बद:। द्वत्यःव्ह्यःहेदे:वहवा:ध:द्द:यंदे:दव:हेद: नेश्वेयःसःपया मरायाद्वेदायायाव्याया पर्देन् क्रम्बर्ग्नरः श्वास्यः स्वाम्बर्धः स्वाम्बर्धः स्वाम्बर्धः । ロ・四下・ブラ・ロス・数下・ロる・成下を、切・口当と・ロ・記・ यतुष्यादेषानेषानिष्ठानुष्यायाद्र न्त्रेर्यः अर्घः नः अध्येदः सरः श्रुं अपः नृहः। वेदः नर्श्वदः दशुकः नृहः नर्श्वदः रोधकः **ग्रे**-हे-८-८-६व-महाब्राक्ष-प्राप्त-दे-क्ष-र-महारक-स् **|इरावन्दायते हेटारे पहेंद** त्तया शि. २८. च. ते. हे. दर्षे पा. पा. यू बाया तपु. लूब. हे ब. चर्चे च. तपु. बांबुरा श्रीरा तथा मेरात. <u> र्र. ५२, नथः ई. ५३ ज.वी. भट.त. लुब.ली हे. ५वीच.त.ज. झे.चधु.हे.५२ व.त. २०.तूय.</u> रे·दिहेब्रार्घन्यःयःयःदहुब्रायदेःहिरारेःदिहेब्राब्यःयश्चवःदशुयःदरःद्धुदःयदेःहेरारेःःः पहेंदालेया चेराया **र्ष्ट्र** ची के दारे प्रति ची का प्रति के स्वर के स रोयरा है 'गुरुन्' स'स्व' स'स'रोयरा ग्री' है स'से 'दिद' देव' देव' ग्री' प्रमार में प्रमार स्वीया '''''''' नन् र्वेष्यायाया नन् रहे। भिवानुः बुद्याया वै क्षेत्रः मुन्याया धिवाय। भिवानु रया ٩ĭ

स्याया । न्याया स्वाधिका ने स्वाधिका ने स्वाधिका विश्व स्वाधिका विश्व स्वाधिका ने स्वाधिक

र्वेग्रायः वयरा ठर्याका रोयरा भरार् ग्रायरा तथ्रा हे करातुः र्वेग्रायः या महिर् यर छेर् यर है। यर् हेते कुर मात्रा रहे नाया पार्थ के सम्मान मात्रा विदानिहरू स् । किय. १. पह्नाता ही रट. त्र. निष्ट. त्र श्रेम्य हेन् ने विष्ट निर् र्बे न्यायार्ने त्या कुत्र दुर्गारा है। रेदे कुत्र इस यर न्येर की छ। न्याञ्चरः यदः न्यायः यः दे न्यायः यः दे न्यायः यः दे । इसः न्यादः सुरः तुः ह न्याः च्याः वया दि.प.श्वर.वे.शव.नर.व। विष.श्व वि.चर.पह्नाम.वी श्चेत्र. र्-र य. र्ट. च्.जथा अत्रथ.कं.ज.चणट.च.चेथ.वय.ब्रूट.च.रट.श्रेजथ.पर्ट.क्र्य.चेणट.बिट्य. व्यान्धेन्यायान्तेन्द्रन्यायन्त्राय्यायस्यायम्यायः वित्रः धेवायवारम्याया য়৾য়য়৽৴ৼ৾৽ঀ৾ঀৢয়৾[৽]য়ৢয়৽য়ৢ৽য়৽ঀয়৽৸ৼ৽ৼৼ৽৸ৼ৽ৼৢ৽ঀৠয়৽ঢ়৽য়৽ঢ়ৼ৽ঢ়য়৽য়য়৽য়৾ৼ৽ঀয়৽**৽**৽ ब्रिट.प्र.पह्नामात्वाचनराद्री श्रान्तवाम्रान्यवाम्रान्ताम्याचानाः विद्यवाद्गीताः पर्व. चर.चे। |बुबानशिष्यातार्थर अधिव.बू। |वेब.यायवा रेट.स् र.रेब. च. बे. चर. च व च. झे. श्रव्यथ. ब्रे. ऱ्या. पृ. श्रे. च ळा. च त्या प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रा इवःयदेः स्वयः नश्चेरः वयः चहेन् रत्यः ग्रुः श्रुः स्यः हुः न्येरः चरः श्रेः ग्रेन् धर्मः । हुत्यः चरः ग्रेन् धरः वि हव. यहर प्रपृत्ति । हिर रे पहिव ता खेबबा प्रिया विवा महिरा स्वा । विवा थ.जय. थु.चं चे चेथ.स् चेथ.सेज्ञ.सं.च्.र्ट. १ चे.चेश्च.रट. श्रेथ.त.रट. वेर्ट. श्रेर.ग्री. शक्य.य.... न्द्र-न्द्र-न्द्र-न्द्र-न्द्र-व्याः व्याः व्य म्लेट्रायाः हुँ व : मृत्या व या मृत्रा देव स्वा मिल्या के म्ला मिल्या हुन स्वा मिल्या

वेषःपः यहॅदःपदेः ध्रेत्र । देःत्यःश्चेः न्वदःवेः पत्रःग्व। । विषःग्रं। । वृदःतः यः तः र्खं नवः पदेः ने रवदेः ने दः सं दवः ग्रीकः वेस्रवः रष्ट्र नवः देः वा नवः सः सः विकारे । यः ने वा <u>र्वेणलः शुःचत्तुरः कलः इसः हेण र्रः हे हेकः रे र्णाः लेसलः वर्षेरः वे हेरः यः स्पन्तरः ः ।</u> ा इसः परः वैः परः चेरः पदी कण्यः रोययः नृरः धेरः वैः परेः नृरः खुण्यः पः नृरः *न्द्रिन् त्यः संन्यायः सः सुद्रः तः इत्रायः क्षेत्रः वित्रः स्त्रेन् । क्रन्यः वेशवाः भेन्* स्त्रः वित्रः वित्रः নে:প্রবাধা | लटक:य:दे:चबेद:बे:चर:छ। | बेक:क्ष्| । वृद:क:वक:दे:चहेद: रणः क्रेयावयाः स्राप्त वर्षः स्याः ह्याः प्राप्तः वे वे व्यान्तः व वे स्राप्तः व विष्यः स्राप्तः व विष्यः स्रा यरःश्चरःचःवःवन्नरःह्। । हेः न्डेन् हुन् यं दी वन् सेर् हुन् यदे हुर हुन् त्नन् प्रताकें। ने वयाक्षान इव क्वा ग्रीयादी विवया या वार्षे प्रतास्य प्रतास्य विवया या विवया या विवया या विवय बुर्-परुषा । रूर-बु-रूर-बुब-रबुर-प-५इप। । दुब-बू। । *र्-प*र-७*द-त*ः *ष्याः बार्स् वः चरः वर्तुः च्चेनः चः न्रः च क्यः चयः चरः नुः ळन्ः चः बेन्ः चः नृरः।* ब्रेथ.क बेय. पर है र दे व कु कु व ल व ह न पर के र दे । दे कुर व कु र न के न कु के र कि के कि र्द्राः । *'बुथा-बश्चिरश-स-क्षेत्र-* नेयःस्त्र-चे-बुद्रा। शेबबानकुर्'यदे'बेर'दर्गवरागुर' कुर् गर्देग मु होर पा देश महार रा है। बेर मेश र्वे व में श्लापन स्टर हैं। विषय पर पह्ना पार्च। येथया अवसामन शुराम दान हर क्रुंबस सु चुराम ता क्रुंबर देश देश. <u> नशिर्याता कृर्नन्त्रेन कृत्रा क्रिन्य क्रिया व्ययः ययः क्षेत्र सुवास्तर् क्रियः विद्या क्रियः विद्या क्रियः</u> ररार्वरार्वेवायातात्रेराधेवायवारगात्रामशुरतात्र्या ।रे.क्रेरायरा। रे.मेंयता स.जय.पर्व. श्र. हेर्। विकाला विकालमा हैरारे पहें वा की का ने हरा है देते द्वा धरादे केरायया गुत्र तु पहेव कर में बलायर व्यापन बरादी विषय मेरे हुब.त.ज.स्वाय.त.जय.चनरंत्री वृथ.स्वाय.दंद्य.त.केर.वेश.तस्। ।

स्य.पर्ये.वेर.त.ज्ञर्यात.त्य.चनरंत्री वृथ.स्वाय.दंद्य.त.केर.वेश्च.यय.व्य.दंद्य.त.केर.वे.वेर्य.यय.वेर्य.वंद्य.त.वंद्य

देॱह्रं चरा हु न्मीरा दशुचःसुनारादी। क्ष्रवतान्त्र हुनान्त्री 展4.セダ・数セ4.イン चलबासते हैं चल न्ट. इब चते हैं चल न्ट. बेल चलेब ग्री हैं चल न्ट. च हेब त्यीय ग्री क्षेचयः नृदः स्ट्रास्यः सुः यदे स्वायः स्वा । नेः नृषः मीयः स्वेयस्य महः दश्चनः धरेः स्वा इथ. तपु. क्रें चथ. ग्रैथ. थु. पहूं चे. तपु. खुष्रथ. प्रीय. है। বী रोग्रयः न् ग्रेग्यः यः त्य ढ़ॾॕॻॱय़य़ॖॱॻ॒॔ॹॴॱॸॻॱॻऻॿऺढ़ॱॴॾॕॹॱय़ॱॶॴॷऀॱॾ॒॓ॹॹॖॱढ़ॼॸॹॱढ़ॹॱॸॣॸॱय़ॕ*ॸ*ॱॸॗ॔ऄॻऻॹॱ**ॱॱॱ** त.पा.च हे बोथा.त. २ था. तुथ. तुर् . बोथा. तट. तथ थय. यथ था. बोथा. त. युथे. तुर . वुर. । पथत्र.तपु.क्षेपथ.गुथ.बु.क्रेब.री.पह्ना.तपु.थुत्रथ.पर्वीच.क्षे। र्श्चेन्य.त.प.प.व.व.व.त.र्देद्र.क्वेब्र.लट.लट.चथवव.वंथ.पश्चेट्य.त.पथा \$4.8Z बर्-तबुर्-धर-बुल-ध-र्षेण-बर-र्षय-धित-धिर-र्र। । ५५-धि-धि-ध्रित्रःग्रील-दी-ख्रित्रः पह्ना तपु श्रम् १८८ हे पर पह्ना प्रदेश श्रम् न विश्व प्रम् <u> দ</u>্বী শ্বাম:ম.এম. लर्थः वयः नेलर्थः सः वः इतः भीः नृक्षेन्यः सः इवः वयः वरः दः दः दः सः नरः। नरः सः वयः इक् पर्वः भुग्यः पङ्ग्रेनः ने र्वे ग्यः पः व्ययः ग्येटः चरः श्रेः ग्रेनः पर्वः श्रेरः स्। । नेयः प्रवेदः मु र्ष्ट्र नषः मुर्थः दे र त्यः नरः मुरः धरः खेयवः र दः देः नरः मुरः धरः खेयवः मृद्रेषः दशुनः है। इस हैं ग र्र हे हें व में अद्ध व साय दाई पर हे जेय र मे गय मे या पहि व में या रे ग वया

ष्ठेषा-५ ब्रे न्यायाः वास्त्राच्या चयाः ने न्या क्षेत्रायः वास्त्रे स्थायः विक्षेत्रः स्थायः विक्षेत्रः स्थायः ोन**≋्र** त्य्य्याग्री. <u>इं नलःग्रेलःदे :इयः परः वे परः ग्रेन् पः न्दः ग्रेन् गृहेन् गृहेन् प्रेन् लेयलः गृहेतः दश्च</u> ₹यः हॅ ग'र्टः हे हॅ द हुटः न सः सं 'ਘटः हं व' नवः हुटः नवः र्टः हु से 'वेदः हैटः। शुःश्चे,चतः हे मः में त्या वा नाया श्वेतः में । विदेशः मते श्वेत्रयः ग्वेत्रादीः सक्र सामाः पह्ना नपु राज्या प्राचित है। इ.च.इ वया या मूं वया पा क्रेया पद है पया ग्रीया प्राचित केर रु.८८.बुय.५६म.नद.१८८.५८.५३.वि.बुर.६। १८.८म.५७४.वर्ष.८य.त.त.त. है.के.च.चबुब.लुब.नबी *ॏ* ने.ज.श्रंबयःर्मी.च.ब्र.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च्यःच.च.च्यःच्यःच.च्यःच्यःच.च्यःच्यःच्यःच्यःच्यःच्यःच *१*. म्बलाच-रूट-तूर-पूर-पूर्य-तूर्य-पूर्य-पूर-विर-वेश-पूर्य-य-स्वताः श्रेचलः वेषणः वेषणः वेषणः वेषणः वेषणः वेषणः ु.चल्ट्याःक्ताः वि.व्रेच्.वे्.कुर्.कुर्वाःचळ्ट्रत्तःक्ताःच्याःक्ष्याः व्राच्याः वेवयः र् वे ग्रायः यः ग्रॅं र् ध्ये द्वाययः यव रेग् यष्ट्य यरम्यवग्रादः रे वयः द्वायेयः शुः कुष्-द्रदः द्रदः तह् गः वुषः यः वेषः तन्नुदः द्रः। |5व.नेय.क्रिब.र्स्व.व.र्.प्रहेब.तप्र. [₹]त्त.प.श.र ब्र्यूय.तथ. बर्स्य.तथ.परी.नुरे.तथ.पत्य.पत्य.क्ष्य.बुर.त.ख्र्य.च.त्तव्य.च.त्त्र.च.त्त् ٩Ť 훬도. য়ৄ৴৻য়ৢৢৢঀয়ৣঀয়ৣঀয়য়ৢঀয়য়ৣঀয়৻য়ৢয়৻৸ৼ৻৸য়ৄৼ৻য়৻য়ৢয়৻৸ৼ৻ঀৢয়৻ৼৼ৻ৼঢ়৻৸য়ৼয়৻৸ড়৻৸ৼ৻ঢ়ৢৼ৻৻৻ दे.पह्रये.धुन.भुे.र मूथाया दे.लर.युवयाच्येर.त.लुव.धे। पर्र.रर.र ग्री.च. न्हेया **डै८**ॱकॅंद्रायार्थ्य नवायते हिटाटे त्रहेंद्रा ग्रीके बहुद हुं नवा ग्रीका वरा नहेंद्राकी दुवा वरा द्रा ष्यः। दर्भाषाः इत्रायः नृतः भेषा महित्रायः अप्तः मुन्नायः महितायः अप्तः स्वरः यदः

चुन्-पत्यात्वन् र्रेलान्दः वरुषायात्वात्वेषाचेरः वः भेवः द्वा |देःश्चेःवः त्याचेदः विन् विन् स्रास्या भारा क्रेया वया न्दार् के यो वया न्या प्रास्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र ादेॱक्रु.पः तः द्वाः हॅ गः प्रः ने 'नेंद्रः ग्रैकः ग्रेकः ग्रेकः प्रः तः ते क्षा प्रः ने का दक्षः देॱॸ्ॻॱ**॔ॱऄॱढ़ऄ॔ॱॸ**ॸॱॿॖॱॸॱॿॖ॓ॸ॔ॱॸ॑ढ़ॱऄॖॺॱॸढ़ॏढ़ॱॹॕॸॺॱख़ढ़ॸॱॸॕॕॺॱॸॺॱऄॺॺख़ॗॱॸॱॸ॔ॸॱॱॱ रे. बेडे थ. वे. नेया च वे वे. क्षें चया शु. शुरा च या च शु चया च ते. खेरा रे | इगाय र में या है। दे·५५:मःदेःक्कुःपःषःषरःद्रश्चेष्रायःषःष्येरयःद्रयःद्रःद्रःद्वेष्यःपःद्रदःपःद्रः र्यः व्यान् श्रे म्याः ययः म्याः प्राचेतः प्राचे ने निष्ठे या दे . या दे . निष्ठे या ग्री या पा स्त्री माने . या दे . वि स्त्री माने या स्त्री स्त्री स्त्री स् वर्षे.च.र्मेथ.है। यन गरा भर दे ते शुक् श्च.चलर.च.रचूथ.चथ.युवथ.रट.म्.चेवेथ.रूव.रे.श्चे.च.लव.सू **ारे** क्षर व अर्रे र रे.वय.रे.केर.चववात.रं.लट.लट.चयवय.ज.बीव.केट.बर.परीट. 명·회성. 라고, 흽 l ସିପ·ପପ୍ତ:୬୍ଲ୍ୟୁ.ସଦ:ଶିସ:ପ^{କ୍ଷୁ}ୟ:\ र्श्रेषायासाम्हेरासाश्चरातुः इ**व**ासार्दा। रे.वयाग्धराद्वरसाशुणयाञ्चरामश्चेरायार्दा म्.चयार् श्रुचयाताः पयाश्चाः ज्यार्थाः तयः द्वः तयः स्थ्रे तयः पश्चित्। र्य.त.ध्रेचय.२४.वीच. त.र्ट.र्श्रम्थ.त.पथ.मेंचेंद्र.येष्ट्रिंट्र्यूर्यंत्र.श्रेंद्रेष्ट्र्यंत्र.श्रेंद्रेष्ट्र्यंत्र.श्रेंद्र्यंत्र. र.वेर्.तप्त.चेय.पवंबर्.र्ग.स्.पश्चेरा रे.वय.पहर्र.टय.स.स्यय.चेयरय.वयर.र्र. য়ॱॿॻॱॸऀॻॱढ़**॔**ग़ॱॿॖढ़ॱॻॐ॔ॸॣॱय़ॱॸॣॸॱॸॼॸॣॱढ़ॖॺॱॿऀॱয়ॿॖढ़ॱॺॗॕॻॺॱॻॖ॓ॺॱॸ॒ॸॱॺॱॸॼॸॣॱय़ढ़ऀॱॱॱॱॱ बुदःहे देट रु महें द नदे हैं या नदे हैं नव नहें रे क्रेलाय करत्वर क्रा व क्रें वर्ष

ारे क व . श्रेयक र मु . प व . स्व . प व . स्व यः त्र्यानः यः धेवः द्वा <u>৵৴৾৴য়ঽয়৻৸৴৻ৼৄ৸৾৸ৢ৸ৢ৸য়ৣ৸৻৸য়য়ঀয়৻য়৸৻ৢয়য়৻৳ৼ৻ৼ৻৸ৼৢয়৻৴য়ৢয়৻ঀয়ৢৣৣ৽৽৽</u> ारे 'क्षे' तृते 'शे यश 'र् गु'न 'तरे ' वॅन 'गुर 'मेव 'ब्रुट्ल 'य' वॅन 'द्र व 'द्र ग' द्र श' त्ळन्'य'क्षेत्र'न्'तुर'वे'गव्यार्वेत'यर'अर'वे'यहंग'व'क्षेग्'वर्वेद'यंक्षे<mark>रे</mark>र्ञ्चया म्बम् र्रः हेल इंच तर् यायते द्वा पर वे क्षा पर वे के मार्थ के के के के के के कि นร.2. อส.ฐบ.ฎ. พ.ชพ.ชช.ชช. หช. เชลพ.ช.นี.น.ชช.พ.ชฐร.ชั.ชูรฐปผ.... देय.ल्ट्य.थे.इंचेथ.त.वेट. तर. ५ट्ट.त. भेष.थे.यर. वर. बेट.के. द्वे.पे.थे.त्यर. चुर्दा । ने.ज.मून.चुन.चबे.सून.चवे.क्ष्य.दी वद.य.जवा रे.ज.ध्रयश्चित्रश पः न् गुः चॅं रे रे न् वा त्या**धेन्** त्या द्वेन् या प्रति ऑन् या रे वा या रा द्वे हो। पश्चेत्रयाने तहनाया र्ट. चर. व. तकर. क्ट. तहना च. र्ट. श्रेचल शु. तकर. च. छर. तर. तहन च. च. र्ट. क्षेत्र ग्रेच बुवः धरः दहनः धरं |देः तः दहनः धरः दुनः धरः दनः धरः दहनः धरः दुनः । धरः दुनः धरः दुनः धरः दुनः । धरः दुनः धरः दुनः । धरः दुनः । धरः । ध त्यः दै निष्ट्रे यदा है । यदे विद्या यदे विद्या यदा दे । विष्ट्र वा विद्या विद् **ᄛఄ**ॱབར་འጅོག་ཕར་རྡེད་པ་དང་དུལ་བར་རྡེད་པ་དང་ནེ་བར་ཞི་བར་སྐ་བར་ར་སྡ་བར་སྐ་བར་ས་ <u>चे</u>न्-पःत्यःके-स्न्यत्यःशुःतकन्-चेन्-तह्न-पत्ते-धन्-त्यःचेन्-पः-खन्-न्। ।कुन्-नचेन-हुः <u> ਭੋ੨੶ਸ਼੶ੑਸ਼੶ਖ਼ੑ੶ਖ਼ਜ਼ੑਸ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ਲ਼੶ਸ਼੶ਖ਼ੑਖ਼੶ਜ਼</u>ਖ਼੶ਖ਼ਫ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਖ਼ੑੑੑੑ 132.5. तह्रवात्तात्रेत्राचात्रात्रेह्णायाः अर्थायाः यह्रवायतः अर्थाः अर्थाः अर्थाः अर्थाः विकास्यायः र्ट मं ने के या ग्री दिया दी दे तर द र प्रया मही या द में या प्रया मही या हो। दे प्रया मही या हो। दे प्रया मही या हो। च्यालेबलास्त्रे भ्राम्याशुः द्वीरार्म् न् ग्रीयायरा नु मर्ग्न द्वाराष्ट्रदार्भे साक्षा स्वराधिय

ने वल लेबल च कुन् पा ल दे हिन केंन् है ल पन न्न*प्रशादकर* केंद्र तहुन य द्रा न्द्र-ब्र-ब्र-ब्र-वर्-द्र-द्र-भूर-बुन-पर्य-श्रन्य-वर-वर-पः बेर्-पर-५६न्-पः र्-। ने वया रोवाया न मुन्याया ये प्रमा थाटा बी एक मा केटा ई या या थाटा मुकायमा यहे वा वी पा या नथाङ्गपामाञ्चरानरायहेनानदान्त्राचेरायहूनाम् । प्रायाज्ञान्यान्यान्त्राचे वाज्ञान्त्रान्त्राचे *षु:५७५:३८:५६*ग:य:ॲर्'य| युत्रयात्रराचात्र्राञ्चात्राज्ञाच्यात्राच्यात्राचा र्यम् यात्यान्दार्थान्त्रेत्रात्यकत् केरात्ह्रनायते भेत् चेत् स्त्रायत् केर्त्रात्रम् न'स्'ल'नञ्चे बरा'हे'तहन्।पदे'धेन्'चेन्'ऑन्'सर'बी'तकन्'प'के'ले का श्रेयश.र्ट.ग्रं. महिताया दे त्रेयवा हिरारे तिहेंद्र तु त्याँ ता न्दा दे राधी त्याँ ता महिता धे या छेवा से या छेवा नर. न. वि. ज. वे. वे ट. ट. पहुंब. ज. वे ब. त. कु ब. इट. नया है. ब. ज. वे ट. ट. पहुंब. ग्री. नर. हे तह्रमः सः ळ्राया दे त्राञ्चर् ग्रुरः स्रवायः शुः तकर् छरः तह्रमः सः ळ्रा क्रेरः वर् न्या चन्द्र-ततुः क्ष्वायः प्राचवयः तरः वैयः वयः वेटः ट्रः यह् वः श्रेचः पदः च क्षवः पश्चवः श्वेवः विवः ः । री. पहेब.ब.ब.ब.ब.ब.च.व.चीत.ग्री व्यव. दं. दं. बाहेया बहेबा दबा पश्च प्या श्वर. व्या श्वर. व्या श्वर. व्या श्वर न-र्-र-द-व-व-त्युन-धर-ग्रुप्य-हे| धर-हेव-पष्ट्रय-धन्य। जुद-वे-द्व-स्ट-स्ट-इत्य-पत्र्र-ग्रीय| |पत्रयःगृह**द**-ध्र-त्र-ग्री שביקדישביפקביבמיםאַ व। । वर्ष्ययातयात्रान्त्रेयात्राप्तयात्रान्ते। ।इतात्वर्त्रास्तायदर्ने प्रविवः री विर्म्पर अर्धिय निहर बैडि | बिस निहरू स्था

याः सक्षयाः पश्चर्यः प्रतः । विः नव्यः याः पहेवः व्यः यसः प्रम् न्र्यः ही रः पहेवः यः न्रः। विः चव्यः याः पहेवः यदेः

ष्ट्र-पर-तुःत्हेना-हेदःपदेःलबः न मॅन्-ह्लः न हृदः पदे । | न्दः यः लः नृहेत। न्द्रतः मुः र्नेष'गष्ठव'य'र्रा चर-वन्,तःरे.केर.धर-इत्र.ब्रेंट.क्ष्य.ज्ञावायः तर-चेयःचश्चरयः नयः व्रथान् मी. द्रथानः चर्षे वाश्चे याहे. युवया न्याचे मा चे मा च र्यःश्चिरःतुषःभेरः। देः यदः इषः ५८ः भेषः प्रवेषः प्रवेषः सुष्वः दुः प्रवेषः प्रवेषः ययः स्वायः स्व *ॅॅंच्याचते* :क्षुवःशुनः तुः तह् वा धतेः हे रः रेः तहेंदः व्यावः वः वे वावकः व्याधिवः व बाबीदः श्रृवःः नवरान्द्रवाधेवानवरान्द्रहेषाश्चाववरान्द्रवाधिवर्षान्याचेत्रवाधेवर्षे युवायाचे र.पे. लूरे.पा.प.चीर.ता.चे.पीया.चेव.पी.ता.ता.चेरा.पीवाया.चेवा.पीया.चेवा. यः नेते. परः तुः भेन् त्यः पश्चिन् यः ने त्यः के ले कः पश्ची । इसकः या । ले ज वकः वे स्याभेवः ने ले नव्याग्री हेता शुः बहुद्रा धरे अँ तामा न्या बहुत्ता मनः वृद्रा धदाना धिदाना महितामा वृद्र । *ष्यान्यताः चरः नश्चिर्यः भेरः*। *बर्द्रः ब्रे*द्रः क्रुद्रः क्रुद्रः यादाः ग्रहः। रे.म्बायायायायात्रात्री.श्र. <u>चेत्। । ते.वय.दे.ल.लय.८८.लयय। ।भव.धे.बैटय.त.त.क.व्या ।लट्टय.चेट्</u> र्टान्डलाले वाचा विवानिश्चाति हो। धर्मा चेर्मा दीम्भववादर्गाले निवानिकाम चर्मा [꽃의·국의·디**조·디·**⁽¹⁾ ने भिरावे नवरा में बराधर उराधर ने दे ते तथा नर वे बरा नर वे के ने दर्श हर कर यर ग्रुराय र्रा है स्रेर तर्र्राय पित्र ति र्री मूलाय त्री मूलाय ते स्राप्त है स्रेर पर है ते हि

र्मर: विनः सः न्दः भेदः तुः श्रुप्तः यः गृष्ठे तः नृष्यः स्वः गृष्ठ्यः त्यः । ने देः श्रे दः श्रे अः ने अः नदाने के द्वेन्य पर दे हिन्य अर्दे व पर दत् है दर्ग अद्राप्त है हैन र्र रें यह ८६८.तर.पे. तर.पे. शुक्रात की राम. प्रति की त्रात्त की स्वीया ता लुके तर स्वी धरः चुःह्रे। वेषः नश्चर्यः धरः भेदः श्चर्यः धरः धरः धरः धदः है। नर.च.पथ.चथप.चर.चेश्वरथ.तपु.हुर.र्रा विषय.लट.र्धथ.षघर.पथ.शूट.चदु. तर् चेर् पकुर् पत्र प्रते पहर क्रेंबल दे तर्दे ते लेबल र्मु पार्ट म्वर् प्रते निक्र प्रते । ला दे.क्ष.ग्रेथ.क्ष.म्पर.दे.जल. नेव.श्वेरज.ग्रट.चंशरव.सव.श्वेर.स् व्यवः रमः त्याः ग्रुरः। तर्ने वै पुरः हुनः शेव्यः र्ययः मृहमः सुरि र्वे वः यरः मृद्यः यह यः यः इर.च.प.पव.वर.थर.१.ल्र-प.चव.हे। ह.ग्रीन.१.प्रवान्तर प्रवान भेव.में हैर्यान वा हेव. ग्री.चर.री.बु.चवयार्टा ह्या श्रायविष्यत्या म्याम् क्राम्भीया स्थान्ति बर्-क्-रम्-थ-प्रज्ञात्मी द्वाना व त्यायन प्रत् । दिःव भेव हि बुन्य पाय क्रीयापर मॅर-गे-हेर-रे-वहेंब-रे-य-गर-गेय-वहुय-य-धेव-वे-व। हेर-रे-वहेंब-रे-वे-वर्र्-प चित्रया.मु.यथा.च द्वेयाता.मुवा.हे। वित्रया.चेश्वयामु.या.र्नेमा.चरा.ठरा.मुया.चद्वयायायया. निष्यः निष्यः विष्यः विष्यः विषयः ग्वसारेसायराष्ट्रचार्मेसायते क्षेत्रः द्वा । यहेर्प्यते सामारेप्य प्रति हिरारे वहेर लूर्-मिट-अधेश.तर-अ.चंब्ये.तपु.थ.लुबे.बुी अधेश.तर-चंब्ये.तपु.थ.बुध.श्र.पह्ये. पति कु अळ द दी त्युं द पा बेद पा दूर द न तर पद अळ म दर मेद हि हु दूर रा पता अ मञ्जू नरा धते छेर रे| | दे हेर यद रादे द्राम्बे यहा क्षेत्रः श्वेरः दे विं दःयः यवयानरानवन्। प्रति सामे वात्राची तान्य स्त्राची स्वयः क्षेत्राचा के स्वयः क्षेत्राचा के स्वयः क्षेत्राचा के स ले'वा पर्ने'ह्नर'हेर'दे'पहेंब'र्ने'वै'पर्जुर'य'बेर्'य'र्न्स'बळॅग'हु'र्गप्रमान्स'वेब'हु' ब्रुट्यामान्द्राचन्द्राचयायद्वाचरामाध्याया वर्द्द्रामान्द्रश्चेद्रामान्द्रमान्द्रामान्द्रामान्द्रामान्द्रामान्द्रामान्द्रामान्द्रमा हे. ५ दूरे तत्त्रावयवाचात्रात्राचात्रात्र्यात्रात्राच्यात्रात्राच्यात्रात्राच्यात्रात्राच्यात्रात्राच्यात्राच्या मुखुर्यः र्या रायकाश्चरम् वार्यर रहात्वाका क्रीकार में विहा दे लहार में विहान के वार हा वा की ही दायक वययाक्तान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र ᢒ.ਜ਼.๗ॳ.ॷऻ<u>ॳॖ</u>ॴॳ॔ॴ॒*॓*ढ़ॴॣॖॖॖॖॖॖॖॖॗॣॳ॔ॗॶ.ॳॗ.ॷ.४८.ਜ਼४.ॳॗॴय़४.ऄॳॖऻ ार्दे**'व**'मेव'रू' ब्रुप्यायाः विवास्यायाः ने दे विवास्य विवास्य विवासः स्वास्य स ॶ*ज़*ॱॸॣॸॱऄॺॴॱॻॖऀॱॺढ़ज़ॱॸढ़ॱऄढ़ॱॹॺॴॻॖऀॱॹॗढ़ॱॺऻॕड़॔ॸॣॱय़ऄॣॱऄॗॸॱॶॴॸॣॸॱ मदःलेखा क्षरामेयायराच्या । त्यार्मा वेयायाची म्वयार्मा वेयार्मा वेयाया वे त्यार्मा वेयाया वे त्यार्मा विकार्मा विकार्मा च श्रुवः चः तः हिः क्षेत्रः तर्देन् चः क्षेत्रः तुः वर्गेतः तुः वी उतः वः विवः त्य विवः विवे विवे विवे विवे वि युत्रयाः भुषः मिन्दः मिन्दः पुत्रः युत्रयः युत्रयाः ग्रीः ग्राव्यः पुत्रः प्त्रः प्त्रः प्तः प्त्रः पत्रः पत्र *श्रेयया-*र्मे, नद्र-वे.च.ल.चर्मेल.च.ल.चे**द**-प्रें.लब.धे.2८.चप्रे । ।

पदैःरोअवाःग्रीःग्वायः ह्वायेव्यं द्वार्थे द्वार्थे ह्वार्थः द्वीर्यः द्वीयः द्वीर्यः द्वीर्य मःयान्द्रिःमःयान्वतः वस्तरः यहना तुः वै उदान द्रान्दा स्वा वेवा वेववा प्रायाः **ॾॕॻऻक़ॱय़ॱॹऺढ़ॱॸ॔ढ़ढ़ॻ॔ॱय़ॱॿॗॱॷॴॹॴॴॹॶढ़ॸॱॻढ़॔ॎऻॗॱऻढ़ॱऄॸॱज़ॸॱऄॗॻॱढ़ॻॕढ़ॱऄॗॱॻड़ढ़ॱ** र्-ा.पाया.पाया.थी.४८.च.ब्रे.पीया.ग्री.४८.ब्रे.वे.च.च श्रया.पार्चराचात्राचारात्रया दब्दैर-घर्दे। विश्वयाययाशु-3र-घ-द्वै-धर-र-म-धर-धर-य-द्वे-ध-य-त्वे-विश्वयाः ૹ૽ૢ૾ૺ*.*ૹૢૹ.ત.૮૮. ભ૮.ઌ૨.ઌૹ૾૽ૺ૱ઌૢૢૢૢૢૢઌૣ૽૽ૹૢૹૹ.ઌૹ.કૈ૮.ઌઌૢ.ૹૣૣૹ.ૡૡૺૡૺૺ૾૾૾ૺ. ૹ૽૾ૺ૱.ત.ૡ૮.ઌૢૡૺ. बियानश्चरताहै। यर्दरावानिवाञ्चरताह्मरावाहेवा 44.8.22.0.94.341 ब्रूट्य.ब्रूट्रच.ज.झ्य.चर.४र्ट्र्न्.ग्रुट्रः। व्यय.ज.८ ब्रूर्ट्रच्चे.चे.च.य.प.८ ब्रूर्ट्रच् इर-मेथ.पद्देन.तर-रंगेर.चप्र.पिय.प्रथा.पथ.थे.शु.शु.२८.च.जून.वेथा विध.प्रथा.वेद. हु-वर्गेल-वरे-व-र्ट-क्ष्य-वर-त्युर-र्दा |रे-क्ष-तृते-सुत्त-त्य-त्य-त्य-स्त-त्य-केर·स्टानःललः अवरः भेवःतुःश्चुटलःयः न्टः हेः गुडेगः यदेःवेः गृद्धःत्युः त् शुरःल। लट.र्ट. म्.सं.चथ.र्व.र्यात.बुट.हुथ.वय.वु.र्वा.तर.श्च.व.पहुट.हु। व्रव.य.पव देवै: र्रः मॅं विं वरः धरः र्षाः धवेः क्षुंरः पः ताः हवः सवेः क्षेत्रवाः वेवः तुः ह्युर्वः यः र्रः त्वावः " भेद.पे.बैद्य.त.रं.रं.युव्यत.रंट.जय.पथ.थे.प्रट.प.पवैद.प.प्रे.स.प.के.प≜च.तर........ र्गातःमध्यन्त्री |वेषःर्मः। रेवैःशेष्यशक्तेम्यःहेन्र्रःस्थयःर्मःस्थयःमेदःतुः ब्रुट्याया ने वेदायदेवायर विवास वा विदासि है। ब्रुग्विन क्या नहेना हु न ब्रुट् रें येद पर्द हैं या ग्रीयार गया मेरा पह गायर श्वापते से अवा है ग्वी गाय है रार्ट से अवा <u>र्</u>दः खुरा भे**वः तुः श्च**ररा यः यद्देवः यदः श्चेरः दे। वेदाः गृह्य द्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः

यान**्रव,त्राच्यान्य, व्याप्त,त्राच्यान्य, व्याप्त,त्राच्यान्य, व्याप्त, व्यापत, व्याप्त, व्याप्त, व्याप्त, व्याप्त, व्याप्त, व्याप्त, व्यापत, व्याप्त, व्य** धेव दी। त्रेयराग्री मान्नार्या हता वित्तर हाया पर त्युर विता देवे मानेना संविधा नेना हुन्या या. इव.पा. श्रे. ही वेब.या. पाया हा. द्वा.च. देव. र वाया. वेद. प हे वा. पर प्रा. पद. या. प्रा. प्र प्रा. प्र न्द्रन्यः केन् न्दः लेखलः न्दः लुलः नेदः तुः श्चर्यः यः नेदः सः वेः सं न्यः यन् श्चेः प्रः य श्चरः । । ন**র** হ'ৼৢয়'য়ৢ'ৼৢয়ৼৢ'য়ৼৢৢ৸য়ৼ'য়য়ৣৢৢৢৢৢয়ৼ৸য়ৢৢৢ रे.लट.बर्स्ट.चर्च. बद्धद *|ने*ॱक्केल'ब'बन्'र्स्'र्यः वः वः न्वतः वदः वदः न्वरं चेन् चेन् वः ने दःवे वा भेवः दे। बॅट्यासः इययः ग्रेः क्वेन्यायः ग्रुरामः सेययः ग्रेः न्वयः ह्वायेवः न्वरः भिवः मारः भिवः सः नेः श्वेरः परः त श्रुनः विदा ने देशम हेद्रानं तेया व्यवस्था व्यवस्था स्वर्षः व्यवस्था विदान्तः श्रुवस्य विदान्तः श्रुवस्य विदान तश्चरः द्रा विष्यः बिश्वरः व्या विष्यः विषयः विषय ततु. वधि.पा.च हे ब. बया.पिया. मुब. पि. हीरया.पा. ही. पठु. हीरा पठु. हिरापिया पा. ही. परा |ह्यूट:दे.तथाक्री:क:इयवाल:विच:पर:पश्चुव:प:व| सवाक्री:व|वव:८व:०वेद 4<u>\$</u>7.*{| <u>र्राचलाचरात श्रुरावेराखेराखेराचेर्यादवारवालेवाश्रीमनेवार्याखेयानेवार्याञ्चेर</u>हो। <u>ᡶ.ਜ਼੮.ਜ਼ऀਖ਼.ਜ਼ਜ਼ਖ਼੶෫৴.য়৾৶.ਖ਼ਖ਼.ਜ਼ਖ਼.ਜ਼</u>.এ.२८.ਜ਼५.^{ড়}८.๗.ਜ਼ঀ৾৶.ਜ਼८.ਜ਼ਜ਼ਖ਼ৢ৾ਖ਼.२.४८.ਜ਼८. तश्चरात्रे। व्रदायायया देःश्चेयामयास्ययानेदाः मुद्रास्य स्वर्षामाय स्वरापाय स्वर ळेदः यदी कुरार्मा खराया द्या पराय युराहे। दे र्मा कु पदी हुसाद श्वराया या रामदा पदी परः गुर्हर् छेर् यः ब्रॅब्रॉस्यः पदे ध्रुंग्यः शुः शुरःयः खुयः ग्रुःग्वयः द्वायेदः गरः धेदःयः प्रा ने न्रात्र्या परात् शुराबेरा। ने देश महेदार्थ सामेदारु श्रुप्यापास्य सम्मान **ॼॴॸॖ॓ॱज़ॸॱज़ॿढ़ॸ॔ॖॱॾॣॸॱॸॸॱढ़ॹॗॸॱॸॕऻॎढ़ऻज़ॹढ़ज़ॹ॔ऻॎॗॸ॓ॴॎॶॴऄढ़ॱॸॖॱ** ब्रुट्याम देखाय के त्या के दर्भा देवा के के या प्रत्ति के दिस्त मा देवा के वा प्रत्ति के विष् ख्याग्री:रेना: द्वेदे: हिन्: धर: न्नव: **घरा** हे व: व: ख्रा: नेव: हु: **শ্রুন:বৃশ্ব-**শ্রু:নঙ্গুর-গ্রুনা लर्-र्नाय-व-लय-भेव-मु-श्रुष्ट्वर्य-धर-व श्रुर-र्ना वियायर् 題となったメンジューによいさいか तपु. कु.च.धिर. मी. श्रवियातीयाता चर्. तपु. थे श्रयः कुर्यः तू. श्रीयाता पात हे वे. यया श्रु श्रयाता पार. र्वात.च.र्व.वे बया.क्रय.सेया.यै.वैट.च.पवीट.चर.प वीर.स् ।रेव.हेया.थे.वेव.बैट्य. <u>इन.षर.भ्रेथ.तपु.सेन्य.र.रूप.ग्रेथ.क्रेर.री.पम्.क्रे</u> ट्र.लट्स.चेय.बेर्य.चर.यय.पम्. नः बेदःग्री रगरा भः ने राजे बरा फुं रहा गर्धा मरा ने राज्या दरा ग्रीया बरा क्षेत्रः स्रायः यदेः श्रीदः **र्यः** श्वेरयः यः श्रेः नृष्यः देतः देवः नृष्यः यश्वेषः यः यश्वेषः यः ध्वेषः वः ध्वेषः विषयः नृषयः ध्वयः । विषयः नृषयः ध्वयः बाया या दे । बादा विकास केदः प्यानश्चितः पत्रः वात्रः स्टा चलः पत्रः वि गवता व व्यायः धिदः है। वदः वायवा र्द्राध्यान्ते क्षेत्र्यान्त्र श्रुरामान्देवे के दावेयवान्त्र मृत्राच्यान्त्र विवादि व र्टः खेबसा सक्कें मा हुः न् मादा मा न्हा स्वाधा त्री माता मा न्हा सह वा धरा न्वादा मा न्हा । चक्यःचरः व्यरः ब्रूटः चरः त श्रुरः र् । दिवे : र्वे न् तृः वे न् तृः श्रुरः ववे स्वा नवे स्वा नवे स्वा नवे स्व च.ग्रीच.च.से.ची.र्ट.र्स्य.तर.प ग्रीर.स् । श्रियम्रर्थयान्यत्याम् स्थितः स्रेट्राचरः न शुर्-दि- वेयवादी म्ववाधियाने पर-पहन्दि दि-दि-इव पवाद्वीम्यायान तह्रमः धरः त शुरः रहे | विकामश्चरतः स्वा | दे क्षे. तु शुरः दक्षः वि म दक्षः ह्रवः धरवा *धेर्*-(याच्चेर्-१८८ वर:बे वरच) |वेयानश्चरतायाः क्षेत्रः धेत्रः सः द्वेतः सः वेतः नद्र.चंट्य.धि.केर.तर.पश्चर.हे। नवज्ञ.विष्ठ-रू.चर्चवल.ग्रेय.पर्देवल.ग्रेय.पर्दे

स् । अवेशान्तराचेनां तपुर्थावे । विश्वास्त्रम् द्वामाने वाक्ष्यां में स्थाने द्वास्त्रम् । विश्वास्त्रम् । विश्वस्त्रम् । विश्वस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम् । विश्वस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्

मृत्रे वारा वा भेरा हेरा रूटा व्यव प्रति ह ग्वा वी ग्रार्ट व्यव वा भेरा हेरा हैना चर्दा । बे रार्टि न्वविदाग्री यारेगा धराग्री प्रते ह गया न्दा सक्वा या दी ने क्षा मुख्या धरा र् ताम् ज्ञान्त के ताम दे ताम क्षे.चंड्रचे.त.चधु.स्.क्षर.रे.त्रच.त.रेरः। दु.रचयाग्री.स्यायाच्यत्यस्याचर्यात्रस्यातः <u> २२ . मु.जाया मु.जा.व्रंथ. स्थाता क्षा प्रमाह्में रामाला व्रेयाता र्रा क्षेत्रात्रात श्रीयाता र्रा</u> बर.री. बधे बातराच वेबाता बाबी राम की यान में की या प्राची वा की वा की या प्राची या विकास में की या प्राची या व *ॸ्ॸ*ॱढ़ॸॕॣॸॱय़ॱख़ॱढ़ॸॖॖॿॱय़ॱख़ॱॺॕॺऻॺॱय़ढ़ॱॷॕऀ॓ऀॸॱय़ॱऄ॔ॱॺॹॾॸॱॷॖॸॱॻॱॸ॔ॸॱऻ न्वना तथा वर्षा पद के प्रतास्त्र के प्रतास्त्र के कार्य के विष्टुर्य तम् वर्षे ने प्रतास्त्र के वर्षे प्रतास्त क्षा । दे क्षेत्र प्यमः वृद्धारा यावा प्रवादमः यावा विद्यान वि देवान्त्रन्यवाद्याद्यात्रे त्रेयवास्त्रात्यात्रात्यात्रेवात्रात्यात्रात्यात्रेवात्रात्रेवात्रात्यात्रेवात्रात्र वै'वर्र' न्या धवाहै। ब्रुट्यामा मृदा तेवता भेदा हु ब्रुट्यामा न्दा तेवता हे ग्री मा सहर हु मिनामा न्दा हुंद्रा मा ब्राट्यानः इबान्यः ब्राट्यान्ये न्वे न्वायानः या ब्रुट्यान्ये द्वायान्यः विद्यानः वि बेबयाग्री सुन्तरहब्राधरात शुरामान्दावी ग्वयाग्रीया हे परान्गीयायान्दा। वेयान्दा। दे वरातु धराद्वा तह्वा त्रात्तुवा हो वेयवा वह दायर वेदाय वा सुराम सुरामर

क्षेत्रक रूट खुक भेद हु हुटक पर र युर प रूट । खुक ग्री मदक रद केद र म मैक भेद मु न्द्रिन्दर के त शुराव र्रा द्रिवाय इयल न्या केरा गुवा मु के शुराव र्रा वे लाय र्रा देॱॷॱतुॱ**ॸ्८ॱ**ॺय़ॖऀढ़ॱय़ॱॸ्ॺॱढ़ऀॱऄॸॱॺॱऄॗॸॱय़ॱॸॣ॔ॸॱॸढ़*ॺ*ॱय़ढ़ऀॱहॺॣॺॱॸॣॸॱॿॾ॔ढ़ॱय़ॱॲॸॺॱॱॱ खु: इर.च.र्गः धेवः धर: देगः धर: इत्। विवः गुखुरवः व्। दि: हेरः हगवः दे: र्गः रू ८२.केर.थुब्य.झ्.चे**ट्च.तपु. चे.चे.**खे.**चेथ.क.च्य.चेथ.चथ.चथ.तप्.**चेथ.चटे.चटेच.धेय. रट. श्रुवाय. भेव. १ हीरय. त. ५ हेव. तर वेय. तय भेव. १ हीरय. त. ५ व्या. तर ५ वीर वा भेषःश्चित्यःहःद्वात्वायःच्याग्चेयःग्चरःक्षःग्वेषःपदेःविःग्वयःत्वेयःपवयःपवःद्वाःःः म्डिम् मैक्षाम्डिम् होतः चरः चेर् प्यते हिरः स् |रे कुरः धरः हदः करता क्षे.ब्रिब्र.त.केर्.इश.तर.५हण. घर.५ श्रूर.जा हि-क्ष-हि-द्व-र लेखला के निक्ना या के न इयः तरः पहुणः चः नुः क्षेर् क्षेर् तिथः नृहः क्षेत्रातिथः नृहः क्षेत्राति । विष्यः मित्रः विषयः परः क्र्यान्त्रेयायात्र्यात्र् वेबबाई:गडेग्पः वेन्-न्-भवातुःश्वरवायाने र्मा दे महिना ता महिना पहें द पा रूटा महिना ता महिना रमा तता प्रता प्रता महिना स्वा प्रता प्रता महिना महिना महिना स्व ह्या । बर्ट्र-व.धुन्नथ.जय.थे.२८.न.व.धिट.धुन्नथ.पटिच.न.चकुच.धे.ख्ट.नथ.धिट.जय. शु. उर. चर. पश्चराया देव. इ. संया भेव. है. श्वरया माविरायर है. प्याया प्याप विराविरा दे.वुर.व.ब.वेबवाग्रीकेट.२.हर्ट.वह्रबावट.तरारव्यक्री.व.रटा देवाग्रटाक्टरावय शु. २८. त. विर. तर. २४. १. त में वया तय जिया रूट शुम्या भेषा श्री रूप पर्दे व. ता है। हर 지위도'다'왕국·복| |

ने क्षेत्र द्व य र्द मेरा पित्र विदाय चुद परि तप र र्स्य व म्बायाया बारु राया दी। च्या ग्रदा विवयः हेरारे तहें वर्षा प्रते वे वर्षा विवयः मः न्रः। देः धरः क्रेरः वः अः व्याः लय. भेद.शिर्या ग्री.श्रे पया थी. प पर्नात हैर. खिर. लया थी. यर. पष्ट, बंदी याले या रेट. युवाया था. स्यान् वृत्ता वर्ता वर्ता वर्ता वर्ता वर्ता करा देता हरा हरा हरा हरा हरा हरा वर्षा के स्वराह्म वर्षा के स्वराहम वर स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर स्वराहम वर स्वराहम वर स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर स्वराहम वर स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर स्वराहम वर स्वराहम वर स्वराहम वर स्वराहम वर्षा के स्वराहम वर स्वराहम वर स्वराहम वर स्व तर्न् न्याता तत्तु वाया खण्या ग्री हो प्रते हुं वा बॅर्या इयया ग्रुटायया छेरा थे श्रुपा न्दा बाव बा नवना ताया वारवा पादे के वार ने वा मुंदि हुरवा या न्रा बी तहा वा निर्दे वा निर्दे वा निर्दे वा निर्दे वा स्वायाने क्रियायावाया स्वीति क्रिया माना प्रति वह माने वा वर्षेत्र परि वह परि वह विकास क्केयाव दे हैं रावे मार्थ केंद्र यदे तथा है तह मार्कर । विराधरा है से दा है ता है से प्राप्त है से स हेलॱॹॖॱॺॿॖॖॖॖॖॖॖॺॱय़ढ़॓ॱक़ॗॖॖॖॖॣॖॖॖढ़ॱॺॏॺॱॶॖॺॱॿॺॺॱठॸॖॱॻॸ॓ऀॱॻॺॱॺऻॸॱॻॱऄॗॸॱॺॣॸॱॻॱ**ॴॻ**ड़ॆ**ढ़ॱॻ**ढ़॓ॱ**ॱॱॱ** स्वान्त्रत्रे स्वान्त्रत्रे व्यवाक्ष्यः संभीत्रान्त्रि न्यान्त्रे स्वान्त्रत्रे स्वान्त्रत्रे स्वान्त्रत्रे स्व धर: नृदः ख्वाधर: बर्धर: वृषः क्षः द्वाधरः वृषः वृषः वेतः श्वेरः श्वेरः विषः वर्षः वर्षः वर्षः व्याधरः वर्षः व ्र्वाया पदे द्राया द्वेरा द्वार व्याप्त इर्र्स्। दिवः गुर्र् हे पर्ववः याषयायः न्रात्यवायः पर्वेगयः येन् तः संगयः पर्वे ग्राहः रचि.षषु.श्रंबा.इबा.जा.श्रंबाया.तषु.हेर.इ.पह्रंब.बी.इबा.ता.बायजा.चर.क्रंब. **B**'4'551 यते बन् स्वामी मुब्दाया महेवावया न्युन् वर्षा न्युन् वर्षा न्युन् वर्षा न्युन् यहे । वर्षा प्रति प्रति वर्षा न्युन् य क्रेव्-रा.के.कु.श्रूया व्यव.त.र्वाव.तपु.जवा.श्री.लट.वावव.तप्राव्यायी. नवान नित्र न्रास्तर न्र्राम वि श्विन पते वि र नवा कु । इस पा ठव र दि । दे । 4.44 य्डेना हेत् प्रते त्या स्वतः गुर् हेर रे त्रेष्ठ वर्षः त्रेत व्या हेत् व्या हेता प्रतः न्युर्यः प्रते ··· ारेते धेर धेर स्थापते दूर श्रॅंट तहे न हे व पते त्या ग्रेत के पट से द स्थापते स्थापते स्थापते स्थापते स्थापते स **ब्रेर**:रॅ।

मद्राक्त क्री तार्व वा या या कविषाया न्दा तहाया परा हिताया स्यापा ही वा मुद्रा वही या पहे वा वा दलायबार्मराबरावर्भरार्मेलायलाक्षेपार्दाक्रायात्री केरामेलाचेत्राम्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व |दर्भष्मान्द्रम् अर्थः श्चेष्ठः अर्थम् । सरः ह्रम् म्यः यदैः क्षुः यः द्रः श्चेर् यः ब्रह्मतः नृग्नीः श्रुदः ते नृषः परः ह्रँ नृषः दृषः तृष्टरः तः तः धेरः त् हुरः वैरः वरः यः ह्रदः नृष्टेरः । ग्री-८ था-प्रचेर-म्री-पथ**ब-पथ**-मुब्द-व-मर-तद-पथा-दि-पशुर-ब्दि-। न्वर-क्रिप-ग्री-थ्रथथ-देव र्यं केला चेवावा केताया केवायिताया तुः व्यापात शुराते। द्येताव। तुराव शुरावाव करलः गृङ्गनः होरः नदिः ह्ये**दः धः न्दः ह**लः विवलः झः गृङ्गनः नशुरलः धः धरः नलवः धः देः न्गः मुथा इब. व. द्रुब. त. क्षेत्र. घर. त. र्ट. घष्टा २८. यद्द्रिव. ततु. जब. ग्री. ह्रु म्या. खेर. व. र्ट. पर्दा । द्व. क्य. पर्दर दे. प्रमाणविष्य विषा मेत्रा हेव. पर्द. ह्व. वया हरा ह्या पर्ट. वया कर् बहुद्राधते तथा तु त्यूं शे त्यूं र्च्यू स्त्र त्यूं न्यूं शे त्यूं त्यूं वि क्यूं वि क्यूं त्यूं वि क्यूं वि क्यूं मयान्त्रित्यां न्ध्रित्या धेव दें। । नृतुः यानान्त्रः हो यहा स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स चतुः लिपाहः क्षेत्रः निष्यः तात्वे चलायः यात्रा यात्री यह्न ताः यद् गुप्तः विष्यः विष्या निः ह्लायहिन रट.रे.रम.म.६ मवारा क्वर.प.क्वर.प.क्वर.प.क्वर.प.क्वर.प.क्वर.प.क्वर.प.क्वर.प.व्यर्भाया น.ฮุล่ผ. ชูป. ผู้ผ.ละ. ผ.ปะ. ล่ยน. พ.ปอย. ก.ปลัง. ย.ปะ. นี้น. พ.ช. ย นี้ ผ.ปะ. นั้น พ.ช. ย นี้ ผ.ปะ. นั้น พ.ช. इं थ.भु. थ.इ तथा थे.बु. चवया रटा क्षेचा यहूटा चेवे था.श्र.श्रूटा नेथा तथा वे चवया है। चवया व्याप्त म्चित्राचा क्रा शेवरा मृत्या स्वा म्चित्रा स्वा मृत्या मित्रा मित तर. चे हे वे. ज. वय. त. ज्व. तथ. हे ट. टे. पहें वे. टे. ट् चे. है चे. लेचे. वहें ट. ची. ही च. जे चे व. जे वे...... निविट.र्.रेन.१.६म.अइट.युवाय.रमी.पाय.प्रमाय.थि.चनर.१८.रेप्र.श्चित. **७ गुरा गुरा हवा राषा जुरा हु राष्ट्र । गुरा प्रदेश हु राष्ट्र ।**

रे.चिववारी.रेथ.क्ष्रा.र्था.क्ष्रा.र्था.क्ष्रा.र्था.स्या.र्था.चेर.वेव.यव.र्था.पाय.ग्रेटा विवाय

र्मु'ले' नव्याग्री' तथा रूटा क्षेत्रा अर्घेट में 'यथा तुरातु पाषुट्या या ग्रुव्या केंद्रा व्यापार्के वा व्यापार् यः इत्रायः गुप्तः ह्वं नायः अन् ग्रीयः न ग्रायः नः त्याः व्यायः व अन् । ययः निरः हः क्रेवः यः व्यायः ठ**्ः** बर्दैः तः न् वॅट्यः यः वृद्धवः हुः श्वदः हैं। ।वृत्यः हेः वृत्यः वृत्यः वृत्यः वृत्यः वृत्यः वृत्यः वृत्यः वृत् मा ळ्टाचा वे दे दे दाया के दारी के दारी ता के दे वा ता वा के दे व नदः चनः श्रदेः ह्वः नदः धवः श्रः श्रदः ह्वः नदेः नेवः रवः ग्रीवः सः नवः स्वः नवः वरः दवा हें वयानेति हेरात् के हे ना सरा प्रवासाया के हे ना सरा के हिना के ना के न मल्बायार्थं अप्याचित्। न्दार्थे स्वरादात्रे निर्मे स्वरादा के देश है निर्मे स्वरादा के स्वरादा के स्वरादा के स रुणः गुरः तर्देनः दे। । ब्रिनः नेः क्षेत्रः तर्देनः वः वैः भवनः वेष्यः विः वेषः विः वेषः विः विः विः विः विः व **बे**र्-धः नृत्रे का क्षंत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः वितः नितः नितः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः मः इस्या वे च न सं कृत्य के त्रि के ति के ति ति वे ति के ति वे ति के ति वे 可て、ヨ可、るス・叫て、乱・美可、ロス・新あいに、表はな、別、新あいる、ヨロ、乱、養て、む、多て、新あいに、あい……… **लेव-ब्रॅ.७ ४.४.४५.छे.वय.शून-पर-देनय.ग्री १.७८-श.४४४.पर-श्रेश.६८-घर्य.** ठन्-नृक्षे मृताः क्षेत्-नृक्षः ब्रह्मः क्षेत्-नृकः क्षेत्-पः वेत्-ताव्यवः मृत्वः पर्दः वे ताञ्चः परः वेः…… | म्या हे : क्रूं र : य : हे र : विंद : हु र : यदे : क्षु र : यूर : त्या बेर : युर : व्या विंय र हर : พद. ब्रे.क्र्र म. क्रे.र. खद. ब्रे.र. वर्द्र म. तर्द्र म. त्र म. तर्द्र म. तह्रवात्रात्राच्यात्रा क्राप्त वर्षात्र वर्य वर्षात्र वर ፟ቜ፟፞ॱቓ፟፟፟፟ጙॱ፞፞፞፞ጜ፞፞፞ዺቘ፞፞፞፞፞፞፞፞ቒ፟ጜፙኯቜጙ፧ቘ፞፞፞፞ዺጟ፟ጚኯቑ፞፞፞፞፞፞ቑጜኇ፠፟ጜጜኇ፞፞ጟቜ፞፧፟ቓ፞ጜጜ፞ዹቘ**፞ቒጜዀ**፞ዀ निर्द्यायानी देर्ना गुर्हिरिरे तहें व त्याववन पर्दे हें व द्वाप दर ने व पर्वे व व्यव ढ्र-.री.श्र्र-.दे.दी.रा.श्रेचीयात्री.श्रेचयात्वाचात्रीचात्राचीय्रेचीयात्राची्रेचीयात्राची्र्येच्यात्राची

वरिकें वरिकें |वेतास्ट्राचन्रस्याप्ताकेःह्रम्।परःश्चित्रःयःधेवःयदेःधेत्रःस्। | देवाक्षे नव्याञ्चनायते हिरारे वहेंदा इयवा इया पर हैं ना या येत् यदे न नु नवा पह्दा ल.र्जु नेथ.तर.र्मे्ट्य.पजे ल.जव.चेश्वेट्य.थ्र| विष.य.जय.ग्रेटः। इयः धरः हैं गः धः श्रेनः धरा गञ्ज गरा महतः ने त्यः न् श्रे ग्रायः धनः छेनः छेनः। ने : न् श्रे ग्रायः पने त्यः ञ्च नतः नहिन्। स्वितः इतः यः क्षेः नहिन्। तुः तहिन्। यरः द्वेर्। ग्वे। इत्यः यरः क्षेः यरः क्षेः द्वेर्। चेर्-ष्ररुष:शु-र्भुर्-धर:श्रे-चेर्-धः धेव्-क्र्यं । विश्वःवि:क्ष्यं यहेशःग्रे-वरःव्यःविःयव्यः न्दः नायः हे . पहेन् . दयः प्रः मा अवः पदे हेवः पराः अळवः यः न्दः स्यः परः हेन् यः यः न्दः ৡ৾৽ঢ়৾৾৾য়৾৽ৡ৾৾ঀ৾৽য়ৄৼ৶৻ৼ৾৸৾য়ৢ৸য়ৼ৾৽ঢ়ৼ৽ঀয়ৼ৽ৠৼ৽ৠৼ৽ঀয়ৼ৽ঀয়ৼ৽ৼয়ঀ৾য়৽ঢ়ৼৼঢ়৾ঀ৽ঢ়ৼ৽৽ ড় त्युरःव। ने:बुरःसं:र्खनःतःत्रे:कुःहे। वेल:न्धेनल:स्र:यहरःवःने:वेन्:ग्रे:न्वरः g.aub.za.a.at.a.ze.az.az.a.gz.a.gz.az.az.a.bl रे.केर.रेब.त.घ.ष्टरात. र्ट. लूर. ज. कुर. त. जूर. तथा र जू बोया त. तु. इब. तर. त कु बो. कुटा। इब. तर. तथा थे. कुट. च. ब्रद. त. हेर्. ज. हे. चर. च ब्रच. चर. द शुर. दी ब्रिया गुरु त. हे। वर्दे ही ब्रेय व्या द्यः विवास्त्रियः धरे । स्री पताः शुः वश्चिरताः वा बु.ब्रद्याञ्चितःतपुःश्रेचयाशुःदुःर्धुरःदयः श्चिरः च श्चिरः यरः यहँ मः पदेः श्चें ब हे र् र नु लु र स्वरः स्वरः स्वरः वरा मृश्चरः परा र र र र र र र र र र र तार. शु. क्षेच. तपु. क्षेच. घवय. कर् क्षेट. त. कुर. मुत्र. पतु. विवय. युवे. तु. तर्दे र. त. कु. वावय..... यतः यत्रः ग्रन् ग्रीः ग्रन्थः धेवः य। ष्ट्र-पर-तु:५व-पः बेर्-रुट-धेर्-त्य-ग्रु-रः बेर्-पदेः श्रमा द्वारा विद्या नेयायेग्यायराम्याणायायेदादी । ग्वदायराञ्चयारेवार्टायायया ৰি শব্ধাশ্রী

१.५.५८.५.४.४४.३.५८.५४.१.३८.५४.३४.५ । १८८.४.५५.५४.४८.५८ **ग्रै**-क्वेदि:सर्कद-क्रेद-धेद-द्री |बेक्य-स-द्रम्। वेद-क्वे**द**-सद्य-स्व-स्व-ग्रद-। इर पते वेयत ने किन ता निवाय वया भिन ही पहें ना स्वरण ता कि निवय पहें वा पर है है। वेयानश्चर्याहे। धर्भी पहर्मान देव वर्षे वर्षे वेया है । म्वदः यदः हरः न् भ्रादः वळ्या होदः यव। विः मदवः वेववः वेववः वः वेदः वः विनः वः विनः वः विनः वः विनः वः विनः वः यः त्यः र्र्यम् । याद्रः न्दः भेदः हः क्रेवः यदेः मृतुदः यदः तुः नृदयः वृषः वृषः वृष्वे व्यदः वे स्व कुँ वा.स.पा.वाब. घटा द्वाचन स्वतः हो। |देवावाक्षरायात्रेदाक्षयायदे **क्ष**ःह्रवायात्रेवा **८८.क्रेट.त.क्रेट.क्रट.**बर.क्यट.क.क्रेच्य.तच्च.क्ष.क्ष्य.त.चक्रेय.**ल्ट.चया** पर्-विश्वयाञ्च हॅं **ग**.प.बुट.ळ**र्-वयतःठर्-**ष्ट्रंट.प.वेर्-ग्रे-्झ्यार्-ग्वुड्र.पर-बे-वुद्। ।रे-कुर-व-५२-इयाया ग्रद्धाया द्या पक्षेत्र पाक्षेत्र । ये वाया पराय प्राप्ता वया प्रयापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा व्यापा ख्रचयः तयः च ग्रेयः पद्रः वि. च वयः न्हः क्ष्यः अच्च हः वि. श्रुवः ख्रेयः ख्रेयः विषयः वेयः पदः चि. श्रे बाः चियः वः विः न वयः शुः यदः यः श्चे नयः धरेः श्चे नः धरः वहें नः धरेः हे हः हेः वहें वः वन्तः विनः ल.इर्. तपु. इ. च. म इर. तपु. केम. बहूर. रे. प्रिल. वया रे. ल. रेब्र मेथ. ब्रें रे. रेक्रू व्या र्थः इयातः तर्यः प्याः नरः निव्नः पश्चिः परः निर्दे श्चे । विष्यः ग्वे पः स्ट्रः से वः इयातः गुः नल्दा द्या देन वया नयर न् भ्रुता यादा दहन द्वा द्वा वा के मा पर दहन या पा दि द्वा रा दि द द्गायहर-र्ट्स्य स्त्रुवःयः दः त्रंत्र्यः हृष्यः धरे मेत्रः रवः ग्रेतः त्रंत्रः हे वतः र्घुरः रे...... ध्रवात्राचित्रत्याद्वराचाया ६वातावय्याच्राच्ये तहेवात्वराव्यात्रे वयत्रे चिष्ट.क्र्र.क्रंब.इषय.जय.ज्याचय.तर.ब्र्.क्रंच.वय.चरचा.क्र्र.तप्र.क्रंच. <u> उर'र्रें र'हे।</u> बार्चेरामा बार्डेराग्रमा इरायमा श्रेत्रमा सक्ष्मा बार्चमा बार्चेराच्या स्रेत्र स्रेवा सराचेरामा द्या कु दमा मी बापद रा रू पर मी समाय निवाय मवद रूप वा पद या पर कि प

देवः नशुक्रात्मदेवः हुः द्वेतः वेनः नदः वेतः धरः त शुरः द्वा

त्र-श्रम्यात् ।

ब्रियःश्रम्यायः विद्यः विद

चर-केर्-ता देवे.द्वा.ये.कश्चाचेश्वाचर-त्यः वर्षः पर्टर-त्यः द्वेरः री व्रवायाया ने यायका न्द्राया मदे इत्याव इताय भेनाया है । वर्षाया ने दे *ॱ*ॗॖॖॖॖॖॖय़ॱऄळ॔ॺॱ*नेॱॸ्ॸॱनेॱॸ्ॺॱॺॸ्ॺॱॺॺॱने*ऄॱॺॖऺऀॺॱढ़ॖॱॿॗॗॖॖॗॖॖॗॖॖॗॖय़ॺॱय़ॱॸॣॸॱऄ॓॓॓ॺॺॱॾ॓ॱॺॗऄॺॱय़ॱ᠁ **፞**፞ቜ፞፞፟ጚॱጚ፞፟[፟]፟ፙፙፙ፟፟፟፟፟ቘ_፞ቜ**ፙጜ፧ጚጚዀጜ**ፙጜጜዺቜጜጜ፞ዀዀዀዀቜ፞ጚፙቜ፞ጚጜ ८८.७.चे चे थ.८८.केच. ष्रव्रा प्रव्रा व्रिचे व्राथ.ग्री.षक्षेत्र.ष. क्षेत्रयः ग्रीट.ल्ट्य.थी.चेष्ट.तरः ग्रीट.... य देते के वा दे तहन हेव पति लब बब तहन हेव लव तद्वापति लब नद नेव त्यूं नर ५ दें र म दें र म इंबर मर दें र दें। विकामश्चरक वा विकास तपु.केच. षाच्र र.चे.य.प्रच. ष.प.र.चय.त.र.र.। य.म्र.ष.प.षु. वर.के. वपु.षु.र चयः | तह्ना हे**र. जय. ५५ थ. तप्त. क्ष्मा यह्र ८ ४ ४ थर. म**श्चरण. গ্র.প্রমান্তবাদ্রী,শ্লবাপ্রা यादी प्रमुख प्रवेश विषय के मार्था व्यापार्थ मुख्य प्रमुख प्रमुख प्रमुख के मिल्य प्रमुख प्रमुख के मिल्य प्रमुख प्रमुख के मिल्य प्रमुख प न्ड. र. व. वर् व. वर् व. वर् व. वर्षः **ॻॖऀॱऀऀऀॸॱॸॖऀॱॸऀॱक़ॕॻॱय़ॱऴॕॱॸऀॱॴढ़ढ़ऀॻॱढ़ऀढ़ॱॴॹॱढ़ॸॣॹॱय़ढ़ऀॱॴॹॱॻॖऀॹॱॿऀॱढ़ॎॹॕॱॴ** दह्य. हे**द**.तपु.जय.ग्रेथ.पञ्.तपु.च८.ब८.च.**इ.**लट्र.लूर.त.थू।

 ळ.पर्.ज.थ.ल्य.त.है। बुबाबिट्यात.के.र्रा रि.ज.हे.र्जातपुर्धात्वर्थात्वर्थरायहर. चन्नन्। यदे वि नव्या विचाया वयया कर् दे न्या विष्य विचायी विष्य विषय विचायी वि *वेषः*रमःग्रेषःर्धरःवषःश्क्रुरःमःबेरःरे। रे र् म न र म बेर् ध ता कि के ल पदे छिर ¥। । नेते:धेरःथरःवःवेःगवयःशःऍगःधःनेन्छेन्रठयःवेगःश्चरःय। धरःवःवेःरगयः ग्रीः इयः यः ठवः ग्रीः क्षेत्राः यर्वे रः श्रेयः यः उत्यः ग्रेतः ययः दित्राः हे वः यदेः त्ययः वित्रः वयः दर्शः ा क्र्यापट्टी. या. याट्या क्रिया ध्येता ध्येता ध्येता स्वाचिता स्वाचिता स्वाचिता स्वाचिता स्वाचिता स्वाचिता स्व म्बायान्त्रक्ष्यान्त्रक्षेत्रचिष्ट्रवान्त्रम् वात्रम् वात्रम् विवाद्यान्त्रम् रमःश्रेषामन्षः वेदःसदेः द्वः यः द्धनः वषः श्रेवः सः यः वः वेः द्वादः पदवा नन्ना बेन् पदे दें न में बे बु ब पता के ने ल दहना हे व पदे लब कि व्या दर्म न धिव है। धरःवः नवतःकः ने किंत्वः श्रुं रः परः चेन् त्या धरःवः विःदेवः र नवः ग्रीः द्वाः यः ठवः ग्रीः द्वाः बर्वरःदबःविनः क्षेत्रःपदेः धुरःर। विरःचःवरवः कुवःयः न्वरः क्षेत्रः पर्नः बेरःपदेः र्ने व विराह कर कर प्राप्त कर व कर का का कर के कि का का का का के कि का का कि का का का कि का का का कि का का कि यात्रहेगाः हेवः ययात्रत्यायते ः चगः वेन् ग्रीःत्यग्यायाः क्रीन् वे तु याययत् विगः हेवः यदे ··· लबादिः दला तर्में नः ले लाग्नः धी न्ना केन् न्या लान् केन्या परे क्षेत्रा वर्ष स्था वर्ष स्था वर्ष स्था वर्ष स ब्रुलामा श्रेष्ट्री । चित्रात्रेश्रयात्वस्तानुः नाताः श्रेषुः नात्वश्रेषाः नीताः स्वत्यायाः यदः श्रेत्रामा साम चॱक्रुे'.चःक्षेःबदे**ॱत्यःदेरःक्षुं रः**लबः**दयःव्**यःच्हुं रःक्षेःलबःच्ह्रे-कुं तु श्चे.च.बाठुवा. म्याम् म्या प्रति द्वा शु तय म्या त्या शे हुन् प्रति हेन् त्या दि म् हेन् प्रति त्या गुरा त्या न लेयाचुःभी पर्याः बेर् पतेः हॅवः वः हॅगवः धवः दी । वर्रे वे वहर्णवा हृवः रूटः नश्र-त्र-द्वर-क्ष्म-म | नश्रम् नहत्र-व्यवतः हेत्र-वृक्ष्म-त्यागुत्र | दे-थि-ध्वर-त्र-वर-कः

ॏ*``*षे रागशुर्ताः सः नृष्टः अधुदः धरेः वे गः न् अदः ग्रीः गृत्यन् नीः वळ्टः ग्रीः ॡत्यः धेदः ব্যব্র **श्चॅन:र्येद:दध गरा:संगरा:संगरा:सेर:मी:पर्वेर:य:श्वेद:स्।** 12.8x.d.8.xa. माली न नाया क्री क्रा मा रुदा क्री त्याया मही बाया द्वा हेंदा बेंद्र वा बादेदा शुरा हिंदा मान्या विदर บ.ชะช.นิช.ก.ล.น.ละ.อ.สุร.สุร.อ.สุลช.**ชุน.ลุน.ลุน.ลุน.ลุน.ลูะ.**อ.ฮะ.๗๔.. नेराया बन् विवा क्रेक् या न्राविव न्यव या विवेश क्षेत्र वा विद्या विवा युर्फिर्दे त्रेषु न र्गेषाभिर्व विषा क्षेत्र मायत्र स्वाता न्रा वर क्षेत्र विषा प्रते न. चयल. कर्. ग्री. लय. नर्ग् र. नदि. निब्र. भैव. हु. निष. केंद्र । विष्ण ग्री. निब्र. इयल. वर्ष. नभर्मते दि नव्या गुर्द्धि भुः तार्वे नवा प्रत्याष्ट्र नवा विष्या विष्या विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः न् वी गृद्धः वृद्धाः मुद्दः नः तः द्वां गृद्धः न् वि गृद्धः न् वि गृद्धः वृद्धः वि गृद्धः वि गृद रे.र्नामी.मोडेब.त्.रंब.त.रंट.मेश.चढ़ेब.प.स्मेशय.दंग.रंटा। रे.ब्लालेबल. र्गु.प.पर्चन.त.र्र.प्र.प्र.प्रेव.क्षुर्यःक्षु.प.प.स्वायःच्याःठर्न्तुवःस्र्रःपःध्वः..... यया हेरारे तिहेव तरी वे नेव हु कु के न धेव दें। दे तार् मेरण वया बर्ने वे र् मेरण इन्यायक्रक्रम्नि हिरारे वहेंद्रम्ब्यव्यव्यत्र हर्षे क्ष्याची हिरारे वहेंद्र नित्र नर. विश्वरकः नथ. हर. द. पहुर्यः काष्रावयः तर. पर्द्रेनः चया वु. क्षेत्री. विश्वे वा विश्वरक्षाः विश्वरक्षाः व । दे.पर्य. चंद्र. ध्रेर. पहले वे. बेबका की. लंदा केर. दे. पश्चेर. पद. रे ब्रंबर प्राप्त में वर्ष शर.लट. चे द्व. सूप्त. र मू यारा द्व.केच. शहर. मु. हू वयारा त शुरापत हुर करे. लुच खा 多山.

बाइट्रायाध्यत्रवेष्ठ्रवाद्याः बाद्यः बुद्रार्थ्यः विषाः श्वरः प्रतिः विष्रः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः सन्दन्दन्तः व्याप्त स्वर्थेत्। यह्न व्याप्त स्वर्थे स्वर्थेत्। यहेन्यः स्वर्थेत्। यहेन्यः स्वर्थेत्। यहेन्यः स बिना-*र्द-वृद्ध-स्र-प्र-पदि-व*-वृत्त-वृत न.क्व. ब्री.क्षेच.श्राह्म.वेट.च.थट्य.ब्रिथ.त्र.व्रु.विर्.क्ष्य.थी.ब्रीट.न.चेवेथ.लूर्.न.जव म् या दी सुव सुव स्वारा मदी पाद ताना पीद मी की रे र ती दि ता दी से र र ती से र र र से र र र से र र र र से र र र तु:ह्रुन्:यदे:द्रुन्:अर्वेद:वर्श्रुन्:यर:ग्रुद्। *ৗৢ*৾ॱ৺८ॱ৻ঀ৾৾ৢ৾৾৽ড়ৼ৾৾ৼৼয়ৼ৽ঢ়ঀৼ৾৽য়৾৽ঀ৾৽ न्वरान्वयान्वरान्दर्भः वित्रान्ध्वरान्ध्वरान्ध्वरान्ध्वरान्द्वर्भः वित्रान्ध्वरान्द्वर्भः वित्रान्ध्वरान्द्वर् नलयामहब्द्याम् व्याम् विष्याचेत्रिये विषय्याया विषयः यहा देः या नहेवः वदाः क्षेणः वर्वहः नर्झे बर्या पर्या दिवर नदी तकेट न अवत न्या थर्या में या नदी वर पर देव पर दुर्य पर नन्ना बेन् पदि ने विं व केन् ब है नवा मेन् वा निर्धा न क्षेत्रवा व स्र निर्धि है नवा वा न्र ने छैर-र्स। |रे.क्षेर-लटः। चर्चवयःद्यः पर्चवयः पर्क्षरः ग्रीः लवः श्रेः ह्वं परः पर्क्षरः पः पया विर्.ग्रे.क्रथ.प.श्र.व्यायायती । श्रे.स्.बे.मे.श्रवा.ब्रीया.क्रंट्याया । श्रेर् केर्याया २.श्रूर.येथ.ग्रेट.। क्रिमे.चर्चफ.लट.पड़ीट.ग्रुटे.च.श्रीच विर्ेशे.चस्त्रं प्रदेश त्र्। । न्यायः मृत्र द्रान्ति यः व्यः गुरः। । न्तृरः ग्रीः श्रेमः र यः नर्दः नित्रः है। । श्रीनः सः नृषाः देः श्लेषाः सरः मधीन। । हेलः गृश्चन्तः स्वा । नेलः दः श्लुवालः नृरः व्रैर.पूर.घषथ.२८.ग्री.पल वेथ.तपु.पाय.पच्च.तपु.पाय.केव.यच्ट.वी.हेब.री.वीर.तपु.वी.... नव्याविः स्र- प्रम् प्रते वि नव्याप्यम् नहवः न्रः स्रे केरा प्रस्वया क्रियाप द्वारा ने

ने प्रविद: तुः केषा करः प्रवे प्रवा पर्वे वापा सवका करः ग्रुटः ख्रः प्रवरः परिः वि क्षव-जा न्वराने यानहेद द्रात्र क्षा अर्घर प्रश्ने अराध्याप्त प्राप्त क्षा या विकास क्षा अर्घर प्राप्त क्षा अर्घर प्रश्ने | स्र-प्न-प्ने वि न्वता के हिरारे प्रेंद कुन् ता स्व हु ता स्व कि वि कि 47.8<u>4</u>1 चत्रअः हिःक्रेन् : यः त्यः न् श्रे नृषाः यदे : क्षृन् अर्हेन् नृष्णे में नृष्णः यः नृर्देषः दे हे क्षेत्रे : श्रेन् : यनः देन : हुः ... ष्ट्रॅबॱधरः *व शुरः* र्रे। । देवे:ध्रेरः इत्यः वर्ष्ठरः न्न**ः बरः वरः** धरः इत्यः वर्षः न्नयः ग्रदः देवः र ग्रयः **ग्रै**ॱइयः यः ठदः ग्रैः हैः हेर् यः यः द्वेष्यः यदेः क्ष्<mark>यः यहॅरः र्रः रेशः पञ्च यशः यदेः</mark> देशः ग्वरः बे क्रेन् गुर वि नवरा ने न पहेन र में या है। **ने पर हैं न बर क्रे**न्य अर्थ अर्थ वि सक्रेन् पते देश पर न्राह्म वाया पते देश पर वाहे वाही देश पर न्राह्म वाया हु हु वाही के कि स्वाप पति हो। *बर्दरः* पञ्च कः र्ष्ट्रवः तुः ले ग्वद्याः भेगः पञ्चेदः दया देः दया देः त्या पहेदः दया ले र गया ग्रेः ह्रया**ः** मः ठवः ग्रीः क्ष्माः अर्वे सः मीताः श्रीनः क्षेत्रेः प्रमः तुः त्यायः देवः ठवः तुः पर्शेनः प्रमः निमः येनः पते रे क्रिंत के दि ग्री स्थाप ठव श्री क्षेत्र यह र ग्री शासर पत्या स्थला ठ द स्थित पते त्या ृष्ट्रप्त्र्न्र्न्न्त्र्यायः वै:कुषः प्रदेः पृष्ट्रव्यः पश्चि<mark>देः छुणः कुषः प्रतः प्र</mark>वः प्रवः द्वारः प्रदेन्रः पः । । । नट्नीय गुट्र दर् पर् ग्रामाय भेव दें। विषय ग्रामा विषय मान मॅंर-वलमॅंर-रु-वर्ग्नर्-चितः हुत्मः श्रुर-वह्नवः वर्ष ।

*ढ़ॆ*ॺॱख़ॸॱॻ*ॸॸॖॱॻढ़॓ॱॺ॓ॺॺॱॸ्ॺॖ*ॱॻॱय़॓ऀढ़ॱॿॗॗॸॺॱॸॸॱॻड़*ॺ*ॱय़ॱॿॕॻॱय़ॱॸ॓*ॺॱढ़ऀॸ*ॱटेॱढ़ॾढ़ॱॸ॓ॱॱ श्चेलः **नः**लः नहेवः वतः न् हॅ राः गृबेःश्चेनः सरः गृश्चेः राः सदेः श्चेरः हॅ। ॄनेः धटः रोग्नवः नृशुः नः द्यान्त्र त्र के कि निष्या के त्र ञ्चयःपः वे वें व केंद्र स्वः द्वयः परः ञ्चेंदः पर्वः यवः न्दः यः परः गृषुद्यः परा स्र-१मायार्श्वयाययार्श्वरत्येत् चेत् स्राच्यायाध्याते । वदायायया देःयाधित्याचेत् ঀ৾৾ঀ৾৾৽ঀয়৽৴ৼ৽য়৽ঀ৾৾৽ৠৢ৽ঀ৾৽ঀ৽ঢ়৽ঀৢ৽য়৽ঀৢ৾ৼ৽য়৽ৼ৽য়ৢ৾ৼ৽ঢ়৽য়ৼ৽য়৾ঀ৽য়য়<mark>ঀ৽৽ঌৼ৽</mark>ৢ विवयः हे महिमायः हे नायः वाने मी पर नि त्या नि या विवयः मा विवयः विवयः विवयः इस.तर.व्हेंट.चटु.जय.रट.पू.च.वू। क्रूट.ज.वुर.त.वूच.त.व्हेंब.बूट्य.च.इस्या.जय. बेबलःक्वॅर्प्यात्र्रम् प्रते बळव केर् क्रं क्रं क्रं रेष्ट्रम् प्रते क्रं त्या चेर् प्राचीत् प्रत्या महास्येव चक्रवायः मेटः। विष्यः यः व्यायः यादः धिष्यः यः हो। विषयः विषयः भेटः। क्रवः य हुरः मुःग्वराप्तवे प्रते अम्रः अरः अर् मुरः व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त दर्यायते.कन्याचीत्यम्भूषायरः न्युद्धः यस्त्रः व्याप्तः । व्यतः व्यत्तः विकार्तः इव.१.पश्चित्यव्या रे.वयायहणाहेवामान्द्रात्राच्हणाहेवाययायर्थाक्षणायहरा चञ्च नवा वता क्रव स्वारवा श्वंदा नवे रहेला भेव रहे च वातर नम् रागर तरी सद्या नवे रामेव दे.ज.चहेब.च्य.ब्रंब.ब्र्ट्य.ब्रंट्य.ब्रंट्य.व्रंत.व्रंत.व्रंत्य.वर्ट्य.व्यंत्य.वर्ट्य.व्रंट्र.ट्रं दैयाव विवास सम्प्राचन निर्माण स्थान स्थान निर्माण स्थान विवास स्थान स्था मुः विष्यः मुः द्वार मृषः दे विषयः गृहदः द्वारे केरः वर्ष्णवः धेदः वा दे व्याधिनः मुन ड्रन'नन्-पते वन्यायायक्त केन् राज्य राज्य पत्र पत्र । इन-पन्-पते वन्य याच्यायाच्या स्वरंगितायाच्या । धेर. पर्वेगया ग्रैया पर्वेशः धते तेयल **इंग यर** क्रें न दे यहंद हेर् राष्ट्र रेग पर पेव दें क्रें वर्त प्राप्त के क्रें त्युरःर| १रे : क्ररः व तुरः व : वेव : कुः वे : ववरः दे। वरे : क्ररः वे : ववरः वरः नवायान्त्र न्रः प्रेते हेरः नर्षेन्वा हु का बेर् वा हेरः नर्षेन्वा है वा हिन हिन वह **बै**.५**६**च. नपु.क्षेत्र.४८. बक्ष्य.बे**र.**ब्र्.ब्र्.५५.५५.५५.स्व. तु.५५५ क्षेत्र.तयो हे.५५ ब्रुव्ययः नयः **लै'नवल'ख्र-'अ'र्ह्च**न'य'नवर-'हु'ब्रुन'यर'बे'बुल'यदे'ब्रुर-'र्न् । ख्र्र-'वदे'न्र्र्र्स्व'न्द्विदे• खर-ट्रन्यन्यः क्षेत्रः वर्देन् पवे छः ग्रेग्नायः यः वेषः श्वरः वेन् यः वेषः श्वरः वः वेतः वः वेः वः म्बर्याक्षः प्रश्चातः पर्माद्यः प्रश्चेतः याः स्वातः प्रश्चातः प्रश्चेतः प्रश्चेतः प्रश्चेतः प्रश्चेत्रः प्रश्चे **चॅं'बर इं**चर दर्शन वृत्राची दियाद के तर विकास के सम्बन्ध के स्वाय के स्वय के स्वय के स्वय के स्वय के स्वय के स र्च ग' अ' दे ' हे र' पर्स् ग्रा'ग्रे रा'पश्चर पर्दे ' क्षेत्र' अवॅट ' क्षेत्र' अवॅट ' क्षेत्र' पर्दे ग्रा' र्रः यं ठ्या ग्री विषा या येदा है। देवे में राष्ट्र हेरा पर्षे ग्वा ग्री या पर्षे या येदा है। ग्वा या वर्षा | केर. पर्वाय.रट. त्य. पर्वेय. तपु. हेर. ट्र. पह्य. य. च्र. मूट. में ट्र. में ट्र. र्मेषःधयःस्। रे.पह्रयः घषायः करः पर्नेरः खेषायः इः महिमः याष्ट्रं यः धेषः पत्रा मिलुरः क्रे.पः इययः दयः नभर्-ध-र्- नसुद-द-सृष-अर्वर-सु-विग-वि-ग्वरा-विग-ध-ध-र-विग-तु-तर-सूर्-----***11**

चतैःचलअःगृहवःन्दःर्यः दर्घनः धरः दर्नेन् वः वैः गृवलः **ने** त्यः यहे वः वलः क्ष्णः अर्घेनः । । । নশ্বরান্ম । বি.ব. রুম । ব हेब. तपु.क्षेच. ब्रह्मर.ब्रु.चेब्य.ग्रु.क्रिंट्य.श्रु.चक्रुय.तपु.र्चट.र्च. चैय.य| तर्नर वे अग য়য়ৼ৻৸ৡ৶৻৸৾৾৻ৼৄ৾৾৾ঀ৾৾৾ঀ৾৾৻৺য়ৣ৾৾৾৻৸ৼৢ৾৾৾৻৺ৼ৾৾য়ৢ৾৸<u>৻ৼৼ৾য়৸</u>ঽয়৾য়৻৸ঢ়ৢ৻৸য়য়৻য়ৣ৾৻ৼ৸ৼ৻৻৻ |कवायास्यास्त्रम् प्रति स्वा सहराने तायर महेत परि इसाय **₹.**₽४.स५.₽×.★ ठवः र्टः विःर म्याःग्रेः इसः धः ठवः मृत्रेयःग्रेयःकम्यः धः र्टः श्रयः मरः ग्रेरः धरः ह्यामृत्रेयः लयः तर्न्र वे लयः क्षे यदे क्षे वयः क्ष्मयः चलः क्ष्म ह्रायः क्षेत्र यः धेतः क्षेत्र व । तहे गः हे व वी के.च.र्ट. रेब. त. बहु थ.प्राय. श्रुंश.च.लूर्.ट्री ट्रिय.पथ.ह.पट. हुवा. पश्चेंशय. पय. हुब. ब्रट्यः ब्रेट्-च-द्री व्रदःयःवया देःवः वर्द्र्नः धवेः वर्द्र्नः कगवः न्टः च्रवः चरः चुः वर्वः ध्रैरः **कन्यः र्टः श्रयः मः हेयः शुः दर्धनः म**। । पतुषः **मं रे**ः र्ना गुरः न्रः थेः व। बर्बद् केर् केर् केर देन् य र्र क्ष व या त्या कुर य र्र र य कुर रेवेद् य र्र र व व र या व व व व व व व व व व व व ชูรุ.ศ.*รุ*ะ.รุฐรฺ.ศฐ.พรฺ.พ.ฮิรฺ.ศ.รุะ.ฐัร.อ.ฆธร.ยิป.ศ.*ร*ะ.ฐีร.ฮ.ฆธร.ยิป... नवु.पचथारी.लूर.पानुर.नवू। बियानीथिरयानाक्षेत्रःह्री रि.पाचायाची.पर्हरायाया क्रम्यायाः प्राप्तः च्रायः वृत्यः मृत्यः मृत्ये व्यायः यदेः नृत्यः ग्रीः धेनः भ्रेतः ध्रायः पञ्ची पः ग्राः ध्र मा इ.अ.च्याच्चा चुराचेराणेवावी । मायाहेरवर्गा अर्पायेर्म्बरवर्षा ब्राट्याश्चर्तान्य विष्या देन्यायवायर्यत्यात्र्र्त्याववायाः श्चित्रं व्याववायः न्वतः धरः मूरः श्रदः ग्रुदः। दर्देन् यः यः कन्यः यः नदः न्वतः परः न्वेन् यः वेयः पयः तर्नर तर्न्न पवि ळव मृत्र स्थाय तत्त्व विर कष्याय मित्र पया देवे प्रवेत स्थाय स्तर् व्यव त्यः क्षा तु त्यः व्यव क्षा केषा न् वेषा त्या वा ता ता विष्य हो। पर्ने नः कष्य ता ने विषय हिन हिन्या क्षेत्र য়ৢ*ঀ*য়৽ঀৠৼ৾৽ঀ৾য়৽য়ৢয়য়৽য়ৼ৽ঀয়৽য়য়৽য়ৼৢ৾ৼ৽য়৽য়য়৽য়৽য়৽য়৽য়য়৽য়ৼ৽৽৽৽ | यर्-प्याप्त विक्षा क्षेत्र विकास खन्। यतः सं सं तः तेन्। यः अस्त् ने ने सं सं तः तेन्। यते देन् यः य नहतः यं स्त् गुरः। र् वि न व व न मू न पर केर् व क्रिंबर के में न के बाद केर पर केर के में बबा पर पर केर मुंबर पर केर मुंबर मुंबर मुंबर मुंबर मुंबर मुंबर केर मुंबर मु ढ़ॖॕॺॱॹ॒*॔ॴ*ॖॹ॔॔ढ़ॱॹॖॱॿऀ॔॔ॴॴॱॱज़ढ़ॱॿऻॺॴॗॸॱॻऀ॔ॸॱॹ॔ॱॹ॔ॸॱॸॗ॔ॿॱज़ज़ॱॸॗऀड़ॕॱय़ॱॿॱॿॹॱॿॱ दे.पा.ह. २ व्य. पश्चे व्यय. ग्रेट. प्रेव. ब्रूट्य. ब्रूट्ट. ब्रे. यु. प्रया. वि. क्ष्मा. मृत्रेयागा पश्चे व्यय. प्रदे. श्वे..... वयाश्वर-र्वयायाधिताते। पर्ने देव कर्षा कर्षा मान्यवा कर् है। इस पर प्रवा ारे : क्षेत्र: व. या व्यादा मी क्षुव : व्यव : क्षंत्र: यदे : यदे : यव व व वे ने : त्र प्राप्त : या प्राप्त : य ्रि.क्षेत्र.म्र्याया.तथ.म्रा.चया.पया.पर्य.पर्यया.पर्य्याच्या.पर्यः म्रा.चया.यवतः म्डिम्',तुःदि'र म्दानीः म्देर्'दे'दे'दे दे । त्या क्षेत्राधरा के दे क्षेत्राधरायतः क्षेत्रा के दे के दे विद्या वक्षव या ने हे न ता न वे निया व वा निया न वा निया न वा विया पर्रेर वद यायवा म्रुवारामः च्रेन् म् । विवानश्चरवानिमः। धन् च्रेन् चुनायवे म्रावताश्वरणामः वि स्वा म्रुवा धन्-चेन्-न्द-धंदे-श्रन्व-ख-सु-**दं क्-त**-संगव-धदे-गृदे-नु-त-न्द्री ग्वा तर.चश्चरथ.जा नर.चिश्वर्थातान्। अन्याचिष्व.री.केच.ब्रह्मर.री.प्षव.वर्मर.त्र.चिश्वर्थात्व। उर्दे न्न्ना बेन् पदे सु न र्झे याया बेदा पदा क्षेत्रा बर्झे दार् दु वे त्वाया वि दियान धर छेर. तर् क्रवात्ती अनवात्ति विष्मा महेताती हता निर्मायका वर्षा हें व क्रवाता हिंदा निर्मायका बे र ग्रास्ति सं र है। पर र दे द र दे हे द र या पर र द पर र द र द द र दे द नेते क्षेत्र स्वा द्भना सर्व ८ र में स्थाप धेवाला पर ५५५ पदे सवर वे र नवा ग्रे में व रे ल हे नहे नहे नहे नहे नहें नहें नहें नहें तह्मायाकेलेम्बराक्ष्यायत्। १रे हराक्ष्यायते भर् छेर् महेरामहेरापहेरार रूप देश्वर पन्चितः पते मनेव प्रत्। ।रे क्षर वि क्षम मने करे सं का शु क्ष स में स्तार पार के व व कर त्र्र्न्यते कृतः अर्थाः क्रेक् यते मुक्रेक् यः क्रेक्ष्याः स्वार्धः स्वार्धः स्वार्धः स्वार्धः स्वार्धः स्वार्धः स्व | यट.बु.कु.बु.बु.ब.चर.पर्झ्रेषयाचयाक्ष्रंत्रः स्ट्रायः पत्तेटः श्रूटः परः कुषायः वः द्वादः मः सुन् पति भीन् छिन् म्। दि वता न्ने मान सा सुन मान छन् पति तम्न पति सुन ब्रट्य.हेर.ट्र.पह्रेंब.ज.चेब्य.स.र्ट्र. ई.जय.जट्य.तपु.श्रेच्य.थे.बु.चर.बाह्रर.च. **३**. पर्ना तर्रेर् पायायरुदा धदे कन्या पार्ट अप्रायापदिव रु वे कु पायेदादवा हे.क्रम्यायाः र्टा च्याव्यावेयाः व्याप्ताध्याः क्षेत्रः क्ष्याः व्याप्तायाः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष क्षेत्रा.त. बुत्रा.त. र बुत्राय. त. व. क वाय. त. क्षेत्र. वरा अव्दरः वय। दे. श्वरः पते. क्षेत्रः पतः क्षेत्रः त त्नातः चरः चेतः पः वैः त् चेतः पतेः भेतः चेतः हो । तित्वः वैः वः चरवः यः वः खरवः वः वः व 다려·도·플래·철도·돈· 기수·적제·때도·환국·영국·영·국 제제·원·추적·제·정·지국·전국·다·두도 र्निर्. तपु. यहर. इ. वेड्च. धे. पहूंच. त. वेड्च. या. वेथ. वेट. पहूं यथ. तथा परूर् तथे. व्रवःश्रद्यःक्टःदिः गवेवः यः श्रेकःयः वःश्रुकः यः समरः मुगः पदेः भेदः यः मेदः स्वरः । । भर्-छेर्-मुख्याय-रूट-मृद्धे-म-रूट-हुम्-य-दै-वृद्धे-अंदल-ह्यं-पिते-मृद्धेन গুধা म्मा दे.केर.व्रेय.म्पान.कर.टे.बर्यान.च.पर्टेर.नपु.व्रेय.म्पानस्य.म् **≆दैॱढ़ॅदॱॹ**८लॱदैॱॺऍदॱॹॗॸॱॻॖ८ॱढ़ॺॕऻॿॱॿ॓ॱढ़ॖज़ॱय़ज़ॱढ़ऻॕॎॸॱय़ॱॳज़ॱय़ॹज़ॸॱॿ॓ॱढ़ॖ*ज़*ॱॱॱॱॱ । द्रवः ग्रदः नवश्चान्त्रवः यः पहेवः ववः यद्देवः यरः मेवः यः सः यदः यदः यदः यदः वेदः Ø1 पर्-र्वा-द्व-क्ष्य-सर-पय-पह्निया-पय-य-इतिहा क्या-पर-वेद-य-दे-पर्वेनय-तथान्त्राच्यान्त्राच्याः विषयाः विषयः र्भ्या कर्म क्षेत्र क् तुःबःस्टःपदेःम् पःश्चेषावःहेरःदेःवहेवःग्ववःग्चेःम्बःषाव्यम्रस्यायःवेवःहुःधवःधरःःः | ने के पीया प्रवासक वाये वाये प्रवासक के प् बर्दन् चर नेवाय स्रे दे है रे ताय न्र त्र हुन् केंद्र पर पे वे प्राप्त केंद्र पर केंद् ग्रीट.पर्ष्ट्र. घर.पश्चट.चय.बुं.चवया.व्जा.ग्रीयाक्च्या.चेयाक्च.चे.घर.ब्र्.यूर.क्र्या.तप्र.क्ष्या.तप्र.क्ष्या.... षष्ट्र-पर्वा अर् पदे के. प. पर्वा तर विष् । विषय विषय विषय विषय विषय विषय मुद्रे मि.पी मेथा स्थया मेथा तर वा मेथा वे परा। इर वि मेर पर के मेथा वे या या मार्ग ति । च्चेन्रायाले वाच्चार्यात्रेताच्चेतालावावात्रेत्रातुः चनायते अर्दे नेवार्या ग्रीप्यार्मा कुतायात्रा स्वयानः चयाः अञ्चयः पह्नाः क्षाः नृत्यः नृत्यः न्यः नृतः यदः स्वः न्यः न्यः नृतः स्राः स्राः स्यः स्वः स्वः स् इटलायान्दा नेवान्बर्यायायार्थे मेवी मुक्तामायायानान्दा वयम्यायार्थे म्वा बेर्-ग्रे*ष*-ग्र-र-त-र्र-सद्य-प-म्र-ब-र्र- न्ह्य-प-र्व-प-प-प-र्य-प-स्य-प्र-प्य-हे----चिश्चर्या भेटा। पर्वे.पालया बु.क्षेचा चेष्ठेया वेषे याया बियाय सर्या वहर्या पाले रा षादाक्रियासराम्यायामार्गा रे.स्वयाग्रीर्देवार्त्यायस्त्रियारेयार्गा मदःरमः मुः महारयः पः नरः। मृत्रः भरः नृत्यः समरः द्वाः श्रारः नदः तरः छेनः नमुन्। *ऄॖॴ*ॱय़ॱय़ॕॱॹॕॴॱॸ॔ॸॱॻॸॺॱय़ॺॱढ़ॏॱॿऻढ़ॺॱॿॗॏॻॱऄॿऻॺॱॿऻऄॗॸॹॱय़ॱॹॺऒऀॱऄॗॸॱॸॕॗ**ॱॱॱॱॱॱ इयतः**येग्राधर पहन्त्रातःहेःरदः प्रञ्ञः र्दः प्रथः परः प्रष्ट्रदः धः र्वयः रेःदेशः परः वेषः परः । च न्यूयाचे पर्ना अवात्त्र व्यापा विष्या त्या विष्या त्या विष्या त्या विष्या त्या विष्या त्या विष्या विष्या विषय र्देवः येग्रायरः यः र्षे पर्या द्वीया त्रव्यवा यो त्रा ही हो। प्रमेवाया बेप्यम् वर्षे म्या वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे म्.च.ज्यायात्रास्य र ज्याया या हो दे. ततु हे बाया थी हो वाय या थी. ही बाया थी. पर्दे र प्रा नवि हिरारे तिहें क् ते हैं ज्यावा हिराय हिराय हिराय हिराय हिराय हिराय **ऄॖॱज़ॸॱ**ॴज़ॆ॓ॺॱग़ढ़ॆॱॸॖ॓ॸॱॸ॓ॱढ़ॾॆ॔ज़ॱॺॖ**ज़ॱॲॸॱॸॱऄॺ**ॺॱॸ्ॺॖॱॸॱऌ॔ॺॱढ़ॏॺॱऄ॔ॸॱढ़ऻॱॾॣॺॱढ़ॾॕॗॸॱ ब्रा की हैं ना परे र भेरा कुत्र की तकर् र दुर्प या बर र दें। विराम श्री साह व्यवाल देवायाये म्याया हे नावा दे प्रवेग्वाया बेनान्या वर्षेता बेनान्या देवा क्षेत्राया त्य स्वाया ततु श्रीट क्षेत्र क्षेत्र पर वाया त स्वा ग्रीय श्री प्रिया पर । हिरारे प्रिय देवे देवे देव नट.री.श्रट.भेथ.वथ.जश्र.ग्री.म्ज.थ.रट.श.म्ज.थ.भेथ.तर.पश्चर.पण म्बदःक्र देव.रे.र्न.वय.चेश्वरय.तपु.धेर.र.पह्रव.मुं.श्चेय.तपु.रुब.त.पायावयत्य.तय.नेप्। |

 पर्रा | क्रिट्रेशेन्पर्प्य क्रिया विद्या विद्या क्रिया विद्या क्रिया विद्या क्रिया विद्या क्रिया विद्या क्रिया ना हि.चब्रे के के न्या व के प्राप्त के प्राप क्रव.क्र.ल्री | ध्रेट.पहूर्व.श्रेट.क्ष्य.ब्र्.श्रेद्व.रच.ब्रीय.पन्तरी | बेबेट.जेबेय.क्र.ज.ज्ञ. **बर**:ब्रुट्ल.स.म। विवाल:र्वा:स्र-ति:द्वर:द्व:द्वर:ब्वे। द्वर:वल:वल्दःग्री:बक्टरः नु.स.तेव. धरा । नराता देवा क्रेवा व्याप्ता सहिवा परा सहिता विता ग्री वा श्वीर वा ति निविद्रात्यरा निव्यक्षा सदि द्वा विष्यका शुक्रा मानि निवास मिन स्वर्था स्वर्था विषय नुःइयायान् नयान् मन्देर्दालेया । नशुरयायाने भेर्द्रायदरान्धेन्यरार्देनया ठरः भरः श्रे. क्रॅ मः यह मः पदेः ब्रे मावयाः स्था | दिरः वरः श्रुमः पदेः हुलः दरः श्रुमः पदेः क्र्या । जुर्वायाः मन्द्रम् वायाः क्षेत्रः मृत्याः कर्षाः मन्द्रम् विद्यायाः विद्यायायः विद्यायाः विद्यायः विद्याय निष्यः । भेरे प्रमा वीया ग्रुट प्रमुद्दा विषयः सः त्या । विक्रे व व व श्रुष्ट स्था है । विवेव नेताः परः यहर्। १ देः क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं प्रदेशः प्रत्यः । देः देशः रतः तक्षेः चुताः वः नार्वे रः त.करा । मे.केर.वे अथ.म.म् बेथ. ब्रेर.क्री । बेबर.बुथ.बु.बवथ.श्रेच.नद.क्ष्ण नन्दः पः तद्देः धादः कुषः वः धी विष्टृतः यः देदः दुः नृत्वतः धुरः द्वा विष्टुतः वितः वितः वितः वितः वितः वितः त्रवाक्तीः द्रवानात्रव। विरःक्ष्यात्रेव्यवान् विदेश्चिरः तात्राञ्चेतः तथा वर्षवान् वृत्रेः देः बि.चेष्यायाहाः केर.चश्चितः तथः क्ष्याच निर्मेषः हो।

য়য়ৼ৻৸ৼ৻ড়ৼ৻ঢ়য়ঀ৻য়ঀ৻য়ঀ৻য় য়য়ৼ৻৸ৼ৻ড়ৼ৻ঢ়য়ঀ৻য়ঀ৻য়ঀ৻য়ঀ৻য়ঀ৻য়য়য়

 बॅर्ज हैर बैर रन रहिन है। किन ब्रैंन हैं र है ज दे हैर रहें र रहे र प्रेंस प्र र विद्या *बे वा मातु द्वा धा भुः सुद्धे वे वा मातु दवा वें।* । दे या है दा दिवा क्षेत्र से वा से दे ख्वर क्री दि: नर्स्र अया ग्रम्पान में प्रति क्षेत्र क्षेत्र के कुरुष के विषय क्षेत्र के विषय क्षेत्र के विषय क्षेत्र बै.वेर्। ।डेल.मद्रा ।नर्गं.पह्यं.ब.बर्यं.नयं.रं.वेर्रं.वेर.ब्रंबर्याक्षे.चरः त्युरामःद्वा वृद्यस्याध्वरःविरात्रमःतुःत्वुन । ठेवामद्वा । विःदःहिःद्यःवेनः नर्झे यला मला वरामा तर्झेना कुषावा सिराने दे त्याहणा ने त्याहणा के ना हिला हिला है । स्वाहणा सिराने दे त्याहणा है न क्षर। न्याने क्रयायान्य वेरास्यर हैं । देवास्यवा ने न्या वेरास्य ळ्यायाळाळ्याच म् नवाववानन्ना अन् ग्रीन्द्रम् नियम् निवास्य प्रमुत्ता स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स नह नयान्याहे नर्स्र सम्बी वियानम् ना सेन् प्रते हेन्द्र हेन्द्र हेन्द्र हेन्द्र हेन्द्र हेन्द्र हेन्द्र हेन्द्र स.वी ई.वे.के.रव.पर्यापच्चापच्याचिरकी बियाकी.रव.लयापर्या वर सदै त्र त्र त्र त्र त्र सदि कुरो धिव दे लेव पदि । दि व दे पहें वर्ष सव स्तर स्तर हिन न्र धेव देशकि विर शेर मुरा वितादे त्यता नव्य परि त्या न में स्ता मुद्द के स्ता मुद्द क द्रमा नहाय न्द्र देव स्तर्वि वर के त वर में विष् वर्म के निष्य के निष्य के निष्य के निष्य के निष्य के निष्य के नरः त्यः नार्के र : क्रे र : र्यु : <u>र र त्यः य त्यः त्यः व</u>्यः दे तः य हे र : र ने त्यः हे । श्र.केबय.ब्र.२८.ब्रट. द्रवायात्यत्राकृतारे त्रहेव न्तावर्षं न्या भेषायात्या संग्या परि व्यव क्रिया स्व नर्मा खेर्-मदे क्षे. म. खेर्- तथा प्रिंत्र म. लथा हिरा चर् गुरा नक्षे ला बाहु क्षेत्र है। ने प्रविद्यात्ता स्ट्रा स्ट्री मुद्दा क्षेत्र ते व्यव स्ट्री में प्रविद्या स्ट्री में प्रविद्या स्ट्री स्ट्री चेश्वर.रच.चेथ.

चन्द्र-प्रदे-दे-सिंक्-हेन्-बे-नेल-पर-हेट-दे-दहेव्-ठब-ग्रेल-केल-नेल-ग्रेल-वल-दे-त्यः वतः-₹**৾৻ৼ৾৾৾ঀ৾৾৾ৼ৾য়৾৽৸৾৻৸য়৾৾৻য়ৼ৾ঀ৾৾৽৸৻৸ৼঢ়৸৻ঀ৸৻৸ড়৻ঢ়ঢ়ৼ৻৸** |बेलाक्ष्रवायात्रमः वेलात्रमः वीत्रात्मात्रमः वित्रायाः च्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्या म्बद्गायल विषाया दे म्बद्गायल पर्मा बेर्प्यकर्मा विषायति । रेषादा धुःद्यापनेष म् नेदः न्यः यः यः यः न न यो सेन् ः यदेः मूँ वः नदः यदेः मूँ वः नव्ययः यः चुवः यनः व नः व वः क्षेत्रे दः श्रूयः तुः यहेवः यः न् मामाः यदेः क्षेत्रः तुः मालवः ययः वे याः यः वे ते यः स्यम्यः मासु द्रयः यतः महेवः वे | श्चेर-मुख-नदे-न्युद-रन-वययाक्र-दे-ताययान्द्राः यु-दे-हिन्द-वेद-सून्। **ৰ**ব্য र्ह्याशु के हूं व पा क्या गुरा पश्चित् व रा दे ता महिला हिरा तममामा मिं व धेव ता दे कि व चेय.तपु.क्रॅट.च.अ.वैट.चर.२.क्रूट्य.तपु.धेय.त.क्रु.क्र्यं.क्ट्रा वैट.य.क्र्यं.तथ.ध्रथयः डे.चेड्च.तपु:बु:चेच्य.द्वा.चुंय.दु:ल.चेय.रचा.त्य.व्यी.पची.प्यं क्रींय.तपुर.त्यं । देवे:धेर:दे:विंव:वेर:पर्ग:शेर:धवे:देव:देव:देव:वेव:रव:वरव:परः चुर्तः श्रुवार्तुः वेतार्यः ग्नित्रं वे वाः यरः यद्याः यरः चुः नृ मेताः हे | ने.च्याले.चव्याग्रीच.च्याक्षेचा.षष्ट्रम्।चर्ष्ट्रयाच्याच्यःचे.क्षेत्रप्टी.क्षेत्रा.चे.च्याच्यान्यःचेत्। चर्डसन्द्रत्रातीः नग्वः वययः ठन् दैः येष्यायः धरः प्याद्यः यः हो। सर्द्रायु सः त्या चक्कर् धरारे मिंदा सहदार नाराया घर हेर् धर्मा रूप हेर् के ताम मिंदा या निर्मा kt.d. もの.d. また.ロ. âた. ロロ. धेd. त.ロロロロ.ロ.ロしは.d. L.は.ロロロロロ.のとして. ヹて. |बै.मव्यार्थं अ.मै.च.चे.म्.च.चरः श्रे.पं श्रुटः | श्रेतः पतिः श्रुवः नु. व्. कू नया तरा पश्चर वियान में या स्वरा वियान स्वरा ही वा या स्वरा द्वा

च्याः श्रीत् | विषानिश्वरणः साम्याः सम्याः सम्याः

ष्ट्र-पर मेल दल देल दें व की नहीं र पर ने के दें कि एक र प्रेस के दें कि एक र के दें कि एक र के दें कि एक र के द बर ग्रुर पति नेट क्ते श्रूष पत्रेट केंद्र केंद्र प्र लेग ग्रेष न मेंट्र पर न मृत्य पत्र न हेंद्र पहेंद्र पर्टे य**ः** . त्याया महेत्र त्र त्रु वा व्याप्त त्या होत् । बेर् । या राष्ट्र व्याप्त । यदे । धु वावा खु । या प्राप्त । यह नदे. र्मेट्य. त. द्मेल. न. दी यट्य. मुय. न इंग. व्य. तर्या केत्र. मुय. प्रेत्र. मुय. प mर्-अर्-ग्री-अवत-वयय-२र्-र्-न्-व्य-पर्य-वर्-वर-भ्रत्नेय-पर्य-यर्-श्रु-र्-र्-य-व्य-भूष. १. म्याया नर प्रदान मृष्य पर्य त्य म्याया साम्राम्च वा क्या वा मृष्य साम्याया मृष्य साम्याया मृष्य साम्याया मृष्य साम्याया स रे. लब. तथा रेष. चलर. प. पहेब. बया हूर. हेर. हे चया पते. के. प. पदया पर. विस् वर्नः त्याम्बुबा इरार्ने **व** र्नरारे वर्षे वर्षे व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व गुःर्म्रत्यः यः त्र्येषः प्रतेः ह्रं यः हैः क्षेत्रः ग्रुटः पः र्टः। ब्रेंट.त.धेर.ग्री.के.च.चे थ्य.ज. दवेनसः पतेः हुतः स्व। । ५८ : मं दे। देः मिं दः हे ५ : हें नवः परः दर्भः स्यसः ग्रीसः देः मैज. पष्ट. बोधीट. र.च.ज.प हेब. ८ मूब.जा बोधीट. र.च. ग्रीट. बोटी ज.चे. झे. छ बोथा ग्री. पथा तपु.र्घट.मुथ.झ.क्र्मय.त.लुब.तथ.बे.हु.५५.च.खुम.ज.चड्डेब.बेथ.बच.क्रुपु.रूब.चड्य. देश.नवु.मूब.मु.मुश्च.रच.पा.महेब.बबार्ने।म्.ब.हेर्-ह्रम्याय.नर-मु. **리**조·집·청리·적 | |दॅ·व·हे·दर्-वःवेगःदेशःदॅव·त्रःहे·दर्-वःवेगःर्रःदंवःधेवःश्रुवःव। न्मेयःस्। देशायते म्वामु अम् मे वे नाम द्रम पते म्वामु अम् मे वे नाम वे ना यक्षेत्र.य.पाया बर्रे के न्र र्ण गुव ह्रिय श्विय धर पहें व धरे रे र्ण वे रहर पर रे व ले य छूरे। Jaギ. के.बर.रब.रूब.र्ब.तब.त.बेव.तर.पक्षेत्र.त.र्न.द्व.र्थ.तपुत्र.र्व.र्वयाचित्र |মই-

के. चर-र च-क्रच-रट-धःचे-झ-ळच्चरा-इव-ध-रे-र च-वे-इट-पदे-र्दव-वे-वा-इदी *चे*ॱन्र-्न्न्। चनःस्य पङ्गर-र्गाय-वः हॅ न्याय-र-र्गाय-व-वह्न्द्र-य-रे-र्ना-दे-रेया-यदे-र्न्**द्र** बुकान्द्री ॶॖॻॴॱॸ॓ॱॾ॓ॱढ़ज़ॱॿऀॻॱऀॿज़ॱऒढ़ॱॴ ॸॕढ़ॱॸॣॺॱॻॹढ़ज़ॱॸ॓ॹॱॸ॓ॹॱॸॕढ़ॱॸॣॺॱॸॹॸऄॹॱॸॕढ़ॱॸॗॱज़ॕॱॸढ़॓ॱॸॕढ़ॱॸॣॺॱॾॕॿॱ स्नाया ग्रम् हे त्राम हे वाया हेवा ये हे या विवा ये हे या विवा ये वा विवा ये वा विवा ये वा विवा ये वा विवा ये व *न्*रःश्चेषासुःन्दःबदःवनःन्दःशेन्।ययःश्चेषःयःन्दःशेन्।सःन्दःधेनःयःवन्यः ॱॠॣॱॾॱॾॱॿॴ॔ॱऄॗ*ॴ*ॱॻॳ<mark>॔ॱय़</mark>॔॔ॱॿ॓ॱॻॱॻॱॻॱऻॕॱऄ॒ॱॱय़ॱॴॻॸ॔ॿॱय़॔ॱढ़॓ॱॿऀ॔॔ॱॻॾॗढ़ॱय़ॱॸॖ॓ॱॸॿॱॱ वै.इर.चदे.र्देवःवेषाच्चद्री । बर्देःशे.वर.र्वाःष्ट्ररायःवेर.र्दरः बद्धवः यःवेर.प.र्टः श्चेवः यः बेर्-यः रूटः ब्रह्म प्रत्रः वेर्-यः बेर्-यः रूटः क्षेष्ठः यः रूटः व्यक्षेष्ठः यः रूटः वेष्ठयः ठदः बेर् यः रूटः श्वा बेर् यः रूटः गटः चनः बेर् यः रूटः यर् गः सं बेर् यः स्ता सरः सरः सरः सरः सरः सरः सरः सरः नतः श्रुः ह्रवः यः ने : न् न दे : दे यः यदे : म् द वे यः च दे । विषापन् न : बेन् यः न स् हे : यः वेन् यः ॡ्रचेषात्रः इत्यास्त्रः सराचकर् स्तु स्थान्ते क्षात्रः भेषा देवा मे कार्यकार कार्यकार कार्यका स्व यः क्रॅब्रायः द्रदः द्वार् गाह्यद्वाया वर्गा बेर्याय रहा क्रेरायः वर्गाया देवार्य र्टा क्रिंग्रें विष्णुवर्षियः धेवः धर्मा विष्णुवर्षे विष्णुवर्षे विष्णुवर्षे ॱढ़ॕॣॸॱय़ॱ**ॻ**ड़॓ॱय़ॸॱॻऄॻऻॺॱय़ॺॱय़ॳॸॣॱय़ॱढ़ॗॸऻॱऻॗढ़ॺॱॸॕॣॿॱॺॸॕॣॱढ़॓ॱॸ॔ॻॱॻॗड़ऄॗॱऄ॒ॻ नेया । न्रायायायायाया क्रमान्या श्रीयातु पद्गत्र । व्रियाने व्यया कर् द्रायते रॅंब-५-वेला |*बेल-बहारल-सॅ*| |५२-अ-इर-प-*प्प*-ग्रुट-| **२**-इ-प्रतन्द-रॅंब-५अ-न्तान्द्रम्नाम् वास्तान्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम्

इर नदे कु द नव गुरा देवा पदे देवा नर भेदा पर ने दे दें द द या पदे | विका नहीरका या क्रि.च.ब्रट्र.च.ष.ब्र्बाथ.तथ्ट.पत्तबब्रथ.तःम्र्यः म्र्यः व्याच्यः चर्नेत्रः तथ्यः चर्नेत्रः तथ्य। यदे दें द दें देश र हुद है। दे : क्षे. चरा व : क्षे. च : बेर् : च : त्यः सं व व : च : व : दे द : द अ : धर्म ेषाचुः चरः देषा**र्या** | विषः मशुरुषः स्या | देवेः क्षेत्रः द्वुः सः त्रे महायदेः स्वम्यः द्वेदसः द्योतान्दान्ठवामा इववादियायते देवाहि द्वारामित विवाहिता महाराहि। क्विप्तामा यः र्यम्यापदे र् श्रुवारादे स्यापा व्यवसः उत् न्त्रः व्यापदे र् द्वः न्वः यः मुखः यतः मृह्वः यः । वचेनरामाध्येत्रमदे क्षेत्रम्। विदेष्टित्रम् द्वरम् द्वरम् विदेष्टित्रम् देवःयदेः दॅवःवेवःग्रःक्षेत्रः वः द**रेःवैः** दॅवः ग्ववः तुः इरः परः सेः बुवः यवः व। रॅव-वय-रॅव-देख-य-वेख-इ-हे। रॅव-दे-दे-चि-व-हेर्-श्र-रॅव-धेव-यख-वृह्**व-**य-र्यय चुतै अवर वुन धते क्वेर। दे धव कर रु रू रू रे अर धर रू रे याता नवद रु नर वन म्बदःग्रेयःइट**ःतःबः**उटःक्षेःश्चितःग्रेट् रस्तःयः न्टःस्वःयदेःश्वेरःस्। निःक्षरःयटः न्तुः बाञ्चरामायव। देवामदे र्दे**वाधरा**न्यामायाम् वे वि व। क्रिमान्याम् वर्षामान्याम् र्यायते र्वरात्र्यं व्यावन् व्यावन् व्यावन् विवासकी देवी देवी देवा व्यावन् विवास्त्र विवास्त्र विवास्त्र विवास क्त्रियान्तर्भित्रः द्वरः वरः क्षेत्र्वरक्षेत्रः स्व विवाल् । दे स्वरः मृत्यस्यः धवेत्रः क्ष्यान्त्राची म्बर्धित विकासमा स्वानि । विति म्बर्धित स्वाम्बर्धित विकास विका उर् पर र्गेर्य प्रत्नित्र वर् द्राण्वद वर् र्रे दर्भवर् प्रत्य मुर्टे प्रविद पर प्रत्र नलः क्रें नः गुरः देः द्वाः विनाः देः बन्धाः स्वाः स्वे नेः विः दः देन्। विः दः स्वे नः स्वे नः स्वे नः स्वाः म ५.१८-१ते.१.१व.व.१८-१व्या-१व्यान्ययः व.१८-१व्यः १व्याः १व.१८-१व्यः १व.१८-१व्यः १व.१८-१व्यः १व.१८-१व्यः १ देशः द्वामी यद्रे दे द्वाया श्वादि पतिवारा धेवा परा वद्रे दे दे तथा श्वीपा वेदाया द्वापा चनाः बेर् । यः र्श्वम्यः चुरः वः क्रेः यः रहः नहः चनः वे केर् देः मुच्हः र्वे यः है। देः क्रः वः धेवः वः

मेथानयः विद्रा ।

पहेन क्रम् - श्री हि - पहेन निवे न नयः मोन्यः निवान्तः न

 बिरः यह नायायदे र तु याया दे नाहियाहे। वाह्य र हु हु स्या वर्ष र यर यह र या यह है ब्रुंन् पर्वः न्तुः बः नः न्नः। वः क्रुन् नुः ब्रुः स्वः ब्रेन् । यतः वर्नेन् । यः स्वः वर्षु नः पर्वः न्तुः बाचद। १५व.८वा.पर्ट. इंपाची झावया बरायह नया प्रतरामहियाह। इराइरामहिया ळ्च्यार् द्व.र्थ.पर्ये.तर्प्र.तर्द्र.त.श्ची.वा.र्यायाच्या.त.र्टा द्वर.प.पार्श्वयात्रस्यातरः वठन्। पार्चयार्मे**वः नयः वर्मेवः परः वर्मेन्। परः यः** कुःबेः ववयः परः श्चः वर्मे । दिः विदेशाणेः इ.ज.धु.श्रंच.र्घव.धु.च.पक्र.रंगा.ज.ज.चु.ज.ज.श्रंगव.त.त्यंच.पर.पर्ट्राज श्रु.ज.के. नु-नूद-र्य- हु-बी-नृब्ब-धिते वाक्ष्र्र-वै-कु-न्र-धिते श्रुंच-न्यंब-पि-केन्-गुद-वर्त्र्र् য়ৢৢ৴৴ৼঀৢ৽য়৽য়৴৽ঢ়য়৽৻ঽ৾য়৽৸৻ৼৢয়ৢ৽৸ৼৢয়য়৽ৼয়৾য়৽৻য়য়৻৽য়য়৻৽ৼৼ৾ৢ৽ড়৴৻ঀৢ৽৻ৼৼৢঢ়৽ঢ়৽ড়ৼ৽৽৽৽ য়ৢ धूंच.र्घ्य.धी.ब्रीच.यी.ह्य.थी.प्वंस्त्यंप्र.र्थं.याच.क्रयं.स्ययायी.पी.व्यं हि. क्षेत्र. लुव. चान व.ज. र पयः तरः वे.ली स. म्र. इ म्या. श्व. खुबा. चीवा प्रति सरः वे.ली चेववः र्<u>देवः</u> र्वः यद्देन् द्धं यः ग्रीः क्षं वयः गृष्ठेयः शुः यव्याः यः दे क्षं द्रयः यः द्वः अक्रतः क्रीनः यदेः इयः नवन में वे यात्र द्वं न केव रा हैं व्यव ने यात्र न नहीं निव कि केव कि ने विव कि वे विव के मी तर्द्रासा दे दे ग्या मेया हेया द्यमा मेया ग्रामा येया प्रते द्वा उत्राद्द्र द्या प्रते द्या पर् ٩٢٢٠٩٢ ع٢٠٩١ रे ग्रामेश में भ्रामेश म्रामेश में देव देव प्रामेश में वा प्रामेश रबः लेयान नया परार्त्त्या कुनार्तः या में देया म यानः केवः यः न ववः इययः गुरः दे नयः धराः श्रुं यः यः पठ्रः पदेः द्वः देः दयः वैः द्वः द्वः प्यः । य देवः धरः क्षेः यत्वे दः धराः ते न्राः धरः ध्वः वेवः वै। |**८२ै.ज**्र्यूच-२्घॅब-ळे-वेशक्श्व-रे| श्चि-र् त्र्रात्य व्यायायायायायायायीयार्त्युत्रात्र्यत्रात्र्य्यायहर्त्याय्याः विक्रिः र्व्याय्याः विक्रिः र्व डोर्-गुै-इत्यान्त्राया नरामा मित्रास्या देवे.द्रमा-हु-ह्यंच-त्यंवायान्यास्यायाः *ন×.ჯ৸.৸.ঽয়.য়ৢ*৾৾৻ঀ*৸৻৻ঀঽ*৾৻ঀৢ৾৾*८*৾৻ৡ৾ৄ व.श्रेर. २. ब्रेप्ट. स्व. ल्यं . तप्त. प्रेया स्था पर

म्बगःम् । ने वर्षाञ्चर न्यंद वि मात्र हैराइयाद हुँ र हूँ न परी नवि मान हेदाद राम **बृर्-**तु-क्षे-र्रत्य-बेर्-ध-र्द्द-र्व-र्व-ध्य-प्र-शेवश-र्य-ध्वेत्-बेर्-ध्य-क्ष्र्व-ध्ये-र्वु-व्यये----**୳**ୖଌ୕୵ୣୠ୕ଊ୷ଢ଼ୖଵୣଊ୳୵ୣ୕୵୷ୖୢୠ୕୶୷ୡ୕ୡ୷ୡୢୖୠ୵ୢୢୢୣୢୢୣଌୄ୕୵୳ୡୄ୵ୠ୕ଊ୷ଢ଼ୖଵୣଊ୷ୄୠ୕୶ଊ୕ୡୗ୶୷୷ **ढ़ऀ**ॱॿॱৡॸॱॸॖॱॺॖॖऀॱ≭॔॔॔॓॓॓ऄ॔ॸॱय़ॸॱॸढ़॓ॸॱॻॖॸॱॻॖज़ॺॿय़ॱॿॗॱॸॱॻढ़क़ॱॸॹ॔ॱॿऀॱॸॹॣढ़ॱय़ॹॱॱॱॱॱ बर्ने के श्रुन्य ले या चरा के उत्ताया दे प्रतेष दिन है । चे प्रतेष के प्रति मनर भेद कु के रे मुख र्षा । मन्द्र रेदे पूर्य कु कु र र कु व्याप्त सम्बद्ध र तु वा वा वा म्यात् शुर्रान् न्राप्ता सुन् । या में देश में देश में प्राप्ता स्वाप्ता प्राप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्व *र*८:पॉर्झर:बै:प्रवस्त्रं। ।देशवाद:क्षुर्:तु:ध्वे:रॅय:पर्द्र्र:बै:पर्द्र:महेशःखु:देशःयः रॅंब-२ अ·ध-क्रॅट-ध-क्रेन-देल-धवे-क्ष-घ-चुन-ल-क्रेन-हंल-चु-क्ष-बेह-वर्*चाल-*बत्द------वयः रदः गृष्ठे वः वुः देवः प्रेवः दे । विः वः श्रूपः दृः यवः दे : द् गः वुः धः देवः वुः द व द व व्यात्यवायायायायायायीः न्वांत्यायात्रव्याक्ष्रवाद्याः हार्यः केवायाञ्चाताः <u>च नलःसदैःखनलःलःन्इःद्ररःबर्दरःसरःश्वरःनदैःहेलःश्वःदग्रद्यःवलःन्द्रवलःरनःःःःः</u> ८२ेते त्रः या में दाया के दाया स्वाया गुदा शुनाया दे त्या न स्वाया भी विकास न्यवःञ्चः वः ग्रायायः विष्ठः विदेः दशेषः **छेन्ः ह्ययः ग्रेः वरः व्याः**श्चेषः न्यवः यद्याः ग्रायः व च श्रु त्ताः ग्रेतः तस्य वातः यदेः नृ क्षेत्रः यः स्ट्रार्तः श्रु क्षेत्रः यरः न् ग्रायः यरः वा चे वातः वता। ख़ॖॺऻख़ॱ**ॸ॓ॱॿ**ॿऺढ़ॸढ़ॾॕॿॱॾऀॸॱॺॕॗय़ॱॸ॔ॻॕॿॱज़ॿऺज़ॱक़॔ॿॱॸऄॗॸ॔ॱॻॖऀढ़ॸॱक़ॿॹॱॻॳॸ॔ॱख़ॸॱॻॕॱॿऀॿॱॱ ब्रट्यः यः रुटः बर् केः तबर् धरः द्रह्रः चः द्रव्यतः खुरः वृत्यः तथ गृतः धरेः रृ मृह्यः यःः |श्चन: न्यंद: तर्न: मृद्रेश:ग्री: तर्ग्रेश: म्यारः द्वारा व न्याय: यापा म्बेयः पर यहं र् र्

र्म्रणःमः मृष्यः यः न्द्रमः यः स्वात् । व्याः मुष्यः मृष्यः प्रात् व्याः स्वात् व्याः स्वात् व्याः स्वात् । स्वात् व्याः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व व्याः मुष्यः मृष्यः प्रात् व्याः स्वात् । स्वात् व्याः स्वातः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः

मधियाना हैं र हिन् की सामानिक तालने नया नदी हैं ताला महिन। दे कि का है र कि ८हुनाः मदेः देशः सः ५८ः। देः विः दः वेदः नृहदः सः द्वयः सः दहेवः स्। 155.र्थ.वै। त्र्रम्म्याप्ताचः प्रति दे विष्याप्ताचः विष्याप्ताचः विष्याप्ताचः विष्याप्ताचः विष्याप्ताचः विष्याप्ताचे विष्या मदे विम्याने किंत के निया महिना मत्र है तर् लेग में क्षेत्र वह निया के क्षेत्र वह निया में क्षेत्र वह निया में र्टः बटः मी क्रिया झाळ्याया ने विष्या या भीवा पालीवा मुनि विषया मि विषया मि विषया मि विषया मि विषया मि विषया मि ठर् प्रम् क्रम्यः रूटः वठयः यः द्रे प्रतः द्वे प्रयः प्रमः रूटः पर्मः मे रः दिद्रः यः इयः यः……. बयल उर्-तु-बर्-प-वै-वर्नर-व्न-प्य-चु-पवे-रे-क्निव-वेर-क्रल-ग्रे-सुद्। |रे-क्निव-वेर्-वाहि क्रिर वहन परे देश पार्वे न्द्र धर वित्र परे के स्क्रीं व प्रवास वहा धेन हो। रे.ज.५६४.५६८ में अ.त.व.व.५५० रे.व.ज.रे.बै.ज.प्च.व.च.क्च.त.व. त्विरः नते सः नः नहः धेवः हु अः हुः देते सः नः स्र न् न ठर् । पत्र पह्ना क्षेत्राय य देगा य त्ररावते इत्यर त्र्रा त्यावायाय देवाया महितावमाया वया त्र्रत्या व्यादे हिता वराणाणा तर्द्रायाच इथायाया लवाया क्रीयाच वेचार म्या दे वया तहिना के र्वेचाया दे राज विद् चदै चर्ना बेर् च इ नवा चदे वेयारवा क्रि. मालारना त्या धरा सर्वा द्या चर्ना रे र्ना गा न्मॅलासराअर्वेटाक्षे। नन्माने ळन् सालाम्बॅन् बेन् न्ट बेन् स्वेन् बेन् बेन् केन् केन् केन् केन् केन् केन् केन् देग्यायायामहेन वयादेयायाहेन याविषा वराया देवानु ग्वेराव केन्याये वनया केन् र्मा दे क्षेत्राचर्मा र्टा चर्मामी पाया त्रा चित्र हरा बर् कुर बर् कर् बर् स्तर हे सम्बद्धा स्तर क्रेर् वयारेते र्व में बया यर वया प्रताक्षया क्री शु त्व्र प्रत्य व्याप्त व्याप्त वितास्तर व्याप्त वितासर

न्याने देव स्वर्या मास्यया न्दायया न्दा सुवर स्वया न्दा सु क्रुच-चयज-जय। ॻॕ॔८ॱॿॆॸॱॴॱॺॕॺऻॴॱॳॱऄॖॸॱॸ॓ऀॱऻॕॎॱॺॱऄॖॸॱख़**ऀॺॱॸ**ढ़ॎॏॴॱॴॹॺॴॴॸ॓ॱऻॕॎॱॺॱऄॖॸॱॻॖऀॱॱॱ ₹वा.तर.क्षर.घ.**लुव.व**। *षदः दद्देर दे* विं **व के** र वै ग्वर विवाधिव त्य रे विं व के र त्य थल वटः न्टः क्षेः त्यः न्वाः कुः वहेंदः यः न्टः नन्वा वैरः वहेंदः यः द्वयः यः वयल कन्ः तुः चन् यः वर्रे दे वर्रे र रे विंद् के दे र रें। दे विंद के दे वर्षे द ब्रालुक्षक्ष्या स्रम् विद्या विद्या स्रम् थे.तीज.र्थे.¥्वथ.वेथ.वथ। विष्यत्वेर.च.लुथ.पर्वे, प्वूची.त्र.वेरी नः तः स्वातः नतः नतः वः वः तः तहिषाः सः तवः व दतः व तः व देः वे तः सः नदः। व देः वः द्वायः व व द चरः ८र्ने न् रमः दे र वित्रः मः ८ दे रहेते सः मः ठदः धेदः दे ताने खुरः हे र मरः हे नः मरः हे नः सरः हे नः सरः **८६ैगः ळग्रायाक्षाताश्चरावेरावेराने श्चरयायया वृवः बर्यरयाया न्राञ्जूदा बाखयाया व्याप्य वार्यः स्वाप्य स्वाप्य** न्र लेग न्र न् कु त्रेद्र प्रते खुल न्र न् के राष्ट्र प्रते के लेग के राक्रेय 외뒺C.디제 ॅंडेन्'यर'मर्न'विं'व'य'ले'पर'र्हेन्'पर'उेर्'र्रे | |बेल'न्युर्ल'र्ला |

चित्र केन् प्रस्तान्त्र व्यायमा मुश्चेन् प्रायः प्रस्तान्त्र विद्यान्त्र स्वायः प्रस्तान्त्र स्वायः प्रस्तान्त्र स्वयः स्वयः प्रस्तान्त्र स्वयः स्वय

ग्रन्थः यहं न्राच्येत्रः भेत्रः भेत्रः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः ॻॖॸॱॸॺॱॿॖॆॸॱॺॱॹॕॱॺॹॖॸॱॳॱ*ऄॖॸ*ॱॹॖॺॱय़ॸॱढ़क़ॸॱय़ॱऀॺक़ॱक़ॕऻॎऻॺॵॱऄज़ॱ तहें त्राचन व्याचे व्याचे व्याचे वित्राच्च ते ते वित्राचे त्र के त्राचे वित्राचे वित्राच वित्राचे वित्राच वित्राचे वित्राच वित्राचे वित्राचे वित्राचे वित्राच वित्राचे वित्राचे वित्रा नःयः रदः च देवः येदः यरः निह्वः यः ययः यः ठवः यय दः रहेवः ग्रीः यद्वः येदः निह्वः यः ययः यः य बेर् यक रे वि द केर् थ पहना सदे यव रु बेर में मह मह स दि है। <u>र्ट. पर्वाचीर पहुंब साक्ष्या साम्बद्धा रहिताला विश्वालय विवास राज्या में स</u> नवै ई य ग्रेष मात्र श्रम्य य दे ने मान्य य यव र यव र स्त्र ग्रम् । अ दिर व र मी के यो ฏิ.ลีส.กระ. ลอส.ส.ลสส.ค.ระ. ประว.ส.ยส.ส.ช.กระ.ส.ส.ส.ส.ส.ส.ส.ส.ส.ส.ส.ส.ส.ส.ส.ส.ส. चन्ना लार्स्स्य विवासेन स्वर्था स्वर्थ **द्यशायदरः ररः प्रतेष प्राधरः प्रह्में सः क्र्याः परः प्रश्चरः मदेः श्चेरः हो। विरः हः ऋणः वः** त्रिंर-प्रायास्वायाः सदेवे प्यवायन् स्ययागुरावकेना यादिवेव द्री । ने प्यताकेना नायय नवा नहेद. वयान व नयायाया देना रावे छिवा हे स्वना न्रा ह्व या स्वरा न न ना हि अहेद यर'**बेद**'यदी मबिर ग्रुर'य सुर्'र्य तृ दि म् माम्य मिरा मेवा हे तर तेद सा हे र र हु र म स्रायंते व्यक्ष्व केन् व्यन् वालेषा प्रवास्त्र के स्रायंत्र व्यक्ष्य केन् वेन् वेन् विष् डेला बराया पर्ने प्राया इसला क्षेत्रा इस यम प्रमु मुन्या धेता की |¥xı.त.घxu.22.2. **५५५.त.व.घर.त.५५.त.इ.घळ.गुळ.घ.२श्चय.त.च.५५.क्ष्र्य.त.च.च.च.५५.** र्षेत्रयायाधेदाव्य । मन्नामी र्षेत्रयमा व्यवसूत्र । मन्नासान् सेन्यायायाया नर्गाः हुः नर्गायः पर्वः ग्वैः नर्गः मैः नयरः भैवः हुः केयः र्श्रेगयः धरः शैः यशुरः रा

*ॱ*ढ़ॖॸॱढ़ॱळेन्ॱवॱॸ॓ढ़ॆॱ**॑ॺढ़ॱ**ख़ॸऻॱॸॖॿॱॻॖॸॱऄऀॿॱय़ॹॱॺॱॸऄॿऻॹॱय़ॱॸ॓ॱॸढ़ऻढ़ॱॸॖऻ त्रुं रामान्याः वीषायारावीः क्षेप्पन्याः बेर्पयरा हें यथाया**रे** 'हैर्' ग्री क्षेप्युराधितः न्रेस्यायाः । चन्नामी चत्र प्रचन्ना सेन् स्र ह्नायास्य स्य स्य द्वार रें लेखा चन्ना या सरा च लेखा सेन् स्य स्थार ॱऍ वार्यः प्रतः क्रें प्रत्वा वी पः सुरः र्यः यदरः पर्वा क्षे ररः प्रवेदः बेर् ः प्रः र् वार्यः परः ः ः । स् बिश्चर्यः स्रा विद्वान्ति । त्राचे व्यायक्षा स्राप्ति । विद्वान्ति । विद्वानि । विद्वान्ति । विद्वानि । विद्व यतः क्षेत्र-के स्वनः तुः श्रुरः यदेः क्षेरः नदः त्रनः ने प्वर्नः सेर् प्यः है नतः यरः अदः अदः विश्वरः है। चन्नाः हुःन्नन्ययः पदेः नृदेः सुदः सं तः द्वेन्यः पदेः क्षेतः स् विः स्तिः सुदः स् यंत्रत्यहेव व्यत्। । ने श्रीन ने त्यारत्रत्यहेव व्यत्। । ठेवासुर वं तरा प्रवेव सेन व्यत् स **⋚**ॻलॱॺॱॻ८ॱॿॻॱॻऀॱय़॒ॸॺॱऄॸॱऄॱॾॕॻ॑॔॔य़ॸॱॻऺॷॸ॔ज़ॱय़ढ़ॱऄॗॸॱॸ॔ऻॎॻॺफ़ॖऀॱॺ॔ॸॱॿॻॱ यारदाविव बेर् धर सर हे गया मदे हैं रे हैर ग्रेया सुर में रदा महिव बेर् धर सर है गया यः भेवः वः न न न वेनः न ने वः ह नवः धवेः वेः न ने वः न ने नः तुः व शुरः पवेः क्रुवः वेनः हैं। ळ्यार्टा न्टा वरा वाले वाल्या स्थान ध्येष प्राप्त में पाले वाला प्राप्त विकास के प्राप्त के वाला के वाला वाला के व णकेयाः श्राम्याः व्याप्ताः विकास्ताः विकासः विका ा नदः चनः रदः प्रवेदः बेदः धरः हॅ न्यः धरेः व्रेटः वेदः ग्रेयः धरः यः रदः प्रवेदः बेदः Ť١ परः वः ह गयावः गरः चगः वोः पर्गः बेर् ह गयः पतिः के। सुरः यः रूप्ते व वेर् धरः परः ₹ग्राधराहे.केर.पह्रब.केषाचेषाची हे.च.रेट.तू.िषश्चाचाच्याच्याचीचाच्याचचेर.तर् विदा । मदःवनः रदः चित्रे केर् सरः ह्रम्यः पते हिं ते केर् केर् केर् सिरः रदः पति द केर् र्ने क्षेत्रा तुःश्चे त्रहेत् गुराञ्चादेत्रा मृत्या व्याप्त क्षेत्रा <mark>श्चेत् तुः</mark> सुरार्चे त्ररा पत्ने वृत्त श्चेत् । स्वरादेत्रा । । । पवै देश नेशायदेव वृत्राधयाव प्रुट यें ता रहा नविव क्षा तर्दे नवा पवै क्षा तर्दे नवा नकेंद्र ... यर बुराय भेव कें। दिते धेर न्या चन रर पतिव बेर सर हे न्या पते हैं। **&**Z. यतर रर प्रविद अर पर हे नवा पर न्युरवा वि । वर्षे पर पुह पू वि । वर्षे झर.पर्गाः ठेलाचुः पाम्तः धेदायादेः पर्गाः मीः देलाचुः द्याः चर्गाः देः धरः शेदः दे। देः शेदः बेर् र्रे क्रबारु बे वहेंद्र गुर रेदे ह न पर्न पर पर वहेंद्र पदे हुं वर्रे ग्राम हर् द्रुवाय नन्नाने विवर बेर् धर देशक नेति बेन या संग्राय दे वि कर स्र विंत्र रदः श्रे नदः वनः यह ग्राय व्यदः दुः दर्द्दः धरेः न.र्ज्ञ-तर.पश्चर.पप्र.स्रेर.र् र्देशस्य राष्ट्राचा इसवा ग्रीया ग्राम्य नाम्य नाम्य प्राप्त ग्राम्य ग्रीया प्राप्त है। द्वा । । । मैलःगुटः भेगः तःस्मलः यः इयलः रटः चलेवः येदः यरः हे गलः यरः त शुरः रे ले वा व. श्रमं रटः श्रे.मी.प.ध्मथातपुर र मथाता ह श्रथा है र में मुथात हे मथा लूरे हैं र दूरे र तथा रदः विवेदः बेदः धरः हैं गुरुः धरः व शुरः है। |देः क्षेदः क्षुबः द। देः कुरः वर्देदः दः रदः गैः ष्टिलः श्रान्तः त्रान्तः त्रम् त्रात्या अष्टः त्रम् त्रातः स्वतः महेवः श्रेनः श्रीयः श्रान् मृतः यर.प श्रुर.च.र्ट.। र्मे.धु.र्मेषु.पथ्य.पथ्य.स्य.थी.ह्मेथ.तपर.श्रुर्मे कुष्राध्याः स्टायतेषा अर्पायः तर्द्राष्ट्रा विशेषायः देवः ग्रायः वाष्ट्रायः स्टायः प्रायः भ्रम्याव्यत्राम् केर् स्वाप्यते मद्राम्या प्रवेशम्या प्रवेष क्षात्रा प्रवेष क्षात्र प्रवेष विकारी प्रवेष क्वे.लब.र्ट.पट्ट.पट्ट.पट्ट.ब्रं.चर्च.च्यं.र्ट.र्टी.ब.चयःश्चेयात्तःभूज.पट्ट.ट्रंब.ब्रंट्री ।र्ट्यः व.र्ट्य.घर.ञ्च.च.६ अथ.ग्रे.४८.जेच्य.ग्रे.५्व.र्घ.र्ट.ग्रेब.६च.धे.बीच.घर्याचेच.र्ट..... र्तः अः पतिः शुन्यः ग्रीः गुदः ह्वः र्टः ह्वः र्वः रुः ग्रुचः अः ग्रुचः ह्वयः क्वेयः क्वेयः श्रेयः श्रुवः पय। देः रणः मैलःगुकः ह्रेनः हुः दर्दे रः धः इयलः र्नुः यः चलः मृल्यः वः देवः र्वः रुः शुनः धः र्रः। देः

 चेते. चेत्र स्वरः चाहु चांत्रः प्यतः क्र्रः स्वरः स्

महेलःसः र् गमाः मुः ऍरायः चेदः सरः तम्माः सदैः मृद्ध**ः समायः र ग**माःसः यामेहेल। |८८.त्र.ज.बेकेथ| ५८८.त.व्ह्र्ट.त.८८. ट्र.कु.पथर.चक्रेय. य.रचन.तर् यम् । न्रायाक्षे नामान्यताम् वास्तान्यताम् वास्तान्याम् वास्तान्याम् वास्तान्या यः ने । विं व रे वे न मु न या सु न न सु न मिंदे र माया यय वे मा सु माया व या इया यहि व सी न न मा च.चैथ.थ.च चे वे.च इंट.च.दे ब.लट. श्रेट.चयु.कुर.टटा लटे.श्रेट.ज.स्वेयाचयु.धु. पर्वे में म्वयस रुद् प्रमाम प्रस्ति दें राया यह स्वास्ति स्वास्ति स्वासि स्वासि स्वासि स्वासि स्वासि स्वासि स् <u> इ. व्रि.च.क्षेट्र.चाच्च मेथा.तपुर पत्र मेथा.तपुरा पुरा पुरा पुरा प्रमाण द्रा प्रमाण क्ष्या क्या क्ष्या क</u> व्यट् : बेर् : पर : म्झे म्या ध्याव दे याम् व्यापः देर : ध्या प्रता क्षेत्र : ध्या क्षे म्याके क्रे न्या व्याप्त व्यापत व् 디존토다 नर्जन्तुः वै:देन्यायः पयः न्धुनः नर्जन्तुः ग्री:न्द्रयः यः यदः पयः नर्वः न्द्रयः शुः *प शु×*:₹। वः नेः विः वः केनः न वे नावः यदेः वे ने वः ग्रीवः वै न्त्रीयः वेन् यदः न वे नवः यवः ने वः ग्रुवः यदः वेः त्वर्'त्। वःक्रुर्'यदे वैष्'मै भेषायात्मः स्वापायाः सुनःयर दर्देर्'द्वे देरेर् वा स्वर्'या धेव्रायानम्बायि छिरादे द्वा श्वाया छेत् छैर अराधे त्यराधे त्यत् दे। हेरादे तहिंदा ग्री ग्रुवा र्यः बेग्-न्रः इ.पःइ.यरः बर्-बर्वा । क्षे-न्रः स्वरः प्र-वर्वा । नियाहे.र्यर.प्र.पर्न.र्ना.क्र.ल्यादा विद्यायात्रायदे.लक्षाक्रीयादी.लक्ष्मी लेलान्दा। यहुनायरायदा। इयागुनायहेनाहेनाहेनाढंनावेनावेतानागुद्यायदे छेरा **שְּלִיִּשְׁתִּישִׁרִּשְׁרִישַׂרִּישְׁרִּישְׁרִישְׁרִישְׁרִישְּׁרִישְׁרִישְּרִישְׁרִישְׁרִישְׁרִישְׁרִישְׁרִי** बेदः यतः बेः तबर् द्रा । म्याः हेः क्रेः माष्यायेदः दः द्दः द्वः यतः बेः तद्दः यतः गुदः ह्वः हुः मैला । नर् मः न्रः मृत्र्वः त्यतः क्षेः नः रे मृतः वेदः यदे। । रे मृतः रे तः वः क्षरः रु रः रु : व्यरः रेगल बेद द। । हिंद ग्रे क्रे प्राचित ग्रेल भेद पर त्युर। । बेल देंद द्यापर क्रे प **८ मॅ म : प्रते** : रे मूला प्रता वा क्षुर्न : रु तर : त मूं मा प्रता मुख्य स्वर : क्षुर स्वर : क्षुर स्वर : क्षुर |म्बदः धरः नन् ना नविद्रात्म स्वादा प्रवित् में निर्दे त्या की ही अपर ही प्रवर्त की देवा प्रवास नरःश्चे नः तर्मे नः सः सः सः निवः न द्वारा द्वारा न ना ने निवारा सरा व श्वराहे। देः द्वार तर्न्नः पर्याम्बदः त्यतः क्रुः न् मृतादः ने दे के दे मृताहे। यह मायायां मृत्दा त्यता क्रुः या तह्नाःहेवःलवःग्रदः बेद्। विवामश्चरवः धवःव। दिवः धुःरःश्चेष्यः वर्षान्यः वः द्वः र्वायते विर्म्य भराष्ट्रिय परावे के के विष्यायत्य प्रत्य प्रते विर्म्य स्क्रुं र नःनम्मान्यते क्वेरःर्र। । तर्ने त्यत्रामः ठमा वै क्वेष्टात्यः त्यावाकाया वाक्षर्रहतर के तर्दरः <u>बेरःला मिः केना के सः क्षुरः तुः व्यरः धरः धरं रः केरः। स्वयतः करः ग्रुरः ५६ भरः तुः रे नयः</u>

वयातकर्भन्त्रभ्यात्रम् । ।

वयातकर्भन्त्रभ्यात्रम् ।

वयातकर्भन्त्रभ्यात्रभ्यात्रभ्यात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभ्यात्रभयात्यस्यसम्भयात्रभयात्यस्यसम्भयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्रभयात्

न्वेतायाने शेत्रवन् परायम्बर्यायान्वेत। युन्ताने तान्ताने स्ति स्ति स्ति स्ति स्ति लेव.तपुरिक्ष्याचर्याचीयात्रस्य त्राचीयात्रः विष्यात्राचीयात्राचीयात्र्यात्राचीयात्र्यात्रस्यात्राचीयात्र्यात्रस्य ञ्चेषः धरः मञ्जूषः धर्मः । द्रारः धः याष्णुय। द्र्यः यः धरे । क्षुरः क्रं यः द्र्यः या तुरः चः द्रः । खन्यान्त्रान्त्राच्यान्यत्राच्यान्यत्राक्ष्यान्तः। नेत्यान्तुः अप्यव्यव्यव्यान्त्राच्यान्त्रा र्दः वि रेगवायः दुग् दुःयः यवा र्गे वः दर्धिवः क्रें वं गुवा । वर्षेर् व्यवस्थे नेयाक्रमयानयमयाहै। निस्ट्रव्ययाधानेयात्या हिटानदी दियानामुकादी हिन ोड्या.चेश्वर्याताक्षेत्र इच.तायाक्ष्याच्यात्यू.चद्भ.चद्भ.चु.स्थयाःगुरा तचयानुदेशम्वयासु क्रियासु न्यायान्तान्य ग्वायासु न्याया मृत्रेयाय स्ताया मु.ळ्रचाय.रत्ना.थे.जूर.त.पयचय.त.प.रच.जय.जा रे.लट.ग्रीय.रूप.तप्र.बै.पर्यय. इययाग्री क्वाप्तरे त्यया यदा व्यदा न्दा हे यान् वेग्याग्री तह्य यातु पर्ने न्दा पर्ने प्रवृत् पर्वे क्वा त्यथःग्रीःपत्रेषःचःषःदेषःचः गृहेदःवगःचः द्वायः व देयायाम्बेदाव्याकेद्रायदे हिन्द्रायाया देयायाया देवायाया हेवाच्या हेवाहे। यदे मुद्रेवामा बेर्-व-वनल-रूट-वेल-रूप-विवेश-गरि-लब-क-क्ट्-च-ल-ब्रेट्-बन्-च-क्याञ्चन-ध-बे------

त्चूर नदे छेर र् | दि हर त्वा का तुरे स्निया व सुरा मुहे का द विवा सदे हु त्य का की मान दर् श्चात्र विष्याचा निर्वेदे स्थापा निष्या तार ये प्रतास्था स्थाप्त प्रतास्था प्रतास्था स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स् ह्या दे ने स्वाचना मु निम्न प्रते निम्न निष्ठे वाया देवा मा के नाम के नाम विस् र्तुः यः यः वार्ते वायायः वारः चवा वाववः श्वीरः रूरः व्यायः वायः वर्तुः वरः व्यव्यायः व त्नायान्यात्कन् वी.मेर्याया सं.बेर्यायह्रियायामेर्यात् क्रि.मेर्यात् व्यान् विनामा स्य.नषु.श्राम्य.न.र्थी.त्रान.षुय.न.र्था नर्थे.न.न्थेथ.क्ष्मेया.नषु.व्यय.पात्रांपय. ष्ठिणायः क्रेन् न्दे। ने : त्यायहेव : व्याप्तरः वी क्षेत्रः यः न्दः यक्ष्वः यः त्यावेदः तुः स्वायः स्वनः तः चुटः चः क्रेचेराः यराः इत्राः यदेः द्वाः ळेवाः क्यां यरः द्वाः यरा । वेराः क्ष्रः द्वाः रदः चिद्वेदः क्रीयः कॅरः यदे कॅरः य ने र के र्रेन के ने ब केर बड़े या वर प्रमुद्दा वदे र्रेन भेन की। पते वुरा परा सूर पते न्रें राये सेन पते में व वे साधिव के ले रा सून गतर रा सहें व रा रा नवरारी. या.पा.क्रया.भेदा.पी.श्वीरया.ता.स्वया.ग्रेटा.र्ति.यपी.सं.चा.वया.श्वा.प्रेया.क्रया.वया. यः भिदः द। पर्छट्यः म् तार्यम्यः दिन्दः तर्यः गुः इयः गृष्मः वयाः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः न.पर्.मि.व. लव.हे। इ.ने.लवा नव.हे.पर्.रनाग्रव.हूर.व। विविद्यान.कर् दहेनायः बेर्। | दबन्यः यदेः यदेवः यः यदेः यः इवत। שלימי אל. מצי שמי מדי तश्चरा । वे यः रटः चवे दः श्चे यः हिंदः दः श्चे तहे गः रटः चरे दः चवे श्वे तवर् धरः दश्चरः वे यः पःर्रः। रूरं.्र्ञ्चा.लया चायःहे.र्द्र्यःत्रःच्ययःवर्रः्ग्री ।ररःचलेवःग्रुवःयःस्र-

ॱढ़॓*ॺ*ॱळेॱॺॱॺॱॸॸॱॸढ़ॏढ़ॱऄॸॱॸॱॸढ़ॏढ़ॱढ़ॺॕॺॱय़ॱॸॣॸॱॸॸॱॸढ़ॏढ़ॱऄॸॱ**य़ॱॿॗज़ॱय़ॸॱऄॱ**ॱॱॱ तु तार्ता ले तारमः महोता को नाम का नाम को नाम को नाम को नाम को नाम का नाम को नाम का न ·दबर्-र्रे-क्रुय-व्यःऋर्-प्य-चेर्-र्र्। ।यर्वय-विव-द्याव-प्याव-देव-व्याव-प्याव-चेर्-ष्ठथराञ्चर प्रमाणा पर में द्रावर हर पर्दा । देवाद र्द्रकार्यर श्चापा प्रमाणा महिला *ॻॖ*ज़ॱॺॿढ़ॱॿॖढ़ॱॺॕॸॱ**ॺॱऄढ़**ॱय़ॱॺॱॾॕॸॱय़ॱढ़ॱॸढ़ॏढ़ॱॻॖऀ*ॹॱ*ॺॕॗॸॱय़ॱॺॱढ़ऻॎॕॸॱढ़ॸॣ*ॹ*ॻॖऀॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗ **₹**अॱग्लग्ॱॿ*ॺ*∾ॱठर्ॱग्लग्ॱॸॖॱउ८ॱबैॱउ८ॱ८२ै ।वॅॱदॱ०ॱॾॅ**र्ॱधरा**ज्। メビーカ・大・女 4. च्चायाये प्रतायिक म्या विष्या विष्या विषया क्रथ.लुब.धे। इ.भेट्र.रच.वेर.खेर.चर्ख्न.त.लबा श्रुंब.री.वल.चर.प श्रीर.च.दी विंद. यातवर्याया धेवायव। । विराविष्ट्रेरावेर्ष्ट्रावेर्ष्ट्रावेर्य। । वरादेराया । उदःच। १देःतःवयसःठदःबैःउदःत्युरः। विषःददः। गतःहेःददैःद्गःगुदःह्रदःद। । ढ़ॊॳॱख़॔ॺऻॴॻॖऀॱऄॗॕॖढ़ॱॸ॔ॸॱॻढ़ॏढ़ॱऄॸ॔ॱय़ॸॱॾॕॖॱॻॱॴऄॱय़ऄॗ॔॔ॱॱॻॸॱॺॱॿॸ॔ॱॸ॔ॱॻढ़ॏढ़ॱॻॖऀ*ॴ*ॱॺॕॗॸ॔ॱ तपु. ह्ये बेया पा. हें प्रत्ये वेया प्रताय प्रताय विषय के के प्रताय है वेया पा के उत्तर प्रताय के कि प्रताय के नश्चरयःस्। १रे.क्षेर.लटः। क्रमःनशयःयथा दि.द्र.ठमःमे.क्वेमयःयःद्वे.कु.क्षेरःक्वेस तपु. श्रुव. रे. वक्त. व. कु. तर्वाता विवार क्षेत्र क्षेत्र अत्तर विवार क्षेत्र अत्तर विवार क्षेत्र विवार क्षेत्र यः इयः यरः गृष्मा यः वययः ठर् छेषः भेषः मुः तवर् यः भेषः वर् लेषः पष्ट्रेषः पदेः धेरः नश्चरयः या नटः यः ह्रंटः यः क्षेत्रः या । वेषः संनयः ग्रीः नविषः वर्षान वर्षः य यह्र-<u>द्री</u> ।

र्तुः यः इः नरः रनः नेर् हेरः न्याः पराः हेषः पद्येषः नहुः मृहेषः ग्रीः खन्यः पद्युरः मीः हीः

त्रम्याः सर्दर्द्री |रगः वेदः हेरः नहेरः तहे सः तह मृतः सर्वा स्वार्थः स्वर् नविष् ग्री राज्ये हिंदा याता वर्डिता यह बार्य बेया पर्वा द्वा त्या के अवस्था विष्य विषय विषय विषय विषय विषय विषय नवे र्द्धयः न्रः नदिव ग्रीयः र्षेटः यः यः ने : न्या वययः ठन् : त्रः ववे र्द्धयः क्रु यः यनः यह कः लायमाध्यात्रा रमान्त्रेनात्रीरमान्त्रीनाम्बद्धान्यसार्व्यनात्रीकान्त्रीकारम्बद्धान क्षा । ने लाव न दे तुः स्ति : स्वि : स्व ৡৢ৾**৲**৾৾৾৾৾ৢ৾৾৾৴৾৵য়ৢ৾৸য়ৢ৾৽৻য়য়৻য়ৢ৾৽ৼয়৻ঢ়ঢ়৽ৼৼৼৠ৽ঢ়৾ঀ৽ঢ়ৼৼয়ৢ৽ঢ়৻ঢ়ঀঢ়ড়ড়৽৽ यम्.य.त्र.धि.श्चीयाश्चीत्वेर्तताश्चीर्यः वेर.यहेष्यः पहेर्त्यः पहेर्यः प्रवेरः व्यापव्यास् तर्-र्मः पर्-क्रे-व-र्मः प्रवाप-पर्व-क्रु-प्रवाप-पर्व-क्रु-पर्व-क्रु-पर्व-क्रु-पर्व-क्रु-पर्व-क्रु-पर्व-क्रु-प मुक्ष्म् रायान्य प्रतायक्षायक्षायक्षायाच्या । अवास्त्र विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास व केरःवज्ञेषः वरःवज्जुरः वः गृरः। ।देः दैः क्षॅरः यः वृदः तुः वन्। ।देः दैः वहे दः दक्षः ण्नायां पार्के । दे.केर.रची. वपुत. त्यं । । वर.केर.केय.पक्षेय. व्याप्त । ळ्यातचातः ळ्टाना अत्राचा । हे छितः इत्यायः व्यवायते । ळ्यातचातः व्यत्यायः व्य धव द् क्रि.मुद्र-ज.पहेद-दयःश्चे.प.ज.रट.पहेद-गुयःग्चेयःपयःष्ठिपःर्दःहेयःपञ्च ग्रव्यःसञ्च हेन ने पिलेब र र हिना पर । नि पर भेर हिर हिन पर । ने पर देव द्या मयाराज्य श्रीत्। । नाता ता सूता हेता श्रीत् । ना । ने ता के पाता की श्रीत् है। विगः ह्ररः न्रः हेवः तचुरः न्रः। । नृतुः वदेः तवः नृते व विश्वनः व ह्रमः । विश्वरः वह्रमः बर्द्धरथाना अर्राता । यरवा क्रुवार्राता ख्रुवार्यं । विवार्यः। क्रूट् केर्प्युर्वा 용·다·데시·피드· | 수도시·전·日회세·오스·노드·다일보·회세 | 환도·대·영국·대세·수도시·보회사

`बेक'र्ट'| देवाव'य'डुव'रु'र'यव'ग्रुट'| वट'र्व'वीव'र्व'य'रहेब'यर| न्यायदिनाहेव यद्व लेव । । ने न्ना ग्री या हुना थी हुन । या स्निस हुन प्रस्ति य याधिव। । मारार्गानहेवावरार्द्रराया इस्राया । दे नेदातुनावर्द्द्राया रे.र्ग.प.सर.क्ग.स्म्रांच्यांच्यांचेत्र । दे.र्ग.ह.केर.पश्चर.का.पश्चर। ।गर.र्ग.पहेतः व्यान्द्रयायाः इयत्। विः धः त्रः त्रः त्रः त्रः । । यदः द्रवाः योवः यवाः वेवः यम्। यर्नेन्-च-ने-न्न-क्षयाक्षेत्रस्य । डेय-न्न-। यहेन्-हेव-यय-यन्य-पर्वन्यः क्षेच. चक्रिय. रट. बुक्ष. चेक्ष. रट. । विष्य. बुक्ष. चेट. वहेक्ष. या. **उवा । शुः बेर**ःहॅनःनेःयः धेवः वर्देर्। ।ष्ट्ररः ग्रेयः हेदः वर्श्वयः चरः नशुस्य। । हेब-डिट-वर्श्वयानर-गट-धुर-व। १रे-डेर्-विंर्-वे-ब्रॅट-धर-वर्षेत्। १८६४-घर-रट-र्वर सर् बेद बेया विषय वेर विर में कर में दे ही विष हेद वहेत केद परे बेर्-धदे·द्वंट-केर्-ग्रे-रॅंब-र्-एकर्-ध-वर्-दे-वे-बर्म्ब-घ-ग्रु-सुन-ग्रे-सुन्-बॅट-ब्र-धेद--नम् । देवावार्यानिवास्त्राचित्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्रहेत्राचेता क्रि.पर्यथायी. क्षेत्रा.चलचा. रट.ची.पीचाया.पा.चेर.का.चर्.चया.चलवे. ट्र.पा.स्रचायासा.पा.क्रीपा.च... वै हेव तहे य है । वंदा य हैद । वंदा य । वं बेर्-सः म्र-में ख्रम्यः धेव्रः धते ख्रम्यः दे त्यः द्राव्यः तर्वः ग्रीः हेव् त्द्रोतः वयवः कर्नः दवर्ः सर.बश्चिट्य.सवै.स्चेर.रू। वि.व.क्रंट.बुर.वर्ट्र.तपु. व्रुवायायायायायर वर्षा सवाय ठर्-उर्-तुन्यः हे-दर्-धेव्-श्रुयः व्। र्=यःयः वययः ठर्-रर्-वविव-ग्रेयः श्रूरः यः वेर्-तु ञ्च प्राप्त दे के में वे प्राप्त हे व व्याप है र प्राप्त के प्राप् यः नहेदः दयः त हुतः नः यः सूना न सूयः नवनः न मृतः ही नहेदः दयः सः हुतः नः यः सूनाः र्चलाक्षेत्ररावि क्षेत्रः स्। स्निनान्देवः स्र्नान्देवः स्ति। न्निनान्देवः स्ति। न्निनान्देवः स्ति। षुषा-पञ्चलःने:तज्ञषात्रःपदेःतर्षेषाःपः <u>न्</u>रःनेत्रःतर्षे:पदेःलबःतवनःपतःपनेदःपदेः पदः । यनेवायती व्यन्तानानिकायान्या श्रूमानान्या व्यन्तान्या व्यन्ता व्यन्तान्या व्यन्तान्या व्यन्तान्या व्यन्तान्य क्षेत्रायात्रहरात्या। देग्द्रवाः व्यद्गत्राद्गत्यक्रवाः वशुव्रात्मः वश्वायः वश्वायः वहरात्रहाः हा दे·स्र-राष्ट्रा ळेन् न्वायायया न्दायाद्देश्यायाव**वराउद् राद्वेद** ग्रीयास्ट्राया ॱऄऀ*ॸ*ॱय़ढ़ऀॱॶॖॸॱय़ॱढ़॓ॱॴॱॾऀॱऄॣॸॱॾॕॖॖॺॱय़ॱढ़॓ॱॸॄॴॱॿॺॺॱॖॸ॒ॸॶॸॱय़ॸॱय़ॷॸॱॸॕऻ न्रामी क्षेत्र विर्मे कन के हे क किर महोता मत्र तहुत् न ताल ह्रात पा के ता ন্ খ্রুস:ৰি বা ठे*ताञ्च* के ने दे के के नार लाक्ष्र पा के दायदे प्रतास के दाय उदःला गदः ल हेद्र क्रा प्रवेश नर प्रवेदः न उदः न दे ल प्रव न न प्रवेदः न दे न प्रवेदः इ अलारे गला धरात गुरारी हि सराले व गरा गे हैर हेव हिराद ने ला परा त हुरा न खेर् स्वाप्तहत्य कुरावी। हेव कर दि तहेता पर बेर तहराम देखा भवा दे। -२८. पर्षयः श्रेनः नयः श्रूष्टः नरः त श्रुरः रो । श्रुणः पञ्चलः <mark>प्रेनः व ः वैः श्रृणः पञ्चलः गावः त श्र</mark>ीरः र्तः द्वान्यस्थात्वेनायः र्वा वार्यः द्वानस्थात्वेनायः त्वा प्रते । विकास वार्यः वारायः वारायः वारायः वारायः व देते:क्षेत्र:स्वान्यस्य:ॲंट्य:श्व:वेय:य:द्र्ट:गुव:यच्च्ट:श्वट:य:द्र्य: यवेव:य:ब्रॅट्व:र्टु: चे.च.र्ट.जत्रःश्चेत्रःतप्टः,उटःट्रः। द्विन,चर्च्याजःस्वेशःपद्वेश्चःदाःल्रट्यःशुःमेतः याताः स्वायाः या प्राप्तः दे त्या याताः इवया उदा परा याताः व विद्यायः स्वया प्राप्तः द दश्यामुः ता नवता सः द्वा उद्गः हो। विश्व तामुः ता नवता सः द्वा ता विश्व ता द्वा ता विश्व ता स्वा विश्व ता स्वा उटः चरः तश्चरः रा । तश्च सामुः सः गृबकायः नृहः बुगकायः नृषः अन् वः वैः नृषे तत् वः उहारः । द्रा | तस्र वाया स्वया कर् वी या स्वया व्या क्रिया स्वया स्वया क्वया स्वया स्वया क्रिय स्वया स्व

क्रेच.पाचक्रेंथामान्याच्याच्याचे छेन्या | विषाक्रेन्या स्वयव स्याचित छेन्याचे छेन्या प्राचित छेन्या छेन्या प्राचित छेन्या प्राचित छेन्या छेन्या प्राचित छेन्या छेन्या प्राचित छेन्या छेन्य छेन्या छेन्य

व व चु न्र कु व अन् ग्रुट ळ्न प्रत प्रत व चुर म विषा व। दे ल प्रत व क्षेत्र म दे व चु र र र पवित ये न प्राप्त के न न के न प्राप्त के का के न प्राप्त युरः हे वः ठेरः दर्शेयः वरः दश्चरः वं धैवः हे रे दे श्वेरः रदः वदेवः श्रेरः है। बेर्-ध-वेर्-धेव्-धव-धेर-धूर-धर्विषायु-च-दवर्-ध-धेव-द्री हे-कुर-तुब-ध-र्र-धूब-नु.ता.स्वीयाता हे व. कर. पहीया परा पहीरा पाड़े न् . क्षेत्र पादे हिरा रार पावे वार्षे रा पाये वारा ल्रा शुःश्चितः तरः बुरानार्ने प्वविदः है। हते द्वेषा ग्रुटः हेदः देहेता तहेता परः देवेटः पः लेदः मति ध्रेर रर मतिक बेर माधिक धर रहे लाया इसला रर मतिक बेर मर रम हु ब्रुम यर बुलाय धेव यल। दे लाष्ट्रं र ग्रे के नार्यर यहीव बेराय हेर धेव यह होरा दहल य.घश्या.करं.कु.परः चर्षयः पम्मा.त.प्रवरं तात्रालयः कुरायः बरः लुयः वरः त्राच्याः वरः लुयः तः प्रवरः वरः वरः व *ऻॹ॓ॴ*ॱॸ॔ॱॻढ़ॏढ़ॱॻॖऀॴग़ॖॻॱढ़ॱॹॗॱक़ॖॆढ़ॱॴऄॱढ़ॕॴॱय़ॱॸ॔॔॔ॸॱऻ ब्रि.मुद्रायाक्ष्रंबादा रट. चलेब. अर्. चल. छिच. चते. हेल. शु. त.मूं. व्यंग-रटा रम् पर्वदाये । सर्व स्थान

क्षेत्र. क्रित्र व्यात्तिः अपूर् द्वे हि.के.च.चढ्रवे क्षेत्र न्यात्तिः च्वे व्यात्तिः वयात्तिः वयात्तः वयात्तिः वयत्तः वयत्तः वयत्तः वयत्तः वयः वयत्तः वयः वयत्तः वयत्तः वयः वयत्तः वयः

दे·ढ़ऱॱ**ढ़ॱळॅ**राॱइवरा थॱरटः में 'टॅ' वं रा गुवः धदेः रटः घदेवः हथः ठवः थटः वेदः धदेः देराः । यः <u>५८तः यः दः श्</u>रुः दञ्च तः श्रुः दञ्चे त्यः तः तः तः त्यः त्यः तः तः तः त्यः तः तः विद्यः देः । तः विद्यः देः । स्वेषाकाकाश्चिकार्यकाश्चरता च्च.पञ्चय.ज.४८.जेब्य.व्री.५थ.स.ज्ञब्यःस×.२८थ.त.थ. रर. चल्वे व. ब्रेन. त. ल. रर. ल ब्रेंब. क्रेंब. ह थ. त. र. य. व. व. व. व. बेर्-ध-ल-र्नेहरून्धक्राधालेक् धान्न्रहिर्-क्। राहुर-र्नु-बदि-क्षेप्-व-ब्राह्केर्-धर-वेल-धर-क्षे.च.क्रेर्.तपु.ब्रैस्.वियाधिरयातपु.क्षात्रिषयार्वात्रराष्ट्रीराचाविराचववा वयाक्रम्यायानवनामान्दाञ्चेतामाञ्चेदानदेः भू.द्वायायान्यानामञ्चेदानदेः भू.द्वायायान्यानामञ्जेदानद्वाया ॅॅंच्याया:प्राच्याया:प्राच्यंत्रं प्रम्पाच्यायाः वित्रं वित्रः प्रम्पायाः वित्रं वित्रः वित्रं वित्रं वित्रं व मुद्रेयाळ्यायान् श्रीन् सद्यत् उवातु स्त्रान्यान्तु स्रते सु न भेद हु हेन् न्यायान्या इ.मेदे.रच.मेद.वंर.चब्रे.त.पवा दे.हिर.वंद.तवाह्मवादर्गी निर्देश्यायान्यायः चरायष्ट्रेषः श्रुरः वया **ऻ वीच.तपु.वीबाक्ष.कु.क्र्**थ.चक्षेब्र.जक्षा । रच. है. खूचे. तर. बैर. त. लूबे विय. रटा इबे. इबे. होट. च. जवः बैटा देवे विवासक तर् शे. बर्ट् हेर्। १ न्वसः मेरः यहं द. शुंशः हुँ र् . शुंशः ता । ह वा. हुः स्ट र वहः वहः मी. छ। विस्तरात्मन्त्रतायाः विदायाः विदायाः विदायः विदायः विदायः विदायः यह्रेय.श्रेय.थ.लय.ता विच.श्र.ई.ग्रे.ह.के.वेरी | तेयतातान्त्रे म्लानातह्न नापर त्युरा । क्रवादर्भम् व क्षेत्रः क्षेप्ता । वेवायरः त्यावः वरः व्यवक्रद्रः री । देवा व. चैच. त. थट्य. चैथ. वया । इय. च केंब्र. त. यथ. प्रचे. तर्र. बैट । द्रेश. पहें**य**. पर्ट्स. र्रः मुख्यः रच स्थलः वलः भेवः हुः ह नवः र्गादः चरः मुख्यः यः व्यवः है। रिः हुः सः विदः यतः नृत्यः क्षतः विन् विन विन विकासः तः त्रा विन सः त्रः निः ध्वा त्यमः त्रः निरु मः विन सः त्रः न र्षुर्'यते रे गुर्'यर पर्या रहा नहीं वा कोर्'या गृह वा स्था यहे पर्या पर्या गृह्य स्था यहे हैं वा सामान

नुवायायात्रात्राच्याया स्वतायहु न्दावर्षेदायायात्र्याताया स्टाची व्यवस्थन ব্রদ্রীক্র-ব্রধা ग्८⁻भेद⁻८५-४-द-दे-८ग्न-ग्८-५्८८-**अ**-ङ्रे**र-य-द-तुब-ध-बे**-द**्व-न्न-**क्रुब-५-८व-ध----त्रेव त्या ने वया न् इन स्वाप्त स्वर स्वर ने क्षेत्र न् सुन् स्व न् सुन् स्वाप्त स्वर स्वर वा में য়ৢয়**ॱ**ॸॖॱॸ॓ज़ॱय़ॸॱढ़ॷॸॱॸ॔ऻॎऻॸ॓ढ़ॱक़ॕॱॸॗॷॕॸॱॺऻढ़ॺॱॿॖॱॾॖ॓ॸॱॿॱढ़ॺॱय़ॱॴॹॿॺॱय़ॱॿॸॱॸॕॣॱ क्षेत्र.री.थी. बुचे. बुच. चे थ.के ब. बय. लूटे. तपट. ब. लुचे. शुटे. तपट. ब. लुचे. बुच. चुट. त. केर.... *ॻॖऀॱॸऀॱॺऻ*ॴॱय़ॱऄॖॸॱऄ॒ॸॱॸ॓ॴॱॸॖऀॿॱऄऀॱॺॕॺऻॱॸॖॖॱॸ॒ॸॴॱय़ॱॺ॓ॱॿॖ॓ॸॱय़ॸॱढ़ॾॕॺऻॱॿॱढ़ॸऀॱॱ अ'र्म् ल'न्डिन्' कु'इर्'र्स्' | देवे कुरा र्चे क्षा न्रा स्व सार्न ने कि के रे क र्म् व कु निष्ठ र रनः न्रः नेतः न्रॉटलः त्रोलःशुः नष्ट्रवः नर्ष्ठलः न्**षुः वर्तः ग**लुरः इवः धरः न्याः सः इवलः वलः ৡ৾ৼ৾৽৸৽ৡ৾ৼ৾৾৽য়ৣ৽ৼৄ৾৾ঀ৾৽ড়ৢ৾ঀ৻৽য়ৣ৽ৼৄ৾ঀ<u>৽য়৾৽৸য়৸৵৸৽ৼঀ৾৽য়৽৸ঢ়</u>ৼ৾৽৽ঢ়ৼ৾৽৽ थ्रियः र प्रवः यरयः श्रुयः पश्चिरयः र र . र राजः स्व . श्रः यः ग्रागयः रायः यथ प्रायः । लय. येथा.ग्री. र. मूरकारा क्षेत्रा वा वा जीवा तर च्योजा वर सं वर्ष विवा हेब्र दश्चेयाया नहेव वरा नरा नविव अर पायारे वापा हेन खावा पार नरा नविव के के का हिराधि न स्वा र्. इंश्याक्षे. पंचे याश्वीतक्रमाक्षेत्राचा चेष्याची याच्यी. तमाक्षा थे था तप्ती प्राप्ता स्थाना स्थाना स्थाना इदा ।

स्तान्त्रस्य श्री या ता ता त्र स्टार प्राची स्तान स्त

<u>क्त</u>ुः तज्ञन् र्स्त्वारा तज्ञ्न् नः राज्यः देवः न् अःयः र्स्त्वारा ग्रीः ष्रिन् यसः र्ख्वे राक्षे न् विश्वारा राज्यः यह विव्याः र्रात्वरात्रेमार्यम्यायाव्यम्। धर्मान्याक्षेत्रायाच्यान्यायायायाया विः म्या श्रीतः वा श्रीतः ते । त्वा प्रमूतः प्रवा श्रीवः वेतः में श्रीवः वा ने । वे । ते वा वा प्रवा धवाही पर्वास्त्रम् श्रवार्ष्य न्ना चित्रम् वित्रम् वित **र्र. म् या बादा प्रतास्त्र प्रतास्त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र** क्ष रे स्र- व र र विव त्मॅन्यते देन्या पर्या वाक्षेत् पुत्र रूट प्रतिव दे प्रमान प्रमेश प्रति ही र प्रमान नविष्यः तम् वा स्पर्यः देवायः सयः नर्षे द्यः म् त्यः स्वायः ग्रुदः तम् वा स्वरः त्र्र्तः स्वरः श्रुदः त्तर पर्वरता मृता संग्रा प्राम्या पर भेद कु ग्राया वा वार् र द र प्राम्या विद् र्ट. चर्डट्य.ब्रॅल.र्ट.क्रु.त्वाच.श्र्चाय.प्चाय.चर.पर्ट्र्या रट. चबुब ग्रीय हूट धरे. इंद्रायातात्र्वरत्त्राग्री द्रवा ग्वामा वयवारु रातवर्षाया परेदाया गृहेका ग्राप्तित्र वे उद्गः चलः नृतुः व्यः वृत्तेः द्वान् क्ष्यः गृष्ठे गृःसुः नृष्टे नृः ग्रीकः च्या गृषः ध्येवः वृतः । नैः नृगः व्यायः नर. ब्रे. ५ दे. दे. ५८. नबुदे. ५ मूच. नदे. ५ मूच. नव. ५ मूच. न् मूच. न र्म्यायराञ्चे तम्मार्टा पर्वट्या मृतार्वम्यायम् मारायर् प्रायाम् अस्त्र व्याप्ताम् य के पर बेर रे। नितान पर प्रविद तम्ना प्रति के ग्राय प्रता श्रु त्र वा त व निता व नि रर. वर्ष्ट्र अर. त.प.प.व विर. पहे न. स्नाया के उर. वर. वर्र्र प्याधिक प्रवारे के वी हें तरी र्या गुव हूं र व। विद्युर व बेर् हर दियाय बेर्व विवय विवय विवय विवय पद्धै-म्-इयथा विर.ज. श्रूर.तर. हकः तर विषय विषय् विषयः विषयः विराधि वयान्द्याञ्चादेः इत्यापम्यान्यान्या म्याने न्द्याया वयवा वन् हो। । त्रामिवेदा

गुवर्त्याच्यर् श्रेवर्त्वा विद्रानी क्षेत्राच्यर स्टर्मिवर्वे वर्षेत्राच्यर श्रेष्ठ्वर ा लेका¥र्ॱत्रॅन् क्रान्ट्रेकायॅरःश्चापदेः¥र्पायाम्रार्पात्राष्ट्राधराकेः अराबेर् य भेद हु नवल य धेद दी विल हे रह चेदे व के से हिस मेडे व माल दे हु तहनाःसन्यन्तः श्चारः स्वाप्तः वित्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स विवः धरा क्रुंवः वेरः रूप्तावा रे वे ग्लर मे र्वे वर् गृत्वे तर विवास के मा म्यायाया विवासं क्षार्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप त.चबु.ज.स्बरात.पचर.त.लुब.सू.बुवाचड्डीवय.नुरा इ.चर.लट.रट.चबुब.ग्रुवाहूट. तपु. ब्रिचेया. जा. ट्रे. ट्वा. येट. च. टेट. बु. ह्रेट. तपु. ब्रिचेया जा. ब्रा. येट. चट. जुबेया जा. व्या. व्या. मुख्यान्तर क्षेत्र न्दा न्तु वाता तह नाया त्या गुर्। न्द्र वा संस्था मुह्य न्या पकृत्राताः र्वाताः प्रमाताः विकाराः प्रकृतः इयतः यः गुन्तातः प्रमातः विवा विः हेरः देरः देः <u> नचि नयः पङ्कार्यनयः ह्रारः यय। वियामः ने भे स्थामः ह्रो त्यूरं क्रा</u> 1रे यहिन न्रेंताया वयता उन् इंदान थदा । इंदा हेन् न्या तता रवा हु हु वरा त हुन । वित , वाषय. लट. पश्चरय. ग्रुज. सूचाय. द्र वाष. पश्चर वाष. द्र वा न् अ. र् **山台とは、日内・場子・米** *2.* र न न न स के र . त . के . द र . प्याप्त के हिंदा हु . र न न न र में क त्या ₹**दे**°&' हा क्षंर 'तु 'थद' पर्वितः पर्वा ग्री द्वार ग्रव ग्राम्य व्यापा ठर् पर्वे ग्रामा ने पर्वे प्रमान ने दे हैं क्र्य वेर प्रमान विगःम् ।

 दी । ८.ज.श्रुंदारु:श्रुंदाचेर्ना ।हःजायह्यायराल्याचेदानी ।हःकेर्पायहेर् | निया हे . न् ह्रे ता इयता न्या नियम हेता हु ' है । | निया हे . न्या हेता हु । नियम हेता हु । हु । तर. श्रेर.त.चलेब्रा **ऻरे**ॱख़ॱऀॺज़ज़ॱॸ॔ॕॺॱॺॕॱग़ॖॺऻॱऻॿॗॱक़ॖॆॺॱऄॸॱय़ॸॱढ़ॗॕॸॱख़ॱढ़ॕऻ न्या हे तर् मुन के हिंदा व विद्युद्ध ये के रिक्ष न्या के विद्यु व न.चबु.चू. ≆थथ। विदेर.ज. श्रर.तर. घज घर.पश्रर। ोषु या:सं वाया:ग्रीय:वा<u>श</u>्चरय: िन्यान रमामी में में या या नाय से रमा प्रवेश से प्रवास मान कर है विमा स्पर् के या श्री मा N तर्ताने महिन के च नर कु मु नर महिन के देर स न्र कु मु केर स महिन सर का ब्रेन्-धरः न्यत्यःत्य। देवे:ब्रेन्-धुःमुःष्ट्-धःनुःन्दःब्रे:मुःम्-दं तःमुनःधःमुक्रेतःग्रुटःश्चः ब्रेन्-यत्रः ळन्-द्र-दिन्-हे-हे-हेत्रः ळन्-ध-न्-। र्रामी-हे-हत्यः ग्रुवः धन्-भन्-भन्-त्र्र्राचर न्या है। रे क्षा बा ध्वाव रहा ने हैं दे वा बुवाय विमेन प्रदे रे न्या प्रवास दबार्टा क्रे. तार्टा तनाना पार्च बाता स्वाया परिते हिरादम्ना पराह्या दे हिराहेर है री **ॷ**ॱनुॱतः संग्रायः इवरा स्र्रायः तर्द्रायः दे र्थेरः तुः रूः वीः दः द्रायः नुवः पदेः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः रट. मी. इ. म्या बीच. त. बेथ बेट. वे. बेथ बेट. वे. बेथ नरः गर्देदः श्रेः चः नवः न्रें तः यद्रः श्रुः नवेः मृत्यावः न्रः विनः श्रेन् सः भेदः है। तपु.पर्जीज.च.जया न्द्रं त. स. स. न्या मार्थः क्षेत्रः क्षेत्रः त. न्द्रं त. स. न्या मार्थः न्या स्थानः स المربق عرد المربيع المربيع المربق عرد المربيع عرد المربق عرد المربق عرد المربق عرد المربق عرد المربق المر तर्-चलः गृते लःशुःश्चः चः त्यः वः त्र्ताः चते श्वेतः त्रेते व्यट्वः चरः त्र्र्ः धः वववा ठर्..... त्रीमान्गातः परः त्र शुरः र्रा । बेलामललः परः महित्तः धरेः छैरः र। ।ररः पहितः स्र

म्र्यू व. म्र. चर. ववत. मेडे थ.थी.कैर. चय. ववत. चय. रंचे. वप. रंचे. वप. व. केरे ·पर्निः क्षेत्रः त्रदः नीः द्वेः व्यायायायोः ब्रेन् रहु व्यायदः प्रः वः वः क्षेत्रः वः वेः व्यायः वेः क्षेत्रवः रट. चत्रिव ग्रीश ह्रं ट. पदे ह्रं ट. प. या शुः द इता पत्र वा ता वा ह व . यो द . यता कर् . पदे . यहर שביצַמילִישַׁק־יםגיפלָק־פַּק־בּק־יבִיקּן־בַּיבּמימַםיםיםגיףמיבּבילִקּמי यर त शुराया ने हिन्द श्वाया राम विदेश के निविद्य हैं ने राष्ट्र मिति श्वाया है। तुर छ । श्चीत्राच्याः ह्रणायदे व्यवराक्ष्याया विष्यं विष्यं विषयं गुनायाहुतार्वयायम् मूर्नायावयायेन्। सराह्रग्याययायन्। स्वरावाद्यायाय्यम्। ॱॹॱज़ज़ॸॱॿॖॱॻॖॱॴॱॺॕॻऻॺॱॻढ़ऀॱॸॣॾॕॺॱय़ॕॱ**ॾॺॺॱॸॕढ़ॱ**ऄॖॸॱॻढ़ऀॱॿॖॖॺॱॻॺॱॺॕॗॾॱॻढ़॓ॱॸॣॾॕॺॱऄॸॣॱ र् .ब्र.पर्ज्ञ. तर. रट. रट. ब्री.वे. प.वेर. त.जवी. लूर. तर. द्यायपु. द्याये प्रतास्त्राचा बेर्-पर्दे बहर हॅर्-पः श्वेर हैं। । रर-पर्वेद बेर्-पः र्रेर बेर्-पः मृद्रेरा ग्राया परः य चेर्ना के ना न्याया यात्र ग्रहा न्या है। है मिराही न्या हेर्ने केराहें राष्ट्रीया न्द्रणायाः स्वायाः न्दानिवा वेत् । धरा स्वायाः मत्वा वा वा विवायः मत्या वा विवायः विवायः विवायः विवायः विवायः ॻॖऀ*ज़*ॱॸ॔॔ॸॱॺॖऀॺॱॻॖज़ॱय़ढ़ॱॡॺॱॻॖऀॱॾॺॱय़ॸॱॺॖऀॺॱय़**ऀॱ**ॸ॔ॱऄॖॸॱॻॖऀॺॱॿॖॕ॔॔ॸॱय़ॸॱढ़ॹॗॸॱॻॱऀॿढ़ॗॗॗॗॗॗ । बुयानश्चरतान् न्वयताक्त्रम् स्वाप्तितात्त्रम् व्याप्तितात्वात्त्रम् व्याप्तितात्वात्त्रम् व्याप्तितात्वात्त **٩**۲ नु.लाक्षुरानानहनायते ध्रैरादाष्ट्रिं केर्प्यावते व्रष्ट्राच्या श्रुरामा विह्राचर मिं में र न न केर् या न का धेव है। मिं में र न वि केर्य पर महिला की का चगाना.चेथा.चोडेथा.थी.बुर.तपु.जबाक्चे.रचे.जव.पर्यं.पर्यं.सपु.चूर्यं.पं.चेथजा.चर.. चेत्रपः भेक् कॅ। विराम् रुवा के त्या द्वर चेत्रपः कॅर्त्य व्या स्वर्थ व्या स्वर्थ व्या स्वर्थ व्या स्वर्थ व्या ञ्च प्रत्राया भवाते। स्वार्शकावा पर्तात्वा पर्तात्वा व्याप्ता प्रत्या प्रताय प्रताय प्रताय प्रताय प्रताय प्रताय त्ताल्य मू । १८. हे. प्रमान वृष्य अराम स्वयाल चु माचेराम स्वराम स

प्रस्तान्त्र अत्राम् विद्यान्त्र अत्राम विद्या अत्राम विद्यान्त्र अत्राम विद्यान्त्र अत्राम विद्यान वि

यर शे ह्यु थे। रर पढ़िव बेर पर श्रुपें दे वा श्रुप गुर हर पर्मेर पदे श्रुव रूर पढ़िव बेर्-व-बु-दन्नक'बे-दवर्-ध-र-त्र-ध्र-बे-बु-क-बे-क-र्रकचर-ध्र-वन्ध्र-ध-क्री अन्यान निक्ता केन्या न्रा केन्या निक्ता केन्या निक्ता केन्या विकास केन्या विकास केन्या विकास केन्या विकास केन्य 1देवै ^{৻ঀ}ঀ৾৾৾৾৾৾ঀৢয়ৢয়৾৾৻ঀয়য়৾ঀৣ৾য়ৢ৾৾ৼৼ৽য়৾ঀয়৽৾ৣ৽৾৾৾৾৾৾ঀৢ৾ৼয়য়৽ৼৼ৽ঢ়৾ঀয়৾ঀয়ৼ৽ঢ়৽ৼৼ৽৽ र्रा प्रतिव अर् प्रार्थि व त्यारी र वा उरा पर विश्व र वि । प्रति प्रक्व प्रति त्र वे त्या प्रति । युरा नन्नादीः न्र्याया बेर्पया बेर्पया हु। हेद्रित वहेता नरा वहुरा ना हु। नः भेदः पतेः ही रः र्रा । के हिन् न् र्रायं रः ह्या न देवा वाया दे दाया भेदा है। त्त्रोत्यः परः त्र हुरः पः श्चः पः धेदः ये कुरः ग्रेष्टे सः रहे । । विदः के श्चः पः देवा के दा त्रोता नर त्रुट न ह्या । यह हे व रेट त्रोता नर त्रुट निते हे नार विन हे व ॱॸ॔ॸॱॸॿऀढ़ॱऄॸॱॳढ़ऀॱॸॕढ़ॱॸॖ॓ॱॸ॔ॸॱॸॿऀढ़ॱॻॖऀॹॱॺॱऄॗॹॱॳढ़ऀॱॸॕढ़ॱॸ॔ॸॱॿॗॱक़ॱॸ॔ॸॱऄॗॿ<u>ॱॿ</u>ॖॱॸ॔ॸॱॱॱ प्तेष्ट्र व्या की त्या साम के त्या स्वाप्त के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स ^{ॱढ़ॏ}ॴॱॾॖ॓ॺॱढ़ॻॖ॓ॴॱॸॖॱढ़ॸॕॸॱय़ॺॱॸ॔ॸॕॺॱय़ॕॱॲॸ्ॱॿ॓ॸॱॿॖऀॱॿॿढ़ॱॿऻढ़ॖॺॱॹॖॱॾॖॱॸॱख़॓ॴख़॔ॴॸॿॢॺॱ ॸॕऻ**ऻ**देॱॴॸॱहेवॱढ़ॿ॓ॴॱॿॖऀॱॸॕ्वॱॸॸॱॸढ़ॏवॱॿॖऀॺॱॺॱॿॖॆॹॱय़ॱॴॸॿढ़ॱॻॹॱढ़ऀॱॸॕॺॱय़ॕॱॲॸ्ॱ नरःश्च.चः खेलःल। श्वुःबःलः खॅनलः सः ५८: ५५: ५६ तह्न तह्न तह्न तहेलः शुः द्वर नु न ह्रव प्रा वे न्द्रा य बेन् पर ह्या न लेवा निवाद न्द्रव य दे निवाद न्द्रव य दे निवाद न ·धॅ·वै·र्रः प्रवेदः ग्रीतः ग्रुवः धाविः दः त्यः ग्रुः व्याः विः देवः विः देवः विः देवः विः देवः विः विः विः वि ड्रेन् पर्वः न्ह्यायः ताड्राङ्गे। देः मृत्रेयः त्रेयः नः न्हः न्त्रेतः प्रतः प्रतः वितः मानः हरः ह्यः यः द्रः चुदेः ह्यः ·यद्ययः स्तरः च केषः तपुः क्षेत्रः स्त्रः क्षेत्रः स्त्रः विष्यः विषयः प्रत्ये । विषयः स्तरः विषयः विषयः विषयः

ୖ୫·*୯୯-ସ*ଂଘ<mark>ଟି·ଖ୍ୟା:ଡଣ୍</mark> ଶ୍ରି:ସ୍ଟ୍ୟା ଅନ୍-ମ୍ୟା ଅନ୍-ମ୍ୟୁଟ୍-ମ୍ବ୍ରମ୍ମ ଖୁମ୍-ମ୍ବ୍ରମ୍ମ ଧୁନ୍-ମ୍ବ हे**द**ॱकेटॱदबेल'चर-दबुट'च'रोल'च'ब'धेद'र्दे| |दे'हे'क्षूर'ऑद'स'दे'क्षूर'वै'देल'व| इवःयःवेतःचःत्रवायःश्री |र्देवःयःस्वायःविःवःवच्चरः। |वेतःश्रूपःद्यवःवे**दः**ह्यः यर तह नायर यह र है। दिते क्षेत्र इत पते र श्रेन्य पते तर्या पते र है या पते पते क्षा । नाया हे : नरा ने : स्वायं प्राचित्र के देवे : इक् सा दे : ब्रॅं प्रायं : स्वायं देव नवा स्वी : श्वेत्र : र्टानिः द्वार्याः बीवाः वाष्ट्राचीः कें त्वत्यायते न्द्वार्यः देः रटा विदासेन् याने ते कें ... दे.ल.र् श्रेम्ल.तप्त.र्द्र, सत्र.प्रत्यं विष्यः श्रेन्यः श्रेदः श्रेम्यः स्वाप्तः श्रेष्ठः विष्यः ॻॖॱॸॸॱॹॖॸॱॸॕऻ<u>ऻॺॴॱय़ॳॖॎॺॱ</u>ॻॖॱॸॱढ़ऀॱॸॸॱॸढ़ऻढ़ॱऄॸॱय़ॱॸ॔ॸॱहेढ़ॱऄॸॱढ़ऄ॒य़ॱॸॸॱढ़ॻॗॸॱ नः नेतानु नः न्दः म्वाववाया धेवाया हे न्द्राया बेन्यते म्वावि म्वावि म्वावि । तर्कायते रूर्का में क्याया वयका कर् हु : येर् या के या भेव है। इकायर मुन שׁק־בוב פֿל פֿירב קר בל פֿירב מי פּן מוּבַר בר בל פֿירב מי שׁק־ וִרִב שַּן ברי שַּן צִיבִי שִּי שׁק־ हनायाने न् न् न् नियानि हो ना निर्मा क्षा त्रि स्वाप्ति हो ना मानि ने यात्यास्वावायात्रीत्वायो स्वाप्तात्रीत् यात्रात्रीत् स्वाप्तात्रीत् स्वाप्तात्रीत् स्वाप्तात् स्वाप्तात् स्वाप यात्रयात्रह्रवायते देवाहेवात्र्वेषाची देवाण्ये न्र्रेशाया बेन् धित म्वा बेवा धन **菱切・スキ・スカ・スト・カ・犬・ガカ・ჟ ロ・セス・スギ フ・オ・ ケ 大か・ガオ・鷺・ロスギ・** ल्र-तपु. वर्षर-क्षेर-प. लुब्-ब्री रे.र्ब-ल्र्र-त. व्य-थ्र-व्य-थ्र-व्य-व्य-क्र-व्य-व्य-ल्र-यरःश्चानः क्रेवः वृं। १२.पविवः रु:धेःवरः मैं। ५ रूषः यः इवकः र्वः छेरः पवेः बुकः पकः हरः यदे न्द्रता बेन् नु तर्द्रन व न्द्रताय बेन् यर बु न्यत्य बेन् यहर सुद न धेव मी र्गाता रहा विवेत बेर् धर ब्रुवाधक बेर् ब्रह्म सुहर व बेर् हिं हिर हिर के बेर् धर दे रदःचित्र क्षेत्र थर्दः रदः मै रूर् द्वा ग्रुवः धर्दः व्यत् । यद्वा ग्रुवः व्यक्ति । यदः व्यत् । यदः व्यत् । यद

 त्यत्र ऍन् : बेद : बेद : बेद : बेद : बेद : विद्या : पदे : केव : वं वः वः वः वः वः वः वः वे : व दे न दे : व दे : ऑन्-मत् अ बोन्-मः बे तः ह्या की रु रः मः मि बे व रु । ऑन् बोवः बोन् व बे व स्थानः ह्या मनः बी रे ग्रा हे-सु:पत्नि:त्य:ने:क्षेत्र:पश्चित्रय:पदे:धेत:र्स्। |नेय:व:स्:मे:पवा ऑन्:ठेय:घु:प:हग्**ः** धर वहेंदा | बेर् रहेला चु. व.कर् पर ही | दे हिर ऑर् बेर् वहेंदा मा वा | बावता पर्याण्यवराधराधी विषाण्यश्चरवर्षात्राधराधराधीत्राधराधीः वेराधी। क्र बाया. ४८. पर्ध् **यं. ग्रेय.** श्रीय. तर. विया. श्रीरयाता लाई बो. कर्. ग्री. क्षे. वर. पं श्रीर. वर. बोयला..... ळ्च. चेथल. पथ. चंखेट.कं. अप्टु.लूटे. शुटे. थैं. यह बे.स. टेंट्र थ.स्.लूटे. शुटे. नर गहारल है। नुःक्षःनःयःनन्नन्द्रवादेवेःद्रणःतु। यदःकेवेःक्षेतःन्द्रवाद्यःन्द्रवाद्यःवेन्यतःक्षःनः ፙጚ·፞፞፞፞፞ዻ፟፟፠ኯ፟ኯኯጚጚ፞ዀጚ፟ኯኯጚኯቔፙኯኯጟኯቑቜጚፙ፞፧ቑ፧ዹጚ፞ኯቔዹ मदेव गुरा वित्र रेलावाकरायरावायाचरात्युर। । गराविगारराचविवाग्रीलाळ्राचराचहिरायारेवी रट.चलेव.ज.र्चन.त.अर. तथ.वय.लट.अर.त.व.लव.धे। रे.के.वंटट.रट.चलेव.लूर. त. बुर्-. दे. विया विरया तया हे वी. धर. विया चरा त वीराया ह्वा विदया पर्या से वया ब्रु.८५५४.त्रु.४८.चबुब.७व.३८४.४४.८.५४.५.बुब.बुब.तव.बुर.५.बुब.७व.घट.३८४. तःइनि.के.रट.कर.बी.पट.पधुब.ट्र.बुय.बुब.तर.पट्ट्रेट.ब.छर.केर.बेर्ट्रेट.व्र.ब्रेट्र.चेश्वरत्यःखी ळ्ट.त.क्ब.रट.बुब.त.क्ब.ज.च.बिट्य.ख्र| विट्ट.टे.वे.जु.७.जय.बिट. ᢖ·ᡆ·ᡪᠸ·᠗ᡪ᠂ᡠᠬᡃᢖ·ᡆ᠂ङ्गॱᢍᡪ᠃ᢋ᠂ᡇᠵ·ᡆᢋᡪ·ᡆ᠂ᡲᡳ᠋᠇᠂ᡷᡪ᠂ᠬᠵ᠂ᡭᡢ᠂ᠵᠵ᠂ᡆᡭᢋ᠁᠃ ्येथ.लूटे.त.७्थ.जूब**्ये**थ.कूबे.कटे.टे.५ब्र्.सेबेथ.च**केथ.तर.बे**थल.चर.च४टे.टू∥ बर्दरः वः रदः विविद्धेरः धरेः क्षेदः वेदः वे क्षेदः यः वेदः न् बः यः वः धेवः वेदः वेदः वेदः

ने त्र्यं मा व मेर छेव छ त्रा धित स्व के का छ त मेरा दे व के राय के ता मा व कर प्रवेद से प्राप्त के व ৾৾ঀ৽য়৾৾৾য়৽**ঀ৾৾৾৾ঀৼৼৼৼ৸ঀ৾ঀ৾৾ঀ৽য়৾ৼ৽ঀ৾ঀ৽য়৾ৼ৽য়৾৸৽য়য়৸ড়ৼৼ৸ঢ়ঀ৽**য়৾ৼ৽য়৽য় **भवः धरः वर्दे रः वयदः कर्** १९४० गुणदः तुः १९८० वरः वश्चरः हा । देः १९८० थटः । कुर्-ताःक्षे.केथःय। प्रियःरचःक्षरः इययः तसुरः चरः तश्चर। विवः मदेः तश्चेयः चः ऋगः न्यायायत् देविन न्याहे वयता ठर्डूराय हे वयता ठर्ष्य या या विता देवित हिना न्या देते[.]ळे[.]ददे[.]व्यव्ययः क्षुप्रकार क्षुप्रकार हो हे. भूदः हु। क्र्यापर्ने ज्या पर पर्वेर श्रीर वा विःयाप्तराञ्चयराः वैःहन् गुरः तहत् । । तन् ः क्षेत्रः वेन् ः परः क्षेत्रः ये। । वेः गठरः देर-दे-द्वेर-घर-दश्वर |बेब-वन्द्रन्त्रा |के.क्रे.लट.घबवःक्ट्र-लःक्रुटःचः त्रेचलायराबीत्र्न्<mark>नावादीर्वेक्षेष्टिःक्ष्र</mark>ान्देलायात्रीत्वाद्वेष्वात्राचीवात्राचीवात्राचीवात्राचीवात्राचीवात्रा देते क्षेत्र प्रदानिक केत् प्रदेश देव के ह्रं दा केत् के स्वाधिक **প্রিস**ার্ড বিশ্বসাদী। | वेषायदे देषायर हॅंदाय केत् श्वॅदायर यश्चर हे। ₹٢ रे.केर.श्रेरथ.बेथ.कूथ. য়ৢ৵৻**৻৺ৼ৻৸ৼ৻ঀয়ৢৼ৻৸ঽ৻৸৵৻ঀৢঌ**৻ৼ৾য়৻৸ৼৼ৻ৼৢ৽৻য়ৢৼ৻৻য়ৢৼ৻৻য়ৢৼ৻ৼৢ देव:म.केंद्र:स्ट.प.पाया मावव:लट:पर्-वे:स्वा-च स्वा-वा । श्विव:म्:स्वाप्यः 21 पति र मुल ठवा विर प्रत मार्ग हिन विर विर पर विर पति पति । विर मार्थ पति पति पति पति । বু.গ্রুও.জ্মথ.বর্মা |बेल.चन्नन्द्रं.बेल.चश्चरल.चतःश्चेत्रःऱ्। |बलाहे.वि.सं.सं. ठण - न्र्रेल : मं स्थल : स्र : मिल : म्रान्त : व्रात्त व्रात्त व्रात्त : स्र : स्र व्रात्त : स्र : स्र व्रात्त : स्र : ठना वै निर्म् त्यावता ने न्ना व्यन् सर बे तर्मन् पता वे विना कर सदे कर के न्या पर त्युर हे। इंद्र-हुर-द्र-ब्रेर-ब्रेश-धा |देश-द्र-क्र-धर-वय-पर-द्युर| त्रः वः तः कर् 'क्षेः वरः वृद्धारतः भैरः। क्षेत्रा वृत्यः त्रवः गुरः। क्ष्यः दर्देरः वः गुरु ह्वः ्ग्रीः परे**वः धः क्षेः नेवः धः उक्षः ग्रीवः पक्षेतः** धः रहः पविवः वेदः धरः हैं गवः ववः देवेः ह्रं दः धः हेदः

र्द्र न् या मदी यह व ने न रहत हैं ग्रा मा दी यह दा गृहे ल हु। हुन पर थे प्र शुरा है। विग-र-क्ष-बेर्-धर-शुर-धर-देवे ळेव दे के विग पर-धर-वश्र-वेरा रे क्षर-धर-र्देरा इप्तु-४८.पष्ट्रिय.ब्र.प्रज्ञाचारा क्षेत्र.ब्रिय.ब्रिट.क्रु.च्र.क्रु.च्र.क्रु.च्य.क्षेत्र.क्षेत्र.च्ये. धुर-रं क्षे**वाव**-रे दे रे ने ने ना वा ना ने ने निष्ण कर क्षे. वा ता ना ना कर क्षेत्र है ते रे ता से कर निष्ण चिर्यान्तर्मेयाव्येत्रेत्रेत्रेव्यक्षेत्रः स्वाधान्यः स्वाधान्त्रः स्वाधान्यः स्वाधान्यः स्वाधान्यः स्वाधान्यः वियान्नर्या वया श्रेता खेरा धरा धरा थे। ह्या थी। दे:र् **ग**ॱगर्रे**र्**ॱयःदशःॲर्ॱधरःश्चेःदर्रःधराः कर् लु.च.व. धेव्र.चर वतः चते छैर र्रा |रेगव| र्व हुर र लुर बेर हेव ध देवाक् कर् धर ह्या घर दशुर | विवागशुरवाध दी ररःविव-दे-तुषःगुव-हु-बे-तशुर-वर-वर्देन्-व-वे-हण्यर-वशुरः नविः र्देवः धेवः हे। *चुलः सः सः सः प्*राचा चुलः क्षेत्रः या चुलः देवे ब्रेक्: नुषः स्वरः व्यंदः पवे रदः पवे व पुषः ब्रे व स्वरः वेषः परः वहेव पवे कदः कुः बेदः श्च. ज्वं ना श्च. ब्रह्म ने प्रमान क्षेत्र में। क्षेत्र व्ययः ठर् ने वर्षिर पर श्वं वर्षे। तच्याः छेन् . धनः तर्ने न् . धते . कन् . कृ. च . न् न् . क्षे. चते . क्षेया न बनः के . क्षेना न वाया व्यव . कु धर. बिश्वरता. है। तर्ने हिर कर् है ता दे ताला तह्य न्र तह मा हे दा सार्थ ता होर धर 51 I

न्त्र वा विकास निकास के ता वा विकास निकास के वा ता विकास के विकास के विकास के विकास के वा ता वि

त्रूर्भाषान्यः क्षुः यक्षवः रु. वे चेर् छ। रु. क्षेत्रः ग्रीः वेषणः रुवः वर्षः वहेषः हेवः ऋः वावणः ঀঀ৾৾**৲৾৾য়ৼ৾৾৽৴ৼ৾ৼ৾৽ঀ৾৽ঀয়৾৾ঀৢ৽য়ৼ৽ঀয়ৣ৾৽ঢ়৽য়৽য়ঢ়ৼঢ়**৽য়ৢ৽য়ড়ঀ৽ঀ৾৽ঀয়৽য়ঀ৽য়ৼ৽য় नरा हुः यह दः ता हिन् स्वर हे हैं। हिन निया वया वर्तराय हैन नित्याय दे होन् साम र्राष्ट्रियर बेर् य धेव है। न्रामे क्षेत्र र्मे मर के प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त नः न् मृःगुदः ने : न् मृः बेन् : मृंः बेलः ह्यु : परः **डेन् : ध**क् : यः ने देः ह्ये रः न् तुः बः नः के : बेन् : यः नः न् दः BT. पर अर : 其 : लेया म्या अर : वेर **७८.५चुज.नर.५वैर.न.≅.२.७४.ज| क्रेब.१८.५चुज.नर.५वैर.नपु.देव.** तर्-रूप्तिन्ने द्रायः स्वाताः स बेर् पान र मा मेल दे रे क्षेत्र हे द दे र तहेल पर तहुर न धेद पदे हुर रर विद्वारीय **इं**ट.त.केर.ग्री.श्र.वयातह्ना.हेद.ल.स्यायाय्येगयारा-रूट्यारा केर्रायर हे गयायायाय्या र्दे क् कि ले व तहिंग हे क ति दे र दे ते र दे ते ह्या या र द प्रति क की ता व ता Ҁ҇ॱतहेनाःहेन्रःधः≍त्यःव्यःवदेनःदॅरःचः<u></u>न्रःवहेनाःहेनःवदेःन्यःधः≍त्यःहुःवश्चःचःबःःःः सर्वर:व्राः तहिन:हेव: यदैर:द्वेनशः यदै:द्रेशः यः द्रः यदे:द्रेशः यः नृवदःद्नाः यः श्चरः नः तर्ने नर्यः भरः क्रेनः सः भवः वृं । विषः गृश्चरः वा । वायः हेः न् सुः वा नः न् रः करः ढ़ॖॱॻॱॻऻऄॖ॔॔॔॔ॹॕॖॱॺॾ॔ढ़ॱॺ॓ॱॺढ़ॖ॔॔॔॔॔॔॔॔ॱय़ॱॸ॓ॱढ़ॗॱढ़ढ़ॸॱख़ॹॱय़ॻॹॱॸ॔॔ॸॱढ़ढ़ॿॱॾॗ॓ॹ॓ॎॸॱॸ॔॔॔॔॔ मैं र्रे व्या ग्रुवः यदेः रदः विवि अेर् यरः हॅ गयः यरः वदः वदेः धेरः रदः विवे वे अेर् यदे कुः पः तर्ने वहं रतः संक्ष्यावः तर्ने प्यरं वे तर्ने हो कि के रराविव वे वे ने वे के वे नि त्र्राध्यान्तेवान्तेवान्तियान्तात्र्यात्राक्षात्रेत्या प्रमुख्यान्याने । प्रमुख्यान्याने । प्रमुख्यान्याने । र्णाः वर्रावर् स्वर्ताता वर्षा वर्ष

देॱॸॱॻॱॻऀॴॱॸ॒ॾॕॴॱॺॕऄॱॸ॔ॸॱॻऀॱॾॕॱ**ॺॕॱऒॸॱय़ॱॵॷॱय़ॱऄॖॸॱ**ॴऄॸॖॱय़ॱऄॖ**ॸॱॸॖ**ॱॾॕॖॱॻॱय़ऄॱऄॗॸॱ रे विन क्षेत्र परि क्षे विष्य बहरण या विन में विन बेन में न्यु बाय न न न नैया गुद हिन ढ़ॖॱॲ॔ॸॱय़ॸॱॺॎॺॱॿॖॸॺॱय़ढ़॓ॱॿॖऀॸॱॺॱॸ॓ऀॱॸॄॺऻॱॺॏॺॱॺॎॺॱ**ॿॱ**ॿॖॸॺॱय़ढ़॓ॱॿॖऀॸॱऄॱॺ**ढ़॔ॸ**ॺॱय़ॱऄॖ**ॸॱ** *ेरियः वै:गीवः* रूचः मु:प्पटः त्यकः दश्चनः स्वन्यः विकः वेदः यदैः बियामहारयःस् र्तुः अ: नरः तर्र्र् रः यः देः तहे गः हे दः जुरः यदः परः दः परः तह दः है। য়ৢ৾ঢ়৽৻য়৾ঀ৽য়ৢ৾য়৽য়৻৽ড়৽ঢ়৽৻ৼ৽য়৽৻ৼ৽ঢ়ড়৽য়ড়ঀ৽য়ৢ৽য়ড়ঀ৽য়ৢ৽ঀ৽ঢ়য়৽য়ঀ৽য়৾৻৽য়৽ঢ়ৼয়৽য়য়৻৽ नवाबेवाग्रीट्राचाग्रीट्याया देन्यायेट्राचरायर्द्र्यायावाच्याच्याच्याय्याय्याय ऑन् या वा धोवा यम तर्मे न् छेषा वी गुर्हा प्रमानम् विवासे न् यम खुषाया न् माने वि য়ৢॱয়ড়ঀ৾৽ঀ৽ৡ৾ঀ৽ঀয়৾৾ঀ৽ঀড়৾৾ঀ৽ঀৼৼ৽ৼয়৽ঀ৾ঀঀ৽৾ঀ৽য়য়৽য়৾ঀ৽য়ৼ৾ঀ৽য়ৢ৽ঢ়৾ঀ৾ঀ৽৽৽৽ तर. वेशिट्य. त. लुब. ह्री | 山切・山山・山山 - 山山 - 大・山 - 大・北京・山口・七分・大下・ वविदः बेर् धरः दे त्वर् वा कर् कु वस गुर रे र् ग बेर् धर वर् र् पा स रे र् ग य रदःचविषः अर् परः ५६ र् प्रथावः रदः चविषः अर् धिः कः वयः र तुः वानः रदः वर्द्धरयः व क्षयाव। वर्ने प्यट केल मेव हिंबी वर्त है। र्वेर व। क्रं र म्मुल प्रवे बी विना वा न्हेन चैयावै देयान मुयाधर के मेयान वैदारी प्रत्येयान मुयास वेयान हद ग्री क्षें द्या श्राम्य मुरुगः गैला दे मुद्रा या दे लाई रामु पा अई राद्या पदि लापमु लाई लेला ह्या पाद दे मुद्रे लाजा ग्रायः द्वार्यः वर्षः वर्षः व्याञ्चर्यः व्यापः द्वारः त्याप्तः वर्षः यादः वर्षः यादः वर्षः यादः वर्षः वर्षः वर्षः व नह्न तुः त्या के मा में ता के निर्देष स्वराञ्चा निराम के ता की सहस्ता स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण यथ। नेज. धे. र ह्य. त्र. बहुरया सं. हे. व नेया हे. यट. र ह्य. त्र. श्र. श्र. श्रहुरया य रे के लुक्त वे पर हैं ने या मार्स वार्ट मार्थ की वर्ष मार्थ है रे हैं। रिग्रेस वा चमि विया यते वी गरी गर्य मर्डिमा मैस दी यद द्मा धर वी मेस पति दिन दु दे दूर वी वह त प्रा हु द्

दयः ५६ वं प्व तु वः वं वे वः दे त्यः ववः प्व वः वे दः व ग्वन वै दे द दे त स्व सु अ व हिंद वर्षाश्चवः वर्षेवः धरः क्षेत्रः द्वाः । देः लः न्द्रं वर्षः व्याः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व.र.र.तथ. मेड्रमा.ल.वु.र्.पह्रव.रे.श्च.प.ष्य.पह्र्र.ला मेवव.ए.वु.पर्वे तर्वे च . ले या मुद्री विक्रमा त्या के भारत है मुखा सादा श्री मुखा सा स्वाधित सा मुद्रा सादा सा र्वे प्यतः त शुराया म्वाववायावी वाधवायाने प्यविवाती पर्दरायान् रूथा संवे रूटा मे रू **४.६.७.०.०७७५.५॥.५.४००.५८.१.७८.५८.३.०.४.७८.७८.५८०.५५०.५५०.५** बर्द्धन्त्रामः वाधितः विद्यानिद्यात्त्री । तिर्वतः वे। विद्यानिः विनः विद्यानिः वि च.च.जय.पञ्च.श्र.म्ब.४ चेथ.तथ.चयाचा.तर.चू.चेथ.क्रै.पञ्च.पट.जेचेथ.ज.पच वेच.ये..... ब्रेन्-स-ने-लन्-झन्-झ्रेन्यागुन-ह्रिन्ययायायन्।यन्-विनयःमध्यायः भ्रेन्-झुन्यानुःसु नः अर्देरः नः केर् स्परः श्चर्यात्रः भेग्याप्तरः नग्गाः भेवाद्वात्रे । दिवादः क्षेरः सः र्देदः छेरः वियाक्षराची क्षेराधरा वर्षात्राचरा रराविवाबेरा ग्रीरा श्वात्राचा ग्री हिवाद विवाद स्वात्रा ल्र-त.धुन.र मूथ.धे। यधु.यश्च.यपु.पर्गेष.य.पथा रे.हेर.व.लर.र्व नरावेन क्केथासालाद्वीद्रामान्या |देग्विद्वायम्बायायायम् वर्षे ।देश्यादेवासरास्या प्रविद: बेर्-हें। विष्य: हें रे.व. रूट-प्रविद: बेर्-इंडे विषा: ऑर्-डे दाप्रहें रूप्रर: चुःहें। नरःगुन्नवार्ष्रवार्ष्यरयायः नरः इयः धरः उरः नयः श्वः उत्रः धरे दे हे न देव वरः 多切. むな. 切な. 山かる. むまと. 美一 | 凝ロ. てばす. むため. 弱の. 口器との. 引む. 切た. 成と. む. र्ट. इ. १४०. श्रीच. तपु. विर. तथा तथा तथा है. देशालव वह रे. है। या हैर है. श्री तथा त्र्येयायायय। श्रवाया म्यापाहे.द्वायायराबेराखे.र्टायश्वायायराबेर्

चः निषयः देः वे निषयः वे स्व क्षः वे निषयः वे स्व क्षः वे निष्यः व स्व क्षः व्य क्षः व स्व व क्षः व स्व क्षः व स्व क्षः व स्व क्षः व स्व व क्षः व स्व व क्षः व स्व व क्षः व स्व व स

 त्युत्यानाक्ने ने त्राना सरामा देवा दे दे दे न्या निष्ठे ने प्रताम के निष्ठे युन् ह्रे. पः रंगियः स्त्रं मृत्येयः श्रुः पादीः प्रवास्त्रः प्रवासः स्वाधितः प्रवासः स्वाधितः स्वाधितः स्वाधितः क्रेन्-धेव्-त्य| ने-ध्यन्-प्वते-प्रक्तु-प्रते-प्रज्ञोत्य-प्यत्य| सि-म्-रुण-वी-इत्राप्य-न्धुन्-प्यावी-रट.चब्रैव.पक्षण.च.क्षेत्र.च्चैर.च.ब्रेर.ग्री.ब्रैत.स् विवाग्युरवायःक्रा ग्रीयरास्या ता. श्री. प वो वो. ता. सू वो दा. रह. रह वे वे त सूर. यह ता. रा. त वे त हो। वि. वे. वे. वे वे वे वा ता. ता. स्वायाना पा प्रतानी म् म्या बीचा तपुर श्री प्रवाची स्रि अर्था प्रवाची स्वायान ह्या हुैं त्याया द्या दक्षता वा खेदार्दे । दियादा देयाया दे त्यादे हैं दे त्यादे हैं दे त्यादे हैं दे त्यादे हैं दे वि.य. थे ८. १ में १ त्यामा श्रम्या ग्राचारा ग्राचारा मुद्दारा प्रति । यदे भ्रीतः हो । दे १ से मुद्दे १ म्या यः देशः त्युत् यद्याप्रयाप्तात् क्रीः वायार्षेष्याः स्त्रः वतः युत् याहेतः यायात्युत् वे तः देवः दश्चितः द्रष्टारः व्यवः देवः यः श्वीतः दः विम्यवः सः विदः द्री विश्ववः विवेतः विवेतः विवेतः विवेतः विवे श्चे.प्यंच. क्षायाः क्षेट्र. चार्डः चेयाः तयायायश्चेताः तत्यः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः चेयाः चेयः ग्रेल क्षे त् श्रुव प्रतारे ता का हेन् प्रतारे न् मा है हिन्दि विम्ल है। द्वेर द। चयाञ्चा आहे रागुरा देया की विवाया या विवादी | दिया वा क्षेत्र वा वा ता स्वाया या स्वाया या विवादी मला बुवायत्या दे । वि दर बुवाद देवायाया देवा दे हे द विवाह । देवायाया देवा वा वा वा स्वायात्यात्रम् म्रास्यायाचात्रम् भ्रीत्यावात्त्रम् अर् अर् अर् अत्राचित्रम् स्वायात्रम् क्चिंत्यमम् सम्बद्धार्याच्यायाच्यात्रात्री रद्धाः मिर्द्धाः मुदान्द्रात्रे द्वार् म्यायायायाः विद् चति छिरः र। |र्धेरः व। नरः स्वावा शुः तुवायः प्रतः वः क्रेरः धरः देवः धरेः तस्र वायवः *ऀॻॖऀॺ*ॱय़ॸॱॸॣॱय़ॖख़ॱय़ॱय़*ॡ॔ॺ*ॱय़ढ़ऀॱक़ॕॱक़ॱढ़॓ॸॱॸ॓ज़ॱय़ॸॱॹॱय़ॖख़ॱय़ॱॲॸॣॱय़ॱॿॎ॓ॻऻॺॱय़ॱऄक़ॱॻॗऀ। चुबाया:ऑन्:यःर्वं बाने बाने विश्वता ने प्रतिविद्यात्ता ने प्रतिविद्यात्ता के स्वता स्वता स्वता हो। स्वता स्वता के**र**ॱधरॱदेशॱधदेॱर्मुॱसॱपदेॱरेग्शॱधराप्यंत्रप्यः व दंत्रः व केर्प्यः हेर्प्यः देशः रूपः विदः…… वयः रट. में . ट्रं या मृतः प्रते . भे ना विष्या या ध्येव में भे ना दयः है . भे रा विषया देवे छैर दे क्षेत्र रे गुल प्रका ह्या पर र सु द पान **लट.घ धु.घ मु. पद्ये. त ज्ञे ल.घ. ल ह्या** <u> イロエ・ゼ・イエ・偈の・イエ・柔</u>図・ロエ・みの・ロ・素図の・ロ、近て・ロネ・光・ガ・みて・ロカ・スエ・カ・光・ガの… श्वायाः स्त्रेन् । विषाः हे ति इस्यान्याः नी में विषात् सुवायनः त सुनः वि देवे के तवनः चतः इत्रः चरः न्धुनः चः केतः ग्रायाः चरः हेः क्षेत्रः ग्रावतः चतेः त्रनः मेः हेः वतः व्यन् । वाः केतः । वाः के नु:न् श्रेम्यःस्रः दश्चरः दः न् श्रेम्यः सददः सः धदः है। रेने भ्रेर रर प्रवेद ग्रेय हर र *ॿऺॴ*ॱॻऀॱचरः बीचः ह्या । बिथः नायायः चरः नाशुर्यः स्था माञ्ज नायः ऋॱयः संग्रायः स्यः यः तर्ने : इयवः ळॅन् : तुः खणः गुरः ने :विं वः तः न् धुँन् :यत्यः न्दः न विवः ळॅन् : बेन् : न् धुँन् :यदे ···· देन्यः ध्यः नृहत् अः द्युनः ध्यः देः द्वाः तः देव्यः ध्यः ध्यः वहन्यः धः अः दहन्यः में वेयः क्षेतः न्यवः यदेवः यदः यदः यद्यः यदः। रेग्यायस्ति न्धन्यः च्याः वयः रेग्यायः मेयायः क्रेन्-य-व-गुव-ह्य-य-ने-न्न-तहन्य-य-तागुव-ह्य-तहन्य-य-ताबे-वाव्य-य-वेवावर-नु मुख्यायाध्येत्रात्त्री । मात्याने र्यात्रात् वेत्राय्य् स्थित्रात् म्याः स्थित् स्यायः स्वीत्रात् मानाः सर. ब्रुल.च. चा बु चाल. र् ट. क्षर. च.ल. स्र्चाल. सप्त. ग्रुव. ह्रं च.स. तर्र. र् च.ल. र् चाल. सप्ते. यह चा.. म. भेष. में. बेबेबे. में ब्राया लेष. वा रे. पर्य प्रायं प्रति प्रवित्ता विताला स्थाया वसरारु न् नु न माना परा द र र पाविद र्थे न् र से न् र पित र माना सरा सा हे न् पित र द देग्यायस्य गर्देन् पते र्देन् प्रति देन् प्रति म्यावे द्वायस्य ह्या स्यावे ह्या स्यावे ह्या स्यावे स्व दे.प७्रस.२.५६ म्य.पदे.यष्ठयःम्वमःमेयःगुरःम्ब्रम्यःसम्बर्गःग्रेःश्चेःदम्मःयःम्बेम्यःपः

दैरदिमाहेदाग्रीम्त्रह्पापर्चमापर्विष्ठिरातुः नेदातुः छेपाया छे। यरामद्राप्ति विषा ଵୗ**ॱऄ**ॺॱय़ॱ**୷**ॱॺॕॺऻॺॱय़ढ़ॱॶॗॴॱॸढ़ज़ढ़ॺॗॎॴॸॱॸ॔ॸॱॺऻॿॖॱॺऻॹॱॵॴॺॱय़ढ़॓ॱॶॗॴॹॗऀॱढ़ॺॗॎॴॹॗॸॱ तर् ख्रुर: मते छेर तु त्यवायाय वर् माया या चेर वया रे त्या रे याया यदे त्या या छर के तर्र् त्रम् वर्षः तपुः र वेचा वेदः वेदः तपूर्व । विदः विषः द वाः हेवः वेः गुवः ह्रवः र्षाः देवाः र्वः यः चर्यः मृत्वः र परः ह्राः स्राः स्राः त्राः मृतः युरः हिर् क्षेः गुदः ह्राः **ক্রমার্শ্রমার** देगरा परा न ग ग में वेरा समें प्रमें प्रमें मुं प्राया ता मिं प्राया बदा न पर में रूट प्रवेदाय में ग बुकायाक्षर। ब्रिन् ग्रेकागुवाह्मयाने नकायकात में ना बुकावानि सकाग्रदा ब्रिन् कार्ने दे मुन्का त्रैशः वै:देषायः पयः विषयावः विषयः वः वि: वदः वर्तः वर्त्ते व्याः विवः विदः विः वयः क्ष्रं यः चेष्ट.षेथारा.हो। मते.र्गात.श्चेर.धु.र्म्या.तथ.पर्टर.ता.लुव.धू.र्षय.क्षेत्र.तथ.व.भीय.क्षेत्र.तथ.थ.प्रेय.भीय.क्षेत्र. चल.**ञ्च. विजयान्यः पञ्चवः ह्र**। । ञ्च. विजयान्यः यः चन् रमग्रामा वात्र हिना हे वः ग्रीः ग्रामायः स्थः नर्दे ८.६.७४.मथिटथ.रकाट्र.४२.पष.४.४.४४.४५.के.४.४८.ज.४.४४.४४८.व्य.४४८.व्य.४४८.व्य.४४८.व्य.४४८.व्य. न्द्र-परान्द्रन्यालकाक्ष्रवराक्षेत्रकाक्षेत्रका **1子如牙子大如花木類**四 इयय.ग्रेथ.ग्रेट. द्रचेय. तपु.र् तिर.त. पर्वेच. प्रा.वें. द्रव. मी. द्रव. पा.स्वाय. तपु.गीव. ह्र्य.त. इयया नगाना सः दः रे गाया सः दे या की हो न् प्या भी हो ने गाया सः दी सा भी दः ही। मञ्जाताः स्माताः सः स्नातः द्वानाः यदेः द्वानवनः हः तः स्माताः यदेनः हेवः यः रदः र्नतः प्रतः हर शे. तर्मेनः प्रतः भी रे. केर् तायः न्ध्रेरः प्रतः देन्या प्रतः तर्मेनः प्रतः श्रीः नः वै भेव हु बै त बर दे। र्हे न' एव ' व' ने ' ने नि ' न् र्वे न् ' प्रते ' ने न्वा प्रायम् न वि दर्भ न ' वा र्ने गुरा य : धॅर् : ग्री ब्रुवःसवरात्त्रं सामञ्जूरःपवेःहरःस्यःत्र्म्नाःसःयःह्न्य्रयःस्येर्ःयदेः क्षेत्र.रटा रे.हर्र.र व्य. तप्र. द्वाया प्रत्याय मृत्याया नि.म. नामा पर मित्र क्षेत्र प्रत्याया वि ब्रेर-र्ना १रे-वेर-र्ध्र-पदे-रेग्य-पय-क्रु-च-वयय-ठर्-श्चे-दर्मग्-ध-दे-श्चंन-र्धद्-न्न- च.ची चोथा. तथा.चीट. चोथाला. चर. चोशीटथा. हे । वाबु. वाक्ची. वादु. य ग्रीयाचा याथा। पर-र्धर्-पःपर्वे ताक्षे, पः इयायः वयवा ठर्-तु-पग्नायः व्यवा द्वा चुवाक्षे, पः येर्-पर----यः न् मा मीता हो प्रमः माव्याप्यमः त श्रुमः यः विषाः व। हे दः वेदः द श्रेयः प्रमः व श्रुमः पः श्रेनः यमः वलः परः व शुरः पदे दहे नवः पवः देः द् नः दृरः पष्टु दः परः वैः वुदः श्री देः दृरः वैः द नवः **यःश्चुः अः तः र्वे न्**वारा र्वार् प्रतः विश्वेतः र्वे | विश्वः नवातः वरः निश्वरवः वि **|** 柔如. ゼエ. **र्च्चर्**न्यः दर्श्वः वेषः यः देन्देन्वः दर्देन्। यः द्व्यः प्रदेन्। यदेन्। यदेन्। विक्वेः विवयः ङर्-तु-वग्ना-घ-वेवाय-वे-र्गन्-ग्रु-ल-ष्ट्र-पर-अ-धुर-पर-क्रु-प-धेव-छर्-वयवाकर्-..... |ॲॱन्_{न्य}ःवेलःसंन्यःग्रेःर्द्रदेःश्चेःनःवययःठर्ःनग्नःदःॲःन्नयः বশ্ব-ক্রথ-রেম্। ग्रु-तु-त्-रे-द्यत्-वी-द्र-ता-स्वावाय-मिलेव-तु। रॅव-ग्रेत-सववतःकत्-ग्रुवाक्षंत्र-पदि**ः** र्ह्याबर् रु.व शुरायारे कुर्व हेवाय हेया बेरा परि क्वें वर्त परि वर्ष रामिता परि वर्ष चेत्रप्रते सुरापः वसरारुत् र्दः त्रायः नदीः सः न्वयः मेत्रः मेत्रः संग्रायः पदिः क्रेयः न्यः र्दः । श्चि यातास्विताताः न्दात् प्रतान् वर्षे श्चेत्रःध्य ड्रेयः नप्त । मदः चल्ने चक्कुः चतेः द ब्रेयः च त्या व्या केः श्रेषाः यः स्वयः श्रेः श्रेरः वःरेते क्षेत्रः हे क्षेत्रः वेणः यः सण्याया प्रते न् वदः यं तदे इययः ययः ग्रीः इयः परः श्लेवः परे देः चरः स्यः परः नवनः डेःव। डिःविः चं ठनः नैयः वर् स्ययः ग्रेः स्यः धरः श्रेवः परेः स्टारं हेरः चिता.धे.श्रचाता.स.इययातचूंचा.तर.श्रचातातयारे.हि.हेर.श्रच्याचाचा.श्र ন্যান্নতা वा विस्वत्वानी इयापर र्धेर्पा दे रदा प्रविदाय है ता प्रविदाय है र छेर्पा हैर छेर से । र्दि:इ.२०।१८८४८८६४८६४४४८८१ में इ.१५४८०० वितःतात्र्येवे वृत्रांत्र्येव्यातात्र्ये मिराहे व डिराम होया पर महिरा पर था ही स्वा पर ही व पा हे र दे हो स में न में विदे

र्रे-वेष-२म्बर-पर्य-दर्न-दय-वेग-दर्ममःय। दर्न-दय-वेग-ध-दर्मम-देष-भेद-हु-म्बययः चरः नश्चरतः धरा तर्ने : क्षेरः तद्वेर् : धः त्री : श्रेनरा नश्चनाः तुः नश्चरतः त्रा व्यः नश्चरतः वययः ७८.ल५८.५२.न४.९.४४.वे..वे..५ब्रू.४५व्याचा हेर.री.लूर.तपु.रर.ची.रू.प्य.लूर.त.र्चायातयायच्याचाता लूर.त.द्याश्चरव्याची देग्यामः इययः नदः चर्वेदः तञ्चयः चः सुनः चेत्रः च्याः वयाः वेत्यः चर्वेदः ळ्ट. अर. ५ क्ष्य. च. लुब. चय. देय. चयाचा. चयर. रट. चलुब. चयाचा. ड्रथ. चर्ष. द्रेय. लुब. चया... यवः नै। विषः ज्ञरः न् में यः धरः ने युर्यः है। युरः ने देः दर्धयः हैन् वया देवे:श्वेर:यावरा ययात है मा हे दा यदे र दें दा ता है। अर् प्वर् प्यदे ह्या पर र धुर् पा रे विंद हे र अर्थर प्या ৴৴ৼৢয়৻ঀৢ৻য়ঀৢৢৢৢৢৢয়৻য়৻য়৻৸ৡৢৢৢয়৻য়ৼ৻য়য়৻য়ৣ৽য়য়৻য়ৼ৻য়ৢৢয়৻য়৻ঢ়য়য়৻য়ৣয়৻য়৻ঢ়ৢঢ়৻য়৽৽৽ ब्रिज.त.जय. ब्रीज.त.प वैट. पप्ट. क्षेज.टे.प ह् च. हे ब.त. घशय. १८. 32.2.lad.224.21 | 144.24.44 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 144 | 14 |बेक:स्रा ारे : क्षेत्र: व. त्रदः चीवाः चरे वः यः चा देवः ग्री: इत्रः यतः चल्ना यः चुलः यदेः मूँ दः न् अः नृहदः त्यः द चे चलः यदेः मै गृलः यलः गुवः हूँ चः यदेः क्र्यः यरःः चलनाः यः नार्वे न् दि निने वः यः नाष्ट्रे वः स्या यत् वरः तह नाः यते । इत्यः नालनाः वः वरः तन्यः । ब्रैट.च.लुब.चबा परेव.त.बेवेश.इश.तर.५६वे.त.फ.सेज.2.वैट.पप्र.श्रापथ.तर.ह. इयाम्बनार्ने मुक्रेयात्यक्रात्म्वात्यः द्वरा चरा खरा खेरावा केर्रेवर वामाहवा **\$4.22.** लात चे पर्या पर्या दे ने बारा पर्या गुव हिंचा पर्या ह्या परा पत्वा मारा शुव त चे व परा व वाया पर्या थेवा र्दे। । क्रेनामयायाययायाः। हिन्देर्देन्द्रयायान्त्र्यायान्त्रामुन्देन्यायायाया यतः ताः तारः त वर् । याः पञ्चाः वतः रे गताः यः यवः यवः यः तत्तः ने : इत्यः यरः त हे गः यरः ग्रेट्ः यः

थव-द्रा **ऻऻढ़ॱय़॒ॱॳॖॱऒ॔ॳ॒ढ़ढ़ॱऒॖऀॱॻऺॖड़ऺॳ॒क़ॱक़ॱक़ॸॱॳॾॣॴक़ॴॹॴॹढ़ॷऀ॔ॗॗॗॱॱॳ॔॔ॗॗॗॴ** हे दॱपदेॱधुं नलःकेन् 'लःनवलःहे। गुदःह्नाग्रेःधुं नलःन्हेन् प्रललःपदेःधुनःपर्मन् पदेः तवर्'यःन्ववर्'तवर्'यःन्ववर्'ग्रेशः व्रेन्'वर्'। तहेगाहेवायदे ज्वानायका ढ़ॖॸॱढ़ॾऀॻॱढ़॓ढ़ॱय़य़॓ॱॾॴॶॻऻॺॱ**ॳॺॱॶॺॺॱय़**ॱढ़ॗॕॸ॔ॱॺॕॎॱॿॕॖॻऀॱय़ॸॿॖऀॸ॔ॱय़ॱॹॿऻ इत्य.ध्र.त्रा.लुद्र.ध्रतागुद्राह्यात्मत्राष्ट्रव्यतायदे शुप्यावदःश्चापावि त्राद्राद्याया गुद्राह्या **बे**'द मॅग'मॅ'.वेष'ग्राबुद्दरा मेट्रा दे'हेर्'स'र् धॅर्'यदे'रेग्राय पदे'र्धर्'य पहुन्'क्स गुद्र-ह्याया स्थलाय हेना या ता यदेदा निवेश यहेना या ता की स्थान स्थान निवास निवास निवास निवास निवास निवास निवास **ऍ**ं पः पदिः न् चु न्याः **र्व्य**यः देन्याः परायः दर्नेनः पः देः श्चॅं पः दर्वे दः दर्ने देः द्वे द्याः पः न् हदः यः ः । | बर्दे रः दः द्तुः बः वरः बः बर् ः रदः क्षे पदे दः यः गृष्ठे शः ग्रेः क्षः यरः पद गृषः धव-र्वा **डे**र्-तपु.पत्रवायासीयाग्रीःश्चितःस्वरःश्चितःस्वयःग्रीःस्वायःय। ग्राःचनःग्वदःग्रीयःद्विः चनेदः महिलामी इस मलमात्यतम् वात्र दुः श्चेमा सः व्यन् गुरः। वितरः मीतः इस मलमः खुदःदच्चेदःधरःदर्नःधःदेःग्रेगःग्रुटःयन्यःयःधदःदेःदेवार्षःदःठगःश्चद॥

पद्मायाः सा स्त्राची स्थाः स्था स्थाः स्याः स्थाः स्य

तर्न्न परा ने विं व किन समापरान् धुन पा ताद है व की अर्घेट पत ट क्न सरावराणा येव व रे दे प्रे प्रेव र र । माया हे र है मा हे व र कर या प्रेव व व । पर हे मा हे व रे हिर बर्झर नयाय वर्षाय व वर ग्रीय। । है र में याय धर्माय परी त्या ग्रीय है विन ग्री ান্ত্ৰব र्यः ळन् : अरः रेग्रायदा र अर्थे व विद्याग्युर्याय ने दे हैं। य ग्रेयः है श्रमा ता. पतिः क्षेत्रः क्षंत्रः विषयः प्रः विषयः प्रः प्रः प्रयायः प्रः क्षेत्रः पः तः त्रं विषयः पः तः विश्वेषः पः त श्व नु न्द नठरा म अप्येद सर त शुर म विग द दे दे दे दे सर अप अप्येद दे | दे दे दे द इयः गुवः वहेषाः हेवः कर् वेवः रेखे छैर। १रे हेर् अपलः शुप्तहेषाः हेवः पर्वेर्धाः डेल.चेथिरथ.तथ.थ्रा | रुचेथ.त.२ेचे.थै.तपु.प.चेल.च.लथ.ग्रेटः। दे.≇श्रथ.ग्रे.ल्र्रःतः वेर्-तु-सु-व-वे-रे-वेर्-अर्झर-व-अ-धेव-र्झ-वेष-चु-वर-शुव-वं। ।रे-वेर्-ग्रु-धेर-वर्ख देव.पर्याग्रेय। शुना.रट.इ.च.झ.लट.क्र्.ज.शुवा विवास्वेया.रट्य.तयाव.लीया विर्नायर ठवारे विष्व हेर्याय कर्षाय प्राचना मी सुलाम बदाया या केरा मेदा हु म्ययाचर दूर है। रि.क्षेर ब.वेश व.प होया छेर रिपर प श्रूर हे श्रेमा या संग्रायते नेयायायदीर्मा वा श्रेन्यते देवा मही मया श्रे स्वामा वा कर्ष वा व्यामा विकास कर् चति धुर.रु.प व गरा तथा चर्या थे र में या चर वया मा लेया है। व दे के मा में मेया चया न् च न्या भेया व मि जेव ता पा इ ता देव अर जिल्ला वेया पा न्या व ज्या मु न्या मु न्या मि स्वाया नक्षः नते श्रीरातु तथम्यायायाया तळ्यान हॅम यो त्रात् निया ने राष्ट्र मेन पुरत्र प्राया देवा बी.पर्ट्रेट.त. के. बुंबा खेता द्र.य. पष्ट. धर होत् या दे . धर केया भेदा हु वा तहोता चा लेवा में । बी पश्चा पदे मेया या दे तह वा हेदा द

क्र- व हेर्र र वर्षर व द्या पर नेव पतर न र वर्ष व तर व व विवाद व व विवाद व व व धेर.पहें ब.त.पश्चि.पद.क्र्य.२व..रट.श्चै.श.के.पेर.चश्चरय.श्री । विट. हेवा.पहें ब.स. पश्च पते :क्रॅ*ण ठव : र् प*ःश्च :बःक्षे :तुःश्चेदः यः **रे** :दैःदी :बै :वी पश्च :पि | इवायान्वत्रु. न्वरायते न्द्रेराया स्वरायान्वता तुः ब्रुटा पति क्षेत्रः रे। । दे त्वरा श्रुटाया विक्रान्य *वेत्-तु-च*ङ्ग-सन्-त्रेग्वास-वाधेद-हे। इया-सन्-वेग-सम्बद्ध-वर-वर्-वर्-वर्-वर्-वर्-तु-वयः परः त शुरः पर्दः धुरः रा । विषः श्रेषः या प्रेष्णः पर्दः मेषः यः इवरा छन् । या धेवः यः श्रेरः नगमाना से हि हिराहरा हु वादा परिन्दी वैमान्स दा दे पर के ना विकास के ना **बियः** *ख्र्_{चाया} र्ट. चु.पट्ट. पट. र्ट्चाया* सह मान्या भेना है. के. पया लेप हैं. पश्रापर पट्टा 15. *भू*र-वेग् गे नेरा-य-य-र्वेग्वर-य-इवरा-वर्देव-तुव-धेव्-य-द्र-क्द-व-धेव-य-प्राम्-य-दे--हॅं गः ने: पदे: दर्दें द्: पः प्रमानः यः भेदः पदा हॅगः बरः देवे: दर्दें दः खनवः पहें दः दा । पदिः पक्कः चर्षः य ग्रीयः चः यहा हॅनाने पातरि वैपदिन हेव पति र्नेव लान् व वा चरा पति छेरा यर च पति धेर विर में अस्व श्वाम तिन धेव लेश पत्र विर पहना पर चैरी প্রথান। পুরানা আইবারী মার্মানা প্রানা প্রানা বিধানা দ্বানা বিধানা বিধান पदा हिनायः तरे के विन नर देव त्य बेर र्र रेन्य शुक्षन धर क्वार रेन्य राध लुगला पते त तु ने लाग्ये र सं है। दे प्राचला पते क्षेत्र प्राचला स्वाधित स्वाधित ने लाग स **वै**ॱॶॖॖॖॖय़ॱॻॖऀॱॸॸॱॻऀॱॺळवॱढ़ॆॸ॒ॱॻॾॕॸ॒ॱॸॖॗॱऄॸ॒ॱय़ॱढ़॔ॺॱढ़ॏॻॱय़ढ़ॹॎॗग़ॱय़ढ़ऀॱॿॖऀॸॱॺॸॕॿॹॗॿॱॻॖऀॱॱॱ য়्रयानह्रन्यान् मे वेयान्युत्यामः क्षेत्र हेनायान्तरा वियावियान्ये मेवा य वै अर्दे व शु वा के न र दु र र दें न र दें | दि या वा यह वियान वे सुया की र र की वा विवार के निर्देश য়ড়्यःतहताः प्रधाः याची व्यवः श्चाः पाः प्रवेशः प्रदेशः प्रदेशः प्रदेशः प्रदेशः प्रदेशः प्रदेशः प्रदेशः प्रदेशः र्गामीम्बल्यानुः धेदायत्। रेर्गाळर् स्यरायम् राष्ट्राध्यास्य स्रित्रे रार्मी सर्वा *ঀৢৼ*৽৾ঀয়৽য়য়৽য়ৼ৾ৼ৽ৼ৾৾ৄ৸৽৸ৠয়৽ৼয়য়৽৻ৼ৾ৼ৽ঀৢ৽৻ড়য়৽য়য়৽য়৽ড়য়৽য়ৼ৽ঀ৽ৼ৾৽য়য়৽ बुनः यत् अः रदः मैं :अर्छदः हेर् :ग्रैयः श्रुनः भें नः क्षेर्-दुदरः श्रेः निवेर्-ययः र्वदः यदेः मेयः याने इया र्राया विद्राया विद्राय विद्राया विद्राय בחח ייי אָ לִּיבְ אַמִישָׁמִי פַּבְי אַרִים שׁמּבְי אָרִי שׁבְּי אַרִי מּבְּי שִּבְי מּבְי שׁבְי מּבְּי שִּבְי त्म्बा-क्ष्याक्षा-व्राच्याक्षा-व्याक्षा-व्याक्षा-व्याक्षा-व्याक्षा-व्याक्षा-व्याक्षा-व्याक्षा-व्याक्षा-व्याक्षा य चीचायाः स्रा क्रे-बे-ह्यु-च-वे-ळर्-बदे-बळव-हेर्-धेव-धदे-हु--र्रा | दि-व-पह्यु-खन्य-न्र-धेव-ह्रु बाव्। इयायाम्बदानुःम्द्रायदेः न्द्रतायायः इयायाम्बदानुः द्वरायः विवान्वर्रायः विद्यान्यः विदेश्येदः हे। र्वर. नेयः इययः यः व्यञ्च वयः श्रुः र्वेषयः स्ययः रहः वेः यक्ष्यः हेर् ग्रीयः यः गुन निवेदारु नियळव के निर्देश्य नियम दे निया नियम के दे निया कर् धेव-वॅ वेष-पःहे। वर्र-व-र्वर-पर्ये वेष-पःरे-र्षाध्यावि ररःवहव यः वर्षः लुब.धे। तीपा.रिप.रट. अक्षब.र्डेट.च.प.क्षेंब.धे.चधे.वपु.वी.रेडीर.धे। तीपा.रि.रट.बी.अक्षव. वेर-ग्रेयःह्रंट-पर्वेद-तु-रट-अळद-तु-इंट-पर्व-ध्रेर| र्वेर-द्रा न्नि-पवेत्रःइट-पर्व-मेथाना चल्चि क्षेत्रा री. रेब्र्स्या नर्दा विर्दे जार्द्य स्थात्र र श्चि चया दे विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व रदःमै अर्डन हैर् रु ग्रुप पर्दे रदः पर्वे न अर् न रे र् म र्ने न हेर् पर्दे सु व पर वसवार रू য়ৢ৵৽ৡ৾৾ৼ৽ঀ৾৾৽৽ৼয়৽য়৾৾ৼ৽৽ৼৼ৽ঀয়ৄৢঀ৾৽ড়য়৽ড়য়৽য়৽ড়য়৽য়ৼয়৽ व्यट.वे.ती.वा.क्रंच्या.व्यं व्यव्याच्या विष्यःक्रंच्या व्यव्यःव्यव्यव्यं व्यव्यः बढ्दान्तेन् त्या द्वर् वर्षा वर वर्षे पर वर्षे र दे। विषय द्वर्षे वर्षे वर्षे

 ξ . प्रथा चित्र प्राप्त प्रथा क्ष्र क्ष्र प्रथा क्ष्र क्ष्र प्रथा क्ष्र क्ष्र प्रथा क्ष्र क्ष

रेदे क्षेत्र रदः बद्धदः यः द्धदः यः प्रदः यः प्रवः यः प्रवः वः विषयः व्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व्यात्रः अत्राधित्रे विष्यायः स्वायात्यः स्वायः व्याद्धीत्रः वर्षेष्यः वर्षयः वर्षेष्यः वर्यः वर्षेष्यः वर्यः वर्षेष्यः वर्षेष क्षेर्-तपु-चेथानान्-लुके विषयाक्र-पाक्र-क्रानिवीयानपु-तपु-क्षेर-र्टा क्रुवी.चेथज.जय. ने वे क्षेत्र ने क्षेत्र कर् या वि त्याय वहिंग हे व गुः में व ह गाय पत्र स्था पत्र वहिंग मः भेवः कॅ : ले या या देवः शुवा नृदः हेयः नृ मणः नृदः सुदः नृदः लेदः यहः युः स्वः या या **ঀঀঀ৾৾৽৶ৼ৾৴৾৽৻৴ৼ৾৽৻ঀ৾৸৽ঽৼ৻ঀ৾য়ৼ৽ঀঢ়৽ঀৢৼ৽ৼ৾**৾৻ 187.4.22.464.2.5.2.2.92. मुक्षा गुप्तः या प्रमाना ने स्द्रः सन्दरः मावत्यः मुक्षः वषः प्रवापितः हे दः दर्शेतः के त्र विषाः है। ने-न्न-गुर्- स्व-हंब-हंब-प्रतायकात गुन-पर-त गुर-हे-छन्-सन्न-प्र-व-रे.बेर.जवा म्बर्था च देः र्दे दः र म्, हुः द शुरुः यः मृब्यः च देः र्दे दः र मः व्यरः दः दः दः दः दः व शुरः श्री। ळ्ट्-अ.ट्ट.चेर्षज्ञ.चेरेथ.ट्र.च्र.केट.क्रुय.ब्रीय.बीच.त.तू.क.लूच.चू। विय.चेश्वरय.जू। देवादाः राम्यः राम्यः व्यवः यदेः धुः दरः गैः त्वावः कुषः पञ्चरः यदेः गर्देरः यदे । यदे राम्यः वर्षः दायः राम्य मका नक्ष्रन् मदे न् नदः वीवान् नदः भेवाता सँगवा मः इयवा मदः निवेदः खेन् निवेदः महः । चविष् र्येन् धते स्थापत् हिष् सर र्ष्या पति तिषा प्राप्त वे स क्षेत्र पति हिष् के मार्य पारा ताः चाक्षेत्रः शुः चल्नाः में ।

चाक्षेत्रः स्वायः चल्नाः चल्याः चल्नाः चल्याः चल्य

र्वरम्याम् वर्षर्वा कुर्वरम्य वर्षा वरव्या वर्षा <u>र्ट्</u>श्चन रोट्रायासँ नवारा प्राप्त क्षात्र स्थान स्य मक् के ब र वर वर वर वर वर के वर वर के वर वर वर के वर वर वर वर के वर वर के वर वर वर के वर्ष के वर है या सर र्रा है र्रा से स्राप्त र्रा श्वा या स्वाय पर द्वा पहें र्रा पर स्वाय पर इयय.र्ट. के. यप. पूर. इर. लेज.र्ट. रेथ.विर.तर. १४. के. वर. वीर.त. प्राथ्येचेथ.त. संयय. का र्मर संभागकॅर्यर बेर् पते क्वेक के स्वाक व्यूर माधिक है। रेर्ण केर्पर स्रायान्त्रं न्रायत् केन्राया वरावाळ्न्यान् ना केन्रायत् ना केन्रायत् ना विवायत् व मुः वः सुः वः स्वायः धरः दहेवः धवेः मुरः त युरः र। दिः पवेवः रुः वेवाः दर्धवः याववः वः स्चेषः तथः रचः भैः श्रुरः चतेः स्वेषः ८८ः श्रवः तः स्वेषः पः न्वाः ग्रटः वेषः परः चिद्। । ७८**ः** गुःनाईर् धरः ग्रेर् धरे रे र् गःर्रः। धरःर् गःयः याधेदःयरः ग्रुराधिते ग्रुवः धरे यवतः ण.श्रमथात्र.च.र्ट. इंथ.श.र तमाताकेर.इट.च.रमाहे। वेथ.मिच.श्रवर.टब.त.रट. निष्यः क्ष्रेन् त्रः क्षरः क्षरः क्षरः क्षरः क्षरः क्षरः क्षरः निष्यः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः महिल्मिन् र्रेन् महिन्या स्वाया प्रत्राची | देवावा सामिति स्वास्त्र **ॕॻॖऀॱॶ**ॣॖॖय़ॱक़ऀॱढ़ॕॺॱढ़ॺॱढ़**क़**॔ॱय़ॱक़ॗॸॱॹॗॸॱॹॖढ़ॱऄॸॱऄ॔ॸॱॻॖढ़ॱॺॱॸ॓ॺॱय़ॺॱय़ॺॖॸॱय़ढ़ऀ᠁**ः** न्द्रं न् पर्दे न् न् व्या क्षेत्र वि क्षेत् त्विताक्वाम्वितक्वाम् द्रामा अर्गामा विष्युत्र मा विष्युत्य मा विष्युत्र मा विष्युत रर ने अळव के न सक्ष्म न न व्याप ने पर क्षिय न विकास के विकास विकास देशःदःदव्वितः नरः दर्द्दःद्वेषःयःदेःक्षःदःवेषःयःदेःद्वःगवात्रुवः**ष्ठःतः।** इया धर वहना धरे छन् सर के तबन्दी वाक्षन् नित्र महन्ति महिन्दि । वाक्षन् नित्र महिन्दि । वाक्षन् नित्र महिन्दि । क्षेत्-दु-रू-मी-सक्ष्व-देर्-ग्रीयाम्यान-सदे-स्-स्-स्-पर-मलेर्-स-ध्व-हे। यता गुव पह मताता रदा मी अर्बव केर् दुर् गुव परे दे में बेर् पता वर्षव केर् दे में केर् बेर् धर वह र्धा वर्षे ना धार्या गुरु वह नेयाया वह नेया हैर र्रा वह नेया प्रेया ने ㅋㅋ ק ים : פַּמי בְּמי צִׁי בָר יִפְּקִינִי הַ יִּקְיִיםְי קּיִנְי פַּיִיםְי פַּקִיםְי פַּקִיםְי פַּקִיםְי פַּקים יעלי אַ יַקִים פּקים יעלי אַיקים פּקים יעלי פּקים יעלים יעלי פּקים יעלים יעלי פּקים יעלים बळव वेर् केर् केर् वेर् वेर् वर वर वर्र् रव। म्ववर पर मेर्र वर्ष वर्ष स्वर वर्ष तर. प श्रीर. इ. षु य. च यो व. तय. व. व वव. र घर. य. व. श्रेर. थे. रट. वी. बक्ष्व. केर. ग्रीयः ग्रीयः ग्रीयः ग्री तर्ररः नायः हे स्वा वायः वेयः व्याप्तरः व्याप्तरः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः यह ग्यायाये संक्षेत्र ग्राम् धेव या दे बेदाई ले व व दि द्राम् या सुराव यदे वया या धेवः 교수·대·교통수·대·수도·윤희·등·교통수·대·재·평소·대·수리정·대리·영소·국 1g4. नशिर्यः भेरः। देवः तज्ञेलः चन्नरः दृःश्चिषः रयः नश्चेनयः वहुत्यः भुना वहुतः वहुः इत्यात् इत्राञ्चित्रायात् ना गुद्राच हन् न्यायायते स्टाचा केत्र वे व्यव्य केत्र स्टाचा केत्र वे त्या वे वित्राग्चिकास्यक्षात्रेत्रवित्रचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचे वात्राक्षेत्राच्यावेकाच्यावरास्यक्षेत्राच्या ष्ट्र-पर-तुःधेन्-तान्ह्न्-पः इया पर-हें गायान्द्रः क्षेगाः तुः पहन्-पानः क्षृन्-तद्नेग्यापदेः स्-स-विन्-पान-पोव-प-ने-बळव-वेन-स्-स-वेन-बेन-पानेन-क्रेशकार-स-वेन-स-वेन वेयाञ्च न्दः र्वेया पश्चरापदे ग्वव न्दराया वा क्षेत्र प्राव्य विकास वित गुद्र-मह्मूष्यायात्र्र्राची म्बद्र-द्रायायळद्रावेत्र-देर्व्यू-प्याप्ताया द्वःग्रदःम्ववःययः हुः नयः नदःययः हुः नदेः दः देन् छन् ययः दः दः देन् अन् यः देन चुद्रः देवा तर्द्रः मा धिवः व् । । यद्रः द् में द्या त्रोता त्या गुरः देः पदेव र प्रत्र व्या क्रयः यथ. दे. यूर्-रेथ. रू. बुर्-बुर्-त. चीश्व य. बु.र मूर्याय. च हेद. तथ.र वीश्व प्राय विवास मुद्रेयःर्टः च्याः पःर्वः तृः पष्ट्रवः पर्वः श्वेरः देयः पर्वः द्वः विः वः मुल्टः यहं मुणः परः अहं र्ः |बेषाम्बदार्वरायार्द्द्र्यः व्यायरार्द्रः द्वः वृत्ः क्षः वृत्रम् वायाः गुदावहम् वयः य धेव दें। धिव प्राच ने अने प्राच मा के ने ने जा बाद ने प्राचित प्राचित के ने प्राचित प्राच प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राचित प्राच प्राचित प्राच प्राचित प्राच प्राच प्राच प्राचित هِم عِلَم عَلَم عِلَم عِلَ चन.त.ज.थे.च के नथ.लुर्थ.ज.ब्रैज.र ह्य.ज.लूर्थ.बीच.थे.प्यू.च.र्रट.पर्ट.चर प्रविष्,लट.कुष्,प्रमुख,ग्रेथ.त. १४४.ग्री.बेबेथ.रे पर.ज.भीष.प्रकेष्ण्ये प्राचित्राची... लैपा.रे.द्रे.ल्ट्य.बीच. धे.पह्च.तपु. स्.स्.बेर्-बिश्व.बी. क्या.वेब. नेय.तर. वेय. वय.....

स्टान्द्रन् तथान् स्विताक्री स्ट्रिस्व स्वितान् स्वान्त्र स्वान्त् स्वान्त्र स्वान्त्

इस्यापा ठवा ग्री क्षां व श्वराचा धेवा है। रेगाया गरेगा पदे सार वा कुर वस्तावाया केरा याया व यातास्यात्राचात्रम् त्राश्चानन् वात्रम् त्रे स्वात्रम् त्रे स्वात्रम् विकास्यात्रम् विकास्यात्रम् दर्या परे पर्मा केर् की पुराया ता सम्मान पर्मा विष्य पर स्वा केर् धेर धेर केर विष्य केर सम्मान विषय सम्मान पर् न्बेग्याकुंद्र-त्नित्रम्। निवेश्वेर-न्नर-वविक्षाम् कुर्द्र-निव्वायकुः स्र-न्नर् या इयता गुताया न सून्या या या तिया नरा न हेन् । केरा वा सून्या सून्या स्थाना मान्या विया नरा न हेन् । वा सून्य र्बेग्रामुद्र-पत्तेर्पाधेदार्दे। । एड्ग्रायम्य दे। वाडेन् मेद्रायम् स्रायामु अन्यान्मरावेन्।रॅवार्वापराञ्चयामरोकेत्रत्तुःवापाद्वययाचीःगुवाद्वपःकुःतर्द्र्रेः..... ढ़॓ॺॱॾॖॣय़ॱय़ॱॻॸॱऀॻ॓ॺॱय़ॱॸ॓॓ॱॺऀॱॸय़ॖॱॺढ़ऀॱॸॺॗॺॱॸ**ॕॺॱ**ॻॗऀॱॸ॓**ऻॕॸॱढ़ॸ॓ज़**ॱख़ढ़ॕॺॱय़ॸॱॿऀॱऄॺॱ᠁ ঀ৾৾৾৻ঢ়৻ঀয়য়য়৻ঀ৾৾৻ড়য়৻ড়ৢ৾৻ড়য়৻ঢ়ৢ৻ঢ়য়ৼ৻ঀয়৻ঀয়ৼঢ়ৢঢ় | वट मट न न के सम कि हा त्रेशकः मः ने न् मा मैकः ग्रमः नष्ट्रकः नर्ष्टकः ग्रीः ने हिन् व्यम् स्वास्त्रः स्वासः विकासः विकासः विकासः वि तहना हे व . तथा तर्या पर्यः इथा इया व ति व हिना हे वः पर्यः इथा न् र यह स्था पर अदित्यः पर श्री देनायः नपु.बुर.हे। तेन्यात्राप्ट्रे.बु.बुब.श्रर.श.णुब.नपू.वुयायात्यातः म् अयाग्रीयादेयातरः चुत्रः बेत.चेश्चरथ.तथां कृ.च.ट्रे.ट्मं.चु.श्चेच.श्चय.धेब.श्चर.त्य.ल्बे.नथ.च्थेचथ.तपु.चे औट. वह्र्य.क. सुर. श्वाया व. केर. रेवट. मु. चब्रेर. रूं। विष्टु. चम्रु. चद्र. वर्गेषा च. पथा ग्रेटः। 引·日山·日·孝·エ·エC·山·夢·ロ·坐め如·引如·荒如·沿·圣山·田切·田仁·日本·智·大山如·紅·鸣如· ह्माक बेर् म्या बे ब्रह्म पर महीरया है। विष्य महिला मुक्त मुक्त द्वार्य वर्ष <u>र्नुः यः नलः गुन् स्नः हुः विकाक्षे लेकः संदे कः सेन् लः संविकः पर्वः न्र्रे लागः वाधाः</u> *म्वेतःकुतः* नदेवः परः मदः ५६६ द्वः बः प्रतः गुवः ह्वः प्रः प्रतः विवः विवः । ने। न्त्रुन्यः ञ्चार्थः व्याप्तः दे**ः दन् नः नैयः** यदेवः यदः यदेंदः ग्रुटः द्वुः यः ययः ग्रुवः ह्वः तुः **८५ॅ५**.त.च७४.४। ।च७.तम्.च५.४म्थत्। ८८८.त्तु. ५८८.त्तु. ५८८.त्तु. भ्रमल क्षे. रे. रे. वलार् नर: वेलाक्षे. क्रुरः ५ रॅन् यः नगानः केरः र् नरः व स्वलः क्षरः ह्रायः सः रमः न्रः ने ने नः न्रः म लवः नः या मानः धया ने न्यायः महेवः वयः मह मायः धयः मेयः मेयः मेयः मेयः मेयः मेयः मेयः ने र वे व न तु . ध्या इ बाब . गुर . पहे व . व बा पह गुब . पदे . पह गुब . ध्या . प नेवाग्री:ख्राय:तु:महादव:मेदा नेवाना इवया वर्दे **व शुवान न गवाना न दरा सुवा** इवया बर्देव-श्वियःबळ्व-कृत्-धर-पत्नेत्-धर्यःश्वेत-त्यॅव-दिन-श्वेत-त्यॅव-तेन्त्यःक्व-दिनेत-| इत्र. र यट. मेथ. पट. मी. बक्ष दे हेर्. ल. क्षर. श. लुब. त. दम्म. तप्. श्रेयश. इस्र.त.चेवय.री.चेय्य.तपु.रेर्य.त्.य.इस.त.चेवय.री.इर.वपु.छुर.र.व्ये **3**1 नश्चर्यात्रा र्यरायंत्रे भेषायायान् न्या भ्राप्ते नया रहाने सक्ते के राज्या महास्त्रा क्षर्-तु·धर-तर्ने-र्ना-त्वातानर-वर्तर्भः धेव-र्वे। |रे-द्व-तर-र्नर-र्विः नेश-धः इयला साक्षरा मुन्ता वाला ह्वा ला स्वाला पर्दे पुला इयला इया परा दहे वा पर्दे करा सरा स्वाला हिन त्वर्'स' बेर्'रे। रे क्ष्या त्विया पर तहें न पते कु वहंदा मूर पी रूर की सहंद कृर्-क्रे**ल**-बुच-पदे-ह्व-बेर्-प-दे-रूट-पदेव्-पॅर्-बेर्-इॅर्-पदे-रेगल-पदे-वेल-पल-----ধর্মন:না.লুপ্.গ্রী हे.पविषानायात्त्रास्त्री विष्याचिष्ठ्यात्रूटान्दान्व्यायान्त्र्याव्यास्त्रून्यायान्त्रून्या

यादी द्वरामा क्षेत्राची द्वाचा माने कार्या चित्रा पार्थे मात्रा स्वा क्षेत्र स्वतः स्व क्षेत्र स्वते &र-अ-केर-ग्रे*य-*द्रचेय-नद्र-मेय-स-ज-क्रेय-ब्र--र्-द्रग्य-स्य-द्रा ने-न्य-न्द-इ-अ इयरात्यः भटः नृगः नृटः विगः पदेः गुतः ह्वः गुः इयः नृष्ठेः भटः वहन् पः धेदः है। रेग्बरपदे मेबरपर्द वर्षक्र पदे कर्रायाय महेव वर्षा द्वाया पर्दे व्यवस्त *ॅपॅर्-तु-*ढुन्-गुर्-गुर्-पिवेद-प-र्सन्य-पर-श्वर-पिते-र्देद-वेर-प-कुर-रट-नी-बळ्द-वेर-तु-रर नै अर्द्ध ने दे ते श्री या स्रें र पित म व ग्री ग्री या स्रि पा ङ्गर:मदे:र्नेंब:पर:बेन्:या इन् निवेद त्यास्य म्या प्रत्य हूं मार्थ मा मुन्या पक्र का त्या स्वाया प्रत्र स्वाया स्वाया प्रत्र स्वया प्रत्र स्वाया प्रत्र स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्य ब्रेर.रे.र्ना.ज.घ.श्रेर.तपु.मू.र्य.र्माय.च.ज.च्या.क्य.यय.वी.विर.... पर बेर रें क्षेत्राव। दें व रर में बढ़व केर में व मा पर रे हें में रर में र र में व व व व व व व व व च.केर.ग्री.रू.ब.बेध्य.था.च.केर.स्.श्रूर.स्.श्रूर.सर.पर्यःजा व्यव्यव्यक्ष्यःयः व्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्य स्बराब्धेयामा वःश्वर् दि. सर् सर तर वा पहिना त्रीया यहा यहे**द**.वद्य.पश्चर. च.चं ब्रच्य.चक्र्य.रट. वच.क.ज.स्वय.त.व्रट. बर्ट. व्या.व्रे.चह्रव.लट.अ.रच.त.रट. व्य**.** रूव.त्.ज.स्वयातावाची वयार्टः युवयार्टः क्षराचायास्वयायः त. झ्यथ. य. झूट. या इटः चर्-डेग-वे. परेव. पर. ब्रटः है। रट. पत्वेव दे. ब्रान्य पर रटः स्वराय स्वराय ह्या यः वयरा ठन् : तुः श्रे दूरः हें। | देवे : श्वे रः ने : न्रः व्याः विवाः गुवः ह्यः तुः व्याः वह वः यः त्रैः गुवः ह्वःगुः परेवः यः यः धवः द्वा । विषः ह्वः द्वः यः स्वायः यावः ह्वः परेवः परः वहनः लेयायहर्न्न्यायद्वार्त्ते भेराम्बेयामा वास्त्रम्यदे मेयायायासूर्व्यायम्यम् वास्या चक्रवःताःस्वायाः प्रः तह्नाः हेवः पदैः वेयायः वेतः श्रीयः पह्नवः परः ह्रवायः पयः दह्नवः हेवः गुवःह्नानुवः परः श्रेः तह्नाय। ह्वारायात्रावादान्त्रे पह्नवः पः धवः परः देः पह्नवः *चर*ॱतहेनाः हेन् पदैः नेन्नः पर्यावदः तुः कुन् परः बैः बुन्नः परा यहिनाः हेन् गुनः ह्वा गुनः हिनः गुनः हिनः गुनः दे.क्षेत्र.तीषा.दं.चोडेथाला च.क्षेत्र.तपु.चेथाता.पा.क्षेत्रा.घे.चट्चा धरःदह्नाम्,श्रेश्याया नह्रयः तवरः मः चब्रयः तुः स्थायः ठवः मृत्रैयः ग्रुरः मः श्रृषः मेवः मः वार्षः मेवः मः श्रृषः हे स्वि ः स्वाः ः यः यन त्वन् प्राधेन विष्यः है। विष्यः हे । विष्यः हे । विष्यः विषयः विषयः । विषयः विषयः विषयः । विषयः विषयः वि <u>4.8%,2.2.48m,0.25.4am,x.89a.4.8.82.2.48m,09.48m,09.8.84.22..</u> नेषायः गृहः ताः क्षेषाः वृषाः क्षेषुः के सार्विण्यतः यवृष्णः यदे । व्राष्ट्रः वृष्णः या कृषः या केषाः या केषाः धेव व त्वाया न धेव धरा व स्नु र रे नावे क दे कें कें मान धेव पक के लेगा द नाया व रे स्नू र बै:उ८:पर्य:व:क्रुन्:नु:चु:न्कॅ्व:य| ने:८५:पर्व:व:क्रुन्:यदे:वेश:सॅ:नेर:वे:न्वर:यदे: ने त्या न वव परे व क्षेत्रपरे ने या पर रहात् न व पर मेथाता इयया प्रविषान ध्रेता इयलाग्रीः दर्दे त्राह्म पान याधेदायला वे त्रामा दे ना हेदा प्रेदा महिला हेदा प्रेत त्याची त्यात्या व्यान् व्याप्या व्याप्या व्याप्या व्याप्या व्याप्या व्याप्या व्याप्या व्याप्या व्याप्या व्याप्य सर्वः ताः ताः न्दः अतः सर्वः ताः वा के ताः देवः वा के नाः ताः वे तः देवः वा विवादाः **८प्षिण मार्चे प्रह्मा हेदा मदे नेदाम रहार् गृदामा मार्मे वा वा प्रह्मा में रहा वा मदा वा स्थाना स्याना स्थाना स्** देते छेर द्वु स नवा दे द्वा तहाय नर तहें वा या दे हु। दत्र स्वा प वह दाप देवा या के ॶ[ॖ]॔ॱॻॸ॓ॖढ़ॱय़ॱढ़ॾॕॿॱढ़ॱढ़ऀॱॶ॒॔॔ॱड़ढ़ॱढ़ऻॗॎ॔॔॔॔ऀ॔*ॺ*ॱय़॔॔ढ़ॿ॔ॱय़ॸॱढ़ॸॕॣॸ॔ॱय़ॱढ़ॿॄ॔॔॔ऀॱय़ त्यायःहै। थेव दे। ऻॿॱऄढ़ॱय़ऀॱॼॖॴॿॴॴढ़ढ़ॱॿॖऀॱॴॱऄॗॱज़<u>ढ़</u>ढ़ऻज़ॴढ़ॱॿॱऄढ़ॱय़ऀॱॻॿॣॺॱॻॱॵॺॱ लट्रांचे हिंदा पर्ने व्रायन पहें नायतर शेरिनाया है। अर्थन प्रताय के श्रीप छित्र गुनि इत.है। । ज्यानशिरयातपु. या. रु.मी. तपु. श्व. इत. रु.मू. पर्यं मा. रू. १ व्यायाया निष्ठात्री त्याया प्रति क्षेत्र स्था निष्ठात्री त्याया प्रति क्षेत्र स्था निष्ठात्री त्याया प्रति क्षेत्र स्था

गुवःह्निः तुः पदः नह्नवः यः देः गुवः ह्निवः यदेवः यः वः धेवः वृः वेवः गुबुद्वः यः देः वः क्षुद् तपु.क्रं.अय.पहेंबे.तर.क्रंबेयातायाचे.ली च.क्रेरं.ये.पहेंबे.तालुबे.त.क्षायाचेराज्ञ. *्रि: हुर: न्*षु: अ: नल: व: क्षुन्: नु: रद: वी: खु वल: त्यः त्विरः त्न्लः ग्री: इयः विवा ब्रद्राः विवा तहे वा या न्द्रा र्देशस्यः श्च.प. इयशः ग्रीशस्टः गीः ५ द्रं रः पः विवः स्टः यः लेब. नथ. नथ ब्राया पर्यः मूं बे. इवाया वा क्षेत्रः याते. पर्यः पर्यः पर्वे वा क्षेत्रः यहै र वा भेवः हुः र गादः चरा पर्वेद्राया गृष्टे वार्या मुद्राया मुद्राया भीता भीता भीता स्थान स्था र्रः। । तर्रः क्षेत्रः न्र्र्रः श्चः चतेः वर्ष् नः स्वयागुवः ह्वः हुः वर्षः वः वर्षे मः वः वर्षे मयः वर्षे ८१८.त.वेथ.वथ.८वव.८ब्र्य.ज रट.वुथ.ग्रेब.इंच.धे.श्रु.पवंवं.ज.स्वयःत.ल्र्रंनर. वियालवरम् वास्त्र कुरावियालवर्षे वास्त्र कुरावियालवर्षे कियाले वियाले वि ३ वाया पते र हेया शुः त घट्याया ता क्षे**या साक्षेत्रा साम्या वया ३ वाया पता र ध**र्मा वर्गा नया चिर्यानद्राभीयाङ्ग्ताना द्रव्यार्टा र्र्याः श्राचाद्रव्याः भीवाभीवान् विवासाम्बेदाः रेग्या पया गर्ने र व गर्ने र अवया र र शे गर्ने र व शे ग्रे र अवया र सर वया व्या-१८-वर्ष्ट-सार्यवयायावास्त्रम् १८ स्र १८ स्र १८ म् वर्षायायास्य वर्षायायाः धर विषा त्र र में वाया प्राप्त देरा देर्मा वा क्षेत्र दुः वेर्म्य द्वा वा व्यवस्य विष्य तर.विय.जुर्य.र्म्या.त.वृष्ठेय.चर्चरय.तर.वर्चर.क्रे कूथ. चट. जयट. यट. ची. जी चय. ॻॖऀॺॱढ़ॸऀॱऀॺज़ॱॸ॔ॸॱढ़ॸऀॱॿॺॱॻॖऀॱॸॕॺॱॸॿॖॸॱॸॺॱॺॺॱऄॺॱऄॱॴॸॱॻॖॸॱॿ॓ॱॶॸॱॸॱॺॱॸ॔य़ॖॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗ बी.पह्रबे.तर.पह्रबे.त.ज.के.च.इंब.तर.रेब.तपुंच.झंब.तर.पर्टे.त.सुंब.धें.वर्टें नरः इरः रं। । तर्ने तर्ना न तर्ने र्ना ने आवलाया अनु नरः हेर् यदे न न अर्तु अर्द्धा <u> इर प्रभित्ता क्षेत्र प्रभाग प्रमुख्य प्रभाग में भाग माल्य में भाग प्रभाग प्रभ</u> पर्या वि क्षेत्र पर्यः क्ष्यः परः नृब नृष्यः वस्य कर्रः दहेन् परः चेतः पर्यः धरः नृष्ये खेः वः *ॸ्*ॸॱख़ॕॺॱय़ढ़ॱढ़ॖॱय़ॱॾॺॴक़ॕॸॱढ़ॱढ़ॕॕॸॱॺॶॺॱॸ॔ॸॱॺॱढ़ॕॕॸॱढ़ॱॺॱढ़ॕॸॱय़ॱॺॶॺॱय़॔ॸॱॕॕॸॱऻ चतिः क्षेत्र-के-ल्यम् मी-क्षे-च-क्रेत्र-सं-धेत्र-मतिः क्षेत्र-र्रा | देशःत्र-पद्-पद्-पद्-प्-ल-देटः नुः म्बर्गः युट्र.लट्र.र्बो.सप्तु.खे.च.ज.केट्र.चर्.क्श.लट्र.के.य.ब्र.च्य.चर्.थ.चर.४ट्र.ये.कें। त्रिंदः त्र्राणुः हेदः त्र्ेषः ग्रुः इवः परः गृष्गः धः व्यवः ठर् रदः ग्रीः सुग्यः यः उदः पदेःः हेद.पड़िट.बृ.जब.रट.क्रय.वेद.धै.पबाज.च.लुद.धेद.स् । रेदे.हुर.र्घ.ब.ज. प्टिबा.त.जा श्र.चेळ.बोडेट.ग्रेथ.प्रत.चश्चेट.श्र.केबाय.बबा । इयत.ग्रेथ.पर्वा.डेट. हि·च**्चेत्र**ःचन्न ग्रयःसःन्दः। । श्चुःबःश्चेत्रःश्चुःस्त्रायःचन्नःगरःत्रम्। ।देःन्त्रायहेत्राः हे दॱत्यत्यः ग्रुटः ॲंट्-ब्रेब्-क्रेट्। |ठेत्यःसुः हे गतः पदेः तर्ने न् ःयः बुदः ॲंटः सः प्रेदः यः प्रेदः यः प् **ロヶ町のここまとの・スケー型・河本・美ロ・ケ・ロー・カイ・大・一角の・町の下の・ちな・大本・ロカギ・ロメ・日本** देॱ**ॴॱॿॱ**ৡॱॖॖ॔ॱज़ॖऀॱॲ॔ज़ॱय़**ॸॱढ़ॸॕॣॸॱय़**ॱॸॣ॔ॸॱऄॸॱय़ॸॣ॔ॸॣ॔ॱय़ॱॺॖऀॱॾऀॱढ़ड़ॖॱय़ॱॿॖऀॺऻॱॿऻऀॱॾॣॕॱॺॺॱॱॱॱॱ तह्रमाना लव क्षेत्र महिन्य महि र्ने ब[्]रे व्याचा क्षेत्र प्रते क्ष्यां विषय में विषय विषय क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र व्यापत व्यापत क्ष रदः चित्र स्त्र अदः द्धेयः चित्र दुः दुः दुः दिः देग्यः प्राप्तः ग्रॅंद् रयः श्रे त्यवः यः त्रिगः देशः छून्-तु·ळ्न्-धरःवर्द्न्-व। ने-न्ग-वलःक्ष्ण-धन्ते-छेन्-धरःवर्द्न्-द्। ।ने-वाक्षरः नवु नेयात्व, इया बटालवटाहि केर बेटात केर हैं अप थे प्रिया थे पर्या विवास द्या विवास

यः धेवःक्षुवानुः वीःन्धुंनः यदैः वेषायः वानक्ष्णायनः यहुणः यः स्वराः स्वाः । नेः वेनः तावः र्धर्भितः भेषाया वेषा छः भी यह गाया थे थे छेर्भा दे वेष व विर्देश स्था हेवा नत्यामः श्रेन् नते भेषामा लाहे हेन स्ट्राहित गुन्यामा स्ट्राहित स् लव.रंतर.वय.पहेच.त.सुव.तपु.कुरा पहेच.कुंब.कुं.चव्यत्त.पुथ.वय.तप्.लुव.तथ. तर्ने तर्दे भेषाया वै श्वापा यवका मुं पश्चराया मुरावयका रुन् ता देदा परा हे तर्दे विवा वी ố다. बन्नराष्ट्रीं बानक्षुरावते तहेना हे **द**ाराष्ट्रित दे कुर्ता वित्ता कर् । গ্রাব बवरार्त्तुः पश्चरायायदर हे क्षरावाक्षरातुः गुण्याया क्षरारवा वेता हे रे कि वाहेरातुः ने *৽*ৢ৴ॱঀঀয়৻য়য়৻ঀ৾য়৻<u>৴য়ৢ৾</u>৴৻৸৾ঽ৽য়ৣ৾৾ৼয়৾৾ঢ়৻য়৾৾ৼ৸ৼ৻য়ৢ৾ঢ়৻৾ঀ৾য়৾৻য়৾য়৻য়৻য়য়য়৻ড়ঀ৻ড়ৢয়৻ঢ়ৄ৾৽৽৽ हुर धेव र धेर धेर भेव संधिव न तर्मेया देव व तहन हेव के ग्रामिय साहि हुर धेव द्भितहेग् हेद ग्री क्वर यं गुन अवत न्द श्वय न क्वर तात दी न वा धेद ग्री नेयानाने प्याम् ग्रापादी स्रूटा पत्या स्रूटा पते वा स्रूटा पदे वाया पते वाये रा सुरामा स्यया श्चिरःच तः तः त्रं न्या प्या ध्या पुरा नु ता प्यते । क्षेर ध्या तः हि । क्षेर । ध्येर वेर नु त्रं । स्वर मेया प रट.र् बाय.च.पायट.र्इट.च.लुब.नयायह्नान्हेब.ग्री.ग्राम्यायायायायायाया वःश्रद्रःयतेः बद्रःयः मृत्वः ग्रीयः मृद्रद्रःयः द्री द्येत्रःद्री वमः यः तः ख्रुवः यः दृदः श्चिमः मुः त्यः कुर्तः श्वे यः तुः दिद्दः यः दः धेदः त्ये त्याताः त्यः हिः द्वेरः धेदः दिदः यः श्वेरः यदिः श्वेतः । । । । ने लाम बुद्रानि देन त्या वा क्षुद्रानि क्षेत्र खलाम केंद्रानि ला है বরুদ:ব:ৠব:য়৾ৼ:শ্রুদ। र्गामक्षर् त्रदर वेर् पाधिक वें। । तर प्रविक धर्म वेर् ह्या प्रविक तुर् वेर् प्रवे

৾ঽ৾ঀয়৽ঀয়৽ঀ৾৾৾য়৾৾৾ৼ৾৾৽ঀ৾৽য়৽৻ঀ৽ঀ৽য়৾৾য়৽ৠৢ৾৾ৼ৽৻ৼ৾ঀ৽ঀয়৽ৼ৾য়৽য়য়৽য়৽ৠৼ৽ঀ৾য়৽ড়ৼ৽য়য়৽ मुन-न्में रा गुन्। रूट-विदायद्वार्यद्वीत् स्वाप्तित्वेत् स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वापत इस्यामा स्वर्णा उत्तु से नार्दे नाया देवाय रात्ने वार्षे । ते नाया या देवाय प्राप्ता सुनावादी *ᠵ*ᠸॱॺऀॱ≿ॱस॔*ॺ*ॱॲ॔ॸ्ॱय़ऱॱॹॗय़ॱय़ॱऀॺक़ॱय़ॺॱॿॱৡॸॣॱय़ढ़ऀॱॸॣॕॺॱॹॗढ़ॱय़॔ॸॱढ़ॿॹॱय़ॱॹॿॱॷ॔। देतिः**छे**र-देवालःभेलःग्रेतःशःवार्द्रदःसःद्रःदेलःग्रुवःसःवाद्रेलःग्रेतःग्रुवःस्त्रःवःसःक्र्रः महिराधित क्रिक्ष अहस रहः बेदा दा बेदा अहस रहः दिदा परी स्मा हिंगा मी मदस बेरा राज्य दे_। रचरःध्वनःन्रः न्रष्ठःवस्यःचदेःस्रुनःक्षेत्रःयःन्रःन् ने 'बैःन्नेसःचने'स्नाक्षेत्रःयः न्रेसः रटःचलेक्'ॲर्'बेर्'ह्रंल'चलेक्'र्'र्चेर्'धते'रेग्ज'पराबे'त्शुच'धर'बहुंदरा'गुट'| रेग्रायः परा ग्रॅं र्-श्रे ग्रॅं र्-ह्या प वययः ठर्-तु-वे यहं रयः परे ध्रेर-र् ·वावव ग्रे के प्रान्द्र राध्य मुख्य प्राप्त स्वराष्ट्री प्राप्त स्वराधिक स्वराधिक स्वराधिक प्रवर्ण विश्व प्रवर म्बुर्द्धत्रः कः बेर्र्द्धत्रः वर्षः न्द्रः वर्षः न्द्रः न्द्रः न्वरः ध्वषः वर्षः वर्षः वर्षः र्या मीता क्या धरा दह्या धरक दे तर् पर पर पर पी संस्थामुन धर धेव थेव रेयाता धरा पर <u>२५२ वयारे वयारे क्रार्ड्</u> प्रार्ड्य स्वरे रेग्या ध्यार्च्य रे.र्ग् केर धर घ्याया वया वया दे.यर्-दे.यः रट-चलेद्र-स्र-वेद-देव्-धिर-स्र-देव्-धिर-स् चलचा.स.लुब.सया **ग**्वतःग्रीतःग्रतःपावतःग्रदःर्भवःमःभेतःहे। र्देतःरे-रेग्वतःमकःर्भरःपञ्चरःतःदिरः यते छिरः स्। |रे क्षरः र्धरः यद्भावः यः दे वावः यः दे । वा वेदः यह वा यदे । वह वा यदे । वह वा यदे । वह वा यदे । त्रुतः चलः ने: न्नाः देन्ताः व्यायः यः क्रेन्ः यः वः विन्यः यतः त्युतः हे। ने: न्नाः ऑनः वः देन्ताः मः ने र न न ने या हे न र में या मदि हिन र । । न ह न या है या ह यय है मा ह न यदे नेवारा है कर में वहुल हुते गर्दे राया बेराया ह सबसाय है हिराम गर्या रे हिराय विगाय चुत्र-श्वीः श्वीः त्राच्याः त्राचः त्राच्याः त्राच्याः

तहेना हेव व र्वेन अ केर्पा व वर्ग ग्राम्य परि र्वेद धिद धर रे न्या परा न्वेर्पाययः व.व.%.र.व८.जू.त.व्य.र.व.र्व.त.द्र्य.च.क्षयात्य.रर.वी.स.स.स्.व.व८ वायात्य スミュージャンスト・カーだ・ガタ・カーとは、ア・イト・カーとのです。 בישר של הישר של रे. दे. देट. मी. दे. लेव. पर. तहेव. प. स्वाया ग्री. तीया अवाया लेव. पया तहे में हेव. व. वाट. ग्री वाया घषरा.२८.८थे.घाषायोषे.इत.थे.प्रूर.त.ध्रुय.ध्रु। वि.कुवाच्यञ्चे व्यायाया.रट. शुःक्षेत्रायाःग्रीयायन नायायः इयया साम्नित्ताः यून् खेन् खेन्या सहंदयः यदे क्षु यया स्वर्त्ता स्वर्ता स्वर्ता पह्ना.ड्रेब.घबय.२८.पा.चन्य.त.८८.व्रे.ब.ची्त.घघप.व्रे.त.व्रि.व.प.चेन्य.घर.व्रेर.इ... ब्राचार्द्वः स्वाधराया क्षेत्रः या व्याक्षेत्रः या व्याक्षेत्रः व्याक्षेत्रः व्याक्षेत्रः व्याक्षेत्रः व्याक्ष चु-धेद्र-ध-छेन्-न्मॅलाय-रट-मी-स्-स्लागुच-ध-धेन्-न्मॅल-धर-त् गुर-ध-लॅगला अट-या इ नकः त. है न. के. पष्ट त्यो त. प. तत्त ग्रहः। हे. यह हे के हे. यम है. पहें पात समिता पहें र रु.पह्रथान्यान्तान्त्रात्रे विष्याः विषयः चवरात्ताल्ये साबुर्ग्नी डिव.इ.स. विव.द.स्व.त.वे.स्व.पस्वातास्वातास्वरात्रा तहेंब्रायाक्षे। न्हेंब्रायाने गुवाहेंवा तुःचन्या वेन्तेन व्यन्या वेन् खेन्या वेन्ते व हगः र्यंगरा पवि मः तहेगः हेव ता शुव स्मर तुः गुगरा गुर देर तहेव पा गुव हिन हु के

बैःहन् र्यं प्रायः पदि पं दिन्। हेदः गुदः तः अः गु ग्रः गुरः देरः दिदः यः जूब. ध.च भर.जा **ऄॖढ़ॱऄॱख़ॱख़ॺऻॱय़**ॸॱॺऻॷॸख़ॱॺॕऻॎॗॗॗऻॸॣ॓ॸॗॸॱॺॖॸॱय़ॕॵॱक़ॖॺॱॺॕॺऻख़ॱॷॱढ़ॾढ़ॱय़ढ़॓ॱक़ॕॿॱय़ॱऄॗॱ इर.तीजाजापविजालरार्थ्यातपुर्ध्यात्रे प्रह्में केर्याजाक्री अपूर्वे रात्राची प्राप्त हियाला जूबे.तरश्र.श्र.पविषानः बुधान्ने.ल र्यट.त्रुप.भेयाया इयया दे इंटा स्यायाया यविषा स्ट यात्विजानते का नृत्व पारा खेरा प्राप्त वात्विजान वेता खेरा खेरी । र्नार मे वाह स्वारा स्वरा ने अल म्बद पदे न्यर मेल मूर्व र येत्र म्यर मेल में र येत्र स्यतं स्यर म्या मुद्र हिन धेव है। स्रायाः हवा दात्यः स्रवासार्यम् वारा तहेता पर्वः हवा पर्वः तहेता स्रवः तहेता स्रवः स रेगल परा नगा पर के दुल हा | देव नब पर रव रह में हैं हे ल गुरा परे हिंग स्वाया प्रविश्वा श्रीत् प्राप्त विवाद्गाने नाष्ट्रेया श्रुषा श्रुषा प्रति वि कृषा स्वाया प्रवि धारा वि धारा वि रे किं त ता कें ता कर ते रे प्रमुर् धर् पर पर परेंद्र पर ता केंद्र केंद्र वा ता केंद्र केंद्र केंद्र नःयः न्में त्यः न्य। मृत्रु न्यः हिना रेतः परे द्वाः न्तः पर्ना व्यनः वेतः न्याः व्यनः वि वतर्यस्य स्थायाङ्ग्रायराग्शुरवार्ष। ।गवाने न्रेंताया स्ववायान्यराविवार्षे त्र्वाता स्वाता व्याप्त स्वात् स्वात् स्वात् स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्वाता स्व इयलकी तम् नारा नहेलात नायाहै। तहना पालना नहें सुन सरा पहें ना ही रागुन ह्माहि । १ व म्यान्य वहताया परे व पर हमाने वी । शुव हमाने व वे व हुमान ाबेषाः वाञ्च वाषाः भ्राप्तवाषाः वार्यः भ्राप्तः म्वरः वीषाः गुवः ह्रायः ग्रीः वरेवः देवामहारवाहै। यर तहना यर न्युत्य पते क्षेत्र रं ले व क्षेत्र के र रे। न्युन्य क्षेत्र व र रे नने व र पर तहें व र पते व र पति र पत्र पत्र पत्र पति र पत्र व पत्र पत्र व र पत्र पत्र पत्र पत्र पत्र पत्र पत्र **षटः परे दः दहिदः तः चुः र् मृं तः पतः रदः पत्ने दः सुं ग्रायदे सः रे ग्रायदे स्रायदे स्रायदे दः परे द** |देशादाक्षेदास्यारुदानी अस्ति। स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति नकुर्-पः**णवःकर्**-ग्री-ग्रुट्-लेबलः इबलः लःवे-न्नूट्-पः तर्र-र्न्न-पर्रुतः बदे-रदः पदिवः भेदःः यदेव धर दे अधिव है। ৽ঢ়৾৾ঀ৾৾৽ঢ়ৼয়ৼ৾ঀ৾৽ঢ়ৼৼৠয়৽য়৾ঀ৽য়৾ঀ৽য়৾৽য়ৼ৾৽ঀ৾য়৽ ननेव तहेव अन पाइस्यापाम् व हेन र्या मुल्या प्रति कु सहद दे ने धेव हैं। देवे छित्रः मृञ्ज मृष्यः श्रुः र्षे मृष्यः पदे द्वः परे देवः रिमः पदिः ह्वः धिदः धिदः धिदः धिदः धिदः स्वा रेग'य'नेरा'यहेग'य'श्रेद'हे। र्घर'द। वग'य'ल'ह्युत्य'यहेद'ग्रे'त्रा'नेरा'ग्रेर'द' वन्यः ने ख्रुत्यः धेवः यदः स्वनः नेवः नेवः नवाः यः इत्यः यतः तहेन् यः विवः स्व नवि नयः मिर्यायः स्यः धरः यहं नः धरे मिर्दे ने न्यं नः धरे । हुना र्यः इत्रयतः भेदः पर्यः दर्दः दनाः नीताः शुनः पदिः द्वः वः श्रृदः तुः स्वः रे न्याः रे न्याः पर्यः द्वीः ॥ इयताता नरः वी रे प्रता बुन पति नरः न विव क्षेत्र विवास धिव त्या दे**.**दर्.चदे.ररः चलेव-वै-व-श्र-१-त्र-वि-धेर-र्म । नेते-धेर-रेनवा-चव-ग्र-व-श्र-१-वर्मन हे. ५२.३ वथ. तथ. थ.वि वथ. ४.२.१.२.१ थ.तू. इथथ. है. थ.५.५२.१ व्यापा है. वर्ष श्रमः तर्द्र याञ्चः तर मता पदे रदः तिविषः या स्वमः वे स्वमः या स्वम्यः पदे विदः यर स्वयः र् स्वाः नम् न्यावयात्र्रम् कन्यान् न्रावे स्रायाः सम्यान् सम्भानम् वित्रम् न्याने तिह्रवः हेरया.येट. द्र बाया. तथा. श्वं द र हिट. चर. ब्रुं याचा धवः क्षा | दे हेर थटा वि वि वि वि वि तर्न् र क नवायायार्य नवायार न् ना गुरानि है सुना नेवा गुदा हु नवायायर त्रीयःयः यसा न्र्यायतः न्राम्येव म्या द्वारा द्वारा प्रमाणा विष्या प्रमाणा विषय । प्रमाणा विषय विष्या विषय विषय विषय विषय व च्यात्तात्तात्त्व, चंट्याविष्य, ज्यायात्तात्वी, चंटा ज्याः श्री, चंट्यात्याः चंट्याः च्याः चयः च्याः च्याः च्याः

<u>ञ</u>्च.च.५६६.तथ.ध.च७.च८.च८.५१.५३८.त.५४.त.तथ.घट.८<u>चूथ.श</u> क्तेवः यदै•त्यः महेवः वत्यः यदैः यद्वादः गैःक्तेः मः ठवः विषाः यदैनः पत्यः वैः देः विः वदेःक्तेः पाययः व ॱख़॔ॻॺॱय़ॱॻ॑**ॸॱॳॺॱऄॗॱढ़ऻॺॱॾऀॱढ़ॗॸॱॸ**ॗॕॗॖॗॸॱॸ॓ॱॸऀॻॺॱय़ॺॱॸॗॷॸॱॸॾॕॸॱॸॗॱढ़ॸॕॸॱॿऀॱॸॿॕॺॱ᠁ यते क्षेत्रः रा । नाब्दः यदः पहेदः द्वाः क्षेत्रः पहेदः क्षेत्रः सुः पहेदः क्षेत्रः सुः पहेदः क्षेत्रः स्वा वहनामालया न्राधिरान्द्रयायानहेन्द्रयार्गातहेटानया ।हन्।पावरीन्ना नक्षां परः शे. खुलः य। १५. छुरः हेषः तचुरः रेषाणः यः तर्दः धलः वि। क्षिः रषः ५. मः बावतः नृषाः गुर्हेन्। । देवाः गुर्श्वरः यदेः श्वेरः र्रः । । देवाः वः श्वाचाः यः वेः चहेत्वात्राञ्चे चार्त्वात्रे हेत्त्वात्रे वार्षे इर्.र्.। । यर.र्.हेर.पया गर.हेर.शु.बेर.प.र्र.र्घर.ह्या.चे ।शु.पर्यगयः र्दः नर्गः ग्वरः ग्वेरागाः यय। ।र्देराः इयराञ्जेः नरः दशुरः नः यधिदः । ।रेःधेरः चहेत्र व्यार्च मुंडे वर वश्चर विवागिश्य प्रतर वित्र क्रिर क्र व्याय मुंबर वर्ष त्युर्-र्न ।देवावानहेवावयाश्चेयायदे हेवाद्येयावीयावीयवत्त्वीत्राम्यायायवायव अवतः नृतः व्यापः नृः अवतः प्रविदे गृहः धेवः वेषा अप्तिः वेषा विषे प्रतः न्याः ग्रहः न्यः विष मुलःबःश्चेतःयः न्दः यःश्चेतःयः नृष्ठेतःग्रुःष्ट्रन् वःश्चेन् यतः व्हन्तःस् ার্শ-বা श्रेचयः शुः देवायः च दः विवाः विवा । व द्वाः द्वः व वदः ययः श्रुः चः देवायः श्रेदः पदी । रेगवारेवामा क्षेत्रचा विवामात्रम्याचेवाचा विवामात्रम्यामा हे क्षेत्रका वर्षेत्र इया.शु.गुपापतथा रहानी अर्द्ध केर् गुर्या गुपापते हु। पाष्य वेता वा का मान याने न्या मेरा तम्या पर क्षेत्र या भेता मे। ही मार्थ्य तम्या यान त्रीत हे यात्रि से

न्मरः विना गुदादेवा केंद्राक्षेर्याया प्रताह्म स्वा धराष्ट्रीरा पदि कुरा शुराया অহু*অথ*.স্থ্রু*২.2*। स्याक्तीः मर्गाक्ति स्क्रीः मरावश्चरः मरा छः र्गेषा संविषाञ्चः व। रे व्हावस्र रे श्रेरातुः ञ्चामः र्षेण्यः इत्यः दया देवेः वर्षेयः परः भरः। देवे खेरः रहः मैं बळद के**रः** ग्रेयः क्रेः पर मदेवायामविकाळ्यानु व्याप्तायाम्या विकार्वे विकार्यायाम्या विकार्यम् । महेवायाम्या विकारम् । महेवायाम्या विकारम् । महेवायाम्या विकारम्या । महेवायाम्या । महेवायायाम्या । महेवायायाम्या । महेवायायायाय इ.सं.बे.य. महीर्यः यदे : ध्रेत्रः द्वा । देयः दः ने सं. मंत्रः मुनः यदे : क्रें प्रायः देवः दवः र्गम् र्गेष्यः विश्वेषः र्वे विश्वेषः विश्वेषः प्रवेषः प्रवेषः प्रवेषः प्रवेषः विश्वेषः विश्वेषः विश्वेषः विश्व म्याचीयः तपुःश्चेत्राध्याध्यः धरः चरः श्वः देशे पद्दे बारा तथा श्वः बार्षश्चः यः पर्यः वी यर् बार् विन् क्षेत्र | क्षेत्र ने केन्द्र केन्द्र केन्द्र केन्द्र केन्द्र विन् केन्द्र गुद्र-स्-म् । विद्र-ग्रीयायहेगान्तेदादे विद्र-स्-मान्नेदादे विद्रामान्य । विद्यानश्चरया भवासी । दर चर्ष्य मुलाबा क्रेया वर्षा क्रेया प्रत्या क्रेया प्रत्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा पहें ब'व बाक्के.प'रूट. रूट.पदेव गुविवाक्केष्य. मुकेषाय मेवायर प्रस्तामा वाहर पार्थ हाया है। श्रेट् क्रेट् मादे प्रविद्या में प्रत्य है वार्षित में प्रत्य में प्रविद्य में प्र रे अ वियायमा अनेयायमा विदायमा विषय वियायमा विवायमा विवायमा विषयमा विवायमा विवा वेया यद छन् ने दे रहे द या में मु मा श्वर मा या प्रति र या दे प्रता वेया में प्रता वेया में प्रता वेया में प्र रे.क्षेत्र.लट. द्रम्याया म्ह्रम् छ पद्र विष्यु विषया महेत्र विषया महेत्र विषया महेत्र विषया महेत्र वि. बाञ्च वाया पक्षवा पविवार प्राप्त पविवारी या में या में या प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र त्रक्षा विक्रा क्षेत्र स्वर् क्षेत्र स्वर् क्षेत्र स्वर् क्षेत्र स्वर् क्षेत्र स्वर् क्षेत्र स्वर् क्षेत्र स्वर स्वर् विक्रित् स्वर् क्षेत्र स्वरं क्षेत्र

ब.ट्रं य. तथ. खेथ. त. पथ. ग्रेट.। वट. खेब. मुें द. पथ. भ्रेष. रे.ब. भ्रेथ। 15.4.3. वते रदः वत्रेष्ठः व्यत् व्यत् । क्रिष्ठः व्यत्या व्यतः व्यतः व्यत् । इंट. वेर. वेय. रे. चन. लूर. लूदा वियामट. त. रट. त्या मुदायक मुदाय रे. या मुदा बेयान्युर्यावयाञ्चेयायुन्याङ्ग्रंवायाक्षेत्रायाक्षेत्राया देःयाञ्चेयायया देःयाञ्चेरायदेन ल्ट. य. लुवा विवार ग्राचितातर हिराचर हैर न है रहा न विवासी वासी क्ष.च.श्र.भेथ.भेट.क्र्म.ट्र.ट्म.ह्याय.पमप.क्ष्म.श्रुयायावि क्ष्यायाश्रुयायाचे क्षाया ब. च हे ब. त. बे थ. तपु. क्ष्य. ग्रीश. द गया त. दी. द च द. बिग. श्री. पपु. श्री. विश्व. मर. क्षे. या श्राह्म... हेयः मुशुरुषः हेयः भेदः मुः मृष्यः चरः मुशुरुषः स्वा । श्चिः चः स्वायः दर्मे मः सः तः **द्वः** द्वः देशः B৴੶৸৴য়ৣ৴৽য়য়ৣ৴৽য়ৢ৽৸য়৽৸ৼ৽ৼ৾ঀ৽য়ৢয়৽য়ৼ৽য়৾ৼ৽য়ৢ৾। 在ঀ৽য়ৢৼ৽ৼ৾৽৸৽ৼয়৸য়৽য়ৢয়৽য়ৢ৽ पते[.] त्यद[.] दिंग द्या क्षृद् र्जे। १२.८्ग मेल दे शुद त्य हे द रे र्ग वयर ठर् ग्रेस ररः नवैवॱबेन्ॱसःतःकुःदञ्चराःस्वरः इसःसरःद**ह्वाः**सदेःकुषःशुवःदग्नेवःश्चेतःश्चरःमस्वः

 चुक्तामा साधिक हे विवाद माना ववा श्वराधार माने वामा साधिक माने प्रतर साधिक विवाद माना व के विश्व विश्व कर के विश्व कर के विश्व कर के विश्व के व द्वेन्त्र-इन्डम्न श्रुद्धन् न्द्र-इन्डम् हुन्द्वेन् हुन्द्वेन् हुन्द्वेन् न्द्र-इन्डम् विद्यालय य्वानः यदिः रदः निवेदः द्यान न्वानग्वानः वः रदः निवेदः द्यान न्वा स्वेदः देशः विषायन देवा भुषा यह प्रविदा केराया है। भारा दर्भे ना दा दे र तुः सामदे । सुरा शुक्रत्मे क्रिया धेक्र है। क्रिया इया रदा निविद्योत स्वर है वाया धेरे मेया रामा ग्री ध्या शुक्र दब्चै**द**'यते क्वैर'र्रः । । रदः चिवैद व्यद् वेद विवेद यत्र विवेद यत्र विवेद यत्र विवेद यत्र विवेद यत्र विवेद या विवेद विवेद या विवेद विवे इ.चर.वे.है। स्ट.म्.ज.रट.चबुव.बुर.ट्रं.क्षेत्र.दे.प्रय.चपु.च्य.रच.ग्री.स्य.रट.चबुव. श्र-तान् हि.क्षेत्र विश्व तथा श्रिष पविषया श्रिष्य विषय कर मे लया विषय हेरा श्रिष्य श्रिष्य बर्'र्लर्। । हिंद्र'यत्दः इट'बर्'र्लर्'पर'ग्रुर्। । वि:हिंदः हुदः बर्'र्लर्'वेदः द्वा । क्रॅट. चयर. जूर. चर. वा.पा.प. चुरा विषा निष्या निष्या च्या हो. हे हार हे स्यार हे स्यार हे स्यार हे स्यार हे स्यार हो स्यार है स्यार हो स् रदःचित्रेत्रेत्रेत्रंद्रंद्रंद्र्यतदःस्त्र्यंत्र्यःयाय्येत्रःक्रयःव। तर्रेत्रःक्र्रंद्र्यःक्रेत्रःवे रदः प्रवेद गुरु हूं दे हें दे ता मृब्द में अर्म यह मृष्यय रू न् नु सह न है। वि हे हि के तर रू च बे वः ग्रे तः बे हें हः यः वे रहः च बे वः ग्रे तः ग्रु वः यः धेवः वा रट.चर्ष्यं गुराश्चरायः श्वरः चर्-ग्रट-ब्रेर्-पर्य-रट-पहेद-ग्रेय-ग्रुप-ध-ब्रेर्-प्रेट-पर्ट-ब्रेर-म्-हेत्रक्का-प-दर्-त्यतः यब्दःग्दःकेःयःकेःबैगः**ध**द्। عاطع ، سد . هم . طا . في . في . بحد . على بجر . يوس عام . مرح . حد . विव सेन में क्षेत्रारी वहूबे तपुर ह्या तार्थ है या वे की यी या प्रतान विव मान् के या है तह्रवामी रट.पहुंबा अर.त.ने.पर्मामं हित्या श्रे.पर्मा में क्षेत्राचा महेका मटारुवरा श्रीतिह्यात्त्रीश्रीमा क्षेत्रयातामा वरातुः द्वापा पराचीताताः है गया भेगा नरा छेया रामा श्रवं। १ दे दे द र र विव के र र या विव के र र व विव र विव र व विव र विव बेर्ॱ**य**ॱॲर्ॱयरॱढ़हेंद्र'यःचर्त्तेन्'यदैःधेरःरु'रैन्यःयशःध्रंदःकेर्'ॲर्'यःदर्नेन्यर्'देःस्त्रेन् त्वन्ःयःविणः थेवःवत्रः त्रुः ग्ववःविणः गैषः ररः प्रवेवः येन् यः भॅनः यनः प्रतुरः प्रवेः त्रुं देते.लेज.पब्र्चान.तर्र्य.पद्म्य.पुर्वाचा.वी। क्रे.मी.ज.प्य.पद्म.पद्म.च्या.तप्य.पद्म.च्या.पद्म.च्या. **ॷऀॱॶॖ**ज़ॱढ़ॺॕॖॿॱय़ॱढ़ॖऀॱऄढ़ॱफ़ॖऀॱॿऀॱढ़ॿॸॣॱॸॕऻॗऻऻॗॕॺॱॸॕॱॸॿऻॱढ़ॖऀॱॿॗॱॿऻॖॱक़ॱॸॱॿऀॱॸॕॱॸॕॹॹॗॸॱ यतै : रदः प बैद :प मृषः पःद : रदः प बैद : वेद : र्दे : क्रु ब: तु : देशः परः य शुरः त्या म्बदःविषाः गैवाः नदः चविदः बेदः यः देः वेदः व्यदः देः क्षु बः दुः दहेदः यः दददः देवे खुवाः दे गवाः ॅंदॅॱ**द**ॱररः चल्वि ते खेर् 'यः रे 'ख'ररः चल्वि 'बॅर्' रॅं' श्रृ ब'र्' 'दहें द'यः है 'क्रूर:क्रुे 'श्रृ ब'द्या मुदे रदः च वैदः बेदः सः तः द बेगता दत्रा धुः मुदे रदः च वैदः दुः सः ग्रुचः ग्रुदः धुः मुः रदः च वैदः बेर् पर्देवे रदाविवारु वेर् देश्वारु वहिंदा मुक्के हो। द्वेरादा वुवाय बेर् पर् नु बारा पॅन् पराच ने बाक्ष बारा बी क्षे प्यार सु बाबी नि का के नि वा के नि वा के नि · 다리·ğ ㄷ'다'씨'씨ㄷ'ㅈㄷ'휙'폱'딱지'쀱다'다'회독'국'혜어'다美도'저'; ''अढंद'씨ㄷ'도'키', ''(시회'' याधिकार्यराम्बुद्याने। द्देश्वदात्वा म्याने हूरायाने र त्याना प्राप्ताने देश्वरा नः केन्-नु-त्युरा । हि: क्षे: सुनः व: ठेण: में लंडी । बोन्- धनः मकेव: धन्यः तयुरा। बेलः नुषुट्रलः स्री । देः सुः बः धेवः धरः रदः विषेवः बेदः धदेः हुं दः केदः धरः वा ना वा रदः । निवेत्र बेर् मा बेर् मं त् शुरायारे क्षात्र ररा मे दे त्या शुन महे ररा निव स्पर् पर ्रि. चीयप्त. चर. चीर्थर्थ. तपु. छुर. ऱ्री।

चित्र. प्राच्या पर. चीर्थर्थ. तपु. छुर. ऱ्री।

चित्र. प्राच्या पर. चीर्थर्थ. तपु. छुर. द्र्या प्राच्या पर. प्रच्या परच्या परच्या पर. प्रच्या पर. प्रच्या पर. प्रच्या पर. प्रच्या

 य व यह्रव यर वेव य रे ज्ञॅ म यर वुष है। मह र म क्रूं र य है र य है र य रे है र र र है र य यह्रयः त्रः त्रेयः रेः र् गः यः देः गव्य न्यः ग्राम्यः ग्राम्यः यह्रयः यह्रयः यह्रयः यह्रयः यह्रयः विष् बुलाहे। र्येरावा के बदाबेरा दें लेला ह्याला कर कर कर के पर के रामे के कर के ना के ल बेर-च-न्-धेव-ध-दे-ख-बेर्-ध-हेर्-दहेव-दु-नृतुन्-धर-हे-क्रुर-बुक्-ध-विव-हे। वेक. र्ये र्दः वरुषाने म्वाया वर महित्या पर्वे क्षेरः र्रा | रे स्राया ग्रुषा वर वरे वे प्यार वरे त्रीमा है। य रेमा मैका तम् वाता तार्देर पश्चर वेषा पहें राम वादेर के पार्टे राम वेषा विकास के प्राप्त के प्रा तर्नाता क्रिया क्रे दे के के क्र कर बेर् पर दे वा पा क्रे का बेर् पा क्षेत्र प्रें क्र वा त्तर्भः त्रः प्रतिवासेन् म्नेत्रः विकामह्नेन् । यात्रः त्रः प्रतिवासेन् स्वास्तान् । यात्रः विकासिन् स्वास्तान र्मलाने क्रिन्यमा तर्मन् प्रवाने क्रिन्यमा विवासिमा विवास ৾**ቖ**৾ॱक़ॕ॔**ॸॱऄ**ॸॖॱৡয়৽ॸॖॖॱॻॿॖॖॖॖॖॸॱढ़य़*ॸ*ॱॸॄॺऻॺॱॸॕॺॱऄॺॱय़ॸॱय़ॷॸॱॻॺॱॺॕॎॱॺॕॱठॺऻॱॺऀॺॱॻॾॕॸॖॱॱॱ मालामहेदादाक्षा । अन्यान्यत्या निर्मान्यत्या निर्मान्या नया.चे.हें र.त. केर्-तम्बानपर माणवाया हें र.त. केर्-त. दंशना दंशना हुं दे प्रत्राचितर बाधिव क्ष्री दियाव द्वरायाया द्वराय क्षेत्र विक क्ष्रे वावतर च्वरा क्षेत्र व र्यतःदी | यळदायायार्श्वराञ्चेताञ्चेतायाद्वरायार्रायायेव | विवासार्रा देवा क्रेव् सिर्म् तालवा ग्रम् वर्षा न्या वर्षा न्या वर्षा यर्वा.गुर.तर.के.च.झवथ.गु.४८.चर.वेश्वर्थ.त.झवथ.गुर.ईर.चनर्वा.केर.चेव..... र्मलाहे। रे.के.ब.लब्या सं.प्रुया.ब्रिय.या.ब्रिया.व्याच्या.व्याच्या.व्याच्या.व्याच्या.व्याच्या.व्याच्या.व्याच्या चरत्रें त्रप्राहे क्षेत्र पश्चित चरा चुन्तर्देश पर्व । यद् राष्ट्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष चब्दि गुरु हिंदा पर इस पर **पर प्राप्त हैया शु** चहुर्य | ब्रिया प्राप्त हैराया स्था ग्रदा इता द्वारा प्रदेशीय विद्यालय विद् ₹त्यःधेदःबळ्चःधुँरःयःधेद। |देवारात्यःवारात्यःवाराः। रेःधेरःमर्गःर्रः **नर्गःगैःहॅरःकुः**बैरः। ।इतार्चुरःनःरे्द्रशःमरःग्रॅलःनरःवश्चर। ।बेवःग्शुर्यः मःस्वायःभेदः मुः यदः नयः देः न्वाः न्दः तवायः नरः त श्वरः स् । देवः दः सुनः यः वयवः ठनः चै:र-विदेश्याम् विदेशक्षेत्रः विदेशकार्यक्षेत्रः विदेशकार्यक्षेत्रः विदेशकार्यका विदेशकार्यका विदेशकार्यका विदेशका त्वाया नदे क्षें वया ने कुर्या देवे वा वे ररा न विवाधित स्थान वा से न वा सिरा वियान्यात्रमा मुद्रमा भवेता भवे व देवे त्यहेव हुन्या शुक्र त्य है का व रे विषय है द हिन् हुन्य व माना ... मःवैःशः तर्द्रनः नविवः तुत्रः विष्णः ज्ञाः न् विष्णः विः क्षः नविषः यः येनः यः न्रः। तपु.चषु.चक्क.चपु.पज्ञेज.च.जय। क्रम्य.त.लूर्यःथी.बर्.त.थु.की.रबे.जयःपर्यातः वह्नयः पदः क्रुं भेवः व्या रदः विदेवः वेदः धरः द्राः वः वाहं वदः धरः वदः विवः ब्रेन्-संदे अंद्ध्य हेन् रुव मुः नन् मा बेन् या तर् दे दे दि नदे ही महित्रा महिताय बेन् यर त सुर है। য়ः ८व. पळा पं ८ थ. तपु. ग्रॅट. व्रिट. २. ८६ व. तट. वे. व. पत्रे. वेड्व. सं. व्रि. व्रि. व्रे. व्रे. व्रे. व्रे |ग्नायाके.लट.क्रंट.त.केर.रेट.अक्ष्य.ब.ब्रेट.त.रेट.श्र्य.त.ब्रेट.त.व्या थेव दे। इयायर वर वरे क्वें गुषुया वर्ष र खें र छै। रे हि दूर र पर म बेर पर है। या वि द महि द **कॅलःयः**सुलःयः पद्गाञेरः यरः रेगः छेरः र्ह्लः यः वयलः छन् त्यः कगलःयः यः खुलायर वर्षायात नर धरात न्यात विना नी र्वे द्रानी ने राम त्रा यह का सक्ता सर न्ये न्या पा माया प्रा देवे क्षेत्र मन्मा बेर् या तर् के ले पदे क्षे मुद्रेया बेर् या विकासी

 यदै 'से' मः श्रु र त्या के प्रति र माना द्वार कर या दे र दे ता प्रति के स्वार प्रति । वि के स्वार कर वि वि वि क चेदः यकः देः द्वाः तः रदः विद्वः येदः यः च्चु वः येः द्वॉ कः यरः व श्वरः वः दृहः। गुर-५६४.त्र.स्थयः ४८.पद्वेषः अर्-तरः ह्रं बयः तर-पश्चरः वः ख्वेषः ग्रीः श्रुंदः यर्-परार्-व्यवः स्टायः धेवः पदेः न् गगः चः गः तः धेवः रटः मेः स्टः स्वाः स्टः पदेः रटः पदेवः नुः ग्रुयः वः ॼॗॱक़ॖॆॖढ़ॱ[ॣ]ॱऄॱढ़ॕॎॹॱय़ॱॸ॔ॸॱॴॿढ़ॱॸॖॖॱऄॱय़ॷॸॱॻॱॺॕॴॹॱॹॖॱय़ॷॸॱॸ॔ॵॹॱॺॕॱॿ॓ॹॱय़ॳॸॹॱय़**ॱ**ॱॱ कै.र्नुःयदेःग्*बुरः* इयसःशुःतुःयः वेगः ॲर् गुरःरेः र्गःकै:छृनःग्रेर् ग्रेःह्यःक्यः श्रुंद्यः व्यः श्रुंद्यः । । पर्हर्-पः लबः ग्री र्गागः ग्रः रूरः मेः स्रः स्रः द्वाः स्राप्त त्वारः पः श्रेषः स्राप्त । ग्राव्यः परः र्म् वः न् बः धरः न् नः धरः न् गः धरः श्वाचः धः न् नः धने वः धरः श्वाचः वतः श्वाः क्रे वः श्वीराः वा प्रश्लीन् धः संग्रात् शुः तश्चरः नृषे सः वतरः ने : नृष् वे : नृषः धरः शुवः धरः शुवः धरः शुवः संग्राः शुः नृषः से वः हे । र्वेर.व। त्वायायावी ह्रापाया छिता ग्रुटा वी हा स्वाया त्वायते हें की रा वः कः बेरः धतेः न् हेराः धॅरः त् शुरः न् मृषाः वत्र हः कः बेर् ग्रीः न् हेराः सः त्रीरः सः पतेः न् मृगः….. इर शैपर्रे र रे। ने वे श्वीत अवत श्वात स्थय श्वीत विद श्वात स्था त्र ति तहे व पयः नम् न्यान्यः स्वाद्यः स्वादि रे.र् न.रर.पष्ट्रेय.त्र.न् वेर.त्र.न् वेर.त्र.त्र्या.प्रत्यं व्यतः वर्षे व्यतः ग्रीट. व्यतः वर्षः देग्-पते तहेव पाता है भटा के गर्दे न पता ने न्या गी ने व सहव शुक्ष नुः है ग्राया सहदः । नयः गृहत्यः यदेनयः यदेः तृषः शुः क्षेत्रः क्षेत्रः ग्रीः यः देगः यतः हैः क्षेत्रः पञ्च रः पदेः देवः येतः धरः गृहदः त्यः दवेवत्यः धः गृष्टैः धरः वज्ञुरः दत्य। देवेः धदः त्याः हुः गुदः वह गृद्यः ग्रीः दहिदः

नतु सिपा इया श्वर पद्मेर पाया मेरा पर स्दा क्षेत्र क्षेत्र श्वर मार्ग पदि पहेंदा स्ट्रा श्वर **८**चैवःपःर्र्रःवयःग्रःचगःगैःपर्गःयम्ग्रायःदःहगःग्ठेगःररःर्परःठदःग्रेःपर्गःःः ळॅल**ॱग्रे**ॱपर्नाप्तम्बापादावाबुदायाहुत्याध्रदाळाबेर् प्राप्तदेवाया<u>श्र</u>्वार्ठवाळा <u>बेर् : र् ८: र् ८: प्रें ५: विर् : परः बश्चियः वेदः यः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः विष्ययः पह वायः यः ।</u> इयलायम्बाराद्यां इयापा वयला उर् दि शे शे दे दे हे वेदा व हे पर विवत पते : तुत्रा ह्यु : ने : र्डं यः देवा : यत्रा वाह द : यः यः यदा यत्रः क्षेत्रा पदे : क्षेत्रः यदे : क्षेत्रः देवा : क्षेत्रः : र्नेषाहि सुरवरा नह दाया तवे वरा पार्वी वर्षा प्रते में दार् धेवा प्रते हिना में वि <u>ऄॖ</u>ॸॱॸॹॕॖॺ**ॴढ़ॴॺॸॕढ़ॱॸॖॖॱॻॗॸॱ**य़ॱॸ॔ॸॱॺॕॺॴय़ॱॸ॓ॱॺॿॸॱॿॖॖॿॱढ़ढ़ॸॱॸ॓ॱ॔ॺॱढ़ऀॿॱक़ॗॱॿॸ॔ॱॱ या ने सिरामुद्राच न वाता ग्री पहेंद्रा धरा पह वाता पर अप ग्री पन वा वादे ता अदि । नवाक्ष्रक्षेत्रभुवाभुविक्षंद्रवास्यास्यवार्ष्यायरादर्द्रावाक्ष्रवार्धावार्षे **८५५, न्या । १ क्षेत्र म्या अर् १ क्षेत्र म्या म्या मा अर्थ । १ क्षेत्र मुद्र म्या अर्थ मा अर** भेदः पुः यळ्रा विषाणिश्रम् भेरा त्रोयानः ययः ग्रुरा धदः ह्रदः दर्शयानः स्रेरः पर्वः र्ने दः तर्नः केनः न्येवेः क्षां वया गयाया परः चुः पर्वः चैतः प्रवन्। प्रवः हेवः च गः ख्वाः ह्युत्य नव्यत्य सर्वेदः प्रविदः दु। । तर्दे वः ग्रुदः क्रेवः सेदः ठेयः देवायः प्रवायः प्रवायः वि दिनेषायायाञ्चर चराचेरायाचे। । ग्रेश्याम्बदाचे मद्याप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य बिख. तरी मारा च ना मी पर ना खेर् त्या ना खुरता गुरा क्रिया गुरा क्रिया गुरा कर ना खेरा त्या र महारूष:है। बर्ह्यत्यः है। पर्वा बेरः हॅं गयः कें गुवः पह गयः पर्वा हें रः वैरः। । यरे वै वः रेवा हेवः हुतर बै तर्देर्या दि क्षेर पर्वा बेर नेव पव ब रेव पा दिवेय ग्रेर पविष প্র'ন'भैव'र्र'अध्रा । विषाश्चरार्म। । ম'ব'প্লিন'দ্ব'শ্বীদান্দ্র'নাপ্ন'ম'

चर्डल'स'न्द्रः नृत्वद्रात्म'ङ्ग्रेल'स'ब्रेद्रः स'न्द्रः पत्वद्रः ग्रेष्ट्रे अर्द्धद्रः नृत्रुद्रल'स'देः पहुन्ना'स' बद्यत्रपत्तुरः मैं क्षं वर्षः ग्रुट्यः ययः रदः प्रवेदः दे त्रः पः वेषः वर्षः पः धेदः वे द **ढ़ऀॱ**ॾॕज़ॱॾॺज़ॱॻॖऀॱॾॕज़ॱढ़ॏॸ॔ॱड़॓ॹॱॺऻॷॸज़ॱय़ॱॸ॓ॱॺॱॸॸॱॻढ़ॏढ़ॱढ़ॏज़ॱॻढ़ॺऻॱय़ॱऄढ़ॱॸ॓ॱॻड़ॕज़ॱॺॱ बेद्र-य-८-ग्वद-य-र्ग-यर्ग-यर्थ-यःबेद-यद्। | दे-दे-यूर-दे। यहन-यग्रेय-यर्ग हिर् धर**ःतुःबर्धरःधः**इबःधःदेःकृषुदेःरदःचिवदःश्चेषःद्वःग्चेषःव्यःग्चेषःघवेषःधःविषःधरः न्र ने र्पर रु अर्द र व्याप्ट अर्थ प्रतास्य प्रत र्यावे व। **₹**यतः चुरः भरः उरः यः चुरः भरः उरः कॅतः इयतः ग्रेः कॅतः वेरः तरे के नवतः यः वेरः रं वेतः द्विन श्रेनात्मः स्वातात्मः तर्ने द्वानी तरा पद्वित द्वा दि द्वानी तरा पद्वित वारा विना डे.वं रे.र् गं.मु.पर्थ्यायात्रात्रेयात्राध्येयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रात्रेयात्रे द्रमा-मद्रा-द्रमा-द्रमा-मद्रा-मेथा-मद्रा-भेथा-मद्रा-मेथा-मद्र-म्यद्रा विस्ते-स्त्रा विस्ते-स्त्रा विस्ते-स्त्र र्या बेर दें वेषारे अर शुश्चा न्या हे बेर दे दे दे दे दे द्वार व्यव व्यव द्वार इययायार्मा मुर्गिष्ठेतायदे त्ययार्श्वयायरात् शुराहे। यदायी श्वेराक्वया हेत्र हे वयायरायः वु चतः ध्रैरः चरः रुपः तेयसः र्पतः इयसः रे ः क्षेरः र्गायः यः वर्षुः ध्रमः ध्रेयः प्रेयः दे विसः । । बर्देवै:वेष:वेद:र्ट:पठष:पष:पश्चिपष:र्षा |दें:व्:ब्रूर:क्रंष:ववषाठर्थःय:रट:पदेवः बीच.त.श.चगाचा.चाश.क्षेत्र.च। वट.ची.ध्र्य.च चयात.श्रव.तप्र.क्ष्य.स.स्ययापा.सट.ची.ट्र. इथानीयातपुर्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या षय। ने यात ने यदा पर पर पर वितात के के या विता मुलका इसवा है क्षेत्र के कर के ना देव र्वः यदे वर्षे दः यः रे : थरः शुवः यः छुरः चर् : ग्रुरः छेर्-रे। ॐ नः नवायः व्यवा रुवः नह्यः मह्यः रे.केर.व.श्रम.ज.श्रम्था.तपुरा.वे.पर्या.वे.पर्या.वे.रट.मे.ट्र.च्या.वे.पर्या.वे.पर्या.वे.पर्या.वे.पर्या.वे. ्रङ्क*रा हेन् : या नद*ः प*ष्*वन्तुः प्रत्वनाः सः ने नः यदः या ग्रुपः पराः नदः चलेव:र्यर:वाश्वानःवा मिलेक् मरामुत्रस्या शुनायान्रामें वान्या यदी मनेवाया वी क्रेया हेन्या रहा मिलेवानु पत्नामानेत्रामुनागुरात्ररापतिवानेत्राप्त्रीन्याचेत्राप्याचेत्रायाचेत्रायाचेत्रायाचेत्रायाचेत्रायाचेत्रायाचेत्र मन्द्रवास् । नर्द्रवाया दैन्ह्रमायेन् नवमानु । विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद कु: क्रें दः तः क्रें वः पद् । मञ्जू नवः व्यवः इयवः नदः पदेवः महेवः नदः द्वरः या ग्रानः पवः **₹**य.बेर.ज.र.चधुर.थ.वदा.च्या.चतु.र.चधुर.चु.चतु.कु.चतु.कु.चतु.कु.चतु.कु.चतु.कु.चतु.कु.चतु.कु.चतु.कु.चतु.कु.चतु.कु.चतु.कु.चतु.चतु.कु.च ब्रॅंट. क्रिट. ट्रंड, थ्रंट. थ्रंट. वर. वर्थिट्य. स्ट्रा क्रिय. स्ट्रा क्रिय. स्टर्स्ट, स्ट्रा स्टर्स्य स्टर्स् यदै रद पदिव गृह व शे पर् र पा रूट श्रें पुर र र पदिव । पत्र श्र र पा गृहे व शे यम्याप्तराम्तर्दि। यहमायम्याया ग्रेस्यायाम्तर्वेमार्द्यारं हुटा चर्ग्यूटा श्चे.पर्म् र.कुर.म्रे.चे.र.थे.पक्षायाक्षेत्र.त.रटः विषयात्राक्षेत्राताः मुद्याताः मुद्याताः |14乗んなどのよう व्रन् ग्रेयानमृत्र पर्द्याग्री न् में द्याया या देवा या में पर्दे थी न् में द्याया देवा या देवा या में प्राप्त षाः स्वायाः म् बायाः ग्रीः न्दः मीः हैं के रहेटः वहोयाः चरः वहीटः चः हैयः धः स्विते हें। म्बुद्राचराचुःवाम्द्राधेवायायदिः वैद्रादेश्वययाचुः रद्राचविद्राधेवादादी रद्राचविद्रादे ब्रेव-र्रु-प्रन् मुन-प्रन्ता मुन-हें न्या पर्दे ब्रेन-स्र्या प्रनः ह्यून-पर्दे व स्रेन-प्रनः व मुन-द न्र मैं छैर तर्े केर रर पहेव या धेव या देवे छैर रे पह पते देव रु कर्य पर र्ष्ट्र यः र्वतः प्रतः प्रवादः त्युरः र्वा । नेः यदः यत्यः वीवः गुव्वः ह्वः गुः यने वः यः वः कृवः वयान्डरायाधेवामान्या नववायाधार्ष्ट्रयामान्त्राच्चरार्द्र्। । नम्यावेनाचेयामधार्

र्यः यः र्द्रेषः यॅः यः भेवः वेदः र्द्रेषः यॅः येर् यददः यः भेवः हेः रेः वैः रदः यवेवः श्रेषः वेः यः । । । । । *न्नेन्-धेवः पर्वः धेनः स्*। |*बेवः ग्*बुम्यः स्। |८२ैनः न्द्रयः सः स्नः बेन्-वैः धनः ग्रेवः शुःश्चरतेः श्रवताशुःवन् न्यः स्वरः रदः मैः दे र वा स्वरः या न्यः के स्वरः के स्वरः के स्वरः के स्वरः स्वरः स्व स्वरः स्वरः श्रवताशुः वन् न्यः स्वरः रदः मैः दे र विषयः स्वरः के स्वरः के स्वरः के स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्व इ,यताता नर नी रू र्वता श्रुवा परि नर पति व र गुशुवा पर हुवा र या व व व र या गुह व ता । यनः यते : त्रः प्रतेषु गुरुष्ट्रः प्रते : क्ष्रः हिन् दी गृत्तु ग्रयः स्रवातः ग्रे क्रायः विकास विकास विकास वि निर्- चेया तपु केट. स्टि विर्-क्र्या शिल्प्र- तया मि. तिया मे. तीया प्र- ता मु. तीया प्र- तीया प्र- ता मु. तीया मु. तीया प्र- ता मु. तीया प्र- ता मु. तीया प्र- ता मु. तीया प्र-त्नातः वितः नवितः श्रूतः दे ः सः स्ना प्रतः ह्रूतः वितः दे दे तः प्रदे वः प्रति नवः प्रति नवः प्रतः प्रतः प्रत त्युरःर्| । वरःवे:ळे:ररःविव:येर्:यरःहें वरायदे:ख्र:य:दे:वेर्वं वरायरार्देव:दे: यद्भः श्रेशः रे. क्रे बेशः तपुर, त्रे. प्रः वध्या वध्या वध्या विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः ञ्चरॱ*च बारा* रु र[™]ङ्ग् पराया द ॱकॅया हे र 'रे ' बार्र द 'शुबा तु ' गुया पदे ' मेवा पया कॅया रुद ''''''''' <u>न् च नरा स्वारा ने क्षेत्र क्षेत्र स्वारा पर्वा क्षेत्र स्वर्ष क्षेत्र स्वर्ष क्षेत्र स्वर्ष क्षेत्र स्वर्ष स</u>्व र्<u>देषःवषः गृब्वार्</u>मेषःस्। । देःक्षरःवःर्देवःर्यःपदेःपदेवःयःवैःरदःवीःर्दःस्याःश्वायः . तपु.र्श्च था.प.च श्रथ.करे..षु.पपु.राष्ट्रेर.री.रर.पषुष.बुर.पषुष.ये..पषुष.री.राष्ट्रेय.वि.पष्टिषा.श्रर. **ची.ब्रॅ४.त.च ष्रथ.कर्.क्रेट.क्ष्य.त्र.जूच.त.द्व.त.५ ५.५४.ट्.चे... ॠयः यः यः देनाः पदेः द्रदः देनः ग्रुः यहुषः द्वेन्यः यः देः यः न्ई न्यः पदेः ॡ्यः ग्रुषः पद्नाः देनः** न्राचीतात्ववातातात्वात्रेनात्तिः रतारेतात्तात्वाताता इवता ग्रीप्यातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वाता केर रे र न न न र र पहिन्द र इस धर पन न न न निवार र न र र व में इस व केर है र र मिलेव रि. श्वरामा श्वेर मार्थर मार्थर स्थान सामित मार्थित सामित सामित सामित सामित सामित सामित सामित सामित सामित मलास्मित्रेन् वित्रिक्षेत्रः न्र्यायदे न्याः प्रविद्यानु । वित्राम्बुर्याः प्रविद्याः न्रार्म् न्रार्म् वर्ष्या यदे प्रमेव पर्मान् वर्षा प्रमान वर्षा वर्षे वर्षा प्रमेव प्रमान वर्षा प्रमान वर्षा प्रमान पठन्यार्ट्यात्र श्रीत्र विचायर र्ष्ट्र तेरायार्ये गुरुष्या स्वेत्। धिका स्वेत्र स्वेतायर हे गुरुष्य स्वेता स्वे त्विषाः चतः तीषाः में . यट र चटः में . बीचः चतः क्षेताः बीकात्वकरः चः में टः में . क्षेत्रः व्यनः देवायः क्षेत्र इत्र हे नया पदे द्वार पदा विषय पदा विषय क्षा क्षा विषय क्षा क्षा विषय क्षा क्षा विषय विषय विषय विषय विषय नर्गामहेरासु वेद पदे में है दर्मी केरा दर्भ स्थर रर पदिद सेर पर में गरा पा लट्र न् न् नदे क्षे नदे में तर्र रूर्र र् न् न दे ने न न के हिट्र में नहिट्र र न व सरा कर् व्यवा हुः र्रायः तुः शुर्रः यः धेवः हे । वेश्रवः ठवः वश्रवः ठर् विरः वरः वक्षरः विवः सः वः वर् मं तुःबहेदःधःस्मःर्मेषःधरःदेखिर्षः देषःपर्मःतुःचतुरःवदेःमदिःदेःररःपदिदः बेर् धर हैं गुराधरा रे बे हेंग धर रे र्र प्र दे था बेर् की केर मुल्क लेग परे दा धर वर् यतः हॅ न्यायाया नर् न् कु.प्टेंब् यः व्यायतः यद्द्ः यदे श्री स् | तर्ने के द्वेर वा नरः व्रे नवादः व्रेतः व्रेतः प्रेतः प्रदः प्रतः प्रवादः द्वातः क्षेतः क्षेत्रः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्या ลืน.บล็พ.ลัน.ก.พ.ช่ะ.ลินผ.ข.ผื.ผู้พ.ชะ.ละ.นิะ.ต.น์บะ.ษ.พิช.2.บรีะ.บช.สีพ.... यहवारे शे श्वा क्ष्याञ्च नवान् नेरास्ट राज्य र देशका नु स्वर्ता ने ना र्ट रे वा खुला तह्रद्र-प्रमान्यस्याने स्माध्यात् युर्न-संक्षेत्रः वेता चेर-पः प्रमाष्ट्र-पर-के यहा के स्मार्टा। रे हिर वे पर म में में पार से दें र घर म में पार के रे तर पर र म में मूर के र र र र से स्वर्ध कर जा मार व्यान्य वर विक्र चेर् मुर्य वया ठर् ग्री स्याय रेषा धरे वहेत सूर्य ग्रेत वहेत मति विवस देश मति देव के निश्चर रवा र्रा देव देव निवस र र्राटर र वे रहर वर देश.त. चीरे र.क्षेचेथ.तर.वेर. तपु.द्रचेथ.तपु.क्ष्मेथ.मे.क्षे.च.चेथप.चर. चीशेरथ. तपु..... <u> नशुक्रासा रहा सुनाका क्षेत्र नाना के देवाना नुद्रा सामा नशुक्री हिंदा सुना का न</u> २ अ.वी.वि.र.तरः ब्रॅं.र.व.ब्रॅं.र.त.वर.तपूरी निर्मात्त्री हीयः र वावावः लालका वी.र वावाः ॱॻॖॱॸॣॸॱॸऀॱॺज़ॱय़ढ़ऀॱॸॣॺऻॺॖॱॺऻढ़ॖऀॺ**ॱॲॸॣॱॸॕऻॗ**ऻड़॓ॱॺॱॸॣॸॱऄॕॱढ़ॗॏॱ॔॔ॸढ़ॺॱॺॺऻॗ ॱढ़ॕज़ॱॺॕॸॴॻॱ**ऄॱॿॖऀॸॱय़ॱॸॸॱॎ**ऻॎऄॴड़ॖढ़ऀॱॿॗऀॸॱ**य़ॱढ़ऀॸॱॸॖॱॸ**ख़ॣॿऻॎऻड़॓ॸॱढ़ऀॱॿॗऀॸॱय़ॱ वयरा ठर् दे। |रे वर् दरा दे भूषा पर पर्दे । |ठेका पशुरका पा क्षेत्र। कुँदा कॅटका य.र्ट. भेथ.वि. हुत.स. बोबेय.स् । तर्**. वे.** मेथ.वे. संत्र. संत्र. संत्र. वे बाव वि. हे। तर्रे. बेन्-क्-सुक्-रुक्-ब्रक्क-रुक्-द्रक्न-केन्-तु-भूक-वर-द्रश्चर-वर्द-ध्वेर-र्रा |रेगक-वर-**ॱ**र् ग ग छ की । 🕏 र ॱब्लॅ ग थय। थयः द ।यः ठे ग ः ब्लू यः यो। । वृद् र बेदः यः दे : वृद : बेदः |ळ्च'दहेंद'दडुर'न'हुल'न'धेर्य| |दन्नेन'डेर्'दरे-दे-दे-दे-स्थेत| धेव त्य हॅव द अ धर सुद अेद दें श्रु अ दु र्थेष धर तहें व धर त श्रुर रें। दिशे छेर दे ॱॲनॱधरॱ**८ हेदॱध**ॱने अप्दर्रेन्ॱकन्याञ्चेन्'ध्या **ने** 'घवेद' न ने न्यायद्याने 'घवेद ण ने णाता प्रति कृत सिता ग्रीता श्वापं मा ने जा ने ता ने ते त्या प्रतास सिता पर सिता पर सिता पर सिता पर सिता प **डे**र:र्रे। च ब्रेंब्र : ब्रेन् : यः क्रें दः यः ह्यु लः चर्वे : वृत् : ब्रेन् : प्रदः वर्षे व : व्यः व द्वे व : व्यः व देव : व न् र भेदार दे त्र वा प्रता के देवा विकासी विकासी विकासी के विकासी विकासी

२ गमा-छ-र-म्शुरुषास-२्र-२ेषामञ्जर-पदि-र्र-पतिवुर-धर्-प-त्य-विवु-धर्-प-त्य-विवा-छ-र-सहर्-प------मुनेत्र वर्षेत्र मुन्त वर्षेत्र मुन्त मुन् ॕॹॴॱय़ॱॴॱॸॖ॓॔ॴॻॿॖॸॱॻ**ढ़ॱॶॴॾॕॴॱॺॸॱॸऻॴॱॸॺऻॴॱॻॴऒऻ**ऻढ़ॸॣऀॱय़ॾ॓ॴॱ गुरान्तान्त्रम् अर्गुः हेरातुः रूर्मि संस्थागुरायदेः रूर्यि देवा व्यत्। यात्मेनायः हः |८ बाबा के त्या के त्य र्व. इयय. लुव. र्वे। | ने ख़ . धव . दत र . धर . धर . द हे व . धवे . ख्रुं . द में व ता क्रें . घव . र् नानार्मेलाया दर्मनायदराई। नलातुषायामभेनायाक्षातुः वेदावे वेर्याया वेर् पर. इ. चेय. तपु. इय. चेय. क्रे. इर. तर. इय. त. म. क्रे. यर. प्र. त. म. क्रे. तर. पह के. तपु. प्रतिप्त.... वेयःक्र्यान्यः ध्रम् । ने नि वेदः नि दे नियान्यः श्रीयः पत्रः यः स्द्रः श्रीयः श्रुन् । ब्रर-बेर्-डेग्-ग्वर-रु-ब्रुप-ध-बे**द**-ग्री **क्र**ण-रे-हि-हुर-धेद-ध-स-रे-हुर-धेद-धर-स् वेयायर चेरायते हेया वेया क्षेत्राया धेवा केंद्रा विषायया ग्रहा विषायेरायर पदा ब्रेन्-चःधि |दर्मनःचःदशुचःचरःदशुरःबेशःच| |नेःवःक्रनःकेनःबेन्।वेत्रःवरा |र्मेः चर-छेर्-ग्रे-शेल-छेर्-श्रेष् । बिल-ग्रुट्ल-मेर-। रेते-रर-त्मेल-लल-ग्रुट-। ग्रैयः छ्याः न्याः बेन् । यतः सम् । अत्यः मार्ने गयः यतः समः बेन् । यते । यते । यते । यत् वा पः वा पः वा पः वा <u>৾</u>ঽ৽ঽ৽৴ৼ৾য়৽য়৽য়য়৽ড়৾৾ঽৼ৽য়ৼ৽৸ঀৢ৾৾য়৽য়৾৾ঽ৽য়৾ঀ৽য়৾ঀ৽য়ৢয়৽৸ঽ৽ঢ়ৄ৾ৼ৽য়ৣ৽য়ঀ৽৾ঀয়৽ঽ৽৽ विगः छेन् : ठेराः ञ्चरायः ग्**रः धेवः यः यन् रायः यन् न्यः यः** छः हे। न्रेराः यम्याः व्ययः ठन् : न्रः दॅवःगुरः ररः चविवः बेर् यः यः त्रं तः यः इषयः ररः चविवः बेर् यः वेतः वेतः मे ब्र.लुब.ग्री पर हिन्दा धिव में। ।र्येर व। त्यत विया व रे क्ष हिवा व बेर् पविव रु क्ष हिवा विवान थेंन में वेता बेर मान्या ने बेन सामाय है मान से बेन में वेता बेर मान है मान

देयाक्ष ह्वेत येदायर थे हेदा है। क्षे ह्वेत हियाद थे शेदायर ह्व पायमय विषा हु नद | ने.पर्वतः रु.र्र्स्यायः स्वयाः ग्री:ररःपर्वतः वेनः में.वेयः ग्रु:पर्वः क्षेत्रः में.वेयः ग्रु:पर्वः क्षेत्रः में यः इयरा ग्रुः रदः प्रवेदः येदः यः वेदः तुः चेदः यः यः भेदः ग्रुः द्वारः द्वयरः वयरः वयरः वयरः वयरः वयरः वयरः व च्चैतायाञ्चे'र्चा वार्रेषा पताञ्चेरताया स्वता ग्रैता ररा पत्रेत्रा ररा पत्रेत्रा **新**てる. むな. 脅メし यः के न् न् नुः क्षु विकास स्वयायः न्यायितः येन् । या व्यवः यमः वेन् वरः केन् । या येवः यय। दे^ॱ.ལ་ རང་བ\leqslantॆན་ཚད་ཕ་མ་ਘིན་ན་ཚེག་མེད་པའང་ཚེག་མ་གན་མ་བར་ਘང་རང་བୡ୕ୣୡ་᠁ स्र-त. था. लुचे. तर र च. थि. बीच. त. लूचे. ची रट. च लुचे. बुचे. दे. जुवा वे. कुचे. ई था. है. ॱढ़ऀॻॱऄॖॱ॔ॱऄॴॱॾॖॖॖॖॖॺॱय़ॱॻ॑ॸॱॱऄढ़ॱय़ॱॸ॓॓ॱॸऀॻॺॱय़ॱॵढ़ॱढ़ॕॱढ़॓ॺॱॻऻॺक़ॱय़ॸॱॻऻॹॖॸॺॱय़ॱॷॸॱ**ॱ**ॱ नेयायर गुर्दा दिते श्वेर व्यन्तर्भन के बुराय केन्द्र नन के कि वा स्वरम्न नन ञ्चितः न्दः ञ्रत्यः वः धेवः वत्यः न् गान् ज्ञुनः ग्रुः नेग्रयः पदेः न् ग्रुन्ः यः वदः र्यः ग्रेन्ः यः वे। য়ৢ৾**৾৾৾৾৺৶৻৻৻৻য়য়য়৻য়ৼ৻ৼৼৼ৻য়৻ঀৣ৾৻ৼঀয়৻য়৻ৼৼৼ৻৸য়৻য়ৢ৾৻ৼঀঀ**৻য়ৢঢ়৻ঀৼ৻৸৻ৼৼ৾৾ৢঢ়৻ *पः ५८* : बेर् : दः र न न न बे: र में रा पदे : ब्रु : बळ दः प छू दः द रा थ : रॅल चं: र न न ब्रु दः ग्री: र धु र : धः चेन्ॱयःतम्बान्ववेदःनुःन्बाबा**ञ्च**यःचःश्चेःत्रदःयरःतन्नन्यदेःखेरःन्नः। ज्ञुःय**ळद**ायम्न च-नेल-ग्रुट-व-र्रल-र्र-द नन-श्वर-छ-द नेल-पर-५ देन-प्र-ल-द नन-प्र-छ-पर-क्षे-रेनल-हे।

र्मायाः प्रत्याः वितासः वित्ते क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः वितास्त्रः वितास्त्रः क्षेत्रः वितास्त्रः क्षेत्रः वितास्त्रः क्षेत्रः वितास्त्रः क्षेत्रः वितास्त्रः वितासः वितास्त्रः वितासः वितास

वास्वाया पदि देवाया पदे स्वाया ग्री हेवा शुर इत्या वता नवा स्वाया क्षेत्र हे या ववा पर देलः यदै ह्वा नहीं न्या है देन देन में निर्मा है निर्मा है निर्मा है निर्माण त्रहेत् भूत्रा शुक् श्रुतः पते क्वां क्रां क्रां श्रुक के वा व्यवायि देश पा पश्चितः पते श्रुतः प्रेवः क्वां वा विकास विकास क्षा विकास **इ.५२.चुन, मु.५इव.क्षेर्याग्रु.लेज.इ.चेथ.तथ.शेय.५३व.त.लुव.खे.यी** दहेद्र-तपुः¥्योत्ताकाघपःलयात्तात्वेयोःलूरे.योटः वेथःश्चेषःघषथः६रं.योः झ. तरः बीरः तपुः **बुदार्ड** खन् नी हैं मा या न र भेदा सार्चे ले नाया पर र देया महार द्वार दे ते ले दे ते ले दे ते ले दे ते हिरा चर.वे.के। रे.प्रचःव.वेय.क्षेत्र.चयय.कर.र्वच.चर.प वीर.पष्ट.क्षेत्र.स् दर्न् रःकन्रात्यःत्रात्यःम् लव् ग्रीःम् हेव् सं ग्रीट्रायः देश्यात्रः देश्महेव् सं धेव् त्यः सः देनः सदेः मृत्रेदः सं मृत्युद्रतः सः दैः सद्यदः द् ना नी मृत्रेदः स्टरः द श्रुटः स्वरः सः देनः सः दे नेदाः सः क्क्षुंद्र- इयस रुद्र- ग्री ग्री में के मान समा स्वा ख्रचायाः मन्त्रेयाः मन्त्रेयाः मन्त्रेयाः मन्त्रायः न्त्रा |८<u>६</u>म.हेब.इबल.ग्रे.ब्रॅन.ट्रन.ग्र. क्टे:नर दिन तर्दर दे अट र न न म न न न न न न *निरावे पर्ने म्*क्षण्या नवया छेता मुश्रम्य परा ले : स्र : चर् : धर : चेर् : क्षे र मुर् |बे.रूट.चयवाचर: चु:क्केर:बश्हरता पवा ग्रमः दे तर्दे दः कवावा चर् । परः चे दः व शुरः के दा निट.धुने.ट.मैज.श्र्वयः बर. इ.ड्रेर. म्शुर्या पार्ने माणुरा दी खा म्बदा शेरद ह्या। | रे·धेर·रे·वे·केयाध्याय **ऀवः** मुश्चरः देः र् मः र्रः देः र् मः र्देवः क्रेवः विवा | निर्मे :श्रेना : चर्राधर : च्रिस्यः न. नट. लब. दे य. वे. ब्रेंब. ब्रट्य. ब. खेया द इवया विष्यं स्थायवतः न्यायि स्था पा.वी.तार.र मी.पंडेब.तर.मेवत.प.इयथ.ग्रीय.मेशीरयी वि:वःगर्ने: [ৰুথ.শ্ৰ श्चमाने हे त इ विमाधिक स्रवादा **ब्रै** वर ने क्रयाद्मयत रर ने यक्ष द ने र क्रिया सुव यर'यहेंद्र'यते'रूट'पदेव केंद्रें न्यायते हैंदे दे यहेर अहे न्या के चर्ष.चम्.चप्रे.

त मेल पालका इस पर नेलपार देल विते राजी राजी है के का पर में का पर ने का पर के का पर के का पर के का पर के का पर नः ब्रेब्र्-ब्र्ट्यायः स्वरं ग्रीः श्रेशः भेषः पदे न् नदः ग्रेषः न् द्रयः स्वरं यायः स्वरं व्यरं न् न् स्वरं विदः त्रितः चरः तह नः पदेः वः चंत्रः तुः श्चरः पः ऋधः पः स्थवः ठरः तुः त न मवः पः वकार्यः वः वः । । । । । । । । । । ॅस्ना-धरः इयः धरः नृवनाः में वियानस्रदः धरेः क्षेत्रः प्रमुन्। श्रेतः प्रदेः यः वियः स्यः नेयः हो । सियास्ययाने की ह्यून स्थायाया । सियायान मा खेन खर्द्द स्वादी । श्रीन पदे ાદ્દ.શ્વર.તથર.તવુ.જ્જા.શુજા.જ્ઞા.તમ.ત્વુલ,શ્વર.તપ. থ্য প্রবাদ্ধ বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র য়৾৾য়ৼ৽ঢ়৶৽ড়ঀ৾৾৶৽ঢ়ড়৾৽য়য়৽ঢ়ৼ৽ঀ৾৾৵৽৸ৠ৾৾ৼ৽ঢ়ড়৽য়ঢ়৾য়৽য়ৼ৽য়য়ৼঢ়য়য়৾ঀ৽ড়ৼ৽৽৽৽ <u> ३८.कैन:थुत्रक र्ततः इत्रक्षकः लास्त्रम्यः स्त्रम्यः स्त्रम्यः स्त्रम्यम्यः विवानश्चर्यः स्त्रा</u> ने हेन पने व त हेव बे व प्यत्र पीव है। खब या खब न पर है पबे ब है। *गुव*न्यःन|क्यःद श्रुनःहे| |दे:ध्रेनःहेंद-बेंद्यःवव्ययःठट्:ग्रुटः| |नहे:सुन:प्टेंब: नयः प द्वारायः प श्रुपः । विषानवे नवे नश्चे नवे भ श्रेयः स्वा गिने सुग के हैं। ₹ यरात्यः हे · क्षेत्रः मने वः धरः हे वाः धः त्यः क्षेत्रः ये वे वाः वे वः धरे वः विः रहः वीः रॅ·चॅन·क्ष्ण·धरःर्श्वं तर्ने गुरु·धरःरमः तुः तहुणःर्गः वेरुःरा |रे.क्रेर.ब.र्चाय.प.ष्ट्रांडर त्वर्रे व्रष्टिं कु विदेश विद्या विदेश के स्थान व्यापन व्यापन विदेश विदेश द्यः श्रीतः न्यवः नववः मुः नवेन् स्य दे श्रीतः सः विश्वेतः सः विश्वेतः स्वा स्वरः स्वा स्वरः स्व श्चितः न्यं द्राञ्चः चार्या ग्रायायः स्वेतः स्वेतः द्रायः ना विदः स्वयः नेतः श्चेतः हुः नवेदः सवेः र्द्रयायानिवासर्वद्रमावीसर्वासर्वासराविदाया नेप्यत् क्रिम्बर्मरवाक्वाश्चीया द्रना पर पर्वे न ने स्र र द्रारा स्र प्रति प्रति प्रति पर्वे अप वा श्रेषा हेत्र स्र स्ता हवा है श्चित्रःश्चरः । तह्रणः त्राच्यः श्चितः व्याप्तः व्यापतः व्याप्तः व्यापतः व्याप

र् मॅर्याया रे क्षेत्रावन् रक्षे नेवादायोग्या वर्षेत्रावदे इत्यान्त्रेवाद्यावन् प्रदेश्यावस्यायाञ्चरःःः नेदः हु: न् गृद्धः । ने: क्षः चुदे: बः नेवायः हैकः वहेदः खन्कः ने देः बन्दः सु: बुदः ग्रीः चहेनः त.ल्रुच.धे। ह्रूंट.बेर्-पर्थं के.च.लया क्रै.चंट.मुंब.लय.ह्रेंब.चंट्रबा **र् ना.न्य..वु.क्र्र् ना.न.न्या । र्. वु.क्र्र्व.न्य.क.र्यन.न्युर्या । र्.**न्यय.लव्य.न्यन.न्द्रु. | ने दे अ दे न त न न स्थापन | ने क्षेत्र पद त न न के त द न न न <u> नश्चरतः भेरः। इ. भेरु. ४ रा. हेर्. केर. है न.त. तत्त्व. ग्वरः। व. ४ न.य न नवायः तरः श्वरः दः</u> श्चार शुर्चा श्चिमारा ह्यार व्यवस्थित । विष्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री स्ट्री चित्रायाः च्रायाः व्याप्तायाः विष्या विषय सार्ष्रा परे स. पर बिश्वरा स. रूप मेव . हि. र शेव . स. हिन हैं। विश्व विराध से दे . परे हैं . परे हैं . परे हैं त.लुव. तर.व्री जियायाज्यार नर.ह.नवुव.री वियाध्वयार रा पह्रियाचर ह. न. इया. नेल. हे। विषाल नवा हरा इत्यापना नवा नरा नहेता है। विषाल निष्य के **र्यः यदः नक्ष्यः नह्यः श्रार् गानाः चः दर्गानाः यदः रेगायः सः है क्ष्रेर् छेगः ग्रुरयः यः स्थयः ः ःः** ठ८. बिर. बेधे. धेबे. बुबे. क्था. क्था. क्था. पर. बे. ट्र. बुदे. द्या बीच. तर हैं। पर बेथा. तपुर पर प्राप्त क्या रे.चगाना-वत्यःळ्यः इत्यतान्तीः नरः नैः संक्षेत्रः यो द्वारः यहं दः यः धेवः यत्य देगः पदेःदहेनःस्ट्राराशुनः न् सुदः पः सिंदि देः न्यानुः देगवायः पञ्च स्वावः यः गानुद्वायः धिनः चरा पुर्-क्रु-मू-ति-ह-त्या के हे ब किर प्रदेश पर-दिवा शुर के ब स्था पर में वा

म. द्व. जूर. द्व. च वर. ता ्र अंत. र्च्य दे विषयः हे दे. च र म. हे र. च व. ग्रीयः ये ययः छ व स वयः ^ॡषा-नॡख़ॱॠॱळॅषायःॱग्रेयः ढ़ेदः सरः ग्**चैणयः इसः ने**ॱन् षः इसः सरं ग्रॅथः नरः ग्रुः नदेः **छैरः**…… न्द्रायः स्वराक्षेः यदः न्वायः द्वेष्षः यः वेदः दवः तुः यस्वः यदः यवेदः यदा हेवः वेदः दवेष नर.पडिट. न.इंग.श.नक्षेत्र.नर.नक्ष्यंत्र.है। लद्र,देव,क्ष.ल्ये. श्रव्रट.न.पक्ष्ट्री यर:र्णः अर्हर:मः इत्रः धरः म्या विकामधरणः पदेः धरः स्वापः म्याः स्वापः ग्रेः यदः द्वाः यः हिः द्वाः विदः यदः यदः यदः विदः विदः विदः विदः यः विदः दे विश्वायायायाया विदे सुनानी सुद परा र् ते ता ग्री केना पश्ची नता मं दे न हे ता या इसता ता है न ह न स्वापा ता है न न है न **हॅ ग**.घ.व.दे.र् ग.ष.वर्र्र्र.ळग्य.र्र्रः वे.च्र्रःर् गःश्चेर्रःयरःग्चेर्ःर्र। ।ग्रःभेःळेलेवः इस्तर्यकात्रस्य विस्तर्भात्रा ब्रह्मा महासुन्न महिन्सुन मिन्न मिन्न स्वापा विद्यान मिन्न स्वापा वि बेण मैकान् हेकारा इवका ग्रे हे हिन्दे हिन्दे हिन्दे वह निव्याहित वह विकास के वितास के विकास क देवै वर्ष्ट्र कर्णल रहा ले स्टार्म के श्चिद्र विवासिश्या मेहा रहा छेट् लेटा हुन पति सक्षयता श्रुंतातु। पर्नेताश्रवाता वित्रिता श्रेषा मेना या क्रेवा यदि न तुरास्या ग्रेषार्नेवा र्यायात्यत्त्वायावीयत्त्रीवन्त्री र्ष्ट्रित्श्रीयाव्यक्षियाश्चीयाद्वेवार्षेवार् र्यः चः तः तह नः चः ह्रं दः हेन तहेरः च १८ वः च वः देनं व ह्रे च ततः वरः वरः हिर वेयाल्यायानश्चरयानेता रवान्तेतानेतान्त्राच्यात्र्याच्यायाक्ष्यान्त्राम्या र् हिर् ग्रेय वर् स्था ग्रे मेनाय र्ट अधिय तप्त अर् र्वेष अधय या महेब वया है वतः इयामः बैःश्रीनः माङ्गदः केव विनेतः विनेतः य। विन्यमते पुरावे विवादः विवादः ॥ बेश.य्रग्रश्गत्याम्याच्याः श्रीतः न्यंत्रः यादतः मुत्रः तम्याः यदः विद्यः विद्यः यादः विद्यः विद्यः विद्यः विद विद्यः यावाः विद्याः यावाः विद्याः विद ॻॖऀॱॸॣॸॱय़ॕढ़ऀॱॺॱड़॓ॻॱय़ॱॸॣॾॕॺॱय़॔ॱॺॱॸॾॱॻॿॖऀॺॱॿॕॖॱढ़ॾॕॣॻॺॱय़ॱख़ॻॿ॓ॣॸॱय़ॱॸॣॾॿॣॱॸॾॱॱॱॱॱ यद ८.क्र्यामी वर् वा शर् हैं वरा सं वर्षेर सर वर्षा वर्षा

रेलावाववान्याः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वापताः स्वापत न्त्रणंदह्यःलयःलयःनश्चःवश्चेयःग्रुःयःद्रवाःतरःवश्चरःचःवर्दःश्वरःचरःभेयःचरःग्रुयः…… विण चलि:चम्चु:चःलका ह्रमा:चक्रःबर्झर:चःद्रहे। दि:दे:दर्-उ:द्यमःचरः 91 **के**रा इ अरा ता नरा नी रें 'दंश शुवायर क्षें'त रें नाता पते 'हें नाय पीता है। हॅ मः यः देः धरः द मः यः व्यदः यदेः ररः च विदः ग्रेः दें वः श्रुः यदें मंदः यः हे। दे.लट. व्रेव. ब्रट्स. क्व. की. वा. द्रा. त्य व्यत्ति व्यत्ति क्षेत्र क महारुष: भेर। न्रः हॅ न् व्ययः ठर् ग्रे .ले.यः रे न्यः ययः यम् न्यः यरः यर् न् रः वे .ले.यः यरः यः यह न्ययः ग्री-र्ने व : सं श्री व : परा पर हे व : परी : व परा है : बेन : या 🔰 है व : या व द : प्री : व व या व द : ग्री : त्र्वाताः क्षेत्रः त् श्रुत्रः स् । दे क्षे त् त्रि श्वः त्वः यवः यवः वरः त्विदः यदेः यदः याचेरायाचयतारुरार्देवायेरातुत्व चुराहे। महीमकुम्यावा मर्गादीखारदायरू · त शुर्रः लेल। । इं रः श्रेदः इं रः इरः यह रः श्रेदः है। । यगः इता श्रेतः श्रेरः दे रायर। । **|इर.**घ४८.धदे. या देना पर्द तहेव सूर्या ग्रे लेव स्थार ने हेन् नवित पवन वया तरा तर नर नविव में से पा पवना पा स्वयता उन् ने वा देना पदे तिहेन हिन्ता ग्रे खुला दे हैन खुन खुन पा ना का का -कर्-पदे·≝ॅव-प-क्षेत्र-सम्बद्धन्-प्र्वा-पत्र-दश्चर-पत्र| वेतःत्रपःक्व-श्चेतःद्वे-क्षेत्रःश्चेतः ग्रु-ब-रेन-धदै-बेद-धुत्य-र्नान-ग्रुदे-झ-घर-वेद्य-घर-ग्रुधी ग्रेब. पह बदा श्री प. यह प. श्री. यः तयदः देवाः वेदाः यह वदाः स्वापः स्वापः सः सुरः व्यापः वेदाः हो। तरि क्षर र गण चि.पब्र.त.वु.चे.पथ.बूरथ.वथ.वुरे.त.श्रुव.बी रेबान.वे.टुंपु.लीज.क्य.बी.ल्बा.क्रुंब. देशालेबन रुद्दार्वेर पर तकेर पर वर्षेर देश सुवा शुद्दा स्वीद पा धेदाया हो बन ठदॱबयरारुद्र'त्रिंर'पर'त्रेद्र'पःदे'क्षेद्र'क्षेत्र'क्षेर'ग्रे'यारेष्र'प्रदे'क्षेर'र्द्र'। तवर् पवे छैर र। । तर् लारे राम र वे गरा छे रामर हेराम भेव र गणा केंद्र। क्षेत्र.र नाना चि.पह्रब. राष्ट्र.प्रामः ह्र ना सहर ना हु नारा धारा है । पाना पाना पानु ना हे रा हि रा हि रा हि क्षेत्र. द्वेना क्षेत्रः तदः सन्तरमा यादः त्वा यादः नह नवः ग्रीः र न न नः ग्रीः स्वयः ग्रीटः स्वयः निहरः चियावयार्श्चे तर्ने नवारा मिं व धेव रायाव न न न र ने याया से नवारा है न से र की मेवारा दे त्रेष्ठ स्ट्रिप्त वयता ठ**र दे** वया यद दे ग्राय प्रशासक शुद्र त्रिष्ठे द प्रश्चे व स्वाय विकास विकास विकास विकास व मलावहें ब्राष्ट्रित्रा शुक् । त् शुक्ता परा द्वा प्रते हिं के धित् वे शाहें ना मार्थि क त्रा ते । धरा पर ना गा मु.पह्रय.त. मोडे थ.थंब. र्.रे मे. मुथ.पहे मेथ.तपु.सीयायाः विर.तर ह्ये.पर् मेथा तपु.हूं मारा इययः लय में। हें ना यानर लय वयया उर् या के मुद्रा

 · न र् ग् ग्वा तरः प विव विव तिवा महामा या समयः प तुरः मी क्षा ववा रेवा नातुरः परः ग्रुः हो। यदैः गुवः रहः र्वरः बेर् यः हे। दिवावः वर्षः वैः व्यर् वाधवा विवायदे विवानः वदेः तर्ने व नर रर में हें व रर रर व वेव रर रर र र र र र र र व व व र र त्रीयःमःयहा रणायायायायात्रीत्रधेदायादेरायादी वेषादेर्ग्णाइयाग्रद्याशुम्हारायायाया नेॱॱ^ॴॱॿढ़ॸॱॱॱॸॻॱॴॴॱढ़॓ॴॱॸढ़ऀॱॹॗॱक़ॗॆढ़ॱॴॱॸॻॱॴॴॱय़ॱॴॳॗॸॱॿॖऀॱॶॴॱड़ढ़ॱॿॱ*फ़ॗॸ्*ॱॱॱ यते : वेषाया त्या व वव : वेषा च : क्षे : दे ते : द्वर : वेषा य व व । य : वेष : य व व व : य व व व : य व व : य व । देशन्तः रदः द्वदः वः लेखः द्वः क्षेः खुलः देः द्वा वीः रदः रदः वीः वृद्धवादा वादाः ॱॺॕॸॱॶ*ॻ*ॴॹॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॹॸॱऄढ़ॱय़ढ़ॱॸॕॱॺॕय़॔ऻॎॗऻॸ॓ॱढ़॓ॸॖॸॱॴॱॸॸॱॺॖ॓ॱॸ॔ॱॺऀॱॸ॔ॱॿढ़ढ़ॱ वेवाच्या ।ने.लट.र्घर.वा वर्गायायात्रुवातु.चन्ग्वायाने.त्रुवावस्त्राचीःत्रुदेरस्यः *ॱ***व**ॱॶॴॱऄॗॸॱॸॖॱॿॗॴऄॖॸॱॺॱॿॖज़ॱय़ॹॱॸ॓ऀऄॱॗॸॖॸॱय़ॸॱॸॗॷॸॱॸॖॱऄॸॱय़ॱॸ॓ॱॸढ़ॎऀॿॱॸॖॗॗॗॗ · तर्- इ यतः ग्रुट् व : क्रुन् : पदे : क्विंदे : दे : क्वेंद्र : क्वेंद्र : क्वेंद्र : क्वंंद्र : क्वेंद्र : लट.श.बीच.स.लुब्र.स.जी ने भूर र वे तहें व पर व स्त्र न पर वे स्वर प्रेय पर वे पर **ऍ ग**ॱयॱऄॸ्ॱय़ॸॱॲॸ्ॱय़ॱढ़ॖऀॸ्ॱऄॸ्ॱय़ॱॸ॓ॱॸ॒ॻॱढ़ऀॱॺॕॸॱॺॱक़ॻॱय़ॸॱॿॻॱय़ॱय़ॺॕॗॻऻॺॱय़ॱख़ॎॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗ च न नवः चर्दः श्रुतः द्वरः दिः देवः यः श्रुवः चरः देवः द्वा विवः रदः नेः देवः यः श्रुवः वः विवः वः विवः रदः ने नदः द्धारान् भूतराम् शुरुषार्थं। निषानान् निर्मानुष्ठेते निष्यामा मिषानविषा सम्बन्धार स्टा मी दॅ दि दे दे दे दे ते ता अल की हो द द तु श्वाप पर दे ल पत पत पत विषय के ता के दे हो द पत के दे ते ता के दे हो द पत के दे ते ता के दे हो द पत के दे ते ता के दे ढ़ॗॸॱय़ॸॱॻॖऀॱॺ॒ढ़ऀॱॺॸॱ**≘ॺॱॺऀॱ**ऄॗॸॱॸॖॱऄॸॱय़ॱढ़ऀॱॺॸॱॾॺॱॺऀॱय़*ॸॺ*ॱऄॸॱॸॸॱऻ श्रमान्द्रायः स्वायः तप्तुः क्ष्याची क्षेट्राची यो प्राप्तुः क्ष्याची प्राप्ता च्या विष्यु है। नरः चनः नरः क्रवः ग्रेः क्रेरः तुः स्प्रः परः यहेवः यः दैः पर्ना नवेवः ग्रेः यहेवः परः श्वावः ग्रेयः ¥ वायाः सम्प्रत्याः वायाः विष्याः विष्यः विष्यः वायाः वायाः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः न्द्रवाराः इववान्तीः मृत्वदायान्यायायायाः यदेः द्रान्दान्यत्वेताने दे वेदायाने वित्ताने वित्ताने वित्ताने वित्तान । ने ने के क्ष्या न्दाना ने न्द्रे नया ने क्षया के वार्ष के नया के न्या के न्या के न्या के न्या के न्या के न्या रट. बट. चन. ची. चर् न. छेर. च. ले थ. छ. चर् । विष. ने छट्य. च. सेर. रे । वाय. हे. बट. चन रर ने अर्द ने हेर् ग्रेश श्वाप पर दहेद य रे नर चन ने पर न मु ह दहेद य थेद य ... धरायहेव धयरान् चन ने पर्नायहेव र त्या रेपर्रा व देर देर व दे यह न हे नह ताले. तरा प्रीया प्राया है. पार्च र प्राया के प्राया प्रीया के कार्या के कार्या प्राया प्राया प्राया प्राया प्र ब्रिन्सं ले व। न्या वन ता न्या प्राचन तिव प्रमा प्राचित प्राचित प्राचन विकास के वितास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विका रट.च द्वेत्र.लूर.च.चट.चम्.ची.चर्म.छ.च्छरत्य.चत्र.चर.चम.ची.चर्म.५६द.५.५५८ |द्ब.क्य. बट. बच. ब. च. च. थे. पहुब. स. ल. पहुब. केथ. अ. किय. स. लुब. डू॥ र्मेशःश्री दं त तहे न देते प्रत्ना तहे व ताहे तर् दं वेग र में वा क्षेत्र वा तहे न दे न तहे न व तहे न व तहे न व तहे न व त नर्ना तहें कु.ज.यर में यानगुर नदे हे न तन्तर लेगा में या सुर सं तार् ये नया क्या नर्गा मु.पह्रय.त.केर.प्रथ.त.धु.झर.लटा वह्रय.के.इव.धुयावे.पह्रयाचरास्टरम्य.र्थयायः मः भवः मः नम् मा दिरः दश्याः नरः नहेदः दयः नह मायः मदेः न न् मायः मदीः न न मायः महीरयः ।।।। परासुरायः तान् श्रेषायापराश्चेत्राष्ट्री प्राच्चषा दशालेषा न् श्रेषायापर्दा ८ॅद श्रुया पते तहेव पा क्रे पते नितर महिर श्रुर पते निर वन केन र्मे रा परा श्रुर निवर ग्री न्रः चन दे न् बे न् बारा या या थेव दें।

र्भेग्रास्रे त्याहे क्रायहे द्वायते द्वाया दी यह ग्रायम्या दे त्यायह ग्रा ळ्य्यायायाः के.पा.वे.रा.र्टाराणाः क्षेत्रायाने के.वे.वे.वे.क्षा.त्राव्याया वेताम्युरणायता वेताम्युरणायता ररःगै'यक्ष्य'देरंगैयाग्रीय'सद्गर्भरामदेर्यात्र्यं स्तर्भः स्वर्भः 2. पह्रय. त. खुर्चा. र मूथ. थू। । लट. पह्रच. प्रचुषा पत्रचा पह्रचा स्रचा त. स. मूर व श्र र ने.लट.चर्ना.मी.चर्ना.अर्.स.क्रेर्-ब्रिट-र्श्-खर्-स.लयःश्र्रह्न-चरः चर.चे.च.लुब.जा *१२.७८.व८.चन.४८.वी.* र्.स.के**र.**ग्रेकाश्चरायरः यहेवायः ञ्चेगरा तहेव : २ में रा र्या धवः यराः नदः मीः यस्त्वः केदः ग्रीयः श्वानः यदेः द्वतः स्वानः दिवः यदे। ।दः धनः यदे व त्रिण'कु'यर ने वा अळेव विवास ने वा सरा चुर्य। | राप्ता रहे ते खे खे के विवास के विव चनाः ह्र लाः खुः ळ्ट्राधराद्ये द्यारा द्वी निरा चना ची निर्मा हुः क्वें रता सदे सा देना स्थापन स्वास्त्रा स्वास ·वृंदःश्चर्यः यः भवः चरः वेः तश्चरः द्री दिः द्वरः वः रदः वेः देः वः श्वरः यदः रदः विदः न्दः यः वे दे न्यायः यदे न्यायः च ध्येवः तः वे वः वे वः क्ष्रः तुः वर्न्नः यस्य वे व व या व ने लाजी तहिना है। है वा क्रिया क्री न विनाला पाकी तमें ना पर हैं वा क्री ने ते हवा पते तहि वा है तता वै रर ने रं रा मुन परे र भीव पता दे के तमें न पा के व है। दे र व अ ह न पर दे व ॻॖऀॱॸ्ऄॻ॑॔य़ॱय़ॱॿॖॱऄॱढ़ॺॕॻॱॻॖॖॖॖॸॱॸ॓ॣढ़ऀॱढ़ऻढ़ॱॶॳॱॿॖॱड़ॻॱय़ॱढ़ॺॕॻॱय़ॱऄॱढ़ॻ॔ॺॱय़ॱॸढ़ॎॏढ़ॱड़ॕऻ देॱढ़ॱॸॱढ़ॱढ़ॺॻऻॺॱय़ॱॺॸॱॺॖॺॱॸॣॸॱॺॕॗॺॱॸॣॺॕढ़ॱॻढ़ऀॺॱॻॖऀॱॻढ़ॖॸॱढ़ॺॱॸॸॱॸढ़ऻढ़ॱॿॖ*ॺ*ॱॺॕॸॗॱ **ब.र्ट.। रट.**बी.ट्र.व्य.ल्य्र.व.र्ट.। रट.बी.बढवरवेर.बी.य.ल्य्र.व.र्ट.।

स्र-विश्वास्य विश्वास्य व

बेर्·धः इ बबः ग्रुटः खुवः रुवः रे : र्टः रे रःबेर् :धरः वह्रं सः ददरः वृत् :धरः रे : ब्रुटः बैः :: : : : र्म्याःस् । मालकः परः र्तुः यः पराः वः क्ष्र्रः रुः शुपः परः शेः दर्द्रः यः रदः मालकः श्रेः यः न्द्रताय्रम् अत्रात्र्रम् । पाष्ट्रवर्ष्यम् अत्रायक्ष्यम् वर्ष्यम् वर्षाः वर्षा न्ना यानवयार्रात् श्रुरान्मेवापये स्नावयात्नातारे यान्ने नवापर्ने दाया दे रहा ने र इथःबीयःतपुरः रटः पत्रेषः ज्यात्रः विराधरः बायरः देः श्रीयः श्रीयः है। देः र्वायः ह्रेयः श्चायम् अवतः श्चायः नेता मेवा विवास्य श्चिर्यः श्चेषः यदेः श्चिरः मे । विदे र् मा त्यवा मेववः यः दसः या नवा न क्षेत्र दुः इया धरा तहे मा धरे रें दा इयवा ता दि हि त्र लेगा धेदा पर दे र्गा त्म् नः पते : भ्रम्याः शुः दे : धिनः पतः ने : सः श्चरः द्वा व्यामाः स्वापदः ग्रीः दे नवः पः हेनः व्यवः য়ৢঀ৾৽য়ড়৾৾৾৻৶৻ঀৼ৾৽ঀ৾ঀ৽ঀয়৻য়ঀ৽ঀ৾৾ঀঀ৽ড়ৼ৽য়ৼ৽ঀঢ়ঀ৽ঀ৾ঀ৽ঢ়৽ঀয়ৼ৽ঢ়য়৽য়ৢৼ৽ঢ়৾য়য়৽৽৽ ल्रा । चवर लट इर प्रचर्रात कर र प्रचर मित्र र वि. वा प्रवास क्षेत्र हैं प्रच्या प्रवास कर र वि. वा वि वि वि वि चलेत्र स्त्र अत् न् मृत्र प्रते त्र माया पार्ट वा क्षेत्र प्रते स्त्र स्यया के मार्केत्र प्रात्मेया है। दे के. श. लुष. थ. र च र. द्विम. ज. जू नेय. च. घ. श्रे रे. री. विया श्रु. जुष. ज. मंत्री नेया श्री. ज. जू नेया चारा विया. वेव पर्व वित्राचन निव के उद्दान वित्र पर्व पर्व वित्र वाद्यायाधिव दें। । गुनायवत तर्ने दुरा रु. तवर् दें। । तर्ने दुरा रु. के तवर् दें वेषाया ·यः र्षम्यः यदैः दहिनः हेदः यः नृदः दहिनः हेदः यदा दन् कः यदैः ह्यः नृदनः नादः यदः छेन् · · · · ः चते छन् क्रियाकी तुरापदे छैन से। दि स्निरा क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्षेत्र क्ष्या क्ष भ्रम्याः शुः वैः वृद्दं व्यक्षेत्रः चरः कृत्यः चरः दे द्वारः चरः चर्दा । यदिः यदः चर्वः वर्वः वर्वः । यदिः यदः त्रचेलानान्त्रः देवालाया द्वा द्वा द्वा प्राप्त । त्रचेला प्राप्त विष्त विष्य । त्रचे वा प्राप्त विष्त विष्य व नःळेलःबरःनरः द्वरःश्व **इ**. भेदेःन्बुरःर्रः । नुनःङ्गःपुःशेःहः रहा पद्देच.त.ऋ.पजुषाःर्येपरःक्षेत्र.चपुःश्चेपराःयुःवाःक्ष्यःक्ष्यःक्ष्यःकःचःयः ञ्चर पर्व अपका खुद र ञ्चर प्रेंबाय भेवा है। दे प्राया श्वर के श्वर शे श्वर शे श्वर श्वर श्वर श्वर श्वर श्वर श्वर ग्रुट्-बेर्-धंदे-धुर-र्स् । ग्विव्य-पट-इग्न-धर-दुर्-ध-व-भूर-ध-ब-भूव-धू-बेय-झ्य-*चर*ॱन्धन् पति ष्वन् पर श्वरावत् राष्ट्रात् हुर हे। ने प्यर ह्यराव वन् पः क्षेत्र रहा **ऍॱॸॕॴॱॹॗॻॱय़ढ़ऀॱॸॕढ़ॱऄॸ॔ॱऄॴय़ॱऀॺज़ॱॸज़ॱॸॸॱॺऀॱॸॕॱॸॕॴॹॗॻॱय़ढ़ऀॱॸॸॱॻढ़ऀढ़ॱऄॸ॔ॱऄॴ**ॱॱ रा.र्ट. वेबर. वेडेव. में झे बेळा तर. वे.ही व ही.व की. वंदार वोषा वाषा हे.र्ट्या यॅॱ**८६ै**ॱ८्वाॱख़ॺऻ॔॔॔ख़ऄढ़ॱढ़ऻॕॎ॔॔ॸॱॺॕॱॸ॔॔॔॔॔ॱॾॏॣ॔॔॔॔ज़ॱॺ॔ॱॹॕॸऻॶॱॻॹॱऄॣॱॸ॔ॹॱॸ॔ॱऄढ़ॱय़ॸॱ बैंग्द शुरु क् कें। दे दे केंग्द्रेयायर विष्ठ प्रयास्य स्वापर प्रधुन पाद साथे श्वेषाया स्वापाय ठदः धेदः परा इयः परः र्युर् पदे ये तापश्चे गृतः पदः दः दः वै। र्रः वेरः परः वै। त् श्चरः पः । । । । । । । । । । **.ब.**धव.ड्रा |बेथ.बश्चर्थ.स.क्षेत्र.ऱ्||

मह्ययायान्यम् वर्षाः इत्याची क्षित्राच्याः श्री स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स ॅर्द्र-८ बर ग्री:हिर्: धर: क्रुंर: पर्वा: बर: क्रुर: धर्मि: दवे: खु गुरा: हु: क्रुं: वि: केरा: क्रे: दे गुरा: " पहेंचे.पंग्रेज.2. \overline{a} ज. पंप्र.तेथ.रं.पंप्रां \underline{a} : $\underline{$ इंच.च.ब्रं-क्रूट.ब्रं-ब्रं-क्र्यं-क्र्यं-क्रं-क्रं-व्या रच.५इर.ब्रुयःश्चयःच। क्रे:५८.व्रं धिव क्षा । क्षे. रूट. स्व. य. मू. रेवे. सु. व्य. य. रूट. यह व. य. हे नव. य. दे तह न हे व. हे) म शुन्दिः लुन्याः प्रात्रः त्यन् देन् श्चेरः द्रार् प्रात्रः श्चेरः वे द्रार् प्रात्रः क्षर.य.लब.जा र्नेष:पर:वै:विय:य:बेर्:वेर:बर्म्द्रव:यर:हं ग्राय:बेर्:र्ने। विय: चेथिर्याताक्षेत्र.दे.वियाश्चरार्म्यायत्रात्रविषात्र्याच्याय्याच्यात्र्याः चेथिर्यायाः चेथिर्यायाः चे बर्रे धेव लेश ह्यत्य। रे पलेव रु देश र्देव ग्री बर्रे इयश वश र्देव प्यापते हिर्पर 륌소·더·성숙·윤·저仁·더국·청仁·Է·기 | 윷仁·영弋·더중석·중·曰·데저·끄仁· 미숙전·디디리·월· वह्ना लर्- ब्रेन् न्या | न्यवः यत्यायत्यात्यावृत्रः यतः वत् । वरतः क्रवा वर्षः वर्षः हेव.क्षर.र्यर.ब्राया । महारय.ब्री.लट.र्य.र्यर.ब्राय.ह्या । वेय.र्टः। देव.क्रेव. ब्रेट्ट वास्या वर्षा न्ट्र वर्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वर्षेत्र क्षेत्र वर्षेत्र क्षेत्र । डेल.त.र्टा नट.त्र.ल.च्य.पह्य.त.हेया श्चि.त.ट्रेय.त.त.ल.व डिल.र्टा ने प्रवित श्विः यह ते प्रहेन हेन त्या श्विः न्दः प्रहेन यः वेन् श्वरः प्रदः । । न्यः प्रवे न्द रु:क्रे.च.र्टः। ।तह्मायावर्त्रःवर्ष्य्यः वाष्यः । विवर्षः द्वर्षः याद्रः चरेवः याद्रः रॅं कॅर्न्स्रिट्र प्रदर्भित्र प्रदर्भी अळव वेत्र वेत्र ग्रीया श्रुप्त प्रते वित्र प्रदे वित्र प्रदे वित्र प्रदे

[च्रिन् क्रि.मृ.त. क्रि.मृ. त्या क्रिन् । वरण क्रियः स्वयः क्रियः म्रह्मयः महितः । *ঀ৾ঀ*৽ঢ়ৢ৽য়ৼ৽ৼ৾৽। मदेवायामविकायायदान्यायहेव। । यहेवाहेवागुवाह्ययायदेवायाद्दा । द्वायदे र्नॅव-ग्रुःमनेव-य-वॅ| |वेबायश्चरःमक| नेःयःयहेम-हेव-ग्रुःगुव-**ह्य-ग्रुः**मनेव-यःगरः मैका-तुःअ-धः-ॲन्-ऍन्का-ॲन्-ऍ-लेका-पर्हेन्-धः-दे-क्रेन्-ग्रीका-तुःअ-धःकन्-मं-क्रवः-अ-ळन्-मं-<u>बैकाने न्या के ह्या पर पर पर पर्हे</u>न् न्या वा मिरामी के ने कि बाव प्राया सम्याप ने देशके **वै**.तु.अ.य. २८. लय.अ.२.म. यहे ब. वल.म.२ मल.य. य. य. य. भव. भल.के. ८ व.२.५.२.म् **ଌ**୶.त.र्८.कुब.त.कै.पघर.तर.ब.ज.प.पश्चर। म्बद्गायर दे म्बद्धाः मने म्बद्धाः सद दः तह्न हेत्र ग्री गुत्र ह्न ग्री प्रत्म प्रति दे प्रतित मने गतायाय स्ति का के प्रति व मने गतायाय स्ति मने गतायाय प्रतिकार के का मने प्रतिकार के किया मने गतायाय स्ति का किया मने गतायाय स्ति का किया स्ति का स्ति का स्ति स्ति **য়**ॱ८व.जयः४८८थः४्.७४०.मु.६व.तरःलटः०हू८.८ू। ।वटःगुःष्ट्रः८्वः८सःगयः देतेॱळेॱदेॱदेविदःग्नेग्यःयःकृत्ःश्रेद्यद्यत्यःयःद्यःयः खःदद्यःयः द्वःयःद्वःयः द्वःयः द्वःयः द्वःयः द्वःयः द्वःय क्षेत्रवर्ष्यरः गःत्यत्य श्रुरः हो वेत्रः ग्रुर्त्यः त्री । श्रुवः र्यं दः श्रुः व्याग्रयः वत्रः ग्रुरः वर्देदः ततु क्रि.च.प ज्ञाना ता भवे की। क्रि.च.द ब.प ज्ञाना क्रि.च.र महीर ब.हे। दे महारा हिना है। नदः त ग्रीयः नः यय। व इयः नः गरः नुः गृत्तु गयः न कृतः नु गयः न हेतः दयः क्रेयः महदः परः गुरः यः विष्कः द्रेण्यः प्रवेषः पर्वे यः दे यः श्रेषः परः विष्कः विष्कः विष्कः विष्कः विष्कः विष् **े १९ म**र ५ १ ते बुद पा बेर पर इस पर गृब्म पर रे केर ५ रे सक्केब पर बुद्दा । दे पर्ष'वेर्'म्रापुः क्रे'पार वेर्'सर इयासर गृष्णा के वा पर्वे पर क्रुरायर वह वासर तर्नेन् प्रते प्रतः चित्र तुः भेवः श्री वह्न प्रते संस्था भेवः के हे हे हे से संस्ते प्रकेव के द पत्रेल.चर.पत्रैट.चर.पिथ.धरथ.तपु.बुर.ऱ्। बिथ.चर्ष्ट्य.त.क्वै.च.क्रे.चेक्ट.क्वे.च.क्रे. **८मॅग'रा'र्ट'नरेब' पते'क्चे'न'दमॅग'यय'नहेब'दयाक्चेय'रा'र्ट'र्ट्ट**'नवेब'क्चेय'साक्चेय' यः गृष्ठेषः श्रेः द गृषः प्रमः गृष्ठ्या हे । दे हे न स्था हे दे हे स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स भ्रेयायात्री महिकाधायामार् राया हेर् छी छिराधवा ईवात मायापरा मायात श्रुरा मदः में के विर्मे रुपः मेला मदायहेद दला भ्रेलाय दे मञ्जू मलायहदाय दिवा हु |वेतःश्चराम्देदेः संयापदेः म्याप्तामा स्वरामा स्वरामा स्वरामा स्वरामा स्वरामा स्वरामा स्वरामा स्वरामा स्वरामा स रट.पर्वय.ग्रेश.च.श्रेश.स्। महेव.वय.भेरीयात्र.रर.पहेव.ग्रीयाय.भेरात्यायाचर.पद्गताय.पर्यायाच्याच क्षा । यहनायाययाया । देखेरादेखेरार्थाययाद्रयान्द्रयान् ब्रुवायहेन हेद क्रेवाचा विवाय ब्रेवाय विवाय क्रेवाय क्रेव्य क्रेवाय क्रेव्य क्रेवाय क्रेव्य क्रेवाय क्रेव्य त्यः संग्रायदिः द्यादे केरा विष्या । विष्या हेदार मात्राया विषय । विष्या हेदार विषया ने.चलेय.र्द्रथ.त्.चल्य.क्रं.चल.वी ब्रि.चनवानी.र्य.वल्य.वर.चल.श्र. विया श्चे विरामी न्रें या वयया उर् ने कि वर येन या न्र वा क्षेत्र प्राप्त पर म्बुर्यं मयं र्म्म छः त्यं र्वः र्वः मुः छ्राः यः व्यक्षितः यः व्यक्षितः वः व्यक्षितः व्या चु-त्य-ह्रॅब्र-त्य-क्रुं-विद्र-वर-क्रुंत्र-वर्ग्नक्ष्यःत्र्र्र-वर्ष्ट्व-त्य-वर्त्र-वर्त्त्र-विद्र-त्य-वर्त्त् गुवःह्नः हुः दर्ः दर्दे दं लेवः पवै नर्वः गृवेवः गुवेवः गुवेवः द्वे वुरः वेदः परः द शुरः नवः दे.पर्-चर्प-दिन्ध-च-बु-ब्र-व्याक्त-व्याचन्द्र-व्याचन्द्र-व्याचन्द्र-व्याचन्द्र-व्याचन्द्र-व्याचन्द्र-व्याचन्द्र श्चे.च.क्ष.ज.श्चेर.च.बु.प.च.चे.च.चे.च.चे.च.च्या.चा पहेच.पंचेपा.जय. श्चित्रचेत्रः मुर्याः मिन् रचनः या यहंन् रचनः मन् माः यावाः योवः वेदाः श्चेतः श्चेतः मामाः 35'I |ग्र-विग्-न्रॅल-य-इवल-दे-न्द्र-न्य-प्र-पन्ग्-प्रतः ह्रे-प्र-य-पेद-हे| य धिव दै। ळ्ट्र प्रते हिरा रोग्यया रव प्रवेद दें। विया हिरापर र हे हेर् पर दे ते दें द्रार्य पर बेयाचि पर्वः वितः प्रतः द्वः बेरः द्वः वेयः चः परः प्रवाधरः चिदः वेयः म्युर्यः प्रदः धेवः र्मा १ देश.च.रच. ब.र. ब्रूर.त.र्ट. वल.प बर.च. बेवेश.र बबा वे.ल.र्च.र व. वी.विर. मक्षेत्राम् अत्याच्या वित्राच्या वित्राच वित्राच्या वित्राचय वित्राचय वित्राचय वित्राचय वित्राचय वित्राचय वित्राचय वित्राचय वित्राचय वित्राचय

 $\frac{1}{4} - \frac{1}{4} - \frac{1}$

२ वायान्य विष्या विषया विषय द्वारा हिन्द्वारा है कार्या के कि वारी भीवा है। के किर तथा वित्वार्य के न्द्रन्न् मुंच्यया ठर् यया यर्या यद्या प्रत्या प्रत्य यदे दे दे के त्र्र्व वा पा दे थे जेदे दे.ल.म्डम्'द्रेन्'यर् तर् नेत्र्राचेत्र्यर् तहम् प्रतेत्रहम् स्त्रेत्र्यर् तहम् तर्वायाः चना या बेर् प्याञ्चे वा प्याचेर प्याचे । निवेषाया वे बाह्य प्रस्ति प्रस्ति चेर् प्रस्ति चिराया र्ट. च कथ. तर. पहें में. तथ. पश्रं रे बे बेथ. रेट. जु. पेथ. ग्रे. झ में थ. ग्रे. ईथ. थे. बेंबर प. रेम. त. तहना हेव परि थे नेव लेव इ.च. ब्रॅंबर पर्ट पठक पर हे वर्टर दे न्व वठव परि हिन् ... *षर-वेर-*रु-वज्ञुर-वल-वेल-यजेर-र् |बुय.चुश्चरय.तय| ने कि के कि षाःक्ष्यानिव्यतः निर्देन् पदे ह्यानययाः ग्रीः नेयान्याः ध्वाक्षः स्वादाः पदे बेर् छेषाचु न तास्वाता या श्रुतायां ने त्यत्र में वा वी तरी धेवायर तर्मे र् दी पति-देव-व्याप-प्र-प्रयाया-प-प्रम्थाया-प्रायया-ग्रुट्-पति-वेत्य-प-व्यया-ठर्-वे-धेव-डि. अ. ख्रां ना. पते. ख्राया. रुष. प्रेष. पते. क्षेत्रः में ब. म् अ. यः बेला चुः क्षे. य मैं ते. में ब. म् अ. य प्रेस ब्रिरःम्। । सम्बन्धियः रटः च शुर्चा चला चला परि वित्रायमः वैः व्यत् हो हे न् मा मी पलस्यायतेः द्वरःमेल:र्ह्संस्य:य:त्री:र्ना:व्यक:ठर्:वाञ्चेतःय:मिःव्रः:वेवःस् १ देवाका वर्षः स्र तुः र्देवः र्वायरः क्रेः नः क्षेरः र्देः वेवः चुः नः देः र्वाः धरः र्वाः धवः वेवः धवः क्रेः वारः वाग्वनः य. णुष. वू. खुष. च भरे. तर. प श्रीर. इ. विष. मुश्चरण य. प. रू. व्यव्याय र स्था विष. मुश्चर व्याय विष. व्यव्याय ब्रामुद्रामु:५ मृद:५ में व्याव्यक्रा ग्रुट:। र्दे द है दिर रद प्रविद सेद ध केद धेद केद ख्नियः पर्दः हेयः खुः न धना पराः ह नवा सरः चः यः ने विः वः केन् खे सः सः यः चः के। दे विंक विद्वाचितास्यापरा र्धरावा हिंदावेताचा प्रतिवाचिताचा विदेवाची विदेव र्देव.र्था.तर. वृथा.वे.त. प्र्यायाया द्यातर. त १८.६। । यटाव. यटार्या पदे मेवायः विंतु धर र न पर त्या का प्रति हुत र विंतु वि न वि न वि स्व प्रति हुत स्व लट.रेचे.तपु.चेथ.तपु.चथ्य.तपु.रेचट.बुथ.रट.चधुर्थ.श्रु-त.लुर्थ.श्रु वी विस्ति.श्रु. नेयायते न्यर मेया दे या धेद दें लेया चु पते वा क्षेत्र में विया महारया है। रर पतिदा बेर्-ध-ल-धर-र्ण-ध-र्षण्याग्री विर्-धर-र्ष्ट्वर-ध-र्दे। नेरास्य क्षेत्रके रूटा र नर. न. ने के थ. थी. लर. अर. री. ने थीरथ. ली विर. तर. री. र न. हेरे. न इ. र्ष. राष्ट्र. र हो वा नःनेवःर्राः क्षेत्रः शेः ववा वर्षरः पारः गयः हेः सः हेन् वेन् यः भेतः व व वे से हः हुनः न् स्वः यं भेद हे हे न्रें तर्य भेद द दे रें पं हे न् बेर् या बा भेद या पा न वा पर वा पा ने हे न য়ৢঀ৽ৼ৾ঀ৽ৼ৾৽৸৽য়ৢৼ৽য়৽য়ঢ়য়৽য়৾৾য়ৢঀ৽ড়৾ৼ৽ৼ৾ৢ। |ঀ৾ঀ৽ৼৼয়৽য়৽য়য়য়৽ৼ৽য়৽ৡৼ৽য়ৼ৽ৼ৽ क्षेत्र:र् व्याच रुत्र:य:त्य:त्य:क्षेत्र:र्वः व्यावः व्यावः क्षेत्रः व्यावः व्यावः व्यावः व्यावः व्यावः व्यावः रॅ्व·२्बःयर·२्रॅवःयॅःइबःयःरॅ:ठॅंर्वेरःखॅर्यर्यःवेर्र्त्रुःविकःञ्चरकःव्रवःरॅः न ह नः यत्रः ग ह दः ळे गता ग्रीः र्दे दः यः शुनः यः हे र्-यः धेदः यत्रः ५२ तः श्रुं दः बेर्-र् श्चरः यः यः य ५ यः **च**न्त्रेन् अन् चन्त्रेन् चेरा पदे श्वेरा न्दा। वहन् पाष्ट्र पर क्रिन् पत्तेन पानेन् या क्रिन् या क्रिन् या क्रिन्

त्रतः स्वरः श्वरः त्र्राच्यतः त्र्राच्यः व्याप्तः व्यापतः व्ययः व्यापतः व्यापतः

च्यूर्वश्वर् क्षेट्रः सूर्त | ट्रि.क्षे.वेयु.क्षेट्र.द्रां व्यूर्वे व्यूर्या क्षेट्रया क्षेट्र

रे.पर्. चष. चल. रर. बोड़े थ.ग्री.पहूं बा.सं.त.बोड़े या वाबव.स बाबार वाबा.रा.रर.। र्रा में खिनाया न वना पर्या | र्रा सं प्रायमित्रया वर्षेत्र या पर्वेत्र या प्रायमित्रया ने र् न्द्र । रट. इ.इ। वल.प कर.रट. रट.कर.ज.प.पह्रम.क्ष.र. व.व. व्य. गुर ने न्या वयरा ठन् हुं लिया मेरा पन् पर हुरा देश हुर ने न्या त्या द या द लिया न्ह्र्यंत्राच्या विद्रालाह्रं त्यालान्ह्रं त्यालान्द्रः हिन् ह्या हिन वह्ना पदे वर्षे ताम नर् दे त्यत्वत् विना द रे न्या हे स्या त श्रुर न् ह द स्व न्या श्रुर दे द द द र स्व युनःयः भेवः व अर्दवः हेः अयुनःयः भेव। देः यः नयः हेः धुन्यः दः दः दः व देवे छः नहेवः क्षेर.च.चवव.ग्रीयावय.जव.तर.बु.द्यात.कुर्.लुव.तय.चवव.ग्रीयावय.घटयाय.वेवय.ह. क्षर पहेर के व। दे ता त्यद के कर अया श्रुव पर मह धिद पर दे महिला मा ता श्रुव पर धिद । वेयायाने केन् वि:वंया श्रे. वेया हे . यदी हिन . विया वया श्रे वा खेन . वर्षे न् . यदी . त्या व म्राम् व के नवार व म्राम् राय केर् यात्र म्राम् व व स्थान व व स्थान व व स्थान व व स्थान व स्थान व स्थान व स्थान स्यायाध्य भवा स्वीता होता है। विदान हेन्या विदान हेन्या हेन्या हेन्या हेन्य हेन्या हेन्य ह ॿॗॱॺढ़ॺॱॻॖऀॴॱॖॕॺॱफ़ॖऺॸॱय़॒ॱॺॴॸऻॾऀॸॱॻॷॱॸॱॷऀॸॱॷ॔ॸ॔ॱॸॴॶ॔ऻॎऻॗॸऺॖय़ॱॿॖऀॸॱॿॣॴॸॱ न्दः क्षे :क्षे त्रानः न्वा वीयः क्षेन् या केन् : तुः वियाञ्च रयः धरे :क्षे पयः ग्रीयः न्द्रया यो : न्दः न ब्रिन् विकारिकार्यक्र मा धेव क्षेत्र विकार मानव मी क्षाप्त मानव क्षेत्र क्षाप्त क्षा क्षाप्त

खुद त चुद न प्रेव दें 'देव चेर हे। धुः क्षा ता ता ह नवा कर व्या सुन सा सुन स् क्षा कर स् **बै**ॱनेबःहे :देवे**ॱ**नब्बःयःवैःङ्ःक्ष्यःग्रीःब्दःयःगृवेदःग्रीवःवेःवश्चनःयदःस्। गुरः ह नवः र्दः यवः शुवः परः वैः नेवः हेः रदः नेवः र्वः ववः ववः ववः ववः वरः ववः वरः ववः वरः ववः चःश्चेर्रःचलःर्स। |देवैःधेरःग्वेलःगाःवःर्द्रःवलःश्च्याःचवेःह्यावःव्येर्ःचलःर्वरःवरः त्वर् यः भेदः द्वा विकातकर् द्वा । भरः रे केर् या मृत्वर भरः रहः कुर् छै मृह्वर क्रचयाकुःक्ष्वचयायानायाने चान्न वाक्ष्ययान्यः महास्यात्वः चान्यः वाक्षयः वाक्षयः विवादाः गुनः बर्देवेळ रट. हुन् हुन हुन् रुप्त हुर न धिराम विनामाया हुन हुन दि हुर ष्ठिच.त.स्रीच.तर.बुर.तपु.क्षर्.थ.धु.बहूच.श्रेश.श्रथ.धी.रं तचे.त.लुके.धूं। १रे.ज.रं**.** दिना यह्र देश या की या वितासा की प्राची साम प्राची स्थाप स्था स्थाप स्था न् वे मरा यान् मा मेरा थे न्यानु यान् मा त्यादि स्पन् वादि स्पन् त्यादि सेन् सेन् वादि सेन् सेन् सेन् सेन् सेन ढ़ॏॳॱॹऺॖॖॖऀ॔ॱॳॱॹॖॱढ़ॱॿॖऀ॔ॸॱॸॱॾॣ॔ॻऻॳॱॻॖऀऻॎ लीजःघषणःक्ट॑ॱॳ॓ॱज़ॣॖॖॖ॓॔ॱज़ॱॶॖॖॖऺड़ॵॣॖॖॖॖॗॗॣॗॗॖॖॗॗ ब्रि.र त्या.तथ.येट. ब्र.लूब.हे। रे.लट.लेज.इथ.त.क्ब.लूब.तथ.श्रा विर्ट.हेर.हेथ. बुःर् यमः पदेः खुत्यः वैः वयरा रुर् ः याः धेवः हे। म्रः मैः ब्रेरः म्रः वः वञ्च वः यरः वः वः प्रः त्रचेत्यः प्रते : ह ग्रारा प्रें : प्रार्ट : विं दर के : ह ग्रायः त्रं ग्रायः के रायः क्रें : प्रारा त शुरः वः धेदः श्री तीजार्ट्र में या विषया कर्र हैं वे सा मिना हैं। विषय निषय में में या विषय में में या विषय में में या विषय में ग्री.भू. दथाविच.ता.ग्रीच.ता.ग्रुद.ग्री। क्र्य. श्रया.द्वी.या.ग्रुद. तथा.वया.प श्रीय. ग्री.या.व्य.क्रयाया ग्रैतःग्वदःग्रेःक्ष्मतःरुद्धःतम्बद्धःयःहिःद्वरःश्चेत्रःश्चेत्रःवेत्रःपदःवेत्रःतुःयःव्यःयःयःवःव्यन्ः चेथातायाश्चास्याचितायाद्धराव्यायात्वातात्वात्यात्वातात्वात्यात्वात्वातात्वात्वातात्वातात्वातात्वातात्वातात्वाता क्रन् : अरा त श्रु न : द : दी : भु ता : त्र ता स अरा : ठ न : श्री : तु : न : न ह : स स : ता से : या न ह : से :

ब्रिया-सार्थ अन्ति सार्थ प्रति सार्य सार्थ प्रति सार्य सार्थ प्रति सार्थ प्रति सार्थ प्रति सार्य सार्य सार्य सार

पङ्गैः हः ने ते : ञ्चनः वा व्रङ्कः नः न् ना ग्रमः यने : ञ्चनः त् । न् तुः वा नः यः न वव ग्रीः य ने नः यः त्र्वेन'सःर्थं अःअःन्हें नृषःयदेः नदःने:२ अःच ठतः नः अेन् छेटः क्रॅषःठदः स्पर्वेन्षः यः नृहे षः गा.पःग् ग्**यः पदेः ब्रुदः अॅटः चः अःश्च**नः पयः न्र्टः श्चुन् अः पवनः न् । ने ग्याः पयः इयः पनः **र्धरः**मतेःतञ्जरातुः धरः मृत्वः ग्रीःशुनः बद्यरः त्रॅरः चः दयः दिषः धेवः या देः यराः मृत्वरः पते रदात में ना खेन पर्या सदा कुन की गान वाळे गाया स्था मा स्थया उन् किना पर हो । ा ने तान विताय श्रमामिन भीना भीने त्यात राष्ट्रीया परि विताय श्रमाने पर श्रमा श्री । सन्दर्भुग्। पर्याक्षुद्राद्भिदानी निष्यामा विकास व [P41:]@[Z41:44.4][P41:]@[Z41:4][P41:4 |*वर्र-षःचहेवःवराःमववःग्रीः।मराःयेवःवयः*श्चॅरायःम्हरःयःवैःचवेदेःर्ञ्जः यःधेवःक्। ने त्यात्वाताचा सहन् प्रते सत्यात् श्चर वै त्यार्स्त्या सं क्षेत्र प्रत्य स्व त्यात् स्व त्यात् स्व त्यात् स्व वयः छेरः रे। ୄୡ୕**୶୲**୰ଡ଼୶ୣଊ୵ୡୣୖଽ୕ୣ୵ୄଌ୵୵ୣ୕୵ୣ୶ୢୖୠ୵ୡୣୖଽ୕ୣ୵୳୕୷୵ୣ୵ଵୣ୷୷୶ୢୖୄୠ୕ୣୡ୕୷ୣଊୣ୵୳ୢୖୠ୵ୣୣ୷ୄୢୖୠ୷ बेर् र्र सुन् बेर् र्र त्यूर वयर्षे द व ठयार्र सुन व ठयार्र सुन व ठयात्र रामकी दे ना *ढ़ॸॕॸॱॺॱॸॸॖॺ*ॱख़ॹऄॗॖॱॸॱढ़ॸॕॸॱय़ॱऄॱॸऀॺऻज़ॱक़ॕॱढ़ऻॹॱढ़ॺऻॴढ़ॸॖॖॱॸऻॾॕॸॱय़ॱक़ॱॾॱॸॕख़ॱॻॕ*ॹ*ॱॱॱॱ देर:वे**ष:वष:शु**प:बद्यद:दर्दर:व:४व:ग्रु:५५व:५५ । ग वयः ग गयःग्रेः हेयः र्यन दें न्न न त्या के नर तर्दें न पति हु न दें न पति हु न त्या त्या के न के न दें न र न न केर.य. १ वर १ वर १ ऻॿॖऺख़ॱॻॿक़ॱ**य़ॱॻऻॻऻक़ॱॸ**ढ़ॎॱॼॣॗॗक़॔ॱड़ॺॱ*ॸॱॱ*ॾ॓*ॼॺ*ॱफ़ॱॹॣॻऻक़ॱय़ॱ चर्ह्र-द्रवास द्रवाच त्र्वा वा वा वा | नर्ना तथा क्रें नः बेर् से लेखा क्र्या ग्रम् न वदा ग्री: रर. मुथ. पर् म. जया है। या छेर. या छी है। या परा र या चन् माञ्जी तम् मान्य सः स्वा भीवः मी โล๊น.ฮูน์.นล๊น.ล.น์ะ.ฆซ์นพ.ก.สู.ล.นุพ.นุพ.นะ.มู.ลิ่มผ.ลืน. নতব:ঐস্:ব্য मते क्षेत्र-तु-त्भे क्षाण्याम् प्योत्-पा वयवारु त्-स्याप्त-त्यु-प्य-स्यायु-प्य-त्यु-प्य-स्यायु-प्य-त्यु-प्य-प्य । श्री अक्षत्र यहीर्या पत्र अम् क्षेत्रया वी तरी विया येत वर तरी विया येत विया श्री बक्दानिरानरा बर्तान्तरा क्षेत्र व्यायम् क्षेत्रया पद्र । वित्तरा क्षेत्र व्याप्त वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र तम्बात्र्र्म् स्त्र्र्म् वाच्येर् स्त्र्र्म् वाच्येर् स्त्र्र्म् वेर् स्त्र्र्म् वाच्यत् स्त्र्र्म् वाच्यत् स्त्र ह नवार्ष्यर् स्तरात् श्रुरार्स । वित्रवानवित् श्रीमवात्वेदात्वेनाः सदेर्द्रनवार्यः सहित्यः वे र्नेष-४ वा.जा-४ हो र. तपुर श्री नथा श्री प्रदान विष्य क्षेत्र प्रदा विष्य हो । पर्य वा हो । पर्य वा हो । पर्य विद्राप्त देश बेबायदे न श्रुन छ तर्ने न व रट श्रुन छै न व न र तर न न न व तर न न व तर न न व त বি^{দ্}র্বান্ত্র বারী থান অন্তর্বার্মন্তর বার্মন্তর বির্বাহ্য বি *८६५:५४*:श्रुंद:बेर:र्रे। २ अ.च कत.लूट.सर.प श्चर.स.बुबातकर.ट्री । विदेशादी.पटाता.बुवात्रा.बुवा.बुवा.बुवा.बुवा.बुवा.बुवा.बुवा म्बदः ञ्चम्यादम्मः पर्द्या न्दः दर्त्नः यः प्रान्तः युदः न्यः यदतः येन् यः न्दः रदः ञ्चम्यः । । ब्रेन्-य-थ्यूट-र्म्ब-न् बन्य-य-न् धुन्-यदे-म्न्नित्र-शु-रूट-विव्न-ब्रेन्-य-य-ल्वान्य-यदे-न् बन्नाः चडतःश्चे.पह्ना.स.पाचेर् ग्रीः विषायेष्य नरःधेषः वयषः ठर् श्चेर् सरः देश्चे पर्द्रा र्म् वः न् अः यः त्यः न् धुन् ः यदैः श्रम् वतः शुः रहः चित्रे व श्रमः यदे ः च श्रुमः च श्रमः वतः वतः ने ः रहः ः **यं ठं यं है दे । वं वे व्या**त शुरावरा हे दे । वं वे प्रत्या है दे तुः व्यावतात शुरावरा वर् दे दे นารุ ๆ สิ ำรัส ารุ มานารุ รายาผิรานาศราณาต สผพานลิ ๆ พาพิสาสิ ายาผิราธา เพรา รรา

खन्यायायाचेन् ने। न्याने ने त्राप्ति न्याप कता स्नित्त ने हुन होन् हो न्यान नित्त न **गु**८.५र्द्र्र-र्म् थ.ज.रु.केर.व.४८.बैर.तर.प बैर.रू. |र्य.व.व.व.प.वेय.प.व.प.४८. खनायान्यराधराधरादी इराधनाययी नेपाप्रेर्याच्याच्याप्याप्रा दिया वःरःयःक्रुवःरेःळन्। ।रःयःन् अप्वरुषः अन्ःपत्तःव। ।रःयःक्रुवः अन्ःविनः धेव। न्याने सद्भाष्या । द्वा ग्रीयाय विवाद विवा यत्यापञ्चित्रायत्रः चुःक् दे। विद्ः धैरः रः त्याय्यक् गायेद्। विकार्दः। र्मेब्य.स. हुण-कु-च-व्यक्ष-ग्रुट्। क्रे-चिर-चर्ण-कुर्-ठद-रे-र्ण । इयका-व्यक्षणका येर-हर्-च बेर्। । गरः इयरा ता दे स्यापा विष्या विषया । दे ता गवित स्थिता ता स्पर् र्टः। चत्रीचमुःचःयवाग्रुटः। यदःर्टः येदःयदः यदः येदः देव। । नटः यः मुन्यः वैः र्ष्यन् विवास | दे त्यास्यवादि दे दि स्यास्य विवास । विवास बेवान्त्रः वात्रः व यया र्मु: अ: नः धेदः दि: रूटः मी: शुर्-ग्री: हेरा: शुर्-धन्। प्राचनः प्रचाराः च नरः रे नाराः परः अर्थेदः है। ब्रेम्याम्बद्गावयाञ्चरयामञ्जर्भवि । विवादरः व म्यापराव मुरावः र्बान्वतःचा छेर्-धवेः छेरः र्रा विषार्गः। यहणाधायवाण्याः। खुवात् छेवः पवाः शुव-न् ञ्चन-चु-त्राव-वे-त्वेव-चेन-न्व। । द्व-हे-सन्-वय-दवेव-वेय-श्चय-चेव-केथारायहैरान्दाया |देवायराञ्चनवायाप्त्राहेगवायाच्या स्र-त.श्रुब्र-तथावण.चर-पश्चर.च.पर्ट.धु.श्रुर.च.लुब्रा विधारटाला श्रुच्या अर. तथा भुँवः शेः तह् गः धरः ग्राद्यात्राः धरे छिरः स्। दिलावः क्यः ग्वगः देः द् गः वयवा रुदः वैः द्तुः बान्यान्ववन्तुः द्वराच्याः द्वरान्वन्यः द्वरान्वन्यः द्वरान्वन्यः द्वरान्वन्यः विष्यः विष्यः विष्यः

म्बद्दर्द्दर्द्द्र्द्द्र्द्द्रः । गुव्दर्द्दर्ग्या विद्यद्द्राच्याः विद्यद्द्रः `धेर'दरे'र्म'बेर्'गुर'पॅर्'रें'वेषा । पहेग'हेद'रॅर'ग्रुष'पर्ग'दें'श्च'पर'ग्रेर्। चेत्रःमहारतःया **इंरः**ञ्चमःत्रत्रः क्षरः । र्ममः वःष्ठः धरः येरः पराव। ।रःदेः वेः धरः अःतम्माम् ।रे:धेरःतम्मायरः धेरः र्रे:वेषा ।शुरःयः रे:वे:ध्रं रःग्रेयःय हवा ।ठेयः न्वतः स्वाप्तान्त्रान्यः यदः स्वरः प्रतः प्रतः प्रतः स्वरः स <u>न्तुःबःमःश्वंनःन्धंदःव्यवःविःहेलःशुःत्वन्तःपदेःवंन्शुःबावर्यःपःविःवेगःदेःनेःकुरःन्तुःः</u> ब्यानात्मात्मराख्यात्मात्मात्मे अवस्थात्मात्मात्मे वास्त्रीयात्मे त्रास्त्रीयात्मे त्रास्त्रीयात्मे त्रास्त्रीय इया ते न्या पर शुक् धुर क्या रर में खु न्या रे न्या पर स्यापर म्यापर प्रमुख प्रते रर-नै-बर्ब केर्ने ने निकान विष्य चि न्र कर् विष्य मेवन निकाले क्र परि न्र स्वार्थ क्र परि न म् नवार्वः सदेः स्रान्तः नविवाः व्याविवाः व्यान्तः व्यान्तः स्रान्तः स्रोदाः व्यावः व्यावः स्रान्तः स्रान्तः स रम् नर्गेर् पदे झें द्या महद छ म्या धरार् मा मैया महेदार सेरा सेरा पदे मुना परा चित्रम्। १दे क्षे.ब.लट रट ब्रुट् पर बे.प बुर पर वे.ब.र ध्रुट परे परे परे परे वे वा केवा परे .कर्-अते.स्.वयातह्वा.नपु.कुर-स्.व्यातकर्-स्॥

त्रमात्राम् वत्राम् वर्षान् वर् क्षं दलातम् ना रा त्वाता ग्रम् के तबन् पदे क्वेमहे। य स्याप्त तार्वे पर दे तुरादर्ग्ना ढ़ॏॴॱय़य़ॖॱख़ॖॴॱॴॾॣॳॱऄॏॴ-ऄऀॱड़ॴऒऀ॔॔ॱक़ॗ॔ॱऄॕॎॗ॔॔ॴॸऄॎॳ॒ॴॾॱॴड़ॱॴड़ॗॶॗॗॗॗ॔*ॸ*ॱॣ र्टः न्व्राच्यायाः भेषायदेः क्षेत्रः स्। विचायः क्र्याः व्याचायदेः क्षुः यक्ष्यः यद्यः वि ढ़ॿॸॣॱॸॖ॓ॱख़ॣॖॸॱॴढ़ॱॿॖॏढ़ॱढ़ॖॱढ़ॖॱख़ॕॸॱख़ऄॱख़ॕॸॣॱॻॖऀ*ॴ*ॿॖॸॱय़ॱॿॗॖॸॱय़ॱढ़ॱॾॕॖॱॿ**ॺॱय़ॸॱ**ॿॖॱॿढ़ऀॱ**ॱॱॱ** निति के किरायर धिकाया देते हिरातु है निवायर मुन्दि देव के तु स्वर्गा वा विकास मित्र है निवायर मित्र के विकास मि वियासाक्ष्याण्ये क्षी क्ष्याचारामी मुंद्राया क्ष्या स्थान क्ष्या स्थान क्ष्या स्थान क्ष्या स्थान क्ष्या स्थान निष्यः श्रेषः प्रशासुत्यः द्वानाः त्रे प्रवेशक्षेत्रः याः पत्रे स्वानाः व्यानाः व्यानाः विष्यः विष्यः विष्यः व तरः चतः विनः यः ने रे तायदेः नृतिः करः यरः नुः श्रेष्ठरः चतः नृतिः तर् दे हे रः नुः रे तः नृ मृतः " नवु.चित्रन्त्रन्त्र्वा । न्वेरत् । व्येत्रहेर.रु.देवायर वु.कुदे.वश्चित विदे क्रव शे.६म.त.रं.से.वित्र.महेथ.भा.प.ईया शिष्मूं.८मूथ.ही स्रित्र.भथ.शे.केर.तपु.शु.६म. चरः नवना मुः क्षे रहारा न्दार द्वा दिन्यया में याष्ट्र वा मुन्यया मुन् र्द्धन्या बेन्-चर्रा दिन्-चर्ची व्यापरा भेषायरा चेद्री वि. भेरा स्ट्रा स्थाया सुनायता वियान्तर्यान्यस्यान्त्र्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्य ने [ष्याः न्नर्याः प्रयाः दीः द्वां दीः श्रुवः याः क्वं र यदः गृत्व व गृत्व याः यो व यदः श्रुवः दि। ॅदॅब-हे-विकाञ्चरकात्मकुन्ध्य-क्षे-दकात्दी-वद्ग-वकात्युव-वात्दिककीत्युव-ठेकात्वेन् שן בּק־מִישֹק־מִּק־מֵּק־מָּק־מָּלּק־מִיקּ־מָּרָק־מִימּק־מִיבּק־מִימּק מִּתּיּקׁןן בּלּק־מִישֹק־מִּקר מַלְּק־מִי ख़ॴॹॱॴऄॹय़ॱॸॣॴॴॱय़ॳॎऻ<u>ॗॱ</u>ढ़ऻॕॎॱढ़ॱऄॸॣॱॴॸॣॷॕॸॣॱय़ढ़ॱऄॣॸॹॱॹॖॱॸय़ॱॸॿॕॎढ़ॱऄॸॣॱ

मते- न बानकताविकाश्चाने दान पर कुर् ही द्यानकत शे तहे न परि हें द तु तहे द पर दे। रदः चिवन स्पर् अर् र र्झर् धिर धिर रे ग्रा ने या ग्रीया न सामकत रे श्री त शुना ध्या र सामकत ने प्रकाश्चरतेष्व माध्येष वया देव है ने विष्य हैन त्या इंन प्रते श्वराधिय प्रवे हैन विष मिलेव सेर् सर्द् अप्यरुष पदि देव दे रे गुष नेष ग्रीष सी प्राची पत्र सर मिलेव सेर्पित सर २ बः घडराः परिः र्देतः देः ध्यदः देगराः नेराः ग्रेराः वेगराः परः त ग्रुरः हे। ग्रुः बळदाः बळ्टराः । नाता हे . ने . क्रि. के ने . तार ही न . यदे . श्री नवा श्री . यद . यवी व . यद . यव . य यदे·क्केर:**र्र**। नक्यानद्भः म्बार् विन्यायास्य स्वापान् विन्यायास्य विव्याप्त विन्या प्राप्त विव्याप्त विव्यापत विवयापत विव्यापत विव्यापत विव्यापत विव्यापत विवयापत विव्यापत विवयापत विवयापत विव्यापत विवयापत विवया मुका इस पर द्वर्प पर्ने मृक्ष सम्मान समित प्रमान प्रमान प्रमान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान न् धन् रचते वेयायया मृत्व ग्री त्यम्याह्म यया नृ मृत्य स्थातः वे तु या यते श्री तर्मा मृत्व प्र बः रटः अग्राणीः न्यः वरुवः वे तर्ने नः हे यः न्ये ग्याणीयः वर्यायः हैः न् म्या विवः अग्याः व तम्ब.तपु.चय.प.बीर.लट.कु.५५८.तपु.बुर.५। ।बेबब.बी.बीच.वघर.पा.थेब.५वुब. यते वतात् शुरु चेर् त वे रूट पत्रिव थॅर् यः चम्मा सः वेर् ररः पत्रिव शेर् यः पञ्च पत्रः यः ऀधवःचरः स्टरः स्टर् ज्ञिनः सः द ज्ञे वः व्यवः नशुम्यः धः क्षेत्रः ध्येवः चयः **दे** व्यः सुमः श्वेयः स्टर् बेयान व्याञ्चयाव त्याच के व्या रामित स्टाम वेषा स्टाम वेषा स्याम स्टाम वेषा गर्देव-बी-ब-पर-इयाधर-गठन्-न्मेवाधवार्याक्षःश्रुवाद्य। रे.क्षे.व.रर-पविवार्यन्-धाह्य यर पठन् व तर मिन्व श्रे त्र श्रे त्र तर तर पतिव श्रेन् य स्वर्ण शुः मुर्हेन् न् म् व य अर्ह् रवः ... यः भवि व । मायः हेः देः वि व व दे दः यदे अवरा भवि सदे हिरः व र र विव से से दे यार्सम्यानीन् सातकतान्वीतुरार्दाक्ष्यान्तेत्वान्त्राम्यान्ति वासन्तिन्तान्ति

क्षयादा ने वि ने गुरा पा या धेदा है। पर्ने क्षर ने क्षिर है नि व है न या प्रदेश क्षर श्री पर स्थाप कर की तर्नेन्द्रक्ति न्तुः अः पर्वः त्रेणकः पकः इत्रः पर्वः नुषः वैः क्षेत्रः परः वर्नेन्द्रन् क्षेत्रः या अन्याने तहें न दें न दें न स्मान के न स्मान के न स्मान स *न्र-न्र-क्र-केन-न्ध्र-धर्-ध*क्षिक्षाम्याज्ञन्। देवान्य-प्रम्य-प शुःशुपःयः सथलः रुद् : द्वः द्वःयः शुपःगः । यः द्वाता स्वायः रुवः दीः ग्वदः शुलः। पराः श्च.य.लट.लूट.कुथ.तर.वुट.त.घ.लूप.तथ.रूर.लेब्थ.रट.तूर.चयाब.त.प्षुप.री.र्वाच. तर.वे.च.लुब.बूर विवय लट.रे.व्रि.ब.केर.ल.र व्रेर.तप्रश्नेचयाश्वीवयायुवाचर यर क्षर्-पु: [मर्यायेद: व्यर्-र्से:बेर्य: इयः धरः यहँ गः व्ययः यह दः यह स्थायः व्यवः हे। दे विष्वः हेर्रः यः ने क्षित्र के न त्यान सुन पर्व अप पर्व अन् पर्व न व अन् यदे न व प्रव क्ष <u> ちないして、異ないの。数・3と、もない多く、大川</u>

ः भिवः व्या देः द्वावः चयरः स्थरः बरः तुः चयरः चेवः है। | द्वुः वः चः व्यावकः वेवः व्यदः वेदः न् भुन्-धका दे 'न् सु' का बेका सम्मराम्स स्वादा न्स्या वा प्राप्त स्वादा प्राप्त का स्वादा प्राप्त का स्वादा प र्देव: **५ व्यः यः र**ह्मार्यः वः यादः वः शुवः यः ५८ । द्रोतानी द्रेया है नवारा तर्दिर र्ने वारावा निवास ता निवास ता निवास के विवास के किया निवास के किया निवास के कि য়ৢ৽ড়৾ঀ৽য়ৢ*ঀ*ঀ৽ৼ৾৾৾ঀ৽ৼয়৽৸ৼ৽ড়৾ৼ৽ৼ৻ৼ৽য়৽ৡৼ৽ৢ৽য়৾ৼ৽৸ৼ৽**৻ৼৼ**৽৸৾৻৽য়ৣ৽ঢ়৽ৼ৾৾৾য়৽৸৽ मैराः हॅ गराः सः स्र-ः ग्वरः तः धे**दः ३: अ**ःस्ग् । सरः ह्रंदः सदेः न् तुः वः नदेः हगः न् वे गराः सदेः ने न्या इया पर प्यत्या विष्या पर व्यव्या विष्या व इयत विष्या व व्यव्या विष्या व व्यव्या विष्या व व्यव्या विष्या व व्यव्या विषया व व्यव्या विष्या व व्यव्या विषया व व्यव्या विषया व व्यव्या विष्या व व्यव्या विषया व व्यव्या व व् इंट.बर्.बर्.बर्.चर.वय.ले बयापट्र.वे.क्याल्ट्य.थी.रंबा.ताल्य.च्री १रे.के.व.व्यावय.स न्तुः अः नदेः श्रुंदः न्दः ज्ञानदेः तुन्तारा न्दः नेतार हिन् यः मेताददरः ने येन् छतः श्रुदः नः वै ·म्राचार्यरःहेद्रः केटात्रेयः वरः त्युटः वर्षः रेग्यः यः विवाह्यत्यः यः हेर् ग्रेयः स्राट्यः म्या नः सहयः न मः मुर्हेन् रात्य विदः मुर्हेः नितः हिं मुंगः रुदः ह्यायः ग्रीयः देः नृतः सः नदेः सुमायः इस. चर. चल्बा. वयात्वायात्तरी. घष्या. इत्. न्टा. चया. चर. चु. ह्या. चक्रेंब. यहें द्राया या. तर. चर.ब्र.चे.द्र| क्रियो.यथात्रका.योटः। ट्रे.क्षेत्रःव्रि.ट्या.ब्री.व्रियंक्षःक्ष्यःल्रट्यःश्री.ट्या क्षरः इस्यः धरः गृब्गः धः वस्यतः क्ष्यः प्रत्यः स्थः प्रतः गृब्यः धरः गृब्यः धरः प्रतः स्टः स्टः स्टः मी.क्षेत्राखार मात्राचा मेव हि. के. च. क्षेत्र र र स्वाचा से र मा से र र मा से र र स्वाचा से व र हि हि व र प्य शुंव र्र ध्व हव हि द्वर मवय पर्वा या यहर व हिर् वे रर वे शुंव स्यय दी ढ़ॏॴ॔ऒ॔ॻॏॴॹॾॸॱॸॖ॔ॸॴॱऄॗॸॱॻऻॹॖॸॴॱय़ऄॱॸॣॺॖॱॺॱॻऄॱॶॖॻऻॴॱॸॕॕ**ढ़ॱॸ**॔ख़ॱय़ॱॻऻॸॖढ़ॱ॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ त्वेन**रा प**दे क्रि. अ.र्ट. च.क्रेर. तपु. क्र्र. यपु. प्रताय व्याप्त त्या त्या त्या त्या व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत म् न्या शुः श्रेन् । धरा केरा न् मः केरा दिस्र त्र्रा या भागा म्या म् म्या क्रा म्या क्रा म्या क्रा म्या क्रा दालादेलाया हेन्या चुर्वा देख्या वितायता नृतुः वाचाला तरा वित्यावा वेन देखेला हा म'या क्रुंद्र'न् न्या शुः सेर्'द्र'के मा स्र्या रामा प्येद'या ने स्वयं कर दे मह्द्र में के मा प्येद' क्षा । वेवायातायाराषुवाकुराचन्युरावद्वेवायरावीकुषायरावश्चराहे। ष्ट्रवरा कर्रा वर्षा सर्वे खेरा स्रो विषय केत्र केर्रा सर श्रुवारा ताविषा केत्र सर्वे स्वरा बेया ग्रदा श्रु श्रा हो। दे भ्रु त्र श्रु पा वयया ठर पहुंदा धेदा हैं ते या श्रु ता प्रदार के वा विषाञ्चर्याम्य स्वानिति विष्यान्ति । विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः मयरा रु र पह्रव धिव दे। नेता. हे. चर्ना. प्रनेत. र्रं या प्राया प्राया विषय हर मुना र्रं या प्राया विषय हर मुना प्राया विषय हर मुना प्राया विषय हर मुना प्राया विषय हर मुना |बेबामवयायासुःनयासुरायान्त्राम्डमासार्नामाः न्राम्हर्नात्त्राम्हर्नात्त्रामा बेर् यदे पर्माह्य वर्षाम् वर् ग्राहित्त्र विकासी देर्मा मुस्य दिन्त स्थान स्था वि. च्. क्या. चीया. ने. के न. नं न. चाव व. में. नार्ट्र न. चाया. चाया. च्या. च्या. च्या. च्या. च्या. च्या. च्या. च्र-त्रेन् प्रदे हिन्द्र-द्रेन्त्र त्र्या त्र्या वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर्या वर्षा वर् श्चान्यस्य म्यान्यस्य द्वान्यस्य विष्यस्य विषयः र्रे. लेब. तथर. ले. चय. श्रु.च. उर. चर. गुव. वब. बहुरव. स् । वि. म. व. व्रेर. बेर. र्रे. लेब. श्चरायावार्वे राधेन् यदे व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ते व्याप्ता व्याप्ते व्याप्ता व्याप्ते व्याप्ता व्याप्ते व्याप ञ्चलःयः वः विकः केवः केवः यः देः केवः विकः केवः वेवः ञ्चः वः विकः ग्रुटः वहं दलः कां चेवः वः वेः। स्यः मित्र क्रिन्स् । व्याप्त क्ष्र स्यः मित्र कष्र स्यः मित्र कष्र स्यः मित्र कष्य स्यः मित्र कष्र स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्य स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्य स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्यः स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र कष्ण स्यः मित्र स्यः मि

र्मुः अ. च. र्टः रेदेः व्टः व्यः गुटः ह्यः च. गुग्यः धदेः खुग्यः शुःश्चः व वे रे र् ग्यः यर्टः इयलः नवनः स्रिंदरः वहना परः श्चः पतरः श्चः रेगलः हे। ग्वगलः लः स्रग्लः परं परः नवर-इ.२व.१.वय. चर.८म्थ.स्। वियासायात्राचा वियासायात्राचा श्चेत्रः गुरः नृष्यः हेरः नष्नाः धः वैः भेवः हुः धरः विषः न्नाः त्रः मृषः धरेः श्चेरः विषः न्नाः न्यः विषः विष म्याया विष्याच विष्या विषया विषय र्ट. नेबर. ट्र. इंश. ट्री. विथा चिट्या सं. ब्रेया विया प्रत्रा विया में त्या है। र्ट.च.ड्रट.च.ल्य.च्रा वियायह्नाहेद.ब्रट.लब्.चय.ग्रट.चक्रेंब.तर.ब्र.बेय.चर्य. श्रुव्रात्मानक्षृत्र-त्र-त्रीष्ट्रिन् र्रार्ट् मेलाम् राष्ट्रात्राक्षेत्रर्थः स्वाप्त्रात्मात्रात्मात्मात्मात्म ष्ट्रिन् गुरु ने ने मान्य दे हैं हैं अडं र रे। दि दे भीत न निया के व वित्र के न स्था है कि न देश स ठव[.]ठे. वेग.वे. ८ म्थ. <u>े</u> ५.६.५५. वेग. श्रय. ग्रट. यवर. टे.प. पश्रेद. पय. ऋग. पय. श्रुंद. ८ गया

ृह्यात्राचित्रक्षेत्रः हो । वायाहे वयात् श्रुत्रः धारा वाववा हाउँ या हुः यह वा वी तहा वी तहा वी तहा वी तहा वी **॔॔॔॔॔॔॔**क्षाः क्षाः दःदेः र्रः क्षुन् ग्रीः शुन्याः नग्गान् वयः वयः वश्यः श्रीः नृत्रः यहि न्यः ः । त्रवः श्वः चः च वायः यदः खवायः यः न् नः पयः क्वः विवा चः हो। त्रः श्वः नः त्यः वायः यः श्वे रः नः नवेवंतुः वियात शुराधारा श्रेराय। वयात शुराम् ववः रॅराउटा नवे**वः त**ारा शुरा गुर-नृष्य्यायते न्वर-ष्य्यायाव्यायत्या स्तर्याचेत्रः स्त्रायते हिन्द्रः स्त्रायते हिन्द्रस्य । मार-विमा से सराज्या म्बदःहर्न्नः विष्या प्रत्याचित्रः विषयः विषय नः निष्कृतः तुः सदिः ह्वा स्वायः त् शुरुः शुक्षः बाह्य तायः सदिः स्वयः त् शुरुः रदः वीः लिबाया पान्नी अविषार्दा द्वारी तहू बारा दे तत्र वारा बीया वारा क्षा प्रदाली राज्य য়ৢ**৴**ॱय़ढ़॔॔ॾॹढ़ॱय़ॴढ़ॣय़ॱढ़ॿऻढ़ॖॱढ़॔ऄ॔॔ॱॴॹॱॹॱॹढ़ढ़ढ़ऻॷॴॹॴढ़॔॔ढ़ॎऻढ़॔ऻ बन्नराष्ट्रिरः तर्ने : त्वा अतः कुरः व्यतः दें : वेश । । तहेवा हे वः देरः चुरुः वर्ना वे : श्रुः वरः चैता । ठेला पदे द्वा पदा इया नवना वयता ठत् नवत द्वा चेता पदे विदर्भ शु. बी. उटा ळ्या स्याया त्या मी द्रम्य ता शुवा परि त्रा पित्र यो ना विता यो ना परि ता विता यो ना यो ना विता यो ना है। **६**लाचबेव तु:र्धेर् प्रदेश्येष प्रदेशेष ह्रा प्रहेशेष वा क्षेर् प्रदेशेष प्राप्त र र र र वा त नविः ह्रेन् की तहिना नविः क्षेत्रः है। देवा नहा नविष् कोन् ना व नुवान नेवा नेवा है व कोन् हैं .ब.य.चर.५. शुर.चदे: धुर.५८:। मृबुर:बेर्:यक्ष:गुरः। ध्र-१४:बेव। ।५६म:हेवः ॅट्रॅं र छुल लेल नातुरल प्रता । नातु नाल ल र्लन्य पर इसल छेर् पर र ट्रेन पर र हेन हे न पते. द्र-१त ह्रणः परः ज्ञुर्यः पते. धुरः द्र्। । गुवः ह्र्यः वियः अञ्चरः वेयः ज्ञुरयः पते वि **बेबल उब मरा** नृष्ठ र नराविल न्नर्राय सम्बन्ध मान्नर विल परि में वर्णे वर्णे । गुवः इत्तर्नः प्राचिता वाचिता क्षात्रे विद्या विद्या है। हि. हेर हिंदा क्षेत्र विद्या क्षेत्र विद्या विद्या विद्या न्द्रिःक्ष्रा विषानिश्चर्यायते क्षेत्रः । विष्टानेते अर्ध्यया क्षेत्रः तुः पदा विष्ट गुैल'दबर्'धदब'रेगल'धल'ग्वद'र्घर'रोल'द'हुर्'र्र्र्'गै'रेगल'ध' द्रवल'गुैल'रेल''' ग्रद्धित् ग्री ग्राव ह्रिय खेला व्याव स्तर्भित वर्षेत प्रवा विव प्रतर देग्य प्रवा न्धन्-चर्त्रक्ते, च्रिन्-वर्त्त्रक्तिन्न्यन्त्रक्तिः क्षेत्रक्तिः क्षेत्रक्षेत् देन्यः यतः तम्ना दुतः श्रे दुत्यः श्रे यहंद्यः त्रं लेतः यदेः द्वं येतः श्रे रः दे ादहेगः हेक्चीर्दरचियालेयामादीरम्दास्यावयाधेकापतेरम्बदार्दर्याचेरामाध्याधेक्ची। 母'為之' पवि नेन्यामा नार्ने न् वेन् स्वरात्म छेन् पा धेन हे। गुन ह्ना पवि ने स्वरास्य स्वराधन प्यन रहानी सक्षत हिन् ग्रीया सेन् माना स्था । रहानी सक्षत हिन् ग्रीया सेन् ग्रहाने रास्तर हैं वेषाचु न न न वेर गुर र में वेषा वे चर शेर शे पर है। पर वे र म में म हेर परे र्द्रवास्थ्यतःग्रीःत्र्वाःस्वाःस्वाःत्राः रहःगीः यस्याःत्रेत्रःग्रीयःग्रीयःग्रीयःमः स्वाह्रित्ःग्रीतः स्वेतः धिर-१८। वर्षिःवर्षेताचर-रेषिःमेषाचेर्-तुःवहिषाःहेवःवःव्यू-यान्दाक्षेत्-यर-वर्ष् यादीराधरारे क्षेत्रावर्रे राडेका इरका धका दाबेराधरा बी उरावि श्वेतारी ₹q.८x.2.9८.७८.घ.%८.२.०५८.१७०.घ८.२.५८८८.घ.७८.घ०० 成之一夫·영如·전·夫로·로·건·원·성之·전·제·월로·용·제乙·영之·夫 | 「其·로」美之·異山·로如·爲山如· र्ट. र्य. चडतः येर् स्य. चन्र स्य. र्यं न्यं म्य. ध्येष्र चत्र चन्यं स्याप्त सु. म्य. र्यं स्य. व्य धदी मात्र व स्थान प्रमा र्वेर-वःग्रुंग्यः पक्रवःपत्वेदःवेदःयते र्वेः यदः र्वेः यदः र्देरः र्म्याय। रे.क्रेर.ब्रेच्याक्र्यार्ट्याचितात्त्रः क्ष्याचित्राचे याचे याचे वाक्ष्यायार्ट्याच स्वायः तर.वे.चषु.चश्चेच.वे.रेट.रु.क्रेच्य.तपु.इय.र्गच.ब्रैर.चषु.रच.ष.चक्रेच.वय.वे.ध्रेच्याय ॅव, ॻऀट. ४८. चढुष, अर्थ, रक्ष. चथर, लूट. क्र. ४८. क्री. त. ४८. क्र. ४८. क्र. ४८. क्र. ४८. क्र. ४८. क्र. ४८. क् र्नेगलायाञ्चापादी भेदात्ताचे दाया देवा हो। विश्व केला भेदातुः सामये प्राप्त ग्वापादी स्वापादी स्वापादी स्वापादी *ॹ॒*८ॱॸढ़ऀॱऄॖॖ॓ऱॱ≍ऻ॒ऻॗढ़॓ऀॱॴ**ढ़ॱढ़ऀॱ**ॸ॔ॸॱॶॖॺऻॺॱढ़ॾॕॺॱॻढ़ॱॹॖॸॺॹॖढ़क़ॸ॔ॱय़ॸॱढ़ॹॗॸॱॸॕऻॗऻ रे'ल'हर् हिनालल र्यान इत्र बेर्'सर निशुरलाय है। । र्रे ल में ररा नि व बेर्' निवेदः धेर्-द-र्देशः संम्थासः इर्-ल-रद्द-विद्वार्थेर्-स-श्रेप्तवर्-ल। रद्द-विद्वार्थेर्-वः नरः च वे वः स्परः यः व वे वः श्रेः वु शः सं वे शः य अरः व श्रे शः यः भेवः य। नरः च वे वः बेर्-ध-ल-ल-र्नुन-कुन-कुन-कुर-किर्-तवर्-धर-इर-ईर्-ईन्-इन्-इ-तन्न-धर-दन्-धर-धर-**र्हे। । ने लावान्यान्य कतायन् येन् वेन् क्वेन्यान्य येन् अन्य वित्रः व्याप्य वित्रः विव्याप्य विव्याप्य विव्याप्य** ठ८.ज.४८.चधुबे.बुर.६.चुब्र.४८.वुब्र.४८.वुब्र.४८.वुद्र.वुर्य.वुर.वुर्य.वुर.वु ने त्र पदे न्य पठ्य पदे छेग ने त्य रूट पदि द स्र प्रतायक स्र द रूट य वतरः। देन्-दे-दुन्-बी-तर्न्-पर्याक्षुव-दे-द-त्य-बोन्-केर्या-पर्व-द्व-धेव-पर्य-द्वा-वर्व-बेर् पते ह्यु म छेर् रहु के उद्देश रद मिल्र केर् या प्र केर्य मिल्र केर् **ਛे**.चदे.ब्रेन्स् । विषाने अह्याश्चायात्राया । विषायविषाने अस्य श्वायात्रायाः खॅन्द्रा सरा तन्तर थरः न्ही नृता सः होन् सरः नृत्युरता सदरः। ह्ररः ह्रेन् नृत्यता ग्रीः सुरः

इत्रामक्राक्ष्राक्ष्राम्याप्तान्यावाषाम्याप्तान्यात्राम्याप्तान्यात्राम्याप्तान्यात्राम्याप्तान्यात्राम्या र ने प्यट विते प्रवास ता प्रदेश स्था स्था प्रवास के स्था के ता के स्था के स्था के स्था के स्था के स्था के स्था के स बर्दवःश्वयः नृदः नेवः खुवः वहवः वः प्याः नृद्देवः यदे वे वहः नुः वहुवः धवः नदः मः भव हे ज्वर रे दे । इर मिन जया रे विन रहे या यह व श्वय ग्रीया । र विनय वर्षः र्वेन् स्वरः द्वेन् ध्वरः व। । गरः गैर्यः न् स्वरः न् वेग्यः त शुरः व। । यह वः शुर्यः देने बेर्-य-धेव | बिक्य पर्वे त्या क्षेत्र त्या देवे त्योता पर व्या ग्राय हे हिर् शुक्र-१६तासं वयता ठन् यहेव तुया शुक्रा नृवेग्या वया नृहतासं वयता ठन् क्रूं रायह विव **डॅन** यर छेर न ने उर न रे पर तवर य व पे न है। है दे छेर ले न र र न य व व व कर् छै नर र दे वर्ष मा कर्ष मा कर्ष मा निष्य मा न्वेगलायराष्ट्रेरायान्येदायाने व्यत् ह्रास्याधेदार्द्री । नेदेश्वेराळन् अलान्वेगलाय |बै.र्बेग्यादात्वंगायत्यादावीत्वर्ग्यार्रेत्यार्द्र्याद्यं व्यव्यत्र्र्र्त्वे क्रूंद्र. तर् . ब्रेय. ब्रुय. व्यूं प्रत्ये . या व्यूं या व्यूं व्यूं व्यूं व्यूं व्यूं व्यूं व्यूं व्यूं व्यू चलै.चमु.च.लव। स्र्-र्-अर्-र्-अर्-र्-स्न्-अर्-रेव। विवासम्बर्गम्यःम्बर्न्यः विवेतः वर्गेषाचाष्याक्ष्रंदामान्त्रेन् नुःश्चाचाषायुन्नेदार्वयागुदासुवावविवावह्न् श्चीत्राप्य **छिन् नै हिंदाय नेन् नुबद्ध अपन्त्र ने ने लेया ह्या प्रायम अपन्य अपन्य मार्य अपन्य अपन्य** नपु.विरय.थे.ह.केर.२८.। पहेच.पग्रेजायथ। चर.मु.बुर.पहेचयानर.स्र.तर.श्रु. मःइययायान्तेवार्याञ्चामःवर्ते वीर्यायाः ने केत्रित्याः महेत्रायाः महेत

८ च्रेक्'स'र्ट'यद'श्चु'पर्यर्यु'यर्प्य स्थापास्य स्यापास्य स्यापास्य स्थापास्य स्थापास्य स्थापास्य स्था र् वस्त्रवाराक्षा स्र-१८-अर-१८-वेय-स्त्रवाय-मर-ध-घवे प्रत्यास । रे.केर. *र्*ट्नि: संस्थानु वः यदेः इतः व्यन् विग्वः यदेः व हृ ग्वः व्यन् तः वर्षः वः इत्यान् स्वारं वः स्थान **षद्-धरःञ्चःवःररःगेःर्रःवतःश्चवःधरःवर्द्रःयःर्टः। र्**द्रवःदःश्चरःश्चःवःग्वञ्चगवः वाश्चाया पति श्विषा ग्रदः मृते वाशुःश्चः पते श्विषातः सुः सुः भीवः पतः मिवः तुः म्वायाः पवः स्टरः सुः न वि त में ना मार्म व्या के नि हुं हुं ना के ता हुं ता हुं ता हुं का हुं नि न न न न न न न न न न न न न न न न न द्रवायान्तः विवाद्भः तः त्यावाविष्यानः द्वायान्त्र। वर्षः विक्रेन् स्राप्तः बेर् पर्यान्न्न न्रः न्वव्रः ग्रीः स्वारा के शेर् पर देते से दे द्वरः वर्ष र नः स्वरा ग्रीः द्वे द ब्रद्यःमः अव्यादेवः धरः त्वावः धरः त्युरः र्रा वियाध्वे ग्रायः अन् स्ति श्रुः सक् व . **५** . न्द्रयासं बेन्या मृद्यत्या ने प्यतः नरः मी यळव के नि न्यान्य पिवा या न्यान्य स्याप्य मल्यासाधिवाहे। द्वानुदासायानुवादादे बेदासरा वर्षे दार्वेदावाद ग्यापार मश्चरत्रामः न्दः तम्यायः रहा

 व्यन्द्रताध्यावतावेदानुः नवुरवः धदेः छैरः द्रा |देवः दः सर्दः देः द्रनः नेवः द्रायः वः रट. अन्य अर् रायर क्षेत्रया वाधेत प्रयो हिन् स्निन रटा प्रवेश का स्राप्त विषय न्ववन्तिन्वान्त्रम्याः स्रेन् प्रेन् प्रेन् वित्रक्षेत्रम् । वित्रक्षेत्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् र् नेयम्बर् द्वा | न्यान द्वारे धरा ये । प्राप्त विष् **৴৴৴ঀ৾ঀয়৾৾৸৴ৼ৸ৼয়ৣ৾৾৾৾৴৻ৼ৾য়ৢয়৸৸**৻ঢ়৻ৠঢ়৻ৠ৾ महारक्षाया दे र मना च ता नहे रायवा र्मन्च-छ-ल-इत्राच्या देखेर्म् मु अर्द्धन्दु छल द्या शे दम्न पर म्युर्या सं शे रेग्या मला धुलारुद कु.र्मन् कु.स्न्नल ल.कुर्। दितः त्रील पर त्र्मन कुर् कुर स्न् मा मा भित्रा समा नित्र प्राप्त दे निष्ठे वा सेन्य दे निष्ठे र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वा न्दः तम्बा क्रेन् अन्यायाने विषाष्ठ्र क्रियः सुर्यः न मृतः मं लेयः मृत्यारयः मा भेवः ग्री देः मृत्ये या सुः तुः शेः न लेदः मः सः भवः मृ **美**七.漫山.प्रय| बिप.च.ल्य.वे.बिप.च.七二| |ब्रै.ज.ल.वे.बेय.चे.लय| |ब्रै.जय.ब्रै. दे रूट विवेद स्ति। । पहेद द्वार प्रहिट पर शिर शुर है। । दि देव पा पट विवाप हेद वयःवड्डरः। ।रे.वेरःक्षरःवेरःव्यक्षवःवय। ।गयःहेःवह्षवःयः रदः वविवः यर्। । बहेव् यः ने त्यः शुः धवः त्रे व विषाः वः द्वायः त्यत्रः ह्वाः ने धवः व विषाः व व व व व व व व व व व व व व व व व बेर्-र्रे। विलाश्चेनामुः तास्त्र-तहेव्यायात्यर्रा पविष्यंत्राव ररामी मुःमेव तापहेव वया त्र बुरः नः श्रे. तुरः नः नृतः । तहेषः सः ने खुरः गुरः नर्त्रेषः गुरः वरः मुख्यः सदेः छुरः । क्र मा माराया यहार ता न्या प्रत्या प्रत्या चित्र विष्या माराष्ट्र विष्या मारा हिन्या प्रत्य स्तर स्तर स्तर स् युग्या बेर् परि विरया साधिव है। रे वे रर जुर् ग्री र् सप्टर बेर् परि र् व धेव परे हिर.स्। विद्यान्तः प्रयाष्ट्रम्यः सेन्यः सेन्यः महारुषः याद्री न्दः सम्यायः व्यवस्यः स्वर्

ॱॸॣॸॱढ़ऄॖढ़ॱऄॗॸॣॱ**ॸऻऄॖख़ॱग़**ॱॸढ़ॱॻढ़ॏढ़ॱऄॖॖॺॱॿॱग़ॗॖॖॖॖॻॱय़ॸॱढ़ॸॣॕॸॣॱय़ॺॱऄॗॸॣॱॹॗॱढ़ॼॺॱॸढ़ॱॱॱॱ**ॱॱॱॱ** नविषःग्रीतःग्रुपःयरःवर्द्रनःयःयःभ्रतःववःवव। वःभ्रनःयरःश्रुवःवग्रतःश्रुनःवेवः देवालः सराः महत्वाःसः मुताः द्वारायाः विदेश्वदः दिम् दिः स्वाः तः विद्याः हे। ·धलामह्न नाम इन् पुरत्रेन् अर्मेलाधि धेन् रेनेलाधि प्रति हैन भीता है। न्दा समाना अर् रावी महवासीवाही सरादेश त्रीयामायया मिं में ठमानी स्वायायास स्त्रायर वयः परः बेः त शुरः है। नदः वीः धेरः विः वः रुनः वीः धुन्यः यः वैः शुवः त चेवः पयः शुवः त् चुदः चरः चुः चः श्रद् - द्वतः ग्रुदः श्रदः दच्चेदः धरः श्रेदः धः त्रेदः त्यः श्रुदः दच्चेदः धरः श्रदः वरः **ᢖ**ॱऺॻॱख़ॱॾ॔**ॸॱख़ॸॱख़ॸॱॹॖढ़ॱ**ढ़ॺॖऀढ़ॱय़ॸॱॿऀॱॿॖॆॸॖॱॸ॓ॗऻॱॹॖढ़ॱॸॄॿॖॸॱॻॱॸ॒ॹढ़ॱढ़ऄॗढ़ॱय़ॱॻऻढ़ॖऀज़ॱ ग्'र्राचित्रचुरायाश्चरायदेःध्रेर्र्स् । देतेःध्रेर्प्स्र्प्र्र्र्य्या बे चे न् न् वियान्त्रा श्रु नया नर्गन् प्रते देन्या परि न न् ना मा बे तह ना परि श्रु सक्त रु:रदः नविदाग्रीका अः श्वानायान में दान्छै। विकालेदा से दास मान में दास के स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स वेषाचेन्-तुःख्याचीःसर्न-इत्कामःसक्। वृःदेवेःतुषःर्यःदिदःसःश्रेषःमःन्तः अश्रेषःपदे**ः** ळ्याचराचीया बाक्केया तपुराक्र्या क्रिया स्थाप क्रिया स्थाप क्रिया स्थाप स्था त्र्यायान्त्रम् वा भूःदेवै:सुकाद्रावःस्याप्तः ह्रम्कायाः येदः द्वाले वाद्रवायाः वा ष्टर-इ८ल-म-कुर-दे-मुकेल-स्र-्तिन्धि-मुके**ल-धे-स्**ल-ग्रेल-दे-सेव-दें। दिःस्ट-स-क्रुर् तुःधेवः क्रेः देवः न् अःधरः अेनः दें 'बेलः ग्रुट्यः धः न्धेरः यहं नः वयः ने ॱक्षेरः वियः ज्ञारः परः.... नशिरकाने। पर्नातम्भाषा पर्याहास्यानेषास्यान्यातम् वर्षाः स्थान्यान्यान्या चत्र अ:अञ्जेष:पदि:क्ष्यःग्रेष:**व्यादाः दर्घ**यः प**राचगागः ६८ः। ग्**रेषःग्रुटः न्द्र्यः घरावेषः -पत्ने **व**ेतु गुत्र । पृत्तु दः परः ग्रुः पः प्रदः शुद्राय ग्रै वुद्रायः प्रवाग्यम् । सुद्रः यद्र अः अप्रदः स्वरः अः अद्र

दॅव गुर व क्रुन् नु शुव प्रचेव प्रवाश्वव न् श्वर प्र शुव प्रचेव प्रन छेन र् ने विष শ্লহ:ক্ট্রা ह्यदःद्रीदःयः बेदः ग्रुटः देवः ह्यद्रीदःयः बेदःयः बेदःयः बेद्रोवेगवः यवः वः क्षृदः हुःग्वदः स्वावः ः ः शुक्र-दिक्केक्,नः विकासिरः रेज्ञेकः नरः वेककः नरः विश्वेरकः नर्षः श्वेरः स् । दिरः वः सरः विष्ठः व ळ्याया.क्रीयाच्चीयाचीयातपरायध्यातात्र्यात्रे । क्रयाच्यात्राच्याच्याः स्वाच्याः णरः। हि.केर.ब्रिट.ग्रेथ.के.बर्प.ट्रिय.प.प्रट.विट.तर.क्षया । वर्षेत्र.वर्षेत्र. बाधरः म्बरापत्त्र्रात्यः सम्बर्धः स्थरा स्थरा स्थरः वर्षः म्बर्धः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर् इया पर स्त्र र्रा या स्त्र पर । वि रेग्या स्त्र राग्ने दावला मास्त्र राज्य स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र त शुरः वैदः। । विः परेवः पवेवः दुवरः रदः में छन् : पवेवः वहेवः धरः पञ्चवः छवेः छैर। । दे-दि-ळॅर्-ध-हि-हुर-दे-घंदिद-दिर-थर-वेदारमान्दरः। | 월도· ax· g· a· g· a· u· ष्रवृद्दः चरः श्रीरः तपुः बारे बे.कु बायः बु । विवरं तः रेटः वयः प्यवः श्रीटः वश्चीयः वे व िहे. क्षेत्र. <u>बार्च बाया चक्र ब</u>ार्च्याचिताची. चार्च क्षेत्र. चारच क् व.वे. षप्त.र्भेषात्र्यर.र्टा सर्गतप्तवात्रासर्गतराश्चे वेयाचे. पप्त.क्षेतात्रास्याता घषयाः ত্র-দু-য়-য়ৢ৻য়য় द्व. श्रट. मुव. बाडी बाय. छे. च. पाय. बाडी बाय. च के व. थे. ट्रा बाय. च वः क्ष्मायाः सरः तर्द्राः पतिः द्वादेयाः सरः ग्रीदः सः देः चित्वातुः राष्ट्रः चित्वेवः ग्रीयः क्ष्रदः पतिः श्व त्त्रेष्-प्रतात्त्रव्यः वृष्टः वृष्यः वृष्यः प्रतात्त्रवेषः ग्रीतः क्ष्रदः वृदः तवनः पः न्दः । वृष्यः वृष्यः व चल.चपु.चे थे.कू चेथा.ग्रेथा.च श्रीच.तर.चे.च.श्रीच.ता.णुषे.जा चेथेथा.थी.चल.चर.लट.थू त श्रुरः नराः रूटः मीः ळेषाः यदहः वयः चः ब्रह्म्यः धरः श्रेः देण्यः स्रः वेयः मेर्यः धरः ग्रुद्धः वेशः रदः तः वरः च मा वाः धदेः रेवाशः धदेः वार्षे : वार : वार्षे : रदः समारा शेर् : में : वे या या मही दया स्था

न्वर भराक्षात्र्वर राम्येवर में का मान्य प्रत्र मान्य मान्य प्रत्र मान्य मान्य प्रत्र मान्य मान्य प्रत्र मान्य ॱ**≅**ॸ्ॱय़ॸॱढ़ॻॖॺॱय़ॖॱऄॗॖॸॱढ़॓ॺॱॻक़ॺॱय़ॿॺॱॺॺॱॻॺऻॱय़ढ़ॱऄॗॕॗढ़ॱॸॸॱॺॱॿ॓ॱढ़ड़ॗॿॱय़ॱਘॸॱॱॱॱ रदःचविव अर् परत्र्राय मु सक्व र र मु सक्व र र मित्र स् रदःखिन्यः बेदः <u> इया चया ब्रुटा मा ब्रेदा है। यह गाय जेया यह मुंदा जैया है ' जैया जैया</u> तरी र्ग मृत्रेयाकर यद दे हु सार्ट यह दे थे हिर्म विद्या ता हुँदा हु से त्युर यह ग हे व'य'भे'न्र्रे व'र्य ह बक् गुर' भँन्। । गर'मे'हेर'व'रर'में' बढव हेन्'न हेन्'पर छ' ৽ঀ৽ঀ৾৾৾৾৾৻ৼৼ৽ৠৢ৾৾৾ৼ৽য়ৼ৽ঀৢ৾ৼ৽ড়৾ৼ৽ড়৾য়৽ড়য়৽ঢ়৾৽য়য়৽ঢ়য়৽ঢ়ঀ৾ঢ়৽য়য়৽ঢ়য়৽ঢ়ঀ৾৾৽ र्षेण्यायाः भुनः इवायनः हेंग्यिते खुवातुः व शुनः माने व्यवे म्यवातुः वेन्या ने ने दे धेर-पर्गायाहे अर्पन्त्रायते क्रुंद ग्रे अपन्य वर्षः वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र र्घ. भ. च के बोथा तपराश्चीयाता के भथा श्वीरा लूरी ता लूपे तथा वश्वाय करी प्रशीय हो। न्वतः ताश्चितः तहन् नः यदे श्चः यद्वतः नः रः यद्वतः नियः श्चर्तः यः यम् नः देरः ररः ताः श्चितः ने बेर्-यदे-कुःबळ्**द-र्-**क्षुःबन्धःनुर-५र्नेर्-य-नुबुर्व-यत्व| रे द्वर मेय दय र तु यदे खन्यः श्रुदः न्दः व्यानः दहनः नेवायरः ग्रीयः भेन श्रीरः देवः ग्रीः नविदः रवः न्दः न्तुः बदै नमून नर्दे या क्वया नया नर्दे के तदे हिर धेव त्या तदे के तदे हिर के कार्य का विकास तर्ने बेर् रें तर्ने र्ट तर्ने र्ष्य र्रं लेवा यहत प्यताम लेवा विद्यास्य । रे र्वा रूवा स्वाम रे रे.र्मामी.महेर्न्साधेद्रायाथार्ब्यम्यानयाथारुद्रम्मी.सर्ट्रियाच्याम्यान्मेवा रे ॢॱ**ॺॱ**ऀॺॱढ़ॱढ़ॱढ़ॱढ़ॗॸॱढ़ॱॕॣॸॱॸॣॹॱऄढ़ॱढ़ॕॱढ़ॏॹॱॺॱॻॹॖॸॹॱय़य़ऀॱॻॿॖॸॱॸ॓ॱॸॄॻॱॻऀॱॹॖॸॹॱॱॱ -शुःने:न्याःमी:न्वःइयः धरःतकन्यःवःतन्तिःक्षेत्रःसःमःनेतिःखगवःवयःनेतिःववेन्

यदं । । तर्रे वे दे स्ट्रे अव व दे लेख द्या पर द हो श्रे क्ष पर त हुर पर दे हे र दे । विष हे र *ढ़ॸॕॸॖॱऄॺॱय़ॱॸॣॸऻॺॺ*ॱॿॖ*ॸॺॱढ़ॺॱय़ॱॸॣॺ*ॱॻढ़ढ़ॱॻॱढ़॓*ॺ*ॱय़ढ़ॱऄॿॱॿॖॸॣॱय़ॸॱॸॱॸॕॿॕॺॱ वतर.वर.व.वीश्वरयाही इर्.ध्रेमायया वाक्षेर्यावयावी याच्यायाया ।दिर्रच्या तकर्'चर'शे'डेर्'र्रा |बेब'र्टा रेगव'च'हुग'हु'न'वब'गुटा| र्हेब'घं'डुट'न' ग्रमा । श्रुः या ग्रुता द्वेता त्वेता । वेता नमा वामा नमा नहे वा वया नम्या र्ना क्षेत्र श्रेत्र व्या वितार् दिना हे दायता त्राया प्राप्त व्या वरा र्माञ्च त्यत्र हिर्म्प स्थल । दे अर्म्पर दे प्रम् अदम्या । महिम्ल पक्र दे दिर्म बर्ह्स्य पर् । मन्ना पर् के के क्षेत्र के तर्रे । । हेन रहा अरावर के विराधन ब्रेर्-चल । इर-च-कुर्-दे-चर्षा-ब्रेर्-च। । इर-च-र्ने-बर-रूर-चलेव-ग्रेल। । धर्-च. श्रद्र. त्र प्रद्राचिता चिता प्रद्रा चिता चार्च प्रतालक केत् ग्रहा २.५.छ्र-ज्ञियानक्ष्या । वयः इतः क्ष्यायः इतः क्षेत्रः त्रा । श्रीयः यतः हितः ज्ञीयः यत्नेतः यः जबाया । बुया-दून द्राविन बुबा-धूना-धून शुक्ता-ग्रहा-शुक्ता । विद्ययानु विद्ययानु विद्ययानु विद्ययानु विद्ययानु त्या । बालेना त्यत्र श्रेषः स्थाप्तः। । त्रः नदेः श्रेः चः व्रितः व्रेतः चलेत्। । डेयः त्रः। हेव. इट. पड़ेज. चर. चेट. पड़ेट. च। रि. हेर् हिर् रेड्रंट. पर. चलेर्। डिल. चेशुटल स् । पर्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त् ल्ये.रेट.चर्थात्र्र.श्रेत्र.थे.यंथ्यथः हे.यंद्रेये.च.चर.वियःचर.चर.विद्रे देवे छेर हे ब कर तड़े ल चर तड़िर च हुर च हु व हे र तर्र च खानव हुर व ए स महेब.वय.मध्याय.स.वय.अटय.तपु.बुर.व्र.च्.र्य.मी.ब्रेयाय.पामक्षेर्मवयय.वर.कर् ख्यावा त्या स्टार व स्वा त्या त्या व स्वा त्या व स्वा त्या व स्वा व स्व व स

 $\frac{1}{2} \int_{\mathbb{R}^{2}} \operatorname{d} x \cdot \operatorname{d} x$

मदि ञ्चेन्या ग्रे ऋँ दा प्रस्वाया न्या। अँदा नेया निवासि वास्याया ग्री पारा स्वाया प्रस्वाया प्रस्वाया । रद्भारा माने वा वर्षेत्राय पार्ट्या देश्य माना पार्टी । यद्भारी । तरी स्वातः के ना नावाता त्या नावात्ता पा स्वाता ही जिसा निवा हारा विकार हो नावा र नावा पर राज्या । इर नग छन नगरा में के न दर्या है न न न न न है अनि है है है है है न में के के के हैं है है से मा **३**ल-इ.न.ल.क्रल.८८.क्रल.२४. पड़िलाड्डी.डेर्.नचुर.न.णेद.ग्री.विर.नर-दे.स.लद.हे। विर् यतः यहिष्याद्वाः हेरा शुः न्यायः प्रः हेरा शुः न्यायः प्रः प्रः प्रदेः वः श्रृन् खेन् ः यतः य शुरः ः । यर् क्षेत्रः नायाः हे प्रचुद्दाः चः क्षेत्रः या वि त्याराः शुरः यदे श्रुः यहे व व व हि रे त्यः स्यायः म्नायाध्येत्रात्त्री । नेराविवानुः चेरचणायाञ्चाः चेर्त्रात्यः न्यात्यत्यात्वत्राः च्याप्याः च्या वहिवादारे मालवायायाया । विवाहे यहिवास्याम्यायाया प्राचीतायायाया मासामुनामाधित दें। दि पतिवातु के देवाया सरायहे माययह माया है मु प्राप्त पर्या प लव व व व दे हे लह ल कु ल प रहा ता अ शुवाया लेवाला हिवाहे कु के हा पा लेवा व व हे हैं ल है ता यःत्यःश्राम्यःधेवःद्व। दिवेःधेरःहःस्ररःवर्दरःह्यःद्वःह्यःववःह्वःवयःवेषःवहंवः यः ने प्वतितः तुः तिने रः धरः ष्वतः प्रतः में रः पतेः क्षेत्रः ठतः ठवः विषाः तिष्यः तिष्यरः त् शुरः रं वे ···ः वेषायद्। विर्देष: १व.वे.थटथा क्येथातथा है। हाना साता है। क्ये हे ना हेया द्यापकतः বা युट्र. बोयायाचेर्-रा.पा.से.शु.धा.६ बो.तर. ८ स.५ कप. घ.च.च.घरा.पद.से. खेयाळ्या. ठव. री. पत्रुट्र... व.चयता.वुर.त.प.श्च.प्रीत.ता इर.स्.स्.मुव.वुय.चयता.तर.वुर.तप्र.मु.व्य.ह्य ठवः नुः पञ्चरः वः रदः तः श्रेः त् श्रुवः र्वे । देशः वः रूः र्वे देः तर्दन् राधः श्रुवः र्वे दः श्रेवः तः रूषः

~ठवः रु. मञ्जू ८. रु. बै. उर. है। केंगः ठवः वै. में त्यः मविषः मविषः मविषः मविषः मञ्जूः केंगः रु. हें रु. धदेः ·बाबि·धेव ·धरा बाबे रागादे · अहा व ःश्वर · रु ग्रुव ·धः बैवा र बेवा पर्वे खेर रहे। । हि ·क्षर · क्षरा ·ठवः यह्य**दःश्वरः तुःशुनः यः न्**षेत्रः यः ने ः नवेदः नुः केतः श्वेः हणः यदरः ष्वुनः यनः नुः यः ग्वराः ः । तुः शुनः यः विषाः नञ्जनः चुः शुनः यदेः १वः तुः न् विषायः धेवः विषायः धेवः विषायः । न्येः नेः नविवः नुः न्युः य नयः बैन्'-यः स्वेन्यः यः दरः नै'क्रुं' अळेर् ' र् यः नृतु न्यः यः स्वेन्यः यः ध्वेदै 'क्रुं' अळेर् ' इययः '''' न्ना लक्षा क्रे मा बेर् मारा निवर हे ला ह्या पार्टा निवर लका क्रे मा बेर् मर रहा हे ৽**৲ৼ৾৾য়৽য়ৼ৴ড়ৣ৾৽৽৸ড়ৣ৾৽৽৸৽ড়৽৸ৼ৾ঀ**৽৸ঽ৾য়৸৽য়ড়৾ঀ৽৸ড়৾য়৽ড়ড়৽য়ৢ৽৸য়ৢৼ৽ড়৽ৼৼ৽৽ ·य़ॹॖय़ॱय़ॴॱढ़ॖ**ॸॱय़ॸॱॸ॓ॱ**य़ॸॖॱॸॱॸॕॸॱॸ॓ऻ ऄॻॱॸॸॱॻऻॿॖॻऻॴॱढ़ॴढ़ॏॻॱॾॴॱढ़ॸॱॸॖॱढ़ॾॕॻॱ **हे'**र्नु'अ'न'*र्न्*र्न्र्र्स्य'र्म् र'ञ्च'न'ग्रेय'ग्रेय'न्ग्'यय'ङ्गे'न'ळॅर्-बेर्-य'र्खग्य'पदे''''' ्ष्यत्राचरः ग्रेः क्रवार्ध्वरः प्रदेः नृतिः प्रदेः प्रदे ऱ्.श्रेत्रा.थ्.पथातपूर्व विश्वेय.श्रेट.थ्.यीय.तपु.रू.व.लट.ही.ध्रेप्रापाक्षर्.थाही.पर्याप ·ॿॖऺऀॺऻ. ॿॖऺॗॳ. ॻॕऺय़. तपु. क्स्ं अ. मुं. ५२ र. य. खुबी. बुंथा क्रं क्रू खालपटा ग्रीयः तपू ॥

महेलाया ने प्राप्त महिलाया महिला मह

मैला ळन्-या बाधिव । या केन् । या केन् । यु । यहेव । या ने ये। छें वे। येन् । यून यूने । मून कार्य वा । । । । यदः न् क्षे न्याः मः यः यः त्युरा न्याः नेः केः र यः रेयः ठवः वः धेवः यतः श्लः भृः भृनः यः र्यायः यः द्भरः द्वेत्र देः त्रः सम् पर्या धरः र्मा पः त्रः धेतः पः र् वे वे तर्मम् या परः रे वे वे तर्मा मारः मेरा द ने गुद्र ह्व मुर्र व शुर्र व र्ये प्राय थेद प्राय थेद प्राय शुर्र पर्द में द क र य थर प्राय विवास प्राय थेद रे.हेर्.ग्रे.हेर.श्वर.र्घव.में.वं त.हे.वं च्या ग्रेया व्यय.हे.बद्देव.श्वय.प.स्वय. यता १ द्वःग्रीयः त गदः विगः रु वेगयः व दे । । पश्चिमः यद सः पश्चिमः यतः चुः वः दे । । बे**र**ॱहुरु:८ःत्यःश्चव्यागःबेर्। |ठेषःग्शुरुःःराँ| **ऻ**ॺॸॱॺ॓ॱॿॖऀॸॱॸ॓ॱढ़ॸॱॿॖऀक़ॱऄॱॺॕॺॱॱ यः ८८ छितः के अप्राप्ता यः ८ मा सः ८८ सः देते । छेरः छेतः के अप्राप्ता यदेः मृत्रयः अप्राप्ता व छेतः **३**-स्वनःस्ट-सःयःस्व-सदेःश्चेरःव। नटःवेनःक्ष्यःठवःवेरःतुःवश्चरःनदेःश्चनःगुदःह्वः नेते क्षेत्रः नाबे या गुन पते क्षेन्य गुः क्षेत्र न्तः नाबे या गुन पते नाहतः च.च.ज.लूर्। ळ्ळचळ. ग्रु. श्रुं व. र्वेच. त. श्रद. तथ. पर्ट. पाव. श्र. त्यं श्र. त्यं त. त्यं त. त्यं त. त्यं त म्त्रम्यायः ग्रेः श्रेः यक्षेत्रकेत् वित्मा त्ययः श्रेः चार्तः येत्रः दे। व्यत्रः यदिः श्रेत्रः व्यत् वर्त्तः म्यायाः वदिः चुयायानविवाद्। विवायवि क्रुंतायाया अस्वावाद म्याया स्वावाद देते हेता वर्षा प्रमूत्रा स्वायाया । यव.मी.मिथर.रु.रे.रे.म.मुथ.दु.इथ.ठय.वर्षेय.क्रंट.री.मुय.पंग्याक्षंय.पा ने.लर.ह.केर.लुव.केव.वी पर्चर.हे.मूज.बर.रट.वर्धव.कर.टे.बीच.घपु.क्र्य.हव.कु. त् गुनः पते से त् गुनः तु गतः हुं नः पते से में तः ने ने के ग गत्र ता तता गत्र हता पते से नता तर्नरक्तिः वर्षाः क्रुः तर्षाषाः धवेः क्रिः क्षेत्रः धवः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः यर रदः विषेषु भूर पर वर्षेर पद र्द्र रहे ता सर श्रुपार दा साक्षर र ती रे प्राप्त र मी अळव हेर ग्रेश शुन धरे रूट नवेव भेर धर पर देर धरे रूट कुर धर महिलामा धेव हैं। 「円·お·スエ·蜀て·む·凡スエ·光·ガ·ラブ·私丁·セス·園·ロ·角の·ヨス·我丁·四下·凡九ス·省·最可· **ॾॕॻऺॴॻऄॗॸॱॻढ़॓ॱऄॗॸॱॸॖॱॸॸॱॻढ़ऀढ़ॱऄॸॱॻॸॱॾॗॱॻॱढ़॓ॹॱॻॱढ़॓ॱॿॴढ़ॹॗॸॱॻॱॴज़ॕॱॻॸॱॻॖॱॱॱ** रट. चर्षु व. लूर. तर. श्रु. च. लेव. च. वे. र् रू. त. तर. श्रु. च. रट. रट. श्रु. च. वे. व. वे. व. व. | माञ्च माता ग्री ऋो अकेद : कॅरा ठद : दु : प्र ब मा पा दे : दे ग्रा या प्र से दे : दे दे दे दे दे दे दे दे दे द म्. चर.चे द्री पति श्रेमा मे नेता पति सदे ता श्रुवा कर् स्वता त्युया र में ता भारत है । यह स्वा ता स्व ता स्व ता स्व ता स्व त **बैक्षः अःश्वानः दः देवःश्वानः यदेः अदेवःशुकः तुः बैः उदः नकः बः** यद्वावः नः न् बैकः का । हिं वाः बेदः बात् व्रुत्यः चरः त् श्रुचः धः देः ने ः नृषाः षैः खुष्यावः त्यः षाराः त्यः व्युत्यः चरः व्यूनः व्यः ने देः रदः वी बळवःवेदःग्रेयःश्चरःयःदेःश्वरःवेदःश्वरःपःयःदःयःयःयःदेयःयरः क्षेयःर्यः ।देःस्वरः**दः ᢖ**ᢆᡪ᠂ᡚ᠂ᢍᡪ᠂ᢍ᠗ᠵ᠂᠊ᡅᡬᡫᠿᡓᠵ᠄ᢅᢋ᠉ᢋ᠂ᡯᢩᢂᠴ᠂ᠸ᠘ᢅᡇ᠂ᠺ᠊ᡶ᠗᠂ᠵᡏᢩᠮᠵᠬ᠈ᡏ᠕᠂ᠵᠸ᠄ᢩᠳᠵ᠂ᠺ᠊ᡎᢅᠳ᠂ᠳ | ういれてないだれで、ないで、まれないスたいなのあい。記し、とれて、美可ないなない。 न्यरातुःक्षेत्रायते ध्वतायना तुः नदा शुन्दि नियाया तर्मेना यते हितायकन्या धेवा श्री। न्युः बाबलात शुरान ब्रास्त ईवारी है है निया देवार विवास विवा मदेः यदः यवः कुरः र् कुरः र वेषः वेषः वेषः वेषः वेषः देष्टः यः देः रे वेषः यवगः वे । रे प्वतः रूरः नद्राने के लेया पायता निया निया पाये हैं ने हैं। विया पर्य हैं व दे মুন'ৰ্থ'নগ্ন'ৰা <u>चञ्चचःच्चितेःळ्लःग्रुःह्रेदःळ्लःठदःवैगःगवःगत्रुगराःयःर्षगराःयःद्वेःदेः।व्यंद्ररःवृव्यरायरःःःः</u> <u> शुर्रः यः क्षेत्रः या बादाः यरः ये वादाः व्यवः ५ व्यवः ५ दे दः द्वारः ५ दे ५ : ग्रीयः विद्यान्यः व्यवः यः धेदः व</u>ि बारेना पर्या पश्चर् पदे क्षित्र के स्वा क्षा ग्रीता पर्ना मी **ౙ**ઌ੶ਫ਼**⋠**੶⋛੶⋲<u>Ţ</u>੶ਜ਼੶ৡয়৽৾৾৾৾ न्द्रवासंक्रेन्यक्षे श्रेमामि नेवामायार्वावायि सक्षेत्रप्रे नेवामार्थसम्बद्धाः रॅव वॅ। <u>|वियःश्चर्यःश्चनयःवैःर्देवःर्यःधरःश्चेःयःयग्नायःधःदेःकॅयःठवःदेःर्नाःस्य</u>

चञ्चचः चुतैः कॅलः शुः चहे दः यः देतैः कें होः देतेः छैरः हे। देः विं दरः श्चनः दः देः चहे दः यः द गयः नवि छिर रा । दि व दे हिर मिया येव व व द र दे या छर हु बा व । दे वि व र ब शुन किर-दे-ॉर्च-व-वेद-ग्री-द्व-अर-अर-अद्याद्य-यदे-माञ्च मात्र-य-संग्व-य-दे-द्वा-क्व-अर-दावुय-वदे-···· वेषःचषःक्रेन्-चतःन्वःतुःशःउरःचषः**धःषःठ**वःचह्रवःमःवहेवःचतेःबःक्रुन्-चतेःवेषःमषः *क्षेत्र* संस्थान स्थान नयः हेर्न्यते द्वातिका नेयाया श्रीहराया तिष्या नेयाया हरा नदे द्वाया तिष्या निया नेयाययाक्रेन्यायाधेवाते। क्षेत्रकेष्यमायविष्यानेयान्याक्षेत्रकेष्यायम्।यायविष्याने वेयायानोदेयान्तरम् ने सुत्याववाद्धवाद्यम्यायते द्वान्यायात् द्वान्यते वात्रायाः विवासन्ति धेवारी विवासन्ति धेवारी विवासन्ति धेवारी वार्यान्य विवासन्ति । र्रे विका महारका पदी र्देष की । दे हिर्देश कर पदी महामी के विकास वका द्रीमाना प मा.पा.लूर्-ड्रथा.तप्र.चर.स्। १रे.पा.बुब्-ड्र-लूब्-ड्रथा.त.ब्र-ब्रुब्-लूब्-प्रवाप.पार्थावाय.पार्थः वेयायावा क्षर्-यः अरेग्-यतः तश्चर्-यः क्षत्रतः त्रा । रे-र्ग्-ग्नेतः ळर्-यः तः त्राधेत् यः ळर्-यः त्रेर्-तः दहें दः पः वेषः पः दी। गञ्ज गवः ञ्चः र्षं गवः तः न्दः मैः में दः देः नै दः ग्रैवः ग्रुवः पदेः बळदः नै दः बेदः चबुब्-तु-न्वर-घॅदे-वेब-चब-ळॅन्-चर्-चतुर-च-ह्रे। ह्रेब-छे-वेब-चब-चतुर-च-दे-इर-च-द्य-ल-चु-न्म्य-चल-रट-मी-यळव-देन्-रु-मञ्जन्य-स्मय-द्र्म व.लूर.तर. श्रेर.तपु. मूच.क.द्व.लट.र्श्वेष्य.तर.ष.त.व.त.वे. वेथ.त.वु.रं वेथ.त.वु.रं मक्षव अर प्रित प्रमान्ति हो र प्रमानित स्थान प्रमानित स्थान मैता वै मा व माता है। सं माता हर पदे प्रार्थ मे ता इस्यात द्वारा प्राय्य प्रायः में व रूर मी

 मिने वासार्ये कार्मेर्प्यार्ट्य के तर्रा कर्मा मिन्न वासाय र्ये त्या वासाय वासाय वासाय वासाय वासाय वासाय वासाय ळ्ट्र-यं वः वेद् द्वी वित्र देश वित्र वेदि वित्र यद्रायान्त्रेयानायायाय्य्याया दे प्रवेदातुः वेनानि ही दे सूराया ने प्रवास केर्-अ.लुब्-तर-श्च.च.र्म-मृथ-गुद-ह्र-प्र-पर-प्रताय-श्चरताया र्द्रव-द्यायर-पर-यः न्दः द्रयः यानदैः व्यदः हदः न हे यः न्दः च्रयः यः न्दः च्रदः व्यतः क्रुवः क्रुवः न्यायः वदः च्रेन्ः यः । म्द्रेयान्ताल्याः अव्यत् अर्द्यः मुर्गः मुर्गः विष्यान्ताः अद्यत् विष्याः म्यान्त्रे विष्याः व खेन जूर जा यहे व. यह व. यह व. यह व. यह वे ने ने के लाम ने न में का के तर्ने न प्रते के तर्ने न प्रते के तर्ने न ने में न ने में न ने में न ने में न ने म ब्रेयायत्याद्याः व्यायिः व्यान्तः व्यान्तेः श्रुः व्यायते । वृत्तः यतः वृत्तः व्यायः वितायः वृत्तः व्यायः सर.श्र.लूर.सर.हथ.स.वे.भूज.च.चेद्रेथ.स.रे.रच.म्.लेच्य.ज.चेर.लूर.जा रट.घर्ष्ट्र. ୢୖ୰**୰ୄୖୡ୕**୵୕୳୵ୢଞ୍ଚଂଦ[ୄ]୵୕୵୕୵୵୷ୡୣ୕ୣୣୣୣଌ୕ୄୢୠ୕ୣୄ୷ଌୖ୲ୄଢ଼୵୳୵ୢୢଞ୍ଚଂଦ୕୳ଵୢୖୄଊୢୖ୷୷ୢୠ୕୷୷୶୷ୡୣୄଌ୷୕୳ୡୄ मेवायवा श्वीयायतर साधिया विष्या मदी मेवायवा श्वीयायतर साधिक प्रति स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्

न्तर क्रम नवा नवा नवा निर्मे क्रम निर्मा प्रतिता नवा नेवा नवा निर्मे ता वा निर्मे ता वा निर्मे व यःत्षुत्यःनदेः वेषःनयः क्रेन्ःयःदैःऋःर्मेत्यःग्रैःकन्ःवषःवैःत्शुनःनवःन्येःन्नःत<u>न</u>ःतन् थॅर्'य'य'थेव' र्दे'बे्रा'यदे'हॅव'र्दे। । बात्रायान'दे'ह्येर'दे'हॅद'र्यायदेव'य'यहेद शुवानु तहता परि वत्रा मृत्वा पिता वि । यदि । त्वावानितः यहे वाश्वयाद्धन् यान्दावे वाश्वयान्दायद्भवात्यान्ति स्वान्यान्य विवानित्रा वि नः गृह दः बेर्ः ययः बः द्वायः नदेः नेषः ययः क्रेर्ः यदेः र्रेदः क्रॅषः रुदः तुः बेर्दः नदे। *ঀঀ৾৴৲৴*৾ঀ৾৽য়৾৾৶৾ঀ৾৽ঢ়৾ঀ৾৽ড়৾ঀ৽ঀ৾৽ড়৾ঀ৽ঀ৾৽৸৻ৼ৾৸৽ড়৸ৼ৾ঀ৽ঢ়ৢ৾৸৽ঢ়৾৽য়৽য়ঢ়ৢ৾৸৽ *न्*र्स्यःयंत्र्यःन्र्र्स्यःयेन् व्याप्तःयःन्र्रःन्ये। त्रनः चित्रे व्याप्त्यःयेवः यदः त्रनः चल्री वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य के स्वर्ण बिर्-तह्यानदे हेरा र्यम् गुर-रे-तर्-नदे रर-नदेव गुः वेदः सुयायायायायायाया तर्न्ः मः भवः द्वा दिः सः वृते रतः विवे त्या वा त्वा वा विवाय भवः वे वा वा विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय बेद्राधायान्यस्यायाद्वायानाधिदः यदा। दे विंद्वे दे द्वायायायाद्वायान्यस्य विवास ঀৢঀয়৽য়ৢ৽ৼ৴য়৽৾৾ৼ৽৻ৼয়৽৾৾য়য়৽ঽয়৽য়৽য়৾ঀয়৽য়৽য়৽য়ৢঢ়৽য়ৼ৽৻ৼ৾ৼ৽য়ৢৢৢৢৢ धूज.च.बेडेथ. गदिः कुन् त्यः वेन न्दः न्तु न्यायः संन्यायः सहसायदेः सः क्षृन् सदेः क्ष्नः यायेन् सरः दर्ने नः **ऻॎऄॖॱक़ॕ॔॔॔॔॔ॻऄॖढ़ॸॱॸ॔ॻॸॱय़ॣय़ॱॳ॒॔ढ़ॸॻॳ॔॔॔ढ़ॶ**ॴॹॾ॔॔॔॔ॸॿऻढ़॔॔॔॔॔॔॔ य श्रेव दें। मुकार्म्य त्राचे व्याचित्र त्रास्त्र वेषा व्याच्या व्याच्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व मति न्यू न्या बेन्ने न्या हे न्या है न ्धुःतुःतः रदः वैः दॅः वं तः श्रुवः यदेः रदः विषे दः धॅदः यरः विदे वः यः विदे वः क्ष्या गुरुषा है। चर. लूरे. चर. पहुंब. त. रटा शि.वी. रट. वी. ट्र. त्या वीय. ता वर वीट. श्री वा ता वर वीट. श्री वा ता वर विदेश वि

धरः तहिकायः वह् काधरः वर्षायरः वहिकायः न्रा वरेकावह् कारे न्या यहा वैका गुरा बि.ची.स्या.श्र.स्या.पा. स्वयः तपुःक्षाः भेः त्रार्थः तस्यः तस्यः त्रार्थः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्त मिःदहेदःह्याः बेदः परः दहेदः पः बेदः पषः देः द्याः दिरः प्रमृदः बेः द्यां याः स् न्र्रायः रदः मलेवः येन् परः हें गरा पते सः मः मुन्या या से रो या या से रो या या से राया या राया राया राया राया राया राया राया राया राया रा ळर्-डब-तु-वहेद-ध-र्- परेद-धर-ळ्र-धर-वहेद-ध-मुद्देव-ध-मुद शर्- ततु.श्वे.य.के.येर.लूर.तर.पहूब.त.शु.पर्वैर.ह्.। विश्वाद्वथयाश्वे.य.के.येपु.के.य. बाक्रेन् में रामी ते बता उद स्वता ग्री कें मा पता धन् पन मन महा महारा ववता उन् पने द वह्रेब.२.इ८.त.इब.त.घवथ.०८.१.ध.४८.त.ब्री इर.घ.क्षेर.तपु.क्र्र.व.पनर.तपु. चेवःहैं। दिःक्षः अःधेवः परः रदः पविवः बेदः पदेःक्षः पः अःमः पदेः मृदः में हिनाः पदाः वः । । । । । विवास क्षर्-नर-छेर्-वयय-ठर्-नरेव-वहेव-धव-वा वहेन-हेव-धवे-वःक्षर्-रर-र्नव-वः 香工、ロセイ、ロは、日間の、動の、お、ロ型人、ログ、まな、ログ」、ログ、大ダ、日、沙ノ・グ・ガ・カ・カ・カ・カ तर्द्र-१मॅब्राय: वयव: ठर्'य:१म्ब्राय: यदे: म्वॅर्'य: तत्तत्तः यवा प्राटः धुन: ८८: यद् बेर्-छिर्-पर-बेर्-पर-लॅट-वृत्त-छेद-के-लॅब्-मी-झ-चल-र्तु-अदे-र्द्द् व्हॅब्याय-पदे-बेब्यय-क्रेब्र-घर-प्रश्चर-पर्वः क्षेर-र्रा वर्षे-पर्वः स्त्रं वर्षः स्त्रं द्वरः स्त्रं द्वरः स्त्रं वर्षः स्त्रं स्वरः थ्र.इर.क्रेम.तथ.वे.८म्थातप्र.८म्.ब्रैर.ब्रै८.व्रम्थाथरार.२.वे८.त.४थथाव्रथाक्षेत्र.केट... तपु.पी.थी.थी.वी.ता.वी कं.बा.घषया.कर्.बक्ष्य.घर.पह्रय.ता.पंष्र्य.घर.पक्षटा.वीर. तुः अव्हरः दयः द में 'ब्रुं रः देः दगः वैः ददेः ददः चदैः देवः चुं कुः वः वः क्रेदः यः इवयः यः । चेथिरथ.तप्र.श्रेश.तपु.म्.च.श्रेथ.रथ.क्र्च.त.घश्य.कर्.ज.श्रेच.२.के.चपु.प्रच.क्र्च.मुथ.... त्राया प्रायत हुंचा श्रुप्ट हंचा श्रुप्ट व्याप्त प्रायत हुंचा श्रुप्ट व्याप्त प्रायत हुंचा श्रुप्ट हंचा श्रुप्ट व्याप्त प्रायत हुंचा हुंचा हुं

ने.क्ष.बा ळ्या. रुवः वयः श्री वः त्यः यः प्रविवः येदः यः श्री वः चेवः ययः रूदः श्री वः व श्चरावादी। क्रियाके विवा क्रित् विवाहे स्वाहे साम्याम् स्वाह्म स् रे.से.च.श्चेन.तपु.६ नयःश्चेर.घषथ.६८.चवयः च नयः दश्चर. यतर संध्य भेता है। चयाः चयाः च नदेः हेवा शुः लु नवा धः धवः धवे । शुं वः न् धवः वे वे वः व स्वायाः वा क्चे-र्याग्री-र्वे वा मिन् रे. री. येर. पर पहेरा पा स्वरा ग्राट. र्वे वा या स्वरा पर वा पर वा पा तर्द्रायः क्षेत्रः वः क्षेत्रः तुः भेषः धदेः ह्यः शुः चवेतः यय। देः त्वाः क्ष्रूरः वदेः त्वरः भेषः ह्ययः ने न्ना ता क्रेंबा हे न्या में अळव हेन् ग्रेंबा ग्रुवा धरे में वा तहेवाया भेवा धरा क्रेंबा ता क्रेंबा ता वलात्विताना साधिव द्री विनाता सन्तिता सन्तिन मुना मुना मुना मुना मुना स्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति देर दे अहंद शुब्र ग्रेष दे दहित शुब्र शुक्र शुक्र गुक्र गुक् यः दः अर्द्र दः शुव्रः विवाः यः द्ववाः ५ वितः यः विः शुवः व्यवतः श्चः यः इवराः वर्द्र एः योवः हे । र्मन्त्रः मान्तुर्भः मुः भुः भुः भवे । यदे श्वेर। देवे सः मवे श्वेरः ग्वरः श्वरः श्वरः श्वरः स विनास्तरत्र्र्न्यास्य । नितः छः स्तिः स्त्रः स् חיקבישביקיאביאין איתומיםיפיפיים איתולקיים לישביצאים אקיםיפיאיאביים बद्धवःकुरःग्रेताश्चनः पतेःर्द्धवःश्वरः ताःश्वरः चः क्षरः धाताः केरः तुःश्वतः नृत्त्वतः ताः ताः नेः र्वाः ः ः व ने न्या न्या न्या में दे विष्णु या यदे न्या यदे न्या यदे न्या स्था यदे न्या मैल' दर्दर' धरा व।

र्तुः यः पदिः सुग्रायः गृहेकः त्यः यह्नदः मुदः पुः श्वायः यदे यदे वाद्ययः यद्वायः यद्वायः यद्वायः यद्वायः यद्व विंा

रे-द्वर-सद्दार्श्वर-प्राचन स्वाद्वन स्

मृत्रेयः सः क्रुंतः नेयः मृत्र दः क्षेत्रयः ग्रुटः यः श्रुवः धरः वह्नदः धः दे। क्रुच.चथज.जय। निवे या श्रु नः पवे क्षिन्या भी छेताया नहें नः पवे क्षिणाना धिवः या वर्षे हे नः वै स्पर्नः पवे क्षेत्रः वेषाचुः नदिः नृत्व क्षेत्रवाषाः दर्ने त्याः श्राष्ट्रवाषाः प्रदेशेष्ठाः नहितः ताः त्यदः श्रुद्राः विष्यः न्यान्य प्रतिकार्यक्षेत्र प्रतिकार्ये दे त्यास्य राज्य में स्यास्य प्रतिकार्ये वास्य हॅट.शु.हॅट.मु.मूज.च.चेद्रेयाग्रु.जिवयालाबविदाईट.री.वीचातपु.क्य.व्याद्रीचानुर्गु..... क्र-ज्ञाः अर्-प्रवा रूटः सुर्-ह्रम्यः ग्रीः क्रवः व्यावायाः ग्रीः क्रीः यळेर् र्रः पर्वाः ययः क्रीः पः बेर्- पतिः ळ्या महेरा पर्वे ययः पतिः क्षुं मयः त्र यः पत्रः पत्रः पत्रः रे म्याः पः मः प्राप्तः रे म्याः पः स देशः ळदः धतेः क्षेत्रः हेशः धतेः बहु वह बेशः ग्रुटः देः गुहेशः ग्रुः सुग्राः सः अद्युदः श्रूटः तुः ग्रुटः यदे स्वित चेन् ग्रम् कन् अत्राचन् म्या स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्या स्वया मबेदानुः नेवायमः च्रद्य | विदेनः क्षेत्राः नवायायावा देः क्षः चुः देः देः क्षेत्रः धेदा हो। नदः ने द्वेरः हे अर् प्रश्नर् प्रते द्वारि वे देन ने ने प्रति यार है या में प्राप्ति अर् प्रता विकास ्रि: द्वर ते व्या वर में क्षे यह र इस्या क्षेत्र पर हेर पा क्षु त्य व्या वि धेव दें। ळ्ट्र-धार्वाक् क्रिक् हो। दे हुर दे प्वविक निम्नाय प्या निश्चर प्रते श्वेर है। निर दे

मविदःगमेगत्राध्याहिः स्नर्रः तुःग्रुप्ताधार्यः देःदैः पविदःहे। द्येरःदः शुः प्रदः त्यायः वर्षः स.द्व. वि. चर्. वेया च. च वेव वे वे विषा च. च वव च केया च में न परे विषा च विषा तर्रःष्ट्रतःग्रेःन्व केष्णणःग्रेःर्देवःतः तर्रः नरः वरः भेव। रे.चब्रेब.चनेचय.चय.ग्रव. **इंच.रि.मे.मेर.चेशेट्य.त्या प्रेंच.प्रेंच.रंच.त्य.त्य.वे.हेर** हे'गुदःह्न,दुःदःदे'ररः यःगृहदःळेग्यःग्रुःह्ददःयःशुनःयःहेर्ह्य |**बेख:**551| र्वायर पश्चितायर मुःमः रूप्ता श्वितः यर मुन्यः श्वेत् यः श्वेतः यदि श्वेरः मृह्व क्षेत्रः वाश्वितः यतः र्ने व के र र र र व व व र र व के र र र व कि व र र व कि के व र र र के व र र व कि व र र व कि व र र व कि व र व न्मरामी क्षेत्राने क्षेत्राव नेतात्रराष्ट्रित ग्रीया द्धाया वर्ते या मृत्र के न्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा नःरेते.हिरःर्द्रथ.च्रेत्रक्ष्याम्वरक्ष्यायाःश्चरम्राम्राध्येरहेयःशुःर्यम्याः सम्बर्धः उर्तायः महवःक्ष्मवातात्वर्षम्वातात्रः स्टातायाम् वात्राचित्रः श्चितः स्टात्रः स्वात्रः स्वात्रः स्वात्रः स्वात्रः तह्नांधरात् गुरार्था विकान्युरकाधात्रिके द्वालाञ्चा वात्राचिका शुर्वा द्वार वर वर्षेत्रय नृष्य व ते । व वि में व न्याय र श्रु वि में व थिव है। द ब्रैंद.च.लेब्र. हुरः चत्रेष् वर्षे तेषा है ना ने त्यर या संग्राया सु पर्मे र या धर्वः ध्रेत्र। ₹**व**.८४.२ त् चुर् नः धेदः प्रते द्वेरः देवः द म्रान्यः मेवा वा मुनः वा मुनः स्वः त्वेरः नः धेदः यते क्षेत्रः बेला वर्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः वर्षः श्च.पह्ना.ध.पु.मोद्धेयाग्चे.ध्वयायाग्च.पा.पा.क्रेच्यायायाग्चितात्तराच्याः प्रतः मेवा।वयाः । । ब्रट्यः सः नृदः तम्यायः वेदाः चेदः त्या विष्ठमः वेषः वेषः विषः तम् नृदः वेषः वेषः गुरा बाग्नुन परा दर्मन पर धेव दें लेया चेत्र है। विदे तर् प्रेत हैया गुरा ही वाप ळेना निर्धाय मी द्वार्य मा निर्धाय मित्र विर श्रिय द्वारी भार दे केर थे प्राप्त केर वै। रायदः अ.लुचे. तथा जीवाया बोबेया मा.जा ही च.इ.स्मा. मि.ही. पालवाई। वि.च.हा केरालुचे

ম্ব্ৰ অ'ব। न्रामी क्षेत्र हे अन् पश्चन पर्वः म्बादि विषय के विषय का विषय के विषय धेव दें। |बेषःग्रुप्तः यदेःहेःश्रद्गपन्दःयःवैःष्ट्रः यन्दःयदेः**ढे**षः ठवः वःश्रयः यदेः **ॡ॔॔॔॔॔॔ॱ**न्रः नेः नृह विक्वाराः यद्रः क्षुंद्रः न्दरः नृशुद्रशः यः नेः धेवः हे। नेदे ने अध्यान |दे·ढ़ॖॱदःददेरःदशुरःहे·ळॅशःठदःदरःनहदःळेनशःश्चरः नबुर रे नबुरय ध्यार्थ नपु अरू व श्वा व भे भे भे भे भे भे भी व विषय व स्व व व विषय व व व र्<u>देवः गृ</u>ह्व क्रियालः श्राम्याया स्टार्य स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स প্রবের্টির, বর্ম. केर्-पदे-र्व-रे-र्ग-हु-दह्ना-व-रर-गै-कर्-यया-दश्च-पया-रर-शुर्-ग्री-ह्नाय-र्र-.... **ॐ**लः ठवः तः र्रागलः सः वानाः सद्भः तुः तन्नन् सः वेः हेः श्नन् पश्चनः सः वेलः सदैः हें वः व्रा **考.々之.古安.製.ॳॴ.ॴऒऀॻ.ਜ਼४.५美ਜ਼.ਜ਼.よ.ਲ਼ਗ਼ॴ.५ॳ.५ऄ॒॔.ॷॴॾॖ.ऄॣॴॾॖ.ऄय़.ऻॻॎॳ.ऄ८ॴ.** हॅं व र र वे। रे स्र र रे प्र वे व न मे ने गरा परा गहार र परे हिर वे व र पर य परे व न वे वर ॻॖऀॱॾॕॱज़ॺॱॻड़ॱ**ॻॱय़ॱॺऻॾ॔ॸॱय़ॱॺॱ**ॿ॓ॸॱॻॱॺऀॺॱॺॕ। ऻॎॆढ़॓ॱॸॕज़ॱक़॓ॱॸ॓ॱॸढ़ॏज़ॱॻॿॻॺॱय़ॺॱ गुवः ह्मानुः नशुरुषः धरेः क्षेत्रः वेषः हमायः शुः वर्षेत्रः नशुरुषः धरेः क्षेत्रः . क्षेत्र.क्रेंत्र. ठवः पदेवः पहुवः गरः गैतः ग्रुटः ष्ठितः पतः तुः वः ग्रुतः पतः ग्रुवाः द्वेतः ग्री। न्वतः रु.व.मूं त्यः क्षे.मूं त्यः न्दः त्रहः न्वर्रम् त्यः व्यः त्यः त्र्यः त्रहः त्रः त्रहः त्रः त्रहः त्रः त् *ना ५ व* :ळे नवः २ ८ : २ वे :वः र्व नवः यवरः दे :क्षेत्रः वर्दे र :यवः र नवः यदः वर्वः क्षेत्रः छ्वः छ्वः छ्वः । त्य.ल्य.शुः ह्र् नमः पदे पहे हि तदे तिवान ना ना ते ही देश द दे पहे दे नहे नम ने नम पत मुशुरुषा धदे धुर। े बेरा भरे : ह गरा ग्रे : दें व : दे व : गृं वे रा गृंद रा भेव : बेरा दे दे : य : भेव : चलः गुवः ह्रेनः यः धेवः वः वेः रदः वे रः रे :द्वेरः श्वेः वर्देरः यशः रदः यः शः श्वानः या

च्यान्त्राच्याः देन्याः श्रे त्यान्त्राः त्यान्त्राः त्यान्त्राः त्यान्त्राः त्यान्त्राः त्यान्त्राः त्यान्त्र च्यान्त्राः त्यान्त्राः त्यान्त्रः त्यान्त्रः त्यान्त्रः त्यान्त्रः त्यान्त्रः त्यान्तः त्यानः त्यान्तः त्यान्यः त्यान्तः त्याः त्यान्तः त्यान्तः त्याः त्यान्तः त्याः त्

 भ्रिया भ्रिय-र्म्य-प्रमाय-क्य-एन्ने-भ्रि-भ्रि-भ्रम्य-प्रस्त-प्रमाय-प्रमाय-प्रस्त-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रम्य-प्रमाय-प्रम्य-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रम्य-प्रमाय-प्रम्य-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रम्य-प्रमाय-प्य-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-प्रमाय-

कुर्श्वर-च-ल-विद्या कुर्श्वर-च-ल-विद्या कुर्श्वर-च-ल-विद्या कुर्श्वर-च-ल-कुर्य-च-कुर्य-च-कुर्य-च-कुर्य-च-कुर्य-च-ल-कुर्य-च-कुर्य-च-ल-कुर्य-च-कुर्य-च-ल-कुर्य-च-कुर

| ने.चवव.रच.ज.ह.केर.के। वियारटालाश्च.के.च.के.वया.थी.वया.वया.श्चना श्च.क्.चा म्बद्रात्म विक्तान्म विक्ता विक्तान्म विक्तान्म विक्तान्म विक्तान्म विक्तान्म विक्तान्म विक्रान्म विक्रानम न्वतः त्राक्षः चः रदः निः देः व्यानु चः योदः धतदः द्तुः यः वयः तर्दे दः धते श्रुं रः चः तदेः तरः इययायान्वतायान्वतायान्यतास्ता हेयान्यमा छेया चेरा माध्याप्या विष् चरुतः चः तम्माः यः रुवा ग्रीः तद्यतः तुः रुवः धेवः यदेः श्री त्रः स् । वितः श्रुरः चः चर्मे नः यस्यतः रदः कुन् श्रेदः सन्दः न वदः ग्रेन् या पठतः पः द में नः यः ठ वः ग्रेन् में या यः ठदः तुः पवेदः ययः ङ्कॅर-म-**श**-८मॅर्-म-बेक्-ॅ्रा |श्वॅर-म-मगॅर्-क्क-र्दे-र-ब-म्क्त-सेल-हंल-स्ट-लुट-ने वे वह माने न वहा तरी स्र-नावद श्रेम स्रेट वेश मु पर है मा म रे दे श्रेम तर र मि: वर्ग'हेर्'**बे**'क्षे'वरे'कॅष'ग्रुट'वर्द्र्र'या ग्विद'क्षे'वरे'कॅष'बेर्'द'बे'वड्डट'व'हेर्' हतर मिळा ब्राट्या ध्येषा हो। देवे श्वेरा मारा रूरा मारा त्या में पर मा हे राक्षेत्र या रे र्र रे ल दे न वद के प्रतर में प्रतर में मान के प्रतर के प्रति के प्रतर के प्रतर के प्रतर के प्रतर के प्रतर के प्रतर के प्रति के प्रतर के प्रत के प्रतर के प्रत के प्रतर के यतर रर में नर्ग हेर् शे सु न पर् पर धेर प्र भेर है दे हेर ग्वर पा सु नतर तर् या हेर र्मा देवे छैर रट मैं पर्म केर के ले पर्ट प्याय प्रक्र संख्या वा मृत्र पर मृत्र स्था विकास मिल्य स्था स्था स्था नः रदः तः श्रम्यः पदेः हेतः शुः द्यम् पः दृदः दम्यायः नः धेवः है। वितः देः तः शुनः पदेः हेतः *ब्र.*र्चन्न,तथ.युप.चर.कुर.त.लुब.चू। |बुब्य.चेश्वर्य.धे। क्वे.चूप.पर.प.चे.चेथ.त. **|**८८. मुख. ने·लःश्वानःयःदेश्चर्याः द्वान्धर्याः द्वान्यः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स्वानः स ·ऄ.ਜ਼.८८.ਜ਼য়ऀਜ਼.ឨ५.ছ४.क़ॕॺ.ॻ.ज़ॴ॒ॺ.ਜ਼.ਜ਼.য়.ऄ.ਜ਼.¥য়ॺ.४८.ज़ॴॺ.ज़ऻॺ॔य़.য়.ज़**४**..

*ৡ*८ः। चेलेब.ग्रेथः।घथःश्रवःतः२वःत्रुवःतथः६ चेथः ८८ः।घैयःसःश्रवेथःसः५स**ः प्राप्तः वः** त्यः श्रुचः यः बेला चुः यः देः हॅ दः बेदः दें। | दिः दः हैः क्षेत्रः भेदः क्षेत्रः दे दे नाः तरः खनाताः सदरः रदः लुगला लाम् क्षेत्र तुर्दा बेद्राला रदः पर्वदार्थन् परा मु निया सामित क्र- य. रे. बीच. त. प. प्र. त. त. प्रेय. तथा बोड़ेया या. प. बीड़ेया क्रें प्र. री. बीच. तप्र. प्र. त्या. *য়ৢ*য়ॱय़ॱढ़ॾ*ॺ*ॱॺढ़॓ॱॡ॔ॱॹॱऄॸॱॱय़ॺॱॺऻढ़ॆॺॱॻॱॺॱॹॗय़ॱय़ॱख़ॱऄढ़ॱय़ॱॸॣॾॱॺढ़ढ़ॱय़ॱज़॒*ॺ*ॺॱॱॱॱ यत्रञ्जाबद्वात्यःश्रुवायावेषाचेरावाधेदार्दे| |दिःदानेयद्वात्वदाक्रदाक्षात्रः स्वराह्यदा बेर्ॱघर्त्रः ने तः शुनःघरः *वर्रे र्* घः वै रर्रः चिवे वः श्चे ः दर्रे गतः घः क्षेरः रे गतः घरा गर्वे र् ः घराः " **व**ःश्चितःग्चेन्-नेःन्गःयःमहे वःवयःन्तुःयदेःक्षःनःहःक्षेन्। क्र्यायाम्बर् ब्रे.के.च.रंटः रंतुः चंत्राच.रंटः क्र्याक्र्यं.यू.यू.या.व्रा.क्षे.के.च.लूरं.चरः पह्रयः तह्रयः तीयाता......... ₹*য়য়*৾৽वैॱ৴ৼ৾৽ঀ৾৽৻ঀৢঀয়৽ঀৢয়৽য়ৢৼ৽য়৽ৡ৾৾ৼ৽ৢঢ়৾ৼ৸৾ৼ৽ৼ৾ৼ৽ৼয়৽৾ৼ৽ৼঀ৽ৼ৾৽ৼয়য়৽ৼয়৽৽৽৽৽ न्तेशःस्रःस्र-श्रेःश्चेर-धराः नेः इत्रयाः नरः नेः रू. द्वाः गुनः धरेः न्वयः गुः तन्याः पर्दः कर्ः ययः **ॻॖज़ज़ॸॱक़ॕॺॱय़य़ॖॱख़ॴज़ॱय़ॴॴढ़ऻढ़ॱॻऀॸॱऻऻढ़य़ॖॱॿऀ॓॓॓॔ॱॻॖऀॱॿॱऄ॓**॓ॸय़ॗॱॶऺॴज़ॴॗॾॣॗॗॗॗ॓ **य़**ॱऄॸॣॱय़ॱॾॣ*ॺॴॱऄॗॴॱॿॖॖॸॱय़ॱॸॆॺऻॴॱय़ॴ*ॱॴढ़ॺॕऻॺ रेयावार्वितायाया रहारहा नी तिर्वायाः बोड्रेयाः सः स्टाः बीः म्ट्रः स्याः श्रीयः तप्तः विषयः श्रीः यद्यः स्ट्रः यः यद्ये व ः श्रीयः सः । |**ロ**ぬ. 当とか、知. 当と、 ロぬ. メた. 華く. 勇么. 智. 趙 ロ. セメ. 其. メと. 貞. 「ロ む. 当とか. ち. な. し. と. 点 せ. し. यः ठं अ: च्चेन् : यः धेवः क्ष्मं । दितेः ह्वयः वै: ऋतः पर्मेन् : पतेः नृत्ववः नृत्वतः ग्चे: क्ष्वेतः पर्ने : य द्रः ळवः क्रमः देः वायरदः वाक्षेः प्रतेः हमायादैः वाक्षेत्रः तुः व्यत्यावायाद्वाः वाक्षेत्रः वावायाद्वाः वाक्षेत्रः वावायाद्वाः वी दे र र ता मुन या दी दे त्या मा क्षेत्र त्या मा केता विता मा निवास केता विता केता बाह्नम्बारे रे र्रा र्मामा यदे केंबा रे माने बार्यर वार्यर बन्धर बन्धर केरा का बेरा बन्धर वार्य र् र्वतः व ने महिका मर्वे न छेन न्द्रः मर्वे न छ र मा त्या उद्या । ने क व मा बवा मा न खे खें र खें न नदै दें त्र रह र दें र दें र हे ने पर है ने पर ह वियान्त्रम्यान्य वा ग्रीयाक्षाक्षणां विया उदा श्रीया ता स्वाया सामे प्राप्त विया सामे विया स्वाया सामे विया स्व र्सः रुवाः त्याया युवः यता सुवता भेषा ठेता चेता देता देती की वक्षं दाय वादः वादः वादः यता दे : दवा र्ट. च अर्. च. ल. व छ त. चे त. हे.स.स्य.स्य.प्र.प्र.च.के.के.च.र्ट. रू.य्येयायायाके.च.रट.ची.स्.स्य.वीच.तपुर-रट.पषुरे.... **यर्-धर-५र्-प-त-त्वाय-घ-इंद-द-त्वाय-घर-डेल-वेल। दन्य-घ-धेद-घर-हर्-यल** यथात्वायाः चरात्रहेवाः वादीः रदाः याश्चेः वाद्याः वाद् त्वातः वरः तर्द्र्नः धराः ने वैः विषः त्तर्ताः क्षेत्रः त्वातः वरः तह्वाः वः श्रेः तव्हन् त्वा दम्यानराम्यान्नर्याययादह्माक्ते क्रिक्ट वयाहे। **क्षे** : र्रायाया हो दारी वा तदी औ दगयानर दर्द्राया के रेग्या है। <u>ब्रि.स्थ.पर्</u>ट.पब्राज.चर.विश्व.चिट्य.तप्र.क्वेट.र्<u>स्</u> । लेलाहि हिराश्चराउट हे बादाशुंद दे दे बेर् हे । रदाया बेरहादार में दे प्रताश्चर प्रताश्चर है रर नविष्यं स्थर तम्यान विष्यं र स्थर श्रुवा स्थान्य न्या स्थान्य स्थर स्थर श्रुवा स्थर स्थर स्थर स्थर स्थर स्थ

व.रट. गुथा ने विया चट्या वया है किराय गलान ही वा गलिया है या रटा गी है देया श्वीता यदै रद विद्वारे मुद्र **&न्:बर:५६ँग:ध:बे:५गल:न:विं:ल:ग्रुन:३द:५५७:ने:५**५५५ नते कर् यता श्चरा व दे के ता इयता रूट निव वेर येर पर हे गता परे हा ना हे र पा धेव देॱ**ॴ**ॱॸटॱॴऄऀॱॷॱॻॱऀॺॱढ़ॱॸटॱॻऀॱॸॕॱॸॕॴॹॗॻॱधढ़॓ॱढ़ॗॱॻॱॼॕॸ॔ॱधॸॱढ़ॻॴॱॻॱऀॺड़ॱ . इ.७४८ में व्याप्त क्रिया क्षेत्र **बै**च-हु-र्इ-्--व्यव्हर-हु-स्य-चुक्-भेग दें-द्र-वि-रर-व्यन्नव्य-य-व्य-रहेद-द्या-रर-**ॴॹॱऄॱॻॱॴॿऻॿढ़ॱॴऄॎॱॻॱॸ॔ॱॻॗऀॱॸॣॱॻॣॺॱॿॕॻॱग़ॷॻ॔ॱग़ॷऄॻॱॹॿॻॱॹऀॿॴॱॾॖॱऄॣॺ॓**ॱऄॣॺ॓ॵॿ चिर्-इ-मू-क्ष-इत्रेब्राय-पद्वि-पन्-पर-इद्। |र्वेर-व छ-र्र-स्व-पन लामाञ्चर न्ता वे न्ता व्यापा हु या कं ना न्ता व्यापा वे ना न्ता व्यापा वे ना . य.दी. खेबा सः दश्च महा संदेश . कु. य. ह्यं महा सः महा अः सं. दी. य. क्व त. य. ह्यं महा सः महा अः सं. दी. ॱ**२**बेग्वायायायाङ्गवान्वेवायरायद्वराविराष्ट्रेन् तरायरायद्वेन् याने प्रविवानु । यः इष्रकार्कात्रर मी द्राप्तका बीचात्तर प्रताय विष्या विष्या स्तर विषय प्रताय विषय है। यहार विषय विषय विषय विषय मः न् श्रे ग्रां व्राप्तः ने व्राप्तः न् व्राप्तः ग्राव्यः प्याप्तः न् श्रे ग्रायः प्रवेषः प्राप्तः प्रवेषः प्र हे·दे·ॾॕॺॖॱॺ*ॸॱॸद*ॱख़ॱॿॱॸ॔ॿऀॺॄॺॱॿॱदेॱॸ॔ॸॱख़ॺॱय़ॱॿॱॺॖॿॺॱख़ॱॺॸॱॾॆॱढ़ॗॸॱॺॾॕॸॱॸॸॱॱॱॱॱ न्येर्न्त्रा श्रुप्त्रिये में न्या प्रे श्री विष्या या वा न्ये न्या वा ने न्या स्वर प्रे ব খ্রুম:দ্বী देवे द्वे र श्रेण यदर क्षे. चदे : रदः चब्रे ब. लूरं व. इं गः वरः रदः यः क्षे. चः र् श्रे गतः वतः रे वतः न् तु गतः यः र्<u>ञ्चारा सः नृद्</u>रः स्रेवारा सः दः वञ्च वारा सः क्षेत्रः स्यादः नृत्रे वारा सरः द धन् ः सः विवा द्वा श्रेचा.ज. र्रा वास्त्राचा खेन् पर्दे क्षेत्र ग्वाब्द वास्त्राचा वादा खेन् हें ते वास्त्र क्षेत्र वास्त्र के । विवेश्य कु यवःगुरः। न्रंबःयःगुवःगुःन्दःववेवःवे। विनःसरःवन्नःयःश्रूरःवगुरःव। । ञ्चन'केर्'त्र'यापर'ञ्चन'मेल'वे। । के'ये' छेर'व'दहेव' बे'त् युर्ना | वेव'म्बुर्त्राय'स्र रा ग्यायाने अया रहा श्रीमा गुराम विदाशेमा या पविदानु श्रीमा मीया रहा या श्रीसा थारा म्बद्रातास्याम् व्यापार्वास्त्रस्य वर्षाः न्त्रिच्यात्मात्र्यात्र्यात्म्नायायाः ध्यात्राची। व्यनायान्वदायाः स्टाम्याः स्ट्रास्याः स्ट्रास्य १रे.क्षे.लूब.र्ट.अय.वेर.क्षेट.ख्रेच.स.ट्र.क्षेट.क्षेय.बीच.स.र्त्तुट.स् र्मियामयाने दे के र्ये भारा मुना मुना मित्र के ति मित्र में। दर् केर में रामित मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मुकेशायात्ररामी रे रेशामुयायये तरापति व र्षेत् व तरापति व निव मुकेषा न्रामित व निव मुकेषा लय. ब्र.प्र. प्र. प्र. विष्या न्य. त्या विष्या विषयः व विष्ययः स्ट. विष्यं व विष्ययः स्त क्ष्यः ला नवर धर बे होन है र र र तुर् भेर पहेन हर हे हेर त हुर। द हुर द है हैं म्य.योट.जा.बु.चर्चेचा.विद्रा |तुन्-वेन-वे-श्रेष-छेन्-नें-वेष-श्रुष-व-व्व-क्ट-वेष-यन्**।** न्याः हे : रहः चले वः सं सं चः धवः वः वै : सुन् : वैहः बोन् : धनः धहः बोन् वो ग्रायः व शुनः हे । ह. ब्रेट्. तर. च. लट. र् ब्रेग्स. त. चंदेर हैं। विते. च क्च. च. लय. ग्रुटः। ब्रेस. दे. सं. च. देर् श्चिमान्ने। विक्षानाव्याध्येष्यान्ने स्वराश्चिमान्त्रेणान्ने स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्त्रे स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्यान्ते स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्यान्ते स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्ते स्वराण्यान्ते स् धर:**बे**:थर:बेर्। |ठ्रथःचश्चरणःयःक्षेत्रःह्। |ट्रे.क्षेत्रःश्चेनःयःयःतःतःहःहःह्यःचुवः मते. नदः चले वः वित्रात्मेवः वः वेः नदः वेः श्रेषः वः गलवः धरः वेः श्रेषः धरः व श्रूरः वः क्षेरः व वेषः याः सः प्रते र्दरः प्रति व । प्रता तो व । व तरः रदः ता वी : सः व । प्रति व । प्रति सः सः सः सः व दि दः । । । । व । सः प्रति । प्रति व । प्रता तो व । व तरः रदः ता वी : सः व । प्रति व *२ में रा.चरा* श्लें दे.क. ब्र.च. ब्र.च प्राप्त हो।

रे.केर.रट.चबुब्र.विश्वःवर्थःतःज्ञाच्यःचेर्ट.वुरं.चक्षेत्रःचःस्वयःवर्षटःचःव। रटः

ं**गै**ॱर्रॅॱवॅरा ग्रुच धरे त्ररः वर्षेद ॲर धर परे देंद धरे ग्रुच ब्रह्म वर्षेत्र पर प्रुरः या दे **दशः रदः प्रविदः श्रेरः संभाग्नुः ग्रेरः यहर् म्यः सदः है गृशः सदः दुशः यशः रदः प्रविदः श्रेरः सः ःः** र्टः बेर् या कॅ कॅ र खेर्या स्वाप्ता देवे खेरार्ट प्रवेद पर्या स्ट केर **ঈ**৴৽ঀৢ৴৽৸৴৽৻৽য়ৢ৴৽৸৻৽৴ৼ৽৸ঀ৾ঀ৽য়৾৾ঀ৽৸ঀ৾৽৸ঀ৾ঀ৽য়ৢ৽৸৽৴ৼ৽৸ঀ৾ঀ৽য়৾ঀ৽৸ঀ৾৽য়৾ঀ৽য়য়৽৽৽ तहतानःतास्त्रवाताः सम्बद्धः स्वातः सरःत्युरः नःधेदः द्वी विः दः दिः तः ते तः से न्रः सुन् ः सेरः रदः चल्ले दः बेर् धरः हॅ गलः धरे छर् बर् ने बर्दे दः शुब्रः तुः बेर बर् धरः हेलः र्ध गः हुः । । । यर् प्रमुखान्। दे क्षा निष्टा निष्टे ने निष्टे निष्टे के निष्टे क्षेत्र भीता क्षेत्र स्वा स्टाप्त निष्टे के स् **४**.४८.घ७४.९४.५४.७५.५४.१४६८.घ०। क्ष्_{यः}चेष्ठेयःपश्चीनःपा गुरुग'र्ट्स र्रः यदेः रद्धविदः वेदः यरः देशः यः दे। ध्वारः हराग्रेः स्वाधिदः ययः स्वाधिवः यदेः कृषायाध्यन् त्या देःवानक्षेत्रात्रया वे न्यानक्षेत्रात्रया वित्राया नित्रया वित्रया नित्रया वित्रया नित्रया वित्रया वि **वै**:हेल:र्धनाःम् ।५२ल:वै:ह्र-प्तर्गर्-प्तेःन्वदःन्वलःग्रे:ह्रुंद्र-पःयदरःह्यःनशुक्रः *र्रः हेशः र्यम्* क्रें। विषः त्युरः वैके नरः वृत्रः मेरः सरः प्रवेषः **धॅर्-द्र-र्र्निद्र-वृद्धेन्-र्र्**-व्र-र्र्-वृर-त्र-र्र्-त्युर-र्रे | विद्य-य-र्र्-वृद्धेन-धेद व अया रदः हे दः हो ना धरः त शुरः रहे। विषा संग्राय न विषा शुरा चलाचान्वत्रः द्वल्याः गुरः हे न्वलास्यः गुर्वा । देःक्षेः द्वःक्षेः क्वेतः देलः हेः श्रेदः तुः द्वः स्थाः श्रु **่** นลิ. ขึ่น.ช่อน.ชา£ั∡.ช.ร์.ชึ่र.ใ.สะ..อู่. รุ.ระ..อู่. รุ.รุณ.ขึ้น.กรู.กรู.หรีงเลือนกรู.หรีงเลือนกร *ऀ*ष्टॅं या व्याप्त के त्राचित के त्राचित का त्राचित का त्राचित के त्राचित के त्राचित के त्राचित के त्राचित के व -रटः नैः र्टः संराश्चरः यः क्षेत्ः यरः क्षत्ः यराः क्षं गराः य तरः त्रेरः संराधितः श्चरः व्यवतः । । । । । । । । -रटः नैः र्टेरः स्वाचार्यः क्षेत्रः यरः क्षत्ः यराः कृषाः यः वराः त्राचारः स्वाचारः । । । । । । । । । । । । । न ५८ न । के मान वार्ष *ख़ॖॱॸय़ॺऻॱय़*य़ॱॾॕॣॱ*ॺॺॱॼॸॱॾॆॺॱॹॖॱॸय़ॺऻॱय़ॺॱॺऻढ़ॕॸॱय़ॱख़ॕॸॱॸॺॱ*ॿ॓ॱॿॱख़ॕॸॱॸॆ॓ॗॗॗॗॗ रट हेर् ल मुन पते नह द के नव हैर् में क धेद मी मादद ल मुन पत दे स धेद है। तहमाहेवाहेतात्वाहितायते धिराम्। |तहमाहेवावाहेतात्वादम्याया पःर्रः ब्रेःक्षेतः मृत्रेतः ग्रेतः कर्षः यरः ग्रुतः धरेः क्षेत्रः मृत्रः मुत्रः मुत्रः पद्रवाधवः परः दश्चरः या रेरा तन्तर दे रदः मे छेन विं दरा त शुर श्री म्वद श्री छेन मेरा दे मुता नद्याप यापर त् गुराना दी या भेदा दें। विह्ना हेदाद है स्ट्रिंग भेदाया दें निह्ना से वा विद्या है दें विद्या में विद्या है दें विद्या से विद्या है दें विद्या से विद्या स तह्ना हे द. तपु. च.श्रेर. पू. द. रू वेया तपु. च हे द. च ह्या थी. श्रेचया थी. च च. तपु. बिराम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः चित्रः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः स विरा हिनानो न इसका धे क्षेताता करायारा नेवा हैता नहाया हैता नहाया स्वादा स्वादा स्वीदा सदी कर् बार्वा वास्त्राम्यात्वा वार्वा वार्व वार्वा वार्वा वार्वा वार्वा वार्वा वार्वा वार्वा वार्वा वार्व वार्वा वार्व वार्वा वार्व वार वार्व वार वार्व वार वार्व वार वार्व वार वार्व वार वार्व वार वार्व वार वार्व वार वार्व वार्व वार्व वार वार्व वार वार वार्व वार वार वार वार वार तम्मान्तरःमञ्चरतःह। रे.बेर्.जवा मर.बुम.मर.मवेशमान्तरंतर्यः पहर्रायः रे वै.श्चिनःसरवाश्विदःदिवेदःसःश्चितःश्ची। यदःसरःदरःचःताश्चिनःसरवादेःद्ववात्वःस्थानः वै. अ. धव . व्. के अ. च. देश ग्री तह में के वे. में इया पर माव मारा ता पहें वा वरा इय. थि. र्वाचा. त. पा. है. श्रेर . श्रेया पवे. हैया पर्ट . केर । विष्ठ . हेर . प्या । विष्ठ . हेर . प्या म्बान्य नार्च न् नार्च न द्रः वः रुः वे वः रट.ज.बीच.नपु.धू.चया.बिट.लुच.धू। ।रट.बु.हूब.बु.ह्य.थी.ट्वा.सर.धु.घषथा.कर. र् .पर.ज.वीच.त.वेर.वधूर.च.लुब.वी। बेवेळ.बा.ज.वाच.त.वु.बालुब.वू। रि.वेर.वी. ब्रेर हॅ न ने दे व बद ने द न हिंद पा दे द में या पा के द पा के द म के व कि के व रट. ज.ह. केर. चे बेथ. तपु. प्वर. तथर. रु. व्र. व. व. व्य. प्रते व्य. वर्ष. बेथ. वर्ष. बेथ. वर्ष. व्य. व्य. व्य

त्यः चक्षेत्रः । द्रम्यः चः द्रम्यः मृष्यः मृष्यः

स्तान्ति विरः हर्रा पतिवा स्थान्ति स्थानि स्थान

निवेत्र त्रिम् हाथर त्रुवर व्युवर पर्दर । वेद हा निवेता धेवर पर पविवासिक विवासिक विवास ₹यशःगुरःग्रेगःतृःतशुरःवःदरः। वेदःधःवॅःदरःवुःववैःयशःग्रदःग्रेगःतृःतशुरःवः र्षण्या ग्रे क्रिक् व्यन् दि । प्रतः गी प्यवः यगः स्वयः प्रः दे प्रवः श्रुवः यदे र्खः स्वयः प्रदः विवरः भेष-व-प्रवास-रम्भ्यामु-पिष्ठ-मु-प्य-म्-र-स्-स्-स्-र्य-प्रवास-रम् ने लया वा न् वी माया परि क्षेत्र न्दा मन् माया परि क्षु वो नामा परि क्षु वे नामा मन् वा माया परि क्षु वे नामा मन् र्दः यहेव परि द्वेगल गहे रा दे राषर गहेदः या दे रायदे गावरा पा हर। रदः गी धवः या ग इयलागुः हे दः तुः येदः त्या देः हैं त्या द्वा है दः याद्या पा हे दः त्या व्यापा है दः त्या गुर-बेर्-रे। रे-नविष-वे-रर-ने-र्र-वं-वे-र्-ग्रेष-र्ष-वर-व्य-्व-त्नुव-य-वष-रे-बेर्-यते क्षेत्रः स् । विदेत्रः धवः ह्यंवः व्यत्रः या व्या व्या विष्या हेवः दरः यहेवः या तरः वीः अळवः वेदः ग्रीका श्वानः यः यमेषाः यदे । | द्येतः पहेंदः पवे का पश्चितः यादेः थादः थादेः तर्नात्र मध्या कराया ने पति व पुराने व पर्या प्रमाण व पर्या के प्रमाण व पर्या व पर्या व पर्या व पर्या व पर्या व यरिः स्रेरः क्षे ह्वे वर्षे व गवव र तुः श्वरः पर्दे पः यरः र गः र र व्हे वः यः यहे व र ति । से र हः यरः रट.मी.लब.जमा.रट.र्बब.तर.पर्ट्र.ब.बु.त.जर.रट.के.ह्यैब.श्र.श्र.यह्र्व.त.र्ट्र.पर.ट्र.ह.पर्ट. न-ने-निवेद-नु-भेर-ह-र्थ-र-नी-लव-लग-लश-र्रा-र्रा-पर-दिद-न्वेय-प-लश्च वी-दिद्द-पते क्षेत्र ने 'हेत स्वाध बेत में । हि हो वास पार्ट स्वार्वे । विकास हर मेट हैं स्व.जन्ते.रंत्रक्तातालर.ब्र.प्रनेत्रक्ते।
प्रत्यवेष्ठित्रक्ते.त्र्रक्ते. **ऍॱऍॱऄॖॸ्ॱॻॖॆॴॱॹ॒ॸॱय़ॱॺॱख़ढ़ॱढ़ॖ॔ॴॱॸ॓ॱॺऀॱॸॸॱॸ**ढ़ऀॺॱॺऄॺॱय़ढ़ॱॺॗॕॺॴ**ऀ** ष्टर प्रणामा पति क्षेत्र द्वा । तर्र भर क्षेत्र क्षेत्र क्षा व क्षेत्र क् त्म्यानाःकेरा नेराहालानाः लेवाना ररामा अववानेराम्यानायाः स्वाना द्यानाःम् । श्वायाः क्ष्माः व्याने व

यर्-यान्तेश्वर्या रेन्यायान्तात्वा यदायन्त्रायास्याया स्यावताक्षेतासुर्राण्यवतामः स्यतायास्तानाकोत्।यर स्वातायावतरः विराहास्त्रापरः ।.... त्रञ्चरःहे। धवःलगःळगणःपःठवःवेरःहःधवःपवेःछेरःद्। ।विकःश्वरकःर्रःत्वालः यार्थ्याविषात्र्र्र्राध्यारे क्षरावाध्याया ग्राम् खेर् धराव शुरात्रे । विष्यायेषा छवा खेर् सर् हेर् रू **यदे**वै पत्रे दिन्य विद्याप्य श्रीय विद्याप्य श्रीय विद्याप्य विद्य विद्याप्य विद्य विद्य विद्याप्य विद्य व **डि**र.छे। स्ट.स.क्ष्मयान्यत्माम्। म्न्मयाम्बर्धाः म्बर्धाः प्रताप्त्माः मुः क्षेः उटः परः म्बर्धाः |ग^{्या}ने'ध्यदात्वनाळ्डग्याचार्चयानेटाह्नराबीत्र्न्त्नी| धवायगार्ने'इयखा मञ्जीगल पदे रुक ग्री र चे नक छिर् धर नरे ने र हर दहन में हु ब द्रा বই অস্থ্র मन्ना भूराधदायम् उदा बेर् धरावर वहूर् धरा धदायम् गुर बेर् धराव गुर वि हिर **लव.**जब.बु.रव्देच्य.क्ष.वुर.६४.५६च.त.बु.४ब्य.श्री विथ.तपु.श्रुव.बु.विय.घट. र्रः तगलानम् । तरामे मु दे हे गला मा उद्याभेराहर के उरा वरा वा न न्वद्राधराने तर् परे र्षे पर मेराहर तर्रे राष्ट्र व्याप्त व्याप्त स्थापित विर्मेष्ट

षदःयमः स्वायः पदः र् मेपरः मेरः हरः यर् र्। र्रः यः मुरः दः स्रः यः पञ्चे गयः . यतै . तुर्या ग्री . नृष्ठी नर्या नृष्ट . व्येन् . यतै . नृष्ठी नया . येव . व्या . व्या . व्या . व्या . व्या नतः न् चैनलः न्वनः विनः धेव। न्यः मः स्राव। विनः न्वैनलः धवः वनः रे रे स्राधनः हि.क्षेत्र.विर.क्र.क्ष्म्यायपरार्ने.चिव्यत्य वि.चरा श्रुत्राया देः द्वाया है। ॱस्रेरा । नेॱस्रेरः धरः वै: मैरः हः धरः वः धेव। । वे*षः* बहुरुषः धरेः क्रुंवः ह्रंवः द्वा । नेः लट.र्ट्र-व.पश्चेब्य.त.र्ट.ह्येय.पश्चेब्य.तप्ट.र्य.प्र.प्र.प.य्य.प्र.प्र.प.प्र.प.प्र.प.प्र.प.प्र.प.प्र.प.प्र.प.प स्तान्तरे छे.भेर.६.अर्.त.केर.चश्चेन्या पते छे.सर. भैट-ह-**बे**ट्-धर-द शुर-वर्द। विषाहे-हर-ब-पञ्चेष्य-धरे-दुव-ग्री-दबट-सं-व-र्ख्यकः *ञ्चैता* नञ्जेन्त्रः सदे :ळॅ: यदः त्यानः सः यः ने : न्याने : न् चैनतः न्रः वे: दर्ः नः न्वत्रः वैगःत्*चुदःचःवःवैदःहरः*वर्द्देगः**व**ःवै। ५ःसःगवःहेःमेदःहःकेर्-दुवःवर्देन। ।वधदः **ॺॅॱॺॕॻॺॱॺॱॸ्ॾॖऀॸॺॱॿॱॸ्ॸॱॺॕॸ्ॱॺऻ**ऻढ़ॸॣऀॱॸॿॖॸॱॿॖॸॱॿॱढ़ॱॺॸॱख़॔ॸॱॿॺॱढ़ऻ **ऄॖ**ᠵॱॸ्ॖॖॖॖऀॸ**ज़ॱॐबॱऄॸॱ**ॸॕॖॸॱॲॸ्ॱॺॱऀऄढ़ऻ विषॱॻऻॹॖॸॹॱय़ढ़ॱऄॗॕढ़ॱॲॸ्ॱॸ॓ऻ ৼ॒ॱऄॗढ़॓ॱ त्यदःसॅ-२८-र्ज्ञन् भैट-र्जन्यायः यः२ चैनयःश्रेष्यः पदः पदःष्ठिन् यरः नृत्वनःविनः यँन्-दःनःनेः...... र्श्वेम्यः र्मेषः प्रतः हिः क्षेत्रः पक्षयः ग्रुदः देः पर्श्वेम्यः पश्चेत्रः यतः द्वेप्यः सः सः सः सः सः सः सः र्ट शे.पर् चतः हैका कु.र् है नवा नेट हर शे.रे गवा का | गवा हे प्यव वा का का नविः **र्चैनल संस्थान मेर हर के तर्र्र्**छ। यद त्या स्वाप सदे र्चेनल के के ला मेर हर त्रहॅन'ने'क्षेत्र'व्। न्दाधेर'ष्टेर'ग्रेक्षेन्य'म'ठ्रा'बेर्'म्य| |र्द्येनय'रे'प्यद'खन् ळगरा ग्री वा धिदा द्वा विषय है। यह वा स्वर्थ दे पहें दादवा विदेश है। दे है पर है। दे है पर है। दे है पर है। दे हैं ेंबिनः हे क्षेत्रः त शुरा | वेषः नाष्ठा एकः प्रते क्षेत्रः स्ता । विष्यः नाष्ट्रः विषयः वाषः वाषः वाषः वाषः विष न्दिः न्द्रिन्यः मेरः हरः श्रेः रेग्यः हे। अग्यः मः स्यः शुः अःश्रुचः पयः अग्यः पः तः वहे दः दयः र्चेनलाकुर्द्ग्वरायाधारवन् पर्वाधिराने। पन्नवराय्ना वर्षायाधार्यः चाली स्वार्या स्वार्य न्त्रा निवासित्रा स्वार्य स्वार स्वार स् इयस न्दर्भ प्रवेष मुर्च मार्च न्दर्भ मार्च न्दर्भ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर् वतरः हर वेर हा वापन विवाद प्राप्त विवाद प्राप्त विवाद स्थापित हिर में विवाद विवाद के स्थापन वि न्नाता नित्रे त्र स्वर्षेत् के तर्देत् पते न्द्र त्र त्या वात्र त्या स्वर्षे नित्र पते न्द्री नित्र त्या वात्र निरःहदेः मर्गलः गृबैः भेदः त्। निरःहः दैः रेः लः यह गृषः यदेः यह गृषः ह्रा भेदः यह रेः रबानिराहराबार्यर्प्त्री | देवे बेरास्वाया परित्वे पया मेराहाधिया परित्वे प्राप्ते वापित र्वज्ञान्तुःतायदाष्ट्रिर्धरः श्चरः श्चेरः श्चेरः श्वे **ान्**याने प्रमुख्या स्त्रीत्र स्त्री स नहेष्यात्रा नदेषात्रो प्राप्ते नवा श्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व देना यः न्दः तः वॅदः तः र्वेन्तायः श्रे निदेदः पदेः श्रुः तः महेदः द्वारतः हुन् न्दः श्रुः गुः तः ।।।।।। स्बेथ.त.प्रांच्यं त्रंच्यं त्रंच्यं अर्.त.च्यं व्याय. १८ व्याय. १८ व्याय. १८ व्याय. १८ व्याय. १८ व्याय. १८ व्य तर्र र मॅलाहे। इर ग्रेप्तरे दे हे हि हर तर्र र रे हि हर विकार का विकार देवा का विकार के का चियावया |तज्ञवानुदेश्क्रवामाक्षेत्रम्देषास्याम्वेत्रम् प्रवेषाः वद्या ।वयवाच्याः विश्वेषाः विश्वेषाः चेथ.तर.क्रेया | बुंध.बेशेटथ.त.केर.र्रा

त्यास्त्राच्याः त्यात्राच्याः विद्यात्रीत्राक्षेः त्यात्राच्याः विद्यात्राच्याः विद्यात्राचः विद्यात्यात्राचः विद्यात्यात्यात्यात्राचः वि

स्याया भिता स्वाया स्वाया स्वया स्य

 चर्चत्यः चर्देर हें ने त्रः भेरः हः अरङ्केरः यः वः भेरः हः येरः यः श्रेवः ही । वेत्रः चुः चर्देः रहेताः बुःतर्**र्-धरः ब्र्रः रें**। १रेषः व तर्रः क्षरः तर्रे र गः इ ब्रषः तः व द्वे वः व र वः वः व द्वे र मदै द्वा न्वा न्वा म्वा र र न् नु र खेर मदे हुँ व नु र सु हु । नूर ल हु राम खेर मदे ह्यानी ने ने ने ने ने नित्र त्या वहिना हे व नित्र । । इसाया वहुव गुराय शुराय शुराय व য়ৼ৾৾য়ৢ৾। ।इस्यः ५५६ तेरः यरः यहेषः हेदः वेरः ययः यदे। । ४८ वेः व्यवः यवः यहेदः वयायम्बायायायवा वियायायम्यायस्वायम्यायवेन्नः । दिवेन्दवादीन्यायवेन **ष्ट्र** बेर् त्र हे ता परि दे ने ता पर्या पर्वता पर ता विस् हिंदे हिंदिया पर पर के ता विस् विस् क्रेन्-यावै निनेव या मुकेषाळ राष्ट्राधेव या याने नितुव पुरि में मुषाया नेषा याक्रेन् प्यक्ष मिराहा रेग्यः पयः त् गुनः पः श्रेषः ग्री रेग्यः पदेः इयः यरः न् धुनः यः ने म्रः वयः दहेगः हेषः पः क्षे.व.क्षर्-तप्त.चेब.त.रट.र्गय.च.न्रॅर् छर् छ्याग्रीयागुच.त.लव्हा १रेब.व.रेव. त्रम् म् द्धार्थः दे रद्दः मे ध्वदः तम् इषदाः तः नहे दः ददाः नह ग्वरः धदे र नह ग्वरः स्ट्र-तुः त् ग्वरः यः धेवः व् । गण्यः हेः इत्यः व व्यः देः दुरः इयः यरः द्ध्रदः यः वः रेग्यः यः देयः वेरः हः अक्रेन्-पर्याने-त्यःत्ररः में रूप्त्यायीयः तपुरः पर्वायः पर्वायः स्थरः यात्रः प्रायः न्यायः स्थयः । वि यादी न्या प्रति विष्या मा विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया नबर्गर्गु:गु:च:बेग्रः निम् हिं भूर हिर् केवर वर्ष के । विकायन रुवर केर देवै: पदः तम् गुरः थेर्। विषः महिर्यायः देर्। पदः तम् उदः थेरः दः पदः तमः गुरः बेर्-धते धेर-रं। ।गय हे रे दे बै त्वर् रे। मैर ह बेग य द त्यर सं त र्वाय पवै : धव : यम : स्वेन्य : प्रेन्य : पवै : धु रः रूं : कु सः व : दे : दे : दे : कु : सः येद : हे । सर : वि रः ह

 सः स्वायः सः स्वरः स्वाः त्याः त्राः त्रः त्रः त्रः त्रः त्रः व्यवे यः त्रः व्यवः यः व

 र्गाग्राप्तावीकेरारी | देख्याबकेराग्राप्तिकाकेरावक्ष्यावाकेरा ह्र्र-पाव। ॱऄ॔॔॔॔॔ॱॱढ़॓*॔*ॴॱॻॖॱय़ॱढ़ऀॱय़ॱॸऀॺॱय़ढ़॓ॱऄ॔॔॔ॱॾॕॺॱॺॖऺॺॱॾॕॗढ़ऀॱऄॺॱॶॺख़ॱय़**ॸॱ**ॻॖॹॱय़ॱ <u>र्णाम् वयान वयाम भवानी प्रमाणि प्रमा</u> चरःतश्चरःवैदः। इत्यत्वर्धरःमःने:ने:विंक् केन्यामने:ह्यवाःकुःतह्ववाःमरःतश्चरःरा । *ने ल ने खेन* प्यत्र विषय् प्रति त्र स्वी ञ्चल के गुक् स्व छ अल प्रतः धर के त शुरा प्रतास्त्र का स्व मद्रा विराहः लासराय बेवा विराधनाय विषा प्रदेश्य वरा विराधिकार विरा नहेव वरा भेर हार नविव बेर् मा है गया पर श्वाप धेव हैं। |बर्देरवःभेरःहःलः न्रथातः व्यास्र प्रम्पान् स्ति तुते द्वा गृष्ण । चुतारा तरी वा व्याप्त का मुख्या व्याप्त । ने नवैव : बेर : सः तः हे **द** : दश्चे तः बेर दश्च त स्वर : क्षेत्र : कर : क्षेत्र : व व व व व व व व व व व व व व व व व नहना पर्वः रेबः पर्वः । १८८ में दी नहेनः वः ५५ र वं नः पर्वः रहः पर्वेदः यर् ·५ मूं ते. क्ष्म. भेष. थे. पं क्षेय. व. क्षेयाय. हे तथा व. या प्राप्त व. क्षेत्र व. खेया व. खेया व. व. व. व. व. ॱॾॺॱय़ॱॸॸॖ*ॺॱॿॖॆॴॸ्ॾॖॕॸ*ॱय़ॱॺऀॱॺ॓ॺॱॸॖॱढ़**ॾॺॱ**य़ढ़ॕऻॎऻज़॓ऄॴय़ॱॿ॓ऻ*ॸ*ॸॱय़ॕॸॱय़ॺॕॴॱय़ढ़॓ॱ ॻॖॸॱॿॱऄॗॸ॔ॱॹॖॖॱॿॖ॓ॸॱॲॸ॔ॱय़ॱय़ॱऄॱॴक़ॕॸॱय़ढ़ऻ ऻॴऀ॔ॹय़ग़ढ़ॖऻ ऄॻॱॿऀॱॾॸॱॻॷॺॱ न्यूर्ट्रायात्रवरायरा अर्ह्मरावात्र्या विवादीराविवायाययाविवादीयात्रायरा द्वा ब्रिकामश्चर्यात् केर.स्वा याच्या क्षेत्र स्वा विकामश्चर्यात क्षेत्र स्वा विकामश्चर्या क्षेत्र स्वा विकामश्चर्यात क्षेत्र स्वा विकामश्चर्यात क्षेत्र स्वा विकाम विक

मंद्रेश्वर, द्रेश्वर, व्याप, द्रेट, श्रिश्व, श्रुश, श्रु

बाधिवः यदे छिरः स्। । धिरः गठेगः न्रः गठेगः श्रेवः गठेगः श्रापः स्वः स्रः यः वः छे ः श्रमः तुः रदःवीःद्रःवर्श्वाचाः धदेः वृद्धवाः नृदः वः नृदः तः व्यवः हिः ह्वदः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः विदः वृदः व **ढ़ॱॸॸॹॱॺॺॱॺॸॱॿॺॱख़ॸॸॸॸॏॱॸॕॱॸॕॱॸॖऀॸ॔ॱॻॖऀॹॱॻॖक़ॱॻढ़ॱॸॸॱॸढ़ऀढ़ॱॲॸ॔ॱढ़ॱॺऄऀॺॱ**॔ **芒・古の・ჟロ・ロネ・ヨ・イケ・心み・霧 ロ・ケ・ロネ・ロケー・ロネー | イ・ロ・首 町・ロス・ロケー・** <u>र्टा स्टायः मुद्रेशार्टा पविदाम्हेगाः तुः श्वायः दाम्द्रेरायः हैः विषाधर् क्ष्रवः तु।</u> इत्यः द्रुंर चलः मृङ्गमः पदिः स्वम्यः तः मृद्गं नुः चेतः मृदः प्यतः पद्यः पदः चुद्र। । तर्नः तः स्वनः द्यं नुः षट्यः क्रुषः वश्चर्यः ग्रीषः ग्रेर् : च्रेर् : ग्रीषः ग्रीष्यः ग्रीष्यः ग्रीष्यः ग्रीष्यः ग्रीषः वर्षः वर्षः व वर्षाः अदः वंद्रः त शुरः वः दृरः श्चेः तदेष । देः वः दृरः वेः वेः वर्षः दिः वः दृरः वेः वर्षः वेः वर्षः दिः व सुट-यॅ·म्*वेश-रद*-विव-म्डेम्-हु-५र्न्-व-प्नाप्य-न्नद्य-पदे-**नॅव-**बेर्-दे। र्यते इस ग्रद्य र व स्वर् प्रति हिराहे | द्येर व | त्राम र दर रे में र उद प्रति व म् । तर्-द्र-द्र-स-भूर-पाद-पाद्य-ताहे। रय-द्वेर-वेर-य-त्वा वे-पर-वेद-य-यः न हें न तः यदे । । न द न : ऑप् : यः धेव : युषः यदे : छे । वि : प्र : येव : वे द : यदे न : धेव : वा वित्रिक्षेत्रक्षेत्रम्भवा विवर्षा । मुक्रेयामकी पर्गासुर्धः इयरा न्दः नदिवः गर्रेगः तुः श्वानः वः गरः चगः गर्रेगः त्यायदः सुदः यः तुः यः यद्ः पारः निवेषः रु. पर्ना गुरः बरः सं स्प्रं परः त गुरः या पर्ना महेना यहा बेरः सः पहेतः सं स् ₹यराः गुदः न् डेन्'र्हुः त शुरः पदेः श्क्रुंदः व्यंदः दे। दह्रन्'यः त्यराः गुदः। नृतः हेः सुदः यः नन्गान्दाने क्षेत्रान्। विदानवानन्गाने न्गा गुमा बमार्येता विवानवित्वा र्था । नश्चिम्यमः दे। रयः द्वेरः यक्कं रः या वा नायः हेः स्रायः यर्गः धेरः य क्के.रट.पह्रम.त.क्ष.रे.पश्चर। । षुय.रट.। रच.वुर.वेर.चर्थरायय। **∂.** □**₹.** चर-जव-म-ब-ज्ञ-ज्व । नि-त चुर-म-न्र-तहमा-ध्या । विवाम्बर्ग है। है

देॱढ़ॗॸॱॻॸॖॹॱॹॸॱऄॻॱॺॏॴॹॆॖॱॻॱॸॸॱढ़ॾऀ**ॺॱय़ॱ**ठढ़ॱॸॖॱढ़ॹॗॸॱ**ॻ**ॱढ़ॸॕॸॖॱढ़ॱ॔ॹॕॗ**ढ़ॱऄऀॱॱॱॱ** ळ्ट्-श्रुबाबा दर्ने-तादह्रनामा साराचीता हु श्रुंदान्युबान्युरता है। श्चे.च.र्च व.त.ध्र. ৻ঢ়য়ঀ৾৽ড়য়৽ঀয়৽ঢ়ৼঀ৾৽য়ৼয়য়৽ৼৼ৽ঀ৾৽য়ড়**ড়৽ৡৼ৾৽য়ৢয়৽য়৽য়৽ঢ়**ৼ৽৻য়ৢৼ৽ৼৄ व.र्व.इ.र्व.व.व.र.के...के...व्य.व.वे.व.वे.व.वे.व.के..के. ८.जय. श्रेष्ट्र. तर् म. नेहे य. यह. च में के य. यह. मी. बह्र य. हे र. की य. वी य **ঀয়ৢ**र:है। यते सं सं प्राचीन परि दे से परि स्वी ৾ৠয়৽ঀৢ৾য়৽ঀৣ৾য়৽য়ৣ৽ঢ়৽<u>ঢ়</u>ৢয়৽ঢ়৽য়**ঌঢ়৽** न्वन रु.गुन गुर स्र र्र्युर पदे र्दे द रे थ्वे अया द्वाय के त्वाय द क्षा च्वे द ग्रीय ग्रीय |तर्ने वे ता धुना महे ता रटा मी टॅं प्रें ने न ग्री ता शुना पर्दे र रटा न ले व र नु । आटा याधिव के। য়ुःतत्रवात्राःचात्वार्गात्र्र्राःमःतार्नेत्राःमःवाकुःतत्रवार्ग्राःवाकेः वर्देरःला लय. ग्रेट. श्रेष. त. श्रे. तर. प ग्रेर. पव. मेवर. श्रे. प में में तप्र. र में या तर र में या तर र में चःडबःदेवाः तुःतर्द्रायः यःदेःद्वरः अर्वे क्रुंबरः चेत्रयः वेत्रः वेतः केत्रः दे **ऻढ़ॕॱॺॱ**ॾॕॖॺॱय़ॱॸ॔ॸॱॸ॔ॱ यत्र सु महिता यह न महिन महिन द्वा का सु अ दा वा वा तर वह तर है जुर महिन व मन गठिग . हु क्रूं द . य . ये द . क्रूं य धेव ग्री **|**देश:द:स्र्रे:दे:खर्बा नेवि के क के में : बॅं : ने : न व द : विम : धेव : क्षे य : व : ने : हे : द : वे : हे | वेया महारका संध्या धरा श्रवान स्वा

ञ्च. तपु. च तथ. तबुर. त. धव. सू । रे. केर. वश्चरथ. तपु. अर्र. प. प्रविषाच । व. सूरे यट्यः क्रुयः न्टः ने :इययः क्रुः क्रुवः क्रुः क्रुः न्येः येययः ठवः इययः ग्रेवः धेवः हे। यहः ययः दः वैःर्ध्वःळेः दिन्दः ग्रुनः ठेराः नेः महिराः महिगः हुः महित्यः य। नेः यदः दत्तुराः ग्रुरः येदः दः स्नृनः ऄज़ॱॺ॓॓**ॹॱढ़ॾज़ॱय़**ॹॱॺऻॖऄॺॱॸॖॖॱऄॱॶॖॸॱय़ढ़॓ॱऄॗॸॱॸ॒॓ॱॺऻऄॹॱग़ॱक़ॺॱय़ढ़ॕॱऄॣॺॱॾॗॗॱय़ॱढ़ऻॗॱॱॗॗॕॕॕॕॕॕॕॗॿ ग्रे'अवतःतःपहेदःपदेःक्षःपःददःधःपद्षैःपगदःष्ठ्रतःपदेःद्दःसंधिदःत्। डेला । इ.च.रे.वे.बे.तवर्-र्सा । इंब.के.इसलाशुः गरः वर्टः व। ।रे.वेर्-तरे.वे.बः |बेल. नेश्वरूप:हे। दे.के.लुब. ब.प. मु.च. नेश्वन. श्वरः त. मुना मारा त श्वरः धेव दें। *ज़ॆ*ॗऻॱॱॸॣ॓॔ॱॾॺॺॱॺॖॖऀॺॱॸॣॺऻॹॱॿऀॱढ़ॱॸॣॺॱय़ॱॸॿॣॺॱऄऀ॔ॱऄ॔ॱऄॺॱख़ॸक़ॱॸॹॱॿॖऀॱॾ॔ड़ इयल गुराह्मा पते मुहेमा धेवा पते छैरारी | दे पिवव दि हा छै दे द्वार स्टा में देख पवित्रः थॅन् त्रः स्टें : ने : इयाया पारः वः नरः वै : हें र विष्यं प्रतः विवादि । तुः त्र श्रुनः त्या हे वे र से र हा वा सन्दरः त्र चुरः र्रा । **यदः वः रदः वेः द्वः वः र्**र् रु. तः चुरः य। देवेः क्वेरः वरः कुः वरः च'नदे' केल'स'दी नन्नाभन्'डेन'रे'रे'रर'मैं' सक्दन केन्'ग्रेल'श्रुप्यदे भ्रुप्तिमा छेन्' मुःदर्मनः परायदिरः दैः यदान्धरः परान्यायः पदैः दञ्च तः सुः श्चरः पञ्चरः पञ्चरः है। यदाः चेद्रःयःयॅदेःचद्गःदञ्चरातुःअञ्चदःचदेःमॅदःतुःवेगःयदेःध्वेदःद्दःचद्गःगव्वदःयदःबेद्रः पते धेर स् । दे : धर सृष्ठेते प्रस्तारा तार के स् वित्र का वित्र स् वित्र स्वा वित्र स्वा स्वर स्वा स्वर स्वा स् त्यवा ब्याच्चिताया न्द्रा स्थान स्था है विष्या विषय है । विषय है । विषय विषय विषय है । विषय विषय विषय विषय विषय अल.पचथ.पी.पा.जूटया.ब्रूर. तथ.वेथ.त.क्रेर.च्चय.तपु.क्रुव.ब्यर.रू.क्रेब.वे। रे.क्षे.वे.लय. देवै:५५७ ष.मु.क्रुंट्:मदे:क्रुंट:मदे: यष:क्रुंट:३५:ग्रुंट:ब्र:मषम्ष:पदे:म्ट:३म्:म्बदः न्दः चन् न्वव् भीयः नयन्य प्रति । ययः ग्रीः दश्यः सुः त्यः क्षुं न्यः द ग्रुनः है। গ্রীকা र्रामि द्राम्य म्या विष्य मारा स्था विषय में या विषय मारा स्था प्रति । या विषय स्था या विषय स्था स्था । या विषय स्था स्था स्था स्था स्य म्बर्धः स्टर्स्य विष्यः विषयः क्षिःतहेग् छेर् यं बेर् यतः रे तहत । निषयःग्रेयःचलन्यःयःनिषयःग्रेयःचरःचम्रः बियाम्बर्गरयास्। । वहनायाया क्रिंत्रनव्या मुख्याम्या मुख्यायराम्या म्याम्या स्टार्क्षेत्रम् वर्षेत्रम् द्राप्त वर्मन्यर ब्रदः विदः विदेरः विवः ब्रदः दुः वर्मन् धरः वर्द्दः धरा वा वर्मितः द्वा धरः धरः त शुरः चरः त शुर । दिः चले वः देरः वैः गवया त शुरः लेटः। दिरः वः वैः वरः क्रि.चर.पश्चर। क्रि.र्ट.जय.इयय.छर्.च.र्ट.। निवंद.ग्रेय.वेय.पद्र.जय.इयय वै। । गल्द ग्रीय संस्य श्रुट पर प्टः। । दे त्य संग्राध्य पर वया पर प्रशुर। त्यक्ष. इ.च.च. क्ष्येच्या पड़िकार्च. दे. ह्या चर्चा **चका चका चर्मे द्**रावार्दे । वाया हेर শৃগ্রদ্ধান্ট। बार्ने तापा होता या व्यापा हिता प्राप्त होता विकास होता है वा वा का विकास होता है वा वा का विकास है वा वा का व *ॱ*ढ़॓ॸॱॻॸॖॹॱॺॖऀॱॺॱक़ॗॆॺॱय़ॱढ़ॱख़॒ॱॺॱॿऀॱढ़ॾऀज़ॱय़ॸॱज़ढ़ॺॱय़ॸॱढ़ॹॗॸॱय़ॱॸॣॸॱ।ॱॹ॒ॸॱॺॱय़ऀॱॻॸॱ त्तर्भः क्षे. प्रत्य श्रुप्रः बेरा पतिः **र्देवः वृ**ष्टिः विष्यः क्षे. प्रत्यः क्षे. द्वेतः प्रत्यः क्षे. द्वेतः प ॕॕॕॕॕ^ॺॱग़ॖॖ॔॔॔ॸॻढ़ऀॱॺॕॱज़ॱॺऀढ़ॱॺ॔ॸॱॺॺॱ<mark>ॖॖॖढ़ॱॾॕॺॱय़ॱॸ॔ॸॱॺॱ</mark>ॻॖॺॱ**य़ॱॸ॔ॸॱ**ख़ॸ॔ॱय़ढ़ऀॱॷॕॗढ़ॱॿ॓ॸ॔ॱॱॱॱॱ दे। क्युन्-म्रेम्-धेव-धेव-धेव-र्स-बे-व। यदे-धट-रद-मे-बळव-वेन-ग्रेय-सं-सं-य-ग्रुप-यतः श्रुपः नृ क्रां सः नृ दः त्र दे हो। त्र स् नी दे स् त्रा वः नृ न् त वे श्रु नः मु हे गः सः स् त व न् र दे। द्येरःव। इस्रायःद्रावेरःश्रुषःपर्ववःवा दिःद्वरःयरःवहगःयःयवा देः *वेर-र्-जुर-ळ्र-व-*श्चॅब-बेर-व। । इर-क्य-र्धेर-क्र-जुर-य-वेष-वनर-चेव। । वेष-न्युत्यः भेटः। स्र-हि: क्षेर- दुर्न-या वै: दे हे नः यय। इययः यः हे रः ख्रयः यः वहे वः क्रयः वैर्-ग्रेजःसं-सं-व| |रे-र्नाः ज्रुर्-न्**ठेनः न्**र्हेन्यः पर-रेन्यः अध्या |वेयः रटः ने यद्ध**द**्वेद्-ग्रेयःस्यःचरःश्व-दःश्व-दःश्व-दःप्व-तःप्वेषःप्वेषःप्व-त्यःश्व-तः बेर्-यःधेवः र्वे । रनः चेर्-छेरः वर्षुवःयः यकः गुरः। मयः हेः इः वेः म्ववः धेवः व। । क्चुन्-दे-तवन्-वर-वे-तक्चुर-र्स। |देव-गुषुम्ब-र्स। |वर्षर-द-रम-वे-र्स-प्व-गुप-चतः ग्वतः भेतः तः भेतः र्ह्ययः न्धुं रः चतेः देग्**यः चयः न्धनः न्युं रः नुः त**र्ने नः नृष्यः यः ᡷᢐ᠋ᠬᠽ᠆ᡷ᠇ᡆᢩᠵ᠇ᡆᠬᢡᡆ᠂ᠮ᠂ᡶᢓ᠆ᡕ᠇ᢋᡃᢍᠸ᠂ᠸ᠋᠋ᠲ᠆ᡆᡱ**᠆᠂**ᡆᡭ᠂ᠵᢩᠮ᠊ᠩ᠇ᠮ᠂ᢡᢁᡃ᠖᠉ᡃᢍᠸ᠁ ब्रेट्-तथ-रट-ब्रे-ट्र-द्रथ-घ-र्ट्-नदु-इं-अय-प्यचय-प्रदे-प्य-क्रुं-अय-क्रुं-द्रव् जुट्-च र्न् : पः ताः तान्तः त्रुवः वहं दताः पर्यः नृष्ठेः परः वीः बुर्यः पः तिः वैः तिनः त्रुतः श्री पराः वयतः । म्हिम् अःधेदः पराः रदः मेः अम्यः यदरः मुद्दः श्वः द्वः दः दः प्रः प्रे दः प्रः द्वः पः द्वः पः द्वः पः द्वः पः व ৼ৴৾ঀয়ঀৢয়৾৽ঀ৾৾৾ঀ৾৽য়য়৾৽ঀয়য়৾ঀৢ৽য়৾ঀৢ৽য়৾ঢ়য়ৼয়ৼৠৢ৾ঀ<mark>৾৽য়৾ঀয়ঢ়ৼৼ৾৽ঀ৾৽ঀৼ</mark>ৠৢ৾ঀ৽য়৾ঀ৽ৼৢ৾৾

न्येन्त्रम् व्यानग्रान्ये सून्।यराचावानव्यापये स्वास्यान्या प्राप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप मवसायते सुना र्द्रवाञ्चार पार्वित र्द्र्य र ज्ञान वाला माना पार्टित स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वा ळे[.]८६६८.ब८.ञ्च, बुल.श्रु.च.कं.अप.शे.थ.श्रु.थ.श्रुच.^जट.कंट.श्रु.श्रु*ट.च*. यःचलेवःर। इसराय देरा नुत्रायरा यारा के त्वाया है। प्रवेश प्रकुष्य त्वीया प्राया कुर्र राय न्याया **য়ৢ**ৼःसःततुःग्रेदःग्रेःग्रुक्'बेःहणःसःविःवरःस्दःवःवै। देवेःवेःसरःवेवःसःठवःसहण्यः धरः धरः धरः वरं ना नीयः क्षेः वः हेयः शुः इतः दें लेवः ग्रः देनवः स्वा १८६वः सः इवकः रट.मी. यक्षव. वेर.मीय. यामा. त. हो रे.इयश. य. इय. च. रे.से. वेर.मीव. वे. पर. समाय मः छन् मः न्रा मृत्व नु त् युनः मः ने न् विः ने मृत्यः यः विनः ने । नेवे भुरान्स्याय スヒ・町・双右・弓 て・辺 な・双 g ロ・ムス・雲・ ठみ・日・ ロス・日 て・ ロ な 田 の・記・日 ロ・エ・近 て な・・・・ शुः नह मा पर गुर्दे। । तर्ने हिर तर् या नही व गुः हिंदे हिंद् । वर पते वर वर मावरा या दमा पा. द्वे. ह्यां. क्ष्यः श्रद्धः योष्य्यया तपुः क्षेटः वः यव्या तपुः स्याः स्वः श्रुः त्वे मारः हेयः र्भेग्यास्त्री रेदेन्मरायालुग्यायादीके वयागुराधिरायास्येवादी विदाग्युर्य हे। <u>ब</u>ेळ.तर.५९व.त.**५४.५५**०.५४.वेप्।।

र्वि.र्णुक्षः अवे.र्द्वाचनर्रे। रे.क्षेत्रः चर्चास्तरः चरः च्रुक्चः छ्वः व्याचेर् केत्रः चर्चास्तरः चरः च्रुक्चः छ्वः व्याचेर् केत्रः चर्चास्तरः चरः च्रुक्चः चरः व्याचेर् केत्रः चर्चा व्याचेरः चरः व्याचेरः केत्रः चरः व्याचेरः चरः चरः चरः चरः व्याचेरः व्

ह्या. लूर्. तथा. चुड्चा. थि. वि. श्रु. त्यर. श्रु. श्रु. व्यर. श्रु. श्रु. व्या. व्यत्वा. व

चित्रत्व व्याप्तिः श्रे क्षण्यान्त्व क्षण्यात्त्व व्याप्तिः व्याप्तः वित्र व्याप्तः व्यापतः व्याप्तः व्यापतः वयापतः व

रेते. छ. हता यात शुरावा बेरामा ता के प्यारा हु रा बेरामा पारा पर वा हु 중계·ध**국·**석 및국·예 नम्बर्धाः द्वार्थरः तर्वे राष्ट्रेष विष्यः भूषः वरः वरः वरः वरः क्षेत्रः विष्यः भूषः र्मद्रायरयाः क्यानञ्चरयाः मृद्याः स्रा । मृत्याः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः ठ्र-च-र्सम्यायाः ययाः नदः चावे वः वः न् नः यनः यन् वः ने वः नः नः न् वे मयाः न में याः ने । ययामन् मार्ने वा मालवार् अदारी रमा छेता हेरा महत्वाया यह मार्वा के हेर मरा वेदा |म्बन्द्रात्वर्पः हेर् अप्येव। |म्बर्गः मृब्दः व्यव्यव्यात्वः विद्रः विद्रः विद्रः विद्रः विद्रः विद्रः विद्रः ন.এবা चर्चर व्यन् देनवा व चर्चर देने । वेया प्रा व देने या वया ग्रीता । दे हिरास्त धःत्यकः म्वदः न्या येदः दे। । धुदः धः यः मृहं मृतः देः दहिदः यः गुपः धुर। निश्च स्थान्य म.ब्रे.चर्चा.ब्रु.स.क्र्या.थे.स.क्रेच्या.क्रेच.क्रेच्या.क्रेच्या.क्रेच्या.क बहरः दबः शुनः बहरे र्नदः मैकः र्बे रद्भाकः यः धेदः श्री रेर्गः मैः श्रुर् श्री वः श्रुर् धिरे विषाया रतः त्वातः तरा दे क्षेत्रः बाईतः वः बेदः दे । दिः क्षे तृते देवायायः इययः ग्रीयः 五도म्'सुर-रॅ'यम्'र्रःमे रॅंस्स्यान:५५.५'ऑन्'यःयाम्रॅंन्'वेन्'यॉर्'यर्वेरे पहन्यः केन् केन् केन् चिरः परः चः हो। प्रेणः परः वः न्नः धतः ख्रेष्यायः वर्नः पात्रेयः व युर्-र्वापकवर्षवारु-वर्षे-पर्वाक्षःपाइवर्म् वीक्षेत्र्र्म । रेन्द्रिन्नाम् दे^ॱविष्व[्]षेत्र्रुः ग्रुचः अःग्रुचः द्धदः धरः ५६ँ दः वृषः गृदः चगः देः विष्वरः खदः वः सुदः यः ददः गुरुवा व र र गुः र धर मा छ वा हो। व विवा हु त्य र र व व व व र खेर स्थान हु व व र व ह

रट.वीर.वेट.ज.स्वायात्रवीरात्राच्यात्राच्यात्रवीरात्राच्यात्रवीरात्राच्यात्रवीरात्राच्यात्रवीरात्राच्यात्रवीरा रे·र्षाः ग्रेषाः प्रुः तर्रे**रः दःदेः** तस्याः हेदःग्रेः अवस्याः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः AI म्पा ही म्पा ने देश मी में ना वादा सी देश में में पा ने देश में पा न ট্রা स्.स्र. मार्थात्राच्या वर्षा दे.केय. वर्षाच्यात्र्याच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या मदि गुर्त मुत्र स्त्र मुत्र स्त्र मुत्र स्त्र मुत्र स्तर स्त्र स्त । देलावादे वित्तावादे द्वारायात् स्वत्तात् स्वत्तात् स्वत्तात् स्वत्तात् स्वत्तात् स्वत्तात् स्वत्तात् स्वत्तात् । देलावादे स्वत्तात् न्तुन्य पदे राम दे र्चाय के र्चाय के र्चाय के राम म.लुच.नल रे.बुर.श्रेनल.श्रि.पह्ना.हेब.न्रूर.म.बुरा विश्व.नश्रिरय.स.सर.हर. नन्द्रायाक्ष्रादेश्वाक्ष्रात्वाक्ष्रात्वाक्ष्रात्वाक्ष्रात्वेद्रायाचित्राची देश्वाक्ष्रात्वाद्येद्र यदे अपया इसया शुः व अप् पदे नेयाया न्द्रिं या बेर् या इसया न्द्रिं चेर् चेर् वे पदेर् बेब् हे। दे द्वा बा बेव् व संस्थित व दें दाय मुव बंद व बा बेव् य स्वरा न्दें द चेद च हिन्द या बेर् छर। अर पर विषय वेद श्रे के स्वाय पर वा विषय वेद सम्मा गर दः र्या द्वि विश्व विरयः या वर्षः विश्व येषः वर्षः यद्रः यदः विश्व वर्षः विश्व वर्षः वर्षः विश्व वर्षः वर्षः व तरी विया की येव व तरी धार विया वा येव किया केया है व या धार में हिर धेव ये ये हैं अब व ग्रीयार्थयायाः योत्। यरः है: क्षेरः देवायरः ग्रेत्। देवादः ग्रेत्रं वयरा ठट् यवर न हु नरा दा में या हु में या हु । से या हु र पते भेराया न में र पा ये र पा या विगाउटा। दे द्रात्वायानावर्षात्रात्रात्रात्रात्रात्राची श्रीतावरा वर्षेत्रावरा वर्षेत्रावरा वर्षेत्रावरा यया बी तर्त ता तरी की र तुः कर मायया ठर ही खुन्या पेदा की | रे द्वा वतर मा क्षर

निश्च अ.त. में य. क्रिनेय. क्षेने. अ. इयय. ग्रेट . विनेय. तर प्र क्रेर . च. क्षे रदः चलेवः शः **र्र**्रुः व्यापरः विदान् विदान विदान् विदान् विदान विदान् विदान रु:बेर्:मल:हेव:रू:पहेव:यर:बेर्:य:वे:वेर:ह:ल:ववर:य:पवेव:र्वे। लख. चेटा स्टार्चर चर्चा लूरा साधिव चर्चा ला लटा सिटा सं रे इस सरा लूरा से द न्रः धेरः वरेर। । नवन केरः वर्ष्यः वर्ष्यः वर्षः चन्नर्भः न्दः वदः चत्रः ने विदः तुः ने वः चरः छः हो। ने लेन् व्यवा वन् मः ने महामा स्व अ तर्न् गर छेर पर्ण । व्यन वेव दे छेर स्व में व छेर पा वेता । ग्वव व नवनः स्वः नवनः वेवः न्त्रम्यः स्वः व। । न्याः वेः न्त्रम्यः त्रः वेतः नवनः वेतः **द्व-द्व-क्ष्य-मुज्ञ-म्ज्ञ-म्य-द्व-प-क्ष-मुद्द। दि-द-द्व-प-द** वयःश्रुवाव-देः पदः वीर्याकः है। सुदः यः वृः वाः वहेवः वतः वत् वाः तुः वर्षावरः वाह्यद्रवाः नयः व। न्यान्यः निवे निव्यान्यः क्रवाः शुः शे त्वन् स्तिः श्वेरः ह। निः स्तरः तहनाः स्तव। बर्ने त्याया सुद्राय हे व व या धेव विद्याय। दि हिर सुद्राय त्र्या व व व व व भेषा विषासा विवरायमासुमार्थः अविषात्वाचन्याः भेषान्यः विष्यः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व

मुड्रेम्'म्'द्रभुद्रा पह्रम्'यः स्त्रम्'यः स्त्रम्'त्रम् व्यापन्म ঀ৾৽**ঀ৾৽**৽ঽ৽য়ৼ৽য়ৼ৽৻ৼ৾ৼ৽৸য়৽৾৾ঀ৽৻য়ৼ৽ৼ৽ড়৽৸৽ঀ৾৽৸ৼ৽য়ৼ৽৸ৼ৽য়৽৸ৼ৾ৼ৽ৼ৸য়৽৸ <u>╤╌╬╌╃╒╬╌╫╗╬╌╬┪</u>┪╌┧╌╙┍╌┋╌┰╗┰╌┇┰╌ҁ╗┰╌ҁ┪╗╌┵┇ ळॅनलासान्नानी न्नान्नाला निले धेदा है। नन्ना या धेदा सरा निल्दरा सामिता सुरा संदे कुत्रायायरा दे द्वरादर्द्रात्म्वायरा न्यायाय । न्या हे दे त्ना मन् ना या धेदा यहा। ঀৼ*৽*ৼৢঀৢ৾৽ঀড়ৼ৾৾৻ড়৻ৼ৾য়ৢঀ৾৽ঀৼ৾৽ড়৻ড়ঀ৾য়৽ৼয়য়৽ঢ়য়ৢঀয়৽ঀঢ়৽ড়ৣ৽ঢ়৾ঀৢঢ়য়৽ ष्ट्र-परामकेन्यावाभिराक्तरावहँगायाववैवातु। न्री नेथ. ज.धू नेथ. स. क्रू नेथ. सप्ट. र्षेत्राष्ट्रित्राचरातातात्वार्ष्ट्रात्र्वाक्ष्यात्वा द्रात्र्र्षेत्रवात्वात्वात्वर्षात्वर ल.लूरं.तथ.च। शुत्रथाल.स्वयायायायरचे वे वेषची में खरे तरा बीरा है। यया र्ष्ठेनयः वे.व.रे.व् व्यायः ठवः यः धरः धैर। । । व्रुरः यः रे.र् वः व्रेरः वर्वः ठेवः तश्चरःश्ची ।शेयशःस्वायः इवायः वैःचर्वः वैर्-तश्चरः श्चेवः हे। ।व्यरः श्चेरः रे-र्वाः वः **र्** छैनलः ळॅन् वाधिव। विवास। विवास नुः भरः क्षेत्रः प्रः । देः क्षे वतरः ररः वैः भवः त्याः तः हे तः वतः तर् वावः यः क्षेत्रः य द्वाः युर्-सुर-सं-न्र-गुरुग-न्र-ह-न्र-त-संग्राय-पदे-र्र-विद-वर्ष-वर्-स्-स्-स्-स-स-सि-स-*५*८। दवःग्रुटःस्टार्यःयःपहेवःवयःयर्वेषयःयःपविषयःदःपवेःश्वेतः। देःपविष्यःद्येः ^२,४.२.४६**८.४४**.४५४.४४४.४४४४.४.४४४.४

म्। प्रतान विद्या मुक्ता मिन्न मुक्ता मिन्न मिन

तर्राति के के वि वा है। दे प्याद क्षे वा या स्वायति क्षु वा वि देव प्याद प्रायद **ऄॖॱ**ॺढ़ऀॱॹॗॖॱॺढ़ऀॱॸॕढ़ॱॲ॔॔ॱॱय़ढ़ऀॱॸ॒॓ॹॱय़ॱऄ॔॔ॸॱॸॕऻ॒ऻऄॖॱॺॱॸ॓ढ़ऀॱढ़ॹॖज़ॱॶॺज़ॱढ़ऀॱॾॣॸॱॸॱढ़ॾ॓॔**ज़**ॱ य-५८-ब्रॅट-य-८वायदे-ब्रॅ-वृविवाय-पहेदाववायम् । ५२ र व। ञ्चु व्यदे हि श्रूर ब्रूट.च.ब्रेन्'मे.चेल.चल.अब्ट्र.च.र्ट.ब्रूट.च.क्रेर.ब्रे.ह.ब्रूट.बर्-बर्-बर्-पर-धर्-ब्रे.चेल.चल..... देषःयःयःमहेष्-व्याहःश्चरःतुःश्वरःमःदेःश्चःयत्यःमह्यःयदेःश्वरःचरःदेषःयःश्चेःमःदेःः। न्रः चन्रायाः संग्रायाः सः स्रदः पदेः नेरायाः त्रायः स्रदः चेत्रः स्रदः पः द्रः । नविव:रा दे 'के र-र्र्ट की 'से 'सं रा श्रुयः धर्वः र्र्ट प्य विक 'ग्रीया **'ब्रॅंट 'धर**' दे बाबा मे बाग्रीया दे बाधा पढ़िया वा महेव व व य नर च न दे हु य य य मह्व पर दे दूर पर दे य पर हे य पर है। ब्रूट्र-च-ऑर्-धर-देग्य-वेश-ग्रेश-बे-दशुच-य| रट-चविद-ग्रेश-ध्र-धर-व-हाह्य-धरे कर्-ब्रयः क्षे.पं बीच.तथः रटः चर्षु वे.लूरं अरे.पङ्कातपुरः रुवायः तपुरः चेथः त.रं वेथः त्रः वेथः व्यायः **ब्र**्यतः यतः यदे वः श्रुतः यदे ह्वः गृते वः त् मृतः यदे ह्यः यदे वः वे दे पे ध्वे दे । मञ्जाकार्रामाराष्ट्रियानिकर्तित्वर्तित्वर्तित्वर्तित्वर्तित्वर्तित्वर्तित्वर्तित्वर्तित्वर्तित्वर्तित्वर् मैका: व्यर्-दे श्चित्रः विवयः वायः वायः विवरः बेर्-र्ध्य-पदे-रेगवा-पवा-बर-रु-र्ध्य-ववा-रर-पदेव-विग्वायायायारेवायाः मार्ग्या चक्केर्-वला रे.वल.क्षर-च.चर-च.ल.चलेश.च.क्रै.च.र.चकर-च.लच.ग्री क्रै.च.स. चुदैःह्रदःयःस्वायःशुःगृहदःयःदवेचयःह्रयःबेर्-र्।।

र्भगरा ग्रे-ब्रॅन् प्रस्माया ता तह **ग**ामा **दायर**ा **ॱ**ऍवॱतुॱनेॱन् ग्'र्र्रः चलेव'र्यन्' श्रेन्'र्धन्' <u> चुलः वृत्तः ने न् न</u>ः लः बुन्तः चलः ह्युः वः क्षः तुरः वळरः वः लः वञ्चनः क्षेः ने वेः स्रः वतः ने ः नृ नाः ः ः ₹À.À.uu.Ŷu.⋚u.⋚u.且u.[₽].Ã.a.Ġ.Ĥţ.ÀL.ĠŁ.ư♥x.uţ.Დu.⊈au.ŋau.nx.┪u.. पर.प श्री...र्म पर्ट.पालर.र्बर.पर्यंतिकंट.पंत्रीयोश.स्थान्त्र. श्रीय. यरः गृष्ठेगः वः र र र लेगलः यः रेगलः यकः यह गृषः यः व। रे र गः यः गर्वे र र य अवसः यदेः ळे.चट. चच.प.श्र्चवय. स.दे.ले.बे.प्रे.चे.भ्रुं ब्र.स. २८ः। वट. चच.प.श्र्ववय. संदे. २ ह्रय. र्थे :इयतः रे·वॅदः वी·ऋ·यः र्षेष्वतः यः क्षेत्रः र्देषः द्वेत् :यः वयतः ठत् ग्वेतः क्षेदः यदेः त्रेतः यः बियामदे नदी यत्र चु हो दे त्थु धेव क हे त्थु तुत्र । । शेर् य हु व व द र व धेव । <u> चिरापाक्षात्रात् श्रुराची अर्गिश्वाची तृ क्षात् विषयि वे । गिराहे इयापरा प्रदूर</u> *धरः ५६ द*न्द्र-देश्चरेश्चर क्षेत्र-तुः के द्राप्तर क्षेत्र-तुः के द्राप्तर क्षेत्र-तुः के द्राप्तर क्षेत्र-तुः के **ब्र.**चेच्याग्री:यी:पा:श्र्चिया:या र्ना मेरा ने पर मिल्या पर त शुरा पा लेगा दा हे द हिर द हो या पर त शुरा पर स **बल**'चर'त शुरु'चते∙दिमल'चल'रे'र् मृ'र्र' नसुद'धर'क्षे'ग्रेर्'ग्री। रे.र्ट.श्र.दग्यः च.श्च. य.प. यू वया स. र व. र र . व. वे. हो र . र । विया वश्चरया पया यू । रिया व. र र . प विया ऍन्ॱबेन्ॱढ़**ॾॕ**ॴॱॸवेॱॸऀॻऻॴॱऄ॒ॴॹॗॗॱॺॱड़॔ॺॱॻॖऀॱॸॕॖढ़ॱऍन्ॱधरॱॸॹॖॖॸॱढ़ढ़ॸॱॹॗॕढ़ॱऀॺ॓ज़ॹॗ॓। रेग्यामानेयाक्षापरान्धन्वयार्यः पर्वदाविग्यापर्वः मुयानुन्द्यायाक्षायाः हु या

दयःग्रे-र्न्द्रक्रि-रॉय्न-यर-वहेंद्र-य-दे-रेख-यर-क्रे-र्न्व्य-यल-क्रुंद्रकेद-हे। चर्षु.चश्रु. वित्वीयावायव। देवे धेरादे क्षराव्या शुर्धराया व रहेवाया स्वारा ग्री रहा पविवादश्चापामा श्वीतश्चापामा विवाद स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्व ऻॿऺॳॱॿॖऀॱॺढ़ऀॱॸॕॿॱॹॻॱॺॸॱॶॴॸॱॿॕॴॱय़ॸॱॿऻॷ**ॸॹॱय़**ढ़ऀॱऄॗॸॱ ଔ**ଷ**.ଶ≭.୯*ଲ*ି≭.ᆾ| र्भा तर्रे भाराञ्चानुदेशस्य मे र्रे विष्णुयायते स्टाविदाविष्णायादा *देवै*ॱ५५: ब्रेन्-हे-श्रेन्-ब'ढ़बल'म ने-श्रेन्-तु-नेगल'मल'५वन-बे-५वन-नुप्न-वल'झु-गु---त्यः स्ट निवेदः स्ट न्यः दिदेदः यः वे क्रे : स्ट निवेदः वेदः स्ट निवः क्रे सः निवः वेदः सः निवः क्रे वः च.र्ट.रट.चढ़ेब.कुंब.हूट.नदे.हूट.च.हु.ब.हे.वुर.चरेब.क्षेब.ब.र्रम्य.नथ.रवायाः न्मॅलायते तहे वाय क्रुंवारव थेवा छै। ने न्या बेन् पते ह्यु साम् तुते ने वायन् पर तह्रवामात्मात्मा अहिवानी यह्रवानी क्षेत्रा स्थाप महितान में स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स् ने क्षायाधिव व हे व तहे या ही में रामा ह यहा र हु र खेन पद हुं व केवा **बे** ' গুৰ' দি। यं र त शुर पति श्रिर हे र वर तार ता पत्र चित्र हैं। विरे प्यर श्रु वा हु तु ते र ता प्यर पा र्रा परेव पर वेर पर महिला साधिर पर केर पर महिंद की अद् <u>र्इर्रेरेशेयायाययाम्बर्णानावावायाय</u>्यात्र्वाक्षेत्रायार्ट्यास्त्रात्र्वरावेटः। रेवयार्धेर बाववातायान्ते न्त्रावरा वर्षा त्यायदात्री धिदात्री साधिदा ग्री देशाया ग्रु रा सेन् स्तर संदा द्राया सूदा या पदा तुवातु संदा पर्वः श्रदः प्रत्वः स्वरः प्रायदः। रदः पर्वेषः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः पर्या वस्त्र रुन् नगाना पा ता पहेन नत्त्र शुरा पा धेन प्रता ने त् त्री के राया प्रता स्त्र का त्री ता नवैगः पर्दः क्षेट्रायः धेवः य। देशः वः देः हॅं गयः पयः इट्यः पर्दः श्रूटः चः चवः तुवः दुः वर्रः वरः षरःश्चुः अः हुः तुते र्देवः गृहवः वेवः वैं। दिशः वः रेगशः धरः इवः धरः द्ध्**रः धः व। गरः**

चन् .प.श्रन्थ.स.प.परः.मृ.ट्र.द्यःश्चरःतपुः.स्यःक्षेतः दुः.स्ट्रःस्ट्रःस्यःह्यःह्यः स्ट्रः चर् गुरः क्षेतः हु त 型. Na. ra. 上上. l ने तानहे व व व व इंदा पादि इ बवा गुद पव सुव हु त करा पाई ब **र्**गाद:च:बेद:ग्री| रे'त्र'रे'र्नु'यदे'श्रुप'यवद'ल'बॅश'वेट'र्ट्र'पविद'येर्'पदे'ह्लंख हुं व. ८.५. <u>क्र</u>थ. घव. घेव. ह्य. १. घवरा. ७८. प. पूर. पार.। र्याय. या. वे. ४८. मी. इ. घथ. श्रीय. यदे रदः चलेव स्यायुरा यर विवादा या नृहा रदा चलेव स्थेन यदे वार च वा त्यासँवादा दे *ৡ৲*ॱ৻৻৻৻৽ঀয়ঀ৾৽য়ৼ৸ড়য়য়৻ঀৣয়ৼ৽য়ৼয়৻য়য়ঀয়৽য়ৼ৽৻ৼঀ৽য়৽য়৽য়ৼয়৽য়ঢ়ৼ৽৽৽৽ ने स्थला शुः दहेन विचः यदे निवेश सेन्य ने श्वेन सम् वयःवर्देरयःह। नमः न्तुः यदे द्वः न नेदः हुः केरः र्गादः न धेदः दी । देः दर् देणः यः केरः दः दुः नदेः देयः द्वा.री.के.पष.र्था.प.केर.री.पर्य. पर्यथ, वर्षा वात्राचा वेषा यो प्राप्त विकार विकार विकार विकार विकार विकार विकार देवाया केवार्या क्रेन विवया विवया वेदार्या | दिवा क्षेत्रादेवायमः **यदावायम**्वादायमः तह्रेत्र.तपुः स्त्रे वेशः रेटः के वे.के.रेटः रेट्यः त्रः ले. तपुः नपुः पपुः प्रतः के प्रतः वि व् न्द्रायं इयस् द्वाचेन्या वयस् उन् चैसार्द्रायं तद्वायं क्रायं स्वर्णात्रायं कर् भु रूट रू रे व के वे पर भु पर अवर अवर सुट प धेव की । रे भु व हेट टे पहें व की तर्ने तकर्। श्रिनः पर्वः त्र्रां मः क्षेः त्यः कष्णः तुः हे। । तर्ने त्यः क्षेः क्षेः त्यः वित् । । विवयः ठवः शे. न्रः श्वाःगुरः शे हे नः ने । व्याः यदेः इवयः वे न्युः वः स्वरः वेरः यहा क्र.म.स.च.वयान्याय्यात्रम् नात्रम् । हि.माज्ञायाय्यात्रम् व्राव्या तहनाहेद'यदेर'यद'मे'वय'दे। । तहनाहेद'न्वर'न्वर'देर'वेद'त्यां सेर्'यूट्। त्यतः चेतः इयतः वै वयः भरः हर् योः व। । विवितः यः वः भरः र गरः वनः व वः वः क्षेत्र । । नक्षेत्र शे. बुर्णायरः निवे सह्य दुर्गात् प्राप्त विवास् । निरासना त्यापर रहा निवे स्वार्थ वर बेर् ' गुर्- 'यक् म् कॅम्' स र्से र्र- द्र्य क तु क्वें र म से र्र- क्वें मु अक र्र- कें व् कॅरक चयता.६८.ग्री.श्रेचया.थी.प्रेयानर.विद्र। द्रि.द.वीचीवायाचक्रेदाला.स्रवायाना पट्टी.८ची.वाट. ^{ॸॕढ़}ऀॱॺॸॕढ़ॱॹॖॺॱॻॖऀॹॱॸॸॱॸढ़ऀढ़ॱॺ॓ॸॱॳॱॸॕॖॿॹॱय़ॸॱढ़ॹॗॸॱॸॹॱॸ॓ॱॸॿॱढ़ॺॿॹॱय़ॸॱढ़ॹॗॸॱ रा । बेब-व-वर्न-इबब-रद-विब-बेद-यदे-द्वेर-हे-क्रुर-उद-क्रे। द्वे-दे-द्व-गुद-रदः चविषः अदः सरः ह गयः यः चहे षः वयः है गयः द मैयः व। देवेः द्वेरः गरः वह गःयः ऍनलः पदे :ॐत्य:ग्रेल:पङ्गलः द:बुन:बेर्-रु-पश्चर:र्नेल:ऍरक्षवःद। पर्ट.ज.क्र.ब्र.चि. ठैगः ग्**ञु ग्रायः पङ्गदःयः सँग्रयः यः इयसः दै**ः रहः प्रवैदः येरः यरः यर्दे दःशुयः रुः हँ ग्रयः ग्रुहः… त्यन्यायाः स्टाबी त्युराहे। क्रेया ठवा है। क्रेंप्यते हिंदा है दार्थ अविनाहिन्या प्रते श्रीराही | त्यन्यः प्रतः श्रुतः प्रातः विक्रें वा स्वयः ठर् ग्रीः त्रः प्रवेदः येर् यः यह दः शुवः तुः हैं न्यः <u>र् मॅल-स धेक कॅ खेल झु ॲर् गुर रे गुल स अधेक हे।</u> चर्षे.चश्च.च.पाया न्रेंस्य.यू. **गर्डन में 'स्' मं नरा । ने दे गुद ग्री स्' मं र पर्हर। । गर्डन में 'स्रेर हे र गर 'पेद'** ना १ ने ने ती व के हिंदा धारी विषा है या महिंगा की पर प्रविद के ने पर महिंदा है ने ने *क्रॅचला पर्या क्र्र्स्याव* केंद्र क

 यः वर्क्षाचुद्रः वः इष्ठा ग्रीयः दैः देः द गः चुदः विदेवः तुः वेदः विदेवः तुः चुदः विदेवः ग्रीयः हिंदः ः यर देवा गुरा इर पति व रुष्टा पते ग्रुष्य पक्ष द रे केर रर में हैं प्राप्त ग्रुपा पते यश्च । दिः सः भेदः दत्रः निवेदः वेदः मदेः न्ये रः उदः सुन्यः देः न्यः नुः स्वरः मः देते हे दे का क्रुटा महा विश्व का महा हु क्रुटा मादेते का महामान क्रुटा महिला क्रुटा महिला क्रुटा महिला म यतः ने केन्द्र चेन्द्र त्यःस्वारा मदे हेरातु कर् सरा शुनावादी शुः सुदे ररा मदीवा अर् मा ह वारा मा धेवा मरा म्बुगलायकृष्रस्यायान्दाकारद्या । यदियावी वुक्षस्यायायदिः दम्देष्ट्रस् इटा विह्ना हे दारम हु ग्रामाया पर प्रमु हि मही वा विया मुखाम स्वाया रहा मही दा श्चेर् पदे र्वेर र्दे र र्दे र ख्वेर ख्वेर ख्वेर व के द त त स्वार के के त त स्वार के त नवि हिंदामाध्येत भी देन्य मे रदान विव सेदाय सेदा हे हर न नदाय हर निद्दा म स्विष्यायाः ने न्वात्यात्रमः चित्रे वा स्वेत् स्वराधित्या प्रत्या मुक्ति स्वराधित्या प्रत्ये हित्र स्व 了. 題. 如. u. m.c. 诗之. g. ta. u du. k. 知と. y du. d. d. ta j d. ta t. te 美女. gと. l ब्रेय. ६. श्रट. चहु व. तर. चेय. त. लट. चे. छ. चतु. छूट. वस् वि:पव:रु:र्वेर:पड्र रंग्डेर न्द्रवार्यान्वेनवारायायाता। वन्यवे स्रववात् तुःनेन्न मिन्द्रस्य वित्रार्धेरायदे मह्रवायर वहिवाम न्मानुनार्यन प्रते छे ने हिरावहिवाम न्या धेवा प्रते स्राप्त में हिना यातुन् बेर् तुः द्वरायारे क्रेलायान्त तुन् बेर् ग्वव ग्रीयाङ्गरायर विद्याया धेवावतर। ही यम रर पहें व सेर पर हैं वया या या येव है। र्येर व। व व वया पह व या संग्या म.पा.चेर.पषुष्याचर.तर.ह्याचरट्टा र्विरा श्रु.याश्चीमा.श्च.सम्याचनम्या यं गरा १रेर्गा पहिंगा हे व. तथा गुर प्राची व ले व रहर व साम हिर । श्वेम गुर रहा श्वे ロ は、 できる。 は、 は、 できる。 は、 できる。 は、 できる。

तुरा । यळव या श्रवाम रे च के र ग्रीय श्रदा । क्रिया स्वया सवया उर रे न विव नेया ロス・剪の | | 長・骨エ・する・コロセ・フェロ・ロス・留・日ス・ロ | 子・心・可見のの・ロッカ・フェの・ क्र्र-र-८.यःजया विवाकः व्याप्तर द्वराया स्थाने विवास व्याप्तर विवास व्याप्तर विवास व्याप्तर विवास विवास विवास देॱनवैदःभेषःसरःग्रेषा । शुःदरः रॅथःब्रॅःदेः नवेदःदः नः यदः। । देःयः नहेदःद**राः** चन.क.प बैर.बूर.कु। मि.ज.र वर्य. रे.व ब.लट.लूर.ब.लुवा क्रिय. इयय. वयय. ठर् रे प्रवेद मेल पर ग्रेज | हि हर है प्रवाद पर पर पर पहेद पा | हे लिया है प्रवाद प्रवाद प्रवेद प्रवाद । त्रः श्री-व्याशः अवूरः है। वियानः विवाहः तर्द्रायः कवायः विराविव। विवाह स्या য়য়য়ॱড়ৼ৽ৼ৾৽৸৾৾য়৾য়৸য়ৼ৽য়ৢ৾য়ৄ। ৠৢ৽য়৽য়ৢৼ৽ৼ৽ৼয়৽য়৾য়৽য়য়ৢয়৸৽য়ৄ৻য়৽ঢ়৾। 15. र्राञ्चरायः भेराहाक्षाञ्चन्या । रे.पाहाहाहारान्यानायरा वर्ष । इता स्वयः मयरा ठन् ने प्रविद मेरा पर ग्रीया हि स्नर तु कॅ गाविं व तु वे के त्याया वि वि वि वि बिर्भानानेयावर्षरावया । हुरावयान्ययावेराने वयावे न्ययाक्ष्रा । क्रॅया स्वया क्षरः मार्ट्या ने स्ट्रा स्ट्

सब्धान्यन्त्रम् न्यान्यः विद्यान्यः स्वात् । विद्याः स्वात् स्वा

त्रिमा हे क् ग्री म् म्राया दे म्राया प्रता की त्रम् मा प्रता ब्रीया मे कि प्रता के का प्रता की का प्रता की का বথ.বা र्मा निःक्षरः प्यदः तह नारा यात्रा व्यारा श्वातः रेले न्यनः नदः व नयः स्यार्थरः व ॅट्टॅब्र-विट-र्टरा ।विट-व्रिय-विट-ल्पंब-र्ट-त्यॅब-वब्य-य-ल्वंब-र्ट्ट्य-इयल-वट-ारे'प्वे**त'ग्र'र्ग**'र्झ'द्रशः शुे'दर्**रापञ्चर'**य'रे'क्यशः हॅग्रा छः हे। ग्राधितः व्यान्यराने वे तहे गाहे वा स्वा के वा स्वा के यह दा के रामे वा विकाय गाय वा हदः यह दः क्रम्या अर्क्षदः के दः दः दः दे दः दे दः यः स्मार्थे मयः दः। । व्यवः हदः उदः यदः यमः ठवः कण्यः न्दः अळवः ण्वे वे त्यः र्यं ण्यः र्दे वः न् ण् । ने : इययः नेदः ह वे : इयः न् धुनः च्यः मलः इसः मः च रुदः रुः व्यन् विदः। दिः त्यलः ग्वदः रुः श्वरः मरः वहे गः हे दः ग्राम्यः परेः |बेरा:नशुर्य:सँ| |दे:ल:न्द:नी:क्वॅ:द्वराक्वेद:य: म्न वया वर्षन् । या धिव। **८२ैवः**पश्चर्-पःरेः इयवःग्रुटः यः पह गवः परः प्यतः परः विः दरः हैं गवः परः ग्रुः है। रेः परः त्यः यः वैः व्यवः त्याः ठवः र्रः व्यवः हवः र्रः यळवः गृवेः व्यवः या श्वः व्यः व्यवः यः वै.लब.जब.रट.र्इब.त्य.ज.स्बराय.व.स्बर.व.थ.रटा है.ड्रेर.च.रटा बर्धेरविट.च. न्मः अग्रीवः यः नेमः अष्यावः वेष्यावः विष्यावः विषयः व ब्रुर-र्रे। । १५५५ कन्या दे द्वा पर देव पर १८० कन्या पर दे रे दे हे व है। कन्यारुवः श्रीः नदः चनः यः दर्ययः न नदः ययः न नदः द्री । वेः वैः श्रेनः श्रेनः स्तिः निरः वैः च श्रेम: इदि । दे त्यः यदः त्यमः तः नहेदः द्याः यदः त्यमः उदः तद्यायः त्याः चदः वलाग्रेरावर्षावरायवे वरातुः श्रुरार्स्। ।रवाधेरावज्ञरायावलाग्रुरा। **ल. पहें ब. श**्व. वेट. । ज्या किट. हें ने . ये. ने . हे ने . ता । पहें ब. वया पहें ने वा

क्ष्यः क्रट्टा नेया | विश्वनात्रे क्षाः विश्वनात्रे विश्वनात्रे विश्वनात्रे विश्वनात्रे क्षाः विश्वनात्रे विश्वन

मुक्तास्क्रत्योः नद्वास्त्रम् नह्न व्याप्तास्त्रम् । क्रि. म्याक्ष्रस्य विद्यास्य विद

ाञ्चिःवरःषे:न्हॅलःर्यः बदःन् वः यन् वः यशः बदःवः धदः क्रुः यः वयः धदः धेन् यः ৰৈথ:শ্ৰা धेवः बेरायः र्टः। रे. प बेरा रुपाय रुपाय विष्या महिष्या या प्याप्त हुरायरा हुरे। रि स्राचन्ना त्याः क्री. च. चतात् चुराचीतात्वे ना पाते। दे स्राप्त वा च कता गुरा दे त्या क्री पाति । **ग्रे-न्ये-ह्रण्य-ब्रे-हॅर्-पर-न्य-पठल-ने-न्य-**प्या-ह्या-प्य-याक्र्-प्य-ह्र्द-पद्। ।यर्नर-यद्ययातुः नृतः क्चुः गृत्रेयः नृत्यत्वेषः गृत्रेगः नृतः वः नृतः गृत्रेयः श्वः । वः स्वरः स्वरः स्वरः ध्वः स्वरः देॱलः हुः तज्ञ लः रहः व विषः गुरुषः पदेः श्चेः वः वे। वर्षः श्चेः रहः रहः वविषः वः रहः पवे श्चेः नःदीः न्वतः क्रेः धेदः पद्या देः द्वाः यः धदः नद्वाः न्वतः देः देः नः द्दः नद्वाः न्वतः स्वाहाः यः *त्ययः* क्रु.च.मृष्टेयः शुः देयःय। देःदेःचःयः न्वत् मुः न्वतः क्रुः मृष्टेयः धेवः ययः ह्यः चितेदः क्चे.च.२व.७व.५वे.व.५व.चचत.वेषय.४५५.५वेथ.४५.५५५.५५५५ ।क्चे.वे.५[.]के. चुदैः रदः मैं : वर् मः हेर् : यदा क्रें : वः क्रें : वरः देश्वरः वरः देश स्त्रः क्रें : वरः क्रें : वरः क्रें : वरः ᢖ**ॱ**曰ॱदेवेॱॎॻॖॸॣॖॖॖॖज़ॱॾॕॖॖॖॻॱय़ॸॱॿॖॱॻढ़॓ॱॿॖॗ॓ॸॱऀॺज़ॱॺऻॗॿॗॱॹॖॱॸॸॱॺॏॱॻॸॣॴऄॖॸॣॱॾॕय़ॱॿॆॺॱय़ऄॱ वर्रा रिन्र.वा यहवरतर नयाया पर्यः शुः नु पतिवर्षे । श्चि पः वि न से न स् त्युरःहे। क्रेतःवेदःयदेःतःवद्यात्रःयरःक्रेःदःवे। तःवदःदेःवेदःयरःदर्यः 1रे.के.ब.थ.च्य.व्याषुचा.बैय.रे.क्रे.चया.बै.वी.पा.ध्येचया.मा.क्रे.चये.च् न्मेयाययः स्। अनयः**शः हेर्-प**तः श्रुंदः रु.त शुरः र्रा । रुवः ग्रेरः हेः शुः वः त्यतः ग्रुटः। शुः रृटः त श्रः तुः न्द्रमः कृतः वा विश्वेतः च स्त्रीतः चेतः न्द्रमः कृतः वश्वरः विकाला विद्यासः व्यव गुरा । रे.वे.रे.यम.पडुर.व.स्व. हव.प्वाय.सर.स्र. स.स्वा |ষ্ট্রীর্য:ঘ**ম:** গ্রীম:ঘ**:** য়र.लट.ब्रे.च.र्च्या.चयर.ब्र.ल्य.ब्रेरी ।श्रेया.इय.धर.लट.श्रे.चर.ल्य.धा.ह्या.चर. त्युर-व-वि। दि-धिर-धु-गु-र्राग्य-धि-क्रे-प-ति र-क्रेन्-क्षे-त्युर-वि८-। 194.22.1

ने श्वेर-न्रॅक रॅंग्वन्न प्रकार श्वरा देवा कार्य का कार्य का कार्य के कार्य के कार्य के कार्य का कार्य के कार्य हेव.री.लट. र्वाया पाया लव द्रा विया स्रा विशहे नवव री श्रुर पदे हो वा वि तया त्र्यात्रः भ्रुः परः महारुषः पदे धिर् म् म्बदः याषा भ्रुष्टिः भ्रुवाद्याः रूटः पति वि सार् रूपि . बु. पर्यः द च यः वु. कु. व्यः वु. प्रयः विदः सुदः यः द वुनः यः द वुनः व वुनः विदः व विदः व विदः व विदः विदः व णुषः तपुः क्षि×ः र्रा । विषयः लटः क्षैरः क्षैरः यः क्षैरः घषयः **२८** . जयः प्रचयः प्रेषः शुषः घषयः ठरःश्चे प्रतः त श्चरःहे। वालवः हेर् अहं रणः यः धेवः यदेः ह्वेरः रूं लेलः यदा । यर् देः रूवः त्रे त्यः श्रु नायः नदः नीः दें 'वं त्या श्रु नः पदे 'नदः पदि दायतायेदः दा त्या खेदे श्रुः नाः ने 'नदः नीः श्रु द चेन्-तु-बे-तु-पदे-बे-ल-संग्वाय-य-लक्ष-रम्-मे-में-मेंदे-क्ष-त्व-रम्-पदिव-स-न्न-तु-स्म-···· *ॸ*८ॱॺऀॱॿॗॱॺॱॶढ़ॆॱॺॱॸॕढ़ॱख़ॺॱॸ८ॱॸढ़ॏढ़ॱॿॱॸ॔*ॸ॔ॱॸॗॱॺॕॸ*ॱॸढ़ॆॱ नदैःसॅट्रायुग्यः देः द्रा रूं८.जिब्राथ. बाब्रेथ.कर.क्षा.स.घ**ष्यक.२८.**थ.वर्षट्य.तर.क्षेट.ट्र. | ाट्रे.क्षे.वर्.ट्र.क्षेत्र.क्षेट्र. चेन्-तु-बे-तुन्-व-व्यव-र्य-विव-व-न्न-व्य-द्वर-व-व्यव-के| व-न्न-र्य-न्वरः शुवाधिः रदाविदाधेदादाया विषया वाषा वाषा वाषा वाषा वे क्षेष्ठा वा निर्मा वाषा के क्षेष्ठा वा निर्मा वाषा के कि ष्ट्र-पर-क्य-पःवययः ठर्-तु-त्चेर्-श्रे-तु-पः-धेव-व्। । वायः हे-क्रे-श्रे-श्रे-श्रे-ति-त्-र-परः त्तेत्रक्षे रूप्त्रविष्ठा व्याप्त्रक्ष्यः म्याप्त्रक्ष्यः मेराया व्याप्त्रक्षेत्रके नः क्रॅब्र-यः धेवः क्रॅ। १रे.क्रेर-थरः यह गः त्रोयः यह हि क्रूरः क्रेर्रः यरः हेर्ः यदेः का खदेः लः मॅदः रमः नै : तज्ञ लः तुः लः लुदे : श्रुः नुः । यशः न (वदः कुँ नः । येदः परः ने न (वदः नुः क्रुँ नः । यः । । या धिवः या खेः नृतः र्वायः नः नृतः वृत्रा ग्रीः राः म्वायः र्वायः या व्यवः धिवः वृ *ॱॹॸॱॹ*ख़ढ़ॱॹॱॸॕढ़ॱॻऻॿढ़ॱॸॖॱॹॗॸॱय़ॱॺॹॱॹख़ढ़ऀॱॹॗॱग़ॖॱऄॗॱॸॱॸ॓॓ॱॸॿऀढ़ॱॸॖॱऄॱॸ॔ॸॱॺॕॺॱॸॱॱॱॱॱ

र्रः दलः ग्रीःलः चॅद्रः वः लॅग्वः यः र् गः वलः ग्रुरः द श्रुरः र्रे। क्षा । ७ थ. चयता तर. चशिरयातया क्ष्मा.त. चश्चा.तपु.र सेर. सेया ग्रीयावियाता दे**.** ञ्चनः यरः यर्देन् यः वैः श्चनः न्यं वः ग्रीः न वेन् नः यद्भनः यदः विदः। ने वैः न व्यनः ग्रीनः ग्रीनः व्यनः विदः ౚౢ౹ౙౢ౯**.**౽ౖ.ౘ౼ౘఀఀౙఀ౻ఴఄఀౘ౼ౘ**ౙ౼ౢఄ౷౺౷**౽౺ౙఄఄ౸ౙౢౢౢ౸౽౺౼ౚౢఀ౻౸ౘఄౙౢ౸ౙౢ౸ౙౢ౸ౙ श्रदः वर्द्धर्यः यतः तश्रुतः । विषः न्रः। वहना यः यत्रः ग्रुरः। म्वदः यः यहेदः दयः न्यः हे न्वतः विना प्रद्वरः चरः प्रश्वरः दः दे। विःदः हे खरा ग्रुटः खुदः धः प्रह्मः धः <u> ५ वृत्तः वृत्तः । विस्रतः उत्तरा ग्रदः वस्रतः उत्ते कुः वरः व ग्रूरः वे विद्याः ।</u> त्रः नदेः वयः त् ग्रुरः रेःयः ग्रुरः ग्रेगः ग्रुः ग्रेग्यः वेः ग्रेग्यः याः स्वायः ययः यदः वेः वेनयः । हे। रट.चदेव.च.र.न.चद.चवर.लवर.लव.व.ब.र.चक्रच.मे.च्या.च.चेर्चयाच.च.क्र ोश्चे.च.र्ट.बु.श्चे.चपु.ह्य.स.बाड्ट्र.च.लट्.षव.री.बु.ट्र. a. 12. 42. 44. 32. 1 ヨ.イノ.ヨ.治ノ.ロは.異如.ロピ山.ロ.gd.ロエ.エビ.山.兵.足は.幾.せむ.คし.治と.2. வ. **す.ちゃ.む.ぬ食と.むらんまた.きょ.ゅもし.多か.とうしていないがも.むからないまし** न्वेयाययाञ्चे नाञ्चाना इयराने। **इ.**च्य.पह्य.त.जया.श्चे.प.प्.प्.प्.च.जया.श्चे.प.त्य. पा इ.भावय.प.स्वाय.त.पय.श्रु.च.र्-वावय.पय.श्रु.चर.श्रुद्री 142.41.42.84 ड़े**द.क्.** रचस. मेंबद. १. लट. श्र्म. में. चर्मा हेर्र. १. लूर. या मि. दस. श्रे. च. यर्. जद. चस. क्रा... च्चेत्र.र्ट..श्च्र्या.योष्ट्रेया.योष्ट्रेय.तप्त्र.क्चेत्र.यर्ट्या.पायाःक्चे.यो सः**यःर्टः पायः**र्यात्रःयव्याः

स्थाः श्रे. त्याः दे श्रे. त्याः व्यापः ताः व्यापः वाः व्याः व्यापः वाः व्यापः वाः व्यापः वाः व्यापः वाः व्यापः व्याप

त्रवाराञ्चयत्रके त्वत्रकेषा केत्रात्वर विष्युप्त विष्युप्त । विष्युप्त विष्युप्त विष्युप्त विष्युप्त विष्युप्त . त. श्रुवाया यात्र वातः विवा वीया महाराज्या वारा में वा न्रान् है नया ह स्याप स्वीन् । या अर्हेर ा नेते.हीरःन्द्रशःसः इयलःग्रेःक्वेःनःवे.द्रःचःवेन् त्यलःहुदः नःविवदःवेलःश्वदः । वयरा उन् व ऑन न में राया **यन व तम**र यन येन न में राहे। ध्रय नुवा यनै राव हुन यात्रिः वीत्वत्तः प्रते क्षुः वळ्तः दे द्वा वी क्षुः व्यद् वेदः वह व द्वा वि क्षेत्रः स् 1缸. **ॿॖ**ढ़ऀॱख़ॸॣॕ॔*८थः ॼऀट*ॱॿऀॱॠॿ॑ॱज़ॱलट.लूंटे.त.ज.शूब्यः स्वाताः त्रात्रः द्वीताः व्यात्रः स्वाताः व्यात्रः स्वाताः व्यात्रः स्वाताः व्यात्रः स्वाताः स क्रेलाव म्बर्या रुद्दा या <mark>क्रे</mark>लाव **स्याप्य व्याप्य क्रेला क्रेला स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स** त्र्या पत्रिष्ठित्रित्रित्रित्रहेष् हे द्राया देते श्रुष्या त्राय प्राया प्राया हे द्राया वर्षा कर् यर त शुर रें। | तह न या तथा ग्रदा निया है : शुर विष्य र श्रे प्रतर है : बिन त श्रुर व र है। | देते के स्वतः द्वा ह्वा कृता व्यवा करा त्वा ग्वा हुए के दा कुर कि । विश्व विद्या के दा के दा के दा के दा के दा तहनाः हेवः तर्भेष्यः वः स्वायः स्वायः दी । विक्वः स्वाः न्वाः वीः स्वयः स्वाः स्वयः स्वाः स्वयः स्वाः स्वयः स् देश.स.क्षेट्-ब-ब्र-क्ष्रांक्ष.थ. तक्ष्ट्-स.क्ष्र.च-विक्र.क्षर.च-विक्र.क्ष्र.च-विक्ष.क्ष्र.च-विक्र.क्ष्र.च-विक्ष.क्ष.च-विक्ष.क्ष्र.च-विक्ष.क्ष्य.च-विक्ष.क्ष्य.च-विक्ष.क्ष्य.च-विक्ष.क्ष्य.च-विक्ष.क्ष्य.च-विक्ष.क्ष

| तर्रः शुः तुः वैः रदः वैः द्रः वं त्रः युवः यवेः रदः विव्वः येदः दे। रदः वैः श्चः श्चेदः त्यः पहेत् वरा प्रीटः परे छिर। र्ये र त्रा महि महि पर हिता वे साम विकास महि स् हेल.र्धना चुर्य ।र्धर.**व। चर.**पहेब.कु.बंबेबल.पकेब.क्रंट.च.ब.कुल.स्ट.च.क्ट. **इयल विन इर्लन्य शुर्द्धर मार्च वे ने मार्च महिल्य महिल् न**ॱॷरॱग्रुॱर्नॅवॱररःगेॱगवराःस्थाःश्रेवःवॅॱश्रुयःतुःशैःवद्देवःधरःर्नॅवःनेःररःगे गवराः...... ॶ*चाराः राञः र्व्*न् ॱॶ*चाराः शुः ५ हें द*ःमः महीदः नुः रोग्ययः ठदः ह्र स्रयः ग्रुटः श्रुंटः मः नृहः स्र्रः मदेः । ळ्या.स्थरा.पा.ने.केर.झर.चपु.য়धु.२०८.बुया.पा.बुया.पा.बुया.पा.चुया.चु. ॷ**ॸॱॷॸॱॻ**ॖॱॸॸॱॺॖऀॱॸ॔ॱॺऀॱॾॕॱॺॕढ़ऀॱ॔ॹॕॱढ़ॺॱॶॺॱऄॗॸॱॹॖॱॡॕॸॖॱख़॔ॺॱॲॸ॔ॱय़ॸॱढ़ॾॕढ़ॱय़ॱढ़ऀॱॸॸॱ नबिव स्पर पर क्षे नह गरा हिया धेव या देवे ख्या ग्री ररा नबिव रे यह दे ररा मे रे रं र्रः ररः चलेवः र्रः ररः र्वरः पदेः र्वेवः धवः यशः रेः द<u>रः चः स्व</u>ः कुः कुवः मृत्वः याववः यः व रण लक्षा सार माया है। बैर माया व वे श्रुचा चे वा परे तुवा या श्रुचा सार श्रुचा स्वा से वा वा सार श्रुचा से व र्मेरामान्यान्तर्तु अरुरामाध्ये मेरामान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषयान्य विषया वरात हुर स्तराय। १रे वे रर र्वर शेत हुर रू। १८रे गुवर रर र्वर शेर य है। दियान पर्मादे स्त्राधिन। विषाम्बर्गिनः। देवे वर्गेयान यया ग्रहा न्दी व नाम र र मी में प्र र र र प्र विव र र र र र र र र र र र र विव र य र मा अ यस या । *५५७*.३४.घ४४.६८.६४.१८.५३५.४८.५३८.५५५५५१ <u>ነ</u>ት ፞፞፞፞፞፞ኇ፞፞፞፞፞ጜጚቚ፟ፙ यया हे हु नितः छेरा दर्गातुर रदार्वदा बेर् या हे। देवे छेरार्द्र या वदाया यदा न्नाक्षे रूर्वित वित् वित् या वा धित वित्रा मुख्या वित्रा द्रः प्रतर्ग्यत् सुरायतः सुरायते क्षेत्रः विकायः दे प्रवायः स्वायः स्वायः स्वयः स्

र्द्र क्रिन् पर्दे न्द्र्र व्याप्त क्रिन् पर्दा क्रिन् पर्दा क्रिन् पर्दे क्रिन् व्याप्त क्रिन् व्याप्त क्रिन् रदःचिवन्त्वान्तुयायाध्येत्ते। सदाष्ट्रायदे यह्नानेत्त्वा देवे धेरायदेराहेत ৡৼ৻ঀ৾৾ৢঀ৻ঀৼ৻ঀঀৣৼ৻ঀ*৻ৼ*ৼ৾ঀৼ৻ঀ৾৾য়৻ৼ৾ৼ৾ৼৼৼঀ৻ঀয়৾৽ৠৢৼ৾ र्म-तृर-च्यामितः मृद्रम्भः मानेत्रितः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे कष् बःधवःर्दे। विषःग्रुप्तःर्वे। दिषःवःर्देवःग्रेन्ःयवैःन्र्देवःयोन्यःयन्त्रःवःवैन्।यन् चर ने हे द त चे व हु . य हु . य ता हु र त रे पर्या धे द . य य हु द . रू व व व व र र प् व द मुनामुनायते न्रेन संस्थान प्राप्त स्थान स्थित हो रहा निविद्य ने त्रामा महास यदः बेर् यदे क्षेर स्। १रे क्षेर यदः रे या वना ने लदः रे दे यह न वरा दे दे क्षेर वरे त्यःहेवःहरःत्वेवःचरःत्वुरःवःच्यःभैरःश्चुःबःन्रःत्रःचःगुवःवयःहेवःस्रःवःन्रःनःः इस्र. पर. चुर. चते. बु. त्य. शुर. च. च ५ च. धरा ने : बेर्. धर. कु. च. धेदा के त्या नहेत्र.लून.स.स.मूच.नदे ही न.न.न्द्रा.स्र.च.स्.च.स्.हेत्र.हे.सन्.स्त्र.स्. १देवे.हेर दे'ॱढ़ॱॸॱ**ज़ॱॸ॔**ॕॺॱॺॕॱॸ॔ॸॱॸॿऀॺॱॸ॔ॸॱॸड़ॺॱय़ॸॱॾॗॱॸॱॹॺॺॱॺॱहे**ढ़ॱऄ**ॸॱढ़ॿॖ॓ॺॱॸॸॱढ़ॿॗॸॱॱ <u></u> देश[्]वॱहण्ण[®]क्र्रप्रे'क्षे'वःद्रःघ्वःच्रःव्हॅद्रःयशःस्टःच**विवःबेद्ःयःद्रःगुवः**ग्वरम्णाः

हेव.५ वृष.बै.व.के.वे.विक.वट.वट.वेर्ष विषाहे.४८.२ वट.वर्ष.६.५.५ वे.वेर. वर्ष. *हे* द[्]र चे त्र ग्रे त्र न ग्रे न व त्र प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त प्रस्त के द्र त्र के द्र त्र के त्र के त्र ष्ट्रॅं पुरुष्टेर् त्या के लेग प्रमाण हो। विष्य क्या ग्रुट् म्वा ग्रेट् स्वर हेद त्य श्रेया वर्षे ा देते छेर छेर दर देर लाइर बेर दें श्रुया व। छेर छेला हे द त्वेला हु त्वल चित्रः चित्रः चुत्रः च्यः च्यः च नहेंब्र.ध.क्षेत्र। हेद'त बेल'रे'ल'रूर'वदेद'ग्रेष'श्वाप्यर'र्श्व'वहग्रव'द्रक्ष'र्द्र रर मैं रें ने ने न न स्राया व हे व त हो या है प्रवेद का है ग्राया न र है प्रवेद के व セメ・ロ州 イ रे^द। । देः अरः धरः देः या वनाः नैः खरः देवेः यहनाः **वरा। क**ेश्वेः नवः हेः रूपः द्वरः येदः पते दें न हे न केर त होता नर त हुर पते दें न धेन न दें। दें न नर हि द है न हे न हे न ^{वा} गृर्वे न् पर श्रुर पर श्रुर पर देन् रह गृष्य श्रुर पर रहे व्यत् श्रुवा नु खेवल न प्रत्र पर स् न्राष्ट्रित् क्षेत्राहेत् कर्ष्टर तहेत् न्राप्त ह्या प्रति हेत् हे क्षाप्त प्रति हेत् न्ह्रं श्रे. भेया तर् दे विष्टा पर र् ण्तु ग्राप्त हक् त्या परेवा सरा शुरासरा क्षेत्रा सरा श्री पह ग्राया स्रा हि क्षा पा प्रतिका म्वर्या **पङ्क, क्रें वा. क्षे. क्षे था. स. ट्रे. प**र्षे **व. री।** ब्रम्या गुर्मा मृत्रु मृत्या मङ्ग्रह्म प्रस्ता मृत्ये हे क्र क्षेत्र स्वर्मा म्या स्वर्मा म्या स्वर्मा म्या स्व ॻॖऀ*ज़ॱ*ॺॕॖॕॕॕॕॕॕॕॕॸॱॻॱऄॖऀ॔॔ॱॹॖॕॱॱॻॖढ़ॱऻॱ॔ॕॸ॔ॱॺऀॱढ़ॕॱॡॱॷ॓ॸॱॺऻढ़ॺॱय़ॱॸढ़<mark>ॏढ़ॱढ़ॕॎॱॹॖॱ</mark>ख़॔॔ॸॱऄॱऄ नेषाने। रदामबेदाबेदायायारदामबेदाबेदायानेदाहुराहु केपदि हुरापदे हुराद्वा व्यून

वहिंद्र-पर्व-क्षेत्र-स् । नहिंद्र-ग्रन्थि-विश्वेत्। नदः नविद्याचेत्र-विद्याचेत्र-विदेश हे वः त हो तः विषा हारणः धरः त र् । यरः व वे वः बेरः धः र रः य वे वः स्र । धरः हा नदे र्झे वया हे व त हो या है । न विव र त है गया या है गया र र । न हे र ने या थी मे या छी छ र ननेत्रः सरः शुनः सः बेता ह्यः नरा ननेतः सरः सँतः क्षेत्रः सः है । सः है न सः हिता सः हिता सः हिता स देःमवेवःरु:मःश्रदःरु:देवःग्रेदःधदेःद्रेषःयःयद्द्रःदःवःमःश्रदःरु:रदःगैःयर्धदः वेन् ग्रेषाश्चनः यदे : रदः चलेवः व्यन् : बेन् : त्यः कुन् : यः न्दः हन् : यः वे : बेदः दयः त्यः हन् : यः व रट.बैर.तथ.बेट.र्.ज.रट.मे. अक्षेत्र.धेर.बीय.बीय.तर.बी.पथ.ध्रेत्र.थेरे. ह्या मः इयरा गराय नरामगाम |रेपर्पान वैर्वेर्या गररा हव व्याप्त विराधी तिषाच्याचानात्तुः ह्वापट्टापा धेवान्तुः विषाची तिषाची तिष्ठाची तिष्र राया हे ता प्रता विकास वर्षा की की प्रता की वर्षा की प्रता प्रती की प्रती की प्रता प्रती की प्रती की प्रता प्रती की प्रत व्यः रदः मै दि दे दे ग्रीयः ग्रीयः ग्रीयः पदे रदः पविवः यदः परः यहेवः पयः वक्षदः परः य ग्रीरः पः यावतायान्नातावीःकुः यळवाने त्यावहेवावतात्रात्वेवाळ्नातात्वेना छितारत चबैद्र-बेर्-च-व-देश-च-न्द्र-चर्लि अवर-दहेद-ग्री-स्-च-वेर-दक्षर-च-व्हर्-धराज्य हेव.पड़ील.ग्री.६वाय.ग्रीथ.४८.चढ़ीव.ब्रट.न.पश्चीच.त.पट्ट.ब्रु.श्चर.म्.वी.श्चर.चय.प.... यावयायः क्रेवः यद्।।

| नटः वेनः इटः वेटः नेवः देः चनः वटः धेवः| | वेवः मटः **घः दटः घः** नवेवः য়ৢ৵৽য়ৢ৾৾৾৵৽৻৻৻৻৽য়ৣ৾৵৽ৼ৽৻৸৽ৼৼ৽৸৻ঀৢ৾য়৽য়৽য়ৣৢ৾য়৽য়য়৽ঢ়ৢ৸৽য়ৼ৽ঀয়ৢৼয়৽য়য় म्लुयायरा मुक्ताया म्या व्यतः हेदार हेवार हेवा मुक्ता महात महित् मुका हिता पर में वार् णुप्तरः निरः। मरःयः विषे पयः वे स्वरः वे रः दे : स्वरः हे पयः पदे : स्वः व्यवः पह्नवः हा ने निवेदान्। यामया मया हे दात हुर केया इयया है गया शुर है। |회원국.형.건.네. पहेत्र.तर.लूट.शुचेरी । दुथ.डेव.पग्नज.इ.वाय.तथ.थवर.पह्त.वंट्र.तर.वंशिट्य. । नविष्यार्भार्याः में दूर्याः श्वीयः तपुरः स्टः मध्ये त्राः स्वीयः पाः वेषः स्वार्थः स्टः स्वीयः पाः वेषः स्व ŘΪ पठरा परा ने 'क्षेत्र' मुझे मुरा मुझे राया त्या असम मुझे मुरा पर प्राप्त के स्ट प्रा के कर स्ट प्रा के कर य्यार स्तु क्ष्या क्षे व्या विश्व क्ष्य स्तर प्रति विष्य स्त बेर्'धर'द शुर्राहे। | कुलः चः वृद्धार्यः च व्याः च त्याः देः यद्विदः त श्वर| | विरः श्वराह्यः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः খুশ বা पर्वः शे.प्शुः त्शुरा | विष्यः महारूपः व्यः परः ह्याः शे.प्शुः तशुरा | विषयः महारूपः पः | रनः चेतः नातुब्रायः रृदः नत्ने नः रृदः सृः नः नताः क्षेतः क्षेत्रः सृदः सृदः स्टः सृदः स्टः सृदः स्टः सृदः स ኇጚ:关ነ प्रवास त्या स्वास त्या विषय स्वास त्या विषय स्वास त्या के स्वास त्या के स्वास त्या के स्वास त्या विषय स्व लासना वतरा भेवातु तेनाता स्राम् । क्रिना सरता सरा तरी वता वता साधि तर्या ।

हु: नःव**र्**पण वराय विवाहे। रवाचेरावर्ष पक्षरायायया वर्गार्य वर्गावी वे नवे क्षेत्र । १८८ व हेव ६ थेर व हेव बेर व शुरा । बेल ५८ । वर ५८ के इंस र्ह्यार्गाया । पर्गार्मापर्गाणी क्षया वर्षा । वि. पर खेदाया वाचाय शुर विरः। |रे.बर्.पण.व.श्चे.प.बर्। |ठेषामह्यरणस्। |रे.क्षेत्रःग्रुषावःवेरायरःवेदः याकी हिंद केंद्र स्था प्राप्त केंद्र सादी त्या केंद्र स्था ही । यह ही त्या प्राप्त स्था ही स्था सा वर् यतः वरः परः त शुरः हो। देः हेर्ः यत। यतः रूटः हेर् स्त्रः वर् स्त्रः वर्। ह्या । त्ययः ब्रेंबः प्यमः नमः चरः प्रयः चरः प्रयः चः प्यमः ने व्रेनः त्या । व्यवः नमः ब्रेंबः 됐**도**성. 폭청. 美 리. 여성 | ने न न में का त्यका क्षेत्राया की | क्षेत्राया के न में का त्या विकास माना सन्त त्युरा | वेषः नशुरुषः स्रा | देः वः श्रुः वेदैः व्हिरः चः च ग्रुदः चः वर्दः देः वाषः वाषः श्रुः वा हेद ब्र्ट्य.त. १८४ . ब्री. थुन्य. ८८ . क्र. तपु. मू. वश्चि. वश्ची. ५५. व्री. १५५. व्र. ५ व्र. ५ व्र. ५ व्र. ५५. व्य पथ. बु. बूब. मूर्या पथ. श्रेप् । तिपा. इ वया. पा. श्रे व. श्र. श्रेव. पा. यू वया परे अक्षेत्र अः क्षेत्र त्रे ग्रायः पर्दे क्ष्यः प्रति व अः धेवः परे क्षः परः हे गः पः अः प्रकृतः परः द हे गः केषु.स.च.२४.ग्री.ध्रे**४.स्ट्यास्ययाशुःश्री**.चया क्यायास्ट्रास्यायाग्रीःध्रेदःस्ट्यायहणः ढ़ॖढ़ॱॾॱॸॱॸढ़ॱॸॖ॓ॱॸ॔ ॻॱॡ॔ॴॸऻढ़ॖऀ**ढ़ॱॺॱऀढ़ॱॳढ़ॱॾढ़ॱॾ॔**ॻॱॴॴॱऄॗॗढ़॔। विह्याहेदाळ्य चकु*र्-र्*ट-क्रुकाय-तु**र-बेर्-र्ट-तुब-य-र्ट-क्ष्य-तु-र्ट-** मृत्तु मृत्य-र्ट-ळॅर-व-र्राग्य-य----तर्ने पर्ने व के के बातु व वर्ष व पर वेव पर न न मि वर्ष हता बेव भेर छेर छेर छेर छेर । के वर्ष मार के न चलाधुलाने न् गाला है गाधरा छेन्। पति छेर। इसाहिंगाने के पने कर हैं का छे लागा ताला क्रमा म्यायाया तह्ना हेव. ततु ह्या तत् म्या स्टाया र्द्याया वयता ठर् हूराया केर् दुः स्वतात वावा यरात शुरार्दे । हि हिराले वा गरागि छैरान्र्यायरान्येन्याया विन्ति हि त्रान्ति विन्यते हैं विन्या विन्यते

बॅं निम्बानी तु बॅं बाद बेनिया धर दे काया पा ठव दि । देवे खुया ठव हूं वा च.पहेंचा.तर.ध.वेर.र्रा विश्वातायानक्ष्मावादी रेष्ट्र.तीलाक्ष्याचिद्यात्वीतायायानक्ष्मावादी इया धराहें ना धार हिना धरा कीर श्रीरार्थे । इसा धराहें ना धारा स्वाधित ८५.७४. बद्धाः तरः बुष्टाः तथः बुष्टाञ्चर्यः ततः स्वायः यह बार्यः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः क्केर्पर वे छेर दे। ब्रिवः स्ट्यः तपुः झ्रवेयः यह नाः झ्रवेयः यः स्टिः यपुः सः यः रुवः सः पश्चेत्रपरादेश्यरात् गान्नेत्रपराद्यात श्वराया व्यरात् गान्नेत्रेत्रपाह्म स्वरात्ते हेन्। **हॅ नल** परा दे र न त्रें त्र पर त युर हं ल भर दे हे द लल व व नर ते खेर दे हिर हें र पर ৾ঀৢ৾৾<u>৾</u>৾৾৾ৼৄ৾য়৾৽ঢ়৽য়৽ঀৢয়৽য়৽ঀৢ৽ঢ়য়৽য়ড়ঢ়৽ঀৢ৾৾ৼ৽ড়য়৽য়৽ঢ়ৡ৾৾য়৽য়ড়য়৽য়৽ঢ়ৼ৽য়ৄয়৽ঢ়ৼ৽<mark>৽</mark> <u>ल्या.तथ.ब्रेच.ब्रट्थ.त.च्र्या.ला</u> जय.र्ट.ब्र्य.ब्रट्थ.त.ल्या.तथ.ब्रे.च.्र्या.तः र्ट्या.वःर्ट्य.क्रेट्र ৡ৾ৼ**৾ৼ৴৸ৣঀ৴৾৸ৣঀ৸য়য়য়৸ঽ৴৸ৢ৸৸৸ৢ৸৸ৢ৸৸ৢ৸৸৸৸** तर्यायः वेयाच्याः वेयाः देवः तुः न्यायाः वरः न्युर्यः हे। तर्यादेः कूरायः वेर् खेतः वा ययानमून्याधिन पया वर्षे तारेयायान मृत्राधा हेराया न्वेया स्वा

| चुर-कुन-तेयल-त्यत-क्ष्यल-के-क्ष्य-स्तान-पार्वय-ষ্ট্রীব:ঘ:র্যুর্-ঘ্রম:র্রাজ্বা য়ৣ৾৽য়ৢ৾৽*বয়*৽৴ৼ৽৻ঢ়৴৽৸য়৽য়ৄ৾৾য়৽ঢ়য়৽য়ৣ৾য়৽ঢ়৸৽৸ৼ৾য়৽৻ৼ৾য়৽৸ৼ৾ৄয়৾য়য়৽ৼয়য়য়৽ ठन्गुःरॅ**द**्राल्यस्यःकुषःरॅद्रानुषेरःपषःभेषःग्रुदेःश्चेषःधः चन्ःतः प्रदेश्चेष्रयः धरा ळेल.रील.र्इट.च.र्ट.क्र्मेल.बघद.लय.तय.चश्चेष.धे.श्चेंब.त.लूब.ध्री रि.क्रेर.श्चेंच.त. महैलामदैःलाचॅदाडुटलादिकुन्पदैःमहेदार्थादैःकुन्यःविक्रास्यःविक्रास्यःविक्रास्यःविक्रास्यःविक्रास्यःविक्रा हुका हो। नेका इते ही न पा के में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में मार्थ मार्थ में থ্রিঅ: দ্রু. অর্ছ্রন্ এর এই নার্য্য ক্রিন্ প্রান্ত ক্রি অন্তর্ম ক্রেন্ত ক্রি অন্তর্ম ক্রি অন্তর্ম ক্রি অন্তর্ম द्रमः चरः ने र्डं यः विषाः चर्ष्वयरः धरा ग्रमः श्रमः चरः वे तुराःग्री श्रुनः धः क्रवरः वे व्यः |मेलःम्चेनःग्रुःगहेदःस्र_{स्}र्यःसःश्चरःहरः| 호호·필디·뒷도·디리·티디제·호리·등·취리·디제·영호·조도·제·표제·권·디드미·리두·후미제·디·전드제· थे. इं चेथ. तर. ध्रेंथ. तर. चेथेटथ. त. लुवे. हे। पहेंचे. प ग्रेंच. पथी वेव. घ्रंथ. रट रट. यटया मुया स्थया ग्रीया गुटा हे वा केटाय होया पराय हुटा परी मुवा हे ना यहा सामा विषयः वश्वायः वः श्वेरः वदेः द्वेवः स्ट्रायः श्वेरः वदेः ववराः भेषः वेरः प्र्रा ारे दिरावाराम्बन ग्रेयाळ्या ग्रीत्वर्मात्वेदायः ब्रेयः ग्रुट्यः स्। क्रयाची पर मा अर क्षेत्राया अर्पा क्रयाची क्ष्याची पर मा अर्पा क्षेत्राया अर्पा अर मुश्चर्याः स्थ्याः स्र्रः न्दः श्रेनयाः देतः नश्न्यः पतिवा पतिवा स्राम्यः मुण्याः भेषा

ॅरॅ·**द**ॱदर्रे प्रते शुन्नवायः मेवाञ्चे वानदायः चेत्र-श्रुवाद्या वेवाञ्चे वादि विनायः येदाया व्यः रदः पविवः यदः परः वेवः पदेः दूर्रयः यः व्यः वेदः पदः वेवः पदेः क्वः चैदः श्री राज्ये व्ययः । कुर्तायानम् कम्यानह्रवास्यान्यवास्यानम् कम्यान्त्रीः र्वराष्ट्रीयः रराविवासे वेदा र् न्या प्रवेश स्त्राच्या स्त्राचित महिला स्रामी तिलान स्वाया स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय ने·**पद**ॱवृद्धः र्वेषः रृदः रदः यदशः कुषः रृदः वृदः हुवः श्रेष्ठयः र्वदः वृद्धं दराः यः ठवः ग्रे:बःरेगःयः श्वरुषःयः ५५<mark>:ग्रेनः ग</mark>र्श्च गराः नक्ष्यः याः स्वायः यदैः व्यनः यः केनः नदः यदः । । । नरः ग्री ग्रापः इयरा था दे पर्देश यदे ररः प्रदेश थेदः ग्री पर दे दायर दे या भेदः है। य ने व . तर अरू ब . तर भूषा अर . तर . हु ४ . रू । विषय प क्षय या विषय । विषय प त्त्रवा दिन्त्रवा निवित्ता मा स्वाया ता विश्व सामा स्वाया ता स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स न ने न जी ता गुन हिं न र बार हु त शुर है। वि । में भार ने ता चु दे हो न पदे । बळ व हे न र ठव । बर रेग'म'र्च ब'गुद्द', हुँद्र'मदे क्षेत्र । इत्यान्द्राच कर्षामदे हुँद्र'स्य क्दा ग्रीप्र स ग्राम इयरात्मा इर्नि इर्नि यो स्वर्त्ता केर्नि परि हिंदि तीया ठवा यह ताम स्वर्धाता दी या प्रवासी चिंद्याया क्षेत्रः स् । विदाले स्वया क्षेत्रं स्था क्षेत्रः विष्णा स्वया विदाले स्य शुःश्रुः नदः क्र्यः यः न इतः यदः चरः श्रेयः यः **च कु. चर्ष.य ब्रेज.च.र् ८४.त.ज्ञा** ॺॱॻक़ॗॖॖॖॖ॔ॱय़ॱॾॕय़ॱय़ॱ[ॣ]ॻॸॗढ़ॕऻॎॗऻॗॸ॓ढ़ऀॱऄॗ॓ॸॱॿ॓ॺॱॸॣॺ**ढ़ॱ**ॺॗऀॱॸॣॿॖॱॸॺॕॎय़ॱॸॣॸॱ मधीर्या पया यात मुन्या स्वाप्त प्रदेश चिन्ता से स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व ब्रु८ कु. दे. तु. व्य विषा ळ्ट. यवा दे. दवा ग्रुट. देट. तु. ब्रुट. द्वें वा यवा दे. दवा ब्रुट्य. हे. प्रविषा नदु न मा क मेथा सामिता सराज्या मा न पर्या मे या न प्राप्त में में

च्चिट्-वयार्श्चेट्-स्त्यार्श्चन्यत्। ।

च्चिट्-वयार्श्चेट्-स्त्यार्श्चन्यत्। ।

च्चिट्-वयार्श्चेट्-स्त्यार्श्चन्यत्। ।

च्चिट्-वयार्श्चेट्-स्त्यार्श्चन्यत्। ।

च्चिट्-वयार्श्चेट्-स्त्यार्श्चन्यत्। च्चिट्-च्चित्-स्वयाः च्चिट्-स्वयाः च्चिट-स्वयाः च्चिट-स्वयाः च्चिट-स्वयाः च्चिट-स्वयाः च्चिट-स्वयः च

में श्रितः स्वास्ता विषयः स्वास्त स्वास्त स्वास्त स्वास स्व

चल्ला हुन्याः केचाः काच्याः क्षाः चाल्लाः चान्तः च

मी ते बरा ही दी मानवार पर महेन निय करा करा हिया स्था स्था पर पर होना पर पर हिर स्था सराय द्वेर् सरादेर् सराय प्रत्या शुः ह्री सराय देर् सार्टा व्या शुः र् द्वेर् सरा म्चेर्-पर्द। निःलाहि-द्वर-इंबर-पर-पर्चेर्-पर-चेर्-र्छ-दा र्धर्-पर-इंबर-पर्दे र्श्वेगलामार्म्यावलामदेर्वेगलामार्म्यात्र्याम्याम्यान्याम्यान्या र्गः तः है ने क्षेत्रः व ने ने क्षेत्रः क्षेत्रः व ने ने क्षेत्रः व ने ने ने क्षेत्रः व ने ने क्षेत्रः व ने ने *वेर्*:ग्रेलःदे:रमःतुःइयःधरः५ग्रेट्।धरःग्रेट्।यःधेदःद्। विलःरमःर्म्यःधदेःधेर्ः याचेत्रयास्यापराहेन्।यात्तावर्षायरायस्य स्वर्थः यरत् हेव्यायराचेत्रयि स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे बुःह्रमाध्यरः छेत्रः याध्यकः द्वा । यदः त्याः यरः ह्रमाः यरः छेत्रः यदे छः दः देः यद्यः खुः त्युः त्युः त्युः यर:क्रेर्-र्ने। विवास। गिवालयाम त्राप्ताम त्राप्ताम क्षेत्राची विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास नेरः महारुषः भेरः। भेरः धेवः यवः रमः हतरः नेः नमः मेः हवः वहं वः वृवः वः द्वः महारुषः थ्रा । इया.त. चंधीया.लट. यर्दे. कं. ट्यूट्यात चीता.पाया च इया वंदात रेया के चा यहूट. का. इया. ता. ती. यक्ष्या विषयात इया. ता. वी. यथ. ही. यक्ष्य या. वा. वी. यथ. ही. यक्ष्य या. वा. वी. यथ. ही. यथ. वी. व थी.पञ्चपाच.पाथा.वैट.च.रेटा। ध्र.श्र्राङ्गाचायवा.वैट.चर्च। विक्र्यायाया.वैट.च. हैट.ट्.पह्र्य.ग्रे.श्रुंट्.लेज.इंश.तर.क्र्यं.तर.ट्.पक्य.तप्तु.चेथ्य.पक्र्य. त्वतः विषाः भेरः तः चेरः धवः व्यव्यः व्यवः व न्रः ले व। रे र्रः रेरः नेषः रचः ग्रैषः नेषः पुरः वेषायः धरः यः हैं नषः धरे क्रियः रे र् ना हेर् विष. में. जुन्या पर हैं नेया तर वि. पत्र हिर् किर् या हिर् पत्र हैन यह स्वा विर यह । स्.स्र-६ व.त.पथ.वैट.च.वट.वु.वी नै-न्द-नेर-भेष-रच-क्वैष-भेद-हु-लेब्ब्य-धर-क्रें वाया प्रति क्रिया क्रिया वार्या प्रता प्रता प्रता में वार्या में वार्या प्रता चतुःबुर। सूर्-ताःबुर्-ततुःक्षेत्राःबब्र्-तरःसूर्वःवदःबुयःब्रुद्रःसू ।तर्नःतःवुर

र्वे ल'-प'-प्नानु र'-प्नते :कॅल'लव'न् यल'र म्'-ल'वे ख'-प्नाने ख'-प्ने ख'-प्ने ख NA **७**न्-य-चेन्-पर्य-७न्-य-चेन्-केन्-तेयव-धन-वे-चेन्-य| हॅन्-य-न्न-दह्य-व-न्न-हे-नर-मु-छ-श्रेयदा नर हैं न' नर बै चे र नर वै अर्ब का बार् बा चे हे वा बु ब् नवा पर र र । यः वर्षः के वरः हे नः धरः चे दः यः दे ते रक्षे के **याद्यः शुः वर्षः वर्तः हे वः शुः हिनावः यः दर**ः। देॱढ़॓ॸॱॿढ़ढ़ॱॴॺॻॱय़ॵदेॱॺढ़ऀढ़ॱढ़ॖॱॺॕॱॺॕॸॱढ़ॕॿॱय़ॸॱॿॖॆॸॱय़ॱढ़ऀॱॺॕॸॺॱॹॖॱॻड़॔ॴॻॱॴ**ॺॕॱ** र्क्षर हैं ग पर्दे हेल शुःल् गल पर है। रे ग्रह्म के क्या अवेर मे के गहा कर राज्य राज्य । देते अळ्या याधिन त्याचेन प्राची मृत्या त्या विषया सम्प्राची मृत्या त्या विषया सम्प्राची सम्या सम्प्राची सम्य न्तेयामादी स्राम्याम्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान्यामान यावी देवाचेवायवे द्वायास्यावविवातात्विताताचेतायवे । इवाया हुणावी मिले द्वा ता न् के महार में दे प्यार प्रत्य शुप्त हैं ता नदे हमा अहेर में तह ता शुम्त हैं। ፟ዹ፞፞ኯ፟፟ዹጚጜኯ ጚጜ፟ፙጜ፟ጚጜኯ ቚቚቒቜ፞፞ጚጚጜኯ ቜ፟ቑፙጚጜኯ ጚፙጚዹኯ देगलायाः ॲटला खुः दळ्ळेला चरा छे**दा ठेटा चर्चला दला गुटा दे । नगला लालरा** लाजरा दे'लार्द्रवात्रस्याचादी स्वात्रदेशम्बादीत्रित्रस्याद्रात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्यात्रस्या यन्त्री तर्ने के कर मेद्रा विर्ने के क्षेत्रे न्द्रकार्य लेक तक्ष्या वर्ष विषक् केन् तक्ष्या वर विष्यूर्यराचार्यात्रवात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या । विष्यूतावर्ष्यायात्र्या वर्षाः विषया ॕॷॕॖ**ढ़ॱॸ॔ॖॸॱऄ॒ज़ॱॸ॔ॹ॓ॻॹॱॷऀॱॷॕॱढ़क़ॱढ़ॾॕ**ॺॱॺऻॱॱॱॸ॔ॻॸॱॶॕॻॹॱढ़ऀॱॲढ़ॱॸढ़ॱॸ॔ॸॱॺढ़ॱॲ॔ड़ॱॷऀॱ म् वयात्रस्यानम् । द्वयात्रस्यानःदी वन्यापवे द्वयादि स्रा दरका मदे रहका वा वर्ष क्षेत्र व वृत्त हैं। | निक्षेत्र मदे रहका व वर्ष क्षेत्र व्यूत हैं के का व व्य

नद्रा । द्रगणाया त्रक्षमान द्री द्रगणाया नद्रमान नद्रमान महिना निर्माणा महिना निर्माणा निर्मा द्रवलात्वुरावाकुर्नाकुवालाववेषावत्। |तर्ने.धरा। गुवास्वान्तर्द्रवान्तरादे र्मानी मिदि इवता र्स सिट ही वता तळवा नहीं । इ.म. हेर् धरे देगता म दे वे वे ता हो मा धरे चुःचःचुे**र्-चःस्वा**यःक्र्याःस्यायःग्रीयःत्ररःत्ररःबीःचुःचःचुेर्-घर्दा |दर्रःषरः। दर्नेःवैः **ळॅल र्सं तर्ने के के न**्यर्से ळॅल तर्ने ल के कि ने के तर्म के लिया है के तर्म के लिया है के लिया श्चिन यदे देन्या या वै कर् सार्य के तम्या पर देव श्चिम यदे । विदे व्यव कि विदे व्य बह्र शुक्र नहः क्रियः नृधमः नृहः धनः क्रियः क्रियः विहः मीः क्रिनः वाम्युवार्यः व्यन् म् वाक्रेनः स्रवा रु.पञ्चलानम् ।इ.क.देर्-ग्री-द्रमणायादी बाक्षायान्य क्रान्य क्रान्य क्रान्य क्रान्य क्रान्य क्रान्य क्रान्य क्रा इथ.बेर.री.पह्ना.केब.च.मनकः तपु.इथ.बेर.रटः। नयश.मुथ.म्.वियः तपु.इय.बेर. र्टा न्वयायते क्रयाने राष्ट्रिया स्टान्स्य विष्या स्टान्स्य म्यान्य स्टान्स्य स्टान्स् शेवल धर श्रे मे र रे। रे.क्रे.प्रवाप्ति ।रे.क्रे.ये.वे.वे.वे.वे.वे.वे.वे. नहा | दे.षान्दावेतेन्वदातुः च्याव्याव्याव्यावान्दाव्या | मुक्रेयावतेन्वदातुः डल.चल.ट्र्य.त्र्र्चत.च.ट्ट.प्ट.म्.मस्व.केट.प्ट्रमःच.मकेव.स् । गशुत्रायदे र्वरः नुः चुना दन् कृषा या ग्रुया र्रः हुते स्वस्द हेर् तस्या वः व व गः म त्यता दे.वे.के.वे.क्रम् अव्यास्त्रम् विश्वास्त्रम् विश्वास्त्रम् विश्वास्त्रम् विश्वास्त्रम् यद्र-पश्चा रेगावे क्षेत्रा यहर वयत ठर् धर न्मा धर पश्चार पेव हैं वेत देर.चम्र.च.इ.ट्ना.मुथ्य.क्षेत्रा.चच्या.कर्न.चक्षेत्र.चर.मुश्चरकःस् ।दे.करः। रूटः ह्र-च नर्-वर्षःक्षेत्रः श्रम् वर्ष्ट्रः च वर्षः ह्रे. वे. वश्यकः श्रम् वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः हुल. शु. ब्रे नेय. तप्र. एक्र जा जीवाय. है ने. मैं. नेशिंट्य. तथ. हैं. नेशिंव. रेट. एक्र प्याच. है ने. वे. कं. क.

चत्रुं श्रूं चया त्रुच या ।

वित्रुं श्रूं चया त्रुच या ।

वित्रुं श्रूं चया त्रुच या ।

वित्रुं श्रूं चया त्रुच या ।

वित्रुच श्रूं चया त्रुच श्रूं च्यूं च्यूं

नशियाता के वा अच्चरा प श्रेया राष्ट्र म्हे ता ता नहे या सन्या नवदार नगारा रूटा रट.ची.जिचल.चलचा.चट्रा [य·ठिन्।त्रःत्राच्याः अत्। सरः ह्रेन्।त्रः सरः व्याः स्वरः व्याः स्वरः व्याः स्वरः व्याः स्वरः व्याः स्वरः व्य ने किर पहुंचा तत क्षा ने विषय से विषय मिया मिया करिय विषय पर कि लुब.तथा बेयाञ्चर्। |यर्ने.ज.चहूर्न.तर.वे.हे। रे.केर.श्रेब.बाव्य.र्व.तीज.क्षवत. कर.लट. य. श्रीय. त. य. श्रीय. तथा दे. य. य. दे. रे. रे. हिया श्रीय श्रीय गुर्-डेर-पर्-बे-दहिंद-धर-दहिंग-ध-दिंग-र्वेदा-तावा र्.केर.ब.च्याज्यःस्वा न्द्रात्यायाः ने न्दर्तायाञ्चरायाः भेद्रायाः भेद्रायाः भेद्रायाः भेद्रायाः भेद्रायाः भेद्रायाः भेद्रायाः भेद्र

वह्ना च्रिया व र दे थे न व व र स्वाव या व व व व व या थे व । प्रता के प्रता दःरे-८५ नःरे-१ नवा पदे-र्वाना मुदे-सक्यता सः मेदः परा नदः वितान्तरम् गुरः रेन्यः यतः न्द्रन् यतः व्ह्रान् द्रता दे त्रता दे र प्यार द्रता न्ह्रान् ता वा हुतः या वा हुतः या वा हुतः वा वी हुतः या तरे नत्रः ग्रै·क्षः नः धेदः पत्रः ने ते खेटः नुः न बना यः धटः खेटः केन् खेदः के स्वर्धनः यः क्षेत्रः यः यः พेब्र हे। इराबदारुप्त न् विक्री विक्रिक्षे क्रियादि र ना भेब्र ह्रेला र विक्रिक्षे विक्र यलः इत्रः यरः न्धुन् यः व् ने न्न नी न्रे ल यः न्न न्यः वे न्यः व्यन् वारः यरः ঽয়য়৽য়৽ৼ৾য়৽ড়৾ৼ৽য়ৼয়৽ড়য়ৢ৾ঀ৽য়য়৾ चलाचाध्रेत्रातात्वर्यात्वर्यात्वर्याः निताने वाने ताने हिन्यायाः में निता गुराने हिन्या प्रदेश हैं वा ने न्दः बहुव धरः वर् गः धः तः हूँ दः हेन् क्षें बः धरः वर् न् वः के कः कदः वतः वरः रा वश्चराहे। र्वरावित्रेयायावषयाच्याचराश्चरात्रेत्रेत्रेत्रेत्रे इ.क्षेत्रात्ताचरारी,लट.ब्र.पह्रदातपुःह्रिय। तीपानी.च्य्यातिच्यार्ट्टा वर्षेत्रात्तराय निया चल-दे. चल्ला-क्ट. किट. कुच. से ब. तपु. से ब. दी. य कुट. च. देट. । क्ट. च ने दे. च. से ट. श्रिक्षेत्रायाः चेत्रम् विष्णवयाः केत्रायाः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्य त शुराना स्वाता मेवा मुक्ता स्वाता । मालवा प्याता ध्या सुरान्य विष्या स्वाता स क्ष्याने माने राज्य हो काराने माना चाना नावन विना मेरा मेरा मरा हिना कर हो सा हो मारा हो न न्रः चन देवादे निवेश अधिव तर प्रत्ने व्यत्त है वया तथा निवास क्षेत्र के के वा वी रे.५इ नवः अधिवः प्रेच्याः ने न्याः वः के नः नः क्षेत्रः तथा विः नः अः म्यः वारः क्षेत्रः वारः क्षः वहिवः यर प्रविष्यात्त्र अ.श्रीश्रीहर हेर् प्रश्लेष्ठ पर पर पर प्रति प्रविष्य प्रविष्य विष्य विषय विषय विषय विषय विषय

वह्नायाम्याचेत्रम् भीत्वाक्षाक्ष्रवाक्षा वर्षः विष्ट्रस्वरः तुःचनामः चेवःवा देः स्वादः नर.मु.लग्यालर.श्रुव.पर्मग्याच्च.र्थर.वर्ग्यर.वर्ग्यर.प्यून.प्रेन.प्रे न्रः विन् तेयतार्थः इयाधरः हेन् प्रतान्त्रेत्रं प्रते द्वे न्रान्ति विः प्रते त्या विष्यः म् । मारः न मः के प्यरः के स्वयः के प्यरः के चित्रः मः में न मः के विष्यः मः व्यवः व्यवः षुःवरःचरःतशुरःर्र। |रे.क्षे.चलः**वःठःलरःशःचलबःब्रः ।**क्षे**वः**नःलःल्बलःनःर्वेः नःश्चर्-धरःश्चे वृद्धे । श्चितःधःयात्रग्यःधश्चरःधःत्रेश्चे संश्चितःधवेःर्वःर्वः वरःतःतःवरःवरः षवय.रे चे.श्ररथ.त.लुवे.चू | व्रच.त.वथय.२८.ग्रे.झ.च.वु.वच.त.कुवे.च्.लुवे.तथ.रे. घटलः वः हो गः पः हा सत्तः कर्ः घटलः परः त्युरः दे । विर्ेः कुरः हेः व्यटः क्षेः विर्वः चठर्-पर्वःधेर| तह्नेन्द्रेन् त्यायात्त्र्वःपर्वः वेतःरवःस्तः व्युरःर्वः । ध्रिकःयः वा.ध्रचया. ता.श्री.दे.पु.पु.श्री.या.सवाया.यार.श्रीवा.ता.याव्यवया. सवाया.भेवा.पु.सी.या.सा. ध्रेवः धरः श्रद्यः यः ध्येवः व्हा विष्ट्रं वा विष्ट्रं वि द्रा १ रे.सर.१.५ तम्बरायाम् प्राची वर्षायाम् वर्षायाम् वर्षायाम् वर्षायाम् वर्षायाम् इयसामी यया दे सर्र राव थु द न विदेश है। महिला ना विदेश हो। समसार्य चनयः र्टः नेयः रचः ५१ गृहेयः ग्रैयः दे छटः स्वाः त्रेयः र्वयः प्रयः वययः उर् ने।

। इर-ह्रच-तेयल-र् पत-क्ष्यल-दे-लेंद-संरल-तर-प-र्य <u>র</u>ীব:ম:র্ছু**८**'বস:গ্র'র্থার্ ळेळ: तुर्लः देरः नः न्रः ळे ग्रायावातः धरायाः यमुत्रः हे ख्रेयः यः धेदः क्री १ देः सुरः भ्रेयः यः मनेकः गरिःकः चंदः हुर्कः दच्चेदः परेः मनेदः वेरः वेरः वरः वर्दः परेः क्ष्रं रः यः नेदः परेः क्ष्रं रः यः नेदः क्षेत्रः वेरः क्षेत्रः वेरः क्षेत्रः वर्षेत्रः वर्ते वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर ขึ้น. ๕८. ๕. ๒ ฿ ๚๛. ๚๛฿ ๚๛. ฃ. ฿ฺ . ๚๛ ฿ฺ ๚. ๚ฃ. ฿ํ ๚. ๚. ๛๚. ฿ฺ ๚. ๚. ๛๚. ฿๎ ๚. ๚. ๛๚. ฿๎ ๚. **য়**৾*५*ॱॻৢ८ॱ। कुर्-अइर-छर-रूर-क्ष्र-श्रद-गाँकेयागादी-गाँकेद-या-धेद-अर्द-गाँकः। पर्गाः वेद-अर्द्द-द्रम् प्रम् दे व व विषा पर्श्व वर्षा पर्षा ग्रम् र्श्वम् प्रम् व वर्षा विष्यः व वर्षा विष्यः विषयः विषयः विषयः बर् रा.पा.पश्चित्यारा.पा.लट.पक्षेयार्थ। वियाश्चितःग्ची.चवेदःस्यःश्चेयायाः बेर् रहेटः। थ्रि. इंग्रय. तर. श्रें श्र. तर. प्रीट्रय. त. क्षेत्र. हो। तहु ग. त ग्रें या या व्रतः व्राप्त र रट. यटया मुया स्थया गुया गुटा हे वा उटा यहोता पर त हुटा पर्द मुन हे दा पर्दे पा उद्या बह्मरः अर् रेष्ट्री रे के ब.लट रे र् मात्यः क्ष्या ग्री प्रत्या विर्यं विष्यं स्था क्ष्यं विष्यं स्था क्ष्यं व विश्वयः नश्चितः पर्दः क्रॅबः श्रम्यः पर्दः विदः विषयः भेनः विः वित्रः दि। खेया.<u>चोदी</u>रथ.<u>श्</u>री नि देन के त्रायान मिल्या में शास्त्र की ता के का मिल्या में के ति की ता के कि का मिल्या में कि कि की कि कि कि क श्चिमः द्वात्र देशः द्वेषः श्वेषः श्वेषः श्वेषः भवः भवः मान्यः मान्यः । देः वदः भवः श्वेषः प्रतेः ्यं वर्षा लेखरा न्रामु धरावी तर्वे पर दहिक्यादी हैं दबेव परे ताना वर्षे वर्षा दहिक यः न्रः त<u>रः परः ने इ</u>लः यः क्रेन् ग्रीलः वर्षत् अरः दहेत् यदेः धुलः ने न् नः वा श्रेरद्धः यः देः ह्य त.त. स्वयतः क्र-व्यः व्यतः वृद्धन् सः धेवः द्वी । दे तावः क्षः चः वृत्वः तावः विवासः यदेः जिर-द्रग्यास्य अथ.पः ब्रुंर-च-द्रे-च-क्रेन्-चदे अन्यः विवयः चर्द्र-वेकः श्रुद्रा ଵୖୄ୵୰୵୰ୖୣଌ*୰*ୢୖୠ୕୳ୄୠ୵୕୵୰ୣ୵୵୕ୢଌୣୣୣଌ୵ୄୢ୕ଌୣୄ୶୵୶ୣଊ୕ୣ୶ଊୄ୵ୡୡ୲ଵଊ୳ୡୖ୵ୣ୶ୡ୵୕ଌୡୡ୵ଌୣ୵ୄ୷୷ र्धरः प्रतः स्वाः ह्रवाः वीः घः करः भवः हे। **रेः र् गः वैकः दैः रै गवः यः र्रः** खरः वीः र्द्वः रेः वाह्वः यात्वेचलामार्विः वासर्गापतेः क्षेत्रः स्। । **ग्विकः यदः ग्राग्वेलः स्रायः स्ट** पति विकासि क्षेत्र प्राच्च राया दे सि तर् पा विका धेवाया दे विकास सम्मान वियान बिरान क्षेत्र खेत् या ता देश या द्वार विराधित वि *न्* ग् पदे खेट ने या का ग्रेका त्वातान्ते महत्र्ष्याताहेन या देवा न्वेता वी ने न्या ने निर्मा के न्या के न्या के न्या के न्या के न्या के न्या मुलायर मा सरा प्रते में दा हैं मलाया साधिदा है। दे हैं। साधिदा दा महिन्द सुनाया स्वाप्त र्रः च कुला चात्वार्षेष्वता पर्दे के प्यरः रे र वात्वार्थ्यता विदायता दे र वा केवा गुरः न्न ना भेन हैं नेता पर का कर हाया पर त्युर री । विने वै न्ये र व सक्व सं मुका भेन पवै:चन्राक्षम्, तुःखेद्रायं प्रदाद्य वायेद्राष्ट्रवायः प्रदाविष्यः याद्रवायः व त्तुम् श्रे ततुम् तेम्बर पर स्त्र पर क्ष्य विषय स्मित्र पर देशे ते व्यापर श्रेष्य पर स्मित्र प्रति । ॕॕॱॺॱय़ॱॸॣ॓ॱढ़ॳॣ**ॸॱॺॱढ़ढ़ॱॺॱॸ**ॸॱऄॺॺॱॿॖॸॺॱऄॺॱॿ॓ॸॱॸॱॸॄॸॱढ़ॸॖॱॸॱऀॺढ़ॱॺॕऻ द्रवा च स्वत्यादी न्युत्यत्वीन् प्यते के वेना छै द्रवा न्यु न्या न्या व्याप्त प्राप्त व्याप्त व्यापत व्य हे। देरावळ्यातकुर्पतेर्पत्यं क्राक्षेत्राचित्राचा र्शः क्रवणक्षावर्षाः पाद न्ध्रेना च श्रु व्यतः वृतः वृतः प्रदे त्रः व्यापः वरः वृत्यः वृत्यः वृतः वरः वृत्यः वरः वरः वरः वरः वरः वरः वरः च्डिब्रान्य-क्ष्र-विद्या | विद्यानशिद्याः स्था | विद्यानशिद्याः स्था | विद्यानशिद्याः स्था | विद्यानशिद्याः स्था विद्यानः स्था विद्य

देयादा सन् ता सुता हुता दुता देया सुना पादा दि विताय दे सना पादा धिदा है। ध्यः चरः तत्तृ नः मॅं ऋषः चर्दः दे तः चः च क्केट्रः दताः द्वायः चः नः सू नः चर्दः श्वनः च स्थः दे र्स्नाः र्मेलायानविद्रात् वर्गामिकेलाय्रायरान स्राप्ताव्यापान रहा। वह्नायान रेला चक्केर्-पर्दे त्रिंद्र-पर्दः श्रृण-पश्चयः आरः पर्न्ण-प्रदेषः श्रीः श्रुयः श्रेत्रः श्रृणः प्रदेरः प्रदेः श्रृणः रेन्यः ग्रीः रेयः यः इत्यः दयः वर् नः वर्षे दः दे वह्यः वर्षः वरः में वर्षः वरः वर्षः वर्षः देवः देवः देवः देवः दे.ज्ञबाद्धः देयानश्चिदः पदः पद्धः विष्यः च श्वरा व्ययः व्ययः व्ययः 및 외성·디성·꽃비·네 र्धः अ. र बेथः क्ष्मेयः य. य. य्येषः तरः सीयः इ यथः यः र धेरः दयः दर्मे वः पर्दः 漫山.디松.회 शुः अळव दे हेर धेर धेर है। तथ गया सं हिता ध्राया या मा केर अई र व दी। तपु.य.च्य.पवाचा.तर.पक्ररा विय.रटा पहचारा.जय.विटा कूचाक्षयार्ट्य इ.लूर.ब.प.ब.र.व.है। ।८५०.इ.ह.केर.बर.वर.ल्य.यर्थर्थर्वे 1941. ABY तह्रव. में क्षेत्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र परः इयः पः तुः यरः न् धुन् परः ग्राप्टवः मेरः। पन् गः वैः वरः शेः शुवः चुवः चुवः वया ।इतात्वर्त्रः चः धेयान् नाः वैः तर्मेनाः धरः चेर्। । वेयानश्चरतः स्वा । देनायः नपुर्वर्ष्या मुयाग्रम्। पर्वर्षायाश्वर्ष्वम् अर्राचरात्रे। दिःश्वर्षम् वर्षे

विता वित्रक्त भुवर्त्र हैया यहे सम्बद्ध वित्र म्हर्स्य वित्र भूतः स्वर्था वित्र मान्य दे.र् म.लेय.प.स.सहर.पथा क्षिय.मु.हु.क्ष्य.र्म.मुथ.श्रुवा विय.रे.स.हुम. ्रोंहें ना.स.नट.लुवे. घबया. ठर्.पॉव्र. चर. पक्षट. चेर्.लुव्. ययः ह्रंट. खेर्. নাথী দথ্য প্রা ्र्रे ना.त.घषथ.२८.८ नाना.म्.७४.ञ्.च.८.५.ज.८८.७४.ल८.८२६८.तर.**व.** শ্লু অ.ঘর্ড.ছ্রা **ॐॱर्राःर्राञ्चे**ॱसंस्टायाकेन्ॱक्षंबायासंने त्याक्षंदायाकेन् पत्याकेन् पदीन्द्वाने स्वर् चुरः धेवः व सः भ्रॅ नः चुरः धेव। *र्रः धेः ह्रेरः वः न्रः* च नः रेः द ध न्यः परः द चुरः हे। घर् गः .बेर् पिते र्देव स्वरंब शुबर्तु हैं **नव**ापते छैर से। । है हे प्रदेश वा बेर् पिते स्वरंब ह्वा अस्य नुः में नाया ग्रदः स्रः क्षे स्वरः भेरवाया परः होतः क्षाः वितः ग्रदः वनः नीयः ग्रदः पर् नाः भेरः चर छ है। गुव वराय इंदरा पर दे हैर दें। । यद दे तद चर चर च न दे विं व हैर यह्रव शिवा थे. हे बेथा ता ने या पर बी. तीया है ने वि. वे के ने की. हे वे ता लवे ता पर श्री के या पर यरः च न' म वद ग्री या दे ' त्या शुर्म में ह नया श्री या दे | विष्ठ दे हिंद होता सदे दे हाँ द्रार्म वाया दे ' यावरायदे वत् न् न् जी नवरा भवे है। श्वां वर्ष यदे व श्वां की वर्ष व स्वर् गुराह्रान्यम्मि क्षान्यस्य स्त्राम् । देवे क्षेत्रम् महत्राम् वर्षे रेगलायानेलाया इयलाग्री यह वाहा हुन । ने किंदा के हा में दिवा स्वास्ता स्वास ୠ୕୰୷୕ଌୗ୰ୣୠୄୄ୵୷ଽ୷୰ୢୠ୰ୢୖୡ୳୷୷ୢ୷୰ୣୢଌ୵ୢୢୄ୰୰ୠ୵ୖୢଈୢୄୢୢୢୢୢୣୄୣୄୣୣଌ୵୷ୢଌୗ द्रवाया सदे. न्यरः धुनानिय। रे.वे.वेव.पु.कॅरकार्नवाहे। ।नवनाक्षेत्रं परः गुनवाक्षेत्रः स्। । इंट्यासायाङ्ग्याताचे त्यां न्या स्वाधान्या स्वाधान्या स्वाधान्या स्वाधान्या स्वाधान्या स्वाधान्या स्वाधान्या स् केर् अर्दे व शिया रे में पाया पर पर्दे र वा रे मिं व केर् या में पाया परी श्विव से हि पर्दा विवा ळ्ट्राचा व्याप्त व्याप्त क्षेत्र क् चतामायर धेव पार नायर में अर्द्ध केर् दि से उर नाम देव दि से सुवाह कर केरा ना दे उबादे वित्र केर इबा यर वहेंग पर अळव केर तुर है वितर कर <u>| नया हे क्ष्र : हे र : क्षेत्र या ये दे : या य क्षेत्र च : च : या क्ष्र र या हे र : क्षेत्र या क्षेत्र या हे र : क्षेत्र या क्षेत्र य</u> শুন্। ॕॹ_ॕॻॱज़ॖॱॹॗॸॱय़ॱऀॺज़ढ़ऻॎऀॗऄॕ॔ॻॱॹॗॸॱॻॖऀॱॸॕढ़ॱॕॕज़ॱॹख़ॱॻॖऀॱऄ॓क़ॱय़ख़ॱढ़ॾढ़ॱय़ॸॱढ़ॸॕ॔ॸॱय़ॱऄऀॱ নৰ্দ:শৃদ:শ্ৰী:শৃক্ষ:কা **्राबर्ट्र न् इंट**.प.वेट्-झॅब.चंदे-स्र-स्र<u>ेश</u> चंदे-झॅ-दे। धुवा धुलादेग्बाह्बाक्ष्मा गामरास्टराम्डेमा हुर्देला भेटा। ने लानन् मा बेन सद्भा शुराधिक व वसन्यापर वश्चर वया राष्ट्रि त्या व ना सेर धरे देव में ना शुर र वह दर्द में या दा देवे ळे. पर म. बर. तपु. रूपे. रूपे. रूपे. ही पु. व्याचीया हे मया ता लुवे. तथा हे म. घरा व मया पा लुवे..... र्वे। । गुल्यः पटः। ब्रिंरः यथः र्वेरायव्यक्ते गुः क्रेक् व्यः प्रयः गुटः पर्मा बेर् यदेः र्देवः रेर्देवः श्चितः स्याग्चीयः ह्याया परायद्ग्राचित्रः त्राच्या द्वारा वित्रः त्राच्या स्वरः वित्रः स्वरः वित्रः स्वरः वित्र ₹ ग[.]ञ्ल.टु.५६ॅट्.स.भुब.ये.प्लाल.स्र |पर्माचेर्प्ते देव ता है मा ख्रा धेव व 91 यातिषानानुःजयाविरापन्याधिनान्यःश्चीत्राच्याःक्षात्वेद्रःयह्यःश्वेयान्वेदः नर्गा बेर् पति र्देष ता है गार्या यहाता वा ता देश के ता ता वे के ता वे ता व षाः स्वायाः ताः याः याः वादाः त्रायाः वादाः त्रायाः वादाः त्रायाः वादाः यर तर्दि यः न्ह संस्था के व्यापन मा बेर हैं मा ख्या की मेरा परा क्षेत्र पर तर्दि या दी। अर.र्ट. ५ बेथा तपु.जश.जय.कुथ.कुर.पंकेशश.तप्री ।

ग्विप अन्यः प्रमान्यः गविषायः दे। विष्ठमः दः रे। वर्षा बेरः यदेः ह्रं रायः वेरः **ॻऀॱ**य़ॱॺॱढ़ॆॸॱय़ॸॱढ़ॸॱॴॸॱॿऀॱॾॕॿॱय़ॸॱढ़ॾॕॿॱय़ॱढ़ॿॱढ़ऻॗॱ॔ॾॕॸॱऄॗॸॣॱॷॕॺॱय़ॸॱॺऀॱॸऀॿॺॱ **धवः वें वे राञ्चरा । यर् वें वें वें वें राज्य या धवः हे। ज्ञार जारे राये राये वं कें प्रायः कें राया** धेवः पर्यः विराधः हि बार्यः बारः पञ्च सर्यायः सम्बर्धः रुतः रेशः देवः ग्रीः क्षेः पर्यः बाह् वः यास्यः परेः र्<u>र</u>ें व.च क्षेत्रयाः सरः तक्षुरः द्या । देः तट्टः चदेः ब्याः च वाः दे वाः चुः देवः ग्रीः देवदाः पदि व्यवाराः दे देशः देवः ग्रे :क्र.पः पङ्गे अराध्यः **वे** : तशुक्रः प्रते : श्रुः अर्धवः श्रे राः भेग ग्रायः हे : ग्रुटः स्वरः ॻॖऀॱख़॓ॺख़ॱॾॣॕॺॱॻॱड़॓ॱॸॖ॔ॺॱॾॣऀढ़ॱॻढ़ऀॱॻ॑ढ़ॱॿॻॱॿ॓ॻॿ॓ॻॿॣॺॱॹॺॱज़ॸॱऻ॓॔॔॔ॾढ़ॶढ़ ढ़ऀॱॶॿॴॹॣॕॺॱॻॱड़॓ॱॸॖ॔ॺॱॾॣ॔ॿॱॿॖऀॱऄ॓ॱॻॱॾ॓॔॔ढ़ॶॴढ़ॱॿॻॱॿ॓ॱॿॖ स्यावीयारा चन-२े*०*-२े०-५ॅव-ग्रे-स-केर-ग्रट-क्षॅश-पदे-के| क्ष-च-**२-केर-५व-पर-५०**-**व०-क्र** मिन . तु . प ल न . पदि . क्रें कर धेव . व . क्रें र . क्रें र . क्रें व . प . प व . तु . क्रुं व . गुरा व . ते व . के से न . प र . न र **व**ॱसरःग्रेःसःचलःगृहवःशःबनःधदेःद्वःद्वःधरःग्रुतःब्राःस्टरःगृहेरःश्वयःद्वेतःग्रीः gx.mt.g.ku.ng.ga.qku.qa.gu.au.kt.gt.gt.kantx.g.datl त्रैर रतः वे खेन्ता कु केर **परः क्ष** हूँ नायः वेशःहरः वे नवशः रतः श्रेयशः वर्षः रूपः हुः बरः 5'वड्डर'मडी परेके परेदें परेके विपरि के विपरि के विषय मार्चित पर कि विषय मार्चित पर कि विषय मार्चित पर कि विषय **वैग** पञ्चर वयः नदयः य अदेर है। हैं ग घ्रयः तुः दर्देर ध बेदः दें। ।

्रि. चेच्याक्ष. चेच्याक्ष. चे प्रस्ता के क्ष्रें के क्ष

ग्रेषःसः रहः गेःशुग्राकः दे। वर्गः बेरः धदेः देशः हॅदः ग्रीःक्षः वः बाङ्गेरः दः हे देः ग्रुरःः ૹ૽ૢૺ**ॱ**ૹૣ૽ૼ૱੶ਜ਼૱ઌ੶૱੮੶ਜ਼*੮*ਜ਼ੵ੶૱੮੶ਜ਼ਫ਼ૢૣૼ੶ੑਸ਼੶ૹ੶ਫ਼ૢૢૼਜ਼ੑઌ੶ਜ਼**ਸ਼੶ਜ਼**ਲ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼ਜ਼੶ਜ਼ਜ਼੶ਜ਼ਜ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ਜ਼ਫ਼ਫ਼ਜ਼੶ਫ਼ਫ਼ੑੑ੶ पः विन न ने ल ने स्वर में न र अ स्वर मार्थ के के न प्रत है न य: न्रः न्ध्रन् यदे: म्बर् ने केन् त्यः क्षेत्रायः विषान् में तात्वा ने त्यः वै वन् षा केन् यदे में वात्यः रमेलःग्री **'ह्रॅंगल' ने' नल' बे' क्रॅंग'मॅ |८२ै' ल'ग्वुब| ८६ॅग' क्वॅंब' ५८' ५५७'** ब्रॅंब' चक्रेल.या.रच्या.तपु.के.जक्ष्या रु.ज.इर.त.इर.च। श्रूर.क्ज.क्री.वयर.कर. बर. | न्राचित्रः विष्या विष्या । व নপ্র-মর্ बर् व स्मा अर्वे र मि है गल य के हो है । दे दे दे दे हु हु र गहुरल यदे हु र र र । हु त বেরীশ:নধা च इंश.र्च प्रचेश | बु.बोचेश.रेट.केबे.शबूट.बैं.बोट.जथ.वैट.च.जबेश| चेत्रयात। क्ष्यां वेत्रयाः इता परार्वा गार्वा श्रुषा वा विरामः द्वारा र ता वा क्रिं नदे क्षे न इस पर न् न पदे कु लक क्षेत्र न क्षेत्र हैं। विक न् न विक न पदे मृत्र अ.५५५ म. च बुब्र अ.इ.स.म. बुर्बे क्ष्म अहर मी. चे ने या राष्ट्र में खेरा ने स्थान स्थान श्रे**र.** ब्रेर. ग्रे. चेय. खेय. त. तथा चेय. रा. तथा नेय. रा. तथा चेय. रा. वेय. वेय. रा. ग्रेय. ढ़ॖॕ**ॺॱॹ॒**८४.त.ॹॕॖ८.च.ख़॔ॺऻॺॱक़ॕ॔ᠵॱ॔ऀऀॱॹॱॿऺॺऻॱॕ॔*८४*.त.स.ऄ॔॔*४.*ॺऻ॔ऄऀ८४.तपुःऄॗऀ४.ऱ्री <u>दे.जय.क्षेत्र.ज्ञ्चरःश्चे.जेत्रयःश्ची रस्त्र.चेथ्यःपत्त्रमयःत्रःष्ट्रःजस्त्रयःश्चीःश्चि.श्च</u> वया इया पर र पुरु वया गृहवाया वेदाया वेदा । गृहवाया पर पर के संस्था स्राह्म ग

शुःश्चिर. घर. पहूच. श्चेत्र. २वा. वृचा. चेता यदे भेयारव क्रीया यह रहा यह है। यतः ब्रे.चः ब्रेक्:यतः देः नद्यः ग्रुवः दयः श्रुवः यतः च्रेन् यदेः क्रें:न्धुनः दयः श्रुटः न् नेयः व *न्दःसःव्याक्षःन्धनःपरःक्षेःयन्नुदःक्षयःव्यावाद्यावाद्यावा दर्भः*त्यामःश्चेम चेवॱवर्गःक्षंयः पदेःळे। <u>र्धरः</u>क्षंयः छराः वः हंगः यः ह्यराः यद्धवः दिवः धेवः श्रृयः तुः पत्तुरः ने दिन्दर के क्रिंट व के हैं ग य ग्रा धेव बढ़ व दे व धेव य द र र र र र रे क्रे के प ह्या चला क्री मेला पत्र मा बेर क्षेया पर तर्देर पा यह र र मा मा पत्र क्षे त वर र दें। मा ब्र **ऍग्**न्य-दे-र्ग्न-वययारुर्-परेद-दिद-धेद-धय-अवाधिरेळ-दर्ग्नाद-वाहद-या त्रच्याः मद्रः क्रः व्यरः क्र्नाः च्याः न्त्रः न्त्राः च्याः न्यां वाः न्यां वाः न्याः व्याः विदः। व्याः विदः। व्याः য়৻৸৻৻ড়৴৻৸৻৴ৼ৻ৠ৴৻৸৻৴ৼ৻ৠয়৻৸৻৴ৼ৻ড়৸ৠ৸৻ঀৢ৾ঀ৻৸৻য়য়ৢয়৻ঀয়য়৻ড়৴৻ড়ৢৼ<u>৻</u>ড়ৢঢ় ॻॖऀज़ॱढ़॔॔ॻॱॸ॔॔ज़ॱॸ॔ॳ॔॔॔ढ़ॱज़ढ़ॱॳढ़ॱॳढ़ॱढ़ॻॣ॔ॻॱ॔ॻॣ॔ॷॸॱढ़ॻऀ॔॔ॾॱऄॣॹॱ <u> चेर्-तुल-र्मम-र्मेलल। तुल-म्बद-ग्र</u>ी-ळे-श-र्मल-धदे-<u>ष्ठ्र-</u>धर-हुर-बर्-ग्रुट-शेर्-यते श्चिरः र्रा | मृत्यः हे : दे : सुर स्थः तर्र र : ग्री द्व.क्य. तिर. रेट. रुवाय. तथ. झे. र्य. वयः न् धुंन् : यः वै : यन् मः छेन् : यते : न् वः यः ह् मयः यः ह् मयः यतः ग्रुः यते : धुंत्रः धेवः या यट हेर् चेव पत र्श्व य पते के के र्मत र्स हुया वा दे हु व अव्य त्या हु पत् व वेर प बेर्'धर'द शुर'र्रे| |ग्याने दे दे क्षेत्र द्वेता हे क्षेत्र हे स्वास्त स्वास व्यास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास য়য়ৼ৻ঀ৻ঽয়৻য়ৢঀ৻য়৻য়ৄৼ৻ৼৣ৽য়৻ঀ৻য়ড়ৢৼঀ৻ঢ়ৢ৾। तर्नरःलसःয়ৼ৻য়ঀ৻ঀঀয়৻য়ৢঀ৻ঀঢ়ঀ৽ लायन पता देवा चेवा गुरामहर्वा लाय वेचवा पाल म्या स्वा परा मु त मेवा पदे छेर है। र्वयः तुः नाह दः त्यः द वे वर्षः यः देः में अर्षः यरः चुर्षः यः देः र्वयः तुः देर्षः यः देः शुन्।वः द्रनः यः द য়ৢवररेटरमःर्टर इयापाण्यापानःर्टरमहब्राधरात्युरामः संग्राह्य स्राधितात्रे छेररर्। ।

देल'द'इत'दशेल'लवा देल'स'न्द'दै'ञ्च'त्रेन्वल'धिता । वर्द्र-चु-वर्द्र-चु-र्द्र |बेलाग्राहरा देग्नुवेलान्द्रन्:चुन्:धदायतःहलास्टर् ধ্র-প্রিমা क्षेत्र.च ह्रव.त.र्ट. श्वीया ट्रम.त.य्वीया शु.यूर.च.र्ट.व्याटी.श्व.पर्ट्रमेथा पानावूर.चया त्रित्रः यदः त्रिवः वेदः यदेः देशः यः हेः त्रवेवः तुः तृ वृत्वं वः वा देः यदः नृत्रं दृ होतः र्रः श्चिम छे र : तु : यदे : र्क्ष : वका मका या र में का पदे : श्वेर : र्रे । । दे : सु : या धेव : व : से : म लय. पर्च थ. रेट. प्रिंट. पप्ट. केथ.रेश्च विष. रेट. वैट. क्षेत.ग्री. श्रेश्य थ.रेट. वैश्वय. रेट. क्षेट.... हे⁻र्राम्यायत्प्राप्ते प्रमानी में पाकेराया वर्षा वर्षा वर्षा प्रमान प्रमानी प्रमानी स्वर्थ का स्वी त्रहेवः स्नरतः गर्डेगः विं तः पञ्चरः वृतः पञ्चरः पृत्रे वः परः पञ्चरः हे। श्चु वर्ष्य गाव वर्ष बर्द्धरता परि द्वितः स् । नेतान देवाया इसा न् ना तद्वेन पा ताने पन् ना ने तर्के दास्रवा ^ॐषात्त.व्यानुःपाञ्चोषातात्त्याच कप.व्यानुयात्रीःकूचाची व्याचित्रक्षे.दे.वा.चेयाचया न्मॅलमानविव. र. ररानविव अरामदे रेतामानहवामान्य सुन्य र्मामा स्वाय गुरा न्यान रुदार्थया विषा मञ्जूदा मता थी क्रिंगाची विषेत्र हिन्दि हिन्दि हिन्दि स्तान व्या रेबः नशुबःनरः विः नवराः शुचः वराः श्रें वः पदेः क्वें र् धेर् रः यरः रु : छुराः वराः श्रें बः परः चिश्चरतः भेटः। पहेचा.तः पथा ग्रेटः। इत्यः पद्चैतः पः श्वराप्त त्यः वैः दर्भवाः धरः वेद। । वेद्यः **ቛ**ጣ.፞፞፞፞ቒዿ፟ጟ.፞፞፞፞፞፞ጟ.ዿ.፞ዿ. क्षेत्रा.व्राट.प्रेट.क्षेट्र.त. हुत्रा.जाचेट्र.तप्र.क्षेट्र.ट्र.हु.व्यव्याव्याव्याव्याच्याः इत्र.हु.हु. प्रते. ब् नःश्चःत्रस्यानः स्राधेनः पर्वः श्चेत्रः नृहः। नलसः नृह्यः मुन्तः निवः निवः निवः निवः । <u>न्धन्-पः इयलः नशुन्लः पलः ने देः नैयः पदेः नवन् ग्रीलः पलयः नहवः पञ्च पलः वलः पन्नःः ।</u> बेर्-मृत्रेष्यःषःर्ध्रन्यःर्म्रायःधेष्यःष। र्त्तुःबःह्रेर्ट्यःषयःग्रुरः। ह्रांभ्रांषायत्य नवनादनाः तुः वी । वः श्रेनः श्रें वयः नहारः छः वही । क्रयः इययः न्द्रयः यन् रन् | हे या महार या भी दा विष्य प्रमा है राहे . या विषारमाधिषादी तरी हिरामहण तह्रदःश्चेयातपुःष्या.पें.के.चपुःरित्राच अथान्नायरः यशिर्यातार्यः। श्चेरापद्यात्या ग्रदः। विः नवसः न सवः न हवः येषु रः द चुदः नः नविवः न चुनसः वस् देः वसः वेसः रमः क्षं वाया क्रा ने ग्राया यदे । त् स्त्र प्राया क्षं वायर ग्राया यदे श्वेर में । ते राजा पर श्वेत वाया न्द्रेयाग्री देवा मा न्दा महामा महिलाग्री देवा मा हिलाग्री देवा मा हवला रुद् हिता है दा है दा है दा है दा है दा न ब्रु नरा न तरा ने का रना न क्षेत्रा परि रेग्रा पा धेता रना ने ते क्षेत्रा स्था से त्या परि रेग्रा खनाः धरः महनाः धरः श्रेष्ठित्। । देः दनाः तुः श्रः वत्ः वतः देः श्रः वत्। देः व पर्याः क्षेत्रायते के न्धेन् पर गर्ने दावै । चरे हिन्दे न्व ति ग्वत्यः श्वा पर परे देवा हु हुने बर्हरःश्रुंबःपदेः क्रें-न्धुनःश्रुंबः दवतः वैगः चुरानः स्रः ग्रुः वैः गन्नराः दिगः या श्चे श्चे ख्राम्य भर्गा स्ट्रा है

र्रः गरः तुः तेयसः तर्वः विरः। तेयसः सर्वः परः न् गवः पवेः गवसः ने र्रः ने र् गः वीः र् म्. चेर. ल्रं र्या. थे. पर्या. वे. त्या. वे. त | वेयवः न्रः नेवः ह्रं न्वः सः देः धरः देः छे दः गुदः हुः च दवः दः ह्रं रः 붳**仁.**더국·美괴의·셏 परः ह्रे गराः हे। देः हरः ह्रे गराः पराः अर्द्धदः स्थेनः पदेः स्याः वहुरः यः वहुनः में वेदाः वहुरः । यद्यान्त्राचार्याः मृत्राम्याः स्वान्तान्त्राम्याः वेत्रायाः वेत्रायाः वेत्रायाः वेत्रायाः वेत्रायाः वेत्रायाः यर प हुद है। धेर् ल चेर् प स्ति कु कुर प र प कुद है। धेर कि से कि वेर्-बे-र्धर्-पर-इय-पर-बे-हेग्-प-वेर्-रु-५६ग-बे-छेर्-पर-मेद-रु-ग्यय-पर-पहन |७८:दे*षःवै:बेबब*यत्र्ञ्च:पदै:धुय:दूरःद्वःब|पदःग्रुः त.लुच.चू.बुय.चश्चरय.श्र्। त्रेयलः इयलः मह मृतः सः त्रः क्षेटः सरः है मृतः सः नृटः क्षेटः सरः है मृतः सदटः मर्दतः मद्रयः मद्रयः । <u>२५२.त.४.६८.५४.६०७.त.५८.५.२५०.७८.६८.५५.३५.३५.५५.७५.५५.०७८८</u> विटःर् धर् व्याक्षेट्रयरः क्षेत्रयः देवायः यः देवायळवः येर् ग्रीःक्षयः वर्षेत्रः यः वर्षेत्रयः या ल्राया श्रीत् मृत्रा तथा तक्ष्रया प्रते देवाया प्रते त्युन्या मृत्राचा मृत्रा प्रता ৻ৼৄ৴৻ঀ৾৻ড়৾৾ৼ৴৻৶য়৶৻৻ড়ৣ৾৻ঀ৾৻ঀ৾৾*ঀৢ৾য়৻য়ঀৢ৾ৼৢ৻য়৻ঀৢ৾ৼৢ৻য়৻য়৻ঽয়৻ঀৣয়৻য়ড়ঽ৻য়*৴৻৴য়৽ ब्रे-हॅ न्-धर-५८ न्-धर**ब्रे**-ब्रेन्-धर-न्*ववयःचर-* मह्नद्र-हें। रियान हराय भराय हरा ळ्या. इ. यथा. पा. प्रते या. यो. यो. यो. प्रते नम्ना अन् मा ता देवाया हरा। ने दे दे राममा ने विकासी नहें का से की राम मा दे.च ग्रामा सदी: न् हॅ रा सं अदः सदहः सहः द्या सरः श्रुवः सः के विषाः सदः दे। श्र.बिधवाग्री.यी. बाकु लाक् साध्यान साम् क्षेत्राचा साम् क्षेत्राची साम क्षेत्राचा साम क्षेत्राच साम क्षेत्र साम क्षेत्राच साम क्षेत्र स मः क्ष्रम् क्षेत्र विषयः स्वर्षः म्रेष्यः मिन्द्रम् मान्यात् विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः

म्रास्ति स्वास्त्र स्वास्त स्वास्त्र स्वास्त्

क्री | देशक् क्रिंचात्रका वाकालका क्रीटा | दे क्रिंचात्र हु से छेटे लुव से जुव क्रिंचा क्रिंच

त्वुतः चरः त्युरः चरा दः भेषः देशः देत् । या देशः चहेदः धरः वृद्धे । विषः गृषुत्रः र्वरः ईग्यः बेर्वरः र्दे क्षयः व वर्रः तर्रः वः इवरा वेर्ह्मरः वेर्रः वर्षे वरः वर्ष इंदः पद् क्षेत्र प्रति क्षेत्र क्षेत्र प्रति क्षेत्र क ন'শ:ট্র্র'গ্রী हैं। दि.के.ब.लु.ब.च.च.च.च.जब वर्.के.ट्र.च.जब वर.क्ष्य.यं. वियानमानुः सः स्यानुः द्वेदायायाञ्चेत् देरा। वियानमानुः सः स्यानुः द्वेदायायाञ्चेत्रायया तर् दि देर हे नर नह में हर तर है देर रे या पर न या या पर न यी है। वेयार न यी पर स्था त्रः द्वेदः यः तर्रः नदः धेद। वेदाः रवः ग्रीः यः र्रेताः तुः द्वेदः यः तर्रः नदः वेदा **डु.**क्र्य.बट. ब्रेन्-य-न्द-ब्रेन्ब्रेग्य-य-ने-ब्रेय-म्य-क्रुं-ध-र्य-क्र्य-व्य-व्य-व्यावेया .क्षेत्र.के.चर.चह्नवा दे.क्षेत्र.ह्य.त्य.त्यवाबाताचा वेवाचेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.त्ये.क्षे र्झर्'यर'ग्बर्याय'र्दा वेवारवाक्षेट्यं ववा वेराधेवा चराम्रावाही क्षेराधुर म.र्रेथ.तप्र.पर.थे.री सर.म्.म.म.री.र्वा.विर.पर.पष्ट्रीय.विर.विर.विर.क्ष.तप्र.लर. र्वा.तर.ह्य.शु.घक्षेत्। |बेबारा.र्टा क्षेर्.स.जब.ग्रहा चर.क्र.पर्थं चेबा पर्याक्ष.वेय.रट.र्गर.वेच.क्रया विय.रच.इय.तर.चवंच.वय.स्य.द्य.व्य.व्य.व्याय. ळ्डा । पह्ना हेब.र्ना व.चेय.रच.ल.इप.इव.चरय.पञ्चा । वेय.चेय.रच.ग्रीय.क्रय. इस्रातान्युन् पराक्तान्या द्यापद्धी प्रेम्ता परास्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स् नै'त्र' पदे'र्रेग्र'स्'र्र्र्रप्र'पहण'र्ग्रायानु वाच्युर्र्यायान्द्राहे'स्रेर्र्यः ने देरके कर के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र वम्या

बक्ष्य. त्र. श्रु व्यक्ष व्यक्ष प्र. त्र. त्र व्यक्ष व्यक्ष प्र. त्र. त्र व्यक्ष व्यवक्ष व्यवक्

मुलान्त्र या बेर् या न्र विदाला चेर्या बेर्य या चेर्य त्रा मुला विदास विदास ढ़ॊॺॱॸ॔ॸॱऻॎॱढ़ॴॱॺॾॕॸॱढ़ऀॱॴॸॱॸॕॴॱय़ॸॱॺॕॱॺॕॸॱड़ॕॴॱय़ढ़ॱॸॕॱऄ॔ॸॱऄढ़ॱय़ॸॱढ़ॺॺऻॺॱय़ॱ *ॸ्*ऒॕढ़ॱॺॾॕॿॱॿॖॆढ़ॱॸ॔ॸॱॸ्ॺॕॸख़ॱय़ॱॸ॓ख़ॱय़ॸॱढ़ॺॖ॓ख़ॱय़ॱख़ॱख़ॕॿख़ॱय़ॱख़ख़ॱॻॖॸॱॸॿढ़ॎख़ॗॺॱॱॱॱॱ द्र'र्घ'केर्'येर्'पर'हें गरामादी'यर्द्ध, यायेर्'मायाद हुनामें 1941.4 BL. E.I त्रवारा तरा मरामाने वारा स्था ग्रहा। व्राञ्च रा केता केता महामी क्षेत्र विराम वारा वि रदः नदः हुदै स्वळव के न के में नवा है। ने वा वा के वा वव वव कर है न के न स्वता के व चेत्र.षेयाचगादाङ्घयाहै। |गलाहे.यर.र्गतरार्थात्रराह्मग्यायावे.व.व रे.हेर. नड्सः इतः त्र तः ग्रेतः वर्षः देः देः दरः देः द् नः त्रतः त्रः त्रः त्रः त्रः त्रः त्रः द्वः सः तुः । मञ्जूब.पर्श्वयाक्षर.ट.के बर.री.च्यात.लट्याशिक्षणक्षात्री.वेया.यू.लेयारी.सेर.वी.चप्र. देग्**षःग्रे**। पर्देशःस्त्रः तत्त्वःग्रेतः सरः तुः र्वेतः तः प्रस्मृतः पर्देः श्रेतः तुत्रः वस्रतः रुत्रः स्त्र रे. श्रद्गः चरः द्वै : श्रे : देण वर्षः वेषः वश्रद्धाः स्वरः वेषः चरः वेषः चरः वेषः चरः विषः विषः विषः विषः व वयः इयः ब्रिष्टे कुः चरः वदः यः पदः व्रिषः वैः ववयः धरः वश्चित्यः धः इययः गुदः देः द्वः ः । म्बर्याः मरा ची प्रति । त्रीयाः मु प्रति व प्रतः म्बुरः मु खे त्रः प्रतः धेवः खे । दे स्व सः धेवः व प्रतः स्ता पुः ध्रेवः यः तु नाः तः र्वात्रः यः त्यः व्यटः देः देनः न्युट्यः यताः देः द नाः तः व्यटः वे व्यायः यः प्रः चुः र्म्यायराय श्रुरार्म । पर्वेषायराम्बराव्याम्बराव्याम्बरायः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः व्याप्ताः स्ता रे.रम.परेष.तर. बर.तर. हम्बरायायमा व्यवस्य रे.पर्यायप्रमायाय र्ट. शु. ह्र म. तर. मशिट्य. त. घथय. २८. तीय. इयय. ४८. पष्ट्रेष. श्रीय. श्रीय. तथ्य. पट्चे. त.

देश'व'नशुद्र'र्य' यशे'च शवाग्रीश'वी'विय'य'द्र्य' द्र्या यशे दर्**र श'य'य**' धराग्रीयानेग য়৾ঀৢয়৾৽য়৽য়ঀৢঢ়য়৽য়৽ৼ৾৴৽৾ঀ৽য়য়৾য়৽ৼ৾ঀ৽য়য়৽য়৽ৼৼয়৾য়য়৽ঢ়৽য়য়য়৽য়ৼয়ড়ৢয়৽ৼ৾ঀৢয়৽য়৸ৼয়য়৽৽ ने इ यतात्र व ग्रा धरे रहे रहे रहा ग्रीय रेग धर मु रा धर प्र यः द गगः धदेः धुरा न्वदःग्रीयःचयत्राग्रीयःश्रेष्टिचःसःयःग्रन्यःपरःहृदःपःन्दः। **यर**:≅य:ब्रॅंदे:र्रॅंब्र:यः चने वः चरः च त्रुरः वृषः स्थापि वेदः यः भेवः चरः त्रेयतः यः नृषाः पवेः क्षेरः वृत्रुरतः ग्री। सः ख्र- क्रे बे. तपु. चेथा र व. क्रिया क्षेत्रा वर्षेत्र. ये . ते बेचे . तप्त क्षेत्र. तप्त क्षेत्र. तप्त क्षेत्र र्रे.क्षेत्र.चर.र्ट.चर.श्रे.चथव.ग्रेथ.श्रु.विच.त.ज.स्बेथ. तप्र.क्ष्चे. শ্লুঅ:২অ:ঘ:অ:এথ| র্ছথ:ব। रोयराप्तान्तिम् नामि यह्याप्तान्तिम् मिनात्ति हिर्। इत्यस्यरास्त्रस्य स्टामिनाहेन चर-छ-च-क्रेन्-तु-क्र्रंन्-चर-छेन्-न्। व्हिल-चित्रंन्वाधेन्-चरे-क्रेम्रा-चर-न्ग-चर-र्णणायर छेर्'धर विराहास्त्र स्राध्या धरार्णायर स्राध्य स्राध्य प्राध्य विषय ारे क्षे. बाधवादारे नवाया मार्टा खटा भेदा तुः बटा में र्टा त नवा वरात शुराने थेव वै। बुधायाः क्षेत्रः द्र।।

मंद्युरकः त्यतः धेन् तः श्रे द्वेन् रायः नद्यु नयः तः स्वतः राते व संस् सः स् ते यः नश्चित्यः यः न्राधिव सार् प्राप्ता विकार माधिका महानिकाल वार्षा महार्थिव सार् दे रे राधि राया धिन् त्या छेन् पा खेन् पा उद्या दी वा धिदा है। त्रु विषा खेन् पदे ब्रे-छेन्-धर-न्मॅरल-ग्री ॱक्रॅब**रा** प्रत्यात्र त्रात्र स्था व्याचेत् । यदे । तृषा वृषा वृष्ठा वृष्ठा व्याच्याता व्याच्या व्याच्या व्याच्या ढ़ॏॺॱय़ॱॹॸ॔ॱॺॱॾॖॆॸ॔ॱय़ॱख़॔ॸ॔ॴॹऀॺॱॹॕॸॱॸॱड़ऀॱ**ॺॱ**ॹॺॱॠॕॱढ़ॏॺॱॻऻॷॸॺॱॸॆ तर्भात्रेत्राचा व्यवस्य विष्याच्या विषयाच्या विषयाच विषयाच्या विषयाच विषयाच्या विषयाच्या विषयाच्या विषयाच विषयाच विषयाच्या विषयाच्या विष न.कुष.म्.प.पत्ववाय.न.धी.स्री प.८८.पत्ववाय.न.स्ववाय.ग्रु.वी.वील८.वी.क्या.नर.प्याप.... चवि सु चवि सु ता मा है ता तता मा बद पति सु च के से न के से न मु:पॅर्'ग्री'अपियागुरार् या मः इवनः गुरः ने नवेनः गुनः नग्यः नः क्षेत्रः गुः क्षः नः नवेनः नरः तरः तः रेनः धरः नहेनः धरः ब्रह्माचला महेंबाबी चाराहे महेलामहा उहामी क्षाचार रहा रहामी महिहा देवा सहिहार क्षेत्र.चर्च्य.चर.चेत्र। १टे.लटः। ५ वच्चय.त.लच.ख्याची.चलुटःयःचहेदःदयात्वस्यः अन्यादी खरा प्रम् त्रा तथन्याया स्माया छेन् ग्री हेया शुर प्रम्ता द्रार प्रम् विराम् न् नः ह्राचान् न्यात्वेवानुः स्ट्राचात्रे हे हेन् स्ट्राचान्येन् न्यात्रेन्यात्रेन्यात्रेन्यात्रेन्यात्रेन्यात्र भाषात्रेन्यात्रात्रेन्यात्वेवानुः स्ट्राचात्रेन्दे हे हेन्यास्त्राचान्त्रेन्यात्रेन्यात्रेन्यात्रेन्यात्रेन्य ग्रिदः च ह नायः इययः न वदः र च रः मे हिरः र सिरः र र र नेयः च यः यद्यतः र नः धरः य गानः तपु.चेषुयाश्चा अर् तपु.दूब् ळ्ट्या ब्युच त्या देशाया चहुक् सं हेर् पर व्या वया है। या देशे व हेट.री.चलचे.नदु.पहूंचा.श्रूंश.र्टा। श्र.श्रूर.हूंचे.नश.रीहेर.बंश.श्रूंश.न.चेहेश.है.र्च्या. त्तात्र की। दे.पर्यात ब्रिया मी.मी.पाळ्टा ग्रीटा ह्री बा पर्या हे. हे.पार्ट्य हे हे.पार्ट्य ब्राया विष्या पर्या बे हैं ग स र ब मी त हूं म हे म है न में ब ब र म र बे न मूं द ालम्बर, दे दे .के. च. म 2 **व**.ज. त्वेत्राह्माभेदः मुन्त्वातानः नृतः नृत्रायाः प्रतः मुन्तः वे न्त्रान्तः भूनः अवतः नृतः भूनः अवतः नृतः

श्रुभ्यः श

नरः शुरः यः ने देः छेः दिः न द ताः हुराः यदेः हुरा बर:बे:क्रुट्र:य:पव्या:य:पविद:तु:बे**बलः** |बै:नव्याग्री:न्याके:व्यर:नविद:ग्रीय:यन्।यदे:बै:चबेव:दु:दे:विंवः বৠ্লখন্ম-ন্টর্ भैवः तुः गरायः प्रस्रः अर्थेरः परः श्रेः र शुरः है। देः सुः परा दः दे तेः छेद रः भैरार पर्वे स्वरं परः **当な、今か、利 「髪、ハウ、イナ、おきず、イナ、男す、おもおれ、初、長、今ナ、お、む、む、我の、り、多ち、ちな、** वःचैरःवःर्रः कॅर्'यःचुरःवःर्रवःग्जुरःवःर्रः। रे'ग्रॅर्'यवैःर्वःयःर्रः वेवःविवः व्रैरः मूर् गुरु श्रे अव अया अर् यर पर र में या पहिना परि प हर ন ষ্ট্রব:থ্রশব্য: দুদ্র:| श्रुं अर्थः व्रिचः यः वः क्रियः चः श्रुं न् त्यायः यः त्रायाः यः वैः स्ट्रः विः गव्यः ग्रीः श्रू वयः श्रुः च नृतः यः । र्ट. पर. चर. चेय. तर. वेय्। विर. हेव. यव. ट्वा. प्या. वे. वट. व ह्रां या पर. चे. वदे. खेता दे. क्षेर्-ता.बु.च दया.ग्री.श्रुट्रा इता.च्या.वया.वेद्रा श्रुट्रा या.र्ट्रा यट्रा स्ता.क्षेत्रा यह्रट्रा वीर ८६८-अूब्य.व्य.वय.वय.व्य.व्यच्य.वया दे.८ म.श्र.श्रर.वीच.च.व.वीट.वीच.चरः नश्चरयःह। श्चित्राचल। विवासंस्थान्यस्य गुर्ह्सम् यत्राचित्रः म् विद्राम् विवासे रट.मी.ब.र्मा.तथ.ह.केर.सू.च मेथा.तपु.पह्रय.केटथ.शेय.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर्य.सूर्य ब्रुंगल. रट. चलेव. ग्रेल. हेट. चते. हेट. च. हेट. ग्रे. हेट. रु. टेल. च. सुगल. ट्रग. च हेट. वल. हेट. क्रेर्-झ्रेंबर-मूथ्यर्थ्यक्षेत्रः मुन्त्रः वह्रेंबर्-स्यः स्वर्षः वह्रेंबर् स्वर्थः स्वर्थः वर्षः इंट हेर् वुर च लेग य चुरा दरा व व्याय व्याय व्याय व्याय विष्या यादा विष्या याद्र विषय याद्र या พร.พร.ปฏรส.ก.ส.ปู.ปล.นี.สะ.ร.สะ.รุ่า ไร่.นิร.สะ.บ ปร.ก.สะ.ก.ป.เลร.ป.ป. त्तर्वायाः प्रद्याः धेवः क्री स्वापतिः स्वयः क्षयः वयः वेयः प्रदः क्षयः वयः वेयः यवः व्यवः व्यवः वयः वियः वियः

म्नं बार्ड्यान् न्वाक्तित्वयान्यान् व्ययः म्वान् व्ययः म्वान् व्ययः त्यान्विः च्याः व्ययः व्ययः व्यवः न हरानाधना । या है नदेशने अस्ता । या हेना ह्या नवा मान्या । रदःचलेवः बेर्ःयः नहवः तःषयः त। विषयः दुषः बेः हैं नः तयदः वेनः क्षेत्रः चेरा दिः हुः न् ने तर्ने ता अर् हिंदा वित् । वित्र त्रु पा के वर्ष क्षा क्षेत्र वित् वर्ष त्र वित् वर्ष । वित्र वर्ष व.भूब.१४.१८८४८। विश्व.८८.१.वज.६४.४इज.ज.४ववा विर.ज.मूंबय. **न**ॱढ़ॖॕज़ॱॹ॒॔॔॔॔॔॔॓ढ़ढ़ऻ ॎॳॣॱॻ॑ड़ॻॱॾॖॕ॔॔॔॔ढ़ॾ॔॔॔ॸॱढ़॔ॣ॔॔॔ॱड़ॗ॔॔॔॔॔॔ऻ ऻढ़ॱॣॕज़ःॿॖऀ॔**॔** প্রশৃত্যপ্রুদ্র্ণ বেশ্বদ্র দ্বা |भेषात्रमाञ्च बारादे स्वावाय दे दे थेद| |दे थट वट चना पर्ना अर्म अर्थ पर्या १ दे वर्ष रे हर हरा शुर हन । विराय हर पर हर र्सा । यर्पर स्मिता ह्रिट छेर निर नेया है नवा । रेपविद निर्मा ने नवा । रेपविद न मे ने नवा प्राप्त स्तरःच क्षेत्रः क्षरः। व्रिकाः क्षेत्रः च तेत्रः च व्रिकाः च व्रिक्षियः श्रृयः व्राञ्चः च न्यः न्त्रवा । ने.प्ययाच श्रुन् प्यते अवः म्यानीया । इत्यः केन् प्यतः हिष्या प्रमान लेयानश्चरता भेरा देवातविर्द्धतायराह्राह्या र्वायदेन्यर्यात्वात्त्रान्य्या च.केर.रविर.ध्रुव.रट.रु.केर.रविर.तपु.सपु.सूब.पपु.स्व.तपु.सपु.सपु.स्व.तपु.सप्.स्व. |दे-दे-ध्रेंच-द्यंव-म् ब-त-वे-तदे-तव्या प्र- विद-वेद-त्या ह्य-वन्द-पः क्षेत्र.र ति. ब.प हिणायः रूटः र ति. ब.क्षेटः सं र टः श्र्रंयः र सं व.व. व. व. क्षेत्र बवरा ग्रीः र ब्रेट्यः यदटः रे.क्रेर.तुर.ब्रेट.। विषय.क्र्य.रंट.पत्रचयाय.त.च्रचया.ब्रेट.ग्री.चेष्ट्र.क्षया.थ्र.तट. यु.च न न र हेत्। ने देते. खन्य छेत्र छ मार्यम् य मार्य हेत् प्रदेश्यावयाय मुक्के प्रयाने र छेत्।

चलि-च-चर्झ्रेयरा-चर्या-स्वा-यर्वेद्रः श्वा-पर्व-स्व-दि। दे-स्-र्रास्टर्-ह्रेवा-पर्व-व्रियः रमःग्रेतःन्धन् वतःमञ्ज्ञीयतःयःव। हरःमन् भन् भवे भेवः मुञ्जूदतःयःने सःश्लेतः क्र-रि.क्षेच.अवूट.ईथ.अविव.त.लुव.जा नेव.पे.ब्रैट्य.त.क्षेच्य.अवूट.अक्ष्य. केर्रायाध्येवाने। मेवाञ्चरवाग्रीम्सम्पर्याञ्चेत्वावावादीःख्यावम्रायाःकृरास्। । वर्षे प्यरा इर. बु. नव्या ग्रुच रच संख्या पर स्पूर्य पर ने या इरया परे मेव ह्युरया ग्रुट स्वराधारा स्वराधार व। हीर नेव हुरा र्यंत्र याच्याचेव र्वं। रि.व. गर धेव हुयाव। र्धर र्वं या हरा मन्देवः नरः क्ष्रं नरा ग्रीयः भेषः श्रुर्यः यदेषः श्रुपः यः वः देः वयः क्ष्णः यहिरः दुः यश्रुरः द्री रे-दे-हे-क्रेर्-य-य-त्रेम्य-य-र्ट्स् क्षे-य-य-र्वेम्य-यदे-क्षेम्-यह्र्राम्केयामायाद्र-यः लव.स् । रे.केर.लट.बर्.कं.र्ब्रट्य.पंज्याया ग्रंबर्य.पर्या वट.क्व. त्रेयतः न् धतः ने हे ज्ञेनः नु . खुला न् मः लेयलः ने नः नु . खुम्लाधः यः यः व्या ग्रीः चरः नु . हे . कुम्लालाल यम्यायरम्यायव्यायदेर्द्धयानेरन्नायानेरानेत्वे विश्वेत्रः श्वेत्रः श्वेत्रः स्वात्यायान्यक्षेत्रः वरः द्वः विश्व है। क्षेन् यहूर र्र इंग श्रि यविष तप्र श्रूषाय र्र वहरण पर क्षेर् पर प्रेष पर प्रेष्र पर पहरूर वियान्ता मेराधेदायदात्मा व्यवाग्यता नेतालयान्ता नेतालयान्ता वियान्ता ब्रुट्र प्राप्ति पर्दे हिन्या नव्यहे। हि हुर प्रयायया पर्दे हिन् श्री देव वर ने हिन्दे ८ह्रव.कु.चञ्च वय.घ७४४.कु.कूर्ट.लेफ.फ.केब.तर.क्रथ.तथ.स्.स्र-घ०५व.तर.के. श्चेर. र्. पुरा रूट. तेयता मेव. र्. श्चेट्या माया श्चेतामा ने श्चेर. र्. दे क्षेता यहट रटा हेया हा बद्युद्र धरे थि र त्य चे र ध थे व ला वर में के क्रेया यर दे दे के क्रया बहर धेव दें।

बेयामहारया भेरा हे*ॱक्रेन्*ॱसॱस⁻द्वेन्यः धदेॱवेॱन्*न्यः न्रः क्र्नः* अर्वे*रः न्रः* हु*न*ः तन्त्रेलःनुःत् श्रुनःद्धंलःइ अषःहेःक्षेप्तःलःन् श्रेष्वःपःइ अषःन्दःत्रः परः षश्चरतः स्रं। *भैव*ॱञ्चरुरा रूरः क्रूं पर्या ग्रैयायद्रेव सुपाव से या से या है गायत हो वा पर देवा परा सुरा परा स र्थे:शॅर-हॅ न्। पदे:८्ध८:श्रॅंबाग्रे*श:रद:श्रॅंचरा*ग्रेश:इं:न्डेन्।य:दर्देद:य:दर्देदी:बैं বা न्वरा शुनः पर्दः ऍदः हदः धेदः द्वा । दिः क्ष्रः ले न्वर्यः येन्यः परः शुनः यः लेनः नेवः न्धरः व नवराक्त कर्रा दुर्व मूर्व क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र देश नहिर्मा नि स्थान स्थान विवय प्रदेश में मार्च सार्म स्थ <u>र्धर् क्षें याचेर् प्रते क्ष्ण्यावेरः क्षेत्राधरायम् व्रीते व्यत्ते वर्षे पर्णे वर्षे पर्णे वर्षे वर्य</u> *ॱ*ॿॱज़ज़ज़ज़ज़ॹऄ॔॔॔॔ॸढ़ऻऄॱऒ॔ज़ॾॺॱय़॔ॸॱॸॗॴज़ॾॗ॓॔॔ढ़ॺॴ ने.ज.र श्रेगदाः हें র্ষ্বান্দ্র প্রত্যান্ত বিষ্ট্র বিষ্ট বিষ্ট্র বিষ্ট্র বিষ্ট্র বিষ্ট্র বিষ্ট্র বিষ্ট্র বিষ্ট্র বিষ্ট্র त्र्यात्तेर्नाराश्चेत्राष्ट्रवाष्ट्य रणलायः स्वराप्तण्यायः वर्षा व्ययः यावतः गणतः नृषाः सः सुः तुः तः वेयलः देगः केरः गणलः **ब्रि:र्ट:ब्र्ट:बी:ख्र्य:ब्र्ट:इय्य:धेर:ट्रं-व**:दहद:क्रॅब:ब्य:र्रु:च:श्र्व:बॅर:इय: यः तर्रः तरु तकरः विरः देः तार्दरः तुः न वश्यः यः दरः । धेर् : वेश्वः ग्रीः रः वा नु रः पर्वः खतः ঀৢ৾৽ঀৼ৾৽৻ড়৾৾৾য়ৼঀ৾৽য়য়ড়৽ড়ৼ৽৸৽য়য়ড়৽ৠৢ৾ড়৽ঀঢ়ৼ৽৸৽য়৽ঀঢ়ৼ৽য়ৢৼ৽য়ৼ৽ৠৼ৽য়৽৸য়৾ৼ৽৸ৼ৽৽ दे.लट.रट.त्र.व्यं याच्ये बे.ल.श्रे.ल.श्रेचेश.त्र.व्यं वि.सं.ल.की.हे.स्य.की.हे. बि'गवरा'र् म'दशॅ'बैरः। रगरायायात्रे क्रातकराया में बर्यान्य विषया क्राया क्राया क्राया है स्वाया स्वराह्मर ॡॖॸॱ**⋾ॸॱॻॖॸॱ**ऄॱॸॾॕॸ॔ॱय़ॸॱढ़ॹॗॸॱॻॱऒॺॕॻऺॺॱय़ॱॗॗॸॱॴॸॱऻ*॓॓ॸ॓*ॺॎ॔ढ़॓ॱॿऄॖॺॱऄॸ॔ॱॻॖऀॱॸ॓॓ॸॕॎ

मन्दर्भते हु का कु तु ते र देवर हे नाया धरा छुटा चर् गुटा त हे ना धरा की तु या हो। कु पा ता क्षें वि: व: ध्रुं वतः चतः ग्रुटः व वतः कः देटः हुः पञ्चारवः याः व देः सः तुः तक्रदः पः हुः वः व्यदः प्रदेः सर-वन्। न्रॅन्-पर्व-देन्या वेषाग्री-देश-प-न्र-ष्ट्र-प-न्र्यूद-तु-बेन्-पर-व-श्रुन्-पर्व-क्र्न-**अ**ष:श्वाप:यानेत्रेष:यानहेद:दवायळर:दवीय:या **७८.५.**४.वाञ्च वाया स्वाया इसया यहतः द्वेषः नृष्टः यदः श्रवः र्वेषः श्रवः त्वः प्रतः द्वः यदः यदः यदः वः वे द्वेषयः हुषयः । च्नेया. द्वाया. द्वाया. द्वाया. यादा. यादा. यादा. यादी. यादी 到・ネタ・ほ・イト・日々・ロ・イト・ য়्वायाद्वात्त्रात्त्राः ने क्षेत्रः देवायाने त्यात्रदः चित्रं क्षेत्रः यत्रः देवाया चान्न वाक्षेत्रः यदेः **ऄ॒**रः२ नन्।चुःररःपद्येषः र्रः व्याषः धदेःरेनःचुःन्वेषःन्**ठेनःतुः**पञ्चरःष्यःररःपद्येषः ब्रेन् पर्वे ब्रेन् तर्मे नेया राज्येन पर्व क्षेत्र में। नि क्षेत्र या येन पर ने तर्म नि सामित न नर् पते क्वां वार्टा नहीं ने पते र्देन का जिल्ला निर्मा वहत र्दा कुरा वार्षा हिर् पर छी. म्बर्स्यर् पर्मायत् वर्षान् र्मायात्ररः प्रविदः स्तरः स्वार्ष्ट्रम् माराश्चे श्चे प्रतरः वश्चराहे। विरामविष्यराधरादेशमाने केराझरायाररावविदायेरायारेतायायेदायवे क्रैर.र्। ।लट.ब्रब्य.तप्र.र्ब.वि.वि.विर.विर.विय.दे.ज.रट.विव.ब्रेट.वर्प.ट्य. म.र्टर.रे.जूर.र् विर्विद्धराम.रे.कुर्.रर.विष्यूर्मरायद्धराम.लूब्राम.लू र्भा । ने ल'व'ग्वाचारार्स्रणल'ने 'क्षेत्र' भूत' प्रते 'छे' व्याय परिन्या परि द्वाय पर भूत' प दे.बेद.तीया.दे.द**्या._{ची.र्स्**ट.क्ष्या.बी.चेद्या.तीयथा.थी.पहिंदा.पष्टा.सीया.क्षेटा.च**टा.बीट**.खीदा.हीटा} मिते हिं मार वित्र प्राप्त कर मारा वृष्ट्व सामित्र वित्र है वर्ष वर्ष वर्ष कर मार कर कर मार कर है र वरायानहेर्पायावीरेप्ता श्वायाक्षात्रात्रात्वरावाधित्री स्रावन्त्वित्रात्री।

न् ने प्रमेशन् में द्रायान द्राया क्रम् प्रमेश क्रम् प्रमाणिक क्रम् प्रमाणिक क्रम् प्रमाणिक क्रम् प्रमाणिक क्रम देते क्रे स्था के तर् स्थर तर्दर दे। ५८ वर महा च मा मे पर मा बेर पा क्षेत्र म ळ्या.ग्री.चर्चा.त्रर.ग्री.र्स्व.जा.र्य. त.रंटा.प्रेया.पंष्ट्रय.ग्रीया.पंष्ट्रय.ग्रीया.प्रेया.ग्रीया.च्रीय **₸**ॱਘ੮੶ॿॖॖॖॖॖ**⋠**੶ঽ৾৾**८**๗ॱढ़ॱड़ॖढ़ॱऄ॒ऺॴऄॖॵऄॱऄढ़ॱय़ॴऄॴऄॖऀ॔॔ॱऄॴॕॸॣॱय़ॸॱढ़ॶॕॱॻॴॺॕॺॗॴ**᠁** *፞፞ጚፙኇ፠ጟ፟፟፟ጜጜ*ቜ፞ጟ፞*ጜጜጜፙጜጜጜጜፙ*ቜቔፙፙኇዺኇዺ য়ৢৼ৾৽ঢ়৾৾৽ৡয়৽ঢ়ৢ৾ৼ৾৽ঢ়৾৾৽ড়য়৽ড়য়৽ড়য়ড়৽য়ড়ড়য়য়৽য়য়৽ড়ৢয়য়৽ *ৡয়*ॱ*ॺॺ*ॱॸ*ৡॺ*ॱ॔ढ़ॱॺॖॺॱॸॣॸॱऄॖॱॺॱढ़ॖॸॣॱढ़ॸॖॸज़ढ़ॸॣॿॹॷॸॱॺॱऄॺॹॱॾ॓ॺॱॻॱऀॺज़ॴ द्ररास्तानञ्चेषयाः श्रुवाः वृत्रान् कृतानः वृत्ते अपरावः त्रेरा वृत्तः वृत्ते वर्षाः विवृ *ऄॺॺ*ॱॾ॓ढ़ॱय़ढ़॓ॱॾॖॱढ़ॱॹॗॸॱॴढ़ॕढ़ॱॺॕॸ॔ॺॱॾढ़ॱज़ॱॸ॔ॸॱॻऻढ़॓ॸ॔ॱॻऀॸॱऄॗॖॱज़ॱॴॿ॓ॱढ़ॕॸॱॸ॔ॿॱॷॺ**ॱॱ** दे-वलः इ-द्र-ल-ख्रन्य पः सुव-दे-ल-द्रिद्य-ध-द्र-बळ्द-केद्र-घ द्रि-स्व-तु-क्रु-*ऀ*ष्टे[.]बे.¥्ब.त.दे.ब७ब.त्र.त्वब.त.द.५५व.४.वे.बे.बर.२.बे.ब.त्र.ब.क्ष. २् श्रेलःन्वलानः न्राष्ट्र न्थेन् स्या । प्रत्यः सः दे हिरःन्दरः अदे दरः दुः हुन्नेन्यः दयः **के.**ब.ज.चल्वा.चळ.चक्षेश.तपु.चैर्या.त.र्ट.पर्ट.च.सूट.चपूरे स्ति.च.सु.चक्ष्ये.चे**र.** *न्*ॹॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॹॱय़॔ॱॸ॓ॣढ़ॱॸॱढ़ॹॱॸढ़ॗॹॱय़ॱढ़ॗॱढ़ॱॹॖढ़ॱॾ॓ॱॵॱॻऻॳॻऻॴक़ॹॻॗॶॗॗॸॱॸॱलटः बहूट.च.द्रट.चद्र। १२.५५.च.५.ध.६्रच.ज.भेश.धे.चद्र.ह्य.ध.बधेय.ल। चेल.ज.चक्रेथ.च.४८.मी.स्.स्.क्र्बा.स.लुव.तथ.बुव.क्र.लूबा.क्श.बिधरथ.धे। **₹₫₫.** इता शुः शं हु द . स्या । देवा गृह्या । स्वा साधि द्वा साधि द साम स প্রমব:এথ क्ष्यः सारः क्र्यः च नर् स्यः च वृष्ठः भूषः ययः च वृष्ठः वृष्षः वृष्ठः वृष्ठः वृष्ठः वृष्ठः वृष्ठः वृष्ठः विष्ठः वृष्ठः विष्ठः विष्ठः वृष्ठः विष्ठः विष्यः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः विष्ठः

म्बिबारा है हिना ने महेरा हिर होता परे हिता है। ने महेरा सुना परे कर् ही अन्तराकुःन नृत्रः द्वरः द्वरः द्वरः माने वर्षा स्वरः वर् नुरः नुष्यः कुर्वे वर्षः वर्षः नुरः वर्षे वर्षः वर्षः द्व-दे-बद्धेय-द्य-तर-ब्र्य-तर-व्यय-थ्रा विद्-लटः। वय-क्षेत्र-व्यत्-व्यः व्याः व्यात्त्रम् त्रेक्षत्र्वा धरात्युरावयाने विः ह्यावीः विः गवयायाने वा वयान्यान्या क्षेत्र चुल य द न ब्रे बल हे . यह न या या सम्बन्ध यदे . धेर चेर . पहेरे . रब या स्रो में . य तरे त्ययर.मेथिरय.तथ.लूर.वेर.चधु.च.रूर.च ४८.त.केर.केथ.तपु.क्र.चेर.पंडेल.टी.पर्यू. है। रे.लट.र्वर.ध्रुंब.वेथ.तप्र.थवर.पह्च.ध्रुंब.वेथ.वेट.पश्चेरथ.च.रं.खु.चेंच्य.घ्च. प्रमान्तर्मर वियाव नुरात्तिया प्रमान्त्र विष्या ख्रिययान्वयायाः इत्यादाः नृषाः द्वाः व्यवः वद्नः द्वे हो। व्यवः वर्षः वव्याः वदे द्वाः वः नृषाः **इ.बट.**लुचे.त.ह्य.तर.बैट.कुट.कुट.ट्र.पह्रच.ल्य.थे.बीच.त.ट्र.पाच क्रेच.स्थ.केब. मवे वेयारमाक्रयाह्म पराववेदायायारमातु निह्न व स्वास्याया यर त्वेत् पर्दे दे त्यस रह में रहर में रा रह मा पर त्र स्थान सेत् पर त्र मा पर सुर चेत्रे-श्चंब्र-श्चेयः क्षेत्रं क्ष्र-पश्चंब्र-प्रचेव्यः प्रचेव्यः प्रचेव्य

वयाक्षे हॅ न. धरः नवन के र ने या धरः र छ र क्षेत्र दे र के र खे शहे न थर दे व धरे । इया पर हैं न' प: रूर प रुवा पदे 'न व्यापा प कृष 'या र वे यावा पदे 'क्षेन 'यावे र 'न के वा गा ବ୍ୟଷ୍ୟରି ଛୁଁ ଅନ୍ତର୍ଗ ପ୍ର ଅନ୍ତର୍ଶ୍ୱ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର୍ଶ୍ୱ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ଶ୍ୱ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ଶ୍ୱ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର ଅନ୍ୱ ଅନ୍ତର ଅ नठर्'पदे चुव ग्रीय खॅट नदे | दि व सर वे गवया ग्रुव वया संस्था स्वर प्राप्त रहे ग्रापित र स्वर अवानुषान्वताकातम् वारायाः मन् वारायाः मुवाना ने वे ले गवराया श्वा तपु.र्ह्च.री.लट.र्ट.लट.री.रेनेर.तपु.अघर.पर्ट्च.तपु.श्रेण.श.वेथ.वे.वे.वेय.पंगीय.. श्चीर्या वि.मवयःहेर्वयःवे.र्ने.केरः चयःवयः पञ्चयः पञ्चयः पयः वि.मवयः प्यापः परिः विर् न हुत्र पा धेत्र पता तनाता चेत् छेटा। निव्द धटा हुना अर्हेट त् गुन पते हूं रूपा दे अ वनःनी-न्धुनःक्षंत्रःग्रीतःक्षःन्देनःपत्तेत्रःपत्रःक्षत्रःपतिःश्रमत्रःगदेनःधन्ःपत्रःनेःत्वत्रः चथ्रक्षयाताक्षे क्षेत्राथर्व्यस्याग्चीयायत्रक्ष्यः मिल्यान्तराष्ट्रम् । मदे होता या ग्रुया द वि म दया द शुना की होता वि म दया हे न दया दे न म द्या होता हो या श्री या हॅन्।यात्रेवाक्षेत्र्वास्याम्मात्त्राचन्।यात्रेत्वेत्वेत्वेत्वावात्वत्यारेःर्द्राप्तेःरेवेःर्वःतुः श्च.पर्योयः तपुः रे परः में विश्वतात्रः विश्वतात्रः विश्वतात्रः विश्वतात्रः विश्वतात्रः विश्वतात्रः विश्वतात्र ग्रैल-८न्द्र-तप्तु-वर्ष्त्र-तप्त्रम् निष्ट्रम् अस्य विष्यः विषयः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विष नव्याश्चराक्षाक्षेत्रम्यास्त्रम्याश्चरायदेः स्वातुः न्ध्रातुः न्ध्रातुः विकास्याः न्यात्रात्रः न्व्याः स्वात्र ロデ**す.丸.、美ロか.ふか.そとか.お.女と、ロか.女.女**.女子、美山.たち.もか.エロ.別か.おと.そ........ <u>२५२.ततु.रत् २५२.त.५.कुर.कुर.कुर.क्ष्र्य.कुर.त.कुर.त.कुर.त.कुर.क्ष्र्य.कष्</u> चरा बुदः दर्शेषः भदः ने वरा दर्शेषः भवा । ने वे क्षेत्रः कुः श्रेः न्यः नवरा धवे केटः व.तर.बेव.कर.पञ्च.च.चब्च.२.ववशक्च.च द्व.त्रुव.त्रुव.त्रुव.त्रुव.त्रुव.त्रुव.त्रुव.

८.५.५४.५%। व्रमायराययामी साम [.]प.वेल:गड़ेद:प्रहेद:ह्रंख:य:ह्रग:परा:देवे:पर्:प:पठर्। ने वदान्यायाया क्षेत्राया ॱऄढ़ॱ*ढ़ॸॕॸ*ॱॸॱॾॕॺॱॺॱऄढ़ॱय़ॱॸऄॗॖॸॱढ़ॱॸॆ॒॓ॺॱॹॗढ़ॱॸॖॱॿॗॖॸॱय़ॱॺॱढ़ॸॱढ़ॺॱॹॖॺॱॸॺॱॸ॓॓ॱॸऄॗॗॸॱॱॱ पति क्षेत्र-तुः न्वाय कुरा कुर्या क्षेत्र कुरा कुरा पति क्षेत्र कुरा विकास कि स्वाप्त कि स्वाप्त कि स्वाप्त कि स ॕॕॺ॔**ज़ॱढ़ॱढ़ॹॱॾॖ॓ॱॿॱॺॱॸॕढ़ॱॺऻ**ऄॖॸॱॸॖॺॱय़ॕॱॿ॓ॱढ़ॹॗॸॱॸॺख़ॺॱॿॕॸॱय़ॱॸऀॸॱॸॖॗॱॿ॓ॱॿॕॸॣॱॱॱॱॱ <u>ॱ</u>5वॱपदेॱह्वंॱऋषःबः**ह्वे** प्रतःश्चुपराग्वाश्वयःग्रीःष्वं पृत्रः । व्यः । व्यः । व्यः । व्यः । प्रतः । प्रह्वे द्ःःःः ·ॴॱऄॗॖॻॹॱढ़ॺॕॖॱॺॖॕ**ढ़ॱक़ॕ॔॔ॱॱॻ**ढ़ॆॱॺॣॕॺॱय़ॱॴॱॻ*ॺॹ*ॱऄॄ॔॔ॸॱॸॗ॓ढ़ॱॻॷज़ॱॿॖॱॴॱॻॷॖॸऻ *ॱ*ॸ्ॴॸॱॾॕख़ॱॿख़ॺॱॸॸॱॻॖऀॱॿऻढ़ऀॱॾ॓ढ़ॱय़ॕॱख़ख़ॱढ़ॼॹॱॵॸ॔ॱॾ॓ख़ॱय़ढ़ॗॱॸ॔ॱय़ॱॾॣॕॱय़ऀॱॹॱॿऺख़ॱॱॱॱॱॱ चक्किर्'यामह्रद्र'यर'द्वराहे। र्वे के'र्वे पद्वे पद्वे पद्वे प्रतान हैं वे स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार ॱॴॺॱॸॖऀॱॿॗ**ॺॱॸॖऀॱ**ॿऀॻऻॺॱय़ॱॿऀॻऻॱॾऻॱॱऻढ़॓ॱॸऄॗॹॱय़ऀॱढ़ॸॱॸॖढ़ॱॾॕॴॱऄॕॸॱॾॺॹॱॾॻॹॱॹॖख़ॸॖॱ न.च.र्ष्ट्रन.च.श्च.रंट.वु.रंग.मु.केय.रंश्चयया श्रर.रं.वयश्यका र्ष्ट्रन.च.श्चि.पय.श्च.कु. -मह्मरः वरा ने श्वॅरः वर्ने नः महेरा या श्वेदः धः पश्चेतः । वर्षेत्रः मः यदा श्वेयः पश्चेयः पश्चितः य

न्युबरश्चे त्यारे वाच प्रदार विदाधन पर तु स्तर वीवा नदाविवा न्या स्वीवा स्वीवा विवास स्वीवा स्वास स्वास स्वास स्व त्वन् पर चुर्दा १ने : क्षेत्र क्षेत्र त्वेर वे क्षेत्र क्षेत् वैत्-श्चैत्-बळॅत्र-क्षुद्र-ब-हे-व<u>त्</u>-व-ते-व-वैद-तु| अः इ अत्र-ग्रुट-ते-व<u>त्-</u>वर-सॅट-व-धेत्-व-च्याते। च्ययामार्टाक्षेटाहेते.झ.च.ठव.वटाख्याग्री.श्रयशासुट्यायादरे.हे.क्रेु.वात्वर् र्ट.पर.पश्चर.प.लुव.सू। रि.ज.ब्रूट.पद.स्थ.त.घव.वेब.श्चर.जस्.य.स्.वेथ. न्तुरःल। रेते.पञ्चनःचुःलःतनर्वतःञ्चँदःधःठःगह्नदःचु। रे.दतःचुरःतेयतःग्रेःर्चुरः न.प्रचय.कु.च.इ बय.बवेब.ज र्वेग.पर्वेग.मु.अक्ष्रयाः इष्याः भेषानाः नटः हे ताः श्रूपः त्र्रा त्रवास्य प्रमुत्। त्रा तेर्ना क्षेत्राय कात्र व्याप क्षेत्राय के वात्र व्याप का वात्र व्याप का वात्र वा য়ৢৢৢৢ৴য়ৢঀ৾৽ঀৼ৽ঀৢ৾ঀ৽ঀয়৽ঀৢঀ৽য়ৢঀ৽য়ৢঀ৽য়ৢঀ৽য়ৢঀ৽য়ৢ৽ঢ়য়ৢ৽ঢ়য়ৢ৽ঢ়য়ৢ৽ঢ়য়ৢ৽য়৽য়৽য়ঢ়য়ৢঢ়ঢ় BL. nz. 2. s. Gr. u. du L. n. Zu. n. v. Ju. u du 2 크리·디·율도·석립도·스스·실회. चुतः इ यतः ग्रेतः य^{ः क्}तः यः तः तन् न् केटः क्षेत्रः दत्र हो रः तक्षतः यः तः तन् न् न् । ने : दतः सर.बुद्ध. च. श. बेडेय. प. विर. तर. री. पश्चित. र्मूय. तथ. प्याय वया बेट दे.श्वेर. पी बेया पा शिवरा... चर.वेथ.प.धेर.इ.पहूब.चश्चेच। चर्च.बुर.त.चेथ्य.ग्रे.के.च.≟च.करं.रंट.वेप.चरु. इय: ८ च. १८ च. १८ ५ . जी. १८ ५ १ *केन्:प:न्न:क्वः* व्यान्त्रःग्वयाः क्यः क्वेटः पदेः क्वेटः क्ष्य. इय. रेची. मेथा. तर. वैथा. या. पश्चिरः हें। 1रे.पर्.पर्यःमश्वामहत्रःर्यः विश्वास्यः न्द्रेयःयःबे क्ष्मःमे अरः पह म्यायः यः धेवः मु। धरः धेवः घः अः नृदेशः ययः सुरः पः बिमः येदः चला चरारते अर्था की र इं बाचा म तुराव लारे दे प्रमान चुराय श्रुपा मदे म लेगा वृद्धा प्रमान में *विदे*.लट.प्र्ये.अ.प्र्ये.अ.पश्चेंच्या.यीचे.मूट.अ.मूट.अ.ज.व्या.पर्ट्या.पर्ट्या.पर्ट्या.पर्ट्या.पर्ट्या.पर्ट्या.पर् **Ť**I

चुर-व-मव्द-त्-स्र-प-धव-ग्री रूपाइयया है। यद येत्। यर वेयया ग्री-मवया करेर वय *न्द*ॱक़ॖॱॸढ़ॎॱॿॕॱॸॱढ़ॹॱड़॓ॱॴ*ॿॖॹ*ॱॸॹॗॿॱक़ॕॱॻॖॹॱॻॖढ़ॱॻऻढ़ॸज़ॕॱऄढ़ॱढ़ॖॱॸॗॴढ़ॱॸॺॴॿॹ ग्रुःसुलाध्यम्पाद्धः ह्र्मलायः सःबेषाः यः देवः सः दर्दः द्र्मलः सः धेवः द्वी दिः ह्रव्यलः ङ्गव्यः सदेः ळ.लट.क्र्या.त.ब्रैट.तर.वेथ.वेथ.ध्र.क्षाक.क.व्यव्य.ट्यूय.धे। पर्न.क्षेर.जवाल.पव्रिट. तपु.च नेथाने देव.जानीयाताक्षराचरा द्वराचरा द्वराचरा क्षत्राचरा व्यवा करा है। क्षा चार करा प्रवा ळे.पर्.जा.बर्षे अ.चे. क्.चर. ब्राट.चे.चे.चे.च.र.रच.प्रेष्ट.चे.चे.च.रच्चात.चे.चे.च.रच्चात.चे.चे.च.रच्चात.चे.च.च मञ्जास्य वित्राचित्रा विद्याचित्रा सद्भाय क्षा साम् स्राया स्याय स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्र देश.त.क्टर.च.लुव.क्षेत्र.री.चथवथाला ज्यात्वत्यःक्षेत्रायःलाम्ड.स्र.नी प्रस्रायः यवतः नृषाः ताञ्च । नृष्यः स्ट्रायः स्वः वरः यः द्वः वृत्रः ग्रीः श्चेषः दवः त्वः त्वः त्वः त्वः त्वः त्वः त्वः व वेया न्येन्य इस्यान यथ। डि.डेन् खेयया ठवः ग्री. न्व. दु.डेन् पदेः श्व. श्वन्यः ५ न्ये क्षेत्रः व. इ.चे. कुष. ग्री. ब.प.कर. तथ. श्रूष. श्रुष्य श्रुष्य व्यव्य व्याप. प्रताय प्रताय प्रताय प्रताय प्रताय प्रताय क्षातायर्थाः वेथा.श्रुर.ता.पा.श्रेताता वेपटाशक्षेतासरायह्रवा सद्वातद्वातक्षेटाता स्वीवेथः रेबी..... न्य स्ट्राम्य देवाया भेषा ग्रीया सक्ष्य स्वर त्रहेव स्वर ह्रा यदे ह्रा या नु ए प्रदेश मृत्र प्रदेश मृत्र स्वर्या कर्राच भेषा या व्यायापर से.ची. रट. है। या से.ची.दे हें ट. हेर् या में हैं हैं हैं ट. हेर् या में हैं हैं ट. हेर् न् क्षेत्रायाः सः त्यः क्षेत्रः पदेः क्ष्यः ग्येदः वी ख्वः नुः श्वरः सरः द्वरः वि क्षाः पदेः ग्वराः कः ः ला गुष्ठः दरः श्रुटः चरः में टा या इयता गुष्ठः हो। देता यह व तता या प्रदास वता गुदः वेयायराचुःया वर्दरावः ध्रुणयारे परावरावार्यरापरा कुर्र्र् वे प्यते ध्रुणया ववया ठर्यः चभूल.२.२८.च.धुन.८मूल.४। श्रिय.मे.कुर्य.सपु.लय.मे.५स.स.लय। **골도.쭇**ㅂ. - あまれ、たれな、繋ん、れ、あれ、ちな、スロ・カ、大・ガ・みず、お其た、れ、手・ディ・ロダム・たな・発ん…

नन्-चेद-है॥ ॥

चेष्ठेयायाः विराधारा स्ट्रेसे हिते होना या ता नहीं निया होता होता हो। दे हिरा वर्षे हिनाया महेलामदेःत्वसाम् इत्राचास्य वर्षातास्थित्यः यदेः त्वाः तृः देः महेद्वः श्रेः स्टरः महाराष्ट्रस्वादाः स्वादाः यातह्रमायराग्चाह्री ययाने दे केंद्राम वदा इयता यता केता मेदा हु न मेंदा यान्य हु राज्य **इ**च्या चे वे व्याप स्था के दे त्या के के त्या के के त्या के के कि के के कि ব্যরাষ্ট্রব.বাথা. मेथिरथ.स.क्षेत्र.च्र्या.त्रत्र.च्रि.त्र.च्रि.त्र.च्रि.वर्याय.च्रियथ.स.ध्रयेथ.च्रीयःवर्षेयः..... चर्तः यळव दे न स्यायवत करा चालेन ता ने द्वार होन सम्योव की । ने वता हेन यर ही व चेर्-ग्रे-र्नर-कुर्-मेन्तरयायावयानम्-स-विग-गैयाकुर-श्वेष-मर-छ। . रे-वयारेते के चर्चर.चर्ष.रथ.क्र्च.रट.क्र्ब.त.क्ष्व.त.क्ष्व.त.च्य.व्य.च्य.च्य.च्य.च्य.प्र.च्येर.क्षे क्षर: नवः व्यनः वःश्वरः न्नरः तुरः गुरः। व्यवः ग्रेः व्यवः न्वः ग्रुरः वः श्रेः नः वः क्रेवः व ग्रदः च मुः ल में ल द्रदर श्रुर तक्षेत्र पदे च पत्र म्यल मुख्य पुः हो। दर्र र्ग है । यर्र र्ग है। मोदी-ताय-दे-रमा-अर-द-प्रम्यासः अम्याः स्वायाः स्वीयः प्रदे-विर्म्यः स्वायः प्रदे-विर्म्यः स्वायः प्रदे विर्म्यः स्व र् । पहन्न.र्याय.इ.चतु.कुर्.जया क्ष्य.विश्वयायक्ष्याया.विच.र्चर.व्या पर्वीयःत्र-ध्र-अ-वश्चिद्य-हे। बियःस्वीयःग्वीयःग्वीयःयःयःपद्वीदःसःवश्वियःवादःयद बेर्-धरःग्रुट्यःभेरः। इत्यत्र द्वरः व्याचेत्रः कुन् कुन् राज्यस्य व्याचेत्रः व्याच्याः व्याचः व्याच्याः व्या धर.चशुरुष:धकः व र्वाळेग'र्र'क्**ब**'म'श्रुर'वाबेर्'यदे त्यवाङ्गवायात्र्र्र्चर् वै। इन्तरा ग्री ह्या यरा द्या धरा द्या धरा द्या वर्षेत्रा पर विवता पर विवता पर विवता पर विवता वर्षेत्रा पर च शुर्त्रा सन्देशास्त्रवाता ग्री त्याया पङ्गिया सराचु ना ता **स्त्रीता सरा पञ्जीता** सदी रेसा सन्देशे र विरा য়८ःश.लबे.सपुः धरःवे.बुरःत्रः र्टः विषयः रटः श्चे.बक्चेरः तः रटः र वदः वरः वेषः पदः ... वः यतः नवेः इयः हे नः वरेः धेवः त। रेः श्रॅरः नवरः नवतः नरः खेवः नरः सरवः श्रॅरः इयवः ড়৴৽য়৽য়৻য়৽য়ৢ৽য়য়৽ৼয়৽য়ৢঢ়য়৽য়৽ৼ৾৽য়ৢ৻য়৽য়য়য়৽য়ড়য়৽য়ৢয়৽ঢ়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য় **३८.पश्र-्य वर्षाःग्रे.ञ्च्यायः वर्षाः तर्मः म्यायः म्यायः वर्षाः वर्ष** ततु. द्रवा. ततु. ब्रूं न् नु न् न् त्या ने न् न्या ह्याया पते. द्रवा मा कुन् हे विरया या न्या ঽ৾য়৾৽৾য়৽৾য়৽ৼ৾৽ৼ৾ৼ৽ঢ়৾৾য়৽য়ৢ৽য়ঢ়৽ঢ়৽ড়**য়৽** प बैट. च.¥ षय.श्रूब.८ मूं य.ग्री। ฃ҇ॱᠬॺॱॻॖऀॱ**क़**ॱॸॺॱदेॱदेयॱॴॕॗॗॣॣॖॖॣॖॣॖॖॣॖॣॖॣॖॣॖॖॻॣॖॣॖॖॣॖॗॣॣॖॖॣॖॖॣॣॖॣॣॖॖॣॖॗॣॣॖॣॣॖॖॣॖॗॣॣ **|**देतुःक्षेत्रःस्तात् व्रेत्रःश्चःब्रःश्चरः सदःत्यवःग्रेःसुत्रः यः इ यरा ग्रे प्र दे द्र प्र या थे दर्दे। ॕ**स्वायः यदेः त्रेबः यः बाक्रेयः ग्रीः बादर**ः चेदः यतः चुद्र। । यदैः त्वाः वैः यदेतः वेदः र्वयः ग्रीः क्षेः *चेथा.कंचेथ.पा.*पंटे*चे.* सप्ट.क्रें*चेथा.* २ था. क्षेत्र.स. लुवे. सत्या 型 4. たと、夕、 あ山4. 項. য়ৢ৾৾৽ঀৢৢৢৢঽ৴ঀয়য়৽ঽৼ৾৾৽ঢ়য়ৢয়৽ঢ়৾৾য়৽য়য়৾য়ৣ৽ঀৢয়৽ড়ৼয়ৼয়ৢয়ৄঀৢয়৽য়৽য়৽ঢ়য়ৢঢ়৽য়ৼ৽য়ৢয়৽ঢ়য়৽৽ मुल पर्दः मध्रवः यः देवः यः के नरः नरः ·ॴॳॳ.क़ॖऀॱक़ऀ॔**८.ज़.ॹ**ॳ.ਜ਼४.क़ॖऺॖऺ॔॔ॱऄ॔ॳ.ਜ਼.ॹॳ.ॳॣऻऻ 11

यर्गार्डेया

दे.लु.श्रद्येश्वत्तुष्ट्रत्वःष्ट्रश्चःत्रश्चरः यद्वेदः वाःस्यः श्वीयः श्वीयः तृष्टः शक्क्याः देशः स्वाः श्वीयः द्यंत्रश्चरः वाद्वेषः त्रंत्रः त्रेषः त्रंत्रः अटशः क्षेत्रः यद्यः श्वीदः यद्यः यद्यः विद्यः व्यापः व्यापः स्व द्याप्तंत्रः वाश्वेषः स्वयः स्वयः स्थायः वादः वादः श्वीदः यद्यः यदः विद्यः विद्यः यद्यः विद्यः यद्यः विद्यः यद्याः विद्यः यद्यः विद्यः विद्यः यद्यः विद्यः विद्यः विद्यः विद्यः यद्यः विद्यः विद्य

> त्रकाःमिरःश्वायकाःताःलूरमाःमिः विदेवाःचीः किषी। श्रुव यदे पार्च तर्मे व सूर रे पा मुं मुपार्मिनामा सेरानिक्रा प्राप्तिमा सेरानिक र् ઌ૽૽ૡઌઌ૽૽ૢ૾ૢ૾ૢૢૼૢ૽૽૽ૢ૽ૼઽ૽ૡ૽ૼઌઌૹ૽૽ૢ૽ૺ૾ૺઽૺૹઌ૽૽ૢ૽ૺૺૺ શુ.૮નીઌ.ઌૢૄ૮.દૂય.૧.તીય.ૠૂ૮.૦ય.થી न्त्रस्य प्रमेत के व र्पट में कुया में हो। चिट.जीचाश.कूट.ची.की.तू.वरी.चयु.ही रा रतजाः हें ब. जुर्चाश्वार राय स्वर राष्ट्र के अक्टूबर लुथी। निट.ट्रे.तिष्ट.कुरेश्यर.श्र.शह्ट.ग्रीस.स्री चारमः द्रुष्टः ह्यितः त्रुष्याः चरः सहतः यः वस्या र्द्धेचारा.यट्टे र.के.ज.य.य.ज.च वाट.कें.यत्.श्रमी रुषःसरःबिषाःमुः बुस्ययःसःसःशुरः द्वी। ट्रे.बस्य.चह्रब.त्रांठ्र.चाबट्र.बस्थराय.जीय.नी ह. त्रिबें अषिवे त्रंत अविषा के अवा वर्ता वी। ताथा.यंत्रट.वट्ट.ताट.द्रट.शू.ख्या.यंत्राःयेशकारी र्ष्यादे अर्घेट वया पद्मव या कुषा धुर र्

ह. त्रवुष. त्रुच्च प्राच्च प्रथा क्षेत्र. क्षेत्र. त्र त्र त्र त्र व्यक्ष प्रथा। ॥

ह. त्रवुष. त्रुच्च प्रच्च प्रथा क्षेत्र. क्षेत्र. त्र त्र त्र क्षेत्र. व्यक्ष प्रथा व्यक्ष प्रया क्षेत्र व्यक्ष प्रथा क्षेत्र. व्यक्ष प्रया क्षेत्र व्यक्ष व्यवक्ष विष्य व्यवक्ष विष्य

वसन्त्रसः श्चेष्यायम्बन्धर्मा

ता. इथ. कुथ. श्रकूच , व्याया शावित तात्या । वित्र ग्रीट , व्रेशका तार , व्यीर , त्रुप , व्युप , श्रक्च , व्याया , व्याप , व्य

इ.क्रय.त्रा.ल्य. प्रच.वर्श्चेर.त.ल्या । त्यय.चर्तु.व्यप्टेर.च्यायवाचर.व्रेर.तर.पूर्व । यया.चर्या मैज.चतु.भट्.वेंट.वत्त्रेत्र.जत्राजता जिच्याचीच.वेट.क्वेच.जत्राक्वी.द्रश्र.तत्रा.वीट.। विर.वर्ट्ट. इसरा की कार्या के प्राप्त के प्राप्त में प्राप्त कार्य सह राम के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प त्तुःश्रविषःक्रेषः व्यानि १ द्वारा विर्याताक्रिषः स्वानि । क्राः स्वसः गीष । क्राः स्वसः गीषः । जाकुरा.ह्येट.पर्वेश। व्हिंज.प्रुंध.ह्येंच.ज.प्रुंध.त.ट्र.कु.कु। निष्ठी.र्द्धथ.क्ष्मा.कुरा.ट्रेग.पे.मूंग्या मुर्-इटः। विग्रःभूषःमुक्तःमुक्तःमुन्यःगुर्वात्वात्रःमुन्। ।।द्रेषःमुवःवदःनासुरःस्वःस्यःस्यः त्तृ भें म्र. त्रकूर्यात्र व्याप्त मिष्ट स्तर त्या स्त्र प्राप्त क्षेत्र त्या स्त्र स्त्र प्राप्त स्त्र स्त्र स्त्र प्राप्त स्त्र स्त्र स्त्र प्राप्त स्त्र स्त् क्वायमक्रीद्रभागत्त्री क्वासम्बद्धन्त्र्व्याह्न्याह्नां स्वनं त्वेषात्रयात्री कुवास्याः क्वेन्यायः हेर्न्यून्य तर म्हिट्बार्यकार्तुत्र र्ट्य म्हितातवास्त्र तात्त्विय र्टी. ही वायात्र भवायात्र वायात्र हो। वर्त्ते तात्त्र र ब्रबःपङ्गब्रःयःत्रेबःयाक्तेतःसःव्यवाःन्यःयः गुरःयःन्त्रीवः अर्क्ववाःस्वावेअसःन्तः। ह्वि नुषःग्रीःह्यःवर्स्व स्थसः ঘরিইবাধ্যম'ন্দ'ঝুদ'জীর্ম্মবাদ্যব'দ্যব'মিক্ট'নু'মধ্যমন্ত্রব'মধ্য'ল্দধ'দ্বি'ল্রিন্'গ্রী'ইথ্য'নইব'র্মধ্যপণ্ডি'র্ন্ত্রিন্'ব্যক্ত शह्रता चेष्ट्रच.मे.चर्ष्ट्रच.त.इच.त्.कुष्ट.वियःवियःचताः श्रु.सेट.चेषःचतुः स्त्रट.चेषःक्ष्रिः ह्याकःचतुः वमेशनाहेब्राश्रेष्रभाग्नित्रवाक्रेष्ट्राञ्चेत्रवाक्ष्यक्रमान्द्रवाचान्त्रवाच्यात्रेष्ट्रवाचान्त्रवाचान्त्रवाचान चयु चर्याय द्विया प्रमाप क्षिया है पर्देश रियाम ब्रथा भवित अक्षर स्था तार्या क्षिया प्रमाण क्षिया वित्र स्था है । ह्या। ॥

दाना-प्रचट-प्रमुट्टा निट्ट्य-प्रकेश-प्र-दुर्थ-प्रमुट्ट-प्रकेश-प्र-दुर्थ-प्रमुट-प्रकाश-प्रमुट्ट-प्रकाश-प्रमुट्ट-प्रकाश-प्रमुट-प्रकाश-प्रमुट-प्रकाश-प्रमुट-प्रकाश-प्रमुट-प्रकाश-प्रमुट-प्रकाश-प्रमुट-प्रकाश-प्रमुट-प्रकाश-प्रमुट-प्रकाश-प्रमुट-प्रकाश-प्रमुट-प्रकाश-प्रमुट-

तर.वैट.ब्रुॅब.कुवाब.चर्षवाब.ब्रा

ट्रमान्त्र्यः ह्रिनः क्रमाः मृत्युः द्रमाः ह्याः ह्याः ह्याः ह्याः प्रमान्त्रः स्वाः प्रमान्त्रः स्वाः प्रमान् इसः स्वाः प्रमुद्धः ह्याः मृत्याः स्वाः द्रमाः स्वाः प्रमान्त्रः स्वाः प्रमान्त्रः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्व With bad advisors forever left behind, From paths of evil he departs for eternity, Soon to see the Buddha of Limitless Light And perfect Samantabhadra's Supreme Vows.

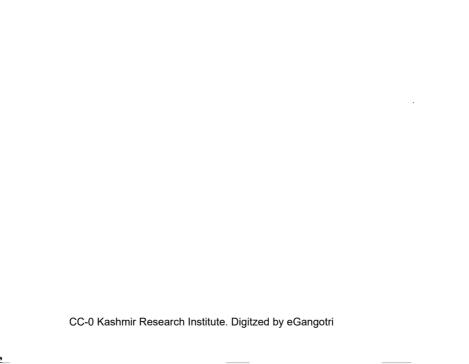
The supreme and endless blessings of Samantabhadra's deeds, I now universally transfer. May every living being, drowning and adrift, Soon return to the Land of Limitless Light!

The Vows of Samantabhadra

I vow that when my life approaches its end, All obstructions will be swept away; I will see Amitabha Buddha, And be born in his Land of Ultimate Bliss and Peace.

When reborn in the Western Land, I will perfect and completely fulfill Without exception these Great Vows, To delight and benefit all beings.

> The Vows of Samantabhadra Avatamsaka Sutra



DEDICATION OF MERIT

May the merit and virtue
accrued from this work
adorn the Buddha's Pure Land,
repay the four great kindnesses above,
and relieve the suffering of
those on the three paths below.

May those who see or hear of these efforts
generate Bodhi-mind,
spend their lives devoted to the Buddha Dharma,
and finally be reborn together in
the Land of Ultimate Bliss.
Homage to Amita Buddha!

NAMO AMITABHA

南無阿彌陀佛

《威文:菩提道次第廣論》

Printed for free distribution by

The Corporate Body of the Buddha Educational Foundation

11F., 55 Hang Chow South Road Sec 1, Taipei, Taiwan, R.O.C.

Tel: 886-2-23951198, Fax: 886-2-23913415

Email: overseas@budaedu.org.tw

Website: http://www.budaedu.org.tw

This book is strictly for free distribution, it is not to be sold.

Printed in Taiwan 12000 copies; December 2000 TI002-1917

